



JAMIA MILLIA ISLAMIA, Ref NEW DELHI.

Class No. 491.434

Book No. 152 J4:1

Accession No. 3042

वृहत् पर्यायवाची कोष

संब्रह्मर्का तथा संपादक भोलानाथ तित्रारी एम॰ ए॰, साहित्य रव

प्रथम संस्करण, १६५४

प्रकाशक :—किताब महल ५६ ए, जीरोरोड इलाहाबाद । मुद्रक :—सदलराम जायसवाल, सर्माप्रटिंग प्रेस, इलाहाबाद ।

श्रदेय गुरुवर डॉ॰ माता प्रसाद गुप्त

को

साभार

श्रवतरिंग्विका

भाग संबंधी लेखों और षुरतकों के लिखने के सिल्सिले में स्वभावतः मेरा ध्यान शब्दा की ओर गया 'और तभी से मैंने पर्याया को इकट्ठा करना प्रारंभ किया था। आरभ में ये पर्याय केवल शब्दों के अध्ययन की दृष्टि में एकत्र किये गए ये पर बाद में एक वयोगृद्ध सरजन के आदिशानुसार में अपनी सामग्री को एक पर्याय कोप का रूप देने के प्रयास में लग गया। पर, काम इतना बिंग्वरा और अधिक या और तुद्ध परिस्थितियों वश में उधर इतना कम समय दे सका कि निर्धारित में दूने समय में भी कार्य समाप्त न हो सका। अतः स्वभावतः उक्त मज्जन के साथ हुआ निर्ण्य समाप्त हो गया और फिर चूँकि पर्याय कोप का कार्य शुरू हो चुका था, मैने धीर-धीर इसे पूरा किया। सतोष और प्रसन्नता है कि अब यह अपकर हिंदी पाठकों के सामने आ रहा है।

यह कार्य हर दृष्टियों से पूर्ण हो ऐसी बात नहीं है। हिंदी में इसके पूर्व उल्लेख्य पर्याप कोए केवल एक ही प्रकशित दुआ है और वह भी अधिकाशतः संस्कृत राब्दों का । सम्कृत पर्यायों के साथ हिंदी शब्दों को भी यथासभव समेट लेने का इस पुस्तक में प्रथम प्रयास है। साथ ही इसमें । पर्याय के अतिरिक्त विलोग भी प्रायः काफी रथलों पर दें दिये गए हैं जिससे यह येसारस की श्रेणी में आ जाता है। इस प्रकार यथार्थत हिंदी का यह प्रथम थेसारस है। ऐसी दशा में पूर्ण और वैशानिक बनना तो दूर रहा, याद अपने स्तेत्र में यह नीव के पत्थर का भी काम कर सका तो सुके पूर्ण साण होगा।

पुस्तक के विषय और प्रयोग करने के नियमों के लिए आगे के 'यह पुस्तक' शीर्षक की सामग्री देखिए।

पर्यायों के एकत्र करने, प्रेस कापी नैयार करने, अनुक्रमणी बनाने तथा प्रूफ देखने में भाई मुक्तेश्वर राथ एम० ए०, साहित्यरक तथा श्रीप्रकाश ने बड़ी सहायता की है। भी बिलास, भी निवास, हनुमान प्रसाद तथा महाबीर प्रसाद गौतम सादि ने भी कम हाथ नहीं बैटाया है।

पुस्तक में, विशेष्तः अनुक्रमणी भाग में प्रकृत्वं भी अशुद्धियाँ रह गई है तथा वहीं नहीं कुछ शब्द भी छूट गए हैं, जिनके लिए लेखक समा प्रार्थी है। शुद्धि-पण इंडिलिए नहीं दिया जा रहा है कि उछ अपवादों को छोड़कर प्रायः लोग उठका उपयोग नहीं करते, अतः देना-न देना बरागर हो जाता है। पुस्तक में कुछ क्रम-संबंधी अञ्चलक्ष्याएँ तथा पुनराष्ट्रियाँ भी हैं जिन्हें दूसरे संस्करण में ठीक कर दिया जाया।

[?]

पुस्तक के लिखने में संस्कृत के प्रसिद्ध कोष श्रामर, हलायुध, मेंदिनी तथा हिंदी के नाम-माला, विश्वकोष, हिंदी-शब्द-सागर एवं पर्याय-कोष श्रादि से बड़ी सहायता मिली है, यद्यपि श्राधिकतर प्रचलित हिंदी पर्यायों को सोच-सोच कर श्रापने समरण के आधार पर ही एकत्र करना पड़ा है।

सुभावों श्रौर सम्मतियों के लिए त्रानुगृहीत हूँगा।

२ जनवरी १६५४ हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी

यह पुस्तक

श्राजकल प्रायः कोषां में शब्द ध्वनि या श्राचर-क्रम ने रक्खे रहते हैं। ऐसे कोषों में शब्दों को खोजने में श्रासानी रहती है। पर साथ हो ऐसे कोषों की भी उप-योगिता कम नहीं है, जिनमें श्राचर-क्रम में शब्द न रक्खे जाकर त्यों में पर्योग रूप म रक्षे जाते हैं। संख्या के पुराने कोषा म यही परपरा मिलती है। श्रामेजी में श्राच-कल इस प्रकार के कोष 'थेसारस' जह जात हैं। थेसारसी में पर्योग के श्राविश्कि बिलोम शब्द भी दिये रहते हैं।

सामान्य कायो श्रांर थंसारस या पर्याय कायो के प्रयोग में बहुत श्रांतर है। जब हमारे सामने काई ऐसा शब्द श्रा जाता है जिसका श्रार्थ हम नहीं जानते या जिसके श्रार्थ के संबंध में हमें निश्चय नहा रहता तो हम सामान्य कोयों की सहायता लेते हैं, पर दूसरी छोर जब हमारे हदय में कोई मात उठता है श्रीर उसकी श्रामिव्यक्ति के लिए हमें उचित श्रीर संग्रेक शब्द की श्रावश्यकता पढ़ती है तो हम यंसारस या पर्याय कोय की सहायता लेते हैं। इस प्रकार कवियां श्रीर लेखकों के लिए वंसारस या पर्याय कोय अपिरहार्य है। विद्यार्थियों के लिए भी लेखन कार्य को दृष्टि से इसके महत्त्व को श्राम्बी-कार नहीं किया। जा सकता।

प्रस्तुत कोष प्रचलित पर्याय कोषा से इस बात में भिष्म ख्रीर ख्रामे हैं कि इसमें यथा-साम्य ।वलोम शब्द टेने का भी प्रयास है। निलोम दो दम से दिये गए हैं। कहीं-कहीं तो शब्द के ख्रास-पास हो दो-चार छक ख्रामे था पाखे दे दिये गए हैं ख्रीर कहीं शब्दों के पर्याय दने के बाद 'वि॰ या 'विलोम लिप्तकर विलोम शब्द दें दिया गया है। ऐसी रिधात में जिलोम शब्द को अनुक्रमणी के ख्राधार पर मूल पुस्तक में खान्यत्र उसके पर्यायों के साथ लोजा जा सकता है।

अंथ तीन भागों में विभक्त हैं। अयम भाग पृष्ठ १ से २४८ तक मूल पुस्तक हैं चिसमें ६ वना में शब्दा के वर्गाय (वर्णातृत्रम से) और यक्तस्थान विलोम शब्द दिने गए हैं। वृक्षरे वर्ग में अनुक्रमणी है। पहले मूल पुस्तक में आये सभी शब्दों को अनुक्रमणी में भ्यान हिया गया था, पर यह देखकर कि पुस्तक अनावश्यक रूप से वर्गी हो गई, अपनिकाल शब्द अनुक्रमणी से निकाल दिये गए। ऐसा करने से पुस्तक की उपनोगिया में काई भी कम्म नहीं आई है और साथ ही आकार में यह प्रायः आयीकी वा सकी है। अनुक्रमणी में न दिने गए शब्दों के विषय में कुछ और वारों क्या देनी भी आवश्यक है। अनुक्रमणी का संपर्धन यह है कि वह किसी को किसी शब्द के वर्णीय वा विलोम

शब्द शत करने की आवश्यकता होगी तो वह उस शब्द को अनुक्रमणी में देखेगा और फिर उसके आधार पर मूल पुस्तक में उसके पर्याय या विलोम दूँढेगा। अतः ऐसी अवस्था में प्रायः प्रचलित शब्द ही अनुक्रमणी में लोग देखेगे। उदाहरण के लिए 'घोड़ा' शब्द लीजिए। प्रस्तुत कोष में 'घोड़े' के ६० से ऊपर पर्याय दिये हैं जिनमें घोड़ा, अश्व, घोटक, तुरंग, बाजी, सैधव तथा हय आदि प्रचलित शब्दों के अतिरक्त प्राय ५० शब्दों के जिनहें सामान्यतया लोग नहीं जानते। ऐसी स्थिति में उन ५० शब्दों को अनुक्रमणी में स्थान देना निरर्थक था। जिसे घोड़े के पर्याय की आवश्यकता होगी वह अनुक्रमणी में घोड़ा, अश्व, घोटक, तुरंग, बाजी, सैंधव या हय आदि प्रचलित शब्दों को देखेगा और उसी के आधार पर पर्याय शब्द खोजेगा। घोड़े के अप्रचलित पर्यायो—'कोकाह', 'गियाह', 'प्रोयों', 'वातायन' या 'ह' आदि—को अनुक्रमणी में कोई मी नहीं खोजेगा। इसलिए इस प्रकार के अप्रचलित शब्दों को अनुक्रमणी में देना अनावश्यक विस्तार या अतः जान-बूम कर उन्हें छोड़ दिया गया है।

पुस्तक का तीसरा माग परिशिष्ट है जिसके 'क' ग्रीर 'ख' दो विभाग हैं। 'क' विभाग में मूल पुस्तक के छूटे शब्दों के पर्याय तथा यथावश्यक विलोम दिये गए हैं। 'ल' विभाग में अनुक्रमणी में छूटे हुए ग्रावश्यक शब्द दे दिये गए हैं। इस प्रकार परिशिष्ट 'क' मूल पुस्तक का प्रक है और परिशिष्ट 'व' अनुक्रमणी का।

मूल पुस्तक की विस्तृत रूप रेखा

प्राची—मनुष्य (प्ट. ६६), श्रंग श्रोर तत्त्वंबधित श्रन्य ब**खाएँ श्रीर बातें** (प्ट. ६७—७२), संस्कार (प्ट. ७२—७३), संबंधी (प्ट. ७३—७९), बर्च, कार्तियाँ स्त्रीर उपजातियाँ (पृ. ७६—८२), ऋधिकार स्त्रांर कार्य के स्त्राचार पर बने कुछ वर्गों के नाम (पृ. ८२—८४), जानवर, कींड, पींचयाँ स्त्रीर उनसे सर्वधित शब्द (पृ. ८४—६५)

वर्ग घ. वनस्पति, धातु तथा गताः विश्वास्ति । वनस्पति (पृ. ६५), पेड पींघ, जिंइयाँ और उनके अग तथा उनसे संबंधित स्थान, वस्तुएँ तथा बाते (पृ. ६५ --११०), अब । पृ. ११०---११३ ।, तग्कार्ग (पृ. ६७ तथा ११३ --११६ ।, फल । पृ. ११६ --११८ ।, फल । पृ. ११८---१२०), धातु (पृ. १२२---१२५), स्त्र । पृ. १२५--१२७)

पुस्तक में वर्षाय या विलोग कैसे देखें ?

क. पर्वाच देशाने के सम्बन्ध में — जिस शब्द का पर्याय देखना हो उसे पहले अनुसम्बन्धी में देखें। अनुसम्बन्धी में शब्द नामाण्य कोयों की भौति अक्टर-सम छे रखे सह हैं। शब्द के आये 'क' से 'भ' तक के अवरों में कोई अक्टर और किट उसके आगे कोई श्रंक मिलेगा। श्रद्धार जैसा कि ऊपर विस्तृत रूप-रेखा में स्पष्ट किया गया है, वर्गों के निर्देशक हैं। जो श्रद्धार हो मूल पुस्तक में वह वर्ग निकाल ले और फिर उस वर्ग में श्रद्धार के श्रागे लिखा श्रक निकाल । उसी श्रक पर उस शब्द के पर्यायवाची शब्द मिलेगे । श्रमुक्रमणी में कुछ शब्दों के श्रागे कई वर्गों के श्रद्धार श्रक श्रलग-श्रलग लिखे मिलेगे । इसका श्रर्थ यह है कि वह शब्द कई शब्दों का पर्याय है और ऐसी स्थित में उन सभी स्थानों पर इच्छित पर्यायों के पाने के लिए कोष उलटना होगा। श्रमुक्रमणी में यदि किसी शब्द के श्रागे दे० (देखिए) श्रीर कोई शब्द लिखा है तो वह शब्द श्रमुक्रमणी में निकालना होगा और उम श्राथार पर फिर मूल पुस्तक में देखना होगा।

यदि किसी भाव के लिए श्रापको उचित शब्द देखना हो नो उसके लिए कोई भी शब्द जो श्राप के दिमाग में उस भाव से मिलता-जुलता श्रावे, श्रनुक्रमणी में देखिए श्रीर फिर उसे मूल पुस्तक में देखिए । मूल पुस्तक में उस शब्द के पर्यायों में या उसके दो-चार श्रक नीचे या उत्पर श्रापके लिए उचित शब्द मिल जायगा।

ख. विलोम शब्द देखने के सम्बन्ध में — विलोम के सबध में एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि सभी शब्दों के विलोम नहीं होते। उदाहरण के लिए अधकार का विलोम प्रकाश होगा पर यदि कोई 'कलम' का विलोम देखना चाहे तो उने निश्चश होना पड़ेगा। यो किसी शब्द का विलोम देखने के लिए पहले उस शब्द को अनुक्रमणी में देख कर मृल पुस्तक में उसे निकालिए। वहाँ पहले आप चाइ-पाँच अक उपर या नीच देखिए। बहुत सभव है, आपके शब्द के ठीक पहले या बाद के अक पर या चार-पाँच अक आगे-पीछे उसका विलोम तथा उस विलोम के पर्याय मिल बाय या यदि इन स्थलों पर न मिले तो मृल शब्द के पर्यायों को देने के बाद उसी या दूसरी पिक्त में 'वि॰' (जो विलोम का सन्नेप हैं) या 'विलोम' लिखा मिलेया और उसके आगे लिखा शब्द विलोम शब्द होगा। ऐसी दशा म यदि आप विलोम का पर्याय देखना चाहें तो उस विलोम शब्द को अनुक्रमणी में देखकर फिर मूल पुस्तक में उसका पर्याय पा सकते हैं।

कभी-कभी लिग्नते समय ऐसा भी होता है। क अपने किसी भाव के लिए शन्द नहीं मिलता और साथ ही उस भाव के लिए उस भाव के समीप का भी कोई शब्द नहीं मिलता। ऐसी अवर्था में उस भाव के विरोधी भाव के लिए आपके पास यदि कोई शब्द हो तो उसका विलोम प्रस्तुत कोए में निकाल कर आप अपना उचित शब्द पा सकते हैं।

पुस्तक में प्रयुक्त संबेप

दें = देखिए । 'दें ' के बाद यदि कोई शब्द है तो उसका आर्थ यह है कि उस

शन्द को अनुक्रमणी में देखिए या अनुक्रमणी के आधार पर मूल पुस्तक में देखिए; किंतु यदि वहाँ परिशिष्ट का उल्लेख है तो परिशिष्ट देखिए।

वि = बिलोम

पर्यायवाची शब्द भौर उनके चयन की कसौटी

पर्याय या पर्यायवाची शन्दों को प्रायः लंग बिलकुल एक ऋषं वाले शन्द समभते हैं, पर यथार्थतः पर्याय मिलते-जुलने ऋषं वाले शन्दों को कहते हैं। 'राधा-रमण' और 'कर्सानकदन' दोनां एक दूसरे के पर्याय हैं पर इनका ऋषं बिलकुल एक नहीं है। प्रयोग की दृष्टि में दोनों का एक स्थान पर प्रयोग नहीं हो सकता। उदाहरण के लिए 'हे राधारमण! उस दृष्ट में मेरी रह्मा करों कहने की ऋषेह्मा 'हे कस्रानकदन उस दृष्ट ने मेरी रह्मा करा' कहना ऋषिक उपयुक्त होगा। रह्मा करने के प्रस्ता में 'रमण करने वाले कृष्ण' की अपेह्मा 'कस के मारने वाले कृष्ण' को पुकारना ऋषिक समीन्वीन है। इसी प्रकार ऋत्य शन्दों के समय में भी देखा जा सकता है।

नहाँ शुन्द के यथार्थ श्रर्थ पर ध्यान देने से अतर मालूम हुआ। कुछ न्यांय ऐस भी होते हैं जिनमें अतर इस प्रकार नहीं जात किया जा सकता। उदाहरता के लिए 'जलज' और 'नीरज' दें शब्द लें दोनों का ही अर्ध पानी से जन्मने बाला अर्थात 'कमल' है पर इन दोनों में नी इनकी ध्वान को देखते हुए अतर किया जा सकता है। 'जलज' अपेलाइत अधिक कीमल, पारदर्शी और प्रिय जात होता है। नीरज में 'न' अल्लर ने इसकी कीमलता और पारदर्शिता नष्ट कर दी है। भी सुमित्रा नक्ष्म पंत ने पल्लव की भूमिका में कुछ शब्दों के पर्यायों को लेकर इस इष्टि से बड़ा संदर विवेचन किया है। यहाँ उसे देख लेना अपया न होगा---

''शिक्ष-भिक्ष पर्यायवाची शब्द, प्राय. सङ्गीत-भेद के कारण, एक ही पदार्थ के सिक्ष मिक्ष स्वक्रमें को प्रकट करते हैं। जैसे, 'अ' मे कोच की वकता, 'बद्धाट' से कटाच की वक्रवाता, 'मीही' से स्वामायिक प्रसक्ता, ऋचुता का हृदय में अनुमव होता है : ऐसे ही 'दिलोर' में उपान, 'लहर' में सिलल के बद्ध श्यल की कोमल-कव्यन, 'तरक्र' में लहरों के समूह का एक दूसरे को चक्रताना, उठ कर गिर प्रकता, 'बद्धो-बद्धो' कहने का शक्द मिलता है 'शॉन्न' में लेम किएगा में नमकती, हवा के पलने में हीसे-हीसे भूतानी हुई हैंसमुख्य लहारियों का 'क्रिक्नों से मधूर मुखरित हिलारों का, हिल्लोख-बस्लाख में केंबी बाँडे उटाली हुई उत्पात-पूर्ण तरगों का आमास मिलता है। 'बद्धा' खब्द में केंबल फड़क ही मिलती है, उदाने के लिए भारी लगता है; जैसे किसी में पढ़ी के बेसो में शारो का देखा हो, वह कुरपण कर वार-वार नीचे गिर पढ़ी के बेसो में शारो का देखा हो, अन्तरेशी का 'शाह्य' कें तरह

'touch' में जो खूने की कोमलता है, वह 'स्यर्श' में नहीं मिलती। 'स्यर्श', जैसे में मिलता के अगो का अचानक स्पर्श पाकर हृदय में जा रोमांच हो उटता है, उसका चित्र है; अज-भाषा के 'परस' में छूने की कोमलता अधिक वियमान है; 'yov' से जिस मकार मुंह भर जाता है, 'हर्ष' से उसी प्रकार आनन्द का विद्युत-स्फुरण प्रकट होता है। अगरेजी के 'air' में एक प्रकार की transparancy मिलती है, मानं इसके इत्रार दृष्टरी ओर की वस्तु दिखाई पड़ती हो, 'अनिल' से एक प्रकार की कोमल शीतलता का अनुभव होता है, जैसे ख़स की टट्टी से छुन कर आ रही हा, 'वापु' में निर्मलता तो है ही, लचीलापन भी है, यह शब्द रबर के पीते की तरह विच कर फिर अपने हा स्थान पर आ जाता है, 'प्रभन्नन' 'wind' की तरह शब्द करता, बालू के कण और पत्ना का उड़ाता हुआ बहता है, 'श्वसन' की सनसनाहट ल्लिय नहा सकती, 'प्यन' शब्द मुक्ते ऐसा लगता है जैसे हवा रक गई हो, । 'प' और 'न' की दीवपा में चिर मा उत्तर है 'स्मीर' लहराता हुआ बहता है।'

यहाँ संगीत से पत जा का ज्ञाशय वही शब्द-व्यक्ति है। कविता के लिए इस ध्वनि या संगीत को ऋावश्यकता के विषय में आगे पत जी लिखते हैं—

"कविता के लिए चित्र-भाषा की आवश्यकता पडती है, उसक अन्द संख्य होने चाहिए, जो बोलते हो: नेच की तरह जिनके रम की मधुर-लालमा मानर न समा सकते के कारण बाहर भलक पड़े।"

पत जी ने यह विचार किवता की हाएं में किया है। पर यह बात केतल कितता तक ही नहीं सीमित होनी चाहिए। गण्यकार भी यदि इस प्रकार शब्दा के परम्बने का ध्यान रक्खे तो उसका गण्य अधिक सुदर हो सकता है। उर्दू के हास्परसावनार अधाकार श्री अजीम बेग चग्नताई ने 'धप्पड' के एक पर्याय के अपनी एक कहानों में प्रयुक्त करने के पूर्व उसके पर्याया की ध्वित का विश्लेषण किया है। वह मनोरजक विश्लेषण भी पर्यायों की आतमा और ध्वित की परस्व के लिए यहाँ अगुलि निर्देश कर सकता है—

"पञ्जाब से दिक्किन तक अगर हाथ की किर्ट के गाल पर मारा जाय या गाल किर्मा के हाथ पर मारा जाय, तो कहा जाता है कि 'चाँग मारा' पा 'चाँग पड़ा'। 'चाँठ' का शब्द बहुत प्रचालित है। 'थप्पड़' मी प्रचलित है, लेकिन इस शब्दा के पर्यायवाची जितने भी शब्द युक्तपात या दूसरे प्रान्तों में जोले अगर इस्तेमाल किये जाते हैं, उनके उच्चारण को साइकालोजी (मनोवृत्ति) पर ग्रौर करने से पता चलता है कि चाँठ के अगिएत भेद हो सकते हैं। लोगों ने आवाज के मुगाबिक अलग-अलग नाम भी रख लिये हैं। 'चाँठ' वह है, जो गुस्ते में किसी के गाल पर रखीद किया जाता

१. सु० नं ० पंत : शत्यपय, १६५३, प्रयाग, गृष्ठ १७—१८

है। इसके उद्यारण में ही इसकी ध्वनि-व्यञ्जना प्रकट हो जाती है। यानी यह जरूरी है कि चौँटा श्रायाज के माथ उतरे। इस त्रायाज में एक चटाने की त्रावाज मी लियी हुई है। 'धप्प के कभी चीट की बराबरी या चाँटे के सहश अर्थवाची नहीं हो सकता, कांकि थायह में चटामें की ग्रावाज-वह ग्रावाज जिसका ताल्लक सिर्फ उँगलियों से ही है - नहीं निकलनी। थप्पड म अपारे गाल पर हाथ की उंगलियों के अलावा हथनी का भी फर्ख हिम्मा पड़ जाता है, जो ज्यावाज की कमनावता की खो देता है, लेकिन चोट ख्रवश्य ही करारी लगती है। गाल पर एक अयद में उंगलियों के निशान पहला ममकिल नहीं है, जात अकट है कि यप्पड़ और चाँटे में जमीत-आसमान का फर्स है। चाँटे के जोड़ का शब्द नमाचा है: मगर उसमें भी वह तेजी नहीं, जो चीटे में है। इसके श्रलाया तमांचा। बराबर बाली में इस्तेमाल नहीं होता। श्राम तौर में यह बड़ों की ख़ोर से ख़ोटों के लिए ही 'रिजर्च' स्वा जाता है। यजह वो कहीं कहा लयड़ है मी कहते हैं, परन्तु यह शब्द प्रवाहयक नहीं है, मगर क्या किया आय, बहाँ पर मजबूरी यह हो कि एक तरफ तो गाल किसी मोटे ब्राटमी का हा, तो दुसरी ब्रोर हाथ मा मालाना शोकत अली का, जिसम चरक का अविकता ने मुखी पैदी कर दी हो। भनलब यह कि इसा कियम के ऋषि भी कितने शब्द हैं। इन्हां शब्दों में से एक बहुत ही भार्ब और चलता हुन्ना शब्द है 'जगाउं। युक्तप्रान्त न उत्तर शायद भूपाल की भरफ बोला जाता है। इस उपाला अपाटे स विजली की सा गाने ऋरे हद दर्जे की त वा मोजर है। इसकी अचडता वर्णन से बाहर है। असल में यह चाँग हो है, मगर बेहद कि किया का । अपनी देवी और अन्दर्भ के कपण बढ़ि और तमींचे की नग्रखंदार हमवाज विशेषकर 'बराटें का जन्नाय ह्यपना श्रातक उपल कर टेना है। इमालेए 'जवारा' वह चॉरा है, जिसमें वांडे का सारी ख़तरकाक पारा क्यों और उम्हानयाँ मीजद हा ऋरि उनक जलावा विजली की सी तजो मी हा "

इस प्रकार पर्याच्याचा शब्दा में ऋषे और ध्वान का इन दो ऋषां को लेकर भेद किया जा सकता है। और यह निश्चय किया जा सकता है कि कई पर्यायों में कोई एक हो किसी विशेष स्थल पर प्रयोग के योग्य है।

यहाँ एक कवि ऋरि एक गलकार ने जो कुछ कहा है उसे अपनी दृष्टि के सामने रक्षते हुए यह कहना ऋयथा न होगा कि लिखने के पूर्व ऋपनी भावना को त्यक करने बाले प्रधान शब्दों के पर्यायों पर यदि एक बार दृष्टि डाल जी जाय तो हम ऋपने नावों

पञ्चाची में थप्पड़ को 'लप्पड' कहते हैं, श्रीर पञ्चाची यप्पड़ को लप्पड़ समफ्रता विलक्कल ही ठीक है!

२. मि॰ श्र॰ चग्रताई : चग्रताई की कहर्गनेयाँ, १६४३, प्रयाग, पृष्ठ ५ —७

के प्रति ऋषिक न्याय कर सकते हैं। पर इसका यह ऋषी कदापि नहीं कि हम उसान कोप लादे फिरे और हर वाक्य के हर शब्द के लिए उसे उलटें। उस प्रकार का न्यान मात्र रखने से और कभी-कभी कुछ सोच लेने से उचित शब्द के चयन का हम ऋग्यास बढ़ा सकते हैं और इससे ऋपनी ऋभिव्यजना में शिक्त और सींदर्य ला सकते हैं.

१. धर्म —ईमान, दोन, घरम, पय, मनहर मत, धनदाय ।

२. चार्निक -- धर्मसंबर्धा, मन्द्रवी, साध-दाविक, ईमानी

रे. इस प्रधान धर्म —ईताई, जैन, पारती, बौद, मुसलनान पहुरी तिस्त, दिन्दू। अ. हिन्दू — प्रार्थ, वैदिक, हिन्दूस्तानी।

भ. हिंदू धर्म के प्रधान सप्रदाय--श्रायंत्रमानी, वार्वा +, वैश्याव, शाक, शैव ! ६. श्रावीक-श्रानाश्वरवादी, नास्तिक,

निरीश्वरवादी ।

बैद्यहव — भागवत, विष्णुपासक,स्पार्त ।

य. बेच्याव धर्म की दो शास्त्राएँ - राम शासा, कृष्ण या बसुदेव शासा।

६. शाक —सकत ।

१०. शैब -- शिवालवी।

११ शैव धर्म की ४ शास्त्रार-कार्पालक, कालामुल, पाशुम्त, शैव ।

११. था. धर्म (शुभकर्म)—दानपुरय, थरम, नियम नेम, नेमधरम, पुषय, धुन, पुन्य, सदाचार, सनाव, सुकर्म, सुक्रत। विशोष —देमान, मनदव और मत, संस्थातमक धर्म के लिए प्रयुक्त होते हैं, बैमे, हिंदू धर्म या हिंदू मज़हब । बिलोम — टे॰ 'पाप'।

। बलाम---- ० पाप । १२ धर्माडंबर--- त्रघविश्वात, श्राडबर,

र वसाडवर--श्रववरवात, इ टौग, पोपलीला, पोपपथी।

१३ धर्मशाल (यथार्थ) -- परमी, पर्म-प्रकृति, पर्मीप्रण, प्रमेशक, प्रमात्मा, प्रमधुगंगा, पर्मी, प्राप्तिक, पुरुवश्लोक, सदाचार, सुरुमी, सुकृतो ।

१४ धर्मशीत (पाखंडी)- श्रंप-विश्वासी, श्राहबरी, डोगी, धर्मध्वबी, - बोपपंथी !

१४. धम करना —श्राचरण मे रहना, ईमान वरतमा रास्ते पर चलना। 'धमें' के पर्यायों में 'करना' बोड कर सीर भो पर्याय बनाये जा सकते हैं।

१६. धर्माध्यत्र-श्रद्धणटकः।

१७. पश्चित - माचार्य, कावराब, कवींद्र, कवारा, कंविट, म, मानी, दूरदर्शी, भीमान् प्रम, मनाभी, विचयम, व्यम, विद्यान, भोत्रिय, सर्, सुवान, सुम, सुभी, सुरि। १८. भर्म के १० समस्य-माकोष,

ऋस्तेय, इंद्रियनिग्रह, च्रमा, दम, धृति, बुद्धि, विद्या, शुचि. सत्य। १६. मन्दिर-श्रायतन, चत्रक, चौर, ठाकुरद्वारा, ठाकुरबाड़ी, देवगृह, देवथान, देवमदिर, देवल, देवस्थान, देवालय, थान, देहरा, प्रासाद, ब्रह्मस्थान, पूर्त, मंदिल, विच्छदंक, विच्छदंक, विबुधावास, शिवा-लय, शिवाला, सतिवढ़, सुरभवन, सुरालय, स्थान । २०. परिक्रमा-धुमाई, चक्कर, फेरी, भाँवर। २१. परिक्रमा करना-परकमा देना, भाँवर डालना, भाँवर फेरना । २२. मूर्त्ति-श्राकार, श्राकृति, प्रतिमा, प्रतिमूर्ति, प्रतिबिंब, प्रतिरूप, बुत, मूरत, मूरति, विग्रह, स्रति ! २३. मूर्ति-स्थापना-प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठान, प्रतिष्ठापना, स्थापना । २४. मूर्तिपूजा-प्रतिमापूचन,प्रतिमापूचा, बुतपरस्ती, सगुण पूजा। २४. मूर्तिपूजक-बुतपरस्त, पुत्रारो । २६. पूजा--- ऋरचना, ऋरहना, ऋाराधना, श्चर्चन, श्चर्चना, श्रची, श्रहेत, श्रहेन, श्चवराघन, श्रस्तुति, श्राचमन, श्रादर, श्चाराधन, श्चारती, श्चाराधना, इवादत, इंड्या, उपासना, परिसेवन, पूजन, परिवस्या, शुभूषा, सेवना, सेवा । २७. पूजा करना-श्रचंत करना, श्रचंना करना, श्राराधना करना, इवादत करना, भूव-टीप करना, परिसेवना, पुजैया करना, पूचन करना, पृचना, सेवना। ६८. पूजा हुआ--श्रचित, श्राराधित, इंजित, पूजित।

२६. पूड्य-अर्चनीय, ब्रादरखीय, इज्य, ईंडय, उपासनीय, उपास्य, परमपूज्य, पर-मेज्य, पूज्य, पूज्यनीय, सम्मानीय, सम्मान्य। २० पूजा के सामान- श्रद्धत, चंदन, फूल, पत्र, धूप, बीप। ३१. श्रज्त-श्रन्छत । ३२. होरसा (चंदन रगड़ने का)— चकता, चक्का, चौका, चौकी, होरिसा। ३३. धूप--श्रमियारी, दसाँग। ३४. धूपबत्ती-श्रगरवत्ती, सुगंबवर्तिका । ३४. श्रारती—दीप, दीया, नीराजन, नीराजन, नीराजना। ३६. आरती खतारना-- आरती करना, दीप दान करना, नीराजन करना, नीराजन करना, नीराजना करना, विधर्जन करना । ३७. पुजारी-- अवराधक, श्चर्यक, श्चाराधक, उपासक, उपासी । **३८. सुमिरन**—जप. ध्यान, याद, भवन, स्मरण । ३६. सुमिरना—(ईश्वर के नाम भ्रादि), जपना, ध्यान करना, ध्याना, नाम होना, नाम स्मरण करना, भजना, भजन करना, माला फरना, याद करना, सुमरना, सुमिरन करना, स्मरण करना, स्मरना, खौजना। ४०. सुभरनी—मनका, मनिया, माना, बद्राच, स्मरणी। ४१. सुमिरनी का दाना— गुग्या, मनका, मनिया, रद्राच्, सुमेर। ४२. कठी - कठो, मनिया, माला। ४३. कीर्तन--कार्तिस्तवन, गुण कथन, गुण कीतन, गुण स्तवन, गुणानुवाद, भवन, स्तव, स्तुति, स्तवन, स्तुतिबाद । ४४. कार्तन करना— उपर के शब्दों

में 'करना' भ्रादि बोड़कर इसके पर्याय बनाये बा सकते हैं।

४४. स्तुति — श्रश्यर्थना, ईिलत, इस्तदा,
नुति, पद्यायित, प्रशंसा, प्रम्तुति, प्रार्थना,
विधित, शस्त, स्तव, स्तांत्र ।
विलोम — दे॰ 'निदां' 'गाली'।

श्रव्हाम----द्व निदा गाला।
४६. क्तुति करना -- ऊपर के शब्दों में
'करना' बोइकर पर्याय बनाये जा सकते हैं।
५७. मनौतां -- मन्नत, मानता, मान-मनौनी।

४८. जब - जपन, जाप, नामस्मरण, मजन, मश्र स्मरण, मश्रीव्चारण, मश्रीदरण। ४६. जपना - नाम लेना, भजन करना। 'बप' के पर्यायों में 'करना' लगाकर और भी पर्याय जनाये जा सकते हैं।

४०. जापक---भपने वाला, जपा, भाषी, भवनोक।

४१. जपमाला - जपनी, बाप । विशेष - दे० 'मुन्दिनी'।

¥२. ब्रत - उपनास, उपास I

क्ष्ये. व्रत रहना---उपवात करना, भुलना, बग्त रहना, वर्ती रहना ।

४४. तार्थ-तारय, तार्थस्यल, तार्थस्यान, पुरुवस्थल, पश्चित्र स्थान, धाम ।

विशेष — दे॰ 'प्रयाग' तथा उतके आस-पत्त को शामका। तीर्थ रूप पश्चिम निद्यों के लिए दे॰ 'गंगा' तथा उतके आसपात का सामकी।

क्षेत्रः तीर्थे कर्ना--तीर्याटनः करना, वाम बाना, तीर्थनावा करना ।

४६ ४ जाम--जगजाधपुरो, हारिकापुरी, वहरिकाश्रम रामेश्वरम्।

Ko. o मोखदायक तीर्थ-जनोच्या,

श्रवन्तिका, काँची, काशी, वर्गकाथपुरी, द्वारिकापुरी, मधुरा।

विशेष— सप्तपुर में भी येही स्थल हैं। बेवल बगजाबपुरी के स्थान पर हरद्वार बा नाम फिलता है। पर्याय के लिए, देखिए 'प्रयाग', 'ब्रायोध्या', 'मधुरा', 'काशी', 'बगजाथपुरी', 'द्वारिका'।

४८. हिंदुओं के कुछ प्रसिद्ध र्तर्थे— श्रयोध्या, काशी, वेटारनाथ, केलाश, गगोत्रो, गंगासागर, गया, चित्रकृट, जग्नोत्री, जगलाथपुरी, द्वारिका, पशुपति-नाथ, पुष्कर, प्रयाग, ब्रद्रानाथ, कृन्दाबन, सथुरा, विध्याचल, सेतु बॉच-राम्श्वर, हरिद्वार।

ke. दान-- ग्रीगत, चिट्ठकी, सिध्या। विशेष-- इस सम्बन्ध में विशेष के लिए दें • 'दान'।

६०. त्योहार— तिहुन्नार, पर्व । विशेष—देश वशेष के ालये 'होली' तबा 'दियासी' कार्ष्ट के कासपास दी सामग्री ।

६१. त्योहार के दिन दिया जाने वासा दान कादि— योहारी, तिहुमरो ।

६२. तपस्या— श्रनुष्ठान, तप, तपनी, तपश्चय्यां, ध्यामोपासना, योग, योगासन, योगाभ्यास, थोगसायन, साधना, इटयोग। ६३. तपस्या करना—तप करना, तप साधना, योगसाधना, साधना करना।

६४. तप करने बाला—कोगी, तपसी, तपस्यी, तापस, तापसी, मृति, योगाम्बासी, योगी, सन्यासी, साधक, साधु, साधु, सिंद्या ६४. तपोत्रत —तरभूमि, तपस्यल, तपस्थतो, नराभर, तरोभूमि, साधनास्यल।
६६ सन्यान — ननुर्थाश्रम, जोग, त्याम,
फकारी, परिवजन, वैराग, यतिवर्म, योग,
वैराग्य, साधुना।

६७. संन्यास नेना — 'संन्यास' के पर्यायों, में लेना, घारण करना. प्रइण करना, त्रादि लगाकर, 'सन्यास लेना' के पर्याय बनाये जा सकते हैं।

६८. संस्यासी —दे॰ 'संन्यासी'। ६९. भक्त--उपासक, भगत। विशेष —दे॰ 'मूर्तिपूजक', 'पुजारी', 'संन्यासी'।

भिक्त — भगितन, भगितया ।
भिक्त — भकाई, भक्तिभाव, भकी, भगित, भगता, भावभक्ति ।
विशेष — दे० 'पूजा' ।

७२. भक्ति करना —'भक्ति' के पर्यायों में 'करना' जाडिए।

विशेष—दे॰ 'पूजा करना'। ७३. नव जा भक्ति—ग्रर्जन, ग्रास्मनिवेदन, कोर्जन, रास्य, पादसेवा, बदन, भवक, सक्य, स्मरणा।

७४. मञ्जान --- ज्ञान, तत्वज्ञान ।

७८ त्रह्मझाना-त्र स्वत्र, त्रात्मझानी, ज्ञानी, तक, तस्वत्र, तत्वज्ञानी, तत्वदर्शी, तस्वविद् तस्यवेता।

७६. कथा —कथावार्ता, पुरागा, भगवत्-कथा।

७०. कथा बाँचना—कथा करना । ७८. कथा बाँचने वाला—कथावाचक, पंडित, पौराधिक, वका, व्यास । ७६. **महंय**—श्रध्यच्च, कुलपति, पीठा**धीरा,** मठाघी**रा,** महंत, महंथ ।

८०**. मठ**—श्रलाङा, पोठ, **बमात, बमाबात** मठिया, मठो, मढ़ी ।

मरे. यझ--श्रध्वर, श्रिमिषव, श्रश्वमेष, श्रद्धत, श्राह्व, श्राहुत, इज्या, अग्य, देवपूषा, हिट, ऋत, कतु, दिविष्टि, नम, नमस्, पश्च, पशुयन्न, प्राजापत्य, मख, मन्यु, मेष, याग, यग्य, यजति, यज्ञक, यूपध्वज, वहीं, वाज, वितान, सप्ततंतु, सव, हरिकमें।

पर यज्ञ करना — त्रादुति करना, इवन करना। 'यत्र' के पर्यायां में 'करना' बोक्कर त्रीर भी शब्द बनाय जा सकते हैं।

५३. कुछ प्रधान यज्ञ — ऋश्वमेषयज्ञ, चातु-मस्यियज्ञ, नरमेषयज्ञ, पिङ्गितृयज्ञ, पुत्रेष्ठि-यज्ञ, राजसूययज्ञ, वाजपेययज्ञ, सर्वमेषयज्ञ, सोमयज्ञ।

प्तरः पंचम हायझ-श्राग्नहोत्र, श्रातिथ्य, पितृतपंग, बलिवैश्व, स्वाध्याय ।

८४. यज्ञ के ४ ऋतिवज--- प्राध्यं, उद्गाता, ब्रह्मा, होता ।

<इ. यक्ककां—याचक, याशिक ।

८७. यज्ञमान--जजमान, यश्चरति, यावक, याशिक।

८८. पुरोहित-पडा, वाचा, पुरोचा, योचा, पौरोहित, प्रोहित, संख्यानान ।

८६. यझमंखप - चैत्यधाम् , जग्यमहप, मलशाला, यजनायतन, यशक्तेत्र, बड्ड-स्थली, यशभूमि, यश्याला, यशस्त्रक्ष, यशस्यान !

६०. इवि--विल, म्युतीक, इविषय । ६१. इवनीय--हंविष्य । सत्र — ऋचा, गायत्रीमंत्र, मंतर, वेदमंत्र, श्लोक, स्तोत्र।

 शासती — ब्रह्मनीच, ब्राह्मी, देवमाता, सरस्वती, सावित्री ।

६४. स्तव-श्वचा, नवं पार्थना, स्तवक, स्तवध, स्तुति, स्तोन्र, स्तोम ।

६४. स्तुति पाठक—प्रशसक, स्तितिता, स्ताबक, स्तुतिवाचक, स्तुतिवादक, स्तुति-वत, स्तुवत, स्तोता, स्तोत्रगायक।

६६. वेद्ध्वनि---ब्रह्मश्रोष ।

६७. संस्कार—कृत्य, शुद्धि ।

६८. १६. सरकार—गर्भाषान, पुरुवन, सीमत, बातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, श्रक्षप्राश्चन, चूडाकरण, कर्णवेष, उपनयन, वेदारंभ, नमावर्त्तन, विवाह, गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थाश्चम, सन्यासाभम।

६६ आश्रम--श्रवस्था।

१००. ४. श्राश्रम—ब्रह्मचर्य, गाईस्य, बानप्रध्य सन्यास ।

१०२. व्र**क्षचा**र्हा - प्रथमाश्रमी, बटु, वती, यमो, वर्जी, वेदपाठी, संयमी ।

१०२. ब्रह्मचारी कः दल्ल--दह, सम्म, वेख्य, वैशुदंह!

१०२. ब्रह्मचारी का पात्र --- कमंडल, कमडभा, कमडलु, कुंडी, पचरात्र, पंचपातर.

१०४. कीपान कदा, कन्छा, कछनी, कफनो, काछा, कोपिंड, कीपीड, घटी, मगई, भगवा, लँगोट, लगोटी।

१०४. पेंता--कुशमुद्रका, कुसपैता, पवित्री, पावित्री !

१०६. बक्कोपबीत --उपनयन, उपबीत,

१०७. श्रासन-- श्रासंदी, श्रासनी, पीटिका। १०८. गृहस्थ- कुटुम्बी, गृहपति, गृहमेघी, गृहयाय, गृहस्थी, गृहाधिय, गृहायनिक, गृही, व्येष्ठाश्रमी, सत्री, स्नातक। १०६. वानप्रस्थी- वैसानस, वैपानस । ११० सन्यासी—चतुर्धाश्रमा, बता, बोगा, तपसाली, तपसी, तपरवी, तपा, तपावत, तवी, तवीधन, तावस, तावसी, न्यामी, फ़कीर, विरागी, वैरागी, मस्करी, यति, यती, योगात्मा, योगाभ्यासी, योगराच, योगी, योगीयज, योगींद्र, येग रू, यं गेंद्र, विरागी, सत, साधु, सःधू, सिद्धः। फकीर-(मुस्लिम) श्री लया, पेर, बली। मन्यासिनी—बतिनी, जोगन, बोशिनी, तपसालिनी, तपस्त्रिनी, तपस्त्रिनी, तविना, तापमो, फॉकॉरन, फ्रकॅरिन, बैरागनो, मधुनी, साधुना। विशेष -- वर्ण के लिए दे किए 'वर्ण' तथा

बानि के लिए 'बानि'। ११२ ईरवर-- ऋतर, ऋतरजामी, ऋतरम, श्रंतरपुरप, श्रातक्योंनि, श्रतयोगी, श्राकरका, श्रवर्त्ता, अन्तृ क, श्रवल, श्रवाय, श्रवायस्, श्रकारन, श्रकालमूर्ति, श्राप्टन, श्रास्य, श्रद्भ, श्रम्भान, ब्रागाध, ब्रगुब, ब्रागोचर, श्वन्दियास्मा, श्रन्युत, श्रन्युतानद, ऋज्, श्रवन, श्रवन्म, श्रवन्मा, श्रवर, श्रक्षेय, श्रतीत, श्रदस्य, श्रदेत, श्रामेश्वाता, श्रध्यात्माः श्रनगः, श्रनंत, श्रनार्द, अनाह, अमृतं, अमृतिगर्भ, अमृति, श्रम्तिमान, श्रयोनि, श्रयोनिस, श्ररूप, शर्कनयन, घर्य, ग्रहे, घल्च, घलस, श्रद्धक, श्रद्धवदेश्य, श्रद्धय, श्रागमचानी, श्रायमञ्जनो, श्रात्मभु, श्रात्मसमुद्भव, श्रादि,

श्रादिपुरुष, ईश, उत्तमश्लोक, करता, करोम, करण, कर्ता, कर्तार, कर्ना, कामद, कालखड, क्टस्य, कृतकर्मा, केशव, कातदशीं, चेत्रज्ञ, खुदा, खुदावंद, गुणातीत, गुणेश्वर, गोसाई, चतुरात्मा, चतुर्गति, चतुर्देश्ट, चतुर्गत्ते, चतुर्वेद, चदुर्हीत्र, चिंतामणि, चिन्मय, चेतन, चैतन्य, जगत्सेतु, जगदादि जगदाघर, जगदानंद, जगदीश, जगदीश्वर, जगद्-गुढ, जगद्योनि, जगनाय, जगनियंता, बगन्निवास, बगरनाथ, जनन, जनाधि-नाथ, ड्येन्ड, ठाकुर, डाकोर, तत्, तत्व, तस्वविद्, तत्रदार्थ, तन्पुरुष, तपोमय. तपोम्ति, तरोदर्शन, त्रयोमय, त्रिपाद, त्रिभु बननाथ, त्रिला केश, त्रिशक्तिभृत्, त्रिष्ठामा, त्रिष्ठौपर्या, त्रिस्थान, त्र्यगट, द्इव, दई, द्यानिषि, द्यामय, दहरा-काश, दोनबन्धु, दोनानाय, देवश्रुत, नरोचम, निरंजन, देवेश, देवेशय, निराहार, निर्मुख, निर्विशेष, पति. पतित-उधारन, पतितवावन, परधाम, परब्रह्म, परतत्त्व, परमपिता, परम-पुरुष, परमब्रह्म, परमहंत्र परमात्मा. परमेश, परमेश्वर, परवरदिगार, परात्वर, परात्मा, परेश, पृष्णोत्तम, पूर्णानंड, प्रण्व, प्रभु, प्रभू, ब्रह्म, भगवंत, भगवत, भग-वान्, भगवान, भगयु, अवभंजन, भामनी, भ्तात्मा, भ्तापि, भूतायन, भूतेश मगला-लय, महापुरुष, महायभु, महेश, महेश्वर, महेन, मायायति, मायावी, मालिक, यावन, रव, रमैया, रहोम, राम, लाई, वासु, विभु, विश्वंभर, विश्वकत्ती, विश्वक्रमी, विश्वकास, विश्वकृत, विश्वचन्तु, विश्व-

चीव, विश्वधाम, विश्वपति, विश्वपा, विश्वपाल, विश्वभर्ता, विश्वभाव, विश्व-भावन, विश्वभुञ्ज, विश्वराञ्ज, विश्वविद्, विश्वव्यापी, विश्वमंगव, विश्वसासी, बिश्वमृ, विश्वात्, विश्वातीत, विश्वाधार, बिश्वाचिप, विश्वेश्वंर, विसेसर, व्यापक, शकर, शर्व, शिव, शून्य, शेष, भीपति, सिच्चिटानंद, सत्यपुरुष, सदानंद, सर्वंश, सर्वेश्वर, साँई, साँई, सारग, सिरजनहार, युजान, सृष्टिकत्ती, स्वय-ज्योति, स्वराट्, स्वर्ग, स्वामो, इस। ११३. ईश्वर के दो रूप—निर्मुख, समुख। ११४. निर्गुरा—निराकार, निरदेह । ११४. सगुण-सरगुन, साङ्गर । ११६ स्वयभू-- ऋकारण, श्रकृत, श्रजन, श्रजन्म, श्रजन्मा, श्रयोनिज, कृतकर्मा । ११७. ईश्वरत्व — खुदाई, ठकुराई, मिल-काई, रामस्व । ११८. ईश्वरवादी —श्रास्तिक, ईश्वरस्ता-वादी । निरीश्वरवादी--श्रनीश्वरवादी, 188 चार्वाक, नास्तिक। १२०. ईश्वरवादिता -- श्राक्तिकता । निरीश्वग्वादिता--श्रनिश्वर-बादिता, चार्बाकमत, नास्तिकता। १२२. त्रिदेव-देवन्य, [तीन देव बद्या, विष्णु, महेश 🕻 ।] १२३. ब्रह्मा - अमित, श्रांडज, ग्रबुत्रासन, ग्र, श्रमंबन्मा, **श्रव्य, सम्**, त्रदिति, अन्वयोनि, अरविध्योनि, आत्मभू, **ब्रात्मसमुद्धव, उ, क्रां, कव, क, कमसब,** कमकामव, कमलभू, कमलासन, कमली, कमलोक्सन, कत्तरि; कवि, कुशकेष्ठ, खं,

गिरेश, चतुरतोक, चतुरानन, चतुर्वक, चिंतामिषा, जगद्योनि, जगदादि, जग दाता, बन्यु, बलबासन, जूर्या, तत्व, तेबाहर, देवदेव, द्रह्य, द्रुहिश, धा, षाता, धिषण, नृलनावह, निलनेशव, नाभिजन्म, निष्कत्त, पंकजासन, पद्मरार्भे, पद्मज, पद्मपाणि, पद्मभू, पद्मयोनि, पद्म-लाचन, पद्मालय, पद्मासन, पद्मोद्भव, पर, परमतत्व, परमेष्ठ, परमेष्ठी, परायु, परेश, पितामइ, पितुपित, पुराखाग, पूर्वनिधन, प्रजाकार, प्रजाबिय, प्रजानाय, प्रजापति, प्रापितामह, प्राण, बहुरूप, बहुरेतस, विध, विधना, बिरचि, ब्रह्मा, ब्रह्मज, भाववृत, भाषया, भूरि, म, रजीमूर्ति, लोकपितामह, कोकनाय, लोकय, लाकपति, लोकपाल, सोकेश, वसुनीत, वागीश, वागीश्वर, विघ, विषाता, विधि, विधु, विभु, विभलापति, बिरच, बिरंचि, बिरिचन, विश्वश्रास्मा, विश्वकम्मी, विश्वकार, विश्वन योनि, विश्वसृष, विश्वसृष्ट्, विश्वायन, वेषा, शतानंद, शल, संज, सज्य, सध्या-राम, वतप्रत, चत्यक, वदानंद, वनातन, सरोबी, सहसारमा, सात्विक, सामयोनि, सुषावर्षी, सुषाभवा, सुरजठा, सुरज्येष्ठ. सुरसनजनक, स्राध्यच्, सृष्टिकर्त्ता, स्थविर, स्वभावद्वप्य, स्वभू, स्वयंभू, स्वराट्, इंसरथ, इंस्वाइन, इनारुद्द, इंसाइदा, दिरएयगर्भ, देमाग ।

१२४. वद्या का —चतुराननी, बाद्य । १२४. सिरजना —कम्म देना, कन्माना, निर्माख करना, निर्मित करना, सृष्ट करना, दे॰ 'क्याना'।

विकाम-दे॰ 'वहारनां'।

१२६. सृष्टि—रचना, विरबन, मृबन। दे∙ 'संसार'।

विलोम-दे॰ 'सहार'।

१२. सिर्जात—निर्माणित, निर्मित, प्राणित, प्रणीत, रचित, विरचित, सृष्ट । विलोभ—दे॰ 'निष्टत'।

१२८. त्रझा का वाहन—कलकंठ, गरत्, चकाग, पुरुदंशक, मराल, मानसालय, मानसौकत, मुक्तमुक्, सरकाक, सितच्छ्द, सितपद्य।

१२६. ब्रह्मा का श्रासन—कमल । दे० 'कमल'।

१३०.-सम्बर्ता-(ब्रह्मा की पुत्री ऋौर स्त्री एवं विज्ञान तथा ज्ञान की ऋषिष्ठात्री देवो)। ऋ, इडा, इग, इला, ईश्वरी, कर्गा, गिरा, गीदें बी, मं'. वगढात्री, जू, देवगुद्दी, छ, पद्मलाखना, पानका, पून्कारी, प्रज्ञा, बाक्, वागेश्वरी, वागेसरी, बाचा, बानी, ब्रह्मचारकी, ब्रसपुत्रो, बरहायी, ब्राह्मो, भगवती, भगौती, भागित, भारती, भाषा, महारवेता, वलियना, वर्णनानृका, वाक्यश्वरो, बागीश, बागोशा, वागाश्वरी, बाग्देवता, बाग्देवी, बाम्बादिनी, बाचा, बाहमयो, बाबो, वारि, विद्यादेवां, 'वेबिरानां, ावधवध् , विद्यार्था, विमला, वीयापाया, वांबापाया, वीबा-वती, शारदा, शुल्का, श्री, संध्येश्वरी, सरवा, सारव, सारवृतो, सुरस्त, सुरस्तो, इंसवाहनी, इसवाहिनी।

१३१. सरस्वती का बाइन—इस । दे॰ 'इंस'।

१३२. सरस्वती का आसन-कमन्न। दे० 'कमल'। १३३. सरस्वती का वाद्ययंत्र—त्रीया। दे॰ 'वीया'।

१३४. विष्णु — ग्रंगिन, ग्रवरीष, श्रंबु-बाद्ध, श्रचित, श्रन्युत, श्रब, श्रवित, श्रतिदेव, श्रनत, श्रधोत्तव, श्रमृततप, श्चरविंदनयन, श्चराविदनाभ, श्चर्क, श्चात्म-योनि, इद्रवरज, इन्द्रावरज, उम, उपेद्र, ऊर्ध्वदेव,कसाराति, कमलनयन, कमलनाभ, कमलाकात, कम्लापति, कमलेश, कांत, कामी, कारण, कुंडली, कुन्द, कुमुद, कुरतुभ, कृति, कृष्ण, वेश, केशर, केशव, कैटमांबत्, कैटमारि, कोक, ऋतु, खाम, खंडपरशु, खरा^रर, खरारी, गदाधर, ग**रइ**-गामी, गबद्भवज, गमुद्रायन, गवीश, उवेश, गिरेश, गिरेस, गुरु, गुरु, गोपति, गोपेंद्र, गोतिद, गौराग, श्रामणो, चक्रधर, चकथारी, चक्रवाणि, चक्रभृत् , चकायुध, चिकक, चक्री, चतुरात्मा, चतुर्गति, चतुर्वीहु, चतुर्मुख, चतुर्भुज, चतुर्ब्यूह, चतुर्होत्र, चतुष्पाणि, चतुरसन, चल, चिरजीवी, बंभारि, ब, जगदीश, जगद्वाता, जगद्-योनि, जगन्नाय, जगन्निवास, चगन्मय, बनार्दन, जलशय, जलशयन, जलशायी, बलेशय, बहु, बिन, बिध्गु, जीव, जेता, क्योति, डाकोर, तपस्तति, तमोदम, तारसः, तिलोकपति, तीर्थकार, तीर्थपाद, तुःवन, त्रिककुद् , त्रिदशायन, त्रिदशाध्यव, त्रिवाम, त्रिनाम, त्रियुग, त्रिलोकनाय, त्रिलोकपात, त्रिलाकीनाय, त्रैविक म, ज्यिब-पति, दंख, दच, दम, दमन, दानवारि, दामंदर, दाक्या, दाक्यारि, दाक्न, दिव-स्पृश, दुराघर्ष, दुर्गम, दुर्बय, देवकीनंदन, देबदेव, देवभृत, देवातिदेव, देवेश, देवेशय,

दैस्यारि, दूरप, द्विजवाहन, धनंबय, धनेश, घन्वो, धर, घरकीघर, धराधर, धराधरन, वर्मनाम, धर्मी, धाता, धाम, धिषया, धुर्य, धूर्य, धृतात्मा, ध्रुव, नंद, नदको, नन्दन, नन्दी, नर, नरकातक, नारायण, निगमनिवासी, निग्रह, नियम, निष्टत्तात्मा, नेता, न्यग्रेघ, पतित्र केतन, पद्मनाभ, पद्मभार, पद्माञ्च, पद्माघोश, पद्मेशय, वद्मी, वरबाम, वरपुरुष, वरम, वरमाह्रेत, परमेश्वर, परमेष्ठी, परात्पर, परार्थि, परिमोत्त, परेश, पर्जन्य, पवन, पापनाशन, पावन, पोताबर, पुराडरीकाच, पुरायक, पुरुवश्लोक, पुनर्वसु, पुरदर, पुरागापुरुव, पुरातन, पुरुबित, पुरुषपुरस्तन, पुरुषाद्य, पुरकोत्तम, पुरुहृति, पुरुहर, पुष्पहास, पूरियता, पूर्शित, पूर्ण, पृथु, पेशल, प्रकाशन, प्रमह, प्रजागर, प्रतर्दन, फव्य-तल्पग, बनमाली, बलस्दन, बलागति, बलिदय, बलिध्वशो बहुमूर्ति, बहुरूप, बहुशिर, बहुश्रुरा, बाहुभेदी, विष्टल, ब्रह्म-नाम. ब्राह्मण, भगवन् , भगवान् , भग-वान, भयनाशन, भर, भन्ती, भवनाय, भानु, भार, भीम, भूगर्भ, भूतपाल, भूत-पथ्य, भूतभावन, भूतभूत, भूतवास, भूतात्मा, भूति, भूवर, भूगि, भूशय, भूषण, मधुरिपु, मधुत्रन, मनुशद्निकर्न, मनोजन, महेन्द्र, मार्ज, माधन, मुकुन्द, मुनीश, मुन'श्वर, मुरमर्दन, यञ्चपति, यज्ञकरूप, यज्ञकतु, यज्ञजातः, यज्ञषर, यज्ञ-पुरुष, यज्ञभोका, यज्ञमय, यज्ञवराह, यक्-वाहन, यज्ञवीर्य, यज्ञसाधन, यज्ञमेन, यक्र-हृदय, यज्ञाग, युजात्मा, यज्ञे रूपर, यम, याम्य, योगनिद्राष्ट्र, बंगगर्ता, रचप्रिय,

रगोचर, रत्ननाभ, रत्ननिधि, रत्नबाहु, रथागपाबि, रमाकान्त, रमानरेश, रमा-रमारमण, रमेश, रमेश्वर, रम्यश्रो, रविलोचन, राजस्वामी, लद्दमीपति, लच्मीवरूलभ, लच्मोश, लखमीबर, लच्छिनाथ, लच्छिनिवाम, लतापर्या, वश, बनमाली, बराग, बराह, वसु, वमुद, बसुघाधार, बाक्पति, बाजिराज, वामन, बारिश, वासु, वासुदेव, विकम, विधु, विभु, विरञ्ज, त्रिरोक, विशानाच, विश्रु-तात्मा, विश्वभर, विश्व, विश्वकाय, विश्वतनु, विश्वतृष्त, विश्वमर, विश्वनाम, विश्वप्रबोध, विश्वबाहु, विश्वमूर्ति, विश्व-विश्ववृत्, विश्वहेतु, विश्वातमा, विश्वावम्, विश्वेश, विष्यक्सेन, विष्टर-भवस्, वीरचकंश्वर, वीरवाहु, वीरहा, वेभा, वैकुएठ, व्याल, शक्यंग, शंखभृत, शको, शक्षर, शंखपाणि, शतानन्द, शाङ्कां, शिखडां, शूर, शेपशायी, शौरा, भोकात, आवर, भानिवास, भोपति, भीरग, श्रारमण, श्रीवत्स, श्रीवत्सलाञ्चन, श्रीवासक, भोश, षडगजित्, सक्कुमार, सक्लेश्वर, सकारात, सत्यधाम, सदातन, चदानस्द, सदायोग), समातन, सप्तशार्थ, समितित्रय, समोहन, सर्वे, सहस्रवरण, सहस्रित्, सहस्रिजत्, सहस्रहश्, सहस्र नयन, सहस्रनाम', सहस्रनेत्र, सहस्रवाद, सहस्रमूद्धां, सहस्रमीलि, सहस्रशंचं, सहस्रा-नन, सास्वत, सार्विक, सायग, सायगर्भ, सिंधुकृष, सिंधुशयन, सुचेतन, मृततु, मुतपा. मुबन्या, मुत्रबो, सुपर्या केत्र, सुप्रसाद, मुजबारय, मुभद्र, सुयासुन, सुरक्षाया, श्वरपति, सुरंभूप, सुरंमीर, सुरराई, सुरसाई,

मुराबीव, मुरारिध्न, सुरारिहता, सुरेश, सुरेस, सुवर्णाविन्दु, सुवर्णवर्ण, सु**रेण**, सोमगर्भ, सोमसिन्धु, स्कद्बित्, स्यूल, स्वः, स्वभू , स्वयंभू , स्वर्णाभिन्दु, स्वामी, हंस, इ, इयब्रांव, इरि, इरि**स, हरिदेव,** हरिशकर, दिरएपकेश, हिरएयगर्भ, हिरएय-नाम, ह्याकेश, हमाग । १३४. पालना --दे॰ 'पालना (बांब)'। विलोम-दे॰ 'सहारना'। 🔁६. पालन—निवाह, निर्वाह, परवरिश्व, पालन-पोपण योपगा, भगगा, गना। विलोम --दे॰ 'सहार'। १३७. पालनीय-निर्वास, वोषणीय, वेष्य, भरवायि, रचवायि, रच्य । विलोम-दे० 'विनाशनाय'। १३८ विष्णु का शख—पाचबन्य १३६ विष्णु का गदा-कीमादको, कौमोदी । १५०. विष्णुका चक्र—सदर्शन। १४१. विष्णु की तलवार -नदक। १४४. विष्णु का धनुष-शङ्गे। १४३ विष्णु के हाथ का दएड - तोत्र-१४४ विष्णु के हाथ का एक आयुष — १४५ विष्णु के परिषद् – चड, बन, ८४६. विष्युषु की स्त्री-लहमी। दे० 'लद्मीं। १४७. विष्णु की मणि—कैस्तुम। १४८. विष्णु के खाती का चिह्न-भृगुरेखा, भृगुलता, भ मत्म । १४६. विष्णु की माला - वैवती।

१४०. विष्णु का वाहन—गर्द । दे० 'गर्द्द'।

९४१ विष्णु का घोड़ा —नताहक, मेघपुष्प शैब्य, सुग्रीव ।

१४२. विष्णु का सारथी—दाहक।

१४३, विष्णु का मत्री—उद्भव।

१४४. विष्णु के २४ अवतार—ऋषभ, कपिल, कल्कि, कूर्म, इब्ण, दलात्रेय, घन्वंतरि, नरनारायण, नारद, नृसिंह, परशुराम, पृथु, बलराम, ब्रक्षा, बुद्ध, मल्य, मोहिनो, यज्ञ, राम, वामन, वाराह, वेद-व्यास, इस, इयप्रोव।

१४४. विष्णु के प्रधान १० अवतार— कल्कि, कूर्म, कृष्ण, नृसिंह, परशुराम, बुद्ध, मत्त्य, राम, वामन, वाराह।

१४६. अवतार लेना—श्रवनस्य करना, श्रवतरना, श्रवतरित होना, श्रवरोह्य करना, श्रवरोहना, श्रवतीर्या होना, उतस्ना, उत्पन्न होना, उपजना, जन्मना, नीचे श्राना, प्रकट होना, प्रयटना।

१४०. जिसने अवतार लिया हो—श्रव-तरित, श्रवतारी, श्रवतीर्या, उतरा, श्रीतारी।

१४८. अवतार लेने योग्य-श्रवतरखीय, अवतीगर्य।

१४६. विष्णु की पत्थर की पिंडी— शालगाम, शालिकरान, शालिगाम, सालिकराम, सालिगाम।

१६० गहड़ — अमृताहरण, उरगाद, किरा-ताशी, खगेश, लगेश्वर, चिराद, गुहरभान, तरश्वी, तारख, तार्च, तार्च्य, दिबपति, द्विजेन्द्र, नभगनाथ, नभगेश, नागांतक, नागाशन, नीलच्छद, पतगेंद्र, पचिराव, पिक्सिंह, पन्नगारि, पन्नगार्मन, परमेष्ठी, कियाभुन, मुनगभोनो, महानीर, रक्तपन्न, वज्रनुन्ह, बिलहा, विनतास्त, विशालान्च, विष्णुरथ, विष्णुत्वाहन, विहरारान, वैनतेय, स्याल, स्दन, शाहमलिस्थ, शाहमली, शिलानीह, शिलीहा, सुघाहरण, सुधाहरण, सुधाहत, सुवर्ण, मुपर्थी, सुपर्णतनय, स्रॅद्रिचित्, सुवर्णपन्न, स्वर्ण-काय, स्वर्णपन्न, स्वर्णन्न, स्वर्

१६१. गरुड़ के पुत्रों के नाम—चड, तुडक, चित्रकतु, चित्रवह, त्रिवार, पक्तित्, पद्मकेतन, परिद्वीप, वज्र विक्कमा।

१६२. गरुड का बड़ा भाई-- प्रस्य, तादयी

१६३. लच्मी—(विध्युकी स्त्रीतयाधन की ऋधिष्ठात्री देत्री) ऋंबुजासना, खबबा श्रव्यित्रा, श्रमला, इंदिग, उद्धिमुता, कमलयोनि, कमला, कमलालया, कुमारी, चीरजा, चीरसागरकस्यका, चोराधितनया, द्योरोदतनया, चचला, चपला, चला, बगःमयी, बगःभाता, जलधितनया, पद्म-गृहा, पद्मा, पद्मासनस्या, पद्मासना, पद्मालया, पद्भावती, पिंगला, बसा, भागंबी, भूति. महामाया, महालच्नी, मा, माता, मात्, माया, योगबा, योग-सभूता, रामा, सदमो, लाइ, लच्छमी, लच्छि, लच्छिमो, बोकवननी, लोकमाता, लोला, बरवर्षिनी, विभूति, विष्णुवल्लमा, शक्ति, शोमा, भी, भोमती, समुद्रका, सम्पत्ति, सम्पदा, सर्वमंगका, विधुकत्या, सिर्धुंबा, सिरी, सुरेश्वरी, स्नोरत्न, इतिप्रिया, हित्वल्लमा । १६४. लदमी का चाहन—उल्कादे॰ 'उल्लू'।

१६४. महादेव---श्रतकं, श्रंतकरता, श्रत-कत्ती, अतकारक, अतकारी, श्रांधकरियु, श्रदरीष, श्रद्भुल, श्रम्निकेतु, श्रदीरनाय, **श्रव, श्र**वात**रा**यु, श्रविन, श्रद्धास, श्रति-देव, अनगारि, अपराजित, ऋयुग्मनेज, अबीश, अदीगी, अध्यमूर्ति, असमनेत्र, श्रास्थिमाली, श्राहर्बुधन्य, श्रातमयोनि, त्रात्मसमुद्भव, ईश, ईशान, ईश्वर, उग्र, उम्रथन्ता, उमाधव, उमापति, उल्हामुख, क, कर्षाविमा, कर्धरेता, ऋतुकर, ऋषभध्यक, एकदक, एकपात, ऐ, ककाल-माली, कटवू, कपदीं, कपालभृत्, कपाली, कपिल, कलाधर, वरुमायकट, कवची, कात, कापालिक, कामजित्, कामयाल, कामरिषु, कामारि, कारण, कालकटक, कालकड, कालजर, कालनाथ, काशोनाथ, किरातपनि, बुलेश्वर, कैलाशनाथ, कैलाश्चरति, कृतरः कृत्विवास, कृत्तिवासा, श्रयानुरेत, इशानुरेता, कतुष्वसी, खुद्रहा, सदपरशु, खनां, खेवर, गगापर, गगेश. बंडली, गमीर, गखनाथ, गखनायक, गकपति, गक्षाध्यत्त, गरवरन, गरविय, विरिक, विरिजापति, विरित्र, विरिनाय, गिरीन्द्र, गिरोश, गीतप्रिय, गुडाकेश, मुक, मुख, मानई, मोपति, गोपालि, मौरीपति, गोरूप, ब्राम, इ, चडिक्षंट, यहोपित, चंडाश, चंद्रकलावर, चद्रचुड़, चंद्रघर, चंद्रभास, चंद्रभूष्य, चंद्रमास-बाट, चद्रमाबसाम, चद्रमौक्ष, चंद्रवेष,

चंद्रशेषर, चंद्राहित, चंद्रापीइ, चंद्राई-चूडामधि, चदिल, चतुर्वाहु, चमूहर, चर्चनी, चमेवमन, चल, चापी, चीर-बासा, चेकितान, ब, बगत् , बगद्गुर, बगद्दीप, बगद्धाता, बटाचीर, बटाटक, चटाटीर, बटाघर, बटाघारी, बटामाली, जनप्रिय, जन्माध्य, जन्य, जलमूर्ति, बो'गंड, ब'गह, बोगेश्वर, बोतिंग, च्योतिर्लिग, भभग, टक्टीब, ठ, ख, तट, तप्य, तमाइन, तल, तारकायय, तारकेश्वर, ताराधिष, नाराधारा, तारापांत, ताद्यं, ताल, तालाक, तिगममन्यु, तीच्याताप, तोइ, तीर्थदेव, तीव, तुग, तुगीश, तेबस्व, नारम्, नारन, त्रिचत्तु, त्रिजट, त्रिजटी, बिहरा, बिधमी, बिधाम, बिनयन, त्रिनेत्र, त्रिपुरध्न, त्रिपुरदह्न, त्रिपुरात, त्रिपुरारि, त्रिलाचन, त्रिशूनी, व्यवक, त्र्यच, खध्रा, दह, दंही, दसन, दराबाह्, टाक्य, दावन, दिक्कर, दिशवर, दिग्बद्धाः दुगधाः, दुदीत, दुर्भुख, दुष्डल, देवदेव, देवनाथ, देवेश, घटी, घन्बी, चरणीधर, अर्मवाहन, अमध्यन्त्र, वर्षस, बता, बारस, भु, धूर्बट, धूमकतन. धूम, धूर्बटि, नगा, नंदन, नदि, नाटकर, नादेशह, नदिवर्द्धन, नदीपांत, नदाश, नदीश्वर, नक, नकवर, नगवाहन, नटगाव, नण, नभयोनि, नम-न्थल, नर, नर्सक नागचूह, नाट्यप्रिय, नाम, नामि, ियह, निख्य । चं, निधनपति, नियत, नियम, निरंजन, निशा**द**र, निशा बर, निशाचरपनि, निशामभ, नीलकठ, नीलप्रोव, नृत्यप्रिय, स्वयाध, पचगुल, पश्चवद्दन, पंचानन, पद्म, पद्मरूर, पति-

वेदन, पद्मासन, पर, परम, पररमेश्वर, परमेष्ठी, परमेनर, परमेस्र, परागद, पवित्र, पशुनाथ, पशुपति, पागुचदन, पांशून, पासुचदन, पासुन, पाश्विकम्मी, पाश्विकर्या, पाद, पाटभुज, पापनाशक, पिंगास, पितामह, पितृरूप, पितृत्रनेचर, पिनाकी, पुंगवकेत, पुनर्वसु, पुराद्वर, पुरमिद, पुरमथन, पुरशासन, पुरइन, पुराजित, पुरातक, पुराण, पुरानि, पुरुष, पुलस्त्य, पुलह, पुष्कर, पुष्कल, पृथु, प्रकाशक, प्रकाशकार, प्रभु, प्रथमाध्यप, फाल, बधन, बकुल, बराक, बहुधर, बहुरूप, बहुल, बायापात, बाहुशाली, बाजवाहन, बीबाध्यच्, ब्रह्मसूज, ब्रह्म, ब्रह्मण, भगवत, भगवान् , भगवान, भगहारी, भगानी, भद्र, मद्रकविल, भइ, भवं भव, भवेश, भागो, भालचंद्र, यालनेत्र, भानलाचन, भालाक, भारकर, भिद्धरूप, भीप, मंत्राण, भीष्म, भुवनेश, भुवनेशी, भुवनेश्वर, भूचर, भूतचारी, भूतनाय, भूतपात, भूतभर्ची, भूतिभावन, भूतराज, भूतवाहन, भूतिवनायक, भूतावियांत, भ्तिकृत, भूतिद, भूतिवाहन, भूतेश, भूतेन्वर, भूते, भू गीश, मृगु, भैरव, भैरवेश, भरानाथ, भोनानाथ, भौतिक, म, मदनकदन, मदनारि, भड़ा-काल, महानट, महानृत्यज्ञ, महाकद्र, महाशक्ति, महरा, महेश्वर, महस, माधवी, मुडमाली, मुड, मृत्युज्ञय, यमातक, यमे-श्वर, यया, याम्य, भुनारीदकृत, योगनाथ, योगानलय, यागपति, यागपारग, योग-मुर्तिधर, योगविद, योगा, यागीनाय, योगीश, योगाश्वर, यागश्वर, रखस्त्रामी, रगोश, रसनायक, रिघाक, रीर, बद्र,

रुद्रपति, रेरिहाया, ललाटाच, लोकवंधु, वक्रधर, वराक, वरेग्य, वसु, वसुप्रद, बतुरेता, बसुरोधी, वहिरेता, वामदेव, वामन, वार, विद्याराशि, विद्येश, विद्युत्, विभु, विभूग्यु, वियग, विरबप्रभ, विरिच, विरूपाच, विशालाच, बिश्व, विश्वकारक, विश्वगर्भ, विश्वनाथ, विश्व-बंधु, विश्वमहेश्वर, विश्वरूप, विश्वहर्त्ती, विश्वश्रातमा, विश्वेश, विश्वेश्वर, विषक्ठ, विषमनयन, विषमनेत्र, विषमाच्, विष-मेच्या, विधातक, विध्वक्मेन, विस्तर, विस्तार, वोजवाहन, वीखहरत, वीर, बीरेश, वीरेश्वर, वृषकेतन, वृषकेतु, वृषध्वअ, क्षभकेतु, कृषभाक, कृषभध्यम, कृष-लाञ्जन, वृषवामी, वृषस्कंध, वृषाक, वृषाचन, वृषाकपि, वृषाग्यक, वृषायक, वेघा, व्योमकेश, ब्यानचका, शकर, शकरा, शभु, शभू, शयु, श, शक्तियह, शर्ब, शशिवर, शशिभाल, शशभूषण, शशि-शेखर, शिखडा, शितिषठ, शिरिश्चद्र, शिल्पिक, शिव, शिवकर, शिवनाथ, श्रृत्न-धारी, शूनपारिण, शूलहरन, शूलि, शूली, शृशी, शेषधर, शामन, रमशानपाते, अकिंठ, श्रीवास, श्रीवासक, घंड, घाड, संज्ञ, सज्य, सध्यानाटी, सयत, सवत्सर, संसारसारिय, म, संकलाधार, सदानद, समक्षी, समन्यु, सर्ग, सर्व, सर्वकाम, सर्वग, मर्वज्ञ, सर्वेतमुख, सारग, सावित्र, सितिकंड, सिद्धदेव, सिद्धनाथ सिद्धयोबी, सिद्धसेवित, सिद्धाश्वर, सिद्धेश्यर सुम्दरे-श्वर, सुखेष्ठ, सुतद, सुदशन, स्निति, स्पतक, सुप्रसाद, सुनल, सुवाब, मुझसराब, सुभग, सुमुख, सुरसमुहन, सुरभष्ठ, स्राध्यक्,

सुरारिहन, सुरायुग्गुरु, सुरुप, सुरेश, सुरेश्वर, सुरेस, सुवक्त्र, सुवर्णदेता, सुवयांब, सुशग्यय, सुसक्तेन, सुवरण,
सुसह, सुक्त्म, स्क्तांग्व, स्कंदिवशाख,
स्थालु हिथर, स्मरश्तुरु, स्मरहर, स्मरारि,
स्वभू, स्वयंभू, स्वयंभेष्ठ, स्वस्तिकृत,
स्वामी, हस, ह, हर, हरि, हरिकेश,
हरिण, हांग्वाहन, हांग्शर, हस्तरोधी,
हिन्ही, हिंहुंक, हिग्ययबाह, हिरस्यरेता,
हिरग्यवाह, हरि, हरी, हेमकेश, हैम।

१६६. घों कारनाथ (शिव)—श्रोकार-लिंग, सदाशिव।

१६७. शिव की ८ मूर्तियाँ—अमिमूर्ति (कद्र), भ काशमूर्ति (मोम), चितिमूर्ति (सव), चद्रमूर्ति (महादेव),
जनमूर्ति (भव), यजमानमूर्ति (पशुपति), वायुमूर्ति (उप्र), स्पंमूर्ति (देशान)।

१६८. ११ कर्-श्रव, श्रवरावित, श्राह-र्बुध्न्य, ईश्वर, एकगत, व्यंवक, पिनाकी, सहेश्वर, तृपाकि, सम्भु, हरख।

१६६. भेरव--कराल, कालनूति, भयंकर, भयानक, भाभ, भूतनाय, बद्रनूति, विक-राल, श्यानवादन।

१७०, अघ्ट भै (बॉ के नाम — अधिताग भैरव, काल भैरव, कोघ भैरव, चंद्रचूड भैरव, त अचूड भैरव, महाभैरव, बद्र भैरव, सहार भैरव।

१७१. संद्वारना – घंतना, श्रवसान करना, करूपांत करना, बालना, तांडव करना, वृतीय नेत्र कोलना, ध्वंसना, नष्ट करना, माराना, नासना, श्रवस करना, भारना, मिटाना, बिगाइना, बिनाशना, विधंसना, विष्वसना, विधासना, मिटियामेट करना, मिल्यामेट करना, महाप्रक्रय करना, लय करना, लापना, विनसाना, सहार करना। दे॰ 'विगाइना'।

विलोम— दे॰ 'सिरबना', 'पालना' । १७२. सहार —श्रव, श्रवनान, इल्पात, ध्वंस, नाश, प्रनय, महाप्रक्रय, मेट, विध्वंस, विनाश, समाध्यि ।

विनोम - रे॰ 'पानन'।

१७३. विनाशनीय—ग्रन्तीय, ग्रंत्य, नष्ट्य, नाशनाय, नाश्य, विष्वंसनीय, विनष्टनाय, सहारनीय, समाप्य ।

विलोम - दे॰ 'पालनीय'।

१७४. शिव के नन्दीगण—तुडी, नंदिड, नदिकश्वर, भृगः, रिटि, ऋगी।

१७ / नन्दा (शिववाहन)—श्रनन्ती बैल, त्रातन्दा, त्रानन्दी बैल, ताडवतालिक, नंद्रशान्दन, नान्द्र, देह, शालंकायब, शिवभूपक, शिववाहन। देव 'वैल'। १७६. पिनाक शिव का धनुष)— श्रवका, श्रवना, श्रावगा, भवचाप।

१७७. शिव का बाजा—हमरू, हिमहिन। १७८. जटाजूट (शिव की जटा)— कपर्द, कप्टन, बटावब, बटावस्सी, दिप्पक।

१५६. शिव का तीसरा नेत्र—बटाज्यास, त्रिनेत्र, मध्मक।

१८०. शिव पारिषद्—पारिषद्, पारिषय, प्रमय।

१८१ शिव का मृत्य—ताडव, शिव-नृत्व, प्रतयकर ताव।

१८२. शिव की पुरी-देलाय, देलाव।

१८३. विष- करियारी, काकोल, कालक्ट, गर, द्वेड, गरल, जहर, बिख, माहुर, हलाहल, हालाहल ।

१८४. ६ प्रसिद्ध विष—दारद, प्रदीपन, ब्रह्मपुत्र, वत्सनाम (वस्त्रनाम), शौक्लिकेय, सारं ष्ट्रिक, सौराष्ट्रिक। विलोम—दे० 'श्रमृत'।

१८४. पार्वती — ग्रवा, श्रंविका, श्रवा, म्राद्रिजा, श्रद्धितनया, स्त्रनता, श्रपणा, ब्रार्थ्या, इला, ईश्वरी, उमा, कात्यायनी, काली, कुमारी, कौमारी, गिरिका, गिरि-नदिनो, गिरिसुता, गौरा, गौरा, चडिका, बयतो, जया, त्रिभुवनसुरशे, दत्तसुता, टाचायणी, दुर्गा, देवेथो, नदिनी, नकुला, नगजा, नित्या, नोललोहिता, पंत्रमुखो, पतित्रता, पर्वतजा, पर्वतनांदनी, पार्थियो, ब्रह्मचारियां, भवभागिनो, भवगमा, भवा, भवानो, भव्या, भागती, भ्रमरो, भ्रामरी, मंगला, माहेशी, माया, मृहानी, मेनका-रमञा, मैनासुता, रुद्रपिया, रद्राणी, विशालाची, विश्वकारिग्गी, विश्वमुखी, शकरघरनी, शंकरिया, शकरा, शंकरी, शर्वाणी, शिवगनी, शिवा, शैनकुमारी, शैलजा, शैननदिनी, शैलपुत्री, शैलसुता, सगत, सगती, सती, मर्यमगला, सिंहवाहिनी, स्कद्बननो, हिम्मिरिमुता, हिम्बत्सुता, हिमशैलजा, हिमाचलस्ता, देमस्ता, हैम-वती।

१८६. पार्वती का वाहन-सिंह। दे॰ 'सिंह'। १८७. पार्वती का नृत्य — लाम, लास्य। १८८. कार्तिकेथ — श्रांबिकेय, श्रांबिकुमार, श्रृञ्जकाय, श्रांबिभू, कुमार, कौंचदारण, गंगापुत्र, गंगासुत, गुड, तारकवित, तारका, जित, द्वादशकर, द्वादशास, पिवन, पार्वतीनदन, पार्वकात्मज, बाहुलेप, भगवत, भगवान, भद्रशासा, भृतेश, महासेन, युद्धरङ्ग, रद्वतेज, विशास, शक्ति-घर, शक्ति-घर, शक्ति-घर, शक्ति-घर, शिलिध्वज, श्रीविशास, घडानन, पटमुख, पड्यमं, पडामुख, पारा-मातुर, सारभू, सेनानी, सेनापित, सिटसेन, सुम्हास्य, स्कन्द, स्वामिकार्तिक, स्वाहेय। १८० कार्तिकेय का वाहन—मोर।देव

१६०. कार्तिकेय के मोर का नाम परिवाणि।

१६१. कार्तिकेय की खां - कौमारी, सेना। १६२. गरोश-ग्रांबकेय, भ्राखुग, भ्राहि-पूज्य, एकदत, ग, गवदन, गवमुल, गजानन, गजास्य, गणनाथ, गणनायक, गगाप, गगापति, गगाधिप, गशाध्यस्. गणराब, बगवन्य, दुदि, त्रिवाद, देवदेब, दिमातृत्र, द्रैमातुर, नवनीतगराप, नागमुन, नागानन, परशुपाणि, पर्शयाणि, पृथ्वी-गर्भ, पृक्षिशंग, बुद्धिविधाता, भवानी-नंदन, भालचन्द्र, भहाकात्र, मोदप्रिय, मोददाता, लंबोटर, बक्तूतुइ, बक्रतुइ, वक्रतंड, विकट, विध्नजित्, विष्ननायक, विध्ननाशक, विध्नपति, विध्नराज, विध्न-विनायक, विष्नदरन, विष्नेश, विद्याः वारिधि, विनायक, शिवनदन, शिवसुन, शूर्पकर्ण, सटादान, मिद्धिनायक, कुमुल, इस्तिमल्ल, इस्तिमुल, हेरंब, इर्फ। १६३. गरोश का वाहन-दे॰ 'चूस'। १६४. दुर्गा-श्रंग, श्रावका, सवा, श्रनंतशकिका, श्रपराविता, श्रप्या, अध्य- मुना, श्रष्टभुना, इंद्राणी इका, ईशा, र्रश्वर, उम्रा, उमा, एकपश्चिक, एकपर्यी, पंद्रो, कंकालिन, कपर्दिनी, कपालिनी, कर्नुरो, कल्यागी, कात्यायनी, कामाची, कालिका, काली, कुब्बिका, कुमारी, कूष्माडा, कैटमा, कोहबो, कुरदती, खमा, गहिनो, मधर्वा, गणनायिका, गाधर्वी, गायत्री, गार्गी, गोला, गौरी, चंदनायिका, चडमुडविनासा, चडवती, चडालिका. चंडिका, चर्चिका, नर्ममुडा, चामुंडा, चिति, जगदवा, जगदंविका, जगदोश्वरी, बगद्गौरी, जगन्माता, जगन्मोहिनी, जयती, त्रयी, त्रिगुणा, त्रिदशेश्वरी, त्रिनायगा, त्रिभुवनसद्दरी, त्रिमूर्ति, त्रिलो-बता, त्रिलोबिनी, त्रिश्तनी, व्यंवकी, लाही, दनुबदलनी, दिकदरी, दुर्गविनाशनी, बात्रीधूम्बदिनी, नदा, नदिनी, नियति, निरंबना, निशुभमदिनी, पंचाननी, वचान्तुषा, परमह्मचारिया, परमेश्वरी, वरमेष्टिनी, पर्वतात्मजा, पाटला, पाटला-बती, पीठनायिकादेवी. पुरला, प्रकीर्णकेशी, प्रचडा, बलविक्षिका, प्रकुष्पाडी, बहुमुबा, बहुरूपा, ब्रह्मचावित्री, ब्राझी, मगवती, भगौती, भद्रकाली, भद्रषष्टी, मद्रा, भवानी, भालचंद्र, भीमीदरी, भूत-नायका, महाकाली, महगौरी, महादेवी, महाभाई, महामाया, महाविचा, महाशानि, महरवरी, मापा, यमुना, यादवा, योग-निद्वा, बोगभाता, योगभाया, योगिनी, योगीश्वरी, योगेश्वरी, रक्तवोअविनाशिनी, बह्रवश्नी, रेबती, रेवा, रोहिया, लद्मी, वरालिका, स्रश्तिकाता, सकाराषी, विर्थया, वामदेवा, आमा, वारालिका, वाराही, वाली, विजया, विद्या, विश्वकाया, विश्वमाता, वेदमाता, वैभ्णवी, बृहद मद्दारिका, शामवी, शक्ति, शिवकाता, शिवकारिखी, शिवदूती, शिविपया, शिववल्लमा, शिवसुन्दरी, शिवा, शेलजा, घशे, सत्या, सर्वाह्म-दरी, शिवहाहिनी, सिहस्था, सिद्धि, सुनद्रा, सुरसा, सुरसन्दरी, सुनद्रा, सुरसा, सुरसन्दरी, सुरेशी, सौमारयादायिनी, सौम्या, स्कदमाता, स्वनंदा, ह्यग्रीवा, हैमवती।

१६४. उप्रतारा (दुर्गा का एक विशिष्ट रूप)—मातगी।

१६६. ४ देवियाँ--दुर्गा, राषा, लह्मी, वाणी, शाकभरो।

१६७. ७ माताऍ-इंद्रायां, कीमारां, चामुडा ब्राह्मी, मॉहश्वरो, वाराही, वेष्णवी ।

१६८. ६ कन्यकाएँ—कल्यासी, कालका, कुमारी, चढिका, दुगी, त्रिमूर्ति, रोहिसी, शाभवी, सुमद्रा ।

१६६. ६ दुर्गा -- क'न्यायन!, कालरात्रि,
कुष्माडा, चंद्रघटा, ब्रह्मचारिकी, महागौरी, शैंकपुत्री, रिद्धिदात्री, कंदमाता।
२००. ६ शक्तियाँ — इद्राणो, कर्तिकी,
नार्रामेंही, ब्रह्माणो, महश्वरी, रौद्रो,
वाराही, वैष्याचा, सर्वमगला।

२०१. १० महाविद्याएँ — नमला, काली, लिल्लमस्ता, तारा. धूमावती, बगला, सुब-नेश्वरी, भैरवी, धातगा, पोडशी।

२८२, ६४ योगिनी— अविका, क्रांत्रन्वाका, अपर्या, ऐदी, कत्यायनी, कामाची, कार्तिकी, कालरात्र, कृष्यपिंगला, कौशाकी, गौरी, बोररूपा, चद्रघटा, चमुडा, कलो-दरो, डाकिनो, तपस्थिनी, दृष्टि, त्रिदशे- श्वरी, धृति, नारसिंहो, नारायणी, पार्वती, पृष्टि, बाराहो, ब्रह्मवादिनो, भद्र-कालो, ब्रह्माणी, भ्रामरी, भीमा, महातपा, महादेवी, महाबला, महाविद्या, महाषष्ठी, महोदरी, मातृका, मुक्तकेशी, मेषस्वना, मेघा, योगिनी, रक्तदितका, बद्राणी, रौद्रमुखो, लद्मी, लज्जा, लाकिनी, विद्या, विनायको, विशालाची, विष्णुमाया, शार्क-भरी, शाकिनी, शिवदूती, श्रुति, सरस्वती, सर्वमंगला, सहस्राची, सावित्री, स्मृति, हाकिनी, हारिणी।

२०३. ११ देवयोनियाँ—श्रन्मरा, किन्नर, गंधर्व, गुद्धक, देव, पिशाच, भून, यस्च, रस्च, विद्याघर, सिद्धि।

२०४. गणदेवता—श्रनिस (४६, श्रादित्य (१२), श्राभास्वर (६४). तुषित (३६), महाराजिक (१२०), कद्र (११), विश्वदेव (१०), साध्य (१२)।

२०४. १० विश्वदेव — विह्युराण के ऋनुसार,) ऋाद्रव, काम, काल, कतु, दस्त, ध्विन, पुरूरवा, शेचक, वसु, सस्य। २०६. प्रवसु (वैदिक देवता)—ऋनल, ऋनिल, घर, धुव, प्रस्पूष, प्रभास, विध्यु, सीम।

२०७. देवता — श्रवरौक, श्रम, श्रमिषद्वा, श्रमिमुख, श्रवर, श्रोटितनदन, श्रदितिसुत, श्रमर, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रादितेय, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रादितेय, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रमदेश, श्रादेवेय, कादित्य, श्रमदेश, स्वेचर, गगनेचर, गीविण, ठक्कुर, ठाकुर, तैतिल, श्रदश, श्रिदिवेश, मैविष्टप, दानवारि, दिविषित, दिविषद, दिवेह, दिवेहा, दिवेहह, देवहह, देवहह, दिवेहह, देवहह, दिवेहह, देवहह, दिवेहह, देवहह, दिवेहह, दिवेहह, दिवेहह, दिवेहह, देवहह, दिवेहह, देवहह, दिवेहह, दिवेहह, दिवेहह, देवहह, देवहह, दिवेहह, देवहह, देवह

दैवत, नभःसद्, नभगामी, नभरचर, निरूप, निर्मन, पशु, पुजिल, बहिंगुल, बुध, भट्टारक, भानु, सुवनपति, सुवपित, भूतकृत, लेख, बसुल, विह्मास, बिद्या, विद्यान, विश्वरूप, बिश्वास, वृंदारक, सर्वज्ञ, साध्य, सुभिराय, सुपर्वन, सुपर्वा, सुमन, मुमना, सुर, सुरमी, सोमयोनि, स्वाहाप्रस्या, स्वाहासुक्, स्वाहास्तन, ह्व्ययोनि।

विलोम—दे॰ 'क्रसुर' 'राइस' । २०⊏. ३३ देवों के स्थान—१४ स्वर्ग में, ११ पृथ्वो पर, ११ श्रांतरिद्य में ।

२०६. ३३ देवता (शतपथ जाह्यस के ऋनुमार)—१२ ऋादित्य, 'इह, १ प्रजापति, ११ इह, ८ वर्षु ।

२१०. ६६ (देवता ऐतरव **ब्राह्मण के** अनुमार)

५११. ३३ सोमप -१२ भादित्य, १ प्रजापित, ११ ठद्र, १ वषट्कार, ८ वसु। २१२. ३३ — असोमप ११ अनुयास, ११ उपजाय. ११ प्रजाय, (सोमप देवता, सोम मे तृष्त होते हैं और असोमप वर्ज्य बिल्यों से।)

२१३. ऋग्वेद के ऋनुसार देवाँ की संख्या ३३३६—(सायवाचार्य ने स्वतने भाष्य में लिखा है कि देवता केवल १३ ही हैं, ३३३६ नाम महिमा प्रकाशक मात्र है।)

२१४. पद्मपुराण के अनुसार हैगा की संख्या---३३ कोटि।

२१४. ऋग्वेद के कुछ प्रमुख देवता— कांग्न, अयमा, कांश्वद्य, इह, उद्या, उपा, ऋभुदा, एक्पात्, त्रित, त्यस्य, पर्जन्य, पूचा, वृक्षि, मस्त, यम, रुद्र, बस्, बाबु, बिष्णु, सोम ।

२१६. श्रमर —श्रनाशवान, श्रमत्यं, श्रमृत, चिरस्थायी, शाश्वत, स्थायी, स्थिर।

२१७. जमर होना — ग्रमरता पाना, ग्रमृत पीना, कीवा होना, कीवे की बोभ जाना, मृत्यु जीतना, मृत्युंजय होना।

२१८. मर--ग्रस्थिर, चिशाक, नाशवान, मर, मर्त्य, संशारी।

२१६. सर होना—ऋस्वायी होना, खिक्क होना, नाशवान होना, मनुष्य होना, मर होना, नवारी होना ।

२२०. देव संबंधी या देवकत—दैवत, दैविक, दैवी।

२२१. देवत्व--श्रमरता, श्रमरत्व, देवताई, विर्वादनः

२२२. पंच देवकन्या—ग्रदस्या, कृंती, तारा, द्रोपदी, मदोदरी।

२२३. ऋग्वेद की कुछ प्रमुख देवियाँ— इहाबी, इला, उपा, पृथिवी, राका, रोह्यो, तरस्वती, सुनृता।

२२४- देवताची की राक्तियाँ—इंद्रायी, कीमारा, वर्षिका, वामुंडा, बाद्यी, मादेशकरा,वाराही, वैश्ववः।

तुराषाइ, तुरासाइ, त्रिदशपति, त्रिदशाधिव, त्रिदरोहबर, त्रिदिवाधीश, दत्तेय, दर्बरीक, दस्युवृत्ति, दानवारि, दिवराध, दिवस्पति, हुरूच्यवन, देवताथिए, देवदेव, देवनायक, देवराब, देवराय, देवभृत, देवाचिप, देवेद्र, देवेश, दैत्यारि, खुपति, नंदनप्रधान, नगमिद, नाकनाथ, नयुचि-स्दन, नेत्रबोनि. पर्जन्य, पर्यन्य, पर्य्यराय, पर्वतारि, पविषर, पाकविष, पाकरिपु, पाकशासन, पाकइता, पाकारि, प्राचीनवर्हि, पुरंदर, पुरासाह, पुबदशा, पूर्वीदगीश, प्वंपाली, पृतनाषाइ, क्लो, बलस्दन, **बलर्न**, बलाराति, बासक, बाहुदती, विक्रीका, बृहद्रथ, भूरि, मध्या, मस्त्वान, महेंद्र, मेचराच, मेचवाइन, मेचकुच्छा, यामनेमि, युपुघ'न, र भापति, ल, लेखपंभ, बंदीक, वज्रवर, बज्रपािख, वज्रामुध्टि, वज्रहस्त, वज्रायुध, वज्री, वरकतु, वरेन्द्र, बलस्दन, बलइंता, वास्तोष्पति. विश्वयत, विश्वौजा, विबुषपति, विबुबाबिप, विदुचेश, विश्वगोप्ता, विश्वंभग, विश्वभुव, विश्वाभू, विश्वेमीब, इत्रहा, इद्रभवा, वृषा, वृष्यि, बृहद्रथ, व्याद, शक, शकदेव, शबीपति, शतभूत, शिसी, शुनावीर, सकदन, तक, तमिप, सहसासी, सहस्र कडु, सहस्रहरा, सहस्रतयन, सहस्रोत्र, सहस्रकोचन, सहस्राच, सहोबा, मुजामा, बुवासोर, सुरकत, द्वरप्रामको, द्वरतात, दुरभाता, दुरनाव, सुरनाह, त्रनायक, नुरप, सुरपति. बुरपासक, कुरप्रिय, बुरपुरकेत्, बुरमान, बुरभूप, बुरराई, सुरराष्, द्धरशका, वुरराव, वुरराव, वुरर्वम, वुरवर, सुरभेष्ठ, सुरसल, सुरसाँई, सुरसैयाँ, सुरस्त्रीश, सुरस्वामी, सुराधिण, सुराधीश, सुरेंद्र, सुरेश, सुरेश्वर, सुरेस, सुबन्न, स्त्रामा, सोमपति, स्तुवेय्य, स्वर्गपति, स्वर्गलोकेश, स्वर्गति, स्वाराट, इय, इरि, इरिबाइन।

२२६. १४ इंद्र—(देवो पुराण के श्रनुसार) इंद्र, श्रद्धाता, तबस्वी, मिदिव, दिवस्पति, प्रभु, बलिर्भाव्य, मनोजव, विपाद्धित, विभु, विश्वभुक, शिलि, सुकीर्ति, सुशांति। २२७. इंद्र की स्त्री—इद्रबधू, इंद्राणी, पेंद्री, चारघारा, जयवाहिनी, देवरानी, पुलोमजा, पूतकतायी, पौलोमी, मद्योनी, माहेंद्री, शिचि, श्रची, श्रतावरी, सची, सेना।

२२८. जयंत (इंद्र पुत्र)—उपेद्र, ऐद्रि, बय, तेजस्वी, परमज्या, पाकशासनि, यागसतान ।

२२६. इंद्रका घोड़ा—इंद्राश्व, उचै:अवस्, उचै:अवा।

२३०. इंद्र का सारथी—मातिल ।
२३१. इंद्र का महल—शैजयत, वैजयंत ।
२३२. इंद्र का उपवन—कंदसार, नन्दन,
नन्दन कानन, नन्दनवन ।

२३३. ऐरावत (इंद्र का हाथी) — अभ्रमातंग, अभ्रमुवल्लम, इद्रइस्ती, ऐरावया, गजामणी, गजेंद्र, चतुर्दन्त, नागमल्ल, मल्लनाग, श्वेतकंबर, श्वेत-इस्ती, सदादान, सुदाया।

२३४. विमान (इद्र का)—व्योमयान । २३४. कामचेनु—कामदुद्दा, कामधुकचेनु, कुरचेनु, सुरसुरमी ।

२३६. वज-श्रद्धक, श्रश्नि, श्रभ्नोत्थ,

त्रापोत्र, कुलिश, गिरिकंटक, गो, बंमारि, दंभ, दंभोलि, पवि, भिदुर, मेदी, शंब, शतकोटि, शतार, शतधार, स्वब, स्वबत्, हादिनी।

२३७ इंद्रपुरी--- झमरावती, इदलोक, देवलोक!

२३८ स्वर्ग-श्रतरिच, श्रवरलोक, श्रमरपुर, श्रमरलोक, श्रमरालय, श्रमरावती, त्रमृतलोक, ग्रर्श, ग्रव्यय, श्रासमान, र्**डा**, उद्ध्वलोक, ऋमुत्त्, कविलास, कैलास, खं, ख, गो, गोपुर, गोलोक, तविष, ताबीष, त्रिदशालय, त्रिदशाबास, त्रिदिब, त्रिधाम, त्रिपिष्टय, त्रिबिष्टय, दंडपाचि, दिव्, दिव, दिवान, देवानकाय, देवभवन, देवभूमि, देवभ्, देवराज्य, देवलोक, देवसदन, यु, द्युलोक, युवन, द्युसम, चौ, धाम, नाक, परधाम, परमधाम, परवेशम, पर, पुर, पृषभाषा, फलक, बहिरत, बिहिश्त, बैकुंठ, भिश्त, मदर, मंदार,महो-दय, रपुर, नेदसी, रहस, बाख, विबुचपुर, विशोधनी, विष्टप, बिब्युक्तोक, बीरमार्ग, वीरलोक, बैकुठ, वैष्ट्र, शकभवन, शकलोक शून्य, शिवलोक, भीनिकेतन, भीनिकार, ष, अर्वोतमुख, सुखाधार, शक्रभवन, सुदर्शना, सुदर्शनी, सुमनीकस, सुरयान, सुरदेश, सुरवाम, सुरनगर, सुरपुर, सुरलोक, सुरवेशम, सुरसदन, सुरसन्न, सुरेन्द्र**लोक,** सुरेशलोक, सुरौका, सुलोक, सोमधारा, सौरिक, खः, न्वर, स्वर्गलोक, स्वलेकि, ह, हरिचाम, हरियद, इरियुर, इरिस्नीक :

विक्रोम—दे॰ 'नरक'। २३६. स्वर्ग जाना—दे॰ 'मरना'। विक्रोम—दे॰ 'जीना'। २४०. स्वर्धीय — मलीकिन, गोलोनवासी, दिवंगत, मुक्त, मृत, वैकुंठवासी, स्वर्गवासी, स्वर्गभोगी।

विक्रोम --दे० 'नारकीय'।

२४१. कल्पश्च — ग्रमरपुष्पक, कल्पतक, कल्पतक, कल्पहुम, कल्पपादप, कल्पलता, कल्प-विद्यप, कल्पशाखी, कामतक, कामभूकह, देयतक, देवहुम, देवहुच, परिवानक, पारि-वात, मंदार, संतान, सुरहुम, हरिचंदन। २४२. अमृत — ग्रवर, ग्र, ग्रगहकार, ग्रमिय, श्रमी, कंच, किलाल, देवभोज्य, देवाचस, देवाहार, पीयूष, मञ्ज, शांशरस, समुद्र-नवनीत, तुषा, सुरभोग, सोम, स्येन, हिरराय।

बिस्रोम -- दे० 'विष'।

२४३ गणवं — ग्रप्थरस्, किन्नर, खग, ग गात, गातु, दिव्यगायन, देशगायक, देशगायन, देशायन, नभचर, नभश्वर, पुष्पदंत, यञ्च, युगप, विद्याधर, सुरगायक। २४४. गंधायों के ११ गर्गा—(श्रिम, पुराख के भ्रनुसार) श्रधारि, स्रभाज्य, कृशानु, कषु, मूर्चन्या, वंभारि, विश्यावसु, शूर्ववर्षा, सुद्दस्त, स्वन, इस्त।

२४४. प्रधान गंधर्व—गोमायु, चित्ररव, तुद्धर, नदि, विश्वावसु, इंत, हाहा, हुहू। १४६. कुक्क प्रसिद्ध गंधर्व—चित्ररय, तुंब्द, विश्वावसु, हहा, हाहा, हाहास, हुँहू,

२४७. चप्सरा—प्रच्छरा, अच्छरी, ब्रह्मरा, ब्रह्मरी, श्रद्धप्रिया, श्रतंद्वपा, गगनागना, विश्यवध्, दिश्यनारी, देवतूती, देववध्, देखांगना, शास्त्रटी, परी, सुरसुवती, सुरकोषित, स्वः सुन्दरी, स्वर्गवध्, स्वर्ग- वेश्या, श्वर्गस्ती, स्वर्गिक्यू, स्वर्वेभू, स्वर्वेश्या, स्वर्वेत्या, हूर ।

२**४८. प्रधान श्रप्सराएँ—श्रलंबु**षा, उर्वशी, घृताची, मेनका, रंमा ।

२४६. किन्तर—म्बर्वमुख, किंपुरुष, गीतमोदी, तुरगमुख, तुरगवस्त्रस, मबु, इरियानर्तक।

न्४०. श्रश्वनीकुमार — (स्वर्ग के बैदा) श्रश्वपुक, श्रश्वनी, श्रश्वनीसुत, श्रश्वनेय, गदागद, दस, दाच्यको, देवचिकित्सक, देवभिषक्, नास्त्य, नास्त्रिय पुष्पकस्रक, स्वर्बेदा।

२४१. सनत्कुमार—ब्रह्मपुत्र, वैभात्र । २४२. विश्वकर्मा—पद्धशिरूपेश,शिरूपराद् सुर्राशल्पकी, सुरशिरूपी ।

२४३. देवनदा— माकाशगगा, देवमंगा देवसरि, मदाकिनो, वियद्गगा, सुरहीविका, स्वनेदी।

२४४. देवसमा—देवतमान, ग्रुमा, वुनर्मा, उपमी।

रअप. कुबेर--- क, कार्यद, कार्यपति, क्रमकापति, देश्वर-सस, एक-कंडस, एक-पिंग,
एकपिंगल, एकाद्यपिंगल, ऐडिविड, ऐसविल, किकरेश, कुद्द, सुद्वपति, गुझकेश्वर
गुझपति, श्यवकस्त, ध्यं वकस्ता, धनवे सो,
धनदः धनदेव, चननाथ, धनशि, धनेश्वर, वरवाइन, निधिनाथ, निधिप, निधिपति, निधिपास, निधिश्वर, नृपति,
पद्यलाखन, पिशाककी, पुरायकनेश्वर,
पुलकायल, पौलस्त्य, वक, मनुष्यधर्मा,
वस, यक्नायक, वसप, वस्त्यति, यस्त्राव,
यक्तराद्द, यद्याधिप, वस्त्राविपति, वस्त्रेड,

यत्तेश्वर, याद्धदत्ति, रतकर, रत्नगर्भ, रकाधिपति, राजराज, वक, वसुद, वसुपद, वित्तनाथ, वित्तप, वित्तपति, वित्तपाल, वित्तेश, वित्तेश्वर, वैभवक, भदि, भीपति, सप्रसन्न, सोम, सौरम्य, स्थपति, इर्य्यन्त । २४६. कुवेर का सौतेला भाई-रावण। २४७. कुबेर का पिता-विभवस् । २४८. कुवेर का पुत्र--नलक्वर। २४६. कुबेर की पुरी-अलकापुरी। २६०. कुबेर का उपवन-चैत्राय। २६१. कुबेर का विमान- पुष्पक। २६२. कुबेर का ऐश्वर्य- ब्राठ सिदियाँ, नव निषियाँ। २६३. सिद्धि--ऐस्वर्य, भूति, विद्धि । २६४. ८ सिद्धि-म्बाग्यामा, रेशल, गरिमा, प्राप्त, महिमा, लिबमा, प्राकाम्य, वश्चित्य । २६४. ऋदि -चेतनीया, बीवदात्री, बीव-भेष्ठा, प्रायदा, प्रायप्रदा, प्रायप्रिया, मंगल्या, योग्या, यशस्या, रथांगी, लच्मी, लोककाता, वृष्या, सपदाइया, सिद्धा, विदि । २६६. ६ निधि-कचळप, सर्व, नद, नील, क्दा, मकर, महापदा, मुक्द, शल। २६७. कोष (कुबेर का) निधि, भंडार, माडार, रोवधी । २६८. ऐरवर्थ (कुवेर का) भूति, विभूति । २६१. कुवेराचल-कुवेरावि, कैलाश । २००. इवेर ३री- ऋलकपुरी, ऋलकप्रभा, धलका, भ्रालकापुरी, यन्तपुर, वसीकशार, वसुषारा, वसुबारा, वसुस्वसी, वित्तपुरी, शकपुरी ।

२७१. कामदेव--श्रंगब, श्रंगहीन, श्रंब, श्रज, श्रतनु, श्रदेह, श्रमंग, श्रमंगी, त्रनन्यक, त्रनसमुख, समिरूप, स्रयुग्म-वाया, ऋसमवाया, ऋसमधार, ऋारमञ, ब्रात्मवात, ब्रात्मभू, ब्रात्मयोनि, ब्रात्म-समुद्भव, आस्मोद्भव, इष्म, कंबन, कंडु, कंदर्व, क, कमन, कलाकेलि, काम, कामग, कामद, कामचार, कामवर्द्धन, कामी, कामुक, किंकिर, कुसुमकार्मुक, कुसुमवाण, कुसुमश्र, कुसुमायुष, कुसुमेष कृष्यी लरू, खेलक, गदयित्नु, गृधु, गत्स, चित्तम चित्रम्, चेतोजन्मा, चैत्रस्या, बरामीस, भवकेद्व, भाषांक, तिथ, दर्पक, दीपक, घानकी, नदक, नदन, नंदी, नवरंगी, पचशर, पंचेषु, पस्सवास्त्र, पुष्पकेतु, पुष्पचाप, पुष्पधनुष, पुष्पधन्या पुष्पध्यः, पुष्पवत्री, पुष्पयुध, पुष्पवाच, पुष्पश्चर, पुष्पशरासन, पुष्पेषु, प्रद्शुम्न, बहुरूप, नव, भावज, मंथि, मकरकेतु, मकरभाव, मञ्जूष्रसवार, मद, मदन, मधुदीप, मन्तिय, मनोगत, मनोय, मधुसल, मन्मथ, मयन, मातंग, मानस, मायासुत, मायी, मार, मानकेतन, मुरमुर,मुहिर, मैन, मोइ, मोइक, मोइन, मोइनवर्कन, यौवनोद्धव, रण्रस्थक, रतनारोच, रतिकांद्र, रातेनाथ, रतिनायक, रतिनाइ, रतिपति, रतिप्रिय, रतिरम्य, रतिराइ, रतिराख, रतिवर, रम, रम्ब, रमति, रमन, रबीषु, रागरन्तु, राशवृंत, रूपारन, कदमीपुत्र, वहत्वंषु, वराषु वर्घ, वसंतरासा, बाम, विसाश, विषमवास, विषमविशिस, विषमाचुच, बिश्मापन, वीरचम्बा, शंवरब्ह्न, शंवस्रि, शिलि, भोनंदन, शृंगारयोनि, संकल्पभाव, संकल्पयोनि, समांतक, संवरारि, संसारगुढ, साख, सुप्रतीक, सुमसायक, सौरत, सौरत्य, स्मर, स्वयंभू।

२७२. कामदेव की ध्वजा का चिह्न-

२७३. कामदेव का बाहन—शुक, दे० 'तोता'।

न्क्ष्ठ. मोहित करना — श्रकरखना, श्रनुरक करना, श्राकषित करना, खींचना, दिल खींचना, दिल लेना, मोहना, सिमोहना, विमोहित करना, समोहित करना, हृदय खींचना।

२७४. मोहित होना— अमुराना, अनुरक्त होना, अवसाना, आकर्षित होना, आसक होना, कर्षित होना, खिंच जाना, उरमता, उत्तमना, मुग्न होना, मोहना, मोहित होना, रीमना, लटपटाना, लट्टू होना, अभ जाना, विभोहित होना, समोहित होना।

२७६. सम्मोहन—ग्राकर्षण, लिंचाव, विमोहन, मोहन, सम्मोहन।

२७०. मोहनीय - श्राकर्षक, मोहक, दे० 'कुम्दर'।

२४८. मोहिन--श्राकषित, लट्टू, कुष्ध, ांक्झोहित:

२७६ डचाटना — श्रमना करना, श्रनासकत करना, उलाइना, उलाट करना, उल्लाटन करना, उदास करना, खिल करना, तोइना, विरक्त करना, हुटाना ।

स्म० स्वटना---श्रनमना होना, श्रना-स्वत होना, उल्लाट होना, उपबाटन हानी, उदाव होना, खिन होना, ट्रंटना, न लगना, विखरना, विखलना, विखलना, विखलना, विखलना, विखलना, विखलना, विचलित होना, विरक्त होना, विरक्त होना, विराग होना, हटना। २०११. उच्चाट- अनमनापन, उच्चाटन, उदासी, उदासीनता, लिन्नता, विकर्षण विशक्त।

२**५२. उचटा हुऋा—श्र**नाकषित, उचटा, उचटित, उच्चाटिन, इटा ।

२८३. कामदेव के ४ वाण-उन्मादन, तापन, शोषण, समोइन, स्तमन ।

२८४ क मदेव के पुष्पधनु के ५ पुष्प-वारा-श्चरविंद, श्रशोक, श्राम्न, नव-मल्लिका, नीलकमल।

२८४. रित — कामकला, कामो, कामपानी कामप्रिया, केलिकिला, टब्सुता, मीति, मायावती, रती, रागलता, रेवा, शुभागी, समराप्रया: स्मर क्यू।

रम्ह. मैथुन करना—कामकला वरना, केलि करना, केलिक्ल करना, चोटना, चोदाई करना, बुटना चोड खाना, परिभोग करना, परिरभण करना, प्रसंग करना, भोग करना, भोगविलास वरना, रित करना, रितसमर करना, रमण करना, विलास करना, सभोग करना, सवास करना, सश्लेष वरना, सहवास वरना, सुरत करना, श्ली प्रसंग करना, कीमोग करना, स्त्री सग करना, कीमोग करना, स्त्री सग करना, की समागम

रेटण, मैथुन-कामकला, कोक, केलि, केलिकिल, गमन, ब्राम्यकर्म, ब्राम्यकर्म, चोदन, चोदाई, जमन, धर्चक, धर्मका, निधुवन, परिभोग, परिमल, परिशंमक, परिष्वंग, प्रसंग, मिक्ना, भोग, भोग- विलास, याम, रत, रति, रतिदान, रतिरमण, रतिसमर, रती, रमण, रमन,
विलास, व्यवाय, रौन, संगति, संग्रह,
सग्रह्ण, सभोग, संवास, स्वेशन, सभय,
संश्लेष, संसर्ग, सहनन, समीचक, सहवास
सुरत, सुरति, सुरभिवाण, स्वोकरण,
स्वीगमन, स्वीधमं, स्वीप्रसग, स्वोभोग,
स्वासंसर्ग, स्वास्तमा, स्वास्तमा, स्वासंवन।
स्व. मैथुन करने योग्य—पसंगनीय,
भोगनीय, रमणीय, रमण्य।

वरुण — त्रंबुनाथ, श्रं बुपति, श्रपापति, श्रप्यति, उद्यम, श्चंबुराज, कुएड जिना, कुएडली, केश, जंबुक, चल-कात, जलकातार, जलदेव, जलदेवता, बलपति, बताबिदैवत, बलाधिप, जलेंद्र, जलेश, जलेश्वर, तोयेश, दहर, दुन्दुभि, दैत्यदेव, धर्मपति, नदपास, नदीन, नदी-वति, पथोदेव, परजन, परजय, पाथस्पति, पावक, पाशघर, पाशमृत, पाशहरत, पाशी, प्रचेता, न, नक्या, मेष-नाद, यादःपति, यादशम्पति, राम, व, बारिनाथ, वारिलोम, बारिलोमा, विलोम, सक्त, सकृत, सागरात्वय, सावन, सुलाश, स्टर्यपुत्र ।

२६०. वहरा का व हन-मकर

२६१. वर्गः का ऋस-नागपाशः, पाशः, पुलकाम, विश्वजितः।

१६२ वक्ण की नगरी—वसुधानगर,

२६३. वरुण का प्रिय निवास स्थल--

२६५. वदण का छाता-कामीय।

२६५ वरुण के पुत्र-अगस्ति । २६६. बरुग की स्नी-वादयी। श्रंबरमाँ रै सूर्य-श्रंधकरिषु, श्रंबरीष, श्रंबरीष, श्रंशु, श्रंशुमंत, श्रशमाली, श्रशुमान, श्रंशुमाली, त्रग, त्रत्, त्रदित, त्रदितसुत, त्रन्न, श्रयुग्मवाह, अरिशा, श्रारणी, श्रारविंदबंधु अराया, श्रदया, श्रर्क, श्रविष्मान, श्रर्याय, सर्वमा, स्रवबोधक, श्रवरत्रत, श्रांव, श्रसुर, ब्रह, ब्रह्पति, ब्रहत्कर, ब्राह्म, ब्राक्सश-चारो, ब्रातपी, ब्रादित्य, ब्राफ़ताब, **इन. ईशान, उच्चा, उम्र, उद्, उम्मा**क, एकचक, एकपात् , श्रोकपति, क, कपि, कपिल. कमलबंधु, कलिंद, कवि, किरबा-मालो, केश, च्रिद्र, सग, खगपति, सचर, लद्योत, लाद्योतक, बराग्रु, कल, कवर, खेचर, गगनगीति, गगनध्वव, गगनवटी, गर्भास्त, गमस्तिपाचि, गभस्तिमान, गभस्तिमान, गभास्तिइस्त, नो, गोवति, ग्रहपति, ग्रहपुष्प, ग्रहराज, चडकर, अध-दीचित, चंडाशु, चक्रबंधु, चक्रबंधव, चचुधाति, चित्रभानु, चित्ररथ, द्वासानाथ बगस्वच्च, जगस्ताची, अनचच्च, बिन, जिन्ता, जोभूत, ज्योति, ज्योतिष्मान, ज्याल-मालां, तपन, तपनि, तपस, तपु, तमारि तमोदन, तमोरि, तमोइपइ, तमोइर, तमोइरि, तरिया, तापन, तापेन्द्र, तिण्मदीधित, तिग्मरशिम, तिग्माशु, तिमिरनुद, तिमिर-भिद्, तिमिररिषु, तिमिरहर, तिमशरि, तीक्यारश्मि, तीक्याशु, हुंगीस, तेबोराधि, त्रयीवन, त्रयीमय, त्रिमृति, त्रिलोकेश, त्रिविषामीश, दिवयर, दनकर, दनमाव, दिनकत, दिनकर, दिनक्षा, दिनक्कत्,

दिनदीप, दिननाथ, दिननायक, दिननाइ, दिनप, दिनपति, दिनपाल, दिनवंधु, दिनम्बा, दिनम्नि, दिनयपूर्व, दिन-माली, दिनरत्न, दिनराई, दिनराष, दिनाषोश, दिनियर, दिनेश, दिनेश्वर, दिनेस, दिवसकर, दिवसनाथ, दिवसपति, दिवसमिशा, दिवाकर, दिव्याशु, दीत, दीप्तकिरण, दीन्पाशु, दुव्यिपद, दूराहण हज्भू, हन्भू, देवम्थि, खुपति, युमिष, शुम्न, शुवन, द्वादशात्मा धरण, षामनिधि, ध्वातशत्रु, नग, नभःकेतन, नभःपाय, नभगामी, नभश्चल्रु, नभस्य, नभोमार्ष, निदाधकर, पतंग, पद्मनाम, पद्मपाणि, पद्मगर्भ, पद्मलाञ्जन, पद्माच, पद्मासन, परिष, पर्पटीक बभा, पाथ, पार, पावक, पीतु, पीथ, पीयु, **बुक्य, पुष्कर, पूर्यामास, पूर्वकृत, पूष्या,** पूर्वा, पेरू, प्रकाशात्मा, प्रजाद्वार, प्रजाध्यन्त, घवापति, प्रभाकर, प्रातनाथ, बकुर, बब्ह, बन्त, ब्रध्न, भग, भगवन, भाकर, भान, भानु, भानुकेशर, भानुदेव, भानुमत् भानुमान, भानेमि, भान्न, भानु, भान्तर, मास्वत्, भास्वर, भुवन्यु, भुताच, भूपरा, मंडली, मार्सेड, मित्र, मिर्दर, मैत्रेय, वमत्, बमादित्य, रब, रवि, रानापति, रात्रिनाशक, रुचियाम, रुचिभर्ता, रोहित, कोकवर्ष, लोकवर्ष, वच, वरी, वक्ष, ब्द्यु, बाबस्तिन, बासि, वासरमिश्च, विकर्कन विभाकर, विमावसु, विग्यम्या, विरोचन, विवस्वत् , विश्वकर्मा, विश्वकाव, विश्व-प्रकाशक, विश्वस्त, विश्वलोधन, विद्याम, विद्या, बीतिहोस, वेका, ब्योरत्नक शूर, सूरा, श्रीयुक्त, सदागति, सप्तपत्र, सप्तारव,

सब, सविता, सविभास, सहिर, सहस्रकर, सहस्रकिरण, सहस्राध, सहस्रचित सहुरि, सानु, सावित्र, सुतपा, सुर, सुरव, सुरमान, बुराषृत, सुरुब, सुरोत्तम, सुवन, स्त, स्नु, स्रज, स्रि, स्र्यदेव, स्र्यंनारायवा, सूर्यपति, सोमबधु, स्पून, स्यंन, स्त्रर्ण-भाज, इंस, इरि, इरिण, इरित् , इरिनाइन, इिमाराति, हिररायरेता, हिररायबीर्घ्य, इषु, हेममालो, । २६८. १२ आदित्य-श्रयंमा, उरकम, त्यष्टा, घाता, यूघा, भग, मित्र, वस्या, विधाता, विवस्वान, शक, सविता। २६६. सूर्ये की १२ कलाएँ - इमा, ज्वा-लिनो, तपिनी, तापिनी, धारिखी, धूमा, बोधिनी, भोगदा, मरीचि, इचि, विश्वा, सुष्या । १००. सूर्य के पुत्र--ग्रश्वनीकुमार, कर्वा, मनुवैवस्वत, यम, शनि, सुप्रीव । ३०१ सूर्य की कन्या-यमुना, (वमी,) दे० 'बमुना'। ३०२. सूर्य की स्त्रियाँ—कान्ति, झाबा. प्रभा, प्रभावती, महाबोर्च्या संशा, संवरकाः, सूर्व भिया, स्वाती । ३०३. सूर्य के घोड़े—उच्चै:अवा,रविहय, सप्तार्थ । ३०४ मूर्य का सारथी-अमूप, चक्क, कार्यपी, गरहाप्रव, विवस्वत, सूर्यसुत । ३०६. सूर्व के वारिपारवैक-वहांक, पिंगलोदङ, माठर। ३०६. सूर्य की नगरी-भारक्ती, विवस्वती । ३०७. चंद्रमा-- अंबर्वारपु, अंभोब, अब, श्राधिनेत्र स स्रभेष, सब्ब, श्रविषय, श्रीमत, श्रमीकर,

अमृतकर, अमृतदीचित, ग्रमृतद्युति, श्रमृतबधु, श्रमृरश्मि, श्रमृतवपु, श्रमृतस्, अमृतांशु, श्रात्रेय, इंदु, उद्भुप, उद्भुपति, उहुराज, ऊ, ऋच्पति, एकभृत, श्रोकपति, स्रोषविपति, श्रोधघीश, कलंघर, कलाघर, कलानाथ, कलानिधि, कलाप, कलामृत कात, कामी, कुमुदबंधु, कुमुदबांधव, कुमुदिनीपति, क्लेदु, च्यादाकर, च्याकर, चपानाथ, चपापति, चीरब, चीरोनंदन, चुघासुति, खचमस, खग, खदिर, खिदिर स्रेचर, गगनगति, ग्ली, गो, प्रहनेमि, ग्रहराज, चन्द्र, चन्द्रक, चन्द्रा, चन्द्रिर, चन्द्र, चन्द्रक, चन्द्रयस् ,ः चन्दरि, चाँद चित्राचीर, चिवाटीर, नित्रेश, छपाकर, इरयाभृत, झायाक, झायामान, जयंत, बर्ग, जलब, बलविज, जुन्हाई, जैवातृक, बोन्हाई, तपस, तपिनाथ, तमिपति, तमीश, तमोध्न, तयोदर्शन, तमोहपह, तमोहर, तमोहरि, ताराचिप, ताराचीश, तारानाय. तारापति, तारापीड, तिथिप्रश्वी, तुंगीपति तुंगीश, तुषारकर, तुषारिकरण, तुषारमूर्ति दुवाररशिम, तृवाराशु, दुहिनाश्रु, न्यंगट, दचनायति, दिषसुत, दशवाजी, दशास्व, दासापर्यापिति, होषाकर, द्रुमेश्वर, द्रिज र्पत, दिबराज, दिबेंद्र, दिगज, दोशाकर, ध्वातश्रमु, नज्ञनाय, नज्ञनेपि, नज्ञय. नवात्रपति, नक्त्रगड, नक्त्रो, नक्त्रेश, नक्त्रेश्वर, नखतराज, नखतराय, नगपति, नभगामी, नभश्चमस, निशाकर, निशा नाव, निशामिव, निशारत्न, निशिकर, निशिनायक, निशिपाल, निशिनाथ, तिशिपति, निरोप, निसकर, निसकर, निविपति, निसिपाल, निविमनि, निसेस,

नेभयोनि, पद्यबन्मा, पद्यबर, पतउद, पतय, पतस, पतोसद, परिष, परिजन्मा, परिज्ञा, परिज्ञा, पर्वेषि, पवमान, पीयुष-रुचि, पीयुषवर्ष, पीयूषमहा, पूर्णमास, पौलस्त्य, प्रभाकर, बुचबामी, भग, भयत, भरायु, भुवन्यु, म, मनोभूत, मयंक, मिहिर, मृगमित्र, मरीची माइताब, मृगालाञ्जन, मृगाक, मेहताब, यामिनीपति, यामीर, रज्नीकर, रजनीचर, रजनीपति, रजनीश, रसपति, रानेश, गन्निमिख, वरालि, वर्चस्वी, रोहिस्मीपति, रोहिस्मीस, लच्मीसहज, वाति, विकस, विकुस्त, विभु, विपुष, विभावरीश, विमलात्मा, विरोक, विरोचन, विश्वलोचन, विहग, रामु-भूषरा, शशधर, शशाक, शांश, रासि, समुद्रनवनंति, सन, सर, सद ससि, ससिघर, सची, सारग, सारस, सिंधु-षन्मा, सिन्धुपुत्र, सितमानु, वितदिन, सिताशु, सिताश्व, सुखग, सुधाँग, सुधाशु, सुवाकर, सुवागेह, सुवाघट, सुवाघार, सुवादोधित, सुबाधरण, सुवाबाम, गुवा-निधि, सुधामृति, सुधाम, सुधायपूस, मुधायानि, सुधाराष्ट्रम, सुध वास, सुधासदन, सुध स्, सुधास्ति, सुवन, सृष्णि, सृष, धृम, सेतदुर्त, संतवाह, सोम, लोमदेव, सोम-राज, स्थूम, म्लेहु, स्मरतल, स्यद, इ, इरि, इरियाकलक, हरियालच्य, दरियलाच्य हिम, हिमकर, हिमकिरख, हिमगु, हिम-दोधिति, हिसभानु, हिसमयूस, हिपरहिस, हिमक्ति, हिमस्त्रुति, हिमाशु, **हवांधः**। ३०७ घ. चद्रमा की खी-ग्रम्थनेति, घातृ, रोहिगी, विधातृ। ३०८. चत्रमा का पुत्र--वृष, दे॰ 'वृष'। ३०६. चन्द्रमा की १६ कलाएँ—श्रगदा, श्रमुता, कार्ति, चन्द्रिका, ज्यात्मा, द्विट, धृतं, प्राांत, प्रांत, प्रांत, प्रांत, प्रांत, प्रांत, सराना, भार

३१०. चन्द्रचिह्न — ग्रक, ग्रथम, कलंक, चिह्न, निर्वाद, प्रमाद, मिलन, मलो, मिल, मृगचिह्न, प्रमाक, लच्चण, लच्म, लाखन, शश, शश, शशक।

३११ अग्नि--ग्रगात, ग्रवकारपु, ग्र, श्रांगिन, श्रांगि, श्रांतिथ, श्रानन, श्राप्यत्त, श्रमिताश्चन, श्रचिष्मान, श्रागी, श्रातश, बातिश, त्राशुशिच्गा, स्राभयाश, उप-बष, ऊद्ध्वंमुख, क, बुंन, कुतप, कुमार, कवांटयो।न, इशानु, विप्रस्त, गृहपति, चित्रभानु, ह्यागरथ, जभागि, जगन्तु, बन्यु, बल्पिंड, जल्ह्, जातवेर, जन्यावन, उथाति, उन्त, उवलन, उवालजिह, तन्तपात, तपन, तप्, नमोइन, तमादर्शन, नमोहयह, तमोहर, तमाहरि, तर, तिथ, त्रिधाय, दम्बद्गमा, दमुन, द्वा, दहन, दाहा, दिग्ध, देवाइत, देवपान, देवनवत्, देशवाह्न, यू. धनंबय, धनद, धिष्टप, भुवन, धुवाँ भवन, भूम केतन, धूम केत्र, धूमधर, धूमध्यज, ध्वातशत्, नाचिकेता, निअंरक्षेम, नालगुष्ट, पाचि, पतत्वाहा, परिक्षा, पर्यटाक, पत्रन, पानक, वाहन, पवनासम्ब, पशुपात, पाचजन्य, पाकत, पाय, पाब, पावक, पावन, विगल, पिरोश, बाह्र, पीष, पृष्टरीक, पृथु, पेस, प्रजाहत, बमाका, प्राण, प्रातिपदिक, प्लिस्, प्लबर्ग, बहुत, बाख, बासुदेव, बाहुत, बीतिहीण, बुध, वैसन्दर, ब्राह्मया, वृहद् , इददमानु, भरवयु, भारत, मास्कर, मुक, मुख्य, भुव, भुवन्यु, भूरितेबस , मदसान, यविष्ठ, र, रोहिताश्व, रोहिनवाद, लालील, लाव, लोहिताश्व, वजाबाह वर्ष्ट, वर्हिशुष्मा वहा वसु, वसुनाय, वसुरेता, वर्धावद्, बाबपित, बातशाय, बातसारिय, बातस्वन, वायुसल, बागबस्कटा, वाशि, विगेश, विभावन, विभावन, विश्वप्स, विश्वाद्, विश्वेवेद, विश्वेदेव, विश्वा, बीतिहोय. वीब्र, बुक, बृष्णि, वेश्वानर, शिन्ति. शिखी, शांग्य, शोभन, मवेश, स्प्तिंकहा, मप्तर्काच, स, समिथ, समाध, समहपास, सम्महा, सरल, सवन, स्वन, स्शिम, सृणीक, मृदाकु, मोमगोपा, स्थावि, म्फुरकर, स्वधाधित, स्वधाबिका, स्व स. स्वग्रंद चति, स्वाहापति, स्वाहाधिय, स्वाहाबल्लभ, हर, हरि, इव, इवन, इविभुज, इव्यभुज, ह्व्य-वाह, दव्यवाहन, १इम'राति, दिरएथ विन्दु, हिरस्यरेका, हिरस्यवीरर्थ, हुत्मञ्च, हुत्मुक्, दृतसुग, दृतभुभ, हुत्वह हुताशन, हुपु, हाम ।

३१२. ऋग्निका जिल्लाएँ— उमा, कराला, काला, ध्रुम्नवर्ण प्रदीप्ता, मनाज्ञवा, जलाहिता।

३१६. प्वन-- अ अहांत, अभिस्ता, अभिस्ता, अभिस्ता, अवग्रामहाप, अवग्रामा अवग्र अध्यक्ष, अभिन्ता, अपान अभूत, व्याक्षणाया, अपावन, आवन, आपान, अपावन, स्वाद्यान, भयदित्या स्वग्र, स्वाद्यान, विचन, विचन, विचन, विचन, विचन, विचन, विचन, विचन, अग्राप्य, विचन, विचन,

दैरयदेव, धवाणक, धारावनि, धूक, धूलिध्वज, नभःस्त, नभग, नभप्रास, नभस्वर, नभस्वान् , निश्वासक, नित्यगति, निपत्वत, निरूप, परिमर, पव, पवमान, पाथ, पृषताश्न, पृषदश्व, पृषोदग, पोता, पौन, प्रकपन, प्रभजन, प्रासा, फलिपिय, बतास, बाउ, बाऊ, बाय, बायु, बाव, भोगिकात, मस्त, मातरिश्वा, मास्त, यम, व, वर्षस्न, वहत, वहति, वहिमित्र, वात, वाति, वायु, वाह, वास, विधु, विहग, वीघ्, वृष्णि, शसीनि, श्वसन, स, सतील, सदागति, समीर, समीरण, सरट, मरएय, सरिमन, सर्क, सार, सुलाश, सुमर, त्क, स्तक, स्याक, सदाकु, सोम, स्पर्शन, रकुर, स्यदन, स्व∗वन, स्वदनाम, हरि, इरिताली इवा, इावा।

३१४ पवन की ऋी—श्रजना, कुती, दे० 'श्रजना'। द० 'कुता।

३१४. पवन के पुत्र माम, हतुमान । दे॰ 'भीम'। दे॰ 'हतुमान'।

३१६. ४६ पत्रन-त्रव्ति, त्रजगत्याण, श्रानल, त्रपान, त्रावक, त्राशुग, उदान, कपलदमा, खश्वास, गधवह, चंचल, बगन्पाण, धूलिध्वज, नमप्राण, नमस्वर, नमस्वान्, निम्बासक, पवन, पण्मान, पृथतापति, पृषदश्व, प्रकम्पन, प्रमावन, प्राण, फालप्रिय, मो।गक्ति, मक्त्, मातिरिश्वा, माक्त, मृगवाहन, वात, बाति, वायु, वास, वाह, विह्रा, व्यान, श्रामान, श्वसन, सदागति, समान, समीर, समीर्थ, सार, सुखाश, स्तन्न, स्पर्शन, स्वकपन, हरि।

३१७. यमराज-ग्रतक, ग्रतकर, ग्रंतकत

श्रतकारक, श्रातकारी, श्रातकृत, श्रकंब, श्रीडंबर, कंक, क. कर्मकर, कीनाश, कृतात, कोपत, अनात, जम, जीवनपति, जीवितेश, तर्राणसत, दडधर, दडधार, दंडयाम, दडाधर, दंडी, दचिगाशापति, टघ्न, दिनेशास्मज, दैवाकरि, धर्मनाथ, धमराइ, धमराज, धमराय, नरदडवर, पापंर, परेतराष्ट्र, पितरपति, भितृदैवत, पितृनाय, पितृपांत, पितृराज, पृथियापित, प्रजातक, प्रजापति, प्रेतराट, भानुक, भामशासन, भूतातक, म, महरद्रधारा, महिपेश, मृत्यु, य, यमन, यमपुरुष, यनुन।भ्राता, रिवतनय, रविनदन, राबपूत, रविसुधन, वैवस्वत, श्राद्धद्वेव, सजनीपति, समवर्त्ति, समवत्तां, समितिजय, सूर्यंत्र, सूर्यपुत्र, सोम, हार।

३१८. १४ यम — श्रांतक, भीट्वर, कास, चित्र, चित्रगुप्त. टब्न, धर्मराज, नास, परमेष्टि, मृत्यु, यम, वृकोटर, वैवस्वत, सर्वभृतच्चय।

३१६. नरक- श्रवराय, उण्ण, कटाइ, कालस्त्र, बहन्तुम, तनुवात, तन्त्याषाय, तन्तवालुक, तन्त्रशिम, तन्यसुराकुंड, तमप्रम, तिमस्त, वार्मस्त, द्विषत, दुर्गात, टोनस्त, दोवस्त, नर्क, नारक, निरय, यमलोक, यमपुरी, यमपुर, यमराज्य, यमराष्ट्र, यमसदन, यमालय, रस्ताल, रौरव, स्थात, सम्मपनी।

विलोम — दे॰ 'स्वर्ग' । नःरकीय — नरकभंगाः, नरकाः, नारकीः, नारकाय, पतितः, पातकोः, पापी । ३२०. कुछ प्रसिद्ध नरक कुंड — अककुंड, नितन्तकुंड, वसार्वेड, सर्पकुंड । ३२१. ७ नरक—श्चयटनिरोधन, ज्ञारमर्दन, ददश्क, पर्यावर्तन, रज्ञागग्रामोजन, स्ल-प्रोत, स्वीमुख।

३२२ २१ नरक—(मनु के अनुसार)
अध्यतामिस्र, अभिपत्रवान, ऋजाव, काकोल,
कालग्न, कुड्नल, तपन, नामिस्र, नरक,
प्रवापन, प्रतिसूचिक, महानरक, महाशैरव,
महार्थाच, शेरव, लोहदारक, लोहशाकु,
वैतरणा, शालमली, सकावन, महात।

३२३. २१ नरक - (भागवत क स्रमुसार)
स्राधकुर, स्रधतामिस, स्रयःपान, स्रवीची,
स्रामपत्रवन, कालस्त्र, कुभापा+, कृमि-भाजन, तप्तरशिम, नामिस, पूरोद, प्रास्पाय, मृहारीरन, रीरव, लालाभन्न, बज्जकर+शाल्यली, विश्वमन, वैनरणा, शुक्रस्मुख, सदश, सारमेयादन ।

३२४. ५४ सरक - श्रिषक्ष, श्रिषतिस्त,
श्रिमित्रोधन, श्रिमित्राचित्रन, श्रिमित्रवन,
क्मापाक, इत्रामनाजन, ज्ञारकर्म, तव्नभूमि
तामस्र, दतश्क, पर्यावर्तन, पावतास.
पूराद, प्राण्राध, महागीरव, रक्षेगण्याजन,
कालाभक, वज्रकटक. शाल्मली, शृकश्तुल,
श्रूलप्रात, सदश, मारमेयादम, स्वीनुख।
३२४. नरक भौगना - कर्मकष्ट सहना,
भोगना, यातना भोगना, रीख भोगना।
३२६. नरक की पीड़ा—श्रामनम्य,
कारणा, कृच्छ्र, तांत्रोदना, तेलस्त, दु.ल,
पीड़ा, बाधा, यातना, स्थ्या।

३२७. नाग ---काद्र ययम्, पाताला, सौरसेय। चै० 'सॉप'।

३२८ नागमाता करू के ६ पुत्र--श्रनंत, श्रापराधित, क्षयल, क्षोंटक, कुलिक, पद्म, महापद्म, ससुकि, शखा। ३२६. प्रमुख = नाग (इनसे ही नागों की ८ शाम्बाएँ चलीं) - श्रनत, ककीटक, कुलीर, तत्त्वक, पञ्च, महारञ्च, वासुकि, शन्व। विशेष -इन्हं 'ब्रध्यनाग' कहते हैं। ३३०. शेषनाम --- श्रनत, श्राहराब, श्रहाश, कुधर, कुमृत, धरिष्धर, घराधर, घरा-धरन, धराधार, धाता, नागराच, नागेन्द्र, नागेश, नागेश्वर, पन्नरपति, पन्नगेश, परिध, पातालौक्स, कांग्एपात, फर्या'द्र, पण श, फनिद, फनींट, मीनगान, पानिधर, बामुकी, भुजगपान, भुत्रगद्र सूधर, सूप्त-घर, मोगी, महात्रहि, महिचर, महीघर, वासुकी, शेष, संपर्धात, सर्वयञ्च, सहसर्जीभ, सहसद्य, सहसवदन, सहस्रास, सहस्रानन । ३३१. शेषनाम का स्थान - पातल । ३३२. शेषनाग का पासाद—मणिभिति, मश्चिम इर ।

३३३. ग्रंथनाम की श्वी—म्मनतशायी।
३३४ शेथनाम का फण —मिण्डाय।
३३४. पाताल —म्मयोजाक, उरमध्यान,
नामलोक, निम्नलाम, पातार, पातालखंड,
पातालपुरा।

३३६. ७ पाताल —('वध्गुपुराकानुसार) त्र्रातल, वितल, नितल, गर्भास्तमत, महा-तल, सृतल, पाताल ।

३३७. ७ पाताल — (यद्यपुराणानुसार)
श्रतल (महामाया) वितल (हाटकेस्बर (गश्रव) | सुतल (बलि) तलातल (माया) महातल (बड़ सर्प) रसातल (दैस्य तथा दानव) पाताल (वासुकि)।

विशेष —कोष्टकों में शासकों के नाम है। ३३८. = पाताल —(शिवपुराखानुसार)— तल, श्रतन, वितल, ताल, विधिपानास, शर्कराभूमि, विजय।

३३६. पातालों में रहने वाले प्रमुख—
नाग — कर्कोटक, कालिय, कुलिक, कुहक,
तक्षक, धनजय, शख, शखचूह, सुपैन।
३४०. पातालों में रहने वाले प्रमुख
राज्ञस—पाणि, पाताल केतु, बलि. मय, बल।
३४१. कर्कोट (मर्पराज)—कर्कोटक।
३४२. कालीनाग—कालिय, काली, महा
नाग।

३४३ बलि-पातालीवस. प्रहादपौत्र. महाबलि, विंध्यावलीपति, विरोचनसुत । ३४४ बलिको स्रो-विध्यावली। ३४४. बिल की पुरी - महाबलिपुर। 38६ ऋमुर—ग्रम, श्रदेव, इद्रारि, कबुर, कुट्य, कैश्या, खपाचर, ख्याट, खंचर, तमोचर, दइत, दनुज, दानव. दितिज, दितिमृत, देव, देवशत्रु, देवानि, दैत, दैतेय, दैत्य, दैयत, श्रुम्न, ध्वातचर, नकचर, निलावर, निशाचर, निशाटन, निशाबिहार, निशिचर, निश्चर, निमाचर, नैऋति, पर्याय, पाठ, पुष्कन, पूर्वदेव, मनुबाद, राज्ञस, लवण, वज्रदष्ट्र, वलीन, श्वर, शुम्म, शुक्रशिष्य, सुरद्विध, सुरिष्पु, सरवैरी।

३४७ दानव - त्रयोमुख, श्राग्छ, ऋदण, एकचक, द्वापन, तापन, तुर्जय, द्विमुद्धां, धूमारेश, पुलोमा, विप्रचित्ति, विभावसु, विरूपास, दृष्पव्यां, शकुशिरा, शबर, स्वभान, इयभीव।

३४८. राक्स — म्रागर, भदेव, श्रविबुध, म्राथ्य, ग्रास्य, भ्रम्य, अनुरसेन, माकाश-चारी, श्राशर, कवृर, कव्याट, कीयाप, तमचर, तमाचारी, तमीचर, निकाबर, निषकात्मज, निशाचर, निशाचर, निशाचर, निशाचर, नैऋत. पलाद, पलादन, पलाशी, पुष्य-जन, पुरुषाद्य, पुरुषाशी. प्रधस, मीध्म, भूत, मनुजाद, यशशत्रु, यशारि, यशद्रुइ, यातु, यातुषान, यामिनीचर, रक्तप्रोब, रक्तप, रख, रखस, रच्छस, रजनीचर, राक्रस, राक्रस, राह्रम, रात्रिचारी, राश्रिवल, राश्रिमल, राश्रिभट. हैनिचर, लबकण, विधुर, शहाब, सध्यावल।

विशेष — श्रक्षुर, दानव तथा राह्मस श्रव प्रायः पर्याय करूप मे हा प्रयुक्त हाने हैं। १४६ राह्मसी — कौषापी, निशासरा, निश्चरा, निशासरी, निश्चरी, दानवी, पलाशिना, पुलोमी, भूतिनी, याद्रधानी, रान्त्रुसी, राजिचरा, सिहकी।

२४० सूत श्रामंब, जिन, जिंद, तेलिया-प्रमान, पिशाच, पिनाच, प्रत, पौन, बेताल, बैताल, प्रसान।

३४८ भूतों के कुछ भेद —बिन, तेलिया-मसान, नट, बगर।

३४२ भूतिनी --चुईल, चुरइन, ।शांश्रन, डाइन, प्रतिना, वैता'लन ।

२४३ **भूत विद्या**—श्राभहती, प्रेतिवि**द्या,** साख्यता ।

३४४ भूत माड्ने वाला--श्रोमहत, श्रोभा, सोखहत, सोखा।

३४४ भूत प्रेत की वाधा-कासब, फेर। ३४६. जहाँ भूत हो वा जिसमें भूत हो -फेरवाला, भुतहा।

३४७. भूत का**ड़ने का स्थान---वीरा,** थान, देवपरा, देवस्थान, व्र**शमान,** स्थान। ३४८. भूतों के स्थान—श्रश्ममान, चौरा, डीड, धोबषटा, ब्रह्मस्थान, श्मशान, सतिवद् ।

६४६. भूत लगना—चुरइन घरना फेर पङ्गा, फेर लगना, भूत पकड़ना, इवा लगना।

३६० भूत लगाना—टोना करना केर - **ड**ग्लना, मलान **हॉ**कना ।

३६८ भूत भाइना- न्हूना, जीय टाट करना, भड़ाना, भाइना-फूंकना, भाइन-फूक करना, टोना-टोटका करना, फूंकना, भूत उतारना, मतर मारना, मत्र पड़ना। ३६२. टोना—कुजत्र, जादू, टोना, मूट। ३६२. टोना करना— टफिट लगाना, नज़र लगाना, मूठ चलाना।

३६४. टोना करने वाली स्त्री —टानहिन। ३६४. रविकुल-स्विवश, सूर्यवश।

३६६. राम— अवधेश, किरिय, कमल नयन, कमलाकात, काकुत्स्थ, खरारि, ताइकारि, तिरलाकानाथ, त्रिलोकनाथ, त्रिलोकनाथ, विश्वकटजहा, दशकटारि, दशस्यसुत, दाशस्थ, दाशस्थ, माधव, रसुनद, रसुनदन, रसुन्थन, रसुराज, स्वाचन्य, सोतावर, सोतावर, सोतावर, सोतावर, सुराजिक, सुराजिक, सुराजिक, सुराजिक, हरिर।

१६७ कीता — उर्वाचा, वनकबुलारी, वनक नेदिनी, वनकनी, वनकपुत्री, वनकारमञा, वा, वानकी, घरणीसुता, घरात्मञा, पुरुव- श्लोका, भूतनया, भूपुत्रा, भूमिख, भूमिखा, भूमिसंभवा, भृमित्ता, भूमृता, भौमो, मैथिली, योजनगणा, योजनगणिका, राम-पिया, रमा, लच्मा,ला-ककी, वैदेही, सन्या। १६८. दशर्थ - ऋत्धेश. कौशलपति, दशर्थ, दशर्थंदन, दिगस्यन्दन, पक्षिरथ, रघुवशमाण, शब्दवेधी।

३६६ कीशल्या --- काशत्य की शल्या. - कीमल्या, कॉमिन्यः ।

३७०. लदमगा — स्रमत, स्रहोश, विमात्र, रामातुत्र, लखन, लिझमन, लिखुपन, लेखु-मगा, शेष, मौमित्र ।

३७१. लहमण की स्त्रा -- उमिना। ३७२. लहमण के पुन--ग्रंगट चंद्रवेतु। ३७३. भरत - केनेयीसुत, माडव गीत। ३७४. भगत की स्ना--कुशध्वजकुमण,

३७४. शत्रुष्ठ — ऋरिदमन, ऋरिमर्दन, इतरहन, ऋरहा, तरपुरमन, विषुन्दन, लवणात्र, शत्रुषन, शत्रुदमन, शत्रुमदन, शत्रुहता, शत्रुदन।

३७२, शत्रुव्र की म्बी--भृतकीति । ५७७, सुमित्रा - भिना ।

माइवः।

३७८ केंकथी -श्रश्या'तस्ता, करहे, केंक्रेयकुमार'।

२७६ जनक-तिइंतरान, मिथिलेश, राजपि, विदेह, विवेकिनिष्य।

३८० हतुसान-भाषनानद, ग्रावनीकुमार, भाजनीनद, श्रावनीपुत्र, सावनीमुत, सावहत, श्रावनेय, कविकेशरा, कवाश, निरवीबी, जितेन्द्रिय, पवनकुमार, पवनाव, पवनतनय, पवननंदन, पवनपुत्र, पवनपूत, पवनस्त, पवनात्मक, प्रभावनवात, पावनि, वकट, बबरंगवली, बजागी, मब्त्वान, महावीर, मारुत, मारुति, योगचर, रजतबुति, रामदास, रामदूत, रामभक्त, लॉगझो, बज्रककट, बरिष्ठ, बातपुत्र, बाताब्मज, बानरेन्द्र, बायुपुत्र, विक्रम, इन्मान, हरीश, इनिवॅत, इनुवत।

३८१. ऋजनी — ऋजना, ऋजनि, केशरी-विया

३८२. बालि —ताराविष, ताराष्ठीश, तारा-नाथ, तारापति ।

३८३. ऋंगद् - तारेय, भुजवध ।

४८४. जामवत—ऋक्पति, ऋक्राज, जांचवान, जाबुवान, जामवान, भालूनाथ, रोख्राज।

३६४. सुप्रीव — श्रकंब, ताराधिप, तारा घोश, तारानाथ, तारापति, दिनेशात्मज, रिवतनय, रावनंदन, रिबपूत, रिवसुत्रन, वानरेद्र, हरोश।

३८६. विभीषणा—निशिचरराज, लंक-नाय, लकनायक, लंकपति, लंकेश।

३८•. कागभुशुढि — कागभुशुढी, भुशुढि, भुशुरढा ।

३८८ शवरी—भीलनी, भिलनी, शबरो, सबरो ;

३८८. श्रहल्या-श्राहल्या, गौतमी ।

4.0. रावण — कुभोनस, कृतिकर, निशान्तरपति, दनुजेश, दशकठ, दशकथ, दशकथर, दशकथर, दशकथर, दशमाथ, दशमुख, दशमील, दशबदन, दशशिर, दशशीर्ष, दशसोध, दशानन, दशास्य, देखेन्द्र, निश्चरपति, पक्षिप्र)व, पौलस्य, बहुबाहु, यातुधानेश, रवना, राज्यस्योत, रावन,

लक्ताथ, लक्ताथक, लकापति, लकाधि-पति, लकापति, लकेश, लंकेश्वर, विश्वित-बाहु । ३६१. मन्दोद्दी -- मदोवै, मयसुता । ३६२. केशिनी (रावण की माता)----कैक्शो । ३६३. मेघनाद-इद्रजित, मधवाजित, मचवारिषु, मेघनाय, शकारि। ३६४. श्रवयकुमार-श्रच, श्रचकुमार, श्रन्त्र, श्रन्त्र्यकुमार। ३६४. त्रिजटा—धर्मज्ञ। ३६६. ताङ्का—ताङ्का, ताङ्का। ३६७. मारीच – ताइकेय, मारीच । ३६८. शूर्वग्राखा-पौलन्त्यी, शूपनेश्विया, शूपेनला, सूर्यनला, सूर्यनला । ३६६. ऋष्या - श्रारिकेशी, श्राहिजिन, कर्षया, कसारि, कन्हैया, कन्हाइ, कमलनयन, कमलाकात, कात, कॉधर, कान्हा, कान्ह, कामपाल, कशव, खरध्वसी, खरारि, खरागे, गरुड़गामा, गरुड़ाचन, गिरिधर, गिरिधरन गिरिधारन, गिरिधारी, गोपति, गोपाल, गोपीनाथ, गोपेन्द्र, गोलोकेश, गाविंद, गौरांग, धनश्याम, चक्रघर, चक्रघारी ,चक-पाणि, जनार्दन, बदुणति, जदुपाल, बदुराई, जदुराज, जदुराय, जदुवर, **ज**दुवीर, बादवपति, बोगेश्वर, तुंगोश, त्रिलोकनाथ, चिलोकीनाथ, ञ्चिलोकपति, देवकीपुत्र, देवकोनन्दन, द्वारकाधाश, द्वारकानाथ, धर, नदकिशार, नटकुमार, नदनट, नदनदन, नंदनज, नदलाल, नदालज, नस्त्रास, नवनीत, नवलिकशोर, पाडवायन, पीतवार, पीताबर, पुरुषीत्तम, पृश्निगर्भ, पृश्निभद्र, बशोधर, बनमाली, बनवारी, बलबीर, बासदेव, बाहरजामी, ब्रह्म-वैवर्ल, भगवान, मदनगोपाल, मदनमोहन, मधुर्वात, मधुसूदन, मनमोहन, महरेटा, माधव, माधो, मुक्दं, मुरदर, मुरमर्दन, मरलोधर, मुरलीमनोहर, भ्रहा, म्रहारी, मुरारि, मुरारी, मोहन, मोइनम्ब्र, यजनेपि, यज्ञालिंग, यदुनन्टन, यदुनाज, यदुपति, बदुभूव, यदुराई, बदुराब, यदुराय, यदुवशमिषा, यदुवर, यदुवीर, यदूत्तम, पवनारि, यादब, यादवश, योगीन्द्र, योगेश्वर, रसिकबिहारी, रसेस, राधारमण, राधावल्डाम, राधाकात, लद्मापति, लालमन, लीलापुरुषोत्तम, वशाधर, वक-जात, बानुदेव, विभुमा, विहारा, वृत्दा-वनेश्वर, वर्ष, वृष्णि, वजराज, व्रजमोहन, वजलाल, वजवल्लभ, वजस्पति, वजेन्द्र, वित्रेश्वर, बासुदेव, शकटारि, शखधर, शतानंद, शिखंडी, शिशुमार, श्यामसुन्दर, श्रीकृष्ण, श्रीदाम. श्रापति, संवितया, सॉबले, सारवत, सारग, सुब्रहा, स्रवाता, सुराध्यत्त, सुरेश, सुरेश, मेतुप्रद, सोगोद्धध, ष्ट्रजो केशा।

४००. राधा - किर्तिकशोरी, कारतिकुमारी, राधिका, रामा, अजरानी, वृन्दावनेश्वरी, वृषभानुजा,वृषमानुनन्दनी,श्यामा,श्रीमती, सुरेश्वरो, इरिप्रिया ।

४०१.किक्सणी-भीष्मकसूता विदर्भेकुमारी। ४०२.कक्मिणी का पुत्र-प्रशुम्न, देव 'कामदेव'।

४०३. श्रानिकद्ध उषापति, श्रृध्यकेतु, क्राप्तक।

४०४ **ग्रानिरुद्ध की स्त्री**—डवा, जवा,

४०**४. श्रानिरुद्ध का** पुत्र—श्रानि**रुद्ध**सुत, वज्रा

४०६. वसुदेव—श्रानक्द्दुभि । ४०७. वसुदेव को स्त्री —श्रदिति, कष्ण-जननी, देवकम्ता, देवकी, पृश्नी । ४०८. नद - गोपनाथ, गोपगय । ४०६. यशोदा —जसुमति, नंदरानी, महरि, यसुदा ।

४१०. बलराम — श्रम्युनाग्रज, श्रहीश, एक-कुंडल, कामपाल, कालिटां भेदन, खरारि, खराग, तालिनेन, तालध्यक, नालध्यकी, तानलक्षण, तानाक, टाऊ, चल, बलटाऊ, बलदेव, बलबीर, बलभद्र, भद्रबल्लभ, भद्राग, मुसली, मूशलपाणिक, यमुनाभिद, राम, रुक्मिटपे, हिन्पदारी, रेवतारमण, रेवतीरमन, गैहिगोय, लागलध्यक, लागली, शेप, सकर्षण, सर्वर्तक, सर्वर्तकी, मात्वत, सीतापर, सारपाणि, सौनटी, इलदेव, इलबर, हलायुष, हली।

४११ कुतं वाहुतिया, वाष्त्रीं, पृथा । ४१२. पांडव--पडव, पंडवा, पॉडवेय, पाडुपुत्र ।

४१३. ४ पाड्य - युधिष्टिंग, ब्रार्जुन, भीम, नकुल, सहदेव ।

४१४ युधिष्ठर- श्रजातशत्र, कक, दुःषः राय, कोत्य, जय, धमपुत्र, धर्मराह, धर्मराज, धमगय, धनीवतार, पुर्यश्लोक, मुजातरिषु।

४१४ युधिष्ठिर की स्त्री—देविका (महा भारतानुसार,) योधेयो (विष्सु पुरासा-नुसर)।

४१६. युधिब्ठिर का पुत्र-यौधेय (महा-

भारतानुसार), देवक (विष्णु पुराणानुसार) देव 'द्रौपटी'।

४१७. द्र्यजुन — ऐदि, किपिध्वज, किपिश्य, कणारि, किरीट, कृष्ण, कृष्णसम्बा, कौनेय, गाडीव', गाडीवप्यन्त्रा, गाडीवप्रर, गुडाकेया, चित्रयोधी, जिष्णु, तपस्य, धन जय, घन्वी, नर, पाडुनंदन, पाकशासिन पार्थ, फल्गुन, भारत्यान, मध्यमपाडव, राधामेदी, बामवी, विजय, बिमत्म, बृहस्रल, बृहस्रला, विपुत्तस्कध, शावर, शब्दवेधी, शिवभल्ल, श्वेतवाहन, सञ्चवारी, सव्यसाचि, सव्यसाची, सिततुरग, सितबाजी, सिताश्व, सुतर, सतयाह, हरिसुत।

४१८. द्रौपदी—ं(पॉचां पाडवीं को स्त्रों)
कृष्णासखी, कृष्णा, द्रुपदमुता, द्रोपती,
द्रोपदा, द्रौपती, नरनारि, निर्तयौधनी,
निरययौधना, पचधव, पंचालकुमारी,
पाचामी, पाचाली, परश्रती, पार्पती,
पुरुपश्लाका, यहसेनी, वेदिजा, सत्यसधा,
नैरश्रा, सीरिंशी।

४१६. पॉबो पाडनों से द्रौपदी के पॉच पुत्र -- प्रतिकिध्य (युधिब्टिर), श्रुतशोम (भाम), श्रुतकार्ति (श्रुर्जुन), शतानिक (नकुल), श्रुतकपन् (सहदेव)।

४१६. आ. द्रुपद — द्रुपत, यक्षमेन ।
४१६. आ. सुभग्ना — (अर्जुन का स्त्रा तथा
अभिमन्यु को गाजा) अर्जुनी, इष्णवासी,
पीत्रा, वसुद्वत्रुमारी, सुनदरा ।
४२० आभमन्यु — अनिमन्यू , पाण्डु,
गार्थनन्दन, सुमद्रामुन, सौभद्र ।
४२१ उत्तरा — उत्तरस्वसा, विराटकुमारी ।
४२२. उत्तरा का पुत्र — परीव्रित ।

४२३, उल्लूपी—कौरव्यस्ता, नागकन्या, नागकुमारो।

४२४. अलूपी के पुत्र — इरावत, बश्र्वाहन । ४२४. भीमसेन — जयत, पवनकुमार, पवनज, पवननदन, पवनपुत्र, पवनात्मज, पवनतदन, पवनस्त, पवनात्मज, पवनतव्य, पवननद, पवनस्त, प्रवान्मज, पवनतव्य, पवननद, पवनस्त, प्रवान्मज, भीमा, भीमा, भीमा, भीमा, भीका, भाकति, वायुप्त्र, वक्षति, बातपुत्र, वकोदर। ४२६. भीम की नित्रयाँ श्रीर जनसे

४२६. भीम की भ्त्रियाँ श्रीर उनसे उत्पन्न पुत्र—द्रौपदी—श्रुतशोम ; हिडिबा—घटोत्कच ; बलघरा- सरवग । दे० 'द्रोपदी' ।

४२७. नकुल - ऋश्वनाकुमारक, तत्रिपाल, बाहुक, माद्रिज !

४२म. नकुल की स्त्री-करेणुमात, चदि-कुमारो।

४२६. नकुल का पुत्र—निरमित्र । ४३०. सहदेव— ऋश्विनीकुमारज, माहिजा, लवुवाडव

४३१. सहदेव की म्त्री—विजया। ४३२. सहदेव का पुत्र—नुहोत्र श्रुत-कमन्।

४३३. सत्यवती — कालागनी, गणकालिका,
गणकाली, गणवती, मन्नोद्री, दासनित्री,
दासमी, मण्छातरी, मस्यगणा, योजनगणा।
४३४. भीषम - कौरापटड, गगापुत्र, गगासुन, गंगेय, गगायिन, गगा, गागेय,
तालकेत्, तालण्यत्र, देवल्ल, पितामइ,
पुरावस, भोष्मिपितामइ, भीमम, शान्तनुसुन, सतनुमुन, सरितसुन, स्वेच्छामृत्यु।
४३४ श्वतराष्ट्र—श्रंबिकेय, श्रांबिकेय।

४३६. दुर्योधन—कौरवपति, कौरवेश, सुयोधन।

४३७. दुसला—कौरवभगिनो, दुःशला, दुःसला, दुसला।

४३८. कर्ग — ग्रंगराट्, ग्रंगाघिपति, श्रिष-रिथ, श्रकंज, श्रकंनदन, करण, कानीन, गोपुत्र, घटोत्कचांतक, चंपाघिप, चाम्पेश, दिनेशात्मज, राघासुत, राघेय, वसुषेण, वैकर्तन, स्तपुत्र, स्पंसुत।

४३६. जयद्रथ-तंत्रिपालक ।

४४०. द्रोसाचार्य-कुंभज, कुंभजात, कुटज, भारदाज ।

४४१. श्वरवत्थामा—चिरजीवी, द्रोणि, द्रोणायन, द्रोणायन, द्रौणायन, द्रौणि।

४४२. जरासंध —जरापुष्ट, बरायिण, बरा-सुत ।

४४३. कंस — कं नासुर, कलांकुर ।

४४४. परशुराम—कुठारपाणि. च्तातक, स्वर्वरेशु, जामद्रग्य, नृपद्रोही, परशुघर, पशुर्पाणि, पर्शुराम, ब्रह्मराशि, भागेव, भगु, भगुनंद, भगुनंदन, भगुनाय, भगुनायक, भगुपति, भगुमुख्य, भगुराम, यामदाम, राम, रेशुकारमज।

४४४ रेगुका—(परशुराम की माता) कोकका, कोककावती।

४४६. कच्छप-(श्रवतार) कहुआ, बढ़, कमट, कूर्म, गृश, चतुर्गीत, जल-गुक्स, दोलेय, जीवय, पंचगुप्त, पचनल, पंचांमगुप्त, पीवर।

४४०. युद्ध-- श्रवित, श्रविवंधु, श्रद्धयवादी, श्रविय, श्रदित, श्रार्थ, कृत्वा, कृतिशासन, सदम, गौतम, कगती्षर, वितारि, विन, समकार, या, त, तथागत, तथाराण, पर---३

तमोध्न, त्रिकाम, त्रिशरण, दम, दयाकूर्च, दशपारमिताधूर, दशबल, दशभूमिग, दशभूमोश, दशाद, दशाहि, द्वादशाच, वर्मकेतु, वर्मचक, वर्मज, वर्मघातु, धर्म-प्रभास, धर्मप्रवचन, धर्मराज, नदीदत्त, नागाभिम्, नागार्जन, निशुभी, पद्मगर्म, पद्मयोनि, पुष्कल, ब्लासम, बहुरूप, भगवत भगवान्, भगवान, भिजक, भीष्मस्वरराज, महाबोधि, महामैत्र, महावीर, मायादेवीसुत, मारजित, मुनि, मुनींद्र, मुनीश, मुनीश्वर, मिश्मिभू, मायासुत, रत्नकोत्ति, रत्नकेतु, लोकजित, लोकज्येष्ठ, लोकनाय, लोक-प्रदीप, लोकाधिप, वक्री, बज्रक्पाली, वज्रसत्व, वज्रसूर्य, बागाशनि, विगतोद्धव, विनाशक, विपशा, विपश्यी विश्वंतर, विश्वबोध, विस्तीर्ग्यमेट, व्योमाभ, षडभिज्ञ, शाक्यनुनि, शाक्यसिह,शास्ता,श्रीधन,सगुप्त, सत्यकेतु, समतप्रभास, समतभद्र, समकर्या, सम्यक्रमबोध, सरल, सरोबी, सर्वश, सर्वार्थ, सिद्ध, 'सेद्धार्थ, सुखावतीश्वर, सुगत, सुगत-देव, सुघोष, सुचेष्टरूप, सुधावर्षी, सुभा-षित, सुमनोज्ञाचोष, सोमसिद्धान्त, श्रियत-बुदिदत्त, इर्षुल, हेम, हेरंब।

४४=. कल्कि — कलकी, किकन् !
४४६. ऋषि — वसर्षि, मचदाता, मंचद्रध्या,
मनीषी, मद्द्रि, मुनि, स्ककार, स्कद्रध्या !
४४०. करयप — तृच, तार्च, भूताकुंश ।
४४१. करयय की १३ पत्नियाँ — श्रदिति
(दचाययो), श्रदिष्टा, इरा, इला, कद्रु,
कोषा, ताम्रा, दनु, दिति, प्रधा, मुनि,
विनता, स्वता ।

विशेष-- कुछ मतों से ये १७ तथा कुछ, मतों ते ७ वीं। ४५२. दधीच—दधीचि, दध्यंच । ४५३. शुक्राचार्य—ग्रश्वपति, त्रादिनावँ, एकाच, कवि, कविपुत्र, काव्य, दैत्यगुरू, माषभव, श्वेत, षोष्ठसाशु ।

४४४. शुक्राचार्य की स्त्री—शतपर्वा, शुष्मा।

४४४. श्रात्रि-प्रभावकर ।

४४६. श्रित्रि के पुत्र—दुर्वासा, दे० 'दुर्वासा'।

४४७. अनुस्या—श्रितिप्रया, श्रनुसुर्या, श्रनुस्य, प्रभाकरिप्या ।

४४८. चंद्रमाऋषि—श्रितिनेत्रज ।

४४६. दुर्वासा -श्रित्रज, स्रत्रेय, मात्रेय, कुशारिण ।

४६०. वाल्मोकि—श्रादिकवि, कुशां, कुशोलव, प्राचेतस्, बाल्मीक, मैत्रावरिख, बल्मीकोद्भव ।

४६१. व्यास — कानीना, कृष्ण, कृष्ण-द्वैपायन, गागेय, द्वैपायन, पराशरसुत, पाराशर, पाराशर्य, पाराशरीर, पावन, व्यास, वेदव्यास, शास्त्रतस, सत्यवतीसुत, [पुराणा के अनुसार विष्णु के अवतार के रूप में २८ व्यास हो चुके हैं।]

४६२. ऋंगीऋषि—मृगज, विभाडसुत, शांताघव, ऋंगी।

४६३. नारद-निवक्त्र, कलप्रिय, कालि-कारक, कलिप्रिय, जगद्गुरु, देवमुनि, देवस, देवधृत, देवपि, पिशुन, ब्रह्मपुत्र,

४६४. अगस्त्व—श्रगस्त, श्रगस्ति, श्रगस्ती, श्रिमादति, श्रौवेशेय, क्लशिसुत, कुम्भव, कुंमजात, कुम्भयोनि, कुम्भसंभव, कृटब, घटब, घटयोनि, घटसंभव, घटोद्रव, पोताब्धि, मैत्रावरस, याम्य, विध्यक्ट, समुद्रचुकुक, सिन्धुशासनि ।

४६४. श्रमस्त्य की स्त्री -कौशातकी, कोपामुद्रा, वरप्रदा ।

४६६. विश्वामित्र—कौशिक, गाधिब, गाधिनदन, गाधिसूनु, गाधेय, पौरव, राजिधि।

४६७. वशिष्ठ — कुम्मज, कुम्मजात, ब्रश्स-पुत्र, ब्रह्मर्षि, ब्रह्मसू, वैरचि ।

४६८. द्त्तात्रे य-त्रिवित, स्रतेय ।

४६६. भुव--श्रौत्तानपादि, ग्रहाधार ।

४७० त्रिशंकु-वेषस्, सत्यवत ।

४७१. ऋजामिल—श्रेजामील, द्विजवधु । ४७२. जैनी -- जैनावलंबी ।

४७३. जैनधर्म की दो शाखाएँ—दिगंबर, श्वेतावर।

४७४. बिनावस्त्र का सन्यासी—दिसंबर, नागा, वस्त्ररहित, वस्त्रहीन, विनिमोक !

४७५. जैनधर्म के ४ महाज्ञत— श्रपरिग्रह, श्रस्तेय, श्रहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य।

इन सभी को अनुक्रमणी में देखकर यथा स्थान देखिये।

४७६. लैनियों के देवों के ४ प्रकार— अनुत्तर (५), कल्पातीत (६), प्रैवेयक, वैमानिक या कल्पभव (१२)।

४७७. १२ वैमानिक देवता—श्रंतक, श्रन्युत, श्रारण, ईशान, नत, प्राण्त, ब्रह्मा, माहेब्र, शुक्र, सनस्कुभार, सहस्रार, सौधर्म।

४७८. जैनागमों के दो कास--श्रवसर्विया, उत्सर्विया। ४०६. उत्सर्पिणी काल के तीर्थंकर— श्रतीत चौबोसी, तीर्थंकर।

४८०. अतीत चौबीसी—श्री निर्वाण, सागर, महासाधु, विमलप्रभु, श्रीवर, सुदस, श्रमलप्रभु, ठढर, श्रागर, सन्मति, सिंधुनाथ, कुसमाजलि, शिवगण, उत्साह, ज्ञानेश्वर, परमेश्वर, विमलेश्वर, यशोधर, कृष्णमति, ज्ञानमति, शुद्धिमति, श्रीमद्र, श्रातिक्रम, शांति।

४८१. अवसर्पिणी काल के तीर्थंकर— तीर्थंकर, वर्तमान चौबीसा।

४२२. वर्तमान चौबीसी - ऋषभदेव, श्राजितनाथ, सभवनाथ, श्रामनदननाथ, सुमतिनाथ, पद्मप्रभ, सुपाश्वनाथ, चन्द्र-प्रभ, पुष्पदेत, श्रातलानाथ, श्रेयासनाथ, बासुपूज्य, विमलनाथ, श्रनंतनाथ, धर्म-नाथ, श्रातिनाथ, कुन्धुनाथ, श्ररनाथ, मह्लानाथ, मुनिसुवतनाथ, निमनाथ, नेमिनाथ, पाश्वनाथ, महावीर।

४८३. श्वनागत चौबीसी—(भविष्य में होने वाले तीर्थाकर), श्रो महापद्म, सुरदेव, सुपार्व, स्वयंप्रभु, सर्वात्मभूत, श्रीदेव, कुलपुत्रदेव, उदंकदेव, प्रोष्टिलदेव, अयकीर्ति, मुनिस्बत, श्वरह निष्पाप, निःकषाय, विपुल, निर्मत, स्वत्रगुप्त, समाधिगुप्त, स्वयभू, श्वनिवृत्त, जवनाय, श्रो विमल, देवपाल, श्वंतवीर्य।

४८४. महाबीर -जिन, जिनेन्द्र, ज्ञातपृत्र, नायपृत्र, भगवान महावीर, महाजिन, वर्द्यमान।

४८४. ऋषभदेष — ग्रादिनाथ । ४८६. जैनों के दो प्रकार के तीर्थ — श्रतिशय चेत्र, विद्ध .चेत्र । ४८ . प्रधान श्रातिशय चेत्र-श्रहार, कंपिल, कौशांबी, कुंडलपुर, खजुराहो, चदेरी, देवगद, पपोरा, पवा, वजरगगढ़, बालाबेंट।

४५५. प्रधान सिद्ध चेत्र—गिरिनार, चपापुर, द्रोबागिरि, पालोदाना, पाबापुर, सोनगिरि।

४८६. बौद्ध-बौद्ध धर्मावलबी, बौद्धा-वलबी।

४६०. बीद्ध धम के २ प्रधान संप्र-दाय — महायान, इन्नयान ।

४६१. बौद्ध धर्म के ४ आर्थ सत्य— दुःख, दुःखसमुदय, दुखनिरोघ, दुख-निरोध गामिनो प्रतिपदा।

४६२. बौद्ध धर्म के कुछ देवता
(दिव्यवदान प्रंथ के अनुसार)—
अक्रित्र, अतप, अनभक, अप्रमाण ग्रुम,
अप्रमाणाभ, अष्ट्र, अभास्वर, चातुरमहाराजिक, तुःवत, निर्माणारित, परिनिर्मितवश्वर्ती, परीचशुभ, परोचाभ, पुण्यप्रसव, ब्रह्त्स्ल, शुभक्कत्न, सुदर्श।

४६३. बुद्ध भगवान--दे ॰'बुद्ध'। ४६४. यशोधरा--गोपा। ४६४. बुद्ध-पुत्र - सहुत ।

४६६. प्राचीन काल के २४ बुदों में प्रधान — दीपकर, कौरिडन्य, मंगल, मुमना, रेक्त, शोभित, श्रनोमदर्शी, पद्म, नारद पद्मोचर, सुमेघ सुबात, वियदर्शी, श्रष्टदर्शी।

४६७. बौद्ध धर्म के इन्छ प्रसिद्ध तीर्थ-कुशीनगर, बण्धगया, सुंबिनी-बाग, सारनाथ। ४६८. बोधिवृत्त-परिमोग चैत्य, बोधि-द्रुम।

४६६. पगोडा (बौद्ध मन्दिर) गया। ४००. ईसाई—किस्तान, ईसामतावलंगी, खच्टोय, नसरानी, मसीही।

४०१. ईसाइयों के प्रधान संप्रदाय— श्रमीनो, जस्ट, नेस्टोरो, प्रोटेस्टेंट, याक्बी या जाकोबाइट, रोमनकैथोलिक, सिरियक। ४०२. ईसा—ईसामसीइ, काइस्ट, खुदा का बेटा, मसोहा, योश्रखुष्ट।

४०३. गिरिजा (ईसाइयों का मन्दिर)—गिरजाबर, चर्च ।

४०४. ईसाइयों के तीर्थ स्थल — स्रांतियोक, स्रलक बद्रिया, स्राथेन्छ, इक्रेसास, कोरिय, जेंक्सलम, रोम, स्मिरना।

४०४. मुसलमान — इस्लाम, जवन, तुर्क, मुसलमीन, यवन (इस शब्द का यथार्थ अर्थ प्रोक होता है पर इसका तथा जवन का प्रयोग लोग मुसलमाना के लिए भी करते हैं।)

४०६. मुसलमानों के सम्प्रदाय—जार्जी, शिया, दुनी ।

४०७. इस्लाम धर्म के ४ वसूल—ईमान, नमान, रोना, नकात, इज।

५०८. नमाष--सलात, सिजदा।

४०६. ४ प्रधान नमाज-फिनर (पातः), नुहर (दोपहर), इस श्रपराह्म), मर्नारक (शाम), एशा (रात)।

४१०. कुछ और नमाज—नमान जुमा, नमान ईद, नमान बकरीद, नमान कुस्फ (स्य प्रहण की), नमान खुस्फ (चंद्र प्रहण की), सलादुलहर्च (लढ़ाई की नमाज़), नमाजे चाश्त (१० बजे की) नमाज़े इशराकर।

४११. मसजिद--ईदगाह, नमानलाना, मसीत, मसीद, मस्जिद, महजीद ।

४१२. मकबरा—ईमामबाहा, कृत, कित्रस्तान, मनार।

४१३ नमाज पढ़ना — भुकना, सिबदा करना।

४१४. श्रजान-वॉग ।

४१४. रोजा-सोम।

४१६. जकात— खैरात, दान ।

४१७. मुसलमानों की तीर्थ यात्रा-

४१८. मुसलमानों के प्रधान तीर्थ-अजमेर, जेवसलम, मक्का, मदीना।

४१६. जेरुसलम—बैतुल पुक्रद्स ।

४२०. मदीना—मर्दाना मुन्त्ररा ।

४२१. मक्का-काबा, खाने काबा, बैद्धस हराम, मक्के मोश्रज्ज्ञमा '

४२२. खुदा-- ग्रल्ला, श्रल्लाइ, श्रलाइ-ताला, इलाहो, करोम, ख़ालिक, ग्रफूर, परवरदिगार, रज़्जाक, रहमान, रहीम, सत्तार, हन्दी।

४२३. पैरांबर-देवदूत, नवी, रसूल ।

४२४. मुहस्मद-- बमोल, वैग्रवर, महमूद, रस्ल, शफ़ी, इज़रत, श्रामद।

४२४. ४ खलीका (गुहम्मद के ४ सहाया)—हनरत अन्वक विशेषी, इनरत उमर फ़ारक, इनरत उसमान रानी, इनरत अली गुर्तुना।

४२६. १२ इसाम (शिया सन्प्रशृख के ,—ज्ञली, इसन, दुसेन, बैन-उस्-ज्ञानिदीन् , मुहम्मद बाक्टिर, बाहर साहिक,

मूरा क्राज़िम, मुहम्मद तकी, ऋली नकी, दुसेन ग्रश्करी, महदो, श्रलो मूखारका । ४२७. ४ इमाम (सुन्ती सम्प्रदाय के)-इनीफ, मालिक, श्राफ़ी, इनवल । ४२८. ४ खास फंरिश्ते -- विश्रील, मोका-इल (इद्र), इस्राफील (शकर), इजरा-इस (यम)। ४२६ शैतान-- श्रज्ञाजील, इवतीस । ४१०. जन्नत (मुसलमानों का स्वर्ग)---नईम, बहिश्त, विहिश्त। विस्रोम-दे॰ 'दोज्ल'। ४३१. जन्नत और दोजस्य के बीच का र्रजा - आराफ। ४३२. दोजस्त (मुसतमानों का नरक)— जहन्तुम, बहोम, नार, सक्रर। विलोम-दे॰ 'जन्नत'। ४३३. मुसलमानीः भूत-विन, शैतान, दे॰ 'भूत'। ४३४. हिन्दुकों के धार्मिक प्रथ-शास्त्र बागम, ग्रथ, जान, विज्ञान, विद्या, शास्त्रः **४३४. हिन्दूशास्त्र—**उपवेद, दर्शन, वर्म-शास्त्र, पुरास, वंद, वंदाग । ४३६. **शास्त्रवित** —त्रातवकांगि, पडित, शास्त्रज्ञ, शास्त्रज्ञाता, शास्त्र वेसा । ४३७. शाबीय-शास्त्रीक ! ४३८ वेद--म्रागम, म्राम्नाय, छढ, भयी, वर्ममूल, निगम, प्रवचन, ब्रह्म, बेट, भृति । ४०६. बेदिक भाषा—खर, बांदर, बेह्माया, बेडिक शस्कृत । ४४. वेदोक-नेदविहत, नेदसम्मन, वेदानुक्स । **५४१. वेदमंत्र—ध**क्, ऋवा ।

४४२. वेदपाठी - छादस, वेदपाठी, वेदा-ध्यायो, वैदिक, भोत्रिय, भोत्री । ५४३. त्रयी या वेदत्रयी—ऋक्, सम,ी यबु: । ४४४. ४ बेद - श्रयर्वणवेद, यनुर्वेद, सामवेद, । ४४४ वंदों के ४ भाग-सहिता, ब्राह्मण, श्रारख्यक, उपनिषद् । ४४६. ४ संहिताएँ--ऋक् संइता, यजुःसहिता, सामसहिता, ग्रयवंसहिता। ४४७. ऋग्वेद की शास्त्राऍ - श्राश्वलायन, माह्कायन, बाष्कल, शालायन, शाकल। ४४८. यजुर्वेद की शास्ताएँ- काष्क, कपिष्ठल-कठ, मैत्रायखी, तैलिशेय, वाब-सनेत्रि । ४४⊏. श्र. यजुर्वेद के २ प्रधान भेद---कृष्णा यबुर्वेद, शुक्लयबुर्वेद । ४४६. इध्या यजुर्वेद की शास्त्राएँ— कट, कठ-कापिष्ठल, मैत्रायगो, तैचिरीयशाला । ४४०. शुक्ल यजुर्वेद की शासाएँ-माध्यदिन शाला, कांड शाला। विशेष - यबुर्वेद की शासाक्षी की पूरी सस्या ८६ है । उत्पर केवस प्रधान शासाका का उस्लेख है। ४४१. मामबेद की शाखएँ--कौयुम, राखायनीय, बैमिनीय। ×× र. सामगान - उदगीथ। ४६१. श्रवर्षवेद क शासाएँ--पिष-लाद, शीनकः प्रंथ -- ऐतरेव ४४४. प्रधान माह्यस (ऋग्वद), कौधीतकि वा संस्थायन (श्वरवेद), तारक्य या पंचित्र (साम-वेद), पश्विश (सामवेद), तैत्तिरोव (कृष्ण यजुर्वेद), शतपथ (शुक्त यजुर्वेद), गोपथ (श्रथवंवेद)।

५.५५. ६ वेदांग — करूप, छद, ज्योतिष, निरुक्त, व्याकरण, शिद्धा ।

४४६ उपवेद — ऋर्यवेद (ऋर्यवेद का), भायुर्वेद (ऋर्येद का), गंधर्वेद (सामवेद का), धनुर्वेद (यक्त्रवेद का)। ४४७. प्रस्थान ऋयी — उपनिषद्, ब्रह्ममूत्र, भगवद् गीता।

४५८. प्रसिद्ध १०८ उपनिषद्—श्रव, अच्नालिका, अथर्वशिद्धा, अपर्वशिर, श्रद्ध्य, अध्यातम, अलपूर्वा, अमृतनाद, अमृतविंद, अवधूत, अव्यक्त, आत्मबोध, ब्रात्मा, ब्राइशि, ईश, ऋच, एकावर, एतरेथ, कड, कडबद्र, कलिसंतरण, कालाग्निस्द्र, कुंडिका, कृष्ण, केन, कैवल्य, कौषितका, चुरिक, गण्यति, गर्भ. गाइड, गोपालतापनी, चूदा, छांटोग्य, जालदर्शन, जावाल, बावालि, नारसार, तापनी, दुरीयातीत, तेजोबिंद, तैत्तिरीय, त्रिपुरा, त्रियुरातापन, त्रिशिखा, दिच्यामूर्ति, द्त्रात्रेय, देवो, ध्यानविंदु, नादविंदु, नारायण, निरालंब, निर्वाण, पंचबद्धा, परब्रह्म, परमहंस, परिव्राजक, परिव्राज, र्पेंगल, प्रश्न, पाशुपत, **प्रा**गाग्रि होत्र, ब्रह्म, भस्मबावाल, भावना, भिद्धु, मडल, मंत्रिक, महत, महानारायक, महावाक्य, माङ्क्य, मुंड, मुक्तिका, मुद्गल, मैत्रायखी, मैत्रेयी, याजवल्क्य, योगकडली, योगतत्त्व, योगशिखा, रहस्य, रामतापन, रामरहस्य, रुद्राच, वज्रव्चि,वराह,वासुदेव, विद्या, बृहज्जावाल, बृहदारएयक, शरम, शांडिह्य, शाट्यायनी, शारीर, श्वेताश्वर,

वंन्याव, वरस्वती रहस्य, वर्षवार, वीवा, व्याल, सूर्य, वीमाग्य, स्कंद, इंस, ह्यप्रीय, हृदय, वाबित्री।
विशेष—इन १०६ उपनिषदीं में १० ऋग्वेद के, १६ शु० थलुवेंद के, ३२, कृ० यलुवेंद के, १६ सामवेद के और ३१ अर्थवेंवद के है। (उपनिषदीं की इस सख्या नवीनतम खोजों के अनुसार लगमग २३५ है।)

४४६ ११ प्रधान उपनिषद् - रेग, ऐतरेय, कठ, केन, छादोग्य, तैत्रीरीब, नृषिंदपूर्वतायनी, प्रश्न, बृहदारस्यक, माङ्कस्य, मुंडक। विशेष-- इन पर हो खानार्य शकर ने

विशेष--इन पर हो श्राचार्य शकर ने टीकाऍ लिखी हैं।

४६०. **ज्ञान** —ग्रात्मज्ञान, ग्यान, तत्वज्ञन, बोध, ब्रह्मज्ञान, यथार्थज्ञान ।

४६१. ब्रह्मशास्त्र--श्रात्मावद्या, ब्राम्बीचिकी, परा ।

६६२. ६ दर्शन-न्याय, मीमांडा, योग, वेटात, वैशेषिक, साझ्य।

४६३. वेदांतसूत्र- बसत्त्र, वादरावय सूत्र, वेदातस्त, व्याससूत्र ।

४६४. वेदांती --वेदाती, ब्रह्मबादी ।

४६४. वेंदांत के विभिन्न संप्रदाय और
आवार्य अदेत (राकर), अविन्य
मेदाभेद (बलदेव), अविभागादेत
(विज्ञानभिद्ध), देत (मण्य), देतादेत
(निंवार्क), भेटामेद (भास्कर), विशिष्टाद्वेत (रामानुज), वीरशैवविशिष्टा-देव
(श्रीपति), शुदादेत (बल्लम), श्रेदविशिष्टादेत (श्रीकंठ) ।

४६६. न्यायसूत्र - गौतमस्त्र।

-

3E

४६७. नैयायिक —शक्पाद, तार्किक, नैयायिक।

४६८. बोग-पतंत्रति स्त्र, योगदर्शन, बोगशास, योगस्त्र।

४६६. वैशेषिक सूत्र-कंबादत्त्र ।

४७०. सांस्य सूत्र-कपित सूत्र।

४७१. सीमांसा स्त्र-जैमिनि स्त्र।

४०२. मीमांसक - जैमिनीय मीमांतक ।

४७३. चार्वीक सूत्र — बाईस्पत्यसूत्र, दुइ-स्पतिसूत्र ।

४७४. १८ पुरासा— ग्राम, कूर्म, गक्द, नारद, पद्म, ब्रह्म, ब्रह्मवैवर्त, ब्रह्माड, भविष्य, भागवत, मस्स्य, मार्क्यडेय, लिंग, बराह, वामन, विष्णु, शिव, स्कंट।

४०४. १८ उपपुरास (कूर्म पुरास के अनुसार)—आय, उरानाः, कापिल, कालिका, दुर्वासा, नारविय, नारिसह, पराशरोक, अधार, भागव, मारीय, माहेश्वर, वामन, वारुस, शाव, शिवधर्म, सर्वार्व हैचारक, स्कंद।

४७६ २० उपपुरासा (सूत सहिता-बुसार) — उपनत्, कवित्त, कालिका, बुर्वाचा, मरसिंह, मादो, मारदोय, पराश्चर, बसांब, बार्बय, महेरूबर, मानव, मारीय, सिंग, बहुब, बांस्ट, शिवबर्म, सनस्कुमार, सांब, बीर।

१७०. प्रशास धर्मसूत्र—शावस्तव धर्म सूत्र, सीतम वर्मसूत्र, बीधायन धर्मसूत्र, विश्व वर्मसूत्र !

५७८ प्रधान स्यृतियाँ—श्रंगिरा,कत्यायन, स्थ, भारत, क्याकर, वितामह, पुतस्य, प्रथेवस, प्रथापति, दृहस्यति, मनु, मरीचि, यम, यास्वस्य, विश्वामित्र, स्यास, हारीत।

४७६. रामायण (बाल्मीकि)- ब्रादि काम, बाल्मीकि रामायग् ।

४८०. महाभारत—सयकाब्य, पंचमवेद, भारत।

४८१. गीता — कृष्यगीता, मगबद्गीता, भीमद्भगवद् गोता !

४६२. कुछ प्रसिद्ध गीताएँ—श्रनुगीता, श्रवधूत गीता, श्रष्टावकगीता, देश्वरगीता, उत्तरगीता, कांपलगीता, गगोशगीता. देवीगीता, पाडवगीता, पिंगलगीता. बोध्य-गीता, कलगीता, ब्राह्मबगीता, भगवद्वीता, मिचुगीता, मिकगीता, यमगीता, गमगीता. विचल्युगीता, वृत्रगीता, व्यासगीता, शंपाकगीता, शिवगीता, ब्रतगीता, स्पंगीता, इसगीता, हारीतगीता।

४८३. रामचरित मानस—दुलको यामा-यण, मानस, रमायन, रामायस् ।

४८४. कुछ प्रसिद्ध रामायस— चर्मत रामावना, क्रश्यातम रामायना, दुलसी रामायन, बाल रामावना, बालमीक रामा-वन, भरहान रामायन, मुशुंकि रामायन, महारागायन, यास्वल्य रामावन, राषेश्याम रामायन्।

जैनों के पार्मिक प्रथ

प्रति रवेतांवरों के जागम के व माग और प्रत्येक की संख्याएँ—श्रम (११), उपाग (१२), प्रकोक (१०), केंद-त्य (६), त्य (२), ग्रम्त्य (४)। ४८६, १२ जंग—श्राचार, त्यक्रत, स्थान, सम्बाय, रामती, कातामर्मक्या, उपास्क दशा, श्रंतकृत दशा, श्रनुत्तरी भातिक दशा, प्रश्न व्याकरण, विपाक सूत्र, दृष्टि-वाद।

५८७. १२ उपांग—श्रौपपातिक, राजप्रश्न, जीवाधिगम, यज्ञापना, जंबूद्धीप प्रशस्ति, चंद्रप्रज्ञस्ति, सूर्य प्रज्ञस्ति, निरयावली, करुगवतंस, पुष्पिक, पुष्पचूलिक, वृष्णि दशा।

४८८. २ प्रधान प्रकीर्णक — चतुःशरण, तंडुल वैतालिक।

विशोष — जैनों के प्रसिद्ध गंथ श्वेतावरों के आगम ही हैं। दिगंबरों के ग्रंथों में निम्न दो ही श्रिधिक प्रसिद्ध हैं।

४८१. दिगंबरों के प्रसिद्ध प्रंथ-वट संडागम, कसाय पाहुड ।

४६०. ६३ शलाका पुरुष (इनके ही चिरित्र का जैन पुराणों में वर्णन है।)
२४ तीर्थकर, १५ चक्रवर्ती, ६ बलदेव,
६ बासुदेव, ६ प्रति बासुदेव।

४६१. जैनों के कुछ प्रसिद्ध पुरास-रामचरित, पद्मचरित, उत्तर पुरास, महा पुरास।

४६२. बौद्धों के धर्म प्रथ ३ पिटक — ग्रामिषम्म पिटक, विनय पिटक, सुत्त पिटक।

४६२. श्रमिभम्म पिटक के उ विभाग— धम्मसगिषा, विभंग, धातुकथा, पुग्गल पंचति, कथावत्थु, यमक, पट्टान्।

४६४. विनय पिटक के २ विभाग---संबक, विभंग।

४६४. सुत्त पिटक के ४ निकाय-मिष्किम निकाय, संयुक्त निकाय, श्रंगुत्तर निकाय, खुदक निकाय।

. 5 . 3

४६६. खुदक निकाय के १४ प्रंम—
खुद्दकपाठ, धम्मपद, उदान, इतिवुसक,
सुत्तनिपात, विमानवस्थु, पेतवत्थु, थेरगाया,
थेरीगाथा, कातक, निद्देस, पटिसंभिदामम्म,
अपदान, बुद्धवंश, चरिया, पिटक।

इसाइयों के धम मंथ

४६७. बाइबिल--- सुसमाचार, होली बाइ-बिल, होली सिकप्चर ।

४६८. दो बाइबिलें — क्रोलंड टेस्टामेंट,
न्यू टेस्टामेंट ।

४६६. श्रोलंड टेस्टामेंट — पुरानी किताब,
पुरानी पोथी ।

६००. न्यू टेस्टामेंट — नई किताब, नई
पोथी ।

मुसलमानों के ध में पंध ६०१. क़ुरान—श्रलकुगन, कलाम खुदा, कुरान मजीद, कुरान शरीफ, कुरकान, मसहफ़, लैलतुलकद। ६०२. हदीस—कलामे रस्ल। ६०३. कुछ प्रसिद्ध हदीसें—श्रव् दाऊद, इन्न माजाँ, तिरिमजी शरीफ़, नसई शरीफ़, बुख़ारी शरीफ़, युस्लिम शरीफ़। ६०४. मुसलमानों के ४ पवित्र पंध— कुरान, इंजील, तौरेत या तौरात, बाइबिस, हदीस।

ख

१. वो कलाएँ - उपयोगी कला, स्नित कला। २. ४ ललित कलाएँ - स्थापत्य, बूर्ति, चित्र, संगीत, काव्य। ३. कला—ग्रार्ट, गुरा, ढंग, विद्या, हुनर। ४. कलाकार—ग्रार्टिस्ट, कलाविद्, कला-पंडित, कलामनीषी, कलाशास्त्री।

४. ६४ कलाएँ - (कामसूत्र के टीकाकार बयमगल के अनुसार) १. गीत, २. वादा, ३. नृत्य, ४. श्रालंख्य, ५. विशेषकच्छेदा, (मस्तक पर तिलक लगाने के लिए काराज, पत्ती आदि काटकर आकार या सांचे बनाना), ६. तहुलकुराम बलि-विकार (देवपूजनादि के अवसर) पर तरइ-तरइ के रंगे हुए चावल, जौ आदि वस्तुक्रो को तथा रगबिरगे फूलों को विविध प्रकार से सजाना), ७ पुष्पास्तरण, दशनवस्नागराग (दॉत, वस्त्र तथा शरीर के अवयवी की रॅगना) ६. मिण-भूमिका कर्म, (पर के फर्श के कुछ भागों को मोती, मिया श्रादि रत्नो मे जड़ना), १०. शयन रचना, (पलंग लग्गना), ११. उदकवाद्य, (जनतरग), १२ उदकामात (दूसरो पर हाथों या पिचकारी संजल की चोट मारना), १३. चित्राश्चयोगाः (अइं।ब्रिटियों के योग से विविध चीजं तैयार करना या ऐसी श्रीषधि तैयार करना ऋथवा ऐसे मन्त्रों का प्रयोग करना, बिनसे शत्रु निर्वल हो या उसकी हानि हो), १४. माल्यग्रयन-विकल्प (भाला गूयना), १५. शेखरकापीइ योजन (स्त्रियों की चोटी पर पहनने के विविध श्रलकारों के रूप में पुष्पों को गूथना), • १६. नेपथ्य प्रयोग (शरार को वस्त्र, श्राभूषण, पुष्प श्रादि से समुज्जित बरना), १७. कर्या पत्रभंग (शंख, हाथी, दाँत आदि के अनेक ता जारिया के

श्राभूषण बनाना), १८. गधयुक्ति (स्गं-धित धूप बनाना), १६. भूषश्योजन, २० ऐद्रजाल (जादू के खेल), २१. कौचुमार योग (बलबीर्य बढाने वाली श्रीषियाँ बनाना), २२. इस्तलाबन (हाथों की काम करने में फ़र्त्ता और सफाई), २३. विचित्र शावयूपभच्य विकार-किया (तरइ-तरइ के शाक, कढ़ी, रस, मिठाई अगद बनाने की किया), २४. पानकरसरागामव योजन (विविध प्रकार के शर्बट, श्रांसव श्रादि बनाना), २५. स्चीवान कर्म (स्ई का काम, जैसे सीना, रफू करना, कसीदा बाहना, मोजे-गजी का बुनना), २६. सूत्रकी इ। (तागे या डोश्यों से खेलना, जैसे कठपुतली का खेल), २७. वीखाइमहक वादा, २८. प्रदेलिका (परेलियाँ बानना), २६. प्रति माला (श्लोक आदि कविता पढने की मनोर्च क सात, अत्याद्धरी) ३०. दुर्वाचक योग (ऐमे श्लोक आदि पदना जिनका अर्थ और उच्चारण दोनों कठिन हो), ३१. पुस्तक वाचन, ३२. नाटकाख्यायिका दर्शन, ३३. कान्य समस्या-पूरण, ३४. पट्टकावेत्रवान विकल्प (पीदा, श्रासन, कुर्सी, पलग, मोढ़े श्रादि चीन बैत श्रादि वस्तुन्त्रों से बनाना), ३५. तज्जकर्म (लड़की, धातु आदि वस्तुओं को अभीष्ट विभिन्न ऋाकारों में काटना). ३६.तस्या (बदर्श का काम), ३७ वास्तुविद्या, ३८. रूप्यरल-परीचा ('सक्के, रत्न त्रादि की परीचा करना), ३६. धातुवाद (पोतल आदि घातुआं को मिलाना, श्राद्ध करना श्रादि), ४०. मियारागाकर-ज्ञान

(मिया श्रादि का रँगना तथा खान श्रादि का ज्ञान , ४१. वृत्तायुर्वेदयोग, ४२. मेष --फुक्कुटनावकयुद्ध विधि (मेढ़े, मुर्गे, तीतर श्रादि को लड़ाना), ४३. शुक-सारिका प्रलापन, (ताते-मैंने आदि को बोली खिलाना), ४४. उत्सादन सवाइन-केग्रनदेन केग्रज) हाथ-पैरों से शरीर दाबना, केशों का मलना, उनका मैल दूर करना आदि), ४५. अत्तर मुब्टिका कथन (श्रद्धां को ऐसा युक्ति से कहना कि उस सकेत का जानने वाला ही उनका अर्थ सनके, दूसरा नहीं), ४६. म्लेच्छित विकल्प (ऐसे सकेत से लिखना जिसे उस सकेत को जानने वाला ही समके), ४•. देशमाषा-विज्ञान, ४८. पुष्पशकटिका, ४६. निमित्त शन (शक्रुन जानना) ५० यत्रमातृता (विविध प्रकार से मर्शान कत, पुत्रं श्रादि बनाना), ५१. घारणा-मातृका (सना हुई बातों का स्मरण रखना), ५२. संशाज्य, ५३. मानको काव्य किया (किसी शलोक में छोड़े हुए पद को मन से पूरा करना), ५४ ऋभिधान कोष, ५५. छंदोज्ञान, ५६. क्रियाकल्प (काब्या-लंकारों का शान), ५७. छ लितक योग (रूप श्रीर बोली छिपाना), ५८. वस्त्र-गोपन (शरार के श्रामों को छोटे या बड़े बस्त्रों से यथा योग्य दंकना), ५६. चूत विरोष, ६०. श्राकर्ष की इा (पासी का खेल), दश. बालकोडनक, ६२. वैनयिकी विद्या (अपने और पराये से विनयपूर्वक शिष्टाचार करना), ६३. वैजयिकी विद्या (विवय प्राप्त करने की विद्या अर्थात् शस्त्र विद्या), ६४. व्यायाम विद्या।

६. स्थापत्य कला—गृह निर्माय कला, भवन निर्माण कला, मानसार, मेमारी, राजगीरी, वास्तुकला। ७. राजगीर-गृहकार, थवई, मिस्त्री, मेत्रमार, मेमारे, राज़, वास्तुकार। ८ भवन –दे॰ 'घर', 'मंकान', 'गृह'। ध. मूर्तिकला-मूर्तिकारी ! १०. मूर्तिकार - प्रतिमाकार । ११. मूर्ति-दे॰ 'मूर्ति।' १२. चित्रकता—उरेह, चित्रकारी, वित्रण, विद्या, चित्रतारी, ड्राइंग. मुसब्बरी ! १३. चित्र-ग्रनुकृति, अवरेख, ग्राकृति, त्रालेख्य, प्रतिकृति, फोटो, फोटू, मूरति, मृति। १४. चित्रकार -- कमगर,कलाकार,चितारी, चितेरा, चितेला, चित्रकर, चित्रक,मुसब्बर, मुसब्बर, मुसौबर, रगजीवक, रगाजीव । १४. चित्र बनाना-श्रवरेखना, उरेखना, उरेहना, खीचना, चित्र खीचना, चित्रण करना, चित्रना, चित्रित करना, बनाना। १६. फोटो खीचना - फोटो उतारना, फोटो लेना । १७. चित्रित--ग्रांकत, उरेहा। १८. चित्र मग्रह—एल्बम, चित्र-मज्जा, चित्राधार । १६. कूँची- कूर्चिका, ईशिका, चित्रलेखा, ईविकी, त्लि, त्लिका, त्नी, बुरस, अश । ९०. रग-उपराग, गत, रंगत, बरन, वर्गा । २१. र्गारेज--रंगसाब, रगाजीब । २२ रगीन - अनुरंजित, रगदार, रग-बिरगा, रॅगाला, राबत, राता, सारग।

२३. रॅंगना—रंगीन करना, रंग चढ़ाना। २४. रॅंगने का पारिश्रमिक—रॅंगवाई, रॅंगाई।

२४. रॅंगने की किया--रंगल, रॅंगवा, रॅंगवाई, रॅंगाई, रॅंगावट, रबन।

२६. रॅग<mark>वानां—श्र</mark>तुरजित कराना, रॅगवाना, रंजित कराना, रॅगाना, रंगीन कराना ।

२७. रॅगना -- श्रनुरंजित करना, रंगना, रग मे हुबोना, रजना, रजित करना, रखना, रॉचना, रॉजना।

रम. सफेद — अर्जुन, अवदात, उजला, उजियर, उज्ज्वल, उज्ज्वल, उज्ज्वल, उज्ज्वल, उज्ज्वर, जजरा, किपल, किपला, कपूरी, काफूरी, गौर, जिनिया, दुषिया, धवनी, धवरा, धवरो, घवल, धवला, घौन, धौरा, धौला, पहु, अद्ध, पाहुर, फक, अक, भूजा, रजत, विशद, शित, शुक्ल, शुक्र, धवेत, मपेट, सकद, सुक्रेद, सुभर, स्वेत।

२६ सफेदी- उजलापन, उज्ज्वलता, उज्ज्वलता, कपिलता, घवलता, घवलाई, रबताई, शुभ्रता, शुक्लता, शौरता, २वेतता, श्वेताई, सप्तदो, सिनटा, सुपेना, सुफेदी।

देव. काला—करिया, कृष्ण, धनश्याम, बामुनी, फॉवकार, फॉवर, मुश्की, श्वित, श्याम, श्यामल, साँवर, सियाइ, स्याम, स्यामल, स्यामिया, स्याइ:

३१. गहरा काला — भ्रावनूसी, काला भुजमा।

३२. कालापन — कबराई, कराई, करियाई, कलौंख, कालापन, कालिमा, मेंचकता, मेंचकवाई,श्यामता,श्वामलता,श्यामलताई, साँवरपन, साँबलटाई, साँबलापन, सियाही, स्वाही।

३३. सफ़ेदी और काला— ग्रव्सस, क्स-मस्त, गंगा-समनी, सितासित।

३४. लाल — अन्वासी, अर्थ, अर्थेपल, आरक, इंगुरी, खूनी, गुलनार, गुलाबी, प्यानी मोतिया, रक्त, रखत, रतनारा, रत-नालिया, रतनार, रागी, लक्खी, लहाँहा, साखी, लोहित, ओन, सिन्दूरिया, सिन्दूरी, स्हा, स्ही, सोनित।

३४. गहरा लाल रग- श्रव्य, श्रवन, गुलनार, गुलेनार, त्ल, लाल, शहान, मुर्ल।

३६. ललाई— अवणताई, अवकाई, अव-िष्मा, आरिक, कपिलता, चामंकरता, ललाई, लालिमा, लाली, शोण, सुरगता, सुर्खी, रकटा, रतनारता, ललामी, लालपन, रति।

३७. पं.ला— ग्रमरसी. ग्रवदात, कांपत, कांपत, कांपल, प्रकल, पहल, पहल, पाल, पियाल, प्रविचाल, प

६८. कुछ हलका पीला रग-क्पासी, कपूरो, गमका, शरबती, सदली!

48 पी लापन — कांपलता, नरदी, नदी, वाहुता, पिन्नगई, प्ययराई, प्रथराई, प्रथरी, पिनाई, पीतता, पीलापन ।

४०. पीलापन लि**ये साल ग्ग--नारंगी,** जौरगी, बादामी ।

४१. हरा - अगूरी, कांपे, बाही, तोतई,

गायिका ।

घानो, सबुज, सन्त, हरित्रार, हरित, इरियर | ४२. हरापन - सन्ज़ो, इरियाली, हरिश्ररी। ४३. भूरा - करिल, कपिश, चाकलेटी, बादामी, भूरा, मटमैला, हरित । ४४. भूरापन-किपलता, किशता, भूराई, भूरापन, मटमैत्रापन । ४४. बैगनी--श्ररगवानी, ऊदा, कासनी, षाभुनो, ताऊसां, भटई, नीललोहित, फालसई, बैगनो, बैजनी। ४६. नोला-श्रासमानी, कबुद, कबुदी, कारना, ऋष्या, नोल, नोला, फाराजो, मारपखा, लीला, सुरमई। ४७. नोलागन --नीलिमा। ४८ चितकबरा - कब्, कर्बर, कमीर, कस्मायक, वि कबरा, चितकाबर, चित्रक। 82. दोरगा — दुरंगा, दुरगा। ४० सफेद और लाल मिश्रित-स्त्रव ४१. गुलाबी-अच्य, अच्न, कुदुम्भी, प्यानो, मातिया। **४२. पीला श्रीर गुलाबी**—मोतिया । ४३. चार रग का-चौरगा। ४४. किशमिश के रंग का-किशमिशी। ४४. कुञ्ज अन्य प्रसिद्ध रग-श्रगूरी, उन्नावा, कपूरी, काही, खसलसी, प्याजू, दपहला, शरबतो, विलेटी, सुनइला। ४६ संगीत कला- गघर्व विद्या, गान विद्या, गायकी, गायन, सगान शास्त्र। ४७. संगीतज्ञ कथ्यक, गधर्व, गवैया, गायक, गायकाचार्य, गायन, गायनाचार्य। ५६. गानेवाली खियाँ-गवनहर, गवनहरी,

४६. गाना--श्रलापना, श्रलाप भरना, श्रलाप लेना, गायन करना, गीत गाना, तान तोरना, मधुर ध्वनि करना। ६०. गीत-गाना, गान, गीति, संगीत। ६१. गाने की किया--गवइनी, गवनई, गवाई, गाना । ६२. गाने योग्य-गेय। ६२ गाने की मजदूरी---गवाई। ६४. स्वर — त्रावाज, तान, ध्वनि, बोल, शब्द, सुर। ६४. स्वर के ३ भेद-उच्चस्वर, मंद्रस्वर, मध्यस्वर । ६६. उच्च स्वर---ॲचा स्वर, तार स्वर, तोव स्वर, तेज स्वर । ६७. मद्र स्वर-गंभोर स्वर, घोर स्वर, मद्र स्वर, मद्र स्वर । ६८. मधुर स्वर -- कल, नाकली, मदस्वर, मधुर स्वर, मीठा स्वर, सूद्दमस्वर। ६६. राग की हिंदर से स्वरों के ४ प्रकार- श्रनुवादी, वादी, विवादी, सवादी। ७०. सगीत के अनुमार स्वर के ७ भेद-ऋगभ, गाधार, धैवत, निषाट, पचम, मध्यम, पड़ज । विशेष - इन्हीं को सत्वेप में 'सारेगमपधनी' कहते हैं। ७१. स्वर का आरोह -- आगंह, आरोहण, श्रारीहन, प्ररोहरा। ७२. स्वर का अवरोह--- श्रधोगमन, अव-तरण, श्रवरोह, श्रवरोहण, श्रवरोहन। ७३. ३ ग्राम (स्वर के समूह)—गाधार ग्राम, मध्यम ग्राम, घडन ग्राम । ७४. संगीत में सातों स्वरों का आरोह र्यार अवरोह—मुरछना, मुर्च्छना।

७४. गांधार प्राप्त की मृच्छेनाएँ— श्रलापा, चित्र, चित्रावती, नंदा, विशाला, सुला, सुमुली।

●६. मध्यम माम की मूच्छीनाऍ —कलो-पनता, पौरबी, मार्गी, शुद्धमध्या, सौवोरी, हरिगाश्वा, हृष्यका।

७७. षष्ठज ग्राम की मूर्च्छनाएँ—ग्रामि-षद्रता, ग्रश्नकाता, उत्तरमद्रा, उत्तरायता, मन्सरीकृता, ग्रनी, शुद्धपङ्गा।

७८ संगीत शास्त्र में ४ वर्ग--(स्वरी-न्वारण) श्रवरोही, श्रारोहा, सचारी, स्थाई।

७६. रागों के प्रधान २ भेद—पुरुषराग, स्रोगग।

दः. पुरुषराग-सग ।

८१. स्त्रीराग-रागिनी।

८२. प्रसिद्ध तीन रागिनियाँ -- ग्रौड्ब, गाग्व, सपूर्ण।

प्तरे. प्रसिद्ध ६ राग -दीपक, भैगव, माल कोश, मेन, भी, हिंडोल ।

मप्ट. **नाल-**-करतल ध्वनि, ठेका, तान,

८४. ताल के मुख्य ४ भंद— प्रभटताल, इद्रताल, चतुदश ताल, बदाताल, इद्र ताल।

=६. 'श्रष्टताल' के म भेद -- श्राइ,गजन, चंद्रशेखर, ब्योति, दोज, पचताल, रूपक, समसाल ।

.७. 'इंद्रताल' के ६ भेद-इंद्रभाष, गुस्मंबर्व, देवचाली, देवसार, पंचाली, मदनदोला।

म. 'बतुर्दश' ताल के १४ भेद —श्रर्ध-ध्योतिका, श्रर्धमात्र, काककला, चमाध्ट, चद्रमात्रा, चिन्हताल, तांडवी, देवमात्रा, घराधर, भाषा, वसंतवाक, वीरशब्द, स्वर्गसार, हर्षधारिका।

पर. 'ब्रह्मताल' के ४ भेद-ब्रह्म, विराम-ब्रह्म, पटकला, सप्तनात्रा ।

६० 'रुद्रताल' के ११ भेद—कंटर्प, गर्जेंद्रगुरु, जुटका, डॉशपाहिस, दशकोपी, धरण, धुवचरण, मङ्रक, विषम सम्द्र, वीरदशक, वीर्गवकम ।

६१. बाजा--श्रातोद्य, बाजन, बाजा, बादित्र, बाद्य।

६२. बजना—क्विणित होना, भकार होना, भक्कत होना, भनकना, भनभन करना, ध्विनत होना, नादना, बजना, रनना, स्वरित होना।

६३. बजाना — क्वांग्यत करना, क्रकारना, व्याना, व्याना, क्रकारत करना।

६५. बाजो के ४ प्रकार--श्रानद्ध या अवनद्ध, धन, तत, सुविर।

६४. 'श्रानद्ध' के बाजे — खंजड़ी, डफ्ला, डफ, ढ'लक, तक्ला, पखावज, मृद्ग ।

६६. 'घन' के बाजे — क्रताल, घटा, घड़ी, भॉम, घातुनरग, मजारा।

६७. ततं के बाजे—इसराब, तबूरा, बेना, बंखा, सगेद, सारगी, सितार।

८८. 'सुषिर' के बाजे—श्रलगोबा, तुरही, बॉसुरा, शंख, शहनाई, हार्मोनियम ।

६६ ढोलक --डक्स, दोल,दालक, दोलकी, पटह, पर्याव :

१००. इफला - चग, इफ, दपला ।

१०१. तबला-डेका, हुग्गी, दुक्कद ।

१०२. पस्तावज -- पलाउज, मुरज, मृदग ।

१०३. मारू—जुफाब, डका,घौरा, माब। १०४. **डमरू**—डिडिम।

१०४. मजीरा-- चोड़ी, दुनकी, मंबीर, मजीरा।

१०६. बेला-वाइलिन, वायलिन।

१०७. सरंगी --चिकरा, सारगी, सारंगी।

१०८. बीन - परिवादिनी, बीग्या, बोना, विपन्नी, बीग्या, बीना।

१०६. भाँम-जोडी, मल्लरी, माल।

११०. सिघा—तुरही, धुधुका, सुँहचग, भुरचग, विषास, श्रुरो, सिंगा, सिहा।

१११. शहनाई—नकीरो, विविश्तो, रोशन-चौको, रोशनचौको, सहनाई।

११२. बंशी--श्रलगोज़ा, पिपिइरी, बॉसुरी, बासुली, सुरलिका, सुरलो, वेशा ।

११३. दुदुभी—श्रानक, डका, दक्का, दक्का, दमामा, नगाङा, नौबत, पटह, पटहा, भेरि, मेरी।

११४ घंटा - घट, घड्मिश्राल।

११४. हारमोनियम--इरमुनिया ।

११६. मामोफोन - फेन्गिलास, फोनो-गिलास, फोनोमाफ।

११७. नाच — ताडन, नटन, नर्तन, नाट्य, नृत्य, लास्य ।

११८ नाचना—घूमना, यय्यक थय्या करना, थय्या थय्या करना, थिरकना, नर्तना, नाच करना, निर्तना, नृचना, नृत्य करना।

११६. २ प्रकार के प्रधान तृत्य — ताइव, (शिव), लास्य (पार्वती)।

१२०. लास्य के १० भेद-शासीनपाठ्य, उक्तप्रत्युक्त, उत्तमोत्तमक, गेयपद, त्रिगृद्ध, द्विगूढ़, पुष्य-गंडिका, प्रच्छेदक, सैंधव, स्थियाख्य ।

१२१. नृत्य के २ अपन्य भेद - अपनाट्य, नाट्य।

१२२. नाचने वाला-नट, नर्तक, नच-नियाँ, नृत्यक, लासक।

१२३. नाचने वाली — नटी, नर्तकी,नृत्यकी, लासकी।

१२४. नाचने वाली वेश्या — श्रप्सरा,कस्त्री, कसविन,पतुरिया, रंडा, रंडी, गँड, वेश्या। १२४. नाच घर—नाच महल, नृत्यशाला, रगशाला।

१२६. साहित्य – श्रदन, लिटरेचर, वाङ्-मय, साहित्य ।

१२७. साहित्यकार—आयर,उपन्यासकार, कथाकार, कलाकार, कवि, कहानीकार, काव्यकार, गद्यकार, प्रथकर्ता, प्रथकार, व्यक्तह, नाटककार, निबंधकार, प्रवधकार, मुस्तिक, रचनाकार, लेखक. शायर, साहित्यक।

१२८. साहित्यकत्री — लेखिका, निज्ञ भ, नाटक तथा कहानी ऋाटि, शब्दों में, 'कत्री' लगाकर ऋौर भी शब्द बन सकते हैं।

१२६. जो साहित्यकार न हाँ - श्रसाहित्यकार न

१३०. साहित्यक-श्रुदनी, कलात्मक ।

१३१. साहित्य सेवा—काव्य-साधना, साहित्य साघना, सरस्वती-ग्रागघना।

१३२. काव्य के २ भेद—हश्य काव्य, अव्य काव्य।

१३३. दृश्य काव्य के दो भेद-उपस्वक स्वक ।

१३४. उपरूपक के १८ भेद-उल्लाप्य,

कान्य, गोष्टी, त्रोतक, दुर्मील्सका, नाटिका, नाट्यरासक, प्रकरिशका, प्रस्थान, प्रेलंड, गाश्चिका, रासक, विलासिका, शिल्पक, श्रीमदित, सट्टक, सलापक, इल्लीश।

१३४. रूपक के दस भेद—श्रग, इहामृग, डिम, नाटक, प्रकःश्रं, प्रहसन, आण, वीथी, व्यायोग, समवकार ।

१३६. नःटक-एकांकी, द्वामा, थियेटर, हश्यकाव्य, नकल, नौटकी, भॉड, राम-स्रीला, रास, रासलीला, रूपक, सनीमा, विनेमा, स्वॉग।

१६७. नाट्यकला — ग्रिमनय, नकल, नाट्य विद्या।

१६८. नाटककार,—एकाकीकार, रूपककार। १६८. कथा—(नाटक, कहानी या उपन्यास, की मूल कथा) कथानक, कथावस्तु, कहानी, प्लाट, वस्तु।

१४०. बस्तु भाटक की कहानी) के २ भेद-श्राधिकारिक, प्रासागिक।

१४१. प्रासंगिक के २ भेद-पताका, प्रकरी।

१४२. श्राधिकारिक के विभिन्न भाग या श्यल--श्रर्थप्रकृति, कार्य्यावस्था, संवियां।

१४२. ४ श्रर्थे प्रकृतियाँ—वीज, विदु, पताका, प्रकरी, कार्य्य।

१४४. ४ श्रवस्थाएँ — श्रारम्म, प्रयन्न, प्राप्त्याश्चा श्रयना, प्राप्त्य समन, निय ताप्ति, पन्नागम ।

१४४. ४ सधियाँ—मुख, पतिमुख, गर्भ, अवमर्श या विमर्श, निर्वहण।

विशोष - पहली के १२, दूसरी के १३, तीलरी के १२, चौथी के १३, श्रौर पॉचवी के १४ मेद होते हैं। इन संधियों के ऋतिरिक्क, २१ ऋतर्से धियाँ मी होती है। इस प्रकार कुल ८५ मेद हुये।

१४६ नाट्यकार—एक्टर, नट, नाटकी, नाट्यकार, प्रवेशक, रगचर, रंग चीवक, रग विद्याघर, रगावतारक, रंगावतरी, स्त्रघर, स्त्रघार।

१४७. वेष — मेल, मेष, मेस, रूप, वेश, वेस, स्रत, स्रति, स्वरूप, स्वॉग ।

१४८. वेष धरना—बनना, मेल बनाना, रूप घारण करना, सजना, स्वरूप <mark>घारण</mark> करना, स्वाग बनाना।

१४६. **नाटक का प्रधान पात्र**—नाय**क,** फलभोका।

१४०. नाटक में कार्य करने वाले पुरुष पात्र —ऐस्टर, पात्र।

१४१. स्वभाव के आधार पर नायक भेद-धीरोटाच, धीरोद्धत, धीरललित, धीरपशात:

१४२. नायक के अन्य चार भेद —श्रनु-क्ल, दक्षिण, धृष्ठ, श्रठ।

१४३. नाटक की प्रधान पात्री—नायिका। १४४. नाटक में कार्य करने वाले की पात्री—ऐक्ट्रस, पात्री, ताकिका।

१४४: नायकाभेद जाति के अनु-सार)—चित्रिणी, पद्मिनी, शिब्दनी, इस्तिनी।

१४६. कर्म के श्रनुसार नायिका भेद--परकीया, सामान्या, स्वर्तीया ।

१४७. अवस्था के अनुसार नायिका भेद-सुग्धा, मध्या, पौढ़ा।

१४८. श्रन्य श्राधारों के भनुसार नायिका भेद--श्राभिसारिका, उत्कठिता, कलहांतरिता, खडिता, प्रीपितपतिका, बासकसञ्जा, विप्रलन्धा, स्वाधीनपतिका। १४६. गर्वे के द्याधार पर नायिका भेद--कुलगर्विता, मानगर्विता, यौवन-गर्विता, रूतगर्विता, शोलगर्विता,।

१६०. भरत मुनि के ऋनुसार नायि-काओं के ४ भेद--कुल स्त्री, गणिका, दिव्या, नृपतिनो।

१६१. नायिका ह्यो के कुछ ह्यन्य प्रसिद्ध मेद — श्रजातयौवना, श्रन्हा, श्रागत-पतिका, श्रघोरा, श्रनुशयना, श्रारूढ्यौवना, कहा, कनिष्ठा, कुलटा, ज्येष्टा, ज्ञात-यौवना, घारा, घागधारा, नवयौवना, नवलश्रनंगा, नवलबधू, नथोढा, परोहा, प्रगल्भवचना, प्रवस्थतपतिका, प्रगल्भा, रतिकोविदा, रूपयौवना. वयस्स घ, विश्रव्ध, नवाढा, मलज्जरति, सविश्रमा।

१६२. नायिका के ऋगज श्रलंकार--भाव, हाब, हेला ।

१६३. नायिका के अयरनज अलकार --श्रीदार्य, काति, दीष्ति, धेय, पगल्भता, माधुर्य, शोभा।

१६४. नायिकायों के स्वभावज अल-कार—किलकिचित, बुद्दमित, कुत्इल, केलि, चिकत, नपन, बिब्बोक, मद, मोद्वापित, मुख्यता, लिलित, लीला, विद्येप, विन्छिति, विश्रम, विलास, विद्युत, हसित।

१६४. ४ प्रकार को वृत्तियाँ- श्रारमटी, कौशिकी, भारती, सात्वकी।

६६६. प्रेचागृह—नाट्यमडप, नाट्यशाला, नाट्यस्पल, रगगृह, रगभूमि, रगमडप, २गस्पल। १६६. **च. रगमंच-डायस,** नाट्यस्थल, मंच।

१६७. श्रव्यकाव्य के ३ भेद-प्य, गद्य, मिश्र, या चपू।

१६८. कविता—किंता, कवित्त, काव्य, छद, तुकबदी, नज़मं, पद्म, शायरी, । विलोम—गद्म।

१६६. कविता करना—किवता लिखना, काव्य करना, काफियात भिलाना, तुक जोड़ना, तुकबदी करना, बदिश करना, शायरो करना।

१७०. रचित--इनाया हुन्ना, म्सन्नक, लिखित, विरचित।

१७१. कवि--कवि, काव्यकार, दुक्कड, रचयिता, शायर।

१७२. कवियत्री--शायरा, लेखिका, स्त्री कवि।

१७३. काञ्यरसिक -- मरस, सहृदय, काब्य प्रेमी, काञ्य-मर्मज्ञ ।

१७४. काठव मूढ्—न्नरसिक. शुष्क, सुला। १७४. पद्य के २ भेद्—प्रबंध, मुक्तक।

१७६. १वंध काव्य के ३ भेद-एकार्य काव्य, खंड काव्य, महा काव्य।

१७७. मुक्तक काठ्य के ? भेद-पाठ्य, प्रमीत या गीत।

१७८. काठ्य के पज्ञ—काव्य पद्ध या भाव पत्त, शैली पत्त या कला पत्त ।

१७६ काव्य के ६ रस — श्रद्भुत, कर्या, भयानक, रौद्र, वीभत्स, बीर, शात, व्हंगार, हास्य।

१८०. श्रंगार रस के २ भेद—वियोग वा विप्रतभ, सयोग । १८१. हास्य रस के ६ भेद—ब्रह्मिट भ्रयहरित, उपहरित, विहसित, स्मित, हसित।

१८२. बीर रस के ३ भेद-दियावीर, दानबोर, युद्धवोर।

१८३. २ विभाव—श्रांतंबन, उद्दीपन । १८४. २ भाव-- छंचारी भाव, स्थायी भाव ।

१८४. ३३ संचारी भाव-श्रपरमार, श्रमर्ष, श्रवहित्था, श्रवस्ता, श्रव्या, श्रावेग, उमता, उन्माद, श्रीत्तुक्य, गर्व, ग्लानि, वपलता, चिंता, बद्दता, तर्क, भास, दैन्य, धृति, निद्रा, निर्वेद, ब्रीडा, मित, मद, मरखा, मोह, विवोध, विवाद, ब्याधि, शंका, भम, स्पृति, स्वप्न, हर्ष ।

१६६. ६ स्थायी भाष-उत्साह, कोघ, खुगुप्सा, भय, रित, विरमय, शम, शोक, हास ।

१म७. ३ **अनुसाय**—कायिक, मानसिक, वालिक।

१८८ **श्रलंकार**--कान्य भूषण, कान्य सौंदर्य।

१८६. ३ प्रकार के अलंकार—श्रयी-लंबार, उभयालंकार, शब्दालंकार।

१६०. काठ्य में प्रयुक्त प्रमुख अलं-कार—अनुप्रात, असगति, असंभव, अतद-गुण, अस्युक्ति, अधिक, अनुक्रा, अन्योक्ति, अम्योन्य, अर्थापत्ति, अस्प, अवका, उन्मीलित, उस्मेल, एकावलो, कारख-माला, गुण्यवत्, गूढोकि, तदगुण, हष्टांत, मिषेष, निश्चय, परिकर, भ्रांति पिहित, प्रस्कर्नोक, प्रयुक्ति, प्रहर्षण, मालादीपक, मीकित, मुद्रा, यमक, युक्ति, विधि, विशेष, गेल, विश्वतोकि, न्यांबोकि, रहेण, संभा-

40---Y

वना, सम, समाबि, समुच्चय, सामान्य, सार, स्मरण।

१६१. **काव्य के ३ गुरा--श्रोब**, प्रसाद, माधुर्य।

१६२. **काव्य के १० गु.**ण—श्रर्थव्यक्ति, उदारता, श्रोब, कांति, माधुर्य, प्रसाद, श्लेष, समता, समाधि, सकुमारता।

१६३. ३ वृत्तियाँ—(काव्य की), उप-नागरिका, कोमला, परुषा।

१६४. ३ रीतियाँ -गौदी, पांचाली, वैदर्मी। १६४. राज्द की ३ शक्तियाँ -- ऋविषा, लक्ष्णा, व्यंबना।

१६६. दोष के प्रमुख भेद-श्रर्थ दोव, रस दोष, शब्द दोष।

१६७ कुछ प्रसिद्ध दोष-श्रविकपट, श्रायुक्त, श्रश्लोल, श्रतमर्थ, कष्टार्थ, क्लिष्ट च्युतसंस्कार, नेयार्थ, न्यूनपद, श्रुतिकटु, संदिग्ध।

१६८ छंद-किवता, बंद, बहर, शेर। १६६ तुक-श्रत्यानुप्रास, क्राफिया, मेल, सज।

२००. इंद्शास्त्र के गरा — बगय, तगय, नगरा, भगरा, मगरा, यगरा, रगस, सम्ब

२०१. खरों के २ प्रमुख भेद-मात्रिक, या जाति, वर्शिक या वृत्त ।

२०२. मात्रिक और विशिक्ष के भेद-ब्रद्धम, विश्म, सम ।

२०३ इस प्रमुख संद — अनुष्तुप, अमृत-धुनि, आर्थ्या, आल्हा, इस्वजा, उपेद्रवजा उल्लाला, कवित्त, किरोट, कुंडलिया, गंजल, गोति, गोतिका, घनात्त्वरी, चौपाई, कुष्यव, ताटक, तोटक, त्रिभगी, दहक, दुर्मिल, दोहा, द्रुतविलंबित, नराच, पज्मिटिका, पद्धिर, पादाकुलक, पालती, मालिनी, रूप घनाचरी, रेखता, रोला, ललित, लावनी, वसतितलका, विद्युन्माला, वंशस्थविलम्, शाद्बुलविकीड्ति, शिखरिगी सुन्दरी, सुमुखी, सम्बरा, हरिगीतिका।

२०४. राद्य के भेद-श्रात्मकथा, श्रालो-चना, उपन्यास, कहानी, गद्य काव्य, जीवनी, निबंध, पत्र ।

२०४. शेंली— चाल, ढग, ढब, तशका, तर्ज़, तौर, पद्धति, प्रणाली, बिधि, रीति, विधि।

२०६. गद्य की शैलियाँ—पुराण शैली, भाषणात्मक शैली, वर्णनात्मक शैली, व्यंग्यात्मक शैली, व्यंग्यात्मक शैली, व्यास शैली, क्यास शैली, सूत्र शैली, इास्यात्मक शैली।

२०७. लेख--श्राटिंकिल, थीसिस, निवध, पेपर, प्रबंध।

२०८. कहानी — श्रक्षसाना, श्राख्यान, श्राख्यायिका, कथा, कहनी, केहानी, गल्प, गाया, दास्ताँ, दास्तान, क्रसाना, फेसाना, उपन्याम, कादबरी, नाविल, नावेल।

२०६. आलोचना—ग्रध्ययन, गुणदोष कथन, परिचय, प्रत्यालोचना, विमर्ष, विवेचन, विवेचना, समालोचना, समीच्ण समीचा।

२१०. श्रालोचना के प्रधान भेद—श्रात्म-प्रधान या प्रभाववादी, ऐतिहासिक, गण् न'त्मक, दुलनात्मक, निर्ण्यात्मक, मनो-वैश्वानिक, सैद्धातिक।

२११. समाबीचक — त्रालोचक, विवेचक, समीच्चक। २१२. गद्यगीत—गद्यकान्य, गद्यगीत । २१३. भाषा—ज्ञबान, बोली, भाखा । २१४. भाषाविज्ञान—दुलनात्मक भाषा विज्ञान, दुलनात्मक, भाषा शास्त्र, फिला-

विज्ञान, तुलनात्मक, भाषा शास्त्र, फिला-लोजी, भाषा लोचन, भाषा शास्त्र, लिखा-नयात।

२१४ भाषावैज्ञानिक—फिलानोजिस्ट, भाषा विज्ञान विशारद, भाषा विज्ञानवेत्रा, लिंग्विस्ट।

२१६. **व्याकरण-क**नायद, मामर, भ पा नियम ।

२१७. व्याकरणवेत्ता-- क्रवायद दाँ, वैया करण ।

२१**८. भारत की प्राचीन भाषाएँ**—सस्कृत, ्पालि, प्राकृत, ऋपभ्र श ।

२१६. सस्झत—देव भाषा, देव वाणी, लौकिक सस्झत, वैदिक सस्झत।

२२०. पालि-पाली, बौद्यभाषा।

२२१. भारत की आधुनिक भाषाएँ— आधामी, उद्भिया, कन्नड, गुजराती, तमिल, तेलगू, पजाबी, बॅगला, मराठी, मलयालय, लहेंदा, हिंधी।

२२२. हिंदी - नागरी, हिद्दनी, हिदुस्तानी । २२३. बोली--उपभाषा।

२२४. हिन्दी की बोलियाँ—श्रवणी, उर्दू, कजीजी, खड़ी बोलो, झत्तीखगढ़ी, जयपुरी, बचेलो, बॉगरू या जादू, बुदेलो, बैसवाड़ी, बज, भोजपुरी, मगही, मारवाड़ी, मालबी, मेवाती, मैथिकी, हिन्दुस्तानी।

२२४. लिपि --श्रच्य, श्राखर, वर्ण, इरफ, इरुफ़, इपी।

२२६. वर्गा के दो भेद-व्यवन. स्वर । २२७. स्वर-मन्ना, मान्ना। २२८. संक -- ब्रदद, गिनती, हिंदसा। २२६. नागरी लिपि --देव नागरी लिपि, हिन्दी सिपि। २३०. भारत की कुछ प्राचीन लिपियाँ-कुटिल, खरोष्ठी, गुप्तलिपि, ब्राह्मी। २३१. शब्द--लफ्न । २३२ वाक्य-जुम्ला। २३३. मुहाबरा-ग्रम्यास, बोलचाल, भाषा सराया, मुहविरा, रोज़मरा । कहावत-ग्रहाना, श्राभाग्यक, कथनी, कहन, कहनाउन, कहनावत, कह-त्त, कहावति, कहीश्रल, खायत, नेवा, मक्ला,मसल, मसला, मिसाल, लोकोकि । २३४. विद्या-इल्म, गुण, ज्ञान, नसीइत, फन, बिद्या, शिद्धा, सरस्वती, हुनर। २३६. अविद्या--श्रंधकार, श्रज्ञ ता, श्रज्ञान, श्रहानता, माया, मूढ्ता, मोइ। २३७. १८ तरह की विद्याएं-- श्रथवंग-वेद, ऋर्यशास्त्र, ब्रायुर्वेद, ऋग्वेद, कल्प, गाषर्ववेद, छद, ज्योतिष, धनुर्वेद, धर्म-शास्त्र, निक्क, न्याय, पुराख, मीमांसा, यबुर्वेद, ब्याकरस, शिज्ञा, सामवेद । २३८ शिका—तालीम. दोचा, पदाई, शिद्या, विन्द्रा, सीखा २३६. शिक्ति-- श्रालिम, तालीमयाप्रता, पदा, पदा-लिखा, विद्वान, सुशिचित । २४०. श्रशिचित-श्रनपद, काला श्रज्र भैंत बराबर, गाँवार, नेपदा, मूरल, लिख सोद्वा पद् पश्यर, सरस्वतीशनु । २४१. शिचक - अध्यापक, आचार्य, आदे-सक, स्रादेश्टा, उपदेशक, उपदेष्टा, उपा-भ्याय, गुरु, गुरुबी, टीचर, ट्यूटर, तत्व-बोधक, दीखक, परिप्राध्यापक, प्रोफ़ेसर,

मास्टर, मुशी, मोलबी, मौलबी, मौलबी, रींडर, लेक्बरर, व्याख्याता, सिब्छुक। २४२. शिष्य-ग्रंतेवासी, चेला, छात्र, मुरोद, शागिर्द, विद्यार्थी, दी चित, शिद्धार्थी, शैच्छ। २४३ शिष्यता—मुगेटी, शागिदी । २४४. छात्रवृत्ति -वनीप्रा, स्कालरशिप। छात्रालय-छात्रावास, बोर्डिंग, बोर्डिगहाउस, होस्टल । २४६. पद्ना - अध्ययन करना, अनुशीलन, करना, अभ्यास करना, उच्चारण करना, उच्चरित करना, तालीम पाना, ता<mark>लीम</mark>-याफ़्ता होना, टीचा पाना, पठन करना, पठन-पाठन करना, पढ्ना, बॉचना, रटना, शिद्धा पाना, शिद्धित होना, स्मरशा करना । २४७. पढ़ाना -- ब्रध्ययन कराना, ऋध्यापन करना, श्रभ्याय कराना, तालीम देना, दीक्षा देना, पढ़ाना, रटाना, लिखाना-पदाना, शिचा देना, शिचा-दीचा करना, शिवित करना, समभाना, सिस्ताना। २४८. मनन—ग्रनुशोलन, गौर, चितन, मनन, विनार, सोचना । २४६. मनन करना-जपर के शब्दों में त्रातिम को क्षेष कर 'करना' बोडकर बनाया जा सकता है। २४०. परीक्षा-- आजमाइश, अवलोबन, इम्तहान, कस, कसनी, कसौटा, कष, खान-बीन, बॉच, बॉच-पहताल, बायजा, देल-रेख, देखभाल, पहताल, परस, परीसा, परीच्या, मुत्रायना, शांध, शोधन २४१. परीच्चित-ग्रनमाया, श्रानमाया, श्राज़बूदा, जाँचा, परका, परिन्तित ।

२४२. परीच्चक—कारिणक, बाँचक, पारली, मुम्तिहन।

२४३. परीचार्थी—मुम्तइन ।

२४४. परीचा करना—ग्रानमाइश करना, इम्तद्दान करना, इम्तद्दान लेना, कसना, कसौटो पर रखना, जॉच करना, जॉचना, ठोंकना, ठोंकना ठठाना, देखना, देखना-मालना, परखना, परीचा लेना, परीच्या करना, दे॰ 'जॉचना'।

२४४. परोचा करवाना--श्रंकाना, जँच-बाना, दिखलाना, दिखाना, परखाना, परखवाना, परीचा करवाना।

२४६. अध्ययन - श्रनुशीलन, श्रम्यसन, पठन, पठन-पाठन, पढ्ना, परिशीलन, मुताल, मुताश्रला, स्वाध्याय।

२४०. श्रध्यापन—दीव्रण, निपाठ, पढ़ाना, पाठन, शिव्रण ।

२४८ अन्वेषण् — अनुसंधान, अन्वोद्धण, अन्वोद्धा, अन्वेखण्, खोज, गवेषण्, गवेषणा, बॉच, जुस्तज्ञ, जोह, बोहना, दूँद, तलाश, तहकीक, तहकीकात, पदताल, परीष्टि, पर्योषण्, प्रतिसंधान, प्रतिसंधि, शोध, संधान, हेर।

२४६. अन्वेषक—अनुसंधानकर्ता, अनु-संधित्सु, अन्वेसक, खोजी गवेषी, शोषक। १६०. खोजना—अनुसंधानना, अनुसंधान करना, अन्वेषण करना, खोज करना, खोजना, द्रॅद्ना, तलाशना, देखना, पता लगाना, पता लेना, शोधना, शोध करना, देरना।

२६१. खोजवाना---ग्रनुसपान करवाना, खुजवाना, दु द्वाना, तलशवाना, तलाश करवाना, पता लगवाना, शोघवाना । २६२. सममाना—श्ररथाना, श्रवगारना, जतलाना, जताना, जान देना, परबोधना, प्रबोधना, बतलाना, बताना, बुमाना, बोधना, विवरण करना, विवरण देना, विवेचना करना, व्याख्या करना, तममाना । २६३ उदाहरण-उदाहरन, दृष्टांत, नज़ीर, नमूना, मिसाल। २६४. उपमा—तश्रवोह, मिसाल।

२६४. उपमा--तश्वीह, भिसाल २६४. प्रश्न - माँग, सवाल ।

२६६. प्रश्तपत्र—परीचापत्र, पर्चा, पेपर । २६७. उत्तर—जवाब, प्रतिकार, समाधान । २६८. चुप कर देने वाला उत्तर--चुमता बवाब, मुँद-तोड़ जवाब, सटीक उत्तर ।

२६६. सवाल-जवाब — उत्तर-प्रत्युत्तर, कथोपकथन, भगड़ा, तकरार, तर्कवितर्क, प्रतिवाद, प्रश्नोत्तर, बात-चीत, वाद-विवाद, विवाद, सवाद, हुण्डान।

२७० पहेली— प्रहेलिका, बुभानी, बुभाविल, मुकरी, समस्या ।

२७१. डिकि—ग्रानोखावाक्य, उकुति, दश्यन, चमत्कारपूर्ण कथन, बचन, वक्रोकि। २७२. डिबेट—तकरीर, मापण, बच्चता, वादविवाद, वाटानुवाद, वादाविवाद। २७३. श्रांताच्ती—ग्रांत्याच्तरी. पचात-प्रतियोगिता, बैतवाज़ी।

२७४. पाठशाला--कालेज, गुरुकुल, पाठ, भक्तन, महानिद्यालय, निद्यालय, निरूष-निद्यालय, शिच्छणालय, स्कूल।

२७**४. यूनिवर्सिटी**—दा**ब्लडल्**म, विश्व-

२७६. शिक्ता संस्था का अध्यक्त— साचार्व, प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, व्रिंखपल, वाहसचासलर, हेडमास्टर। २७७. साष्या—कथन, तकरीर, प्राख्यान, भाख्या, वक्तव्य, वक्तृता, व्याख्यान। २७८. भाष्या देना—शेलना, कहना, 'भाष्या' के पर्यायों में यथानुसार 'करना' या 'देना' लगा कर और शब्द भी बनाए वा ककते हैं।

२७६. **बक्ता**—तकरीरदाँ, भाषणकर्ता, भाषणदाता, न्याख्यानदाता । २८०. मच — डायस, पुलपिट ।

२८१. विज्ञान—साइंस।

२८२. मशीन—मसीन, आपरेटस, यत्र। २८३ मशीन का या मशीन संबंधी— यांत्रिक।

२८४. **आविष्कार** — श्राविष्करण, ईजाद । २८४. **आविष्कारक** — श्राप्वेष्कर्त्ता, प्रव-र्तक ।

६८६. प्रेस — छापासाना, मुद्रणालय। ६८७. मैनेजर — इतनामकार, प्रवधक, प्रवधकत्तां, प्रवधकार, मुतनिम, विधायक, अवस्थापक।

२५म. छापना—ग्राकेत करना, ठणा करना, टंक्या करना, टंक्त करना, टाइप करना, मुद्रित करना, लिखना, लीधो करना। २५६. समाचारपत्र -श्रव्याग, पत्र, पेपर विद्याः २६०. पत्रिका—मैगलिन, नेताला। २६१. निकलने के समय के जनुसार पत्र पत्रिकाओं के भेद-भ्रद्ध वाप्ताहिक, श्रमासिक, दैनिक, हैमासिक, पादिक, मासिक, वार्षिक, पट्मासिक, माप्ताहिक। २६२. संपादक-श्रहीटर, एडिटर, पत्र कार।

२६४. विकास -शंकित करना, अंकन

२६३. सम्मान पश्च-प्रति•ठाः पश्च. मान

यम, सम्मान पत्र।

करना, अनुकरण करना, अभ्यास करना, उतारना, कलम करना, कमलबद करना, टाइप करना, नकल करना, रचना, रचना करना, लिपि बद्ध करना ।

२६४. पांडु लिपि --पाया,मैनुस्किप्ट, मुसी-विदा।

२६६. पुरतक-कितान, प्रथ, पुस्तक, पुस्तिका, पोथा, पोथा।

२६७. विषय — चं'न, मनमून, विषय ।
२६८. भूमिका – श्रामुख, उपोद्घात, कयामुख, तमहीं इ, टीबाचा, दो शब्द, प्रस्तावना
प्रस्ताविका, प्र'क्कथन, मुक्दमा, मुखब्ध ।
२६६. पाठ — श्रक, श्रध्याय, श्राह्कि,
उच्छ्वास, उद्वात, काड, किरख, तरग,
पटल, परिच्छें इ, पाद, प्रकरख, प्रपाठक,
पिटक, बाब, मजरी, लहरी, वर्ग, शाखा,
समय, सम्हलास, सर्ग, स्कंघ।

३०८. टाका—सर्थ, कुबी, टिप्पबी, टिप्पन, तफ़सील. भाष्य, विवर्श, विवेचन, व्याख्या:

२०१ **चानुवाद -- ग्रनु**बाद, उल्या, तर**बुमा**, भाषातर ।

१०२. कापी—पुस्तिका, सभ्यासकापी। २०२. डायरी —दैनदिनो, डैनिकी। १०४. पृष्ठ — पन्ना, पृष्ट, पेज. वरक. वर्का, सफद्दा, सफा।

३०**४. काग त—कागर. पटल, पत्र, पन्ना,** भा**जप**त्र ।

२०६. रोशनाई — अजन, कार्ला, पत्रांचन, मिलनाम्बु, मशा, मिल, मसी, मेला, रजनी, रशनाई, गेसनाई, ख्याही, स्वाही। ३०७. क्लम — कलक, निन, काउटेनपेन, मुक्कबेट लेखनी। 7

२०८. फाउंटेनपेन—धाराप्रवाहलेखनी, निर्फारियी।

३०६. निब-जिस्मा, जिस्मी।

११०. दावात—द्वात, बोरकना, बोरका, मसिकृषिका, मसिदानी, मसिधान, मसिवानी, मसिपात्र, मसिमिख, मस्याधार मेलानंदा, मेलांधु, वर्णाकृषिका।

३११. पटरी—तम्बती, तष्ट्रती, पटिया, पड, पड़ो, पाटी।

११२ स्केल — इंची, पटरी, इसकेल, रोलर, क्ला।

११३. पेंसिल—पिनसिन, प्रिनसिल, रूल, ग्रु॰कलेखनी।

३१४. सोसना --सोखता, स्याहीसोव ।

३१४. लिफाफा-एनवलप, खरीता,लिफाफ।

३१६. पोस्टकार्ड—कारट, कारड, कार्ड, विद्वीकार्ड।

टिकट —टिक्स, स्टंप, स्टाप।

२१७. नकशा—चित्र, देशचित्र, नक्शा, मानचित्र, मैप, राष्ट्रचित्र।

३१८. श्यामपट—ग्रवितपट, काला तखत, काला तख़ता, तखताश्या, तख्ताश्याह, श्यामगट, श्यामपट।

११६. इतिहास —श्रतीताख्यान, इतिहत्त, उपाख्यान, तवारीक्ष, तारीक्ष, पुराख, पुराविद्या, पुराहत्त, पूर्वहत्तात, प्राचीन कथा, हिस्ट्री :

३२०. इतिहासझ—तवारीख़दाँ, हिस्टो-रियन ।

३२१. ऐतिहासिक — इतिहासिक, तवारीक्री वारीक्री, पौरायिक, हिस्टारिकल ।

३२२. प्रागैतिहासिक —प्रतितिहासिक, प्रागितिहासिक, प्रीहिस्टारिक।

३२३. भूगोल— जुनसक्रिया, नियाग्रेकी। ३२४. भूगोल संबंधी—भौगोलिक, भूगो-लिक।

दिश्रः जलवायु — अभवहवा, हवापानी । विशेष — भूगोल सर्वधी अभ्य सामग्री है लिए 'नदी','पर्वत', 'देश' आहि के आस-पास की सामग्री देखिए।

३२६. भूगर्भ शास्त्र—वियालोबी, पृथ्वी विज्ञान, पृथ्वी विद्या।

विशेष—भूगर्भ में मिलने वाली बातुष्र।
श्रीर रत्नो के लिए 'सोना' तथा 'रत्न'
श्रीर उसके श्रास-पास की स्वामग्री देखिए।
२२७. दर्शन शास्त्र—श्रथ्यात्म शास्त्र, शान
शास्त्र, तत्त्व शास्त्र, फिलसफ़ा, फिलासफ़ी
२२८. तक शास्त्र - मंतिक, लाखिक।
२२६. तक —वहर, बहस-मुवाहिसा, बाद, विवाद, वादाविवाद, सरबर, हुण्जत।
२२०. नीति शास्त्र—नीति, नीतिविद्या, राजविद्या, व्यवहार शास्त्र।

३३१. नीति — त्रास्ताकी उत्तल, क्राचार पदित, चलन, दुनियादारी, नय, नियम, लोकपदिति, लोकाचार, व्यवदारपदिति । ३३२. राजनीति — क्रयंशास्त्र, नागरिक शास्त्र, नीति, पालिप्टिक्स, राजनिश्चा, राज तत्र, राजनीतिक — पोलिप्टिक्स, राजनीतिक — पोलिप्टिक्स, राजनीतिक — पोलिप्टिक्स, राजनीतिक — पोलिप्टिक्स, राजनीतिक — पोलिप्टिक्सियन, राजनीतिक, सामसाली ।

३३४. नेता--ग्रगुवा, अप्रगामी, अप्रश्नी, अप्रवर, अध्यच्, अध्यच्छ, नायक, प्रधान, प्रमुख, प्रेसिडेंट, मुखिया, लीडर,संचालक, वदर, सभापति, सरदार। ३३६. संस्था—काव्रेस, जमात, परिषद्
पार्टी, लीग, सगठन, संघ, सभा।
३३७. संस्थाओं के प्रमुख आधार—
अर्थशास्त्र, धर्म, राजनीति, समाज।
३३८. समाजवाद—कम्युनिक्म।
३३६. साम्यवाद—कम्युनिक्म।
विशेष—कभी-कभी समाजवाद और साम्यवाद एक अर्थ में मो प्रयुक्त होते हैं।
३४०. प्रजातत्र—जनतत्र, जमहूरियत,
जमहूरी सलतनत, डिमाक्रेसी, लोकतत्र,
सर्वतंत्र।

३४१. एकतत्र—श्रधिनायक्तत्र, एकछत्र, मानाकीं, राज्यतत्र ।

३४२. सामतेतत्र—पयुङ्क सिस्टम,सामत-बाद, सामंतशाही ।

३४३. साम्राज्य तंत्र—इम्पीरियलिज्म, साम्राज्यवाद, सामाज्यशाही ।

३४४. तानाशाही—नाविषम, फारिष्म, हिटलग्शाही।

३४४. तानाशाह—नानी, फालिस्ट, हिटलर । ३४६. भारत की वर्तमान प्रमुख— संस्थाएँ—काम्रेस, किसान मज़दूर प्रवा पार्टी, कातिकारी, समाववादी पार्टी, बनता पार्टी, बमायदुल उलमा, मुस्लिम-लीम, रामराज्य परिषद्, राष्ट्रीय स्वयं सेवक सब, साम्यवादी पार्टी, हिन्दू महासमा ।

३४७. बाद — आगह, मत, राय।
३४८. राज्य — अधिकार, उपवर्षन, वनपद,
देश, प्रदेश, मंडल, राज, राष्ट्र, शासन,
सरकार, समतनत, स्टेट, हुक्मत।
३४६. राजा—अधिपति, अधिराय, वर्षपति, देश, कुमति, जोखिए, जोनिए,

गजपति, डंडो, दंडघर, दंडघार, दडधारी, घराघीश, नरकंत, नरदेव, नरनाथ, नर-नाइ, नरपति, नरपाल, नराट, नराधिप, नरिंद्र, नरेद्र, नरेश, नृप, नृपति, पातिशाइ, पादशा€, पातशाह, पार्थिव, पृथिवीपति, पृथिवीपाल, पृथिवी-मुज, पृथिवीश, पृथ्वीश, प्रमु, बादशाह, मुबनपति, भुवराल, भुवार, भूनेता, भूधन, भूधर, भूष, भूषग, भूपति, म्पाल, भ्मुज, भ्भत, भूमिदेव, भूमि-पति, भ्विपाल, भूवल्लभ, भूशक, महाराज, महाराजा,महाराजाधिराज,महोप, महोपति, महीपाल, महोमत्तां, महोमुक, महीभुज, महीभृत, राउ, रावराजेश्वर, राजा, राजाधिराज, राजेंद्र, राजेश्वर, राट, राठ, राखा, राना, लोकप, लोकपति, ब्याल, शाहशाह, सम्राट्।

३४८. चक्कवर्ती राजा—चक्रवर्ती, बगटी-इवर, महागवाघिराच, रावराजेश्वर, सम्राट, क्षार्वभौम ।

२४१. राजसी—बादशाहाना, राघली, -श्राहाना, शाहो ।

३४२. राजकीय-राष्ट्रीय ।

३५३. रानी—ग्रबंधिनो, पटरानी, पटदेवी, पट्टमहिषो, पाट महिषी, महादेवी, महारानी, महिषी, राश्ची, राष्ट्रप्ती, राष-महिषी, रानी।

२४४. राजकुमार--होटे वरकार, बुवराब, बुवराज, राबकुंबर, राजकुमार, राजपुत्र, महाराज कुमार, यहबादा, याहबादा।

३४४. राजकुमारी—कुँवरि, राजकुमारि, राजकुँमरि, राजकुँवरि, राजपुत्री, शह-ज़ारी, शहज़ादी। रे४६. प्रधान मंत्री —प्रधान मत्री, मत्रि-पति, महामात्य, महासचिव।

३४७. सचिव — श्रमात्य, श्रामात्व, दीवान, घीसख, पार्षद, मत्रणादाता, मंत्री, मुसाहब, बज़ीर, सचिव, सामवायक, सिक-त्तर, सेकेटरी।

७४८. सेनापति-—ग्रनिष, दलपति, दल-वाल, फौज़दार, युथग, युथनाथ, यूथप, यूथपति, यूथपाल, रखस्वामी, सरदार, सिपहसालार, सेनप, सेनादार, सेनाध्यञ्ज, सेनानायक, सेनानाथ, सेनाना, सेनापाल, मैनपति, सैनेश।

३४६. फीज—श्रमी, श्रमीक, श्रमीकिनी, कटक, कटकई, कटकाई, गुल्मिनी, चक, चक्रवाह्ना, चतुरग, चमू, दल, दलवल, दल-बादल, घात्री, धारी, ध्वजिमी, पताकिनो, पलटन, प्तना, गृतना, गृतन्या, फीट, बल, बाहनी, यूथ, लश्कर, लाम, वरचन्छु, वरूथ, वर्थनी, वर्धिनो, वाहना, वाहिनो, ब्यूह, सेना, सैना, सैन्य, सिपाही। ३६०. ४ तरह की सेनाएँ—घोडसवार, पैदल, रथी, हाथी सवार।

३६१. पेदल फोज-पत्ती, पदम, पदाति, पदाति, पदाति, पदाति, पदाति, पदाति, पदाति, प्यादा, द्रावल, हरावरि, हरोला, हिरावल, हिरोला ३६२. अश्वारोही-श्रश्वपति, अश्ववह, अश्वारे, घुइचढ़ा, घुइसवार, बोइसवार, द्रुरगाहि, तुरगी, सवार, सादी।

३६२. रथी (सैनिक)—स्थारूद, स्था-रोही, रथा, स्यंदनारूढ, स्यंदनारोह। ३६४. योषा—चंडावल, जुफार, नोषा,

तिलंगा. पत्ति, प्रवीर, बानैत, भट, युयुधान, योद्धा, योधा, रखबंका, रखबँकुरा, रणवादी, रनी, लड़ाका, लड़ायता, लड़ैया, वीर, श्रुवीर।

३६४. सिपाई।—-श्रनीक, तिलगा, पंति, पत्तिमट, पदाति, पदातिक, पलटिनया, प्यादा, बदुकची, बंदूकची, भट, भारथी, सिपाईी, सोप्वाय, सिलाही, सेनाबावी, सैनिक, सैन्य।

३६६. सभासद-दरबारी, परिषद्, परि-षद्वल, पश्मिश्य, पारिषद, पार्षद, मेंबर, सदस्य, सभासद, सभास्तार, सभ्य, साधु, सामाजिक।

३६७. श्राफसर--- श्रवसर, श्राफ़िसर, कार्या-ध्यत्व, कार्योधिकारो, कार्याधिपति ।

३६८. श्रिबिकारी— श्रांघकारी, श्रांघप, श्रिघपति, श्रघीश, श्रवीश्वर, श्रध्यच, श्रवदाता, देशक, शासक, शासनकर्ता, शास्ता, हाकिम।

३६१. दूत — ऋषिसपंक, एलची, काविद, चढुक, चर, चार, दूत, धापक, धावन, पत्रवाहक, प्रशिधि, सॅंदेशहर, सॅंदेशिया, हॅकारी, हरकारा।

२७०. राजदूत —एलची, राषदूत, सफीर। २७१. द्वारपाज-—श्रतपाल, दरवान, दर-वारविलासी, दौबारिक, द्वारपाल, द्वार-पालक, द्वीवारिक।

३७२. पहरेदार—चौकीशर, ड्योहीशर, द्वारपाल, पहरी, पहस्त्रा, पहरेदार, पाइस, पहरी, पौर, प्रहरी, प्रतीहार, रखवाला, वेत्रक, वेत्रधार, स्थितदर्शक। दे० 'स्तरी'। ३७३. संतरी—चडावल, संतरी, जैनिक। ३७४. त्रांतःपुर रचक—ग्रंतः पूरिक, श्रत-वेशिक। ३७४. कर्मचारी—ग्रंहतकार, करमचारी। देण्ड. साकिया- चिद्वीरसाँ, डाकप्यून, साकिया, भावक, भावन, पोस्टमैन, इर-कारा।

रेज्यः भेदिया—गुष्तचर, गुरगा, गोइंदा, चर, चार, जास्स, पनियाँ, पनिहा, मेदिया, मेदी, सी॰ श्राई॰ डी॰।

३७८ प्रजा-परना, राष्ट्र, रिश्राया, रैयत, संतति ।

३८६. ऋर्थशास्त्र—एकनाभिक्त, धन-शास्त्र, मुद्राशास्त्र, संपत्तिशास्त्र ।

देम् ०. ऋथ — ऋदि, खुत्थो, खुथो, ज्र, तत, दरब, द्रव्य, दाम, दाय, दौलत, धन, प्या, पूँजी, पैसा, बित्त, भग, माल, मालि-यत, मुद्रा, योग, रक्रम, राघ, द्रप्या, रूपया पैसा,लच्मा, वित्त, वित्त, विभव, विभूति, विषय, वंभव, श्रो. सपत्ति।

३८१. पूँजी—जमा, पूँजी, मूलधन, विच, विद्यात, सम्पत्ति ।

३८२. आर्थिक-मालो।

३८३. श्वर्थशास्त्रक्र—श्वर्थशास्त्रो, एकना-मिस्ट।

३८४. कमाना—श्चर्वन, करना, श्राचित करना, कमाई करना, पैदा करना, जेब भरना, सूटना।

३८४. खर्च करना—श्रपव्यय करना, सरचना, फिजूल फूॅकना, फेकना, खुटाना, व्यय करना।

देन्द्र, कमाई — अर्ज़ न श्रामद, श्रामदर्गः, श्रामदर्गः,

१८७. सार्च-सापत, सारच, सारचा, व्यय सरफा।

रेट्ट. कमाने बाला-प्रजनशील, कमासुत । रेट्ट. सर्वे करने वाला-प्रपन्धनी, वर्षाका, बर्राच, कजुलसर्च, फैनस्फ, मुक्त इस्त, रेह, व्ययक, व्ययशील, व्ययो, शाहलर्च।

३६०. कंजूम—श्रदाता, श्रनुदार, कदर्य, कफनलमोट, करपर, करमहा, किम्पच, किरपिन, क्रम्ण, कृपिन, चुद्र, ठस, तम-दस्त, नोच, नीव्निचोड, पत्थरचटा, बख्रोल, बन्या, मक्लीचूस, यच्चित्त, रंक, संचकर, संचयी, स्म।

३६१. कंजूसी --श्रनुदारता, कदयंता, कक्षत संसोटी, कादरता, कृपणता, कृपिनाई, ठसपना, दरिद्रता, दीनता, दैन्य, बस्नीली, मक्लीचूसी, सुमपना।

३६२ कजूसी करना—कृपणता करना, कृषिणता करना, वैशा दांत से पकड़ना, मक्खीचूरो करना। ३६३. किकायत—मितव्यय, मितव्ययता।

३६४ मजदूरी—करवाई, कामकराई, पारिभामिक, मजदूरी, मजूरी, मेहनताना, रोज़ो। दे० नीचे।

३६४. वेतन — उत्ररत, तनखाइ, तनस्वाइ, तलब, दरमाहा, महिनवारी, महिला, महीना, वेतन । दे० ऊपर ।

३६६. मूलधन-श्रमत।

३६७. ब्याज-सूद्।

३६८. ऋगा--उधार, ऋन, करब. करबा, कर्न, रिन, देना, लहना, हबकेर ।

३८८. ऋगी-कनंतार, बद्धुल, देनदार, रिनियाँ। दे॰ कर्नदार।

४००. ऋण लेना—उधार लेना, श्रम, खाना, कर्न खाना, खाना, इयफेर लेना। ४०१. ऋण चुकाना—उऋण होना, अध्य देना, श्रम

पटाना, कर्ज़ उतारना, कर्ज़ चुकाना, रिन पटाना।

४०२. उन्रहण्—उद्धारित, उरिन, ऋण्-मुक्त ।

४०२. उन्ध्रा करना—पीठ ठोंकना, बेबाकी लिखना।

४०४. ऋग देने वाला - ऋणद, महा-बन, व्याजजीवी, साहुकार, सूदलोर, सेठ। ४०४. रारीब — ऋकिंचन, कॅगला, कॅगाल, खिन्न, तंगदस्त, दरिहर, दिद्र, दोन, दुखिया, दुर्गत, धनहीन, नादार, निधन, निधनी, निर्धन, निर्धनी, निःस्व, परचीन, बपुरा, बेज्र, भिद्धक, भिखारी, मिसकिन, मिसकी, मुफ्लिस, मुहताज, रंक, रर्ग।

४०४. श्र. श्रमीर—श्रयाचक, श्रयाची, ऐश्वर्यवान, ऐश्वर्यशालो, ऋढ, करोइपति, करोड़ो, कोट्याघोश, खुशहाल, गञ्बर, जगतसेठ, जागीरदार, तालेवर, दौलतमन्द, घनकुवेर, धनधारी, धनपति, धनवन्त, धन-वान, घनाट्य, धन्नासेठ, धनिक, प्रमु, महाजन, रईस, रत्भधर, लच्चपति, लच्मीपति, लच्मीयान, लखापति, विभववान, विभव-शाली, विषई, वैभवशाली, श्रीमन्त, श्रीमत, श्रीमान, संपत्तिशाली, संपन्न, समृढ, सरदार, सुराधा, सुरि, सेठ।

४०६. रारीकी—श्रांकं जनता कंगालता, कंगालता, गुरवत तंगदम्ती, तगी, दरिद्रता दारिद, दारिद्र, दारिद्र्य, दीनता, दीनताई, दीनत्व, दुःख, दैन्य, धनहीनता, धनाभाव, नादारो, निर्धनता, भिस्कीनंता मिसकीनी, मुफलिसी, मुहताजी, रकता। ४०७. श्रमीरी—श्रमीरी,श्रयाश्वकता, खुश-

हाली, दौलतमन्दी, धनता, घनाट्यता, रियासत, समृद्धि ।

४०८ मूल्य-क्रोमत, खर्च, दाम, पैसा, लागत।

४०६. **श्रमृत्य-** श्रमूल्य, कीमती, गन्बर, बहुमूल्य, महार्घ, मूल्यवान ।

४१०. टेक्स—कर, टिक्स, म**हस्**ल, जकात, बगात।

४११. मालगुजारी—जमा. भूमिकर, मालगुज़ारी, महसूल, लगान।

४१२. किराया—केराया, भादा, महस्त, शुल्क।

४१३. भाड़ा (रेल, मोटर स्नादि)— किराया, केराया, टिकट, टिकस, महत्तल, मस्ल, मास्ल।

४१४. भाड़ा (घर)—िकराया,. केराया, भाड़ा, भारा, महीना, रेंट ।

४१४. भाड़ा (नाव)—श्रातर, उतराई, खेवा, खेवाई. तरपण्य, द्रोणी, महस्ता। ४१६. रिश्वत—श्रपपदान,श्रयन, श्रानदा, उत्कोच, उपदानक, उपाच्चर, कौशलक, प्राह्म, धूंस, धूंस, दौकन, प्रदा, प्राभृत, लवा, लाच, हार, चांदो का जूता।

४१७. रिश्वतस्वोर—उत्कोचक, घूस्क्रोर । ४१८. रुपये का इंड—अर्थदड, जुरमाना, डॉइ, धनदड ।

४१६. जहेज—जहेज, दहेज, तिलक, दाइजा, दाय, दायज, दायजा, योतुक, यौतुक, शुल्क।

४२०. फीस—फी, शुरुक । ४२१. सिक्का—टंक, दाम, मुद्रा, रिक्कः। ४२२. सोने का सिक्का-गिनी, दीनार, मुहर, मोहर, स्वर्णमुद्रा, स्वर्णकपया ! ४२३. रुपया - मुद्रा, रुपया, रुपिया, रूपया, रूपिया। ४२४. श्रठन्नी श्रवेली, श्रठन्नी, वेली। ४२४. चवन्नी पावली, स्का। ४२६ पैसा--गोरखपूरी पैसा, इवल. डन्यल, ढेबुग्रा, पइसा । ४२७. अधन्ता--- अधन्ती। ४३८. चिकित्सा शास-इल्मेइलाज, त्रायुर्वेद, उपचार शास्त्र, स्रोपिशशास्त्र, धनवंतरि शास्त्र, स्वास्थ्य शास्त्र । ४२६. विभिन्न प्रकार की चिकित्साएँ -ऋाय्वेंद, एलोपैथी, नेचरोपैथी, बायोके-मिस्ट्री, यूनानी, होमियोपैथी। ५३०. श्रायुर्वेद-शनवतरि शास्त्र, वैद्यक सास्त्र, वैद्यकी, वैद्यविद्या । ४३१. यूनानी - मुस्लिम चिकित्सा शास्त्र. तेबाबत, हिकमत, हकीमी। **४३२. नेचरीपैथी--जल चिकित्सा, प्राकृ**-तिक चिक्तसा, स्वामाधिक चिकित्सा। ४३३. एलीपैथी— ऋप्रेज़ी चिकित्स. बाक्टरी इलाज, डाक्टरी चिकित्सा। ४३४. शल्यशास्त्र--- श्रश्त्रचिक्त्सा. ची इ-फाइ, ज़र्राही, शलय किया, शहय शास्त्र, सर्जरी, इज्जामी। १२४. रोग--ग्रनाजव, ग्रम, श्रपाटव, भरजा, श्राति, श्राकल्प, श्रातक, श्रातग, भाम, भ्रामय, श्रारला, इल्जत, उपवात, उपताप, कष्ट, ख्य, गद, तमोविकार, बीमारो, बेरामो, भग, भय, मरब, मर्ज, माद्य, मृत्यमृत्य, रुज, विकार, विकृति, ब्बाधि, शिकायत।

विलोम---'स्वस्थता'। ४३६. रोग के दो प्रकार-मानसिक, शारीरिक। ४३७. मानिक रोग -- श्रावि, मानिक व्याधि । ४३८. शारीरिक रोग -व्याघि। दे॰ 'रोग'। ४३६. निदान - तश्रखीस, रोगनिर्णय। ४४०. लच्चग-चिन्ह, निशान, पहचान, लब्धन । ४४१. विकार-- खराबी, गड़बड़ी, दोघ, द्षण, विकृति। ४४२.-त्रिदोष--कफ, पित्त, ज्ञत । ४४३. कफ-दे० 'कफ'। ४४४. पित्त -दे॰ 'पित्त'। ४४४. बात-दे॰ 'नाय'। ४४६. गंज रोग-इद्र लुप्त, इद्र लुप्तक, केशध्न, केशनाशक, गजराग। खुजलाना-खडराना, खजुवाना, खाउर करना, ख्बाना, सहलाना, मुहराना । ४४⊏. खुजलो--कडू, खर्च, खाज, खुब-नाहर, खजुली, खेसरा । ४४६. दाद्--खसरा, दद्र, दादु, दिनाई, दिनाय, वाम, वामा, विचर्चिका । ८६०. बेबाई--बिमाई, वेवाय, पादम्फोट, पादस्फोटी, विपादिका, स्फुटि, स्फुटी। ४४१ सेह्या -- किलास, ासध्य, सिहुला। ४४२. मुहाँसा--मुहकील । ४४३. मुँह पर का दारा-पत्रभग, पत्रा-वली, खाई, छाही, भाई। ४४४. ऑम्हीरी - ऑभीरी, शॅघोरी, श्रॅघौरी, गर्मीदाना । ४४४. दाह-- चलन, तपन, डाहा।

४४६. पित्ती - जुलपित, जुलपित्ती, पित्ती। ४४७. चर्म कील न्यन्छ।

४४८ करकमुत्ती - कड़क, करक मूत्र-इन्छ ।

४४६. गर्मी—श्रवदंश, श्रातशक, उपदंश, गरमो, फिरगरोग ।

४६०. सुजाक - प्यमेह, मधुमेह, सुनाक, सोनाक।

४६१. प्रसेह -परमेह, बहुमूत्र, मूत्रदोष । ४६२. पथरी - अश्मरी ।

४६३. शूकरोग - लिगवृद्धि, शूकरा।

४६४. कुष्टरोग—उत्पत्न, कुष्ट, कोठ, कोढ़, गलित कुष्ट, पालक, पारिमध्य, फूल, फूला, मडलक, वाप्य, व्याघि, श्वेतकुष्ट।

४६४. कुष्टरोग के श्रातगीत रोग— श्रागियासन, श्रापरस, उकवत, खसरा, खाज, दाद, सेहुँ श्रा।

४६६. जठराग्नि--जठर, जठराग, जठ-रानक, पाचकाग्नि।

४६७. श्रजीर्ण — श्रजीरन, श्रजीर्न, श्रन-पच, श्रपच, बदहबमी, बदहबमी।

४६८. कडज-अपच, कबज, कबुज़, कबिबयत, कबिबयत, कब्बियत, कब्बी, कोध्ठबद्धता, मलबद्ध, मलावरोध, बद्ध-कोध्ट!

४६६. सन्दामि — श्रल्पामि, मंदाग । ४७२ **भाँव** — श्राम, ग्रामातिसाः, ग्राम-रक्तातिसार, मलवैषम्यरोग ।

४७१. वायुगोला-गुल्म, गोला, रबोग्नंथ, बातगोला।

४७२. काँच-उदावर्त्त, काँच, गुनग्रह । ४७३. बवासीर - श्रनायक, श्रर्श, ख्रूनी बवासीर, गुदकील, गुदाकुर, दुर्नाम, दुर्नामक, बयेसी, बवासीर, बवेसा, बादी बवासीर, रक्तार्श ।

४७४. बवासीर के दो भेद—सूना, बादो।

४७४. जुकास-खरसेवर, बोकाम, ठढ, नज़ला, पीनस, प्रतिश्थाय, शान, सरदी, सदी।

४७६. नकसीर--नक्सोर, विनास ।

४७७. निनावाँ-—ञ्जाला, निनवाँ पाका, मुँदपाका, मुखपाक।

४७**६. आंख आना—श्रॉल** उठना**, ब्रॉल** ्रुलना ।

४७६. ऋाँख आने का रोग — श्रविपात, श्रविपाक, श्रभिष्यट ।

४८०. रतौँधी-निशाध, रतौँन्हो, रात्यि । ४८१. दिनौँधी - विवस्त्रधता, दिवाधता । ४८२. दुखना--करकना, कसकना, कसक होना, टपकना, टभकना, टीस उठना, टोसना, टोस मारना, टर्द करना, दुखना, दुखाना, दुखदाई होना, पीक्षायुक्त होना, फटना, सूल करना, सालना, स्लना ।

४८३. टीस—कतक, चसक, टपक, टपका, टभक, टभकन, टीसि, शूल, वाल । ४८४. वर्द--बार्तता, कष्ट, दरद, पांका, शूल । दे० 'टोस', 'चमक'।

४८४. चमक (दर्द)—चटक, चमक, चित्रक, चिल्दक।

४८६. अधकपारी—श्राषाबीती, श्रिर-श्ला।

४८७. २ तरह की अथकपारी ---चंद्राक्यं. स्पृतिर्त्त ।

४८८. खाँसना—संसारना, **दश्यि**णा, स्रोतिकरनाः ४८६. वाँसी—कारा, काल, खबयु, वाँसनी, देंसनी।

४६०. दमा-दमा, श्वास, श्वास रोग, साँस, इँफरी।

४६१. क्यर—मातक, जर, जूड़ी, जूर्ति, ताप, तापक, बुद्धार, बोखार, महा-गद, संताप।

४६२. टाइफायड - टाईफायड, मियादी बुकार।

४६३. प्रस्त ज्वर—परस्त ज्वर, ज्वर, प्रस्तिका ज्वर, स्तिका रोग।

४६४. महोरिया -- बाका बुक्रार, जूकी ।

प्रथ्यः **चाँतरिया**—श्राँतराज्यर, इस्तरा, इस्तरिया पारी बुक्रार।

४६६. सम्मिपात-निदोष, विभिपात, वरवाम, वरेवाम ।

४६७. मचली—ब्राम्लिपत्त, उनकाई, ब्रोकाई, बोमचली, मचली, मतली, मिसली।

४६८ मिणकी श्राना—उक्ताई श्राना, डवकाई श्राना, उत्तरी श्राना, श्रोकाई श्राना, विश्व फरिश्राना, वो मिचलाना, मतली श्राना, भिचलाना, मिचली श्राना, मितलाना, मितलो श्राना, मुँह विगक्ना, बुँह में पानी श्राना, मुँह में पानी मर श्राना।

४६६. कै—कोकसाई, उकाई उत्गार, उन-कई, उस्टी, उवाठ, कोकाई, कुर्दि, कुँट, प्रकृतिका, मक्को, मनली, वमन, वमधु, वसन, विम, इक्क ।

४००. के करमा—उश्लाना, उश्का, उसरी करना, कोकना, कोकाना, कोक्सना, के करनो, कॉट करना, ह्याइना, डाक्ना, डारना, डाक्यना, वमन करना, बाहर करना, मुँह खझना, वमन करना।

४०१. अर्बुद —(बहा) बतौरी, मांसकोस, मांसपुरुष ।

४०२. ऋर्बुद (झोटा)—ऋर्बुट, इल्ला, गोलक, माँसा।

४०३. चाँत वृद्धि—ग्रंत्रवृद्धि, ग्रंत्राड वृद्धि, ग्राँत उतरना ग्राँत वृद्धि, पानी उतरना, हार्निया।

४०४. विसर्प—विसरप, विसर्पि, संचिवा-मय ।

४०४. आसेपक-श्राच्छेपक, शुन्ववायु। ४०६. शामबात-श्राववात, शामबात। ४०७. महामारी-उद्गनवीमारी, मरी,

५०८. **हैजा** - कालरा, कालेरा, महाबोर्च, विश्वविका, विस्चिका, विस्ची।

४०६. ताऊन—ताउन, प्लेग, महामारी। ४१०. चेचक —देवी, पापरोग, मस्रिका, मस्रा, महरानी, माता, रक्तवटी, वस्तरोग, विस्कोट, विस्कोटक, शीतला।

४११. व्यतिसार—वतीसार, व्यवस्थि, उदरामय, रकातिसार ।

५१२. हिथकी--हिक्स, हिचका !

४१३. कमलरोग — अस्पर, कॅवल, कमश-गेग, कॉवल', कामल, कामला, पाइ, पाइरोग, पोलिया, वरकान।

४१४. संप्रद्यां — गुम्बादि, बदिका, प्रवा दिका, सप्रद्रतो, सप्रद्रियो । ४१४. चामाजीयो — बमाजीयो, विद्या बीर्य, वृषक्शासीयो । ४१६. गॅंठिया — श्रामबात, गठिया, गाँठ-रोग, बतास, बाई, बात, बातरक ।

४१७. फीलपाँच-पादवल्मोक, श्लीपद, हाथीपॉव ।

४१८, लकवा - श्रदित, फालिज, बतास। ४१६. मिर्गी-ग्रंगविकृति,

भूतविकिया, मिर्गी, मृगी, लालाघ, सरश्रा ।

४२०. स्यरोग - अतिरोग, असाध्यरोग, उदमा, ज्य, ज्यी. ग्रामणी, खुई, तपे-दिक, दिक, नृपानय, यक्तमा, यद्मा, राज्ययद्मा, राज्यरोग, रोगराज, शोष ।

४२१. फफोला — छाला, भतका, पछाला, पफोला, फोका ।

४२२. फोड़ा-ईर्म, पकला, विटक, पीटक, फुड़िया, फोंका, फोट, फोड़िया, विटक, विटका, विस्फोट, त्रण, स्फाट, स्कोटक ।

४२३. पचाचात—श्रद्धांग, श्रदीग, इस्ति-रखा, पत्त्रभ, फालिज, लकवा, शून्यपात, सुन्नवाई ।

४२४ सूजन-फुलाव, वरम, शोथ, शोफ, श्वयथु, सूज, सोज, सोजिश !

४२४. कं ठमाला - गडमाला, गलगंड।

४२६. धाव - श्रवस, ईर्म, च्त, धाय, चीरा, चोट, रूक, वर्ण !

४२७. पीब-- जतज. पस, पीप, पोव, पूय, पूयन, प्रसित, मवाद, मलज।

विशेष - खून के लिए दे० 'खून'।

४२८. ख्रड (फोड़े की पपड़ी)— श्रगूर, खुट्टी, खुट्टी, खुरंड ।

४२६. मूच्छी-अचेतना, बेहोशी।

४३०. कॅपकॅपी-कॅपकपी, जड़ेया, राश्रशा, वयुथु ।

४३१. योनिकंद-योनिकंद, योनिवरा, योनिसाव

४३२. थनेली- स्तनकील, स्तनपाक, स्तन विद्रधी।

४३३. प्रदर—चीखता, घातुच्य, लिको-रिया, विदार, स्त्रीरोग ।

४३४. २ तरह का प्रदर रोग—रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर ।

४३१. हिस्टीरिया—ऋपतत्रक, वेहोशी, मूच्छी, हिस्टोरिया ।

५३६. पूतना—दुर्गन्धा, दुर्दर्शना, मातृका, मेघकालिया ।

४३७. सुखंडी —कृशता, चीणता, दुवेलता, सुखारोग ।

४३८. **डाक्टर**— अगदकार, कविराज, गदहा, चिकित्स, चिकित्सक, डकडर, डाक्टर, दिरमानी, प्राखाचार्य, भिश्रक, भिषक, भोषज, रोगहारो, वैष, इकीम ।

४३६. जर्राह--जराह, सर्बन ।

५४०. त्रापरेशन—ग्रम्त्रचिक्तसा, **जार**-रेसन, चीर, चीरपाइ, चीरा,चर्राहो, शल्यकिया, शस्त्रकिया।

४४१. मलहम--लवलेप, मरइम, लेपन,

४४२. विष-वैद्य — गाविकक, बागुलिक, विखबैद, विषध्न. विषमारक ।

५४३. ऋस्पताल —श्रीषभालय, विकिता-भवन, चिकित्सालय, डिस्पेंसरी, दबाजामा, मैषज्यागार, शफाखाना, हासपिटल ।

४४४. चिकित्सा —उपभाग, **इलाब, इबा,** दिरमान, मया, बकप्रतिक्रिया, रोमप्रतिकार !

४४४. स्वारथ्य-तन्द्रस्ती, दशा, देश-दशा, इासत।

४४६. बीमार— भनमन, श्रनमना, श्रना-रोग्य, श्रपाटव, श्रम्यमित, श्रम्यात, भलील, श्रस्वस्थ, श्रार्त, श्रादुर, चीण, ग्लान, चिकित्सित, पीड़ित, बिमरिहा, वेरमिहाँ, वेराम, मर्गेज, हजी, रुग्य, रुग्न, रोगमस्त, रोगातुर, रोगार्त, रोगित, रोगिया, रोगी, विकृत, व्याधिमस्त, सहब, सगद, सामय।

४१७. स्वस्थ — अगद, अच्छा, अदज, अरोग,
आराम, आरोग्य, कल, चंगा, ठोक,
तन्दु बस्त, हद्द, निरोग, निरोगी, नीरोग,
पाटव, पुष्ट, भला, रोगहोन, रोगर्राहत।
४४८. स्वस्थता — अगदता, आरोग्यता,
तदु बस्ती, निरोगता, पाटवता।
विलोम — दे॰ 'रोग'।

४४६. दवा—ग्रगद, श्रोखद, श्रोपद, भोषि, श्रौखद, श्रोषध, श्रौषध, तिकत्त, तिकता, दरमान, दवाई, दारू, बारो, दिकमत।

४४० कादा — श्रॉवट, स्वाय। ४४१. चूर्ण — चूरन, पाउतरः, बुकनी, सफ्रुक।

५.१२. चूर्ण करना—क्टना. चूर करना, चूरन करना, चूर्न करना, निह्याना, पाउडर करना, पीसना, बाँटना, बुकना करना, महोन करना, सफ़्फू करना। विशेष—अन्य दवाआ के लिए वनस्पति, धातु, रत्न, आदि वर्ग नथा उसके आस-पास की सामग्री देखिए।

१४३. गणित शास्त्र —अंकगणित, अक-विद्या, अरिवमेटिक, गण्यत, गणित, मेनद्वरेशन, ग्रेयमेटिक्स, सस्या शास्त्र, दिसाव। ४४४. बीजगणित—श्रलजहा।
४४४. ज्यामिति— चेत्रगणित, जमेट्रो,
ज्योमेट्रो, रेखागणित।
४४६. संख्या—श्रक, श्रदद, गखना,
गिनती, तादाद, नंबर, हिंदसा।
४४७. संख्यावाला—सख्यक।
४४८. जोड़—टोटन मिजान, मोनान,
कुल, यंग, सकलन।

४४६ जोड़ना - एकत्र करना, एक में करना, मीज़ान करना, योग निकालना।

४६०. घटाना—श्रलम करना, <mark>ऋण्</mark> करना, निकालना ।

४६१. शोष-श्रवशेष, बचा, बाकी।

५६२. गुगा-नरव ।

४४३. गुगा करना—गुणाना, गुणे करना, तरव करना, तरब देना।

४६४. भाग - तकसोम, बॅटाई।

४६४. भाग देना—तक्ष्मीम देना, तक्ष्मीम करना ।

४६६ भाजक — त्रंशक, विभाजक। ४६७. भ जनफल — बार. भजनफल, भागफल, लब्धि।

४६८. गिनतः -गणन, गणना. नवर, रेखा, शुमार ।

४६६ त्यानना- यणना करना, गनना, शुप्तार करना ।

४७० गिनाना---ग**य**ना **४**२वाना, गन-जाना, गिनवान ।

४५१. जिसका गिनती न हो सके— श्रमण्नाय, श्रमण्ति, श्रमण्य, श्रमण्य, श्रमानत, श्रममय, श्रमिन, श्रमिनत, श्रमानत, श्रदुलिन, श्रमंत, श्रममिनत,

श्रनगिनित, श्रपरिमित, श्रपरिमेय, श्रपार, ऋसंस्य, बेशुमार, बेहद। गिनने के योग्य-गणनीय, गएय, परिगएय, परिमित । ५७३. शून्य ख, ज़ीरो, बिन्दी, विन्दु, सिफर, सुन्ना, सोना। ४७४. पाव---पाद, पौवा । ४७५. श्राधा—ग्रदा, श्रद्धः, ऋर्घ, अर्घाश, आध, निस्फ, हाफ़। ५७६ पौन-पौने। ४७७. एक--ग्रात्मा, इक, ईश्वर, चद्र, पृथ्वी । ४७८. पहला-एकला, भ्रव्वल, प्रथम, पहिल, पहिला। ५७६. एक का भाव-एकता, एकत्व। ४८०. सवा—सपाद, सवाई। ४८१. ज्रयोदा-डेढ, डेढ्गुना, डेवद्, डेवट्रा । ५८२. दो--श्रॉल, कर, कर्ण, दुइ, दुई, दू, दोइ, दुव, द्रव, द्वि, द्वी, पच, पद, पािख, भुज। ×=३. दोनों —दूनो, दोऊ। ४८४, दूसरा (१)—श्रन, श्रन्य, श्राउर, श्रपर, श्रवर, श्रीर।

दूसरा (२)

दूनर, द्वितीय ।

४८४. दुगुना — दुगुण, दुगुन, दुचन्द,
दूना, दिगुण, दिगुणित ।

४८६. दाई — ऋटाई ।

४८७. तीन — ऋग्नि, काल, गुण, ताप,
तीनि, त्रय, त्रि, त्रीणि, दहन ।

४८८. तिगुना — तिगुन, तीनगुना, तीना,
तेहरा, त्रिगुण ।

४८६. तीसरा-तीसर, तृतीय, सोम, सोयम । ४६०. तिहाई--तिहाइ, तृतीयांश । ४६१. चार--ग्राभम, चतुर, चहार, चहु, पदार्थ, फल, युग, वर्ण, वेट। ४६२. चौथा-चतुर्थ, चहारुम, तुरिया, त्ररीय । चौगुना — चतुर्गण, F3X चगुन । ४६४. चारों—चहुँ। ४६४. चौथाई-चतुर्ग र, चहारुम, चौथ, चौथाई, पाद, पाव। ४६६. पाँच-इंद्रिय, पंच, पांडव, पाँच, प्राण, महाभूत, वाण्। ४६७. पाँचवाँ--वंचम, पंजुम। ४६८. पाँच का भाव—पंचता, पचत्व । ४६१. पाँच का समृह-पचक। ६००. छः-ईति, ऋतु, खर, रस, राग, वेदाग, षट, षटक । ६०१. **छठा**— छठवाँ, षष्ठ । ६०२. छै का समूह--छन्का, छःक्र), षरक । ६०३. सात--पुरी, लोक, वार, सप्त, स्वर । ६०४. सातवाँ -- सप्तम । ६०४. सात का समूह---सप्तक। ६०६ बाठ-श्रठ, ब्रष्ट, ब्राठक, दिग्तक, पहर, वसु, सिद्धि। ६०७. त्राठ वस्तुओं का संमह-नम्रण्टक। ६०८ चाठवाँ-- ऋष्टम्। ६०६. नौ-- ग्रंक, ग्रह, नव, निवि, ती, भक्ति । ६१०. नवाँ - नवम् , नौवाँ ।

६११. नव प्रकार का—नवभा। ६१२. दस—ऋवतार, इंद्रिय, दश, दिशा, दोष।

६१३. दसवाँ—दश्यम् , दसाँ।

६१४. दस का समृह-दशक, दसक।

६१४. ग्यारह---एकांदश, बद्र, शिव।

६१६. **बारह**—त्रादित्य, द्वादश, मास, राशि, सविता, सूर्य ।

६१७. बारह के समूह—दरबन, दर्जन। ६१८. तेरह—किरस, त्रयोदश, त्र्योदश,

६१६. **चौदह**— चतुर्दश, भुवन, रतन,

६२०. पन्द्रह् -- तिथि, पचदश ।

६२१. सोलह—कला, लोइस, श्रङ्गार, वोडश, संस्कार ।

६२२ सन्नह्—सतरह, सप्तदशः।
विशेष--एक न्नौर सात के संकेता की
मिलाकर सन्नह के न्नौर सकेत बनाए जा
सकते हैं।

६२३ अठारह—श्रद्धारह, अष्टदश, अश-दश, पुरासा।

विशेष--एक भ्रौर स्राठ के सकेतों को मिलाकर श्रौर संकेत बनाए जा सकते हैं।

६२४. उन्नीस-उन्निस, एकोनविशत। विशेष-एक ग्रीर नव के सकेती की मिला कर उन्नीस के सकेत बनाये बा

सकते हैं।

६२४. बीस- नस, विश, विशति। ६२६. बीस का समृह-कोडी, वीसी। ६२७ अद्वाइस-अद्वाइस, श्रष्टविशति, नस्त्र। ६२८ सौ- शत, सै, सैक्डा, सौक । ६२६ सौ का समूह- शत, सम्बट, सैक्डा।

६३०. प्रतिशत—प्रतिसत, प्रतिसौ, फ्रीस्ट्री, सैकड़े ।

६३१. हजार-सहस, सहस, हजार।

६३२. लाख---दशायुत, लच् ।

६३३ दसलाख-दशलच, नियुत प्रयुत ।

६३४. करोड - कोटि, कोटिक, कोड ।

६३४. ऋरब—ऋर्ब, वृंद, शतकोटि, शतार्बुट।

६३६ स्वरब -- सर्व, दम ऋरव ।

६३७. नील -- शतार्बुट ।

६३८ पद्म-पदुम, पद्म, यम, दश नोल।

६३६. शंख-दशपद्म, संख।

६४०. महाशंख-रमश्व।

६४१. एकांउटेंट-आकिक, तेखापाल।

६४२. गणितज्ञ-मैथमे टिशियन।

६४३. भाग-श्रंश, खड, बलरा, बाँट, बाँटा, भाग, विभाग, हिस्सा ।

६४४. बटा हुन्ना—तन्सीमशुदा, विमक्त. विभाजित !

६४४. माप--बोल, नौल, पैमाना, बबन, ६४६. दर-भाव, हिसाब।

६४७. ज्योतिष-श्राकाशविधा, लगोल, लगोलविद्या. महविद्या, ज्योतिष शास्त्र. नस्त्रविद्या, नजूम, तुजूम।

६४८ क्योतिष के दो भाग-मन्त्रत ज्योतिष, प्रसित ज्योतिष।

६४६ बुहूर्त-शुभवदी, शुभ गुहूर्त, साहत, सावत ।

40---Y

६४०. ज्योतिषो —कार्तातिक, गण्क, जोइसी, जोतिसी, ज्योतिक, ज्योतिर्विद, ज्योतिसी, दैवज्ञ, नजूमी, पंडित, मौहूर्त, मौहूर्तिक, विज्ञ, शास्त्रो, सावत्सर। ६४१. पंचांग —कलडर, कर्लंडर, जंतरी, जंत्रो, तिथिपत्र, पत्रा। विशेष—इस सम्बन्ध में श्रौर सामग्री के लिए समय वर्ग देखिए। ६४२ कामशास्त्र—कामविद्या, कोकशास्त्र, रतिशास्त्र, मैथुनशास्त्र, समोगशास्त्र।

ग

१ प्राणी — जीव, जीवघारी प्राणवारी । २. मनुष्य — ऋदमी, ऋादमनाद, ऋादमी, इंसान, द्विपद, मनई, मनुज, मानव, मानुख, मानुष ।

३. पुरुष—श्रदमो, श्रादमी, बन, धव, नर, ना, पुंख, पुमान, पुरुख, पुरुष, मनई, मरद, मर्द, मर्दुम, मानव, मानख, मानुख, मानुष, मानुख, विशा । दे० 'पति'।

४. स्त्री—श्रवला, श्रौरत, कवीला, कलत्र, कांता, कामिनी, चेत्र, गृहियी, घरनी, चरयादाशी, जनियाँ, बवी, जानि, जानी, बोय, जोरू, जोष, बोषता, तन, तिथ, तिरिया, तोदार, तीय. तिया, दारा, नारी, विनता, बनी, बामा, बाला, वैयर, भाम, मामा, मामिनी, महिला, मानवी, योषा, योषिता, ललना, जुगाई, वासिता, श्यामा, सामिती, सारंग, । दे॰ 'परनी'।

 श्रात्मा—श्रंतर, श्रतरपुरुष, श्रंतर-शायी, श्रंदस्य, श्रतरात्मा, श्रंतपुरुष, त्रातभूत, श्रद्धर, श्रमूर्त, क, चेतन, बन्म-भृत, जीव, जीवात्मा, दिव्यस्वरूप, पुद्गल, पुरुष, बद्ध, बद्धारूप, बद्धारा, पुरुष, क्द, विश्व, शरीरी. सर्वग, सूच्मदेह, सूच्मश्ररीर, स्ववीज, स्वरूप, इस।

दे० 'जीव' तथा 'जीषात्मा' ।

६. जीव — ग्रंतरात्मा, श्रातमूर्त, श्रमूर्त, श्रास्माराम, ब्रह्म, श्रास्मन, श्रास्मना उद्, क, क्रस्थ, कतु, ख, गुरू, चर्षीण, चेतन, जिगर, जीश्र, जीउ, निराकार, निरुपास्थ, पुरपात्र, पुरुष, पौन, प्राणाः पाणाचारी, मदुसानु, रूह, शरीरी, सर्ग, सर्वग, हस ।

७. जीवात्मा—श्रम्पान, चर, चेत्रङ्ग, चेत्रविद्, चेतन, जीव, जीवात्मा, देहभृत, पुनर्भवा, पुरंजन, पौन, विभु, विश्व, सत्थ, हस ।

दे० 'श्रातमा' तथ। 'जीव'।

माया—श्रजन, श्रजनी, श्रज, श्रविद्या,
गुइ, जगन्मोहिनी, रमैया को दुलहिन।

ह. मोच—श्रचर, श्रविगति, श्रितन्यां,
ग्रत्यु, श्रनपायिपद, श्रपवर्ग, श्रयुनगवर्तन,
श्रपुनराइति, श्रमरपद, श्रमृत, श्रमृतत्व,
श्रात्मसिद्ध, शात्मोद्धार, उद्, अद्धवगति,
श्रद्धन, काम्यभरण, ल, गोविन्दपद, तरनतार, तरनतारन, नजात, निःश्रेयस नि,
निर्मुक्ति, निर्वाण, निर्वति, निशेयस,
निस्तार, पद, पर, परम फल, परिनिर्वाति,
परिनिर्वाति, परिमोच, प्रथ्य, ब्रद्धपद,
ब्रह्मभूय, ब्रह्मगति, भन, मुक्ति, मोस,
मोष, शिवता, शिवा, ष, सिर्विद्ध।

दे॰ 'स्वर्ग'। १०. नरक—दे॰ 'नरक': ११. ऋंग-अग, अज़ो, अपवन, अवयव, गात,गात्र, प्रतीक।

१२. शरीर — श्रक, श्रग, श्रड, श्रडा, श्रिकर, श्रवमकी, श्रात्मा, श्रात्माक, कलेवर, काय, काया, कालिब, कुल, चर, चेत्र, गात, गात्र, घट, घन, चोला, बिसम, जिस्म, डील, तन, देह, देहरा, पडल, पजर, पिंड, पिंडा पिंजर, बंध, बदन, बपु, बपुल, भूतान्मा, मर्त्य, माजर, माटी, मिद्दी, मुकुल, मूचि, वपु, वर्ध्म, बिमह, विश्व, ब्यूह, शंकट, संहनन, सरोर, स्कंध, स्वर्गलोकेश ।

१२ **च्यः शारीरिक**—श्रांगिक, कार्यिक, जिस्मानी, सरीरी।

१२. सिर-उत्तमाग, कपाल, लोपड़ी, मस्तक, माथ, भुंड, मुंडिका, मुडो, मूद्धी, मूँड, मूँडो, मौलि, शिर, शोश, शार्थ, सर।

दे॰ 'खोपकी'।

१४ **चॉर्** —चदिया-चाँदी, चॉन, शीर्ष, विंदु।

१५. चेहरा—श्राकृति, श्रानन, श्रास्य, मुख, मुखड़ा, क, रूप।

१६. माथा - प्रलिक, कपाल गोवि, पेशानी, बेदी, भाग्यमिथ, भाल, मत्था, मण्य, मन्तक, माथा, ललाट, लिलाट, लिलाट,

१७ नाक-गधवहा, प्राया, नस, नाक, नाका, नासिका, फेन, रेट।

१८. **नधुना** – मथना, नासा. नासापुट, नासारप्र, पुरवा।

१६. चाँल---श्रॅंबड़ी, ग्रॅंबिया, ग्रंबर, श्रच, श्रद्धि, श्रॉंबडी, श्रॉंबी, रंदच, ईछन, गो, चचु, चख, चखु, चर्म, चष, हक, हग, हिंह, हश, दीदा, नयन, नयना, नेत्र, नैन, रिल्ल्या, रोहब, लोचन, लोयन, विलोचन, विल्ल्या। २०. आँख का कोना—श्रद्धप्रकोष्ठ, श्रपाग, कटाच, कनखो, कोया, कोया, दिगंत, हिंहकोया, नेत्रात। २१ पुतली—श्रद्धक्ट, श्रद्धितारा, कनीनिका, कालक, कालिका, गोलक, तारका, तारकाच्या, तारा, नारिका, दीदा, घोरो, नयन, पुतरो, पुत्तिका, पुरलो, सितारा।

२२ पलक-म्रच्यटल, चचुपट, चष-चोल, हगचल, नयनपट, निमीलन, निमेष, नेत्रच्छ्रट, पपनी, पल, पलक, निमेषा

२३. मुँह--ग्रॅंबार, श्राकृति. श्रागा, श्रानन, श्रास्य, स. गिरा. जीभ, तुंड, तृडि, तुंडो, दहन, बदन, मुँह, मुस, रसज्ञा, रसना, रूस, रू, बदन, बाचा, आणी, शकल, स्रन ।

२४. होठ—श्रवर, श्रोठ, श्रोठ, श्रोप्ट, दनच्छर, रदच्छर, रदछद, रदनच्छर, विवेश्ठ. लव, सुक्कियी, होठ ।

२४ दॉन — खर्ड, चौका, टंत, दॅंतुली, दंप्ट्र टशन, द्विज, रट. स्टन।

२६ दाद —कयोयो, कत्त्वा, कहा, चहुका, चौमर ।

२७. जीम-गिरा, गो. ज़बान, जिह, जिहा, बीमि, जोमी, जीह, रखता, रखना, रखमाता, रखमातृका, रखला, रखांका, रसाल, ललना, लल्लो, लोह, बाचा, वाची, खाधुस्तवा।

२८. गाल —कपोल, गठ, गलुई, रुख़सार।
२८. कान —करन, कर्ण, शब्दमह,
श्रवण, भवणेन्द्रिय, श्रुति, श्रोत, श्रोत्र।
३०. कान का छेंद —कर्णकुहर, कर्णछिद्र,
कर्णरंश।

३१. कनपटी — ग्रविमुक्त, कच्चा, कट, कनपट, कनपटी. गंड, गडस्थल। ३२. ठुड्डी-- विवि, चिबुक, ठीडी,

दुड्दो, ठोढ़ी, डाढ़ो, दाढ़ी, हनु।

३३. गरदन—कगर, कघ, कंघर, गर्दन, गला, गिय, ग्रोव, ग्रोवा, घोंच, नटई, नाड, नार, मौर, शिरोघि।

३४. कंठ-कएठ, गल, गला।

३४. घाँटी —क काटिका, गटई, गरदन, गरदना, गिउ, गिरवान, गोब, ग्रोब, ग्रोबॉ, घाटा, घाड, घेघा, टेंडुग्रा।

३६. कंथा—श्रंश, श्रंस, कघ, कन्हा, कॉघा, काधी, कान्ह, खया, खवा, नितव, अुजमूल, भुजसन्धि, स्कंध।

३७. बाल — त्रलक, त्रस्त, कच, काकपच्छ, काकुल, कुन्तल, केश, चिकुर, जटा, फंड, कॉट पश्म, पसम, बार, बाल, मूर्डज, रोम, रोवाँ, लोम, वृज्जिन, शिर-रिज, शिरोरुड, श्याम।

३८. बाल (स्पीरनों के सिर के)—श्रलक, केशपाश, केशरमूह, जूरा, जूपा, भोटा ।
३८. बाल (घुंघराले) —कुचित केश, कुंतल, कैट्यमलक।

४०. रोबाँ — तनूरुइ, रोब्राँ, रोम, लोम। ४१ रोमांच — त्वकपुष्प, त्वगंकुर, पुलक, रोमांच, रोमोद्मेद।

४२. चोटी-कंगूरा, कलश, कवरी, चुटिया, चोटी, धम्मिल, प्रवेगी, मीलिशिखा, वेगी, शिखर, शिखा, शिषा, शिष, शोष, शिक्ष, शेखर, शेषर, सर, सिख, सिखा, विर, सीरख, सीरष, शोर्ष।

४३. जटा — कपर्टक, कौटीर, जटा, बटा-जूट, जटी, जुटक, जूट, जूटक, जूडा, बद्ध-कच, शट, इस्त ।

४४ भौं —श्रवरु, श्रवू, तंद्री, तेवर, मंब, स्व, भ्रू, भृकुटी, भौह, भौहाँ। ४४. बरौनी —श्रांचलोम, गस्त, नेश्रांक-

उर. बराना — श्राच्चलाम, गरुत, गराणः जल्क, नेत्रच्छदरोम, पच्च, पच्म, पपनी, बरुना, बरौनी, रश्मि, विन्ने ।

४६. दाढ़ी--चिबुक, ठोढ़ी, डाढ़ी, शमश्रु । ४७ मूंझ--गलमोह्नु, माझ, मुन्छ, मोह्ना, शमश्रु ।

४८. धड़ — अमुड, अशिर, कब्ब, धर, कड, लुंड।

४६. सीना—श्वागा, उक्रग, उत्संग, उर, उरस, उरस्थल, क्रांड, छुतिया, ख्राती, वज्ञ, बज्ञःस्थल, वत्स, द्विय, द्वियरा, दिया, दिरदय, द्वीय, द्वदय।

४०. स्तन — उरज, उरबात, उरोज, उर-सिज, कुच, छतिया, छाती, दूष, थन. परोधर, पिस्ता, बज्ञोज, वज्ञोज। देण 'सीना'।

४१. चूंची (स्तनाम)—ग्रँडलो, चुचुक, चूंची, चूचुक, रतनचूचुक, स्तनमुख, स्तन-वृत, स्तनशिखा।

४२. पेट--श्रवधान, उदर, श्रोक, श्रोकर, श्रोकरी कर्वच, कमद, कुच, कुचि, कोल, कायला, गर्भ, बठर, कोल, कौद, हुम्ट, दोहर, विचंड, महारा, शिक्म।

४३. त्रिवली (पेट के ३ वल)--- विवली, पेटी, रोमराची। ४४ नामि—उदरावर्त, द्वृदी, दोंढ़ी, तुंडि, तुंडी, दुजी, तुंदी, धुजी, नाभी, पेडू, पेडू, बोड़री, बोड़ी।

४४. पीठ-—पाञ्ज, पाञ्जा, पीञ्जा, पोठ, पीठि, पुरुत, पूठि, पृष्ठ, पृष्ठभाग ।

४६. बाहु—दो, दोष, प्रगंड, प्रवेष्ट, बाँह, बाह, बाहा, बाहु, बाहुदंड, बाजू, भुज, भुजदड, भुजा, मंज, वाहु।

४७. बराल--कॅलौरी, कच्, कॉल,बाहुमूल, मुजकोटर, भुजमूल।

४८. केंद्रुनी—कफोखि, कूर्पर, केंद्रनी, कोह्नी, टिहुनी, ठिहुनी।

४६. हास—कर, पंचशाख, पाण, पाणि, पाणिक, पाणी, भुवाय, शय, इस्त, इस्त, इस्य । दे० 'बाहु'।

६०. कलाई—कलाई, गटा, पहुँचा, पाणि-मूल, प्रकोष्ट, मिणवश्र ।

६१. हथेली--करतल, करतली, करपुष्ट, करपृष्ट, करभ, गदोरो, गद्दो, प्रतल, पाश्चितल, फलक, हतेरी, हथेरी, हथोरी, हस्ततल।

६२. करपृष्ठ---करपृष्ट, करप्रव्हि, हस्त-**पृष**ट ।

६३. थप्पड्-चयत, चपेट, चॉटा. भाष्ड्, तमाचा, थपेड़ा, दोह्या, प्रतल, प्रहस्त । ६४ घूसा--घूँसा, मुध्टिक, मुष्टिका. मुक्का, मुका ।

६४. बुडी-मुठिका, मुठी, मुश्त, मुडि, बुडिक, बुडिका, मूठ, मूठी।

६६. गहुन्या—श्रॅगुलिसंबि, गहुवा, गाई. नावा।

६७. चँगकी - बंगुरी, त्राँगुली, चँगुलीय,

श्रगुरत, श्राँगुरो, उगुलो, करब, कर-परलव, करकहन, करशाखा। ६८. पोर (उँगली)—पर्व, पोर। ६८. हाथ की ४ श्रँगुलियाँ—श्रँगुठा, श्रनामिका, कानिष्ठा, तर्जनी, मध्यमा। ७०. श्रँगुठा—श्रंगुष्ठ, श्रग्ठा, श्रँकुठा। ७१. तर्जनी—तर्जनी, प्रदर्शिनी।

७२. मध्यमा—कर्णिका, ज्येष्ठा, विचली, माध्यमिका ।

७३. श्रनामिका—श्रनम्मा, श्रनमिका, कनगुनिया।

७४. किनिष्टिका—किनिष्टिका, किनिष्ठा, कॉनी, कानी, छगुनी, छिगुनियाँ, छिगुनी, छिगुली।

७४. नास्त्रन—करकटक, करचद्र, करण, करव्ह, कराकुश, कराग्रज, करोब्ह, कामाकुश, किरवार, नहॅं, नस्त, नस्तर, नष, पाश्चिज, पुनर्भव।

७६. गोद्—उछग, उत्सग, श्रक, श्रक्कम, श्रॅकवार, कोड्, गोदी।

७७. उदर-श्रोदर, पेडू ।

७८. कमर—ककुद्मती, कटि, कटिपार्श्व, कटी, कटीर, कमर, करम, करिहाँब, कलप्र, काचीपद, मध्याग, लक, ओखि, ओखिफलक।

७६. लिग - -श्रागा, इदिय, उपस्थ, कदर्पमुक्त, कामाकुश, ध्वन, पुलिग, मदनाकुश, मृत्रेद्रिय, मेट, मेइन, मीगड़ी, रतिसाधन, रागलता, लंड, ललाक, लागु,
लाँब, लिग, लौड़ा, बैतस, ध्वग, शिक्ष,
श्रेफ, सतर, साधन, स्वग्सम।

द०. बोक्किन्सम्, जबर, श्रपम, श्रवान्य-

कलत्र, काममंदिर, गर्भद्वार, गर्भमुख, गर्भस्थाया, गाँइ, जन्मवर्त्म, धारका, पुष्पी, प्रकृति, प्रकृति, प्राकच्या, वरत्रंग, बुर, बुलि, भग, भिथयान, भोसङ्गा, योनि, रतिकृहर, रतिगृह, रति, रतिग्रह, रति-भवन, रतिमन्दिर, वराग, ससारमार्गक, स्त्रोलिंग, स्मरकृप।

५१. पोता—ग्रड, ग्रडकोश, ग्रडकोष, ग्रॅंडुवा, ग्रॉंड, ग्रॉंडू, खुसिया, फोता, वैजा, मुष्क, रत, वृष्ण, वृष्ण।

प्रतः चृतः -कटक, गुदा, गृदा, चुत्तर, चृत, चृतर, जवन, नितंब, पायू, मलद्वार, ओणि।

म्हे. गुद्दा—न्त्रपान, गंड, गॉइ, गुद, गुद्दस्म, गुद्ध, पायु, भग. मलद्वार, विष्ठानिर्गमद्वार, हगनहटी।

८४. जॉघ — उरु, उरू, जंबा, जघन, जॉघ, जान, जानु, रान, शरोरस्तंभ, सम्बद्धि,स्तम्भ ।

प्तर. घुटना—गुल्फ, घुट, घुंटक, घुटना, घुटकॅ, घुटिक, घुटिका, जानु, टिहुनी, ठेघुना, पादग्रथि, पादफृट।

पाँच —श्रं वि, श्रवमाग, कदम, गोइ, चरण, टॅगरी. टॉग. पग, पद, पॉ, पाँइ, पाँउ. पॉव, पाश्रो, पाद, पाय, पैर !

प्त. एडी — श्रंधि, एड, एडो, ऐडी, खुना, पार्टिंग ।

सम. तलवा (पैंग का)—तस्वा, तस्वा, तलवा, पदतन, पादतल।

द्ध उँगली (पैर की) — उँगुली, पद-पहलव, पदाम, पादागुली, मपद। १०. चमड़ा — खलड़ो, खलरो, खाल, खोलडी, चमड़ी, चर्म, खाम, बिस्ट, त्वक, त्वचा, निर्मोक, सुम्बरा ।

६१ मांस- ग्रसच, ग्राम्नब, ग्रामिष, कम्प, कव्य, गोश्त, गोस्त, बागल, तरस. पल, पलल, पालल, पिशित, माश, मास ।

६२. मज्जा-श्रिहियजः श्रिहियसंभव, श्रिहियन सार. श्रिहियस्नेह, जीवन, तेच, देइसार, वीज, शुक्रकर।

६३. चर**बी**—चर्बी, मेद. मेटा, वपा, वसा।

६४ खून—श्रस, श्रमुक, कोण्प, चतच, खून, पलचार, रक्तत, रक्त, रात, रखत, रसमव, रसस्य, रिहर, रोहित, लहू, लोहू, शोण, शोणित, सोनित।

६५. ७ धातु—श्रिह्य, मज्जा, माँस, मेट, रक्त, रस, शुक्र।

६६. नस—नस, वस्रसा, स्वायु, स्नासा ।
६७ नाङ्गी—धमनी, नङ्गी, नञ्ज, नरी, नस,
नाङी, नारी, रग, शिरा, सार ।

६८. अंतड़ी- अतड़ी, श्रंतावरी, अत्र, अत्री, आंत, श्राती, पुगेत, लाद, लेदड़ी। ६६. इडडी- अस्थि, कीकल, कल्य, मेटब

६६. हड्डी-- ऋश्यि, कीकल, कुल्य, मेदब, मेदब, मेदब, मेदब, मादा, इड्डी, इड्री, इड्री, इड्डी, इड्डी,

१८०. ठठरी-—ग्रजर-पंजर, ऋस्थि-पंचर, ककाल, ठटरी, उट्टी, ठढरी, पंचर, माजर, हड़ावरि, हड़ावल।

१०१. खोपड़ी—क, कपार, कपास, कपास, कपान लिका, करपर, कर्पर, खर्पर, खोपड़ा,खोपड़ी, चँदिया, टाँट, टाटर, भगाल, भाल, मस्बा, मौलि, शिर, शोर्घ, सर, सीस। १०२. आँख का गोला—कोबा, गोलक,

१०२. घाँख का गीला—कोबा, गोलक, नेत्रपिंड, विद्वाल । १०३. जबहा—चीमङ, चौहङ, जन्डा, जभा, डाढ़, दंष्ट्रा।

१०४. पँसली—पंचर, पंचरी,पँसुली, पचरी, पाश्वी।

१०४. रीढ़-पृन्ठबंश, मेघदंड, येद ।

१०६. कूल्हा— कटिप्रोय, कॅडिसर, कुल्हा, कुल्हर ।

१०७. गाँठ—ग्रस्थिसंघात, ग्रंथि, गाँठि, बोब, बंद, सीमत ।

१०८. दिसारा—श्रक्त, गोद, गोर्द, ताखु, तालु, दिमाक, दिमाग,बुद्धि, मगज, मग्ज, मस्तिक, मस्तिष्क, मस्तुलुगक, मेजा, समक्षा

१०६. फेफड़ा—क्लोम, तिलक, धुकधुकी, फुफ्फ़र, फेफड़ा, हृदय।

११०. कलेजा - - श्रममास, करेजा, कलेजा, कालखंड, जिगर, बुक्का, यकृत ।

१११. यकृत—करडा, कालक, कालखंब, कालखंड, कालेय, जिगर, महासायु, यकृत।

११२. तिरुली—गुरुम, तापित्रुलो,तिरूली, पलई, पलही, पिलहो, पोला, ाप्लहा, प्लीहा, वरवट ।

११३. गर्भाशयः—उदर, कुच्चि, कोख, नर्भ, गर्भकोश, गर्भाशय, वठर, दौहद, घरः, पेट, पेड्, बच्चादान, बच्चादानी।

११४. मलाशय—कोठा, कोष्ठ, नलकोष्ठ, मलास्य ।

११४. पाखाना—गलीव, गुइ, गूँ, गूथ-वर्चस्क, गूइ, फाइा, पाकाना, पुरीष, बोट, मल, मैल, मैला, विष्ट, विष्टा, विष्ठा, खमल।

११६. पासाना होना-कुल्ला करना,केरना,

भाइ। फिरना, टही होना, दिशा होना, होला होना, नदी जाना, निपटना, पेट चलना, पाखाना होना, फराकित होना, बहरे जाना, बड़ी बिलायत जाना, बिलायत जाना, मैदान होना, शौच होना, हगना, बढ़ाना, गोबर करना, टीर्घशंका करना। ११७. पेशाब—उच्चार, काहरा, पेशाब, प्रसाव, मूत, मूत्र, लघुशंका।

११८. पेशाब करना—छोटी विलायत जाना, निशंक होना, पेशाब करना, मूतना, लघुशंका करना।

११६. **चाँस्**—श्रंसुवा, श्रश्क, श्रश्न, श्रश्न, श्रसुश्रा, श्रस्न, श्रस्नु, श्राल, चच्चुजल, टसुश्रा, टिसुश्रा, नेत्रहुल, नेत्राम्बु, बाष्प, रोदन, लोच, वाष्प।

१२०. रोना— आठ आँच् रोना, आँच् गराना, आँच् बहाना, कलपना, किकि-याना, चिचियाना, दाढ़े मारना, प्रलाप करना, विकिश्चाना, राग काढ़ना, कदन करना, रोना, विलपना, विलाप करना, स्मिक्ना, मुसुकना। दे० 'चिल्लाना'। १२१. पमीना — आरक, उप्मा, ताप, पंसा, पसीना, प्रस्वेद, अभवारि, अमविंदु, अम-सीकर, स्वेद, स्वेदन।

१२२. थृक-कफ, लाखार, श्रूक, पीक, लार, श्लेष्मा, लाला, सृच्चिका, स्यन्दिनी। १२३ पोंटा-नकटो, नासामल, नेटा, सिंघाचा।

१२४ पित्त—अग्नि, अनल, उप्मा, तिक, तेबस्, बाद्य, पलज्वल, मायु, रबन।
१२४. कफ—सँसार, बलगम, रलेप्मा।
१२६. कींचर (आँस का मैस)—
कीवड़, कीचर, दूषिका, नेत्रमल।

१२७. खोंट-कर्णमल, खूँट, खोंट, पिज्या।

१२८. रज—त्रार्तव, ऋतुसाव, कुतुम, पुष्प, मासिकधर्म, स्त्रीधर्म।

१२६. वीर्य-ग्रंड, इंद्रिय, जीवन, तेज, बीज, रेत, शुक्र, सार, हिरएय, हीर।

१३०. मन--- ग्रंग, ग्रंत, ग्रंत:करण, श्रंतस, श्रनगंक, उर, चित्त, चेत, बिय, जो, तबियत, मन, मनुद्राँ, मानस, स्वांत, हृद, हृदय।

१३१. मस्तिष्क—ज़ेहन, दिमाग्न, मस्तिष्क। —दे० 'बुद्धि।'

१३२. बुद्धि — श्रकल, श्रक्तल, चित, चेतना, जान, धारणा, धी, धोष्णा, प्रज्ञा, प्रतिपत्ति, प्रतिभा, प्रेचा, बोध, मति, भनस्, विज्ञान संस्था, समक्ष। —दे० 'मस्तिष्क।'

१३३. दिल्ल-श्रम्यंतर, उल्लंग, उर, उरस्, करेजा, कलेजा, घट, दिल, मन, हिश्र, हिश्रा, हिया, हियद्य, हीश्र, हीश्रा, हीय, हीयरा, होया, हृद, हृद्य। १३४. इंद्रिय-श्रज्, इंद्रिय, इंद्री, करण, कृषि, गुणकरन, गो, प्रहण, विषयी, हृषीक।

१३४. २ इंद्रियाँ—कर्मेद्रियाँ, ज्ञानेद्रियाँ। १३६. ११ इंद्रियाँ-५ कर्म इंद्रियाँ, ५ ज्ञान इंद्रियाँ, १ मन।

१३७. ४ ऋंतरेंद्रियाँ—ऋइकार, चित्त, बुद्धि, मन।

१३८. ४ कर्मेंद्रियाँ—उपस्य, गुदा, पैर, मुँह, हाथ।

१३६. ४ झानेन्द्रियाँ—श्राँस, विद्या, कान, त्वचा, नासिका। १४०. गर्भ—ग्रर्भ, ग्रर्भक, गर्भपिंड, पातक, पेट, भ्र्ण, इसल । १४१. गर्भ रहना—श्रागा भारी होना, श्राशा होना, गर्भ रहना, पेट रहना, पेट

से रहना, पैर भारी होना । १४२. जीवन—श्रवस्था, श्रायु, बिंदगी,

जीवनकाल, वयःक्रम ।
१४३. गर्भाधान—गर्भधारण, गर्भस्थिति ।
१४३. ज्ञ. गर्भपात — गर्भनार, गर्भसाव ।
१४४. जन्म— उत्पत्ति, उद्गम, उद्भव,
जनन, जनम, जात, पैदाइश, प्रजनन, प्रसव, प्रस्त ।

१४४. जन्म लेना—उगना, उतरना, उत्पन्न होना, जीवन पाना, निकलना, पैदा होना, ससार में श्राना। विलोम—दे० 'मरना'।

१४६. जनना—श्राविभूत करना, उत्पच करना, जनन करना, जनना, जननी होना, जन्म देना, निकालना, पैदा करना, प्रस्व करना, विश्वाना, ज्याना ।

१४७. नामकरण्—नामकरन, नामकर्म । १४⊏. श्र्यन्नप्राशन—श्रस्नप्रासन, चटा-वन, पसनो, पासनो ।

१४६. मुंडन-केशकर्म, केशास्त, हीर, होरकर्म, चूडाकर्म, भद्राकरण, वरन। १४०. यहोपबीत- उपनयन, उपवीत, व् बनेऊ, जनेव, ब्रह्मसूत्र, यहोपबीद्ध,

१४१. विवाह— उद्दाह, उपयम, उपवाम, करप्रह, करपीडन, कुड्माई, दारकर्म, दार-परिग्रह, निकाह, निवेश, परिच्य, परि-भवन, पाणिग्रह्यं, पाखिपीडन, विवाह,

बिवाइ, बिवाइ, ब्याइ, मॅगनी, वरकाज, शादी, संबंध, सगाई, इथलेवा । १४२. ८ विवाह--- आर्ध, आसुर, गान्धर्व, दैव, पिशाच, प्रजापत्य, ब्राह्म, राच्य । १४३. गौना -गवन, गवना, द्विरागमन, दुरागमन, मुकलावां, विदा । १४४. मृत्यु —श्रंत, श्रंतक, श्रतकर, श्रांतकर्ता, श्रातकारक, श्रांतकारी, श्रातकाल, श्रतकृत, श्रंतगति, श्रंतशय्या, श्रंतसमय, श्चतिमयात्रा, श्रत्यय, श्रवसाद, श्रवसादन, श्रवसान, इतकाल, उत्क्रमण, उपरित, **जद्धां**शेह, जद्धांशेह्या, कवा, कटना, कदन, काल, कालधर्म, कृतान्त, च्य, कातमा, गयायात्रा, गंगालाभ, गमन, गमो, जगदनक, दिष्टान्त, देहान्त, देह-त्याग, देहपात, देहयात्रा, देहान्तर, देशवसान, ध्वंस, नाश, निधन, निपात, निमीलन, निऋर्ति, नेधन, पचता, पचत्व, परलोकगमन, परलोकवास, परिचत, प्रच्य, प्राच्त्याग, प्राचात, मरण, प्रशाश. महानिद्रा, महायात्रा, महाप्रस्थान, मोच, मोख, मोच्छ, मौत, व्यापति, **ब्यापद्, विसाल, श**री**र**त्याग, शरीरपान, शरीगन्त, पेंडिब्कार, स्वर्गयात्रा, स्वर्गा-रोह्य, संस्थान, सास्थिति, स्वःपथ, हातु । १४४. मर्ता-- श्रवसान होना, गगालाभ होना, गोलोक बाना, चल बसना, चोला होसना, चोला बदलना, जान जाना, दिवरांत होना, कुकना, देशन्त होना, निषन होना, निपात होना, निर्वाख होना, परलोक, जाना, परलोक शिवारना, प्राच त्यागना, प्राचान्त होना, मरहूम होना । १४६. भारता-कचर कृट करना, कूटना,

षमकना, धमधमाना, धहरना, घहराना, ठोंकना, ठठाना, ताइना, यपराना, श्राना, पीटना, पीठपूषा करना, दोहथाना, लतमर्दन करना, लतियाना। विलोम-दे॰ 'श्रादर करना।' १४७. मरवाना (जान से) —कटवाना, खून करवाना, घलवाना, बघाना, बघवाना मरवाना, हताना, हतवाना, हत्या करवाना, हनवाना । १४८. मारना (जान से)--काटना, ख्रतम करना, खून करना, घालना, वध करना, बधना, इतना, हत्या करना । १४६. शव – ऋतीत, कुणप, चितिवर्द्धन, भूमिवर्द्धन, मुरदा, मुदा, मृत, मृतक, मृत-शरीर, लाश, लोथ, लोथि, सव। १६०, पूर्वज --नाराशस, नाराशंसी,पुरखा, पुरवा, पुरिखा, पुर्वे ज, बुजुर्ग । १६५. दादा के पिना - नकददादा, पर-दादा. प्रपितामइ। १६२. दादा (पिता के पिता) म्राजा, श्रार्थकं ददा, दादा, दादू, परदादा, पिना-मह, जना, नाना। १६३. दादो (पिता की माता) —श्राजो, ब्राय्या, ऐया, दादी, वितामही, बढ़की माई। १६४. दादा का घर-- प्रित्रहाल, दिद-हाल । १६४. दादी के पिता का घर-त्रविश्रौरा, ददिश्रौरा। १६६. मृत बाप दादा आदि — ग्रंभ, श्चगला, धितर, पितृ। १६७. नाना का बाप -परनाना १६८. नाना (माता के पिता)---नमा, नाना, मातामइ, मातृपिता, मातृमइ ।

१६६. नानी (माता की माता)—श्राई, नानी, मातामहपत्नी, मातामही, मानृमही, मातृमाता ।

१७०. मामा (माता के भाई)—मातुल, मामा, मामू।

१७१ मामी (मामा की श्री)—मातुल, मातुलपत्नी, मातुलानी, मातुली, माँई, मामी।

१७२ मामा का ल**ड़का**—मातुलेय, ममेरा।

१७३. नाना का घर—ननसार, निन-स्रोरा, निहाल, नानिहाल।

१७४. पिता-श्रदिति, श्रब्बा, किबला, गुरु, ज, जनक, जनन, जनियता, जनिया, जनिया, जनमद, जन्य, डोकरा, तात, पिता, पिता, पितु, पितृ, पित्र, पित्र, प्रजापित, वप, बप्पा, बाप, बाप, बाप, बाप, बाप, बाप, च्या. बाबू, मूलक, वालिद। १७४. ७ तरह के बाप—श्रभय देने वाला, गुरु, जनम देने वाला, पालन करने वाला, बद्दा भाई, मन्न देने वाला, श्वसुर।

१७६. सौतेला बाप — कठबाए।
१७७. साता — त्रवक, श्रवा, त्रवालका,
श्रविका, श्रदिति, श्रमाँ श्रमा, गो,
जनि, जनियत्री, जननी, जिन, जिनित्री,
जनी, जनीयत्री, जा, धात्री, गसू, मतिरया
मतारो, महतारी, माँ, मा, माइ, माई,
माता, मातु, मातृ, मातृका, मातृ, माय,

१७८. योग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली माता—वपूती । १७६. त्रयोग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली माता—कपूती ।

माया, मैया, वालिदा ।

१८०. सौतेली माँ-उपमाता, दुमाता, मतेई, मैभा, विमाता। १८१. ७ तरह की माताएँ-गुर को स्त्रो, गौ, बन्मदात्री, माता, दूच पिलाने वाली दाई, ब्राह्मणी, मातृंभूमि, राजपतनी । १८२. चपमाता—श्रन्नां, उपमाता, षात्री । १८३. **बुरीमाता**—कुमाता, **दुमा**ता । १८४. माता पिता का प्रम-बात्वस्य। १८४. ताऊ (बाप का बढ़ा भाई)---ताऊ, ताया, पितृब्य । १८६. ताऊ की स्त्री -- ताई। १८७. चाचा (बाप का छोटा भाई)--कका, काका, चचा, चाचा, ताऊ, पितृब्य । १८८. चाची (चाचा की स्त्री)-- काकी, चाची, ताई। १८६. ससुर (पति या पर्त्ना बाप)---वाबा, शतानीक, श्वशुर, श्वसुर, ससुर, सुसुरा, स्वशुर, स्वसुर। १६०. सास (पित या पत्नी की माता)—श्रायी, मरवा, श्वभू, सासु । १६१. ससुर का घर—स्तुरा, ससुरास, सासरा, नासुर, सुसराल, स्वसुराल। १६२. साला (पत्नी का भाई)--श्रात्मनीय, बरकीर, श्<mark>यालक, श्याला</mark>, श्वशुर्य, सिकंदर, स्याल, स्याला । १६३. साले की सी--सरहब, सलहब। १६४. साली (पत्नी की बहन)-श्याली, सद्भाइन। १६४. सार का सार--- वरमरा। १६६. सार का बेटा-- करपुत । १६७. लड्का या लड्की का सञ्चर--

समधी, सम्बन्धी।

१६८. लड्के या लड्की की साम्रु—सम-चिन।

१६६. समधी का बाप-लमधी। २००. समधी की माँ-लमधिन।

२०१. बहन-जामि, बहनेली, बहिन, भगनी, भगिनी, भैन, भैना, सहोदरा, सहोदरी, मोदरा, सोदरी, सुसा, स्वसा।

२०२. बड़ो बहन—श्रम्भा, जिजिया, बीजी, जेटी, जेच्टी, दिदिया, दीदी, पूर्वजा, बहन।

२०३. जीजा — ग्रामहासक, बीजा, पाहुन, बहनेज. बहनेली, बहनोई, भगिनीपति, श्याल ।

२०४. भांजा (बहिन का खड़का --जामेय, बहनौता, भगना, भगिना, भगि-निच, भगिनीय, भगिनेय, भगिन्य, भाग-नेय, भागिनेय, भानचा, भाजा, भैने, स्थसोय।

२०४ भांजी (बहिन का लड़की)— भगिनिबा, भांगना, भगिन्या, भाजो, भैने, म्बासीया।

२८६. फूश्रा (पिता का बहन)—िपतृ-ष्यसा, फ़फो, फूश्रा, फूफी, फूफ, बुश्रा, बुश्रा।

२०७. फूफा (पिता के बहनोई) —
कुफ्ता, फुफू, फुफू;

२०८. माई (फुफेरा)—पितृष्वसेयी, पितृष्वस्रोय ।

२०१. वहिन (फुफेरी)-- पितृष्वसेयी, पितृष्वसीया ।

२१०. मौसा (मौसी का पति) - बाब्र्, मासा, मौसा, मौसिया ।

२११. मीसी (माता की बहन)-

खाला, मातृमगिनी, मातृष्वसा, मासी, मौसी।

२१२. भाई (मीसेरा)—मातृष्वसेय, मातृष्वस्रीय।

२१३. **बहिन** (मौसेरी)—मातृष्वंमय, मातृष्वसीया।

२१४. आई—ऋनुज, ज्ञाति, बन्धु, बन्धू, बान्धय, बिरादर, बीर, बीरन, भइया, भाई, भाय, भैया, भ्रात, भ्राता, विरादर, वीर, सहोदर, सोदर।

२१४. भाई (सगा)—भात, भ्राता, माजाया, मादरजात, सगर्भ, सगा, समानोदर, सहज, सहोदर, सादर, सोज्वीय, सोटर, सोदर्थ।

२(६. दूध भाई - कोका, वामाई !

२१७. भाई चारा---भाइप, भाई-चारा, भाषप, भैयाचारी।

२१⊏. **बड़ा भाई**—श्रम्रज, श्रमजन्मा, श्रम्भभ, श्राम्रय, ददा, दाऊ, दादा, दादू, पूर्वज, पूर्वजन्मा, भय्याजः, वर्ष ।

२१६. आर्था--प्रजावती, भावज, भाना, भौज, भौजाई, भौजा, भातमेहिनी, भातृ-जाया, भातृभायां, भातृबध्, भातृजाया, सहजमहा

२२०. भाई (क्वोटा)—अनुज, श्रवर्य, कनिष्ठ, बघन्यस, अवेष्ट, भाई, यवीन, लक्कातर, मूनु।

२२१. होटे भाई की स्त्री — भयडू, भयाडू।

२२२. भतीजा-पतीब, भावृब, भावृब, भावृपुत्र, भावृब्य, भावृद्यत

२२३. मतीजी— भतीबी, भातृबा। २२४. पति—मधिप, अधिपति, अधिभू, श्रार्थ, इ.स., इंशा, इंशाता, इंश्वर, कत, कंथ, कांत, लेत्री, खरम, झाविंद, घरवसा, घरवाला, चेट, दींगर, दूलह, दूल्हा, घव, घिनक, घनी, नाथ, पत, पति, पाखाग्राह, पाखाग्राहक, पिय, पिया, पियु, पोउ, पीय, पोव, पुरुष, प्यारे, प्यो, प्राण्यी, पाखा, प्राण्यीवन, प्राण्यानाथ, प्राण्याति, प्राण्यारा, प्राण्याप्रिय, प्राण्यावल्लभ, प्राण्यानायरा, प्राण्याप्रिय, प्राण्यावल्लभ, प्राण्यारा, प्राण्याप्रिय, प्राण्यावल्लभ, प्राण्यानायरा, प्राण्याप्रिय, प्राण्यावल्लभ, प्राण्यानायरा, प्राण्याचिक, प्राण्याच, प्र

२२४ पत्नी—अध्धीगनी, अधीगिनी,
औरत, कबीला,कलत्र,कान्ता, सेत्र, गृह्णी,
गृहिणी, गेहनी, घरदासी, घरनी, घरवाली,
चरणदासी, जनाना, जिन, जािन, जािन,
जाया, जोइ, जोय, जोरू, जौजा, तलोदरी,
तिय, ती, दार, दारा, दासी, दितीया,
घमंणी, धमंपत्नी, धामंणी, निदनी, पतिनी,
पत्नी, परिगृहा, परिग्रहा, प्रण्यिनी, प्राण्,
प्राण्गृहीता, प्राण्गृहीती, प्रिया, बनिता,
बहू, बाला, बीबी, भवनी, भवानी, भार्या,
मेहरा, रविन, रवनी, छुगाई, लोगाई, वधू,
बल्लभा, वशा, वामागनी, वामा, संगिनी,
सहगामनी, सहचरी, सहन्वारिणी, सहधिमंणी, सुआसनी, स्त्री, हरम ।

२२६. ४ तरह के पात-श्रनुक्ल, दिव्य, भृष्ट, शठ।

२२७. **चपपति** — उपपति, घग्वशा, जार, चगका, चिंगका, यार ! २२८. उपपत्नी—उपपत्नी, करौत, गुपता, गृहीता, घरवासी, दोहगा, मदखूला, मुताही, रखनी, रखेली, सुरैत, सुरैतिन, हरम। २२६. वैश्या से प्रेम करने वाला—नायक, वैश्विक।

२३०. सपत्नी—प्रतिकामिनी, प्रतिक्ला, शौत, सपत्नी, सपत्नीक, समानपतिका, सवत, सस्त्रोक, सौक, सौकन, सौत, सौतन, सौतिन, सौतिन।

२३१. सपत्नी का भाव था धर्म--कापत्न्य, सौतपन ।

२३२. पत्नी की छोटी बहन—यित्रका। २३३. बहु—पुत्रबच् , पतोह, पतोहू, बच् , बचूटी, बहुरिया, बहु, वचू , भुषा।

२३४. पिता का घर—नैहर, पितृगृह, पोहर, मयका, मायका, मैका।

२३४. विधानपूर्वक स्त्री या पति का संबंध त्याग---तलाक, तिलाक, सभंब विच्छेद।

२३६. पति या पत्नी की दादी— ददिया सास ।

२३७. पनि या पत्नी के चाचा— चिवया समुर।

२२८. पति था पत्नी के मामा--मिर्मा सम्रुरः

२३६. पति या पत्नी के फूफा—फ़्राक्श बसुर, फ़फ़क्रा समुर ।

२४० पति या पत्नी के नाना-निका समुर ।

२४१. पति या पत्सी का जोबा—बाबा-पती, दंपति, दंपती, इन्द्र, भावांपती। २४२ मसुर (पति का बढ़ा आई)— जेठ, जेठउत, जेठउर, जेठरा, स्येष्ट, मसुर, भाई जी।

२४३ देवर (पति का छोटा आई)— देवर, देवरा, देह, पतिश्राता, बनुग्रा, बनुग्रा जी, बानू।

२४४ ननदोई (पति का बहनोई) -ननदोई, नन्देऊ, नन्दोई।

२४**४ ननंद** (पति की बहन) नदिनी, ननंद, ननद, ननदी, ननांदरि, ननाह,नन्द, नन्दा।

२४६. सन्तान—श्रपत्य, उम्मत, श्रौलाद, गोत्रजनन, तत्रु, ताँती, नुत्फा, पसरा, परिवार, प्रजा, प्रस्व, प्रसृति, वंश, वशज, वश्रधर, वंशपरम्परा, वच्चा, वालवच्चे, लहकावाला, सन्तित, सन्तान, सर्गे।

२४७. लक्का—ग्रंगज, ग्रर्भक, श्रांत, किशार, कुँगर, कुँमरेटा, कुँवर, कुमार, चिंजा, खावका, खाव, छैया, छोरा, बातक, टातर, टोटा, डावर, डिंभ, दारक, प्रसव, बालक, वद्व, लक्का, लाल. लाँडा, शिशु। दे॰ 'पुत्र'।

२४८ लड़की—दे॰ 'पुत्री।'

२४६ वर्ग्यसकर—श्ररजल, श्रष्टघाती. कमश्रसल, किंपुरुष, कुबड, गोलक, बारज, दोगला, घीगड, बीगडा, पाराशव, बरनसकर, रमजना,रामजना, शंकर, सकर, इरामज़ादा।

२४०. पुत्र — ग्रांगंज, ग्रांगंत, भपत्य, ग्रांत्मंच, ग्रांत्मनीय, श्रांतमंन, ग्रीरंस, ग्रींकाद, कुमार, कुलघारक, चिंका, कोक्स, कोक्स, क्यांत, क्रोहरा, क्यांत. ग्रम्य, बा, बात, डाँठरा डांग्स, तोटा, डोटीना, तत, तनय, तन, तनुक, तनुक,

तनै, तनोब, तात, दायाद, दारक, नंद, नंदक, नदन, नदिवर्दन, नांदवर्दन, नकुल, नाद-वर्दन, पिसर, पुतरा, पुत्त, पूत, फरज़न्द, बालक, बोर, बेटला, बेटवा, बेटा, लाल, बच्छ, वत्नु वल्द, बीर, सुन्नान, सुत, सुव, सुवन, सुवनारा, सुन, सुन, स्वजात। विलोम—दं० 'पुत्री।'

२४१. श्राच्छा पुत्रः—सपुत्र, सपूत, सुपूत । २४२ खराब पुत्र—श्रपृत, कपूत, कुपुत्र । २४३. दुलारा पुत्र—श्रलकलहैता, श्रलकः मलोश, दुनहेटा, लालन

२४४. केवल एक पुत्र--श्रर्जुन, इक-

२४४ पुत्र के समान पाला हुन्ना लड्का-पालक, पालट, पोध्यपुत्र

२४६. गोद लिया हुझा लढ़का- श्रौरव, दत्तक, दश्तक, पालक, पालट, पोध्यपुत्र, पोमपून, मृतबन्ना, रास, लेपालक।

२४७. पुत्र का पुत्र—छाबा, नातेकट, नप्ता, नप्तृ, नवीरा, नता, नाती, पुत्रात्मव, वोतदा, गेता, पौत्र।

२५८ पुत्र की पुत्री —िषय, नर्तिनी, नन्ती, नतीरी, नातिन, गातिनी, पोत्रकी, पोत्ती, पुत्रातमञा, पौत्री ।

२४६ वृत्र के पुत्र का पुत्र-पद्युत्र, पनाती, परपोता, परपोत्र, प्रपोत्र ।

२६० पुत्रा श्रामा, श्रामाई, श्रामा, वर्या, श्राम्या, श्रास्माद्भव, कर्नामका, कर्यका, कर्या. कुमारिका, कुमारी, कोरी, वर्ना, बाद, बाद, बादा, बामा, तनुष्ठा, दर्निया, तन्या, दारिका. दुश्रादरी, दुदिता, थी, वीवाता, घोदा, घोया, नेदना, नेदनी,

निंदनी, नगनी, पुत्तरी, पुत्रिका, बाला, बालिका, बिटिया, बिटी, बेटकी, बेटी, माइँ, माँई, लड़की, सुता, स्वजा। बिलोम—दे० 'पुत्र'।

२६१. पुत्री का पुत्र-कुतप, दुइता, दोसता, दोहित, दौहित, नप्ता, नवासा, नात, नाती, सन्।

२६२. पुत्री की पुत्री—दौहत्रा, नितनी, नातिन, नातिनी।

२६३. दामाद—जॅवाई, जवाय, बवाई, जामाई, जामातृ, जामाता, दमाद, धीय, पादुना।

२६४. दूल्हा—दुलहा, दूलह, नौशा, पाणिब्राहक, बनरा, बन्ना, बर, लखा, वर, शह ।

२६४ दुलहिन--दुलहन, दुलहिया, दुलही, दुलहीया, दुलही, दुल्हैया, दूल्हन, नौशी, बनी, बनी। २६६. प्रेमी--अनुरागो, अनुरुक्त, आशना, आशिक, आसक, चाहक, दिलदार, प्यारा, प्रेमिक, रगीला, रकीव, रसवंत, रसिक, रागी, रिक्सकवार, रिक्सवार, सने-हिया, सनेही, सपरन, सहृदय, साजन, सनेही।

२६७. प्रेमिका—श्रजीज, चहेती, बनियाँ, जानी, ढोला, वियतमा, विया, प्रीतिपात्र, प्रेम-पात्र, प्रेमिका, प्रेयसी, प्यारी, भावता, माश्रक, सजनी, सक्की, नेहपात्र, स्नेहिनी। २६८. वियोगी—बिक्कुड़ा, विळीई, बिक्कोही, बिरही।

२६६. वियोगिनी - वियोगिनी, विरह-नप्ता, विरहसतप्ता, विरहिखी।

२७०. सधवा स्त्री—ब्रहिवाती, गुण्गौरि, बीवत्पति, पतिवती, वधूटो, सघवा, सनाया, सावित्रो, सुन्नासिनी, सुभगा, सुद्दागिन, सुद्दागिनी, सुद्दागिल, सेद्दागिन, सेद्दागिन, सौमागिनी, सौभाग्यवती ।

२७१. विध्वा — श्रभवा, श्रनाथा, श्रपति, एकवेग्यो, जालिका, पतिहीना, वेवा, यतिनी, यती, रडा, राँड, राँड, विधवा। २७२. पतिव्रता — कुलवभु, गुग्गगौरि, तपिन्तनो, पतिदेवा, पतिपरायग्य पतिभक्ता, पतिव्रता, पूति, पाकदामन, मगला, मनिर्विनी, सतवती, सती, साध्वी, साध्वी, सुचरित्रा।

२७३. कुलवधू — कुलवतः, कुलवता, कुलवधूटी।

२७४. रॅडुच्चा (जिसकी 'स्त्री मर गई हो)—त्रपत्नीक, रडाश्रमी, रॅबुच्चा, रडुवा, रॅडोरा, विधुर, विकल ।

२७४. कुटनी (समाचार पहुचाने वाली की)—श्रजुना, कुटनी, घटका, दुर्भगा, दूतिका, दूता, भिच्चको, मुडा, वाक्यहारियो, सचारिका. मदेशहरा, संभली, सारिका, लमया।

२७६. परनारी-परतिस्थि,परित्रया, परिष्

२.७७. सखी- श्रतःपुरचारिणो, श्रतःपुर-चारिका, श्रलो, श्राल, श्रालो, गुइँगाँ, वयस्का, महिल्लका,वालिबा,शिल्पकारिका, शेचना, समिनो, सहयो, सखि संची, सरस्वती. सहचारिणी, सहचरी, महेली, साथिनो, सैरुआ, हारिखीं, हित्।

२७८. सिश्च—श्रंतरग, श्रविराधी, इध्ट, गोइयाँ, गोई, दोस्त, नदीबर्द्धन, परिगद्द, बान्धव, मित्र,यार, सँगातो, सगी, सँबाती, सपी, सला, सहचर, सहसार, सहसारी, सहपाठी, सुद्धत, सौहृद, सुद्धद, दित, हिन्, हितैषी ।

२७६. शतु—श्रदावती, श्रनहित, श्रपद्ध, श्रमित्र, श्ररि, श्रहित, श्रारात, कृतवात, दावागीर, दुर्ह्य, दुश्मन, द्विषण, देषी, परिपंथी, प्रतिपद्धी, वैरी, मुकाबिल, मुखालिफ, रिपु, विदेषण, विपद्धी, विरोधी, वैरी, शात्रव।

२८०. **समवयस्क**—जोडी-पाडी, सम-उरिया, समवयस्क, ममौरिया, सवय, स्निग्ध।

२८१. वर्षी — जाति, बरन, जिरादर, भाई ।
२८२. श्राह्मण् — श्रमजनमा, श्रमजातक,
कुदेव, कुलभे व्ह, गुरु, व्येष्ट वर्ण, द्विज,
द्विजाति, नय, पिडित, वाह्व, बाग्हन, विप्र,
ब्रह्मा, भूदेव, भूमिदेव, भूमिसुर, भूसुर,
महाराज, महिसुर, पहोसुर, मैत्र. यजुवर,
वत्कज, वामन, विप्र, पटकर्मा, स्त्रकट ।
२८३. बाह्मणी — पडिताइन, पंडितानी,
बॉभनी, ब्राह्मण-परनी, महराजिन ।

२८४. भूमिहार--भ् इहार, भूमिहार, ठाकुर, भूमिहार ब्राह्मण

२८४. तिबारी--तिबाङ्गं,त्रिपाठी,त्रिवेटी । २८६. चौबे--चतुर्वेदी

६८७. श्रोमा-मा

२८८. हपाध्याय — उपिथा, उपाध्या, उपाध्या

२८६ पांडे--वाइं, वाडेव।

२६०. शुक्त - शुक्ला, शुक्ल !

। २६१. मिश्र -- मिश्रा, मिसिर

२६२. इतिब-चत्र, इतिय, व्यो. इति, अतिय, अत्री, द्विवालिंगी, नाभि. नृप, पार्थिव, बाब्, बाबुसाहब, बाहुक, मूर्द्धक, राजन्य, राजा, वर्मी, विराज, विराट, सार्वभौम।

२६३. **चत्राणी**—चत्राणी, चत्रिया, चित्रि-याणी, चित्रियो, चत्रीपन्न', चत्रीस्त्री, खतरानी, महाराणी, राजपत्नी, रानी, वीरपत्नी, वीरमाता, वीरस्तुषा ।

२६४. नैश्य-- श्रयं, ऊख्य, ऊरूब, गुप्त, दिज, पणिक, बनजकर, बनिया, वैश्य, भूमिजीवी, भूमिस्पृक, महाजन, मंदी, विश्क, वास्तिक, विट्, विस, ब्यवहती, शेष्ठ, शेष्ठी, साहु, सेट, सठी।

२६५. वेश्य-म्ब्री-श्रया, श्रयीखी, श्रबी, विनयाहन, मोदिन, मोदियाहन, वेश्य-पन्नी, वैश्य-स्त्री, वेश्याः महुश्राहन, सहुवाहन।

२६६. शुर्हे — अत्यन, अत्यनमा, अत्य-वर्गा, अञ्चत, उपायक, चतुर्थ, चाडाल, जपत्य, जघन्यज, दास, द्वित्रदास, दिज-मनक, पञ्ज, पादन, मुप्तल, शुद्ध, सुद, सवक,

२६७ ज्राह्न-स्त्री-- श्रत्यजा, उराधिका, टासो, श्रुह्न-पर्ता, श्रुह्न-स्त्री, श्रुह्ना, क्टिन, सेविका

२६६. चांबाल—कत्यब, मञ्जूता, म्रस्र्य, चडाल, चाडाल, बनगम, दिवाकीर्ति. प्लव, युक्कस, मातग, श्वपच।

२६६. कुछ चांबाल जातियाँ—किरान, केवट, कोल, चमार, डाम, दुसाघ, घोबी, नट. पाती, भंगो, भर, भाल, मुसहर, वेशुक, व्याघ।

३००. जाति-मालपद, मालपद, कुटुम्ब, कुल, ख्रानदान, गोतो, गोत्रिप, जात,

जाति, पक्ति, पाँत, परिवार, बिरादरी, वश, वर्ग, भेगी। दे॰ 'वर्ष'। ३०१. खत्री - चत्रिय, खतरी, खत्री, खित्ती। ३०२. खत्री-श्री-खतरानी, खत्राणी, खत्रानी । ३०३. कायस्थ -- कलमवीर, कायथ, मुशी, मुंसी, लाला। ३०४. कायस्थ-स्त्री--कायियन, कैथिनी, मुंशीत्राइन, ललाइन । ३०४. ऋहीर--ऋहिर, स्राभीर, गोदुह, गोप, गोपाल, गोसख्य, ग्वाल, ग्वाला, यादव, बल्लव। ३०६. ऋहिरिन (ऋहीर खी) — ऋहि-रिनी, श्रामीरपत्नी, श्राभीरस्त्री, श्राभीरी, गोपस्त्री, गापी, ग्वालिन, महाश्रुद्री । ३०७. कोइरी-नाछी, कोयरी। ३०८. कोइरी स्त्री-काछिन, कोइरिन। ३०६. कहार--कमकर, कहारिन, घीमर, पनभरा, पनहारा, महरा, स्कथभार। ३१०. कहारिन (कहार-स्त्री)--कमिकरन, कॅहारिन, कहारी, घीमरिन, पनभरिन, पनभरो, घीवर, पनहारी, महरिन, महरी। ३११. नाई- श्रतवसायी, कल्पक, चुरी, चौरकार, चौरा, ग्रामणी, ठाकुर, दिवा-कीर्त्त, नखक्ष्ट, नाऊ, नाउठाकुर,नापित, न्यायी, बरकट्टा, भाडपुट, भुड, वात्सीसुत, सैना, इजाम, इज्जाम। ३१२. नाउन--नाइन, नाउनि । ३१३. बारी-पत्राजीवी, पत्राली, बर-बीवी, बारी। ३१४. बारी-स्त्री-बारिन। ३१४. बरई - बरई, बर्ब्जावन, बरबीबी।

३१६. बरई-सी-वरहन। ३१७. तमोली- तमोलि, तांब्लिक, ताबूली, बरई। ३१८. तमोली-सी---तमोलिन, बरइन । ३१६. तेली-नानू, चाकिक, तैलकार, धूसर । ३२०. तेली स्त्री--कनुवाइन, तेलिन, तैल-नारिन। ३२१. ठठेरा--कॅसकुट, ठठेरा, तमेरा, नाम्रकुट, ताम्राजीवी, शौल्बिक । ३२२. ठठेरा-स्री-ठठेरिन । ३२३. **कुम्हार**—कुंभार, कुमकार, कुलाल, कोहार, घटक, घटकार, घटजनक ३२४. कुम्हार-की--कुंभाक्नि, कभकारिन. काहाँइन, कोहारिन। ३२४. कुरमी-- दुनबी, कुरमी. कुर्मवशी, कुर्मीय। ३२६. कुरमी-स्थी--कुनविन, कुरमिन। ३२७. बनिया-परचूनिया, बनिया, मोदी। ३२८. बनिया स्रो--विश्वादन, ऋहिन । ३२६. लोहार---श्रयस्कार, कर्मकार, कर्मार, लोहकारक, लौइकार। ३३० लोहार स्त्री-लोहाइन, लोहारिन। ३३१. बद्ई --काष्टकार, तची, तदमे**री,** वर्षकी, मृत, सूत्रकार, स्यन्दनकार। ३३२ बढ़ई-स्त्री-वटइन। ३३३. गढ़ेरिया— अवपाधी, अवाधीवी, श्रजो, गड़ेरिया, गड़ेरी, जावास । ३३४. गड़ेरिया-की---गड़ेरिन, महेरी। ३३४. सोनार--कताट, नाडियम, वश्य-तोहर, बक्मकार, सेठ, स्वर्धकार !

३३६. सोनार सी—सेठानी, मेठिन, सोनारिन।

३३७. दर्जी—खलीफा, छिपी, तुज्ञवाय, दरजो, सूचिक, स्क्षी, स्त्रिभट, सौचि, सौचिक।

३३८. दर्जी स्ना—ंबलिफाइन, दर्जिन, दर्जिम्राइन।

३३६. कलवार — कलार, कलाल, याङी, शौडिक।

३४०. कलवार-की-कलवारिन, कलारिन। १४१. मल्लाह—कर्णधार, केवट, कैवर्त, खेवक, खेवट, जालक, दास, धीवर, नाविक, नैसाध्यबन, मलाह, मांकी।

३४२. मल्लाह स्त्री---मलाहिन, मल्लाहिन, माभिन ।

३४३. माली -- पुष्पलाव, पुष्पलावक, पुष्पा-जीवा, बनार्चक, मालाकर, मालाकार, मालिक, माली।

१४४ **मालिन--पु**ष्पलावा, मिलानयाँ, मालिकी, मालिनी।

३४४. घोबी--कर्मकीलक, घावल,निर्णेजक, नेजक, बरेटा, रखक, शौचेय।

२४६ घो**विन -धोवह**न, घोवन, घोविन, ा**नर्यो**खकी, बठाइन, बरेठन, बरेठिन, र**जकपली रबकी, शौ**चेयी।

३४७. **मञ्जूषा**—षीमर, भीवर, मञ्जूबः, मत्स्यजीवी, मोधुक ।

२४८. बहेलिया—ग्रहेरी, श्रालेटी, ंबदीमार, चिरहटा, चिरिहार, द्रोहाट, नलपाशुन, बहेलिया, न्याचा, मृगवीयन, मृगयू, मृगवनावीय, न्याच, लन्धुक, खुषुयना, खुष्यक, शाकुनिकशिकारो । ३४**१. भड्भूजा—गोंड**, भ**ड्**भूँबा, मुबवा, भुरबो ।

३४०. **भड़भूजा म्त्री—गोंडिन,** भड़-भूजिन ।

३४१. चमार - कुरट, चर्मक, चर्मकार, चर्मकारक, चर्मक, चर्मार, वचक, पादु-काकार।

३४२. चमाइन ःचमार स्त्री)--चमाइन, ःचमारिन, चमारी, चमैकारिणी।

३४३. भाट--चारण, पश्चम, प्रातमेय, वदी, वंदीजन, बैताल, बैतालिक, भट्ट, भाट, मगघ, मधुक, भागम, लग्न, स्त. स्तुतिपायक।

३४४. मेहतर--चूहदा, बमादार, घरकार, भयो, महत्तर मदतर इलखोर, इलाल-खोर, हेला।

३४४. मेहतर र्द्धा - वमादारिन, मेहत-राना, मेहतारन, इलखोरिन।

२४६<mark>. मुसलमान — इ</mark>स्लामी, बवन, तुरुक, - युक, भिर्या, भुस्लमान, मुहम्मदो, म्लेच्छु, - युवन ।

२४७. चुिंदहारा--म्रातक्तक, चुरिहास, मनिहास, लखंग, लाद्यक ।

१४८. चु**दिहारिन —**चु^ररहारिन, शन-हारिन, लखेरी, लाचकी।

३४६. जुलाहा —कुविंद, कोरा, बुलाहा. ततुक, ततुवाय।

३६०. रगरेज —स्रोपा, स्रीपो, रगक, रग-कर, रगरेज, रगाजीवी, रगी ।

६६१. **धुनिया-**-धुनका, धुनियाँ, पञारा, वेदना ।

३६२. धुनिया सी-धुनियाँ इन ।

40---

३६३. कसाई--कस्साई, कौटिकक, कौटिक, गोमर, चिक, चिकवा, बुज़क्स्साब, बूचइ, मासक, मासविकता, मासिक, वैतसिक, हिसक ।

३६४. कोलकिरात - किरात, कोलि, भाल, मुसहर, व्याध, शबर।

३६४. श्रंमेज-स्रागलदेशी, श्रागलीय, इगरेज, गोरा, गौराग, फिरगी, बिलायती । ३६६. जज-श्रद्धरर्शक, जज, धर्मराज, न्या-यक, न्यायकत्तां, न्यायाधीश, प्राइविवाक । ३६७, पंच-सरवंच, पालस।

३६८. श्रभियोगी—श्रभियोक्ता, फरियादी, मुदई, मद्द , वादी।

३६६. प्रतिवादी-मुद्दश्रलेह, मुद्दालेह, प्रतिपद्धी ।

३७०. मुल[ा]जम — श्रवरानी, श्रभियुक्त, दोषी, मुबरिम, मुजलिम।

३७१. गवाह— पत्यच्चदर्शी, साची, साखी। ३७२, केंदी-उपग्रह, केंदी, प्रग्रह, प्रतिग्रह, बदा, बंदी, वंदीवान, बंदेरा, बंधुन्ना, बॅधुवा, वदी ।

३७३. जल्लाद् —कतलवान, क्रातिल, घातक. जलाद, बधिक, बधुश्रा।

३७४. जमीदार -- इलाकेदार नमीनदार, ताल्लुकेदार, भूम्वामी, मिलकी, रईस । ३७४. कारिंदा--श्रमला, इंतलामकार, एजेंट, कामगार, कामटार, कारकुनिंदा, कारपरदाज, कारिजा, प्रबधक, मुतलिम । ३७६. कारतकार-कास्तकार, कृषिक, कृषिजीवो, कृषीवल, खेतिहर, चासा, चासी, धान्याकृत। ३७७. हरवाहा-हरवाह, हलवाह, हलवाहा,

इलवाही, चारा।

३७८ सेहमान-ऋतिथि, ऋतीथ, भ्रम्या-गत, गृहागत, पहुना, पाहुना, प्राध्या, प्राचुणिक, प्राचूर्ण, प्राचूर्णिक।

३७६. मेहमानदार -श्रातिध्यक, मेहमान-दार, मेन्नवान।

३८०. मालिक-श्रिधिपं, श्रध्यत्त्, श्रन्नदाता, श्रामा, त्राशपक, ईश, कत, चेत्री, खविट, खसम, खाबिंद, नाथ, पत, पनि. प्यो, प्रभु, प्रोप्राइटर, बाबू, नालिक, ामयाँ, यह, प्रभू, सहयाँ, साई, सम्रामी, स्वत्वाधिकारी, स्वामि, स्वामी ।

३८१. मालकिन-मालिकिन, खत्वादि कारिग्णी, स्वामिनी।

३८२. गृह्पति—गृहप, गृहस्वामी

३-२. नोकर — त्रधीन, अनुग, अनुगत, ब्रनुगामी, ब्रनुचर, ब्रनुयायी, ब्र**शकारी**, त्रस्ती, त्रर्थी, त्राजाकारी, व्यक्तपालक, त्रारिपार्श्व, कमेरा, गर्मकार कहार, किंकर खबास, खादिम, खिजमतिया, ख्रिटमनगार. खोजा, चाकर. चेट, चेटक, चेर, **चेरा**, टहलू, टाहली, टाम, दासामुदास. नफर, नोकर, पदाति, पदादिक, परिचारक, परिचारिक, परिपार्श्विक, पर्यु पासक, पायक, विळ्ला, व्यादा, फर्राश, फ़िटबी, बहा, नंदेरा, बॉट, भृत, भृतक, भृत्य, भनकूर, मजूर, महरा, भहला, माहलां, मुलांक्स, रोग्टिहा. सहचर, सहचारी, मेवक मेवी, सैरंघ, हुन्री ।

३८४. नौकरानी- श्रनुचरा, किंकरी, खादिमा, चाकरनी, चाकराजी, चेटका, चेटा, चेरा, जना, टहलनी, हाली, नौकरानी, परायदाशी, परिचरी, परिचारिका बॉदी, भृत्या, मज़दूरनी भजारन महरी,

महेली, मामा, लाँडी, सेवनो, सेविका, सैरंशी, हजूरो, इरम ।

३८४. मजदूर—मनदूर, मजूर, मजूरा, अमाजीवी, अमया, अमिक, अमी।

३८६. कुर्ली —कुली, मबदूर, मजूर, मुटिया, नोटिया ।

३८७. च्योंड — मिट्टी खोदने वाले), ग्रौड, बेलदार।

३८८. खिद्मद्गार—ग्रगमर्द, ख्रिटमद-गार, खिबमतगार, खिबमातया, खवाहक । ३८६. बजाने वाला—महावादकी, वंश-१कोट, वादक, वार्तवह, वेग्रापिक।

३६०. वैस्पविक - (वंशो बजाने वाला) वेस्रुभा, वेनुविक।

३६१. तब लंबी-त्यलचा, तबलिहा, तबल्बी।

३६२. मृद्गिया — पखावजा, मार्दगिक, मृदंगिया, मौर्जिक ।

३६३. नट —कृशास्त्री, जायाजीव, नट, नर्त्तक, भरतपुत्रक, रंगजीव, रगावतारक, शैलालिन, शैलूष।

३६४. **नटी-**-नटो, नदिन, नर्नको ।

३६४. नर्तक--्नाचने वाला पुरुष) कलक, चारम्, तालरेचनक, नट, नर्सक, पोट-गस्ता

३६६. नर्तकां—(नाचनं वाली स्त्री) चारका, नचनियाँ, नचनी, नटी, नर्तकी, नाचनेवाली, नृत्यकी, लासका, लस्या ।

१६७. वेश्या श्राप्तरा, कंचना, कस्विन, कस्वी, कस्वी, कामरेखा, कुमा, खुद्रा, गायका, अर्फरा, तवायक, प्यागना, प्रकारेया, पराय स्वी, पुरवामा, ववंटी, भवश्यिनी, सुधिया, भोग्या, मंगलायुक्षी, रामजनी, रूपाजीवी, लिंग्जका, वंसुघरा, बारवधू, वारविनता, वारविलासिनी, वैश्या, शालमंजिका, शूला, सर्ववल्लमा, सामान्या।

३६८. कत्थक—(वेश्यात्रों के गुब), कथक, पीठमदी, भँडुत्रा, रामजना।

३६८. म्न. गढ़ेंया -कारी, गढ़क, गढ़िया, गढैया, बनाने ताला, बनावनहारा।

३६६. नगीना साज-नगीनाबिहया। ४००. दूकानदार—पर्ययः, हटवार, इटनैया, इटुवा।

४०१. घा**टिया** – (**त्राह्मस्**) घटवाई, घट-वार, घटवारिया, घटिया, घटवाला ।

४०२. हत्तवाई—ग्राघसिक, कारालिक, ग्रौदनिक, गुण, पाककत्तां, पाकुक, पाचक, बल्लव, बाबरचा, अन्यगार, रसोहया, सुर, सूपक, सूपकार, स्वार।

४०३. रसोइयाँदार- नानची, महरान । दे॰ इलवाई ।

४०४ भहाजन—धनी, प्रमुख, बनियाँ, महाबन, लाना, भेष्ठि, सम्य, ताहु।

४०४. लेखक—ग्रद्धरचतु, ग्रद्धरच्य, क'तिव, क्लर्क, ग्रयकर्ता, ग्चपिता, लापक, 'लपिकर, लिपिकार, ।

४०६. कार्रागर कार्य, शहरपकार, शिल्प-की, शिल्पं।

२०७. जादूगर - इड्रजालकारक, ऐंड्र-जा'लक कौद्धानक, ब'दूगर, प्रतीहारक, बाजीगर, मायाकारक, मायाबी, मायिक, मायो, ब्यसक ।

४०८ र**क्र**पारसी---बौहरी, परस**रेका, पर**-नेवा, रस्त्रविकेता। ४०६. पहलवान—कसरती, कसरितहा, डडपेल, पहेलवान, मल्ल, संडमुसंड। ४१०. महावत—ग्रंकुशमह, श्रवष्ट, श्राधी-रण, इभपालक, गजाजीव, गजारीह, चाराकटी, निषादी, पन्नीक, पीलवान, फ़ोलवान, मतगी, महाउत, हस्तिपक, हाथीवान।

४११. साईस--श्रश्वपान, रकाबदार, सर्देस, साईस।

४१२. कोचवान-कांचवान, दिख्णस्य, नियता, प्राजिता, सारयी, सूत।

४९३. शिकारी — ब्रहेरी, त्राखेटक, ब्राखेटी तीवर, पारघी, सिकारी।

४१४. खेलाड़ी—िखलाड़ो, खिलवाड़ी, खेलक, खेलवाड़ी, खेलार, खेलारी, खेलार

४१४. जुआड़ी — अच्देवी, अच्धूर्त, कितव, जुआड़ो, जुआरी, जारी, चूतकार, चूनकृत, चूतकीड़क, धूर्त, समिक, समाक।

४१६. ठग--गिरहकट, चाई, छली, धूर्त, धोसेबान, प्रतारक, व वक, स्थग ।

४१७. ठगनी—ठगनो, ठगिन, ठगिनी, क्विरेरिन।

४१८ चोर—उचका, उचक्का. उठाईगीर, कजाक, कजाक, गठकटा, गिरहकट, चाई, चाई, चोट्टा, चोर, चोरकट, चोरटा, जेक्कट, जेक्कतरा, ठग, ठिगया, डकैत, डहरचोर, डाक्, तस्कर, दस्यु, नकबनन, प्रतारक, बंचक, बटपरा, बटपार, नटमार, राहनन, छुटेरा, लूटक, वचक, संधियाचोर, साहिकक, सोतस्य, स्तायू, स्येन, स्येन, हर्सा, हारीत।

४१६. सासेदार—भागा, शरीक, शिरकती हिस्सेद:र । ४२०. पट्टीदार--श्रशक, दायाद, सामेटार, हिस्सेदार । ४२१. जच्चा—जच्चा, जननी, जापत्या, प्रजाता, प्रसविनो, प्रस्ता, प्रस्तिका । ४२२. बच्चा — ग्रज्ञ, श्रबोध, श्रर्भ, श्रर्भक, किशोर, किशोरक, गर्भ, अतक, डिंभ, नवजात, पाक, पुत्र, बच्चा, बद्ध, बद्धक, बालक, बेटा, मा**राव**, मुष्टिंघय, लड्का, शिशु, सतान, हितक । ४२३. धाय--ग्रक्पाली, ग्रना, ग्राया, दाती, दात्री, दायी, धाय, प्रदात्री । ४२४. कर्जदार—ग्रथमर्ख, ऋखा. कर्च-दार, देनदार, देवा, रिनियाँ । दे० 'ऋर्या'। ४२४. देनदार--देनदार, महाजन, लहने-दार, सूदलोर । दे॰ 'ऋ गा देने वाला' । ४२६. भिम्बमंगा - त्रथीं, जाचक, जातक, भिकमगा, जीवी, जाचक, भिन्नु, भिन्नुक, भिद्योपजीवो, भिखमगा, भिखारो, मॅगता, मगन, मस्करी. भाँगन, मार्गण याचक । ४२७. भिक्संगिन - भिक्सांगिन, मिखकी, भिखारियो, भिल्हारन । ४२८. सहायक-गौण, दाँया हाथ, नेब, नेव, मददगार, सहकारा, सहयोगा, सहाइ, सहाई, सहाय, सहायक, सहायी।

४९६. संरचक—श्रिभभावक, देख देख करने वाला, रचक, रच्छक। ४३०. जानवर—कीलाल गोरू, चतुष्पद, चरिंदा, चौपाया, बानवर, बीववद, जीवघारी, जीवयोनि, डंगर, डॉगर, तिर्वक, तिर्यंग योनि, त्रिजक, पशु, पसु, प्राची, मृग, मृग, हैवान। ४३१. जानवर का बच्चा—छ्वा, छॉवडा, कौना, बद्धडा, बाल, पोत, शावक। ४३२. सींग—विखान, विषाण, श्रुग, सींघ, सींह, मृग।

४१३. खुर—चुर, टाप। ४३४. पुँछ - दुम, पुच्छ, पूँछ, पाँछ,

बालिधि, लॅगूर, लगूर, लगूल।

४३. हाथां -श्रगज इभ, कबु, कबुक, किए, करटी, किर, करी, करीद्र, करेंग्रु, कालिंग, कुबर, कुभी, गज, गजेंद्र, गयद, गय, दती, दुरद, दुरदाक, दिरद, दीप, नगज, नगग, पद्मी, पील, पुष्करी, फील, भस्ड, मदार, मतग, मराज, मातग, मैगल, वारग, वितुंड, व्याल, शुडाल, शुंडा, श्राी, मरग, सिधुर, इस्ता, हाथी, अ३६ हाथनी—एगवती, करटी, करिणी, करेग्रुका, कुंबरा, गजा, विगुका, बमा, वरेग्रुका, कामिता, हथिनी, इस्तिनी।

४३७. हाथा का प्रसिद्ध जातियाँ— कुमारेया, मृगः

४३८. बड़ा या उत्तर हाथी -- करिंद, करीश, खकता, गजराज, गजेड़ ।

४३६_: **बौना हाथी**--कमरिया, बौना, भक्कना।

४४०. मस्त हाथी श्रयाल, गाढाः त्गभदः नगरमदा, प्रभिन्न, मनः मदक्लः मदोत्कटः, मवगलः, मैगलः।

४४१. **चित्रपाइना** गरबना. जिल्हाक भरना, होंकडना ।

४४२. सूड -(हाथा), का. तुंड, शुड, चुडादड, तुडा। ४४३. सुँड की नोंक -किंशका, इस्त। ४४४. हाथी के सूँड का अन्नभाग — अगुली, पुष्कर, मुचिका। ४४४. गंडस्थल कट. कटि. करटक, गड़-

४४४. गंडस्थल कट, कटि, करटक, गड, गडस्थल, शखा

४४६ हाथी का दाँत — कॉप, गजरंत।
४४७. हाथी का मद् — गजरान, गजमद।
४४८. हाथी की बोली - गर्जन, चिग्वाइ।
४४६. हाथी का बच्चा — करम, कवल,
बालक, शरम।

४४०. जंट -श्रध्वग, उष्ट्र, जंट, कटकाश्चन, कर म, करह, केलिकी ग्री, कमेल. कमेलक, ग्रीवी, जवी, जॉ विका, दार्च, दीर्घगित, द घजव, धूमक, धूसर, बलिए, बली, बहुवार, भीली, मय, मरुद्वीप, मरुप्रिय, महाग, महाग्र'व, मह बघ, महानाद. महा-पृष्ट, लम्बोध्य, वक्रगुल्फ, वरण, शरम, शुद्धर श्र खलक, सॉडिया।

४४१ डिल्ल--ककुट, कुम्बद, डिल, .डल्ला

४५२. घोड़ा श्ररण, करण, करण, करण, करण, केहरा, कोकाह, कर्मण्यु, गणनं, गियाह, गुइ, मा, घोट, घोटक, घोड़ा, चामको, जनम, तुरम, तुरम, तुरम, तुरम, तुरम, तुरम, तुरम, तुरम, द्रमण, व्रम, प्रकीर्यन, घोणी, याच, बाज, जाची, मराल, मकद्रम, रथवाह, राजस्कध, ललाम, वाह, वाजो, जातायम, वाह, विमान, विमानक, वीतो, व्रमण, वृषल, शालहोत्न, रिस्ता, समह, साचो, मारम, वृषल, शालहोत्न, रिस्ता, समह, साचो, मारम, वृषल, शालहोत्न, रिस्ता, समह, साचो, मारम, वृषण, सुरण, सुरण, सेषव, इंस, हायो, मारम, हायो, हायो, हायो, मारम, हायो, हायो

Ξξ

४४३. घोड़े का बोलना - हिनहिनाना, हिनहिन करना, हींसना । ४४४. घोड़ी -- श्रश्वा, श्रश्विनी, घुड़िया, घोटको, घोडिया, घोडी, बड़वा, वामी। ४४४. घोड़ियों की मस्ती-श्रालग, उठना । ४४६. घोड़े का बच्चा - अललबछेड़ा, बस्रुड़ा, बस्रवा, बस्रेड़ा, बालक। ४४७. जबान घोड़ा-ग्रनल, बलेड़ा। ४४८. स्रोटा घोड़ा — टट्ट, टॉगन, याबू। ४४६. सिधी घोड़ा-सिधी, सेघव। ४६०. तुर्की घोड़ा - तुर्कमान, तुर्की । ृ ४६१ अरबी घोड़ा -- श्ररन, श्ररनी, एराक्री। ४६२. घोड़े का जातियाँ - त्रलाई, इराकी, कारना, किनवॉक, कोवान, कुही, गिल-गिलो, जु'मल, टंकड़, तिलक, दुवाज, घन्नी, बानसर, बोलसर, भीश्राथलि, भौर, मेमना, रकवाहा, रुवो, शैहाल, लच्छी, वजारा, सदलो, संग्लिया, स्याह, हिराती । ४६३. घोड़े का रंग --श्रवरस, श्रवलख, **ज**दा, कर्मिज, कुम्मैत, कुरंग, कुल्ला, गर्रा, चाँगका, मुरकां, लाखा, लीला, संबाफ ।

४६४. धाड़ा के गर्दन का बाल-स्थाल, श्राल, क्सर ।

४६४. घोड़ का खुर— द्धर, खुर, टाप, राषासुम, सूम, सुम्ह।

४६६. **खच्चर - ग्रश्**वतर, खच्चर, खर, बिसरात, बेसर, रासभ ।

४६७. गद्दा — खर, गद्दा, गर्दभ, प्राम्या-श्व, चकीवान, चारट, चारपुख, चीरमेद्दी, धूसर, धूसराह्य, बालेय, भूरिगम, मारग, राशम, रासभ, वालेय, वेशव, वेशाखनदन, क्रबंकर्ग, शोतलावाहन ।

४६८ गदहे की बोली रॅकना, हेंकी-हेंको करना '

४६६. गाय—श्रघन्याः, श्रर्जुनी, रका, उस्ताः, कल्याणां, गऊ, गाय, गैया, गो, गोरु, गौ, डाँगर, धात्री, धेनु, पयस्विनी, पीवरां, बकर, भद्राः, माहेयी, रोहिसी, शृक्षिणी, सुर्राभ, सुरभी।

४७०. गाय का बोलना—काँवाँ करना, वाँकरना।

४७१. सफेद गाय-- ऋर्जुनी, कपिला. गौरी, धवरी, धवला, धवली, धौरी। ४७२ काली गाय-- कजरी, कंजली, श्याम-धेनु, श्यामा।

४७<mark>३. कुमारी गाय- -कलोर, कस्या ।</mark> ४७४. ऋधिक दिन की विद्या**ई गाय या** - भैंस—बकेन, बकेना ।

४७४. गायों का समूह — गोकुल, गोधन । ४७६. गाय की फलरी-गलकंबल, गलधन, फलरा, फालर, फालरी, लहर ।

४७७. धन-- श्रयन, ऐत, यन, यान, क्यो-घर, बाण।

४७८ गाय मैस के थन के अपर का भाग-- प्रयन, ऐन, पर्योधर ।

४७६. गाय भैंस की मर्स्ता--उडना, उभइना।

४८०. बछ्डा—(गाय) बच्छ, बच्छा, थळ, बछ्डा, बछ्डो, बछ्रा, बछ्ड, बछ्डा, बछ्उा, बछ्डे, लेखा, बरस, स्कृत्करी। ४८१. सॉड्— अड्डा बैस, नरीग्य, बिस-वर्द, वृष, वृष्ण, शंड, शिसा, संड, ऑड्डा ४८२. सॉड्डा बोसना—होक्डा। ४८३. बेल---म्रनब्वान, उद्ध, उद्धा, ऋषभ, कर्मकार, गार्र, गो, गौ, डाँगर, बौरिया, पुंगव, बरघ, बरधा, बलद, बलिवर्द, बसह, बैस, भद्र, रिखभ, वसह, वृष, वृषया, वृषभ, वृषेद्र, शह, शाद्रल, शिखी, संड, साँड।

४८४. भैस -- भइस, भैंस, महिल, महिली, सिमा।

४८४. भेस का बोलना—विवियाना।
४८६. भेसा—-ग्रश्वारि, श्रान्पा, कटरा,
कटाइ, कलुष, कासर, गवली, वली, मत्त,
महिख, महिष, यमवाहन, रक्ताच, राजस्वल,
कुलाप, कुलाय, वंशभीक, वाहदिष, विषज्वर, सौरिभ।

४८७. बनचा -- (भैस का), कॅटड़ा, कटग, कटाह, पड़वा, पड़िया ।

४८८. भेंड - उरणा, गेंडो, लेंगशा।

४८. भेड़ का बोलना-विविधाना, मिमियाना, में में करना :

४६०. भेदा - श्रज, श्रवि, उरण, उरज, जर्णायु, एदक, बला, मेद, मेंद्रक, मेदा, मेंटक, मेद्र, मेदा, नेप, रोप्टश, लोमश, वृष्णि, हुद्र।

४६१. बकरा — श्रज, श्रबुक, श्रल्पायु, श्रवि, कयसद, विस्या, खसा, खस्सा, झगकी, श्रगल, जुगलक, छाग, छागल, तभ, प्रयस्वल, प्रयमोजी प्र्यु, वर्कर, बोक, मध्य, मेनाद, वस्त, श्रुभ, स्तभः

४६२. वकती—श्रज्ञया, श्रजा, गो, खेर, केरी, प्यन्विनी।

४६.व. वकरी का बोलना -- विविधाना, वें वें करना।

४६४. होर--रभारि, कंठीरव, करभोर,

केशरी, केशी, केसरी, केहरी, क्रव्याद, दीप्तिपंगल, नखरायुघ, नखी, नागाशन, नाहर, नाहरू, पचिश्रिख, पंचानन, पचास्य, पशुराच, पारींद्र, पुंडरोक, बनराच, बनराय, बबर, बहुबल, भीमविक्रम, महाबीर, मानी, मृगनाय, मृगाराज, मृगाद, मृगारि, मृगाश, मृगाशन, मृगाद, मृगोरि, मृगाश, मृगाशन, म्याल, शार्वूल, शेर, श्वेत पिंगल, सटाक, सदूर, सरचा, सादूर सारग, सिंह, हिर, हरित, हर्यंद्ध।

४६४ शेर का बोलना--गरबना, टहाइना, हुँकारना।

४६६. शेरनी—शेरनी, सिंहनी, सिंहिनी, सिंही।

४६७ बाघ -गुहाशय, चित्रक, नोस्ण्दंष्ट्र, द्वीपो, नलायुघ, नाहर, नाहरू, पंचनख, पंडरीक, प्रवादु, भोठ, बाब, वनश्य, व्याह्म, व्याल, शाद्दील, श्वापद, सदूर, दिसक।

४६८. व्याघ्र-नस्य —करज, नस्त, नस्ताग, नर्ता, व्यनस्त, व्याघ्र-नस्त, व्यादायुष्ट ।

४६६. चीता — उपन्यात्र, सुद्रशादूंल, चित्रक, चित्रकाय, चित्रव्यात्र, चित्राग, चोता, तरस्र, तरस्रु, नरस्रुक, तस्रु, धनं-जय, नरवो, मृगांतक, मृगाटन, शूर, शादूल, सर ।

४००. भालू— भन्त्, अन्त-भन्त, श्रन्, भन्त, भन्त्क्, भालू, रोहः

४०१. जिर्रेफ — जिसक, ब्रिरंफ, बिर्राफ,

४०२. गैंडा-संग, संगद्दा, सद्ग, सद्मो, सद्गो, गंडक, गंडा, गैंडा, तैसिर। ४०३. **बारहसिंघा**—कदसार, बारासिंहा, बारहसिंघा, बारहसिंहा।

४०४. नीलगाय—गवव, न ल गाव, रोक, रोह, लोलगाय।

४०४. हिरन — म्रजिनयोनि, ऋश्य, कुरंग, कुरंगम, गधर्व, चंचु, चाठलोचन, प्रवंग, भीठहृदय, मिरग, मृग, वातायु, सारग, सुरभी, इरिख, इरिन, हिरख।

४०६. हिरनी—मृगिनी, मृगी, इरखी, हरनी, हरिनी, हिरनी।

४०७. हरिएा के भेद-गधर्न, गवय, राम, शरम, शश, सृमर।

४०८. काला हिरन—करसायर, कर सायला

४०६. मृत—मिरता, मृता। दे० 'हिरन'। ४१०. मृत के भेद--ऐण, ऋश्य, कृष्ण-सार, गोकर्ण, चमर, न्यंकु, पृषत, रकु, इह, रोहित, रौहित, शवर।

४११. मृगचर्म — श्राजन, ऐसा, कृति, मृगचर्म, मृगञ्जाला।

४१२. मृगनाभि-श्रड, कस्त्रीनाभि।

४१३. सियार — उक्कामुख, कटस्वादक, कुरव, खल, गीदड़, गीदर, गीमायु, गोमी, बोरवासन, जबुक, जबूक, निष्ठुर, फेरंड, फेरंज, फेर, भीठ, भूगियाय, मूत्रमत्त, मृगधूर्तक, लिडार, वंचक, वनश्वा, शालाष्ट्रक, शिवा, शिवाल, अग, श्वधूर्त, श्रृङ्गाल, सिन्नाग, सियाग, क्षियाल, स्थार।

४१४. भेडिया—ईहामृग, कोक, गुरग, जागभोबी, बनाशन, मेडिया, लकड्डग्धा, लानक्ष्मा, स्थारी, वात्सादन, विरुक्त, कुक, हुँडार। ४१४. लोमड़ी—कस्त्रा, दुगर, लुकटी, लोखरिया, लोखरी, लोबा, लोमरी, लोमश, लोवा।

४१६. कुत्ता—श्राल, श्रालिपक, किपल, कालेपक, कुकूर, कुक्कुर, कुक्कुर, कुत्ता, क्कर, कौलेयक, प्राम्यमृग, भल्लूक, भष्ण, भाषक, मृगदशक, मृगारि, द, रतकाल, रात्रिजागर, वक्रलागूल, कुकारि, शयालु, श्रुकक, शुनि, शुनी, श्रूर, रवन, श्वा, श्वान, सारमेय, सृश्रान, स्चक, सोवहा। ४१७. कुतिया—कुतिया, कुत्ती, शुनी, श्वनिका।

४१८. भोंकना — चिल्लाना,भूकना, भाभी करना ।

. ४१६. खरगोश—लरगोस, लग्हा, गाद इ, गदर, गीद इ, जबुक, निशाचर, निस्चर, निसिचारी, लीडार, लोमकर्ण, वृक, शश, शशक, शशा, शसा, श्याल, श्र्याल, ससक, सियार, सियाल, स्याल, स्यालिया। ४२०. छुलाँग मारना-- उछुलना, कृदना, चौक इं। भरना, तेज़ भगना।

४२१. बिलार--म्राखुभुक, किल्ली, गुरवा, बाहक, जिहाप, त्रिशकु, दीप्तलीचन, दीप्ताच, बिहाल, दिहार, बिलाई, विलार, बिलारी, बिलाव, बिलैया, विल्ला, विल्ली, मायावी, मार्जार, मेनाट, यिडाल, विडारक, विराल, विलाक, मुषदशक, शालावृक, सियाहगोश, सूचक।

४२२ म्याऊँ म्याऊँ करना-भ्याऊं करना। ४२३. सूच्चर-च्याखु, किंट, किरा, कोल, कोड, घोगी, पृष्टी, तम, दतायुष, त्य्ह्रो, पोत्रायुष, पोत्री, पृथुस्कथ, बराइ, भूडार, रोमेश, वराह, वन्यस्य, वह्रपत्य, शूकर, स्कर, सूर, स्तन्धरोमा ।

४२४. बंदर—किप, किप्तिशस्य, किखि, कीश, केलिथिय, गोलागूल, चड, भिपी, दम, दरम, नगाटन, पारावत, पिंगल, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, बलागुल, बादर, बानर, मरकद, मर्क, मर्कट, लगूर, वनौका, वानर, शालामुग, शालामुक, हि

४२४. बदरी —बनरो, बानरी, प्रवर्गा, मर्कटी, शाखामृगी।

४२६. गिलहरो—गिरि, गिलहिरी, गिलाई, प्रवगी, गिल्ली, चिकुर, चिखुर, चेखुर। ४२७ गोह—गोधा, गोधिका, गोह, निहाका, विषखपर', विक्खपरा।

४२८. चमगादड् ऋंध, ऋजिन पत्रा, चमगादड्, चमगादर, चमगीदर, चम गुदरो, जतुका, जन्का, तैलपालिका, परोष्णी।

४२६. नेवला—नकुल, नकुली, नेवला, न्योला, पिंगल, बभू, लोहितानन, सपेरि, स्वोबदन।

४३०. गिरगिट—िकरोक्ल, कृक्लास, ॉगडौना, गिरगिट, 'गेरागटान, गिग्दान, **ग्र**रठ, मरट ।

४३१ ज्ञिपकली - श्रजन, श्रजना, गृहगोषिका, गृहगोषी, गृहगोष्टका, गृहालिका,
श्लिपकिलो, ज्येष्ठा, टिकटिका, पल्लो,
क्रिपकिलो, विसदुई, मधली, विषद्धद्या।
४३२ खूहा—ब्रास्टनिक, श्रासु, ब्रासुर,
श्रास्ट, उंदर, उंदर, उदुर, जदुर, कांपस,
सनक, खूता, खूहा, साम्बारि, नसा, पिग,

वभु, न्ह्यज, बिलकारी ,भूष, मूषक, मूषीक, मूस, नूसा, वृशा, वृश ।

४३३. अञ्चंदर गंघमुखी, गधमूषिका, चिकुर, अञ्चदर, अञ्चदर, दीर्घतृडिका। ४३४. साही न्यारपुरत, बरही, शलयकी, शल्य, स्वाविन, साही, मेई

४२४. साही के काटे—शल, शलल, शलली, स्वाविधा

४३६. कीड़ा - किरम, किमि, कीट, कीड़ा कीड़ा मकोड़ा, काम, तिर्यक, त्रिवग मकोड़ा। ४३७. रेंगना—धुसकता, धारे-भीरे चलना, बिलबिलाना, रिंगण करना, सरकता। ४३८. मकड़ा—मकरा, मकटे।

४३६. मकड़ी — ग्रनक्षूत, ग्रष्टपदी, ऊर्ण-नाभ, ततुवायकीट, मकटी, मकड़ा, मकरी, मकट, मर्कटक, मर्कटा, जुचरा, लून, लूता, लूनिका, शनक।

४४०. **चींटा**—चिउँटा, च्यूटा, चा**टा,** चिगरा, ची**खा,** चीटा।

४४१. माटा - (लाल चीटा), बेमटा, माटा

४४२. चींटी-कींदी, चिउटो, चीटी, च्यूंटो, पिपोल, पिरोलिका, पिपोली, योजक, शत्यदा

४४३. रेशम का काड़ा—काशकार, पुड-

४४४ टिडुः पणग, पत्राक, पत्राग, कनगा, शक्तम ।

४४४. दीमक—डानक, देवका. क्लांक,

४४६. बीरबहुटा--श्रक्षिक, श्रामरज, इन्द्र-गोप, इन्द्रबध् , इन्द्रबध्टा, सितिन, बोरबहुटी, बृद, भगवान का द्वाथा, मस- मली कीडा, रक्तवर्ण, वर्षाभू, वीरवधूटी, वैराट।

४४७. मींगुर - घुरघुरा, चिल्लका, चीरी, चीलिका, बंबीरा, भिक्का, भिल्लरी, भिल्लिका, भिल्ली, भींगुर, भीरिका, भिल्लिका, भिल्लीक, भुक्कारि।

४४८. ढोला—िकरौना, कीट, कीड़ा, ढोला, पिलई, पिल्लू, पिस्सू।

४४६. श्रॅंठया--श्रॅठवा, श्रष्टपदी, श्रष्टपाद, शरभ ।

४४०. किलनी—श्रॅडई, किलनी, किल्ली।
४४१. घुन — काष्टकीट, काष्टकिम, काष्टभेटक, काष्टवेधक, घुण, पाया, पिटारी।
४४२ खटमल — उद्दिस, उद्दुस, उत्कुण,
उद्दश, उष्मज, करनाई, किटिम, कीड़ा,
कोण्कुण, खटकोट, खटकिड्वा, खटकीड़ा,
खटकीरा, खटिकिरवा, खटमल, खटवमल,
मचकाश्रय, मरकुण, रक्तपायी।

४४२. चीलर—चिल्नड, चीलड, चैलकोट, चैलारि।

४४४. केशकीट—उत्कुण, कीड़ा, केशकीट, जिलई, जुँग्रा, जूँ, जूँत्राँ, जू, दील, पाली, यूका, लिक्का, लिद्धा, लिद्धिका, लीक, लीख, पटपद, संपई, स्वेटज।

४४४. काटना--इसना, बीन्हना ।

४४६. तिलचटा —चपड़ा, चिवड़ा, तिल-चहा, तेलचटा।

४४७. श्रामिकीट---श्रामिकीङ्ग, श्रामिकीरो, समंदर ।

४४८. सर्प--श्रहज, श्रच, श्रग, श्रपद, श्रहि, श्राशीविष, उरग, कचुकी, बदुब, करदर्प, कर्कटो, कार्लिंग, कीका, कुंडली, गृह्वपद, चक्कशवा, चिकुर, तच्चक, तामस, दरवीकर, द्यी, द्वि जिह्वा, द्विरसन, नण, नाग, निशाचर, निसिचर, निसिचारी, पन्नग, पवनाश्यक, पवनाश्य, फ्रम्बचर, फिल्क, फ्ली, फिनिंग, फिनि, फनी, बिलेस्य, बिषघर, बिषहा, भवंग, भुन्नग, भुन्नगम, मुजग, भुजगा, भुजग, भोगी, मिणिधर, मणी, लांगली, विलेशय, विषघर, व्यास, सरीसृप, सर्प, साँप, सारंग, हरहार, हरि, हार।

४४६. सर्पराज वासुकी, वासुकेयः। ४६०. **साँपिन**—चामिन, नागिन, **मुज**-गिनी, भुजंगी, सर्पिषीः।

४६१. सॉॅंप का बच्चा—संपोला, पोश्रा, पोया, पेवा।

४६२. साँप का शरीर - भोग

४६३. साँप का विष—च्देड, गर, गरल, ृ जहर, विष्

४६४. फन—दरवी, दर्बी, फट, फटा, फटी, फण, फन, स्फट, स्फुट।

४६४. दाँत - (साँप का), अहिदण्ट, आशी।

४६६. केंचुल --कंचुक, केंचुल, केंचुली, निर्मोक।

४६७. श्रजगर---ग्रचगर, श्रनदहा, पत्मर चटा, वाहरु, शयु ।

४६८ गेहुँखन--गेहुँखा, गेहुँवन, गोहु-श्रन।

४६६. करइत सॉॅंप--श्रंबन, श्रद्धंद, करइत, करैत, गोनस, विश्राग।

४७०. डोइहा सॉॅंप— अलगर्द, श्रक्तिनर्द, आनगर्द, बलम्याल, डेइह, डेक्हा डॉइस, पंदुर।

४७१. दो मुँहा साँप-इंड, राचित ।

४७२. गोनम साँप-गोनस, तिलित्स । ४७३. बिरुखू - ग्रन्ग, त्राल, त्राली, द्रोण, विच्छा, विच्छू, विरधिक, बीछा, बीसू, दृश्चन, वृश्चिक। ४७४. गोजर-कन्खजूरा, कनशलाई, कनशलाका, कनसलाई, कनसरैया, कर्ण-बलौका, कर्णसूचिका, कांतर, कानखजूरा, गौजर, गांजर, शतपदी । ४७४. बर्-गधमक्खी, गधीली, नतैया, बरैं, भिद्र, भिर्र, वरट, वरटा। ४७६. ह्या – ह्यु, हडचिका, हाड़ा। ४७७. जलबर -जलचरी, जलचारी, बलब, जलबात, जलबतु। प्रथम. हेल - निमिग्निल, इल । ४७६. नाक - कुंभीर, नक्ष, नाका । **४८०. घडियाल** -कु भीर कुभी, कुभीर, माह, घरियार, नक, वक्साह, पगुमाह, मकर, मकरो, मगर, मगरमच्छ, मञ्छ। ४८१. सगर---श्रवहार, कोड, जलकिराट, बलकु बर, मकर, मगर, मगरमच्छ। **४८२. मूँस** -िशशुमार, सुइस, सुरश, सुसमार, स्इस, मूंश, मूस. सराधार, स्सि, मेतुवा, मेवार ४८३. सङ्खी-शकुल, शकुल मस्य, **अकुची**। ४८४. मह्नला -श्रगन, श्रडज, श्रडभन, काट, गडक, गुरुदेश, जलचर, जनवरी, बत्तक, बत्तकीवन, भस्त, भप, तिमि, दिनक्षमक, पृषुरोमा, भक्य, मकर, मगरी, मक्रो, मक्सो, मच्छो, मस्य, माँछ, माक्,

माञ्चर, माही, मीन, युग्म, विसार, वैसा

दिया, चकुली, शब्कुली, सय, तीम्य ।

अन्ध. रोष्ट्र--राष्ट्र, राष्ट्र, रोहित ।

४८६. चितला--चित्तरी, चित्रल। **४८७. पढ़िना**--पढ़िन, पहिना, पाठीन । ४८८. गिरई-गरई। ४८६. सिघी-शृंगी, सिंगी ! ४६०. फींगा-चिंगड़ी, चिंगरा, फीडा। ४६१. चेल्ह्वा-- चिल, चेल्ह्वा, चेल्हा । ४६२. केकड़ा- कर्क, कर्कट, कर्कटक, कुलीर, केंकड़ा, ककड़ा, गेगटा। ४६३. मेढक --कोक, कनत्तुर, दर्दुर, दादुर, प्लव, बेंग, मेक, मड, मडूक, मेग, मेघा, मेजा, मेद्रक, मेघा, वर्षाभू, शासु, शालुक, शालुर, शालूर, सारग, हार । **४६४ अद्विलाव--** उद, उदविडाल, **अ**द। ४६४. कछुवा--कच्छ, कच्छु, कच्छुप, कच्छुत्रा, क्छुत्रा, कमठ, कूर्म, च, घरगाधर, सगपुश्त। ४६६. जोंक —ग्रस्य, एकेंद्रिय, जलसर्पिणो, जलसूर्यः, जलाका, जलाटनो, जलाग्मिका. जन्तू हा, जलोका, जलोरगो, जलौका, बोक, ताद्यः, प्रालुका, यमनी, वेघना, रक्तपा, प्रशाविधना, पंचन । ५६७. केचुत्रा -- ब्रपट, एकेंद्रिय, किंचुलुक, च्चितिज, राङ्कपद, राङ्कपदी, रोसा, चिङ्कर, शिनी, श्रकीट। ४६८. पर्चा - घडच, श्राक्षशचारी, क्पोत, कीश, कुलग, रवग, रवचर, रवेचर, गगनवर, गरूमान्, बबुभूत, बटक, चिहिया, ।चरई, ।चारस, ।चेरी, चिरैया, चाड़ा, चीरो, ह्युरड, तिर्यक, तिर्यगयोनि, द्विज, द्विजाति, नगोका, नभगामी, नमचर, नभचारी, नभश्चर, नभसगम, नाडोक्स, वली, वहां, वलां, वलीरो, वलेरू, पन्छी, बतंग, पत्रम, पत्रभी पत्रस्य, पत्री, पाँसी, बाजि, विष्करि, विह्ग, विह्गंम, विह्गं, विह्गंम, विह्गं, विह्गंम, विह्गं, विह्गंम, विह्गं, विह्गंम, विह्गं, शकुत, शकुति, शकुति, सकुति, सकुति, सकुति, सारग, सुपर्णं। ४६६. पंख—कुंदा, गकत्, छट, डह्नं, डैना, पंख, पद्धं, पखना, पखौटा, पतत्र, पत्र, पर, पष, पाँख, बाजू।

६०० **उड़ना**—पखाँ से चलना, फ**इफड़ाना** फरफराना, इवा में तैरना।

६०१. चोंच—चनु, चनुका, चचू, चॉच, चोंच, टांट, ढूँग, ठोर, तु इ, तु डि, तुंडी, सृपाटिका ।

६०२. पत्ती का पंजा-चगु, चगुन, पजा। ६०३. श्रंडा--श्रड, श्रडा, कोष, चिंगन, चॅदुशा, डिम्ब, पेशो, पोटा, पोत, श्रवक।

६०४**. घोंसला—**कुलाय, खतीना, खता, **घोसला, नाइ**।

६०४. बच्चा (चिड़ियाका) — ऋर्भक, गेदा, डिंभ, पाक, पोन्ना, पोत, पोतक, पृथुक, शावक, शिशु।

६०६. गरु — श्रमृताहरण, खगराज, खगद्र, खगेश्वर, गरुड, गरुत्मान्, तरस्वी, तार्च्य, तार्च्यनायक, नागातक, पिद्धराज, पिद्धसिंह, पन्नगाशन, भुजगातक, महावीर, बैनतेय, विष्णुरथ, शाल्मली, सुपर्ण, हरिवाहन।

६०७. हंस-कलकट, कलहर, घवलपच, पुरुदंशक, मराल, मानसालय, मानसीक, राजहरू, सरःकाक, सारंग, सितच्छ्रद, सितपद्ध, हम, इंसक, हारण।

६०८. हंस या बतस्त की जाति का एक पत्ती—कारड, कारडव । ६०६. मोर - श्रर्बन, श्रहभन्नो, कलकंठ, कलापी, कुंडली, केकी, केरी, केहा, ताऊस, नागाशन, नीलकंठ, पुद्धार, वरहा, वरही, सुबंगभुज, सुबगमागी, मयूर, मेघनाद, मेघनादानुशासक, मोरवा, वर्हिश, वहीं, लीलकंठ, शतपत्र, शिखडी, शिखाबल, शिख, शिखां, शि'तकंठ, शिवसुतवाहन, सारग, सितापाग, हरि। ६१०. मोर्नी—कलापिनी, मोरिनी, मोरी। ६११. मोर्पुक्छ,—कलाप, केकीशिखा, गुच्छ, गुच्छक, वर्हिचूड़ा, मोर्पुच्छ, शिखड, शिखा, शिखाबल, शिखा, शिखाबल, शिखा, शिखाबल, शिखा,

६१२. मोरपुच्छ का चॉद--र्चदवा, चद्र, चद्रक, चद्रिका, मेचक।

६१३. कोयल — ऋणि, कलकठ, कलरव, कलायी. काकलीख, काटबरी, मामंद्र, कुष्ण, कोइनर, कोकिला, कोकिला, गंधवं, ताम्राच, परपुष्ट, परभृत, पिक, प्रभृत, मस, मदनपाठक, मधुगायन, रक्तकठ, वनित्रय, वसतदूत, वासत, श्यामा. सारग। ६१४. कोयल का बोलना—क्वना, कृकना, पंचम स्वर म गाना।

६१४. पर्पाहा कर्पिजल, चातक, तोकक, नोकक, पिदहा, पर्पाहरा, पपैया, मेघजीवन, शारम, शितिकट मारंग, स्तोकक, स्रोतक, हरि।

६१६. पर्पाहा का <mark>बोलना --</mark>पाक**राँ** पी--कहाँ करन**ा**

६१७. तोता--श्रात्माराम, कीर, कुमार, चिमि, चिमिक, दाहिमाप्रय, प्रिय-दर्शन, मिहु, मियामिह, मेघाबी, रक-तुंड, वकतुंड, शुक्र, सुक्रटा, बुधा, सुक, सुगना, सुग्गा, सुवटा, सुवना, सुवा, सुन्ना, सुक ।

६१८. एक बढ़ा तोता-काकाकीत्रा, काकात्त्रा, त्त्रा।

६१६. तोती--सुकी, सुग्गी।

६२०. हारिल - इरोत, इरिल, इरिल-सुरगा।

६२<mark>१. चकोर</mark>—कोरक, कौमुढोजीवन, चकोरक, चद्रिकाषायो ।

६२२. चकवा कात, काक, कामी, कामुक, कोक, चकई, चकवा, चका, चक, चक वाक चवक, द्वंद्वचारि, निशाचर निश-चर, निश्चित्रों, भूरिप्रेमा, रथाग, राति-विश्लेषगामी।

६२३. गिद्ध — गिद्ध, गिद्धराज, गोध, यघ, गृष्ठ, गृद्ध, जटायू, दान्ताय्य, दूरदर्शन, वज्रतुंड ।

६२४. मैना — कलहप्रिय, कादबरी, गोकि-राटिका, गोकिराटी, गोराटिका, गोराटी, गोरिका, चित्रलेचिना, घड्वा, पातपादा, पूर्ती, मदन, मधुरालापा, मेघाविनी, मैना, शारिका, शाला, श्यालक, सारिक, सारिका, सारी, साला।

६२४. बाज-क्पोतारि, करग, कुइ!, क्रव्याद, कूर, खगातक, बाहक, घातिपचा, तुरमतो, नालिपच्छ, पचा, पत्रज्ञीक, पत्री, गोवच्छवाण, बाज, बेगां, भयकर, रखपत्री, रखिय, लम्बकर्ण, शशघातक, शशाद, शशादन, सारंग, सिचान, स्थूलनील। ६२६. क्रींच-कराँकुल, कुरर, कुरग, कूंब, कौंच, गगनमेक। ६२७. भरदूल-किपजल, कोरक, भरत,

भरदूल, भग्द्राच, भरद्वाचक, भर्ड, भर्डो, लवा, लाव, न्याबाट ।

६२८. बुलबुल-कारसंपिक, श्यामा ।

६२६ तीतर -किंग्बल, कुक्कुम, बागल, नित्तरि, तातर, तीतल, तीतिर, तैत्तिर, याजुषोदर।

६३०. बटेर-- बटरी, बटेर, वर्तका, वर्त्तिक, वर्त्तिका ।

६३१ टिटह्री-—ऋष्टपटी, उत्कोश, कुरर, कुररी, कुरल, कौंच, खरशब्द, टॉड्रो, टिटिह्री, टिटिह, टिट्टिभ, टिड्डा, पंक्तिचर, रॉटा, शरभ, शलभ, सरह।

६३२. टिटहरा—टिटहरा, टिटिह, ^{टि}टाटहा, टिटिम ।

६३२. कबूतर—कपोत, कलकड, बलस, कामी, गृहकपोत, गृहकुककुट, खेब, पहुक, पाडर, पानपत, पारावत, परेवा, रकलाचन।

६३४. कबूतरी -- कपोती, परेई।

६३४. कबूतर की कुछ प्रसिद्ध जातियाँ- श्रांतावरी, कहा, गिरहवाज, गुलदार!

६३६. **रुहआ - कोटू, ककरेटु, को**डिला, रुहाँ, रुखा।

६३७. रुरुए का बोलना---ररना।

६३⊏. गोरै**या**—कलर्बिंग, कलाविकल, कामचारी, कामुक, कालकठक, गृहनी**इ.** चटक, ¹चत्रपृष्ठ ।

६३६. गौरा -कविज्ञतः कामी, कुलग, चिद्या

६४०. सारम् — श्रभोध, कामी, गीनदः नाकुर, पुष्कर, पुष्कराष्ट्र, रावक, लक्ष्य, लद्मणा, सरसीक, सरोन्सव, सरोद्भव, सारिस

६४१. काला सारस-कर्कट।

६४२. मादा सारस—लद्मण, लक्षमन, सारसी, सारिसी।

६४३. बत्तस्त्र-कलहंम, कादम्ब, कारंडव, प्रव, बत्तक, बत्तख।

६४४. मुर्ती — श्रवणचूड, श्रवणशिखा, करंज, कुंभकार, कुक्कुट, कुलंग, कुलाल, तमचुर, तमचोर, तामचूड, निशाकर, बरही, शिखंडी, शिखी।

६४४. मुर्गा--श्रव्यशिला, उषाकर, करंज, कालज्ञ, काइल, कुक्कुट, कुक्कुड, कुलंग, कृकवाकु, चरणायुष, ताम्रचूड, दच, नखुरायुष, वियोद्धा, मामनादा, रात्रिवेद, वृताच्च।

१४६. सुरी का बोलना — कुकुक्डू करना, बॉग देना।

६४७. मुर्सी का बच्चा—चिंगना, चूजा। ६४८ बनमुर्सी-कुकरी, कुकुरी, बनकुक्कुट। ६४६. चील—श्रकाशी, श्रकारी, श्रातापी, श्रातायी, चिल्ल, चील्ह, पिल्ल, शकुनि। ६४०. बगुला—खर, पॉड्डर, बक, बकुला, बग, बगा, बगला, बगुला, बलाका, बलाल, बिसकंठिका।

६४१ बगुली-वकुली, बलाका।

६४२. उल्लू — श्रघ, श्रघ्वा, उद्दा, उत्तूक, उल्लू, उल्लूक, काकभीर, काकरक, काकारि, कुलाल, कुशि, कौशिक, खूसट, बुग्यू, धूक, घारदर्शन, चुग्रद, तमचर, तामस, दिवाघ, नक्चर, निशाचर, निशाचर, विशाय, निसाचारी, निस्चर, पिगल, ऐचक, पेचा, यामिनीचर, लद्द्मीवाहन, वक्रनसिक, शतमस्य, शतमन्यु।

६४३. उल्लू का बोलना — गूँ गूँ करना। ६४४. की आ — श्रात्मघोष, श्रदष्ट, श्रल, एकनयन, एकनैन, एकाच, कटलादक, करट, करटक, काक, काग, कागा, काच, कौवा, कौशाकार, कृष्ण, खर, गाढ़मैथुन, प्रामीण; चंडाल पची, चलाचल, चिरंजीवां, टेढ़, दीर्घायु, धूलिजंध, ध्याश, नगौक, नागवीरक, पिशुन, बल-पुच्छक, बालपुष्ट, बलिमुक, वायस, प्रद्या तमोल, मुखर, रतज्वर, वायस, वक, श्रावक, सकुत्प्रज, सूचक।

६<mark>४४. कीवे का बोलना—कॉव कॉव</mark> करना।

६४६. डोमकीवा--काकोल, कालकटक, डामकउन्ना, डोमकौन्ना, द्रोख, द्रोखकाक। ६४७. नीलक ठ - कलकट, किकीदिव, किकोदिवी, चाष, चास, लोलकंट। ६४८. सोहन सेन चिड़िया--श्रोकार, सोहन।

६४६. कठफोड़िया —कठफोड़िया, कठफोरा, कठफोरिया, दावांधाट, ग्रतपत्रक ।

६६० पंडुक —कपोती, कुमरो, पंडुक, परेवा, पाडु, पारावत, विंडुक, पेंड्की, परावता, फाक्ता।

६६१. पंडुकी—पंडुकी, परेई, पंडकी। ६६२. चाहा—चाता, चाष, नीलकंठ। ६६२. खड़रिच—कणाटारक, कणाटान, कणाटीर, कलकंट, काकच्छ्रद, काकक्रीई, खब, खबलेट, खंबलेल, खबन, खंबराट, खंडरिच, खड़िच्च, गूटनाइ, चर, तडक, तातन, नीजकठ, भद्रनामा, मुनिपुभक, रत्ननिषि, सारंग। ६६४. खाडी—श्राटी, श्राटी, श्राही, श्राटी, शराही, श्राती, श्राली। ६६४. सुजगा—कर्लिंग, धूम्याट, नौना, सुजगा, भृग।

६६६. महोख — मध्क, महोक, महोका। ६६७. कुछ प्रसिद्ध पद्मी — ऋगिन, अनलपद्म, अवलखा, अवाबील, कठफोड्वा, किलिंग, किलहरी, कुमरी, कुछ, कौड़िया, खहरिच, खैर, गलागल, गुइस, ग्वालिन, चंहल, चमाइन, चस्ख, चान, चितरील, चील, चील्ह, चौचा, टांना, घनेस, धूती, घोबिन, घौरो, पंडुक, पवई, फुलचूही, बरई, बटेर, वया, बुलबुन, वेसरा, मरदून, भुचेग, मछरंगा, मल्क, लवा, लाल, लावक, शार्दल, श्यामा, सुसा, सोहन, हुदहुद।

६६≒. फर्तिगा—कीटपतंग, पनग, पतत, किनग, भुनगा।

६६६. टिड्डा-—श्रॅबफुटा, श्रॉबफुटा, टिड्डा पनंग, फर्तिगा, शलभः

५७०. शत्मभ-दीपपतंग, पस्ती, पतंग, पतंगा, पतिंगा, परवाना, पाँखी, पातंगा, वोका, फनगा, फनिंग, फरफु दो, शलभ, सरह।

६७१. जुगन्-उपस्टर्गक, खज्योति, खबात, खुगन्, खुगुन्, ज्योतिरिंग, ज्योति-रिगस, तमोमणि, टिहबंधु, निमेषक, पटविश्वना, प्रभाकाट, मगजोगनी, क्षान-किरवा।

६७२. सक्खी-अमृतोत्पन्ना, नोला, पतिगका पांचका, पतंकवा, मंम, मक्खी, मखी, मखिका, मगस, मञ्झी, मांखी, माचिका, माखी, वमनीया, वर्वणा।

६७३. तितली — तितिली, तितुरी।
६७४. मिनकना — भिनभिन करना, भिन,
भिनाना।
६७४. मधुमक्ली — भौर, मछोइ, मधुमक्ली
मधुमिक्का, शहद को मालो सरघा।
६७६. मच्छुड़ — श्रागाग, उष्मब इस,
इस, दंश, मच्छुड़, मच्छुग, भरा, मशक,
मसक, मसा, माछुर, वश्रुत ड, वनमिक्का,
स्त्ममिक्का, स्न्यास्य।
६७७. भौरा — श्रीलंद, श्रील, श्रला,
इदिदिर, कालालाप, लटपद, खटपदी,
गधमादन, चंचरी, चंचरोक, दिज,

इंदिदिर, कालालाप, खटपद, खटपदी, गबमादन, चंचरी, चंचरोक, दिंब, द्विरेफ, पुष्पकीट, पुष्टलिट्, भवॅर, भसर, अमर, अमरी, भौर, भौर, भृग, भृगराज मदन, मधुकर, मधुक्तन, मधुप, मधुपर, मधुमारक, मधुगाज, मधुलिट, मधुलें:खुप, मधुवामन, मधुनत, मधुस्टन, मिलेंद, रेणुवास, लंब, शिलीमुख, घदपद, घटपदी, सारंग, मिलिद सुकाडी।

ষ

१ बनस्पति — नेड पीचे, प्रकृति, बनास्पती ।

२. पेड़ - ऋग, ऋगळ, ऋगम, ऋनोक्ड,
ऋगम, इकपद, उद्भिट्ज, उद्भिट, कुज,
कुट, ख्वान्डह, गाळ, छुड़ो, तह, दरखत,
दरदन, दला, दू हुम, नग, पत्री, पलाशी,
गादप, पेड़, फना, फेड़, बिरळ, बिरवा,
ग्वारेख, विरेळ, बारो, बूट, मह ज, मह हु,
वटप, विटपी, बूच, बुन्ह, हुल, हुलहा,
शाखो, शाल, श्रुमी सुख्याल, हियर।

३. बंभा - अफन, अवकेशी, फलहोन,
बम्ह, बाँम, बमा बम्बा।

४. **थाला** — श्रालवाल, थहला, दलहा ।

४. पौधा — द्भुष, पेइ, पौधा, लघुनृद्ध, शिफ।

 स्ताबौर—उल्प, गुल्मिनी, प्रतान, बल्लरी, बल्ली, लता, लताबौर, वीर्ष्य, बतति।

७. लता—बंवर, बल्लरी, बल्ली, बेल, बौर, लतर, लता, लिनका, बृतती, बति ।
८. पार्क—तेवन, नज़रबाग, पाईबाग, पारक, फूलबाग ।

ध. उद्यान—श्राकोहा, श्राराम, उदायन, उदायन, उपवन, कृतारण्य, कृत्रिमवन, गुलायन, गुलायनाड़ी, गुलिस्तॉ, चमन, चारवाग्र, चित्रविपिन, निष्कुट, पुष्पवाटिका, पुष्पोद्यान, फुलवाई. फुलवारी, विगया, वगीचा, वगीची, बटो, बनो, वाग्र, वारी, वागीवा, वाटिका, ।

१०. **बनभूमि** बनभू, बनस्थली, बन भूमि, बनस्थली ।

११. जंगल—श्रटनो, श्ररएय. श्ररन, श्रारन, कच्यक, कच्छ, कातर, कातार, काटिका, कानन, कुंटिलयार्च, कुपथ, गहन, गह्वर, घन, बंगल, भाइखड, दुर्गम, दव, दाव, दुर्गमपथ, बन, रन, वन, वनो, विपिन, सान्।

१२. महाबन — ऋरखयानी, महाटवी, महारख्य, महावन ।

१३. मूल-श्रिघ, जटा, जह, जर, पाल, मूर, मूल, शिफा, सोर. सोइ।

१४. तनाः डठल, तना, घड, पिंड, पेडी, स्थागुः।

१४. कोटर—कोडर, कोड्र, खॉद्दरा, स्वंद्रा, निष्कुर, निष्कुद्द । १६. शास्त्रा—काढ, डठल, डंठी, डडी, डॉटी, डाल, डाली, शास्त्रा, सास्त्रा, स्कघ, दे० 'टइनी'।

१७ टहनी--उपशासा, टहना, टहनी, डाली, प्रशासा, वृंत ।

१८. काठ – काठ, काष्ट्र, काष्ठ, दाह, दारू, लकड़ो, शंकु, स्थाग्रु ।

१६. बरोह-बटा, बरोह, शिफा ।

२०. बल्कल-श्रोलक, छल्ली, छाल, छिलका, चोच, चोलक, त्वक, त्वचा, बकला, बोकला. बल्क, बल्कल, बाकल, शल्क।

२१. पत्ता— किसलय, छद, छदन, ८स, पतत्र, पत्ता, पत्ती, पत्र, पर्गा, पलास, पल्लव, पात, पाता, पाति, पाती, पात्र, पान, विटपाभरण, विम्ल।

२२. नई निकली हुई पत्ती—कनका, कल्ला. किशलय, कॉपल, गाभ, गामा, पल्लव, पीका।

२३. पल्लव--किशलय, किसल, किस**लब,** नवपत्र, पल्लव, प्रवाल, बल ।

२४ अंकुर— श्रदुर, अंकुश्रा, श्रंखुश्रा, श्रॅगुसा, श्राँख, बनखा, बल्सा, कली, केडा, कोपल, गाम, जई, डाम, नश्रोद भिद, प्ररोह, प्रवाह।

२४. काटा—कंटक, काट, काटा, **ला**र, **गू**ल।

२६. कॉपल — श्रकुर, कनला, किशसय, किसलय, कॉपल, गोफा, पलहा, पीका।
२७. कली-— श्ररफुटित पुष्प, किसका, कुड्मल, कोरक, बालक, मुकुल, मुकुलित।
२८. मंजरी-— पृष्पिल, वाल, बाली, बीर, बीर, मजरी।

२६. फूल-दे॰ 'फूल'।

३०. गुच्**छा**—गुच्छ, गुच्छक, गु**लुच्छ**, स्तनक।

३१. इतिमी - इतिमी, फली, बौड़ी, शिबी। ३२. बीज - दाना, विय, विया, बीज, बीजा, बीया, बीर्य्य।

३३. गोंद- खपुर, गोंद, गोन, नियसि, मण्डा, लश, लासा सार।

३४. कटीला गोंद---श्रंगिरस, कटोला-गोंड, कतीरा।

३४. आम- श्रितसौरम, श्रमृत, श्रमृत-फल, श्रम्, श्रिलिप्रिय, श्राम, श्राम्न, कामवल्लम, कामशर, कामाग, कोरेष्ट, केशवायुध, कोषी, गघबधु, चूत, चूतक नूत, पिकप्रिय, पिकवधु, पिकवल्लम, प्रियाम्ब, फलभेष्ठ, भृगाभीष्ट, मदाङ्य, मदिरासल, मन्मथावास, माकद, मृपालक, मोदाख्य, रसाल, वसन्तद्र, शरेष्ट, शुक्रिय, सहकार, सुगंधि, सुमदन, सौरम।

३६ जाम (कलमी)—श्राम, श्राम्रात, कामाह, कामेष्ट, कोकिलानंद, कोकिलान्सय, टंक, नृपवल्लभ, मधुर, राजपुत्रक, राज-फल, राजाम, स्मराम्न।

३७. कंक (एक अच्छा श्राम) - कंक, तफेदा।

रेन, टिकोरा (आम)— अविया, श्राभी, केरी, केरी ।

३६. धमक्द - अमरुत, धमरुद, अमृत, अमरुद, अमृत, अमृतफल, आम-विही, तुवर, पोतफल, पृथक्त क, पेक क, पेक फल, प्यारा, विही, मधुराम्लक, मांवल, मृतुफल, लताम, वाह, सफरी, सफरी लाल, सफरी सफेट।

४०. जासुन (छोटी)—जंबुल, जंबुफल, जंबू, जासुन, नीलफला, महास्कंचा, मेच-मेदिनी, राजफला, राजाही, शुक्रिया, ₹यामला।

४१. जामुन (बड़ी '—कोकिलेष्टा, बंबुल, जंबू, जामुन, नंद, फरेदा, फलेद्र, महाबंबू, महान'ला, महापत्रा, महाफला, महास्कंधा, मेधमेदिनी, वृहत्फला, शुकप्रिया, स्रिम-प्रिया, स्वर्णमाना।

प्रह्न. चैर--ग्रजानिया, उभयकटक, कटकी. कर्वेधु, कर्केधू, कुकोला, कुबला, कुबल, कुह, कोकिल, कोल, कोल, गृदफल, गृप्रनखों, गोपन टा, घोटा, हटबीज, विच्छला, फनशेशिर, फेनिल, बहर, बटर, बादिर, बालेष्ट, बेर, वेर, वककटक, श्रमाल-केलि, सुफल, सुरस, मौर, सौबोर, सौबोरक स्वच्छ ।

४३. महुबा - गुडपुष्प, डोलाफ्ल, तीन्स मार, मधु, मधुक, मधुवर मधुवृद्ध, मधु-ष्ठीस, मधुखव, मधूक, मध्वत, महाद्रुम, महुका, नाघव, रोध्रपुष्प, वानप्रस्थ।

४४. श्रोबला— श्रक्स. श्रमृतफल, श्रमृत-फला, श्रमृता, श्राँवला, श्रामलक, श्राम-लका, श्रामला, श्रीरा, कर्षकला, कायस्था, बाताफल, तिष्यफना, तिष्या, धात्रिका, धात्री, धात्रफत, पचरसा, बहुफला, रोचनी, वयस्था, कृत्रफला, श्राता, शिव, शिवा, भोफल, भोफली, सदाफल।

४४. श्रामडा - ग्रंबरातक, ग्रंबरीय, श्रथ्य-गभोग्य, ग्रमरा, ग्रम्रवाटिका, श्रामझ, श्रामला, ग्राम्रात, श्राम्रातक, कविचूह, कविचृत, तनुद्योर, तनुद्योरी, तुंगी, वीतन, पोतनक, भृंगीकल, मर्कटाम्न, रक्षका, वर्षपाकी।

४६ इमली — अत्यम्ला, अम्ल, अम्लिका, आमी, आम्लिका, इमिली, गुरुपत्रा,चरित्रा, चारित्रा, चिचका, चिचा, चुका, तितिका, तितिका, तितिका, तितिकी, तितिकी, तितिकी, दंतराठा, पिक्तिपत्रा, पिछिला, भुक्ता, वृद्धाम्ल, शाकचुकिका, सुचिकका, सुतितिकी।

४७. कमरख—कमरख, कर्मरग, कर्मर, कर्मर, कर्मर, कर्मरक, कर्मरक, क्रमरि, कर्मरिक, कारुक, घाराफल, पीतफल, मुगद्र, रुजाकर, वृहछ्ल।

४८. करींदा — श्राविम, श्राविम, कटकी, करमर्द, करमर्दक, करमर्दी, करामर्द, कराम्ब्रक, कराम्लक, क्रष्णपाक, क्रष्णपाक कल, क्रष्णपाक, चीरफल. चीरफल. चीरो, गुच्छी, जातिपुष्प, डिडिम. पाककृष्ण, पाकफल, पाणिमर्द, फलकृष्ण, बहुदल, बोल, वनालक, वनालय, वश, सुपुष्प, सुषेण।

४६. कटहल-श्रितवृहत्पल, श्रपुष्प, श्रपुष्प-फलट, श्राश्य, कंटकीफल, कंटफल, कंटा-काल, कटाफल, कटहर, कटहल, कठैल, चंपकालु, चंपाकीष, चपालु, पनम, पलम, पानस, पूतफल, फण्स, फलद, फलवृत्तक, फिलन, महासर्ज, मुरजफल, मूलफलट, मृदंगफल. स्थूल।

४०. बड्ह्ल-श्रम्लक, एरावन, कवर्या. कार्र्य, चुद्रपनस, प्रयिमक्तल, इहु, हट्-वल्कल, निकुच, बढ्द, बढ्हल, लकच, लकुच, शाल, श्रूर, म्थूलस्कध।

४१. गूसर—ग्रनानी, त्रपुष्पस्त, त्रसुमा, उद्दंबर, उदुंबर, कालस्कंब, कुष्टब्नी, कृमिकंट, कृमिकटक, खीरवृद्ध, खीरी, खरपत्रिका, गूलर, जंद्रफल, पाखिमुख, पुष्पशून्य, पुष्पश्चीना, फलगुनी, फलगुवाटिका ब्रह्मवृद्ध, मलयु, यश्रफल, यश्रयीश, यश्रसार, यशाग, यश्रय, यश्रीहम्बर, राजिका, शीत-फल, शीतवलक, शीतवल्लक, श्वीतवल्लक, स्वीप्य, सेमदुग्ध, हमदुग्ध, हमदुग्ध, हमदुग्ध, हमदुग्ध, हमदुग्ध, हमदुग्ध, हमदुग्ध,

४२ बेल — त्रांतिमगल्या, अधरारुइ, कट काट्य, कपीतन, कर्कटाइ, गधपत्र, गधफल, गोहरीतकी, त्रीपत्र, तिशाखपत्र, त्रिशिख, दुराइइ, नीलमालेलका, पत्रअंद्र, पातफल, पूर्तिवास, बिल्व, बेल, मगल्य, महाकपित्य, महाफल, मालूर, लद्माफल, शलादु, शल्य, शांडिल्य, शिवद्रम, शिवफल, शिवष्ट, शैलपत्र, शेलफन, शेलूष, भोफल, सत्यफल, सदाफल, समीरसार, सितानन, सिरफल, सुनोतिक, सोमहरोतकां, हृद्यगथ।

५३. स्विरनी—कपीष्ट, चीरहच, चीरखुक्रा, चीरका, चीरी, खिजी, खिरणी, खिरनी, खोरी गुण्छकन, इद्देस्कथ, निम्बरीय, नृपद्रुम, कलाध्यच, भूपेट मधुकत, माधवीद्भव, राजन्या, राजकल, राजादन, श्रीकल।

४४. कैथ — ग्रद्धसस्य, कहत. कहत्य, किरात्य, किरात्य, किरात्य, किरात्य, किरात्य, किरात्य, किराह, किरा

मिल्लका, पुष्यक्रल, मंगल्य, मन्मथ, मालूर, मिल्लका।

४४. तिसोडा (छोटा)—निसोरा, भूकर्तु-दार, भूरोख, मधुभूतद्रुम, लघुपिच्छिल, लघुर्शेख, लघुशीत, लघुरलेष्माातक, लमेरा, लिसोडा, लिसोदां, लिसोरा, स्ट्मफल।

४६. लिसोडा (बडा)—उञ्जाल, उञ्जालक, कबुदार, कबुदारक, गघपुष्प, दिबञ्जन्सित, पिच्छिल, बहुवारक, बहुवारक, भृतद्रुम, भृतवृद्ध, भूशोछ, लिसोझा, लेग्वशाटक, शाकट, शापित, शोतक, शोछ, शैछु श्लेष्मात, श्लेष्मातक मेलु।

४७. पपीता—महाएरह, महापचागुल, रथूलएरं ह ।

४८. शर्राफा --श्रक्षिमाख्य, कृष्णवीब, गडगात्र, बहुबीजक, वैदेहावल्लभ, श्रीफल, चदाफल, नर्राफा, चीताफल !

४६ खजूर--कषायोः स्वरस्कवाः, सर्जूः, सर्वारकाः, दुष्प्रचर्याः, निःभ्रेगीः, पिंड-सर्जूगिकाः, पिंडस्वर्जूरोः, फलपुष्पाः फल-मुद्गरिकाः, मधुस्रवाः, राज्जब्रुः सर्पिडाः, स्वादुपिंडः, हयभद्धाः, इरिधियाः।

६० नारियस-- उच्चतक, करकाभा, कृच शोर्षक, कूचेशेषर, कौशाक्षप्रल, खोपगा, बटापल, खुग, तृख्याक, तोपगर्भ, हटफल, नाह्निकर, नाड़ीकेल, नारकेर, नारिकेर, नारिकेल, नीलतक, पयोधर, फलकेश्वर फलमुड, मंगल्य, महाफल, मुडफल, मृश्कुख, रसपल, बाँगजी वरपल, बिश्व मित्रिय, शिरापल, भापल, खदापल, खुरंग, सुमग, स्वंधतक, स्वच्यक्त। ६१. लीची--नउँबी, न्योबी, खिक्चो। ६२. त्रात्वा-त्रालूचा, गर्दाल्, बदाम, मोटिया, मोटिया बादाम।

६३. फालसा—श्रल्पारिय, गिरिपीलु, घन्वनच्छ्रद, नागदलोपम, नोलचर्म, नोल-मंडल, परापर, परवत, परचक, परुषा, फलसा, मृदुफल।

६४. शहत्त् — कमुक, त्त, त्र, त्ल, नीलरंगक. नीलवृतक, त्र, पलाशिका, प्रा, प्प, ब्रह्मप्य, ब्रह्मकारु, ब्रह्मचेष्ट, ब्रह्मदार, मटसार, मृदुसार, युप, विप्रकल्ठ, महत्त. सुपुष्प, स्रव्य, ।

६४ बरगद — अवरोही, कर्मंब. स्रीरी, बटाल, बटिल, बटी, अुव, नंदी, नील, न्यप्रोप, पटीर, पाटरोह्ण, बट, बहु, बर बरगत, बरगट, बहुपाद, भाडारी, भाडीर, भृंगी, मडली, महस्द्राय, महास्त्राय यस्तन्य, यस्तावास, यमप्रिय, रक-फला, रोहिण, बट, वनस्पति, वरगट, विटवी, ब्रुजनाय, बृहत्पाद, वैअवस्रोदय, शिकाहह, श्रुणी, स्कष्ठह ।

६६. पीपल — श्रञ्युतावास, श्रश्वत्य, कपः तन, कुंजगरान, केशवालय, चीरद्रम, गमभक्तक, गजाशन, गुझपुष्प, चलदल, चलपत्र, चैत्यद्र, चैत्यवृच, तावास, देवातमः धनुवृच, पनुवृच, नागमधु, पवि-त्रक, अत्र, पप्पल, पीपर, बोधिहुम, प्रगत्या पदाद्रम, प्रायस्य, याहिक, वास-देव, वासुदेव, विश्व, शुचिदुम, शुभव, श्यामल, भीमान्, सत्य, सेव्य।

इ.ज. पाकड्--- प्रश्वत्थी, कदराहु, कपोतन, कमडहुतक, कपेरी, झीरा. गर्दमांड, चाक-दर्शिनो, बटा, इटप्ररोह, पक्की, पर्कटी, पर्कटी, पाकड, पाकडी, पाकर, पासर, पिपरी, पिलखन, स्रचा, स्रवंग, स्रवक, स्रोचा, महाबला, वटा, वरोहरााखी, श्ट गी, सुपार्श्व ।

६८. अशोक-श्रगनाप्रिय, अपशोक, श्रशोक, श्रशोग, श्रसोक, कफेलि, कर्यापूर, कर्या-पूरक, काँताचरणदोहद, वे क्लि, चक्रगुच्छ, चित्र, ताम्रपल्लव, द्रम, दोषहारी, दोहली, दोहलीक, नट, पल्लद्र, पल्लवद्रुम, पिंड-पुष्पक, पिडी, पुष्प, बजुन, बजुलद्रुम, मधुपुष्प, रक्तपल्लन, रागपल्लव, राम, रामा, रोगितर, वामाधिधानन, विचित्र, विशोक, वेलिक, शोबनाशक, शोकइर्त्ता, सुभग, स्मराधिवास, हेमपुष्य, हेमपुष्पक । ६६. साइ-- ब्रासबद्द, गुन्छात्र, चिरायु, तरकुल, तकगान, ताह, जालदुम, तृखराज, दोर्घवत्र, दोघपादण, दोघम्कघ, ध्वजद्रुम, पत्रो, मदाक्य, मधुरस, महांबत, लेख्यपत्र । ७०. नोम —श्चारेष्ट, कोटक, कीरेष्ट, कैटर्य, चुर्दन, निव, निवन, नियमन, निर्यास, नीम, नीम्ब, नीम्बन, नीब, नेता, पक्वकृत, पारिभद्रक, पिचुमद, प तसार, पीतसारक, पूकमालक, मालक, रविष्यय, राजभद्रक, बरस्व , विवध, विशार्णपर्ण, शीर्षपर्यी, शुकाप्रय, सर्वतोभद्र, सुभद्र । ७१. धव --कषाय, गौर, घट, इदतर, धव, चवल, बावा, धुरधर, व , घौ, नन्दितह, पांडुतर, पांडुर, पिशाचवृत्त्व, पीतफल, मधुरत्वक् , शकटाख्य, शुष्कवृत्त, शुष्काग, स्थिर ।

७२. पक्षास--करक, काकरिया, काछह्र, किंशुक, कृमिष्त, केमू, चारश्रेष्ट. टेसू, टाक, त्रियत्रक, घारा, पखा, पलाश, पलाशक, पूतह्र, बातपीथ, बीबस्तेह, ब्रह्मवृद्ध, ब्रह्मो- पनेता, याशिक, रक्तपुष्पक, वक्रपुष्पक, समद्विर,ृसुपर्या।

७३. बबूल—कटकी, कटाळु, कफांतक, क्षायक, किंकिरात, कीकर, गोश्रंब, तीच्याकटक, हटाकहं, पीतक, पीतपुष्प, बबूर, बब्बूल, मालाफल, युक्तकंट, सुद्धमपत्र, स्वर्णपुष्य।

७४. करील — उष्णसुंदर, कटुफल, करिर, करीर, कृशशास, ककच, ककर, गूद-पत्र, प्रथिल, तीस्याकटक, तीस्यासार, निष्पत्र, निष्पत्रिका, मस्भूब्ह, मृहुफल, विदाहिक, विष्वक्पत्र, शतकुत, शाक्युष्प, सुफल।

७४. शाल--श्रमिवल्लभ, श्रजकर्णक, श्रश्वकर्णक, श्रश्वकर्णक, श्रश्वकर्णक, श्रश्वकर्णका, अश्वकर्णिका, उपमेत, कल, कथापी, कुश्चिव, चीरम्बं, जरणद्रम, जलदाशन, जलदासन, ताद्र्यप्रसव, दिव्यसार, दं र्पपर्णा, दीघंशाल, धन्य, बल्लीवृत्त, बस्तकर्ण, यद्यधूप, रालकार्य, ललन, वश, शकुवक, शकुव्य, शर्यशम्बर, श्रूर, सखुश्चा, सर्ज, सर्वकाय, सर्वरस, सम्यसम्बर, साखू, साल, सिद्धक, सुरेष्टक!

७६. शीशम - अगुर, अगुर्वशिशिषा,
किपला, किपलादा. कालानु, कृष्णस्या,
तीब्रधूमका, धारा, धृष्मकावीरा, पिच्छला,
पिपला, पीता, भरमगर्भा, युगपत्रिका,
युग्मपात्रका, शिशम, शानम, श्यामा।
७७. सिरस — उद्दानक, कपीतन, कर्चपूर,
किलग, अवग, भिडक, भीडर, भीडत,
भंडी, भंडील, मधुपुष्प, मूद्यं पुष्प, लोमकपुष्पक, वर्षपुष्प, विश्ववातो, वृश्वपुष्प,
शिखनीफल, शिरीष, शीतपुष्प, शुक्तक,

ग्रुकपुष्प, शुक्किया, श्यामल, श्यामवर्ण, खिरस, सिरीस, स्वर्णपुष्पक।

७५. रामी—ईशानी, इष्टा, कचिरपुफला, केशमथनी, केशहंत्री, ख्रांकर, ख्रोंकर, ख्रांकर, ख्रांकर, तपनतपना, तुंगा, दुरितदमनो, पवित्रा, पापश्यमनी, भद्रा, मंगल्या, मेध्या, लच्मी, बद्धिगर्भा, शकरा, शकुफालिका, शकुफलो, शम', शाता, शिवा, शुभकरो, शुभदा, श्याममुंदर, मकुफ नी, मफेदकीकर, समी, समीर, समुद्रा, सुखदा, मुपत्रा, सुरिंभ, हिमोंशा।

अध्याल — अमृतद्भुष, काल स्कघ, तम, तमा, तमाल, तापिंच, तापित्य, नील ध्वच, नीलताल; महाबला, लाकस्कघ, श्याम-तमाल।

प०. बाँस - कटको, कटालु, कमठ, कर्मार, किलाटी, किन्कुपर्गा, कीचक, कुझिरझ, तृथाकेतुक, तृथाध्वज, तेजन, त्वक्सार, स्विसार, दुराबह, हद्दकाड, हद्दपत्र, बनुर्द्रुम, धानुष्य, पर्वयोगि, पुष्पधानी, वश, बंस, बाँस, महक्त, महत्युवीय, यक्फल, वश, वांस, वन्न, वादनीय, वृद्ध-पूष, वेशा, धानपवा, घटपदालय।

पर्. खेर (पेड)—कंटकी, कर्कटी, खादर, खरापत्री, कीर, गायत्री, बिझशस्य, दत बाबन, निकसारा, बहुशस्य, बालतन्य, बासपत्र, बालपुत्र, यांत्रक, रक्तश्रार ।

पर. भोजपत्र (पेड्) - चर्मी, छत्रपत्र, खद्रपत्र, पश्चपत्र, पश्चकी, बहुपट, बहु-बह्नक, भूर्ब, भूर्श्वत्र, मुज, मृहुत्वक, बह्नक, निचादल, बिंदुपत्र, शिव, बुचर्मा. स्थित्वहरू ।

वरे. गं भारो -कारमरी, गमार, गभारी।

पठ सागीन श्रातिपत्र, श्रातिपत्रक, श्रानिल, श्राकु नोपम, श्राणं, ककचपत्र, सरपत्र, गधसार, गृहदुम, द्वारदाक, श्रुवसाधन, महापत्र, महोकह, योगी, शाकतक, भेष्ठ-काष्ठ, सागवन, सागीन, स्थिरक, स्थिरसार, हलीमक।

प्तरे. रीठा - श्रिरष्ट, श्रिरष्टक, श्रियंसाधन, कुंभवीजक, कृष्णवर्ण, गर्भपातन, गुच्छ-फन, पीतफन, प्रकंथ, फेनिस, मागस्य, रिट्टो, रोठा, सोमवक्कतः

प्तरः ऋर्जुन --ऋर्जुन, ककुभ, किरोट, कोइ, कौइ, घन बय, घन्त्री, पाडव, पार्थ, फाल्गुन, वार, वीरवृद्ध।

२५. देवदारु - तारपीन, देवदार, देवदार ।

नहः सुदर्शन --चक्रागी, चक्राह्या, दथ्यानी,
मधुपर्शिका, कृषकर्णी, सुदर्शन, सोमबल्ली।
ह०. विजयसार — असन, असना, आसना,
नोलक, प'तसार, पीतसाल, पीतसालक,
प्रियक, वधूकपुष्प, महासर्ज, वीषक, वेजकृत, सीरि।

६१. पपिंड्या खेर (पेड्र) - कटर, द्विज प्रय, नेमिन्नच्च, पपिंड्या खेर, बझ-शल्य. महावृद्ध, श्यामशार, श्वेतसार, सफेट खेर, सोमवृद्ध, सोमसार।

६२. बेस-- ग्रभपुष्यक, कलन, गंधपुष्पक, तोयकाम, रीर्घपयक, नम्न, निचुल, नीर-प्रिय, बजुल, बेत, बेसस, बेतसी सता, मंजरी, वत्र।

६३. बनभाउ--माऊ, बनभाऊ, खरो ।

६४. द्वातवन — द्वतनन, तरायोरा, सत-पतिया, सप्तपर्या। ६४. चॅंकोल-ग्रंकोट, ग्रॅंकोल, श्रकोल, श्रंकोलक, ग्रॅंकोला, ढेरा।

६६. बजरबट्ट — नजरबट्ट, नजबटा, नट्ट! १७ सेंदुँड — कांडरोहक, कांडशाख, कृष्ण- सार, गुड़, गुड़ा, गुड़ी, गुला, थूहर, दंडवृद्ध हे, नागद्र, नेत्रारि, निर्क्षिशपित्रका, बहुद्गिनका, बहुशाल, महावृत्त, नज्ज, वज्जकटक, नजद्र, नजा, शाखाकट, शोहुँडा, समंतदुग्धा, सुधा, स्नुषा, स्नुहा, स्नुही।

६८. नागफन्नी—नकफजी, नगफजी, नाग-फनी, नागफजी।

ध्धः गूम — कंभा, खार, गुम्मा, गूम, गूमा, जालो, जटाधारी, भाइ, द्रोणपुष्पी।
१००. सदार — अकवन, अकाव, अकौआ, अकोवा, अकं, अर्यमा, अहर्यपि, अहर्मिण, अहर्वाधव, आक, आस्पोत, उष्णरश्मि, खोरकाडक, खोरदल, खोरपर्णी, खाराग, खोरी, खार्जूभ, गण्रूप, प्रह्मित, जभल, त्लकल, दिवाका, पुच्छी, प्रताप, प्रभाकर, मारकर, मदार, मदार, वसुक, विकर्चन, विकोरण, विभाकर, विवस्वान, शांतपुष्पक, सुक्कल, सदापुष्प, स्नु, सूर्य, सूर्याह, हरिदश्व, हिमराती।

१०१. सरकंडा — सरई, सरकडा, सम्फोका, सिरको ।

१०२ सास्त्री—सास्त्री, साल।

१०३ तून-दुन, त्न, शल।

१०४. लोध-(पेड), लोध, लोध।

िथ. सोनापाठ---(नहा पेड्), सोनपाठा, सोनापाठा।

१०६. श्रीवल्खी—श्रम्ला, कटवल्ली, कटु-फला, दुरारोइ, शिवल्ली, श्रीवल्ली। १०७. मेबड़ी—(पेड़), मेवाड़ी, मेवरी, स्वेतसिधुवार, सभालू।

१०८. जैंत का पेड़—खय, जयन्ती, जया । १०६. सलई—ग्रश्वपुत्री, करका, कुंमी, गचमूला, गजमञ्चा, नागवधू, महारणा, महाबहा, महेरणा, महेब्छा, महेब्हा, मोचा, वसा, शल्लकी, सलई, सुरभी, सुरभीरसा, सुनहा, सुश्रीका, हादिनी।

११०. तगर-कालानुसारि, कुंचिन, कुटिल, जिह्म, तगर, तगरक, दीन, टीपन, नत, नहुषाख्य, पादिक, महोरग, लश्चम, वक, विनम्न, शठ।

१११. तुलसी—अपेतराज्ञ अमृता, कठिजर, कुठेरक, कृष्यावल्लमा, गंधहारिखी, ग्राम्या, गौरी, तीजा, तुलसी, त्रिदंशमंखरी, पर्यास, पवित्रा, पावनी, पुरया, प्रेतराज्ञ्खी, भृतब्नी, भृतपत्री, मजरी, माधवी, माला-श्रेष्ठा, लद्मा, विष्णुकाता, विष्णुपकी, वृन्दा, वैष्ण्वी, श्यामा, भी, सुगंधा, सुमगा, सुरवल्लरी, सुरवल्ली, सुरेख्या, सुलमा, स्वहा, हरिप्रिया।

११२. तुलसी (काली)—करालक, काली तुलसी, कृष्णतुलसी, कृष्णपर्णी, कृष्णा, श्यागतुलसी।

११३. दारुहल्दी—कटकटेरी, कपीतक. कलियक, कामवती, कामिनी, काष्ट्रचनो, दारुनिशा, दारुहरिदा, दावहल्दी, दावी, निर्दिष्टा, पचम्पचा, पर्जनी, पर्जन्बा, पीतचदन, पीतत्वक, पीतदार, पीतबुम, पोता, पीतिका, मर्मरी, हरिह्नु, हेमकान्ति, हैमवती।

११४. दूव-अनंता, अनुविश्वका, अभय,

स्रमरी, स्रमृता, कच्छ्रदर्श, कच्छ्रातदर्श, काडा, गंडदूर्जी, गुया, गौरी, चित्रा, जया, तिक्तपर्वा, दुर्मरा, दूव, दूवी, धूर्ता, नंदा, प्रचंडा, भागेंची, भूतहत्री, महावर, महौषिष, वहा, वामिनी, विद्या, शकुलाची, शतप्रयिका, शतपर्विका, शतमूला, शत-यहलो, शप्प, शाता, शाभवी, शादल, शिवा, शिवेष्ट, शीतला, शीता, शुभा, श्यामकाडा, सहस्रवीर्था, स्रवल्लभा, स्विपत्रा, स्वच्छा, हरसालिका, हरिता, हरितालिका, हरिताली।

१९४. ऋगिया—(एक बास), ऋगिया, ऋगियासन्, करेमू।

११६. कुशा—कुदुप, कुरन, कुश, कुशा, दर्भ, पवित्र, वर्हि, यशभूषण, याजिक, स्व्यप्र, हस्वगर्भ।

११७ तुः दी—(एक घास), कच्छुरा, द्वोरी, प्राहिश्वो, ताम्रमूला, मध्दभवा।

११८. नकञ्चिकनी--उप्रगंघा, उमा, खनक, खनकृत, ब्राणदुःखदा, जिस्कर्ना, जिस्किका, तास्णा, संवेदनापुट।

११६. नख-करब, क्टरम, खपुर, चक-कारक, चकनख, चकी, व्यसफल, द्वीपिनख, नख, नखाग, व्यात्रायुष, व्य'ल-बल, व्यालायुष।

१२०. नर्खा —कोलदल, खुर, नखरी, नखी, नागइनु, प्रथिवलासिनो, पाणिक, बदरी-बच, शक, शंखनख, शुक्ति, इट्विसासिनो, इनु:

१२१. नर्फट-देवनाल, घमन, नट, नटी, नर्चक, नर्फट, नल, नलोश्तम, महानल. यन्य, विभीषण, सुरहुम, सुरनाल, स्यूल नाल, स्यूलदंड। १२२. नागकेशर—इभास्य, कनकाइय, केशर, केसरी, चापेय, नागकिंबल्क, नागकेशर, नागकेसर, नागीय, नागेश्वर, पिंबर, पुन्नागकेशर, पुष्परेचन, क्षिकंशर फलक, राजपुष्प, क्वम।

१२३ नागरमोथा-ऋब्द, ऋर्णोद, उच्चटा, कथर, कचोत्या, कच्छरहा, कच्छोला, कलापिन, कशेर, कुरुबिल्व, गागेय, गृदला, गुंद्रा, ग्रथि, चकाद्रा, चारकेसरा, चूडाला, नागरमुस्ता, नागरमोया, नागरोत्य, नागरीत्था, नादेयी, बल्या, भद्रकाशी, भद्रमुस्त, पिंडमुस्ता, भद्रमुस्तक, मोथा, वारिद, वृषध्माची, शिशिरा, श्रीभदा, सुगवित्रायला, हिमा । १२४. नील-- श्रक्कीका, काला, काली, कृत्यला, कृष्ण, क्लीतिकका, गधपुष्पा, चार्गटका, तुःथा, त्यी, दूली, दोला, नील, नीलिना, नोली, भद्रा, भारवाही, मेघवर्षा, मोचा, रगपत्रो, रबना, विजया, वृन्तिका, व्यंजनकेशः, शोधिनी, श्यामा, श्रीफली, स्थिरर गा, स्थिरगगा ।

१२४. सेमल — त्रप्यां, कटकदुम, कटकारो, कककाष्ट, कदला, कक्कुटो,
कुकुटी, चिरकोवी, तुलनी, त्लवृच,
त्लिफला, टीर्घदुम, टार्घायु, दुरारोह,
निर्गषपुष्पा, निस्सारा, पिच्छिनसार, पृच्छला, पृच्छला, प्रश्ची, बहुबीर्य,
मोर्चानबीस, मोचाक्य, मोचसार, मोच
साय, मोर्चा, मोचाक, मोचाक्य, यम.
दुम, रक्तपुष्पक, रक्तोस्पल, वन्यपुष्प,
वेश्मरस, शाल्मल, शाल्मिल, शाल्मिलनी,
शाल्मली, शोमूल, सेमर, सेमस,

१२६. कपास—कपास, कपीससारियी, कपीसका, कपीसी, कापीसी, गुड, खन्या, कार्यन, पटद, पटतुन, पिचु, मकद्भवा, बदरा, बदरी, वादर, समुद्राता।

१२७. जूट—जटा, पटुवा, पाट । १२८. पाट—जूट, पटसन, पटुम्रा, पटुवा, पट्ट ।

१२६. सन— कुनकुनिया शण, सनई। १३०. चंदन— एकाग, गंघराज, गंघसार, गोशीर्ष, प्राम्य, चंदन, चंद्रकात, चद्रद्युति, चन्नन, तिलपर्ण, तैलपिएक, पटरी, पावन, पीतसार, भद्रभी, भद्रसार, भद्राभय, मोगि-वल्लम, मगल्य, मलयज, मलयोद्भव, महर्घ, महाई, रौहिया, वर्णक, शीतगंघ, शीतस, भीन्यड, सर्पावास, सपेंघ, सितहिम, सुगंघ, सेब्य।

१३१. चंदन पीला-कालसार, कालानुसार्दक, कालीय, कालीयक, कालेय, पीतगंध, पीतक, पोतकाष्ठा, पीतचदन, पीताम, पोला चदन, माधविष्यय, वर्व्वर, हरिष्यय। १३२. चंदन लाल - कुचदन, कुमोदा, खुद्रचदन, ताम्रसार, ताम्राभ, तिलपणीं, पतंग, पत्रांग, प्रवालकल, भारकरियय, रखन, रक्तचदन, रक्षसार, लालचदन।

१३३. जडीबूटी — लर्राबरई, लर्राबरैया, बनौषघ।

१३४. चकवँड — उग्याख्य, एडगब, चकवढ़, चकमदं, चको, तर्किया, तर्किल, तर्कट, पद्माट, पमाड, पवाड, मेघलोचन। १३४. चिरायता — अनार्यतिक, कालमेघ, किरात, किरातक, कैरात, चिराटका,

चिराचिक, चिरायता, तिकक, भूनिम्ब, रामसेनक, हैम।

१३६. चोपचीनी—श्रमृतोपहिता, चीप-चीनी, चोवचोनी, द्वीपांतरवचा ।

१३७. छरीला —कालानुसार्य, गिरिपुण्पक, गृह, छरीला, जीर्या, पलित, भूरिछरीला, वृद्ध, शिलासन, शिलेय, शीतल, शीत-शिव, शैल, शैलक, शैलक, शैलक, शैलाक्य, स्थिवर।

१३८. श्रंथाहुली — श्रधाहुली, श्रक्युष्णां, द्वीरिको, दिख्यार, दुराषधी, प्रयस्या, वक्रशल्या, शीतला, शीता, सितपर्णी।

१३६. श्रकरकरा श्रकरकरा, श्रकरूतक, श्राकरकरा, श्राकक्कक, श्राकीरकरम ।

१४०. ऋगर — अगर, झगर, ऋमिकांड, ऋनार्यक, ऋसार, किमिन, कृष्वा, पातका, प्रवर, भृगज, योगका, राजाई, लोड, वंशिक, वर्षापसाद।

१४१. सनाय —कल्याणी, मलहारिखी, रेचनी, सनाय, मोनामुखो, स्वर्णपत्रिका, हमपत्री।

१४२. सरफोका—कटपुका कटातु, शरपुला, सरफोका।

१४३. सहदेई — गश्वयस्ती, देवसहा, पीत-पुष्पी, प्रसादनी, नंगनार्थ, महागश्व, महाबला, मृगरसा, मृगा, वर्षपुष्पा, वर्ष-पुष्पी, वाट्य, वाट्यायनी, वृहस्गला, सर्-देवा, सहदेवा।

१४४. अजमोदा अधमोद, कारकं, लरारवा, दीप्यक, अधकुशा, अधकोरी, मयूर, मर्कट, मोदा, मोदिनी, लोचमसाड, वस्तमोदा, विशस्या।

१४४. अतीय-अतिबिच, अतिबिच,

श्रतीस, श्रदश, बुखवल्लभा, भग्रा, भृंगी, माद्री, मृद्री, विरूपा, विश्वा, विषरूपा, विषा, शिशुभैषण्य, श्रुगी श्रुगीका, श्वेतवया।

१४६. अनतम्ल-अनंतम्ल, अनंता, अस्कोता, कराला, गोपी, गोपवल्ली, नागिबद्धा, प्रतानिका, भद्रवल्ली, भद्रा, सारिवा, शारदा, श्यामा, सुगंचा।

१४७. इंद्रायन — श्रमृतां, श्रवण, इनावन, इनाव्यतः, इंद्राविभिटा, इंद्रवल्लरो, इंद्र-बाविषका, इंद्रायन, एँद्रो, किपलाची, खुद्रसहा, गव्यविभिटा, गवाची, गवादना, चित्रपता, चित्रा, तारका, पिटकोकी, पातपुष्पा, मरौ, माता, मृगादनी, मृगेर्वोक, विषलता, वृषभाची, सुकविका, स्पला, हेमपुष्पी।

१४८. अमलतास -श्रमलतास, श्रदेव, श्रामहा, श्रारम्बध, श्रारेवत, श्रारोरम्य-श्चिमा, इमलतास, कंड्राञ, कुष्टसूदन, वनवहेडा, चक्रपरिव्याच, बृतमाल, चतुरगुन, जनरातक, दोर्घफल, नक्तमाल, प्रमेह, मंथान, महाक्षिकार, राजवृत्त, रोचन, व्याधिवात, श्रम्यक, शेफालिका, सम्बद्ध, स्वर्शपुष्प, स्वर्शाम, हिमपुष्प । १४६. चहस-श्रटबर, श्रद्धस, श्रद्धा, चरुत, चरुता, बाटक्प, ब्रामलक, कंडीरबी, क्लनोत्पाटन, नासा, पंचयूक्षी, मातृषिंही, मृगेन्द्रायी, रसादनी, रामरूपक, बाखिदंतक, बांबदती, बाबी, वाशा, वासका, वासक, वासा, वासिक, विसाटा, वृष, वैद्यमाता, वैद्यसिंही, सितक्सी, विंद्यची, विंद्यबी, विंद्युसी, विंद्रानन, विदास, विदिया, विदी।

१४०. श्रासगंध—श्रासगंध, श्रावरोहा, श्राह्मगंधा, श्राह्मगोहिका, कंबुका, कंबुकाष्ठा, काबुका, काला, काम-कंबुकाष्ठा, काबुका, काला, काम-कापणीं, कुष्टघातिनी, गंधपत्रो, तिका, दुरंगगंधा, दुग्गा, दुरगं, पलाशपर्यों, प्रियकरो, पीवग, पुग्या, बलबा, बलदा, बल्या, बाबिनी, बाबीकरी, बाराहपत्रों, रसायनी, वनजा, वरगात्रकरी, बाजिगधा, वाजिना, वातध्नी, बाराहकर्यों, श्यामला, हथगंधा, हथा, इयंप्रिया।

१४१. त्राकाश बीर-त्रकासकीर, अमर बेल, त्राकाश बेल, त्राकाश बीर, दुःस्पर्शाः १४२ इद्रजी-इंद्रयव, कालग. कालि-गक, कुटब, भद्रयव, यष, बत्सक, शकवीब

१४२ इसबगोल--इसबगोल, इसरमोल, ईपटगाल, ईसबगोल, श्लद्खबीर, स्निम्ब-बार !

१४४ क**ञा**—कबा, कटकिन[ा], करॅं**ड,** करजुवा, कुकचिका, कुलेराद्यां, गटाइन, बारिस्सा।

१४४ कचूर -- कचूर कचूर कल्पक, कार्श्य, राधमूलक, राधशार, जटाल, द्राविक सुख्य, शठी:

१४६. कनकः इा - कनकोशाव, कर्यास्कीटा, कोयल ग. चद्रिका चित्ररणी, विपुटा ।

१४७. कपूर—इदु, झौषध श, कपूर, कप्पूर, कपूर, गौर, रजी, घनसार, चह्रभस्म, जावाकपूर, तकसार, निशापात, विधु, वेधक, शिला, शीतमयूच, शोतमरीख, श्रीताशु, सिताम, सितामक, सोमसंख, स्करिकाम, इनु, हिमाशु, हिमोपल। १४८. १३ तरह के कपूर--श्रब्दशर, जूतिका, दुषार, पत्रिकाख्य, पाशु, पिंज, पोतास, भीमसेन, शंकरवास, शीतल, सितकर, हिम, हिमवालुक।

१४६. कपूर कचरी— कपूर कचरी, कर्बर, कृष्णहरिद्रा, गंधपलाशी, गधबधू, गंध-मूलो, गधा, गधारक, गधोली, गंधौली, प्रथमूलिका, तूणी, दूवी, पलाशिका, पलाशी, पृथुपलाशिका, शठिका, षडम्रथा, सटी, समुद्रा, सुगंधासटी, सुब्रता, सौम्य, हिमोन्द्रवा।

१६०. कबीला — कबीरा, कर्कश, कम्पिल्ल, कम्पिल्ल, कम्पिल्ल, कम्पिल्ल, चद्र, पिकाच, वहुपुष्प, रजक, रक्ताग, रक्तफल, रेचनी, रेची, राचना, लघुपत्रक, लोहिताग।

१६१. करंज - श्रगारवल्ली, उदकीर्य, करंजक, करज, करभाडिक, कलिमार, काकब्ना, कैड्यं, गुब्छपाल, घृतपर्ण्क, चिरविल्व, तपस्वी, नकमाल, पूर्तिक, पूर्तिकरज, पूर्तिपत्र, पूर्तिपर्णं, प्रकीर्यं, बद्धफल, विषारी, बृत्तपर्णं, शार्गंध्ठा, पडअथ, सिम्धपत्र।

१६२. करियारी—श्रामिजहा, श्रामिमुला, श्रमिमुला, श्रमिमुला, इद्रपुष्पिका, करियारी कलिकारो, कांलयारो, कांलहारी, गर्भ- घातिना, गर्भनुत्, गर्भपातिनो, दीप्ता, नका, पुष्पसौरभा, ब्रणहृत, लागलिकी, लागुली, विद्वनका, विद्वशिखा, विद्युज्वाला, विश्वल्या, शकपुष्पी, स्वर्णपुष्पा, हलिनो, हली।

१६३. काकोली—काकोला, कायस्थिका, द्यारा, धीरा, पथस्था, पथस्थिनी, मधुरा. वयस्था, वायसोलिका, वीरा, शीतपाकी, शुक्का, स्वादुमांसी ।

१६४. कायफर—कटफल, काफल, कायफल, कुमुदिका, कुमुदी, कुम्भि-पाकी, कुम्भी, कैटर्य, त्वकफल, नातातु, पुरुष, मद्रारंजनक, रोहिणी, लधुकारमर्य, श्रीपणी, सोमबृद्ध, सोमबक्क।

१६४. कालीजीरी—श्ररएयबीर, क्या, कालजीरी, जुद्रपत्र, शृहन्याली।

१६६. कुटकी — श्रंजनी, श्रारिंग, कटवरा, कटवा, कड, कडका, कडरोहिया, कुटकी, कुण्णामेदा, काडैकहा, कुष्णमेदी, कृष्णामेदा, कृष्णा, केदारकडका, बकागी, चित्रागी, जननी, तिक्ता, दिंजाकी, दिंजागी, नकुलासादिनी, मत्यिपत्ता, मलमेदिनी, महौषधी, शकुलादिनी, शतपर्या।

१६७. कुरैया - इंद्रद्रु, कटुक, कालिंग, काही, कुटक, कुटब, क्रब, कौट, कौटका, गिरिमल्लिका, पाहुर, प्राकृष्य, प्राकृष्य, महागंघ, यवफल, रक्तनाशक, बस्तक, वर्रतिक, दृद्धक, सम्राही।

१६८. कुलीजन—कुलंज, कुलंबन, कुली-जन, गंधमूल, तीच्यमूल ।

१६८. केकड़ासिंगी—कर्कटशः गो. कर्कटी, कुलिंगी, केकरासिंगी, घोषा, चंद्रास्पदा, चकागी, चका, नतागी, महाघोषा, बका, विषाणिका, शिखरी, शःगी।

१७०. केतकी --इदकलिका, कटकदला. ककचा, केतकी, केवड़ा, वंबूक, वंबूल. तीच्यपुष्पा, दलपुष्पा, दीर्घपन्ना, भू लिपुष्पा, मेध्या, विफना, शिवखिष्टा, शूचीवन, स्थिरगंथा।

१७१. कीवाठोंठी-काकतुंबो, काबनाखा,

काकाची, कौत्राठोंठी, वायसी, शिरोबाला, सुरंगी।

१७२. चीरकाकोली—ग्रष्टमी, चीर-काकोली, चीरमधुरा, चीरवल्ली, चीर-विषाणिका, चीरशुक्का, जीववल्ली, जीव-शुक्का, प्यस्या, प्यस्विनी, महावीरा।

१७३. खस— ग्रभय, श्रमृणाल, श्रवदात, श्रवदाह, इंद्र, इंटरकापथ, उशीर, उसीर, कंधु, करायन, खस, गांडरमूल, जलवास, कलाश्य, नलद, लघुभय, लामज्जक, बीर, वीरणमूल, वोरभद्र, शिशिर, समगणिक, धुगणिमूल।

१७४. गंधिबरोजा — जीराह्रय, गधिवरोजा, धृतहाय, चितागंध, तिलपर्या, धूपाक, पद्मदर्शन, पायस, यवास, यास, रक्तशोर्षक, रसावेष्ट, रसाह्र, विरोजा, वृक्षधूर, वृक्ष्यक, वेष्टसार, श्रीपिष्ट, श्रीरत, श्रीवास, श्रीवेष्ट, सरलद्भव, सरलसाव।

१७४. गर्हपूरना—गजपुरना, गंधप्रना, नीलपुनर्नवा, नीला, नीलिनी, नीलीसॉठ, विषखपरा, सॉठ।

१७६ गाजुबाँ -- श्रघ:पुष्पी, कुरसा, सर पन्नी, गोजिया, गोजिहा, गोभी, दवीं,. टार्विपानिका।

िष्ण, गुगगुल—उद्दोष, उल्लालक, उष, काल निर्यास, कुती, कुंन, कुंभी, कुंभी कुंभी कु, कुभी लुलक, की शिक, गुगुल, गुग्गुल, गुग्गुल, बटायु, बटाल, दिन्य, दुर्ग, तेबबूव, देवेच्ट, पूर्व, निशादक, पवनदिष्ठ, पक्विष्ठपुट, पलंकष, पुट, पुर, भवाभी छ, भूतकर, भेंनागृगल, महिद्दाह, महिषाद्ध, रखेडा, दक्वंषक, वायुष्ठन, शाभव, शिव, सर्वेषद्ध।

१७८. गुरुष—श्रमृतवल्ली, श्रमृता,
उद्धारा, कुंडलिनी, कुंडली, गुड़ची,
गुड़ूचो, गुर्च, चद्रलख्या, चद्रलख्याका,
चंद्रहासा, चक्दांगां, छुद्रिका, छित्रबहा,
छित्रा, जीवन्तिका, ज्वरारि, तंत्रिका, तत्री,
देवनिर्मिता, घीरा, नागकुमारिका, निर्जरा,
पित्रब्नी, भिषकप्रिया, मधुपर्यो, रसायनी,
वत्सादनी, वयस्था, वरा, वातरकारि,
विश्रल्या, श्यामा, मोमवल्ली।

१७६. गोरखमुडी—श्रलंडुषा, श्रव्यया, कटंबपुष्पिका, कोडलूडा, गोरखमुडी, द्विच-ग्राथिक, तयस्विनी, पलकषा, बोडा, भूकदम्बिका, महामुडी, मुंडी, मुडली, लोचनी, लोतनी, विकला, वृद्धा।

१८०. गोखुरु—इत्तुगंघा, इत्तुगंधका, इत्तुग, कटकफल, त्तुग, द्वुराग, गोकटक, गोत्तुर, गोत्तुरक, गोखुरि, गोखुरु, त्रिक, त्रिकट, त्रिपुट, पलक्षा, भद्धकंट, भद्रकंट, वनश्चगाट, व्यालदष्ट, श्वदंष्ट्र, स्थलश्चंगाट, त्वादुकंटक।

१८१. गोम् त्रिका -- कृष्णभूमित्रा, चेत्रजा, रक्ततृणा ।

१८२. गोरोचन—काचनी, गध्या, गोपित्त.
गोपित्तसभवा, गोरोचन, गोरोचना,
गोलोलन, गौतमा, गौरो, चंदनीय, नंदिनी,
पिगा, पीता, भूतविद्रविखी, मगला.
मंगल्या, मनोरमा, मेध्या, रामा, कचिरा,
बंदनाया, वंद्य, शिवा, शुभा, शोभना,
शोभा, श्यामा।

१८३. बीकार—श्रवरा, श्रदता, श्रफला, श्रमर, कंटकीनी, कपिला, कुवारपाठा, ग्वारपाठ, बीकुकार, बीकुमारो, बोगुबार, वृतकुमारो, देकुवार, तक्बी, मंडला, माता, मृदु, रसायनी, रामा, वीरा, सहा, सुरमा स्थलदहा ।

१८४. पठानीलोध—श्रद्धिमेषज, क्रमुक, बीर्णपत्र, बोर्णबुध्न, पट्टिका, पट्टिकालोध्न, पट्टी, पठानीलोध, लाखाप्रसादन, शाबर, स्थूलवङ्गल।

१८४. पद्मकाठ—केदारज, कैदार, चाह, पद्मक, पद्मकाष्ठ, पद्मगंघि, पद्मवृत्त्, पद्माक, पद्माख, पोत, पोतक, पीतरक, मालेय, शीतल, शुभ, सुप्रभ।

१म६. पित्तपापड़ा — श्ररक, कटुपत्र, कलांग, कत्रचनामक, कृष्णशास्त्र, चरक, तिक, तृष्णारि, त्रियष्टि, टवनपापड़ा, नक्ष, पर्पट, पर्पटक, पाशु, पाशुपर्थ्याय, पितपापड़ा, पित्तारि, प्रगंध, रक्षपुष्पक, रेग्रु, वरक, खरतिक, वर्मकंटक, शास्त्र, शीत, शीतप्रिय, शीतवल्लभ, सुतिक।

१८७. पीपरामूल—कटुमूल, कर्णमूल, कोलमूल, ग्रंथिक, चटकाशिर, चटिका, पत्राख्य, पिपरामूल, पिप्पलोमूल, मागध। १८८. पीपल—उपकुल्या, उष्ण, कथ, कटी, कटुवीजा, कृष्ण, कोरंगी, कोला, चवला, चपला, तिकतहुला, पिप्पली, पीपर, पीपल, मागधी, शौंडी।

१८६. पुदीना-म्रजीर्णहर, पोदीना, रुचिश्य, वान्तिहारी, व्यंजन, शाकशोभन, सुगंचि पत्र ।

१६०. पुष्करमूल—काश्मीर, पद्मकर्ण, पद्मपर्ण, पद्मपुराय, पुष्कर, पुष्कर खटा, पुष्करमूल, पोइकरमूल, पौष्कर, ब्रह्मतीर्थ, मूलपुष्कर, शूर, शूलध्न, सागर, सुमूलक । १६१. पोस्ता — उल्लस्तल, खरकस, खरखरफल, खरतिल, खरफल, खासस तिल, खालरफल, तिल मेद, पोस्त, पोस्ता, सुवीज, स्क्मतंडुल, स्क्मवीच।
१६२. बहेड्ग--श्रच, कर्षफल, क्सिद, कलिद्रुम, कल्परृच्च, कासम, तिलपुष्पक, तुल, तैलफल, तोलफल, बहेडुक, बहुवार्य, भ्तवास, वासंत, विभीत, विमीतक, विषयन, संवर्त।

१६३. बालछ्ड — अमृतबटा, कनुबर, किरातिनो, कव्यादी, गौरी, बक्रवर्षिनी, जटामासी, बटाला, बटिला, बटी, तपस्विनी, नलद, पिशिता, पिशो, पूतना, पोशिनी, पेषी, बालछ्ड, भूतबटा, माता, मिषिका, मिसि, मृगभद्धा, सेवाली, हिंसा।

१६४. विदारीकंद--श्कुगंवा. श्कुवक्ती, श्राच्यगंवा, श्राच्यगंविका, द्वीरकंद, द्वीर-वल्लो, द्वीरलता, दूविदारी, प्यःष्टंडा, प्यस्विनी, विलैयाकद, महाश्वेता, विदारा, विदारीकद।

१६**४. विधारा – ग्र**जरा, बीर्यंदा**र, कीर्या** फडो, विधारा, **बृद्धदार, स्ट्रमपणा,** सुपुष्पिका।

१६६. बीजवंद--ब्रोदनिका, स्तिरैटी, प्रहाशा, वरियाग, बला, भद्रा, मोटापाटी, वाट्यपुष्पी, बाटिका, समाज्ञा।

१६७. त्राह्मणीलता—अन, सवझ, संबा, त्रंबिका, त्रंबालिका, पादा, त्राह्मणी।
१६८. त्राह्मी—कपोतवेगा, दिक्वतेका, विव्या, परमेष्ठिनी, त्रह्मचारिकी, त्राह्मी, व्याद्या, परमेष्ठिनी, त्रह्मचारिकी, व्याद्या, व्याद्य,

१६६. भटकटेया—ग्रनाकाता, कटकारिका, कंटकारि, कटकारी, कटअयी, कटेरी, कासमा, कुला, कुलीचुद्धा, चित्रफला, दुष्प्रधर्षियी, दुस्पर्शा, धावनिका, धावनी, निदिग्धिका, प्रचोदनी, भटाकी भटकटया, राष्ट्रिका, रेंगनी, लघुकटाई, वृह्ती, व्यामी, सिंही, स्पृही।

२००. भिलावा — श्रायक, श्रद्धकर, धनु-वृद्ध, भल्लात, भल्लातक, भूतनाशन, भेला, रक्तहर, विह्ननामा, वीरतह, शोक-नुत्, स्रोहवीज।

२०१. भृंगराज—श्रगारक, कुकुर भागरा, केशराब, नीलपुष्प, नीलभृंगराब, पावन, मॅगराब, भॅगराब, मॅगरीया, भाँगरा भृगराब, महाभृंग।

२०२. मजीठ—श्रव्या, काडोरो, काल-मेषिका, काला, च्रियी, गौरी, चित्रलता, चित्रागी, विगी, ताम्रवल्ली, भडिल, भंडारो, महूकपर्यी, मांबष्ठा, मज्या, मजीठ योखनवल्लो, रखनी, रक्तपष्टी, रका, रकागो, रोहियो, बमा, निकसा, जिख्या, समगा, हरियो, हेमपुष्पी।

२०३ सहाकरंज-काक्षणं, काकभाडी, मदहरिननी, मधुमसा, मधुमती, महाकरंज, रतायनो, विषष्टनी, इस्तिकरंज, हस्ति-चारिकी।

२०४ मांसरोहिसी - म्रांमब्दा, म्रांतब्दा, क्यामाती, चद्रवहनभा, चर्मक्या, प्रदाव-सर्गी, महामासी, मासरोहा, वसा, विकशा कृषा, वीरवर्ता, रसायनो, रोहियी, लोम क्यी, सुलोमा।

२०४. जासकँगनी-यमियभा, अभिफला, उम्रांचनी, कगुनी, कनकप्रभा, काकाडी, गोर्लता, ख्योतिष्मती, तीस्त्या, तोब्रा, तेबोवती, घोरा, बहुरसा, पीता, महा-ख्योतिष्मतो, मेघावतो, मेध्या, यशस्त्रिनी, लक्या, वायसी, शैलसुता, सुतैला, सुरलता, सुवर्षानकुली, सुवेगा।

२०६. मिर्च सफेद-धवल, बहुल, बालक, श्रीतोत्थ, सितमिर्च, सितवल्लोज।

२०७. मुलेठी—ऋतिरसा, क्लीतक, क्लीतका, बलयही, तेठीमधु, मधुक, मधुम, मधुर-नाम, मधुररसा, मधुवली, मधुरतमा, मधूली, मुलहठी, मुलेठी, मूलयही, मूलयही, बीध्टका, यध्टिमधु, यध्टी, शोधारहा, सौम्या, स्थ-यह्टी।

२०८. मुष्टि — श्राम्न, चत्र्यिका, प्रक्च, विल्व, मुष्ट, घोदशी।

२०६. मूंज-तृणाख्य, नेजन, तेजनाह्य, दुर्मूल, हद्दृष्, बहुप्रज, बाण, भद्रमुज, मुज, नुजनक, मुजात, मूँज, मूज, रामसर, शक्षमग, शर, शीरा।

२६०. मेनफर --कठ. करहर, करहाट, घटाल, तगर, धाराफरा, पिंडीनट, पिचुक, मयनफल मैनफल, राठ, र मच्छ्रकुंनक, विषयुष्यक, शल्यक ।

२११ माजूफल -माईफल, माजूफल, मायापल, ग्रागरगोटा ।

२१२ निर्माली -- अबुप्रसाद, कत, कतक, कतक, कतकरेशु, कात्य, गुच्छफल, चच्छुम्य, छेट-नाय, तिकफल, निकमरिच, तोयप्रसादन, निर्मालो, पय-प्रसादी, पायपसारी, शोध-नात्मक, श्लक्ष्ण :

२१३. मूसली —शार्शोक्ति, सलनी, गोधा-डाताप, लपत्रिका, तालमूली, तालिका, ताली, दीर्घकदिका, भूताली, महाबृम्या, मुखली, मुबहा, हेमपुष्पी।

२१४. माजूफल-स्द्रिद्राफल, माजूफर, माइका, माइफल, मायाफल, मायि। २१४. बाबीरंग-कापाली, केवल, कैराल, गर्दभ, गहरा, चित्रवीजा, चित्रा, तडुल, पावक, बेल्ल, भस्मक, भाभीरग, मोघा, रसायन, वरा, वायविद्यंग, विद्यग,

२१६. बकुची—श्रवल्गुज, श्रिसित्वचा, ऐन्द्वी, कालमेषिका, कृष्णा, कृष्णफला, चद्रतेखा, चदो, पूतिफला, पूतिफली, बकुची, बागुजी, बाकुची, बायची, बावची, वल्गुजा, शशिलेखा, शूलोत्खा, सिनावरी, सुप्रभा, सोमवल्ली।

२१७ बच---इच्चुपर्णी, उग्रमघा, उग्रा, किष्णी, गालिनी, गोलोमी, जटिला, जलजा तीच्णा, बच, बोलवच, बोधनीया, भद्रा, भूतनाशिनी, भोगवती, मगल्या, मेध्या, वच्या, विजया, शतपर्विका, शुक्रा, स्मारणी।

२४८. वंशलोचन—कर्प्रशेचना, कर्मरी, चीरा, चीरिका, तुंग, तुगा, तुगाचीरी, त्वकचीरा, त्वकचीरी, त्वकसारा, पिंगा, रोचना, रोचनिका, वशकपूर, वंशचरी, वशबा, वंशरीचना, वशलोचन, वशलोचना वशशकरी, वांशी, वैश्ववी, वैशालवर्ण, शुभा, शुभा, श्वेता।

२१६. जमालगोटा—कुम्भिनीवीन, घंटा-बोज, चकदंती बीच, बमलगोटा, बयपाल, तितिहोफल, दतीबोज, मलहाबी, रेचक, बोबरेचक, शोधनीबोज, मारक।

२२०. जायफल--क्रोश, कोषक, बातिशस्य,

जातिसार, बाती, जातीकोष, बातीफस, जायफर, पुट, फलजाती, मज्जसार, मद-शौड, मालतीफल, राजभोग्य, शाल्फ, सुमनफल।

२२१. जावित्री—जातिकोषा, जातिकोषी, जातिपत्री, जावित्री, पत्रिका, मालती, सुमनपत्रिका, सौमनसायिनी।

२२२. जीरा सफोद--म्रजाजी, कण्मीरक, कण्हा, कणा, जाजो, जीरक, जीरा, जीरा जीरा बुफेद, दीर्घक, श्वेतजीरक, सित्बीरक। २२३. जीरा स्थाह — उद्गार, कालजोरक, कालमेघो, काश्मीर जारक. कृष्णभाषी, कृष्ण जरिक जरण, जीरा, नालकरण, नीला,पद्ध, मेदिनी, सन्या, सुगन्ना, स्थाह जीरा, हृद्य।

२२४. फसल--उपज, पैदाबार, फसत, फसिल, फस्त ।

२२४. अन्त-अनाज, अनाय, अन्त, अमृत, आदा, गल्ला, जावनभन, जीव-साभन, दाना, जान्य, नाज, पय, जीब. ब्रीहि, भोगाई, भोग्य, लवेटिका, वरेखुक, वीज्य, शस्य, शाली, सस्य, स्तम्बद्धारे, स्तम्बद्धारे।

२२६. खरीफ - श्रगहनी, खरीप, बरवाती। २२७. रबी —चैतो, जडहन, रब्बी।

२२८ गेहूँ — म्रपूप, मरूप, बीरी, नदुम, गेहूँ, गोधुम, गोहूँ, दाऊदो, निस्तुष, निस्तु-पद्धोर, बहुदुन्ध, म्लेच्छ्रमोबन, रक्षण, वनन, यवनप्रिय, श्रुमन, श्लेष्णक, समन, मुमना।

२२६. गेहूँ (भण्डा)—गेहूँ, दाउदबानी, दाउदो । २३०. धान-कर्दमक, कलम, केदार, दीर्घ, दूषक, धान, घान्य, निपिप्रय, बासमती, पांडुक पुडरीक, पुष्पाडक, रक्तशालि, इच्य, कनकजीरा, बीही, शकुनाहृत, शालि, शाली, साठी, सुकुमारक, सुगघक।

२३१. कुछ अच्छे धान—श्रम्माघवत, दुलसीबास, फूलमती, बॉसफूल, बासमती, मोतीचूर, रानीकाजर, रामभोग, रूपमजरी, लटबीरा, लटेरा, श्याभजीरा, समालू, समुद्रफेन, सहदेह्या, हंमराज।

२३२. कुत्रंर विलास—(एक ऋच्छा धान) कुत्रंर विलाश, कोरहन, अइहन जीरो, भीगा, तिजी, पिचराज, बक्का।

२३३. कुछ मोटे और साथारण धान — अगहनिका, करहनो, खरहन, खरहना, खरहन, खरहना, बुद्धो, नगरा, नअरबींग, बडहन, बोरो, रामजवाहन, सरमा, माठी, रागप्ती, सेंगर।

२३४ साठी — भदई, साठी।

२३४. १८ तरह की साठी—क वंग्रका. किंपबला, कलमा, कलमी, खबरीटा यहहा, बरिका. पसाही, गीता, बिलसाही. बिल्यका, महाशाली. मागघी, रक्तशाली, क्कमवती, शब्टिका, शुक्रता, सौंघी।

२३६. औ - भचत, कंचुकिं, जन, जवा, जौ, तोक्याशुक, दुरगिय, दिन्य, धान्य-राम, पित्र धान्य, प्रवेट, मेध्य, यव, यवक शक्तु, शीतशुक, श्वेतशुग, वितशुक, इयप्रिय, इयेष्ट ।

२३७. आई---जर्द, धय, धयन्तो, जनारा धाम ।

२३८. बोधी--श्रमृत, श्ररवयपुरद, कुली-यक, कुमीलक,श्ररहो, निग्द्क, वनमुँगिया बल्लोबुरद, मकुष्ठ, मकुष्ठक, मद्यक, मयष्ट, मयष्टक, मयुष्ट, मयुष्टदक, मयुष्ट, मुकुष्ठ, मुकुष्ठक, मुरद्द, मुरद्द्यहरक, राजमुरद, वनमुरद, वरक।

२३६. कोदो—कुद्रव, कुस्राल, कोदव, कादू, कोछार, कोद्रव, कोरदुषक, मदनामक।

२४०. सावाँ — ऋविष्रिय, जेष्ठान्न, तृ**या**र्वा-जोत्तम, त्रिबीज, राजधान्य, श्याम, श्या-मक, श्यामाक, समा, सवा, सुकुमार ।

२४१. मंहुन्ना – मॅड्न्ब्रा, महुवा।

२४२. कुलथी--कालवृत, कुलन्य, कुरथी, ताम्रताब, ताम्रवृत, श्वेतबीब, सितेतर। २५३. ज्वार-कुञ्जिका, कृष्ण, कोष्टुपुच्छा जुन्नार, जुडी जुन्हरी, जुर्णका, बोधरी, बोन्हरी, भाद्रपदी, भडा, यवनाल, यावनल, रिकका, लिलिना, श्रीखडी, श्वेता सुगांधका।

२४४. जोन्ह्र्री (छोटी) दे० 'ज्वार'। २४४. वाजरा—श्रमधान, बोधरी, बोन्ह्र्री, नालिका, नाली, नोलक्या, नोलस्य, बजडी, बचरी, बर्जरो, बाजरा, बाजरा, वर्जरिका, साजक।

२४६. मक्का—कटिज, काडब. कुकुढी, जोन्दरा, भुट्टा, मकाई. मकाय, मक्का, लेडहरा, शिलाल्, सपुटातस्य ।

२४७. चेन--- जेउन्ना घान, चेड्ना साँबा, चैन ।

२४८. टॉगुन--टॅगुना, टॉगुनः २४६. गम्ना--श्रविपन, श्रवितपन, श्रवि पत्रक, रसु, रसुर, रेख, उसु, अस कर्कोटिक, कवला, कोशकार, गम्रा, गुड्दाक गूड्म्स, २।वंच्छ्द, प्रयोषर, पुड्, पौडा, मञ्जूत्या, मधुयष्टि, मृत्युपुन्प, रशाल, वंश, विपुलरस, कृष्य, सक्करलकडी, साँटा, साठा, सुकुमारक।

२४०. गेड्--- ग्रगौरी, श्रगाव, गेड, गेडी

२४१. गड़ेरी--- ऋंगारिका, ऋँगारी, गडी, गंडेरी।

२४२. दाल--दालि, द्विदल ।

२४३. अरहर — अड्हर, अरहरि, आढ़की, करवोर-भुजा, काक्षीयस्ता, तुविरका, तुवरी, पीतपुष्पा, मृतालक, मृत्तालका, मृस्ता, वर्या, वीर्थ्या, कृत्तवीजा, श्रापपुष्पिका, मुराष्ट्रज, सुराष्ट्र जंभा।

२४४. उरद्—उइद, उरदो, उर्द, उर्दी, ऋद, कुरुविंद, धान्यवीर, पितृभोजन, तिज्य, बलाट्य, बलां, वीजरन, मासल, मासल, कृषाकुर।

२४४. चना—कचुकी, कृष्णचचुक, चण, चणक, छोला, जांवन, बाजिमस्य, बाल-भैषज्य, बालभोज्य, रहिला, बाजिमन्य, सकलिय, सुगध, हरिमय, हरिमन्यक, हरिमन्थज।

२४६. मसूर—कल्याणवीज, गमोलिक, गुरुवीज, ताबूलराग, पृथवाजक, मगल्य, मगल्यक, मसुद्दी, मस्रक, मस्रा, मस्रि, मस्री, मागल्यक, मागल्या, रागदालि, वर्णह्काचन, शूर, स्र

२४७. मूँग—बाबिभोजन, सुक्तिप्रद, मुग्द मूग, रहोत्तम, नस्हिं, सुफल, सूपश्रेष्ठ, ह्यानंद।

२४८. सटर--- ऋतिबतुल, कटो, कबीली, कलाय, बेराब, खडक, त्रिपुट, नीलक, मटर, मधुर, मुडच्यक, रेखुक, शमन, संदिक, सतीन, सतीनक, सतील, सतीलक, हरेखु, हरेखुक।

२४६. लतरी—कस्र, कस्सा, कृसर, केसारी, खेसारी, चपरी, त्रिपुट, दुविवा मटर, लतरी, संडिक।

२६० लोबिया — चुंघाभिजनक, चपस, चवल, चौरा, दोर्घशिब, टीर्घशिबी, दिजनप्त, निष्पावी, नीलमाध, नृपमाध, नृपोचित, बोड़ा, महत्कर, महामाध, राज-माध, लोबिया, वर्वट, सितभाध, सुकुमार। २६१ सोयाबीन — सोधाबान, सोयाबीन। २६२. तिल— जटिल, तैलपल, पिनुतर्पस, पापहन, प्रधान्य, प्रफल, पिनुतर्पस, वनोद्धव, स्नेहपल, हामधान्य।

२६३. सरसीं - उप्रयंध, कटुकसेन्ड, कदम्ब, कदम्बक, कदंबद, गृध्वन, ततुक, तंतुम, नेलहन, विम्बट, भूतवन, रिव्हताफल. राजव्यवक, सरसो सघप।

२६४ राई—श्रतितीच्छ, श्रासुरी, कटु, कटुक, काकोदुस्वरिका, कृषक, कृष्ण, शृष्णसर्वपा, कृष्णका, स्वन, स्वक, सुधानिका, स्वनका, सुधानिका, सुवनका, सुधानिका, सुवनका, तीस्वापला, मधु रिका, मुख्यक, रक्तसर्वप, र'क्तक, राज्यका, राञ्यका, राज्यका, राज्यका, राज्यका, राज्यका, राज्यका, राज्यका, राज्

२६४ ती सी—श्रितिनी, श्रितीसी, श्रिसी, उमा, खुमा, खीमी, चणका, तीकी, तैको-त्तमा, देवी, नं लपु प्यका, पार्वती, नीस-पुष्पी, पिच्छिला, मटगचा, मसीमा, महुष्य, बद्रपरनी, सुनीसा, हैमबती।

२६६ वर्रे—कुषुमपल, कुषुमधीय, वर्रे, वरटा, वरटी, वर्राहका। २६७. रेंडो-- अमंगल, अमंड, अरंड, आमंड, इण्ट, उरुबुक, एरंड, एरंडक, कांत, गंधर्वहस्तक, चंचुक, चित्रक, बित्रकीब, तरुण, तुच्छद्रु, त्रिपुटी, त्रिपुटीफल, दीर्घदतक, दीर्घपत्रक, पंचागुल, रूबूक, रेंडी, वर्द्धमान, धुक, त्रणहा, व्याघदल, त्याघपुच्छ, शुक्ला, शूलशत्रु, स्नेहपद्र।

२६८ तिन्नी-श्ररणय धान्य, श्ररणयशाली, तिन्नी, तिली, तोनी, तीली, तृणधान्य, तृणोद्भव, देवधान, नीवार, प्रसाधिका, मुनिधान्य।

२६८. कृद्ध (तृगान्न)—कसपत, कार्ट्स, कृद्ध, तुम्बा, फाफा।

२७०. कमसगद्दा--कंदली, कमलगद्दा, कमलबीब, कबलगद्दा, कमलाच, क्रौंचा, कौचादनी, गद्दा, पत्रबीब, बद्दा, मेडा, बराटक, श्यामा।

२७१. बेर्रा - बेरफर ।

२७२. रामदाना—फलान्न, रमदाना, रामान्न।

२७३. साबृदाना—सागू. सब्दाना, सागृदाना।

२७४. तरकारी — तरकारो, भाषा, सन्ती, साग, साग सन्ती।

२७४. पर बल — ग्रमुताफल, कच्छुट्नी, कदुफल, कर्मशफल, कासमर्दन, कुलक, कुष्ठारि, बनवल्लभा, ज्योत्स्त्री, तिक्तक, नागकल, पद्ध, पटोल, परवर, परोरा, पर्वरा, पलवल, फुल ब, राजनामा, राज पटोल, राजपूर्वा, राजफल, स्वादु, स्वादुपटोल।

२७६. **वैशन** — ग्रंगण, वंटकिनी, कंट-प•---- पित्रका, कंटवृताकी, कंटालु, कटफला, चित्रफला, नीलकंटका, नीलफला, नीलकंटका, नोलफला, नीलक्षा, बेर, बेंगन, मंटा, मटाकी, माँटा, माँटिका, महती, महोटिका, मासफला. मासलफला, क्कंठ, राजकुष्माङ, वंगब. वार्ताकी, वृताक, वृताकी, वृत्रफला, वृतांतक, शाकविल्व।

२७७ नेनुवा—ऐमी, कर्कोटिकी, कोशानकी. वियातोरई, वियातारी, वामागंव, नेनुन्ना. नेनुवाँ, महत्पुष्पा, महाकोशतकी, महाफला. सपीतिका, हस्तिवोवा, हस्तिपर्या।

२७८. गोभी (फूल) - कोभी, गोभी, फूल फूलगोभी।

२७६. गोभी (पत्र)— करमकल्ला, पत्ता गोभी, पातगोभी, बदगोभी ।

२८०. गोभी (गाँठ)—गाठगोभी, ग्रंथि गोभी ।

रम्धः करैला—उम्रकाड, कंट्सर, कठिल्लकाः करेलाः करेलों, करैलां, काडकटुक, कार वेल्लीं, चिरिपत्र, तोपवल्लीं, पद्ध, बारि वल्लीं, वृहद्दलीं, सुकाड, सुपवीं, सूचम वल्लीं।

२८२. भिडी—ग्रमपत्रक, करपर्वा, चेत्र समय, चतुपुंड, चतुष्पट, पिच्छिल, भिड भिडक. भिडातिका, भिडो, भिडोतक, भेडा, वस्त्रीज, सुशाक!

२८३ तरोई-क्कॉटकी, कृतवेधना, बांसनं . तरोई, तोरई, दीर्घफला, धामार्गव, पीट-पुष्पा, राजकोशातकी, राजिमत्फला, सुकोधा. सुपुष्पा, स्वादुफला।

२८४. सतपुतिया — वगपुतिया, वतपुतीः, वप्तपुत्रिका । २८४. कुह्झा—काशीफल, कुम्हझ, कुष्मांड, कुहँझा, कृष्मांड, कोहङ्गा, गुरायोगफला, प्राम्या, पीतकृष्मांड, पीतपुष्पा, पीतफला, भिलया, कद्दू, सफुरिया, कुमार, सीता-फल।

२८: भतुद्या - कर्कारू, कुंचफला, कुम्ह्हा, कुमाडक, कुष्माडी, कूष्मांड, कोंह्हा, प्राम्यकर्कटी, तिमिष, नागपुष्पफला, पीत-पुष्प, पेटा, वृहत्फल, शिखिवर्द्धक, ग्रुफला। २८७. टिंडो - टिंड, टिंडा, टिंडिश, टिंडो। २८८. लोकी—श्रलाब्, श्रालाब्, एलाब्, कदुग्रा, कह्, घिया, तुम्ब, तुम्बक, तुम्बा, तुम्बी, पिंडफला, महाफला, लाबु,

२८६. टमाटर—टमाटो, विलायती बैगन। २६०. वनसेम—बनसेमा, सेमा।

२६१. सेम-श्रंगुलिफली, श्रग्रना, कपि-कच्छुफला, प्राम्या, नखनिष्पाविका, नख-पुंचफला, निष्पावी, वृत्तनिष्पाविका।

२६२. लतरा-चौरा, बोइा, लतरो, लोबिया।
२६३. केबाँच-ग्रजडा, ग्रजहा, ग्रध्यंडा,
ग्रात्मगुप्ता, ग्रार्थमी, ग्रहमम, ग्रध्यप्रोप्ता,
कडूरा, कच्छूरा, कच्छूमती, कपिकच्छु,
किपिलेल, कपिप्रमा, किपलता, काशीलोमा,
कंडली, कवाँच, कौँच, कौँछ, गावमंगा,
गुरू, चडा, जटा, जइा, दुरिममहा,
प्रावृषा, प्रावृषायणो, बटरी, मर्कटी, वानरी,
वृष्या, व्यगा, व्याधा, शिंबी, श्रुकपिंडी,
श्रुकशिंबा, श्रुकशिंम्बिका, शोथा, स्वयंशोथा, स्वयंगुप्ता।

२६४. ग्वासिन—गुत्रासिनी, गोरच्फसिनी, गोरायी, ग्वारियी, ग्वासिनि, हद्वीज, निशान्ध्यध्नी, वक्षशिम्बी, सुशाका। २६५. कुँद्वन — ओच्डी, कंदूरी, कर्मकरी, कॅनरन, कुँनर, अंडिकेशी, तुंडिकेरी, तुडी, पीलुपर्की, विम्नक, विम्नजा, विम्ना, विम्नका, विम्नो, रक्तकला, रुचिरफला। २६६. तितलौकी — इच्चाकु, कडुकलाडु, कडुतुम्बी, कडुफला, कडुवी तोंनी, खनियन्वरा, तिकता, तिकतुम्नी, तितलउकी, तुम्बका, तुम्बी, दतफला, नृपारमञ्जा, पिंड-फला, महाफला, राजपुत्री।

२६७. ढेडसा—हिंडिश, ढेडश, टेंडशा, ढेडशा, वंडशा, वंडशा, मुनिनिर्मित, रोमशफल।

२६८. चिचिंडा —श्रहिफला, गृहक्लक, चचेडा, चिचिडा, चिचिडा, चिविडा, चिचुंड, चीनकर्कटिका, दीर्घफला, नृहत्फला, वेश्यकूल, श्वेतराचा, सुदीर्घ।

२६६. करेत्रद्या--कठिनफल, बहेरा, करेबवा, करेरू।

३००. खेखसा-ग्रबंध्या, ककोड़ा, कर्कोटकी, खेकसा, पीतपुष्पो, बोधनाजाली, मनस्विनी, मनोज्ञा, महाजालो ।

३०१. खुमी---उच्छिलींघ, कवक, **बुडुर-**मुत्ता, कुमा, च्रत्राक, गगनधूल, मेघगर्ब, रामखाता, शिलीघ्र ।

३०२. कद- कन्ना, बद्द, मूल। ३०३. त्र्यालू-बलाबु, नीलकद, बनवाधी, महिषकंद, जुलायकंद, विषकंद, शुक्ककद, शुभ्रालु, सर्पाख्य।

३०४ मूली--कदमूल, करक, कदकंदक, कु जर, चारमूल, चाखक्यमूलक, दीर्बंबंदक, दीर्घपत्रक, दीर्घमूलक, नीलकठ, भूमिकाखार, मक्समय, महाकंद, मिश्र, मूलक, मूलक-पोतिका, मूलाइ, मुरखार, राजाक्क, बिचर, बिच्य, शंखमूल, शालाक, शिंबी-फल, तित, इरिपर्या, इस्तिदंत, इस्तिदंतक। ३०४. मूली (बड़ी)—कौटिल्य, चायाक्य-मूलक, बड़ी मूली, मब्संभव, महाकंद, मूलक, मूला, वानेय, विष्णुगुप्तक, शाला-मर्कट, मिश्र, स्थूलमूल।

३०६. गाजर—गर्नाड, गर्जर, गृझन, नारग, नारंगवर्ण, पिंडमूल, पिडीक, पीत-कंद, पीतमूलक, सुपीत, सुमूलक।

३०७. हालगम — कद, गोलगाबर, मन्य-मूल, डिंडीरमोदक, यवनेष्ट, वर्तुल, शल-गम, शलबम, शिखाकंट, शिखोमूल, सलगम, सलबम।

३०८. शकरकंद — कद, कंदमन्यि, कंदा, कला, काँद,गजी, पिंडकद, पिंडाशु, विंडी-तक, रतालू, रोमशकदक, शकरकदी, स्वाद्कटक।

३०६. चर्छ — अववी, श्रालुक, श्रालु, कद. कंदा, कचालु, कच्चू, गवकर्ण, गवकर्षालु, बुद्याँ, बुय्याँ, तीक्णकंद. दीर्वनाल, बडा, मद्दापशालुक, दुस्तिकर्षा।

३१०. बंडा-दे० 'श्रर्द'।

३११. सूरन - अशांति, अशोंध्न, श्रोल, बोल्ल, कडाल, कडूल, कंद, कदल, कद बर्द्धन, कंदशूर्या, कदो, कदाई। अमीकद, जिमोकद, तीत्रकंठ, दुर्गामारि, बहुकंद, मूकंद, स्ट्यकंद, बातारि, सुकदी, सुरख, सूरककद, स्थूलकंदक:

११२. सुधनी-मध्वायुक,मध्वाख्,रोमालुको।
११३. व्याख-दोर्घपत्र, नृपकद, नृपाद्य,
नृपेष्ठ, क्लाडु, पलाडु, पियाज, महाकद,
व्यानेष्ठ, रक्षकद, राजपलाडु, राजपिय,
राजेष्ट, रोचक।

३१४. लह्सुन — श्रिष्ट, समगंघ कटुकंद, कॉदा, गृजन, दीर्घपत्रक, भूतव्न, महाकंद, महोषध, महौषधि, म्लेच्छकंट, यवनेष्ट, रसुन,रसोन, रसोनक, राहूच्छिष्ट, राहूरसृष्ट, लशुन, लह्शुन, लहसुन, बातारि, शुक्र-कद।

३१४ अदरक-आर्द्रक, अन्पन, आपा-कशाक, आर्द्रशाक, कंदर, कटुमद्र, कटु-त्कट, गुरुममूल, चद्रस्य, महीज, मूस्रब, राहुच्छज, वर, सुशाकक, सैक्तेष्ट, श्ट गवेर, शार्क्त

३१६. **कसेव-**कसेवक, कसेवका, कसेक, चुद्रमुस्ता, गुंडकट, राजकसेवक, सुकंद, सुगधि, स्करेष्ट ।

३१७. लालकंद - रत्तकट, रक्तपिडक, रक्ताल्ल. लालकंद, लोहितालु, कौहित।

३ 🗀 हाथीकद्—हस्तिकंद।

३१६. मानकंद-मानकच्चू।

६२०. तोलियाकंद- तोलियाकंद, तौलिया-कंद ।

३२१. शफताल् — माङ्, पिंडास्, रतास्, शफताल्, रोवडा, माङ्, सतास्, सप्तालुक।

३२२. चुकंदर-- चोकंदर।

३२३. बाराहीकंद-गेठी, दराहोकंद।

३२४. **बिदारीकंद**—विसार्दकद, विसारी-कद, लालकंद।

२२४. असिष--कटाइय, क्यलमूल, कर-हाट. गोपमद्र, बलाखूक, पंकश्चरण, पद्म-कंद, भिवाद, भिस्तंड, शासूक। ३२६. साग--भाषी, शाक, वस्ती, वाग,

इरो भाषो, इरो सम्बर्ध ।

१२७. पालकी — तुरिका, तुरपिका, जामिया, प्राम्यवल्लभा, पालंक, पालंक्य, पालक, पालको, मधुरा, वास्तुकाकारा, सुपन्ना, स्निग्धपन्ना।

३२८. चौराई—ग्रह्पमारिश, ग्रह्पमारीश, कंचट, चौरा, चौराई, चौलाई, जलज, तंडुलीय, पानीयतंडुलीय।

३२६. बन चौराई-कॅट चौराई, बन चौरा।

३३०. बधुद्या - कंकेल, द्वारपत्र, बनायन, पाशुपत्र, बधुत्रा, बधुवा, बसुक, बस्तूक, राजशाक, बास्तु, बास्तुक, शाकराट, शाक-बीर, शाकभेष्ठ।

३३१. बथुत्रा लाल — त्रयलोष्टिता, जार-दला, जारपत्रा, चिल्लिका, तुनो, महहला, मृतुपैत्री।

३३२. सोद्या—ग्रतिच्छत्रा, ग्रवाकपुष्पी, कारवी, घोषा, छत्रा, तालपर्धी, पुष्पिका, बल्या, माधत्री, मधुरा, मधुरिका, मिशी, मिसी, वनबा, शतपुष्पा, शतपुष्पिका, शताखी, शताहा, शालीना, शालेय, शीत-शिवा, शोकका, सितच्छत्रा, सुपुष्पो, सुरसा, सोवा।

३३३. मेथी - दे 'मेथी'।

३३४. मरसा (साग)—मरिसा, मरुरा, मारिष, भाषं, वाष्पक ।

३३४. पोय—श्रयोदिका, उपोती, उपोदकी, उपोदिका, पिच्छिल च्छ्रदा, पिच्छिला, प्रिक्ति, पोई, मदशाक, मोहिनी, वलिपोदकी, विशाला, दृश्चिकिया।

३३६. फाँग (साग)-फाग, फागु, फागो। ३३७. कुत्रफा (साग)-म्ब्रह्मरी, कुरफा, खुकी, घोलिका, नोनियाँ, नोनी, वृहक्कोची, लोगी, लोनी, वृहक्लोची। ३३८. पतरा (साग)—पतरी, वरती। ३३८. करमी - करमा, करमुद्धाँ, जलसाग। ३४०. सलाद्—शलाद, उलादा। ३४१. जुक—बुक्कर, जूक।

३४२. फल हरा)—फर, फल-फूल, फलइरी, फलारी, बनफल, शलाइ, इरामेवा।

३४३. श्रंगूर—श्रङ्र, श्रमृतफला, श्रमृत-रसा, कृष्णा, गुच्छफला, गोस्तनी, चादफला, तापसिया, द्राचा, प्रियाला, फलोचमा, मधुरसा, यद्मध्नी, रसा, रसाला, सुफला, स्वादो, स्वादुफला, हारहूरा।

३४४. अनार—अनार, करक, कुचफल, कुटिम, डालिमी, दंतबीजक, दाडिम, दाडिम, दाहिम, दारिऊँ, दालिम, नीलपत्र, नीलपत्रक, पर्वबद्ध, पिंडपुष्प, पिंडीर, फलघाडव, फलाशाडव, फलाशाडव, फलाशाडव, मधुनीब, मधुनीब, मधुनीब, रक्तपुष्प, रक्तवीज, लौहितपुष्पक, वल्कफल, वृत्तफल, शुक्रवल्लभ, सुनीख, स्वाद्रम्ल।

३४४. सेच-वदर, महाबदर, मुध्यमाच, सेउ, सिचितिकापस, सेब, सेव, सेव, सेवित।

३४६. मुसम्मी — मौसमी, शरक्ती नीष्। ३४७. नाशपाती — अमृतफल, नाशपाती, नास्पाती, महाबदार, विषक्ति।

३४८. संतरा—ऐरावत, किर्मिर, याववन, चक्राधिवासी, त्वस्तुगंब, नागरंग, नागर, नागरक, नारंग, नार्येग, नौरंगी, सुवाधिव, वोगरग, वक्रवास, वरिष्ठ, संगतरा, सुरंग, ३४६. केला—श्रंबुसारा, श्रंशुम्तफला, श्रायतच्छदा, उदस्तंमा, कदल, कदलक, कदली, करा, कदली, करा, केला, गुच्छुकला, चर्मरावती, तंद्वविग्रहा, तत्पत्री, नरोषधि, निःसारा, बालकप्रिया, मानुफंगा, मोचक, मोचा, रंमा, रंमाफल, राजेष्टा, रोचक, लोचक, बनलक्ष्मो, वारखवल्लभा, वारखवुषा, बारबुषा, वारखवुषा, हस्तिविषाया।

३४०. **अन्तनास** — श्रनंताच्, श्रनन्नास, श्राभ, **कौतुक्तरा**क, पारवर्ता ।

३४१ रसभरी — कट्फला, कनैया, कनैया, काकमाचिका, काकमाची, काकमाता, काका, काकिनी, कुछघी, गुंच्छफला, घना घना, बघनेफला, तिक्तिका, ध्वाद्यमाची, बहुतिका, मकोह्या, रसभरी, रसायनी, वायसी, सुंदरी, स्वादुपाका।

३४२. नीबू (क।गदी; - श्रम्लजम्बोर, श्रम्ल-तार, बतुभारो, दतघात, निम्बुक, निम्बू, निम्बूक, मातुल्ग, रोचन, बह्दिदाप्य, वहिबीब, शोधन।

१४२. नीबू (जभीरी)—कन्ना नीबू, कमला-नीबू, जंतुजित, गभीर, जबीर, जम, जभर, खभिर, जभी, जंबीन, दंतकर्षण, दतशट, दंतहर्षक, मीठानीबू, मुखशोधी, रेवत, रोचनक, वकशोधी।

केश्व नीषू (बड़ा)—गलगल, गलगला, बबीतरा, बबरा, बडीरो, बभीरी।

वैश्वश्च (चिजीरा)-चम्सकेशर, जन्तुष्त, दंश्वरक्षद, नीवू, पूरक, फलपूरक, बोकक, बीकपूर्व, मातुलुंग, दक्क, रोकमकल, बीकपूर्व, युकेशर, सुपूर। ३४६. मीठा नीबू—कौला, चकोतरा, बबोरी नीबू।

३४७. फल (स्खा)—फल, फलारी, बनमेवा, मेवा, मेवात, बान।

३४८. किशमिस—किपलफला, काश्मीरी, किसमिस, गोस्तनी, पिथका, मधुवल्ली, मधूलि, मृद्धी, शतवीर्या, हराहर, हरिता, हिमोत्तरा, हैभवती।

३४६ ऋखरोट—ऋखोट, ऋखोटक, ऋबोड, ऋखरोट, ऋखोट, ऋखोट, ऋखोटक, ऋखोड, ऋखोट, ऋस्फोटक, कंदराल, कर्पराल, कीरेष्ट, गुडाराय, पार्व-तीय, पृथक्छद, फलस्नेह, मदनाफक्ष, रेखाफल, इत्तफंल।

३६०. पिरना - चाब्फल, जलगोबक, निको-चक, पिश्ता, पिस्त, मुक्लक, सकोच ।

३६ / बादाम — नेत्रोपमफल, बातवैरी, बाताद, बःताम, सुफल ।

३६२. काजू — अग्निकृत. अवन्कार, उप-पुर्विका, काजू, काजूतक, गुण्छपुष्प, पार्वती, पृथम्बीज, कृत्तकल, स्निम्बपीत-कल।

३६३. छोहारा--लर्जूर, खरिक, गोस्तना, कारलग्री, हुहारा, छोहाना, पिडम्बज्री। ३६४. मुनक्का -काक्लोडाचा, गोस्तनी, जाम्बुका, दाख, फलात्तमा, युनक्का, मोनक्का, कविकारिकी, लपुडाचा, सुनृता। ३६४ गरी-गढ़ो, गिरो, गोला, स्लानगरियल। दे० 'नारियल'।

३६६. चिरोंजी-- ग्रसह, उपबट, सरस्वय, चार, चारक, तापस्तिय, तापसेष्ट, बनु, धनुष्पट, पट, विवाज, पियास, पियासक, प्रियास, प्याचमेया, बहुवस्क, बहुवस्क्स, मोद्धर्शर्य, राजातन, राजादन, ललन, सन्नकद्र, सन्नद्रु, स्नेह्वीज, हसन्नक। १६७. भाल्बोखारा—श्राहक, श्रालुक, भाल्क, भल्ल, भल्लुक, मल्ल, रक्तफल, बार, वारसेन, वीराहक।

· १६८. तालमखाना—इच्छुगधा, इच्छुगलिका, इच्छुर, काडेच्छु, काकेच्छु, कुलाहक, कैलया, कोकिलाच, च्रुर, च्रुरक, ताल, त्रिच्छुर, पिच्छिला, भिच्छु, वज्रस्थि, शुक्कपुष्प, शूरक, श्रु खला, श्रुंखली, श्रु गार्ला। १६६. टेटी—प्रथिल, टेटो, विककत, व्याप्रपाद, सुवाहच, स्वादकंटक।

३७०. श्रं जीर-श्रजीर, काकोदुम्बरिका, मंबुल:

३७१. मूँगफली --चीनावादाम, चीनियांबादाम, चीनियावादाम, चीनियावादाम,
चिवाजा, भूचणका, भूटियावादाम,
भूमिजा, भूमिशिनिका, भीटियावादाम,
मंड रो, मूँगफली, रक्तवीजा, स्नेहवीजिका।
३७ . क्कड़ी—रवींच, उर्वाच, ककरी,
कर्कटाच, कर्कटो, चिभीटो, कुर्जीपनिका, तोयफला, त्रपुष्पा, त्रपुष्पी, पोनसा,
बहुकदा, बालुंगी, मूत्रफला, मूत्रला,
लोमशकाडा, लोमशा, लोमशी, बृहत्फला,
व्यालपत्रा, व्यालपत्री, शान्तन, रथ्ला,
हरिनदतफला, हरितपर्णी।

रेथा, कटकला, किल्लाची, कुंमसी, गोरल-रिया, कटकला, किल्लाची, कुंमसी, गोरल-ककड़ो, चित्रवरूली, चित्रा, चिर्मिट, देवो, पथ्या, फूट, बहुफला, मकुर, महब, मृगाची, मृगादनी, मृगेच्चण, मृगेवींक, लघुविमिटा, विचित्रा, श्वेतपुष्पा, सेंघ। रे७४. खीरा—कंटकिलता, कटकीफल, कंटाचु, काडाचु, कोवफ्ला, चीरा, खीरा, तुंदिलफला, त्रपुकर्कटी, त्रपुष्प, पीतपुष्प, बहुफला, बालमखीरा, सुधाबाची, सुधीतक। ३७४. पेहँटा—कचरी, पेहँटा, पेहँद्रल, पेहटी, पेहँट्ल।

३७६. लखनवी खरवूजा—चित्रल, नारा-पाती।

३७७. स्वरबूज-त्रमृताह, खरकुष्ण, खरबूज, खरबूजा, तिकफला, तिका, दशागुल. फलराज, मधुपाका, मधुफला, वृत्तेर्वाह. प्रमुखा, प्रहेखा।

३७८. तरबूज — श्रल्पप्रमाशक, कर्सिंग, कलिद, कालिंग, कालिंट, कृष्णवीख,गोडुंब, घृणाफल, चित्र, चित्रफल, चित्रविक्लिका, चेलान, नाटाग्र, मत'रा, मधुरफल, मांस-फल, मासल, मेट, राजतिनिष, लतापनस, इत्तफल, शीर्णवृत, सुलाश, सुवर्ष्क, सेट, हिगुश्राना, हिंदमाना ।

३७६ सिंघाका - जलफल, बलबह्ली, बल-स्वी, त्रिक, त्रिकोट, त्रिकोशफल, पानी फल, वारिकंटक, वारिकुब्बक, विषाखी, शुक्कदुर्थ, श्राकंट. श्राम्ल, श्राकद, श्राट, श्राटक, सपाटका, विषासा। ३५० हरफार बढ़ा--कोमलबह्कला, पना, पाइ, लवली, सुगंधमूला, स्कथफला, हरफारेवरी।

३८१. फूल--कुमुम, गुज, पोख, पुष्प, पुष्प, पुष्पक, पुर्व, पुरुव, प्रस्क, प्रस्त, प्रस्क- पिता, मक्ता, मक्ता, मक्ता, मक्ता, माम्प, समद, सारग, सुम, सुमन, सुमनस्, स्म, शुग्नस्

३८२. पुष्पयुक-उत्क्रम्स, कुबुक्तिस,

पुन्पित, प्रकुरूल, फुरूल, विकय, म्याकोश, सफुरूल, स्कृट ।

३८३. पुष्पमाला-पृष्पमाला, फूलमाला, माला, मालिका, सर्।

३८४. पंखुरी—दल्, पंखुर्का, पाखुरी, पटल।

३८४. परागकेसर- धृत्ति, पराग, पराग-केसर, पुष्प-रज, रज, रेग्रा।

३८६. पुष्परस—पुष्पञ्ज, पृष्पद्रव, पुष्प निर्यासक, पुष्परस, पुष्पसार, पुष्पस्वेट, पुष्पाम्बु, मकरंद, मधु।

३८७. फूलगुरुख — कुतुमस्तवक, पुष्पगुरुख, फूलगुरुख।

इत्तः क्रमल- त्रंबुच, श्रभोच, श्रभोदह, श्रानंद, श्रन्च, श्रभ्लान, श्रावंद, श्रास्य-पत्र, इंदरायल, इदीवर, उत्पल, कच, कॅवल, कवार, कुटप, कुशेशय, कोकनद, खलकरच, जलब, बलबात, तानरस, ताम-रस, ब्रोगा, नल, निलन, नालिक, नालीक, नीरख, पंकचात, पकदह, पत्री, पद्म, पयोज, पार्थाच, पारिचात, पुटक, पुंडरीक, पुरइन, मकरदी, महोत्पल, पुष्कर, प्रकुला, बनख, विसकुसुम, राजीव, राजिव, वनज, विस. श्रस्त, शतदल, शतपत्र, शम्बर, शोभन, श्रोपर्च, शीवास, श्रीवास, श्रवासक, श्रा, स्रोष, स्रोवास, सहस्रदल, सहस्रपत्र सारच, स्रक्षक, हरि, हिम।

हैम्ह. कसस नास — कमलदब, कमलनाल, कीमल, कोमलक, कीरक, ततुर, तंतुल, निस्तीयह, नाल, पौनार, विस्त, मुराह, कुस्माल, मुखालबंद, मुदालिनी, मुखाला, विस्तंत्र, विविती।

३६०. कमस-केशर—श्रापीत,काचन,किंब, किंबह्क, केशर, वापेयक, बीरा, तुंग, पीतपराग।

३६१. कमल-धूलि — गोलोक्य, धूलि, पद्म-कर्कटो, पद्मनीच, पद्माच, पराग, पांसु, रच, रेशु ।

३६२. कमल रस-मक्रद, मधु, रह। ३६३. कमल-दल-किसलय, दह, संव-

३६४. नील कमल—श्रीसतीत्पल. इदिरा-बर, इंदीवर, उत्पलक, कदोट, कुड्मलक, तोत्पल, नीलकमल, नीलपत्रक. नीलांकुच, नीकाञ्ज, सुराध, सौगचिक।

३६४. लाल कमल अरविंद, श्रलिप्रिय, श्रलपण्य, भालोहित, कुमुद, कृष्णकंद, कोकनद, चादनालक, रक्तकम्मल, रकोत्पल, रविभिय, शोषापद्म

३६६. पीत कमल-पाइकमल, स्वर्ष-कमल।

३६७. सफंद कमल -कैरब, हशोपम, पुड, पडरीक, पुनाग, महापद्म, शभुबन्लभ. शरत्पद्म. शारद, श्वेतपश, खितांबुब, मिताम्ब, हरिनेत्र:

३६८. गुलाब—श्रांतकेसर, श्रांतकुल, श्रांत मञ्जल, श्रांतमञ्जला, कटकाठ्या, कर्यिका, कुल्जक, कुमार्ग, कूला, सर्व गघाठ्या, चाढयेस्टा, तक्या, देवतक्यां, बहु-पश्चिम, भद्रतक्यां, मृगवस्त्रमा, मृगेशा, महाकुमारी, महास्थ, महास्हावारिकटक, रामनक्यी, लाखापुण्या, क्चपुष्य, शतदस्ता, शतपत्रिका, शतपत्रां, शिववस्त्रभा, स्था, सुदला, सुमना, सुक्च, सुशीता, तेवती, सेवती, सेवती, सीम्यगया । ३६६. केवड़ा सफेद—इंदुकलिका, कंट-दला, केतकी, केवड़ा, ककचच्छद, ककचा, गंधपुष्पा, चामरपुष्प, जम्बुक, जम्बुक, तीच्यापुष्पा, दलपुष्पा,दीर्घपत्रा, धूलपुष्पिका नृपप्रिया, पाशुला, मेध्या, विफला, शिव द्विष्टा, स्चिकापुष्प, स्चिपुष्प, स्थिरगंधा, इलीन।

४०० केवड़ा—कनकप्रस्वा, कामखग-दला, केवड़ा, छिन्नइहा, पुष्पी, लघुपुष्पा, दुगंधिनो, स्वर्णकेतकी, स्वर्णपुष्पी, हैमी। ४०१. बेला—ग्रातिगंध, ग्रातिगंधा, ग्राध्पदी, गंधराज, गंधसार, गवाची, गिरिचा, गौरी, बुद्धस्मोतिया, जनेष्ट, तृखश्रून्या, दंतपत्रा. दलकोषक, देवलता, नारीष्ट, प्रमोदनी, प्रिय, प्रिया, बनमोगरा, मद्रवल्लो, भूपदी, मदयंती, महिनका, मल्ली, मुक्तबधना, मुग्दरक, मुग्दरा, मृगेष्ट, मोगरा, मोतिया, राजपुत्री, वनचंद्रिका, वर्त्तल, वार्षिका, बार्षिकी, विटिप्रय, शीतभीर, श्रीपदी, षटपदिप्रया, षटपदानद, सप्तपत्र, सिता, सौम्या।

४०२ चमेली—उपजाती, बलिहासा, वर्षापुष्पा, वेशाक, श्रीमती, सुरूपा, सुवर्षा।
४०३. चमेली (पीली)—चमेली, जनेष्टा,
जाई, बातिका, जाती, तैलमालिनो, पीली
बाई, प्रइसंती, प्रियदा, मनोज्ञा, मनोहरा,
मास्ता, मालिनी, राजपुत्रिका, राजपुत्री,
बसंत्वा, वार्षिक, वासंती, सध्यापुष्पी, सुकुमारी, सुमना, सुरप्रिया, सुर्भिगषा, सुवसंता,
स्वर्षवातिका, स्वर्णवाती, हृद्यगधा।

४०४. जूही (सफेद)—श्रंबाच्ठा, गजाहया, गणिका, गुजाज्वला, चारमोदा, जुही, पुरुषगंधा, बहुगध, बालपुष्पका, बालपुष्पी, भृगनंदा, मागधी, मोदिनी, यूथिका, यूथि-तरुगी, यूथी, वासंती, शंखयूथिका, शिखं-डिनी, शिखंडी, स्गंधा, सुगंविका, हरिगी।

४०४. जूही (पीली)-कृनकप्रमा, गवाठ्या, जूही, नागपुष्पिका, पोतयूथी, पोतिका, युवतीष्टा, रक्तगंघा, व्यक्तगंघा, सुगणा, सुवर्णयूथी, सुवर्णाहा, सोनजुही, हेमपुष्पा, हेमपुष्पका, हेमयूथिका, हैम।

४०६. चंपा—श्रतिगधक, उग्रगधा, काचन, कुट, कुलुमाधिप, चपक, चंपा, चापेय, दीपपुष्प, नागपुष्प, पीतपुष्प, पुर्यगंबा, भृगमोही, भ्रमरातिथि, बनदीप, वरलब्ध, शीतल, शीतलच्छद, सुकुमाधि-राट, सुकुमार, सुरभि, स्वर्शपृष्प, स्थिरपृष्प, हेमपुष्प, हेमपुष्प,

४०७. कमुदिनी—इदुकमल, उत्पल, कंदोत, कच्छ, कमोदिनी, कहार, कुबेल, कुब, कुबल, कुमुद, कुमुदिनी, कुमोदिनी, कुबलय, कुँई, कैरव, कोई, कोका, गध्योम, गर्दभ, चंद्रकॉत, चंद्रकाबुज, धवलोत्पल, निलनी. निशाफुल्ल, पद्मिनी, रात्रिपुष्प, शीतखलज, शीतलक, सितोत्पल, सौगंधिक हिमान्ज, हल्लक।

४०८ कुमुदिनी (नीली)—इंदीवर, क्ष्, कुंई, कुमुद, कुमुदिनी, कुमोद, कुमोदिनी, क्वलय, कोई, कोका, कोकावेरी, कोलावेसी, नीलोत्पल, नीलोफर, प्रफुला, विश्ववंद्य, सुपर्यो।

४०६ स्थलकमल — श्रंबुददा, श्रतिचरा, श्रव्यथा, चारिटी, पुष्करची, पुष्करनादी, पुष्करपर्थिका, पद्मचारिखी, पद्मा, पद्मावती, पद्माद्वा, रम्या, लक्ष्मी, लेखा, स्यलबहा, वारदा, सुगंधमूला, सुपुन्करा।
४१०. कटसरैया (पीली)-कटसरैया, कनक,
किंकिरात, कुबंट, कुबंटक, पीतपुष्प, पीतपुष्पक, पीतसेरेयक, पीताम्लान, पुर, बीर,
सहचर, सहस्री, सहात्रर।

४११. कटसरैया (लाल)—कटसरैया, कामुक, कुरवक, रक्तिमिटका, रक्तिमेटी, रकपुष्प, रक्ताम्लान, रामप्रसव,रामलिंगन, शोलिमिटिक, शोणिसिटी, सुमग।

४१२. कटसरैया (सफेद)-कटसरैया, कुर-टक, कुरवक, पियाबासा, सरैया, सैरेय, सैरेयक।

४१३. कटसरैया (नीली)-म्रतंगन, म्रार्च-गल, कंटार्चंगली, नीलकुरंटक, नीनकुसुमा, नीक्रिकंटी, नीलपुष्पी, वाषा. वाला, रौरीयक, शैरेय।

४१४. कुन्द — त्रष्टहास, त्रहपुष्पक, दमन, दलकोष, भृगवंधु, मकरंद, महामोद, माध्य, मुक्तापुष्प, बनहास, वरट, वोरट, शुल्लपुष्प, स्वेतपुष्प, सदापुष्प।

४१४. मासती—जाति, युवती, वासती, सुमना।

४१६. रजनीगंधा—गुलरान्नो, रजनी-गम्बा, रातरानी, सुगंधरा, सुगंधिराज।

४१७. इरसिंगार — लरपत्रक, नालकु कुम, परनाता, पारिवात, प्राजक, रागपुष्पी, विमारदार, हरविंगार, हारमृंगार।

४१८. कदम्ब-कदम, कदम्म, घाराकदंव, नीष, नृत्यनीष, प्रीद्यंक, बत्ताहारक. भूनोष, वृत्तिकदंब, भूमिख, भृंगवहत्तभ,मदिरागंच, सञ्जूष्ण, विष्ण, वृत्तपुष्प, सुवाह।

४१६, क्रमेर-- क्रम्बन्न, क्रम्बमारक, क्रम्ब-रीवक, करबीर, क्रुंद, गौरीपुष्प, चंडात, तुरंगारि, दिश्यपुष्प, नसराह्य, प्रतिहास, रंगारि, वीर, शंकुद, शतकुंद, शतकुंभ, शतपास, शातकुभ, शीतकुंभ, श्वेतपुष्प, श्वेतपुष्पक, सिद्धपुष्प, स्थलकुमुद।

४२०. मौलसिरी — कंट, करक, केसर, गृह पुष्पक, चिरपुष्प, तैलांग, दोहल, धन्यो,
बकुल, अमरानंद, मकुल, मदन, मधुपंबर,
मधुपुष्प, मुकुल, मौस्मी, मौलश्री, बरलब्ध,
विशारद, शारदिक, सिंहकेश्वर, सीमंगंध,
सुरभि, सीमुखमधु।

४२१. में हदी —कोकदंता, नखरंजिनी, मेदिका, मेहदी, यवनेष्टा, रंजका, रंजिनी, रागगर्भी, रागागी, साकचेरि, सुगधपृत्र्या, हिना, हेना।

४२२. खड्हुल-श्रद्धुर, श्रव्णा, खांद-पुष्प, श्रीद्धुल, श्रोडास्या, गुरहर, जया-कुसुम, जवाकुसूम, त्रिसध्या, प्रानिका, रक्तपृष्पी, रागपुष्पी, इलद्वुल।

४२३. दौना—दमनक, दवन, दवना, दोना।
४२४. गुलदौना—कुलपत्र, कुलपत्रक, गंधोकट, गुलदौना, बटिला, तपोधन, दंडी,
दमन, दमनक, दात, देवरोखर, दौना, पत्री,
पवित्रक, पाडुराग, पुंडरोक, पुष्पचानर,
बहाबट, बहाबटा, मदनक, मुनिपुत्र, मुनि,
विनीत।

४२४. गुलदुपहरिया — अर्बवल्लभ, योध्ठ-पुष्प, गुलदुपहरिया, ज्वरक्त, बंधुबोब, बंधु, वधुल, वंधूक, बंधूलो, मध्यंदिन, माध्याहिक, रक्त, रक्तक, रक्तपुष्प, शरतपुष्प, सुपुष, सुर्यमक, सुर्वमक्क, हरिप्रिय।

४२६. ध्वमस्त्व---भ्रगस्तिया, भ्रमस्ती, भ्रम-स्त्य, कमली, खरणंती, दोर्पफलक, पवित्र, बंगपुष्य, बोडी का फूल, ब्रह्मार, सुनिपुष्य, बंगसेनक, वकुल, शीव्रपुष्य, शुल्कपुष्य, सुरप्रिय, इदगा, इाथया।

४२७. टेसू (फूल)--टेस्, नाइर।

४२८. सूरजमुखी—स्रजमूखी, स्र्यंफूल, स्र्यमुखी।

४२६. गेंदा-नेना ।

४३०. स**दाबहार**-तमाल, नागकेसर, नाग चपा, म्योझी, सदावहार ।

४३१. माधवी - श्रांतमुक, श्रांतमुकक, श्रांतमुका, कामुक, चंद्रवल्ली, पराभया, पुंडूकलता, भद्रकता, भूमिमंडपभूषण, भृंगप्रिया, भ्रमरोत्सव, मंडप, माधविका, माधवी, माधवीलता, बसतदूती, वासंती, विमुक्तक, सुगंधा, सुवसंता, हेमपृष्प, हेम-पृष्पक, हेमाह /

४३२. गॅगेरन — ब्रानिष्टा, खरमधनी, खरविल्लिरिका, गागेरुकी, गोरच्नतंडुला, चतुःपला, कषा, देवदंडा, नागवला भद्रौ-दना, महापत्रा, महोदया, विश्वदेवी, हस्व-गबेधुका।

४३३. **रूपम जरी**—रूपी।

४३४. मद्नमस्त—मदनमस्त, मस्ताना, मोतीबेल।

४३४. **मुचुकुंद** —िचत्रक, छत्रवृश, दार्घपुष्प, प्रतिविश्युक, बहुपत्र, रक्तवसव, सुदल, सुपुष्प, हरिल्लम ।

४३६. मस्त्रमत्ती-कलगा, गुलमस्त्रमल, ऋंडु, ऋंड्रक, लालमुर्गा, स्यूल-पुष्पा ।

४३७ गुलपरी — श्रम्पकंटकी, गुलतोरा, चिंचापत्रा, बर्हपूष्पा, वनवासी, शंखोडरी, रकासापत्री, सुप्ष्पा, सुशिम्बिका। ४३८. सटकन — करण्ड्या, वाफर, जोगिया, तृयापुष्पी, रक्तवीया, सटकम, वीरपुष्पी, शोरापुष्पी, सुकोमला, विंदुरपुष्पी, सिंदूरिया, सिंदूरी, सेंदुरिया, सेनुरिया। ४३६ गुल्लाला लालपुल —गर्माला, रक्तपुष्प, लालकुसुम, लालपुल।

४४० गुलतुरी — गुलतुरी, सिद्धनाब, सिद्धाख्य, सिद्धेश्वर ।

४४१ नेषारी — स्रतिमोदा, गंधनिलया, गुच्छपुष्प, गुच्छपुष्पा, स्रोध्मभवा, स्रीध्मो-द्भवा, स्रीध्मका, स्रोध्मो, देवलता, नय-मालिका, नेपाली, नेमाली, नेवाही, नेवारी, नेवाली, नेवारी, नेवाली, नेवारी, नेवाली, पहलंती, महक्मी, मधुगधा, राषादनदला, वनका, वनमामिल्लका, वलंतजा, वासंती, शिलांग्ची, शुचिमल्लिका, सप्तला, सुकुमारा, सुगंधा, सुवसंता, सूद्मपुष्पिका।

४४२. पाटल—पाटर, पा**ड**र, पा**डर** । ४४३. <mark>घातु – खनिब, खनिब पदार्ब,</mark> खानिब, दरब, मेटेल ।

४४४. खान-—ग्राकर, दर्शन, स्थस, कान, खबाना, खदान, वनि, बान, खानि।

४४४ खनना-—खती करना, खनोना, खोटना, गोइना ।

४४६. खनने का अस्त्र—कुदास, संता, खती, खनित्र, फावडा।

४४७. स्वोदाई--खुरवाई, खुदाई, कोदाई, गोदाई।

४४८. सोना—शकुष्य, श्राग्त, श्राग्तवीय, श्राग्तिशिसा, श्राग्तेय, श्रभ्रद, श्रप्त, श्रव, श्रर्जुन, श्रण्टापद, उष्पत, कर्षा, श्रव्य, कंचन, कनक, करहाटक, कष्ट्र, क्र्युर, कस्रवीत, क्रयाय, कोचन, क्रासि, कार्य-

स्वर, कूंदन, कुशन, गांगेय, गांदक, गैरिक, गौर, चंड, चंद्र, चांपेय, चामीकर, चादरस्न, बायव, बांबूवद,बातरूप, बातरूप, तपनीय, दत्र, दोप्तक, द्राविक, निष्क, विचान, पीतक, पुरट, पेश, भर्म, भास्कर, भूनम, भूरिपिबर, भूषबाई, भृंगार, मगस्य, मनोहर, महारबत, रेनक, रुक्म, कोइ, लोइबर, लोहोत्तम, वारिज, शतकुंम, शातकु म, भीनिकेत, मानसि, सुबरन, सुर, सुवर्षा, स्यंनामक, सोना, सुवरन, सौमेबत, स्वर्ण, इरि, इटिक, हिरयय, हेम । ४४६. चाँदी - अकुप्य, इदुलोइक, कलघूत, कलघौत, कुप्य, कुमुद, खर्जूर, चद्रकान्ति, चंद्रभूति, चंद्रलोहक, चंद्रवपु, चाँदी, बातकप, तप्परूपक, तार, दुर्दान, घौत, परिक, महावन, महावसु महाशुभ्र, रमबीज, रख, रजत, रुक्भ, रूपक, रूपा, रौप्य, लोइराजक, वसुभेष्ठा वाष्कल, विमल, शुभ, शुभ्र, स्वेत, स्वेतक, सित, विता, सीय ।

४४०. ताँचा — श्रमक, श्रर्विद, श्रकं, उडु ध्वर, उडु वर, कर्नायस, तपनेष्ट, तम्रक, ताँचा, तामा, ताम्र, ताम्रक, द्रयण्ट द्रिष्ट, नौपालिक, नैपालिका, पवित्र, मुनिपित्तल, म्लेच्झ्युक, ब्रम्नवर्षस, भासुर, रक्त, रक्तधादु, रवित्रिय, रावलोह, रविस्तीह, व्वस्त्रक, सोदिताप, लोहितापस, वरिष्ट, शुल्ल, श्रुह्म, सर्वलोह, सुरूप, स्ट्यांह ।

४४१. सोहा--- शव:, श्रयस्कान्त, श्रथमधार, श्रवमार, श्रावत, श्राहन, कात, कातलोह, काकावस्, कृष्यावस्, लग, चालस, विश्ववत, विस, लोह, लोहकांतक, लोहा, श्रीह, वर्षलीह, शंकक, राष्ट्र, शक, शस्त्रक, शस्त्रालय, शिलाब, शिलारमब, सार।

४४२. फीलाद— इसपात, इस्पात, खेदो, फीलाद, लोइसार।

४४३. चुम्बक-श्रवस्कात, कान्तपायाया, चुम्बक, चुंबकपत्थर, लोइकर्षक, लौइ-कर्षक ।

४४४. पीतल — आर, आरक्ट, कपिला, कपिलोइ, कॉची पीतल, चुद्रसुवर्थ, द्रम्य-टाक, पितकांबेर, पाकटुंडा, पिंग, पिगल, पिगललोइ, पिचल, पीतक, पीतचातु, पीतल, पोनलोइ पोतलौइ, द्रझरीति, द्रझाची, मंहरवरी, मिभ, राजपुत्रा, राब-रोती, रीति, रीरी, लोइ, लोहितक, सिंइल, सुलाइक, सुवर्णक, हरिलोह।

४४४. जस्तः —कसास्यि, जसद, जस्त, जस्ता, बगमदश, यशद, रीनिहेतु, भ्वेनपटल

४४६. कॉसा--त्रस्राह्य, कस, कसास्थ, करकुट, कान्स, कान्सक, कॉसा, कॉसी, कॉसाय, कॉस्य, घंटाश्च्द, घोरपुष्य, घोरमोह, घोष, ताम्रत्र्युष, ताम्रप्दं, दीप्तलोह, दोप्तलोहक, टोप्तिलाहक, दीप्त, प्रकाश, पूल, बगशुक्तक, बहि-लोहक, विद्युत्प्रिय।

४४७. राँगा—माप, चालीमन, कलई, कस्तीर, कुचप, कुक्पनी, कुरूप्न, गुक्पन, चक, चक्रसन्न, चिष्पट, तमर, न्नपू, न्नपुष, नाग, नागच, नागज्ञावन, पिष्चट, पूतिगंघ, बग, मधुर, मृह्दग, रंग, राँग, राँगा, वग, सिंहल, स्वर्मच, स्ववेत, स्वपेत, हिम। ४४८. सीसा—उरग, कुरंग, गङ्ग्दभव, चिर्चट, चीन, चीनिष्ट, चीनरंग, चीर, चड़, तारशुद्धिकर, त्रपु, घादुमल, नाग, पद्म, परिषिष्टक, पार्वत, पिर्चट, पिष्ट, बन्नक, बहुमल, भुजगम, महाबल, मृदु-कृष्ययस, यवनेष्ट, यामुनेष्टक, योगेष्ट, वयोरग, लेख्य, वच, वन्नक, वप, वयोवंग, वर्द्ध, शिराहृत्त, शीशा, श्वेतरंबन, सिंदूरकारण, सीस, सीसक, सीसपत्रक, सुवर्णक, सुवर्णारि, स्वर्णारि, हरिद्रा।

४४६. पारा — श्रिचंतज, श्रमर, श्रम्त, श्रिवंतज, लेचर, चपल, जैत्र, त्रिनेत्र, दिव्यरस, दुर्क्यर, देव, देइद, पार, पारत, पारद, पारा, प्रसु, प्रसुकद्रज, महातेज, महारस, मूर्ति, मृत्युनाशक, यशोदा, रक्षस्वल, रस, रस्वाद्ध, रसनाथ, रसराज, रसलेह, रसायनभेष्ट, रसेद्र, रसोत्तम, कद्रज, रोपण, लोकेश, लोहेश, शिव, शिववीज, शिववीर्य, शिवाह्य, सिद्धवाद्ध, स्ता, स्तक, स्तराट्, स्कद, स्कदाशक, स्वामी, हरतेज, हरवीज, हेमनिवि।

४६०. स्वरक— अतिरक्ष, अवर, अवर, अवरक, अव्द, अमल, अभ, अभक, अव-रक, आभ, ख, गगन, गरजध्वज, गिरिज, गिरिजाव'ज, गिरिजामल, गौर्यामल, गौरीज, गौरीजेय, घन, घनाइक, तबक, निर्मल, बाहुपत्र, सुरवल, भृंग, भोडर, भोडल, व्योम, शुभ।

४६१. ४ तरह के अञ्चक-दर्दुर, नाग, पिनाक, वज्र ।

४६२. गेरू --गवेधुक, गवेडक, गिरिधातु, गिरिमृत, गिरिमृद्भव, गेरु, गैरिक, गैरेय, ताम्रधातु, धातु, प्रत्यश्म, रक्तपातु, लोहितमुस्तिका, बनालक ।

४६३. सुरदासंख-नागक्त्य, वेदारमः गय, ब्रन्न, मुरदाशंख, मुरदाधिग, मुरदादम, मुरदासंख, बोदार, बोदारमः ग, स्वर्ष-वर्णक।

४६४. नौसादर--ग्रमृतचार, वारभेष्ठ, चूलिकालवण, नरसार, नौसादर, वश्वर-खार, वश्रद्धार, विदारन, सादर।

४६४. संखिया—त्राखुपाषाश,गौरीपाषाब, मल्ल, लोहशंकरकारक, शस्तिष, शतमल्ल, शंगविष, श्रीका, श्रीक, सोमलसार।

४६६ फिटकिरी—गतरंगा, फटकिरी, फिटकिरी, इदरगा. इदा, रंगदा, रगहदा, रगा, रगागा, शुभा, श्वेता, द्वरंगा, स्फटिका, स्फटिकारि, स्फटिकारिका, स्फटी।

४६७. लाह — अलक, किमिजा, कीटजा, च्तानी, खदरिका, गंघमादिनी, गराणिका गर्याघका जतु, जतुका, द्रवरता, दोषि, द्रमन्याघि, नीला, पलंकघा, पलाशी, थाव, रंकमाता, रका, राखा, लाख, लाह, लाहा ।

४६८. कुंदुर-कु दुर, कुदाब, सपुर, तीक्य-गध, नागवधूपिय, पासंकी, भोक्य, विदालाच, शल्लकीनिय्याप्त, सुसंब, सौगछो।

४६६. शोरा—सर्वसार, जौरिय, सार्व, तीस्यरध, वाजी, शिलावत, शोब, सार्व-रहा, सुवर्विका, स्रकार, स्वंदार, स्वी-खार, सोडा, सोरा। ४७०. नोनी (मिट्टी)—कल्लर, नोना, कोना, कोनी।

४०१. गंघक—श्रतिगव, कीटक्न, कुटारि, कूरगंव, गंव, गंवक, सवकपावाय, गंबमोदन, गंबमोहन, गंबाश्य, गंविक, गंबी, गौरीवीब, दिव्यगंव, पामागंव, पामाच्न, पामारि, बलरस, बिस, रसगंवक, बर, शरभूमिब, शुक्तारि, सगंब, सुगंविक।

४०२. ४ तरह की गंधक—नीला, पीला, जाल, छप्नेद।

४७३. हरताल — अल, कब्र, कनकरस, काखनक, काखनरस, गोदंत, गोरोच, गौरीललित, •िचत्रगंध, चित्रांग, खुत्रांग, ताल, तालक, नटभूषया, नटमंडन, निस्नगंधि, पिंग, पिंगासार, पिजर, पिंचरक, पिंचल, पित्तल, पीत, पोतक, पीतन, विद्वा-सक, मनोश, लोमहत, वशपत्रक, वर्याक, वैदल, सिद्धधातु, हरिताल, हरितालक, हरिबीख।

४७४. २ तरह की हरताम —गोदतहरतार, तनकिया हरताल।

४७४. गोवंत इरताल-- गोवंत, पिंड, इन-ताल ।

४७६. तबकिया हरताल--तबकिया, स्त-

४००. रास - कलकला, कलयस, काल, स्थ, देवधूप, देवेण्ट, धूनक, धूना, धूपन, बहुदप, यस्पूप, राक्ष, ललत, विरूप, सासवेण्ट, शालकार, सर्जरस, वर्षरस, सासब, सुर्मा।

४७८. व्यक्ताम (विष्-- श्रम्त, शाहेय, क्वाकूस, काकोस, कालकूट, क्रयस, द्वेड, गर, गरद, गरस, चोर, जंगुस, ग्रहर, जागस, जांगुस, जोवनाचात, जीवनांतक, तीच्या, दारद, नीस, प्रदोपन, प्राचहर, बचनाग, ब्रह्मपुत्र, भुगर, पाहुर, रक-शृशिक, रस, रसायन, वस्तनाम, विष, शौक्रकेय, शृंगी, सौराष्ट्रिक, इसाहस, इारिद्र, हालाहम।

४७६. ६ तरह के उपविष—श्रकीम, कतर, करियागे, कृचिला, बुँबली, बमाल-गोटा, घत्रा, मदार, संहुद्

४८०. रक्क —कामती पत्थर, गोमेट, गोमे-दक, चूनी, बनाहर, बनाहरात, बनाहिर, बौहर, तननगी, नग, नगी, नगीना, नवरतन, नवरत्न, पुलक, मिथा, रतन, ललाम।

विलोम-दे॰ काँच

४८१. ६ र**ल**—गोमंद, नोलम, पु**ष्पराग,** मरकत, मा**ग्रिक,** मृंगा, मोतो, वैद्यं, दारा।

४५२. समुद्र के ४४ रक्य-अपृत, इद्र-भनुष, उन्चेशवाषोड़ा, ऐरावतहायी, कल्प-वृच, कामचेनुगी, कौस्तुशमिख, चद्रमा, धन्वतारेवैद्य, पाचवन्यशस, रंभाचप्तरा, सच्मी, वाश्यो, हलाहलविष्

४८३. मोर्ता—अभसार, इतुरब, कुवस, कोड, गुलिक, गोशवारा, गौहर, बलब, दिवसुत, तारा, दर्दुर, नच्च, नोरब, मृदह, मौतिक, मबर, मंदरिका, मंबरी, मुका, मुकाफल, मोती, मौकिक, लब, लहमी, बंदनबार, शशियोती, शशिप्रम, शशियम, शृक्तिव, शुक्तिव, शौक्तिक, सीप्युव, सीप्युव, सीप्युव, सीप्युव,

सीपिज, स्वातिसुत, स्वातिसुवन, हारी, हिगबल, हैमवत, हैमवती।

४८४. माणिक — श्राममं, श्रवणीपल, कुविल्म, कुविंद, कुरविंदक, गोनस, चंद्रकात, चिंतामणि, तपन, तरिण्रत, तरुण, तापन, पद्मराग, माणि, माणिक, माणिक्य, मानिक, रत्न, रत्ननामक, रत्नराट, रविरत्नक, रागयुक, लद्मीपुष्प, लाल, लोहित, लोहितक, शोणरत्नक, श्रुगारी, शोणोपल, सुरमणि, सूर्यकांत, सौगिषिक, स्पनंतक, स्परिक।

भ्रम्थः हीरा-श्रभेशः, श्रशिरं, कनी, कुलिशः, गो, दबीच्यस्थि, दकं, दृदगर्भक्, दृदागं, निष्कं, निष्कंपां, पद्गं, पदकं, मिश्वि-वरं, वज्रं, वज्रकं, वज्रमिशि, वज्रसारं, वरारकं, पटकीसां, सूचीमुखं, होरं, होरकं, हीरा।

५८६. पन्ना—ग्रहमगर्भ, श्रश्मगर्भज, गर-लारि, गवडाकित, गवडाश्म, गवस्मक, गवस्मत, गावब, जमुर्रद, पन्नग, पन्ना, मिणि, मरकत, मरक, मसार, मसारक, राजनील, रोहिणेय, लतापावक, वाप्रबोल, सौपर्ण, हरित, हरितमिण, हरिनग।

भ्रम्भः लाल--श्रकेपिल, श्रम्योपल, कुर-बिन्द, तम्या, पद्भरागः पक्षरागः, मागिक, मायिका, मामिक, रंगमाखिक्य रका, रत्नक, रविरल्क, रविवित्र लौहितिक, वैकात, श्रांगारी, सौगधिक।

४८८. नीलम — श्रांसतरत्न, इन्द्रनील, तृष्ध्रवहः, नील, नीलक, नीलकात, नालपल, नीलमान, नीलमणि, नीलोष्मा, मच्छोद्भव, मसार, महानील, सुनीलक, सौ ररत्न । ४८. लहसुनियाँ — अअरोह, केड्रबह, केड्रबह, केड्रबह, केड्रव, कीटव, प्राकृष्य, बालवायब, बाल-सूर्य, मेघलराकुर, राष्ट्रक, बद्राचक, लहस्र-नियाँ, विदूरज, विदरस्त, विदूर्य, वैद्वर्य, वैदूर्य, शराब्दाकुर

४६०. फीरोजा—पेरोजा, फिरोजा, भस्मांग, इरित, इरिताश्म।

४६१. चुन्नी-क्य, वैकात।

४६२. पुरवराज—गुरुरत, जीवरत, पीत, पीतस्फटिक, पुखगज, पुष्पराग, पुष्पराज, पोखराज, पोखराज, वाचस्पतिवस्त्रम ।

४६३. गोमेद्—श्रग'स्तसत्व, गोमेट, गोमे-दक, तमोमिषा, पिंगस्फटिक, पोतमिषा, पोतरत्न. पीतसार, बांद्वरत्न, राद्वमिषा, लिंगस्फटिक, त्वर्भानवः

४६४. शांख — अंतःकुटिल, अन्य, अन्यिम, अर्थावभवोदर, अर्थोभव, कबु, कबुक, कबोज, जलककर, जलज. बलोज्यव, त्रिरेस, दोर्घनाद, दोर्घनिरचन, बुष्टद्राबी, बच्छ, पावनध्वनि, पूत, बहुनाद, महानाद, मुखर, वारिस, शांख, शांचक, शवुक, शवेत, समुद्रक, सम्यक, सुनाद, सुरचर, हरि प्रिय।

४६४. कोडी--कउदा, कपर्दिका, बराटिका, बराटिका ।

४६६. रवेतमशि — ग्रमररत्न, वौतिश्वल, निर्मलोष, निस्तुवररत्न, निस्तुवोषस, बिल्लौरी पत्थर, भासुर, विमलमिष, शालिपिष्ट, शिवपिय, शैव, श्वेतमिष, श्वंत रत्न, स्फटिक, स्फटिक मिष, स्फटि-कातमा, स्फटिकोपस, स्फटीक, स्वच्छारीय, स्वच्छारत्न। yes. चितामणि-कामदर्माण, चिता-

४६८. गजमुका---गबमिष, गवमुका, गब-मोती, विधुरमणि।

४६६. सूट्यंकांतमिशा-श्रिमार्भक, श्रर्क-मिता, अर्कोपल, आतंशी शोशा, तापना, दहनोपम, दीप्तोपल, रविकात, रविमिखा, सूर्यकात, सूर्यकातमनि, रविरत्न, सूर्यमिया ।

६००. चंद्रमशि -श्रम्ताद्राव, इदुकात, चद्रकात, चंद्रकातमध्य, चद्रपल, चद्र-मनि, चद्राश्मा, चंद्रिकाद्राव, चांद्र, प्रस्त-रोपल, सप्तवोपल, शश्चिकान, शीताश्मा, धिताश्या, सोममणि।

६०१. कॉंच-कच, कॉच, काच, कृत्रिम-रत्न, पिंगास, मुकुर, शीशा

विक्रोम--दे० 'रक'।

६०२. सूंगा - श्रंगारकमिष, श्रगारमिण, अभोधिपल्सव, द्रुमभव, प्रवाल, भौमरक्त, मरजा, मिरबान, मृगा, रककंद, रककंडल, रककार, रकाग, लतामिख, विन्द्रगलता, बिद्रुम ।

६०३. बोबा--कंबु, कोशस्य, चुद्रक, सुद्रशस, सुल्सक. घोंधा, घोंघी, नदीमव, लघुशस, शंखनक, शबुक, शब्बुक

६०४. सीप-इभिन्, इभिन्छि, चुद्रशु-किका, बलडिम्ब, नरशुक्ति, पुटिका, सती,

विदृही, सोप, सोपी, सुतुही ।

६०४. की ही --उदाहवी, कपर्दिका, कपदे, कपर्दक, कपर्द, कपर्दी, काकियी, कौका, बीड़ो, खर, चराचर, दिषसुता, वालकोड़क बसट, बसटक, बसटिका, बारिज, वर्ज्य, श्वेता, हिरस्य ।

६०६. चुँघची-श्रगारवल्त्री श्रव्या, उच्चटा, कवा, कनीचि, काकविची, काक्यां तिका, काकवंगा. काकिनी, काम्बोजी, काम्बोटनी, कृष्ण-चूडिका, कृष्णला, गृबा, गृंबिका, वुँचची, बुघवी, बुमची, चटकी, ताम्निका, दुला-वीज, दुर्मोद्या, ध्वाचनसा, भोलभूषस, रका, रक्तिका, रत्ती, वकशल्या, वायसादनी, शागुष्ठा, शिलंडिनी, शीत-पाकी, श्यामलचुडा ।

६०७. गुंजा सफेर--चकशल्या, विर-मिटी, चूडाला, बीटली, भिरिटिका, श्वेतकाबोजो, श्वेतगुजा, सफ़ेंदगुजा, सफेद-भुमची ।

६०८. रुट्राच् -पुणचमार, भ्तनाचन, सद्रान्त्र, शिवप्रिय, शिवाच ।

६०६ स्पामास्त्री-नारमाविक, तारामुस्तो, षातुमाचिक, माविकभेष्ठ, रूपामाली, रीप्यमादिक, विमल, श्वेताद ।

ङ

- १. खुरी (ब्रापरेशन की)—ब्रूरा, नश्तर, नहरती, रेज़र।
- २. बोसल काँचरात्र, बाटल,शोशी,सोसी। ३. बिबिया -- डिन्ना, हिन्ती ।
- थ. **चरमा**-उपतयन, उपनेत्र, ऐनक, वशमा, बरमा, दिम्यचतु, सहनेत्र ।
- v. गोर्ली —कपस्यून, बटिका, बटिया, बट:,
- ६. टिकिया टिक्की, बटिका, बटी।
- . चूर्ण-'दे॰ चूर्ण।'
- द. शिलाजीत-अगव, अथ्ये, अद्रिव, श्रद्भित्ततु, श्रद्यं, श्रद्भश्र, श्रद्भश्रतक,

षरमलाचा, श्रश्मोत्थ, कपिल, गिरिज, गैरेय, जत्वश्मक, मोमियाई, शिला, शिलाज, शिलाजतु, शिलाजीत, शिला-व्याधि, शीत पुष्पक, शैल, शैलघातुज, शैलनिर्यास, शैलेय।

६. ४ तरह की शिलाजीत—ग्रायस, ताम्र, रवत, सौवर्ण।

१०. केशर—श्रमि, श्रमिशिख, श्रमुक, श्रस्न, कश्मीरो, कात, कालेयक, कश्मीराज, कंकुम, कुसुमारमक, केशर, केसर, खल, गौर, घस, मुमुण, चदन, बागुड, दीपक, देववल्लभा, घीर, पिशुन, पीतक, पीतन, बर, रक्क, रक्कचंदन, रक्तस्त, रज, किर, लोहित, वर, वरेण्य, वाल्हीक, शठ, शोखित, सकोच, संकोचिपशुन, सौरभ, हरिचदन।

११. कस्तूरी—श्रंडजा, गंधमृग, मद, हुरक, मृगनाभि, मृगमद, मृगमेद, मृग-रोचन, मृगी।

१२. शहद — कुसुमासव, चौद्र, पिच्य, भृ गवात, मकरदरस, मघ, मधु, माचिक, मार्थ्वाक, बरटीवात, शहत, सहत, सहद, सारम।

१३. ४ तरह की शहद — चौद्र, पौत्तिक, भामर, माचिक।

१४. मोम—उच्छिष्ट, काच, चौद्रेय, द्रावक, पोतराग, मिलकाश्रय, मदनक, मधुशेष, मधूच्छिष्ट, मधूव्यित, मध्याधार, मयन, मादन, मोम, विषस, शिक्य, खिक्य, दिनग्छ।

१४. रसवत—ऋमिसार, कृतक, तार्च्यशैल, रसगर्भ, रसाजन, रसामज, रसोत, वीर्या -खन। १६. लट बीरा—श्रघाट, श्रपामार्ग, श्रोंगा, कंटो, कियो, कुम्ब, खुरक, बिरिविटा, दुरिभग्रह, धामार्गव, पांडुकंटक, प्रत्वक् पर्या, मर्कटी, मयूरक, वासिर, शैकरिक। १७. लोध—काडनील, गालव, तिंडुका, तिरीटक, तिलक, बिलिपिय, मार्बन, लक्कमां, लोभ, लोभक, शावर।

१८. शंखाहुली—कौडियाली, चंडा, पोत-पुष्पी, मेध्या, वनमालिनी, विश्शुकाता, शंखपुष्पी, सुपृष्पी ।

१६. शीतल चीनी—कंकोल, कंकोलक, कंकोला, कटुक, कटुकफल, कवावधीनी. काकोल, काल, कृतफल, कोरक, कोलक, कोषफल, तैलसाधन, द्वीपसंभव, द्वेष्य, फलक, मरिच, मागधोषित, माधवोषित, मोतल चीनी।

२०. सतावर—श्रभीक, श्रम्कंटका, श्रहेक, इन्दीवर, श्रह्ण्यश्रोका, कांचनकारिखी, कार्च्यी, जटा, तैलवल्की, दुर्मना, किंकु-जिहा, भीक, भोकपत्री, मदमकिनी, महती, महापुरुषदंता, महाश्रीता, महौषिक, मूला, रंगिच्यो, लघुपिंगुका, विश्व, केंक्ब्री, शतमूली, शतम्बर, सतावर, स्मेदमूसी, सुवीर्या।

२१. समुद्रफोन—ग्राब्धकफ, श्राचीवस, बलहास, डिंडिर, द्विकेन, प्योधिस, फेन, फेनक, वार्डिफेन, विंच्याह, श्रुष्का शुक्र, समुद्रफेन, सामुद्र, सारमस, सिंध कफ, सुफेन।

२२. सालमिमी—समृता, बीवन। जीवा, प्राणदा, वीरकंदा, सुवीनूली। २३. सुगंधवाला—उदीश्य, वजानेट केशनामक, बाल, बालक, बज्ज, वरियग, वर्गर, वर्गरद, सुगंधवाला, हविर।

२४. **झोंठ**—कट्स्कटक, नागर मेषच, महौ-षची, विश्वा, विश्वौषघ, शुंठ, शुंठो, शुष्कार्द, सित्री, साठ ।

२४. सोनापादा — अध्वातशात्रव, अरदु, अरल, अरलुक, ऋक्, कंदर्प, कटमर, कट्वाग, कुनट, जपनेत्र, टीर्घ हुत, टीर्घ हुतक, धवातशात्रव, नट, निःसार, पत्रीर्ण, पाट-कृत, पारिपादप, पृतिष्ट्य, पियजीत्र, प्रिय-जीवी, पृष्ठशिव, भद्रक, भद्रक, अपरेष्ट, भूतपृष्प, मंद्रकपर्ण, मंयूरजब, वटु, विरोचना, श्राल्लक, शुकनास, शोण, शोनक, शोषण, श्योनाक, स्थोनाक।

२६. हर्र — अभया, असृता, अस्यथा, काय-स्था, चेतकी, जीवती, पर्या, पाचनी, पूतना, प्रथमा, प्राखदा, बल्या, भिष्ठ ग्वरा, रोहिग्यी, वयन्था, विजया, शकसृष्टा, शाका, शिवा, अयमी सुधा, हरडा, हर्र, हर्रा, हर्रे।

२७. हर्ल्या आमा - अवाहरूदी, आम्रगध. आमाहरूदी, आमिया हलदा, कपूर हरूदी, दावींगेद, पद्मपत्रा, सुरनायिका, मुर्गि, सुरभिदाव !

२८. नसक-निवन, नून, नोन, रागरस, सम्बा, सोन।

२६. संघा नमक—नादेय, पथ्य, पाशुब, मिशाबध, मिश्वमंथ, सवयोत्तम, वशिर, शिवातमञ्ज, शुद्ध, तिर्ताश्वन, तिश्वमध्यन, वेश्वस, सिंधूपस, सिंधूद्धस, तिश्वमध्यन, तिश्वस्या, तिम्धूज, दिन्धूभ्य, तैया, सेंध्यत्त ३०. कॅटीला नमक—न्नासुर, कॅटीला नमक, कटीला नमक, काललवर्ग, कृतक, कृत्रिमक, चार, खढ, खढलवर्ग, द्रावि-ढक, धूर्त, पाक्य, बिरिया साँचरनोन, विट, विड, विडलवर्ग, सुपाक्य।

३१. सॉभर नमक—गडदेशज, गइलवण, गड़ास्य, गडोत्य. पृथ्वाज, महारंम, रीमक, रीमलवण, बसुक, शाकभरीय, शुभ्र, संबरोद्धव, सॉभर, सामर ।

३२. समुद्री नमक—कडक, विकट, पाँगा, लवणाव्यित्र, वशिर, वासर, शिव, समुद्र-नोंन, सागरज, मामुद्रज, मामुद्रक।

३३. कालानमक—श्रच, कचलोन, कचियः-नोन, काला नमक, कृष्णलवण, कोर्दावक, चौहर कोडा. तिलक, दुर्गंघ, ठचक, ठच्य, रूचक, विटलवण, श्रूलनाशन, सोचर-नमक, सोवर्चल नमक, हृद्यगंप ।

3प्र. कॉबिया नमक—कॅचिया नमक, काचमल, काचलवण, काचसंभव, काचसी-वर्चल, काचोद्भव, काललवण, कुठविंद, कृत्रिम, त्रिक्ट, नील, टालकाचोद्भव, पाकककाचेत्य, पाक्याह, लवण।

३४. खारी नमक - ग्रीवरक, उपरव, जपरलवण, लारा, लागनमक, खारोबून, बहुलगुरा, मिश्रक, साम्भर, सार्वगुरा, सार्वससर्गानवरा :

३६. स्वादा पदाधे - खाद्य, विप्तत, विन्त, रसद, राशन।

३७. सामग्री— उपकरस्, उपकारक द्वस्य, बाज़, तत्र, सभार, रसद, वस्द्र, समान, सामग्रो, सामान '

३८. खानपान---श्रनपानां, श्राबदानां,सान, सान पान । ३६. भोजन (सामान्य)—श्रशन, श्रहार, श्राहार, खादन, खाना, खुराक, जमन, निगर, निघस, मच्या, भोजन, विषस, स्वदन।

४०. भोजन (दिन या रात में किया गया भरपेट भोजन)—खयका, खाना, खायक, वियारी, भोजन !

४१. जलपान—कलेऊ, कलेवा, खमटाव, गनक, जलपान, नाश्ता ।

४२. ६ तरह के भोजन--(पदार्थ मेद से) चर्ब्य (चडाने, योग्य), चोब्य (चूसने योग्य), पेय (पोने योग्य), मद्द्य (निगलने योग्य), भोज्य, (खाने योग्य), लेह्य (चाटने योग्य)।

४३. ६ तरह के भोजन—(रस के भेद से) भ्रम्ल (खटा), कटु (कहुवा), कियाय (कसेला), तिक (तीता), मघुर (मीठा), लवर्ण (नमकीन)।

४४. मीठा — प्रियस्वादु, मधु, मधुर, मिष्ट, मीठ, मीठा, मदु, रुचिर, शीरो, स्वादु ।

४४. मिठास—महुता, मधुरता, मधुरई, मधुराई, माधुरो, मिठाई, मीठापन, किचरता, शोरीनी, सुस्वादुता, स्वादुता। ४६. नीता--कट्र, तिक्त, तिसा, तीस्ण, तीसा, तीत।

४७. तिताई—कटुता, तिखाई, तिक्तता, तोव्याना, तोव्यापन, तीतापन ।

४८. नीरस—श्रस्तादु, निरस, नीरस, फोका, बेमना, बेरस, शुष्क, सोठा, सूखा, स्वाद्हीन ।

४६. निरसता-श्रस्वादुता, नीरसता, फोका-पन, नेरसता, शुक्तता, सिठाई, सीठापन, सुसाई, सुसापन, स्वादहीनता। ४०. स्वादिष्ट-श्रन्छा, ज़ायकेदार, मज़े-दार, रसगर, रसीला, सरस, सबदगर, सुस्वादु, स्वादिष्ट, स्वादु।

४१. स्वादिष्टता-श्रद्धार्थ, नायका, मना, मनदारी, रसीलापन, सरसता, संवाद, सुस्वादुता।

४२. नमकीन-नमकीन, नुनखरा, नुन-खारा, लावरय, सलीना ।

४२ नमकीनता—नमकीनी. लव<mark>णता,</mark> लावस्यता, सलोनापन ।

४४. कसेला--कषाय, कसान, करीला, बकटा, बाकट।

४४. कसेलापन-कमावपन ।

४६. चटपटा—चटपटा, च्रपरा, भाल-्दार ! दे० 'कडुवा' !

४७ चटपटापन—चटपटाई, चरपरापन । ४८ खट्टा—ग्रन्त, खटतुरम, खटरस, खद्रा, चुक्क, तुर्श ।

४६. खट्टापन --श्रम्लता, खटाई, खटास, चुक्कता, तुर्शी।

६०. जायकेदार — जायकेदार, बहिबा, मज़ेदार, रसीला, सरस, सुरस, सुस्वादु, स्वादिष्ट, स्वादिष्ठ, स्वादु ।

६१. कड्नुबा -- कडु, कडुक, कड्वा, कडुबा, कच्छा, चरपरा, भालदार, तल्खा, तिक्क, तीच्या, तील, तीखा, तीत, तीता

६२. कडुव।पन—कडुता, कडुवाई, कड-श्राई, चरपराइट, चरपरापन, तल्ली, तिकता, तिकपन, तिनाई तीक्षाना, तीखापन, तीतापन।

६२. चायस— ग्रज्ञत, ग्रन्वमत, ग्र**न्ड्र**त, कांचनक, चाँवस, चाउर, चायस, तंडुस, तंडुल, धान्यसार। ६४. **असन —** श्रचत, श्रच्छत, श्राखत । **६४. आटा —** श्रट्टा, श्राटा, चूर्ग, चून, पिसान, सिद्धा ।

६६. मैदा--श्राटा, कानपूरी श्राटा, मैदा। ६७. सूर्जा--गेहूँ का दर्राः।

६८. तीखुर—गवयोद्भव, गांधूमज, तंडुलोद्भव, तवचीर, तवाखीर, तालचीर, तालसम्भूत, तीखुर, पय:चीर, पिष्टिका, यवजः

६६ भुकाँस—(उर्द का चूर्ण) भुक्रॉस, भुवाँस, घूमसी।

७०. पीठी—पट्ठो, पीठी ।

७१. बेसन-शाठी, बेसन, रेइन ।

७२. वाल -- ब्रिटल ' दे० 'टाल ।'

•३. गद्रा-—श्रधपका, कचरा, गदरा, गद्र, गद्दा, गादा ।

७४. वघार—छौक, छौंकन, बचा**ड**, वासित।

७४. कौर --कवर, भवल, कौल, ग्रास

७६. अजवायन—-श्रजमान, श्रजमोदा,
अजमोदिका, श्रजवाइन, श्रजवायन,
उमगंथा, उमा, दीपनी, दीप्य, दीप्यक,
अहादभा, भूतिका, यमनिका, यवसाह,
यविका, यदानो, वातारि।

 अ. जमजुर—अम हरो, श्रमचुर, श्रमहर, श्रामचूर्य, खराई।

७८. इलायची बड़ी — इंदाणी, इलायची, एला, एलीका, एंद्रो, कन्याकुमारी, काता, काबस्था, कुमारिका, गधालोगर्भ, गभ- समवा, गोपुटा, जिदिबोद्भवा, जिपुटा, भूताची, निष्कुटी, पूर्वीइलायची, वृष्वी, बड़ी इलायची, बड़ी लाबी, बडुलामलेया,

नाला, भद्रैला, महिला, लाल इलायची, नृहदेला, सुरभित्वक, स्थूलएला।

७६. काली मिर्च - ऊषग्र, कालीमिर्च, कोल, धर्मपत्तन, पवित, मरिच, मिर्च, मृष्ट, यवनाप्रिय, वल्लीज, वेग्रुब,शिरोष्ट्रत, स्याम ।

८०. घोदराई- बोदरइल, घोदराई, घोदरैल, रई, राई।

म?. जीरा—दे॰ 'बीरा सफ़ेर।'

मर. तेजपान— श्रं कुश, इष्टगम्ब. उत्कट, गम्बजात, गोमद, तज, तमालक, तापस, तेजपता, तेजपत्र, तकपत, त्वकपत्र, दल, दलाह्रय, पत्र, पत्रक, पाकरंबन, पालाश, भृंग, राम, रोमश, वराग, वसना-ह्रय, वास ।

प्रश्ति चीनी — उत्कट, कामवल्लभ, गुडस्वच, चोल, तज, स्वच, टारुचीनी, बहुगन्ध, मृंग, मुखशोधन, रामेष्ट, लटपर्ण, वनित्रय, वर, वराग, वल्य, विज्जुल, शकल, सहल, नुरस, मृतकट, सेंहल, हुए क्ष्रांत्र, क्रिक्ट, स्वार्थ, क्ष्रांत्र, क्ष्यांत्र, क्ष्रांत्र, क्ष्यांत्र, क्ष्रांत्र, क

= ४८. धनिया—श्रल्लका, कुनरी, कुरतुंबुरी, जना, जनाधान्य, जनधिब, धनिक, धनिक, धनिका, धन्यक, धानक, धाना, धान्याक, निःसार, बितुसक, नेधक, वासिधान्य, नेधका, वेशप, शाक्योग्य, सुगन्धि, सुद्म-पत्र, हृद्यगन्धा।

पर्शः मिर्चा - अवडा, कटुवारा, कुमरिच, तोच्या, मिरचाई, मिर्चाई, लालमिर्च। पर्शः मगरीला - कलीको, काला, काला- जाको, कालाकीरा, कालका, कुंजिका, मिर्गक्ति, कुंजिका, मेर्यक, मगरहल, मगरहल, मगरहल, स्थूलका, स्थूलका, स्थूलकारक।

द. मेथा — कुं चिका, कैरवी, गन्धकला, गन्धकोना, चद्रिका, ज्योति, दीपनी, पीतवाजा, बहुपणीं, मिश्रपुष्पा, मुनीन्द्रिका, मेथिका, मेथिना, मेथी, वल्लरी, वेधनी। द. लवंग—कलिकोत्तम, चंदनपुष्प,

दः. लवग—शलकात्तम, चदनपुष्प, तोच्या, तोच्यापुष्प, तोयाधिप्रिया, दिब्य, दिज्यगम्ध, देवकुसुम, प्रस्न, भृगार, दिचर, लवंग, लवंगक, जव, लौंग, वारिज, वारिपुष्प, शेखर, भीपुष्प, भीसग, सुविर।

दश्. सौंफ -श्रतिच्छत्र, श्रवाक् पुष्पी, कारवी, गन्धाविका, घोषवती, घोषा, खत्रा, तापस्तिया, पोतिका, मधुरिका, माधुरी, मिश्रेया, मिसी, वनपुष्पा, शतपुष्पा, शालेग, सितच्छत्रा।

६०. हल्दी — अनेष्टा, उमा, काचनी, काचेरी, कमिल्ली, च्लादा, गन्धपलाशिका, गौरो, विषिणो, जयती, निशा, निशाहा, पिंगा, पिंजा, पीतवालुका, पीता, बहुला, भद्रा, मगलप्रदा, मगला, मगल्या, युवती, योषित्रिया, रंजनी, लच्मी, वरविणनी, वरागा, वर्णवती, विश्वित, विश्वित, शोभा, हरदी, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा, हिंग्द्रा,

११. हींग — केसर, गृहिणी, जदुवन, जतु, जदुक, जरण दीव्त, पिएयाक, भूतारि, मेदन, मधुरा, रमट, शूलद्विट, शूलहृत, सहस्रवेधि, स्रवृत्त, स्वाग, हिगु, हिगुक, हींग।

भात—ग्रन्न, ग्रोदन, चावल, पुलाक, प्रसाद, भक्त, भात, भिष्मा, भिरता।
 भाँद —ग्राचम, निभाव, पांच, पुलाक, मंड, माड, मातर।

६४. पुलाब — पलान्न, पुलाब, पुलाब, पोलाव, मासोदन ।

६४. मीठा भात - गुडान्न, बसीर ।

६६. महेर—नंडुलाम्ल, महेर, महेबर। ६७. दाल—दाल, दालि, पहित, पहिती, स्पर।

६८. नमोना (हरे मटर का दास)— गदरा, गहा, नमोना ।

६६. कढ़ी — कडी, करायन, क**डी, कलायल,** क्वा<mark>थित, तक्कर, तेमन, निष्ठान, परेड्,</mark> परोड्ड।

१०० रोटो—कर पट्टिका, कर्पट्टिका, चपाती, दोस्तो, दोहथो, धंसुई, पनेथी, फुंकई, फुलका, फुलकी, बेली, रोट, रोटिका, रोटी, लिट्टो, खुचुई, इथरोटिया, इथुई। १०१. लिट्टी (मोटा रोटी जा तावे पर बनती है।)—टिक्कर, लिटी, इथरोटिया। १०२. मीरी (गोली रोटी जा बिना तवे के आग पर बनती है।)— आगा-कड़ी, आंगार, कर्कटा, टिकरी, टिक्क, बाटो, भीगे, मधुकरी, लिटी।

१०३. मकुनी--कचौईा, कचौरी, मकुनी, मकौनी, लिटी, सक्तुकगर्भा ।

१०४. तरकारी--तरकारी, भाषी, शाक, सन्त्री, साग, सालन ।

१०४. कर्लीजी--कलीजी, भर्ता, मरतसः। १०६. चोखा--चाला, भरता, भरिष, भुरता।

१०७ सिचरी - क्षण्या, कृश्याण, सिचरो, सिच्चइ ।

१०८. जाबर-जाबर, तहरी।

१०६. पूरी (साद्।)-कुतुरं, पूरी, पूरी, पूरी, पूरी, पूरी, शोहारी।

२१०. पूड़ी (मीठी)—गुड़पूरी, ठेकुन्ना, मिठपूरी, सोहारी ।

१३३

१११. पूड़ी (पूरन की)—दलघुसुरी, पूरनपोला, पूर्वागमीपूलिका, पूर्वामिका, पूर्वाम

११२. पराठा—चौपती, पराँवठा, पराठा, पराठा, पराठा, पराठा, परोठा, परोठा, पोतला, पोलिका, प्रामठा।

११३. दोह्यी--दोस्ती, दोहती, दोह्युई।

११४. घॅसुई--वॅसरोटी, वॅसुई, पोतला ।

११४. चूरमा - चुर्मा चूरमोदक।

११६. कचौड़ी (नमकीन)-कचौड़ी, कचौरी, माषगर्भा, माषगर्भा शख्डुली।

११७. कचौड़ी (मीठी)—खँडपूरी, मोठो कचौरी।

११८. गुमिया -गुक्तिया, गूका, गोक्तिया, पेब्रकिया, मयाव ।

११६. सालपुत्रा—श्रप्प, पिष्टक, पूजा, पूजा, पूप, मल्लपूप, मालपूत्रा ।

१२०. पापड़ (मीठा)- पपड़ा, पपरा, पापड़, मीठा पापड़ ।

१२१. पापड (नमकीन)--चरक, पर-पट, पर्पट, पापड, पापर ।

१२२. हलुखा—महन भोग, मोइन भोग, लपका, कप्तिका, सीरा, हेलुखाः।

१२३. स्वीर -- बॉर, स्वीर, पायस ।

१२४. सेंबई -- सेवई, मेविका, सैमई।

१२४. जासर-जाउर, तसमई, दुग्धतहुल ।

१२६. बर्खार--गुडाम्न, बसोर, मीठा भात।

१२७. सिखरन—मार्जिता, रताला, शिखरियी, शीर्बंड, तिलरन । १२८. फेनी—फेनिका, फेनी, स्तफेनी । १२६. बर्रा (मूँग की)— को इडीरो, बरी, मापरगी, मुगौरी, मुख्दबटिका, मुख्दबटी । १३८ - कामसबसीय, कामरिकारी, कामरीक

१३०. अमृतवरी-- श्रमस्तिवरी, श्रमरीत-वरी, श्रमृतवरी, खटमिठवरी ।

१३१. **बड़ां** - बटिका, बटी, बड़ी, बरी, मार्षेडरी ।

१३२. **बड्डा** - पिष्टक, पिष्टब**टका**, पृ**प**, बटका, बड्डा, बरा, बारा ।

१३३. दही बड़ा-तक बटना, तक बड़ा, तक बरा, दही, बरा।

१३४. पकार्डा- चाणको, पक्रेडा, फुलोडी, फुलोरी, बटिका ।

१३५. रायता—माजिता, राजिकाक, रायता, रायतो।

१३६. चटनी—श्रवलेह, खाडव, **वज्य,** चटनी, मार्जिता, रहाला, ले**हन, लेख**।

१३७. श्रचार—श्रंचार, सधान, <mark>संबत,</mark> मधितद्रव्य।

१.म. मीठो स्वटाई—स्वर्धमद्ठा, सट-मिठवा ऋचार, मिट्ठो सटाई।

१३६. सिरिका--विरका, विरिका, विकी।

१४०. पन्ना-पना, पन्ना पानकः

२४१. शर्बत -- मिर्चवान, रक्ष, शरबत, शरवत सरवत।

१४२. दाना— चर्नना, चर्ननी, चर्च, दाना, भुनीता, भूमा ।

१४३. हरा भुना अन्त-कोला, इन्हरू, दोरहा, होरा, होला ।

१४४. सभका--हबका, फुटेहरा। १४४. चित्ररा-चित्रहा, चित्ररा, चिविद, चिविटक, चीडा, पृत्रक। १४६. साई - परमल, फरही, साई। १४**. लावा**—खील, खीला, मुरबुरा, लाजा, लावा।

१४८ थान का लावा—श्रद्धत, खील, धान, फुल्ला, लाई, लवा।

१४६. घुघुरी—कुल्माष, धुघनी, घुघुनी, घुघुनी, घुषुनी,

१४०. सन्तू-तुरंता, दर्रा, शोतलबुकनी, सन्दुक, सदुग्रा, सत्वा, सक्तू, सन्तू।

१४१. बेढंई-बेढई, बेढ्मिका।

१४२. घेबर--- पार्तिक, घृतप्र, घृतवर, घेवल।

१४२. चिखना (शराब आदि पाने के साथ खाने की बस्तु)—चन्नण, चलना, चटपटा, चाट, मद्यपारान

१४४. श्रमावट — श्रवापोलो. श्रमरस, श्रमाश्रट ।

१४४./ दूध—-श्रमृत, श्रवदोह, ऊघस्य, द्वीर, गोरस, दुग्घ, दूध, टोइज, पय, पीयूष, स्तन्य !

१४६. दही-चीरज, घनेतर, दिध, दिध-द्रप्त, दही, पयस्त, मंगल्य, विरत्त ।

१४७. घी — श्रभिघारक, श्रमृत, श्राज, श्राज्य. श्रायु, घी, वृत, जीवन, तैजस, तोयद, नवनीतक, पांवत्र, पीथ, पुरोडास, बह्मिगेय्य, सर्पि, हवि।

१५८. सक्खन—कलम्बुट, ज्ञीरसत्व, ज्ञीर-बार, दिषधार, नवनी, नवनीत, नवोद्धृत, नैनू, नोनी, मक्खन, माखन, म्रज्ञ्या, सबनी, लैनू, सरब, सार।

१४६. रचर्का-रबरो, राबदी। १६०. मलाई-वीरफेन, चौरसन्तानिका, बलाई, बालाई, मलाई, सादो, सार्हो। १६१. खोद्या—किलाट, खावा वंगा मावा।

१३२. सहा—भ्रम्ल, उद्दिवत, कनर, कटुर, कालशेय, गोरस, गारस्ब, घाल, खाँख, छाछ, तक, दढाइत, द्रव सम संधिक, मथित, मलिन, साठा विलंगदत।

१६३. लेनू-नेनू, फोरन।

१६४**. छेना — छे**ना, तकर्षिक पनीर, फटउघ।

१६४. छेना-पानी--छेनापानी, मंग्स्ट । १६६. मिठाई— मधुरान्न, मिठाई, प्राम्यास्न, भीठा ।

१६७. चकरी—खॉर्ची, च•री. च•की, चाका।

१६८. **पिंदिया -गुइ**, 'पेक्किया, **भेका**, मिहा, मीठा ।

१६६. गुड्-अमृत सारक, श्रवण, रहु रसक्वाय, रह्मुसार, गंडाल, गुर, मूल, द्रवज, मधुर, मधुवीजक, मोडक, रसपाकज, शिशुपिय, सितादि, सिंद्र, स्वादु, स्वादुखंड।

१७०. राष- गुड, गुड, गूर, घोता, धोरमा

१७४. खांड--खड, खाँड, टोमा, पशु-लका, पाहुरा. मोरस, रसोद्धवा, शक्कर. शुल्का, सुपिष्टा ।

१७२ चीनी—श्रहिच्छत्रा साड, गुडोक्सका, चित्री, बाळुकात्मका, चूरा, मत्यं विका, मोनाडी, शकर, शक्कर, शर्करा, शार्क, शुक्ता, शुक्लोपला, शुद्धा, शुक्रा, रचेता, सिकता, सिता, सितोपला। १७३. चोटा—चोद्या, पराव, मोलास, शर्करामल, सीरा। १७४. मिश्री—मिश्री, मिसरी, सितासंब, सीताखंड। दे॰ 'बीनी'। १७५. लब्डू-विदुमोटक, मोदक, लाडू, तेड्वा । १७६. लड्डू (मोतीचूर) — मुक्तामोदक, लक्ड । १७७. मगद्ल- मगद, मगद का लड्डू, मग्दल, मुख्दल, मुख्यमोदक, लड्डू। १७८ गुलाबजामुन-गुलजामुन, गुलब-बागुन, तुग्धक्षिका। १७६. ऋमिरती-- श्रमृती, इमरती, इमि-रिनी | १८०. जलेबी — कुंडलिना, गुड़ची, बलेबा, विलेबी। १८१ खुरमा - खुरमा, शसपास, शक्कर-पाला, नकरपाला । १६२. **ञनरसा-**--श्रॅदरसा, श्रनरह, इदुरहा, शालि पूर। १६३ खाजा- नवलो, लभलो, लभुलो, सामा । १८४. सुरब्बा---पाग, मोरब्बा, रागखाडव । १८४. भतुवापाग-कंदिवापाग, पेठा । १८६. इलायची (होटी ,--इलायची, उपकुचिका, एला, कपोतवयाँ, कुनटो. कोरगी, गधफालका, गभारा, गुजराती इलायको, गुजरात।लाचो, गौरागी, चद्र-बासा, चंद्रसभवा, चाद्रका, खर्क्किनिपु, र्वाक्षागवा, विपुटा, बृटि, निष्कुटी, पुटिका, पुरथा, बहुला, श्रम-पार्थिका, बय:स्था, श्वेतैसा, सफेद इलायची, स्क्मैला।

१८७. कत्था--खेर । १८८. चूना—चुन्ना, चून। १८: जर्दा-बरटा, तंबाकू, तमासू, पानसुतीं, सुरती। १६०, पान-ताबुल, दिवाभीष्टा, नाग-बल्ली, नागबेल, नागबेल, पर्यालता, पर्या, मचपत्रा, मुखनूषणः, सप्तशिला । १६५. पान का बीड़ा — खिल्लां, खीली, गिलौरा, ताबुल, बीड़ा, बीरा, बीरी। १६२. सुपारी—त्रकोट. कसैलो, कनु, कमुक, कमुका, खपुर, गुन्ना, गुवाक, गोप-दल, घोंटा, चिक्कण, इटाफल, द्वानिया, ञ्जाली, ततुमार. ताबुल, हहवन्क, दीर्घ-पाटप, प्राफल, पृशीफल, पुरा, पूराइच, पूर्गे, राजनाल, वल्कतर, सुपादी, सुप्रिय, सर्जन : १६२ अफीम-अफयून, अफाम, अफेन, श्रृहिफेन, ब्रहिफेनक, श्राफू, ब्रफ्कफ, श्रीपियम, बसबस रस, बसपलादीर, न। यफन, निफेन, पोस्त, पोस्तरस, पोस्ता, पोस्तोद्भव, भुबंगफेन । १६४. कहवा—काफ्री। १६४. गाँजा--गबा, गाँबा, मादिनी, मोहिनी, सविदा मचरी, हर्षिची। १६६. बाय- विका. चा, चाय, चाइ, बाहा, बाही, टी। १६७. कॉजी-ब्राभयुक्त, चारनात्रक, श्रावन्तिसाम, काविक, काँजो, काव्यिक, चुंबल, कुंबल, कुल्माभिषुत, कुल्माच, गृशामा, तुषाम्बु, धान्यम्लक, मदारस, वीर, शुक्तबुक, सभान । १६८. वबाकू (सूँघने की)—खिकनी, नकक्षिकनी, नास, सुँघनी।

१६६. तंबाकू (पीने की)—कृमिष्नी, चारपत्रा, तबाखू, तमाखू, धूम्रपत्रिका। २००. तमाखू (खाने की)—खद्दना, खयनी, खैनी, तबाकू, तमाखू, सुरती, सुर्ती। २०१. तादी—श्रकासी, श्रासमानी शर्बत, ताडी, तारी, नीरा, नीमकी।

२०२. धतूरा—उन्मस, कटफल, कनक, कनकाइय, कलम, कहलापुष्प, कितव, खरदूषण, खर्जूष्न, खल, घटापुष्प, घटिक, तूरी, देवता, देविका, घतूरा, घतूरा, घस्तूर, धुरद्वर, धूर्तकृत, पुरीमोह, मस, मदकर, मदन, मदनक, महामोही, मातुल, मातुलक, मोहन, शिवप्रिय, शिवशेखर, शैव, सविष, हरवल्लम।

२०३. बोड़ी —खाको सिगरेट, बीड़ी, बीडी, बीडी,

२०४. भाँग—श्रजया, श्रानदा, उत्मित्तनी, कामिन, चपला, जया, शानदा, शान-विलिका, धूर्तवधू, नीलो, मग, भंगा, भाँग, भृगो, मत्ता, मनोहरा, मत्कुणारि, मातु-लानी, मातुलो, माया, यागिनो, विजया, वीरपत्रा, शकाशन, शिवा, हरप्रिया, हरा। २०४. शराब—श्रद्धिजा, श्रपूता, श्रमुता, श्रास्त्र, हरा, कल्य, कल्या, कथ्य, कादम्बरी, गुडारिष्ट, दाइ, परिप्जुता, परिश्रुत, प्रमत्ता, प्रस्ता, बुढिहा, मत्ता, मदिगा, मदिष्ठा, मद्या, मधुलिका, भधूल, प्रध्वारिष्ट, महानदा, माध्वो, माद्यांक, मैरेय, वादगी, वीरा, शराब श्रु डा, संघान, सिदुररसना, सिंदुसुता, सोता, सुरा, हलिप्रिया, हारहूर, हाला, हेय।

२०६. मोमरस-मादकरस, वैदिकपेय । २०७. सोमस्रता -गुल्मवल्ली, चंद्रवल्लरी, द्विजिप्रिया, महागुरून, यशवरूली, यशाका, सोमचीरा, सोमचीरी, सोमवरूली, खेमा। २०८. चारा (पशुक्रों का) - कुटी, कोवर, लेइन, लेइना।

२०६. भूसा—त्व, मुव, भुवा, भूवा । २१०. सानी—भीगाचारा ।

२११. कोर — कोर, कोरवर, कोरा, स्ला। २१२. करवी - करवी, चरी, चारा, दहा। २१३. चुन्ती — श्रन्तकण, खुदी, चूनी, दाना।

२१४. भूसी—द्वष, दुस, तुषी, दुसी, सुस, भूसा।

२१४. खली—खरी, तिलपिडी, पिडा, पिंडी, पियाक, पीना।

२१६. हरियर--इराचारा, हरियर, इरि-यरी।

२१७. रातिब - दाना, राबित ।

२१८. वका — ग्रवर, श्रशुक, श्राच्छादन, कचुक, कपड़ा, कप्पर, करपट, कपट, कापड़, कापर, चौम, चीर, चेल, चैल, छाजन, जामा, तत्र, दुक्ल, निचोल, पट, परिधान, परिधि, लक्तक, लचा, वसन, अस्त्र, वास।

२१६. नरावस्य —कोरा कपड़ा, तत्रक, नया वस्न, नवाम्बर, निष्प्रवास्त्रिः, नृतनपट, मडिहारा वस्न ।

२२०. घुला कपड़ा—सद्गमनीय, घुडी वस्र, घोयावस्र, घौतवस्र, सार्कस्य, स्वच्छ वस्र।

२२१. फटा पुराना कपड़ा—कर्पट, गृद्द, विथड़ा, चीथड़ा, चीर, बीर्यवस्न, नक्तक, पटच्चर, लत्ता, कुगरा ।

२२२. ऋई-त्ल, विचु ।

२-३. सूती कपड़ा—गन्नी, गन्नी, गादा, जीन, मारकीन, मोटक, खलोता, सल्लम, स्यूण शाटक।

२२४. जन-जन, जर्ग, गवहन, हन।
२२४. जनीवस -- जलेन, राकव, रोमपट।
२२६. पशम का बना हुआ -- पशमीना,
पश्मीना।

२२७. गाढ़ा चिकना कपड़ा —पनेला, बेलदार।

२२८. झाल्टी — चौमी, खल्टी, दुक्त, बनपट, बल्कल, वल्कल वस्त्र, शाखा।

२२६. सन के रेशे का कपड़ा — केला, द्वीम बस्न, दुकूल, पटसन्।

२३०. आंग के रेशे का कपड़ा — भगरा, भगराज, भंगरेया।

२३ (. फलालैन-फलालीन, फ़लालेन, फलालेन, फलालन, बनात, मलदा, रोमपाट।

२६२. रेशम--केशा, कीशेय. टसर, धूस, पटोरा ।

२३३. रेशमी कपड़ा--श्रवर, श्रशुक, गभरा, विनाशुक, तमामी, पटोर, पटवर, पाटवा।

२३४. इ.स. रेशमी कपड़े — ग्रसी, कटा-दिना, कॉटी, असफत, टसर, ताप्रता, तिरसा, पटोस, पारचा, फूलवर, बाप्रता, मक्रमस, तहरपटोर, सुस्तानी।

२२४. कुछ महीन कपड़े—श्रद्धी, तज़ेब, दरेख।

२१६. पोशाक-क्यम्, लसा, परिच्छेद, परिचान, परिचि, परिचेय, पहनाबा, पहिनाबा, पहिराबा, पारचा, पोशाक, भरति। दे० 'वका'। २३७. श्रास्तर—तल्ली, भितल्ला, भित-लनी, लाइनिंग, स्तर।

२३८. पगड़ी — उञ्चोश, चोरा, दुपहा, पगड़ी, पगिया, पट्ट, पाग, मुँडासा, मुरैठा, समला, साफा

न्देश. बढ़ी टोपी-कनटोप, कंटोप, कुलईा, टोपा।

२४०. अमंबर्जा टोपी अमेज। टोपी, टोप, नाइटकेप, फेल्टकैप, हेट।

२४१. टोपियों के कुद्ध प्रकार —गाघी टोपी, जिना टोपी, जबाहर टोपी तुर्की टोपी, दुपीलया टोपी

२४२. गंजी—श्रधक्टी, गत्री, फतुही, बनियाइन, सदरी, सैंडी ।

२४३ कुरता—श्रमत्राण, श्रंगा, कॅचुवा, कुरता कर्ता, भगा।

२४४. कुर्ते की बॉह—श्रासतीन, श्रास्तीन, बाह्तीन,

२४५ कुर्ता (पंजाबी)--कर्लादार कुर्ता, विषय दार कुर्ता, वेराटार कुर्ता।

२४६. कमीज -कमीच, कमीब।

२४७. **श्रासकट**—श्रषकड्डा, **श्ररकट**, श्रास्कट, छोटाकोट, बास्कट।

२४८. कोट के कुछ प्रकार - अलवर कोट, खोबर कोट, खुना कोट, डबल कोट, पराशयन कोट, बट कोट, मिलिट्रा कोट, लबा कोट, शिकारा कोट।

१४६. शेरवानी—श्रचकन, ख्रवनिया, शिरवानी, शेरवानी ।

२४० निर्जेई -व्यवंदी, व्यत्ववंदी, मिर्बेई, मिर्झाई।

२४१. सदरी — कुरतो, अवाहर बाकेट, बाकेट, फतुहो, बडो, सदरी। २४२. श्रंगरखा— श्रगगाय, श्रगरखक, श्रंगरखा, श्रगा, श्रचकन, चपकन, चोंगा, चोलक, चोलना, चोला, जामा, बागा, बालावर, लबाटा, लहवर।

२**४३. गुलाबद** — गुलबद, गुलाबन्न, मूफलर

२४४. दुपट्टा-चदरा, कन्हावर, चहर, चादर, डुपटा, दुपटा।

२४४. रूमाल-दरती, मुँह पोछुनी, रुमाल, साफी।

२४६. ऋंगोछा--श्रॅगोछा, श्रंगोछी, गमछा, साफी।

२४७. मोटा ऋँगोछा--टावेल, तौलिया, तौलो।

२४८. लंगोट—उरमाली, कछनी, काछा, कौपोन, पुटो, भगई, लगोट, लगोटा, लंगोटी, रूमाली।

२४६. जाँघिया—श्रंडरवीयर, जॅविया, बाविया, हाफ़र्वेट ।

२६०. तहबंद्—तइबद, तहबन, तहमत,

२६१. धोती—श्रंतरीय, श्रधोवस्त्र, घोत-वस्त, भगई।

२६२. बुटने के ऊपर पहनी धोती— कन्ना, कन्ननी, कन्नानी, कन्नोटा, कन्नौटा, कान्निनी।

२६३. भोती की लपेट—श्रॅंटी, श्रॉटी, टेंट, टेट, फाड़ा, फेंट, फेंटा, फेट, मुर्री, मुर्री, मुर्ही।

२६४. पायजामा— इज़ार, दुटगा, पतलून, पायामा, पायजामा, पैनामा, फतुहा, दुथना, सुथनी, सूथन ।

२६४. इजारबंद-रबरबंद, कमरबंद,

कमरपेच, बरबन, नाइग, नारा, नीबी, नीवि, नीवी, पटी, पटुका, पेटी, फुंफुदी। २६६. ऋंग्रेजी पायजामा—-पतलून, पत-लूम, पैट, सूट।

२६७. मोजा—जुर्रान, पाताका, पैताबा, मोजड़ी, होज।

२६८. दस्ताना—श्रंगुलिशास, श्रगुलि-वेस्टन, दस्ताना, बाहुशाया ।

२६६. चोली—ग्रगिका, ग्रॅगिया, ग्रंडर-वीयर, ग्रथपेटिया, ग्रागी, कचुक, कंचुकी, कादिरी, खड, चोल, चोलिका, चोली, छोटा कपड़ा, छोटी कुर्सी, बाडिस, बाडी, मीनाकस, सीनाबद।

२७०. कुरती (श्रीरतों की)—कुरती, जपर, जंफर, मुल्ला, नमस्तीन, क्लाउज़, सल्का।

२७१. घोती (कियों की)—श्चतरीय, श्रघोशुक, उपसंध्यान, घोती, नीवि, नीवी, परिधान, पुट, पोइरन, सादी, सारी, साल्र्।

२७२. कुफुती—काक्को, तिन्नी, नीवि, नोवी, फफूपी, पुकुती, कुफदी, फुफुता।
२०३. श्राँचल —श्रँचरा, श्रचल, श्रँचला, श्राँचर, श्राँचल, खोइचा, खोइखा, पल्लू।
२७४. श्रोदर्ना—श्रशुक, उत्तरीवरा, उत्तरीय, उपरना, उपरनी, उपरैनी, उपन्वस, श्रोदनी, चहर, चादर, चादरा, बुपटा, दुक्ल, दुपटी, दुपटा, दुक्ल, निचोल, पगा, पद्धका, पह, पामरी, पिछौरी, प्रावर, प्रावार, फरिकोर, सहतक, वृहती, सख्यान, सेली।

२७४. पेटीकोट—दुक्दा, पेटिकोट, सहँगा, सदुम्रा, साया, स्तर। २७६. सहंगा—श्राप्रयदीन, श्राप्रयदीना, चंडातक, पटनास फरिया, लहंगा।
२७७. पायजामा (श्रीरतों का)—
ग्रारा, पायजामा, सलवार, स्थन, सुथना, सुथना।

दुवार । रुद्धाः क्षोटे बच्चों का कुरता—सगुली, भाग", भुगा, भगा, भगुली, भुल्ली । २७६. बच्चों की टोपी—कंटोप, कुलइ-बरा, कुलहवारा, कुलइा, कुलहो टोपी । २८०. साड़ी (छोटी लड़कियो की)—-फरिया, बचकानी।

२८१. कलोट — कलोट, गॅब्हितर, लगोट ! २८२. विद्योना — विद्यावन, विद्योना, विस्तर, विस्तरा, शैया, सज्जा, मेज, स्तर।

२८३. दरी--दरीं, शतरजी।

२८४. विद्याने की चादर—उत्तरपट, उत्तरोय, खेस !

२८४. तोसक-गदा, गिलम, तुराई, नूलिका, तोशक, विद्यौना।

२८६. कालीन—कलोन, कार्लान, गलीचा, गनैचा, गिलम, गिलिम, दुलीचा, दुलैचा । २८०. तिकया — उपधान, उपवर्ह, गलसुन्ना, गलसुर्द, कंटुक, गावतिकया, गेहुक, बलीत ।

२८६. तकिया (वड़ी)—मसनद । २८६. गिझाफ—श्रावरण, खोल, गिलाफ, पिषान ।

१६०. रजाई—मोदना, तुलाई, दुलाई, नोशार, रजाई, लिहाफ़, लेहफ़।

२६१. कंपस - कनल, दुशाला, शाल, सेसा।

१६२. दोइर-सोल।

२६२. चादर (क्योढ़ने की)—श्रंटी, श्रंडी, चादर, दूस, धूस, रैपर, शास । २६४. पायदाज—पर्यटान, पॉनडा, पॉनडी।

२६४. चॉदनी—उल्लोच, चँदवा, चँदोवा, चद्रातप, वितान ।

२६६. त्रोहार--श्रच्छदपट, श्रोहर, निचुल, निचोल, पटल, परटा ।

२६७. जूता—झातपवारस, उपानह, खद्दाऊँ, गोद्दारा, चट्टी, चपली, चप्पल, चरणपीठ, जूता, जूती, जेरपाई, जोद्दा, पंच, पगतरी, पगदासी, पगनियाँ, पटोटस, पदत्राया, पनदिया, पनदी, पावदी, पादस, पादत्रासा, पादुका, पैवार, पौरी, मूट, सेंडिल. स्लिप, शूर,

२६८ जूर्ता--जूता, पगनियाँ, स्लीपर । २६६. खडाऊँ---खडाऊँ, पगदासी, पाद-त्राण, पादुका, पावडी ।

३०० श्रु गार--श्रलंकिया, ठट. ठाट, ठाठ, बनाव, भूषा, साज, सिगार ।

३०१. **श्रंजन—श्र**जन, श्रॉकन, कनरा, काजल, काजर, काजल, दीपध्वज, सुरमा ।

३०: श्रंजन शलाका—ग्रंबन धलाई, श्रंजनस्लाका, सलाई, सुरमच्

काजल (नजर बचाने का) — ग्रक,
 ग्रनल, ग्रनला, डिठौना, मिसिवन्दु,
 मिखन्दा।

३०४. ३ तरह के सुरमा-- पुष्पाचन, शीवीराजन, सोतोंजन।

३०४. सुरमा (सीवीरांजन)—श्रंबन, कपोतक, कालासुरमा, कृष्य, चचुष्य, बुष्पद, नादेय, नीलाबन, पार्व- तेय, मेत्रक, वारिसंभव, श्वेतसुरमा, सुरमा, सौवीरक, स्रोतीज।

३०६. सुरमा (पुष्पांजन)—कुसुमाजन, किमरसाजन, कौसुंभ, चात्तुष्य, षाव्रमपमा-चिक, पुष्पकेतु, पुष्पांजन, पौष्पक, रीतिक, रीतिक, रीतिक,

३० अ. सुरमा (स्रोतों जन)—क्योतसार, करोताज, जयामल, नदीज, पीतसारि, बालमोक, बालमीकशोर्ष, यामुन, वारिभव, सुरमा, सौबीरसार, सौवीर, स्रोतज, स्रोतो द्भव, स्रोतोभव।

३०८. प्रसिद्ध सुरमे -- गलोना, ममोरा। ३०६. सिंदूर-श्रव्ण, श्रव्णपराग, गरोशभूषण, नागगर्भ, नागज, नागरक, नागरेखु, नागसंभन, भालदर्शन, रगज, रक, रकचूर्य, रक्तनालुक, रक्तनालुका, रक्तशासन, वीर, वीररज, शिव, शोख, सध्यादना, श्र गारभूषण, सिंदूर, सेदूर, सीमंतक, सीसब, सीसोपबातु, सींदुर, सेतुर, सोहाग, सौभाग्यः सौभाग्यत्तिह । ३१०. इं गुर-इंगुर, ईगुर, उंद, उरु, किपिशोर्षक, चर्मकार, चर्मार, चित्राग, चूर्मपारद, दरद, नानाश्वांगारवर्द्धन, मर्कटशीर्ष, मनोहर, म्लेच्छ, रंजक, रजन, रक्त, रक्तपारद, रह, रसगर्भ, रसस्थान, रसोद्भव, वर्वर, शुकतु इक, सिगरफ, सिंगरिक, सुरग, सुनर, इंसपाद, हिंगुल, हिगुलि, हिंगुलु, हीगलू।

३११. ३ तरह के ईंगुर-चम्मीर, शुक्तंडक, इंसपाद।

३१२. इत्र--- ऋतर, इतर, इत्र, खुराबू, गंघ, फ़्लायल, फ़्लेल, फ़्लेल, सुगध, सुगंधि, सॅट, सौरम। ३१३. तेल--- अभ्यजन, त्रायल, तेल, तैल, प्रस्का, सनेह, स्नेह।

३१४. कंघी — ग्रतिबला, श्रमाधान, कंक-तिका, ककती, कॅंगही, कंघा, कंघी, ककई, केशप्रदालिका, घंटा, प्रसाधनी, विलका, विककंता, कृष्यगधा, शांतपुष्मा, शींता।

३१४. बाल घोने का मसाला--- छोषा, सोंघु, सौंघा।

३१६. मीसी--दतराग, मिस्सं।

३१७ खेजाब---खिजाब, खेजाब, वसमा । ३१८. भालतिलक--खौर टोका, निलब

३१⊏. भालतिलक—लौर, टोका, तिलक, ुपुगड, पुगड़ ।

३२६. टिकुली—कचबची, **लोरिया, चमकी,** ंटिकलो, टिकुलो, तारा, बिंदो, बुन्ना ।

३२०. बिंदी —चित्र, टिकुलो, टीडा, निदी, निदुका, निदुरी, निंदुली, बुग्दा, नेंदा, नेदी।

३२१. रोरी —कुंकुम, चारू, रोरी, रोली, रोहत।

३२२. पाउडर—ऋंगराग, पउडर ।

३२३. उबटन—श्रपटन, श्रवटन, श्रम्यग, श्रवटन, श्रवलेप, उच्छादन, उत्सादन, उद्दर्सन, उपटन, उबटन, गाजा, विकस, चिक्कस, चीकस, बटना, सुकवा, यस्तु-कर्दम, स्नो।

३२४. आलता—अलकक, अलता, आस-कक, आलत, बदु, अतुग्स, जननी, जावक, महाउर, महावर, महावरी, वाब, राग, लिखक, लाखा, लाखारस, लाखका, लाखा, सम्पद्या।

३२४. चोटी वाँघने की खोरी—इबर, कबरी, चोटी, मधवन्दना, मुक्बॅथना। ३२६. चाईना—बादना, बाईना, चारती, ऐनक, ऐना, कर्क, छायाग्रह, दरपन, दर-पनी, दर्पण, मंकुर, महलक, मुकुर, शौशा, इलबी, इलब्बी।

३२७. आभूषण- श्रलंकरण, श्रलंकार, श्रवतंत्र, श्राभरण, श्राभूषण, श्राभूषन, आभूतन, कलाप, गहना, नेवर, द्रम, परिकार, भूषण, भूषन, भूसन, भूषा, मंडन, ललाम, विभूषण।

३२८. सिर के गहने—आह, कॅटिया, कौड़ी, जूटा, खरील, खौर, चद्रिका, चूड़ामिया, चौका, छपका, भूमड़, फूमर, टोक, टीका, टामिनी, दावनी, पीड, कॅदिया, बंदी, बिंद, बिंदी, बेगोफूल, मॉगटीका, माफा, शिरफूल, शिरमौर, शिरोभूषण, शिरताज, सिरफुल, सिरमिन, सरमैन, सिरमौर, सिरबंदी, निरोमिन, सिरी. सीसफूल।

३२६. नाक के गहने कील, छुच्छा, फुलनी, फूलनी, नक्फूल, नक्बुल्ली, नक्बेसर, नक्षोती, नत्य, नय, नयनी, नियम, नधुना, नामफ्ती, फुलिया, बुलाक, बेसर, भोगली, मोरनी, लटकन, लौंग, सीक, सोवनिया।

३३०. कान के गहने—पेरन, कंधिका, कंधिका, कर्णक्रल, कनककली, कनक्रल, करनक्रल, करनक्रल, कंदिवाला, बींक्डा, मूलरि, सुमका, क्ष्मक, मूक्ष्म, मूक्षरे, सुमका, क्ष्मक, मूक्ष्म, मूक्षरे, त्रलन, तर्लन, तरक्रित, तरक्रित, तर्रका, तर्लन, वरीना, ताटक, ताडक, नागक्षनो, पत्ता, पेंच, फिनिया, बाला, विवली वार, वीरा,

बुन्दा, मुदरा, मुरासा, ललामी, खुरकी, लोरकी, लोलक।

३३१. गले क गहने — अकमालिका, कंठ-भी, कंठा, कठी, कंठुला, खजूरी, गडक, गलवंदनी, गलिसरी, गुलूबन्द, गोप, अवेयक, चटनहार, चंपाकली, चौकी, जतर, जयमाल, खुगुन्, भप, टीक, टोका, तिलडा, तिलडी, तोडा, तौक, दुगदुगी, दुलडी, धुकथुकी, नवसर, नौलखाहार, पचलडा, पचलडी, पटिका, कघनहाँ, बघनहियाँ, बघना, बटघी, विज्ञली, मिख-माला, मिनया, मार, मण्ल, माला, मालिका, माल्य, मुतसिरी, मोतीसिरी, मोहनमाला, रामनामी, भीमाल, सतलही, सिकड़ी, सीतानामी, खज, हॅसली, हंसुली, हमेन. हार, हारक, दुमेल, हैकल।

३३२. कमर के गहने—कॅदौग, कवर्ना, कटिजेब, कॉटसूब, करगना, करघनी, किंकिणा, कौधनी, चितिका, तागदी, मेखल, मेखला, मेबलो, शृखल. शृंखला, सिकडो, भुत्र।

३३३ बाजू के गहने — श्रंगट, श्रामंतेट, कंपूर, 'बूडा, बोशन, टाँड, नौनगा, बरा, बरेखी, बहुटन', बहूटा, बाँड, बाड, बाजू, शजूबद, बाजूबीर, विश्वायट, भुज, भुजबद, सुराही।

३३४. कलाई के गहने - कर्का, कंदन, कगन, कॅगना, कगर्ना, कटक, कहा, करुला, क्लय, गबरा, गुजरो, चुरी, चूडा, चूड़ी, चूडादता, खुबा, बहाँगीरी, तोड़ा, पक्कली, पद्धवा, पछेली, पद्धरी, पहलब, पहुँची, बॉक, बाला, बार, बेढ़ा, बंगुरो, बॉक, बंदा, बेसलेट, पठिया, मृतहरा, इबहरा। ३३४. पैर के गहने—श्रॅंदुक, कड़ा,
गूजरी, गोड़सँकर, गोड़हरा, घुँघर, छुड़ा,
छरा, छला, छागल, छुगुनू, जेहर,
भाँभ, भाँभड़ी, भाँभन, भाँभर,
भाँभरी, तोडा, नूपर, नेवर, पंदु, पाइल,
पाजेब, पायल, पैजनी, पैरी, बाँक, बिह्नुश्रा,
मंबीर, लच्छा, सांकडा।

३३६. उंगलियों के गहने — ऋँगूठी, श्रद्धको, खातिम, छल्ला, मुद्रा, मुद्रिक, मुँदड़ो।

३३७. मुकुट-उन्मीष, किरीट, ताज, मउर, मकुट, मुकुट, राजमुकुट, सिरताज।

३३=. ऋाड़ — माथे का गहना — ऋाड़, कचपची, किरीट, कीट, चंदक, चंद्रकला, चढ़िका, टिक्को, टीका, तिलक, दावनी, दावनी, पीड़, बुन्दा, चेदा, लला-टिका, ललामक, सिरबदी, सिरा।

३३६. टीका (माथा)—श्रवतस, टोका । ३४०. कान की बाली—श्रटी, कुएडल, कड़कविजली, कर्णपाली, चॉदवाला, ताडक, तरकी. तरौना, तार, वारी, वाली, मुरकी, मुकी ।

३४१. कुंडल-कर्णपाश, कर्णभृपण, कर्णवेष्टन, कर्णश्री, कर्णहार, कान, कुण्डल।

३४२. कॉंप कान का एक गहना) — कॉंप, गंगाजमनी, गोरापेच, चॉंटवाला, कुमक, कुमका, टेटका, तरना, तरौना, फिनिया, मुंदरा, बुन्दा, बिजनी, बोरो।

३५३. कील (नाक की)—कील, खुर्छी, फूल, लौंग। ३५४. दांत का गहना—खुमी, बतामी। ३४४ हॅसुली —खँगौरिया, गरदनी, गैरखो, इँसली।

३४६. हार (गले का) — श्रकमालिका, कंठओ, गलभी, गलिसरी, चदनहार, चेन, जंओर, अयमाल, जुगुनू, भप, तिश्रही, नवसर, नौलखा, नौलखाहार, मियमाला, माला, मोहनमाला, रामनामी, लग, सिकडी, लाकेट, हार, हारक।

३४**७. बघनहाँ—बघनला, बघनहाँ, बध-**नहियाँ, बघना।

३५८. मोती का हार—उर स्तिका, मिख-माला, मुकाहार, मोतीसिरी, शरमुका-बली।

३४६. सिकड़ी—चेन, जन्नीर, श्रंखला, सकरा, सकल, साँकर, साँकल, सिकड़ो, सीकड, लर, लाकेट

३४०. भुजवंद-ग्रागट, केयूर, बानू, बाजूबंट, बिजायठ, भुअबंद।

६४१. कंगन—ककर्ण, ककन, कगन, कंगना, ककनी, कक्कन।

३४२. क्लोटा कंगना-कॅगनो, कनु, ककन', ककुर्न', कॉकुनो, कॉंगनो, का**कुन, कानन,** टॅंगुनी, टॉंगुन, प्रियंगु, लच्छा ।

३४३. पहुँची--क्रापावक, कटका, छुद, छदक, जहाँगीरी. ताड, पहुँची, पारिहार्य, प्रकोष्टाभरण, वलय।

२५४. कडा (हाथ का)—कडा, पह्नुवा, नेरवा, इथहरा।

३४४. चूडी - चूडा, चूडी, खूडी, पटरी, बेल चूडा:

३४६. हाथ साँकर—श्यक्त, इय साँकर। ३४७. स्नारसी (श्रगूठे का)—श्रंगु-इताना, श्रद्धी, श्रारमा। ३४८. ऋँगूठी-ऋंगुलिमुद्रा, ऋँगुठी, ऋंगु-लोय, ऋँगुरतरी, ऊर्मिका, गाल, छल्ला, मुँदरी, मुद्रा, मुद्रिका, मुंदरी।

२५६. करधनी—कंदारा, कॅघनी, कटिजेब, कटिबंध, कमरबध, करगता, करधन, काँची, काचीकल्प, किंकिशी, कौंघनी, कौंघनी, सुद्रघटिका, नागकी, मेखल, मेखला, मेखली, बिह्युद्धा, रसना, श्रु खला, मध्तकी, सिकड़ी।

३६०. घुँ घुरूदार करधनी—किकिसी, चुद्रपंटिका, चुद्रावली।

३६१. नृपुर-मुंगिया, गूंगी, छल्ला, तुलाकोटि, नृपुर, पाटकटक, पादागुद, इंनक।

३६२. पालेब - ऋदु, ऋदुक, बुंघरू, ज़हर, काफत, काफर, काफरी, नूपुर, पाज़ब, पादकंटक, पायल, पेंबर्नी, पैरी, मंबार, मंत्रील, हसक।

4६३. पैर की उँगलियों के गहने — गूगी, कल्ला, बिल्लिया, गुँदरी, हंसक।

३६४. खेल — म्रानंद. कीडा, खिलवाड, खेलवाड, खेला, गेम, तफ्रीड, तमाशा, मनवडलाव, मनोरजन मौज़।

३६४ खंतन वाला—खंतक, खेलाडी. प्लेयर।

३६६. खंनाना - कीडना, कीइना, कीइा करना, खेल करना, खेल मचाना, खेला करना, तमाशा करना, मनोरंजन करना।

रे६७. हार्का (खेल) - हागुल । रे६८. हार्की - रेटर, हार्का, स्टिक । रे६८. किकेट (खेल) - गेद बल्ला । रे७०. खिलीना - खेलवाड, खेलीना, खेलवार, शिरगिरी, गुडिया, धुनघुना, कुनकुना।

३७१. पतंग—कनकौवा, गुड़ा, गुड़ी, चंग, चॉदतारा, तुक्कल, पतग।

३७२. मं**का** —चर्ली, मका, माका, हुलका।

३७१. चौसर --श्रष्टापद, चौप्ड, चौतर, नदंबाजा, शारिकच ।

३७३. अ. शिकार—अहेर,आसेट, प्रासे-टक, मृगया, शिकार ।

३७३ **च्या. कसरत** — कसरत. बोर, मे**इनत.** वर्राज्ञश, व्यायाम ।

२७३. इ. तफ्ररीह —म्रामीट, तफ्रीह, दिलबहलाव, मनारजन।

३७४ पासा--श्रच, देवन, पाशन, पासा ! ३७४. गेंद्--कदुक, गेडुक, गेंद, गेंदा, गेना !

३७६ गुड़िया —गुडिया, गुडुम्ना, गुड़्डं, पाचालिका, पुतली, पुत्तलिका, पुत्रिका। ३७७. मुगद्र —बोडी, मुंद्रा, लेजिम, लेजुर।

२७८. सवारी--यान, वाहन, सवारी। २७६. हवाई जहाज-- पुष्यक विमान, पुष्परथ, यान विमान. ब्योमयान, इवाई जहाज

६८०. जहाज (पानी का)--श्रर्शवपोत, जहाज, पोत, बोहित ।

३=१. नाव - उद्दर, कोल, बलपात्र, बन-यान, डंगी. डंगी. तन्स्रवा, तरंड, तरंडां, तरंत, तर्या, तरना, तरिका, तरा, ताउर, नाय, नाव, नावर, नी, नीका, पडायनी, पत्रम, पनशुष्या, पादासिंद, पोत, बनवाहन, बेड़ा, वहन, वहिन्न, वार्वट, होड़।

३८२. गाडी--गंत्रीक, गड्डी, गात्री, गाडी, शकट।

३८३. रेलगाड़ी—ट्रेन, रेल, रेलगाड़ी। ३८४ मोटर—कार, ट्रक, बस।

३८४. मोटर माइकिल — फटफटिया, मोटर बाइक।

३८६. साइकिल-ट्राईगाडो, पैरगाडी, बाइक, बाईसाइकिल, बाइसिकिल, साइ-किल, इवागाडो।

३=७. घोड़ा गाड़ी—एस्का, गाड़ी, घोड़ा गाडी, टमटम, टागा, बग्गो, बग्धी।

३८८. रथ (जनाना)—कर्णीरथ, डयन, प्रवहरा, रथ, इयन।

३८६. **बेल** गाड़ी—लडख़ड़िया, बहली, बैलगाडी, रथ, लढ़िया।

३६०. रथ-रथ, शताग, स्यन्दन ।

३६१. **डोली** -डोलो, टोला, प्रेखा, शिविका, हिंडोल।

३६२. पालकी— पालकी, याम्ययान, शिविका।

३६३. काठी — काठी, ज़ीन ।

३६४. घोड़े की लगाम—बाग, बागडोर,

३६४. श्रंधोटी (घोड़ा)-- श्रधेरी, श्रंधियारी, श्रधोटी।

३६६. कोड़ा--कषा, कोड़ा, चमोटी, चाडुक, चुटक, दुर्ग, साँट, साटा, सिटुकुना, सुदुकनी ।

२६७. होदा -- श्रवारी, श्रमारी, होदा। २६८. गजवांक -- श्रव्या, श्रांकुश, श्रांकुस, गववाँक, गववाग, श्र्या। ३६**६. हाथी का खूँटा— त्रलान, त्रालान,** बंधसाम ।

४०० जंजीर (हाथी बाँधने की)---ग्रंदु, श्रंदुका, श्रंदुक, श्रर्गला, श्रलान, श्रांदू, श्रालान, निगइ, श्रंखल, साकल, सिक्कड़।

४०१. हथियार — श्रस्त, श्रस्तशस्त्र, श्रोजार, राख, शस्त्र, सिलह, सिलाह, इध्यार, इथियार इरवा ।

४०२. भंडा—केतन, केंद्र, चोन, भडा, भडो, दूक्ल, धूमकेंद्र, धूमकेंद्र, ध्वस, ध्वजा, निशान, पचतोलिया, पताका, फरहरा, मस्यवाहन, वैजयती, शबनम, शरवतो, शिखि, शीर्षग्रह।

४०३. तोप—कड्कनाल, कमान, गवनाल, गयनाल, गोला, जबूरक, दुश्क, तोप, शतक्ती।

४०४. बत्ती—पलाता, फलोता, बत्ती। ४०४. बंदूक—ग्रग्न्यास्त्र, कड्क विजली, कडाबीन, कमान, गोली, द्वपका

४०६. तलवार—-श्रसि, कत्ता, कता, करा, करंड, करवार, करवाल, करवालो, करौली, कर्कश, कर्तरी, किरमाल, किरवार, इपाय, खा, खाइ, खड़ास, वाद्या, खाइ, खाइ, वाद्या, विद्याल, धर्ममाल, बोप, निकिय, महलाप्र, रिष्ट, रिसिक, रिष्ट, विश्वसन, श्रमगर, शायक, सायक, सिरोही, तैया। ४०७. ढाल—चर्म, ढाल, पर, प्रम,

४०८ कवच-- श्रमत्रा**य, ग्रयगर, आयस,** श्रायसी, उरहद्धद, ककट**क, कंशुक, श्रयण,** जगर, जागर, ।जरह, व्यरह, बोशन,

फलके।

तनत्राया, तनुत्र, दंशन, दशन, बकतर, बखतर, बरम, बारन, योग, बक्तर, बखतर, वरम, वर्म, बारख, शरीरतेनु, शरीरत्राय, सनाह, सजाह, सिलाह। ४०६. धनुष — कमठा, कमान, कमानचा, कार्मुक, कुबंड, कोदड, गुणो, चाप, तारक, धनक, धनु, धनुत्रा, धनुई, धनुक, धनुख, धनुष, धनुस, धनुहो, पत्रवाब, पत्रवाह, पिनाक, केबिम, शरावाप, शरा-सन, शरास्य, शाग, तरासन।

४१०. डोर (धनुष) गुन, गुण, चिल्ला, बिह, ज्या, ताँत, पनच, पंतंचिका, प्रतिचा, प्रत्यंचा, मुवीं, मौबीं, शिविनी।

४११. तरकश--श्विष, कलाप, तरकश, तरकशी, त्या, त्यी, त्योर, त्नीर, तोया, नियंग, भाषा।

४१२. तीर—श्रायुग, इषु, कलंब, खग, गो, चदबान, तीरा, नाराच, पत्री, प्ख, पुष्कर, पृषतक, प्रधत्क, बाख, मारगन, मागंब, मार्गन, रविवाख, विशिख, विहग, विहग, धर, शलाका, शायक, शिलोमुख, सायक, सूप।

४१३. बर्झा-भालि, भुजाली, बरक्की, खाग, सैंहती।

४१४. भाला — क्रुन्त, कुराप, दीर्घायुष, नेना, भरून, भाला, विषाकुर, शकु, शल, ग्रन्थ, शेल, सेना ।

४१४. कटार--कटार, कटारी, कत्ती, खंबर, बमदाद, पेशकब्ब, अवाली।

४१६. गुप्ती—ईलां, करपालिका, बाँका, गुपतां, गुपुता ।

४१७. बाठी —गोबो, बॉग, लउर, बकड़ा । ४१८. बोज —बाब, ब्रम्ब, पदार्थ, वस्तु । ४१६. सामान—असनान, श्रवाबा, उप-करण, द्रव्य, माल, लनानमा, वमान, वानवामान, वामग्री, वामग्री। ४२०. चूल्हा—अतिका, श्रंदिका, श्रवि-भयवी, श्रश्मंत, उद्धार, उन्मान, चुल्लो, चूल्ह।

४२१. श्रमोठो-ग्रंगारघानिका, श्रंगारघानो, श्रंगारशकटो, श्रंगेठो, इसती, इसनी।

४२२. लुझाठ —त्रनात, उत्पुक, **लुका**ठ, लुकाञ्ड ।

४२३. ईधन—ईंघन, ईघ, इभ्म, बलावन, लकड़ो, लगवना, लगावन, लगौना । ४२४. उपला—उगरी, उपला, कंडा, कंडो, करीय, गांइठा, गोंइठा, गोंइरा, गोंइरो, चिपरी ।

४२४. कायला —कोहमा, कोक, कोल। ४२६ सस्य —दार, खाक, छार, भरम, राखा:

प्र२७ पात्र-त्रमत्र, त्रावरन, पात्र, बरतन, बर्चन, बामन, भाद, भादा, भावन । ४२८. कड़ाही—कढ़ाई, कढ़ाहो, कड़ाहा, कराही, टोकना, तई, ताई । ४२६. डेग —रोकरी, डेउ, देग, देगचा,

देगची।

४३० पनोला—रसला, पतीला।
४२१. बदुली—उला, उषा, कुड, पिठर,
बटला, बटली, बटलोई, बटलोई, बदुखा,
बदुवा, बदुला, स्थली, इडीष।
४३२. तथा—श्व वाप, श्व बोप, तब, ताबा,
पिष्टपचन, पृष्ठिपच।
४३३. पौना—कत्ना, करना, पौनो।

४३४. कलाही (काठको) — करहा, कलाहा, तर्खू, दाबहरतक।

To-Po

४३४. कलकुल-कंबी, करखी, करकुल, करकुलि, कड़ी, कलझा, कलझी, कलझुल, खजाका, कररिच्यो, दर्वी। ४३६. चिमटा—चमचा, चिमचा, सिंउठा। ४३७. संड्सी-संड्सा, सरसी। ४३८. डोकी—डोकिया, डोका, द्रोगी। **४३६. परात**—थाल, पलेट । **%৪০. थाली—काब,** टाठी, तश्त, थारो, थरिया, थाल, भोजनपात्र। ४४१. कटोरा-कटोरा, कटोरिया, कटोरी, कसोरा, खोरा, खोरी, पानपात्र, बेला, बेलिया । ४४२. तश्तरी-प्लेट, रकाबी, रिकाबी। ४४३. प्याला—चंबली, जाम, वियाला, प्याली । ४४४. **चमचा**—चमच, चम्मच, डोई। ४४४ गङ्बा-मार, त्राल, त्राज्ञ, करवा, कर्करी, गंगासागर, गहुन्ना, गड़ई, गकंतिका, भारी, तमहा, वधना, लोटा । ४४६. गिलास-श्राबलोरा, त्राल्बाल्, श्रोलची, खोरिया, ग्लास, जलपात्र, पानपात्र, क्रुटिया। ४४७. पथरी-पथरौटा। ४४८. पत्तल-पतरी। **४४६. दोना--ख**दोना, सपुट । ४४०. कंडाल-कन्डाल, गगाल, तामदी, सागर, टब । ४४१. कठौता-कठका, कठवत, कठौत, कठौता, कठौती, द्रोग्। ४४२ गगरा (घातु) — कलश, कलशा, कलसा, कंभ, गगरिया, गगरी, घट, बड़ा।

४५३. ठिल्ली (मिट्टी)--कलसा, मगरी, घट, घड़ा। ४४४- घडा (गंदा) — खुतिहा, बहरहा, बहिरहा । कमोरा-श्रमंबर, SKK. कमोरी, मटका, मिखाक। ४४६. हाडी-कहतरी, तिहरी, मेटी, इंडी, इदिया, हाँदी। ४४७. परई--कसोरा, परई, मलैया, शराब, सरवा । ४४८. कसोरा-- सकोरा, सिकोरा। ४४६. पुरवा—कुल्हरू, चुक्कर, भरका, हुँडा । ४६०. खपड़ी (दाना भूनने की)— ऋबरीष, कड़ाइ, खपरा, भ्राष्ट । ४६१. जाँता—चकरी, चकिया, जॉत, जांता। ४६२. चलनी—श्रंगिया, ग्रॅंबिया, ग्रांबी, <mark>श्राखा, चलनी, चालनी, छलनी,</mark> तित**ऊ** । ४६३. सूप--छात्र, प्रस्पोटन, पटकन, फटकनी, शूप, शूर्प। भोखली—उद्सल, उखन, श्रोसरी। ४६४. मूसर-पुषल, मूलर, मूलल। ४६६. टोकरा--साँचा, झावडा, मानर, भाग, बला, बाला, दौरा। ४६७. टोकरी—चॅंगेरी, चॅंगेनी, टोक्री, बलिया, बली, बाली, बौरी। ४६८. दौरा-कोहिया, बगेला, खाला। ४६६. दौरी-कांडोल, संनेशी, डाबी, पिट, पिटक, पेटक। ४७०. डासी--इरई।

४७१. चित्रमची-- श्राचमनक, निष्ठीवा-पात्र, पददग्रह, प्रतिग्राह, प्रोठ। ४७२. पीकदान-उगलदान, श्रोगलदान, थुकनी, पिकदान, पिकदानी। ४७३. मार् - क्ँचा, भाडू. बहुनी, बुहारी ! ४०४. स्रोदा-बटिया, बहा, लोदी । ४७४. सिल-पायर, सिलौटी, सील। ४७६. मथनी--- खलर, छोढ़ी, मथ, मंबदं-इक, मंथान, मथना, मथनियाँ, मथनी, मयानी, रई, वैशाख। ४७७. म**टका**—कमोरा, कमोशिया, मटकी। ४७८. कुप्पी-कुतुप, कुत्, कुप्पा। ४७६. भट्टी-करू, भट्टी, माड, स्वेदनी। ४८०. डोरा-- ब्रंशु, काता, चीन, डोर, तंद्व, तत्र, तागा, दोरक, बागा, स्ता, स्त्र। ४८१ सूई- श्रुचि, श्रुची, सुचिका, सूई, स्वी । ४८२. टेकुरी-म्रास, म्रासे, टेकुई, दुतारी। ४८३ सुका---सुन्जा, त्वा, द्वा। ४८४. काँपी-कट, करंडा, किलियक, भाषी, पेतारा, पेटारी, मोना, मोनियाँ। ४८४. डिक्बा--डिब्बी, संपुट । ४८६. बाकसः-पेटी, बकत, बबत, बाकत, मंज्या, संदूष । ४८७. कजरीटा — कारीटी, कवलीटा, कवलीटी । ५ मन. इंबरौटी-इंगुरीटो, विदोरा,'सिंघोरा, विषीय ! ४८६. चुनौटी---चुनही, चूनाहानी।

४६०. चिराग — श्रंजनवेश, बालोक, उल्बा, गृहमणि, चिराग, देवरी, दियरा, दियना, दिया, दीप, दीपक, दीपका, दीयरी, दं या, दीवा, प्रदीप, बसी। ४६१. चिरारादान- चिरागटानी,चौमुला, भाइ, दीवकवृत्त्व, दीवकाधार, दीयट, दीवट, फलीतसोन्। ४६२. कंडील--भाद, भादपानुस, भाद-फेनुस, टाचं, लम्प, लालटेन, इॅक्या। ४६३. मणाल-मनाल, मनियर, जुनक, ल्का। ४६४. तोड़ा-यंना, येली। ४६४. येहा खरीता, सलीता, भोरा, भोला, भोकरा, नेग, नैग। ४६६. **ये ली**— खरीती, खलीती, कलिसी, जेब, जेबा, भोरि, भोरी, भोली, यैसी, बोकरी, पाकेट। **४६७. परदा-- आह, ओट, कनान, चिक,** जिलमन, चीक, छिपाव, तिराष्ट्रको, बुराव, पट, पटल, प्रतिसिरा, यबनिका, वाह्मपटी, व्यवचान । ४६८. जूठा भोजन— शर्वाश्वह, उन्क्रिड, उच्चिष्टान्न, ज्टन, ज्टा, फेका, फेकी। ४६१. चारपाई- सटवा, सटिवा, सटी-लना, खटेला, खट्या, खाट, बारपाई, द्भपरसट, द्भपरसाट, दासनी, परियक, पलंग, पकंगकी, पलँगरी, पक्ष शिया, पक्षक, मंच, मंचिया, मशहरी, शवनमी, शवनीय, शक्या, शैया, सक्बा, सेव । ४००. चौकी—चतुक्की, चौकी, तक्रता, तक्ता । ४०१. पासना-सटोला, गर्वारा, भूला,

पिगुरा।

४०२. विद्यादन —डासन, विद्योना, शयन, साथरा, स्तर ।

४०३. श्रोनचन-उंचन, श्रदवायन, श्रदवान, श्रोनचावन, श्रोनचना ।

४०४. चारपाई का पावा—गोडा, पाया, पार, पावा ।

४०४. मिचया—िपिदिया, पोदो, मंच, मंचह, मिचका, मँचिया।

४०६. पीदा —ऋासन, पाटा, पिद्दं, पीठ, पोठक।

४०७, चटाई —कटक, गाँदरी, गोनर, गोनरी, चटाई, चटोला, तलाचो, दरमा, पाटो, बारिया, मंडरी, साबरा, साबरी, सीतलपाटो।

४०**८. हुशासन**-श्रावंदी, श्रावन, श्रावनी, दर्म, दर्भावन ।

४०६. कुरसी — त्रासंदो, कुरसी, कुर्सी, पीठिका।

४१०. मेज-टेबुल, मेंच, मेज़।

४११. स्टूब — तिपाई, तिरपाई, मोदा,

११२. कुल्हाड़ी—कुल्हारी, गैंटा, टॅगारा, टॅगारी, टॉगी, वॉक, इल्मेर, क्लादन।

४१३. खारा—घारी, करपत्र, कक्च ।

४१४. देती-पत्रपरशु, ब्रह्चन, रेनी । ४१४. हथीड़ा-मारतील, इथउर, इयेव,

४१४. हथाडा -- भारताल, इयउर, इयव इबीड़ो, इयौरा।

४१६. बरमा (ब्रेट्ने का)—ग्राविध, ग्रास्कोटनो, बरमो, बेचनिका, बेचनी।

४१७. माबी—वर्मप्रतेषिका, घौकती, मस्त्रा।

४१८. घरिया (धातु गताने की)— कुल्हिया, घडिया, घरिया, मूषा ।

४१६. सलाई—तीकी, शलाका, विकवा, वॉक, वीका।

४२०. कसौटी—कष, कस, कृष्णा, वाण, निकष।

४२१. रस्बी—डोर, डोरी, दाम, दामनी, दामा, पशुरज्ब, रज्जु, रसरी, लस्बी, तेखर, लेखरी।

४२२. बहुँगी - बहुगी, विहंगिका, विहंगिमा। ४२३. खूरा - श्रस्त्रा, उस्मस, उस्त्रा, जुरिका, जूरा।

४२४. नहरनी—नखरंबनी, नसक्तिनि, नसदास्, नहरिनी।

४२४. केंबी—कतन्नी, कतरनी, कर्तनी, कर्चरिका, कर्चरी, कल्पनी, काती, क्रपांची।

४२६. इल-गोदारख, लांगल, सौर, इर, हाल।

४२७. इल का फाल—श्रंगुरी, कुर, कुसी, कूटक, कृषिक, कृषिका, निरीष, फल, फार।

४२८. हरीस -- श्रगवासी, ईवा, दंड, लागल, हरिस, इलीस।

४२६. हँसिया—दातरी, दात्र, बावन, लवित्र, हँसुवा।

४३०. कुदाल—श्रवदारण, कुदार, कुदारी, कुदाली, खनित्र. खनित्री।

४३१. फावड़ा-फब्स, फब्स, कीड़ा।

४३२. मोट-चरहा, पुरवट ।

४३३. स्वाद् - गोबर, पाशु, पाहु।

४३४. इवरी—दॅवरी, दवनी, मिसाई।

४३४. खनबट—संटीतस, सनौर, सन्-बर, दोका।

४३६. रोशनदान—गवाच, मोका, रोचन-दान। क्ट्री—काटा, सूटी, टॅंगना, टॅंगनी,
 मारयण्टी, मेस ।

४३८. थूनी—वाँक, टेक, टेकान, कुन्ही, थून, थूनहीं।

४३६. खंबा--लंम, बाम, यंब, धंम, धूनी, स्तंम।

४४०. सिकइर—काच, छीका, शीका, शीक्य।

४४१. ताला — क्फ़ल, कुलुफ, कुल्फ, तलक, तालः।

४४२. ताली—कुंबी, चाबी, चामी।

४४३. जंजीर—जंनीर, शृङ्का, साँक्का, सिक्ही।

४४४. कुंडी-कड़ी, कुंडा, कुंडी, कोंदा। ४४४. कुरी---श्रविपुत्री, श्रविचेनुका, कती, चक्कू, चाकू, कुरिका, खूरा।

४४६. दियासकाई—दोपशलाका, माचिस, संबार्ध ।

४४७. तराजू—कॉटा, तरजूई, तरान्, दुसा, तौसा।

४४८. बाट-बटक, बटलरा, बाँट I

४४६. पल्का (तराज्का)—डस्ला, डाल, बुलापट, पलका, पलरा, पला।

४.४०. तन्ती (तराजू की)—कोत, तन्ती ।

४४१ वंडी (तराजू की)—कॉटा, बडा, बडो, बॉइ, डॉड़ी, बॅट।

४४२. चॅंबर—चॅंबर, यमर, यमरी, चामर, यामरा, वामरी, चौर, चौरी, प्रकीर्चक, वालव्यवन, रोमगुच्कक।

४४२. इत-जातपत्र, ककुद, कुछ, राजक्रमम ४४४. झारा—शातपत्र, त्रातपवारस्, इतरी, झ्या, इत्र, झार्यामत्र, पटेटिस । ४४४. झड़ी—गोसी, इड़ी, ढडा, दंड, दंडिका, नेत, लडर, सकुट, सकुटी, लगुद, लाठी, यण्टी, सोटा, सोटा । ४४६. यंत्र—शौज़ार, कल, मशीन । ४४७. दूरदर्शक यंत्र—दूरदर्शक यंत्र, दूरवीच्या, दूरवीन ।

४४८. थेंसी—कीसा, खरीता, सहीता, स्रीसा, बाली, यैली, बटुआ, बटुवा, बट्टू।

४४६. दातौन-दंतधावन, दतवन, दुतुक्न, दर्जुवन, दतौन, दातुन, प्रथमाहार, प्रभाती, मुखारी।

४६०. तमगा—नगमा, तमगा, प**रक,** बिल्ला

४६१. जाल-बाली, बागुर, मृगवंबनी, बंबोनो ।

४६२. फंदा-- छन्माय, कृटयत्र । ४६३. फूला-- छोका, फूला ।

४६४. **घटेरम**-घटो, घटेरन, चरसा, टकुमा, नेकुमा, टेकुरी, रहँटा ।

४६४ बिना बटा वागा-- कञ्चा वागा, कञ्चा घागा ।

४६६. नाव सीचने की रम्सी—कृपक, गुच, गून, गोन।

४६७. पत्तवार-करिया, केनिपातक, दरित्र।

४६८. नाथ का पानी फेंकने की कड़ाड़ी—तसली, तेक, तेकपात्र, तेवन। ४६८. नाय का डॉड़— वेपविका, वेपवी, डॉड, डॉड़ा, नीकाइंड। ४७०. मझली रखने का बरतन— कुवेखो, डोलनी, डोलो, मस्यथारिखो । ४७१. मझली पकड़ने की जाल—बार, बाल, जालानाय, पवित्रकी, शणमन, सुत्री।

४७२. मञ्जूली मारने की कॅटिया— श्रंकड़ा, कॅटिया, कॉटा, कुंभी, बशो, बढिश, मत्स्यवाती, मत्स्यवेषन, मीनहा, हुक।

४७३. पंखा - पंखा, पंखा, बेना, विजन, व्यजन।

च

१. क्थान—श्रगार, श्रयन, श्रवस्थान, श्रागार, श्रालय, श्रास्पद, उछोर, केत, केतन, चेत्र, गांघ, छिद्र, छेत्र, बॉ, बा, बगह, ठहर, ठॉई, ठॉय, ठॉव, ठाम, ठाहर, ठिकाना, ठेन, ठोर, थन, थलो, थान, देश, निकेत, निलय, प्रदेश, भू, महो, मुकाम, नौक्का, लोक, शाला, स्थल, स्थली।

२. ब्रह्मांड —श्रंड, श्रडकटाइ, श्रंडकोरा, ब्र, श्रद्धर, श्रव्यक, श्राकाशमङ्क, खगोस, मुवनकोष, विश्वकटाइ, इत्तकटाइ।

दे. धाकारा — अविरिच, श्रंबर, श्रच्र, भविरेख, अनंत, सन्द, समूर्त, सस, भर्माव, सर्घ, सबकारा, सबकार, साकारा, स्राधमान, कर्ष्वलोक, सं, स, समोल, गंगापथ, गगन, गगनमंखल, गय,
गयशिर, ग्रहनेमि, चित्रोकि, द्वायापय,
क्योतिक्यब, तारायण, त्रिदिव, त्रिपिष्टय,
दिव्, दिव, देवपथ, देवबर्स, द्यु, को,
ब्राप, घन्या, नम, नसमङल, नमस्यल,
नाक, निराकार, निरुप, पाथ, पाथा,
पुष्कर, फलक, मस्त्यय, महदूर्य, वादुमंडल, वायुलोक, त्रियत्, वृजन, स्याम,
शृह्य, सोम घरा, स्वर, स्वर्ग, (।

४. तारा—ग्राकाशचारो, उहु, श्वच, सम, खचर, सेचर, श्योतिषी, तारक, तारा, तारिका, नभगामी, पद्मलाखना । दे॰ 'नच्नन्र'।

४. नवप्रह—केतु, गुरु, चद्रमा, बुन, मंगल, राहु, शनि, शुक, स्यं।

६. महों के बीच का शून्य स्थान--अतिरस्, अंतरिस, अंतरिन्छ, अतिरस्, अदिति, अधर, अर्थन

७. सूर्य-दे॰ 'स्य''।

स्ये-मंडल —उपद्यंक, परिवि, परिवेष.
 परिवेश, मंडन, मंडल।

करख — अशु, आलोक, उस, कर, कला, करन, गमित, गो, पृथि, छटा, ज्योति, दीचित प्रशेत, मर्ग, मानु, मयूब, मरीचि, रस, रांश्म, रांसा।

२०. सूर्य प्रकाश--मातप, वर्म, बम्भ, धाम, खुनि, खुनी, लिब, दीप्ति, चुति, धूप, प्रकाश, प्रमा, भा, भास, बक्, बिस, रोकि, शोचि।

११. चंद्रमा—दे॰ 'चंद्रमा'। १२. चंद्र मंडल—चंद्रविष्य, चंद्रमडल, मडल। १३. दू अ का चाँद—चंद्ररेखा, चन्द्रतेखा, वुइब, नवचन्द्र, वाजविधु, वकचन्द्र । १४. आधा चाँद— मर्द्यचन्द्र । १४. पूर्विमा का चाँद— पूर्वचन्द्र, राका- शिरा, राकेश ।

१६. चाँदनी--ग्रॅंबोरिया, ग्रमृततरंगिगी, श्रमृतद्रव, कौमुदी, चिदिनि, चिदिनी, चेद्रक, चद्रबोत, चद्रपमा, चेद्रमरोची, चेद्रिका, जुन्हाई, बोन्ह, ज्योत्स्ना, हिमकर।

१७. मंगल —ग्रंगारक, त्रावनेय, ऋखातक, कुब, भूमिसुत, भौम, मगल, महोसुत, लोहिताग, वक ।

१८. बुध-चन्द्रज, चन्द्रसुत, बारज, ज्ञ, बुध, रोहिरोय, विद, विदिच, सौम्य।

१६. वृहरपति — श्रंगिरस, १७४, गिरीश, गरीश, गीरपति, गुरु, गोविंद, श्रद्धां , चारु , चित्र, वित्र, वित्र , चित्र, वित्र हिंद्र , जोव, ताराधिष, ताराधीश. नारानाथ, तारापति, त्रिदशगुरु, त्रिदशाचार्य, दिदिब, द्वादशहर, भा, भिष्णा, भिष्णाधिष, चीपति, चीमान्, पार्थ्य, वृहतीपति, वृहस्पति, नाकपति, वागीश, वागीश्वर, वाचसपति, वाचस्पति, विप्रमोद्ध, स्वर्णिय, स्वर्णिय, स्वर्णिय, सुरम्योधा, वृद्धांत्र, सुराव्य, स्वपति। शृरात्रगुरु, सुराचार्य, सुरेन्द्रपूज्य, स्वपति। १८० शुक्र — श्रादिवेदगुरु, उराना, किंत, काव्य, दैत्यगुरु, देत्यराज, मार्गव, मृगु, पदशिंव, रवेतरय, शुक्र, सित।

२१. शनि — व्यक्ति, व्यस्ति, व्यार, काल, कोल, कोड, बहनायक, क्वाबास्मव, क्वाबा सुत, नीसवासा, नोसावर, पगु, पातिक, भारकरी, मन्द, मन्दब्रह, मन्दबास, रवि- नन्दन, वक, शमि, शनिर्चर, शनैरचर, सत्वाशु, सूर्यपुत्र, सौरि । २२. केतु—केतु, धूमकेतु, धूमकेतु, मस्य-वाहन, शिखि, शीर्षग्रह ।

२३. राहु—श्रमुर, श्रहि, कवध, सहपरशु, ग्रहकल्लोल, ग्रहसम्मन, तम, दैतेय, नभाक, नैश्चेत, विधुन्तुद, सिहिकासुत, सिहिकासून, सेहिकेय, स्वर्मानु । २४. शहरा — उपराग, ग्रहेन, ग्रहस, ग्रास,

२४. महरा-उपराग, गईन, महस्, प्रास, माह। २४. सर्वेमास-पूर्वमहरा, वर्वमास।

रशः सवभास — पूर्वभहरण, उवभाव ।
२६. नस्त्र — श्राकाशचारी, ठडु, ऋच,
श्रोक, खग, खचर, गगनचर, गगनेचर,
बन्हाई, ज्योति, तमचर, तर्रं, तारा,
तारिका, युचर, यषद, विष्टप, नसत,
नभचर, नभश्चर, निशिचर, म ।

२७. २५ नस्त्र — अनुराधा, अरलेषा, अरिवनी. आहां, उत्तराफाल्गुनी, उत्तरामाद, कृतिका, वित्रा, स्थेप्टा, धनिष्ठा, पुनर्वतु, पुष्प, पूर्वीफाल्गुनो, पूर्वीपाहपदा, पूर्वीषाद, अरखी, मधा, भूल, मृगशिरा, रेवती, रोहिसी, विशाखा, शतिभिषा, अवसा, स्वाती, इस्त ।

निशेष — ज्योतिष में उत्तरापाद के बाद 'श्रांभवित' नामक, एक श्रौर नस्त्र माना बाता है। इसे लेकर कुल र≍

२८. अरिवनी—अरब, अरब्युक्, अरिवनी, शस ।

२६. मरग्री—दे॰ 'बमराष'। ३०. कृत्तिका—दे॰ 'झग्नि। ३१. रोहिग्री—-झब्बबोनि, पातृ, रोहिबी, रोहिनी, विषातृ।

३२. मृगशिरा-अग्रहायणि, चन्द्र, मगा-सिर, मृग, मृगशिरा, मृग, मृगसिर। ३३. ब्याद्री-- श्रदरा, श्रद्रा, ब्याद्रा, ब्याद्री, रूद्र, शिव। ३४. पुनर्वसु – श्रदिति, श्रादिति, पुनर्वसु । ३४. पुष्य- इज्य, चीव, तिध्य, देवपुरोहित, पुरुष, पुष्य, सिध्य। ३६. घरलेषा- श्रश्लेषा, श्चरलेखा, श्राह, उरग, गुजंग, भुषग, व्याल, सर्प। ३७. मघा-पितर, पितृ, मघा । ३८. पूर्वाफालगुनी- पूर्वाफालगुनी, भग, योनि । ३६. उत्तराफालगुनी- श्रर्थम, काल्गुनी । ४०. इस्त-प्रक, कर, रवि, इस्त **४१. चित्रा**—चित्रा, तत्त्, त्वाष्ट्र । ४२. स्वाती—श्रनिक, मरूत् , वायु, समीर खवाती, सेवाति, स्वाति । विशासा-द्विदैव, द्रीश, राघा, विशाला, राकारिन । ४४. अनुराधा— अनुराधा, मित्र, मैत्र । ४४. क्येष्ठा—इंद्र, ज्येष्ठा, शक, शक । ४६. मूल-निरित, मूर, मूल, रत्त, राख्य । ४७. पूर्वाषाद-सीर, बल, पूर्वाषाट । ४८. उत्तराबाद — उत्तराबाद, विश्व, वेशव । ४६. **अभिक्तिर-**- श्रभिक्ति, विभि। ४०. श्र**वया-- वर्च**, गोविन्द, भववा, इरि । धनिष्ठा--धनवती षांनष्ठा. निधान, भृति, वसु, वसुदेवता, वासव, भविष्ठा ।

४२. शतभिषा--ग्रंडुप, बलवि, बलव, तोयप, बदण, शतिभवा, सप्ततारक। पूर्वाभाद्रपदा-- अवचरण, पूर्वा-भाद्रपदा, प्रोष्ठपदा । ४४. उत्तरामाद्रपदा—ग्रहिर्वुघ्न, उत्तरा-भाद्रपदा, प्रोष्ठपदा । ४४. रेवती-प्रत्य, ग्रन्यम, पूषा, पौष्ण, ४६. राशि-म, मुहूर्त, राशि, लग्न। राशियों का उदय-लगन, लग्न। राशिपति--राशिपति, राशीश्वर । ४८. मुस्य १२ राशियाँ—कन्या, कर्ब, कुंभ, द्वला, धनु, मकर, मिश्रुन, मीन, मेष, वृश्चिक वृष, सिंह। ४६. **मेष**—श्रव. मेष । ६०. वृष-- बृष, बृषम। ६१. मिथुन--मिथुन, युग्म। ६२. कर्क-कर्न, कर्कट । ६३. सिंह-मृगेंद्र, सिंह। ६४. कन्या—क्त्यका, क्रम्या, कुमारी, युता । ६४. तुला-- दल, दला, तील, युक्। ६६. वृश्चिक--प्रात्त, वृश्चिक। ६७. धनु-कोटंड, चाप, धनु। ६८. मकर-नक, मकर। ६६. कुंम-कुंम, घट। ७०. मीन-अल, मत्त्व, मोन। ध्रव---श्रवसप्रह, जीचानवाद, श्रीत्तानपादि, श्रुव, निश्चक, स्थरवह। ७२. पुच्छक तारा —केंद्र, काडू, धूमकेंद्र, धूमकेष्ठ, पुन्त्रलवारा।

७३. सप्तिषि ('शतपय' के अनुसार)— अत्रि, ६२२ए, गौतम, भरदाब, यमदान, विशष्ठ, विश्वामित्र ।

७४. सप्तर्षि (महाभारत के अनुसार)— श्रंगिरा, श्रात्र, ऋद्व, पुलस्य, पुलइ, मरीचि, विषष्ठ।

७४. विशा-श्रभूतं, श्राशा, श्रासा, श्रोर, ककुम, कुकमा, काष्टा, खड, गो, तरफ, दिक्, दिश्, दिशा, दिस, दिसा, सिम्त, इरित।

७६. १० दिशाएँ-मिनकोण, ईशानकोण, उत्तर, ऊपर, दिच्चा, नीचे, नैऋत्यकोण, पश्चिम, पूर्व, वायुकोख।

७७. दिक्पाल—दिक्पाल, दिग्पति, दिगाधिप, दिगेश, दिशाधिप, दिशाधीश, दिशीश।

७८. १० दिग्पाल—श्रांग्न, इद्र, ईश, कुनेर, नैर्फ्टन, ब्रह्मा, यम, वरुग, वायु, रोष∤

७६. ४ दिशाएँ — उत्तर, दिच्या, पश्चिम, पूर्य ।

८०. उत्तर—उत्तर, उद्क, उदीकी, तिय-दिश्, शुभात ।

प्तरे. देखिया—ग्रवाची, बनूब, दक्खिन, देखिय, देखियाशा, देखिन, देखन, देखन, दक्खिन।

दर. परिचम--चरम, दग्धा, पञ्जम, पञ्जिम, पश्चिम, पञ्जू, पश्चात्, परिचम, परिचमा, प्रतीची, मगरिव।

दर्. पूरव-दिग्याका, पुरव, पूरव, पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व, प्राची, मशरिक।

यप्त. ४ दिगांतर—श्रामकोख, रंशानकोख, नैत्रामकोख, शासुकोख। प्तर. नीचे-अभ, तर, तरे, तल, तले, निम्न, नीचे।

म्ह. जपर—उछित, उच्च, उतंग. उदम्र, उन्नत, उपरि, ऊँच, ऊँचा, अपर, उर्घ्व, तुंग, प्राश्च।

८७. दिमाज-दिकस्तंभ दिगाज, दिशि-कुछर।

द्भः द्र दिगाज—श्रंबन, ऐराक्त, कुमुद, पुरुदरीक, पुष्पदंत, वामन, सार्वमीम, सुमतीक।

८६. दिगांतर—कोख, कोन, कोना, टिक्कोण।

६०. पुथ्वी-श्रचलकिला, श्रचला, श्रांदति, ब्रद्धिकीला, ब्रनंता, ब्रवनि, ब्रवनी, ब्रसुर, त्रहि, आदिमा, आया, इदा, इदिका, इरा, इला, इलिका, उद्घिवस्त्रा, उरा, उर्बरा, डॉम, उर्बी, श्री, कच्च, **का**श्यपी, कीदाकाता, कु, कुमिनी, कुम्मिनी, कुर्म, केलि, चमा, चा, चिति, चोशि, चोशी, हौंबि, हौयो, हमा, खंडनी, खगबती, खल, गहरा, गात, गो, गोत्रा, गौरिला, चतुरत, चरता, चला, बगतां, बगतीतल, बगह्हा, बगद्योनि, ज्या, तविषो, तूंगो, तायनीनो, थिरा, दरदरी, देवस्थनो, परिचा, परिचा, परती, परिन, परिना, बरा, बरातस, बरित्री, बात्री, बारखा, बारयित्री, बारिखी, विश्वस, पर्वताबार, पिरबी, पुहुबी, पूषा, पृथवी, पृथिमी, पूर्विकी, पृथी, प्रथमी, प्रथी, क्ला, बोबस्, भद्रा, भरतरी, मबत्, शुई, भुवनकोश, मुनि, भूँ, भू, भूतकात्री, भूतल, भूमंडल, क्म, भूमि, भमी, भ्रम, भ्रिक, भ्रिक, भ्रिक, भोम, भोमी, मधुजा, मर्त्यलोक, महि,
मही, महीतल, महीमहि, मिट्टी, मेदिनी,
यला, रखमंडा, रतनागरभ, रत्नगर्भा,
रसा, रेखुका, ल, लोकघारिखी, बसनार्चावा, वसुंघरा, वसुघा, वसुघान, वसुमती,
विपुला, विश्वंभरा, विश्वगघा, विश्वघारिखी, वोजस्, व्योमस्थली, सथर,
समुद्रनेमि, समुद्रवसना, समुद्रावरा, समुद्रावरख, सर्वसहा, सागरभरा, सगरिनेमि,
सागरमेखल, साधुमती, सारंग, सितवराहपत्नी, सुगिंघमाता, सुधा, सोलाली, स्थाया,
रिथरा, हरिप्रिया, हेमा।

महाद्वीप—बरेंश्रातम ।

इीप-अतरीप, बज़ीरा, टापू, रेता, रेती।
 सन्दीप -कुश, कौंच, बब्, पुष्कर,
 सब, शाक, शाल्मिल।

६४. द्वीप समूह—द्वीपपु ज, द्वीपमाला । ६४. यल दमरूमध्य—खाकनाय, यल-महरूमध्य ।

६६. मिट्टो—प्रशस्ता, मही, माटी, मिट्टी, मृत्, मृतिका, मृत्सा।

६७. धूिल — लेह, गर्द, धूर, घूिल, धूसर, धूसरी, पाँस, पाँछ. पिंबल, रज, रेणु, बातकेतु, वातक्वज, सचरा।

रू. बालू —पानायविधाका, प्रवाहो, प्रवाहो-त्या, बारू, बालिका, बालुका, बालू, महारलद्या, रेशु, नेत, रेतबा, शिलाक्या, शीतला, सिकता, सिका, सूद्धा।

१६. रेगिस्तान — नालकायुत, मब्बल, मब्बल, मब्बल, मब्बल, रेगिस्तान, रेता, शर्करा, शर्करावती, शर्करिल, शार्कर।
१००, कस्वर—श्रतुर्वरा, जपर, कसर, वश्याभूमि, श्रस्यद्यीना।

१०१. चपजाऊ भूमि—वरलेव, उपबाळ, उर्वरा, उबरी, शस्याक्या । १०२. खेत—कियार, केदार, कोला, चेत्र, चक, निष्कुट, पाटोर, भूमि, राविका, बप्र, वलब, वाप ।

दो खेतों के बीच की ऊँची मूमि— खॉवा, बाँड, बाँडा, मेड, मेद।

१०३. संसार—श्रालम, जलक, खिलकत, चराचर, जग, जगत, जगती, जहान, दुनिया, दुनी, नरलोक, पृथ्वीतल, प्रपंच, प्रभव, भव, भुव, भुवन, ब्रह्माड, भूलोक, भौ, मर्त्यलोक, महीतल, मुल्क, मृत्युलोक, लोक, विष्टप, विश्व, संसार, तंसृति। दे० 'स्ष्टि'।

१०४. देश—ख़िचा, देस, मही, मुक्क, मुल्क, राज्य, राष्ट्र।

१०४. विदेश—ग्रन्यदेश, देशातर, देशा-बर, देशवर, परदेश, पूरुव, विदेश, विलायत ।

१०६. प्रदेश-खंड, पद, प्रदेश, प्रात, स्वा, हाता ।

१०७. राष्ट्र — उपनर्तन, बनपद, नीबृत, राज्य, गण्ट्र, बिषय ।

१०५. भारसवर्ष - श्रार्वभूमि, श्रार्यावर्त, पुरवभूमि, भरतलंड, भारत, भारतवर्ष, सिंधुदेश, हिन्द, हिन्दुस्तान, हिन्दुभ्यान, हिन्द्रास्ताँ।

१०६. म्लेज्झदेश—श्रनार्यभूमि, पतितभूमि, प्रत्यत, म्लेज्झदेश, म्लेज्झवास ।
११०. सप्तपुर—श्रवंतिका, श्रवोच्या,
कॉबी, काशो, हारिका, मधुरा, इरिहार ।
१११. श्रवोच्या—श्रवोच्या, श्रव्यपुर,

कोशलपुर, कोशलपुरी, रामबन्मस्थली, साकेत, सेतिका।

११२. कांजी -कॉचीपुरी, काची, काबी-वरम्।

११३. काशी—कासी, काशीपुरी, बनारस, बारायासी, विश्वनाथनगरी, विश्वनाथपुरी, शिवपुरी ।

११४. द्वारका—दुश्चरिका, द्वारवती, द्वारा-वती, द्वारकानगर, द्वारिका, द्वारिकाधीश-पुरी, द्वारिकापुरी।

११४. मथुरा-कंधनगरी, कंसपुर, कस-पुरी, कृष्ण नगरी, मथुरापुरी, मधुपुर, मधुपुरी, मधुरा।

११६. प्रथाग - श्रलाहाबाद, इलाहाबाद, इलाहाबास, तीर्थराज, परयाग, संगम ।

११७. त्रिवेखी—तिरवेनो, त्रिवेखी, वेनी, संगम।

११८ पटना—कुसुमपुर, पद्दन नगर, पाटालिपुत्र, पाटलोपुत्र।

११६. जगन्नाथपुरी—जनरनाथजो, जग नाथपुरी, पुरी।

१२०. रामेश्बर-रामसेद्व, रामेसुर, श्वेत बधरागेश्बर, सेद्वबध रामेश्बर।

१२१. डडजैन --- श्रवंतिका, श्रवतिपुरा, समतो, उज्बयनी, उज्बीयनी, उज्जैनी।

१२२ दिल्की — इंद्रप्रस्थ, डिल्ली, डेलही, देखली, इस्तिनापुर ।

१२३. **कमच्छा** — कामाबी, कामाच्या, कामाक्या।

१२४. जामरूप —कमरू, कामरूपा, काम रूप।

१६४. करमीर—कर्यपदेश, कर्यपमेक, करमीर, कारमीर। १२६ जंका-ताम्रदेश, रावसपुरी, वाम-वर्ण, लंक, लंकपुरी, सिंहल, सिंहलद्वीप, सीलोन।

१२७. श्रफ्तगानिस्तान-कम्बोब, गघार, गाघारदेश।

१२८. तिरहुत-जनकदेश, तोरमुक,
मिथला।

१२६. रहने की जगह—श्रविवास, श्रविग्ठान, श्रवास, श्रवास, श्रावास, उदास,
केन्द्र, ठिकाना, निवास, निवासस्थान,
वसनोवास, मदिर, मदिल, मकान, मठ,
वास । दे० 'घर'।

१३०. पड़ाव - श्रहा, श्रहान, श्रिष्ठान, श्रहरा, श्रायतन, श्राभम, क्याम, च्हां, चौकी, खावना, जनवास, टिकान, टिकान, ठहराव, टाहर, टिकाना, डेरा, यती, थाना, थिति, पड़ाव, मांत्रल, मक्स, महप।

१३१ डेरा--सेमा, छावनी, हेरा, तंबू, नितेश, शामियाना, शिविर।

१३२. क्षाबनी—खधार, द्वावनी, डेरा, लशकर, धिवर, सिविर, मेनावाड, स्क्रवावार

१३३. याम - खेडा, र्यवर्ड, गाँव, ग्राम, देहान, पुरवा, पुरा, बस्तो, मौज़ा ।

१३४. बस्ती —बसगित, बसोबत, बसोयत, बस्ती।

१३४. नगर—कटक, कसवा, नगर. नगरी, निगम, पटभेनन, पष्ट, पष्टन, पत्तन, पुर, पुरि, पुरो, शहर, सहर।

१३६. बाजार--बतुष्तव, दरीवा, निवम, परय. परवनीयका, पद्मप्रीय, बह्मर, मंडी, मारकेट, विपिख, श्रंगाटक, सट्टी, इह, हाट ।

१३७. महल्ला-कृचा, टोला, टोली, पाङा, पादा, पुर, पूरा, पुरवा, महल्ला, महाल, मुहल्ला ।

१३८. द्कान-कोटी, गोदाम, गोला, द्कान, पर्य, पर्यम्मि, पर्यशाला, परिवका, पैठ, पेंठौर, विक्रयशाला, हृह, हृहें, हाट। १३६. **शहरपनाह—कोट**, नगरकोटा, पर-कोटा, पुरवाख, प्राकार, प्राचीर, शहर-पनाइ।

१४०. घर--ग्रमा, ग्रयन, श्रागार, ग्राय-तन, श्राराम, श्रालय, श्रावास, श्राभय, बाभपद, ब्रास्पद, इमारत, विभपद, म्रोक, कल, केतन, च्य, साना, ग्ररोब-साना, गृह, गेह, ग्रह, धरौदा, परौंघी, डेरा, दौलतसाना, धाम, निकेत, निकेतन, निघरन, निवेश, निःशांत, निसय, निवसन, निवास, निवासस्यान, परिष, परिवास, पुर, बरपरी, भवन, भौन, मंदिर, मकान, मुकाम, महान, महल, वर्म, क्स्य, बाक्य, वास, वास्तु, वेश्म, शरब, शरन, शर्म, शाला, शिविर, संस्थान, सत्र, सदन, सद्म, सौध, स्थान, इरम्य, इर्म्य ।

१४१ पक्का या आलीशान मकान-आगार, इमारत, कोठी, बँगला, बिल्डिंग, भवन, महल, हवेली।

१४२. कुटिया--उटब, कटाह, कुंब, कुटिया, कुटी, कुटीर, गहर, जतुगृह, मोंपदा, भोंपदी, पर्याकुटी, पर्वाशाला, पल्लो, मद्दी, मध्दे, मुनिवास, मेक्या, राजा, तंत्र।

१४३. साकागृह—संबंधर, साकागृह । १४४. हाता-अहाता, वेरा, चहारदिवाली, परिमंडल, चारदोवारी, ह्यरदिवाली, परिवर्त ।

१४४. खांगन—श्रंगया, श्रॅगना, श्रंगनाई, ऋंगनैया, श्रंगसा, म्रजिर, गृहागर्या, चतुःशाल, चत्वर, चीक, चौगान, चौक्षार, प्रांगच, वगर, वासर, संबवन, सहन।

१४६. कोठा — त्रटा, त्रटारी, ब्रष्टालिका, कोठा, छत, सौघ, इर्म्य ।

१४७. दातान—श्रलिट, श्रोटा, श्रोक्तरा, चौपाल, प्रकोष्टक, प्रषय, प्रवास, बरा-मदा ।

१४८. कमरा-कच, कोठरी, घर।

१४६. शयनागार--ग्रारामकार, ग्रयन-गृह, श्रयनागार, श्रयनालय, श्रयनानात, स्वप्नगृह ।

१४०. अरिष्ट (प्रसंबंधर)—श्ररिष्ट, जन्वासाना, बननाबास, बाया, प्रस्वगृह, प्रस्तिकागृह, स्तकगृह, स्तकगेह, स्तिका-गार, स्तिका गृह, सोबङ, सौरगृह, सौरी। १४१. स्नानागार—गुसलकाना, गुसुल-खाना, गुरलक्षाना, स्नानकाना, स्नानगृह, स्नानशाला, स्नानागार, इमाम, इम्माम । १४२. पाखाना-- कदमेंचा, बुद्दी, बावब्र-रूर, टही, पाखाना, बाहर, बपुलिस,संबास, हगनउर, हगमहटी, इगनइष्टी, इगमेटी । १४३. सार्वजनिक पासाना-वंपुरिक,

वमपुलिस ।

१४४. बैठका (बैठने का स्थान)--श्रयाई, आस्थान, चीपास, चीवासा, नैठक, नैठका।

१४४. चबूतरा-चःवर, चबूतरा, चौतरा, चौपहल । १४६. द्वार के भागे का चौतरा -- भ्रगास, श्रथाई, श्रक्तिद । १४७. सीदी-अविरोहियी, आरोह, आरो-इख, ज़ीना, तागङ्ग, नसीनी, नसेनी, निभेषी, निसेनिका, निसेनी, निसैनी, सिंब्दी, सीदी, सोपान। १४८. वीबाल-कुड्यम, दिवार, दिवाल, देवाल, भिन्ति, भीत, भीती। १४६. क्रेद्-अगाध, ख्रिद्र, दरव, दराज, दरार, रंध्र, तुराक्र, स्राक्र । १६०. ताक-श्राला, ताला। १६१. मवैशी खाना-काँबोघर, काँबी-हाउस । १६२. दरवाजा (घर का)--गृहदार, गृहावगृहया, ड्योद्धः, दरवाना, दुन्नार, देहरी, देहली, द्वार, पहरा, पौर, सिंहणीर । १६३. ड्योदी--डेइरी, ड्योदी, दरवाज़ा, देहरी, देहली, पंवरि, पौरी, देहरी, देहली। १६४. गुप्तद्वार-गुप्तद्वार, यस्क, पद्य-द्वार, पार्श्वद्वार, बगलीद्वार । १६४. किवाद-शरर, कपाट, किवाडो, किवार, केवाड़, केवाड़ा, केवाड़ी, दरवाजा, बार, पट, पह, परला, फाटक । १६६. सिंवको -- श्रतरद्वार, खिरकी, गवास, गवास, गौजा, जँगला, जासमार्ग, बासरंभ, मंभरो, भरोबा, दरोचा, वश्वक, प्रच्यक, बारी, बातायन । १६७. स मा -सम, समा, साम, साप। १६८ बाजन-बरत, सारेस, सपरेस, क्य, क्ष्यर, बार्न, यटक, पतानी,

पाटन ।

१६६. गोल ऊँची छत-गुनव, गुंबद। १७०. फर्री-गर्न, पन्ना, पत्नस्तर, प्ला-स्टर। १७१. राजमहत्त-उपकारिका, उपकार्य, किला, कोट, नन्धनर्त, निष्कुट, पासाद, महल, राजपासाद, राजमबन, राजमंदिर, राषमहल, राज्यदन, सर्वतोमद्र, सौघ, स्वस्तिक, इवेली। १७२. क्रिला--श्रगम, क्रिला, कोट, गढ़, दुर्ग, दुर्गम, विद्ध, सौंघ, शिविर। १७३. बुर्ज-श्रयल, घग्हरा, घौरहर, घौराहर, बुर्न, भीनार। १७४. दरबार--मास्यान, इनहरी, दर-बार, राजमङ्को, राजसभा, राजसमाजः। १७४. एकांत मंत्रणास्थान-एकांतगृह, खिलवतलाना, गुदा, गुप्तगृह, गोशा, मत्रणालय, मंत्रणागृह। १७६. सिहासन—तकृत, विदासन । १७७. अत:पुर--श्रतेउर, श्रंतेवर, श्रंदर, श्रवरोघ, श्रवरोघन, बनानसाना, बनाना, भोगपुर, महल, रनवास, रनिवास, शुद्धांत, श्चियागार, इरमखाना । १७८. रंग भवन-कोदालय, कोदावाव, गर्भागार, रगभवन, रंगमहल, रतिमवन, रतिमंदर, वानगृह, विकास्यतः। १७६. रूठ कर रहने का स्वान-कोप-गृह, मानगृह, मानमंहिर। १८०. नृत्यशासा -नायवर, नायमहरू, नृत्यशाला, महकिल । १८१. खबाना-कोशागार, सवाना, धनावार, भडार, भंडारा, भाडार। १८२. कारागार-कारागार, बारावास, क्रेंदलाना, बेस, जेललाना, जेहल, जेहलखाना, बंदसाल, बंधन, बंदी-खाना, बंदीगृह, यातनागृह, हबस, हन्स, हवालात।

१८३. हिरासत—कारा, कारावास, क्रैद, नज्रबंद, बद, बंधन, इब्स, हिरासत, हेरासर्त।

१८४. थाना - कातवाली, चौकी।

१८४. शस्त्रागार—श्रस्त्रशाला, श्रस्नागार, शस्त्रशाला, शस्त्रागार, सिलह्लाना, इथियारखाना।

१द६. नाट्यशाला—श्रभिनयस्थल, थिये-टर, नाट्यस्थल, नाचघर, नाटकभूमि, नाटकशाला, नाट्यमंदिर, नाट्यशाला, रंगचेत्र, रंगगृह, रगभूमि, रंगशाला, रंगस्थल, रगालय।

१८७. हाश्रीसाना—गवशाला, गयशाला, पीलखाना, फीलखाना, हथिसाल, इस्ति-शाला, हाथीखाना।

१८८. श्रस्तबल-श्रश्वराला, श्रस्तबल, धुइसार, धुइसाल, घोइशाला, तबेला, वाविशाला, मंदुरा, हयशाला।

१८८. कोट-ग्रावर्तक, कोट, घेरा, परिश्व, पुरसीम, प्रकारक, प्राचीर, वेष्टक, सालि। १८०. बहारदीबारी-ग्रहाता, बहार-वीबारी, प्राकार, प्राचीर।

१६१. घेरा-- ब्रहाता, धेरा, बाडा, हाता । १६२. साई--साई, सेय, परिसा।

१६३. जानवरों के रहने का ग्यान— अङ्गा, अशाव, अशान, खरिक, गोंबा, यान, बादा, पशुशाला, पिंचरापोल, मवेशीखाना।

१६४. मॉद--इदर, गहर, खुर, छेद,

नाकु, बल्मोक, बाँबी, बामखूर, विस, मान, विवर। १६४. घोंसला—खोंता, घोंसला, नीड,

१६६. हाथियों के फंसाने का गढहा---श्रवपात, सांका, माला।

१६७. पौंमला—जनसम, पनसना, पन-साल, पानीयशाला, पानीयशालिका, पौसरा, पौसला, पौसार, प्रया, प्याक, प्रपा।

१६८. भोजनालय—श्रमचेत्र, चौका, पाकगृह, पाकशाला, पाकस्थली, बाबरची, खाना, भंडार, भोजनालय, महानस, रसवतीसदन, रसोहयाँ, रसोई, रसोई, रसोईघर, रेस्ट्राँ, सुपगृह, होटल।

१६६. स्कूल— गुब्बुल, चटगाला, षरधार, चटी, पाठशाला, पाठालब, मकतब, मद-रसा, विद्यामंदिर, विद्यालय, शिक्सब, स्कूल। दे॰ 'पाठशाला।'

२००. **छात्रावास** — छात्रा**लय, हात्रावारः**, बोर्डिंगहाउस, हास्टल ।

२०१. खेल का मैदान—क्रीकास्थल, फिल्ब, फील्ब, मैदान।

२०२. श्र**काढ़ा -- श्र**चावट, श्र**काड़ा,** महत्त्वभूमि, महत्त्वशाला, रंग**श्**यि, रंगालय।

२०३. गोशाला—श्रकान, सदक, सरिक, खिरक, गऊशाला, गावगोंड, नोकुल, गोथान, गोमंडल, गोलाला, भीग।
२०४. अनाथाश्रम—अनाथात्रव, अनाथाश्रम, गुहताबकाना, यतीमलाना, संबर-साना।

२०४. **आश्रम — ग्रा**यतन, न्राश्रम, छावनी, ठाहर, डेरा, मजिल, मंडप, मरहला ।

२०६. धर्मशाला—श्रावास, चेत्र, बना-बास, धर्मचेत्र, धर्मशाला, पाथनिवास, पांथशाला, मठ, ग्रुसाफिरखाना, सराय।

२०७. ठयभिचारिणी सियों का ऋड्डा— चकला, सराय, सिंगारहाट।

२०८. सुरात्तय — मानकारी, कलवरिया, गणा, तादीखाना, पानागार, मद्यशाला, शरावखाना, हौली।

२०६. जहाँ बहुत से लोग बैठते हैं— भगाई, चौपाल, बैठक।

२१०. मुसाफिरसाना — प्रतीचालय, प्रतीचालय,

२११. पुस्तकालय-कृतुबद्धाना, राय-बरेली, लाइबरेरी, बाचनालय ।

२१२. चिडिया साना- गू।

२१३. **श्रजायबस्ताना** — श्रजायबषर, श्रद्भुत-वस्तुसप्रहालय ।

२१४. शिल्पशाला — ऋषियन, शिल्पि-शाला ।

२१४. ज्ञान्तशासा— अमार, कोष, खता, सत्ती, सौ, गाड, धान्याशय, बसार, भडतार, भंडताल, भडार, भडारगृह, भंडारघर, मान्याशद, मोदीसाना !

२१६. मासगोदाम—कोठा, गोडाउन. नोदाम, माससाना ।

२१० असाहा- अववाट, अलाहा, करतगृह, करतत, स्थान, व्यायामशासा । २१८ अआसाना-बुकागृह, धृतगृह, कटकालवय, कहा २१६. वह स्थान जहाँ कोई जलसा हो---पढाल, रंगभूमि, समागृह । २२०. बरात के ठहरने का स्थान---

२२०. बरात के ठहरने का स्थान— बनवास, बनवासा।

२२१. विवाह का मंडप — मडप, मंदवा, मड्वा, माडा, माँड्यो, माँड्व, माँडा, माँडो, माँदा।

२२२. रणभूमि—चेत्र, खेत, मैटान,
युद्धचेत्र, युद्धभूमि, युद्धस्थल, युद्धस्थान,
रंगचेत्र, रगभूमि, रणरग, रणस्थल,
रखरेकत, नीरभूमि, सगरभूमि, संप्रामचेत्र,
सप्रामभूमि, संबक्षा, समरभूमि, समरांगणः
२२३. पंचायत भवन—श्रलाहा, पंचायत भवन, पचायती जगह, परिण्द्, बैठक,
बैठका, वास, समाभवन, समाणभवन,
सालसी।

२२४. श्रदालत — श्रदालत, इजलास, कजहरो, रडालय, दरगाह, कोर्ट, वर्मसभा, धर्माविकरण, न्यायभवन, न्याय सभा, न्यायालय, राजहार, सरिहता।

२२४. वधस्थान--माधात, कमेला, कसाई-साना, कसावसाना, क्वइसाना, वघशाला, व्यक्ताना ।

२२६. निर्जनस्थान-बालोब, उबाइ,उबार, एकात, खिलवतसाना, गोशा, निस्क्रका, निभृत, निराला, निर्बन, नीधन ।

२२७. एकान्त स्थान-इक्सी, इकत, इकात, एकत, एकात, विधन, रहस, रहसि, शून्य, शून्यस्थान, बोफता।

२२**ः सरघरं---चवश्र**य्या, करबीर, श्विता, बाइसर, पितृबन, प्रेतगृह, प्रेतगेह, प्रेत<mark>यन,</mark> मर**चट, मरहट, मश्चान, मसान, मुरद**- चट्टा, मृतकस्थान, शमशान, शवशयन, बद्राक्रोड, शातनक, श्मशान, स्मशान। २२६. मकबरा — मक्नरा, मजार, रौजा, समाधि।

२३०. कन --कन, मबार।

२३१. कत्रिस्तान — क्वरिस्तान, क्त्रि-स्तान।

२३२. **अहिराना (अहीरों का** गाँव)— अहिराना, श्रामीरपल्ली, बोब।

२३३. चमरौटी (चमारों का गाँव)— चमटोली, चमरहोलिया, चमरहोली, चमरौटिया, चमरौटी।

२३४. तेलह्झ (तेल-बाजार) --- तेलह्झ वेलियाना।

२३४. म**झरह्टा (मछली का बाजार)**— मञ्जरहाला, मञ्जरहृद्दा ।

२३६. बजाजा (कपड़े का बाजार)— चैतहहा, बजाबा।

२३७. सानारों का बाजार — प्रशंका। २३८. उठेरी बाजार — ठठेरा, ठठेरी बाजार।

२३६. भोलों का गाँव-ानम्प, ग्रन्स-स्य।

रश्वः सङ्क — घटापय, प्रतीलो, मार्गः रथ्वा, राजपय, राजमार्गः, रोडः, ससरणः । रशः रास्ता — वारः, खोरि, गलो, श्रध्वा, श्रयन, एकपदो, गमन, गैल, छत्रर, डगरं, डगरा, दर्गः, पदवी, पदति, पद्या, पंथः, पंथान, पव, पथि, पाय, पँवः, पँवः, वट, बाट, बोधी, मगं, मारंगं, मार्गं, रथ्या, रास्ता, राहं, वतिन, वर्मं, संवरणं, सर्वा, स्वति । रश्वः सुति ।

पथ, विशिष्टमार्ग, सन्मार्ग, सत्यथ, शुपन्थ।
२४३. कठिन मार्ग — घटपट रास्ता, अवय,
ऊनट, कटकाकोर्यमार्ग, कठिनमार्ग,
कांतार, कापथ, क्रिष्टपथ, कुपथ, कुमार्ग,
कुराह, दुर्गमपथ, दुष्पथ, विकटमार्ग, विपथ।
२४४. इत्यर (पतस्ती सद्दक)—कोर,
स्तारी, कुवर, पगडंडी।

२४४. गली—क्चा, कोली, खोर, खोरे, गली, गैल, त्रौलिका, प्रतोली, लघुपि, विशिखा, वीधिका, बीधी, एकोर्चमार्ग। २४३. चौराहा—चौक, चौसुहानी, चौरस्ता, चौराहा, चौहटा, चतुष्पथ, ग्रंगाटक। २४७. पत्थर—च्यरम, उपल, गुक, प्राव, चटान, द्यत्, पस्तान, पत्थर, पाधर, पाषाय, पाइन, प्रस्तर, भार, शिला, विस्त, निला।

२४८. पहाड़ —श्रग, अचल, अहि, अहारे, कदराकर, कटकां, कोलक, कुट, कुड़ार, कुथर, कूट, कोइ, चमामृत्, गिरि, गोथ, प्राव, प्रावा, जोमृत, तुंग, दरीमृत, थर, परायो, धराधर, धातुभृत, नग, नाड़, परोघर, पर्वत, पहाड़, पहाड़ो, पृशुत्रोखर, भूधर, भूध, भूभृत, भूमिधर, महीधर, महीध्र, महीभृत, मेरु, रखत, हज्ज्यान, शिखरो, शिलाच्चय, शैल, शैलेय, मंगो, स्थावर, स्थिर, इरि।

२४६. शिखर — कूट, चोटो, मेर, शिखर, शेखर, श्रंग, सुमेर, बहान, शिक्षा, शैख, सिक्ष।

२४०. कंदरा--कदरा, कुहर, खोद, गर्च, गहर, गुका, गुहा, दरो, देवसाना, विस, मॉद, विवर।

बहान-शिका, रीक, विश्व।

२४१. सुफा—कदरा, खोइ, गर्च, गइवर, गइर, गार, गुफा, गुइा, दर, दरी, देव-खात, पाताल, विवर, विल, माँद, विवर। २४२. दरी—घाटी, दरी। देशे चाटी—घाटी, दरी, द्रोखि, सकट। २४४. तराई—तटी, नरी, तरेटा, शैलतटी। २४४. हिमालय—श्रद्विपति, गिरिशज, गिरीह, गिरीश, नगपति, नगेंद्र. नगेश, पर्वतराज, पर्वतेश्वर, प्रालेयाद्वि, शैलद्र, हिमखड, हिमप्रस्य, हिमवान, हिमशेल, हिमाचल, हिमाद्वि, हिमेश। २४६. त्रिकृट (पर्वत)—चित्रकृट, चिक कृट, त्रिकृट, त्रिश्टग, सुवंल। २४७ विंध्याचल—विंध्यपर्वत, विन्हा-

चल । २४८. सुमेर पर्वन—सुमेर, सुमेर, सुर-गिरि, सुरनिलय, सुरालय, स्वर्णागिरि । २४६. श्ररावर्ला (पहाड़)—श्रयन्ती श्रबुद ।

२६०. गोवर्धन—गिरिराब, गिरीश । २६१. केलाश पहाड़—केलाम, गिरीश, हिमवान ।

२६२. पानी--श्रध, श्रवु, श्रम, श्रद्धर, श्रवित, श्रधंगति, श्रज, श्रप, श्रमृत, श्रर विंद, श्ररविदानि, श्रणं, श्राहे, श्र.युष, हृदु, हरा, हैम्, उट, ऊर्ज, श्रदत, श्रोब, क, कत्रथ, कमल, काड, कीलाल, कुश, कश, खश, खश, खश, जह, जल, ग्रभीर, ब्राह्म, घृत, खश, जह, जल, ग्रभीर, ब्राह्म, घृत, खश, जह, जल, ग्रभीर, ब्राह्म, घृत, खश, जह, जल, व्याप, ब्राम, तामर, तोय, त्रया, तृष्ति, व्याप, व्याप, त्राम, नार, जोर, व्याप, प्राम, प्राम,

महत, मधु, मेनपुष्प, यश, यादु, योनि, रिय, रस, रेत, वन, वा, वाज, वारि, विष, वुम, व्योस, शुभ, सत, सतीन, सत्य, सटन, मश्चीक, सव, सर, सल, सिलिल, सवर, सह, सुदी, सोम, स्रोत।

२६३. बूंद्--श्रंबुक्ण, कण, बलक्ण, बलिबु, पुपन, फुहार, फुही, विंदु, बुद, शोकर, सीकर।

२६४ समुद्र-- अव्धि, अव्दिषि, स्रंबुप, त्रबुपति, श्रवुस्त, श्रबुरागि, श्रमनिधि, त्रभोनिधि, अभोराशि, अथाइ, अन्दि, श्ररणव, श्रर्णव, श्रवधिमान, इन्दुबनक, उद्धि, अभिमालां, कुरार, इंगर्धि, बीर-ानिष, द्योराब्धि, गगाधर, जलघर, जलांब, जलनिधि, जलराशि, जलेश, तिमि, तिमि-कोश, तोतर, तोयधि, तोयनिधि, नोयप, टरिया, टरियाव, डास्द, धेन, न**दराज,** नदाकात, नदाश, निधि, नीरधि, प्रय**धि,** पयनिषि, वयं धि, पयोनिषि, परागव, पाय, पायनिधि. पायोधर पायोधि पाथोनिधि, पारावार, पूरण, बहर, प्रभाकर, भितद्र, मकरालय, महाजल, महाशय, महं प्राचीर, महीप्रत्वर, महोदन्ति, मिनहु, रत्नगर्भ, रत्ननिष्यः रतनाकर, रत्नाकर, वश्**यात्रय,** वारानि घे, बारिष, वारिराश, बारीन्द्र, वाहिन गते, बीनिमालो, शैनशिविरनित्यं, सरित्यति, सारेपति, समुन्दर, सलिलपति, मागर, सायर, सारग, सिघु, मुणानिचि, स्रोतप'त।

२६४, ७ सिंधु — ईस्त्रः, स्रोरोद, पृतोद, ंदःयुद, लवस्रोद, सुरोद, स्वादूद । २६४, महासागर —वहरेश्वावत । २६६. समुद्रफेन-ज्ञाप्य, ज्ञाम्बय, फेन। २६७. समुद्र मर्याद्-ज्ञविष, बेला, मर्याद, सीमा।

२६८. स्वाडी—ग्राखात, खलीज। २६६. जलडमरुमध्य—ग्राबनाय। २७०. श्रतरीप—रास्त।

२७१. नदी—श्रधमा, श्रपमा, श्रापमा, श्रावित्तनी, कल्लोलिनी, गिरिनन्दनी, धेन, जलाम्लिनी, जलाशय, तटनी, तटिनी, तरगवती, तरगिणी, तलोदा, दिया, दियाव, नगपुत्री, नद, निद्या, नय, निल्नी, निम्नमा, पयस्विनी, पुरी, रन्दु, शूषिश, शैविलिनी, शैवालिनी, सिंधु, समुद्रकाता, समुद्राम, समुद्रपिता, समुद्रपत्नि, समुद्रार्थ, समुद्रायण सरि, सरित, सारता, स्रोत, स्रोतस्वती, स्रोता-स्विनी, स्रोतोबह, स्रोतोवहा।

२७२. नाला-- नारा, बंबा।

२७३. मरना—उत्स, चसमा, जलमाला, मर, भरना, घारा, निर्भर, नीभर, प्रताप, प्रस्वया, बना, सैल, सोत, सोता, सोतिया, सोती।

२७४. बहता हुआ जल-प्रवाह, प्रवाहित, प्रवाही।

२७४. बहाव-श्रीमध्यद, जलधारा, बल-गति, बलप्रवाह।

२७६. जल का फैलाव-जलचादर, भोंका।

२००. घारा-प्रवाह, शिरा, सरिता, स्रोत । २०८. सहर — उत्कलिका, उर्धि, अर्धि, अर्भिका, अर्मी, उल्लोल, कक्लोल, बललता, माल, तरंग, बीच, भंग, मृंगि, मौज, लहरा, लहरी, वीचि, हली, हिलकोर, हिलकोरा, हिलोर, हिलोरा।

२७६. भँवर (घूमता हुन्ना पानी)— श्रंभभ्रम, श्रावर्त्त, घई, चक्र, बलावर्त्त, भॅबर, भँवरो।

२८०. नदी की मध्यधारा-- मसधार, मसवारा।

२८१. किनारा — श्र चल, श्राँचल, श्राँबठ, श्रौंठ, कगर, कगार, करार, करारा, कूल, तट, तरौंसा, तीर, तोड़ा, पला, पाला, पार्शव, पार्श्व, पुलिन, प्रतीर, बारी, रोघ, टहाना, मुहाना।

२८२. नदी का गढ़ा—टइ, टइर, पाल। २८३. नदी का फेन—गाज, जलफेन, काक, फेन, मज्जा, मॉजा।

२८४. बाढ्—श्राहला, श्राहलो, उपटा, उम्बर, चम्बल, जलप्लावन, प्लावन, बाढ्, बारी, बूदा, सलाव, सैल, सैलाव।

२८४. की च---कर्दम, कॉटव, कॉटों, कः चड़, कीचा, चेत्रजा, गारा, चिकिल, खुकुल, जगल, जलकल्क, दम, द्राप, निषद्रर, मृत्सा, शाट, साद।

२८६. दलदल—साँच, बहटा, बहला, बहदा, घाँछ।

२८७. बाँध--श्रंभमा, पूर, बँचवा, बन्ह्या, बान्ह।

२८८. पुल-ग्रांल, पुलिया, संतु ।
२८६. सगम (नदी का)—मिलन, समेद ।
२६०. गंगा—ग्रथ्या, श्रलकनंदा, अहुनंदिनो, आह्रयो, त्रिप्यगा, विश्वोस,
देवापगा, श्रुवनंदा, नदीश्यर, भगीरबी,
भवायना, भागीरयी, भानुमसी, मोष्मद,
भवनपावन, भृतिदा, भोगवसी, महामावा,

यशस्वनी, वखौकसारा, वैष्यवी, समुद्र-सुभगा, विनासिन्धु, सिद्ध वरित, सिद्धापगा, सुखदा, सुचा, सुरतरंगिग्णी, सुरधुनी, सुर-नदी, सुरनिम्नगा, सुरला, सुरवाहिनी, सुरसर, सुरसरि, सुरसरित, सुरसरी, सुर-सारी, सुरसिंधु, स्व सरिता, सरापगा, स्धर्भनी, स्वविषा, हरशेखरा, हैमवर्ता। २६१. गगाजल-गगोदक। २१२. यमुना नदी—श्वर्जजा, कलिंदजा, कालिदो, कलिंदो, ऋष्ण, सुरसुता, स्टर्यतनया, स्टर्यपुत्री, स्टर्यसुता, इससुता । २६३. सरयू नदी—म्रानंदाभुजा, घाघरा, वशिष्ठी सरजू, सरयू, मुरसरसुता। **२६४. मंदाकिनी** -पयस्वनी, मकिनी। २६४. सिंधनदी—श्रटक, सिंब, सिंधु । त्रिवेग्गी--निग्वेना, २६६ त्रिसगम, बेनी। २६७. गोदावरी नदी-गोदावरी, सुरसर, सुरसरि, सुरसरिता, सुरसरी, सुरसारी। २६८. कृष्णानदी--कृष्णा। २६६. नर्बदा-नर्मदः, मेकलसुता, रेवा. सोमोद्भवा । ३००. आसी नदी-(काशी के पास मिलने वाली नदी) श्ररसी । ३०१. चणजनदी—चक्ल, चर्मरावती। ३०२ गंडक मदी--गडक, गंडकी **२०२. फल्गुनदी---**ग्रन्तस्तिला, फल्गु । ३०४. टोस नदी-टॉन, तमना। ३०४. स्रोन-छोत, सोनमद्र, स्वर्णमद्रा। ३०६. कर्ननाशा (चीसा के पास गंगा में भिक्षने बाक्षी)-कमनासा। ३०७. कुचाँ - चंधु, सबट, सबत, इदारा,

इनार, इनारा, उत्स, उदपान, ऋष्यदात, कर्त्त, काट, कात्त, कारोतरात्, कुइन्नाँ, कुरोष, केवट, कृत्राँ, कृप, कृव, किवि । १०८. प्रहि—बदकुइयाँ, मृनमान, बज्ज, वापिका, वापी, सुद ।

२०६. अन्धा कुन्धाँ—ग्रन्धक्ष। २१०. होज—ग्रहरी, कुड, टाका, दह, दहर, होद।

३११. गड्ढा— श्रगाध, श्रवट, ख्रु, खत्ता, खाइ, खोइ, गढ़ा. गड्या, गडहा, गतं, गाइ, गार, चइवस्चा, ख्रोलर, डवरा, दर, टार, निमान, भूरंश, मँडाड, मॅडार, श्वश्र ।

३१२. बावली—गड़ही, दीधिका, पुष्करखी, पोखरी, बापिका, बावड़ी, बौली, रन, बापिका, वापी, सरसी।

३१३ तालाब—श्राञ्च, कासार, क्ल, जलवान, जलस्यान, जलाघार, जलाखय, जलवान, जिर्मा, तडाम, ताल, तालाब, दीपिका, दीघी, निमान, पद्माकर, पनिथासोन, पयोधर, पहलव, पुरवर, पुष्कर, पुष्कर मा, पोसर, पोसर, पोसर, पेमान, मडाड. सत्र, सर, सरकर, सरवर, सरस, सरसर, सरोवर, सानर, हद।

क

१. समय-अष्ट धानमेष, अमस, अमूर्त, अपन, अरता, अवकारा, अवसर, श्रवसेर, श्राहर, इष्ट, श्रांत, काल, काल-पुरुष, ख्रंण, घड़ी, छन, छिन, नमाना, जाम, जुग, दड, दफा, दॉ, दाई, दिन, देर, देरी, नमय, पहर, प्रसग, प्रहर, फसल, बखत, बरियाँ, बॉ, बार बिरिया, बेरा, बेला, मुहूर्त, मौक़ा, याम, युग, रितु, बक्त, वय, बरियाँ, बिशाष्टर, विरियाँ, वेला, समा।

२. बीतना (समय)—कटना, गुज़रना, बाना, व्यतीत होना, समान्त होना।

३. बिताना (समयं)—काटना, कालचेप करना, कालयापन करना, गॅवाना, गुज़ारना, व्यतीत करना।

४. ऋच्छा समय—उच्छव, उत्सव, पुरयकाल, साइत, सायत, सुश्रवसर, सुकाल, सुबड़ी, ग्रुपरी, सुजीग, सुदिन, सुभिच, सुयोग।

४. बुरा समय—श्रकाल, श्रनऋष, क्रहत, क्रहर, काल, कुबख़त, दुर्भिच्छ, दुर्भिच्, दुष्काल, महंगी।

६. नियत से श्रागे या पीछे का समय -- कुषमय ।

दो घटनाओं के बोच का समय—
 श्रमा, श्रतरा, श्रतर, नागा, मध्यवतीकाल,
 बीच ।

द. किसी समय भी-कदान्त्रित, कदापि, कभी, शायद, संभवतः, स्यात् ।

किसा समय—कद, कदा, कभी, कभू,
 किलकाला, जब, जिह्या।

१०. हर समय—निसदोस, निसिवासर, रातदिन, सदा, सर्वदा, इमेशा, इरवक, दे॰ 'रातदिन'। दे॰ 'सर्वदा'।

११. किस समय-कन, कहिया।

१२. बावश्यक समय-अहो ।

१३. उस समय का-तत्कालीन।

१४. एक ही समय का-समकालीन।

१४. समय सम्बन्धी-- कालिक, राम-यिक।

१६. युग--काल, जुगं।

१७. ४ युग—मतयुग '(१७२८००० वर्ष), द्वापर (८६४००० वर्ष), त्रेता (१२६६ ००० वर्ष) कालयुग (४३२००० वर्ष)। १८. सतयुग—कृत. कृतयुग, देवयुग, पुण्ययुग, सतजुग, सत्ययुग। १६. द्वापर—कृष्णयुग, तृतीययुग, दुद्या-

२०. त्रेता - तरेता, द्वितीययुग, रामयुग । २१. कलियुग - कलउ, कलजुग, काले, कलिकाल, कल्कियुग ।

२२. प्रलयकाल - कल्प, कल्पान, द्वार् द्विति, नाश, प्रलय, सवर्न, सहारकाल ! २३. दिव्य युग (४३-००० वर्ष)--चतुर्युग, चौकद्दां, चौजुग ।

२४. ७१ (यथाथेत: ७१ विष्ट । दिवययुगी का समय—मन्वतर, इकइसर चतुर्युगी (चौकदी)।

२४. १४ मन्बंतर का समय-करूप, जसाका दिन, आग्नदिन।

२६. ह**द्या की रात्रि—काल राति, काल** रात्रि, ब्रह्मरात्रि :

२७. वर्ष-- ऋन्द, इंसवी, बरस, बरस्द, शरत्, शरद, सवत्, सव, सन्, सम, सरस्, सात, हिजा, इम, हेम।

२८. वार्षिक--श्रव्दिक, शारदीय, बलीमा, राजाना, सालियाना । २६. सौ वर्ष-दस दशक, शतक, शताब्दी, शतो, सदो ।

३०. एक मेष संक्रान्ति से दूसरे मेष संक्रान्ति तक का समय—सौरवर्ष। ३१. आगे आने वाला वर्ष—ग्रागतवर्ष,

श्वागामी वर्ष, पर, परसाल ।

३२. बीता दुन्त्रा वर्ष —गतवर्ष, पर, पर साल, विगत वर्ष।

३३. श्रागामी या पिछला तीसरा वर्ष— व्योक्स, त्योक्साल ।

३४. इस वर्ष-श्रसों, श्रासों, इम साल । ३४. मास-महीना, मॉस, माह।

३६. मासिक—महिनवारां, माहबारो, माहियाना ।

३७. वर्ष के १२ महीने (हिन्दुस्तानी) - चैत्र, वंशाष, जेव्ड, श्रसाढ, मावन, भाटाँ क्वार, कार्तिक, श्रमहन, पूष, माघ, काल्युन।

३म. वर्ष के १२ महीन (अम्मी)— जनभरी, फरवगे, मार्च, अप्रैन, मई, जून, जुलाई, अगरत, सितम्बर, अन्द्रवर, नवम्बर, दिसम्बर

३६. चैत्र-चैत, चैत्रक, चैत्रिक, मधु, वसंतकृत, सुरमि ।

४०. चैत्र में होने वाला -- चैतहा, चैती। ४१. वैशाख --- वहसाख, वैशाख, माधव, राच

४२. वैशास में होने वाला-वहतलहा, वैद्यास)।

४१. क्येष्ठ--जेठ, जेष्ट, तपन, शुक्त । ४४. क्येष्ठ में होने बाला --जठुश, जेठू। ४४. व्यवाद--श्रवाद, श्रावाद, कर्तु, श्रुवि, श्रवः ४६. ऋषाढ़ में होने वाला—श्रसरहा, श्रमाठी।

४७. श्रावरा—कर्ममास, नम, नमा, आवन, सावन ।

४८. श्रावरण में होने वाला- सवनई, सवनहाँ, भावणिक।

४६. भाद्रपद--नभ, प्रौष्ठपद, मॉटव, भादो, भादौ, भाद्र।

४०. भादों में होने वाला - भटई, भटैला, भदौह, भदौहां।

४१. क्वार--ऋश्ययुज, ऋसोज, ऋशिवन, ऋासी, ऋासीज, इप, क्ऋार, कुवार।

५२. क्वार में होने वाला—श्रासोबिया, कुॅवारी, कुवरहा ।

४२. कार्तिक— ऊज्जे, कातिक, बाहुल । ४४. कार्तिक में होने वाला—किनक्श । कार्तिकक !

४४ ऋगहन-अम्बर्ण, मगश्चर, मगसिर, मर्गा, मार्गाशर, मार्गशीर्ष, सहन ।

४३. अगहन में होने वाला- अगहनियाँ, अगहनी, अधीनयाँ, आगहायिक,।

४७. पूस-- नारायग, पूष, पौष, सहस्य, इपीकेश।

४८. माघ- तपा, माह।

४६ माघ में होने बाला—मधुना, माघो। ६० फाल्गुन—तपस्य, फागुन, फ्रस्गुल। ६१ फाल्गुन में होने बाला—पगुनहा, फाल्गुनक।

६२. फाल्गुन में बह्ने बाली हवा— फगुनहरा।

६३. अधिक मास--श्रमकातमान, चंद-नाःद, परमातिम, पुरसोतम, मसमान, सौंद: ६४. ऋतु—रिद्ध ।

६४. ऋतु की — श्रातंब, फसली, मौसिमी, सामियक।

६६. ऋतु के विरुद्ध-ग्रनऋतु, वे-मौसम।

६७. वर्ष की ३ ऋतुएँ—गर्मी, जाड़ा, बरसात।

विशेष—इनका प्रचलन सामान्य जनता में है। यह शास्त्रीय, नहीं है। इनमें प्रत्येक में ४ महाने होते हैं।

६८. वर्ष की ६ ऋतुएँ—ग्रीष्म, वसत, वर्षा, शरद, शिशिर, हेमन्त ।

विशेष—इनकां क्रम ग्रीष्म वर्षा, शरद, हेमत, शिशिर तथा वसत है। यह वर्गी करण, भारत का शास्त्रीय वर्गीकरण है। इनमें प्रत्येक में २ महीने होते हैं।

६६. भीषम—उमस, उष्ण, उष्णक, उष्णागम, उष्म, उष्मक, उष्मा, उष्मागम, गरमी, भीखम, शीषम, भीष्म, तप, तपन, तपनक, निदाब।

७०. गर्मी के ४ महोने — फालगुन, चैत, वैषाख, जेट।

श. मीध्म ऋतु के २ महीने — जेठ.श्रपाद।

७२. वर्षा ऋतु—चतुर्मास, चातुर्मास, चौमासा, चौमसिया, पावस, प्रावृट्, बरसात, वर्षा, वर्षाकाल, वर्षऋतु ।

७३. बरसात के ४ महीने—श्रवाद, साबन, भादी, स्वार।

७४. वर्षा ऋतु के न महीने -- भादीं, सावन ।

अहा—जरकाला, जाद, जरा,
 शीतकाल, सदी, सितकाला ।

७६. जाड़े के ४ महीने —कार्तिक, श्रगहन, पूस, माघ।

७७. शरद —कालप्रभात, फलागम, मेवांत, वर्षावमान, शरत्, शरत्काल, शरद, शारदा, हिमर्तु।

७=. शरद् काल का --शारद, शार्याय । ७६. शरद् ऋतु के २ महीने --कार्तिक, क्वार ।

८०. हेमंत —जाइ।, शीतकाल, वियाला, हिमन्त, हेमत ।

८१ हेमंत ऋतुके २ महीने — ऋगहन, पूरा

दर. शिशिर —िख़्नॉ, बाडा, पतभाड, पतभार, शिशिर, शीत, सिसिर।

प्त३. शिशिर ऋतु के २महीने—क'ल्गुन, मःघ।

८४. वसंत—श्चवनाथ, श्चवपंत, श्व**द्धराब,** कुसुमकाल, कुसुमाकर, कुसुमागम, पिकानद, बलागक, बसत, बहार, मधु, माघव, वसत, शिशिशरात, सुर्राम ।

८४. वसत ऋतु के २ महीने--वैन, वैवाय।

द्धः पत्त-पान, पलकारा, पनरहिया, पाल । द्धः महिने के दा पत्त-कृष्णस्त, शुक्कः पत्तः।

द्भन्न. कृष्ण् पत्त--ग्रंधेरापाख, ग्रावितप्स्, कृष्ण्, कृष्नपन्त्र, बदी, वदि ।

८६. शुक्लपत्त —श्रंबीरा पाख, उँबेरा पत्त, उजाला पत्त, उजेरा पाख, वितपन्न, विता, सुदो, सुदि ।

६०. तिथि—तारीक, तिथी, मिति, मिती। ६१. वह विथि जिसका ख्य हो गथा हो—त्रवम तिथि, ग्रीम। ६२. तिथि का गिनती में न आना— तिथिवय, तिथिहानि ।

६३. वह तिथि जिसका थोड़ा बहुत अश तीन दिनों में पड़ता हो—ित्रदिन, स्पृश ।

६४. कौन सी तिथि—क3य, कौय। ६४. पनिपदा—एककम, पड्वा, पडिवा,

परवा, परिवा, प्रतिपद ।

६६. द्वितीया —दर्श, दुइज, दुतिया, दूज, दितिया, देज।

६७. दूज का चांद-नगरशा।

६८. तृतीया—तीज ।

६६. चतुर्थी--चउथ, चौथा

१००. पंचमी --पचिमा, पॉर्चे ।

१०१. षष्ठी —बुड, पण्टा, वरिड ।

१०२ सप्तमी —सातमां, रातमा, मध्तमां, सात, माते ।

१०३. ऋष्टभा—श्रठनी, ऋठै€, ऋष्टका, ऋष्टिमा, श्राठे।

१०४. **नव**मी—नउमी, नौमी।

१०४. दशमी--द्सं , दसमी।

१०६. एकादशी -- इकादशी, व्यारम, इंग्विसर।

१०७. द्वादशी--दुब्रादशी, वारस

१०८. तरम--त्रयोदशी, ज्योदशा ।

१०६. चतुरशी—चतुरदशी, चतुदशी, चौदस।

११०. पूर्णमासी - - पर्व, पर्वणो, पुनमासी, पुनवाँसी, पूनिउं, पूनो, पूरनपस, पूरन- मासी, पूर्णमासी, पूर्विमा, पौर्णमासी, राका।

१११. भ्रमायस्या--श्रमा, श्रमाक्स,

श्रमवरा, श्रमावस्या, कुहू, दर्श, मावस, मासात, सिनोवालो, सूयदुर्वगम । ११२. प्रतिपदा श्रीर पृर्शिमा **या श्रमा**-

११२. प्रतिपदा त्र्योर पृत्तिमा या स्नमा-वस्या के बीच का समय—पर्व, पर्वणो, पर्वपन्घ ।

११३. सप्ताह—ऋटवारा, सताह, हफ्ता।

११४. साम्राह्क-सप्ताह्क, इक्तावारी।

११४. सप्राह के ७ दिन—संमवार, मंगल-वार, बुद्धवार, बृह्स्पतिवार, शुक्रवार, शनि-वार, रविवार ।

११६ रविवार—ग्रतवार, ग्रस्त-बार, न्नादित्यवार, इतिवार, एक्शम्बा, एतवार, रविदिन, रविवार, रविवासर, हरिवासर।

११७. सो**मवार**—चंद्रवार, दोशम्बा, सोमार ।

८४८. मगलवार--भौमवार, मगर, मगल-वार, शेवशवा, मेहशवा ।

११**६.बुद्धवार** —च हाःशंबा, बु**द्ध, बुद्धवार** बुधवारः

१२८ बृहस्पतिचार—गुब्बार, खुमारात, जुमेरात, पंचशंबा, विके, बीके, वेहके । १२१. शुक्रवार — जुमा, शुक्कर, सुक्कर ।

१२२ शनिवार—शवा, शनि**श्वर,** शनीचर, सनीचर, दफ्ता ।

१२३. १ पल-चण, द्वन, छिन, **छिनक,** निर्मेख, नि^{र्}मण, निर्मेख, निर्मेष ।

१२४. पता---श्रान, चरा, विभ, खन, ह्यन, व्यनक, भएक, दमनर, रिवकी, पताक, पता, लमहा, लह्या, लह्या, वार, वाहत, वायत।

नोट-- एक पत २४ सेकेंड के बराधर होता है।

१२४. दिन-रात का चौबीसवाँ भाग---बेला ।

१२६. दिन-रात का तीसवाँ भाग-मुहूर्त ।

१२७. घड़ी-घटिका, घटी, दंड। नोट- एक दड २४ मिनट के बराबर होता

है। ३२ घड़ी के २४ घंटे या दिन-रात होता है।

१२८. प्रहर-जाम, पहर, याम। नोट- एक पहर ३ घटे का होता है।

१२६. दिन रात के ८ पहर—श्रपराइ, उत्तराह्न, उपा, त्रियामा, निशीय, पूर्वाह्न, प्रदोष, मध्याह्न।

१३०. दिन में - १. पूर्वीह, २. मध्याह ३. श्रपराह्म ४. उत्तराह्म।

१३१. रान में - १. प्रदोष, २. निशीय,

३. त्रियामा ४. उपा।

१३२. पूर्वाह -दे॰ 'प्रातः'।

१३३. उत्तराह्य-श्रंताह, उत्तराह । दे० 'स्रायं'।

१३४. उपा-उषा, तदका, ब्राह्ममुहूत्ते, भिनुसार, भोर ।

१३४. प्रदोष--निशादि, प्रदोष, रजनी-मुख |

१३६. दिन-श्रह, ऋहन, ऋहः, ऋह, ऐयाम, घस्र, दिन, दिव, दिवस, दिवा, द्योस, प्रइ, प्रइन, भारवर, भिति, योम, रोब, बाशर, बासर, सूर्यायु।

विस्रोम--दे॰ 'रात'।

१३७. दैनिक-माहिक, रोनका।

१३८. प्रतिदिन-श्रनुदिन, दिनदिन, दिनपरदिन, नित, नितनित, नित्य, नित्य-प्रति, नित्यशः, प्रतिदिन, प्रतिवासर,

योमिया, रोज़, रोज़-रोज़, रोज़मर्रा, रोबीना, रोजाना, हरदिन।

१३६. सवेरा-अब्योदय, अर्जुनी, अइ-र्भुल, उला, ऊषा, ऊषाकाल, कल, करप, गजरदम, गोसर्ग, भेर, तहका, तहके, दिनमुख, निशात, परभात, प्रत्युषसो, प्रत्युष, प्रभात, प्रात, प्रातः, प्रानःकाल, फजर, बासर, बिहान, ब्रह्ममुहूर्त, भात, भिनसार, भीन, विभात, विहान, वेरा, सकारे, सकाल, सबेरा, सहर, सुबू, सुबह, सुबुह, स्योदय।

विलोम-दे॰ 'शाम'।

१४०. दोपहर--दुपहिया, दोपहर, दोपहरी, मध्यदिवस, मध्याह्न, मध्याह्नकाल । सायंकाल-श्रवशन, गोधूलि, दिनात, दिवात, पितृत्रमू, प्रत्यूष, प्रदोष, प्रदोषकाल, गजनीमुख, शर्वरी, शाम, संभा, संध्या, सधाकाल, साँभ, साँभू, साय, सायकाल, सायाहा। विलोम--दे॰ 'प्रातः ।

१४२. प्रातः काल और संध्या के बीच का समय-ऋंतर, अन्तरा, अशक, चह, श्रहन, दिन, दिवस । दे० दिन ।

१४३. रात-च्यन्तन, ऋषुर, कलापना, कादम्बरी, कोटर, ख्यादा, खपा, चह्रकाता, छ्या, जामिनो, ज्योतिष्मतो, तम'स्वर्मा, तमा, तमि, तमी, त्रियामा, दोषा, नक, निशि, निशीय, निशीयनी, निस, निसु, मालती, याम, यामवती, यामिका, यामिका, यामिरा, रहनि, रखनि, रखनी, रम्या, रात, रातकी, रात्रि, रात्री, रैन, रैनि, विभावरी, शमनी, शर्वरो, सब,

शार्वरी, श्यामा, सीता।

विलोम-दे॰ 'दिन'।

१४४. रात-दिन—ग्रहनिशि, ग्रहोरात्र, ग्राठोपहर, निशिवासर, निसवासर, निसि-दिन, निसिद्यौस ।

१४४. उँजेलीरात—कीमुदी, चद्रिकया-न्विता, चाँदनी, जुन्हाई, जुन्हैया, ज्योत्मनी ज्यौत्स्नी, राका, विभावरी, इरिद्रा।

१४६ ऋँधेरीरात-- ऋधेरिया, ऋंधेरी, श्रमा, श्रमावस्या, कालनिशा, कालरात्रि, तमस्विती, तमिस्ना, तमी, तमीस्त्रा, तामसी, श्यामा।

१४७. जन्मदिन—बरसगांठ, वर्षगाठ, सामगिरह।

१४८ **झायु**—ऋवस्था, ऋाइ, ऋाउ, ऋायुर्वेल, ऋायुष्य, ऋाप्र, ऋार≆ल, ऋाखका, ऋाव, उमर, उमिर, उम्र।

१४६. जीवन भर--ग्राजम्म, ग्राजीवन, ग्रामरण, तार्जिदगी।

१४० ज्ञामंगुर - श्रानत्य, श्रस्यायो, जनभगुर।

१४१ दीर्घजोजी - श्रमर, श्रायुष्मान, चिरजीव, चिरजीवी, चिरायु, चिरायू, दीर्घायु।

१४२. दीर्घजीवी-श्रायुष्मान ।

१४३. जिसकी उम्र १०० वर्ष हो---धनायु।

१४४. **अंतिसकाल**—मरगणवरी, मृत्युकाल, **मृत्युदि**न ।

१४४. ह्युट्टी-- श्रभा, श्रमध्याय, श्रमकाश, श्रम्बर, तातील, फुरस्त, मोका, मौका, रजा, दक्षस्त, बक्त, बख़त समय, साँका, साका, सुचितई। १४६ वह दिन जिसमें पढ़ने पढ़ाने का निषेध हो ।—श्रमध्याय, श्रमःवस्या, श्रष्टनी, चतुर्दशी, परिवा, पूर्णिमा।

१४७ देर—श्रतिकाल, श्ररसा, श्रवसेर, श्रवार, श्रवेर, फंर, फेल, देरी, बिलंब, बिलम, बेर, समय।

१४८ जल्दी — श्रचिर, श्रतुराई, श्रातुरता, श्रातुरताई, श्रानुरी, श्रानमानन, इजलत, उजलत, उजलत, जियता, खटाखट, चट, चटक, चटकई, चटकवारी, चटापटा, जल्दीबाजां, भट, भटक, भप, तडाका, तूगा, तेजो, फुर्ती, त्वरा, खरित, वेग, वेग, श्रीष्ठता, इडव्हीं, हरविर । १४६. जल्द-श्रीचरात, श्राग्रु, चिप,

१४६. जल्द—श्रचिगत, श्राग्र,िच्प, चटग्ट, बटापट, तड़ाक, तड़ाकपड़ाक, तुरत, तुरत, सीघ, सत्वर ।

१६० देर करना — अनगवना, गहरकरना, गहरना, विसंधिस करना, देर लगाना, विलंग करना, क्षमय लगाना ।

१६१. जल्दी करना — श्रकुलाना, फुर्ता करना, इड्बडाना, इड्बडी करना, इड्बडी मचाना श्रन्य पर्यायों के लिए 'जल्दों' के पर्यायों म यथानुकूल 'करना, या 'मचाना' जोडिए।

१६:. कुर्ती--उतावली, व्याहस्तता, जल्डवाजी, जल्डी, तेजी, त्वरा, शीवता, हरवडी, हर्वडाहरू।

१६३. सुस्ती- भ्रालस्य, थकावट, मटता, मदी, शाति, शिथिलता, श्लथता, स्फूर्ति-होनता ।

१६४. फुर्तीला — उतावला, व्याहस्त, बहदबाब, तेब, त्वरावान, स्फूर्तियुक, इहबहिया।

१६४. सुस्त-शालसी, उदास, ठंडा, ठंढा, निकम्मा, निस्तेज, थका, बोदा, मंद, मद्धिम, मीठा, शात, शिथिल, श्लथ, स्फूर्तिहीन, हतप्रभ ।

२६६. जो लगातार न हो—खंड, खडित, भंगित, विच्छिब, विग्ल, ब्यावृत।

१६७ लगातार—ग्रखंड, ग्रखंडित, श्रजस, ग्रनवरत, ग्रनिमेष रूप से, श्रभग, श्रविच्छिन, श्रविच्छेद रूप से, श्रविरल, श्रव्यावृत, श्रशात, निरतर।

१६८. श्रचानक-- श्रकस्मात, श्रचकॉ, श्रचके, श्रचाका, श्रचान, श्रचोता, श्रावास, श्रवचक, श्राकस्मिक रूप से, श्रापाततः, इकवारगी, एकवारक, एकाएकी, श्रोचक, भौचट, सहसा।

?६६ तीन काल -भूत, वर्तमान, भविष्य। १७०. जो तीनी काल में हो-विकाल, विसम्य, विसम्या।

१७१. तीनों कालां की वाते जानने वाला – विकल्टशीं, विकलवेना

१७२. भूत काल - श्रतीत, गुनस्ता, गुन स्ता, पहले, पुराकल्प, पूरबल, पेश्तर, भूत. मानी।

१७१. वर्तमान काल--ग्रभ्त, तमानाहाल, वर्तमान, हाल ।

१७४: पुराना—श्रमना, कदीम, कदीमी, चिरतन, चिरकालान, चिराना, जरट. अस्त, दिनी, पश्च, पुरा, पुरानन, पुरान, पुरान, पुरानम, बुर्च, प्रक्राचीन, प्राच्य, बासी, सनातन।

२७४. नया — त्रधुनातन, त्रप्वं, स्राभिनव, त्रभूतपूर्वं, त्रवीचीन, स्राधुनिक, टटका, टाटक, तउलि, ताना, नव, नवल, नवा, नवीन, नवेला, नव्य, नृत, नृतन, नौतन, प्रत्यम, हाल का।

१७६ पुरानापन--पुरातनता, प्रवता, प्राचीनता, सनातनता ।

१७७. नयापन--- शेरापन. नशावन, नव-लता, नवीनता, नव्यता, नूतनता ।

१७⊏. पहले का— त्रादि, त्र्रदिम, प्राथमिक, ्प्रारभिक ंदे० 'पुराना' ।

१७६ हाल का--दे॰ 'नया' ।

१८०. पृषे जन्म का —पुरवला. पृग्वला, पुराकृत ।

१⊏१ जिसका समय <mark>बीत गया हो</mark>— कालानीतः।

१८२ जो बहुत दिनों से चला आता हो --परंपरागत, सनानत, सना-तनी।

१८३ चौथा व्यतीत या भ्याने **वासा)** दिन-स्तरमों:

१=४. परमों 'बीता हुन्ना या न्नाने वाला ---न्नतरसों, परसो, परों, परौं ।

१८४. कल (बीनाहुआ) — कल्ह, कालि, काल्ह।

१८६. कतः (श्राने वाला)-कहर, कालि, काल्ह, बिहने, विहान, विहाने।

१८७ श्राप्त —श्रय, श्रय, श्रय, शरा।

१८८. भविष्यतं कालः—श्रविम, श्राहंदा, श्रागम, श्रागा, श्रागमि, श्रातामी, श्राने, कल, पुर:, मिष्टिय, मिष्टियत्, भाषी, मुस्तक्रितः।

१८६. भागे होने **या भाने वासा**-श्रमना. श्रामामी, भवितव्यता, भव्य, भावी, होनहार। १६०. भविष्य का जानने वाला—ग्रागम श्रानी, भविष्यदर्शी।

१६१. अ.व -- अ.च., अधुना, अ.व., अ.मी, अ.भू, आज, सप्रति, सच, सरेदस्त ।

१६२ श्राहतक—श्रद्यापि, श्रद्याविष, श्रमीतक।

१६३. पीछे — स्रंतर, स्रगाईा, स्रनतर, स्रागे, उपरात, नदंतर, नदनंतर, पश्च, पश्चात्, पाछी, पाछे, यनः, फिर, बहुरि, बाद।

१६४. ऋारोः--ग्रागाङो, श्रम, श्रमे, श्रम्मह, ग्रम्मल, श्राइंदा, श्रामें, पहले, पूर्व, प्रथम।

१६४. कभी-करणेवत, कभू, शायद, स्यात्। १६६. कभी कभी-जन तर, यदा कदा। १६७ सर्वद्ग-स्त्रजस रूप पे, स्नत्विक्षे, स्राविश्ल रूप से, नित्त, नित्य, नित्यराः, बरावर, गुराम, लगातार, सनत, सदा, सदैव, इमेशा, इरधड़ी, इरघरी, हरहमेसा। दे० 'रातदिन', 'हरममय', 'प्रतिदन'।

१६८. बहुधा — ग्रक्सर, ग्राधकतर, श्रधि-कारातः, प्रत्यशः, प्रायः, बहुत करके विशेषकरः।

१६६ अवधि--श्रौच श्रौधि, तक, पर्यत, ामेयाद, लौं।

२००. जिसके लिये कोई श्रवधि नियत हो-मित्राः।

२०१. त्योहार — उन्छन, उत्सव, छुटी, तेषहार, तेहवार, त्योहार, परावन, पर्व ! २०२. बढ़ा उत्सब — महापर्व, महोस्तव, महोस्तव,

२०३ होली—धंषोर, धुरङ्गी, धुरह्यी, फ्रामा, फ्रामा, फ्रामा, फ्रामा, क्रामा, क्रामा, क्रामा, होलिका।

२०४. दीवाली—दियादेवारी, दिवारी, दीपदानोत्सव, दीपमालिका, दीपमाली, दोपावली, दीपोत्सव, देवारी, वैश्योन्सव। २०४. दीपावली की रात—कालनिशा, काल रात्रि, कौमुदी, महालया। २०६. विजयादशमी—चित्रयोत्सव, दश-

२०६. विजयादशमी — चित्रयोत्मव, दश-हरा, दसहरा, रामदसमी, विजय दशमो, विजया ।

२०७ सावन शुल्क पूर्णिमा का त्योहार-रज्ञाबंधन, गर्ला, सत्तोनो ।

२०८. श्रत्यत्ताया—श्रस्तो, श्रस्तीत्र, श्रास्तानीत्र ।

२०६. अनन्तचतुर्दशी—श्रनंत, अनतः चतुर्दशां, अनतस्त्रो, अनंता ।

२/०. कार्तिक शुक्त एकादशी का त्यौहार—ाडटवन, देवठान, देवेत्यान, प्रशंचिनी।

२१८ कार्तिक शुल्क द्वितीया का त्योहार---जमद्विया, भाईदूब, भातृदूब, श्यादुङ, प्रभादताया।

२१२. ३ व्याष्टर्मा - कृष्यष्टमी, जन्मा-ष्टमी।

२९३. ग्रेष मंक्रान्ति—सतुत्रान, सतुगा संकाश्ट सकाति ।

२१४. एक पर्व जो १२वर्ष पर त्राता है-

२१४. एक पव जो ६ वर्ष पर बाता है !--वुम्भी।

२१६, एक उत्सव जो कार्तिक में मनाया जाता है।—शबकृट।

२१७. चारिवन कृष्ण अष्टमी का स्योहार — विउत्तिया, विताष्टमी, चोबित्-पुत्रिका, शीतलाष्टमी । २१८. मकर संक्रांति—खिंचडी, खिंचडी सकाति।

२१६. फागुन कृष्ण १४ को पड़ने वाला त्योहार—शिवचतुर्दर्शा, शिवसत्रि ।

२२०. वैशाख शुक्ल तीज का स्नी त्योहार—ग्रच्य तृतीया, श्रखती, श्रख-तीज, श्राखातीज।

२२१. भादो शुक्ल तीज का स्त्री त्योहार — तोज, हग्तालका, हरितालका। २२२. चैत शुक्ल द्वादशी से लेकर चतुर्दशी तक का प्राचीन उत्सव— मदनोत्सव, नदन महोत्सव, वासंती।

२२३. जेठ शुक्ल एकादशी का त्योहार—निर्वला एकादशी, भीमसेनी एकादशी।

२२४. **बसंत पंचमी**—पंचिमो, भी पचमी।

२२४. ईद - ईद, ईदुलिकितर।

२२६. बक्ररीद-ईदुलज़ोहा, बक्रराईद।

२२७. मुहर्म-मोहर्म

२२८, बड़ा दिन-एक्समस, किस्टमस ।

२२६. पानी-दे॰ 'स्थान वर्ग में पानं।'।

२३०. पानी का साफ होना—धिराना, स्वच्छ होना।

२३१. पानी का मैला करना — धंघोरना। धिंघोरना, मिलनाना।

२३२, मैला पानी - डावर ।

२३३. द्रव-तरल ।

बिलोम-दे॰ 'ठोस'।

६३४. द्रवता—तरलता, तरलाई. द्रवस्य । विकोस—दे॰ 'ठोसत्व'।

२३४. गीला--भार्ड, मोदा, तर, दहेला, नम, शिक, छीइयुक्त, छीलयुक्त। विलोम—दे॰ 'स्वा'।
२३६. गीलापन-श्राईता, श्राल, श्रोदापन,
गीलापना, तरो, सरसता, सोइ, सील।
विलोम—दे॰ 'स्वापन'।

२३ . पानी की गहराई—श्रगाघ, श्रतल स्पर्श, श्रथाह, गभीर, गभोर, गहिर, डावर, निम्न, नीचा।

२३८. गिरता हुआ जल- भड़ी, भर।

२३६. बादल--श्रंबर, श्रबुद, श्रबुधर, श्रद्धभत, श्रंबुवाह, श्रभोधर, श्रद्धं, श्रन्द, श्रव, श्रभ, श्रमुर, उपल, कज्जल, कन्द, कन्धर, क्य, करधर, त्तर, खग, धन, जलद, जलघर, जीमूत, तहितवान, तीयधर, तोयधार, ददुर, दाव्यूह, घाराधर, धूमब, धूमयोति, नम, नमचर, नमधुब, नभश्चर, नीरद, पयद, पयोट, पयोधर, पयोध्य, पयोवाह, परजन्य, पर्जन्य, पा**योट, पायोष**र, पारण, पेचक, बदरिया, बदली, वर्र, बहल, पनद, बनमाली, बलाइक, बादर, बदरा, बादल, बारिद, बारिधर, बारिबाइ, भव, भतग, मिहिर, गुदिर, मेख, मेह, वन्तद, वर्ध, वलाइक, वारट. बारिट, बारिबर, विहस, विहस, वृध्या, स्योम, श्याम ।

२४०. बादल के रूप - उनालमेघ, कपसीले, कुंजमेब, कृतलमेब, मेघ, परतीले मेघ, मछुरील मेघ।

२४१. मेघमाला—श्रासार, कादंबिनी, बटा, बटाटोप, बनमाला, मेचपकि, मेच-बाई, मेघावली।

२४२. मेघगर्जन—गर्बन, धनस्य, धोष, रक्षित, स्तनित। २४३. बरसने वाला बादल — ग्रावर्त, बनावन, घुमइ, कमकारा, बरसौंहा।
२४४. कालीघटा — पनश्याम, बादरिया।
२४४. वर्षा — ग्रासार, कहो, कल्ला, दिन्योदक, नम, पवित्र, पानी, पूरण, प्रवर्षण, बरला, बारिश, वर्ष, बारिश, वर्षण, इष्ट, मेघ, संपात।

२४६. बरसना—काँटा होना, पानी गिरना, बरपना, बरषा, होना, बरिसना, वर्षा होना, बारिश होना, बृष्टि होना, मेह बरसना, रिमिक्तम करना, रिमिक्तम होना।

२४७. **बरसाना**—गिराना, ढेर करना, बरपाना।

न्थ्रः. सींसी—श्रम्बुकग्, जनकग्, फुहार, सीकर।

२४६ हलकी यृष्टि—ल्होंटी, भला, भासी, टपकाटपकी, फुहार, फुही, बूँदाबॉडी। २४०. बौद्धार — जम्म, भटाम, भरपना, प्रोक्स, बौद्धाह।

२४१. लगातार वर्षा—कड़ी, मेह, रिम-किस।

२४२. इद्र**भनुषः-इद्रामु**ण, श्रृजुरोहित, श्राकणनुः।

२४२. बृष्टिका अभाव-स्त्रनावृष्टि, अव-ग्रह. अवर्षण, अवर्षा, भूरा, विजल, बुला।

रेश्टर. विज्ञली-इद्रायुष, ऐरावति, ऐरावते, ऐरावती, कौंघा, च्याप्रभा, गाव, चचला, वपला, चला, चलाका, खिनळ्डि, तक्ति, तक्ति दामिनी, वचरागि, विज्रु, विष्यु, विश्वरी, विद्युति, शतहदा, समनगा, सौदा-मनी, तौदागिनो, होर ।

२५४. विश्वती की समक-कौंब, कौंचा।

२४६. श्रोस-निहार, नोहार, मिहिका, शबनम्, शेत ।

२४७. कोहरा-निहार, नीहार।

२४८. श्रोला —श्रोत्त, इन्टोपन, उरल, करका, घनोपल, पत्थर, पत्थरा, पयोगन्न, पयोघन, महतफल, बनौरा, बिनौरी, बेनौरी।

२४६. पाला--मवस्याय, स्रोला, स्रोस, कहरा, कुहासा, कुहिर, कुहिरा, दुसार, ठार, तुपार, तुसार, तुहिन, निहार, नीहार, प्रालेय, बरफ वर्ष, निहिका, शोत, हिम, हिभि, हिमचल, हिन, हिनर, हिनार, हेम।

२६० **बर्फ —**तुपार, तुदिन, निहार, नी**हार,** पाला, प्रालेय, बरफ, बर्फ, दिम, हिंब, हिम।

२६१ **बर्फ के म**ही**न टुकड़े---तुपार-**पाषाख, दिसकण ।

२६२. भाष-ऋबलरा, जन्म, जन्मा, बुलार, बाफ, बाध्य भाव, बाध्य ।

२६२. हवा — ब्राबर, खग, बगत्, त**लुन,** तुषताश्व, सभरवर, पव, पवन, पा**य,** पौन, बतात, बयार, वयारि, बात, बाब, सम्बत । देव ⁽वायु⁽⁾।

२६४. ४ बायु— ऋषान वायु (गुडा), उदान वायु (द्धात), प्राण वायु (१४र), व्यान वायु (इ.२य), समान वायु (नाम)।

२६४. बायुवेग—जब, तरस्, रब, रहस्, त्यदः

२६६. सकोर—सकसोस, अस्टेस, सोबा प्रवाद ।

२६७. बखडर--- चक्रवात, चगूला, बडेरर, बधूरा, बबधूरा, बातचक, बीरवा, बाँडर। २६८. आँधी--श्रंघड, त्पान, प्रकपन, 'महावत, बवंडर।

२६६. मंभा-सदृष्टिक वायु ।

२७०. तूपान-भ, भंभा, भभावात।

२७१. लू—चारवायु, चारवायु, लूइ, लूइर, ल्वारि।

२५२, श्रमि-दे० 'श्रमि'।

२७३. ३ द्यप्रियाँ — जठगनल, दावानल, बडवानल।

२७४. जठरानल-दे० 'जठरामि'।

२७४. दावानल- दव, दवारो, दावा, दावा, दावा, दावानल, बनदुताशन।

२.७:. **बड़वानल-ग्रौ**र्वि, बड़वामि, बाडवा।

२७७. जठरामि—दिध्यामि, भौमामि ।

२७८. २ अग्नियाँ—(कर्मकाङ के अनुसार) आवसस्य, आह्वनीय, औपासनार्म,

गाईपन्य, दिख्यामि, सन्यामि । २७६. स्वमि के जलने के शब्द —धॉय,

षाँय, धू धू, हू हु।

२८०. ऋग्निज्वाला—श्रीमकुक्कुट, श्रीमिश्वा, श्रीच, उल्मा, कील, चार, ज्वाल, ज्वाला, भस्मनी, भूत, लपट, लवर, कुकारो, लूक, लौ, वर्चिस, शिखा, हेति । २८१. चिनगारी—श्रीमक्या, श्रमलक्या, चिनगी, कुतकारी, कुनुहो, कुत्ती, स्फुलिंग, स्फुल्लिंग।

२८२ श्रिप्संताप—जलन, भुलस, डाढ़ा, दाइ, भश्मीभूत, संब्बर, सताप।

२८३. प्रकाश-श्रामा, श्रालोक, उबाला, उजियार, उजियारी, उजियाला, उजेर, उजेका, उबारा, उज्यारा, स्रोज, चाँदना, चाँदनी, क्योति, तेज, स्विषा, धुतिया, द्योत, दोष्ति, प्रदीप, प्रभा, बिमा, भा, भास, विभा।

२८४. श्रॅंबेरा--श्रंघ, श्रंधकार, श्रंधक्प, श्रंधार, श्रंधियार, श्रंधियारा, श्रंधेरिया, श्रॅंबेरी, श्रध्यार, श्रन्हार, श्रन्नकाश, घुप, तम, तामस, तमिस्न, तारीक, तिमिर, ध्वात, रात्रिराग, रात्रिवास ।

२८४. प्रकाशमय—श्रोबदार, चमकदार, ज्योतिष्मान, ज्योतिर्मय, तेजोमय, दीपत, दोष्त, प्रकाशयुक्त । दे० 'चमकोला ।

२८६. **अंधकारमय**—ग्रंधकारयुक्त, तमा-च्छादित, तमावृत्त, ताराको, तिमिराच्छन्न, ति।मरावृत्त ।

२८७. चमक—श्रान, श्रामा. झालोक, श्रोप, काति. चित्तक, जगमगाहट, ज्वल, भाजक, तेज, दमक, दीपित, दीप्ति, भा, भाव, मरीचि, राष्ट्रम, रौनक, विभा

२८८. चमकीला—ग्रावदार, कांतिमान, चमकदार, चमचमाता, बाक्यस्यमान, ज्वलित, मलकदार, मलाभल, टोप्ति-मान, दीप्यमान, दैदीप्यमान, पानी-दार, प्रकाशमान, प्रदीप्त, भड़कदार, भड़कीला, भासित, भास्वर, दे० प्रकाश-मय।

२८६. चमकना—कातिमान होना, कांतियुक होना, चमचम करना, चमचमाना,
बगमगाना, अलकना, दमकना, दोपना,
दोप्त होना, दीप्तिमान होना, लक्कना,
प्रकाशित होना, प्रभायुक होना, बरना,
बजना, भासना, लहकना, विभाना,
विभारना, विभासना,

२६०. चमकाना-उपराना, लॅगारना,

ष्ठना, विस्ता, घोटना, चमकाना, भल-काना, थिराना, घोना, निखारना, निर्मल करना, मलना, मसलना, मॉजना, मोजना, रगड़ना, रगरना, साफ करना, स्वच्छ करना।

२६१. चकाचौंघ—चकचाव, चकचौंघ, चकचौंह, चकाचौंघ, चकाचौंघी, तिर्रामग, तिलमिलाहर, तिलमिली।

२६२. चौंधियाना— श्रांख न टहरना, चक्कचौंधना, चौंधना, चौंधियाना, तिर मिराना, तिलमिलाना।

२६३. कुळ ऋंबेरा कुछ प्रकाश — भुक-मुख, भुकामुखी, मुटपुटा।

२६४. ह्याया—ग्राभा, छहिया, छात्र, छाह, छाया, भलक, परछाही, प्रतिबिन, साया।

ज

- १. स्वभाव—ग्रादत, चरित्र, चाल, पकृति, पकृतिभाव, मिजान, बान, वानि. लत, वृश्ति, शील, सुभाइ, मुभाय, सुभाव, स्वभाउ।
- भावना— ख्याल, चितना. चिता.
 भारण, ध्यान, विचार, भाव, भावना,
 विचार।
- समोवृत्ति—द्यतर्गति, चिन-कृति, भाय, भाष, भावना, मनोगति, मनोवकार, मनोकृति, कृति, दे० 'स्वभाव'।
- ४. सनीचेग--ग्रावेग, ग्रावेश, उद्देग, उमग, गरमी, बोश, क्षोर, भोका, प्रवाह प्रेरणा, रह, वेग, हनका
- थे. चेतना ग्रह, ग्रापा, चेतन्यता, सरा, तुवहुण, हवात, होश, होशहवात ।

- भ्रमा— च्राति, ल्रमा, तितिच्रा, माफ,
 मुश्राफ, मार्जना, शम, सहन।
- जमाशाल—चम, चमाल, चमानान, चमित, चमिता, चमा, तितिन्दु, प्रभृष्णु, शातियुक्त, सह, महिष्णु।
- चमा-रहित—श्रद्म, श्र'तितिचु,श्रतंतिचु,श्रतंतिचु,
- इ. त्रमा करना—छमना, छोडना, छोड
 देना, जाने देना, वकसना, माफ करना,
 माफी देना।
- १०. चमा करने योग्य दमणाय, चमि-तन्य, चम्य ।
- ११. शांत गभीर, धार, **धियन, शिष्ट,** स्थिरवित्त ।
- १२. चचल —श्रधार, श्रशात, ऋश्यिर, श्रादुर, भावला चचन, चपन, चल, चलायमान, चलित, विचलित, श्लचल-युका
- १३. घवराया श्रधोर, श्रनवस्य, श्रनविध्यत, श्रशात. श्रस्थिर, श्राकुल, उतावला, उद्धिरन, द्धुष्म, शोभिन, चचल,
 चिकत. चलायमान, परीशान, परेशान,
 विचल. स्पर्म, साकुल, विचलित, हैरान।
 १४. शांति—श्रद्धांह, उपश्म, ग्रमोरता,
 नृष्याद्ध्य, धारता, धेर्य, निवेंद, प्रश्मम,
 प्रशाति, सम, श्रमथ, श्रमन, शातता,
 शिथलता, सानि, स्थिरचित्तता, स्थिरता,
 स्थैर्यः
- १४. चबलता---ब्राचीरता, श्रम्बस्थता, ब्राप्तरं, श्रशांतता, श्रशांत, श्रस्थरता, श्रम्थैय, श्रादोलन, श्राद्धरता, उताबली, कुलबुलाइट, खलबली, बबलता, बबल-तारं, बबलारं, बपलता, बुलबुलायन,

चुलबुलाहट, नखरा, वहशत, विचलता, हलचल ।

१६. घबराहट — श्रधीरता, श्रवसेर, श्राकु-लता, श्रातुरता, उद्दिग्नता, उद्देग, ऊभ, कातरता, चोभ, खभार, खलबली, घबराहट, परीशानी, परेशानी, बिचलाई, बेचैनी, विचलता, विचलाहट, व्यम्रता, व्याकुलता, दे० 'चिता'।

विलोम—'शाति'।

१७. चंचल होना—इधर उधर होना, कॅपना, कपित, होना, कॉपना, डगमग करना, डगना, डगमगाना, ढावॉडोल होना, डोलना, थरथर करना, थरथराना, लडखडाना, विकपित होना, विचलित होना, हिलना

१८. यखराना — अकना, अकनकाना, अकुन ताना, अकुलाना, अगुताना, अनुराना, अधीर होना, अपरमा, आकुल होना, आतुर होना, उकताना, उगताना, उतावला होना, उतावली करना, उद्धिम होना, उन्ना, कन्ना, आँजाना, औटना खड बड़ाना, खरभराना, गहनराना, घनड़ाना, घावड होना, जल्टा करना, जल्दी मचाना, बिकलाना, व्याकुल होना, इडवडाना, हरवराना।

१६. द्या -- अनुकवा, आनुमह, अहसान, करम, कठणा, कठना, काठण्य, कृपा, कृपालुता, दरनि, तरस, फज्ल, महर, महरवानो, रहम, रहमत।

२०. **उदारता—श्रो**दार्य, फैयानी, सुहृदता, सह्दयता ।

२१. कृरता—श्रकड, श्रह्योह, श्रदय, कठोरता, कठोरपन, क्रता, ख्लारपना निर्दयता, निर्दुरई, निरुरता, निरुराई, नृशसता, परुषता, परुषत्व, बेरइमो, सगदिली।

२२. द्यालु — अनुमाह्क, अनुमाही, उदाल, करणानिधान, करणानिधि, करणानिधान, करणानिधि, करणामय, कारणिक, कृपाल, कृपालु, कृपायतन, गरीबनिवाज, गरीबपरवर, दर्दमंद, द्यादि, द्यानिधान, द्यानिधि, द्याल, द्यालु द्यालु, द्यावान, द्याशील, द्यासागर, दीनप्रतिपालक, रहमदिल, रहोम, सद्य, सहद्य, सुमन, सुरत, सूरत।

२३. उदार — ख्रदीन, उदारचरित, उदार चेता, दिलदार, महाशय, महेच्छ, सदाशय, सहदय. सुहद, हृदयालु ।

न्ध्रः निर्देशी--श्रदय, कठोर, कसाई, क्रूर, खूँखार, निटुर, निदाहण, निर्मोदिनी, निर्मोहा, निर्देश, निर्देशी, निष्टुर, नृशस, पद्दर, बेरहम, सगदिल।

२४. दया करना—श्रनुकपा करना, करमे नजर करना, श्रनुप्रह करना, कृषा करना, दरना, तरस, खाना, पश्चाना, मंहरवानी करना।

२६. द्यापात्र — इयापात्र, द्यावना । २७. कृपापूर्वक - - कृपया, द्यापूर्वक । २८. उपकार - अच्छाई, अहसान, उपकारिता, उपकृति, एइसान, नेकी, भला, भलाई, सल्क, हिन, हितसाबन । २६. अपकार - अम्बष्ट, अहित, बृरा, बुराई ।

३०. उपकारी—उपकर्ता, उपकारक, सैर-क्वाह, ग्रुभचितक, दित, दितकर, दिस-कारक, दितकारी, दितिस्तक, दिसावह, दिती, दित्र, दित्, दितीयी। ३१. अपकारी---श्रनिष्टकारक, श्रनिष्ट-साधक, श्रनुदार, ग्रहित्, कुकर्मी, कृतवन, तुर्वेत, पोड्क बुरा।

३२. चपकृत—एइसानमंद, कृतज्ञ, शुक-सुज़ार, ममनून।

३३. संतोष—इतिमनान, छाक, तुष्टता, तुष्टि, तोष, तृपति, वृष्ति, शांति, सतुष्टि, सनोख, सतोध, सबूरी, सब, सावना, सेरो हिं।

३४. असंतोष —ग्रनल, ग्रनलाहर, अ-प्रसन्नना, श्रसंतोल, खफगी, खिन्नता, खीस, नाराजगी, नारानो, वेसकी ।

३४. सतुष्ट—श्रवायां त्रास्दा, तुष्ट, नोषप्राप्त, तृषित, तृष्त, राज़ो, सनोषित, माबिर, सेर ।

३६. असंदुष्ट — ऋदुष्ट, ऋतृषित, ऋतृष्त, **ः ऋसं**तीवो, खफा, खिन्न, नाग*न*ा

३७. संतुष्ट होना — श्रवा जाना, श्रवाना, श्रवाना, श्रवाना, श्रात्प्त होना, श्रात्य होना, श्रात्य होना, अकना, अकना, अकाना, उदाना, टंच होना, तृष्ट होना, तृष्त होना, निहाल होना, पूर्ण हो जाना, पेट भरना, प्रस्त होना, भरना, भर पाना, सतोषना, तैराव होना, हिया भरना।

३८. संतोषना —सतोखना, सतोषना, सबूरी देता, सब बॅषाना, समझाना, साल्वना देता।

वैश. प्रसम्न — प्रमुक्ण, म्रानंदिन, उत्फुल्ल, उत्फुल्ल, उत्फुल्ल, उत्फुल्ल, खिला, खुश, बह्बहा, प्रहर्षित, सगन, मगन, मस्त, मुदित, मोदयुक, रंबित, लह्बहा, हर्षित। दे॰ 'मुला', 'मसक्विय'!

४०. श्रासस्त-शरंद्वर, कृषित, लगा, प०--१२ सिन्न, नाराज, रंजीदा, रिसौँहा ! दे॰
'जिंताप्रस्त', 'दुःखी', 'उदास', 'क्रोधित' !
४१. प्रसम्न होना—श्वनंदना, श्वानदना,
श्वानंदित होना, उल्लेखित होना, उल्लेखन,
ज्ञानंदित होना, उल्लेखन होना, प्रस्त्र लिंचना, खुश होना, नदना, निंदत होना,
निहाल होना, प्रफुल्लित होना, प्रस्त्र होना, प्रस्कृटित होना, प्रहर्षित होना,
फूलना, फूला न समाना, मोदना, रहसना,
रॉचना, विक्रित होना, हरसना, हरसना,
हिंसत होना, हर्षना, हर्षाना, हुमसना,
हुलसना, हुलस्ति होना।

४२**. अ**प्रसन्त होना—कोपना, खी**फना,** नाराज़ इोना, रोगना,रिमाना । दे**० 'कोचित** इोना' । 'दुला' के पर्याय **में 'होना' बोइ'-**कर ख्रौर भ! शब्द बनाए जा सकते **हैं ।**

४३. प्रसन्त करना—श्रानंदित करना, खुश करना, निहाल करना, परसन्न करना, प्रकृतिकान करना, राजी करना, हर्गित करना, हर्गित करना, हुलसाना, हुलसिन करना।

४४. अप्रसन्त करना—श्रसं<mark>तुष्ट करना,</mark> अफ़ा करना, व्यक्त करना, **दुखी करना,** नाराज्ञ करना, रिकाना । दे० 'चिदाना'।

४४. प्रमन्तना त्राभनदन, श्रानद, श्रामोद, उल्नास, खुशा. नदि, नदिक, नदा, अमोद, प्रहाद, पहुर्ष, प्रदास, मना, मद, मुदिना, मोद, रग. रगरलो, रगरस, रस्रो, रस, लदरा, सीमनस्य, हरम, दरम, इर्ष, हुलास, हुपि, हुप्टि।

४६. अश्रसन्तता--अनुताय, अपसीस, अफ्रमोस, खेद, चिंता, मन्यु, रंब, शुच, शोक। दे॰ 'दुःसं', 'उदासो', 'विता'। ४७. प्रसन्ति चित्त-प्रमन, १र्षमाच, दृष्ट-मानस् ।

४८. मौजी—ग्रानंदो, ग्रामोदी, उल्लासी, खुशदिल, खुशमित्राज़, प्रमोदी, मोगी, मस्त, मौजी, रगी, रंगीला, रसिक, रसिया, रसी, रसोला, विनोदशील, विनोदी।

४६. सुख-ग्रानद, ग्रमन, ग्रमनचैन, ग्राराम, चैन, प्रमोद, सुक्ख, सुखशाति, सौक्य, स्वस्थता, हृष्टता। दे० 'प्रसन्नता'।

४०. दुःख-श्रापत्ति, श्राफ्त, कष्ट, क्लेश, तकलीफ्, दरद, दर्द, दुक्ख, दुख्दा, दुख-दुइ, दुखरा, पोइा, पोर, पीरा, बला, बाधा, बिश्राधा, बिपत्ति, बियाधि, मुसीबत, रज, विपत्ति, वेदना, व्यथा, व्याधि, संकट, सँकरा। दे० 'उदासी', 'श्रप्रसन्ता', 'रोग'।

श्वः दुखी— आतप्त, कृष्टी, क्लेशित, गृमगीन, तप्त, दर्दमंद, दुखहाया, दुखारा, दुखारी, दुखित, दुखिनी, दुखिया, दुखिनया, दुखिना, दुखिया, दुखिनया, दुखिना, पीकित, रंजीदा, व्यथित, वंतप्त, संतापित। दे० 'अप्रसस्न', 'रोगी'।

श्रे. मुखद — प्रदर्धक, मुखकंद, मुखकंदन, कुंबकर, मुखकरण, मुखकारी, मुखकननी, मुखदरक, मुखदानयाँ, मुखदा, मुखदान, मुखदानी, मुखदानी, मुखदायक, मुखदायो, मुखदेनी, मुखदेन, मुखदेनी, मुखदेनी, मुखदेन, मुखदेनी, म

सुखारी, सुखाला, सुखावह, सुखैना, सुहेला, हर्षक ।

४४. दुखर्—दुखराता, दुखरानि, दुख-दायक, दुखरायी, दुखप्रद,दुखौहाँ, पीइक, बाधक, संतापी।

४४. दुःख देना—कष्ट देना, कष्टित करना, घुमाना, ढाइना, तग करना, ताँचना, दाइना, दुखाना, दौडाना, परीशान करना, फेर में डालना, छतप्त करना, संताप देना, सतापना, सतापना, इतामा, इतामा

४६. उदास—श्रंतर्मना, श्रनमन, श्रनमना, श्रनमना, श्रनमना, जनमन, जिल्ला, उदासीन, उन्मन, क्लिल, दील, दिलगीर, दीन, दुःखित, दुःखी, रजीदा, शोकाकुल, शोकयुक्त, सजीदा, सुस्त, सोकित, सोगी, दे० 'दुखा', 'श्रप्रस्त्र'। ४७. उदासी—श्रनमनापन, श्रन्यमनस्कता, उदासी, उदासीनता, खिनता, दीनता, रंजीदापन, सुस्तई, सुस्ती।

प्रतः सीधा—श्रक्तिष्ट, श्रवक, श्रासान, उत्तान, श्रञ्ज, प्रगुण, भोला, रास्त, श्रात, श्रुद्ध, सज्बन, सरल, तरलिस्त, सादा, साधु, सध्य, सहज, सहल, सीध, सुखसाध्य, सुकर, सुगम, सुलय, सुद्धत्, सूधा, सौम्य। प्रदः सरलिस्त—उदार, दिक्या, सज्बन, सरल, सरलिस्त, साधु। दे० 'सीधा'। ६०. टेढ़ा—श्रदार, श्रमरल, श्रराल, धार्कुवित, उमिल, श्रास्ता, कठिन, काना, कंवित, कुटिल, कुपका, कुठक, किल्रष्ट, स्वमदार, स्वर्थ, तिरछा, तिर्यक, धन्याकार, नत, बाँक, बेंद्रा, संक, बका, बंकट, बंकिम, बक, विकट, विद्ध, सुश्किल, यक्ष। दे० 'टेढ़ा, सेढ़ा'।

६१. सीधापन—ग्राक्तिष्टता, श्राज्ञता, ग्राजंव, श्रासानी, भोलापन, सरलता, सहजता, सहूलियत, सादगी, सादापन, साधुता, सारल्य, सिधाई, सुगमता, सुधाई, सुविस्तापन, स्थापन, सुबीतापन, सुभीता-पन, सौम्यता।

६२. टेढ्रापन— श्रसरलता, कज, कजो, कठिनाई, कुटिलता, कृष्ण, क्लिप्टता, ख्रम, टेढ्राई, बंकता, बंकाई, अध्रता, बकुरता, बॉक्यन,मुश्किलाहर, वक्रता।

६३ टेढ़ां होना— श्रम्यल होना, एठना, कुटिल होना, घूमना, सुकना, टेढ़ होना, फिरना, बल खाना, मुझ्ना, मुरी पड़ना। हिंद मेढा—श्रटपट, श्रद्धंग, श्रद्धंद, टिट्बिटगा, टढ़िबडंगा, टेढा, तनेना, बक, बका, बाकुर, बाँकुरा, वक।

६४. तिरस्ता - ग्रहार, श्रसरल, ग्रवरेव, भाषा, उरेव, टेटा, तनेना, तिरीसा, तिर्यंक, बाँक, बाँका, बेंडा। दे० 'टेटा'।

६६. ऐंठन— उमेटन, एंटन, धुमान, पेच, नल, महोर, मुरी, मुरी, लपेट।

६७ **ऍठना**— उमेटना, उमेदना, बुमाना, **पूरना,** बटना, बरना, मरोइना, मरोइ देना, मरोरना, मिमोरना, मुरी देना ।

६८. कड़ा— श्रकांमल, बठोर, क्र, क्रूर, ठड, ठोस, निदुर, पक्का, निष्टुर, पत्थर, वेमुख्वत, वेमुख्वती, सगदिल, सज़्त !

६६. कोमल- श्रकठार, कोमलाग, गुलगुल, गुलगुला, दाला, नरम, नानुक, मधुर, फूल, सुलायम, मृतु, शृदुल, सुकुँ श्रार, सुकुमार, इलका।

७०. कोमजता—कोमलता, कौमल्य, गुल गुलाइट, नवाकत, नकासत, नरमाई, नरमी, नर्मी, नाजुकता, निवादत, मधुरता, माधुर्य, मुलायमता, मुलायमियत, मुलायमी, मृदुता, मृदुलता, सुक्रुंत्रारी, सुकमारता, सुकुवारता, सौकुमार्य।

७१. कदापन— श्रकेमलता, कठोरता, कदाई, क्रता, कृरता, निष्ठराई, निष्ठरता, वेमुख्वती, सगिदली, सफ्ती।
७२. नरमाना—कोमल करना, कोमलता लाना, ठढा करना, धीमा करना, नरम करना, मुलायम करना, शात करना।
७३. हठ—श्रवद, श्रद, श्रतुरोष, श्रार, श्रायह, श्रारि, इद, एँठ, गहनि, कक, जिद, जिद, जिद, टिक, दुर:ग्रह, हठधर्म,

७८. इठी— ऋदियल. चकी, बिदी, टेकी, टटप्रतिश, हठधमीं, इठीला।

इटघमी।

७४. हठ करना— ऋदना, आग्रह करना, जिद बरना, दुराग्रह बरना, घरना देना, नगई करना, नंघई करना, नटना, मच-सना, भटकना, इटधमी करना।

७६. चाठिलाना-मनद दिसाना, मनदना, इठलाना, इतराना, पेठ दिसाना, पेठना, ऐदना, चमकना, चोचला दिसाना, चोचलाना, भमकना, ठसक दिसाना, नलरा करना, मराघ होना, मरदना ।

७७. उरह — अक्लइ, उप, उषदु, उरह, टद्धन, लॉगइ. लागझा । दे॰ 'घृष्ठ' । ७८. नम्र— वनस्र, प्रश्त, विनयशीस, विनयी. विनंत, शालीन, शिष्ट, सहनशील, सुशील ।

७६. उदंडता— श्रव्यव्यन, श्रीद्वाय, उग्रता, उजदूपन, उद्देश, उद्देशता, दर्ग। दे० 'पृष्ठतां। ५०. नम्नता — म्राजिज़ो, दोनता, दीनत्व, विनम्नता, विनय, शानीनता, शिष्टता, शिष्टाचार, सहनशीलता, सृशीलता।

पर. श्रकड़ना — श्रं कड़ जाना, श्रकड़ जाना, ऐठना, कड़ा पड़ना, कड़ा होना, कड़ेर पड़ना, चिटकना, जिद्द पकड़ना, टेक गहना, टेक पकड़ना, ठिठुरना, दिठाई करना, तनना, मिनाज़ बदलना।

स्वः सुक्रना—िंग्स्ना, दुलना, दबना, नत होना, नमना, निम्त होना, नवना, निहुरना, प्रण्त होना, प्रण्मना, मुङ्गा, लच हना, लचना, लेटना, विनीत होना।

मरे. भुकानां — गिराना, भुकाना, द्वाना, नमाना, नकाना, नाना, निनौना, निहुराना, पडाना, मंड्ना, लचकाना, लचनाना, लिटाना, लोटाना, लोटाना, किनोत करना।

मथ. धृष्ठ — ईतर, गुलाख़, चढ़बाँक, चर बाक, दोठ, वेद्रादब, शाख़ । दे० 'उद्दड'। मथ. शीलवान — चरित्रवान, तमीबदार, शालोन, विनम्र, विनोत, सच्चरित्रवान, सुशील ।

दर्, भृष्ठना — त्रकड, श्रौद्धत्य, निमी, गुस्ताख़ो, दिठपना, दिठाई। दे॰ 'उद्दंडता'।

म्य. शोल —श्र दमीयत, तमीब, मनुष्यता, मनुषाई, लियाकत, शालीनता, शिष्टता, सम्बता ।

स्म. श्राभिमान — श्रकड, श्रकड्वाबी, श्रनति, श्रपनपी, श्रपान, श्रवतेप, श्रवसेपन, श्रदं, श्रदंकार, श्रदंवादिता, श्रदंता, इतराहट, ऐंठ, श्रापा, खुदी, गरन, गर्न, गुमर, गुमान, गुकर, चमंड, ठसक, ठस्सा, तेहा, दर्प, दिमाग, फज़र्, मद, मदाधता, शेखी, हमेन ।

पटः श्रिमिमानी — श्रकद्, श्रॅकद्, श्रॅकद्, बीर, श्रहकारी, श्रहंवादी, उपरावटा, उसकदार, गरबीला, ग्रह्मरी, गर्वी, गर्वीला, गुमानी, घमंडी, तेही, दिमाग्रदार, दिमाग्री, फखो, मदाघ, सिकोही ।

६०. ऋभिमान दिखाना—श्रॅगिराना, श्रेठलाना, श्रदराना, इठलाना, इतराना, उलटना, ऐंठ दिखाना, ऐठना, गर्ब जनाना, गर्वाना, घमड दिखाना, ठसक दिखाना, तनना, भरुहाना दे० श्रककना।

६१. शेखीबाज — श्रकहवाज, श्रकहू, श्रकहत, श्रतिवादी, एंड्दार, गालू, टिरी। ६२ शेखो — श्रकह, श्रकहवाजी, श्रति-वादिता, श्रतिवाद, गलप, जलपन, डीग।

६३. कोध — अप्रसन्तता, अपर्व, अपर्व , आवंध, आपर्व, आपर्व, आवंध, आप्रमं, आवंध, आवंध, उप्पा, कोव, कोन, ग्रुस्सा, खपगी. खीस, खुनस, खुनुस, गर्मी, भल, भल्लाहट, भाँभ, सामिस, तामिस, तेह, तेहा, तैश, प्रकोप, भाम, भाम, मन्सर, राजस, रिस, रिस, रूप, क्या, गेव, हर. हृश्य, हेल, हल। विलोम—दे० 'शांति'।

६४. को धी-च्यनली, श्रमवी, कोपी, कोही, खुनली, लिनसी, गुस्सावर, गुस्सेन, चंड, तेही, रिसहा, रोषी, सदव। विज्ञोम — दे० 'शांत'।

१४. को चित — अप्रसन्न, अनलौहा, आको-शित, कुषित, कोषित, कुद, कुमित, चोमित, अफ़ा, लिसौहा, खुनुसारा, गर्म, प्रकोपित, रिसहाया, रुष्ट, लाल, लालग्रगार, सतर, सतरौँहा ।

बिलोम--दे० 'शांन'

६६. क्रोधित होना—,श्रनख करना, श्रन-खना, श्रनखाना, श्रनैसना, श्रपसन्न होना, श्राग बबूला होना, श्राग होना, कोपना, कोहाना, काघ करना, कोघित होना, खिसियाना, खुनसाना, गुम्सा होना, भरूनाना, दॉत पीसना, नाराज होना, बगड़ना, रग बदलना, रिसाना, रिसि-श्राना, रिसियाना, रोसना, कप्ट होना, कठना, कसना, रोप करना, रेपना, लाल पड़ना, लाल पोला होना, लाल होना, संकोपना, सकुएना, सतराना, सुगाना।

६०. भल्लाना —उदल पढ़ना किटकिटाना, कुद्रना, को घत होना, खिजनान, खीजना, खाभाना, चिद्रना, चिद्रनिडाना, भल्लाना, बिगडाना । दे० 'कोधित होना'।

ध्य बापल्म — ख्रेरक्वाह, खुशामदी, खुशा-मढीटट्ट, चादुकार, चापल्सीपणंट, तेल-खगाने वाला, मन्दन मलने वाला, स्तदनकर्ता, स्तुनिधाचक, स्तु।तवाचक।

६८. चःपलुसी करना - ख़ैरख्वाही करना, खुशामद करना, चाटुकारो करना, तल खगाना, सर्वदा प्रिय बोलना, मन्खन मलना, सहलः ना, सुद्रगना, हॉमो भरना, हाँ में हाँ मिलाना।

१०० चापलूसी - फ्रैरक्नाही, खुशामद, बाहुकारिता, चाहुकारी, ठकुरसोहाती, प्रसंशा, रतापा, स्तवन ।

१०१. खैरखाइ — ख्रेरकार, चापत्न, हम-दर्र, हित्, हितांचतक, हितेच्छु, हितेथी। १०२. खैरखाडी-—सैरङ्शही, चापत्स्वी, मला, मलाई, दित, दितन्तिन, दितता, दितैषिता।

१०३. जानकारी--ग्रामशता, श्रान, श्राप्त, जान, जानकारी, प'रज्ञा, प'रचय, प्र'त-पत्ति, बोघ, वाकपियत, विश्रान ।

१०४. चश्चता--श्रशता, श्रनजानपन, श्रन-भिश्चता, श्रनाडापन, बहास्त, नाटानी, नावाद भीयत, नासमभी, मूर्खता । दे० 'बुद्धिहोनता'।

१०४. झात— श्रवगत, ची-हाबाना, बाना, जानाबुभा, शप्त, शात, पीश्शान, परिचित, पहचाना, पहिचाना, प्रतिपन्न, प्रतीत, मालूम, समभा, समभः बुभा।

१०६. **श्रज्ञात--**श्रनबाना, श्रनवगत, श्रप-रिचित, नानालूम ।

१८७ समम में छाने योग्य- हातम्य, जानगम्य, ज्ञानगोचर, ज्ञेय, बोधगम्य।

१०८. चर्ची— ज़िक्र, तज़िक्स, बात । १०६. पूछना— ज्ञात वरना, क्षान प्राप्त वरना, दरियाम करना, पूछताछ, करना, मालुम करना।

११८. पहचानना—श्रांभश्र होना, चोन्हना, बानना, जात करना, परिचय करना, परि-चय पाना, परिचित होना, बूभना, मालूम करना, पहचानना, लक्ष्ण खानना, बाक्षिक होना, समभना ।

१११. जानकार— श्रामिश, श्रानक्षाती, शता, शतवान, शतवुढ, शानो, तश, तस्व-विट, परिचित, पारंगत, गुलाकृती,वाक्रिक, विश, चित, विद्। दे॰ 'बुढिमान'। ११२. जाझानी— श्रश, श्रश्नानो, ज्ञास्त, जनवोन्हा, भनवान, सनमिक, जनावी, नादान, नावाकिक, नासमफ, भोलाभाला, मूर्ख, सोधासदा । दे० 'बुद्धिहोन' ।

११३. अपरिचित-ग्रजननो, श्रनजाना, श्रनजाना, श्रमजाना,

११४. पहचान — चिन्ह, चिन्हानी, जानपह-चान, निशान, निशानी, परिचय, लच्ण, सच्छन, चिह्न।

११४. पह बनवाना-चिन्हवाना, चिन्हाना, बनवाना, बतज्ञाना ।

११६. जान पहचान—चिन्हारो, चीन्ह-पहचान, जान पहिचान, परिचय।

११७. परिचय —जानकारी, जानपहचान, वाक्षियत।

११८. पूछ —ज्ञात, दरियास्त, मालूम।

११६. पूछपाछ — जिज्ञासा, जिरह, पूछ, पूछपाछ, पूछ्रताछ, पूछाताछो, पूछापाछो, मश्न, सवाल ।

१२०. **ज्ञापक-**-ग्रभिषायक, परिचायक, बोषक, विज्ञापी, स्वक ।

१२१. **ज्ञापित** — श्राज्ञापित, विज्ञप्त, विज्ञा-पित, सुचित ।

१२२. विज्ञापन- इश्तहार, घोषणापत्र, मकासकीय, प्रकृति, विज्ञप्ति, स्चना, स्वनापत्र।

१२२. रत-श्रंतलीन, श्रद्धान्त, श्रासक्त, ग्रम्भ, इता, इता हुन्ना, तन्नय, तहनीन, दचित, विरत, फॅसा, बम्मा, मगन, मग्न, मश्रमूब, मुग्ब, मोहित, रंबित, रत, लगा, सान, सहू, लवलीन, लहालोट, लिप्न, सीन, विरत, विलीन, व्यस्त ।

१२६. विर्कत-- ग्रननुरक, ग्रनावक, ढबरा, उदाव, उदावीन, क्यक मुल, विद्या, इटा। १२३. छा बिरक्त करना—उचाटना, चौकाना, भिभकाना, बी इटाना, डराना, भइकाना, भिरुखाना, विचलित करना। १२३. व श्राभिरुचि—इञ्छा, पसन्द, प्रवृत्ति, मन, बचि।

१२४. रत होना — आसक होना, इवना, तनमय होना, निमण्डित होना, प्रलिप्त होना, प्रसक्त होना, मग्न होना, रॅगना, राखना, लगना, लिप्त होना, लवलोन होना, लीन होना, विलीन होना।

१२४. विरक्त होना—ग्रनतुरक होना, श्रलग होना, उचटना, उचाट होना, खटकना, जो हटना, दूर होना, विरक होना, विरक्ति होना।

१२६. विरक्त करना-श्रननुरक करना, श्रलग करना, उचाटना, उच्चाटन करना, जो इटाना, दूर करना, विरक्त करना।

१२७. ऋनुरिकत-श्राविक, तन्मयता, निरतता, लगन, स्वलीनता, लिप्तता, सीनता ।
१२८. विरिकत--श्रनमनापन, उचाट,
उचाटो, उच्चाटन, उदासीनता, विसभंग,
विरिक्ति ।

१२६. उचाटना-उचाट करना, उचाटना, उच्चाटन करना, उदाक्षी करना, बी इटाना, विरक्त करना, विरक्ति साना, इटाना, उच्चाटित करना।

१३०. ललचना — इच्छा करना, उत्कंठिक होना, चाइना, तरधना, तृषित होना, नोकना, मोइना, मोहित होना, सटना, ललकना, ललचना, ललाना, लाखच करना, लालायित होना, लुभाना, लोभ खरमा, लोभना, विमोहना, विद्याना, हुसना। १३१. लालच-मामिष, देश, तृषा, तृष्या, लालच, लिप्सा, लोभ, लोभपना, कोक्कपता, इवस, हिरस, हिसँ।

१३२. लालची-ललचहा, लालची, लुबुधा, जुन्ध, लिलोही, लोमी, लोलुप।

१३३. धेर्य-ग्राश्वास, ग्राश्वासन, इत-मिनान, कनायत, कल, ख्रातिरी, चैन, डाहर, दारस, तसल्ली, दमदिलासा, दिलजमई, दिलासा, घोर, घीरज, घीरता, घीरा, धृति । बोघ, सात्वना, शांति, संतुष्टि, संतोख, सतोघ, सबर, सब, स्थैरर्य।

१३४. अधैरी-अशांति, ऋसतोष, ऋस-दुष्टि, स्रोभ ।

१३४. धैर्थवान-श्राश्वस्त, इतमिनानो, ढादसो, हद, धैर्यशोल, साबिर।

१३६ लाचार-प्रधोन, ऋजिन, परवस, परेद्यान, विवय ।

१३**०. लाचारी-श्र**धीनता, श्रनधिकार, पर-**बस्ता, परे**सानी, बेबसी ।

१३८. चाह — श्रीभविच, श्रीभलाख, श्रीभिलाख, श्रीभिलाखा, श्रीमलाखा, श्रीमान, श्रीकाचा, श्रीकाचा, श्रीकाचा, श्रीकाच, श्रीकाच, श्रीका, श्रीका, श्रीका, श्रीका, श्रीका, श्रीका, श्रीका, श्रीका, चाव, खद दोहद, बाखना, बाखा, मनोरथ, मोह, विच, ललक, लालब, लालखा, लालखा, क्रिया, दसरत।

बिलोम-दे॰ 'पृवा'।

१६८. चाइना-झनुरागना, श्राभकासना, इच्छाना, १६ता, १ठमा, चाइना, चूमना, चाडना, दुकारना, पुच कारमा, प्रेम करना, प्यार करमा, रातियाना, स्नेह देना, सामना। १० 'प्यार करना'। विलोम -दे॰ 'धिनाना'।

१४०. चाहनेवाला—श्रीमलाघो, श्राकां-चक, श्राकां की, हच्छु, हच्छुक, उन्कंठित, उत्सुक, काची, कामां, कामुक, ख्वाहिशमंद, चाही, तृषित, लालची, लालसी, श्रायक। १४१. जिसमें किसी भी प्रकार की चाह न हो—श्रकाम, श्रचाह, हच्छा-विहीन, कामना रहित, चाहशूत्य, निरीह, निष्काम, निष्प्रेही, निरपृह।

१४२. चार्हा हुन्ना—ग्रभितवित, श्रमी-च्छित, ग्रभिष्तित, ग्रभोष्ट, ग्राकाचित, इच्छित, इप्सित, बाछित, वाछित।

१४**३. श्रनचाहा—श्र**नमिल्षित, श्रनमोष्ट, श्रनादाद्वित, श्रनिच्छित ।

१४४. चाह्ने योग्य — बाह्यनीय, स्पृह्योय । १४४. प्यार — ब्रानुसाग, ब्रापनत्व, ब्रापना-पन, ब्रासनाई, श्रासकि, हरक, उन्सियत, उल्पात, चाह, चाहना, दुलार, प्यार, प्रयाय, प्रति, प्रेम, प्रेमभाव, ममता, ममत्व, र्रात, रस, राग, मोह, मोह्ब्बत, कचि, लगाव, मौ, लाइ, लाइप्यार, बास्सस्य, स्नेह, हेतु ।

१४६. बारसल्य—बात्तस्य, तौहार्द, लोह, इदयद्राव ।

१४७. भक्ति —श्रनुराग, प्रेम, भक्ति, मजन-रति, भजनावकि ।

१४८ घृता—श्रवाह, श्रानिच्छा, श्राप्रवता, श्रवि, श्रार, घिन, विद्, बुगुष्ठा, नक्र-रत, नीठि, विरचि।

१४६. घिनाना—पिन करना, घिनाना, पृया करना, द्विः द्विः करना, द्वगुष्टा करना, यू यू करना, प्रको द्ववी करना, नफरत करना, निंदा करना, मुँह फेरना, मुँह सिकोइना, राम राम करना।

१४०. श्रंकमाल-ग्रंकमाल, ग्रक्मालिका, श्रॅकवार, श्रकोरी, प्रेमालिंगन।

१४१. प्यार करना—श्रासिक रखना, चाइना, दिल देना, दिल मे रखना, दुल-यना, दुलारना, पुचकारना, मानना, लाइ प्यार करना। (प्यार) के पर्यायों में 'करना' बोड़ कर श्रीर भी शब्द बनाए जा सकते हैं। दे० 'चाहना'।

१४२. लिपटाना—श्रक भरना, श्रंग लगाना, श्रकवारना, श्रंकवार देना, श्रॅकवारी देना, श्रक भरना, श्रॅकवार भरना, श्रॅगेजना, श्रालिंगन करना, श्रालिंगना, श्रालिंगित करना, गले लगना, गले मिलना, चिपकाना, चिपन् टाना, छातो से लगाना, जुटाना, बोइना, भिइना, भेंटना, मिलना, लपटना, सटना, सीने से लगाना।

१४३. प्यार करने वाला—श्रासक्त, उस्कर्ता, चाही, प्रण्या, प्रोमी, मोहन्वती, स्नेही।

१४४. घृणित—गदा, गहित, घिन, घिनहा, चिनवना, घिनावन, घिनौना, घृणित, खुगुप्सित, निन्द्य, बीभरम, बुग, निकृत। १४४. प्यारा—चाहा, चितचोर, दिलवर, दिलब्ब, दुलारा, प्रिय, प्रायाजीवन, प्रायाज्यम, प्रायापति, प्रायाप्यारा, प्रायाज्यम, प्रायापति, प्रायाप्यारा, प्रायाज्यम, प्रायापति, प्रायाप्यारा, प्रायाज्यम, प्रायापति, प्रायाप्यारा, प्रायाज्यस्त, प्रायापति, प्रायाप्यारा, प्रायापति, प्रायपति, प्रायापति, प्रा

१४६. प्यारी—चहेती, जनिया, जानी, दिलजानी, दिलज्ञा, दुलारी, प्राच्यारी, प्राण्याललमा, प्रिया, प्रियतमा, प्रोतमा, प्रेयिस, प्रेयसी, बल्लभा, रवनि, इदयेश्वरी। १४७. अद्धा—श्रादर, प्रेम, अद्धामान, सरधा। दे० 'इज्जत'।

१४८. श्रद्धालु—अद्धायुक्त, भ**द्धावान,** भद्रास्पट, श्रद्धी।

१४६. निदा-श्रवकीरति, श्रवकीर्ति, श्रवचार, श्रवयश, श्रववाद, श्रवस्त्र, श्रयश, श्राचेष, श्राक्रमण, उपहास, श्रू, कुख्याति, गईण, धिक, बदगोई, बदनामी, मर्सना, शिकायत।

१६० निदित—- ऋषकृत, श्र<mark>पमानित,</mark> - ऋाद्यिप्त, कलंकित, गर्हित, <mark>अुगुप्तित,</mark> - बदनाम ।

दे॰ 'बेइज्जत', 'बदनाम'।

१६१. निंद्नीय--कुल्सित, गईशोय, गर्ध, निंद, निंदनोय, निंद्य, नीच, बुरा ।

१६२. निद्क-- भ्रपवाटक, भ्रपवादी, चनाई।

दे॰ 'चुगलखोर'।

१६३. चुरालखोर—कर्योजप, चवाई, चुगला, चुगुला, नारद, पिशुन, खुतरा, सूचक।

१६४. चुरालस्वोरी— चुग्लस्वोरी, **चुगुली,** पिशुनता, पैशुन्य, समाना-चुमाना, खुतराई, खुदुरई।

१६४. चुगली करना— इपर का सबर करना, चुगली साना, नारह का सिम्प ्होना, नारद होना, लगाना, लगाना-क्साना।

१६६. प्रणाम—श्रभिवंदन, श्रभिवदना, श्रभिवदना, श्रादान, श्रादान, श्रादान, श्रादान, श्रादान-वेश्वरज्ञ, जयनागरी, जयभारत, जयभी, जयस्वदेश, जयहिंद, जयहिंदी, दडवत, नमन, नमस्कार, नमस्कुम्यम्, नमस्ते, प्रणात, प्रणाम, बदगी, रामराम, वदे, सलाम।

विलोम--'श्रनादर'।

१६७. प्रणास करना — अभिवादन करना, आदावरज करना, गोइ लगन', जैराम करना, जैहिंद करना, नमन करना, नमना, नमस्कार करना, नमस्ते करना, प्रणाम करना, पलगी करना, पावलगी करना, पैर छूना, प्रणामना, राम राम करना, बदे करना, सर भुकाना, सलाम करना, हाथ उठाना, हाथ जोइना ।

१६८. आद्रना—श्रादर करना, श्रादर देना, श्रादरना, श्रावमगत करना, ईज्जत करना, सत्कार करना, समाहत करना, सम्मान करना।

१६८. श्रनादर करना—श्रन्या, श्रना-दर करना, श्रनाहत करना, श्रपमान करना, श्रपमानना, श्रवशा करना, श्रवमान करना, श्रवमानना, श्रवहेला करना, श्रवहेलना करना, निरस्कार करना, निदरना, निराहर करना।

१७०. आशीर्षाद्—अशीस, असीस, काशिष, आशीः, आशीर्षचन, आशीर्षाद, हुआ, शुप्तवयन । १७१. असीसना—असीस देना, असीसना, श्राशीर्याद देना, दुश्रा देना, शुमकामना देना, शुभाशीश देना। १७२. शाप—श्रक्तवा, श्राभिशाप, श्राभि-स्वात, श्रवप्रह, श्राकोश, कोप, गाली, बद्दुश्रा, शाप, श्राप, स्वाप, स्वप। १७३. श्राशीर्वाद देना—श्रमं सना, खुश रहा कहना, दुश्रा करना, दुश्रा देना। १७५. शाप देना - श्राभिसापना,श्राकोशिस करना, कोसना, कोसना काटना, कोसाकाटी करना, पानी पीर्ग कर कोसना, बदकारना, बुरा भला कहना, शाप देना, भाप देना, सरापना, हूंमना।

(७४. शांपित—श्रमिशन, श्रमिशांपित, शापप्रस्त, अानित, सांपित ।

१७६. प्रार्थना—ग्रनुनय, श्रनुनय-विनय, श्ररम, श्रनं, इस्तवा, इस्तदा, इस्तद्वा, निहोरा, अशस्ति, निवेदन, मनौती, मिनति भिन्नत, विनना, विनय।

१७७. निहाज — श्रदन, इज्ज्त, स्यात, भ्यान, बेहाज ।

१७म. राजी हाना—मजूर करना, मान चाना, मानना, स्वीकार करना स्वाकृति देना, इत्मा भरना ।

१७६. ब्रहण्-ऋगोकार, उपसम, ब्रह्म, ब्रह्म, ब्रह्म, ब्रास, मज्र, स्वाकार।

१८०. त्याग— श्रस्पृद्दा, तकं, त्यजन, त्याम, निर्वेद, !तस्पृद्दा, पश्त्याम, वर्जन, बहिष्कार, वैराग वैराग्य ।

१८१. त्यागी—ज्ञतात, त्यागक, निर्लेप, निस्पृद, विद्यकारी, विरक्त, विरागी, वैरागी, वैराग्यप्राप्त ।

१प२. त्यागना---श्रलग करना, श्रस्तोकार करना, क्षोकना, टोस देना, दोसना, तबना, तर्क करना, तर्कना, त्याग करना, चूर करना, बदल जाना, पृथक् करना, मुख्य मोदना, इट जाना, इटना।

१६२. श्रॅगवाना—श्रॅगवाना, श्रंगीकरण करना, श्रंगीकार करना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेरना, श्रंपेना, श्रंगेजना, गहना, प्रहण करना, धारण करना, धारना, केलना, बरदाश्त करना, मंजूर करना, सहन करना, सहन करना, सहना, सिर पर लेना, स्वीकार करना।

दे॰ 'स्वीकार करना'।

१८४. राजी—श्रनुक्ल, तैयार, रजामद, सम्मत, सहमत ।

१८४. जो राजी न हो—श्रसम्मत, श्रसह-मत, ख्रिलाफ़, प्रतिकृत ।

४६२. स्वीकार करना — ग्रगीवार करना, श्रपनाना, प्रहण करना, पाना, प्राप्त करना, मंजूर करना, मानना, लेना।
दे० 'ग्रॅगवना'।

६८७. इनकार करना— प्रस्वीकार करना, इन्कार करना, नकारना, न मानना, नाम जूर करना, नाही करना, मुकरना। दे॰ 'छोडना'।

१८८. स्वीकार — श्रगीकार, प्रहण, मजूर, स्वीकृत।

२-६. इनकार—श्रनगीकार, श्रस्तीकार, श्रस्तीकृत, नकार, नामजूर, नाहीं।

१६०. स्बीकार्य - श्रमाकार्य, श्रस्याच्य, मह्मीय, मास्र ।

१६१. श्रास्त्रीकार्य-श्रनगीकार्य, श्रग्रह-कीय, श्रग्राह्म, त्याज्य, परित्याज्य, वर्ज्य। १६२. गृहीत-श्रपनाया, ग्रह्मित, मजूर। १६३. त्यक्त-कोड़ा, परित्यक, वहिष्कृत। १६४. स्वीकृति—इजाज्त, परवानगी ।
मंजूरी, रज़ामदी, राय, सम्मति, सदी, दाँ।
१६४. दान—क्रांहति, श्रांतसर्जन, श्रयवर्जन, श्रपंग, उपसर्ग, उत्सर्जन, श्रयन,
लैरात, ज्कात, त्याग, दानशीजता, दाय,
निर्वपन, प्रतिपादन, प्रदान, प्रदेशन,
प्रादेशन, बलिदान, मुक्त, विद्यापित,
विसर्ग, विसर्जन, स्पर्श, स्पर्शन।

१६६. **मॉगना**—उषार लेना, **बॉबना,** जाचना, मॅगनी लेना, याचना, या**चना** करना।

१६७ दान लेना – दान लेना, प्रतिम**दना,** परिग्रहना ।

१६८. लेना - उद्धृत करना, मह्य करना, इथियाना, इस्तगत करना ।

१६६. देना — ऋर्पण करना, ऋर्पित करना, चरणां पर रखना, धम्हाना, प्रदान करना, समर्पित करना, सौंपना।

२००. दानपात्र—दानब्य, दानपात्र, दानार्ष्, े देने योग्य ।

२०१. दानी — उदार, दयालु, द, दाता, दातार, दानकत्ती, दानकीर, दानशील, दानशींड, दानसागर, दानीय, दावक, दाक, दिवेया, देनेवाला, देवा, देवाल, पद, प्रदाता, प्रदायक, प्रदायी, बहुपद, महान्, महाशय, वटन्य, वदान्य।

विलोम-दे॰ 'कंज्स'। 'भिसारी'।

२०२. सावभान-फ्रवरदार, वैक्षय, चौकना, बौदस, संवेत, संवेतन, स्वय, सतर्क, सुवेत, दोशियार।

२०३. जस।वधान—शंघ, श्रयेत, सवसर्व, उम्मत्त, गाफिस, वेश्वरर, वेश्वय, संशाहीय । २०४. सावधानी—ख़बरदारी, चौकताई, चौकती, सतर्कता, सावधानता, होशियारी। २०४. श्रसावधानी —श्रवावधानता, गाफिली, बेख्वरी, बेपरवाही, लापरवाहो। २०६. सावधान हरेना—कान खड़ा होना, विचकना, विज्ञकना, भड़कना, सचेत होना, सतर्क होना, होश में श्राना, होशियार होना।

२०७. श्रसावधान होना—कान में तेल हालकर पड़ा होना, लापरवाह होना, सोना। 'श्रतात्रधान' के पर्यायों में 'होना' तथा 'श्रतावधानी' के पर्यायों में 'में रहना' श्रादि जोडकर श्रौर भी शब्द बन सकते हैं।

२०८. सावधान कराना—चिताना, चेत धराना, चेताना, चेताननी देना, चेतन्य करना, चौकस करना, जतलाना, खताना, बतलाना, बताना, याद दिलाना, सचेत करना, सतक करना, सावधान करना, सूचित करना, स्मरण दिलाना, हांश दिलाना, होशियार करना।

२०६. साहस — निगर, जानट. पुरुवार्थ, हिन्मत. हियाव। माहसी के लिए दे॰ 'उत्साही'!

२१०. दुस्साह्स-त्रशालोनता, दिठवना, दिठाई, धृष्ठवा ।

२११. उमगना — उस्साह में होना, उत्धा-हित होना, उमगना, उमगित होना, जो ह में साना।

२१२. ब्रस्साह—इक्षाह, उफनन, उफान, दशक, उमंग, दमग, उमगन, उमाह, दशक, उहसास, बाब, बोश, बोशकरोश, क्षाइच, दारक, प्रोत्वाह, पराक्रम, बादवल,

साहस, हिम्मत, हियान, हुलास, हौस, होसला । दे॰ 'साइस' । २१२. ऋ झाशा--त्राध, ऋाव, ऋावा, त्रांसरा, उमेद, उम्मोट, भरोसा । २१२. ऋा निराशा - नाउम्मेदी, निरा-शता, नैराश्य, बेग्नासा, बेभरोसा, इरास । २१३. नाउम्मेदी-उत्ताहहीनता, दाद्ध-होनता, निराशा, हताशता, हतोत्साहता । दिसंचला, २१४. उत्साही —उद्घाही, दिलावर, दिलेर, पराक्रमी, साइसिक, साइसी, हिम्मतवर, हिम्मती, शैतलामद । २१५ नाउम्मेद-उत्साहहीन टंहा, ना-उमेद, निराश, निराशो, निरास, रसम, इताश, इतास, इतोन्माह। २१६. प्रेरागा — उत्तेत्रना, उत्साह, प्रोत्साहन, बदावा । २१७. प्रराण देना-उत्तेषित करना, उत्साह बढाना, उत्साहित करना, उमकाना, प्रेरेत करना, बोल्साहित करना, बदावा देना ।

⊭रद, प्रेरक—उत्तबक, उत्साहक, प्रोत्सा• इक्रा

२१६. मरदाना--ऊर्बस्वो, पौक्षवृक्त, वोर्यमुक्त, वार्यम्बा, मर्द, सगौक्ष । २२०. नपुंसक -क्कोब, कापुक्ष, क्लिर, नानद, मुख्रत्रस. पृंसल्यहोन, वर्षवर, शंद, षठ, सर्द, हिनहा, होकहा।

२२१. मरदानगो--मादमियत, इनसानित, पुंसत्व, पुरुषत्व, पौरुषत्व, मरदर्र, मरदा-नगो, मदुमा।

२२२. नपुंसकता —क्नोबल, क्लोबला, नपुंतकल, नामरी, दिवदापन । २२३. चाद्मियत-इनसानियत, मनुष्यता, मनुष्यत्व, मदुमी।

२२४. चिता—श्रतभीवना, श्रांदेशा, श्रांदोह, श्रटक, श्रानमन, श्रावते, श्रांघा, श्राध्या, श्राध्यान, श्रावते, उलभान, उत्कटा, उद्वेग, कातरता, खभार, खटक, खटका, खुटका, चित, चितन, चितना, चितिया, उठ, तरद्दुद, तश्वोश, त्रास, दुचितई, दुचिताई, दुविधा, ध्यान, परवा, परवाह, परिभावना, फिक, फिराक, भय, भावना, विधाद, विसूर, शका, शोच, सुरति, सोच, स्मृति, हगस, हूक। विलोम—'शाति'।

२२४. चिंता करना—चिंतना, चिंतत होना, फ़िकर करना, फिक्र करना, शोक करना, खोगना, सोच करना, सोचना। विशेष—'चिंता' के पर्यापों में 'करना' या 'में पड़ना' श्रादि जोड़ कर 'चिंता करना' के श्रीर भी पर्याय बनाए जा सकते हैं।

२२६. चितित—श्रतमंन, श्रकल, श्रचेत, श्रघीर, श्राकुल, श्राकुलित, श्रातुर, उद्धिन, स्नोभित, खिन्न, गहवर, चिता कुल, चिताप्रस्त, चितातुर, चितायुक, दुचित, दुचिना, दुदिला, टोचिन, दुर्मन, फिक्रमस, फिक्रमस्त, विकल, वेकल, वेकल, वेकल, विद्याप्त, व्यथ्न, व्यस्त, व्याकुल, व्याकुलचित्त, श्रकावुल, संभ्रात । २२०. निश्चित—श्रचित, श्रवित्त, श्राहाद, निचित, निर्भय, निशक, वेपरवाद, वेफिक, श्रोचरहित, लापरवाद, सुचित । दे० भस्त'।

२२८ निश्चितता—बाझाशे, विता-विशेनता, वेपरवाशे, वेफिक्री, मस्ती, लापरवाहो, सुचिताही।

२२६. शंका—श्रंदेशा, श्राशंका, श्रनिर्यंव, हर, त्रास, दगदग्र, दुचिताई, दुचिताई, भय, शक, श्रुवहा, सदेह, संशय, संस, ससई, सुवहा।

२३०. सदिग्ध-श्रिनिश्चित, सदेहपूर्ण, सशयात्मक।

२३१. दुबिधा— श्रदेशा, श्रसम**बस,** श्रागापीसा, दुबिघ, पशोपेश, **बह्म,** संकोच, हिचक, हिचकिचा**ह**ट।

२३२. हिचकिचाना - श्रटकना, श्रट-पटाना, श्रागांपी छा करना, करमसाना, दबना, भेंपना, पशोपेश में पदना, दकना, सकोच करना, संगोचना, सकुचना, सकुचाना, सदेह में पड़ना, सश्रामित होना, सिटापेटाना, हिचकना, हिच-किचाना।

२३३. भय-- अदेशा, अंदक, अकथक, आतक, खरखशा, खमार, खौफ, बर, दगदगा, दहशत, भय, भित्त, भी, भीति, भीक्ता, भीक्ताई, भै, शंक, शंका, सकोच, सशय।

२३४. भयभीत होना—ग्रपडरना, श्रातवित होना, कॅपना, कॅपकॅपाना, कॉप
उठना, कांपना, खौक करना, करना,
ग्रस्ता, डेराना, त्रास खाना, बरकना,
धरथराना, धर्मना, दहरना, दहलना,
दहरात खाना, भगरना, भय खाना,
भयभीत होना, भयाकुल होना, भयाका,
भीरना, मभहरना, हांकना, शंकाकाव होना, शंकित होना, संकुष्णित होना, संत्रस्त होना, सशंकना, सशंकित होना, स्तमित होना, सहमना, सहरना, सहराना, सिहरना, हहरना ।

२३४. भयभीत करना—श्राशंकित करना, कॅपाना, डरपाना, डरवाना, डेर-बाना, डेराना, शसना, शासना, धमकाना, मभराना, भ्वहराना, संकाना, सर्शकना, सशकित करना, सहमाना।

२) ६. धाँख दिखाना — ग्रांख भौ चढाना, ग्रांखें दिखाना, घुइरना, घुरना, तरेरना, तोइय हिंड से देखना, त्योरी चढाना, त्योरी बढलना, लाल ग्रांखे करना।

२३७. भयभीत —श्रातिकत, कंपित, कानर, बोभित, चिकत, चौकन्ना, त्रस्ति, त्रस्त, शास्ति, भयभीत, भयाकुल, भयातुर, भीत, भीर, भीक, भैहा, शंकित, सशंक, सशंकित, हौलदिल।

२३८. होत्रा—कटाऊँ, गो गो, जूजू, भकाऊँ, हाऊ, होवा।

२३६. भीर — श्राधादिल, कातर, कायर, कृर, इरपोक, इरपोक, बुज्दिल, बेहिम्मत, हिम्मतहीन

२४०. निर्भय-श्रव्यद, श्रद्धोभ, श्रदर, श्रदंड, श्रवभय, श्रभय, श्रशंक, श्राजाद, निडर, निर्भय, निर्भोक, निर्भेत, नि.शक, श्रयस्थ, वेखीफ, वेघइक, साहसिक, हिम्मत-यर, हिम्मती।

रिक्षरे भीवना —कातरता, कायरता, कूरता, क्रपन, बरपाकपन, बुलादेली, भीकता, मोकताई।

े १४२. जिर्भयता — अपभय, निडरपन, विडरपना, निर्मीक्ता, नेप्नीफो, नाइउ, किस्ता। २४३. भयानक — श्रशोर, उम, कराल, कराली, कूर, खतर, खंखार, खौफनाक, घोर, चंड, इरावना, प्रचंड, विकरार, विकराल, भयंकर, भयद, भयपद, भयान, भयानक, भयावन, भयावह, भीम, भीषख, भीष्म, भैजन, भैदा, मैरव, कह, रोम-हर्षण, लोमहर्षण, विकट, विकराल, हीलनाक।

२४४: भयहारी —भयनाशक, भयमोचन, भयहरख।

२४४. कॉंपना—कॅंग्ना, कॉंना, घबड़ा जाना, डर जाना, घरधराना, घरौना, विकर्षित होना, सिहरना, हहरना ।

२४६. **धमकी** —धुडकी, डपट, <mark>डॉट,</mark> डाट-डपट, ताड्न, ताड्ना, द**६शत,** क्षिरवनियाँ।

४७. धमकाना — श्रांख दिलाना, श्रातं-कित काण, घडका, घडका देना, डपटना, डॉटना, डॉटना-डपटना, तांसना, टइनाना, धमका देना, धिरवना, धिरव-नियाँ देना, पटकारना, फिटकारना भव दिलाना, इहणना।

२४८. घुड्कना—मुड्कना, मुड्को देना, घुड्कनः, डयटना, डॉटना, भाइपना, भिड्डनः, फटकारना, ज्यिदना।

२४ - धाक- - श्रक्षक, श्रवडर, श्रवभव, श्रातक, श्राशका, द्योम, खटका, खतरा, असन, असन, इन्टन, दर्प, प्रभाव, भंमोर, रोन, शका, सहम, समा, साका, सख, हराम, हवल, इहर, होल।

२४८ भाक जमना--धाक बॅमना, चाक बैठना, घाक होना, रोव गर्लव होना, रोव अमना, रोव होना, रौव अमना । २४१. धाक जमाना—धाक जमाना, धाक बाँधना, धाकना, रोव गाँठना, रोव गालिव करना, रोव जमाना ।

४४२. घाकड़-तेज, तेज़तर्राक, मर्द, रोब-इल, शेर, हिम्मती।

२४३. विश्वास— इतनार, एतनार, पति-यारा, परतीत, प्रतीति, प्रत्यय, निस्वास, निसास, भरोसा, भाव, यक्रोन।

२४४ विश्वास करना—एतबार करना, पतियाना, प्रतीति कग्ना, प्रतीति मानना, मानना, यक्नीन करना, यक्नीन रखना।

२४४. विश्वसनीय— क्राबिलेइतबार, पर-तीतो, विश्वस्त, विश्वासपात्र, विश्वासी ।

२४६. श्रविश्वसनीय—श्रविश्वासी, विश्वाध्याती, विसिन, वेएतवारी।

२<mark>४७. विश्वा</mark>सघात—श्रवघात, कपट, <mark>क्र</mark>ुल, भोका ।

२४८. बिद — कुद्दन, खिजलाइट, खिम, बोज, खीम, मल्लाइट, मुंमलाइट, रोध।

२४६. चिढ्ना—कुढ्ना, किटकिटाना, खिजलाना, खीजना, खीभना, चिढ्-चिडाना, भल्लाना, भीखना, विगडना, रिगना, सदराना। दे० भीधित होना ।

६६०. चिद्राना—श्रीग्साना, श्रनखाना, कुढ़ाना, खिललाना, खिफाना, चिद्राना, रिगाना।

२६१. स्पद्धी--उपगचदी, उपगीउपरा, चढ़ानगरी, प्रतिद्वंदिता, शेस, होइ। २६२ इंड्यी--श्रच्चमता, श्रनख, श्रास्या, ईपर्या, ईपी, इंप्या, कुढ़न, सार, जलन, बाह, द्वेष, द्वेप्रण, मत्सर, मत्सरता, रश्क,

राग, रोस, बिद्रेष, विरोध, वैर, शत्रुता, सालु, इंस, इसद, हिसका, हीस। २६३. ईर्ष्या करने पाला-क्रक्तव्युरा, अदेखों, ईषोंखु, डाही, मत्तरी। २५४ कतन्न — अकृतरा, कृतव्नो । २६४. कृत**ञ्च**-श्रनुगृहोत, श्रामारी, श्र**सी,** एहरानमंद, ममनून, शुक्रगुनार। २६६. कृतभ्रता-- श्रकृतश्रना । २६७. कृतज्ञता— श्राभार, ऋषा, एइसान । २६८. धूर्त-- ऐबी, बपटी, बितव, कुटिल, चुद्र, खल, खोट, खोटा, चतुर, चालाक, चालिया, चाली, चुलबुला, छुद्मा, स्ल-छंदी, छलहाई, छलिया, छली, खुद्द, बिसा, ठग, दगादार, दगाबाज़, दुराचारी, दुर्बन, दुष्ट, धूत, घोखेशज़, नटसट, प्ररेबी, प्रवंचक, बदमाश, बचक, मक्कार, माया-विनी, मायावी, मायिक, हुरचा, बंचक, व्याची, शरीर ।

२६६. धूर्तता -- कपट, कुटिलता, कुटिल-पन, कुटिलाई, सोटाई, चतुराई, चास, चालवानी, चालाकी, इल, कुस्इद, छनित्र, छलाई, टगपना, दगा, दगा-बानी, दुर्जनता, दुष्कर्म, दुष्टता, नटसटता, नटखटी, पानीपन, पानीपना, बदमाशी, मक्कारा, वजकता, शरारत।

२७ . धूर्तता करना—कृटिलाई करना, छलछ इ करना, छलना, ठगना, खाल चलना, चालबानी करना, खटना, धोला देना, प्रबंचना देना, धरमाना, सुलवाना, सुलावा देना, भ्रम में डालना, बंचन करना, बंचना देना।

२७१. बदमाश--श्रावारा, गुंबा, नंगा,

नंभा, बदमास, कुष्चा, लोक्रर, बारा, शरारती, शरीर, शोहदा।

२७२. बदमाशी—म्रावारापथी, गुंडई, नंगपना, नंगई, नंघई, क्रुच्चई, लोफरी, शरारत।

२७३. स्वार्थ-श्रपरती, खुदगर्नी, गरज़, मतलब, स्वार्थता, स्वार्थपरता।

६७४. स्वार्थी - खुदगरन, गरन्मद, गर्नी, गरन्, मतलबो, स्वार्थपर, स्वार्थ-परायण, स्वार्थान्छ।

२७४. मिन्नता— अनुक्लता, त्रप्रतिक्लता, अपिक्सता, इटाई, दोस्ताना, दोस्ती, मिताई, मिन्नता, मिन्नल, मिनाई, मुन्ना-फिक्ता, मैन्नी, याराना, यारी, सस्य, सस्यता, सौहार्द, सौहार्द्य।

२७६. राष्ट्रता— अकरा, त्रदावत, त्रनवन, अनरम, खटपट, गंस, गाँठ, चिढ़, अगडा, दुश्मनी, द्रेष, प्रतिकृत्तना, विगाइ, दुआलिकत, मनमोटाव, रिखश, रिपुटा, लड़ाई, लाग, लागडाँट, विदेश, विदेशग, विद्रोह, विद्रता, विरोध, वैमनस्य, वैग् शुक्षाई, सतुरता।

२७७. संग— संग, सगत, सगति, सगसाथ चद्यार, बद्दास, सोहबत, हेलमेल

२७८. पष्टना- चलना, दोस्ताना होनः, होस्ती रहना, दाँत कारी रोठो होना, विभना, बनना, मित्रमाव होना, मैत्री होना।

५७६. न पटना — दुश्मनी होना, विगङ्गा,
 विगाङ् होना, वैर होना, वैमनस्य होना,
 कृषा होना।

क्क**ः स्वाहना—कलइ करना,** जूसना, क्कि**शक करना, भागका, स्वाहा करना**, भगरना, बक्भक करना, भिड़ना, तकरार करना, मुँहबोरी करना, मुहाँ मुँही करना, लड़ना, लड़ाई करना, वादाविवाद करना, विवाद करना, हुजबत करना।

न्दश सगहालू—कलहकारी, कलहप्रिय, कलहारी, कलहा, भगहालू, भगही, भगरी, लहाक, लहाका, लहाका।

२८२. लड्ना (युद्ध)—बंग चढ्ना, जग जुरना, जुकार करना, जूकना, कपकना, कपटना, मिड्ना, मारकाट करना, युद्ध करता, रंगमचाना, लड्ना, लडाई करना!

२८३. विरोध—ऋनैक्य, प्रतिकृतता, विप-रीतना, विपन्नता । दे० 'शत्रुना ।

२८४. विपर्त्ता — प्रतिदन्दी, प्रतिप**र्त्ती,** प्रतियोगी, प्रतिवादी, प्रतिस्पर्दी, मु**जालिफ,** विपत्ती, विरोधी, स्प**र्द**ी। है० 'शत्रु'।

२०४ अनुकूल-ग्रप्रतिकृत, ग्रविषद, वन्न भे, मुत्राधिक।

व्हः प्रतिकृत—श्रमनुकृत, उत्तरा, खेलाफ, विरुद्ध ।

६८७. चढ़ाई—अभिक्रमण, स्रियान, स्राक्रमण, श्रारोहण, प्रयाण, घावा, यान, व्या, इमला, इल्ला।

२८८ विजय-उन्नित, जय, जयभी, जित, जीत, जैत, गत्र, फते, फतेह, फत्ह, विजय, जिजै, विभव वृद्धि।

२८६ : हार - श्रजय, स्रपंजय, स्वयनति, पराजय, पराभव, अंग, शिकल, शिकस्तगी, इराई, हार ।

२६०. विजयी—जयत, जित् वितवार, वितवेपा, जित्वर, जेता, जैतवार, फ्रतेहमद, विजयक, विजयशील, विजयो, विजेता। २६१. हराना — श्राकांत करन, थकाना, दबाना, पराजय देना, पराजिय करना, पराभृत करना, परास्त करना, पीछे, हटाना, विजित करना, शिकास्त देना, शिथिल करना, हार देना। दे० 'जीतना'।

२६२. हारना — आकात होना, पराजित होना, पराभूत होना, परास्त होना, पीछे इटना, विजित होना, शिकस्त खाना, शिथिल होना, हार खाना।

२६२. जीतना—फतह पाना, फतहम्राब होना, विजय श्री हाथ रहना, विजयी होना, विजित करना। दे० 'हराना'।

२६४. श्राचरण-श्राचरन, श्राचार, श्राचार-विचार, चरित, चरित्र, चलन, चाल, चाल-चलन, रइन-सइन, विचार, ज्यवहार, शाल।

२८४. श्राचरना - श्रचरना, श्राचरण करना, व्यवहरना, व्यवहार करना ।

६६६. स्त्राचरण करने योग्य-शाचर-यािय, करणीय, करतब्य।

दृहणः सदाचार—ग्रदन, श्रृजुता, कायदा, तह्जीन, भद्राचार, भलमनसत, भलमन-साहत, भलमनसी, शराफत, शालीनता, शिष्टता, शिष्टाचार, शोलता, शुभाचार, सन्जनता, सज्जनताई, सदाचरण, सम्यता, साधुता, सुजनता, सौमन्यता।

२६८. दुराचार—दुर्जनता, बदतहताबी, श्रात्याचार, श्रष्ठालीनता, श्रसज्बनता, वेश्रद्बी, बेक्रायदगी।

२६६. व्यक्षिचार—ऐयाशी, ऐश, ऐश-भ्रागम, कुकर्म, ग्राप्यकर्म, घाट, किनार, किनारा, किनाल, जेना, बलात्कार, भोग, भोगविलास, बिषय, विषय-बासना । दे॰ 'मैधुन'।

२००. सदाचारी - ऋषु, बाग्नदब, बाब-हज़ीब, भलेमानुस, शालीन, शिष्ट, सबन, सज्जन, सभ्य, सरीक्ष, सहृदय, सदाचारी, सुशील। दे० 'बर्मातमा'।

३०१. दुराचारी — म्रत्याचारी, म्र**शाकीन,** म्रशिष्ट, म्रसज्बन, हुर्जन, बदतहतीन, बेम्रदव। दे० 'पापी'।

३०२. व्यभिचारी—श्रधम, कामवान, कामाद्वर, कामी, कामुक, कुकर्मी, कुस्सित, कुपयगामी, कुमागी, प्राध्यकर्मी, बटिहा, छिनारा, छिनारी, तुश्चरित, दुश्चरित, नण्ट, पितता, परस्रीगामी, भोगी, बट, बटकार, बदचलन, बिलासी, बुहा, बुरा, मेहग, विलासी, विषयी, लुच्चा, स्त्रेण।

३०२. पुराय---श्रनभ, उत्तमश्लोक, किलि. धर्म, पावन, पुराय, पुन, वृष, शुभादण्ट, शोभन, अय, सन्कर्म, सुकृत, सुनंदि । दे० 'सटाचार'।

३०४. पाप—श्रहत, श्रम, श्रास्यय, श्रास्था-चार, श्रधमं, श्रानमाख, श्रापकमं, श्रापक्रांत, श्रपधमं, श्रपराभ, श्रापबाद, श्रश्चम, श्रद, उपपात, एन, एनस, कल, कदन, कर्षम, कतुर, कलम्ब, कलम्ब, कलिम्स, कल्ख, करूक, कश्मल, किल्विष, किल्विष, कल्ख, कृतात, गुनहगारी, गुनाह, दुटिहण्ट, दरित, दुरिष्ट, दुश्यिटत, दुष्कृत, होब, दंख पातक, पाप, पापक, वृक्षिन, श्रम्बक दे० 'सुराचार'।

३०४. धर्मात्मा—धर्मातमा, धर्मा, धार्मिय शुमकर्मी, शुभाचारी, सदाचारी । २०६. पापी—श्रची, गुनहगार, गुनही, कुण्टारमा, दोषो, पात हो, पापकर्मा, पाप-चारी, पापारमा, पापी, पामर।

३०७. पापनाशक—श्रवहंता, श्रवारि, वापनाशन, पापनाशी ।

३०८. पाखंड — आडंबर, खंद, खुतखंद, दक्षेत्रका, दांग, दोंगवाज़ो, घंबला, पखंड, पहंडक, बनाव, बनावट, मिध्याडवर । ३०६. पाखंडी — आडंबरी, ऊपरी, दोंगी, दक्षेत्रकावाज़, दिखावटो, घर्मेष्वची, पहंडकी, पखंडी, बगुजामगत, बनावटो, बहानेबाज़ ।

११०. कुकर्म-श्वनमं, अपकरम, अपकर्म, अपकारन, अपकार्य, अपकृत्व, कुकरम, तुष्करम, तुष्कर्म, तुष्कृत्य, पाप, किल, बर्फेल । दे० 'तुराचार' 'पाप' ।

३११. ग्रुभकर्म—दे॰ 'सदाचार' 'पुरव'।
३१२. कुकर्मी—अपकरम, अकर्मी, अपकरमी, अपकर्मी, कुकरमी, दुसकरमा,
दुष्कर्मी, दृष्कृती। दे० 'दुराचारी', 'पापी'।
३१३. सुकर्मी—श्रुभकर्मी, सत्कृती। दे०
'सदाचारी', 'धर्मात्मा'।

३१४. कलंक — अगराम, कल्लम, टाग्,
दूषम, दोम, भग्ना, लाक्ष्म । दे॰ 'गाप'।
३१४. कलंकिन— अकलकी, कलंकी,
कल्लाकित, कल्लाम, गा, पूपन, लाक्षित ।
३१६. सपराध — अभियोग, कत्य, ख्यानी,
कलती, गुनाह, दूपम, दोष । दे॰ 'पाप'
'कलंक', 'दुराचार'।

११७. निरपराधो —निदाष, निरपराधो, निद्धास, निदीष, निदीषा, बेकसर, वेगुनाह, वेदाग्र, साफ, स्वय्झ । ११८. खाराधा — प्रपराषो, कलकित,

**

श्रमियोगी, कस्रमंद, कस्रवार, कस्री, लोट, लोटा, गुनहगर, गुनहो, गुनाही, दोली, दोष्युक, दोषी, पापी।
३१६. दूषणीय—दूषनाय, दूष्य।
३२०. दूसरे पर दोष लगाने बाला—दूषक।

३२१. लाज—श्रनी, श्राकुंठन, श्रावस्, श्रार, कानि, खिसी, ग्रैरत, त्रक, भेंप, तकल्लुफ, त्रपा, पत, मदाख, मंदास्य, गुरव्यत, लब, लब्बा, लिहान, त्रोब, त्रीहा, शरम, शर्म, सकोच, धकुचाहट, तकुचाई, सहम, ह्या, ही, होस्व।

३२२. लंब्जाशील — प्रप्रतिम, लिसौंहा, मुरव्यतो, लबाधुर, लबाखु, लबोला, लबोर, लबोहा, लबौंहा, लब्बावान, लब्बाशील, शर्मीला, सकुचौंहा, संकोची, सलब्ब, इयादार, ह्यावान।

३२३. लञ्जावती--लजीली, लम्बावती, लम्बाशील, शर्मीली।

३.४ निर्लेज — अपत, निलबी, निलब्ब, निलब्बी, निर्लंब्ब, निर्लंब्बी, निः-सकोची, बेशस्म, बेशमी, बेह्या, बोह्योन, सकोचहीन, सकोचित्हीन, ह्याहीन।

१२५. लङ्जाशीलता—तकल्लुफी, शर्मि-दगी, सकाच, इवादारी।

३२६. निर्लेज्जना—श्चपतई, दिठाई, निलजता, निलज्जना, वेशरमी, बेह्याई, रिजानी, व काहीनता ।

१२७. लाँग्जत -भाषेत, भौग, लान, लाँग्जत, श्रामिदा, सकुचित, बोहाबनत। १२८. लाजाना -चपता, भौरता, भेरता, लाजाना, लाजित होता, लाज करता, बोहा करता, बोहानत होता, शर्म के गड़ना, शर्म से पानी-पानी होना, शर्माना, शर्मिन्दा होना, संकोच करना, सकपकाना, सकुचाना, सिमटना, हया करना।

३२६. लजवाना—गइवाना, भिपाना, मेंपाना, लज्जित करना, शर्मवाना, शर्मिन्दा करना, संकुचित करना।

३३१. मस्त-श्रलमस्त, श्रोदर, श्रोला मौला, मन्न, मतवाला, मस्त, मदपूर्ण, मदोन्मत्त, मनमौजी, मस्ताना, लहरी, सैलानी।

३३२. फिकरमस्त-कामकाची, कामकाजू, कार्यव्यस्त, व्यस्त ।

३३३. मस्ताना— श्रलमस्त होना, मत्त होना, मस्त होना, मस्ती में श्राना, मौज में श्राना, मौज में होना, लहराना।

३२४. मस्ती—श्रलमस्तो, उन्मत्तत्ता, लोवन, लीवनि, निश्चितई, निश्चितता, फरागत, मत्तता, मत्तताई, मतवालापन, मदोन्मत्तता, मौन लहर, लापरवाही, सुचितई, सुचिताई, सुचिताही।

१२४. पागल—उन्मत्त, मनकी, दोवाना, धुनवाला, परवाना, बावला, मूर्ख, विद्यिप्त, सनकी, विद्रो।

३३६. ठीक--चैतन्य, शात, होश में।

३३७. पागलपन—- उन्मत्तता, भक्क, धुन, सनक, सिंद्र।

३२८. पगलाना—उन्मत्त होना, दिमाग् स्वराव होना, पागल होना, प्रमत्त होना, बाई लेना, बावला होना, सनकना, सनकी होना, सर उलटना।

३४६ धुन- चक, सक, दबरी, दौरी, धुन,

रट, रर, लगन, लगनि, **लाग, लौ, सम्ब**, इवा ।

३४०. सन्मत्त- उत्कट, उन्मत्त, उन्मादी, चीव, खफ्ती, खब्ती, पागल, बाउर, बावरा, बावला, मत्त, मतवार, मतवारा, मतवाला, मतिभ्रष्ट, मदी, बौराह, विच्चिप्त, शौंड, सनकी, सिंही।

२४१. जन्माद्—उनमत्ता, उन्माद, स्वस्त, खन्त, चित्तविश्रम, जुनून, कल्ल, दोवाना पन, पागलपन, बावलापन, श्राति, वद्द-श्रुत, सनक, मिड, सिडीपन, सौदा।

३४२ इडज्न-ग्रदब, श्रिष्यम, श्राबर, श्रादरभाव, श्रादर-सत्वार, श्राबरू, श्राव भगत, श्रास्था, ऐश्वर्य, कदर, कीरिंद, कीर्ति, ज्ञातिर, ज्ञातिरवाना, ज्ञातिरदारी, ज्ञातिरों, गौरव, यत, यतपानी, परिभिति, प्रतिष्ठा, पुरस्कार, पूजन, यूजा, बड्ण्यन, बडा़ई, महत्व, महानता, मान, शिष्टाचार. सत्कार, सन्मान, समादर, सन्मान।

३५३. इच्छत करना— श्रर्चना, श्रादर देना. श्रादरना, इज़्तत देना, पूजना, प्रतिष्ठा देना, मानना, भद्रा देना, सम्भान देना, सम्मानना ।

३४४. इज्जातसार—श्रादरप्राप्त, श्राहत, गौरवशाली, पूजित, मानित, मानी, सम्मा-नित । दे• 'माननी', 'मशहूर' ।

३४४. बेहरूजस-ग्रनाहत, ग्रयक्रत, श्रय-मानित, श्रवज्ञात, श्रवहेलित, स्वार, ज्लीम, तिरस्कृत, परिभूत, वेशायक, वेकृद्र। दे० निदित।

३४६. बेइड्जत करना— अपमामना, श्रवक करना, श्रवहेलना, श्रवहेला करना, इक्ष्म उतारना, ज्लील करना, मिदरना, पानी उतारना, प्रतिष्ठा भग करना, वेश्रावरू करना, वेहज़्ज़्ती करना।

दे४७. बेइज्जल होना—श्रपमानित होना, जलील होना, बिल्ल्त उटाना, जिल्लत पाना, निराहत होना, नेपानी होना।

३४८. बेइज्ज्ञती—श्रनादर, श्रवकर्ष, श्रय-कार, श्रयमान, श्रप्रतिष्ठा, श्रमरन, श्रवशा, श्रवहेलना, श्रवहेला, क्वारी, जिल्लन, तिरस्कार, नामूमी, निरादर, बेइज्ज्ञती, बेक्दरी, मानदानि, हतकइक्ष्रन। देव 'निदा'।

३४१. मशहूर—स्यात, स्यातिप्राप्त, भाकड, नामवर, नामी, प्रकाशमान, प्रस्यात, प्रमद्ध, विख्यात, सरनाम।

३४०. बदनाम—कुरूयात, नवरो, नामबृद । दे॰ 'बेइएअत' ।

३४१. मशहूरी—ख्याति, अस, नाम, नामवरी, प्रसिद्धि, यश, विरद, शोहरत, शोहरा।

३४२. बदनामी —कुख्याति, नामतल्ती। दे॰ 'बेइजबती'।

३४३. बशस्वी—कीर्त्वमान, नामवर, बसी, नेकनाम, यहा, यशाल ।

१४४. माननीय-- आदरखीय, ईज्य. तथ-मान्य, गर्य, गर्यमान्य, परमेज्य, नम-तीय, पूजनीय, पूजमान, पूज्य, प्रत्यनीय, पूज्यपाद, प्रतीद्य, माननीय, मान्य, बंद-नीय, अद्यंय, भेज्ड, बर, वर्य, सम्मान्य, समस्थीय।

३४४. प्रशंसा—श्रीभवंदन, श्रीभवंदना, इभिवादन, गुर्वाकीर्तन, वत, तारीफ़, प्रचंता, प्रशस्ति, वसान, वडाई, महिमा, यश, श्लाबा, सराह, सराहना, स्तवन, स्ताब, स्त्रुति, स्तोत्र, स्तोम ।

३४६. धिककार— मिड्नी, डॉट, डॉट-डपट, डॉट-पटकार, तर्जन, युक्का-फ़बीइत, युक्की, युक्की युक्की, दुतकार, धिक, धिरकार, फटकार, फिटकार, मर्स्सना, लथाइ, लानत, लानतमलामत, लिथाइ।

३४७. ऋपनी प्रशंसा—श्रात्म-प्रशंसा, श्रात्मश्लाचा।

३४८ प्रशंसनीय—श्रभिवंदनीय, कथनीय, क्राबिहेतार पा, प्रशस्य, वर्षानीय, शलाध-नीय, शलःध्य, सगहनीय, स्तवनीय, स्तबि-तय्य, स्तब्य, स्तोतब्य, स्तोम्य ।

३४६. प्रशंसना—तारीक करना, प्रशंसा करना, श्रन्छा कहना, तारीक करना, बखान करना, बखानना, बढ़ाई करना, बश गाना, विरद् गाना, सराहना करना, स्तवन करना।

३६०. धिवकारना—श्रपवाद करना, खरी-कोटा सुमाना, भिडकना, भिडकी देना, तिरस्कार भरना, थूकना, खूडो खूडी करना, खू थू ३२-१, दुतकारना, दुटकारना, धिकारना, निद्या, निटा करना, फट-कारना, फिटकारना, फिटकार सुनाना, लानतमलामत करना।

३६१. सिमकारना- श्रनाहर करना, श्रवश करना, श्रवहेलना करना, श्रवहेला करना, श्रभका करना. उपटना, समस-कारना, सटकना, भिमकारना, सिट बारना, भिड्डन, श्रोटना, फटकारमा, तिरस्कार करना, हुतुकारना, इटाना। ३६२. शुद्धि-श्रक्त, शिहन, लेहन, दिमाग्, चारखा, घी, वृक्ष, बृक्षन, मस्तिष्क, समक ।

मस्तिष्क, समभ । ३६३. बुद्धिमान् — अकत्तमद, अभिक, श्रह्लमंद, ग्रागर, कुशल, कृती, कोविद, चतुर, य्यानो, जहोन, जानकार, ज्ञानी, इच, दिमाग्दार, दिमाग्रो, भीमान, नागर, निष्णात, बुबवान, बुद्धवान, बुद्धि-बान, बुद्धिवंत, बुद्धिशालो, बुद्धिशोल, मतिगर्भ, मतिमत, मतिमाइ, मतिवत, मनस्वो, मनीषि, मनीषी, मेघावो, लायक, विक, विदग्ब, विवेकवान, विशारद,समभ्द्रार, सयाना, सुरता, सुराप, सुरापी, हुतियार, हुस्यार, होशियार । ३६४. बुद्धिहोन —ग्रह, ग्रहानी, ग्रनबान, अपद, अपतिम, अनुभ, अनाप, अहमक, उद्दु, उबनक, गॅशर, उल्लू, कुदबेहन, गदहा, गावदी, गोबरमनेश, घपुत्रा, षपोकानद, षप्पू, धाच, पोचू, चुप्पा, बड, नासमभ, निबुद्धि, पडितम्मन्य, पंडित्याभिमानो, पागल, बिजयाटिक, ब्द्रपूर्व, बदवावला, बाँगडू, बाउर, बावर, बावला, बुद्धि विशन, बुद्धिहन, बुद्धिहीन,

मूरस, मूरस, मूर्व, लठ, लंठाविराव, शिकारपुरा, सुस्त, स्तन्धर्नात, इतबुद्धि । ३६४. बुद्धिमाना —श्रक्तमदो, श्रमिकता,

बुद्, बेग्रस्ल, बेनक्फ, बोदा, मकुन्ना,

भुववह, भेंत, भोंदू, मंदबुद्धि, मूद,

श्रामरता, कुशनता, ज्ञान, नहनियत, श्रामकारी, दक्ता, बुद्धिशीनता, मेधाबिता, सायकियत, समझदारा, होशियारी।

३६६ बुद्धिहीनता-श्रज्ञानता, श्रपटुत्व, श्रपाटव, उबदुपन, गदहपन, कुंदलेहनी, क्रियपना, बहता, बहताई, बहत्व, बहालत, नादानी, नासमभी, पागलपन, बाँगकूपन, वेश्वकली, मूद्रता, मूद्रताई, मूरलपन, मूर्खता, मीर्स्य, लंडता, लंड-ताई, वेवक्षी। दे॰ 'श्रक्ता'।

३६०. चतुर--श्रमुग्ध, श्रमूक, श्रमूढ, उस्ताद, ऐयार, कपटी, कुराल, घटी, चंट, चगढ़, चतुरा, चालबाल, चांडं, खंलिया, खली, धानपनी, वुनियादार, दुनियाबी, धी, धूर्त, धोके-बाल, नागर, निपुण, पढु, प्रतारक, प्रवीण, मुक्तभोगी, सयाना, सुधड़, हन्नरत, हिरफतबाल, होशियार। दे० 'बुद्धिमान'। ३६८. चतुराई — उस्तादी, ऐयारी, कपट, कुरालता, कीराल, चतुर्दं, चतुरता, चतुरपन, चतुराई, चातुरी, चातुर्य, दचता, दुनियादारी, नगरांडं, निपुणता, निपुणतांचं, निपुनई, पदुता, पदुत्व, बुद्धिमत्ता, इनर, हाशियारी।

३६६. मोचना—ग्रीर करना, ग्रीर फरमाना, विंतन करना, चिंतना, दिमाग्र लड़ाना, ध्यान करना, विचारना, मनन करना, मिरतष्क करना, याद करना, विचार करना, विचारना, बोचना, बोचना-विचारना।

३७०. ब्रिट् खपाना — माना खपाना, माया-पच्ची करना, 'सर पच्ची करना ! ३७१. दिल्लगीवाच — कन्नाकी, कजाकी, चुदलबान, टहुंगन, ठठोल, दिल्लगीबान, मखौला, मसखरा, मसखरेबान, इँसड्ड, इसोड, इसोर !

३७२ मजाक-उपहास, ठट्टा, दिसम्बी, दिस्सनी, प्रहतन, प्रक्रील, मनक्रथपन, मसन्नरो, इँसन, इँसित, इँसी, इस, इाँसी।

३७२. मजाक चड़ाना—ठहा मचाना, दिश्लगो करना, बनाना, मूर्ख बनाना, इंडी करना, इँडी मचाना। 'मनाक' के पर्यायों में 'करना', 'मचाना, 'उड़ाना' बोडकर कौर शब्द बनाइए।

३७४. तैयार-- उतारू, उपस्थित, तत्पर, प्रस्तुत, होशियार। 'तैयार होना' के लिए अपर के शब्दों में 'होना' को हकर शब्द बनाइए।

३७४. तैयारी — तय्यारी, संमार, सामान । ३७६. मुस्तैद — श्रतद्भिक, श्रनसम, उद्यत, उम्मुख, तत्पर, तैयार, प्रस्तुत, सम्रद्ध । ३७७. मुस्तैदी - तत्परता, तैयारी, मुस्तैदी, सम्रद्धता ।

३७८. प्रचंड — ग्रदीन, उम्र, उत्कट, तीन, तेन्न, भयंकर, भयानक, भयावह, गीष्य, विकट।

३७६. प्रचंडता— उम्रता, चःकटता, डराबनापन, तीवना, तेली, भयनरता, मबानकता, भयावहता, भीगता, भीषणता, विकटता।

३८०. जिम्मेबार—उत्तरदायी, उत्तरदाता, ववावदेद, विम्माबार, विम्मेदार।

१८१. जिन्मेदारी — उत्तरदायित्व, बनाव-देही, जिन्मा, जिन्मावारी, जिन्मेवारी। १८२. अनुभवी — चनुभवप्राप्त, तबरवे कार, तब्दवेकार, तब्दवेकार, मुकमोगी, वाकिक।

देवरे. खानुभव — अनुभृति, आजमादश, संगरम, सञ्जर्ग, राक्रफियत। ३८४. अनुभूत-काक्रमाया, काक्रम्दा, बाना, परका, कात, परीखित।
३८४. स्वामाविक-नैर्साक, मङ्गितस्य, मङ्गितस्य, मङ्गितस्य, मङ्गितस्य, मङ्गितस्य, सहवात, सुमायक, स्वभावक, स्वामाविक।
३८६. अस्वामाविक- अनैर्साक, अमाङ्गत, अमाङ्गितक, अस्वभावक, ङ्गिम।
३८७ स्वामाविकता-अङ्गिमता, नैसगिकता, माङ्गितकता, सहबता, सहबातता।

३८८. अस्वाभाविकता—अनैवर्गिकता, अधाकृतिकता, अस्वाभाववता, कृत्रिमता । ३८६. नंगा—अवस्त्व, अनावृत, उपैना, गवेना, उवेने, दिश्वर, दिश्वट, धरुष्क, धुक्गा, नगघवन्न, नगभद्गा, नंगमुनंगा, नथा, नगन, नग्न, नगा, वस्नविद्दीन, निद्दंग, वस्त्रदीन, विवस्त्र ।

३६०. नगापन - दिगंबरता, नगता, नंगा पन, नवापन, नग्नता।

३६१. सहनशील-- ग्रम्ब्रोर, शात, सहिप्तु, सहैया ।

३६२. असहनशील—ग्रम्हप्सु, श्रय-हैया, चिडचिड्ा, तुनकमिबान्न ।

३६३. न सहने योग्य-श्वस्र, श्रस्तीय, श्रम्भ, दु.सह।

३६४. गुर्गो— करतबी, क्लाकार, गुनी, योग्य, सायक, हुनरदाँ।

३६४. कावगुर्मी— ऐबी, क्रीगुनी, क्रराब, स्रोट, स्रोटा, बुरा।

३६६. गुर्या— करतव, कला, गुन, पन, योग्यता, लियाकत, विचा, दुनर।

१६७. चावगुच-ऐरान, ऐद, कौराब, कौरान, कव, क्वो, कलक, क्रार, कराबी, स्रोट, स्रोटाई, दूषण, दोष, दोषन, मुक्स, बुराई, विकार।

३६८. योग्य—क्रामिल, जोग्ग, लायक, समर्थ, सामर्थवान ।

३६६. श्रयोग्य — त्रशक्त, त्रसमर्थ, नाजाः स्क्र, सामध्यहीन ।

४००. योगयता — बनाई, बमता, क्राब-लियत, लायकि ात, समरय, सामध्यं।

४०१. श्रयोग्यता — श्रयकता, श्रयमर्थता, नाकाबलियत, नालायका, सामर्थ्यहीनता । ४०२. श्रादत — श्रम्यास, देव, बान, बाना, महक, सद, स्वभाव ।

४०३. बुरी श्रादत ---कुटेव, कुबान ।

४०४. ऐब लगाना—ग्रमुला उठाना, भवराध लगाना, दूषण लगाना, दूषना, दोख लगाना, दोषना, जोषारोपण करना, दोषो ठहराना।

४०४. सच —ऋत, ठोक, यथार्थ, सस्त, वास्तविक, सन्य, नही।

४०६. भूठ--श्रलोक, श्रसत्य, भूठ, मिथ्या, मुखा।

४०७. सचाई—ग्रष्ठलियत, उपयुक्तता, श्रीचितो, श्रीचित्य, तथ्य, यथार्यता, रास्तगोई, वास्तविकता, सच्चाई, सच्चा-पन, सम्यता।

४०८. भूठापन—श्रसस्यता, कुउपन, कुठाई, मिध्यान्त्र ।

४०६ सङ्बा —रास्तगो, मत्यवका, सत्य-बादो ।

४१०. फूठा--व्यवत्यवादी, **कु**ट्ठा, पिच्या-वादी ।

४११. फुठलाना — फुठाना, फूठा ठहराना, कूठा बनाना, दोदना।

४१२. असल-अवली, खरा, शु**द**, रुचा, साफ़।

४१३. कमश्रसल—श्रशुद्ध, नकली मिलावटी।

४१४ पिवत्र-श्रद्धित, श्रमनियाँ, श्रमस, श्रमितन, निर्मस, पिवसर, पावन, पुर्य, पूत, मेध्य, विमल, विशुद्ध, श्रुचि, शुद्ध, साफ़, स्वच्छ,।

४१४. ऋपवित्र—श्रपावन, श्रशुचि, श्रशुद्ध, श्रशौच, कच्चर, गदा, दूषित, पाप, मलयुक्त, मलिन, मली, मलीन।

४१४. ऋ पवित्रता -- पविताई, पावनता, शुद्धता, सफाई, खच्छता ।

विशेष — 'पांवत्र' के श्रान्य पर्यायों में भी श्रावश्यकतानुसार 'ता', 'पन', 'पना' श्रादि जोडकर, 'पवित्रता' के श्रान्य पर्याय बनाए वा सकते हैं।

४१६. श्रपवित्रता — प्रपावनता, श्र**श्रदता**, श्रशुद्धि, गदगा, मलिनता ।

विशेष — 'अपितत्र' के अम्य पर्यायों में भी, 'ता', 'पन' आदि जोइकर, और शब्द बन सकते हैं।

४१७ साधारण -मामृली, स्थास, समान्य, सामान्यस्तरीय ।

४१८. श्रसाधारण-- श्रजोब, श्रज्जा, श्रजोबंग्ररीब, श्रद्भुत, श्रनुपमेय, श्रन्टा, श्रजोखा, श्रप्रतिम, श्रप्रव, श्रप्र्व, श्राक्षचर्यजनक, श्रसामान्य, उक्तम, उमदा, श्रोषक, श्रोपन्यासिक, गत्रक, गैरमाध्यी, चमत्कारी, निराला, न्यारा, लाक्ष्याव, लामिसाल, विचित्र, विसक्ष्य, क्षेट।

४१६. असाधारखता - अन्द्रापन, अना-

· सापन, श्रपूर्वता, निरालापन, विवित्रता, विलञ्ज्याता ।

४२०. डिचत--श्रन्छा, उपयुक्त, ऐन, बाह्य, चा, जायज़, ठोक, परिमित, मुना-तिब, यथार्थ, युक्त,, युक्तियुक्त, योग्य, रास्त, वाजिब, वाजिबी, श्रेयस्कर, सगत, सटीक।

४२१ अनुचित—श्रमाह्य, श्रनखौद्दा, भनुष्युक्त, श्रपरिमित, श्रयथा, श्रयुक्त, श्रयोग, श्रयोग्य, श्रस्तगत, उलटा, खराच, खिलाफ, गैरमुनासिब, गैरवाजिब, ना-मुनासिब, प्रतिकृत, बेठोक, विषरीत, विकद्ध।

४२१ **च. श्रवश्य** — ज़रूर, निश्चिततः, नि.सटेड, लाजिमा तौर पर ।

४२१ **आ. आवश्यक** — श्रत्यावश्यक, श्रादिवायं, श्रदे। च्रत, श्रादश्यकीय, बर्ह्ण, लाज़ियों।

४२१ इ. श्रानावश्यक —ग्रनचाहा, श्रान-रिनवार्थ, श्रानपेद्धित, श्रानवाद्धित, निकम्मा. निरर्थक, निष्ययोजन, फज्ल, वेफायटा, कोडी, रहा, व्यर्थ।

४२१ ई आवश्यकता - ग्रनिवार्यता, भपेका, गरज, ज़रूरत, हानत ।

४२१ छ. वेकार —खाली, निकम्मा, निडल्ला, निडल्ल्, वेकाम, वेकार, वेरोज़-गार, वेरोज़ी।

४२१, **चा. बाकार—कामकाजी, कामी, कार्यमस्त, नालाली, बहुचची,** बाग**गगार,** बारोब्री १

४२२. समान — धनुरूप, अनुसार, अनुहरिया, अनुहार, अमेद, अमेद, अमेद, इव, उनमान, एक्रांग, एक्रां, एकाकार, बैसा, तटनुरूप, तदाकार, तद्रूप, तरह, दुल्य, त्स, नाई, नाईन; निभ, पटतर, प्रतिम, बराबर, मानिट, मिरल, मुद्रांफिक, रूप, रूपी, सकाश, सदश, सम, तमकन्न, सरिस, सरीखा, सवर्ण, सा।

४२३ श्रसमान — श्रवुल, श्रत्ल, श्रननु-रूप, श्रप्रतिम, श्रवरन, श्रवर्ण, श्रसम, श्रसमान, लाबवाब, लासानी, बेतुका, बेमेल।

४२४. समानता—ग्रानुरूपता, श्रमेदता, एकता, एकरूपता तटनुरूपता, तद्र्पता, तुस्यता, वरावरी, मुत्राफिकत, समता, समानता, सरवरि, सवर्णता, साहर्य, सामन्बस्य, सामान्य, साम्य, इमसूरो।

४२६ बड़ा—श्रनल्प, गुरु, जगो, दिग्ध, दोर्घ, पृथु, बटारु, बड़गा, बढ़वार, बबर, बरा, बढ़ुतार, बबर, बरा, बढ़ुता कहा, बार, भाग, भीम, भीम-काय, मह, महत, महा, महान, हरा, बर, वर्य, वेकट, तिभु, बिराट, विस्तीर्ध, विस्तृत, शृहद्, शाह, भेष्ठ, सुहोर्ध, विभु।

४२६ व्होटा—ग्रन्य, उन्नीस, कम, कोता, कोताह, कृश, खुद्र, नन्हा, नन्हेया, मुस्तत-मर, लघु, धृब्म, सूद्रम, इस्त्र । देक 'नीच'।

४२७. बङ्गपन--- अनस्यता, उच्चता, गुक्ता, दीर्घता, पृथुतः, बङ्ग्यन, भारीपन, भोमता, महतता, भहत्ता, महानता, बरना, वर्यता, निकटता, विभुता, विराटता, बिम्तीर्खेता, विस्तृतता, बृहदता, भेण्ठता, बुदीर्घता।

विस्तोम-दे । 'होटापन', 'नीवता'।

४२८. झोटापन-झस्पता, कोताही, सुडता, खुटाई, छोटाई, नन्हापन, लघुता, लाघव, सूक्मता, इस्व। दे० 'नीचता', 'झघमता'। ४२६. ऋघम— झत्यंतहीन, अघम, ऐरागौरा, झोछा, कमीना, खुद्र, घटिया, खिछोरा, छोटा, द्वच्छ, तुच्छातिच्छु, नाखोन, निकृष्ट, निम्न, नीचगामी, नीचा-शय, पोच, हीन। दे० 'बेइज्ज़त', 'निदित', 'बदमाश', 'नीच'।
विस्तोम—दे० 'इज्ज़तदार', 'यशस्वी',

'बहा', 'माननीय', 'प्रशंसनीय'।

४३०. अधमता—-ग्रथमपन, अधमाई,
ओखापन, कमीनापन, चुद्रता, षटिहाई,
किछोरापन, छोटाई, तुच्छता, निकृष्टता,
निम्नता, पोचता, मंदता, दीनता।
दे० ''नीचता'')

विस्तोम-दे० 'बदापन'।

४३१. लम्बा—दिग्व, दीर्घ, दीर्घकाय, दीइ, प्रलंब, लंब, लंबा, लमछर, लमइर, लॉबा, लामा, सुदीर्घ।

४३२. लंबोतरा—माडील, स्वातइगा, समतहस्र।

४३३. लंबाई-प्रलंबता, संवान, संवापन, संवापन,

४२४ चौदा— मर्नदार, चकला, फैला, विस्तृत।

४२४. चौड़ाई—अर्ज, चकलापन, चौड़ान, चौड़ापन, फैलाब, विस्तार । ४३६. नाटा—सर्व, गुठा, छोटा, दुइयाँ, डिमना, डुमका, दुमकी, ठेगना, नटरू, पोदना, बौना, मँदरा, बामन, इस्य । ४२०. बौना—बहुत नाटा, बामन, बाबन, बाबनांगुल ।

४३८. नन्हा-अनुदास, कोकनी, संड, खुर्द, छोट, छोटा, जेबी, नान्ह, नान्ह-रिया, नान्हा, मुन्हा, लघु, लघुर, लघुरा । ४३६. नीच-अधम, ब्रोह्मा, खोटा, तुस्ह, निकृष्ट, निम्न, नीच, बदब्रात, मद, हीन। दे॰ 'ह्योटा', 'झबम'। ४४०. उच्च-- आकाश से बात करनेवाला. ग्रार्य, जंचा, कर्घ, कद्ध्वं, पूष्य, गमन-चुम्बी, बड़ा, बराक, बलंद, बुलंद, महाच, भद्धेय, भेष्ठ, वर, वर्ग । दे॰ 'बद्दा' । नीचता—श्रधमता, श्रोद्धार्दं, श्रोद्धापन, कमीनापन, श्राता, खोटपन, खोटाई, ख्रिक्षोरपन, ख्रिक्कोरापन, त्ब्छता, निकृष्टता, निम्नता, नीचताई, बदखाती, मंदता, हीनता । दे॰ 'ह्योटापन'। ४४२. उच्चता—श्रार्यता, नहाई, महानता, महिमा, अंध्वता। दे 'बढापन'।

४४३ शीघ — अचिर, अर, अविरत, अविराम, अविलव, आनन, आग्रु, उचाल, चिम, लटालट, चट, चटपट, चपरा, चपल, चपा, जल्द, जव, अट, अटित, अप, तरसा, तहाका, तुरंत, तुरत तृष्टं, तेज, त्वरा, लघु, वेग, वेगि, स्वर, स्व, स्व, स्पद, स्वा, स्पदि, सवार, सहसा, स्पद, हरद, हास, हौल!

४४४. शां घ्रता—ग्राचिरता, श्राचरार्व, श्राचरातता, श्रातुरता, श्रातुरता, श्रातुरतार्व, श्राखुरी, श्राधुता, डतावल, उतावली, इतावली, उतावली, श्रिप्तता, श्रटक, श्रदक्ष-पना, श्रटकार्व, श्रटकार्वी, श्रटकार्वी,

बस्दी, तेली, फुर्ती, बेग, वेग, खटसट, क्रिक्टता, सराकरो, स्फूर्ति, हरूवडी। ४४४. सुस्त—अक मेंग्य, अवियल, अनुष्या, अपद्व, अपाहिज, अप्रतिभ, अलस, अव-सन्न, अलहदी, अहदी, आलकसी, आलसी. आसकती, कामचोर, काहिल, दीला, घीमा, बुद, बोदा, मंट, रंक, बादक, लीचक, शिथिल, शीतक, सर्द,

४४६. सुस्ती—श्रकरास, श्रतत्परता, श्रतु-स्ताइ, श्राग्स, श्रासक्स, श्रास्य, श्रोत, कहिली, श्रुभ, दील, दिलपना, दीलाई, दीलापन, शिथिलता, शिथिलताई, शैथिस्य।

बासस, इरामकोर।

४४७. थीमा—श्रद्दिस्ता, श्राहिस्ता, भीमा, बीरा, मंद, मंदर, मंदा, सुस्त ।

४४म. जिसमें फुरती हो - अतिद्रक, उताबला, चित्रहस्त, जनलस, चहदनाझ, तेब, खरावान, फुरतीला, फुर्तीबाझ, फुर्तीला, हदबिह्या।

४४६. जिसमें फुरती न हो -- दे -

४४०. घोरे बीरे-- ग्रहस्ता, ग्राहस्ता-ग्राहस्ता, घोर्मे-धीर्मे, शनै:-शनै:।

४८१. विलंब — श्रनगवन, श्रवेर, गहर, हैर, वेर ।

ध्ये विसंव करना -- श्रनगवना, श्रन-वाना, श्रवेर करना, गहर करना, गहरना, विश्व विश्व करना, देर करना, देर लगाना, विश्वंबना, विलयना, वेर करना।

४४३- प्रतीका करना—श्रमोरना, श्राचा-वान दोना, श्राका देवना, श्रावरा देवना, दंवनार करना, इंडवार में रहना, वित- वना, बोबना, बोहना, ताकना, ताक लगाना, देखना, प्रतीक्षा करना, बाट देखना, राह ताबना, राह देखना। ४४४. प्रतीक्षा—श्रासरा, इंतन्नार। ४४४. हर्ज—श्रकाम, प्रतल, नुकसान, बामा, हानि।

४४: हर्ष करना—श्रकाव करना, श्रकाः बना, खलल डालना, नुक्त्सान करना, बाधा डालना, समय बर्नाद करना, इरव्ह करना, हानि करना।

४४०. भाग्य—श्रक, श्रहण्ट, करम, कर्म, किसमत, तक्रीर, दिण्ट, दैव, दैवगित, नसीब, नसीबा, नियति, परलग्ब, प्रारम्ब, भवित, भवितन्यता, भाग, भागवेय, भाग्य, भावी, मुक्ट्र, सितारा, होनहार । ४४८. सभाग्य श्रादन, सभाग, सभाग्य, श्रारम्ब, दुर्देव, दुर्भाग्य, प्रारम्बनिता, बदक्रिस्मतं, बदनसीबी।

४४६. सौभाग्य — खुराकिस्मती **सुरा** नम ना, भग, भाग, सुभाग ।

प्रदेश भाग्यवान -- किरमतवर, वुश-किरमत, खुशनसीव, धन्य, पुरुषवान, भाग्यवान, भाग्यशाली, तीमाग्यशाली । ४६१. धम्मागा-- कुभाग्यशाली प्रारम्ब-द्वीन, वर्टाक्रस्मत, बदनसीब, भाग्यद्वीन । ४६२. कप---धाकार, खाकृति, गढ्न, गठन, चेहरा, चेहरामोहरा, टाँचा, तरह, तराश, वपु, वन, बनक, बनाबट, बान, वानक, बेल, मेल, रूप, रीनक, वर्च, वेष, शक्त, धनल, संघट, सपटन, तरूप, स्रत, स्वक्ष।

४६३. शुम्बर - अगना, सम्बा, सनुषम, सनुषमेय, सब्हा, समियात, समिशम,

चलबेला, उमदा, कंचन, कमनीय, कलित, कोमल, खाशा, खूबस्रत, चगा, चतुष्य, चार, चित्ताकर्षक, छ्रवीला, टोरी, दर्श नोय, दिलचस्प, दिन्य, दुर्लभ, दश्यमान, चर्चाला, नफ़ीस, नमकीन, नवरंग, नवल, नाक, परीज़ाद, विय, वियदर्शी, वियरूप, फ्लोला, बाँढया, बाँका, भन्य, मंजु, मंजुल, मधुर, मनभाया, मनभावन, मनमोइन, मनरोचन, मनइर, मनइरण, मनइरन, मनोज, मनोरम, मनोहर, रंगीला, रंगोर, रति, रतिवंत, रभोर, रमखीक, रमर्णाय, रमनी, रमनीक, रुचिर, रूपमय, रूपमान, रम्य, रूपवन्त, रूपवान, लघु, ललाम, ललित. लवश्युक्त, विमल, शोभन, सबदार, **राजीला, रामा**गः, सरस, सरूप, सलीना, सारग, सु, सुघट, सुघड़, सुघर, सुचार, सुबात, सुठ, सुठार, सुठार, सुठि, सुठोना, सुडौल, सुदर, सुदार, सुदाह, सुदेश, सुदेह, सुन्तर, सुबुक, सुभा, मुमुख, सुमेह, सुरग, सुरस, सुरूप, मुरोचि, सुलच्छ, सुबेश, सुबेष सुबेसड, सुशाभन, सुन्ठ, सुन्ठु, सोहाया, सौध्य, सौध्यदर्शी, स्वल्छ, स्वरूप-नान, स्वादु, इसीन, हृदयग्राही, हृदयवेषी, इदयहारी। दे॰ 'मुहावना', 'ऋच्छा' !

४६४. सुद्दावना-भला, नुहटा, नुद्दाना, सुहाया, सुहाव, सुहावता, सुहावन, सुहा-वना, मुद्दावला, सुद्देलरा, सुद्देला । दे० 'सुंदर'।

४६४. इरूप- श्रदर्शनीय, श्रनगढ, श्रन-रूप, अपरूप, कदाकार, कुडील, कुत्सित-रूप, कुढशीं, कुमुन्न, कुरूप, गंवार, मोबरगनेश, दर, धूल, घोबा, निरूप,

बदशकल, बदस्रत, बिलोन, बिइंगम, बूचा, बेडील, बेटग, बेटंगा, बेटब, बे-तुका, बेहंगम, भदेस, भदेसिल, भोडा, महा, भौदा, भौदा, मुखंदर, विरूप । ४६६. रूढ़ -- कडा, कड़ेर, चरेर, चरेरा, चैलठ, दिनी, रूर। विलाम---दे० 'कोमल'।

४६७. सुंदरता - श्राव, श्रन्रापन, श्रच्छापन, श्रनोखापन, श्रपूर्वता, श्र**स**-बेलापन, काति, खूबसूरती, चावता, छ्रिन, छ्रवीलापन, दिव्यता, दीप्ति, चन, नफासन, नमक, नुनाई, निकाई भन्यता, मधुता, मधुरता, मधुराई, मधुरिमा, मधुरी, मनहरता, मनोहरता, माधुरिमा, माधुरो, माधुर्य, रती, रमग्रीयता, रौनक, र्वाचरता, विचराई, रूपता, रूप, ललामता, ललामी, ललितता, ललिताई, लावर्य, लासित्य, लावनता, जुनाई, लीनाई, विभव, विभाति, शोभा, भी, सुंदरताई, स्टरत्व, सुकरता, सुचक्रमृता, सुचक्रमन, मुडीलता, सुडीलपन, सुरूपता, सुषमा, सौंदर्ज, सौंदर्य, सीमग, सीम्यता, सीष्ठद, हुस्न ।

४६८ कुरूपता — धनरूपता, धरूपता, कदर्य, कदाकारिता, कुरूपपन, बदशाक्ली, बदस्रती, बेतुकापन, भद्दापन, भोंडापन, विरूपता ।

४६६. भाना— ऋच्हा लगना, वंबना, ठोक लगना, निक लगना, नोक लगाना, प्रिय लगना, भाना, यचना, सुद्दाना, सुद्दाना लगना, सुरावना लगना, ।

४७०. अखरना—प्रसरना, प्रव्हा न लगना, कष्टकर लगाना, कष्टकर होना, करकना, करकना, खलना, गहना, खुवना, टांसना, टांस मारना, खुरा लगना, सालना। ४७१ पसंद — मनोनीत, क्विर, क्व्य। ४७२ लुमाना — ग्रासक करना, श्रानुरक करना, खींचना, खा लल्चाना, मन लल्खाना, मुग्ध करना, माहना, मोहित करना, खाना, रिमाना, लट्टू करना, खुमाना, सलखाना, विमोहित करना, खमाना। ४७२ खालंकुन — भूषित, मिडन, निभूषना, निभूषित, निमहित, सजा, सजा घजा, स्था बखा।

४०४. सुरोभित — दिग्य, विभूषित, वि-भिन्न, शोभित, बुराभन, स्रांभित । ४०४. ऋच्छा-— ऋच्छा, ऋनिय, उत्तम, उन्हेश्ट, उमदा, उद्दा, ठोक, बद्धिया, भला, मिट्ठ, शादूल, श्रेय, श्रेष्ठ, सग्स, सर्वभेष्ठ, स्वोत्ता।

४७६ बुरा—प्रवगुणी, कत्, खराव, गदा, दुगुणपुक, दूषित, विगदा, वेठोक, मक्कह, रहा। दे॰ 'कुरूप', 'बहनाश' 'बेद्यकृत'।

४७१. श्रान्छाई—ग्रन्त्राई, त्रान्त्रापन, उत्तमता, उत्तमन्त्र, उत्कर्ष, उत्कर्षना, उन्हरूटता, उम्दगा, बांद्रयापन, भेष्टता। दें 'सुंदरता'।

विकास - दे॰ 'कुरूपता', 'बुगई'। ४०८. सगलप्रद्द - प्रानदकर, प्रानदकारी, कल्याणकारी, कल्याणाः, संगनकारी, ग्रमकर, शुभकारी, शुग्रप्रदाः

४०६. मंगळ—मानद, करवाच, कुराल, इस्वचेम, कुरालता, कुरालभगत, कुरा-सर्व, कुरालात, खेम, खेर, लेश्यित, खैराकियत, मला, भलाई, शुमः ४८०. अशुभ-न्त्रमगल, त्रपशकुन, त्रशकुन, त्रशुभ, त्रसगुन, दुश्शकुन, बुरा।

४८०. श्र. साँवला—श्रमित, करिया, काला, कृष्णवर्ण, कृष्णवर्णी, नील, नीला, पक्का रग, पक्की धानका, मेनक-वर्णी, श्याम, श्यामल, श्यामवर्ण, सँवराह, साँवर।

४८०. आ. गोरा—श्रवदात, गेहुँआ, गोर, गोगह, गौर, गोराग, धवल, साफ । ४८१. काल मुँह वाला —करमुखा, कर-मुद्दाँ, करिखमुद्दाँ, कलमुद्दाँ।

४८२. लाल मुंह वाला—बदरमुहाँ, रत-मुंहा, ललमुंहा।

४न३. एक मुखाकृत वालं —श्रनुहरिया, श्रनुहार, एकरूप, एकसा '

४८४. गजा--बल्वाट, सौरहा, गबी खोपईा, मु∉जा ।

४≒४. जिसके सिर पर वाल न हो— मध्युडा, पुडा, गुडला ।

४८६ शिखावला -चुंडित, चुंडीवासा, चुटियावाला, चुटैयावाला, चुटैल।

४८७. जहाभारी—बटाबाला, बटिल, भोटहल, कटेबाला।

४८२. युंबराला—उमेठवा, ऍठदार, ऍउनदार, कवित, कृटिल, युपराला, मुमावदार, नक्करदार, क्ललेदार

४-६. बड़ी मूंड बाला—मुखंदर, मुझैत । ४६० बड़ी दादी बाला—दब्दार, दांइ-यल।

४६९. सुनवन-सुनैन, पृतेत्र, सुको-

४६२. होटी शॉक बाता—चुंबा, बोब-इतः।

४६३. जिसकी कंजी आँस हो—कमा, कैरा।

१४४. ऍचाताना—श्रॅंड्चाताना, कैंचा, भेंगा, वर्गपताकी।

४६४. काना—एकश्रॅंसा, एकनयन, एक-नेत्र, एकाच, कनेठा, कनौडा, कागमुसुंदि, कर्ण, काच, कानदा, कानो।

४६६. खंघा—श्रंध, श्रंधक, श्रंधरा, श्रधा, श्रद्धोन, श्रष्टक्, श्रनच्, श्रनयन, श्रनेत्री, श्राँधर, श्राँधरा, चच्छ्रहोन, दिव्यचच्छु, धुन्दा, नेत्रविहोन, स्र, स्रदात ।

४६७ कं बापन—श्रंबता, श्रंबापन !
४६८. मोटा—संस्त, श्रग्रह्म, श्रह्मन, श्रह्मन, श्रात्तु, श्रातिकाय, कट्टा, दुरुबा, गटा, गठीला, श्रंथिल, गुलगुथना, चाँगला, ठादा, डिगर, तगड़ा, द्रान्दल, तैयार, श्र्ला, हदाग, बतिगढ़, धींग, घीगढ़, धींग, घीगढ़, घीगहा, घीगहा, घीगहा, घीगहा, घीगहा, घीगहा, पहर, घोद, पृथुलागा, बलवान्, बिलब्ट, बली, मकरा, भीम, भीमकाय, मोट, मांसल, मुस्टबा, लहलहा, सहासह, लाल, सगीन, सबमुसंड, सबा, स्थूल, स्थूलकाय, हहाकहा, हेकड़ । दे० 'स्तीय'!

४६६. दुबला— अरमक, अर्थक, कम्होर, विरंतित, क्रम्य, क्रम्यकाय, कृष्यित, क्रम्याग, स्मम, स्थि, स्थायकाय, श्रीन, भीना, उडरी, उटरी, खाँगर, ननु, बुब्बर, दुर्बल, तम्बंग, बुबरा, पतला, पतील, पत्रवत, पातम्बर, शीर्था, हीनांग। दे॰ 'स्क्म' 'महीन'।

४००. मोटाई— श्रातकायता, श्रीयसता, तगकापन, हटांगता, पोनता, पोवरता, पुष्टता, श्रीट्ता, श्रुशलांगता, मीम-कायता, मोटापन, मुटाई, मांससता, संबगुसंडी, स्थूलता।

४०१. दुबसापन—क्रश्रता, सम्मता, स्रीयता, भीनापन, तनुता, तम्बगता, दुर्नेकता।

४०२ लटना-कमज़ार होना, कुराना, दुवंस होना, पत्रहना, लट बाना, लटना, काखिर होना, सिक्स बाना, स्ख बाना, हदकना, हरकना।

४०३. सूच्म — झर्या, झनाक, झस्प, क्य, क्रिंग, खुल्लक, तनु, श्रुटि, बोका, पतका, पातर, वारोक, रंच, रचक, अवलेश, श्रुक्य, सूच्म, स्तोक । दे॰ 'दुवका', 'मदीन'।

५८४. स्थूल— मोट, मोटा । दे**॰ 'मोटा',** 'दबीज़'।

४०४. महीन--- लॉलर, वारीक, मनमन, फिलमिल, भीला, मेंही।

४०६. द्वीज--गक, दबदन, भारी,

४०७. घना--- ग्रनिरल, ग्रसिर**ल, गण्डिन,** गम्जिन, गङ, गुंबान, घना, विन्छ, समन ।

४०८. विरक्ष--क्षीकरी, चाँदैं चूँकाँ, क्षिटपुट, क्षिटफुट, बहाँतहाँ, पासर, परक-करक, फाँफर, विरक्ष, वीरर, वीक्षद । ४०६. चनत्व-- क्षविरक्षता, घनावम, ध्यनता, व्यनादै। ४२०. बिरलना—संसराई, बोररपन । ४११. इल्का—अगुरु, निगर, सुबुरु, इस्स, इस्सा, इलका, इलुरु, इलुरु,

रत्यक ।

४१२. भारो —गंभोर, गॅम्हराह, गढ़, गुढ, बोम, बोमन, बोमित, भीम, बन्ननदार, बननी, स्थून।

४१६. इतकायन — त्रगुढना, लचुता, त्रुदुकाई, इवत्राई, इलकई, इलकाई, इतकायन, इलुकई।

४१४. भारीपन -गभीरता, गद्वपन, गरिमा, गदभाई, गदनाई, गदनाई, गुरुता, गुस्ताई, गुस्त, गौरव, बोम, बबन, स्बूलता !

४१४ वर्षे कान वाला--दोर्घक्या, लब-क्या, बहतकर्या।

४१६. बहिरा-- म्रश्नन, उस्तै अता, एड, कल्ल, बिंधर, बहिंग, बहिरा, अनगण्ड । ४१७ कनकहा-- धनकटा, कानकटा, लडकर्य, बूचा, लग्नुकर्या।

४ ८. नकटा - भ्रतासिकी, नकटा, नाक-करा, विगतनासिका ।

४१६ गूषा —श्रनवानतः श्रवाक, श्रौगा, गूँग, खुष्या, धुनि, मूक, वाग्रहित, बाग्हीन।

४२०. ग्रापन --श्रीमा, ग्रापन, जुप.

४२१. वीवला -- दुनरा, दुनराने वाला, दुवरीहा, तोनला ।

धरेर. इकलाना — तुनराना, तुत्रवाना, तोत्रकाना, तातराना, भटकना, इकाग्ना । धरेर. वहे दांत वाला — कराल, वागहा, देवल, देवला, दांवल ।

४२४. दाँव रहिव--गंपना ।

४२४. पूर्ण अवस्था प्राप्त होने पर निकलने वाला अविरिष्ठ दाँव— अक्लियाद, बुद्धिवंत ।

४२६. जिसके आगे का दाँव टूटा हो — बोड़ा, बोंद्र।

४२७. दीर्घबाहु — श्राबातुबाहु, दीर्घबाहु, प्रसम्बदाहु, महाबाहु !

४२८. जिसका हाथ कटा हुआ वा चूमा हो — दुःटा, टुंडा, ठुंठ, ठूँट, ठूँठा, लुंब, लूह, लूसा, शोब, ह्यक्टा।

४२६. कोटी भुजा वाला—कुकर, हूंड, हूँठा, हूटा।

४३०. जिसका क्ष्यह निकला हो — कुवबा, कुवबा, कुवहा, कुवरा, कुवहाह, कुवहो, कुव्ब, कुव्बा, कुव्बो, कुव्बर, कुवर, गहुल।

४३१. तींदवाला-अनतोदर, तुन्दिन, तुन्दैन, तींदन, तींदवाला।

४३२. लॅगड्ग — श्रमभग, श्रपाय, श्रपग, श्रपादिन, खन, खोरा, निपग, पंग, पमा, पंगु, पगुल, लक्षड. लक्षडा जुन, ख्ला-लगडा!

४३३. लंगहापन—भचक, लगहापन, लग्।

४३४. जिसके हाथ पाँच दोनों कटे हों --- चगढ, कवप :

४१४. टेड़े मेड़े कांगी का सनुष्य— क्रष्टावक।

४३६. जिसका कोई थांग खोटा क्या या अधिक हो -गागर।

११७. चन भन बाजा—प्रगमंती, बोब, बोबा, सटक, होनाम। ४३८. ऋपाहिज—ऋगभग, ऋपाहिच, संग, निपंग, खुंज, खूलालॅंगडा ।

५३६. ऋंगद्दीन-- श्रंगद्दीन, दीनाग ।

४४०. बिना देह का — अतनु, अदेह, अनग, अनंगी।

५ ४१. स्वच्छ- अमिनयॉ, श्रमिलन, निर्मल, पवित्र, पावन, पूत, शुद्ध, साफ, सुथरा, स्वच्छी।

म्४२. मेला—ग्रस्यच्छ, क्लुबित, गँदला, गंदा, गलीज, गलीत, चिरकीन, चीकट, नापाक, पाशुल, मलयुक्त, मलिन, मलीन, मैला ।

४४२. मिलन—श्रपित्रच, श्रपावन, श्रपु-नीत, श्रपृत, श्रमेध्य, श्रशुचि, श्रम्बच्छ, कलुवी, कुचील, गलीच, गॅटला. गदा, गलीत, चिरकीन, चोकट, मलयुक्त, मलीन। दे॰ 'मैला'।

४४४. स्वच्छता—िनर्मलता, पवित्रता, पावनता, पूतता, सफाई, मुथराई, सुथरा-पन, स्वच्छता।

১४४. मैलापन—श्रपवित्रता, श्रशुद्धता, श्रशुद्धि, कल्लूष, कल्लुषता, गंदगी, गंदापन, गलाब्द, मिलनता, मिलनाई, मालिन्य, मसीनता।

४४६. मैल-मल, गदगः। दे॰ 'मैला-पन'।

४४७ खच्छ करना— खँगारना, खँघारना, चम्बाना, घोना, पीचना, माँबना, सप्ताई करना, साफ करना।

४४८. गदा करना—श्रशुद करना, स्तराव करना, नापाक करना, भरभ्रष्ट करना, भ्रष्ट करना, मैला करना। ४४६. घँघोरना—घषारना, विघोरना, डावर करना, निमक्त्रना, मथना, लहराना, इलकोरना, हिलाना, हिलोरना । दे॰ 'गंदा करना' ।

४४०. घोना—कचारना, घोना, घोवना, पखारना, पह्नारना, प्रचालन करना, प्रचा-लित करना, फीचना, साफ करना, साइन लगाना।

४४१. घुलाना—धुलवाना, धुलाना, धुवाना, बोआना ।

४४२. साइना—ऐखना, सटकारना, भाइना, भाइ बुद्दार करना, माडू देना, भाइ, बुद्दारू देना, भारना, आरना-बुद्दारना, पेंछना, फटकारना, बटोरना, बद्दारना, बुद्दारना, रगड़ना, सफाई करना, साफ करना, स्वच्छ करना।

४४३. साइन-कूँचा, गमद्वा, आहू, भारत, दुकड़ा, बढ़तो, बुहारी।

५५४. पञ्जोरना—छाङना, पञ्जोबना, विञ्जोरना, फटक्ना, साफ करना।

४५४. निवासी—श्रध्वासी, निवासी, बसेरा, बसेरू, बाशिदा, बासिरा, बासी। ४४६. जंगली—बागल, बनब, बनैना,

बन्य, वनज, बन्य ।

४४७. बनबासी — जगली, जागल, बनसंडी, बनचर, बसचारी, बनैला, बनसंडी, बनचर, बनचारी, बनवासी, बनैला, विपन विहास।

४४८. ग्रामबासी-- गवड्डा, गँवार, प्राप-वासी, ग्रामस्य, ग्रामीया, श्रामेय, श्राम्य, देहाती।

४४६. गॅवार---गॅवारू, ब्रामीख, ब्राम्य । ४६०. गॅबारपन---गॅवरपन, गॅबारपना, गॅवारो, देहातीपन, बेबक्फी, मूर्खता । ४६१. पुरवासी—नगरवासी, नागरिक, पुरवासी, पौर, प्रव, प्रवन, शहरी।

४६२. नगरवासी—नगरहा, नगरवासी, नगरी, नागरिक, पुरवासी, शहरी, शह-राती ।

४६२. नागरिकता—नगराई, नागरिकता, शहरा भेषन ।

५६४. गहरा—श्रगम, श्रगम्य, श्रगाध, श्रगाह, श्रतलस्पर्शी, श्रथाह, श्रोडा, श्रौडा, श्रौडी, घई, गंभीर, गम्हीर, गहन, गहरा. गहिर, प्रगाद।

४१४. स्रिझ्ला--उतरॉब, उतार, उयला, स्रोधरा, स्रिझ्ल।

४६६ - राहरापन - श्रयाहता, गंभीरता, गहराई, गहरापन, गहराव ।

४६७. ब्रिह्मलापन-उथलापन

क्ष्यः उजाइ---अबड्, खंडहर, खंडहर, तबाइ, नष्ट, बबोद, बीरान, विनष्ट, बीरान, सुनमान, सुखा ।

४६६. हरा भरा — अन्त्रा, खुशरग, खुश-हाल, गुलनार, पुररौनक, वसा, मला, मनसायन, मनोरम, मनोरस, लहलहाता, सरसन्त्र।

४४० उजदना—उलदना, उनरना, उलाह होना, उल्लू बोलना, गीदक बोलना, धूल उडना. धूल में मिलना, नष्ट होना, बोरान होना, नष्ट-श्रष्ट होना, बर्बाद होना, विलटना, विनष्ट होना. विनाश होना, सियार बोलना।

४७१. सँकरा—कमपैन, कत, तग, पत्तना, पातर, सकट, सकीर्य वकुन, वकुचित, वँकेत, वॉनर। ४७२. संकोच- नंगी, पतगई, संकरापन, छिकुदाव, संकीर्याता ।

४७३. विस्तृत—श्रायत, खुशक्रहल, दीरघ, दीर्घ, फहलाँव, फैलान, लंबाचौड़ा, विस्तारयुक्त, विस्तेर्ग्य, सुविस्तृत।

५७४. विस्तार—ग्नर्ज, चौडाई, चौडान, चौडापन, प्रसार, फैलाब, लबान, लबान, विस्तीर्णना, लबान चौडान।

४७४. ऊचा-नीचा—ग्रामल, ग्रहम, ऊँचलाल, अवर, अवड, उन्ड-लाबड; स्वाबड, नावरावा, बोडड, घटा।

४७६. वह स्थान जहाँ कोई न जा सके — ऋगम, ऋगमनीय, ऋगस्य, ऋवघट, ऋगैघट, गइन, दुर्गम, दुर्गम्य।

४७६. श्र. वह स्थान जहाँ सब जा सके —गम, गमनोय, गम्य, सुगम ।

४७७. समतल --चिकता, चिक्कत, चौरस, वरावर, सपार, सुचिक्कण, इमवार ।

४०८ समतल करना—करोचना, करो-दना, करोना, कुरेदना, बुरेलना, खरो चना, खुरचना, खाँटना, खोलना, छोलना बरावर करना, इमवार करना, छम करना, सफ करना:

४७६. चिकना —चिक्कय, चिक्कन, पिन्छिल, मसुण, मुलायम, सरकाऊँ, सनेह, सस्तेह, स्निम्ध।

धन्नः खुरखुरा-धारमतल, कर्षर, कर्षश्र, खरसरा, खुरसुरा, खुरदरा, खुरदुरा, चरेरा, नानरावर, नाइमवार ।

४८%. विकनाइट—िवकनई, विक्वता. मधूबता, मुनायमियत, त्निम्बता।

४८२ सुरसुरायन—कर्वराता, सरसरापन, सुरसुराहट, सुरदरापन, नाहमवारी। अपने. खंडाकार—श्रंडकार, खंडाकृत, बादामी, वैबाबी, शिवाकार, शिवलिंगा-कार।

अद्भागोल-कुंडलाकार, गोला, गोलाकार, मंडलाकार, बर्तल, बर्नुलाकर, इस, इसाकर।

अपश्. गोलाई — गोलम्बर, गोलापन, दायरा, मडल, क्लाकारता।

४५६. तिकोना—तिकोन, विकोनिया, तिनकोना, त्रिकोण।

४८७. चौकोर--च उकार, चौकोना, चौ-बॅ्टा, चौखुएटा, चौसूटा।

अपन. ज्वनि — श्रवा , श्रास्त, श्रामान, क्र्व, घोष, घाषणा, धुनि, नाद, निनाद, निर्वाद, राव, निनाद, निर्वाद, बोली, बास्य, वाणो, बाचा, शब्द, स्वप्न, सबद, स्वर ।

४८६. शोर—ऐल, करकर, कर्रा, कलकल, कलरव, कॉयकॉप, कॉवकॉव, कोलाइल, गुल, गुलगपाड़ा, चिलाइट, चिल्लपी, बिल्लाइट, दगा, रोर, रोला, रौला, शोर, शोरगुल, इगामा, हिंडका, इल्ला, दुल्लाइ,

३६०. चिल्लाना--श्रनलाना, श्रल्लाना, कर्म करना, फोलाइन करना, गुलगपादा करना, चिल्लाना, चीकना, चीखना, निरंपाना, बाप बाप करना, शोर करना, बिवियाना, रोना, शोर मचाना, इल्ला करना, हुल्ला मचाना।

४६१. जलकारना—उभाइना, चुनीतो देना, बैलेन्ड करना, नाल देना, ललकारना, इकड़ना, इकरना, इकारना, हुँकारना, इकड़ना। ४६२. चिल्लाइट—चिल्लपों, चिल्लाइट, चीक्र, चीन्कार, हो हल्ला । दे॰ 'छोर'! ४६३. सलकार—चुनीती, चैलॅंब, डुॅकार, होकड्ना।

४६४. बीख्ना—विषादना, विकरना, चिकारना, चिम्बारना, विल्लाना, बिल्वि-कना, चीखना, चीकार करना।

४६४. चिग्वाइ--कूइ, चिंघाइ, चिकार, चिक्कार, चिग्वाइ।

४६६. विधाइना—किकियाना, विधाइना, चिकरता, चिकारना, विग्वाइना, विश्वाना चीखना, रेकना ।

४६७. वहाइ—गरब, गर्जन, दाङ, वाङ । ४६८. वहाइना—गङगङाना, गरबना, गर्जना, गर्जन करना, गाजना, घडघडाना, विग्वाइना, इहाइ भारता, घाडना ।

४६६. पुकार--म्रावाल, मावाहन, गोहार, टेर, बुलाइट, रट, हाँक।

६००. पुकारना—त्रागज़ लगाना, त्राहान करना, गोइराना, चिल्ला कर कहना, टेरना, दॉक बॉक करना, बॉकना, पुकारना, बुलाना, रटना, हॉक मारना, हॉक लगाना।

६०१. सुनना —कर्या कुइर में रसना, कर्या गोचर करना, कान देना, ध्यान देना, अवस्य करना।

६०२. मुनादो —पंषिषा, दिंदोरा,हुग्गी। ६०३. स्तव्ध —ग्रक्षक, श्रवाक, ठक, निस्तव्ध, नारव, भीचक्का, शांत, सन, सम्र, स्तव्ध, इक्कावक्का।

६०४. सन्त हो जाना—जननकात, जवाक् होना, आश्चयंचिकत होना, जारवर्ष में पहना, क्लंब्ब विमृद् होबा, काठ मार जाना, किंक्संन्य विमूद होना, चिकत होना, ठक होना, ताज्युव में पदना, मकुश्राना, मुलाना, सब होना, स्तंमित होना, स्थकित होना, इक्का बक्का होना। दै० 'चकराना'।

६०५. स्तब्धता—निस्तब्धता, नीरवता, यांति, समाटा ।

६०६. स्तभित—श्रवाक, उद्भात, चिकत, चुप, ठक, यंभित, निश्चल, निस्तन्च, भौचक, भौचकक, भौचक्का, भ्रमित, बिस्मित, मुक्त, स्तभित।

६०७. चुप्पा--श्रनबोलता, श्रभाषी, श्रवका, कमबोलता, गुम्मा, घुन्ना, तृष्णीक, तृष्णीभूत, नीरव, मौनयुक्त, मौनद्रतो, मौनी।
६०=. खामोरा--श्रवाक, खमोरा, चुप,
चुपका, चुपचाप, तृष्णी, मौन।

६०६. स्वामोशी--स्रवाकता, खामोशी, चुप्पी, तृष्या, नोरवता, मौन ।

६१०. बारमी—कहता, कहुवा, गप्पी, बत्त-कह, बोलता, भाषणपटु, वका, वाकचत्रर, वाग्रदु, वागीश, वाग्मी, हॉकनेवाला। दे॰ 'बकवादी'।

६११. वकवाद--- अक्टक, कवकच, किच-किच, किटकिट, गप, गपकवीय, गालगूत वे पे , प्रलाप, वक्टक, बक्टास । दे० 'विदाव'।

६१२. चकवादी---वक्वाती,वस्को,वाचाल । े दे॰ 'बाम्मी' ।

६१३. वकना—शंडवड करना, शकवक करना, उटपटाँग कहना, वरूपना, प्रकाप करना, वक्कक करना, वकना, वक्कक करना, वकवाद करना, वद्दवक् करना, वद्द-वहाना, वर्राना। ६१४. कथन—उक्ति, कथनी, कथा, कहन, कहनउत, कहनाउत, कहनावत, कहा, कहावत, ज्वान, वात, वानी, वचन, शब्द, तबद।

६१४. कथित — ठक, कहा हुन्ना, विकित । ६१६. वर्णेन करना — कथन करना, कथना, कहना, चित्र खींचना, चित्र देना, चित्र रखना, चित्रित करना, नकशा खींचना, नकशा देना, निवेदन करना, बतराना, बतलाना, बयान करना, बयान देना, बरनना, बोलना, रंगना, रंखित करना, वर्णन करना, विवरण देना, सम-भाना।

६१७. वर्णनीय-इथ. इथनीय, इध्य, इक्ष, वचनीय, वर्ण्य।

६१८. श्रवर्णेनीय—श्रक्ष, श्रव्यतीय, श्रक्ष्य, श्रव्ह, श्रव्हुवा, श्रानिवर्चतीय। ६१६. उपर्युक्त—उपरोक्त, पूर्वोक्त।

६२०. निम्नोक --निम्नकथित ।

६२१. बात —कथा, चर्चा, ज़िक, प्रसम, बचन, वाचा, बातचीत, वार्ता, बोसी, वासी, वार्ता। दे० 'वकवाद'।

६२२. पालना (प्रश्न का कात)—क्याल करना, निवाहना, निर्वाह करना, पालन करना, पालना, प्रतिपालन करना, रखा करना।

६२३. बानचीत करना—प्रलाप करना, बतराना, बतबाना, बतियाना, बात करना, बोलना, संभाषक, सलाप करना, वार्ता-लाप करना।

६२४. कानाफूसी—कनफुरको, काना कानी, काना फुरकी, कानाकरी, जॉब फूर । विशेष — 'करना' जोड़कर इसकी कियाएँ बना सकते हैं।

६२४. अनाप-शनाप—ग्रंड-बंड, अनाप-शनाप, अल्लम-गल्लम, श्रायँ बायँ, ऊट-पटाँग, गपशप, गप, गप्प ।

६२६. गपना—गपडचौथ करना, गपना, गप मारना, गप हाँकना, गप्प मारना, गप्प हाँकना, प्रसाप करना, वकवाद करना।

६२७. तकिया कलाम—तिकया कलाम, चड्डन तिकया, सखुन तिकया, सुखन तिकया।

६२८. हँसी — विद्यत, हँसन, हँसनि, हँसाई, हँसाय, दाँस, हाँसी, ह, हास, हास्य । ६२६. जोर की हँसी—श्रष्टहास, क्रहक्रहा, स्वस्था।

६२०. इँसना — क्रडकशना, क्रडकश मारना, क्रडक्श लगाना, खिलखिलाना, ठठाकर इँसना, ठठ्ठा मारना, ठडाका मारना, बचीसी दिखाना, विह्सना, इँसना, हास करना।

६३१. मुसकराहट—मुस्कानि, मुस्कानया, मुसक्यान, मुसकुराहट, मुसकान, मुस्कान, मुस्क्यान, मुस्को, स्मिति।

६३२. सुसकराना—विदुराना, विद्रंसना, सुसकराना, मुसकाना, मुसकाना, मुसकाना, मुसकाना, मुसकाना, मुसकाना, चित्रात होना, व्हिमत होना, हॅसना।

६३३. मधुर मुस्कान बाला—चावहासी, बुहास, बुहासी।

६२४. जिससे बात करना उचित हो---संमाध्य ।

44x. संमाची--श्रकापी, श्राकापी, बोकने बाला, वचा, वाग्मी, बंभाषी, बकबादी। दे॰ 'बाग्मी'। ६३६. प्रिय**भाषी** —प्रियवादी, मधुरभाषी, मिष्ठभाषी।

६२७. व्यंग्य--श्राद्धेष वान्य, श्रवाबा, श्रावान, चुटकी, ताना, तानाज़नी, विरह, बोलीठोली, व्यंग, मीठी चुटकी।

६३८. व्याय करना— श्रवाक करना, श्रावाजा करना, तानाजनी करना, ताना मारना, विर्देह बोलना, बोली बोलना, बोली ठोली कहना, व्याग करना, व्याय करना, व्याय कहना।

६३६. फटकार- सरी खोटी, बाँट, बाँट-बपट, ताइन, ताइना, फिटकार।

६४०. फटकारना— खोटः खरी सुनाना, धुक्काना, डपटना, बॉटना, तर्जना, ताक्ना, दपटना, दपेटना, फटकारना। दे० 'धिक्कारना'।

६४१. गाली— गंदी तथान, ऋषशब्द, गारी, गार्ला-गलीब, गाली-गुफ़्ता, दुर्वचन, बद-ज़जान ।

६४२. गार्त्वी देना—श्चपश्चन्द करना, गंदी ज़नान निकालना, गरियाना, जनान निगानना, नटज़नान करना।

६४३. विवाद- कलइ, आगड़ा, अगरा, टंटा, तकरार, विवाद, हुस्कत। दे० 'वकवाद'।

६४४. **आह**ट--शालाल, शाहट, जास, यमक।

६४४. मंकार—अंकार, भनकार, भनकार-इट, भनाभन, भन्नाइट।

६४६. कोयल की बोली—इह, कूक, कूकना। ६४७. कूँजना—क्ँवन करना, कुहकना, कुहुकना, क्कना, क्वना, गाना, चहकना, चहचहाना, पांकना, सराव करना।

६४८. कॅंज-कुंबन, कुर, कुटुक, कुटु, कुक, सरक, सराव ।

६४६. चहकना—उदना, किलकिलाना, खिख-उठना, खिलखिलाना, खुश होना, चहकना, चहचहाना, चुलबुलाना, प्रसन्न होना, शोभित होना, हरा होना, हर्षित होना।

६४०. पाद — ऋपान वायु, गोज़, हवा । ६४१. पादना — ऋपान वायु छोडना, गुटा-स्व वायु छोडना, गोज़करना, पाद छोडना, पादना, हवा खोलना, हवा छोडना।

६४२. काम — करतन, करत्त, करनी, करम, कर्तन्य, कर्म, काख, काम, कारज, कार्य, कृति, कृत्य, घंचा, रोज़गार, रोज़ी। ६४३ कारण —कारन, तत्र, निमित्त, प्रत्यय, वसद, स्वन, हेतु!

१४४. करना—श्रवाम देना, कर बालना, कर देना, कर लेना, निवटना, शुगताना, सपादना, संपादित करना, साधना।

६४४. सिंख होना (कार्य आदि)— स्तम होना, ठांक होना, पूर्व होना, पूरा होना, बनना, धवना, वकल होना, समाप्त होना, विभाना, विक्र होना, हो बाना, होना।

६६६. सिराना (काम व्यादि)—श्रव्हा समना, वन पश्चा, होना, शक्व होना, हो सक्या।

६४७. सुकर--बाठान, टरल, ठावारव, बीवा। ६४८. दुष्कर—श्रगम, कठिन, क्विष्ट, बंड, दुष्कर, दुःसाध्य, पेचीदा, मुश्किल, विकट, विकराल ।

६४६. करने वाला—कर्मचारी, कर्मठ, कर्मिष्ठ, कर्मी, कामकाबी, कार्यकर्सी।

६६०. **कामचोर—श्र**कर्म<mark>यय, श्रक्ती,</mark> श्रलहरी, श्रालसी, क्र, कामचोर,निसम्मा, निकामी, निठल्लू, बेकामी ।

६६१. कर्तव्य--करणीय, कर्म्य, कर्य। ६६२. अकर्तव्य-- अकर्तव्य, अकर्म, अकर्म, अकर्य।

६६३. किया हुन्ना -- किया, कृत।

६६४. श्वाना—श्वागमन करना, श्वामद करना, उपिथत होना. स्वकर मारना, दर्शन देना, पदार्पण करना, पधारना, प्रवेश करना, यमस् श्वाना, हासिर होना। ६६४ जाना—श्वाग बहुना, कहुना, गमन करना, धुसुकना, स्कृता, स्वागमान होना, निकलना. निकसना, पदार्पस करना, पधारना, परशान करना, बहुना, विस्तित होना, सरकना, स्थानित होना, हटना। ६६६. श्वाना—श्वाहं, श्वागमन, श्वामद, श्वावन।

६६७. प्रस्थान —गमन, चलचलाव, चला-चल, चलाचली, बाजा, बाना, याचा, क्रुवती, विधाई।

६६८. खगवानी—शगमानी, अगवाई, अगवानी, अम्बर्चना, पेशवाई, स्वागत।

६६६. अगवानी करना—ग्रागे बट्कर लेना, इस्तकवास करना, पेशवाद करना, स्वागत करना।

६७०. डाबना-- सरकाना, विस्काना,

विगाना, दूर करना, भगाना, सरकाना, इटाना ।

६७१. श्रमसर होना — श्रगुत्राना, श्रगु-वाना, श्रगुवरना, श्रमवर होना, श्रागे बदना, उन्नति करना, डाँकना, तरक्की करना, बदना।

६७२. दौड़ना—गतिमान होना, दौड़ना, दौड़ मारना, दौड़ लगाना, दौरना, घउरना, घावना, नौ दो ग्यारह होना, नाचना, पराना, प्रधावित होना, मगना, भवना, भागना, भाजना, वेगवान होना, सवेग चलना।

६७१. दोड़—इंडर, दोड़ाइट, भगाई, रेस । ६७४. दोड़ाना —खदेरना, खदेरना, दंउड़ाना, दौराना, पोकियाना, पोछि-याना, पोछा करना, बहलाना, भगाना, लखेदना।

६७४. लौटना—घूम बाना, उलटना, बूमना, बूम पहना, परावर्तन करना, पल-टना, फिरना, बहुरना, सुदना, लौटना, बापस म्राना, बापस म्राना ।

६०६. चलना—आगे बदना, काकूर होना, सन्दर्भता, सिर्वकना, विस्कृतना, खुदुकना, चंपत होना, चलना, टरकना, टलना, टर्वकना, डिगना, नौ दो ग्यारह होना, विचलना, विखलना, मगना, माग चाना, सागना, रक्कचकर होना, रॅगना, सरकना, हटना।

६७७. इत्म-दग, पग, पगरा, पाँब, काल ।

६७८. चल-श्रहत्, चंचल, चलता-फिरता, चलायमान, चंगम।

६७६. अयत-अयर, अवला, अटल,

क्रविचल, बड़, यंभित, इट, निरचल, निर्चेष्ट, सुस्य, सुस्यिर, स्थंभित, स्थाबी, स्थावर, स्थिर।

६८०. गति—कॅपकॅपी, कंपन, कॉपना, गति, चाल, यरथराहट, इरकत, हिलना।

६८१. चौकड़ी—उद्यलंक्द, उद्यक्त, कुलाँच, कुछोल, क्दफाँद, छलाँग, फाँद । ६८२. उछालना—उछलाना, नँघाना, फॅदाना, लॅघाना।

६८२. उछलना—कुद्दना, कुदान लेना, उछाल मारना, क्दना, डॉकना, नषना, नाघना, फॉदना, फुदकना, लॉघना।

६८४. **उचकना**—उक्सना, उभक्ना, उठना, उभक्का, उमक्ना, ऊपर आना, क्दना, चढना, तनना ।

दे॰ 'उञ्जलना'।

६८४. फरकना—श्रिषक होना, इधर उधर होना, उछल क्द करना, चमकना, छट-कना, खिटकना, थिरकना, फडकना, फर-कना, फुटकना।

६८६. लॉघना—उतरना, ऊपर से बाना, उल्लंबन करना, छलॉग मारना, बाकना, नॉबना, पार करना, कलॉंग मारना, फॉबना, लंबन करना।

६८०. घूमना—श्रटन, शुमन्त्रस, शुमार, पर्यटन, भर्मन, अमख, मटरगरतो, यात्रा, क्रमा, स्प्रर ।

६८८. घूमना--श्रटना, श्रटन करता, धूमना, धूमना फिरना, चलना फिरना, पर्यल करना, भॅवना, भरमना, श्रमण करना, भ्रमना, बाला करना, स्प्रद करना। ६८८. ठहरना--श्रवस्थित होना, अमना, टिकना, ठिकना, केरा डालना, केरा देना, न चाना, न चाना, निवतना, वतना, रहना, रकना, स्थिर होना, होना ।

६६०. ठिकाना-ठेकाना, ठेकान, बसेरा, रहाव, रहाइस, रहाव।

६६१. ठहराना—वर देना, जमाना, टिकाना, ठहराना, ठिकाना देना, डेरा देना, बसाना, रहाइस कराना, रहाना।

६६२. **ठहराच**—बगइ, ठाँव, ठिकान, बेरा।

६६२. यात्री—काध्वग, श्रध्वनीन, श्रध्वन्य, गन्तु, बात्रो, पंथी, पथक, पथिक, पथी, पाथ, पाथिल, पान्थ, बटोही, मार्गी, यात्रिक, राही।

६६४. चक्कर लगाना—कावा काटना, चूमना, घोरियाना, चक्केरी देना, चक्केर मारना, चक्केर लगाना, दौक्ष्यूप करना, फेरो देना, भवना, भ्रामन, भ्रामन, भ्रामन, मंडराना।

६६४. भटकना — गुमराइ होना, बहक बाना, बहकना, भटकना, भगमना, भूनना, राह भूसना । दे॰ 'भूजना'।

६६६. भटकैया — भटकने वाला, भटकैया, भगी।

६६८. फिसलन — फिसलाइट, बिख्निलन, रपट, रपटन, रपटन, रपटन

६८६. फिसल्लना—गिरना, गिर पड्ना, व्यक्ता, पिछलाना, विछलाना, विछलाना, विछलाना, रपटना, सकिलना, नरकना।

७००. अहराना—ग्रराना, भरराना, भरीना, भहरा बढ़ना ।

५०१. खुद्कना—भद्कना, श्रद्धकि पश्ना, बहुकना, गिरना, ठोकर खाना, दंगिकाना, ७०२. लुइकाना—गिराना, उकराना, ढँगिलाना, दुलकाना, दुलाना, दोलना, कॅकना, लदकाना, खुदाना।

७०३. ठोकर--श्राधात, ठदुक, चोट, टक्कर, ठक्कर, ठेस, घक्का।

७०४. घिकियाना - ठेलना, दकेलना, घिकयाना, घकेलना, घक्कम-घुक्का करना, घक्का देना।

७०४. गर्दनियाँ देना-श्रर्षचंद्र देना।

७०६. टकराना—श्रहना, चोट खाना, टक्कर खाना, टक्कर मारना, ठक्कर मारना, ठोकर खाना, टोकर क्षेत्रा, धक्का खाना, भिद्रना।

७०७. लब्बदाना—ग्रह्बदाना, घर-बराना, भीका खाना, दगडगाना, दय-दोलना, डगना, दगमगाना, दिगना, लटपटाना, लरखराना, विचलना, विच-लित होना, हिलना।

७०८. गिरना— अवनित होना, आ पहना, गिरन', तनज्नुली करना, पहना, परना, पतन होना, पतित होना, पात होना, खुदकना।

७०६. चड्डाई—उत्ममन, उत्मान, सारी-इब, चढना प्रारोह्स, रोइस, रोइना ।

७१०. चढ़ना - श्रशेहना, श्रारोहण करना, जपर बाना, चढ़ना।

७१२. चढनेवाला- उत्पमक, आरोही, रोहक, रोहा।

७१२. हॉफना— उलटी शॉस होना, तेख सॉस लेना, इंफराना, हॉपना, हॉफना, हॉब हॉय करना, हॉकना।

७१३. श्वांस-उन्ध् वात, उतात, दम, पवन, श्वात, श्वाता, वांस, इंदरी। ७१४. महोर—म्रांदोलन, कंपन, गति, महमोर, डोलना, इरकत, हिलाई, हिलोर।

७१४. मकोरना—कॅपाना, कंपित करना, खलाना, मुजाना, भोरना, दुलाना, इरकत करना, दिलाना, दिलोदना, दिलोदना।

७१६. भूमना—कंपित होना, कॉंपना, ऋमना, भोके खाना, डोलना, लइराना, हिलना।

७१७. हाँकना—ग्रागे बढ़ाना, चलाना, बढ़ाना, रेगाना।

७१८. टपकना—गिरना, चूना, टपटप गिरना, टपकना, निवुरना, रसना।

७१६. टपकाना— गिराना, चुत्राना, टपका देना, दुपकाना, निचोलना, रसाना ।

७२०. बोकता (नाव गाड़ी छादि)— डालना, भरना, भार डालना, लादना (

७२०. च. बोमा-भार, वब्न ।

७२१. उतारना—खितयाना, खाली करना, नीचे लाना, बोफ उतारना, इलका करना।

७२२. नजर---ग्रॉल, बीट, दिष्टि, दिसिट, हिस्टि, दीठ, दीदा, दृष्टि, नबरि, ननारा, निगद, निगाद ।

७२३. देखना—अवलोकन, अवलोकन, करना, घूरना, चितवना, चिताना, चोवना, चोइना, फाँकना, तकना, ताकना, क्षिक्वना, दर्धन करना, दृष्टिगत करना, दृष्टिगोचर करना, दृष्टि फेरना, नकरना, नक्षराना, निरचना, निरोध्य करना, विद्यारना, पेखना, प्रस्थव करना, विद्यारना, क्षमना, देशना। ७२४. दिखाई देना — दर्शन होना, दिखना, दिखाई पड़ना, दिखना, दीखना, दीखना, दीखना, हिंगोचर होना, सौकना । ७२४. दिखाना — चितवाना, खंबनाना, दर्शन कराना, दिखराना, दिखराना, दिखराना, देखराना, हेराना ।

७२६. एकटक देखना—श्रनिमेष देखना, श्रपलक देखना, एकटक देखना, टक्-टकाना, टकटकी बॉधना।

७२७. दूरदर्शी—श्रमशोत्री, वस्याम-दशीं, दूरदेश, दूरदर्शक, दूरदर्शी।

७२८. दूरद्शिता—श्रमशोचिता, दूरंदेखी, परिचाम दृष्टि ।

७३६. **टरय** — वित्र, तमाशा, **दर्य,** नवाग, नज्यारा, सीन ।

७३०. ऋहरय-∸ग्रतर्वान, ग्रागेचर, ग्रदीठ, ग्रहष्ट, ग्रहरय, ग्रतस्त, गायन, तुप्त, विलीन ।

७३१. नुमाइरा-पदर्शनी, नुमायह ।

७३२. देखादेखी—दिसाटिसी, दिठादिडी, देलभाल, साचास्कार ।

७३३. दर्शन—भवलोकन, रेखच, मॉक, मॉको, दर्श, देखना, देखा-देखी, मेंट, साकारकार।

७३४. द्शेक-तमायक्षेत्र, द्शी, दिलहार, दिलेया, दश, देखनेयाता, देखनहारा, देखवैया, प्रदर्शक, कोता, समा।

७३४. दिकाया हुव्या--दर्शित, हद्कित ।

७३६. दिखाड--अगरो, दिखाऊ, दिखा-वटो, दिखीन्ना, देखाऊ, बतबनाऊ, बना-बटी।

७३ अ. दिखलाई - दिखलवाई।

७३८ खुभना—कोचाना, खगना, गहना, कृदना, बुग्ना, चुभना, छिदना, बँग्ना, पैठना, विंबना, भीतर चाना ।

७३१. खुभाना — कॉचना, कोचना, खोंसना, गड़ाना, गुफाना, गुभाना, गोदना, गोभना, घुसेडना, घुसेरना, चुभाना, छेदना, चुमोना, चोमना, घँसाना, घसाना, पार करना, बिल करना, बोधना, वेषना, मेदना, भोंकना, रंध्र करना, रंधित करना। दे॰ 'खुसाना'।

७४०. बुसना — श्रंदर झाना, श्रंदर बाना, यहना, बुसहना, बुसहना, बुसहना, बुसहना, बुसहना, बँसना, पंसना, पंसना, पंसना, पंसना, प्रतिष्ट होना, प्रवेश करना, प्रवेश पाना, भितराना, भीतर बाना, समाना, हिलना हेलना हेलना हेलना

अप्तरि. घुसाना—श्रतर्गत करना, अंदर करना, गड़ाना, घुसुराना, घुसेड्ना. चुभाना, क्रोड्ना, ठेलना, दाखिल करना, बंखाना, नाना, नावना, पेलना, पैठाना, वेखाना, पविष्ट कराना, प्रवेश कराना, मीतर घुसेड्ना, इलाना। दे० 'चुणाना'। अध्यः प्रवेश—गति, घुस, दखल, पर्दुच, पैठ, प्रवेश, रखाई।

७४६. प्रविष्ट—शंवरस्य, दुवा, दाखिल, चँवा, पैठा, पैठा दुवा, इसा ।

७४४. पक्षामा — हूर बाना, रीकना, पराना, क्याबन, करना, मनना, भागना, रटना ।

७४५. पतायक-मगुवा, मगोडा, मगौडा, भग्गुल, मग्गू।

७४६. निकलना—श्रलग होना, कदना, निगंत होना, निष्कासित होना, बहिंगत होना, बहिष्कृत होना, बाहर श्राना, मगना।

७४७. निकालना — अलग करना, काटना, खदेइना, खदेरना, खाँटना, खोइना, दुरदुराना, निर्गत करना, निष्काशन करना, निष्काशित करना, निसृत करना, नर्लास्त करना, विद्यंत करना, विद्युत करना, वाहर करना, भगाना, हटाना।

७४५. निकाला—ग्रलग किया, कादा, निर्गत, निष्काष्ठित, बहिर्गत, बहिष्कृत, मगाया, इटाया।

७४६. चठना −उठना, उत्तिष्ठ **होना,** उत्थान करना, उन्नति करना, खड़ा होना, ठड़ा होना, ठाट् होना ।

७५०. बैठनः — श्रासन प्रहण करना, श्रासन बमाना, श्रासन लेना, उपविष्ठ होना, उपवेशन करना, तशरीफ रखना, बिराजना, बैठना, स्थान लेना :

७४१. वकना--श्राक्रात होना, दोल होना, दोला पड़ना क्रांत होना, वकना, शिवि-लाना, शि.यह होना, विहराना, हारना। ७४२. वकावट-- अवताद, क्रांति, लेद, वकान, वकावट, वकाहट, मॉरगी, शिविलता, आति, सिहरन, हार।

७४३. वका—ब्राक्नीत, क्लांत, सेहित, वक्ताचूर, टोल, वका, वकामादा, वकित, वकीदा, वस्त, वरिश्रांत, तस्त, तस्त-वस्त, शिविल, शमित, अमी, श्रांत, विद्राचा, द्वारा ! ७४४. अलसाना—अरसाना, आलख होना, आलस्य करना, उनींदा होना, ऊँघना, अपकना, तंदित होना, निद्रित होना, अमस होना, मंद होना, सुस्त होना, सुस्ती करना।

श्रेप. ऊँघना—श्रलसाना, श्रोपना, श्रोपाना, भएकना, भएकी लेना, भेंपना, तंद्रित होना, निद्धित होना, पलक मारना, लटकना, सुस्त पड़ना।

४६. जॅमाई—बमुब्राई, जुम्भाई, जुम्भा,
 खुम्मा।

भरेष. भपकी—श्रौवाई, जँघ, जॅबन, भाँप।

अ. नींब्—मालस, उँचाई, श्रौषाई, कॅपकी, निंद, निदास, निद्रिया, निद्रा, सुन्ति ।

१४६. निद्रित—निद्रायमान, प्रसुप्त, जुप्त, सुषुप्त ।

६०. निद्रालु—उनीदा, ऊँघता हुआ, भौषित, निदासा, निद्रागस्त ।

६१. सोना—श्रांस लगना, सर्िट भरना, खुरिट लेना, निद्रा लेना, निद्रित होना, नींद में होना, नींद लेना, पौद्रना, श्रवन करना, स्यम करना, सोना, सोबना। दे॰ 'विभाग करना'।

६२. वेखवर सोना—कर्राटा भरना, कर्राटा भारना, खर्राटा लेना, वेख्नवर कोना।

६३. **सुलाना**—पौदाना, शयन कराना, बोसाना, स्थाना ।

६४. **भाराम**— सहत, विभाग, विराम, एवन, सुसा।

१४. चाराम करना-ग्रांस मारना,

दरकना, बकावट दूर करना, नींद सेना, पीठ संगाना, पौद्दना, तोटना, लोटना, लोट पोट करना, लौट पौट करना, विराम लेना, विभाम करना, शयन करना, मुसताना, सुस्ताना, सोना।

७६६. स्वप्न-खान, ज्यान, सपना, सुपना।

७६७. अभुआना (सोते में बोलना)---अक्षत्रकाना, अभुयाना, बयाना, वर्राना ।

७६=. जागरण्य—जाग, जागर्ति, जागरन, जागरति, जाप्रति ।

७६६. जागना— उठना, चैतन्य होना, चौकस होना, जगना, जागर्त होना, जागना, सजग होना, सावधान होना।

७७०. जगाना—उटाना, उद्गोबित करना, चैतन्य करना, बगाना, जागर्त करना, सजग करना, सावधान करना ।

७७१. सगबगाना—शकाना, सकपकाना, सगधगाना, सशकना, सुगाना, हिलना, हिलना-दुलना।

७७२. टेक — ग्राङ, ग्राभय, ग्रोट, तकिया, सहारा ।

७७३. टेकना—अइना, आइना, आइ लगाना, आभय लेना, ओट लगाना, टेक लगाना, टेक लेना, डासना लेना, तिकया करना, रखना, सहारा लेना।

७०४. रोकना— ग्रटकाना, ग्रह्मकाना, ग्रह्मन डालना, ग्रवरद करना, ग्रवरोधन करना, ग्रवरोधना, कीलन करना, ठइ-राना, यामना, थाम्हना, निषेध करना, पैर पकड़ना, प्रतिरोध करना, प्रतिषेध करना, वर्षना, मना करना, राख्या रोकना, वद करना, कॅपना, रोबना, वास्य करना, वाघा कालना, व्याघात कालना, इटकना, इाथ पकडना । ७७४. निवारण करना—श्रलभ करना, इर करना, निवारन करना, वचाना, वर्षना, मना करना, रोकना वर्षना, वार्ष करना, वारना, इटाना ।

७७६. रोकने बाला—ग्रवरोधक, ग्रव-रोबी, निषेधक, बाधक, विध्नकर्ता, रोधक, स्तमक।

शका हुआ—अवरुद, अवरोधित.
थित, थांभित,निधिद, निषेधित, बाधित,
मना, बद, कॅथा, रोका, विवत, वर्ण्य,
स्तामत।

रोक — श्रव्रश, श्रवरोध, थाम,
 द्याव, निषेध, प्रतिबन्ध, वर्जन, गनाहा,
 मुमानियत, दकावट, रोकथाग, स्तभन।

७७६. घेरना — श्रवरद कर लेना, श्रवरोध लेना, प्रसना, घेरना, छकता, प्रधन मे बालना, रोकना, लगाना।

प्रिना—ग्रावृत होना, विस्ता,
 ग जाना, छेका जाना, वॅघ जाना, वधन
 में होता, क्रमना, पंस बाना, फॅसना,
 सगना।

७८१. श्रटकना—श्रटक जाना, श्रटकना, श्रदना, श्रदका, उलभना, धिरना, रिकना, ठइरना, फँदना, फँसना, बभना, वभा रहना, वकना, सगा रहना, व्यस्त रहना।

भवनः व्यवस्थानः -- श्रदकानाः, श्रदकानाः, व्यवस्थाः, व्यवस्थानाः, श्रेदनाः, दिवानाः, उद्दरानाः, व्यवस्थाः, वंशानाः, दकावर व्यवस्थाः, रोकनाः, वस्य दरनाः। अप्तरे. बाँधना—श्रभुराना, उलमाना, गठियाना, गाँठ लगाना, गाँठ देना, ग्रंथि लगाना, बधन में बालना, बान्हना।

७८४. गाँठ-उलभाव, ग्रंथि, बंधन ।

७८४ सहायता--मदद, संग, सहार, महाई, सहाय, साथ, सहारा, साहाय्य ।

८७६. बिन्न — श्रटकाव, श्रहगा, श्रहचन, श्रवरोघ, ठहराव, यभन, प्रतिबन्ध, बाधा, बाधकता, बिधन, क्काव, क्कावर, रोक, रोधन, विष्न, व्याप्तात ।

अन्य सहायता देना—श्रागे दकेलना, श्रागे बढाना, कंघ' देना, कघा नगाना, घक्का देना, बढाना, बढ़ावा देना, मदद देना, साथ देना, सहायता करना, हाय लगाना।

७८८. बिझ डालना—श्रटकाना, श्रद्धा लगाना, श्रवरोधना, उद्धक लगाना, यॉभना. थाम्डना, श्रतबन्ध लगाना, गम्ता बन्ट करना, ६कावट डालना, रूधना, ६न्हना, रोकना, लंगी लगाना, स्याधात डालना टा रक्षता।

७८. सहायक--दायाँ हान, प्रतिपालक, महदगार, सहाय।

७६०. बाधक--श्रवरोधक, श्रवरोधी, विरोधी, स्वाधाती ।

७६१. क्रिपना— अप्रकट होना, अप्रकाशित रहना, ओट में होना, आह में आना, ओट में आना, गुष्त होना, गुम होना, क्रिपना, दुकना, इक्क रहना, इक्क आना, क्रुक्कना, क्रुक्ना, हट आन', इटना।

७६२. ख्रिपाना—ग्रंपेरे में रलना, ग्राफ्ट करना, गुप्त बरना, गोपिस करना, गोपना, दुकाना, ख्रिपाना, खुक्वाना, खुकाना।

७६३. गायब करना (१)—श्रॅंटियाना, खा जाना, गटरगों कर जाना, गोज कर जाना, इनम करना।

७६४. गायब करना (२) - खो देना, छोड़ देना, भुलवाना, भूल जाना, हेरवाना।

७६४. टटोलना—टकटोना, टकटोरना, टकटोलना, टकटोहना, टटोना, टटोरना, हुँदना, तलाशना।

७६६. खोजना—श्रनुसभान करना, दूँदना, तलाशना, पता लगाना, हेरना।

७६७. खोजबाना — खोब कराना, दुँद-वाना, तलशवाना, पता लगवाना, हेरवाना।

७६८. ढकना— म्रव्यक करना, म्राइ में रखना, म्रोट करना, म्रोट में करना, भर्मेंपना, दॉपना, तोपना, परदा करना, बद करना, मींचना, मूँदना । दे० 'खिपाना'।

ज्यार ना—उपाइना, उपार करना, उद्घाटित करना, लोसना, झाहिर करना, नंगा करना, नंपा करना, नग्न करना, परदा सोसना, प्रगट करना, वेपरद करना, वस्त्रमीयन करना, व्यक्त करना।

क्षान क्षेत्र क्षेत्र

६०१. स्रोप-श्रंत, श्रंतद्षीन, श्रंतमीय, श्रद्रशंन, ख्रिपाव, तिराबान, तिरोभाव, समाप्ति।

८०२. गोपन--श्रंतर्माव, ख्रिपाव, तिरो-भाव।

८०३. प्राकट्य-परगटना, प्रकटना, प्रादु-र्भाव ।

८०४. रिक — श्रपूर्व, साती, सुस्सा, स्रोसा, खूड, खूड़ा, रिक, रोता।

८०४. अरा — श्रपूर्ण, श्रोतप्रोत, पूरा, पूर्व, भरापूरा।

८०६. खोखला— ठोठरा, खोलला, पोपला, होमला, पोला ।

विलोम-दे॰ 'मरा', 'ठोव'।

८०७ पिचकना—चुचुकना, दबना, वँचना, पचकना, पिचकना, पिचिकना, विकुष्टना, सिमिटना।

८०८. फूलना (सवयव)- वोक्यना, चिकनाना, मोटाना, मोटा होना, व्यना, सोदना, स्यूल होना ।

८०१. खाली करना—सक्रियाना, सांस हाना, निकालना, रिक्त करना।

८१० भरना—अनरीता करना, ठूचना, ठेवना, पूरा करना, पूर्व करना।

द११. सहना — ब्राता, खरित होता, गिरना, खूना, अहना, अरना, टबबना, टूट कर गिरना, पतमार होना, पतन होना, पात होना, रखना, स्वकित होना । द१२. खारंभ— खनुबंब, खादि, खबिनोब, उत्पत्ति, उद्भव, उद्भावना, ब, डकेंद्-पात, बन्म, प्रकाड, प्रवम, सब्बा, प्रातुर्भाव, प्रारंभ, शुक्, धमारम्म ।

विकास-दे॰ 'नारा'।

दर्व. चारंस होना —ग्रवतरना, जाना, उपना, उपनना, चनमना। दे॰ 'ग्रँखु-चारा'।

परिष्ठ. आरंभ करना—आरंभना, ठान ठानना, ठानना, प्रारम्भ करना, बिस्मिक्सा करना, रोपना, शुरू करना, भीगरोश करना, समद्वत करना।

८१४. बनाना—दे॰ 'बनाना'।

=१६. बनानेवाला—निर्माता, प्रणेता, विधायक, रचक, रचयिता, विधायक, सर्वक, सिरवक, सिरवनहार, मृबक, कृषनहार।

परिष्य अस्म लेना—उगना, उत्पन्न होना, उपनना, पैदां होना, प्रस्त होना । देव 'ब्रासम्म होना'।

मरमः अन्मा हुआ-उतपन्न, उत्पन्न, व, बना, बात, पैदा, प्रश्तुत, संवात।

५१६. नाशना— इय करना, नासना, क्रूंकना, भिटाना, विनासना, संशरना, समाप्त करना।

विक्रोम-दे॰ 'रचना', 'बनाना'।

मरिः रौषता—श्रदना, श्रॅबना, दुव-सना, श्रॅबना, बहलना, ख्रिब-भिन्न करना, नष्ट करना, नष्ट श्रष्ट करना, नैस्तनाबृद करना, वर्षाद करना, पर्दन करना, मसलना, रौदना।

परि: समाप्त होना --चंत होना, जब-धान होना, गुजरना, पूरा होना, पूर्व होना, बीतना, स्वतीत होना, वपूर्व होना, वमाप्त क्षेत्रा।

धरेश. तशका—संव होता, खब होता, खबमा, नासका, नववा, झबना, मिटना, विनसना, विनसाना, संहरना, समाप्त होना।

बिलोम-दे॰ 'बनना'।

प्दर्शे. नाश-श्रंत, श्रवसान, द्य, ध्वंस, ध्वंसन, तबाही, नास, पराभव, वरवादी, बर्बादी, मंबन, लोप, विश्वस, विध्वंस, विनशन, विनास, विनास, संहार, समाप्ति।

विलोम—दै॰ १. 'निर्माख' 'रचना'। २. 'बन्म' 'श्रारम्भ'।

प्रश्रः नाशक — ग्रंतक, ग्रंगह, घाती, घायक, घालक, ध्वसक, ध्वसी, नरोहर, नाशक, नाशकर्ता, नाशकारी, नाशी, मारक, विध्वसी, विनाशक, विनाशी, सहारक, हता, हर, हर्ता, हारक।

द्धरेश. विश्वस्त —तबाह, धराशायो, ध्वस्त, नष्ट, नष्टभ्रष्ट, पराभूत, परास्त, बर्बाद, मृत, त्रिवस, निश्वस्त, विनष्ट ।

८२६. ठीक-मञ्जूषया, जन्हा, दुरस्त, परक, सही, साबित, साबुत ।

प्दरु गत -- गत, परोच्च, पहले, पीचे, विगत, बातः हुमा, भूत, व्यतीत ।

८२८. स्वर्भवासी - गन, परिहित, फौत, सृत, स्वर्भवाती, स्वर्गीय ।

८२६. मृत-मरदूप, मुरदा, मुरदार, मुद्दी, मृत, मृतक, स्वर्गवामी, स्वर्गवाली, स्वर्गीय।

८३०. शबदाइ— स्रविनदाह, स्रतिदाह, प्रेतदाह ।

परे श जजाना (शष)-- जंतिम किया करना, जंतिष्ट करना, बराना, बसाना, रण्य करना, रण्याना, शद तंस्कार करना, कुँकना। प्रश्नित्य, ग्रस्थायी, स्था-भंगुर, स्थाक, स्थिष्णु, स्था, खपल, स्र, नश्वर, नाशवान, नाशी, नासी, स्राल, विनश्वर।

५३३. श्रनश्वर—श्रज्ञ्य, श्रज्ञ्य, श्रज्ञ्य, श्रज्ञ्य, श्रज्ञ्य, श्रविनाशी, चिरस्थायी, निस्य, शाश्वत, स्थायी, स्थिर।

७३४. स्मर्ण-श्रिभज्ञान, ख्याल,, चेत, धारण, ध्यान, याद, सवर, सुध, सुधि, सुमरन, सुमृत, सुमृति, सुरत, सुरति, स्मरण, स्मृति।

=३४. विस्मरख—भूल, विस्मृति ।
=३६. स्मर्ण शक्ति—मेघा, याद, याददाश्त ।

भ्दे७. स्मर्ग्य करना— ख्याल करना, चेतना, याद करना, सुध करना, सुधि करना, सुधि लेना, होश करना।

मरेम. रटना- ज़बान पर रखना, बर्राक करना, बार बार कहना, याद करना, रट लेना, स्मरण करना, हफ्ज़ करना, हिक्क़ करना।

माध्य दिलाना—चेत दिलाना, बाद दिलाना, सुध दिलाना, सुध दिलाना, सुध कराना, सुध कराना, होश दिलाना।

मह०. सुधि— श्रीसान, ख़बर, चेत, चेतना, संका, सुध, सुध-बुध, होश, होश हवास । महिश अपूर्ण — श्रानुचित, श्रायथा, श्रायथा- र्यता, श्रासोक, श्राहुद्धि, उलटा, ग्रस्ती, चूक, श्रुटि, बुरा, बेठोक, भूलचूक, विषयंय।

३४२. भूता हुचा-वेग्रुघ, भूता, भूता-भटका, विस्मृत, भ्रमित, भ्रांत । पश्रे. भूजना— ग्रम्याना, नक्ष्यामा, ग्रम्या करना, ग्रम्या होना, चूक करना, चूकना, चेत से उत्तरना, प्रमादवश होना, विसरना, विस्तराना, भरमना, श्रुरामा, भूज करना, भूल जाना, भूलचूक होमा, भूजन-चूकना, अम में पहना, अमित होना, आंति में पहना, विस्मर्थ होना, विस्मृति होना, सुध न रहना, सुधि खोना, सुधि भूजना, सुधि विसरना, होश न रहना।

८४४. भुलाना—चरका पढ़ाना, चराना, चाल बताना, चालवानी करना, चाल सिकाना, छलना, छलछद करना, घोला देना, पढाना, प्रतारण करना, प्रतारणा देना, पवचना देना, प्रवंचित करना, फुसलाना, बद्द्याना, बुत्ता देना, भटकाना भुरवाना, भुलवाना, भोराना, सिकाना। प्रक में करना, एकरार करना, घाल-मेल करना, मिलावट करना, मिश्रित करना, मिश्रण करना, चयुक्त करना, सिम्मश्रण करना, सम्मिलित करना।

८४६. मिलावट—क्राश्लेषच्, मिभच, मंकरता, सश्लिष्टता, सम्मिभचा, सस्वाध्ट । ८४७. मिलाया हुचा—मिभ, मिभत, मीलिन, संयुक्त, सन्ध्यि, सस्वध्य, सहित, सम्मिलित ।

८४८ मिलना—दर्शन, देखा-देखी, मेंड, मिलन, मिलाप, मुलाकात, नपर्क, तंयीम, संक्षेप, साद्धातकार।

विशेष—किया 'मिलना' के लिए अपर के शब्दों में 'होना' चोड़कर, शब्द बनाए चा सकते हैं। प्रथः मिस्नन-पिलना, मिलाव, मेल, चंगम, चंघट, चंघटन, चंगेलन, सबोग, चंग्लेष, सम्मेलन ।

पश्च मेल इत्रज्ञाक, एकता, एका, एकाई, एकाकारिता; एकात्मकता, एकी-कर्य, एकाभूति, एस्य, मिलन, मिलान, मेल, मिलाप, संग, संगठन, संगम, संघट, सघटन, संपह, सघटन, संपात, संयुग, संयोग, सभय।

म्४१. मेल-जोल—श्रामदरप्रत, श्रावा-बाही, खाबखय्या, परिचय, मुलाकात, मेल-मिलाप, रब्तब्बत, संयोग, सद्दाबद्दा, सद्भाव, समन्वय, हेलमेल।

प्रश्न. संग-सर्गात, सहवास, सहितता, साथ, साहित्य, सोहबत, हमराही।

८४३. अलग करना —श्रग्याना, श्रलगाना, ब्रलगियाना, उकालना, उलाइना, उखारना, उचाटना, उचाइना, उच्चा-टन, करना, उचेडना, उन्मूलन उन्मूलित करना, उपाटना, उपाड्ना, उपारना, उफारना, उमादना, क्रोसाना, कपटना, कबारना. काटना, काटना, किरोलना, कुरेदना, लिलयाना, चाँडना. बाँटना, क्षीनना, क्षोलना, क्षोब्ना, क्षालना, श्रुपः करता, टालना, बुलाना, बोनाना, सोडना, दूर करना, दूर हटाना, निकारना, निकालना, निकासना, निकियाना, निवे-क्रमा, निसारना, पृथक् करना, फटकना, कोइना, वहिष्कार करना, विलगाना, बेराना, विम्नह करना, इटाना

धरेष्ठ. श्रांत्वण होना—श्रांत्यना, श्राहुठना, श्रांत्रचना, उत्तरना, उत्तरना, उत्तरना, उत्तरना, उत्तरना, उत्तरना, उपहला, उपरना, कबरना, कटना, कदना, खिलना, छँटना, खुटना, खुड्ना, छूटना, बुदा होना, टूटना, डोलना, निकलना, निकला, निकला, निकला, निकला, किराना, पृथक् होना, फटना, फरियाना, बरकना, बिखुक्ना, विलयना, वियुक्त होना।

प्रथ. अलग — अयुक, अलग, अलहदा, असंग, असवद, लारिख, खुदा, निनारा, न्यारा, न्यारे, पृथक, फुट, फुटकर, बाह्य, बिलग, भिल, वंचित, बिच्छिल, विभिन्न, वियोग — अंतर, अलगाव, अलहदगी, खुदाई, पार्थक्य, पृथकता, फरकाव, फिराक, भिज्ञता, भेद, वियोग, विच्छुच, विक्रंड, विभ्रतम, विभक्ति, विरइ, विश्रतम, विभक्ति, विरइ, विश्रतम, विभक्ति, विरइ, विश्रतम, विभक्ति, विरइ, विश्रतम, विभक्ति, विरइ,

८४७. सयोग-रतेष, संबोग, संरतेष। दे० 'मोल बोल', 'एकता', 'मिलन'।

प्रथा एकत्र करना—समेरना, समेजना, सर्जन करना, साकलन करना, इकट्ठा करना, उगाहना, एकत्रित करना, समाना, ज्या करना, खुराना, खुराना, खुराना, खुराना, खोगवाना, बोगाइ करना, भोरना, बटेरना, बिटोरना, विद्वना, मिलाना, संकलन करना, संकलित करना, संमहना, संजीवना, सवाना, संचय करना, संमूष्टि करना, सिहारना।

विक्रोम-दे॰ 'विसेरना', 'फॅबना'।

प्रश्नः एकत्र होना—श्रगटना, इक्ट्रा होना, एकत्रित होना. विरना, प्रमङ्गा, वमना, बुटना, बुदना, बुरना, बुमना, बदुरना, मेलना, सिंपपात होना, सिम-टना ।

बिलोम-दे॰ 'विखरना'।

८६०. एकत्र - श्रंतभवित, श्रांतभू त, श्रक, श्रन्वित, श्रपरिन्छन, श्रविभक्त, इकजोर, इकट्ठा, इकतर, इकन, इकस्रत, इकेट, एकत, एकत्रित, कुल।

८६१. एकत्र किया हुआ-एकत्र, संक-सित, संप्रहीत, सगृहीत, संचित, सँबोइल, सँबोवल, सहत, सहित, समवेत।

द६२. संप्रह—चयन, संकलन ।

बिखेरना-इधर उधर खितराना, छींदना, तितर वितर करना, तीन तेरह करना, पश्चरना, प्रकाश करना, प्रचार करना, फैलाना, बखेरना, बारह बाट करना, बीगना, बिखेरना, विथारना । ८६४. गूथना (मोती आदि)-गुत्थी करना, गूँथना, टाँकना, परोद्दना, पिरोना, पोइना, लगाना, सीना।

द्र६४. बिखरना—इधर उघर हाना, छिट बाना, ख्रिटना, ख्रिटाना, ख्रितराना, पस-रना, प्रवरित होता, फैलाना, वियरना । विकोब-दे॰ 'एकत्र होना'।

६६६. बटोरना (बस्तु या द्रव्य) --- इक्ट्ठा करना, एकत्र करना, एकत्रित करना, बुटाना, बुराना, बिटौरना, संकलन करना, सकतित करना, सचय करना, संबद्द करना, सकेलना, समेटना। दे॰ 'एकत्र करना'।

८६७. लुटाना--उदाना, खरचना, खोना, गॅबाना, दे देना, पानी की तरह बहाना, बरबाद कर डालना, बहाना, बाँट देना । दे॰ 'फॅकना'।

पद्य. फेंकना-शिराना, गेरमा, खादना, क्षोड्ना, डारना, डालना, चुल्हे में बालना, त्यागना, दूर करना, नाना, नावना, निकालना, प्रचेपच करना । प्दश्. बटोरना (ग्रंग आदि)-खीचना, बटोरना, लौटाना, संकोच करना, समेटना, सिमिटना, सिकोइना ।

८७०. फैलाना (अंग आदि)-तानना, पसारना, विस्तार देना ।

८७१. फेलाना-श्रकाना, करना, गिराना, छाना, छितिराना, इसाना, बासना, फेंकना, नगराना, नगारना, बबना, बद्दाना, विखेरना, विधारना, विश्वराना, वियोरना, विसतरना, विस्तारना, बीगना,

प्रथे. टूटनाः—संड संड होना, संडित होना, चटकना, चटलना, चनकना, तडकना ।

८७३. तोड्ना--संड सड करना, सडित करना, चटकाना, चटलाना, वडकाना, भंग करना, अथना, अवन करना।

८७४. जोड्ना-एक में करना, कीलना, बुक करना, खुटाना, खुद्रना, बोरना, मिलाना, संयुक्त करना।

८७४. जुड़ा हुचा--बुटा, चोड़ा, संयुक्त, संजुत, सयुक, समन्वित, समवेत, समेत । ८७६. दुकड़ा-काड, संड, विदी, चिट, छ, दुकड़ा, भूता, नस, परकासा, काँक, भग, शास, शासा । दै॰ 'ऋष्याय'।

८७७. जिसके दुक्दे न हों-- अवंद, द्यबंडक, द्रकंडित, द्रक्षित, द्रमंग, श्रमंगी, श्रभग्न, श्रभंत्रन, श्रविभाष्य।

मण्यः संखित— खुरण, दृटा हुन्ना, मग्न । मण्डः सम्पूर्णे— मन्नांड, मखुरण, मसंड, मसंडित, मसिस, इसमाल, कामिल, मंक, ठाढ्ग, तमाम, निसिस, पूरा, पूर्ण, भरपूर, सगरो, सब, सम्म, समस्त, समूचा, सरा, सिनरा।

दन्न. काटना-कतरना, कतर व्योत करना, कर्तन करना, कर्तरी चलाना, कलमना, काट छाँट करना, काटना, कृतरना, कैंची करना, छाँटना, छेवना, छीलना, टॉचना, टुकके करना, तराशना, संगना।

भद्ध सीना—कच्चा करना, गूयना, गूलना, जोबना, टॉकना, टॉका मारना, टॉचना, डोभ डालना, बिखया करना, रक्क करना, लंगड देना।

यमर कतरन-कतरा, संड, दुकड़ा, दुकड़ी।

मन्दे, **कटाई**—कटान, कतराई, काट, काट काँट, तरारा !

प्याप्तः चुनना — अगोटना, उद्घाटना, वयन करना, विनना, खाँटना, निर्वाचन करना, बीखना, बीनना, बीखना-बराना, बेराना, सोइना, विकासना।

ब्रह्म. खुना दुष्मा-- बुनिंदा, सॅटा दुष्मा, खाँटा, निर्वाचित, बराया, बीखा, बेराया, कोद्दा, बिलगाया।

क्दर, युनने बाबा-निर्वाचक ।

क्र-७. बॉटना--इरी सगाना, बसरा सगाना, बॉट करना, माग करना, विभक्त करना, विभावन करना, विभावित करना, दिखा करना, दिखा सनाना। पप्पः बाँटा हुआ—बंटा, बाँटा, वर्गीकृत, विभक्त, विभागित, विभाजित। प्रम्धः बँटवारा—बॅटवारा, बाँट, विभक्ति, विभाजन, विभाग। प्रधः बाँट—क्री, बखरा, बाँट-बखरा, भाग, हिस्सा।

पश्. सामा-शिरकत हिस्सा।

६२. फटना—ग्राग्कना, त्रोदरना, चिट-कना, चिड्कना, चिरना, चिड्रना, छितराना, दरकना, दररना, दरार पड़ना, फूटना, विदरना, मुस्कराना।

म्६३. फाइना—चिटकाना, चिइराना, चोइना, चीयना, चोरना, चोयना, छितराना, दरार डालना, नोचना, बिदारना।

प्रदेशः फोड़ना- वाल कालना, कड़काना, करकाना । देश 'तोड़ना'।

म्ह¥ः स्वा—श्रासु, क्या, कविक, कन, किनका, किनको, खुदी, ब्री, परमासु, व्वा!

मध्यः सुर्यना — उलाइना, ककोरना, करोना, कुरेदना, खराशना, खरोचना, खरोचना, खरोदना। स्थापना, खरादना, स्थापना, खरादना, स्थापना, स्

दश्द. निराना—निगई करना, विनाई करना, बीनना, सक्तई करना।

प्रश्. उगलना—श्रलग करना, आगे रखना, उगलना, उज्ञटना, उलटी करना, श्रोकक्षाना, श्रोकाना, है करना, खाँट करना, श्रकना, न क्षिपाना, न प्या यकना, न रखना, निकतना, प्रकट करना, बाहर करना, भीतर न रखना, वमन करना, स्पष्ट करना ।

६००. उखड्ना—श्रलग होना, उक्लना, उक्सना, उखरना, उघड्ना, उमङ्ना, उभरना, टूटना, निक्लना, निक्सना, पृथक् होना ।

६०१ उखाड्ना—ग्रलग करना, श्रल-गियाना, उखाइना, उचाइना, उपेइना, खसोटना, चौयना, जुदा करना, नकोठना, निकालना, निकोटना, नौचना, पृथक् करना।

६०२. चिपकाना—चपकाना, बमाना, जोइना, मिलाना, लगाना, सटाना, सॉटना, साटना ।

६०३. उखाड़ा हुन्त्रा—ग्रलगाया, ग्रल-नियाया, उखारा,उचाड़ा, उघेड़ा, निकाला, निकोटा, बिलगाया।

द्धः चिपकाया हुद्धा—चपकाया, चिपकाया, जमा, जोड़ा, मिला, लगा, सटा, साटा।

३०४. उडेलना — उड़ेलना, उँड़ेलना, उल्लिना, उभित्तना, उदहना, उलटना, उलिचना, उलीचना, गिराना, गेरना, दालना, निकालना।

३०६. डालना — गिराना, नाना, नानना, भरना।

६०७. निकियाना—ग्रलग करना, त्रल-गाना, खोतना, खोलइाना, विलगाना।

१८८. निकिश्वाया—श्रलगाया, बिलगाया। १०६. उगाहना (रुपया ब्यादि)— इकट्ठा करना, एकत्र करना, एकत्र करना, तसीलना, तहसीलना, लेना, वस्तुल करना, वस्त्ती करना। विलोम-दे॰ 'खर्च करना' 'बॉटना' 'फेकना' 'खितराना'।

६१०. अल्प — आणु, ईवत्, ईवद, कडु, कछुक, कुछ, कण, कतिक, कम, कमती, किंचित, कोता, कोताह, ज्रा, तिन, तिनक, योदा, योरक, म्पून, मुख्तसर, रंच, रंचक, रिवक, लव, लेख, हस्व।

६११. श्रधिक—श्रगम, श्रगम्य, श्रगरा, श्रगाइ, श्रचीता, श्रितश्य, श्रतीव, श्रदुल, श्रदुलनीय, श्रदुलित, श्रतोल, श्रचोर, श्रदभ, श्रिक, श्रिकांश, श्रनन्त, श्रमस्य, श्रिपार, श्रीमत, श्रिकांस, एयादा, बहुत, बहुतेरा, बहुल, बेश, बेशी।

६१२. अल्पता-अकाल, अल्पता, अल्पत्व, कमी, कृषता, कृपताई, कृषत्व, कोताई, घटती, घाटा, योकापन, न्यूनता, न्यूनताई, लघुता, लघुत्व. हास ।

६१३. ऋधिकता—ग्रगमता, श्रतीकता, श्रत्यंतता, श्रधिकता, श्रधिकाई, श्रनस्पता, ज्यादती, बहुताई, बहुतात, बहुतायत, बहुत्व, बहुलता, वेशो।

६१४. ऋतिरिक्त--अलावा, छोडकर, वितरिक्त, वितरिक्त, सिवा, सिवाय!

६१४. कम होना—अवनित करना, आन्ता जाना, ओराना, कमती होना, कम पड़ना, कमी पड़ना, खगना, ख़तम होना, उन्नीस होना, आहरना, चूकना, चूक जाना, बीझ होना, नीचे आना, न्यून होना।

६१६. चॅटना — ग्रॅंट बाना, बॉटमा, क्म न पदना, काफी होना, खबना, क्विंच होना, पूरा पदना, पूरा होना। १.१७. श्राधिकाना—श्राधिक होना, उन्निति करना, ज्यादा होना, बढ़ना, विशेष होना, शृद्धि करना, वृद्धि पाना।

६१८. संग—गोहन, संगत, रसर्ग, समेत, महयोग, सहित, साथ, इमराह ।

६१६. श्रकेला- ग्रकसर, श्रकस्वत्रा, श्रकेले, श्रयुग, श्रयुग्म, इकला, इकल्ला, इकसर, एकंग, एकाको, तनहा ।

६२०. ऋकेलापन—इक्लाई, एकातता, तनहाई

६२१. अतेला दुकेला—अकेल-दुकेल, इक्का-दुक्छ।

६२२. सदित-मिलाकर, लेकर, साथ मे, सुद्धां, सुपा।

६ रहे. जाश्रा -- यमज, यमल, यामल ।

६२४. समृह्—ग्रवार, ग्रवाहा, श्रटवर, ब्रटहर, श्रद्धा, च्रद्धाला, ब्र**दा**र, च्रमार, श्रतमगाँन, श्रान्ता, श्राट, श्रांटा, श्रांख श्रोध, कतार, कदब, कलाप, कलापक, कपाल, कुल, कोट, कोटि, कोरि, कोश, खिलकत, भेड़, खंदा, खाप, गज, गजो, गट्टर, गडरा, गड्डा, गड्डा, गगा, गन, गरोइ, गल्ला, गुह, गांत, गांत्र, घन, चक, चय, चिति, तुः, ज्ख्नोरा, जन, जमायत, जमत-बड़ा. जाल, जालिका, ज्यादा, भल, भला, भार, कुएड, भौवा, भौर, टोली, ठट, टड, टाट, डाटर, टाटो, इग, देर, ढेरी, तांत, थाक, दंगल, दल, दाम, धारा, धारि भारा, निकर, निकाय, निचउ, निचै, निबह, निबह, धक, पंगति, परल, परिकर, पाँतां, पुलिबा, पूरा, पूला, फ़िरका, जीज, बडल, बांडल, बखार, बहुत, बरूथ, बोभा, बन, भडारा, मडल, मडली, माला, मुहा, मोटरी, यूथ, यूइ, लेंड्ड्, लेंड्डा, लोक, लोग, विताक, विवर्त, इन्द, ब्यूह, ब्रज, सकुल, सघ, संचय, सदोह, समवाय, समाहार, समुच्चय, समुदाय, समुदाव, सानु, स्कथ, स्तोम, हार।

ध्रथः श्रादमियों का समूह—श्रवाड़ा, श्रास्था, उपस्थान, कमेटी, गण, गरोह, गिरोह, गुह, जत्था, जथा, बनवास, जमायत, बमावड़ा, जशन, बलसा, सुएड, टुकड़ी, तबका, थोक, पिक, पगत, पर्गत, परिश्रय, परिवत्, पलटन, पॉतो, कीज़, कौट, बरात, भाड़, मडल, मडला, मजलिस, महिमल, महासमा, यूथ, यूह, संघ, तस्था, समिति. समुदाय। दे० 'भाड़'!

६२६. भीड़ —जनसमूह, ठट, ठठ, भग्भड़, भन्मड़, भीर, भोड़-मड़क्का, माड़-माड़, सकुल ।

६२७ **बटोर** — जमावड़ा, बिटोर, स**न्निपात।** ंद० 'भाड़', 'समूह'।

६२८ जेहडू—छंड, गलजा, गाला, भुगड, डेर, दल, लह्दा।

६२२ घाल स्नादि का बॅबा हुआ सुडा -- स्नाट, स्नाटा, गहा, पूला, बोमा।

६३०. पुर्तिदा--गहर, म**ङ्क, मङ्की, हेर,** डेस, महत्त, मुद्दा, नाटरा ।

६३४. सून का समूह—श्रंटा, श्रट्टा, श्रांटो, किरचा, गोली, पेचक, पोल, रास, लन्छी, लच्छा, लर्छा।

६३ - . कुल समूहात्मक शब्द—(कोष्ट में उनका सख्याएँ हैं)—कोड़ी (२०) गंडा (४), गाही (५), चौवा (४), दोली (२००), दर्जन (१२), बीसी (२०), सैकड़ा (१००, १२० या १४०)।

६३३. फटना (वस्त्र)—चलगना, चीर लगना, जोर्ण होना, जीर्ण शीर्ण होना, फाटना, मसकना।

६३४. फाड़ना—चीयना, चोंथना, दुकड़े-दुकड़े करना, नोंचना, विदारण करना, विदारित करना।

६३४ नोचना—उखाइना, उखारना, खसोटना, खींचना, चोंचना, नांचना, नोचना-बकोटना, बकोटना ।

83६. चीरना—चीडना, चीयना, चीरना, फट्टा करना, फाइना, फारना, विदारना, विदारमा, विदारमा, विदीर्ण करना, विदीर्ण करना।

६३७. फूटना (बर्चन स्त्रादि)—चट-ख्रना, चड़कना, चिहरना, दुकड़े-दुकड़े होना, फटना, दो टूक होना, बाल पहना, बिहरना, विदीर्ण होना।

६३८. घिसना—ख़तम होना, खियाना, वर्षण करना, घिस जाना, मलना, रगड़ काना, रगड़ना, संवर्षण करना, समाप्त होना।

६३६. दूटा फूटा- - उद्ध्वस्न, ब्रिन्न-भिन्न, बीर्य, बीर्यशीर्य, ध्वस्त ।

१४०. सरम्मत-जोलींद्वार, दुरुती, रशोधन, संस्कार, संस्कृति, सुधराई,

६४१. सुधारक—संशोधक, संस्कारक। ६४२. सुधारना—श्रच्छा करना, ठीक करना, बनाना, शुद्ध करना, सँवारना, सशोधन करना, संशोधित करना, सुधार करना।

६४३. विगमङ्ना—ख्राव करना, नष्ट करना, नष्ट-अष्ट करना, पोत देना, बर-बाद करना, बर्बाद करना, मिटाना, मिट्टो करना, मेटना, मेट देना, लीप देना, लीपपोत बराबर करना, विकृत करना।

६४४. बनाना— श्रस्तित्व देना, गद्ना, ठीक करना, ठोंकना, तैयार करना, दुक्त करना, निर्माण करना, निर्माना, निर्मित करना, प्रस्तुत करना, बनाना, रचना, रूप देना, विधान करना, सँवारना, ग्रंकार करना, सजाना सिरजना, सुधा-रना, सृजाना, स्वरूप देना।

६४४. विगडना—खराब होना, ठोक न रहना, नष्ट होना, नष्ट-भ्रष्ट होना, बर्बाद होना, बुरा हो जाना ।

१४६. **बिगडा** - खरान, गिरा, नष्ट, नष्ट-भ्रष्ट, नर्नाद, भ्रष्ट ।

६४७. **बननाः—ठोक होना, बनाया** जाना, पूरा होना, रचा जाना, होना।

नोट — 'बनाना' के 'पर्यायों के क्राधार **पर** क्रीर भी पर्याय बन:ये जा सकते हैं।

१४८. द्शा—श्रवस्था, गति, रवैया, स्थिति, हालत ।

६४६. दुर्दशा—श्रपगति, जिल्लत, दुर-वस्था, दुर्गत, दुर्गति, नरकभोग, फिबह्त, फ़ज़ीहत ।

६४०. ऋच्छी दशा—सद्गति, सुगति । ६४१. दुर्देशाप्राप्त—गिरा, दुर्गत, दीन । ६४२. प्रथा—चलन, चलनि, चाल, पद्धति, परिपाटो, प्रगाली, परया, रवाज, रस्म, रस्म, रिवाज, रीति, रौली । १४३. परंपरा — इ।यदा, चलन, चाल, बस्त्र, नियम, खाज, रीति ।

६४४. परंपरागत—कमागत, क्रमिक ।
६४४. चलाना—ग्रागे बढ़ाना, चालित
करना, प्रचलित करना, प्रचार करना,

प्रचारित करना, रायच करना ।

६४६. तौलना—बोलना, तराज् करना, तोलना, बाँट करना, वज्न करना, वज्न लेना।

६४७. तौलने की क्रिया—बोल, बोलाई, तुलाई, तोलन, तौल, तौलाई, नाप।

६.४८. मात्रा-परिमाख, मिकदार, वज्त ।

६४६. वजन—तोल, तौल, बोफ, भर, भर, भार, वजन।

६६० पासंग-—पर्संग, पमँघा ।

६६१. जिससे नापा जाय—नाप, पैमाना, मान, मानदङ, माप, मापङ ।

१६२. नापने का काम-नाप, पैमाइश, माप।

१६२. अनुमान—श्रंदान, श्रटकल, क्रयास, श्रमुमिति।

६६४. अनुमान करना—श्रंदान करना, श्रदाना, श्रंदान सगाना, श्रंदान। सगाना, श्रनुमान करना, श्रनुमानना, श्रद्धकरना, श्रद्धका, श्रद्धका लगाना, श्राँकना, कृतना।

६६४. श्रातुमानतः — श्रंदानन, श्रदान से, करीब, करीब-करीब, तख्रमीनन, मोटा-मेटो,मोटे तौर पर, मोटे रूप से, लगभग। ६६६. जिस का श्रातुमान न हो सके— अननुमान, अकृत, अतील, अतुल, अपरिमेय, वेश्रंदाज्।

६६७. अँकवाना— श्रॅंकाना, श्रंद्ववाना, श्रंदान कराना, श्रटकस सरावाना, श्रनु-मान कराना, कुतवाना, कुताना, त्यन-मिनवाना।

६६८. कल्पना करना—श्रनुमान करना, फर्न करना, मानना ।

६६६. कल्पना—ऋतुमान, ख्यास, फर्न, मनगढ्न्त, मन की उपन, मनन, मानना, मानसन्।

 ७० कल्पित— श्रीपन्यासिक, काल्पितक,
 ज्याली, नकली, फर्बी, बनावटी, मन-गढ़न्त, मनमानी।

१७१. संभव- ग्रमकिन, संभाव्य, संभा-

६ ४२. असंभव—गैरमुमकिन, नामुमकिन । ६७३. संभवतः—कदाच, कदाचन, कदा-चित, कर्यंचित्, गालिबन्, मुमकिन है, शायद, स्यात् !

१७४. जबरदम्ती- नबरई, जबरन, स्रोर, बरियाई, बल, इठ ।

१७४ जनरदस्ती से- व्यस्त, वर्गारमा, जोराजोरी, जोरी, वरवस, वरियाँई, वल-पूर्वक, वलात्, इठात ।

१७६. समीप— द्यांतक, श्रांतपाश्वं, श्रदूर, अध्यास, श्रानतिदूर, श्रामत, श्रम्यम, श्रम्यर्था, श्रम्यास, श्रासन्न, उपकंट, दिंग, तट, निकट, नेरे, पाश्वं, पास, सदेश, सनीह, स्विकट, स्विकृष्ट, समर्याद, सविधि,सवेश।

९७% दूर-जन्मना, न्यारा, परे, पृथक, भिन्न, विगत, विलग् । १७८ नियराना—नियचाना, नगोच स्त्राना, निकट स्त्राना, नीयरे पहुँचना, पास स्त्राना, समीप स्त्राना।

६७६. बायाँ—शाऍ, बाम, बायें, वाम। **६८०. दाहिना—**दिक्कण, दहिना, दाऍ, दाहिन।

&८१. बाहर—विहः, बहिरत, बहिर्गत, बाहिर ।

६८२. भीतर—ग्रंदर, ग्रभ्यंतर, श्राभ्यंतर, भीतर, भीतरि, मफ, माँयं, मॉह, मॉहॉ, माहिं, माहों, में ।

६८३. बाहरी--वहिरंग, बाह्य ।

ध्यप्त. भीतरी — श्रंदर का, श्रदरी, श्रंदरूनी, श्राभ्यंतरिक, भितल्ला, भितल्ली, भीतर का, भीतरिया।

६८४. बीच — श्रदर, श्रभ्यतर, दरमियान, मंज्म, मॅफार, मिब, मध्य, मफ, मॉफ। ६८६. इशारा — इगित, प्रतित, सनकार, सकेत।

६८०. इशारा करना — श्रंगुलि निर्देश करना, श्रांख मारना, 'इशारा' के पर्यायों में 'करना' जोड़ कर श्रौर भी शब्द बनाये जा सकते हैं!

६८८. यहाँ — अत्र, यहि, हियाँ, ह्याँ।

६८. वहाँ-नत्र, तहाँ, वाँ, हाँ।

६६०. जहाँ-यत्र, जिस जगह।

६६१. जहाँतहाँ — इतस्ततः. इधर-उधर, यत्रतत्र, यत्रातत्र ।

६६२. कहाँ—िकस जगह, कुत्र ।

६६३. दूसरी जगह—श्रन्यत्र, श्रपरत्र, श्रीर कहीं, कहीं श्रीर। ६६४. सब कहीं — बहाँ कही, सन बगह, समत्तर, सर्वत्र।

६६४. किसी स्थान पर—कतहुँ, कतहूँ, कहीं, कहूँ।

६६६. में - श्रहम्, भें, मों, इम, हों।

६६७. तुम—श्राप, त्, भवती, भवान,
श्रीमान ।

६६८. मेरा—मम, मोर, मोरा, इमार, इमारा।

६६६. तुम्हारा—ग्रापका, तब, तेरा, तोर, भवत, भवदोय।

१०००: ऋापसे — ऋपने ऋाप, ऋापरूप, ऋापसे ऋाप, ऋापही, ख़ुद, खुदही, ख़ुद ब खुद, स्वतः, स्वतः हो, स्वय, स्वयंही ।

१००१. जैसा—जइसन, जस, बो, ज्यों। १००२. तैसा—तइसन, तस, तैमे, त्यों, वैसे।

१००३. या—ग्रथना, किंना, चाहे, वा । १००४. स्मगर—बिंट, यदि, बो, शायद । १००४. स्मगरचे—श्रगचें, गोकि, बदपि, बावट्रे के, यदपि, यदिचेत, थद्यपि । १००६. इसलिए—ग्रतएन, श्रनः, श्रस्तु, परिगामनः, परिगामस्वरूप, फलतः,

१००७. फिर भी—श्रपरंच, पुनः, फिर, फिर मी!

फलस्वरूप।

१००८ कदापि नहीं क्तर नहीं, कभी नहीं, बिल्कुल नहीं, मुतलक नहीं, हर्रागज़ नहीं।

१००६. बार-बार---श्रवसर, श्रहोर, श्रहोर-बहोर, श्राएदिन, कईवार, किर, फेरि, प्राय:, बहुवा, बहोर, बहोरि, बारहा, मुहुः, मुहुर्मुहुर, रोज़। १०१०. कितनी बार—िकसी बार, कैबार।
१०११. पुनः—ग्रपरंच, पुनि, फिर।
१०१२. किंतु—श्रिपतु, परंतु, लेकिन।
१०१३. श्रचानक—ग्रक्रस्मात, श्रचकाँ,
श्रचाचक, श्रचाका; श्रचान, श्रचीता,
श्रतिकिंत, यहच्छ्या, श्रमचीता, श्रमचितले, श्रमायास, श्रप्रत्याशित रूप से,
श्राकरिमक, श्रापाततः, इकबारगी, इकहाई, उचका, एक व एक, एकबारगी,
एकाएक, एकाएकी, श्रौचक, तत्स्त्या,
सद्यः, सपदि, सहसा।

१०१४. तथापि--तत्तापि, तदपि, तद्यपि, तौ भी।

१०१४. थोड़ा थोड़ा कर के-श्रल्पशः कमशः, धीरे-घीरे।

१०१६. संपूर्णतः—पूर्णतः, पूर्णरुपेण, चंपूर्णतया।

开

- वश— त्रलल, त्रास्पद, कुटुम्ब, कुल, खानदान, खान्दान, गोत, गोत्र, घराना, नसल, परिवार, बंश, बस, मस्कर।
- २. इलीन—ग्रमिजात, कुलवंत, कुलवान, कौल, खानदानी, खान्दानी, मुजात।
- गोत्र— क्री, श्रास्पद, गोत, चरग.
 वाति. नामि ।
- ४. संगोत्र-गोतिया, गोती, गोतिय, प्रवर, आईबंधु, संगोती।

- ४. पूर्वज-पुरस्ता, पूर्वन, पूर्वपुरुष, नंशन, नापदादा ।
- एक ही पूर्वेज से उत्पन्न-एक बही,
 दयाद, दायाद, पट्टीदार।
- पुश्त—बुग, तंतु, पीढी, पुस्त ।
- प्रतिक-ऋकथ, ऋक्थघन, ऋक्थ-प्राप्त, खानरानी, खान्दानी, तरका, पुश्तैनो, वपौती, मीरास, मौरूसी।
- ६. वरासत—ऋवथ, दायधन, वर्सा ।
- १०. बिरादरी— बंधुता, बंधुता, बंधुता, बंधुता, बिरादरी, भाईचारा, भाईबटता सगीत्रता।
- ११. भाई का भाव—बंधुता, बधुत्व, बिराटरो, भाईपन, भ्रातृत्व, भ्रातृभाव।
- १२. भाई की तरह का—बधुवत, विराद-राना ।
- १३. बाप का-पित्र्य, पिटरी, पैतृक।
- १४. विना माँ वाप का—श्रनाय, दूवर, यतीम, लावारिस।
- १४ दो माताच्यो वाला—दिमान, दै-मातुर।
- १६. चचा से उत्पन्न हो-चचानाद, बचेरा।
- १. सीत से उत्पन्न-शौतेला।
- १८. मौसी के सबन्ध का—खतेरा, मौसिन्नाउत, मौसियायत, मौसेरा।
- १६. मामी से संबंधित-ममेरा।
- २०. निःसंतान—कत, श्रकत, श्रपृत, निपृत, निपृता, निरबंशी, सावस्द, शड।
- २१. नाम-कारूया, इस्म, इस्मश्रीक्, नाँय, नाँव, नामवेय, शुभनाम, शुमा-व्या, संज्ञा।

२२. नामधारी —नामबारी, नामवाला, नामी, नाम्नी।

२३. वर्षगाँठ—बन्मितिथि बन्मिदन , वरस-गाँठ , वर्षगाँठ, सालगिरह ।

२४. विवाहना — निकाह पदना, परिणय करना, पाणिमहण करना, विवाह करना, विवाहना, भाँवर घुनाना, न्याहना, शादी करना, सिंदूर डालना, सिंदूर बाँचना, हाथ पकड़ना।

२४. विवाहित—परिचित, विवाही, न्याहा।

२६. अविवाहित—श्रनव्याहा, अविवाही, कुमार, स्वारा, निरूद् ।

२७. इवारपन-कुमारपन, क्वारापन।

२८. बारात — जनेत, बरात, बरियात, बरयात्रा ।

२६. त्रायु — त्रवस्था, त्रायु, त्रायुर्वल, त्रायुष्य, पारवल, त्रारवला, उमिर, उम्र, ज़िन्दगी, जीवनकाल, वैस, वय, सिन।

३०. बच्चा—कुमार, तिक्न, नादान, वत्स, शिशु । दे॰ 'लडका' 'पुत्र' ।

३१. शिशुता और यौबन के बोच की आवस्था--पौगड।

३२. नौजवान —जवान, तस्य, तलुन, नवबुवक, नवयुवा, नवसर, नौजवॉ, युवक, युवा।

३३. जवानी-गदइपचोसी, जोवन, तब्-याई, तब्यावस्था, तब्नई, तब्नाई, सबनाया, पचोसी, युवावस्था ।

१४. बूदा -नाईफ, बरट, बरामस्त, वर्बर, बाबरा, बार्ब, बान, फ़ुका, बोकरा, पसित, बुद्वा, बुढ़ौना, बृद, वयो**बुद, बुद,** स्थावर ।

३४. बुढ़ापा —चौ यापन, नईफी, बरा, बरठत्व, बरठपन, बरा, बोर्गा, बीर्गाता, बीर्गावस्था, बोफ, पोरी, बार्डक्य, बुढ़ाई, बुढ़ौतो, बृद्ध, बृद्धता, बृद्धत्व, विस्तता, बृद्ध, बृद्धता, बृद्धावस्था शतानीक, स्थाविर।

३६. चारोग्य—ग्रगद, भनामय, कंचन, चग, चगा, टंच, टनमना, तन्दुक्स, निम्मन, नोमन, नीरोग, पीन, पुष्ट, बेरोग, शफा, स्वस्थ, दृष्ट ।

विलोम—दे॰ 'रोगा'।

३७. त्रारोग्यता—ग्रगदता, तंदुक्स्ती, नीरोगता, स्वास्थता, स्वास्थ्य।

विलोम—दे॰ 'रोग'।

३८. बल - त्रोब, चंहता, जोर, जोरशोर, ताकत, तागत, तेब, दम, पराकम, पोदा-पन, पौरुष, बूता, वीये शक्ति, सकता, सकति, सत, समस्याहि, समयंता, सामर्थ्य।

३६. कम जोरी — श्रवसाद, श्रयकता, श्रशक्ति, चीखता, दुईलता, नाताकृती, निर्वलता, सामर्थहीनता।

विशेष-'कमजोर' के पर्यायों में यथास्यान 'पन' या 'ता' लगाकर श्रीर शब्द बन सकते हैं।

४० बलवान—ग्रठेल, श्रोनशाली, लॉगड् लॉगड्डा, गन्नर, चड, जनर, जनरदस्त, जन्नर, जोरदार, जोरावर, तंतुबस्त, ताकृतवर, तेजवान, पराक्रमी, पाक्ट, पुष्ट, प्रचंड, बलगर, बलबंड, बसबंद, बलशाली, बलशील, बसाम, बलाब्य, बित्या, बत्ती, मज्बूत, वीर्यकृत, बोर्य-तम, वीर्य्यंत, वोर्यवान, शक्त, शक्तिमान, शक्तिवान, शक्तिशाली, शक्तिसपन्न, सम-रथ, समर्थ, सशक्त, सामर्थ, सामर्थंवान, सामर्थी, स्वस्थ।

४१ पुष्ठ --कठिन, हद, पोद, प्रौद, मज़बूत।

४२. कमजोर—प्रवल, श्रव्वर, श्रयक, श्रसमर्थ, श्रस्वस्य, खीख, छीन, दील, दुवला, दुर्वल, निवल, निर्वल, वलहीन, वीर्यगत, वीर्यहीन, शक्तिहोन, शिथ्यल, सामध्यहीन, सुस्त, इतप्रम, हीनवल।

४३. कुमारी—श्रविरोदा, कुमारो, हिष्ट-पुष्पा, वेतुका, नौकलार्या, रामा, श्यामा । ४४. नवयौबना—तब्खी, ततुनो, नव यौबना, प्रमदा, त्रियगु, युवति, युवती, रमखी ।

४४ वद्धा--- दरठा, जर्बरा, जीग्री, डोकरी, बुदिया, बूदो।

४६. सधवा—धवयुक्ता, मुवासिनी, सुद्दा-गिन, सुद्दागिनो, सुद्दागिल, सौभागिनी, सौभाग्यवती, सौभाग्यशासिनी।

४७. की के सभवा रहने की अवस्था— अहिवात, सुहाग, सोहाग, सौभाग्य।

४८. विधवा-श्रषवा, श्रनाया, जालिका, धवहीना, पतिहोना, वेवा, मँगधीवनी, यतिना, यती, रंडा, रॉड, विश्वस्ता।

४६. विश्ववापन—वेवापन, रंडापा, वैश्ववा । ४०. पतित्रत—पतित्रत्व, पत्तित्रत, पाड-दामिनो, शुद्धवरित्रता, स्तीत्व, स्तीपन, स्त्रा ४१. रजस्वला—ऋतुमती, ऋतुवती, पुष्प-वती, रजीवती ।

४२. गर्भवती—ग्रव्वली, श्रापन्नसत्वा, उद्श्यि, गर्भियी, गुर्विषी, गुर्वी, दोपस्ता, दोहदवर्ता, पेटवाली, प्रजावती, ससत्वा, हामला।

४३. प्रसव-जनन, प्रजनन, प्रस्ति।

४४. प्रस्ता-श्रतवातां, बच्चा, प्रस्ता ।

४४. पुत्रवती --पुत्रवाली, पूती।

४६. सुन्द्री—कलावती, बल्याणी, गोरी, रूपसि, विधुवदनी, विधुनैनी, शोमना, सुभगा, सुमुखी।

४७. सुकुमारी—कोमलागो, मृदुलागी। ४८. कामिनो—कामवता, कामुका, कामुकी, रमग्री, विलासिनः।

४६. मुनैनो - तरललांचना, मीनाची, मृगनैना, मृगलोचनी, मृगलोचनी, मृगलोचनी, मृगलोचनी, मुनेत्रा, सुनैना, सुलो-चिनी, हरिणाची।

६०. म्तनयुक्ता-—तुन्तनी, स्रोजा, स्तनी । ६१. पतला कमर वाला स्रो—कशोदरी, मदोदरो।

६२, जिस स्त्री ने कभी रति न की हो— अव्तयोनि, अवता।

६३. कुबरी--कुबड़ो, कुब्जा i

६४. कुलकलंकिना —कुलकलक, इस बोरन, कुलागारिनी ।

६४. कलह करने वाजी—अल्लामा, कर्तशा, कलहकारिया, कलहप्रिया, कलहिन, कलहिनो, चडो, बुक्त ।

६६. कुलटा-चपला, खिनार, खिनाल,

परपुरुषगामिनी, पाशुला, पुंश्चली, अण्टा, व्यभिचारिखो, स्वैरिखी।

६७. तेलमद्न-श्रम्यंग, तेलमर्दन, तैल-मर्दन, स्नेहन।

६८. स्नान — श्रवगाहन, श्राल्पव, श्राल्पाव, गुसल, गुस्ल, नहाना, निमज्जन, मज्जन, स्नायन, हनाना।

६६. नहाना - श्रन्हाना, श्रवगाहना, गुस्त लेना, निमन्जन करना, स्तान करना।

७०. नहत्ताना—ग्रन्हवाना, नहवाना, स्नान कराना ।

७१. शरीर पोछना—श्रगपोद्दण श्रॅगो छना, नहाना।

७२. निचोड़ना—गारना, निचोरना,
निचोना, निथारना, पसाना, फरियाना,
सत निकालना, साक करना, सार निकालना।

७३. चंदनादिलेपन- चर्चा, चार्चिक्य, विलेपन ।

७४. केशकर्म — ऊँछना, रेछना, कंघी करना, कादना, केशविन्यास, प्रवेणी, सीमंत।

ध्यः. शरीर का सँवारना—श्रंगकर्म, श्रंग-संम्कार, श्राकल्प, टीमटाम, ठाटर, ठाट-बाट।

७६. ठटना—टटना, ठठना, ठाट बाट करना, बाट करना, बनना, पहनना, रचना, केश-विन्यास करना, सबना, सब घबकरना, सबावट करना, सँवारना।

७७. सजाना—चमकाना, दुबस्त करना, प्रसाधन करना, प्रसाधित करना, बनाव-खोनाव करना, रचाना, विमंडित करना, श्रञ्जार करना, सँवरना, सँवारना, सवाना, सवाना-बबाना, सजोना, सज्जित करना, सिंगारना, पुसज्जित करना।

७६. पहनावा—श्राच्छादन, कपहालत्ता, पहिरन, पोशाक, भरनि, लिबास, वस्र ।

५०. पहनना (कपड़ा आदि)—धारण करना, परिच्छद करना, परिधान करना, परिधेय करना, पहरना, पहिनना, पहिरना, पेधना, पेन्हना।

प्तर. निसंत्रण्—श्रामत्रण, श्राह्वान, नवेद, निमंत्रन, न्योता, बुलावा, बोलावा इंकारा।

प्तरः निमंत्रित — ग्रामंत्रित, श्राहुत, श्राहूत, न्यौतहरो, बुलाया ।

६३. श्रानिमंत्रित—श्रनाहृत, विना बुलाया ।

महमानदारी—श्रितिथपूजा, श्रितिथ-यज्ञ, श्रितिथसत्कार, श्रातिथ्य, पहुनाई, पाहुनो, मेहमानी।

६४. न्याता देना—श्रामत्रण देना, नवेद देना, निमंत्रण देना, निमत्रना, निमत्रित करना, न्योतना, न्यौतना, न्यौता देना, बुलाना, बुलावा देना, इल्दी बाँटना।

म्हः शरीक--श्रंतर्गत, मिला, शरीक, शामिन, समुन्टि, सम्मिलित।

मण्डा शरीक होना—म्बाना, भाग लेना, मिलना, शामिल होना, शिरकत करना, सम्मिलत होना, हिस्सा क्षेत्रा, हाथ वटाना ।

प्पः रसोइयाँदार—ठाकुर, नावरची, नाम्हन, ब्राह्मण, भंडारी, महराब, रसोइवा, सुद्रार, सुनार, सुप, सुपक, सुपकार। मध्य रसोई बनाना—खाना पकाना, चूल्हा बलाना, मोबन बनाना । दे॰ 'पकाना'।

६०. पकाना—श्रीटना, श्रीटाना, उनाकना, गादा करना, चुराना, जोश देना, बनाना, रॉधना, रीधना, रोन्हना, सिकाना, सिद्ध करना।

६१. पका—श्रौटा, गला, गला-पका, गाढा, चुला, चुरा, पक्व, परिपक्व, रॅघा, रॉघा, रीव्हा, सिद्ध।

ध्यः पकता—श्रौटा जाना, गाढा होना, खुरना, पकता, पाकता, पक्त होना, रंघना, सिद्ध होना, सीभता।

६३. गूँथना (ऋाँटा या बेसन ऋादि)
—कचरना, गूँथना, फेटना, फेटना,
मलना, मललना, माँइना, मिलाना,
काँथना, रौँदना, सानना।

६४. बघारना—कल्हारना, छननमनन करना, छौँकना, छौँकना-बधारना, तइका देना, तलना, फोरन देना, बघाइना, भूनना, भूंबना।

ध्रं पगना—त्रोतप्रोत होना, इनना, निमाज्जत होना, पगना, बृड्न', भिगना, भिजना, भिनना, भीगना, भीजना, मगन होना, रसना, रस में हुनना, लीन होना, सनना।

६६. पंगा—श्रोतप्रोत, हुना, निमांज्ञत, मग्न, रक्षा, लीन, खना।

१७. भूंजना—श्राग में डालना, तताना,
 ततीना, भर्जन करना, भुँजना, भूनना,
 भौराना, सॅकना।

ध्यः स्त्रीलाना—उनालना, वहकदाना, कनकताना, सदसदाना ।

೭೭. चवालना—उवालना, औटना, औ-

टाना, खौलाना, गश्माना, गर्म करना, गाटा करना, जोश देना, पकाना, पक्व करना।

१००. चबलना— उबाल खाना, कद-कड़ाना, कलकलाना, गर्म होना, खौलना । १०१. सेरबाना— जुड़वाना, जुड़ाना, ठडा करना।

१८२. सेराना - जुडाना, ठडा पडना, ठंडा होना, पानी होना, वर्फ होना, बसि-याना, शीतल होना, सेगना।

१०३. जलाना (लकड़ी कोयला आदि)
— जराना, जलाना, दग्ध करना, दहकाना,
दाहना, घराना, प्रज्वित करना, भस्म
करना, भस्मसात करना, लहकाना।

१०४. जलना—न्नाग लग जाना, खाक होना, जरना, दम्ब होना, दहना, नष्ट होना, भस्म होना, बरना, बलना, बरबाद होना, मुलगना, स्वाहा होना।

१०५. श्रागियाना —श्रिगियाना, गर्म लगना, जन्मा, जलन होना, तप्त होना, तपना, दहना, दाह होना।

१०६. उफनना — उथलना, उफनाना, उबलना, उबाल ग्राना, खौलना, गरम होना, गरमा बाना, बोश खाना, बोश मे ग्राना ।

१०७. पिछलना- गलना, टघरना, टम-लना, टेघरना, द्रवित होना, द्रवीभृत होना, पश्चिमा, पांचलना, पिघलना।

१८८ ध्यक्तना— बल उठना, ज्वलित होना, धमकना, प्रव्वलित होना, नमकना, सुलुगना, सुलगना ।

१०६. चिनगारी – चिनगारी, चिनगो, जुली, रफुलिंग। ११०. जलाना (विराग् आदि)— श्रॅं कोरना, बराना, बलाना, धराना, बराना, बराना, कराना, लगाना। १११. बुमाना—गुल करना, ठंढा करना, उंडा करना, निर्वाण करना, बढाना, बुमाना, बुताना।

११२. नाश्ता करना—कलेज करना, कलेवा करना, खरमटाव करना, खरमेटाव करना, खराई मारना, खराई मिटाना, चर-खलपान करना, खलपान करना, नास्ता करना, पानी पीना, मुँह मे ढालना। 'नाश्ता' के लिए दे० 'बलपान'

११३. भूख—ग्रतृप्ति, ग्रशनाया, इच्छा, चुत, चुषा, जिन्नस्मा, पेयगि, बुभुच, षुभुचा, भूँक, भूक, भूख, भोजनेच्छा, बाच, लालसा।

११४. भूखा—श्रतृष्त, चुषातुर, चुषातु, चुषावंत, चुषावान, चुषित, बुभुद्धित, भुक्खह, भुखालु ।

११४. भुक्खड़-भुकमरा, भुखमरा।

११६. भूखा होना—खाली पेट होना, चुधित होना, खुधाना, बुमुच्चित होना, मुकाना, मुखाना, विमुच्चित होना।

११७. खाना—श्राहार करना, खाना खाना, खोमना, खेंवना, पाना, पा लेना, प्रसाद पाना, विजय करना, वियारो करना, भोग सगाना, भोजन करना, भोजन पाना, रोटो खाना, विजय करना। 'खाना' के सिए दें 'भोजन'

११८. निगलना—सा जाना, गटक जाना, गटकना, गपक जाना, गले के नीचे उतार जाना, पूँटना, घोंटना, घोंट जाना, उकार बाना, निगरण करना, निगल बाना निगलना, लील बाना, लीलना। ११६. जुगाली करना—बुगलाना, चनाना, पगुराना, पगुरी करना, रोमंच करना।

१२०. आचमन करना—(भोजन के बाद हाथ मुँह धोना) श्रॅंचवना, श्रचना, श्रचना, श्रचवना, श्रचना, श्रचवना, श्रचना, बुल्ला करना, कुल्ली करना, मुँह धोना, हाथ-मुँह धोना। १२१. प्यासा—तृषावंत, तृषावान, तृषित, पिपासु, पियासल, पियासा।

१२२. प्यास—उदन्या, उपलासिका, **रुर्ष,** ृतृषा, तृष्णा, पानेच्छा, पिपास, पिपासा, पियास, प्यास ।

१२३. पीना---क्रॅचवना, श्रचना, श्र<mark>चवना,</mark> - क्राचमन करना, पान करना ।

१२४. स्वाद--श्रास्वाद, ब्रायका, मबा, रस, स्वाद।

१२४. चखना—ग्रानंद लेना, ग्रास्वादन करना, खाना, चखना, चीखना, नवान पर रखना, जुठारना, रहास्वादन करना, मजा लेना, जायका लेना।

१२६. चवाना--काट खाना, चर्वण, करना, चावना, चापना, चूछना।

१२७. सरस—ज़ायकेदार, मज़ेदार, रस-युक्त, रसोला, सुस्वादु, स्वादिष्ट ।

१२८. सूखा—श्रनरस, श्रनाई, उक्ठा, कार्तिहीन, खदरा, खसला, खुरखुरा, खुरक, मुलसा, भूर, भूरा, नीरस, पिचका, मलिन, रसहीन, कब, कला, सीठा, शुष्क।

१२६. सरसता—रस्वुकता, रवीबायम, सुरवादुता, स्वादिष्टता । १३० शुष्कता — मनरसता, नीरसता, रस-दीनता, बच्चता, बचाई, स्वापन, सिटाई, सोटापन।

१३१. चुरमुरा-कुरकुरा, चुमुरा।

१३२. सूखना—उकठना, उदास होना, कांतिहीन होना, कुरना, फुजसना, फुराना, निष्प्रभ होना, नारस हो बाना, पिचकना, मलान होना, मुरक्ताना, ग्रुष्क हो बाना, रसहीन होना सोखना।

१३३. सुखाना—फुरवाना, कुरसाना, कुराना, कुलसाना, शुष्क करना, शोषण कराना, खुलवाना, सोखाना।

१३४. सोखना—चूसना, रस खीचना, शुक्त करना, शोषण करना, शोषित करना, सोषना।

शोषक--चूमक !

१६४. गर्मी —श्रातप, उत्तप्तता, उत्ताप, उमस, गरमाई, गरमो, उञ्चात्व, उञ्म, उष्मा, चंड, तपन, तपनि, तिपश, ताप, दहरगो, दहिने, सैंक।

१३६. सर्दी—बादा, ठंड, ठंढ, ठढक, ठंढी, ठार, शीतलता।

१९९ गरम — उत्तप्त, उम्य, गर्भ, जलता, तत्ता, तिपत, तप्त, तात, ताता, तावित । १२८ सर्द — ठंडा, ठढा, ठार, शत,

श्रीतल, सोतल, सरद, हिमबत ।

१३६. गर्म करना—आग दिखाना, आग पर रखना, गर्माना, तान करना, तपाना, साप देना, विकाना, दे० 'बीलाना' उवालना'।

१४०. सर्व करना --खुदवाना, ठंढा करना, ग्रीतम करना । १४१. गर्म होना—उध्य होना, तप्त होना, तमकना, दमकना, दवना,धिकना ।

१४२. सर्द होना —जूब होना, जुड़ाना, ठढा होना, ठिठुर बाना, ठिठुरना, शीतल होना।

१४३. ब्रिड्कना — ब्राई करना, उपसेचना, गोला करना, ब्रिड्कना, ब्रिड्काय करना, ब्रिटिकना, ब्रिंटना, तर करना, भरना, भिगाना, भिगोना, सिंचन करना, सिक्त करना. मींचना।

१४४. सिक्त —ग्राद्रं, तर, नम, भींगा, भींजा।

१४४ ठितुरना — ऋकडना, कॉपना, काठ होना, बडाना, बम जाना, बमना, ठढ लगना, ठिठरना, थरथरना, पत्थर होना, शीत लगना, सर्दियाना।

१४६. गलना--म्राई होना, चरण होना, गलना, घुलना, छरना, द्रवित होना, द्रवी-भूत होगा, नरमाना, पवितना, पविजना, क्साजना, पिघलना।

१५७. सर्वेश — चक्रवर्ती राजा, सम्राट्, सर्वेश, सर्वेश्वर।

१४⊏. शासन—त्रमलदारो, वदशाही, ्राज, राङ्ग, शास्ति, हुकूपत ।

१४६. प्रभुत्व-श्रिक्तयार, श्रिषिकार, श्राधिपन्य, कन्ना, कृष्, पतित्व, पत्य, प्रभुता, प्रभुताई, नश, गउताई, वश, स्वामिता, स्वामित्व।

१४० शासक —ज्ञज्ञसर, शास्ता, सरदार, हाकिम।

१४१. सरदारी — श्रगुवाई, नेतागोरी, खर-

१४२. जिस पर शासन हो —शासित। १४३. युवराज का पद—युवराई, युव-राजी, युवराज्य, यौवराज।

१४४. बजारत—मंत्रिता, मंत्रित्व, वज़ीरी। १४४. मंत्राणा—मत, मत्र, मशवरा, मश-विरा, परामर्श, राय, सम्मति, सलाह।

१४६. पारिषद्—परिषदी, सभाषद, समा-सद।

१४७. प्रबंध-श्रायोजन, इंतज़ाम, करीना, कायदा, पद्धति, बंदोबस्त, विधान, विधि, व्यवस्था।

१४८. कुप्रबंध—श्रधेर, श्रंधेर खाता, श्रंधा-धुंघ, श्रन्याय, श्रविचार, उपद्रव, गड्बड, धींगा-धींगी।

१४६. प्रबंध करना — इतज्ञाम करना, चलाना, थॉंभना, निर्वाहना, बनाना, व्यवस्था करना, सचालन करना, संभालना, संवारना, सुधारना।

१६०. संचालक—न्त्रारभक, श्रारभक्ती, चन्नाने वाला, चालक, परिचालक, प्रव-र्त्तक।

१६१. व्यवस्था—कायदा, तरकीक, परपरा, परिपाटी, श्रेणी, श्रृ खला, छिलसिला।

१६२. निरीच्या— बॉच, पडताल, देख-भाल, देखरेख, निगरानी नगहवानी, निरीच्या, परीच्या, परीचा, गुश्राहना।

१६२. नीरी ज्ञाय करना— 'निरी ज्यां के पर्यायों में 'करना' जो डकर पर्याय बनाए जा सकते हैं।

१६४. न्याय--ग्रदल, इनसाफ, इन्साफ, न्याउ, निर्णय, न्याइ, न्याय, न्याव, विवेक। १६४. अन्याय—ग्रंबेर, अनीति, वेहंशफ, अन्याव।

१६६. न्यायी—ऋदलपसंद, इंसाफ़ी, न्याय-वान ।

१६७. श्रान्यायी—श्रनीतिवान, क्र्र, वेरं-साफी।

१६८. न्याययुक्त-न्याय्य, न्यावसंगत । १६८. ऋत्या चार- ऋषेर, ऋनाचार, ऋ-न्याय, ऋनीति, ऋपकार, ऋविचार, उत्पात, जक्षा, जबरई, जबरदस्ती, जोगजोरी, जियादती, जुल्म, जोरी धींगा-धींगी, धींगा-मुश्ती, नृशसता, सज़्ती।

१७०. श्रत्याचारी—श्रनाचारो, श्रपकारी, बालिम, जुल्मी, नृशस ।

१७१. प्रताप—इकवाल, एकवाल, श्रोष, श्रांजस्विता, काति, तेब, दीप्ति, प्रताप ।

१७२. प्रतापी- तेजवत, तेजवान, तेवसी, तेजस्वा, प्रभावशाली।

१७३. रोम-ठाट, दन्दना, घाक, कतवा, रोब, रौत्र।

१७४. <mark>रोबइल</mark>—ठाटदार, भाक **बाला.** भातवर, रोबदार, रोबैल ।

१७४. विप्लच- - श्रनेहा, श्रव्यवस्था, श्रद्याति, श्रादोलन, इनकलाव, उत्पात, उथल-पुथल, उपद्रव, उधम, कंप, काति, खलवली, दंगा, फ्रमाट, धलेडा, धग्रावत, बलवा, लडाई, लडाई-अगडा, विस्लन, विद्रोह, हमामा, इलचल, हुल्लड ।

१७६. विप्ताबी—श्रादोलनकारो, खत्मतो, उपद्रवो, ऊषमी, क्रांतिकारी, फ्लाबी, बग्रावती, बलवाई, विद्वाही, दुल्लहो ।

१७७. राजद्रोही--क्रांतिकारी, वक्सकई वाग्री, रामद्रोही, विद्रोही। १७८. कानून — श्राईन, कायदा, नान्ता, भारा, नियम, योग, रस्म, राजनियम, विधि।

१७८. कानूनदाँ—कानूनियाँ, कानूनी, पुरुतार, वकील।

१**८०. कानूनी**—कानूनी, नियमानुक्ल, वैभा

१८१. निर्यासत-क्रमवद्ध, नियमवद्ध नियमित, नियंत्रित, प्रतिवद्ध।

१६२. बेकायदा—ग्रवैध, ग्रेरकानूनी, नियम-विरुद्ध।

१८३. दफा-एन्ट, दफा, घारा ।

१८४. सुकदमा — श्रभियांग, केस, दावा, नालिश, फरियाद, मोकदमा।

१**८४. श्रदाल**र्ता--क न्नी।

१८६. मसोदा--खरां, पाडुलिपि, पाडु-लेख, मसविदा, मसौदा ।

१८७. जामिन—जामिन, प्रांतभू, लयक । १८८ सम्मत - प्रनुशासन पत्र, स्राजपात्र, परवाता, परमान, शासन, स्पाना, समन, हुवमनामा ।

१८८. प्रतिज्ञापत्र--त्र६दनामा, इकरार-नाना, प्रतिज्ञालका

१६०. साचा देना—गवाही देना, प्रमाख देना, सहादत देना, आदी देना, साख देना, माखो देना, साखना ।

१६९. गवाही - इनहार, गवाही, वयान, च्यान. राहादत, साची, याखी।

१६२ प्रमाण -उपरन्ति, परमाण, अत्यय. प्रमान, सबूत ।

१६३. प्रमाणित करना—उरपत्तित करना, प्रमानना,

प्रमानित करना, सबूत देना, साची देना, साबित करना, सिद्ध करना।

१६४. मुहर--छाप, छापा, मुद्रा, मुहर ।

१६४. दृत का काम--दूतकर्म, दूतता, दूत-पन, दूतत्व, बवीठी।

१६६. रच्चक—जामिक, ढ्योढ़ोदार, दर-बान, द्वारपाल, त्र्यगोरिया, पालक, मरैया, मुद्दाफिज, रच्च, रच्चक, रखया, रखबाला, रिखया, रखैया, स्तरी, सरच्चक, दमाल। १६७. भच्चक—खादक, नाशक, विनाशक, दे० 'नाशकनो'

१६८. रज्ञा — श्रगोर, चेम, खबरदारो, देख-रेख, निगरानी, पहरेदारी, बचाव, रज्ञण, रखवानी, रखाई, रच्छा, सरक्षण, सुरचा, सेवा, हिम्हाजत ।

१६६. रच्य -पालब्य, रच्य सेव्य !

२०० पालना—िवनाना-पिलाना, निर्वा-इना, रस्वस्थि कस्ना, पालन-पेष्यण करना, पालना-पेस्पना, भोषण करना, पोसना, सरस्य करना, भरस्य पोषण करना, रह्या करना, राजना ।

२०१. यनना—तैयार हाना, पनपना, परव-रिश ताना, पाना-योमा जाना, पालित हाना, पाषणा पाना, पोपित होना, पोस पाना, पतिपालित होना, चढ़ना, सरस्यण याना, सरस्वता पाना, सर्स्वत होना।

२०२ आश्रय-प्रवलव, श्रवलंबन, श्राधार, श्रामरा, पनाइ, भरोसा, शरख, सद्दारा ।

२०३. श्रनाश्रय-श्रनाथ, श्रनाश्रित, श्रम-हाय, टान, निरवलभ, निराधार, निराभय, बमरोसा, वेसहारा । २०४. सनाथ-—श्रदीन, नाथयुक्त, सस-इाय ।

२०४. त्रागोरना—ग्रागोरिया करना, चौकती करना, चौकीदारी करना, चौकी देना, देखना, देख रेख करना, रच्चा-करना, रखवाली करना, रखाना, पहरा देना, पहरेदारी करना, सुरच्चित रखना, हिफाज़त करना।

२०६. चोरी—कजाकी, कजाकी, चौर्यकार्य, छापा, ठगई, ठगपन, ठगहाई, ठगहारी, ठगाई, ठगी, डकैती, डाका, डाकाज़नी, दस्युता, दस्युवृत्ति, धूर्तता, प्रतारण, बंच-कता, बंचकताई, बंचना, बटपग, बटपारी, बटमारी, जुटेरपन, हारीत।

२०६. श्व. चोरी न करना—श्रवौर्य, श्रक्तेय।

२०७. सेध--नक्त्र, सेंग्हा

२०८. ठगना—पॅठना, छल करना, छलना, बटना, ठगना, धूर्तता करना, धोखा देना, प्रतारख करना, प्रतारित करना, फुसला कर ले लेना, भुलाना, भुलावा देना, मूँ इना, खूटना, लूट लेना।

२०६. भाँसना— भटकना, भटक लेना, भाँसना, भाँसा देना, भाँसा-पट्टी देना, साँसा-पट्टी पदाना, ठगना, ठगमूरी बिलाना, दम बुचा देना, घोला देना, फुनलाना, बहकाना, बहलाना, मुलवाना, सुलाबा देना, मार लेना।

२१०. खुराना—अपहरण करना, अपह-रना, अपहरित करना, उदा लेना, गिरह-कही करना, गिरह काटना, चोरी करना, खानना, छीना-सपटी करना, खारना, सटकना, सटक लेना, सपटना, ठगना, बकैती करना, डाका पड़ना, डाका मारना, मार लेना, मूचना, लेना, ले केना, इरबा करना, इरना।

२११. लूटना—खसोटना, चुराना, चोरी करना, छोन लेना, भटकना, भपट सेना, मार लेना, मूसना, लूटना, से लेना।

२१२. ले लेना— ला डालना, मार लेना, इज़म कर लेना, इड़पना ।

२१३. छिन जाना — अपहरण हो जाना, अपहत होना, ऋलग हो जाना, चोरी जाना, दूर हो जाना, नष्ट हो जाना, बरबाद हो जाना, रिक्त हो जाना, झुट जाना, बिहीन हो जाना, हर जाना, हरण हो जाना।

२१४ हत्या—म्राघात, कृतल, कृत्ल, भून, वघ, इनन, हिंसा।

२१४. हत्यारा - खं्जार, घातक, घातको, घातिनी, घाती, मारक, वहारक, हिंसक, हिंसालु, हिंस।

२१६. **त्रात्महत्या**—न्नात्मधात, **बुदकशी,** खुदकुशी।

२१७. चात्मचातक--ग्रात्मधाती।

२१८. सारखालना--ख्तम करना, क्रून करना, घाना, घालना, घनना, नाद्यना, नासना, प्राचा लेना, प्राचात करना, वचना, विस्तरा, विहंडना, प्रारना, लोव डालना, विनासना, समाप्त करना, इतना, इत्सा करना, इनना।

२१६ लाश-मिटी, मुद्दी, लोब, लोबि, यव।

२२०. जुर्म--श्राचेष, श्रवश्व, इत्रलाम, इलबाम, कस्र, गुनाइ, दोष, वाप २२१. क़ैदी-श्रपराधी, श्रमियुक्त, कैदी, दोषी, बंद, बंदा, बंदी, बंदीवान, बंदेरा, बंधुश्रा, बादू, मुबरिम, मुलखिम।

२२२. क्रोद — कारा, कागवास, कैद, कैद-काना, जेल, जेइल, बंदियइ, वंघ। दे• 'कारागार'

२२३. पकद् - प्रसन, प्रह्या, प्राह, गर-क्षारी, घर ५५दा

२२४. पकड़ना-—गिरफ्तार करना, प्रसना, प्रसना, प्रस्ता, प्रासना, थॉमना, थामना, थाम्हना, घरना, पकरना, लेना, स्थालना, इंदियाना, इंद्रियाना, इंद्र्यान, इंद्र्याना, इंद

२२४ श्र. दब--जुर्माना, डाँड, ताइन, दड, शासन, शास्ति, सजा, सजाई, सवाय।

२१४. दंबना-श्रयं दंब लगाना, जुरमाना सगाना, बाँड लगाना, ताइना, ताइत करना, दंब लगाना, दंबत करना, पोटना, मारना, सबा देना।

२२६. इंडनीय--दंड्य !

२२७. **चादंडनीय**—श्रडंड, श्रदंड्य । २२८. वध्य-वधनीय, वध्य, इननीय, इन्य ।

२२६. सूली-फासो, प्रायदंद ।

२३०. **खुटकारा**—उद्धार, उनार, खुटी, खूट, निवात, निभेषी, निस्तारा, निस्तारा, नेवात, मुक्ति, मोच, रिहाई ।

११. खुटकारा होना—श्रजादी होना, उद्धरना, उद्धार पाना, खुटकारा पाना, खूटना, तरना, निर्वाय पाना, निरुत्तरना, निरुत्तरना आण बचना, बैतरनी पार होना, भवसागर पार होना, मुक्त होना, मुक्ति पाना, स्वतत्र होना।

२३२. जिसका छुटकारा हुन्ना हो— छूटा, छोदा, त्यक, निमंक, निस्तीर्ण, न्यस्त, मुक्त, रिहा। दे॰ 'स्वतत्र'।

२३३. उद्घारना — त्राजाद करना, त्राजादी देना, उतारना, उद्घार करना, उत्थारना, क्रुटकारना, क्रुटकारा देना, क्रुडनाना, क्रुडनारा, त्रारण करना, तारना, त्राण देना, निस्तारण करना, निस्तारना, वंचाना, मौलागर पार करना, मुक्क देना, मोचना, मोषना, मोषना, सद्गति देना ।

२२४. स्वतन्न—ग्रज़ाद, ग्रनियन्ति, ग्रपाष्टत, श्राज़ाद, उच्छृ खल, निरकुरा,
श्राजाद, निरयन्ति निरगंज, निरवग्रह,
निर्वेष, निमुक्त, वधन-विहोन, मनमाना,
मुक्त, यथाकामी, स्वच्छद, स्वाधीन, स्वैर,
स्वैरचारी, स्वैरी।

२३४. परतंत्र — ऋदर, ऋषीन, ऋषीन, श्रस्थच्छ्र, श्राबद्ध, श्रायत्त, गुलाम, गृह्यक, बकदा, नावे, निषिन, निष्न, निर् षिन, मातहत, परतंत, परवश, पराधीन, दंध, बंधा, बद्ध, वसी, वशवर्ती, वशोभृत, शरख, श्राबलित।

२३६. स्वतंत्र करना—'स्वतंत्र' के पर्यायों में 'करना' श्रौर 'स्वतत्रता' के पर्वायों में 'देना' या 'प्रदान करना' खोड़कर पर्याय बनाए बा सकते हैं। जैसे 'श्राह्माद करना' या 'मुक्ति देना' श्रादि ।

२१७. परतत्र करना—वषन म डालना, वॉबना। ऊपर की भाँति 'परतत्र' और 'परतत्रता' के पर्यायों से इसके पर्याय बनाए जो सकते हैं।

२३८. स्वतंत्रता—श्रबादी, श्राजादी, उच्छृं-खलता, निर्वेषता, निमुक्तता, मनमानापन, मुक्ति, स्वच्छदता, स्वातज्य, स्वाघीनता, स्वैरचारिता, स्वैरता ।

२३६. परतत्रता — श्रघोनता, श्राघीनता, गुलामी, ताबेदारा, परवशता, पराधीनता, वषन, मातहतो, वशता, वशिता, वशित्य, वश्यता।

२४०. ऋाझा—श्रग्याँ, श्रनुमात, श्रनुमाते, श्रनुशासन, श्रादेश, इजाज्न, कहना, कहा, प्रचोदन, शासन, हुक्म।

क्रिश् श्राज्ञा देना—श्रद्वना, श्रर्हवना, श्राज्ञा करना, कहना, हुकमना, हुक्म देना, हुक्म लगाना।

२४२. **ऋाज्यकारी**—ऋनुगानी, श्राज्ञा-पालक, प्रमावरदार, हुक्मवरदार।

रे8रे. त्राज्ञापालन—फरपाबरदारा, हुक्म-बरदारो ।

२४४. श्रनुसर्ख—श्रनुकृति, श्रनुगित, श्रनुगित, श्रनुगमन, नकल ।

२४४. श्रनुसरण करना—श्रनुकरण करना, श्रनुकार करना, श्रनुकार करना, श्रनुसरना, श्रनुसरना, श्रनुसरना, प्रोहे-दरना, नकल करना, पंछि चलना, पोहे-पीहें चलना

२४६. अनुगामी—त्रवृग, ऋनुगत, ऋनु-गामा, ऋनुज, अनुयायी, ऋनुसारी, नकत्वी।

२४७. पटोलना —क इना, कुचलना, द्वाना, पलाटना, पलोबना, मलना, मोजना, मीसना, सेवना !

-२४८. मनाना --श्रनुनय करना, श्रनुराघना,

पाँव पड़ना, प्रसन्न करना, प्रसादन करना, प्रार्थना करना, श्रनुहार करना, मनौती करना, मनौती मानना, मिन्नत करना, राजो करना, विनती करना, विनय करना, हाथ जोड़ना।

२४६. नौकरी—श्रना, ककर्य, किंकरता, खवाधी, खिदमत, खिदमदगारी, चाकरी, चेराई, टहल, दासता, दासत्व, दासपन, दास्य, नौकरो, परिचरजा, परिचर्या, परिचरा, परिचरा, परिचरा, परिचरा, परिचरा, सहकारिता, सेवनाई, सेवा, सेवाहित।

२४० प्रार्थना-पत्र--ग्रप्ताकेशन, ऋरबी, ग्रज़ी, श्रावेदनपत्र, निवेदन-पत्र।

२४१. प्रार्थी—श्ररकीयार, उम्मोदवार, निवेदक, सायल ।

२४२. हेन्**बेदन किया हुआ** — नेवदिन, प्र^{वि}त ।

२४३. उपाधि—-खिताव, विताव, दिमो. पद।

२४४. डिम्रो--योग्यता ।

२४४. योग्यता **के अनुसार स्थान**— ज्ञाहदा, जगह, नौकर्ग, पद, स्थान ।

२४६. एवजी—एवजी, क्रायममुकाम वजाय, स्थानापन ।

२४७. उपस्थित —ग्रायात, उद्यत, तैय'र पांतपन्न, प्रस्तुत, वर्तभान, मौन्द्र, विद्य मान, हानिर।

२४८. ऋनुपस्थित—श्रनुदान, श्रपस्तन अभाव, ग्रायब, ग्रेन्टाज़िर, बिना, रहित स्टिय ।

२४६. उपस्थिति --मौजूदगी, विद्यमानता हानिरी।

२६०. अनुपरिथति--- श्रमाव, श्रविद्यमा-नता, गैरमीजूदगी, गैरहाज़िरी, शून्यता । २६१. उपस्थित रहना-श्रद्धना, मौजूद रहना, रहना, वर्तमान रहना, स्थित रहना, हानिर रहना, हाजिर होना, होना । २६२. लड़ाई--श्रनीक, श्रभिसम्पात, श्रभ्या-मर्द, श्रानाह, श्रायोधन, श्रास्कदन, शाहव, श्राहर, कंदन, कटकट, कलह, धमसान, धमासान, घोरण, जग, जुज्क, जुकार, जुब, जूक, दंगा, दारण, पुष्कर, राचदारी, नराक, भारत, भारथ, मार, मारका, मारकाट, युद्ध, रख, रखरंग, रन, रोला, लरनि, लराई, विग्रह, विदारण, संकुल, संगर, संगम, सप्रहार, सयुग, समनीक, समर, समाबात, समित, समित, समिय, समीक, समोह, सामना।

२६३. हरावल-इरवल, इरावर, हिराविल, हिरील।

२६४. क्रतार—श्रविल, पक्ति, पगत, पंगति, पद्यति, पाता, माला, भेगा, श्रवला, सिलसिला।

२६४. युद्धनाद—युद्धयोष, ललकार, हल्ला, हाक, हुँकार, हुहू ।

२६६. भारदार—ग्रानियाग, तीस्रण, तोस्था, तेज, नुक्रीला, नोकदार, पैना । २६७. टेना—टेवना, तीखा करना, तेब्

करना, घार देना, पत्थर चटाना, पैना करना, रगहना, सान चढाना ।

२६८. नोक--श्रनो, किनारा, विरा।
२६८. नुकीला-श्रनियारा, नोकदार।
२७० हथिसारबंद -शस्त्रधारा, सशका।
प०--१६

२७१. घनुर्घारी —कमनैत, कमानिया, तीर-श्रंदाच, घनक, चनुर्घर, घनुष्क, चनुष्मान, चन्वी, निषंगी, बानइत, बानैत, लघुइस्त, शरमलल, सरवंधी।

२८२. सेनापतित्व—सेनापत्य, सैनापत्य।
२७३. वीर—श्रनंतवीर्यं, गंडीर, तरस्वी,
वहादुर, रावत, विकात, वीरकेशरी, शूर,
शूरवीर, शूरमा, शूरा, सामत, सिकोही,
सूरमा।

२७४. काखर—कातर, कदराह, कादर, गादर, गादह, गोरी, गीटह, चिकत, हर-पोक, बुबदिल, पस्तिहम्मत, मगोहा, भगौहाँ, मग्गू, भीर, भीक, राह, लिदार। २७४. वीरता—बहादुरी, बीरताई, शूरता, शूरताई, सुरमापन।

२७६. कायरता—कदराई, कातरता, काद-रता, गीदङ्गपना, बुजदिली, भीकता ।

२७७. पराक्रम — दम, बल, वीर्य, सामध्यं, हिम्मत । दे० 'वोरता ।

२७८. पर।क्रमी—प्राक्रमी, सामर्थी, सामर्थ्य-वान, हिम्मतो । दे० 'वीर'।

२७६. घायल — ब्राहत, चुटैल, चोटिल जल्मी. जज़्मी, ताहित, प्रताहित, प्रहारित, वर्णन, हताहत ।

२८०- प्रहार---श्राक्षमण्, श्राचात, चोट, टक्कर, डोकर, ताइन, ताइना, थपेड़ा, थप्पड, धक्का पिटाई, मार, वार ।

२८% प्रहारना— स्त्राघात करना, चोट-करना, ठोंकना, ताकना, पिटाई करना, वीटना, मारना।

२८२. तोहफा — उपहार, राहुर, सौग्रात ।

२८३. भेंट-श्रकोट, श्रॅकोर, नज़र, नख़-राना, पहुरा, पाहुर, नयना, नायन, भेंट। २८४. पुरस्कार-इकराम, ईनाम, इनाम-इकराम, उपहार, पारितोषिक, बख़सीस बख़्शिश।

२८४. रोजगार—कामघंधा, कामघाम, कार-बार, तेजारत, तिजारत, दुकान, धंधा, निगम, पण, पराय, पाण, बनिज, बाणिज्य, बिजनेस, बैपार, ब्यवसाय, ब्यवहार, ब्यापार, ब्योपार, ब्योपार।

भद्भ रोजगारी—कारबारो, नाजिर, पर्या, परायपति, बिखक, बैपारी, ब्यवसायी, व्यवहारी, व्यापारी, व्योपारी, साहूकार, सेठ, सौदागर।

२८७. अस--ऋध्यवसाय, आयास, उद्यम, उद्योग, क्लेश, परिश्रम, प्रयत्न, प्रयास, मशक्तत, मसक्तत, मेहनत, रगह, आति।

२८८. श्रमी—श्रध्यवसायी, उत्साही, उद्यमी, उद्योगी, कर्मठ, कर्मशूर, परिश्रमी, मश-कती।

२८६. उद्योगसंबंधी--श्रौद्योगिक, व्यावसा-यिक, न्यापारिक।

२६०. वेचवा—करोज़्त करना, वै करना, विक्री करना, मोल देना, विक्रय करना।

२६१. खरीदना — कीनना, कय करना, कीत करना, विसहना, वेसाहना, वै कारना, मोल सेना।

4६२. विक्री—फरोज़्त, विक्रय, विक्रयण। २६३. क्रय-विक्रय—खरोदफरोफ़्त, इट-वाद। २**६४. बिका**ऊ—कय्य, पर्या, पराय, मास, बिकाऊ, विस्कू, सौदा।

२६४. खरीदा हुआ-कीत, कीतक।

२६६. घटिया—घटिहा, मामूली, सस्ता, सादा, हलका ।

२६७. समदा - श्रम्द्वा, ॲचा, टिकाऊ, बढ़िया, बेशकीमत ।

२६८. सस्ती—श्रमहार्घता, सस्ताई, सस्ता-पन ।

२६६. महॅगी — गिरानी, गेरानी, मंहॅगाई, महॅगापन, महर्घता।

३००. विनिमय-श्रदला-बदला, तबदोली, तबादला, परिवर्त, परिवर्तन, बदला, लेन-देन।

२०१. हानि--कमी, खिसारा, घटा, घटी, घाटा, चपत, टोटा, घनका, तुकसान, हान।

२०२. **लाभ**— क्रामद, श्रामदनी, नक्रा, परायक्क, मुनाका ।

३०३. पेशा--उद्यम, काम, कार्य, वषा, व्ययसाय।

३०४. लहना— पावना, लेहन, लेन। ३०४. श्रमानत—-खुत्यी, खुर्या, याती, अरोहर।

३०६. उपभोग-इस्तेमःल, उपयोग, न्यब-हार, प्रयोग, प्रयोजन ।

३०७. उपभोग करना—भानद लेना, इस्तेमाल करना, उद्दाना, काम में लाना, खाना, पाना, प्रयोग करना, विश्वसना, भोगना, इनके लगाना। ३०८. फेरना—बहोरना, लौटाना, बापस करना, वापिस करना।

३०६. खेती—अनृतकर्म, काश्त, काश्तकारी, किसानी, कृषि, कृषिकर्म, खेतीबाड़ी, खेती-बारो, यहस्ती, यहस्थी।

३१० कियारी — कियारं, कियारा, केदार, क्यारा

३११. जोतना — कोन करना, चास करना, चासना, सोमग करना, इन चलाना, इल चलाना।

३१२ हॅगा-हेगी, पटेला।

३१३. हॅगाना—पटेला देना, हेंगा देना, हेंगा देना, हेंगाना, सम करना।

३१४. बोना—छीटना, बावग करना, बीज डालना, बीया डालना, वपन करना, बीर्य डालना।

३१४. जमाना—श्रंकुरित करना. उगाना, उदय करना, जल्पन करना, जन्माना, बोना, वपन करना।

३१६. अंखुबाना--ग्रंकुरना, श्रंकुर फेकना, श्रकुर फोक्ना, श्रंकुराना, श्रकुरित होना, श्रंखुबा फूटना, उगना, उत्पन्न होना, उमक्ना, उमरना, उपन्ना, अपर श्राना, जन्मना, बमना, निकलना, परगट होना, प्रकट होना, बढ़ना, बाहर स्राना।

३१७. रोपना—पेड लगाना, बोना, रोपनी करना, लगाना, वपन करना।

३१८. आवपाशी करना—श्रोकिचा चलाना, छिडकना, ढेंकुल चलाना, दोन चलाना, टौरा चलाना, पाना देना, पुर चलाना, भरन करना, भरना, भराव करना, छिचिया करना, छींचना, छींचाई करना। ३१६. लहलहाना (बनस्पति)—उम-गना, कचूर होना, खिलना, पनपना, पल्लव फूटना, पल्लवित होना, प्रफुल्लित होना, फूलना, लहराना, विकसना, हरामरा होना, हग होना।

३२०. खिलाहान—खरिहान, खल, खँलि यान।

३२१ चहत्तना —कचलना, कॉडना, कुच-लना, कूंचना, कुटना, गींबना, मॉडना, लितयाना।

३२२. कारीगर-कलाकार, दस्तकार, मिस्त्री, शिल्पकार, शिल्पी।

३२३. कारीगरी—दस्तकारी, निर्माखकला, शिरूप, शिरूपकला, शिरूपविद्या, खिलप, खिलिप, इस्तकला, इस्तकीशल।

३२४ जड़ना—बटित करना, बड़ाई करना, पच्ची करना, पच्चीकारी करना, बैठाना, लगाना।

३२४. जड़ित—बंटत, बहाऊ, बहुन्ना। ३२६. जादू—हंद्रजाल, खेल, तमाशा, विनस्म।

३२७ जादूगर-- इंद्रजाली, ऐद्र बाह्मिक, मायावी, माथिक।

३२८. जादूगरी—इन्द्रबाल, तिलस्म, नाया, मायाकमी।

३२६. कुश्नी—नियुद्ध, वण्नी, वाहुयुद्ध, मल्लयुद्ध, मल्ल-कीका, लकाई।

३३०. ललाई लिये हुये-ललीहाँ।

३३१. ललाई लिये काला रंग — बाकिल-लानी, कपोती, कृष्य लोहिन, धुमिला, धूगल, धूमरा, धूमला, धूमिल, धूम। ३३२ भूरापन लिये लाल—पिंगल,

विवार ।

३३३. कुसुम रग का—कुसुंमा, कुसुंभी, कुसुम।

३ २४. खाकीरग — क जई, कर जुना, काविल, खाकी, धुलिया, पंडु, पंडुर, भूरा, मटमैला, मिटयाला, मिटयाला, मिटला, मटीला, मुलतानी।

३३४. लाह का बना हुआ रंग—श्रलक, अलकक, श्रलता, जावक।

३३६. सुनहला—श्रगरई, श्रमरसी, सुन-हरा, सुनहली, सोनवाल, सोनहरा।

३३७. मेला—फॉकवर, फॉवर, मटमैला, समल। दे० 'काला' 'मेला'।

३१८. गेहूँ के रंग का—गदुमी, गेहुँशाँ। ३३६. लाख के रंग का —गुरी, लक्खी, बाखी।

३४०. धुयं के रंग का—धुँमिला, धूमिल, भूम, धूमवर्ण।

३४१. खैर के रंग का--कत्यई, खैरा,

३४२. बेरंग—निरंग, बदरंग, बिरंग, बेरगा, फक, मलिन, विरस, विवर्ण ।

383. पँच रंगीं का—पॅचरॅंग, पॅचरॅगा, व्याप्ता,

३४४. गहरा रंग-शांख।

३४४. उताहना—उपालन, उपालंभ, श्रोलंना, श्रोलंभा, श्रोरहन, श्रोरहना, श्रोलहना, श्रोलाहना, गिला, शिकवा, शिकवा-शिकायत, शिकायत।

३४६. उलाइना देना — उपालव देना, उपालभ देना, उपालभना, श्रोलइना, शिकवा-शिकायत करना, शिकायत करना। ३४७. पछताना—श्रक्षोसना, श्रनुताप करना, श्रक्षमोस करना, श्रनुतापना, चिता-तुर होना, चितित होना, अंखना, अखना, भौजना, पछताबा करना, पखताबना, पश्चाताप करना, हाथ मलना।

३४८. पळ्तावा—श्रंवरीष, श्रनुताप, श्रप॰ सोस, श्रपकोस, खेद, चिंता, पळ्तानि, पळ्ताव, पश्चाताप, पश्चानुताप, रंब, सोच, हसरत, हैफ्।

३४६. प्राप्त—श्रिषकृत, उपलम्ब, मिला, लम्ब, हस्तगत, हासिल ।

३४०. पाना—श्रिषकृत करना, उपसम्ब करना, प्रापण करना, प्राप्त करना, प्राप्ति करना, लभना, लइना, इस्तगत करना, हासिल करना।

३४१. धड्कना—उछ्जलना, कपित होना, कॅपना, डरना, थरथराना, थर्राना, दइ-लना, घकघक करना, धड्घड करना, घड्घडाना, घरकना, धुकधुकाना, पडकना, हिलना, स्पदन करना, स्पदित होना।

३४२. पठाना--पठावना, पहुँचाना, प्रस्थापित करना, मेजना ।

३४३. मँगाना--मँगवाना।

३४४. <mark>माँगना—चाँचना, याचना, याचना</mark> करना ।

३४४. पठाया--मेजा, प्रेषित, पहुँचाया । ३४६. माँगा--जामा, मँगाया, याचित ।

३४७. निबाहना—चलाना, निर्वाह करना, निर्वाहना, निर्वाह करना, पार-घाट लगाना, पार लगाना, पूरा करना, समाप्त करना, सिद्ध करना। ३४८. निबाह—चलाय, निरवाह, निर्वाह, पार, पारचाट, पालन ।

१४६. मथना—बिलोइना, बिलोना, रिइ-कना, मंथन करना, महना।

३४६ घ. मंथन— विलोबन, मथना, मधाई।

३६०. साड्ना-- श्रोभहती करना, भूत उतारना, भाडना-फूँकना, भाड-फूँक करना, भारना, टोना-टोटका करना, फूँक डालना, मत्र फूँकना, छोखहती करना, खोखैती करना।

३६१. डंक-माँड, दश।

३६२. डंक मारना—ब्रॉड मारना, श्रार वंसाना, डंक मारना, डसना, डॉस मारना, दश मारना, दंसना।

१६२. **गुदगुदाना**—गुदराना, गुदुराना, गुलगुलाना ।

३६४. गुद्गुदी --गुदगुदाहट, गुदुराहट, गुलगुलाहट।

३६४. सडना —उबसना, गधाना, गलना, बबबजाना, बसियाना, भजभजाना, सहन होना, सरना ।

३६६ बद्दब् करना—गच देना, गघाना, दुर्गघ करना, बदबोय करना, बसाना, बस्साना, मँहकना। दे० 'सड़ना'।

३६७. गंध लेना—श्राधाया करना, धाया लेना, बास लेना, बूलेना, महक लेना, स्थाना।

३६८. फूलना (फूल)—कुमुभित होना, शिलाना, खुलना, पुष्पित होना, प्रस्फुटित होना, मुस्कराना, विकसित होना, इँसना । ३६६. सुगंधित करना, नामगुक करना, नामाना, गिर्मत, करना, नामाना, गरमा,

महकाना, सुगंधियुक्त करना, सुवासित करना।

३७०. उपाय—श्रिभयुक्ति, करीना, गौ, जुक्ति, चाल, जुगत, जुगुत, जोगाइ, दंग, दव, तदवीर, तरकीव, तरह, तरीका, तर्ज, तारघात, तौर, प्रकार, पद्धांत, प्रकाली, फिक, यत्न, युक्ति, युगोत, योग, गैति, विधान, रौली, साधन, सुविस्ता, सुवीता, सुभीता।

३७१. श्रभिप्राय—श्रभिलामा, श्राकाचा, श्राशय, इन्छा, उद्देश्य, काचा, कामना, कारण, तातपर्य, तातपर्य, ध्येय, नीयत, मंशा, मसा, मतलब, वबह, सम्मति, स्पृहा, हेतु।

३७२. जरीया—जरिया, वसीला, साधन, हीला।

३७३. हीला हकाला—धंघला, बहाना, बहानाबाजी, बहानेबाजी, बहेरी, मिस, हीला।

३७४. ऐब -- कलक, चिन्ह, चिह्न, दाग, दोष, धन्धा, लाह्नन ।

३७४. निशान पहना—उपट म्नाना, उप-टना, उभर म्नाना, चिन्ह पहना, चिह्र पदना, दाग पहना, दगिम्नाना, घन्सा पहना।

३७६. करक—कड़क, विलक, चिन्हक, टपक, टभक, टभकन, टीस। दे॰ 'दर्द'।

३७७. करकना—करकना, कसकना, खट-कना, गद्दना, चिलकना, चिल्हकना, चुभना, टोल मारना, टपकना, टमकना, दभकना, दर्द करना, दुखना, पीढ़ा देना, फटना, फाटना, गूल उठना। २७८. चाँप चढ़ाना—चपाना, चाँगना, जोर डालना, थोपना, दबाव डालना, दाबना, विवश करना।

३७८. ऋँगदाना—ऋँगदाई लेना, ऋँग-राना, ऋँगिराना, ऐदाना, बदन तोइना।

३८०. पंखा डुलाना—पखा करना, पंखा खोंचना, पंखा चलाना, पखा कलना, कलना, पखा हिलाना, पखा हॉकना, विजन करना, विजन डुलाना, हवा करना।

नोट — सभी 'पंखा' के स्थानें! पर 'पंखी'
रखकर भी पर्याय बना सकते हैं। इसी
प्रकार 'हवा' के स्थान पर 'वायु' आहि
रखकर भी। दे० 'पंखा'

३८१. कतराना (रास्ता)—श्रॅदाना, काटना, बचाना।

३८२. श्रॅबासना — श्रनवासना, जुठारना । ३८३. उपनाम — उर्फ, छुद्म, तख्नल्खुस । ३८४. पता—ठिकाना, ठेकान, निशान,

पता-ठेकाना ।

३८४ अफ्रवाह—उद्गतो खनर, किनदन्ती, गप, जनप्रसिद्धि, जनरव, जनश्रुति, भूठी खनर, वार्ती।

३4६. रहस्य — श्रत, भेट, मन की शत, बात, मर्म, मर्मवाक्य, राज्।

३८७. श्रीकात—विश्वात, वित्त, शक्ति, समर्थ, समाई, हैसियत।

३८८. घुमाब—एंडन, उमेडन, बल, मरोब, मुहीं, लपेट ।

३८६. फल--ग्रत, नतीजा, परिसाम, फर।

३६०. चालना--कपङ्कान करना, चलनी

करना, छान करना, छानना, भा**दना,** भारना।

३६१. सद्देजना—देख भाल कर तेना, सँइतना, सँभालना, सँभाल करा देना, समक बूक लेना, सुपुर्द करना, सौंपना, सौजना।

३६२. धुन होना—धुन लगना, धुन चढ्ना, रट लगना, सनक सवार होना, सनक होना, दुव होना।

३६३. समता—उपमा, बोइ, तशबीइ, तारतम्य, पटतर, मिलान, मुकाबिला, मुशाबहत, सदशता, सादश्य।

३६४ विषमता — श्रसमता, वैर, विरोध । ३६४ मिलाना — तुलना करना, वरावरी करना, पटतरना, मुकाबिला करना, समता करना।

३८६. खिचाव — ग्राकर्षण, खिचाई, खींच, तनाव ।

३६७. खींचना-—श्राकर्षना, कर्षना, खसी-टना, ऍचना, वसीटना, तानना ।

३६८. खिचाना -कर्पवाना, विचवाना, तनवाना, तनाना ।

३६६. भरभराना — रोमाच होना, रोमा-चित होना, रोम्रॉ खड़ा होना।

३६६ ऋ. रोमाच--पुलक।

४००. उथल-पुथल-श्रदल-बदल, श्रद्धव-स्था, इधर का उधर, उलट फेर, उलटा-पलटी, गड़बड़ी, फेरफार, व्यतिकम, विषर्यय, हेरफेर।

४०१. उथल पुथल करना-ग्रडबंड करना, श्रस्तव्यस्त करना, उथलना, **उलटना, उल** टना-पुलटना, उलट-पुलट करना, क्लट-केर करना, श्रौषाना, गढ़बढ़ करना, नीचे ऊपर करना, पलटना, लौट-पौट करना, हेर-फेर करना।

४०२. उलटना—श्रौधना, उलट बाना, उलटा होना, नीचे जपर होना, पलटना, बिसटना।

४०३. रिश्ता—नताई, नाता, नानेदारी, रिश्तेदारी, संबंध, द्वितई, द्विताई, सपर्क। ४०४. व्यक्ति—ग्रादमी, जन, मनई, मनुष्य, व्यक्ति, व्यष्टि, शक्तः। दे० भनुष्य।

४०४. श्रापना-श्रपान, श्रापन, श्रास्म, श्रात्मिक, जाती, नज़दोको, निज का, निजी, स्व, स्वकीय, स्वयं का, स्वीय, व्यक्तिगत।

४०६. ग्रीर—श्चन्य, श्चलग, ऐरा गैरा, ऐराग्रीस, जुदा, दूसर, दूसरा, न्यारा, पराया, भिन्न ।

४०७. अपनापन —श्रपनन्त, श्रपनात, आत्मता, श्रान्मपन, श्रात्मकता, स्वका यता, आत्मीयता ।

४०८. श्रपरत्ब-- गैरियत, परायापन, वे-गानगी, बेगानापन, भिन्नता ।

४०६. अपनाना—श्रमीकार करना, श्रमे-बना, श्रपना करना, श्रपनाना, श्राश्रय देना, प्रहण करना, लेना, स्वीकार करना।

४१०. त्यागना—दे॰ 'टुकराना 'छोड्ना' 'त्यागना'।

४११. स्पर्शे — खुवाव, परस, लगाव, सटाव। ४२२ खूना — परस करना, परसना, लगना, सटना. स्पर्शे करना, हाथ रखना, हाथ लगाना।

४१३. स्पर्शजन्य--- खुतहा, संकामक।

४१४. खतरना—श्रवतरण करना, श्रव-तरना, श्रवतीर्था होना, श्रारपार खाना, पार करना, पार खाना, इलना, हेलना । ४१४. इवना — गचक्का खाना, गचकी खाना, गोता खाना, बूदना, समा खाना । ४१६. खुबाना—गोतना, गोता देना,

४१६. डुबाना—गोतना, गोता देना, बुद्दाना, भितराना।

४१७. डुवर्का—गचनका, गोता, डुब्बी, बुद्दकी, बुद्दको।

४१८. उतरांना—ऊपर श्राना, तैरना, पैरना, पौरना।

४१**६. बहाना** —बहा देना, प्रवाहित **करना,** फॅकना, भषाना, खिराना, सेरवाना ।

४२०. तै**रना**—उतराना, तरना, तरित होना, तिरना, पॅंबरना, पैरना, पौ**हना,** पौरना।

विलोम--दे॰ 'डूबना' ।

४२१. तैराक — तैरिह्या, पौरिह्या, पौराक।

४२२. **डूबने वाला**—गोताक्रोर, **डुब्बा**, पनडु**ब्ब**, बुदुवा।

४२३. शपथ—ग्रहद, ग्रान, कसम, किरिया, प्रतिजा, सौगद, सौगघ, इलफ्र

४२४ रापम खाना—कसम लेना, इसफ उठाना ! कसम, किरिया, सौगंद, भौगंद्र, आदि, में 'खाना' बोहकर और भी शब्द, बनाए जा सकते हैं।

३२**४. निश्चय—क**रार, इकरार, नि<mark>र्वाय,</mark> निर्घार, निर्घारण, निश्चै, निर्द्वै। दे० 'संकल्प[']।

४२६. निश्चय करना—ठोक करना, तै करना, नियत करना, निर्धारना, निर्धा- रित करना, निश्चित करना, सुनिश्चित करना।

४२७. संकल्प—ग्रहदिय, इकरार, इरादा, क्रौल, हद, हद्गिश्चय, प्रख, प्रतिश्च, वादा, विचार, संकलप।

४२८. संकल्प करना—क्रील करना, प्रख करना, प्रतिज्ञा करना, बचन देना, बचन-बद्ध होना, इठना, हाथ उठाकर कहना।

४२६. अवशिष्ट—ग्रवशेष, उनरा, नचत, बचा, नक्रो, शेष।

४३०. निद्धावर—उतारा, उत्सर्ग, निद्धा-वर, न्यौद्धावर, बलि, वारन, बारना, वारफेर।

४३१. घँटना—ग्रॅंट जाना, ग्रटना, ग्रमाना, ग्राना, ग्रट जाना, भरना, समाना।

४३२. न अटना--श्रिषक होना, अधि-काना, उबरना।

४३३. श्रस्त—श्रश्यमित, ह्वा, तमान्त । ४३४. श्रस्त होना (श्रह श्रादि)— श्रथना, श्रथवना, श्रयाना, श्रस्तमना, ख्तम होना, ह्वना, तमान्त होना ।

४३४. कम - तरतीन, तारतम्य, श्रांखला, सिलस्का।

४३६ क्रमानुसार—करीने से, क्रमयुक्त, क्रमशः, क्रम से, क्रमानुक्ल, क्रमिक, तरतीन से, तरतीनवार, श्रंखलानद, सिल-सिलेवार।

४३७. बेक्स--ग्रंड-बड, ग्रस्त-व्यस्त, उलटा-पलटा, उलटा-पुतटा, गड्बड, बेटंग, बेतरतीब, विपर्यस्त । ४३८. विस्मय—श्रचंभव, श्रचंभा, श्रचंभो, श्रचरण, श्राश्चर्य, करामात, गचव, चमत्कार, चमत्कृति, ताज्जुब, तिलस्म, हैरत।

४३६. विस्मयकारी—न्नाश्चर्यजनक, करा-माती, गज्ब का, चमस्कारिक, चमस्कारी, चामस्कारिक, तिलश्मी, दैरतन्नांगेज्।

४४०. विस्मित—श्रचमित, श्राश्चर्य-चित, श्राश्चर्यान्वित, श्राश्चर्यित, चित, चक्रत, चमत्कृत, दंग, इक्का-बक्का।

४४१. चकराना — श्रकवकाना, श्रवाक् होना, श्राश्चर्यचिकत होना, श्राश्चर्य से हघर उघर ताकना, काठ मार जाना, काठ हो जाना, घवडाना, चकना, चकपकाना, चित्रवत होना, जकना, जड़ हो जाना, दगरह जाना, पत्थर हो जाना, पैर तले को जमीन सरकना, मौचक्का होना, स्तंभित होना, हकवकाना, हवास गुम होना, होश उद्दना, होश ठिकाने होना। दे० 'सन्न हो जाना'।

४४२. ब्रह्मचर्य-प्रथमाश्रम, लंगोटबंदी, स्वलनशून्यता ।

४४३. अपरिमह-चन त्याग।

४४४. परित्रह—घनसप्रह ।

४४४. ऋहिंसा- परपोडनहीनता ।

४४६. **हिंसा**-परपीइन ।

४४७. ऋहिंसक—ऋहिंस।

४४८. हिंसक-परवोदक, हिंस।

श्रनुक्रमग्री

[शब्दों के आगे लिखे असर और अंक पीछे दिए गए पर्यायों के शी बींक हैं।]

ग्र

ग्रॅंड्चाताना ब ४६४ ऋंगक ५८५, ख १३, ग ११, ग १२, श्चंक क ३१०, ल २२८, ल २६६, ल ५५६ ग १३० ख ६०९, ग १२, ग ७६, इ ३०३, W YYU, श्रकगणित स ५५३ श्रेंगदाना भ ३७६ श्रॅकड जाना व ८१ श्रॅंकड़ा क ५७२ श्रॅगना च १४५ ग्रॅंकर् व ६६ श्रॉगनाई च १४५ ब्रकन करमा ल २६४ श्रंगभंगी ज ५३७ भंक भरना च १५२ श्रांगरखा ङ २५२, श्रंकमाल व १५० श्रमराग ङ ३२२ भाँकवाना ज ६६' श्रॅगराना भ ३७६ र्श्वकवार ग ७६, च १५० भॅकवार भरनां ज १५२ श्रंकाना च १६७ भंकित ख १७ भ्रागार ङ १०२ श्रंकित करना ल श्यम, स २६४ श्राँगारी घरप्र श्रद्धर य २४, घ २६ श्राँगिया ङ २६६ चॅंडुरना म ३१६ **महरा** क पर, क २१८, क ३६८, ब श्रॅगिराना व ६० 300 संबोल घरप चेंसकी ग १६ श्रमोठी इ ४२१ र्श्वेषुका व २४ चेंचुकाना भ ११६

ऋंगज ग २४७, ग २५० श्रामाई लेना भ ३७६ **ग्रागद क ३७२, क ३८३, ङ ३३३, ड ३५०** श्रम लगाना व १५२ श्रगहोन क २७१, ज ५३६ श्रमा क २४३, क २५२, श्रमिरा क ५७८, च ७४ श्रंगोकार च १७६, च १८६, ज १८८ अंगीकार करना ज १८३, अ ४०६ श्रमुली ग ६७, ग ४४४ त्रगुलीय क ३५८

श्रंगुश्त ग ६७ श्रगुरतरी ङ ३५८ श्रगुश्ताना ङ ३५७ श्रगुष्ठ ग ७० श्रॅगुसो ङ ५२७ श्रगूठा ग ६६, ग ७०, श्रंगूठी ङ ३३६, ङ ३५८ ऋँगूर ख ५२८, घ ३४३ श्चांगूरो ल ४१, ल ५५ श्रॅगेजना ज १५२, ब १८३, भ ४०६ श्रॅंगोञ्जना भ ७१ श्रॅगोछा ङ २५६ श्रॅगोछी ङ २५६ ऋग्रेन ग ३६५ श्रिधिव १३ श्रवत ङ २७३, च २८० श्रॅचला ङ २७३ श्रॅचवनाफ १२०, फे. १२३, श्रॅचार ङ १३७, ङ २७३ श्चांबन ख ३०६, ग ५३१, ग ५६६, ग ८, ङ ३०१, ङ ३०५, च ८८, छ १४३ ऋंबनाक ३१४, क ३८१, ग ५३१ ऋंजनीक ३८१, ग८, घ १६६ श्रजनीकुमार क ३८० श्रंबर-पंचर ग १०० श्रंबीर घ ३७० श्रॅबोरना भ ११० श्रॅंबोरिया च १६ श्रमा छ७, छ १५५ श्रॉटना च ६१६, का ४३१ श्राँटियाना च ७६३ श्रंटी ङ २६३,ङ २६३, ङ ३४०, ङ ५६४ श्रॅंठई ग ५५०

श्रॅंठया ग ५४६ ऋंड क २७१, ग१२, ग ८१, ग ५१२, श्रंडकोश ग ८१, च २ श्रद्धक क १२३, ग्राप्रम, ग्राप्रम, ग्राप्रम श्रहबंड ज ६२५, म ४३७ श्रांडवंड करना ज ६१३, भ ४०१ ग्रंडरिबयर ङ २६९ म्रंडा ग १२, ग६०३ श्रंडाकार च ५८३ म्रडाकृत च ५८३ श्रंडी ङ २३४ श्रॅडुवाग ⊏१ श्रतःकर**गाग १३०** श्रतःपुरचारिका ग २७७ श्रत क १७२, ग १३०, ग १५४, ज ८०१, ज ८२३, भ ३८६, भ ३८६ त्रातक क १६५, क ४७७, ग १५४ श्रातकर्ता च १५४ श्रांतकाल ग १५४ श्रॅतर्ङा ग ६८ श्रतरग ग २७८ त्रांतर ग ५, इट ३१२, इद्र ७, इद्र १४२, छ १६३, ज ८००, ज ८५६ श्रंतरजामी क ११२ त्रतरश क ११२ श्रातरा छ ७, छ १४२ श्रातरातमा ग ५, ग ६ त्रातरिज् क २३८, घ ४६०, च ३, च ६ श्रतरीप च ६२, च २७० श्रातरीय क २६१, क २७१ श्चतर्गत स ८६ श्चांतर्गति व ३

श्रंतर्धान च ७३०, च ८०० श्रांतभवि च ८०१, च ८०२ श्रंतर्भावना व २२४ श्रतभूत ग६, ज ८६० श्रांतर्मन ज २२६ श्चतर्मना ज ५६ श्चांतयां मी क ११२ म्रांतलीन च १२३ श्रतहित ज ८०० अतस् ग १३० श्रंत होना ब ८२१, ज ८२२ ब्रातेवासी ख २४२ श्रत्य क १७३, च ५५ ऋंत्यज्ञ ग २६६, ग २६८ श्राध्यवर्ण ग २६६ श्चांत्याचरी ख २७३ श्रंत्यानप्रास ख १६६ श्चांश्येष्टि करना ज ⊏३१ श्रित्र ग १८ श्रांत्रो ग ६ -श्रदर च १७७, ज ६८२, ज ६८५, म २३५ श्रदर श्राना ज ७४० श्रदर करना ज ७४१ श्रदर जाना ज ७४० श्रंदरसा क १८२ श्रदरुती व १८४ श्रंदान ज ६६६, ज ६६४ श्चंदाज़न च ६६५ श्रदाख करना ब ६६४ र्वादावना व १६४ श्रदाब लगाना ब ६६४ मंदेशा ज २२४, व २२६, व २३१, व २३३ श्रंदोइ च २२४

श्रंघ ग ५२८, ग ६५२, छ २८४, च २०३, ब ४६६ श्रधकार ख २३६, छ २८४ श्रांधक्प क ३२३. च ३०६, छ २८४ श्रंघड छ २६८ श्रमता च ४६७ श्राधतामिस्र क ३२२, क ३२३ श्रॅधरा ज ४६६ श्रंघविश्वास क १२ श्रधविश्वासी क १४ श्रधा च ४६६ श्रवाधंव भ १५८ श्रधापन ज ४६७ श्रॅघार छ २८४ श्रिधियार छ रद४ ऋधियारा छ २८४ अधेर म १५८, म १६५, म रे६६ श्राधेरखाता भ १५८ श्रंधेरा छ २८४ श्रंधेरिया छ १४६, छ रद्भ अँदेरो क ३६५, छ १४६, छ २८४ श्रद्ध १६७ श्रवर क २४२, घ ४६०, ङ २१८, ङ २२३, च २, छ २३६ श्रांत्रशीय क १३४, क १६४, घ ४५, ङ ४६०, भ ३४८ त्रंबाक १८५, ग १७७, घ १६७ ग्रवालिका ग १ ७७, घ १६७ श्रांत्रिका क १८६, क १६४, ग १७७, म १६७ श्रंबिया घ ३८ श्रादु च २६२ बाबुब क १२३, ध रेट्र

श्रंदुधि च २६४ श्रंबुनाय क २८६ श्रंबुनिधि च २६४ भ्रंबुपति क २८६ श्रंभ क २०७, क ३४६, ग १६६, च २६२ श्रंभोच क ३०७, ग ६४०, घ ३८८ श्रंभोधर छ २३६ श्रॅभौरो स ४५४ श्रॅम्हौरी ख ४५४ श्रंश ख ६४३, ग ३६ श्रंशु क २६७, च ६, ङ ४८० श्रंशुक ङ ३३३, ह २७४ श्रंशुमाली क २६७ श्रॅसुवा ग ११६ श्रहति च १६५ श्रंहर व ३०४ ग्रकड़ व २१, व ७३, ज ८६, ज ८८, बद्ध, बध्र श्रकड़ जाना ज ८१ श्रकद दिखाना ज ७६ श्रकदना च ७६, च ८१, भ १४५ ग्रकद्वाच च ६१ श्रकदवाजी व नन, व ६२ मादद व ६१ अक्ट्रेत च ६१ श्रकथ व ६१८ श्रकथनीय च ६१८ श्रक्य व ६१८ श्रकषक च २३३ श्राक्यक ज ६०३, ज ६११ श्रकवदाना च १८, च ७६७, में ४४१ श्रकरकरा च १३६ ग्रकर्तव्य व ६६, व ६६२

श्रकत्ती क ११२, च ६६० श्रकर्मवय व ४४५, व ६६०, श्रकमीं च ३१२ श्रकर्य च ६६२ अकलंकी च ३१५ श्रकल क ११२, ग ११२, घ २२६ त्रकलमद व ३६३ श्रकलमंदी च ३६५ श्रकस च २७६ श्रकसर छ १६८, ब ६१६ श्रकिलदाढ़ ज ५२५ श्रकस्मात छ १६८, च १०१३ अकाड व ८७६ श्रकाब ज ४५५ श्रकाय क ११२ श्रकारया क ११२, क ११६ श्रकाल छ ५ श्रकिंचन स ४०५ श्रकिंचनता स ४०६ त्रकुताना च १८ श्रकृतशता च २६६ श्रकुल क १६५ श्रक्रलाना छ १६१, च १८ श्रकृत च १६६ श्रकृत क ११२, क १८६ अकृतशत अ २६४ श्रकुत्रिमता व ३८७ श्रकेल-दुकेल ज ६२१ श्रकेला ज ६१६ श्रकेला-दुकेला च ६२१ श्रकेलापन स ६२० मकेले ज ११६ क्राक्सक स ७७, स २४०

श्रक्तद्रपन च ७१ श्राबद्धवर छ ३८ श्रकोष क १८ भाषल ज १०८, ग १३२, व ३६२ श्रक्लमंद व ३३३ श्रक्लमन्दी व ३६५ ग्रक्सर व १००६ श्रम् क ३६४, क ४५८, ग १६, ग १३४, स प्रम्म, च १६२, क ३३, क ३७४ त्रचक्रमार क ३६४ श्रद्धकृट ग २१ श्रव्त क ३०, क ३१, घ २३६, ङ ६३, ङ €¥, ₹ १¥5 श्रद्धतयोनि भ ६२ श्रद्धरल ग २२ श्रच्पाटक क १६ श्रवपद क प्रकार श्रदम व ८ श्रह्मता च २६२ श्रक्षमालिका क ५५= श्रद्धयं क ११२, ज ८३३ अव्यक्तार क ३६४ श्रब्य तृतीया छ २०८, छ २२० श्रच्रक ११२, ख २२५, ग५, ग६, च र, च २-२, ज ⊏३३ मुन्बाट त २१७ श्रवहोन च ४६६ श्रीच्या १६ श्रिवतारा ग २१ श्रञ्जराया व ८७६, व ८२६ श्रक्षाट च ३५६ असोड च ३५६

श्रद्धोभ व २४०

ग्रसंड हु १६७, व ८७७, व ८७६ श्रखंडल क २२५, ब ८७७ श्रवंडित छ १६७, ब ८७७, ब ८७६ श्रखतीब छ २०८, छ २१० ग्रखबार स २८६ श्रमरना च ४७० श्रखरोट ग ३५६ श्रख्लाको उस्त स १३१ त्रलाहाक ८०, च २०२, ख २१७, च २२३, ज ६२४, ज ६२५ त्राखिल ब ८७७, ब ८७६ श्रक्तियार भ १४६ त्रग क २६७, म ५५८, घर, चर्४८ त्रगहचत्त ज ४६८ श्रमणित ख ५७१ श्रगएय ख ५७१ श्रगद स ५४८ में रे६ त्र्यगदता भ ३७ श्रानित ख ५७१ श्रगनेया च १४५ श्राम प १, च १७२, च ५६४, च ४७६, ज ६५८, अ ६११ त्रागम्य ज ५६४, ज ५७६, ज ६१९ श्रमर घ १४८, ज १००४ श्रागरचे व १००५ श्रगरवसी क २४ श्रागर घ १४० ग्रगर्चे ज १००५ श्रमला म १६६, छ १४७, छ १८६ त्रगवाई च ६६८ श्चगवानी 🗷 ६६८ श्चग्वानी करना च ६६६ श्चगस्त क ४६४, ख ३८

त्रगहन छ ३७, छ ५५, छ ७६, छ ८१ श्रगहनी छ ५६ त्रगाड़ी छ १६३, छ १६४ श्रगाच क १२२, च १५६, छ २३७, ज प्रदेष श्रगार च १ श्रगाह च ३११ ज ५६४, ज ६११ श्रिगियाना भे १०५ श्रागियारी क ३३ श्रगुनाना व १८ श्चगुद घ ७६ त्रगुवा ख ३३५ त्रगुवाई भ १५१ श्रगुवाना ज ६७१ श्रगोचर क १२२, ज ७३० श्रमोटना च ८८४ श्रगोर भ १६८ श्रमोरना ज ४५३ श्रगोरिया भ १६६ श्रगोरिया करना भ २०५ ऋग्निक ३११, क ५७४, ख ५८७, ग १२४, व ४४८, ङ १०, च ७८, ख २७२ श्राविनकाड घ १४० ऋग्निकोट स ५५७ श्राग्निकोग् च १६, चंद्र श्रामि उवासा क २०२, छ २०० म्राग्नदाह ज ८३० ग्राग्नशिखा ङ १०, छ २८० श्रास्याख्य ङ ४०५ श्रम छ १६४ श्रमगामी ख ३३५ श्रमं ग २१८

श्रामणा दिरेपू

श्रमशोचिता च ७२८ श्रमशोची च ७२७ श्रप्रसर ख ३३५ श्रप्रसर होना ज ६७१ अग्रहरा छ ५५ श्रमह्णीय ज १६१ श्रमाह्य ज १६१, ज ४२१ त्राग्रिम् ग २१८, छ १८५ ऋषगद०, ज ३०४ श्रघाट ङ १६ श्रमाना ज ३७ श्रघाया ज ३५ श्रघो ज ३०६ श्रघोर ज २४३ श्रघोरनाथ क १६५ श्रवंभा भा ४३८ श्रचंभित भ ४४० श्रचकन क २४६, क २५२ श्रवकॉ छ १६८, च १०१३ श्रवकें छ १६८ श्रवर व ६७६ श्रवरब भ ४३८ श्रवरना च २६५ अवल च २४८, ब ६७६ ग्रचला च ६०, ब ६७६ श्राचवना का १२०, का १२३ श्रवाका छ १६८, ज १०१३ श्रचानक छ १६८. ज १०१३ श्रचार ङ १३७ श्राचाह ब १४१ श्रचित ज २२७ श्रिचितित ज २२७ श्राचिरात छ, १४६

श्राचीता छ १६८, ज २२७, ज ६११, ज १०१३ श्रचेत व २०३, व २२६ ब्रचेतना ख ५२६ श्रवौर्य भ २०६ श्र अप्रस्कृत क ३१, ङ ६३ ं ब्रस्डरा क २४७ श्रब्ध्रेशे क २४७ ब्रन्छा ख ५४०, ङ ५०, ज ४२०, ज ४६३, म ४७४, ज ५६६, म ८२६, स्त २६७ ब्र≖क्षाई इन्प्रश, ज २८, ज ४७७ श्रन्छा करना ज १४२ ग्रन्ञापन ज ४६७ श्रान्त्री लगाना ज ६५६, ज ४६६ माच्युत क ११२, क १३४, क ४७७ श्रच्युतानद क ११२ श्रक्त ग २६६ श्रखता ग २६ ⊏ श्रां क ११२, क१२३, क १३४, क १६५, व १६८, का २७१, का ३०७, ग ८, ग ४६०, ग ४६१, च ५६ ऋषगर ग ५६७, ङ ४०५ श्राजगब के १७६ श्रावदहा ग ५६७ माजनबी च ११३ , बाजसमा क ११२, क ११६ 動成性 泉 ふくご बाजमाया ख २५१ अवमर क ५१८ अभागादा च १४४, ङ ७६ श्रवय व २८६ प्राचार व्ह ११२, क २०७

अववाइन ङ ७६

ग्रबस छ १६७ श्राचा क १८५, क १६४, ग ४६२ त्राजातशत्र क १६५, क ४१४ श्रजान क ५१४ ऋबानुवाहु च ५२७ अबामील क ४७१ श्रजायबघर च २१३ श्राजिश्रौरा ग १६५ श्रांचन क १६५ श्रांबर क ३१६, ग १२, च १४५, छ २६३ त्राबोज ग २६७ श्राजीव ज ४१८ श्रजोबोगरीब ज ४२८ त्राधीर्ग ख ४६७ श्राजी ग ११ श्राश ग ४२२, ज ११२, ज ३६४ श्राज्ञता सा २३६, ज १०४ श्रज्ञात व १०६, व ११२ श्रज्ञातयौनना ख १६१ श्रज्ञान ख २३६ श्रशान्ता ल २३६, ज ३६६ ध्यज्ञानी ज ११२, ज ३६४ अर्ज्ञेय क ११२ अभुराना क २७५, व ७८३ ग्रटक व २१५, व २२४ श्रटकरा च ७८३, च २३२ श्राटकल अ ६६३ ब्राटकल लगाना ज ६६४ श्राटकाना ज ७७४, ज ७८२, ज ७८८ श्रायकाव ज ७८६ श्राटन ज ६८७ श्राचा व ६५८, भ ४३) श्राटपट च ६४

श्राटपटाना व २३२, व ८४३ श्राटल ज ६७६, ज ८३३

ग्रटवी घ ११

श्रदा च १४६, ब ६२४

श्राटारी च १४६

श्रटाल च १७३

श्रदाला च ६२४

ग्रटेरन ङ ५६४

ब्रष्टहास क १६५, घ ४१५, ब ६२६

श्रष्टालिका च १४६

ब्रहाइस स ६२७

श्रद्वारइ ख ६२३

अञ्चली ग ५१

ग्रठिलाना ज ७६

अठारह ख ६२३

ग्राठवारा छ ११३

ग्रठलाना च ६०

श्रठनी ल ४२४

अबंड के २२७

ऋह्स घ १४६

श्रद्धा च १६३, च १३८

श्रहगा ज ७८६

ग्रहंगा लगाना च ७८८.

श्रद व ७३

ग्रहकाना ज ७७४, च ७८२

ग्रहचन व ७८६

ग्रहचन डालना च ७७४

ग्रह्ना ज ७७३, च ७८१

श्रद्भग ज ६४

श्रद्ध व ६४

श्रदबद्दाना ज ७०७

श्रइहुल घ ४२२

ब्रहाइ च १६३

ब्रहान च १२०, च १६३, च २०३

श्रहाना व ७८२, व ८७१

ग्रहार ज ६५, ज ६२४

श्रिक्यल व ७४, व ४४५

श्रदी खु १२

ग्रह्सा घ १४६

श्रद्वना भ २४१

श्रदाई ख ५८६

श्रद्धकना **च** ७०१

श्रियामा क २३४

त्रगु ज ५०३, च ८६५, च ६१०

ग्रतः च १००६

श्रतएव ज १००६

त्रतदगुरा ख १६०

श्रतनु क २७१, व ४६८, व ५४०

श्रतत्वरता ज ४४६

श्रतरसों छ १८४

श्रातल क ३३६, क ३६७, क १६८

श्रतिकाय ज ४६८

श्रतिकाल छ १७५

श्रातिकम क ४८०

श्रतितित्तु ज ८

श्रतिथि क ३११, ग ३७८

श्रतिथियूजा भ ५४

श्रतिरिक्त ज ६१४

श्रातिवाद च ६२

ऋतिवादिता ज ६२

श्रातिवादी ज ६१

श्रांतशय ज ६११

ऋतिसार व ५११

त्रातिसी घ २६५

अतीत क ११२, ग १५E, **ड १७**१

ब १८१

ब्रतोय ग ३७८ त्रातीव ब ६११ अतीवता च ६१३ त्रातुराई छ १५६ ऋतुराना च १८ त्रातुल अ ४२३, च ६११, च ६६६ ऋतुलनीय ज ६११ त्रतुलित ख ५,३१, च ६१% त्रतुष्ट ज ३६ अतुप्त ब ३६, मा ११४ ऋतुप्ति स ११३ ऋताल ज ६११, ज ६६६ श्रस्यंतता च ६१३ श्रात्याचार च २६८, ज ३०४, म १६६ श्र-याचारी अ ३०१, भ्र. १७० श्रत्याज्य ज १६० श्रन्यावस्थक ज ४२१ श्रा श्रत्युक्ति सा १६० श्रद्ध अध्य श्रात्र क ४५५, च ७३, च ७४ ऋत्रिप्रिया क ४५७ स्रापंत के २०७, के ४५६, के ४६६ श्रय हु १८७ श्रयना भ ४३४ श्राधर्वगा वंद क ५४४, स २३७ श्रयवंसिंहता क भ्रद श्रयवना क ४३४ श्रयवा व १००३ श्रयाना क ४३४ भाषाह च २६४, छ, २३७, भा ५६४ श्रद्ध व २४० ब्रदंडनीय भ २२ > ग्रदंख्य क २२७

U9 -- 0P

त्रदद स २२८ ग्रदब ख १२६, ब १७७, ब २६७, ब ३४२ श्रदवी ख १३० ग्रदरक घ ३१५ ग्रदराना च ६० ग्रदर्शन च ८०१ ग्रदर्शनीय म ४६५ श्रदल म १६४ श्रदल-बदल में ४०० ग्रदला च १८३ श्रदलावदलो भ ३०० श्रदवायन क ५०३ श्रदाता स ३६० श्रदालत चरर४ श्रदानती भारद्य ग्रशवत च २७६ श्रशासी ग २७६ ब्रिटिति क १२७, क २६७, क ४०७, क १५१, त १७४, ग ५७७, च ६, च ३४, च ६० श्रदिन ब ४४८ ब्रदोठ व ७३०, व ८०० श्रदान च २३. च ३०८, भ २०४ श्रद्ध ज ६०६ ऋद्भितः च ४१४ श्रद्ध व १७८ श्रदृश्य क ११२, अ ७३०, ब ८०० ब्रहार हा १, ज ४४०, ज ७३०, ज ८०० अदेखे ज रहर श्रदेह क २७१, व ५४० 羽裏:荷 火っ火 ब्रह्मी क २३५

श्रद्भुत ख १७६

श्रदा खु १८७, खु १६१

श्रद्यापि छ १६२

श्रद्याविष छ १६२

श्रद्धा च ३३

ऋद्रिच २४८

श्रद्भिषा क १८४

ऋद्रितनया क १८५

ऋदेत क ११२

श्रधकट्टी रू २४२, रू २४७

श्रधकपारी ख ४८६

ग्रघना स ४२७

ऋघपका ङ ७३

श्रधम क ३१०, ज ३०२, च ४२६,

च ४३६

श्रधमता अ ४४१

श्रधमपन व ४३०

त्रघमाई म ४२०, ज ४४१,

क्राधर ग२४, ग८०, च ६

श्रदमं च १०४

म्राचिक ल १६०, ज ६११

ब्रिधिकतर छ १६८

अधिकता च ६१३

श्रिषकपद स १६७

श्रिषकमास छ ६३

अविक होना च ६८५, च ६१७, म ४३२

ऋधिकाश च ६११

श्रिषकाश्रतः छ १६८

श्रिषकाई च ११३

त्रिधिकाना च ६१७, म ४३२

त्रविकार ल १४८, म १४६

श्रविकारी स ३६८

अधिकृत क ३४६

अधिगम ज ३४२

श्रिषप ख ३६८, ग २२४, ग ३८०

श्रिधपति क १३४, स्त ३४६, स्त ३६८,

ग २२४

श्रिधराज ख ३४६

श्रिषवास च १२६

श्रिवासी ज ५५५

श्रिषिष्ठाता क ११२

श्रिधिग्डान च १२६, च १३०

श्रधीन ग ३८३, ज १३६, ऋ २३५

श्रघीनता च १३७, भ २३६

श्राधीर ज १२, ज १३, ख २२६

ऋधीरता ज १५, ब १६

श्राचीर होना ज १८

त्राघीश ख ३६८

ग्राधीर्वर ल ३६८

त्रधुना हु १६१

त्रधुनातन छ १७५

श्रदेली ख ४२४

श्रधैर्य व १३४

ऋषांगति च २६२

श्रधोगमन ख ७२

अघोलोक क ३३५

श्रघोवस्र ङ २६१

ऋघौरी स ४५४

श्रध्यच् क ७६, ख ३३५, ख ३६८, ग ३८०

श्रध्ययन ख २०६, ख २५६

श्रध्ययन करना ख २४६

त्रध्यवसाय में २८७

ऋध्यवसायो म २८८

ग्रध्यातम क ५५८

अध्यातम रामायस क ५८४

ऋध्यात्मशास्त्र स ३२७

श्रभ्यापक स्त २४१ प्रभ्यापन स्त २५७ प्रभ्याय स्त २६६ प्रभ्यास च ६७६

श्रावग ग ४५०, च ६६३

श्रध्वगा च २६०

अध्यर क ८१

ब्रनंग क २७१, व ५४०

अनत क ११२, क १३४, क ३२८, क ३२८, क ३३०, क ३७०, ख ५७१, च ३,

कु २०६, ज ६११ अनन्तचतुर्दशी कु २०६

भ्रनन्तमूल घ १४६ भ्रनंतर छ १६३ भ्रनतवीर्य भ २७३

श्चनदेना अप्तर श्चनन्दो का १७५

श्वनश्चतु छ ५, छ ६६

श्चनख ङ २०२, ज २४, च २६२

स्रत्या ङ २०२ श्रानगढ् ब ४६५ स्रानगवना ज ४५२ स्रानगिनत ख ५७१

श्मनचाहा व १४३, व ४२१ ६

मनचोन्हा व ११२

श्रमखान व ११२, व १६४

श्रनबानपन ब १०४

व्यतकाना व १०६, व ११३ व्यतकाय छ १५५, **छ**ं१५६

सनतुरक अ १२३

श्चनतुरक करना च १२६ श्वनतुरक होना च १२५

समकास प ३५०

श्चनपच स ४६७ श्रनपट स २४०

ग्रनपेच्तित च ४२१ इ

ग्रनबन व २७६

श्चनबोलता व ५१६, व ६०७

श्रनस्याहां भारद श्रनभित्र ज ११२ श्रनभित्रता ज १०४ श्रनभिल्पित ज १४३ श्रनमना ख ५४६, ज ५६, श्रनमनापन क २८१, ज ५७

श्रनमना होना क २८० श्रनरस का १२८ श्रनरसता का १३० श्रनरसा ड १८२

अनरूप अ ४६५ अनरूपना ज ४६८

श्रनल क २०६, क ३११, ग १२४

श्चनत्य ज ६११ श्चनवयत च १०६ श्चनवट ट ५३५ श्चनवरिष छ १६७ श्चनवरत छ १६७ श्चनवस्थित च १६ श्चनस्थर च ८३१

श्चनहित ग २७६ त्रनाकाद्भित च १४३ श्चनाचार मः १६६ त्रनाचारी मः १७० श्चनाच च २२५ श्वनाची च ११२

स्रनाङोपन स १०४

श्रनाथ भ १४, भ २०३

श्रनाथालय च २०४ श्रनादर च ३४८ श्रनादर करना च १६६ श्रनादिक ११२ श्रनाहत व ३४५ श्रनाप-शनाय च ६२५ श्रनामय भा ३६ श्रनामिका ग ६६, ग ७३ अनायास छ १६८, ज १०१३ श्रनार व ३४४ श्रनावश्यक च ४२१ इ श्रनावृत व ३८: श्रनावृष्टि छ २५३ श्रनाभय भ २०३ श्रनाभित भ २०३ श्रनासक व १२३ श्रनासक करना क २७६ श्रनासक होना क २८० श्रनाहृत भ ८३ श्रनिद घ ३८८ श्रनिद्य च ४७५ त्रनिच्छा व १४८ श्रानिच्छित व १४३ श्रानित्य छ १५०, च ८३२ श्रानिमेष छ १ श्रानिमेष देखना व ७२६ श्रिनियंत्रित म २३४ श्रनियारा म २६६, म २६६ श्चनिबद्ध क ४०३ श्वनिवंचनीय व ६१८ भ्रानिश क २०४, क २०६, क ३१३, क ३१६, ब ८४, च ४२ अनिवार्य च ४२१ बा,

श्रनिवार्यता ज ४२१ ई अनिश्चित च २३० श्रमिष्ट च २६ श्रनिध्कारक व ३१ श्रनी ख ३५६, ज ३२१, भ २६८ अनीक ख ३५६, ख ३६५, म २६२ श्रनीकिनी ख ३५६ श्रमीति का १६४, का १६६ श्रनोतिवान भ १६७ श्रनीश्वरवादिता क १२१ श्रामीश्वरवादी क ६, क ११६ श्रनीह क ११२ ग्रनुकपा च १६ अनुकपाक नाज २५ त्रानुकरण करना ख २६४, म २४५ श्रनुकृत स १५२, ग २२६, भ ३६, भ श्यक्ष, ज स्यप्र श्रनुकुनता च २७५ श्रनुकृति ख १३, भ २४४ श्रनुगत ग ३८३, भ २४६ अनुगति भ २४४ श्रनुगमन भ २४४ श्रनुगामी ग ३८३, म २४२, म २४६ श्रवुगीता क ५८२ श्रनुगृहीत ब २६५ ऋनुमह ज १६ श्रनुग्रह करना व २५ ऋनुप्राही व २२ श्रनुचर ग ३८३ त्रानुचरी ग ३८४ श्रमुचित ब ४२१ अनुव ग २१४, ग २२०, म २४६ श्रनुताप च ४६, क ३४८

श्रनुतापना मः ३४७ श्चनुत्साह् व ४४६ श्रनुरात व ४३८ श्रनुदार स ३६०, व ३१ श्रनुदारता ख ३६१ श्रनुदिन छ १३८ श्रनुबत क २५८ श्रनुनय च १७६ श्रनुनय करना मे २४८ श्रनुतय विनय च १७६ त्रनुरम अ ४६३ श्रनुषमेय **च ४१८, च ४६३** श्रनुपयुक्त ज ४२१ त्रनुपरियत भा २५८ श्रनुपश्यिति स २६० श्रनुपास ख १६० श्रनबंध ब ८१२ श्रानुभव ब ३८३ अन्भर्भ व ३८२ श्रनुभूत व रूद श्रमुशीत च ३८३ श्रम्पति स २४० श्रन्मान व ६६३, व ६६६ श्रुनान करना च ६६४, च ६६८ श्रनुवान कराता व ६६७ श्रनुमानत अ ६६५ श्रनुपानना अ १६४ श्रनुमित स १६३ श्रनुयायी ग ३८३, भ २४६ श्रनुरं वित स २२ मानुरवित करना ख २६, ख २७ अनुरक ग २६६, व १२२ श्रम्बद्ध करना क २७४

अनुरक होना क २७५ अनुरक्ति च १२७ श्रन्सम च १४५, च १४७ श्रनुरागना च १३६ ऋनुरागी ग २६६ अनुराधा च २६, च ४५ श्रन्रप ज ४२२ श्रनुरूपता व ४२४ अनुरोघ च ७३ त्रमुवाद ख ३०१ श्रनुवादी स ६६ अनुशासन मा २४० त्रनुशासनपत्र म १८८ त्रनशीलन ख २४८, ख **२५**६ अनुशीलन करना ख २४६ ग्रनुष्टुप ख २०३ त्रमुष्ठान क ६२ श्रनुस्यान स २५८ त्रमुखान करना ख **२६०, च ७**६६ अन्त्रधानकर्चा ख २५६ अनुसंबित्सु ख २५६ श्रनुसरम् म २४४ श्रनुसरमा करना मा २४५ इन्सरना मा २४५ श्रनुसार व ४२२ श्रनुद्ध्या क ४५७ श्रनुहरना क २४४ श्रनुहार ज ४२२, व ४८३ श्रन्ठा व ४१८, व ४६३ श्रनुठापन व ४१६, व ४६७ श्रन्दा स १६१ श्रानुष क ३०४ त्रानेक्य व २८३

भनेसिंगिक स ३८६ श्रनेसर्गिकता च ३८८ श्रनोखा च ४१८ म्रानीखापन च ४१६, च ४६७ श्राज क २६७, ख ५८४, ङ ६३, च २६२, छ २२५ श्रमकृट 😝 २१६ श्रवदाता ख रे६८, ग ३८० श्रनपानी ड ३८ ऋजप्राशन क ६८, ग १४८ म्रजा ग १८२, ग ४३३, भ २४६ न्नत्य ल ५८४, भ ४०६ श्रान्यत्र च ६६३ श्रान्यमनस्य च ५६ ब्रान्यमनस्कता व ५७ अन्याय का १५८, का १६५, का १६६ श्रन्यायी भ १६७ श्रन्योक्ति ख १६० ऋन्वित च ८६० ग्रन्वोच्य स २५८ अन्वेषक ख २५६ श्रन्वेषय स्व २५८ श्रान्वेषस् करना स २६० म्रन्दबट ङ भ्रेभ श्रापग च ५३२ श्रपकर्म स ३०४, स ३१० भ्रवसमी च ३१२ श्चवहर्षं व ३४६ श्रापकार च २६, च ३४८, च १६६ श्रापकारी च ३१, मह १७० ऋपकार्य व ३१० अपकोति व १५६

श्रपकृति अ ३०४ ऋपकृत्य व ३१० श्चपगति ज ६४६ श्रपगा च २७१ श्रपधात व २५७ श्रापच ल ४६७, ख ४६८ श्रपचार व १५६ ग्रपदुत्व ज ३६६ श्रपद ब ३६४ श्रपत्य ग २४६, ग २५० त्रपथ ग ८०, च २४३ ञ्रपनत्व ज १४५, भ ४०७ त्रपना भ ४०५ श्रपनाना च १८६, भ ४०६ श्रपनापन च १४५, म ४०७ अपभय व २४० श्रपभ्रंश ल २१८ श्रपमान ज ३४८ श्रपमानना ज १६६, ज २४६ श्रपमानित च १६०, च ३४५ त्रपयश्च १५६ अपर स भू८४ भ्रपरच ब १००७, १०११ भ्रपरम स्व ४६५ अपराजित क १६८ कापराध ज ३०४, च ३१४, च ११६, फ २२० श्रवराघ लगानाः व ४०४ श्रपमानित होना व ३४७ ऋपराघो ग ३७०, च ३१८, ऋ २२१ अपराह क १२६ ऋपरिमद्द क ४७५, स ४४३

श्रपरिमित ख ५७१ च ४२१ ग्रपरिमेय स ५७१, च १६६ अपरूप ज ४६५ श्रापर्या क रूप्त्र, क १६४, क २०२ ऋपवर्ग ग ६ श्रपवाद व १५६, ज ३०४ श्रपवादों च १६२ भ्रपवित्र ज ४१५, ज ५४३ श्रपवित्रता च ४१६, च ५४४ श्रपव्यय करना ख ३८५ श्रपन्ययी ख रदह श्रपशकुन व ४८० श्रपशब्द ज ६४१ श्रपशब्द कहन। ज ६४२ भ्रपस्मार ल १८५, ल ५१६ श्चपहरण करना भ २४० ऋपद्धत होना का २१३ ऋपान क ३१६, क ३१६, च ८३, च 55 श्रपानवायु छ २६४, च ६५० ऋपानवायु छोडना च ६५१, व्य ५७१ श्रपार स १७१, ज ६११ श्रापावन च ४१५, च ५४३ भाषायनता ज ४१६ श्रपाहिक क ४८५, व ५३२, व ५३-श्रिपेतु ब १०१२ श्रपूत व ५४३, म २० श्रपुष च २२८ श्रपूर्ध च १२५, स ८०४ अपूर्व स १७५, ज ४१८ अपूर्वता व ४१६, व ४६७ अपेका व ४२१ ई

स्राप्तर स ८००

अप्रकाश छ र⊂४ अप्रतिम च ३२२, च ३६४ च ४४५ श्रप्रतिम ज ८१८, च ४२३ श्रप्रतिष्ठा व ३४८ श्रप्रयुक्त ल १६७ त्रप्रमञ्ज ज ४०, ब ६५ ग्रप्रसन्न करना व ४४ श्रवसनता ज ३४, ज ४६, च ६३ श्रप्रसन होना न ४२, न ६६ श्रप्रस्तुत भा २५८ श्रप्राकृत व ३८६ अप्राकृतिक स ३८६ त्रप्राकृतिकता व ३८८ श्राप्रयता च १४८ श्रप्रेल छ ३८ श्रप्लोकेशन भा २५० श्राप्तरा क २०३, क २४७, ख १२४, ग 383 श्रवगानिस्तान च १२७ ऋषधून इ ६१३ श्रकरना व १८, व ३७ श्रापल भ १ ऋकला न १८३ अपवाह भे रेट्य श्राप्तमर सा ३६७ भी १५० श्रफशना स २०८ श्रफ्तांस व ४७, भ ३४८ श्रफ्रहोसना म ३४७ श्रफीम म ४७६, ड १६३ श्रव स १६१ अबटन क १२३ वाबतक व्या १६२ श्चवरङ प ४६०

अवल म ४२ त्रवलक ख ३३, ख ५०, ग ४६३ श्रवलखा ग ६६७ श्रवला ग ४ श्रवाबील ग ६६७ अयुम प रे६४ श्रवु दाऊद क ६०३ श्रवेर छ १५७, च ४५१ श्रवेर परना च ४५२ ब्रबोध ग ४२२, ज ३६४ त्रका क ३०७, घ ३८८, घ ४६४ अब्बयोनिक १२३ श्रब्द घ १३२, छ २३६, घ४६०, च ३ छ २७ श्रब्दि च २६४ श्रक्षिच ३१३ श्रव्धिजाक १६३ अञ्बर भ ४२ अन्धा ग १७४ अब छ २३६ अभंग छ १६७ अभग ज ८०७ त्रभय घ १७३, ब २४० श्रमागा व ४:१ श्रमाग्य व ४५८ श्रमाव भ २५८, भ २६० अभिवात ब ४६३, भ र श्राभिष्ठ व १११, व ३६३ श्रभिक्ता च १०३, च ३६% अभिष्ठ होना च ११० श्रमिशान च ८३४ श्रमिषम्मपिटक क प्रहर श्रभिषान कोष स ५

ग्रभिनंदन ब ४५ श्रिमिनय स १३७ श्रमिनव हु १७५ श्रभिप्राय का ३७१ श्रभिमावक ग ४२६ श्रभिमन्यु 🛊 ४२० श्रिमिमान च ८५ श्रभिमान दिलाना ब ६० श्रिमिमानी ब ८६ श्रमियान च २८७ श्रिभियुक्त ग २७०, क १९७, मा २२५ श्रमियेका ग ३६८ श्रमियोग च ३१६, च ३१८, म १८४ श्रनियोगी ग ३६८ श्रिमराम च ४६३ श्रमिक्ति च १३२ व, व १३८ ऋभिक्षित च १४२ श्रमिलाखना च १३६ श्रभिलाषा च १३८, भ ३७१ श्रभिजाषी च १४० ब्राभिवंदन च १६६, च ३५५ श्रिभिवंदनीय च ३५-श्रामिव । र न च १६६, म ३५५ श्रमिवादन करना ब १६७ श्राभग्रदतं च १७५ श्रिभिशाप ब १७२ श्रमिशापित व १७५ श्रभिसारिका सा १५८ श्रमी खु १६१ श्रमीप्सित अ १४२ श्रमीष्ट व १४२ श्रभुशाना व ७६७ श्रभूतपूर्व 🐯 १७५

श्रमेद च ४२२ श्रमेदता ब ४२४ श्रम्यंतर ग १३३, च हदद, च हद्य श्रम्यास स २३३, च ४०२, च १७६ श्रम्यास करना ल २४६, ल २६४ श्रभ्यासकारी स ३०२ ' श्रम्यागत ग ३७८ श्रम्यर्थना क ४५, अ ६६८ श्रम्भ म ४६०, च १, छ २३६ अभक्ष प ४४८, प ४६० श्रमंगत घ २६७, च ४८० श्रमचुर ङ ७७ भ्रमन ज ४६ ग्रमनचैन ज ४६ अर्जानयाँ ज ४१४, व ५४१ समर क २०७, ६ २१६, च १८२, व ४५६ ख १५१ श्रमस्ता क २२१ श्रमस्य क २०१ धमरनाथ क २५५ श्रमराद ग ६ अमरपति क २२५ श्रमरपुर क २३८ श्रमरबेल घ १५१ श्रमश्लोक क २१८ श्रमरस क १५४ भ्रमरसी ल ३७, भ ३३६ श्रमर होना क २१७ श्रमरावती क २३७, क २३८ समस्य प ३६ ग्रमरेश क २०५ श्रमलें स २०७, स २१६ नमर्थं स १८५, ब ६३

श्रमर्थेण ब ६३ श्रमधी च ६४ त्रमल ख १, ब ४१४ श्रमलतास च १४८ श्रमलदारी भ १४८ श्रमला ग ३७५ श्रमलिन ब ४१४ श्रमहर ङ ७७ श्रमा च १४०, छ १११, छ १६४ श्रमानत भा ३०५ श्रमाना भ ४३१ श्रमार च २१५, च ६२४ श्रमावट ड १५४ श्रमावस छ १११ श्रामावश्या छ १११, छ १४६, छ १५६ श्रामित ब ६११ श्रामिय क २ : २ श्रिमिरनी इ १७६ श्रमोर स ४०५ ध श्रमीरी व ४०७ श्रमुक व ३६७ श्रमृह ज ३६७ श्रमूर्तक ११२,ग५,ग६, 🖲 १ श्रमूर्निमान क ११२ श्रमूल्य ख ४०६ श्रमृत क १३४, क २१६, क २४२, क ३०७, ग ६, च ३६, च २२५, च २३८. व ४४८, व ४४६, व ४७८, व ४८२. ड १४४, इ १५७ ग्रमृतधनि स २०३ श्रमुतवरी क १३० क्रमा ग १७७ माल प ४६, क ४३, ट ५८, ङ १६२

श्रास्त्रक स ५० श्रम्तता ङ ५६ श्रम्लान घ ३८८ श्रम्लिका घ ४६ श्राहौरी ख ४५४ श्रयथा च ८४१ श्रययार्थता ज ५४१ श्रयन ख ४१६. ग ४७७, ग ४७८ छ १ ध्ययश अ १५६ श्रयाचक ख ४०५ म ग्रयाचकता ल ४०७ अयाल ग४६४ श्रयुक्त व ४२१, ज ८५५ अयुग्म च ६१६ ऋयोग्य ज ३६६, ज ४२१ श्रयोग्यता च ४०१ श्रयोध्या क ५७. क ५६, च ११०, च १११ ऋरड घ २६७ ग्ररब व १७६ ऋरजो भ २५०

त्ररण क २६७ त्ररण व ११ त्ररणना ल २६२ त्ररण व ६६५, ग ४५२, ग ४६१ त्ररवराना च ७०७ त्ररनी ग ४५२, ग ४६१ त्ररमक च ४६६ त्ररमान च १३८ त्ररराना च ७०० त्ररती च ४६६ श्ररविंद क रूप म रेद्र, म रेह ष ४५०, च २६२ त्रारस च १६८ श्रासा छ १५७ श्रासाना व ७५४ श्ररसिक ख १७४ ग्ररहर घ २५३ श्रराधना क २७ श्चरावली च २५६ श्रराज ग ४४० श्रिरि ग २७६, ज ७३ श्रिरियमेटिक ख ५५३ त्ररिष्ट क ३४७, स ६५४, घ ७०, घ ८५ घ ३१४, च १५०, च ४५८ ऋर्ड घ ३१० श्रहित स १४८ श्रदक्षाना क २७५ अरुग क १६२, क ३०४, क ३४७, ल ३१ ख ३५, ख ५१, ग ५७३, घ १४५, १४७, घ २०२, घ २६७, घ४२३ ब ६०६, ङ १६६, ङ ३०६ श्रवणचड ग ६४४ श्रक्याशिला ग ६४५ श्रहणाई ख ३६ श्रहिणमा ख ३६ श्रवणोदय स १३६ श्रहसना अ ७८१ श्रदस ल ५२६. च १४६ अरुप क ११२, व ११८ ग्ररूपता व ४६८ ग्रहसा व १४६

अर्फ क १३४, क २२५, क २६७, घ १०।

म ४५०, म ४०

श्चर्गला ङ ४०० म्रर्चन क २६, क ७३ श्चर्यन करना क २७ श्रर्चना व ३४३, क २६ श्चर्यनीय क २६ श्रवी कर्६ श्चर्चि छ २८० श्रचित क २८ इव्हें ज ५७४, ज १७६ श्रर्जदार च ४३४ श्चर्जन ख ३८६ ब्रार्जन करना ख ३८४, च ८५८ अर्जी भारप्र ऋर्जुन क ४१३, क ४१७, ख २८, ग २५४, ग ६०६, घ ८६ श्चर्यवं क २६७, च ३, च ६, च २६४ श्चर्य ६ ३००, ख ३८० श्चर्यदंड ख ४१८ ऋर्यदंड लगाना भ २२५ श्चर्यदोष स १६६ चर्यप्रकृति ख १४२ व्यर्वव्यक्ति स १६२ श्चर्यशास्त्र स २३७. म ३३२, ल ३३७, 30€ ₩ सर्यशास्त्र स ३८३ श्चर्यालं कार ख १८२ अर्थी ग ३८३, ग ४२६ बर्ड स ५७५ ब्रहमाथा ल ८८ वर्ष साप्ताहिक स २६१ कर्दान स ५२३ श्रद्धींगों क १६५ वर्ष स ५७५

श्रर्घागिनी ग २२५ ऋषीश ल ५७५ श्रर्पण ज १६५ श्रर्पश करना च १६६ श्चर्वंद ख ५०१, ख ५७२, ग ५६६ 🖷 २३६ अर्भक ग १४०, च २४७, ग ४२२, ग ४८६, ग ६०५ श्रयंमा क २६७, क २६८, घ १०० ऋवांचीन छ १७५ त्र्रशं क २३८, ख ४७३, च ४४८, च ३ त्राईत क २३, क ४४७ श्रईवना भ १४१ म्मलकरगाङ ३२७ त्रालंकार ख १८८, ङ ३२७ ग्रलकृत च ४७३ त्रलकियाङ ३०● श्रुलंबर हें ४५५ श्रलबुषा क २४८, घ १७६ श्रालक ग ३८, ग ३७ त्रलकनंदा च २६० श्रनकपुरी क २७० त्रलकलकृता ग २५३ ग्रलका क २७० श्रलकापुरो क २५६, क २७० त्रलक्त घ ४६७, मा ३३५ पालक ह ३२४, म ३३५ अलख क ११२ ग्रहित व ८०० त्रसद्य व ८०० श्रालल क ११२, व ७३० श्रालय व ८५५, व ६७७ श्रुलग करना स ५६०, स १२६, स १८२, बद्ध ३, ब७७४, बद्**ट, बट•१**, बट•७

ग्रलग होना च १२५, च ७४६, च ७४७, ज ⊏५४, ज ६००

त्रलगाना च ८५३, च ६० त्रलगाया च ६०३, च ६०८

श्रलगाव ज ८५६

त्रालगियाना च ८५३, च ६०१

त्रलगोजा स ६८, ख ११२

श्रलबना स्व ५५४ त्रलबेला ब ४६३

श्रलंबलायन च ४६७

श्रलग स ४०६

श्रलमगाँज च ६२४

त्रलमस्त ब २२७, ब ३३१

त्र्रालमस्त होना व ३३३

त्रालमस्ती ज ३३४ त्रालल ग४५७

श्रुललबस्त्रेडा ग ४५६

श्रुतलाना ज ५६०

श्रलवाती मा ५४

श्रलस ज ४४५

श्रुलसता ख १८५

त्रससाना च ७४४, च ७५५

त्रलहदर्गा व ८५६ त्रलहदा व ८५५

श्रासहदी ज ४४५ व ६६०

श्रलात ड ४२२

श्रुलान हर ३६६, क ४००

त्रलापना ख ५६ त्रलावा च ६१४

श्रालाहाबाद च ११६

क्रसिंचर स ४५५

त्रसिंद म ६७७, च १४७, च १५६ त्रसि ग ५१६, ग ५७१, म ६१३, ग ६५४,

ग ६७७ बह्ह, स २०००

त्राली क ५२६, ग २७७, ग ६७७

त्रालीक व ४०६, ब ८४१

त्रलौकिक क २४०

ग्रह्म स १६०, व ५०३, व ४२६, व ६१०

ग्रह्मता च ४२८ ग्रह्मशः च १०१५

त्रल्पायु ग ४६१

श्रहल म १

श्रह्लम-गह्लम ब ६२५

श्रस्ता क ४२२

श्रहतामा स ६५

त्रक्लाह क ५२२

ग्रस्लाइताला क ५२२

श्रवतिका क ५७

भ्रवकाश च ३, छ १, छ १५४

श्रवगत च १०५ श्रवगाहन भ ६८

ब्रवगाइना भ ६६

श्रवगुण व ३६७

श्रवगुर्यो च ४७६, च ३६५

श्रावद्यार व्य ५७६

त्रावशास १६०, व १४८

श्रवश करना च १६६, व १४६

श्रवतस 🛎 ३३७, 🕏 ३३६

श्रदतस्य स ७२

ग्रवतार स ६१२

ग्रवतार तेना क १५६

ऋत्वनारी क १५७

ग्रक्तोर्ख क १५७

चवतीवर्यं क १५८ श्चवदात स २८, प १७३, प ४८० श्रा ब्रवधपुरी च १११ ब्रविप च २ ६७, छ १६६ श्रावधी ख २२४ श्रमधूत क ५५८ प्रविधेश क ३६६, क ३६८ ग्रवनति ॥ २८६ श्रवनति करना च ६१५ श्चवनति होना च ७०८ श्रवनद स्व १४ श्रवति च ६० श्ववमर्च सा १४५ अवमानना व १६६ श्रवंदवं सं ११ श्वराधक के ३७ श्रवराधन क २६ श्रवहड व ७७७ श्रवरंव ज ६५ श्चारीय च १७७. च ७८६ श्वरोधक । ७७६, ज ७६० भवरोबना च ७०४, च ७७८ अवरोधित च ७७७ सवरोधी स ७०६, स ७६० श्रवशंह ख ७२ झवरं। इख स ७२ श्रवरोहण करना क १५६ श्रवरोडो ख ७८, घ ६५ श्वर्ण व ४२३ श्ववर्णनीय व ६१८ श्चवर्षक स २५३ धवलंब मा २०२ सबलंबन का २०२

यविक मह २६४ अवलेप क ३२३, ब 🕮 अवलेड क १३६ ग्रवल कन खर्पण, च ७३३ श्रवलोकना च ७२३ श्चवशिष्ट ङ ४६८. भ ४२६ स्राशेष स ५६%, ज ४२६ अवश्य च ४२१ अ प्रवसर छ १, छ १४५ श्रवसाद ग १५४, च ७५२, ऋ ३६ श्रवसान क १७२, ग १५४, छ १४१, च दरहे श्रवसान होना ग १४५, च ⊂२१ श्रवमेर हा । ५७, ज (६, ज २२४ श्रवस्था क ६६, छ १४८, व ६४८, फ 38 त्रविहत्या ख १८५ श्रवहेलना च २४६. च ३४८ अवहनना करना च १६६ अव्हेला व ३४८ ऋ।हेला करना अ ३४६ श्रावाई व ६६६ श्रवाक ह ८६, व ५१६, व ६०३, व ६०६, # E . श्रवाक होना च ५०४, स ४४१ श्रविवस व ६७६ त्रविनार भा १४८, भा १६६ श्राविश्वित हा १६७ श्रविद्यमानता भ ५६० श्रविद्यमानता अह २६० श्रविद्यास २३६. ग ८ श्रविभक्त व ८६० श्वविमास्य 🗷 ८७७

श्रविरल छ १६७, च ५०७ श्रविरलंता ज ५०६ श्रविलव ब ४४३ अविवाहित भा २६ श्रविश्वसनीय च २५६ श्रविश्वासी व २५६ श्रवैघ भः १८२ श्रव्यक्त च २, क ११२, क ५५८ श्रद्यथा च १७६, श्रव्यय.क ११२ श्रव्यवस्था भा १७५ ऋ•वल ख ५७८ श्रशकुन अ ४८० श्रयक्त ज ३६६, भ ४२ त्रशक्तता ब ४०१, भ३६ अशक्ति भ ३६ श्रधन क ३६ श्रशात छ १६७, च १२, च १३ अशातता ज १५ त्रशाति ज १५, ज १३४, म १७५ श्रशालीन ज ३०१ श्रशालीनता ज २१०, ज २६८ श्रशिव्ति ल २४० श्राशिष्ट ज ३०१ श्रशास न १७० त्रशुचि ज ४१५, ज ५४३ अशुद्ध ज ४१२, ब ४१५, ब ८४२, ज ८४३ श्रशुङ करना ज ५४८ त्रशुद्धता अ ४१६ श्रशुद्धि व ४१६, व ५४५, व ५४१ श्रश्म ब ३०४, ज ४८० श्रशोक क रद्भ, छ ६८ श्रशीच ज ४१५

श्रश्क ग ११६ श्रहम च २४७ श्रारमञ्च ङ ८ श्राष्ट्रमरी घ ३३७ अभूग ११६ श्रभ्त ज ५१६ श्राष्ट्रलोल ख १६७ . श्रश्लेषा च २७, च ३६ श्रह्व ग ४५२, व २८ श्रश्वत्थ व ६६ श्रश्वत्यामा क ४४१ अश्वपति क ४५३ श्राष्ट्रवपाल ग ४११ श्रश्वमेध क ८१, क ८३ त्रश्वशाला च १८८ श्रश्वारोही ख ३६२, घ १५० श्रश्विनी क २५०, ग ४५४, च २७, च २८ श्रश्विमीकुमार क २५०, क ३००, क ४२७ त्रवाद छ ४५, छ ७१, छ ७३ ब्रध्य स ६०६, छ १८७ अल्डक स ६०७ श्राष्ट्रघाती ग २४६ श्रष्टपदी ग ५४६, ग ६३१, च ४०१ श्रष्टमुजी क १६४ श्रध्यम् ख ६०८ श्राध्यमी ब २७२, छ १०३, छ १५६ श्राध्यक ज ५३५ ऋष्टावक गोता ग ५८२ ग्रसंख्य ख ५७१ त्रसग ज ८४५ ग्रसंगत ज ४२१ श्रमगति स १६० त्रसंतुष्ट **च** ३६, व ४०

ऋषंतुष्ट करना ज ४४ श्रसतुष्टि च ३३४ इसंतोष व ३४, व १३४ श्रसंतोषी अ ३६ श्रसबद्ध व ८५५ श्रसंभव ख १६०, ज ६७२ श्रसगंध च १५० श्रमुख्यन ज ३०१ श्रमःजनता ज २६८ श्रासतर्क स २०३ श्रसत्य च ४०६ क्रसत्यता ज ४०८ श्रमत्यवादी च ४१० श्रस्याव ङ ४१६ श्रहमञ्चल ज २३१ त्रसम घ ६०, ज ४२३, व ५७५ श्रमता भा ३६४ श्रातमर्थं मा १६७, च ३६६, भ ४२ श्चसमर्थता ज ४०१ श्रसमान ज ४२३ असमत ज १८५ श्रमश्ल ज ६०, ज ६५ श्रमस्लता च ६२ श्रासरहा छ ४६ श्रासल ख इट्ड, ज ४१२ श्रमलियत ब ४०७ श्रमली ज ४१२ श्रमह ज ३६३ श्रमहनशील ज ६६२ श्रसहनोय ज ३६३ क्र उद्भत व १८५ जसहाय भा २०३ ब्रसंइक्षु ब ८, ब ३६२

श्रमहैया व ३६२ श्रमहा च ३६३ श्रसाद छ ३७, छ ४४ श्रसादी छ ४६ श्रमाधारण ज ४१८ श्रमाधारगता ज ४१६ श्रमाध्य रोग ख ५२० ग्रसामाध्य ज ४१८ ग्रसावधान ड ३१४, ब २०३ श्रषावधान होना व २०७ ग्रमावधानी व २०५ ग्रसाहित्यिक ख १२६ श्रसिंड ४०६ श्रासित चर१,ज ४८० श्र ऋसोम च ६११ ग्रमीम ज १७० श्रमोतना च १७१, च १७३ श्रासुर क २०७, क २६७, क ३४६, फ ३४८,च २२, च ६३, छ १४३, छ २३६ श्रस्या ख १८५, च २६२ असो छ ३४ श्रमोक घ ६८ श्रमोच ब २२७ श्रस्त भा ४३३ श्रस्तवल च १८८ अध्यमना स्म ४३४ श्रातर क २३७ श्रस्तित्व देना व ६४४ श्रस्त होना भ ४३४ श्रस्त-ब्यस्त क ४३७ श्रस्तु व १००६ ग्रस्तुति क २६ श्रस्तुरा क ५२३

श्रस्तेय क १८, क ४७५, भ २०६ श्र श्रस्त्र ग ३७, ग ६४, ग ११६, क ४०१ श्रस्त्रचिकित्सा स ४३४, स ५४० श्रास्त्र शस्त्र ङ ४०० श्रस्त्रागार च १८५ श्रस्थायी छ १५०, ज ८३२ ऋस्थि ग ६५, ग ६६ ग्रस्थिपजर स १०० श्रास्थिर क २१८, ज १२, ज १३ श्रास्थिरता ज १५ श्चरयैर्य ज १५ अस्पताल ख ५४३ श्रास्प्रथ्य ग २६८ श्रस्वच्छ्रद ज ५४२, का २३५ श्रास्थ ल ५४६, भ ४२ श्रस्वादु ङ ४८ अस्वादुता इः ४६ ऋस्वामाविक च ३८६ **ग्रस्वाभाविकता ज ३८८** ग्रस्वोकार ज १८६ ऋखांकार करना च १८७ श्रास्वीकाय ज १६१ ऋस्वीकृत ज १८६, ज १८२ श्रस्सी च ३०० श्रह ज ५, व ८८ अहंकार ग १३७, ज दद म्राह कारी आ ⊏६ शहता ज ८८ श्रहवादिता जदद श्रहवादी ख ८६ अहर भा ४२३ श्रहदन।मा क १८६

श्रहदी च ४४५

ग्रहन छ १३६, छ १४१ अहमक ब ३६४ श्रहम् ज ६३६ ग्रहरा च १३० ग्रहर्निश ख १४४ श्रहलकार ख ३७५ अहल्या क २२२, क ३८६ श्रहसान ज २% श्रहाता च १४५, च १६१, च १६८ ब्रहार के ४८७ श्रहिसक भा ४४७ त्रहिसा क ४७५, के ४३% श्रहिंस मा ४४७ त्रहिक २६७, ग ५५८, च २३, च ३६, च ६०, च २६२ ऋहित ग २७६, व रह श्रहिद्रु ग ५६५ ब्राहेफला घ २६८ अदिकेत इ १६३ श्रहिभची ग ६०६ श्राहर ज क ३३० श्रहिराना च २३२ श्रिहिनि ग १०६ ऋहिल्या क ३८६ ऋदिवातो ग २७० श्रहीर ग ३०५ श्रहेर ङ २७३ % ऋहेरी ग ३४८, ग ४१३ श्रॉकना च ६६४ श्रांकिक ख ६४६ श्रांकुस ङ ३६८ श्राँख ख ५,८२, ग १६, ग १३६, ग २४७, घ २४, ज ७२२

श्रांस श्राना स ४७८ प्रांख उठना स ४७८ श्रांख का कोना ग २० श्रांख का गोला ग १०२ श्रांख न ठहरना छ २६२ भांख फूलना ख ४७८ श्रांख भौ चढाना ज २३६ श्रांख मारना ज ७६५. ज ६८७ श्रांख सगना च ७६१ श्रांखे दिखाना ज २३६ श्राँगन च १४५ श्रागलदेशों ग ३६५ आगिक ग १२ अ श्रांचल ड २७३, च २८१ श्रांजन इ ३०१ श्चांत्र स हरह आर्थेटना जाहर६ श्राँटा ङ २६३, ज ६२४, अ ६२६, ज ६३१ आंद्र ग घर, मा ३६१ श्रांत उतरमा ख ५०३ श्चारतबद्धि स ५०३ भादोलन ज १५, ज ७१४, म १७५ श्रांदोलकारी क १७६ श्रांधर व ४६६ श्रांभी ड ४६२, स् २६८ भार्य वार्य अ ६२५ स्रॉब ख ४७० स्विट स ५५० श्रावह च रदर श्रावला प ४५ आंसू न ११६ श्रांस विराना य १२० श्रांस बहाना ग १२०

40 - 15

श्राइंदा छ १८५, स् १६४ श्राईना ङ ३२६ श्राप्टिन व १००६ श्राक घ १०० आकर घ ४४४ श्राकर्षण क २७६, भ ३६६ त्राकर्षित क २७二 श्राकर्षित करना क २७४, भ ३६७ श्राकर्षित होना क २७५ ब्राकतन करना व ८५८ श्राकस्मिक च १०१३ ग्राकाचक ज १४० त्राकाचा ज १३८, म ३७१ ग्राकाचित अ १४२ श्राकाची ज १४० श्राकार क २२. ज ४६२ श्राकाश च ३ श्राकाशगगा क २४३ श्राकाशचारी क २६७. क २०७. क ३१३. क रेउदा, ग ५६६, च ४, च २६ श्राकःशबेल घरधर श्राकाश मडत च २ श्राकाश विद्या ख ६४७ श्राक्तिलानी क २३१ श्राकीचेत अ ६० श्राकंटन व ३२१ श्राकुल ज १३, ज २२६ क्राकुलता च १६ आकृल होना च १८ श्राकुलित व २२६ काकृतिक २२, व १३, ग१५, ग२:, स ४६२ शाक्रमण व १५६, व २८७, फ २८०

श्राकात करना च २६१ आकांत होना च २६२ श्राकीड़ा घ ६ श्राकोश ब ६३, ज १७२ श्चाकोशित ज ६५ श्राकोशित करना च १७४ ग्राक्लांत स ७५३ श्राक्लात होना च ७५१ आचित्त ज १६० श्राचेप ख १५६, भ २२० ब्राचेपक ख ५०५ श्राखडल क २२५ श्रास्तत र ६४ श्राबरख २२५ श्राला क ४६२ श्राखान च २६८ श्राखातीय व २०८, छ २२० मालेट क ३७३ अ श्रालेटक क ३७३ श्र श्राखेटी ग ३४८, ग ४१३ श्राख्या भ २१ ग्रास्यान ल २०८ त्राख्यायिका ख २०८ भागतपतिका ख १६१ आगवबूला होना च ६६ श्रामध क प्रदेश, क रहेद, व र, ख रदद्र व १६० श्रागमणानी क ११२ श्रागमन व ६६६ षांगमन करना च ६६४ श्रागर ज ३६३ आगरता च ३६५

आग होना च ६६

श्रागार च १, च १४०, च १४१ श्रामा ग २३, ग ४६, ग ७६, ग ३८०, छ १८८ श्रागापोछा ज २३१ आगापीला करना ज २३२ श्रागामी छ १८८, छ १८६ ह्यागों क ३११ त्रागे छ १८६, छ १६३, छ १६४, त्रागे दक्तना ज **७**८७ श्राम बदना ज ६६५, ज ६७१, ज ६७३ श्रामे बढाना ज ७८७, ज ७१७, ज ६५५ श्रागे रखना द ८१६ श्चाग्नेय घ ४४८ ग्रामह ख ३४७. ज ७३ श्राग्रह करना ज ७५ श्राघात च २२५, च ७०३, म २१४. मा २८० श्रापात जरना भ २८१ ग्राचमन क २६ त्राचमन करना का १२०, का १२३ ग्राचरण च २६४ श्राचरण करना ज २६५ श्राचरशीय ज २६६ श्राचार कं ५८६, व २६४ श्राचार पद्धति सा ३३१ श्राचार विचार ॥ २६४ श्राचार्यं क १७, ख २४१, स २७५ त्राव क १५७, छ १८७, छ १६१ श्रावनम छ १४६ त्राजमाइश ख २५० च ३८३ श्रावमाइश करना ख २५४ श्राचमावा ल २५१, च ३८४ श्राजमृदा ल २५१, व ३८४

श्राबा ग १६२ श्रानाद अ २२७, च २४० त्राताद करना भ २३३ श्राजादी व २२८, भ २३८ आज़ादी देना भ २३३ ऋाजिज़ ज १३६ श्राजिली च ८० श्राजी ग १६३ श्राजीवन स्व १४६ आश भ ५४० श्राश करना का २४१ त्राज्ञाकारी ग ३८३, क २४२ आज्ञा देना भ २४१ ऋाशापक ग ३८० श्राशापत्र भा १८८ श्राञ्चापालक ग ३८३, भ २४२, भ २४३ भागपित च १२१ श्राज्य क १५७ ब्राटा क ६५, क ६६ भाटी ग ६६४ श्राठ ख ६०६ भाठ श्राँस् रोना ग ११० भाठवाँ ख ६०८ श्राठांसदियाँ क २६२ श्राठोपहर छ १४४ चाडंबर क १२, म ३०८ भारंगरी क १४, व १०६ षाह्र व ३२१ श्राह सा ८६, क १३८, व ७७२ भाइना च ७७३ ग्राहा च ६४ श्राष्ट्री स ६६४

सातक स ४३५,स ४६१, ग-२३३,स २४६

श्रातंकित ब २३७ श्रातंकित करना च २४७ श्रातिकत होना च २३४ श्रातप च १०, भ १३४ श्रातपी क २६७ श्रातप्त ज ४२ श्रातशक ख ४५६ श्रातशो शोशा घ ५६६ त्रातिथ्य क ८४, भ ८४ श्रातिथ्यक ग ३७६ ऋातिशाक ३११, का ३१२ त्रातुर ख ५४६, ज १२, ज २२६ श्रातुरता छ १५८, च १५, च १६, च ४४४ श्रातुर होना व १८ आतुरी छ १४८, व ४४४ त्रातुष्त होना व ३७ श्रातम भा ४०५ श्रात्मकथा ख २०४ भारमधान का २१६ आत्मबातक भा २१७ श्रात्नचाती क २१७ श्रात्मन क २७१, ग २५० श्रातमचा ग २६० ऋात्मञ्ज क ७५ भारमज्ञान क ५६० श्रात्पशानी क ७५ श्रात्मता म ४०७ श्रात्मनिवेदन क ७३ श्रात्मप्रधान ख २१० त्रात्म-प्रशसा व ३५७ श्रात्मनोध क ५५८ बात्मभूक ११२, क १२३, व २७१, ग १५०

श्रात्मविद्या क ५६७ बात्मश्लाचा च ३५७ श्राव्यहत्या म २१६ श्चात्मा क प्रप्रः, ख ५७७, ग प्र, म १२ श्रात्मिक सा ४०५ श्रायर ख १२७ श्रायेन्स क ५०४ श्रादत व १, ४०२ श्रादिमयत च २२१, ७ २२३ श्रादमी गर, गर, मा ४०४ श्रादमोयत ब ८७ श्रादर क २६, ज १५७, ज ३४२ श्रादर करना च १६८ श्रादरणीय क २६, व ३५४ श्रादर देना ज १६८, ज ३४३ श्रादरना व १६८, ब ३४३ श्रादरप्राप्त व ३४४ ब्रादरभाव च ३४२ श्चादर सत्कार ज ३४२ आदाव व १६६ श्रादावरल व १६६ श्रादावरक्ष करना व १६७ मादि क ११२, छ १७८, च ८१२ ब्रादिकविक ४६० श्रादिकाव्य क ५७६ श्रादित्य क २०४, क २०७, क २२५. क ५६७, स ६१६ श्वादिनाथ क ४८४ श्रादि पुरुष क ११२ श्राहिम छ १७= कादेश भा २४० बादेशक स २४१

बाब क राज्य

बाद्वा च ३३ श्राध स ५७५, घ १२५ प्रथम का विद्या श्राधादिल च २३६ श्राधार भ र०र श्चाधासीसी ख ४८६ ग्राधि स ४३७, ज रर४ श्राधकारिक ख १४० श्राधिपत्य म १४६ श्राधीन में २३५ श्राधीनता क २३६ श्राधिनक ख १७५ श्रानद र ३६४, स ४५, स ४६, स ४७६ मानदकर च ४७८ क्रानदकारी च ४७८ ग्रानंदना व ४१ क्यानंत्र लेना मह ११५ श्चानदित व ३६. अ ५१ श्चानंदित करना ब ४३ श्रानदित होना ब ४१ श्रानदी च ४८, स ५१ श्रानन्दी बैल क १७५ श्रान छ १२४, भ ४२३ यानद स १४ श्रानन ग १५, ग २१, व ४४६ भागा च ६६६, ७ ८१३, ४६, ८० क ४३१, क ६६४ श्राम्बाद्यिको क ५६१ श्राप म ४४७, म ६६७ श्रापका व ६६६ श्रापमा च २७१ म्ना प्रदेश व ७०८ क्रमपश्चिष १५०

श्रापन स्र ४०५ ग्रापरूप च १००० श्रापरेटस स रदर श्रापरेशन ख ५४० स्रापस घ ४५१, क ६, क ४०८ श्रापसी रू ४०८ भ्राप से च १००० श्राप से द्याप व १००० श्रापस्तंब धर्मधूत्र क ५७७ श्रागा च २६६, ज ५, ज 🖙 ष्रापाततः छ १६८, च १०१३ शास्त व ५० श्राफ़ताय क २६७ श्राफ़िसर ख ३६७ ब्राफु क १६३ बान छ १४८, छ २८७, ब ४६७ श्रावकारी च २०८ श्रावदाना करेप श्रावदार छ २८८ श्रावद क २३५ ब्रावनुषी ख ३१ प्रावह व रे२१, व रे४२ श्रामहवा ख ३२५ श्राम म ३५०, म ४६० श्रामरण क ३२७ श्रामा व २८७, व २६४, व ३८३ श्रामार च २६७ श्राभारी व २६५ श्राभीर म ३०५ श्राभीरपल्ली च २३२ बाभीरी ग ३०६ ष्माभूषण क ३२७

श्राभीय क रहे

श्राभ्यंतर च ६२८ श्राभ्यंतरिक ज ६८४ श्रामत्रस भ ८१ श्रामत्रण देना भ ८५ श्वामत्रित का दर ग्राम ल ४००, ल ४३५, व ३५, घ ३६ ग्रामदा घ ४५ श्रामद ख ३८६, च ६६६, भ रे॰२ श्रामद करना च ६६४ श्रामदनो स ३८६, भ ३०२ श्रामःस्म ज ८५१ ग्राम बात ख ५०६, ख ५१६ श्रामय ख ४३५ श्रामरकातिसार ख ४७० अररे हे एरमाहर श्रामर्घ व ६३ श्रामलक घ ४४, ध १४६ ग्रामलके प ४४ श्रामला घ ४४, घ ४५ श्रामातिमार स ४७० ग्रामःत्य ख ३५७ भाभाइल्दी क २७ श्वामिष ग ६१, च १३१ ग्रामुल ल २६二 श्रामेतृना च ८४५ श्रामोद क ३७३, ज ४५ श्रामोधित च ५१ श्रामोदी अ ४८ ग्राम्नाय क ५३८ माम्र क २८४, व ३५, व २०८ श्राम्रगध द २७ श्राप्रचूर्यं ङ ७७ श्राम्खापस स ४६७

काय स ३८६ श्रायत च ५७३ श्रायतन क १६, च १३० श्रायत भ २३५ श्राया ग ४२३ श्रायात म २५७ श्रायास भ र८७ त्रायु ग १४२, रू १५७, छ १४८, भ ^{२६} श्रायुष च २६२ मायुर्वल छ १४८, भ २६ आयुर्वेद क ५५६, स २३७, स ४२८ ब ४२६, ब ४३० ऋायुर्वेदी ख ५३८ ब्रायुष्मान छ १५१, छ १५२ श्रायुष्य म २६, छ १४८ श्रायोजन भा १५७ श्रारम ख १४४, ब ८१२ श्रारभ करना ज ८१४ श्रारभकर्ता १६० श्रारंभ होना ज ८१३ न्नार घ ४५४, च २१, ल १४८, ज ३२१ ब्रारक ख ३४ श्रारजा ख ४३५ श्रारजू ज १३८ श्वारएयक ५४५ श्राग्ती क २६, क ३५ श्रारती करना क ३६ मारती उतारना क ३६ श्रार पार जाना के ४१४ आरवल कु १४८, भ २६ भारवला ख १४८, में २६ श्चारभटो ख १६५

श्रारक्षा क ३२६, क ३५७

श्चारा ङ ४८२, इ ५१३ श्राराधना क २६ श्राराचना करना क २७ श्राराधित क २८ त्राराम ख ५४७, घ ६, च १४०, घ ४६ ज ७६४ श्राराम करना ज ७६५ त्रारि ख ७३ ऋारी इ ४८२, इ ५१३ श्राह ङ ४४५ श्रारुद्यौवना स १६१ त्रारोग्य ख ५४७ श्रारोग्यता ख ५४८ त्रारोह ख ७१, च १५७ त्रारोहराम ७१, च १५७, च २५७, ज ७०६ श्रारोह्य करना ज ७१० श्रारोही ख ७८, ब ७११ श्रार्जन ज ६१ ग्रार्ट ख ३ श्रार्टिकिल ख २०७ श्राटिस्ट ख ८ श्रातं ख ५४६ श्रातंता ख ४८४ अर्गतेव ग १२६६ छ ६५ श्राधिक ख ३८६ श्राद्वे छ २३५, भ १४४ श्राद्वं करना भ १४३ श्रार्द्रता 👸 २३६ श्राद्रे हाना भ १४६ श्राद्वी च २७ श्रामंलेट ङ ३३३ श्रायं के ४४७, ग २२४, च ४४०

श्रार्यता च ४४२

श्रार्थभूमि च १०८

क्रार्याक १८५, इस २०३, ग १६३,

ग १६०

श्रायीवर्त च १०८

श्चार्च ग १५२

मालबन ख १८३

श्वालक्सा व ४४५

ब्रालकक ग ३५७, इ ३२४

श्रालता ड ३२४

श्रालम च १०३

ब्रालय च १, च १४०

म्रालवात घ४, इ४४६

श्रात्तस होना ज ७५४

भानसो छ १६५, ज ४४५, ज ६६०

श्वासम्य छ १६३, ज ४४६

श्रालस्य करना ज ७५४

म्राला च १६०

श्रालान इ ३६६, इ ४००

मालिंगन करना व १५२

श्रालि ग २७७

श्रालिम ख २३६

श्रालो ग २७७, ग ५७३

आलुक ध ३०६

श्रालु घ ३०३, घ ३०६

श्रालुचा घ ६२

शास्त्रकारा ध ३६७

आहेख्य व १३

श्वालोक इ ४६०, च ६, छ २८७, छ ३८३

श्राकोचक स २११

चालोचना स २०४, स २०६

काल्डा स २०३

श्रावयगत च ३४२

श्रावभगत करना च १६८

श्रावरण रू २८६

श्रावर्त च २७६, छ २४३, ब २२४

त्रावश्यक च ४२१ त्रा

श्रावश्यकता च ४२१ ई

त्रावश्यकीय ज ४२१ त्रा

त्रावाज़ ख ६४, ज ५८६, ज ६३७, ज ६४४

श्चावाच लगाना च ६००

श्रावाबाही ब ८५१

त्रावारा ज २७१

श्रावास च १२६, च १४०, च २०६

श्रावाहन च ५६६

म्राविभूत करना ग १४६

त्राविष्करंग ख रूप

श्राविष्कर्त्ता ख रूप्प

त्राविष्कार ख २६४

न्नाविष्कारक ख २८५

त्रावृत होना च ७८०

न्नावेग ख १८५, ब ४, ब ६३

श्रावेदनपत्र भ २५०

त्रावेश ज ४, ज ६३

श्राशका व २२६, व २४६

श्राशकित करना च २३५

श्राशना ग २६६

श्राशनाई च १४५

श्राश्च प ४६, भ ३७१

त्राशा च ७५, व २१२ त्र

त्राशा देखना व ४५३

श्राशावान होना व ४५३

श्राशा होना ग १४१

आशिक ग २६६

श्राशिष ज १७०

क्राशीः व १७०

याशार्वचन ब १७० श्राशीर्वाद ख १७० श्राशीर्वाद देना ज १७१, ज १७३ श्राशु ग ४५२, छ १५६, ज ४४३ ग्राश्चर्य भ ४३८, भ ४४० श्रार्चर्यचिकत होना ज ६०४ श्राइचर्यजनक च ४१८, भा ४३६ त्राश्चर्यान्वित स ४४० श्राभम क ६६, ख ५६१, च १३०, च १४०, च २०५ श्राभय व ७७२, भ २०२ श्राभय लेना ज ७७३ श्रार्तेषण व ८४६ श्राष्ट्रवस्त च १३५ श्रारवास ज १३३ श्रार्वामन ज १३३ श्राश्वित छ ५१ आषाद छ ४५ त्रासदो क १०७, ह ५०८, ङ ५०६ श्रास ज १३८, ज २१२ श्र श्रासकट ह २४७ श्रासकतो ज ४४५ आसक्त गर६६, ज ११२, ज १५३ श्रासक्त करना ज ४७२ श्रासक्ति रखना व १५१ श्रासक होना क २७१, ज १२४ ग्रारुक्ति च १२७, ज १४५ ब्रासन क १०७, ग६, ङ ५०६, ङ ५०८ श्रासन प्रध्य करना ज ७५० श्राप्तन जमाना ज ७५० श्राप्तन लेना ज ७५० श्रामना ग ६, घ ६०

भारती क २०७, रू ५०८

श्रासन व ६७६ त्र्यासमान च ३, क २३८ श्रासमानी ख ४६ ब्रासरा च २१२, च ४५४, म २०२ श्रासरा देखना च ४५३ श्रासव ङ २०५ ग्रासा च ७५ श्रासान च ५८, ज ६५७ श्रासानी च ६१ ऋरसामी ख २२१ श्रासार छ २४१ श्रासावरी ग ६३५ श्रास्टा ज ३५ श्रास्दा होना ज ३७ त्रासुतं ध २६४ श्रास्केट ड २४७ श्रास्तिक क ११८ त्रास्तिकता क १२० श्रास्तीन द २४४ श्रास्था ज ३४२, च ६२५ ब्रास्पद च १, च १४०, भ, १, भ, २ श्रास्कोटक घ ३५६ श्रास्य ग १५, ग २३ श्रास्वाद भ १२४ श्राम्बादन करना भे १२५ श्राहर व ६४४ श्राहत ज ३४४, क २७६ ग्राहार ङ रेह श्राहार करना भ १८७ श्राहिस्ता च ४४७ त्राहिस्ता त्राहिस्ता ज ४५० त्राहुत क ८१, भ ८२ ब्राहुति करना क ८२

माहृति म्ह ८२ माहिक ल २६६, छ १३७ माहान म्ह ८१ माहान करना च ६००

\$

इगरेज ग ३६५ इगित अ ६८६ इगुर छ ३४० इगुरौटी ड ४८८ इंजील क ६०४ इंतकाल ग १५४ इतनाम का १५७ इतन्नामकार ख २८७, ग ३७५ इतनार च ४५४ इतबार करना च ४५३ इंदारा व ३०७ इंदिरा क १६३ इदोवर घ रूद्र, घ रहर, घ ४०८ इदु के ३०७, घ १५७, च २६२ इंद्र क २२५, क २२६, ग २२४, न १७३, च ४५, च ७८ इद्रजाल म २२६, म ३२७ इद्रजित क ३६३ र्दुकात घ ६०० इड्रबनुष व ४८२, छ २५२ इंद्रपुरी क २३७ इद्वप्रथ च १२२ इंद्रलोक क २३७ इद्रवचा स २०३ र्द्राची क १६७, क १६४, क २००, क २२३, क २२४, क २२७, क 🚓

इद्रायन घ १४७ इद्रय ख ५६६, ख ६१२, ग ७६, ग १२६, ग १३४ इद्रियनिग्रह क १८ इधन रू ४२३ इसान ग २ इसाफ्र भा १६४ इकट्टा ज ८६० इक्ट्रा करना ज ८५८, ब ८६६, ब ८०६ इक्ट्रा होना ज ८५६ इकवारगो छ १६८, च १०१३ इकवाल क १७१ इक्सम म २८४ इकरार च ४२५, म ४२७ इकरारनामा भ रेप्ट इक्ला व ६१६ इकलौता ग २५४ इकहत्तर है रे४ इकादशो छ १०६ इक्का दुक्ता ज हरे। इन्तु प २४१ इच्चनल्ली घ १६४ इद्याकु व २६६ इच्छाज १२२, च १३८, म ११३, म ₹0₹ इच्छा करना ज १३० इच्छाविहोनं ज १४१ इन्छित घ १४५ इन्द्रुक ज १४० इन्साल क प्रदेष इजलाम भ २२० इबलास च २२४ इब्रहार क १६१

इंबानत च १६४, क २४०

इज़ार ङ २६४

इनारवंद ङ २६५

इज्ज़त च १७७, च ३४२

इज्ज़त उतारना ज ३४६

इज्ज़त करना ज १६८, च ३४३

इंज्ज़तदार ज ३४४

इज्ज़त देना ज ३४३

इठलाना ज ७६, च ६०

इदा क १३०, क १६४, क २३८, ग ४६६,

च ६०

इतबार ज २५३

इतिमनान व ३३, व १३३

इतिमनानी ज १३५

इतर ङ ३१२

इतराना च ७६, ज ६०

इतस्ततः ज ६६१

इतिवृत्त ख ३१६

इतिहास ख ३१६

इतिहासज्ञ ख ३२०

4.44.00 () (()

इतिहासिक ख ३२१

इत्तफाक ब ८५०

इम ङ २१२, ज ८४

इधर उधर च ६६२

इवर-उधर करना ज ८६३

इधर उपर होना ज १७, ज ६८५, ज ८६५

इधर की उधर करना ज १६५

इनक्लाब स्त १७५

इनकार च १८६

इनकार करना ज १८७

इनसान ग २

इनसानियत ज २२१, ज २२३

इनसाफ का १६४

इनारा च ३०७

इनाइन घ १४७

इनकार करना ज १८७

इप्सित ज १४२

इबलीस क ५२६

इबादत क २६

इबादत करना क २७

इमलनास घ १८८

इमली घ ४६

इमसाल छ ३४

इमामबाड़ा क ५१२

इमारत च १४०, च १४१

इमिरिती ड १७६

इम्तहान ख २५०

इम्तहान लेना ख २५४

इरा क १३०, क ४५२, ङ २०५, च ६०,

च २६२

इराकी ग ४६२

इरादा भ ४२७

इरावत क ४२४

इलजाम भ २२०

इला क १३०, क १८५, क २२३, क

४५१, च ६०

इलाक्रेदार ग ३७४

इलाभ ख ५४४

इलायचो ह ७५, ङ १८६

इलाहाबाद च ११६

इलाहां क पर्र

इल्तजा व १७६

इल्म ख २३५

इल्लत ख ४३५

इल्लाख ५०२

इव ज ४२२

इशारा च ६८६ इशारा करना व ६८७ इरक च १४५ इश्तदार व १२२ इषग ख ४४१ इषा अ १३८ इंड्ट ग २७८, घ २६७, छ ? इंग्टिक ८१, ज १३८ इसकेल ख ३१२ इसपात घ ४५२ इसबगोल ध १५३ इसराज ल ६७ इसलिए ज १००६ इस वर्ष छ ३४ इस्तक्ष्वाल करना च ६६६ इस्तद्वा च १७६ इस्तदा च १७६ इस्तेमाल भ ३०६ इस्पात च ४५२ इस्म भ २१ इस्मशाराक्र का २१ इसाफील क ५२८ 変列(日 明 火の火 इस्लामी ग ३५६ इहासूग ख १३५

ई

इंगुर त ३१० इंज्या ग १६, ज ७३३ इंज च २४६ इंजना ज १३६ इंजा च १३८ इंजन ग १६

ईबाद स २८५ दें जित क २८ ईज्य क २६, च १६, ज ३५४ ईज्याक २६ ईठना ॥ १३६ ईति ख ६०० ईट छ २२५ ईदगाइ क ५११ इंदुलनोहा छ २२६ ईदलफ़ितर छ २२५ ईनाम भ २८४ ईप्सा ज १३८ ईमान क १, क ५०७ ईमान बरतना क १५ ईमानी क २ ईध्यों द २६२ इंध्या करनेवाला व २६३ ईश क ११२, ज १६५, ज ४५८, ज ५५६, ख ३४६, ग २२४, ग ३८०, च ७८ ईशास्य क २६४ ईशाक (६४ ईशान क १६५, क २६७, क ४७७ ईशानकोगा च ७६, च ८४ ईश्वर क ११२, क १६५, क १६८, स प्र७७, ग २२४ ईश्वरस्य क ११७ ईश्वरगीता क प्रदर ईश्वरवादिता के १२० ईश्वरबादी क ११८ ईषणा ज २६२ र्श्वषत् ज ६१० इंग्ना ज १३८ ईसबगोल घ १५३

ईसवी छ २७ ईसा क ५०२ ईसाई क ३ ईसामसोह क ५०२ ईहा च १३१, च १३८ ईहामृग ग ५१४

उ

उँगली ग ६७, ग ८८ उँघाई व ७५८ उचन ङ ५०३ उँड़ेलना ज ६०५ उऋग ल ४०२ उश्चर्ग करना ल ४०३ उऋण होना ख ४०१ उक्चना च द्रपुर उक्टना का १३२ उकटा भ १२८ उकताना च १८ उक्लाई ग्राना ख ४६८ उक्लानाः ख ५०० उक्वत ख ४६५ उक्ता व ६८४, ब ६०० उकाई ख ४६६ उक्त ज ६१५ उक्ति ल २७१, ज ६१४ उद्धा क २६७, ग ४८३ उत्त व २४६ उखदना क २८०, च ५७०, च ८५४, च 003 उखाइना क २७६, ब ८५३, ब ८६६, ज

६०१, स ६३५

उखाका च ६०३, च ६६३

उगवाना च १८ चमना ग १४५, ज १७, ज ८१३, च ८१७, अर ३१६ उगलदान ङ ४७२ उगलना च ८६६ उगाना क ३१५ उगाहना च ८५८, च ६०६ उगिलना ज ८२६ उम्र क १३४, क १६५, क २६७, ज ७७, न ३७८ उग्रग्धा व ११८, व ११७, व ४०६.क ७६ उप्रता स १८५, ज ७६, ज ३७६ उप्रतारा क १६५ उमा क १६४, क ७६ उसकता व ६८४ उचरका ज ४१८ उच्छता क रद्भा व १२५, व ६५४ उच्या क रूपर, व १२३ उचडना ब ८५४ उचार ब १२८, क रेंदर उचारना क २७६, ज १२३ %, ज १२६. ज १२६, च ८५३ उचार होना ज १२५ उचाइना अ ८५३, अ ६०१ उवाडा च १ ३३ डाचत ज ४२० उच्च च ६६, च ४४० उच्चः वर्ष ६५, ख६६ तच्चता ज ४२७, ज ४४२ उच्चरित करना ख २४६ उच्चाटन क २८१, १२८ उच्चाटन करना क २७६, च १२६, च १२६, ब ८५३

उच्चाटन होना इ १८० उप्याट होना क रद् उच्चाटित क रदर उच्चाटित करना च १२६ उच्चारग करना ख २४६ उच्चेश्रवा क २२६, क ३०३, ग ४५२, व ४८२, ज ५१६ उच्छुक्कलता का २३८ उच्ह्याच ख २६६, ज ७१३ उच्छिष्ट हा १४, ड ४६८, उद्धग ग ४६, ग ७६, ग १६६ उद्घलकृद ज ६८१ ठखनकृद करना ज ६८३५ उद्युलना ग ५२०, ज ६८१, मा ३५१ उद्याल च ५६, च ६८१ उद्घालना च ६८२ उद्याल मारना स ६८३ उद्घाह व २१० उद्घाही व २१४ उबद्ध व ७७, व ३६४ उबद्भान व ७६, व १६६ उबद्रना व ५७० उबक्क व १६४ डबरत ल ३६५ उबराना छ १६० उबलत ख १५८ उचना ख रद उक्रतापन ख २६ उबाइ च २२६, ब ५६८ उबाद होना च ५७० उचाला व ३८३ खंबवाला 🖣 रेपर ज़जेला 🖷 ३८३

उजेला पद्य ह्य पर उजेलो रात ख १४५ उज्बयिनी च १२१ उच्जैन च १२१ उब्बल खर्द म ४४८ उज्जलना ख २६ उभक्ता ज ६८४ उभिना जहल्प उटब च १४२ उटना ग ४५५,ग४७६, ब ६८४, ब ७४६, ज ७६६ उठाईगोर ग ४१८ उठाना ज १८३, ज ७७० उद्भवर घ ५१, घ ४५० उहु च ४, च २६ उद्धप क ३०७ उद्वर्णत क ३०७ उद्धराज क ३०७ उडेलना च ६०५ उद्भव च २५४ उद्भाग ६०० उद्भव हर रेदर उद्दाना व ८६७, भ ३०७ उदा लेना भ नश्व उड़ाध च १२६ अक्रिया स ५२१ उद्धि ग ५५२ उद्दस्य ग ५५२ उद्देवना ख ६०५ उद्देश च ७०३ तद्कना च ७०१ उद्दूष लगाना व ७८६

उतरना क १५६ ग १४५, ज ६८६, च न्प्र४, म ४१४ उतराव ज ५६५ उतराई ख ४१५ उतराना भ ४१८, भ ४२० उतार ज ५६५ उतारना ख २६४, च ७२१, भ २३३ उतारा भ ४३० उतावला छ, १६४, ज १२, ज १३, ज ४४४, ब ४४८ उतावला होना ब १८ उतावली क्र १५८, छ १६२, ज १५ ज उतावली करना च १८ उत्कठा ज १३६, ज २२४ उत्कठित ज १४० उत्काठित होनः ब १३० उत्कंडिता ख १५६ उत्कर ह दर, इ दर, ब ३४० उल्हटता च ३७६ उत्कर्ष ब ४७७ उल्क्रुग ग ५५२, ग ५५४ उत्कृष्ट व ४७४ उक्रध्ता व ४७७ उत्कोच ख ४१६ उत्होचक ख ४१७ उत्क्रमण ग १५४ उत्गमन ज ७०६ उत्तप्त भ १३७ उचप्तता भ १३५ उत्तम ज ४१८, व ४७५ उत्तमता ब ४७७

उत्तम श्लोक क ११२, अ ३०३

उत्तमाग ग १३ उत्तर स २६७, च ७६ च ७६, च ८० उत्तरगीता क ५८२ उत्तरदाता ब ३८० उत्तरदायित्व ब रदर उत्तरदायो ज ३५० उत्तरपुरास क ५६१ उत्तरप्रत्युत्तर ख २६६ उत्तरा क ४२१ उत्तराकाल्गनी च २७, च ३६ उत्तरामाद्रपदा च २७, च ५४ उत्तराबाद च २७, व ४७ उत्तराइ क्र १२६, छ १३३ उत्तरीय ड २७४, ड २८४ उत्तान ज ५८ उत्ताप क १३५ उत्तिक होना ज ७४६ उत्तेबक ब २१८ उत्तेत्रना ब २१६ उत्तेजित करना च २१७ उत्थान ष ७०६ उत्थान करना ज ७४६ उत्पत्ति ग १४४, ष ४४५, च ८१२ उत्पन्न ज द१८ उत्पन्न करना ग १४६ उत्पन्न होना क १५६, ग १४५, ज ६१७ उत्पल घ ३८८, व ४०७ उत्पात भा १६६, भा १७४ उत्पाती ऋ १७६ उरफुल्ल व ३८२, व ३६ उत्सग ग ४६, ग ७६ उन्स च २७३, च ३०७ उत्सूर्ग अ ४३०

उत्सर्जन ज १६५ उत्सव छ ४, छ २०१ उत्साह क ४८०, ख १८६, ख २१२, ब

उत्साह बढ़ाना च २१७ उत्साह में होना च २११

उत्साहहीय ज २१५ उत्साहहीनता च २१३ उत्साहित करना च २१७ उत्साहित होना ज २११ उत्साही ज २१४, भ २८८ उत्सुक व १४० उथलपुयल भा १७५, भा ४०० उपला च प्रप् उद्दिच च २६४ उदिनेलाव ग ५१४ उत्भात व ६०६ उदर ग ५२, ग ७७, ग ११३ उदात अ २२ उदार भ २३, अ ५६, भ २०१ उदारता ज २० उदास छ १६५ च ५६, च १२३ उदात होना क र⊏०, भ १३१

उदासीनता क रदर, ज ५७, ज १२८ उदाहरण ख २६३ उद्गार व २२३ उद्देश ब ७७ उदंडता च अध उद्दीषन ख १८३ उदीप्त घ १७७

उदासी क २८१, व ५७

उदासीन ज ५६, ग १२३

उद्देश्य भ ३७१ उद्धृत घ ७७ उद्धव क १५३ उद्घार ङ ४२०, भ २३० उद्धार करना भ २३३ उद्धार पाना भ २३१ उद्धृत करना च १६८ उद्भव ब ८१२ उद्भावना च ८१२

उद्भिज घ २ उद्यत ज ३ १६, भ २५७

उद्यम क २८६, भ २८७, भ ३०३

उद्यमी भ २८८ उद्यान घ ह उद्योग भ २८७ उद्योगी भ रदद

तिहिंग्न व १३, व २२६

उद्दिग्नता ज १६ उद्भिग्न होना ब १८ उद्देग ज ४, ज १६, च २२४

उघदना च ८५४, ब ६००

उधम क १७५ उघाइना म ७१६ उधार स ३६८ उधार करना ज ७६६ उषार बेबाक करना ख ४०१

उधार लेना स ४००, स १६६ उपेइना च ८५३, च ६०१

उपेहा ब ६०३ उनीदा च ७६० उन्नत च ८६ उन्नति न १८८

उद्याते करना च ६७१, व ७४१, च ६१७

उन्नतोदर व ५३१ उन्नावी स्व ४५ उन्नीस ख ६२४ ज ४२६ उन्नोस होना न ६१४ उन्मत्त ङ २०२, ज २०३, ज १३४, ज उन्मत्तता ज ३३४, ज ३३७, ज ३४१ उन्मन ज ५६ उन्मादन क २८३ उन्माद ख १८५ ज ३४१ उन्मादी ज ३४० उन्मोलित ख १६० उन्मुख च ३७६ उभ्यूलन करना ज ८५३ उन्मृलिम करना ख ८५३ उन्सियत ज १४५ जाकरण के ३६, उ ४१६ उपकर्ता अ ३० उपकार ज २८ उपकारक हा ३७, ज ३० उपकारिका च १७१ उपकारिता च २८ उपकारी च ३० उपकाय च १७१ उपकृत ब ३२ उश्कृति ज २८ उपमह ग ३७२ उपवात ख ४३५ उपचार ख ५४४ उपचारशास्त्र ख ४४८ उपज व २२४ उपजना क १५६, ज ८१३, क ३१६

उपबाज च १०१

उपरन क रेररे उग्टना च ३६१ उग्दंश स ४५६ उगदेशक ख २४१ उपदेष्टा ख २४१ उपद्रव मा १५८, मा १७५ उपद्रवा भ १७६ उपधान ड २८७ उर्वाधिया ग रन्न उपनयन क हत्, क १०६ ग १५०, छ ४ उपनागरिका ख १६३ उपनिषर क ५४५, क ५५७ उपनाम म रेपरे उपनीत ग १५० उपनेश्र ६ ४ उपन्याम ख २०४, ख र•⊏ उन्धामकार ख १२७ उपपनि ग २२७ उपपत्ति भ १६२ उपवत्नी ग २२८ डपमाषा उ २२३ उपभोग के ३०६ उपभोग करना स ६०७ डवयुक्त ब ४२० उपमा ख २६४, क ३६३ उपयुक्तना ज ४०७ उपयोग मा ३०५ उपयोगी कला ख १ उगरना इ २७४ ज ८५४ उपरनी व २७४ उपरात छ १६३ उपराग ख २० च २४, व १७६ उपराचढी ब २६५

उपरी ड ४२४ उपरोडपरा च २६१ उपरोक्त च ६१६ उपल च २४७, ज २३६, छ २५८ उपलब्ध भा रे४६ उपला ङ ४२४ उपवन घ ध उपवास क प्र उपवास करना क ५३ उपविष्ट होना ज ७५० उपवीत क १०६ उपश्म ब १४ उपवेद क ५३५ उपशासा ध १७ उपसर्ग अ १६५ खपनब्ध करना भी ३५० उपस्थ ग ७६, ग ८०, ग १३८ उपस्थान ज ६ २५ डपस्थित च ३७४, भ २५७ उरिथन हाना ज ६६४ उपस्थित रहना क २६१ उपस्थिति भ २५६ उपहासित स्व १८१ उपहास ज १५६, ज ३७२ उपहार का २८२, का २८४ उपांग क प्रत्यू डगडगान स ३१६ जयाचि क २५३ डपाध्याय स्व २४१, ग २८८ उपानइ इ २६७ उपाय का ३७० उषारमा स ८५३ अपान भ १४५

39-----

उपास क प्र उपासक क ३७, क ६२, ग २६६ उपासना क २६ उपासिका ग २६७ उपासनीय का २६ उपासी क ३७ उपास्य क २६ उपेन्द्र क २२८ उपेंद्रवज्रा ख २०३ उपैना च ३८६ उपोद्घात ख २६८ उफ्तना भ १०६ उफनाना भ १०६ उफान ज २१२ उबकना ख ५०० उनकाई ख ४६७, ल ४६६ उकाई ग्राना स ४६८ उबरन ह ३२३ उनइखानइ न राज्य उबरमा भा ४३२ उबरा के ४२६ उचलना भा १००, ज १०६ उबल पड़ना ब ६५ उत्रसना भा ३६५ उबार मा २३० उबारना भ २३३ उबाल अ २०३ उबाल श्रामा भ १०६ उबाल खाना भ १०० चत्रालना का ६०, का ६८, का ६६ उनेने ब ६८६ त्रभदना ग ४७६, ब ६८४, ब ६००, 38€ 76

उमग ब २१२ उमंग च ४, च २१२ उमंगित होना च २११ उमगना च २११, भ ३१६ उमदा ब ४१८, ब ४६३, भ २६७ उमदा च ४१८, च ४६३, भ २६७ उम्बना ब ६८४ उमर छ १४८ उमस छ ६६, भा १३५ उमापति क १६५, क १८५, क १६४, व २६५. उमाइ व २१२ उम्दा च ४७५ उम्मीद ब २१२ श्र उम्मीदवार क २५१ उमेठना ब ६७ उम्र ह्र रे४८, भः २६ उर ग ४६, ग १३०, ग १३३ उरग ग ५५८, घ ४५८, च ३६ उरगाद क १६० उरज ग ५० उरबात ग ५० उरद घ २५४ उरदी घ २५४ उरसिक्ष ग ५० उरिन ख ४०२ उद ग ८४, इ ३१० उरेखना ख १५ उरेब म ६५ उरेह ख १२ उरेहना ख १५ उरेहा ख १७ उरोज ग ५०

उर्द घ २५४ उदी व २५४ उद् ख २२४ उर्ध्व च ८६ उर्ध्वरेता क १६५ उर्दध्वलोक क २३८, च ३ उर्फ भ ३८३ उमि च ६०, च २७८ उमिल ब ६० उर्मिला क ३७१ उर्वरा च ६०, च १०१ उर्वशी क २४८ उर्वी च ६० उल्भान ज २२४ उलमाना क २६५, ज ७८१ उत्तभाना च ७८२ च ७८३ उल्हान के ज्या उलटना अ ६०, अ ६७५, अ ८६६, ज ६०५, भी ४०१, भी ४०२ उल्टना पुलटना भ ४०१ उलटा ज २८६, ज ४२१, अ ८४१ उलटा-पलटी म ४०० उलटा पुलटः भ ४३७ उलटी श्राना ख ४६८ उलटी करना स ५००, च ८६६ उलटी सांस लेना ज ७१२ उलाइना क ३४५ उलाइना देना भ ३४६ उलीचना च ६०५ उल्लंग ६५२ उत्त्वल ङ ४६४ उल्पो क ४२३ उल्का ङ४६०, स २८०

उस्टी ख ४६६ उल्या ख ३०१ उङ्गत ब १४५ चरफती ब १५३ उल्लंबन करना ज ६८६ उल्लिखित ब ३६ उल्लंसित होना च ४१ उल्लाप्य ख १३४ उल्लाला स २०३ उल्लास ज ४५, ज २१२ उल्लामी ज ४८, ज ५१ उल्ला ग ६५२, ज ३६४ उल्लुबोलना ज ५७० उस्तेल ल १६० उशोर घ १७३ उपर च १०० उपा क २२३, क ४०४, ङ ४३१, छ, १२६, ख १३१. ख १३४ उषापति क ४०३ उष्ट ग ४५० उभ्याक ३१६, घ १८८, छ ६६, भ १३७ उष्णत्व भा १३५ उष्ण होना भ १४१ उष्यागम स हर उच्छीष ङ २३८ ङ ३३७ उध्मब ग ६७६ जन्म ख ६६, म १३५ उष्मा अ ५२०, म १२१, म १२४, ब ६६, ब ६३, मा १३५ उष्मागम स ६६ उतकाना ज २१७ जस्ताद व ३६७

डस्तादी व ३६८

उस्त्रा ङ ५२३

उ

ऊँघ ज ७५७ ऊँघता इच्चा व ७६० कँघना ज ७५४, ज ७५५ ऊँचा च ८६, ज ४४०, ज २६७ ऊँचाई ज ४४२ कॅचा-नीचा र ५७५ ऊँचा स्वर ख ६६ ऊँट ग ४५० जद्र ग ५३२ जख घ २४६ जलल ड४६४ ऊजह व ५६८ ऊजर ख २८ **अटपटांग ज ६२५** जढा व १६१ उद ग ५६४ अदिविलाय ग ५६४ जदा ख ४६, ग ४६३ अवम ब ६०४ उद्यमा ज १७६ जन ङ २२४ अनी ⇒ २२५ अपर च ७६. च ८६ ऊपर शाना व ६८४ उपर जाना ज ७१० अपरी व ३०६, ज ७३६ जबना व १८, व ३७ उत्स्थ ग २६४ उर्जस्वी व २१६ उर्ब ङ २२४

कर्यानाभ ग ५३६ कर्घ्य घ ४४, ज ४४० किम च २७८ किमाली च २६४ कलेन क २२५ कपा क ४०४, छ १३६ कपाकाल छ १३६ कपाकाल छ १३६ कपाकाल ग ५५२ कपा च २६२, क १३५

昶

चाक क ए४१, क ५४३ ऋक् सहिता क ५४६ श्वर्थ घ ४४८, भ ८, भ ६ ऋब्ग ५००, ङ २५, च ४, च २६ ष्याख्यति क ३०७, क ३८४ ऋब्राज क ३८४ ऋग्वेद क ५४४ श्वचा क हरे, क हर, क प्र४१ ऋजु ज ५१, ज ५८, ज ३०० षाजुता ज ६१, ज २६७ श्वास ३६८ ज २६७ ऋण खाना ख ४०० भाग चुकाना ख ४०१ ऋगद स ४०४ ऋया देना ल ४०१ ऋब पाटना ख ४०१ श्राप्युक्त ख ४०२ ऋया लेना ख ४०० ऋषः ख ३६६, ग ४२४, च २६५ श्रास ग ६, ज ४०५

ऋतु स्व ६००, च ७४, छ, १, छ, ६४, ६ ऋतुराज छ, ४ ऋतुराज छ, ४ ऋतुराज ग १२८ ऋतु साव ग १२८, स ७०, ग ४८३, स २६३ ऋतु स्व स ४४६

Ų

एक ख ५७७ एकग्रंता च ४६५ एकच्त्र ख ३४१ एक बदा भः ६ एकटक देखना ज ७२६ एकतत्र ख ३४१ एकता ल ५७६, ज ४२४, ज ८६. एकत्र ज ८६०, ज ८६१ एकत्र करना ख ५५६, ज ८५८, ज ८६६, ज १०१ एकत्र होना ज ८५६ एकानित ज ८६० रकात्रत करना च ८५८, च ८६६ एकत्रित होना ज ८५६ एकल ख ५७६ एकदत क १६२ एकनयन ग ६५४, ज ४६५ एकनामिक्स ख ३७६ एकनामिस्ट ख ३८३ एकवएक ज १०१३

एकबारगो छ १६८, ज १०१३ एक में करना ल ५५६, ज ८४५, ज ८७४ एकरंग ज ४२२ एकरार करना ज ८,४५ एकरूप ज ४८३ एकरूपता ज ४२४ एकला ख ५७८ एक्सा ज ४२२, ज ४८३ एकांकी स्व १३६ एकांकीकार ख १३८ एकाग घ १३० एकान च ६२२, च २२७ एकातगृह च १७५ एकातता ज ६२० एका ज ८५० एकाई ज ८५० एकउंटिट ख ६४१ एकाएक छ १६८ ज १०१३ एकाएकां छ १६८, ज १०१३ एकाकार ज ४२२ एकाकारिता ज न्प्र० एकाकी ज ६१६ एकाञ्च क ४५३, ग ६५४, ज ४६५ एकावर क ५५८ एकात्मकता ज =५० एकादश ल ६१५ एकादशी स्त्र १०६ एकावली ख १६० एकोकरसा ज ८५० एकेंद्रिय ग ५६६, ग ५६७ एककम छ ६५ एक्का क रेम् एक्समस ख २२८

एजेन्ट ग ३७५ एडिटर ख २६२ एइ ग ८७, ज ५१६ एड़ी ग ८७ एतबार ज २५३ एतबार करना ज २५४ एनवेलप ख ३१५ एरड घ २६७ एराकी म ४५२, म ४६१ एरावत हाथी घ ४८२ एगवती ग ४३६ एनचो ख ३६६, ख ३७० एला ङ ७८. ङ १८६ एलोपैथी ख ४२६, ख ४३३ एल्बम ख १८ एवज! भ २५३ एइसान ज २८, ज २६७ एइसानमद ज ३२, ज २६५ ऐ

प्रेचाताना ज ४६४ प्रेचना भ ३६७ प्रेचना भ १६२, भ ७४ प्रेठ ज ६३. ज ८८ प्रेठता ज ४८८ प्रेठता ज ४८८ प्रेठन ज ६६, भ ३८८ प्रेठन ज ६६, भ ३८८ प्रेठना ज ६३, ज ६७, ज ७६ ज ८१, ज ६०, भ २०८ प्रेडना ज ७६ प्रेडना ज ७६

पेंद्रबालिक ग ४०७ े ऐक्ट भा १८३ ऐक्टर ख १४६, ख १५० ऐक्ट्रेस ख १५४ ऐक्य ज ८५० रेग्न ब ३६७ े ऐडविड क २५५ े ऐतरेय क ५५६ ऐतिहासिक ख २१०, ख ३२१ ऐन न ४७७, ग ४७८, ज ४२० ऐनक इ ४, इ ३२६ ऐब ज ३६७, भ ३७४ ऐबलगाना ज ४०४ ऐबी ज २६८. ज ३६५ ऐया ग १६३ ऐयाम छ १३६ ऐयार ज ३६७ ऐयारी ज ३६८ ऐयाश्री ज २६६ ऐराग्रेरा ज ४२६, क ४०६ ऐराग्रैह भ ४०६ धेरावत क २३३, घ ५०, घ ३४८, च ८८, ख २४४ ऐलविल क २५५ ऐश ब २६६ ऐशश्राराम ज २६६ ऐश्वर्य क २६३, क २६८, ज ३४२ प्रेश्वर्यवान ख ४०५ श्र

पो

श्रोकार ग ६५८ श्रोकारनाथ क १६६

प्रवर्धशाली स ४०५ श्र

ऋोंकारलिंग क १६६ श्रोठ ग २४ श्रोदहल घ ४२२ श्रोक च २६, च १४० श्रोकनां ख ५०० श्रोकलाई ख ४६६ श्रोकताना ज ८६६ श्रोकाई ख ४६७, ख ४६६ त्रोकाई श्राना ख ४६८ श्रोकाना ख ५००, ज ८६६ श्रोखद ख ५४६ श्रोखली ङ ६६२ श्रोघ ज ६२४ श्रोद्धा ज ४२६, ज ४३६ श्राद्धाई ज ४४१ श्रोद्धापन ज ४३०, ज ४४१ त्रोज ख १६२, ख १६२, च २६२, छ ३८३, भ ३८, भ १७१ त्रोजशाली भ ४० श्रोजस्विता भ १७१ श्रोजस्वी भ ४० स्रोभाइत क ३५४ श्रोभहती क ३५३ श्रोभाती करना भा ३०६ श्रोभारी ग ५२ श्रोकाक ३५४, गरद श्रोट ङ ४६७, ज ७७२, ज ६२४ त्र्योट लगाना ज ७७३ श्रोटा च १४७ श्रोडिचा ङ ४६८ श्रोदना ङ २६०, च १८३ श्रोहनो ङ २७४ द्योतप्रोत ज ८०५, क ६६

श्रोतप्रोत होना भ ६५ म्रोदन ङ ६२ श्रोदरना ज ८६२ श्रोदा छ २३५ श्रोदापन छ २३६ श्रोनचन ङ ५०३ स्रोप छ २८७ ख्योपदार छ रद्भ श्चोवियम ङ १६३ ऋोर च ७५ श्रोरहन भ ३४५ श्रोराना ज ६१५ श्रोला छ २५८. छ २५६ श्रोलंड टेस्टामेट क ५६८, क ५६६ ब्योवरकाट ड २४८ धोवधि ख ५४६ क्रोधधिशास्त्र ल ४२८ ऋोषधीश क ३०७ श्रोक्ट ग २४ श्रांस छ २५६, छ २५६ श्रोसाना ज ८५३ श्रोसारा च १४७ ष्मोहदा का २५५ श्रोहरना ज ६१६ स्रोहार ड २६६

भौ

श्रीकात भ रेड७ श्रोधना ज ७५५ श्रोधर ज ५७६ श्रोधाई ज ७५७ श्रोधाना च ७५५, भ ४०१ श्रोधाना च १८ श्रौंटना भ ६०, भ ६६ ब्रौटा भ ६१ ऋौंटा जाना म ६२ श्रौटाना म ६०, म ६६ श्रीचक घ २६८, ज १०१३ श्रीचट छ १६८ ग्रौचित्य च ४०७ स्रोनार ङ ४०१, ङ ५५६ श्रौटना भ ६०, भ ६६ श्रौटाना भर ६० श्रीदर ज ३३१ श्रौतारी क १५७ श्रीत्सक्य ख १८५५ स्रौदार्य ख १६३, ज २० श्रीद्वत्य च ७१, ज ८६ श्रौद्योगिक म २८६ श्रीपन्यासिक ज ४१८, ज ६७० श्रीर ख ५८४ अरोग कहीं ज ६६३ श्रीरत ग ४. ग २२५ श्रीरस ग २५०, ग २५६ श्रीलाद ग २४६, ग २५० श्रीलामीला ज ३३१ श्रीतिया क ११० श्रीषघ ख ५४६ श्रीबंधालय ख ५४३ श्रीसान च ८४०

क

कक क ३१७, क ४१४, घ ३७ कक्य क ३३४, क ३५१ कक्र क १६२

कंकाल ग १०० कंकालिनों क १६४ कॅखौरी ग ५७ कगन ड ३३४, ड ३५१ कॅगना इ ३३४ इ ३५० कॅगनी इर ३३४, इर ३५१ कॅगला ख ४०५ कॅगही क ३१४ कँगाल ख ४०५ कंगालता ख ४०६ कंगाली ख ४०६ कंगुरा ग ४२ कंबी ड ३१४ कवी करना भ ७४ कंचन घ ४४८, ज ३६, ज ४६३, कचुक ग ५६६, ङ २१८, ङ २६६, ड ४०८ कंचुकी घ २३६, घ २५५, घ ५५८, ङ २६६ कंज क १२३, क २४२, घ ३८८ कबा घ (५४, ज ४६३ कजूम ख ३६० कज्सी ख ३६१ कजूसी करना ख ३६२ कट घ ४२० कंटक घ २५ क का का की या च २४३ करकारि घ १२५, घ १६६ कंटफल ङ २०२ कॅटिया इ ३२८, उ ५७२ कटो घ २५८, ङ १६ कॅटोला नमक हः ३० कंटोप ङ २३६, ङ २७६

कंठ ग ३३, ग ३४, घ २१० कठमाला ख ५२५ कंठको ङ ३३१, ङ ३४६ कंठा ङ ३३१ कंठी क ४२, इन ३३१ कॅठुला ङ ३३१ कडा ङ ४२४ कडाल इ ४५० कंडी ङ ४२४ कडील इ प्रध्र कत ग २२४, ग इ८० कंद घ ३०२, घ ३०७, घ ३०८, घ ३०६, घ २३६ कंदम्ल घ ३०४ कदर घ ३१५ कंदरा च २५०, च २३६ कदराल घ ३५६ कदर्प क २७१, ड २५ कंदलो घ २७० कंदा घ ३०८, घ ३०६ कदुक हा ३७५ कध ग ३३, ग ३६ कंघर ग३३, घ १२३ कथा ग ३६, ङ ३१४ कपा देना ज ७८७ कथा लगाना ज ७८७ कॅघेया क ३६६ कप भ १७५ कॅपकॅपाना ज २३४ कॅपकपो ख ५३०, ज ६८० कपन ज ६८०, ज ७१४ कॅपाना च २३५, च ७१५ कपित च २३७

कॅपना चर७, ज २३४, ज २४५, म ३५१

कंपित करना ज ७१५

कंपित होना च १७, च ७१६

कंबल क १२८, क २६१

कबुग ४३५, घ ४६४, घ ६०३

कंबुक ग ४३५, च ४६४

कंबोज न ४६४

क्स क ४४३, व ४५६

कंसपुरी च ११५,

कंसारि क ३६६

कॅहार ग ३०६

कॅहारिन ग ३१०

कइत च ५४

कई बार स १००६

कड़को च ४६५

कउथ छ ६४

ककड़ी घ ३७२, घ ३७३

ककनो ङ ३५१, ङ ३५२

कक्टूद ग ४५१, ङ ५५३

कद्मनी ग ७८

ककुम घ ८६, च ७५

ककोरना ज ८६६

कक्रन ङ ३५१

क्क्कुटी च १२५

कल् ग ५७, च ६०, च १४८, ब ३०४

बचा क १०४, व ६०६

इस ग ३७

कथकच च ६११

कचपची ङ ३३८

कचवची ङ ३१६

क्षरकूट करना ग १५६

कवरना क हर

कवरी व ३७५, क ७३

कचलना स ३२१

कचहरी च १७४, च २२४

कचारना ज ५५० कचालू घ ३०६

कचूर घ १५५

कचूर होना भ ३१६

कचौड़ी ड १०३, ड ११६

कच्चाग २६, ग ३५

कच्चा करना ज ८८१

कच्चा घागा इ ५६५

कच्छ ग ४५२, ग ५६५, घ ११, घ ४०७

कच्छप क २६६, क ४४६, ग ५६५

करछा ग ४५२

क्छ्रं क ४४६

कक्रनाः इ ५६५

कछनो क १०४, इ २५८, ट २६२

कन्नानो इ २६२

क्लु च ६१०

कक्कुश्राक ४४६, ग ५६५

कक्क ज ६१०

कह्मीटा इ ६६२

कज ज ६२, उ ३६७

कद्भग इ ३७१

कजराई ख ३२

क बरी ग ४७२

कबरौटा ह ४८७

कबरौटी ड ४८७

कबनाम २४६

कबलोग ४७२

इना ग १५४

क्बाक ग ४१८

कजाकी ज ३७१

कंजल ड ३०१, छ २३६ कज्जाक ग ४१८ कज्जाकी ज ३७१, भा २०६ कट ग ३१, ग ४४५, इ ४८४ कटक ख ३५६, ग ८२, घ ३०४ ड ३३४, ङ ५०७, च १३५, कटकट भा २६२ कटचौराई घ ३२६ कटना क १५४, छ २, ज ८५४ कटफल घ १६४ कटफला घ २७६ कटरा ग ४८५, ग ४८७ कटवाना ग १५७ कटसरैया घ ४१०, घ ४११, घ ४१२, कटहल म ४६ कटाई छ ८८३ कटाऊँ ज २३८ कटान स ८८३ कटार ङ ४१५ कटारी ङ ४१५ कटाह क ३१६, ग ४८६, ग ४८७, च १४२ कटि ग ७८; ग ४४५ कटिबंध इ ३५६ कटिसूत्र ङ ३३२ केटा ग ७६ घ ११८ कटीर ग ७६ कटीला गोद घ ३४ मटीला नमक इ ३० **बढ़ घ १६६, घ २६४,** ट ४३ इ४६, ड ६१. कदुकंद घ ३१४ कटुक च १६७, ग २६४, ङ १६

कटुकफल ङ १६

कटुता ङ ४७, ङ ६२ कटुफला प १०६, म २६६ कटुतुम्बी घ २६६ कटुफल घ ७४, घ २७५ कटोरा ङ ४४१ कटोरया ड ४४० कटोरी ङ ४४१ कट्फला घ ३५१ कट्टा ग २६, ज ४६८ कठ क ५४६, क ५५८, क ५५६ कठकोड़वा ग ६५६, ग ६६७ कठ बाप ज १७६ कठवत ड० ४५१ किंति ज ६०, ज ६५८, भ ४१ कडिनफल प २६६ कठिनाई ज ६२ कठैल म ४६ कठोर ज २४, ज ६८ कठोरता ज २२, ज ७१ कठोरपन ज २१ कठौत ड० ४५१ कठौता इ ४५१ कठौती छ ४५.१ कहक ख ४५८, म ३७६ करकहाना भर ६८, भर १०० कड़कना भी ३७७ कड़कनाल ङ ४०३ कड़काना ज ८६४ कइवाङ ६१ कड़ा ग ६३५, ड ३३४, ड ३३५, ङ ३५५, ज ६८, ज ४६६ कड़ाई ज ७१ कड़ा पड़ना ज ८१

कड़ायन ज ७१ कडाबीन ङ ४०५ बहाइ ङ ४२८, ङ ४६० कडाडी ङ ४२८ कड़ा होना च ८१ कड़ी ङ ५४४ , कहवा ङ ६१ कड्वाई ङ ६२ कहना च ६६५ ज ७४६, ज ८५४ बढाई ङ ४२८ कढाही ङ ४२८ कढ़ी इं ६६ क्षा च १८८, घ २२२, घ ४६१, च २६३, ! ज ५०३, **ज ⊏६५, ज** ६१० क्याटसूत्र क ५६६ कत घ २१२ कतक च २१२ कतन्नी ङ प्रभू कतर ङ ३२५ कतरब्यांत करना ज ८८० कतरना ज ८८० कतरनी इ प्रथ् कतराई ज ८८३ कतराज धदर कतराना स ३८१ कराल भा २१४ कतलवाज ग ३७३ कतहूँ ज ६६५ कतहुँ व १६५ कतार व ६२४, क २६४ वतिवहा ख ५४ क्तीराध ३४

कत् च ४७६

कत्तई ज १००८ कता ङ ४०६ कत्ती ड ४०६, ङ ४१५, रू ५४५ कत्थई भ ३४१ कत्थक ग ३६८ कत्या ड १८७ कत्ल भ २१४ कथंचित् ज १७३ कथ ज ६१७ कथक ग ३६८ कथन ख २७१, ख २७७, ज ६१४ कथन करना ज ६१६ कथनी ख २३४, ज ६१४ कथनीय ज ३५८ ज ६१७ कथा क ७६. ख १३६. ख २०८, ज ६१४, ज ६२१ कथा कहना क ७७ कथाकार ल १२७ कथानक स्व १३६ कथावाचक क ७८ जगामुख ख २६⊏ कथावस्तुक प्रश्ते, ख १३६ कथा बॉचना क ७७ कथाशतों क ७६ कथित अ ६१५ कथोपकथन ख २६६ कश्यक ख ५७ कथ्य ज ६१७ कदंब घ २६३ घ ४१८, कदवक घ २६३ कद घ ३११, छ ६ कदचित छ १६५ कदन ग १५४, ज ३०४

कदमचा च १५२ कदम ग ८६, घ ४१८, च ६७७ कदर घ ६१, ज ३४२ कदराई भा २७६ कदराइ भ २७४ कदर्य ख ३६०, ज ४६८ कदर्यता ख ३६१ कदल घ ३४६ कदलक घ ३४६ कदला घ १२५ कदली घ ३४६ कदा छ ६ कदाई घ ३११ कदाकार ज ४६५ कदाकारिता ज ४६८ कदाच ज १७३ कदाचन ज १७३ कदाचित् छ ८, । १७३ कदापि छ ८ कदापि नहाँ ज २००८ कदोम छ १७४ कदोमी छ १७४ कद्दू घ २८५, घ २२८ कंद्र के ४५१ कब्रुल ग ५५६ कद्र ख ४८ कन ज ८६५ कनक च ४१० घ ४४८, ङ २०२

कनकटा ज ५१७ कनकौवा 🚁 ३७१ कनखजूग ग ५७४ कनखंग २० कनटोप ङ २३६

कनपटी ग ३१ कनफुसकी ज ६२४ कनफूल ङ ३३० कनको इस घ १५६ कनसलाई ग ५७४ कनात ङ ४६७ कनामिका ग २६० कनायत ज १३३ कनिष्टिका ग ७४ कनिष्ठ ग २२० कनिष्ठा ख १६१, ग ६६, ग १४ कनी घ ४८५ कनीनिका ग २१ कनीयस घ ४५० कनुवाइन स ३५० करेठा ज ४६५ कनेर ब ४/६, घ ४७६ कनौड़ा ज ४६५ कन्नड ख २२१ कन्नाध २०२, ध ३०८ कन्बौजी ख २२४ कन्थका ग २६०, च ६४ कन्या ग २६० च ४८, च ६४ कन्याकुमारो ड ७८ कन्हाई क ३६६ कन्हांबर ड २५.४ कन्देया क ३६६ कपट ज २५७. ज २६६, ज ३६८ कपटना ज ८५३ कपटो ज २६८ कपदा ङ ११८, घ २३६, ङ २१६ कपड़ा लत्ता भ ७६

कपर्दं क १७७, घ ६०५

हपर्दक क १७८,ग ४३, घ ६०५ क्षपदिका च ४६५ कपर्दिनी क १६४ कपदीं क १६५, घ ६०५ कपस्यूल क प्र बपाट च १६५ कपार ग १०१ इपाल ग १३, ग १६, ग १०१ इपालभृत क १६५ कपालिका ग १०१ कपालिनी क १६४ कवाली क १६५ कपास म १२६ कर्षिजलाग ६१५, ग ६२७, ग ६२६, ग ६३६ कपिक २६७, ख ४१, ग ४३५, ग ५२४ कापकच्छा घ २६३ कपिकच्छ्रफला व २६१ कापकेश्वरी क ३८० किंवत स्व ३७ कावत्य घ ५४ **क**िएश्वच क ४१७ किंग्लिक १५४, क १६५, क २६७, क रे४७, क ५७६, खर्ट, ख ४३, स ३७, ग ५१६, ग ५३२, ङ ८ कविसमीता क ५८२ कपिलनास २६, स ३६, स ३३, स ४४ म २६ रे कांपनसूत्र क ५७० कविसास रद, ग४७१, घ ७६, घ १८३ कविलाची घ ७६, घ १४७, ३७३ कांपश सा ४३ कविशता ल ४४

कपीश क रूद० कपून ग २५२ कप्र घ १५७ कपूर कचरी घ १५६ कपूर हल्दो ङ २७ कपूरी ख रद, ख रद, ख ५५ कपोत ग ५६८, ग ६३३ कपोतक रू ३०५ कपोतां ग ६२५, ग६३४, ग६६०, भ 338 कपोल ग २८ कफ ग १२२, ग १२५, ल ४४२, ल ४४३ कफ़नखसोट ख ३६८ कफ़नखसोटी ख ३६१ कफनी क १०४ कपातक घ ७३ कबंघग४८, ग५२, च २३, च २६२, अ ५३४ कब ऋ ११ कबरी क ३२५ कवाबच'नो ह १६ कबारना व दपर कांबे क २६७ किवता ख ४६८ क बेत्त स्व १६८ कबिलास क २३८ कवीरा घ १५० कबीला ग ४, ग २२५ कबीलो म २५८ कब्र ज ४३० कब्तर ग ६३३ कष्तरो ग ६३४ कब्ब ख ४६८

किन्नयत स ४६८ कञ्जी ख ४६८ कब क प्रश्र, च २३० कब्रिस्तान क ५१२, च २३१ कभी छ प, छ ६, छ १६५ कभोकभो छ १६५ कभी नहीं ज १००८ कभ छ ६ कमंगर ख १४ कमंडल क १०३ कमंद ग ५२ कम ज ४२६, ज ६१० कमग्रसल ग २४६, ज ४१३ कमकर ग ३०६ कमकरित ग ३१० कमन्छा च १२३ कमनोर ज ४६६, भ ४२ कमनोर होना ज ५०२ कमज़ोरी भा ३६ कमठ ग ५६५, च ८० कमठा क ४०६ कमती ज ६१० कमती होना ज ६१५ कमनैत क २७१ कमनीय ज ४६३ कम पहना ज ६१५ कमफेल ज ५७१ कमबोलता ज ६०७ कमर ग ७८ कमरख च ४७ कमर्पेच क २६५ कमरबंद ङ २६५

कमरा च १४८

कमरिया ग ४३६ कमरू च १२४ कमल क १२६, क १३२, ग च २६२ कमलकेशर घ ३६० कमलगडा च २७० कमलद् इच ३८६ कमलदल घ ३६३ कमलधूलि घ ३६१ कमलनयन क १३४, क ३६६ कमलनाभ क १३४ कमलनाल व ३८६ कमलबीज च २७० कमलम्ल घर३२५ कमलयोनिक १६३ कमल रोग ख ५१३ कमला क १६३, क २०१ कमलाकात क १३४, क ३६६, क ३६६ कमलाच् घ २७० कमलापति क १३४ कमलासन क १२३ कमलों क १२३ कमलोद्धच क १२३ कम होना ज ६१५ कमाई ख ३८६ कमाई करना ख ३८४ कमान ङ ४०३, ङ ४०५, ङ ४०६ कमानचा ड ४०६ कमाना ख ३८४ कमानिया भ २७१ कमानेवाला ख ३८८ कमासुत स ३८८ कमी ज ६१२, भ ३०१

कमीज़ ङ २४६ कमीना ज ४२६ कमीनापन ज ४३०, ज ४४१ इमी पड़ना ज ६१५ कमेटी ज ६२५ कमेरा न ३८३ कमोदिनो च ४०७ कमोरा इ ४५५, इ ४७७ कमोरिया इ ४७७ कमोरी ङ ४५५ कम्युनिकम ख ३३६ क्य छ २३६ कयाम च १३० क्यास ज ६६३ बरज ग ६४४, ग ६४५, च १५४, ग १६१ करजक घ १६१ करंब इ ४०६ करडा ग १११, ङ ४८४ करइत ग ५६६ बर ख ४१०, स ५८२, ग ४४२, ग ५६, च ६, च ४० करक ख ४५८, घ ७२, घ ३४४, घ ४२० मा ३७६ करकट ग ४४५ करकता ख ४८२ ज ४७० म ३७७ करकमूत्तो ख ४५८ करकर म प्रदह करका च १०६, ख २५८ करबी क ४३४, क ४३५ करळूल इ. ४३५ करवाल ३६८, ग६७, ग७५, न ४६८,

ब ११६, च १६१

कर डासना व ६५४

करका क ४३८, ग १३४ करगीय ज २६६, ज ६६१ करतज्ञ ज ३६६, इ ६५२ करतबी ज ३६४ करतल ग ६१ करतलध्वनि ख ८४ करतव्य ज २१६ करताल ख ६६ करतृत ज ६५२ कर देना ज ६५४ करधन ङ ३५६ करधनी ड ३३२, ड ३५६ करनफुल ङ ३३० करना ज ६५४ करनी ज ६५२ करनेवाला ज ६५६ करपट्टिका इ १०० करपुष्ट ग ६२ करम ग ६२, ग ७८, ग ४४६, ग ४५० करम ज १६, ज ४५७, ज ६५२ करमकल्ला घ २७६ करमचारो ख ३ अ५ करमो घ ३३६ करम्ला च ८१४ करमुद्दां च ४८१ करमेन तर करना ज २५ कर लेना ज ६५४ करवा ड ४४५ करवाई ख ३६४ करवाल ङ ४०६ करवी ङ २१२ करहनी च २३३ करांकुल ग ६२६

कराई ख ३२ कराही ड ४२८ करामात के ४३८ करामाती भ ४३६ करायल इ ६६ करार च २८१, म ४२५ करारा च २८१ कराल क १६६, ज २४३, ज ५२३ कराला क ३१२, ज २४३ करिंद ग ४३८ करियाों ग ४३६ करिखनुहाँ ज ४८१ करिया ख ३०, ङ ५६७, ज ४८० स्र करियाई ख ३२ करियारी क १८३, घ १६२, घ ४७६ करिहाँव ग ७८ करी ग ४३५ करीना भा १५७ करोब ज ६६५ करोब करीब ज १६५ करीम क ११२, क ५२२ करील घ ७४ करशा रू ६१ करुशाई छ ६२ करण्य क ११२, क ४४७, ख १७६ करणा ज १६ कठगानिधान ज २२ करगानिधि ज २२ कह्णामय ज २२ करेशु ग ४३५ करेग्राका ग ४३६

करेखा घ २६६

करेजा ग ११०, ग १३३

करैव ग ५६६ करेला घ २८१ करैली व २८१ करोचना व ५७८ करोड़ ख ६३४ करोहपति ख ४०५ अ करोदना च प्रश्द करोना ज ५७८, ज ८६६ करौंदा घ ४८ करौली इ ४०६ कर्कधु घ ४२ कर्क ग ५६२, ङ ३२६, च ५८, च ६६ कर्कर ग ६४१, च ६२ कर्कटी ग ५५८, घ ८१, घ १६६, घ ३७२, ₹ १०२ क्की ह ४४५ कर्करेट्ट ग ६३६ वर्कशा च १६०, ड ४०६, ज ५८० कर्कशता ज ५८२ कर्कशा भा ६५ ककीटक क ३२८, क ३२६, क ३३६, क 388 कर्चुर घ १५५, घ ४४८ कही इस्ट ४३५ कर्ज ख ३६८ कर्ज उतारना ख ४०१ कर्ज लाना ख ४०० कर्जलोर ख ३६६ कर्ज चुकाना ख ४०१ कर्जदार ग ४२४ कर्ण क १३०, क ३००, क ४३८. स ५८२. ग २६, च ४६५ कर्णकुहर ग३०

कर्यगोचर करना च ६०१

कर्चा छिद्र ग ३०

कर्याधार ग ३४१

कर्यापाश ङ ३४१

कर्याफूल ङ ३३०

कर्यावेध क ६८

किंगिका ग ४४३, ग ७२, घ ३६८, ङ ३३०

कर्तन करना च ८८०

कर्तनो ङ ५२५

कर्तरिका क प्रश्प

कर्तरी क ४०६, क ५२५

कर्तरी चलाना व ८८०

कर्तव्य ज ६५२, ज ६६१

कर्तव्यविमूद होना ज ६०४

कर्ताक ११२

कर्तार क ११२

कर्दम च २८५, ज ३०४

कर्पट क २१८, इ २२१

कर्पहिका क १००

कर्पर ग १०१

कपूर घ १५७

कर्बर क ३४६, ख ४८, घ ४४८

कर्म व ४५७

कर्म इद्रियाँ ग १३६

कर्मकर क ३१७

कर्मकव्य सहना क ३२५

कर्मकार ग १२६, ग १८३, ग ४८३

कर्मचारी ल ३७५, ब ६५३

कर्मठ व ६५६, म २८८

कर्मनाशा च ३०६

कर्मशूर का २८८

कर्मिष्ठ च ६५६

कर्मी व ६५६

40--- 20

कर्मेन्द्रिय ग १३५

कर्म्य व ६६१

कर्य च ६६१

करीं ज ५८६

कर्रा करना च ५६०

करीना भ ३७०

कर्पना भ ३६७

कर्षित होना क २७५

कलक क ३१०, भ्र ३७४, ज३१४, ज३६७

कलकित च १६०, च ३१२, च ३१५

कलंकी क ४४८, च ३१५

कलंडर ख ६५१

कल ख ६८, ख ५४७, घ ७५, इ ५५६, च

१४०, छ १२६, छ १८५, छ १८६, छ

१८८, ज १३३

कलई घ ४५७

कलउ छ २१

कलकठ क १२८, ग६०७, ग ६०६, ग

६१३, ग६३३. ग६५७, ग६६३

कलक ख ३०७

कलदत्ता भ ४७७

बलकल ज रदह

कलकलाना भ ६८, भ १००

कलगाव ४२६

कलगीना क प्रदर

कलछा र ४३५

बललां ह ४३४, इ ४३५

कलकुल ६ ४३५

कलबुग छ २१

क्लन्न ग ४, ग ७८, य ८०, ग २२५

कनधूत घ ४४६

कलधीत च ४४८, च ४४६

कलन घ ६२

कलप ङ ३३४ कलपना ग १२० कलम स ३०७, घ २३०, छ २०२ कलम करना ख २६४ कलमल स ३७ स ३०४ क्लमना च ८८० कलमा व २३५ कलमी घ २३५ कलमहाँ ज ४८१ कलरव ग ६१३, ज ५८६ ग ६३३ कलवरिया च २०८ बलवार स ३३६ कलवारिन ग ३४० कलश ग ४२, ङ ४५२, ङ ४५३ कलहस ग६०७, ग६४३ कल€ातरिता ख १५८ कलह भा २६२, ज ६४३ कलइ करना ज २८० कलहकारियों भा ६५ कलहकारी ज २८१ कलहप्रिय ग ६२४ ज २८१ कलइप्रिया भ ६५ कलहा ज २८१ कलहारी ज २८१ कलिन स ६५ कलहिनां भ ६५ कसाख १, ख ३, ख २६१, च ६, च २६६ कलाकार ख ४ कलात्मक ख १३० कलाधर क १६५ क ३०७ क्लानाय क ३०७ कलानिधिक ३०७ रलापडित ख ४

कलाप क ३०७, ग ६११, क ३२७, क ४११, व १२४ कलापक अ ६२४ कलापच ख १७८ कलापिनी ग ६१०, छ १४३ कलापी ग ६०६, ग ६१३ कलाभृत के ३०७ कलामनाषो ख ४ कलार ग ३३६ कलारिन ग ३४० कलावती मा ५६ कलाविद ख ४ कलिंग ग ६६५, ग ६६७, घ ७७, घ १५२, म ३७८ कलिद क २६७, घ १६२, घ ३७८ कलिंदजा च २६२ कलिंदी च रहर किला छा २१ कलिका घ २७ कलिकाल छ २१ कलित ब ४६३ कलिमल ज ३०४ कलियारी घ १६२ कलिय्ग छ १७, छ २१ कलिक्षारी घ १६२ कली घर४ कळूप ग ४८६, ब ३०४, ब ३१४, ब ५४५ कल्लपता ज ५४५ कळ्ळाधित ज ३१५, ज ५४२ कल्लाची ज ३१५, ज ५४३ कलंडर ख ६५१ कलेऊ ड ४१ कलेक करना भ ११२

कलेजा ग ११०, ग १३३

कलेवर ग १२

कलेवा रू ४१

कलेवा करना भ ११२

कलोट क रद्ध

कलोर ग ४७३

कलौजी क ८६, क १०५

कल्क ज ३०४

कल्किक १५४, क १५५, क ४४७

कल्किन् क ४४८ कल्कियुग छ २१

करूप क ५५५, ख २३७, क २०५, छ २२,

छ २५, छ १३६

महातब म २४१

कल्यद्रुम क २४१

कल्पना ज ६६६

कल्पना करना ज ६६८

कल्पपारप क २४१

कल्पलता क २४१

मह्पवृत्व क २४१, घ १६२, घ ४८२

कल्पात करना क १७१ क १७२

कल्पावतम क ५८७

कहिपत अ ६७०

कलमय ब ३०४

कस्या ग ४७३, ङ २०५

करुयाया च ४४८

कस्याग्कारी च ४७८

कल्याची क १६४ क १६८, ग ४६६,

ष १४१, ज ४७८, भ ५६

कल्ला घरर, घर४

कल्लोल च २७८

事務 質 化二头 質 化二氧

कह्यारना भ ६४

कवच स ४०८

कवियत्री स्व १७२

कवर क ७५

कवरी ग ४२

कवल ग ४४६, क ७५

कवलगट्टा घ २७०

कवॉच घ २६३

कवायद ख २१६

क वायददाँ ख २१७

कविक १२३, क ४५३, ख १२७ ख १७१, च २०

कविता ख १६८, ख १६८

कविता करना ख १६६

कवित्त ख २०३

कविराच क १७, ख ५३८

कवांद क १७

कश न २६२

करोक घ १२३

कश्मल ज ३०४

कश्मीर च १२५

कश्मीरज द १०

कश्मीरी इर १०

कश्यप क ४४०, च ७३

कश्पवदेश च १५५

कष सारपंज, इत्प्र

कवा इ ३६६

कषाय घ ७१, ङ ४३, ङ ५४

कषायी च ५६, घ ७५

क्षाल ज ६२४

कष्ट स ४३५, स ४८४, स ५०

बह्बर संगना ज ४७०

कष्टकर होना ज ४७०

कष्ट देना व ५५

कष्टी ज ५३

कष्टित करना

कष्टित करना ज ५५ क्ष ख २५०, ङ ५२०, ज ५७१ कसक ख ८४३ करकाना च ४७०, स ३७७ कसक होना ख ४८२ कसकुट ग ३२१ कसनी ख २५० करना ख २५४ कसवाच १३५ क्सबिन ख १२४, ग ३६७ कसबी ख १२४ कतम क ४२३ क्षमसाना ज २३२ कसर ज ३६७ कसरत ङ ३७३ आ कसरतिहा ग ४०६ कसरती ग ४०६ कराई म ३६३, ज २४ क्लाबलाना च २२५ क्रमाईखाना च २२५ कसाव क ५४ कसूर घर५६, ज ३१६, भ २२० कस्रमद ज ३१८ कसुरवार ज ३१२ कसेरू व ३१६ करोला रू ५४ करें सापन ङ ५५ करीलो ङ १६२ बसोस ङ ४५८, ङ ४४१, ङ ४५७

कसौटी सा २५०, रू ५२०

इसीटो पर रखना स २५४

काइट व ४५६

अस्तूरी ङ ११

कस्तूरा ग ५१५ कस्तूरानामि ग ५१२ कस्साई ग ३६३ कहकहा ज ६२६ क्रहकहाना ज ६३० क्रहकहा मारना ज ६३० क्रहकहा लगाना ज ६३० क्रहत छ ५ कहतरी ह ४५६ कइत्त ख २३४ क्रहद ख ५ कहन ख २३४, ब ६१४ कहनउत ज ६१४ कहना ख २७८, ज ६१६, भ २४०, म २४१ कहनाउत ख २३४, ज ६१४ कइवा ङ १६४ कहाँ ज ६६२ कहा ज ६१४, भ २४० कहानी ख १३६, ख २०४, ख २०८ कहानोकार ख १२७ कहार ग २०६, ग रद, घ ४०७, कहारिन ग ३०६, ग ३१०, ग ३८४ कहावत ख २३४ ज ६१४ कहादुश्रा ज ६१५ कहिया छ ११ कहीं ज १६५ कहीं श्रीर ज १६३ कहीं कहीं ज ५०% कहुना ज ६१० कहूँ व ६६५ कहा व ६१७

काचा च १३८. भ ३७१

कांची ज १४० कॉल ग ५७ कांग्रेस सा इ३६, सा ३४६ काँच ख ४७२, घ ६०१ काचन घ ३६०, घ ४०६, घ ४४८ काचनक घ ४७३, ङ ६३ कॉचिया नमक ङ ३४ कांचीपुरी च ११२ काँजी ङ १६७, च ११२ कॉजीघर च १६१ काजावःम च ११ः काँबीहाउस च १६१ कॉटा च २५, ड ५३७, ड ५४७, ड ५५१ इ ५७२ काँटी ङ २३४ काइ ख २६६, घ १६, च २६२, ज ८७६ काँड्ना ज ८२०, च २४७, भ ३२१ कांत क १३४, क १६५, क २०७, क २६६ गरर४, ग६२४. चर६७, घ४५१, ₹ 20 कांतर ग ५७४, घ ११ कांता ग४, ग२२५, ङ ७८ कातार घ ११, च ४४३ काति क ३०२, क ३०६, ख १६३, स १६२, ब ४४८, छ ५८७, ज ४६७, म १७१ कातिमान छ रदः कातिमान होना छ २८६ कांतिहोन क १२८ कातिहीन होना क १३२ कांतियुक्त होना खु २८६ काँदा ४ ३१४

काँवव च रूप्र

काँदो च रद्भ काँघर क ३६६ काषी ग ३६ कॉना ज १७ कॉप ग ४४६, ङ ३४२ काँपना ज २३४, ज २४५, ज ६८०, च ७१६, भ १४५ काँय काँय ज ५८% कॉव कॉव ज ५८६ कॉमा घ ४५६ काँस्य घ ४५६ काक ग ६५४, ग ६२२ काकछदिंग ६६३ काकतंद्वी घ १७१ काकपच्छ ग ३७ काकलो ख ६८ काका ग १८७, च ३५१ काकानश्रा ग ६१८ काकी ग १८८ काकुतस्थ क ३६६ बाकुल ग ३७ काग ग ६५४ काराज़ ख ३०५ यागद स्व ३०५ कागभुश्ंडि क ३८७, ज ४६५ कागर च ६८१ काशा ग ६५४ काच घ ६०१, ड १५, ड ५४० काचलनगा ह ३४ काळा क १०४, ड २५८ काछिन ग ३०८ कार्ची ग ३०७ माज ज ६५२

काबर ङ ३०१ काबल ङ ३०१ काजू घ ३६२ काट च ३०७ काट खाना भ १२६ काट छाँट च ८८३ काटखाँट करना च ८८० कारना ग १५८, ग ५५५, छ ३, ज ८५३, ब ८८० भी रेट१ काठ घ १८ काठ मार जाना ज ६०४, भ ४४१ काठ होना भ १४५ काठी ङ ३६३ कादना ज ७४७, ज ८५१, क ७४ शहा ल ४४०, व ७४८ कारा ग ६५७, व ४६५ कातर व २३७, ज २३६, क २७४ कातरता ज १६, ज २२४, ज २३६, ज २४१ कातिक छ ५३ कातिव ग ४०५ कातिल ग ३७३ कान्यायन क ५७८ कात्यायत्री क १८५, क १६४, क १६६ क २०२ कादम्ब ग ६४३ कादनरी स २०००, स ६१३, स ६२४ ङ २०५, छ १४३ कादं वेनी 👸 २४१ कादर क २७४ कादरता ख ३६१, भ २७६ कान य २६, ग १३६, घ ४४४, ड ३४१ कानसञ्जूरा ग ५७४ कान खड़ा होना घ २०६

कान देना स ६०१ कानन घ ११, ङ ३५२ कानपूरी ऋाटा ङ ६६ काना व ६०, व ४६५ कानाफूसी व ६२४ कानो ग ७४ कानून भा १७८ कानूनदाँ भ १७६ कानूनों का १७६, का १८०, का १८५ कान्द्र क ३६६, ग ३६ कापालिक क ११, क १६५ कापी ख ३०२ कापुरुष ज २२० काफिया ख १६६ काफिया मिलाना ख १६६ काफी ङ १६४ काफा होना ज ६१६ काफूर होना ज ६७६ काफूरी ख रद काबालयत 🖷 ४०० काबा क परश काबिल न ३६.८ का।वले इतवार व २५५ काबिलेतारीफ व ३५८ काबु म १४६ काम क २७१, व ६५२ कामकराई ख ३६४ कामकाची च ३३२, च ४२१, च ६५६ कामकाज्ञ ३३२ कामचोर च ४४५, च ६६० कामजित क १६५ कामतक क २४१ कामद क ११२, क २७१

कामदार ग ३७५ कामदेव क २७१ कामधंधा भ १८५ कामधाम भ २८५ कामचेतु क २३५ घ ४८२ कामना च १३८, भ ३७१ कामनारहित स १४१ कामरिपु क १६५ कामरूप च १२४ कामवती घ ११३, क ५८ कामशास्त्र स ६५२ कामाचा च १२३ कामाची क १६४, क २०२, च १२३ कामाख्या च १२३, च १२४ कामारित ह २०४ कामात्र क ३०२ कामारिक १६५ कामिली ग४, घ ११३, अ ५८ कामिल ब ८७६ कामों क १३४, क २७१, क २०५, क ३०७ ग६२२, ग६३३, ग६३६, ग६४०, व १४०, व ३०२, व ४२१ श्र कामुक क २७१, ग ६२२, ग ६३८, घ ४११, प ४३१, स १४०, स ३०२, काय ग १२ कायथ ग ३०३ कार्यायन ग ३०४ कायदा ब २६७, भ १५७, भ १६१, 环 205. कायकल च १६४ बायममुकाम क २५६ कायर क २१८, च २३६, म २७४

कायस्य रा ३०३

कायरता च २४१, क २७६ काया ग १२, ग १०२ कायिक ख १८७, ग १२ श्र कार स १८४ . कारकुर्निदा ग ३७५ काराज ज ६५२ कारड ख ३१६ कारया क १३४, क १६५, क ३२६, ख ६५३, का ३७१ कारणमाला ख १६० कारपरदाज़ ग ३७५ कारबार का २८५ कारवारों में २८६ कारा च १८३, भ २२२ कारागार च १८२ कारागृह च १८२ कारावास च १८२, च १८३, भ २२२ कारिंदा ग ३७५ कारी ग ३६८ अ कारांगर ग ४०६ क ३२२ कारोगरी भ ३२३ काररा ग ११७ कार्ड ल ३१६ कार्तिक ज २७, छ ५२, छ ७६, छ ७६ कासिकेय क १८७ कार्य ख १४३, ब ६५२, भ ३०३ कार्यव्यस्त आ ३:२ आ ४२१ अ कार्याधिकारी स ३६७ कार्याध्यश्च स १६७ कार्यावस्था स १४२ काल क २०५, क ३१८, ख ३०, ख ५८७, ग १५४, व ४७७, ङ १६, च २१, 🖷 १, **4.** 4 14

काली मिर्च इ ७१

कालकृट क १८३, घ ४७८ काल दोप करना छ ३ वालश ग ६४५ कालधर्म ब १५४ कालनाथ क १६५ कालनिशा छ १४६, छ २०५ कालपुरुष छ १ कालभैरव क १७० कालयापन करना छ ३ कालरा ख ५०८ कालरात्रि क १६६, क २०२, व्य २६, छ १४६, छ २०५ काला ख ३०. ख ३१. घ १२४, घ १५०, घ २०२, ङ ८६, घ ४८० काला नीरा ड ८६ कालातीत छ रद्रश काला नमक ङ ३३ कालापन ख ३२ कालाभुजंगा ख ३१ काला हिरन ग ५०८ कालिंद च ३७८ कालिंदी क ४१०, च २६२ कालि छ १८५, छ १८६ कालिक खु १५ कालिका क १६४, क १६८, क ५७५, क प्रष्ट्, ग २१, ह ८६ कः लिमा ख ३२ कालिय क ३३६, क ३४२ काली क १८५, क १६४, क २०१, क ३१२ क ३४२ ल ३०६, घ १२४ काली घटा छ २४४ कास्तीन ङ २८६ काली नाग क ३४२

कालेज ख २७४ काल्पनिक घ ६७० काल्इ छ १८४, छ १८६ कावेरी इ. ६० काव्य क ४५३, ख २, ख १३४, ख १६८, च २० काव्य करना ख १६६ काव्यकार ख १२७, ख १७१ काव्यपत्त ख १७८ कान्यप्रमी ख १७३ काव्य मर्मज्ञ ख १७३ काव्य मृह ख १७४ काव्यरासक ख १७३ काध्य-साधना ख १३१ काश ख ४८६ काशी क ५७, क ५८, च ११०, च ११३, काशीनाथ क १६५ काशीफल घरद्र काश्त भ ३०६ काश्तकार ग ३७६ काश्तकारी भा ३०६ काश्मीर घ १६०, च १६५ काल व १८ काश्मीरी भ ३५८ काष्ठकीट ग ५५१ काष्ठभेदक ग ५५१ कासनी ख ४६ काहिल च ४४५ कहिली अ ४४६ काही ल ४१, स ५५, घ १६७ किंकर ग ३८३

किंकरता भ २४६ किंकरी ग इद्य किंदर्सक्विविमृद होना च ६०४ किकिसी ङ ३३२, ड ३५६, ङ ३६० किंचित ज ६१० किंजलक म ३६० किंत्र व १०१२ किंपुरुष क २४६, ग २४६ किंबदन्ती भा ३८५ किंशक घ ७२ किकियाना ग १२०, ज ५६६ किचकिच ज ६११ ंकरकिट व ६११ किटकिटाना अ ६७ व २५६ कितना बार ख १०१० कितव ग ४१५ ड २०२, ब २६८ किताव ख २६६ कित्ति अ ३०३ किस्तो बार ज १०१० र्कनका ज ⊏६५ किनकी ज ८६५ किनारा च २८१, भ २६८ किन्नर क २०३, क २४३, क २४६, **4** 220 किपायत स ३६३ कियला ग १७४ किया अप ६६३ कियार च १०२ कियारा म ३१० कियारो क ३१० किरव स २६६, स ६१८, प ६ क्रिस्पिन स ३६० क्रिसीत व ४६६

किरात ग २६६. ग ३६४, घ १३५ किशतिनी घ १६३ किराया ख ४१२, ख ४१३, ख ४१४ किरिया में ४२३ किरीट क २२५. ख २०३, घ ८६, इ ३३७, इ ३३८ किरोटा क ४१७ किरौना ग ५४८ किलनी ग ५५० किल विष व ३०४ किलहरी ग६६७ किलाच १७२, च १७१ किल्ली ग ५५० ग ५२१ किल्विष ज ३०४ किवार च १६५ किशांमश घ ३५८ किशमिशी ख ५४ किशलय व २२, घ २३, घ २६ किशार ग २४७, ग ४२२ किस जाह ज ६६२ किसमत व ४५७ किस अमय छ ११ किममिस च ३४८ किसलय व २३, घ २६, घ २६, घ ३६३ किसान ग ३७६ किसानी अ ३०६ किसा समय इ. ६. व्ह प किसा स्थान पर च हरूप किस्मत च ४५७ किश्मतवर 🖷 🗸६० बोचर ग १२६ कीच च रदप दीचद च ८०

कीच्य ग १२६, च २८। कोचा च २८५ कीट ग ५३६, ग ५४८, ग ५८४, ग ६६८ कीटपतंग ग ६६८ कीका स ५३६, स ५४८, स ५५४, स ५५८ कीडा-मकोड़ा ग ५३६ कोड़ी ग ४४२ कोनना क २६१ कीमत ख ४०८ कीमती ख ४०६ कीमती पत्थर घ ४५० कीराग ६१७ कीरति ज ३४२ कीरतिकुमारी क ४०० कीर्तन क ४३, क ७३ कीर्तन दरना क ४४ कोर्ति च ३४२ कीर्तिमान व ३५३ कीर्तिस्तवन क ४३ कील ङ ३२६ ङ ३४३ छ २८० कोलना ज ८७४ कीला व १८८ कीश ग ५२४, ग ५६८ कुंत्रर ग २४७ संह व ४०८ कांचेका रू ८७ क्चित च ६०, च ४८८ कंचित केश ग ३६ केंब च १४२ क्षन छ ६४८ कंबर ग ४३५, घ २०४ कंबरां ग ४३६

कंबी ख १००, ङ ५४२

कंड ग २४६, क ४३१, च ३१० कुंडल क १६७, क ३१०, क १४०, **₹** ₹**₹** कंडलाकार ज ५८४ कंडलिनी क २८६, घ १७८, ह १८० कंडलिया स २०३ कंडली क १३४, क २८६, ग ४५८, ग६०६, घ १७८, घ २६३ कुंडा रू ५४४, व ४६८ कंडो क १०३, इ ४/४ कंत क ३ ११, क ४१४ कंतल ग ३७, ग ३६ कंती क २६२, क ३१४, क ४११, घ २७, ध १७७ नूद क १३४, घ ४१४, घ ४१६ कंदलेशन ज ३६४ कं: नाइनी म ३६६ कंदन घ ४४८ कंदरन म २६५ कदा ग ५६६ कंम च ४६, च ६६, छ २१४ कुंभकार ग ३२३, ग ६४४ कुंभच क ४४०, क ४६४, क ४६७ क्मजात क ४८०, क ४६४, क ४६७ कमी घ १०६, घ १६४, घ १७७, ह ५७२, छ २१५ कुंभीपाक क १२३ कुंभीर ग ५७६, ग ४८० कुँवर ग २४७ कुँवरि ख ३५५ कुँगरी छ ५२ कुच ६० क्रॅंब्रॉ च ३०७

कुमाँ च ३०७ कुकर्म च २६६, च ३१० कुकमी ज ३१, व ३०२, व ३१२ कुकुढ़ी प २४६ कुकर ग ५१६, घ २०१ कुकुरमुत्ता व ३०१ कुक्कुट ग ६४४, ग ६४५ कुक्कुर ग प्र६ कुच ग ४२ कुचि ग ५२, म ११३ कुरुयात च ३५० कुस्याति च १५६, च ३५२ कुच ग ५० इचलना म धर०, का २४७, का ३२१ कुनिला घ ४७६ कुछ व ६१० कुटकी घ १६६ क्टब क ४४०, घ १५२, घ १६७ **इ**टनो ग २७५, ङ ८४ इटिया च १४२ कुटिल ल २३०, घ ११०, ब ६०, ष २६८, स ४८८ कुटिलता व ६२, व २६६ कुटिलपन च २६६ इटिल होना च ६३ कुटिलाई म १६६ कुटिलाई करना व २७० कुटी च १४२ बुटीर च १४२ इड्डम्ब ग ३००, भा १ इड्डम्बी क १०८ **इ**टेव च ४०३

इस्मिति सा १६४

कुंडिका क ५५८ कुठारपाशि क ४४४ कुइमाई ग १५१ कुडील व ४६५ कुड्मल क ३२२, घ २७ कुद्रन च २५८, च २६२ कुद्दना च ६७, च २५६ कुढ़ाना च २६० कुराप ग १५६, घ ४५७ कुतरना च ८८० कुतवाना ब ६१७ कुतिया ग ५१७ कुत्रवखाना चर११ कुत्रल स १६४ कुत्ता ग ५१६ कुत्तो ग ५१७ कुत्र व ६६२ कुन्सित च १६०, च ३०२ कुत्सितरूप व ४६५ कुदकना च ६८३ कुदाल घ ४४६, ह ५३० कुदाली ड ५३० कुन्बिन ग ३२६ कुनमी ग ३२५ कुपथ व ११, च २४३ कुपथगामी 🕊 ३०२ कुपित च ४०, च ६५ कुपुत्र ग २५२ कुप्पा इ ४७८ कुषी ङ ४७८ कुपथ्य भ १५८ कुवबा व ५३० कुवड़ा व ६०, व ५३०

कुबड़ी ब ५३०, मा ६३ कुबरा च ५३० कुबरी भा ६३ कुबेर क २५५ कुबेरपुरी क २७० कुन्ज ह १६, ज ६०, ज ५३० कुल्बा च ५३०, भ ६३, भ १४६ कुभाग्यशाली च ४६१ कुभी ग ४३५, ग ५८० कुमकुम ड ३२१ कुमरी ग६६०, ग६६७ कुमाता ग १८३ कुमार क रह्ह, क ३११, ग २४७, गरप्र०, गरम्प्र, ग ६१७, क २६, 开 30 कुमारपन भ २७ कुमारिका ग २६०, ङ ७८ कुमारी क १८५, क १६४, क १६८, ग २६०, घ ३६८, च ६४, अ ४३ कुमार्ग च २४३ कुमार्गी ज ३०२ क्रमुद क १३४, व ३६५, घ ४०७, घ ४०८, म ४४६, च दद कुमुदबंधु क ३०७ कुमुदिनी व ४०७, घ ४०८ कुमुदिनीपति क ३०७ कुमोदिनी ५ ४०७, घ ४०८ कुम्मैत ग ४६३ कुम्हड़ा व रत्य, व रदह कुम्हार ग ३२३ कुम्हारिन ग ३२४ कुरंग ग ४६३, ग ५०५, घ ४५८

कुरता इ २४३

कुरती ड २५१, ड २७० कुरमिन ग ३२६ कुरभी ग ३२५ कुररी ग ६३१ कुरवक घ४११, घ४१२ कुरसी इ ५०६ कुराइ च २४३ कुरान क ६०१, क ६०४ कुर ग ६६७ कु ६ई ड ४७० करूप ज ४६५ कुरूपता ब ४६८ कुरेदना ज ५७८, च ८५३, च ८६६ कुरैया घ १६७ कुत्ति इ २४३, इ २४५ कुर्सी ह ५०६ कुल जन घ १६⊏ कुल ख ५५८, ग १२, ग ३००, ज ६२४, ज ८६०, भ १ कुलकलंक म ६४ कुलकलं किनी भ ६४ कुलगर्विता ख १५६ कुलटा ख १६७, भ ६६ क्रलथी घर४२ कुलपति क ७६ कुलपा घ ३३७ कुलबुलाहर व १५ कुलबोरन भ ६४ कुलवत भ २ कुलवती ग २७३ कुलवध् ग २७२, ग २७३ कुलवती ग २७३ कुलवान भा २

कुलइवरा ङ २७६ कुलही ङ २३६ कुलाँच च ६८१ कुलाल ग ३२३, ग ६४४, ग ६५२ कुलिश क २३६, घ ४८५ कुली ग ३८६, घ १६६ कुलीन भा र कुळुंद ङ ५४४१ कुमाष ह १४६, ह १६७ कुरला ग ४६३ कुल्ला करना ग ११६, भ १२० कुल्लो ग ४६३ कुल्ब्ब ग १०५, ङ ४५६ कुरुहा ग १०५ कुश्हाकी ङ ५१२ कुह्निद्यां ङ ५१८ इवरहा घ पर इबलय घ ४०७, घ ४०८ क्वार क् प्रश बुवेर च ७८ क्ष चहर, च २६२, घ ११६ कुरात च ३६३, च ३६७, च ४७६ क्षलचेन म ४७६ कुशलता च ३६५, च ३६८, च ४७६ क्रालमगल च ४५६ क्यासन क ५०८ इयानगर क ४६७ कुरती भा ३२६ FE A YEA कुष्मांड घरत्र, चरत्र कुरुंभी स ६१ कुरुमय ह ६

इसंभी क ११३

कुसुम ग १२८, घ ३८१, भ ३३३ कुसुमाकर छ ८४ कुसुमपुर च ११८ कुमुमश्रर क २७१ कुसुमायुष क २७१ कुसुमित घ ३८२ कुहंदा घ रूप् कुहक क ३३६ कुहुक च ६४८ कुहुकना ब ६४७ कुहर च १६४, च २५० कुर्रा छ २५६ कुहामा छ २५६ कुहू छ १११, च ६४६, च ६४८ कुई घ ४०७ क्चना ब ५२०, भ ३२१ क्वो स १६ कूँच ग ६२६, अ ६४८ क्षेत्रना ग ६१४, व ६४७ कुश्राँच ३०७ कृत व ६४६, ज ६४८ क्कना ग ६१४, व ६४६, ब ६४७ क्चा इ ४७३, च १३७, च २४४, अ ५५३ कुन ज प्रद्र क्जना ज ६४७ कुत्राम ३६८ बूट घ २६६, च २४८, च २४६ क्टना ल ५५२, ग १५६, अ ३२१ क्टस्य क ११२, ग६, घ ११६ कुटू म २६६ कूतना व ६६४ क्देना ग ५२०, ज ६८३, च ६८४

क्दफाँद च ६८१ कृप च ३०७ कुबड़ ख ६२ क्बड़खाना च २२५ कूबर ज ५३० क्र ज ६८, ज २३६, ज २४३, ज ६६० क्रता च ७१, च २४१ कूरी ब ८०, भ ३ कूरी लगाना ज ८८७ कृचिकां ल १६ कूमें क १५४, क १५५, क ४४६, क ५७४, ग ५६४, च ६० कूल च २८१, च ३१३ कुल्हा ग १०५ कुकलास ज ५३० कुरुकु ब ३०४ क्रच्कू क ३२६ कृत छ १८, ज ६६३ कृतकन ज ३१, च २६४ कृतधता ज २६६ कृतध्नी व २६४ कृतज्ञ ज ३२, ज २६५ कृतशता च २६७ कृतयुग छ १८ इतात क २०७, क ३१७, ग १५४, व ३०४ कृति क १३४, ग ५११, अ ६५२ कृती ज ३६३ कृतिहा च २७ कृत्य क ६७, ब६५२ कृत्रिम ङ ३४, अ ३८६ कृत्रिमता व ३८८ कृपण ख ३६०

कृपयाता ख ३६१

कृपग्रता करना ख ३६२ कृपया च २७ कुपा ज १६ कुपा करना ज २५ कृपाग इ ४०६ कृपाणी ङ ५२५ कृपापात्र ज २६ कृपापूर्वक व २७ कुपायतन ज २२ कृपालु ज २२ कृपालुता ज १६ कृपिन ख ३६० कृपिनता करना ख ३६२ कृषिनाई ख ३६१ कृषिनाई करना ख १६२ कृमि ग ५३६ कृमिध्न घ ७२ कृमिध्नी ड ६०, ड १६६ कृमिभोबन क ३२३ क्रा ज ४२६, ज ४६६, ज ५०३ कुशकाय च ४६६ कृशता ख ५३७, कुशाग ज ४६६ क्षशानु क २४४, क ३११ क्रशानुरेता क १६५ कृशित च ४६६ क्रशादरी भ ६१ क्षप ज ४२६, च ४६६, ज ५०३ कुषक ग ३७६ कृषता च ६१२ कुषताई च ६१२ कृपत्व ज ६१२ कृषि ग १३४, भ ३०६

केकीशिखाग६११

कृषिका ङ ५२७ कृषिबीवी ग ३७६

किया क १३४, क १५४, क १५५, क ३६६, क ४१७, क ४६१, क ५५८, ख ३०, ख ४६, ग ६१३, ग ६५४, घ १२४, घ १४०, घ १८८, घ २४३, घ २६४, ङ ८६, ङ ३०५, ङ ५२०, च २६२, ख ८८

कृष्णगीता क प्रतः कृष्णत्वसी घ ११२ कृष्णदेपायन क ४६१ कृष्णपद्म ख ८७, ख ८८ कृष्ण नगरी च ११५ कृष्ण यजुर्वेद क प्र४८ श्र कृष्णपुग छ १६

कृष्यलवया ङ ३३ कृष्यलोहित म ३३१ कृष्यवर्या च ८५, च ४८० स्र कृष्यस्या क ४१७ कृष्यास्ट्रमी ख २१२

कृष्णाक ४१८, घ ११२, घ १६६, घ ११६, भ १४३, च २६८

कृष्या नदी च २६८ कृष्या व्ही च २६८

केंक्या ग प्रहर केंक्या ग प्रहर

केंबुली ग ५६६

केंद्र च १२६

केषई क ३७८

केक्का ग ५६२ केक्काकिंगों च १६६

के की ग ६०६

केतको घ १७०, घ ३६६ वेतन इ४०२, च१, च१४० केतु रू ४०२, च ५, च ७२, च २२ केदली च ३४६ केदार घ २३०, च १०२, भ ३१० केदारनाथ क ५८ केन क प्रयूद केयूर ड ३३३, ङ ३५० केराया ख ४१२, ख ४१३, ख ४१४ केराव घ २५८ केला घ ३४६, ङ २२६ नेलिक र⊏७, ख १६४ केलिकरना क २:६ वेवट ग २६६, ग ३४१, च ३०७ केवड़ा भ १७०, घ ३६६, घ ४०० केवल घरश्च केशॅच ध २६३ फेवाड च १६५ वेवाडी च १६४ वेश क १२४, क २८६, क २६७, ग ३७ केशकर्म ग १४६. भ ७४ केशकीट ग ५५४ केशपाश ग ३८ केशर घ १२२, घ १६०, ङ १० केशरी ग ४५२, ग ४६४ केशव क ११२, क १३४, क ३६६ केशविन्यास भा ७४ वेश-विन्यास करना भ ७६

केशिनो क ३६२

केसिंगा ख ३७

केसरी ग ४६४, घ १२२

केसर ग ४६४, ङ १०, घ ४२०, ङ ६०

केहरी ग ४६४, ग ४५२ केहनी ग प्रद कैंची ङ प्रश्प केंची करना च ८८० केख ४६६ के करना ख ५००, ज ८६६ कैकेयी क ३७८ कैटभ क १६४ कैटभजित क १३४ कैटव घ ४८६ कैत घ ५४ कैय घ ५४ क्रीट भा २२२ क्रैदलाना च १८२, भ २२२ क्रीदी ग ३७२, भ २२१ कैरव य ३६७, व ४०७ केंद्रवी ह ८७ कैरा ज ४६३ कैलाश क ५८, क १८२, क २६६, च २६७ कैलाशनाथ क १६५ कैलास क १८२. कैवर्त्त ग ३४१ कैश्रल्य क ५५८ कोचवान ग ४१२ कोंचाना ज ७३८, ज ७३६ कोंद्वा रू ५४४ कोंपल घ २२, घ २६ कोंहड़ा घरद्य, घरद६ कॉहार ग ३२३ कोंहारिन ग ३२४ कोइरिन ग ३०८ कोइरी ग ३०७ कोइलर ग ६१३

कोइला ङ ४२५ कोई घ४०७, घ४०८ कोक क १३४, ग ५१४, ग ५६३, ग ६२२, ङ ४२५ कोकनद घ ३८८, घ ३६५ कोकशास्त्र ख ६५२ कोका ग २१६, घ ४०७, घ४०८ को किल ग ६१३, घ ४२, छ ६८ कोल ग ५२, ग ११३ कोचना ज ७३६ कोचवान ग ४१२ कोट ङ २४७ च १३६, च १७२, च १७२, च १८६, ब ६२४ कोटर घ १५, घ १४३ कांटि ख ६३४, ज ६२४, कोटिक ख ६३४ कोट्याघोश स ४०५ श्र कोठ ख ४६४ कोठरी[ं]च १४८ कोठा ग ११४, च १४६, च २६६ कोटी च १४१ कोइर घ न्यू कोड़ा ग ५५२, इ ३६६ कोड़ी ल ६२६, ज ६३२ कोढ़ ख ४६४ कांग्राग २० कोतवाली च अद्य कोताइ ज ४२६ कोताहो ज ६१२, ज ४२८ कोदंड ह ४०६, च ६७ कोदो घ २३६ कोन च ८६

कोन करना मत ३११

कोना च ८६ कोप स हर, स १७२ कोपगृह च १७६ कोपना ज ४२, ज ६६ कोपल घ २४ कोपित ज ६४ कोमल घ ३८६, ज ६६, ज ४६३ कोशल करना च ७२ कोमलता 💆 ७० कोमलागी भ ५७ कोयल ग ६१३ कोयला ङ ४२५ कोया ग २० कोर ड २११ कोरक ग ६२७, ग ६२१, घ २७, घ ३८६, इ १६ कारा ङ २११, च ८६ कोरापन छ १७७ कोरिज ६२४ कोरी ग३५६ कार्ट च २२४ कोल ग २६६, ग ३६%, ग ५२३, घ ४५ ए ७६, इ. ३८१, इ. ४२५, च.२१ कोलाइल ज ५८६ ताताहल करना व ४६० गन, च (४३ कार कर १ % अ देवन भेगा घर ५ स ६२४ भाशभार ग ४४३, घ २४६ 新TT OLE THE \$ \$ \$ \$ मन १८१ काष क न्द्रु, स ६०३, च २१५ あけて こうとど

40 -- 28

कोच्डबद्धता ख ४६८ कोसना च १७४ कोह च २४८, ख ८६ कोइड़ा घ २८६ कोइहापाग ङ १८५ कोइनी ग पू कोहाँइन ग ३२४ कोहाना ब ६६ कौंच छ २५५ कौंबा छ २५४, छ २५५ कौत्रा ग ६५४ कौटिल्य घ ३०५ कौड़ी घ६०५, घ४६५, क ३२८ की खप क ३४६ कीय छ ६४ कौपीन क १०४, इ २४८ कौमल्य ज ७० कौमुदी च १६, छ १४५, छ २०५ कौमोदकी क १३६ कीर ल ७४ कौल इ ७६, भ २, भ ४२७ कौल करना भ ४०% कौवा ग ६३४ कौबाठ टी घ । ११ कौवा ह'ा। क ५ ७ कौशल ज २६८ शीशलपति क ३६८ नौशल्या क ६६६ कौशार्ज + ४= १ कौशिक के २२३, के ४६३ स ६५२, व १७३ कौशिल्या क ३६६ कीयोतकी क प्रप्र कौरतभ क १४७

कौरत्रभमिशा घ ४८२ क्यारो भ ३१० कतुक ८१, क १३४, क २०५, ग६, B 84 कत्पशु ग ४५२ कत्भुक् क २०७ कम भ ४३५ कमबद्ध भ १८१ क्रमशः ज १०१५, भ ४३६ कमागत ज ६५४ क्रमान्सार के ४३६ क्रामिक अ ६५४, में ४३६ क्रय-विक्रय भ २६३ क्रथ्य क २६४ क्रब्य ग ६१ क्रव्याद क ३४६, ग ४६४, ग ६२५ कातदर्शी क ११२ क्राति का १७५ क्रांतिकारी ख ३४६, भ १७६, भ १७७ काइस्ट क ५०२ क्रिकेट इ ३६९ क्रिमिंग ५३६ किस्टमस छ २२८ किस्तान क ५०० शिक्ना ड ३६६ कीड़ा क रूड, ङ २६४ कीड़ा करना ङ ३६६ कांडालय च १७८ क्रीड्रास्थल च २०१ कीत भा २६५ कोतक भा ५६५ कड़ ज ६५ तर ग६२५, चर्ड, च६८८, का १६७

करता च २१, च ७१ कोइ ख ६३४, ग ४६, ग ७६, ग ४२३, ग ५८१, घ ४८३, च २१ क्रोध स्व १८६, ज ६३ क्रोध करना ज ६६ क्रोधित ज हथ क्रोधित होना ज ६६, ज ६७ क्रोधी ज ६४ कोच ग ६२६, ग ६३१, च ६३ कलर्क ग ४०५ क्लात ज ७५३ क्लात होना ज ७८१ क्लाति ज ७५२ क्लिंग्ट ख १५७, ब ६०, ज ६५८ क्लिब्टता ज ६२ क्लोव च २२० क्लोवत्व ज २२२ क्लेश ज ५०, भ ३८७ क्लेशित ज ५२ क्लोम ग १०२ क्वियात करना ख ६३ स्विधात होना ल ६२ क्वाथ खप्रप्र क्वार छ ३७, छ ५१, छ ७३, छ ७६ क्वारा भ २६ क्वारापन भ २७ च्या छ १, छ १२३, छ १२४ च्यादा ङ ६०, छ १४३ च्यामंगुर छ १४०, ज ८३२ विशिक क २१८, अ ८३२ चिंगिक हाना क २१६ चत ख ५२६

च्च ग २६२, च २६२ च्त्राणी ग २६३ च्त्रिय ग २६२, ग ३०१ चपा छ १४३ चपाकर क ३०७ ख्म ज ७ चमगीय ज १० च्मता ज ४०० च्यमना ब ६ च्याक र⊏, क १६४, क २६६, च ६०, ब ६ च्याई अ ४०० खमा करना ज ६ च्मा-रहित व 🖛 चमावान च ७ द्यमाशील ज ७ बमाश्रुत्व च ८ सम्य स १० द्वव स ४३५, ल ५२०, ग १५४, च १४१, च २६३, छ २२, ब ८२३ च्य करना व द१६ च्य होना च ८२२ ब्राग ७, ग १२, च २३६, व ८३२ चरना च ८११ द्याति च ६ कात्र ल २४२ ग २६२ ब्राम क १३४, ज ४६**६** चार क १०, क ४२६, ख १८० बिति हु २२, च ६० श्चितिब ग ५६७ क्ट्रिक २६७ चिम के १२४, के १५६, व ४४३ बिमता छ १५८, म ४४४

चित्रहस्त क ३११, छ १६४, च ४४८ चिप्रहस्तता छ १६२ चीगा ख ५४६, ज ४६६, क ४२ चीग्काय ज ४६६ र्जाणता ल ५३३, ल ५३७, ब ५०१ अई तर कीर ह १२३, ह १५५, च ४७, च २६२ चीरिष च २६४ खोरनिषि च ६६४ त्त्रगा ज ८७८ त्तुद्र ल ३६०, ज २६८, ज ४२६ जुद्रता व ४२८, व ४३०, व ४४१ चुषा भ ११३ शुघातुर भ ११४ द्धवाद्ध म ११४ चु बावंत भ ११४ चुषित भ ११४ च्चांघत होना क ११६ चुन्य व १३ चुरिका च ३२७, ड ५२३ स्रा क प्रव चेत्रग४, ग१२, ग२२५, 🗨 १, च १०२, च २०६, च २२२ चेत्रगांचन स ५५५ चेम ब ४ ३६, म १६८ बोगि च ६० वोबिप स ३४६ चोशो च ६० होभ ब १६, ब ६३, ब १३४, ब २४६ चोमित ज ६५, ज २२६, ज २३७ चौम इ २१८ चौमवन्त्र क २१६ चौर ग १४६

चौरकर्म ग १४६ इमा च ६० इनेड क १८३, ग ५६३,घ ४७८

ख

खखार ग १२६ खंबारना स ४८८ खंग घ ४५१, ड ४०६, च ४३८ खॅगारना छ २६०, ज ४४७ खंब ग ६६३, स ५३२ खँतरी ख ह्य खंबन ग ६६३ खंबर ङ ४०६. ड ४१५ खबरांट ग ६६३ मांड स ६४३, ट ३०, ए १७१, क २६६, च ७५, च १०६, छ १६६, ज ४२८, ज ८७६, ज ८८२ खंडकाव्य ख १७६ खंड खड करना च ८७३ खंड खंड होना च ८७२ खडहर च प्रद खंडित खु १६६, च ८७८ खंडित करना ब ८०३ वंडित होना च ८७२ खांडता स १४० खंती घ ४४६ खबक क भूहर सम ङ ५३६, च १६७ खमा ङ ५३६ सहनो ङ २०० चडराना स ४४७ लभेवा ग ४३८

सान २०७, क २४३, क २६७, क ३०७.

क ३१३, ग ५६८, ङ ४१२, च ४, च २६, छ २३६, छ २६३ लगना ज ७३८, ज ६१४ खगोल ख ६४७, च २, च ३ खरचर ग ४६६ खजाना घ ४४४, च १८१ खजुगहो क ४८७ खजूर घ ५६ खटकना ज १२५, भ ३७७ खटका ज २२४, ज २४६ खटपट स २७६ खटमल ग ५५२ खटाई ङ ५६, ङ ७७ खटाखट छ १५८, ज ४४३ खटास इ ५६ खटिया इ ४६६ खटोला इ ४६६, इ ५०१ खड़ा इ ५८ खट्टापन इ ५६ खड़ च ३११ खड्ग ? ४०६ ख़हपूरी इ ११७ खहबढ़ाना ह १८ खड़ाकें इ २६७, ङ २६६ खड़ा होना ज ७४६ खड़ी बोलो ख २२४ ख़तम ग १५८ खतम करना भ २१८ खतम होना च ६५५, ख ६१६, ब ६३८, A 8 3 8 ख़तरा ब २४६ खतरानी ग २६३, ग ३०२ खता च २१५, च ३११

खतीच २१५ खत्री ग ३०१

खदखदाना भ ६८

खदान घ ४४४

सदेबना न ६७४, ज ७४७

खदोना इ ४४६

खनोत क २६७, ग ६७१

खनक ग ५३२ खनना घ ४४५

खनिज घ ४४३

खनित्र घ ४४६, इ ५३०

खपड़ेल च १६८ खपत ख १८७ खपना ज ११६

खपरैल ज १६८

खफा च ३६, ज ४०. ज ६५

लपा करना अ ४४

खप्रत ज ३४१

खप्रती ज ३४०

लबर ज ८४०

वबरदार ज २०२

खबरदारी ज २०४, भ. १६८

लब्त भ ३४१

खब्ता स ३४०

खर ग ४६६, ग ४६७, ग ६५०, ग ६५४

खरगोश ग ५१६

खरचना स १८५, ज ८६७

खरचा स्व ३८७ खरम ख ६३६

खरजिरई घ १२२

सरबूजा च २७७

सासेवर ख ४७५

सरहा ग ५१६

लरा व ४१२

खराव व ३६५, व ४२१, व ४७६, व ६४६

खराव करना ज ५४८, ब ६४३

लराव होना ब ६४५

खराबी ख ४४१, ज ३१६, ख ३६७

खराश ज ८६७ खराशना ज ८६३ खरी ड २१४

खरी खोटी ब ६३६

खरो खोटी मुनाना अ ३६०

खरोदना भ २६१

वरीद-फरोखत भ २६३

खरीफ घ २२६ लरोंच ब ८६७ खराष्ट्री ख २२०

खरेचना ज ४७८, ज द€६

सच स ३८७, ख ४०८ लर्च भरना ल ३८५

लचोला ल ३८६

खपरग १०१

खर्गम १⊏३

खराच सा ३८६

वराटा मारना च ७६२

खर्रीटा लेना च ७६२

खर्राटे मरनः च ७६१

लर्वक २६६, च ६३६, च १६८८, अ ४३६ खल क २६७, ग ५१३, क १०, ७ २०१,

च ६०, ज २६८, भ १२०

खलक च १०३

खननली ज १५, ज १६, भर १७५

ब्रस्त व ४४५

ख़लल डामना अ ४५६

खिलपाइन ग ३३८

खलियान भ ३२०

खलियाना च ७२१, च ८०६, च ८५३

खली क १६५, इ २१५, च २६८

सनीता ङ ४६५, ङ ५५८

खलोती ड ४६६

खलीफ़ा ग ३३७

सल्वाट च ४८४

खस घ १७३

खसकना ज ६७६

खसकाना च ६७०

लसलस घ १६१

खसम ग २२४, ग ३८०

ससरा ख४४६, ख ४६५

खसोटना स ६०१, स ६३५, भ २१२

खस्सी ग ४६१

खाई च १६२

स्रांखर ज ५०५

स्रॉच च २८६

लांचा क ४६६

साँची ४ १६७

खाँब रू १७१, ह १७२

खादान ग ३००, भा १

लादानी भ २, भ द

खाँवाँ च ४०२

साँतना स ४८८

खाँसी ख ४८६

स्नाक रू ४२६

श्राक होना क १०४

बाकी भा ३३४

साञ्च स ४४८, स ४६५, म ६५२

सामा ङ १८३

बा बाना ब ७६३, भ ११८

साम्बा क १८३

खार ङ ४६६

खा डालना भ २१२

खाड़ी च २६८

खातमा ग १५४

खातिर ज ३४२

खातिरदारी ज ३४२

खातिरी ज १३३, ज ३४२

खाद ड ५३३

सादिम ग रद्र

खाद्य 😵 ३६

खान घ ४४८, इ ३८

खानदान ग ३००, भार

ख्रानदानी क २, क ⊏

खानपान 🗈 ६

खाना ख ४००, इ.३**६, इ.४०, च १**४०,

म ११७, म १२५, म ३०७

खाना पकाना भ ८६

खानि घ ४४४

खानिब प ४४३

लामोश न ६०८

खामोशी ज ६०६

खार घ २५, घ ६६, ज २६२

खारिक ज ८५५

खारो इ३५

खाला ग २११

खालिक क ५२२

खाली च ४२१ उ, ब ८०४

खालो करना ज ७२१, घ ८०६

खाल्यू ग २१०

साविंद ग २२४, ग ३८०

खिंच जाना क २७५

सिंचड़ी ङ १०७, स २१८

खिचवाना भ ३६८

खिंचाई भ ३६६ खिंचाना म ३६८ खिंचाव क २७६, भ ३६६ सिचड़ी ङ १०७, छ २१८ खिजमतिया ग १८२, ग ३८८ स्विजलाइट ज २५८ ख़िनाँ छ ⊏२ खिजाब छ ३१७ खिभ ज २५८ खिभाना ज २६० खिइकी च १६६ खिताब भ २५३ खिताच १०४ ख़िदमत भ २४६ खिदमतगार ग रद्भा र दद खिदमदगारी क २४६ खिन्न ख ४०५, ज ३६, ज ४०, ज ५६. अ २२६ खिन्नताक २८१, ज ३४, ज ५७ खिन्न होना क २८० खियाना ज ६३८ खिल उठना न ६४६ खिलकत च १०३, ज ६२४ खिलखिलाना च ६३०, ब ६४६ जिलना ब ४१, ब ८५४, भ ३१६, भ ३६८ खिलवाड ह ३६४ खिला ज ३६ खिलाडी ग ४१४ सिलाना भ २०० क्लिलाफ़ च १८५, च ४२१ सिलीना क ३७०

खिल्ली क १६१

खिसकना च ६७६

खिसकाना ज ६७० खिसियाना ज १६ खिसौंइर ज ६५. ज ३२२ खींच भा ६६६ खींचना क २७४, ख १५, ज ४७२, ब ८६६, ज दहह, ज हरूप, म रहें खील ज २५६ खोजना ज ६७, ज २५६ खोभ ज २५८ र्खाभ्तना ज ४२, ज ६७, ज २५६ खीर घ ५३, ट ११३ स्वीरा घ ३७४ खील ड १४७, ड१४६ खीला द १४७ लीस ज ३४. ज ६३ खीसा इ ५५८ खुक्खा ज ८०४ खुजलाना ख ४४७ ख्बलाहर ल ४४८ खनली ख ४४८ खुटका ज २२४ खुरथो ख ३८०, भ ३०६ खुद स १००० खुदकुशी स २१६ खुदगरन ज २७४ खदबखद अ १००० खदा क ११२ खुदाई क ११७, म ४४७ खुदा च दद खद्रकिनकाय क प्रध् खुरी ड २१३, च ८६५ खुर ग ४३३, ग ४६५, घ १२० खुरखुरा च ५८०, ऋ १२८

खुरखुराइट व ५८२ खुरदरा अ ५८० खुरदरायन च ५८२ खुरमा ङ १८१ खुर्द घ ४३८ बुर्मा ङ १८१ खुरिट लेना च ७६१ खुलना मा ३६८ बुश व ३६, व ५१ खुश करना च ४३ खुशकिस्मत च ४६• खुशकिस्मतो च ४५६ खुशदिल ज ४८ खुशनसीयी च ४५६, च ४६० खुशबू ङ ३१२ खुशांमबान व ४८ खुराइ।ल ख ४०५ छ, ज ५१, ज ५६६. खुशहाली ख४०७ खुश होना व ४१, ज ६४६ खुशामद ज १०० खुशामद करना ज ६६ खुशामदी न ६८ खुशी ज ४५ खुश्क भा १२८ ग्लार ब २४, ज २४२, भ २१५ ख्ँखारपना ब २१ ख्टग १२७ ख्टा ङ ३६६ ख्टी क प्र३७ खून ग ६४, भ २१४ क्त करना ग १५८, भ २१८, खून करबाना ग १५७ ज्ञनी स ३४, स ४७४

ख्रुनी बवासीर ख ४७३ खूबस्रत ब ४६३ खुबसुरती च ४६७ खूराक ड ३६ खुषट ग ६५२ खेखसा घ ३०० खेबाब ङ ३१७ खेड़ी घ ४५२ खेत क ४६६, च १०२. च २२२, खेताब भ २५३ म्वेतिहर ग ३७६ खेती क १६४, च ५५, क ३०६ खेतोबाडी भ ३०६ म्बेद ज ४६, ज ७३२, म ३४⊏ खेमा च १३४ खेल इ ३६४, भ ३२६ खेलना ट ३६६ खेलनेवाला ड ३६५ खेलवाइ इ ३६४, ङ ३७० खेलाड़ी ग ४१४, इ २६५ खेलाफ न २८६ खेलीना व ३७० खेवट ग ३४१ खेवा ख ४१५ वेसरा स ४४८ नेसारी व २५६ सेइ च ६७ मैन! इ २०० नैर व द१, ह १८७, **ब** ४७६ ख़ैरख़ाह च ३०, ब ६८, ब १०१ ख़ारख़ेही ज १००, ज १०२ ख्रीरख़ाइी करना च १.६ खैरा भ ३४१

खैरात क प्रध, च १६५ ख्रीरियत ज ४७६ खोइछा ड २७३ खोंट ग १२७ खोंड ज ५३७ खोंइग घ १५ लोंगा ज ५२६, ज ५३७ खाता ग ६०४, च १६५ म्बोसना ज ७३६ वोद्याङ १६१ खोखसा ज ८०६ खोज ख २५८ स्वांज करना स्व २६० लोब कराना ज ७६७ साजना ख २६०, ज '9६६ खोजवाना ख २६१, अ ७६७ स्रोट ज २६८, ज ३१८, ज ३६५, ज ३६७ ख'टा ज २६८, ज ३१८, ज ३६५, ज ४३६, खोटाई ज २६६, ब २६७, ज ४४? स्रोटा खरी सुनाना ज ६४० खादना घ ४४५ खोदाई घ ४४७ स्थाना ज ७१४, ५६७ खोपड़ी ग १३, ग १०१, ग ४८४ लंग क ४४१, ज ५३२ लोल इ २=६, क २६२ बालना ब ७६६, ब ६०७ खोबा ङ १६१ खाइ च २५१, च ३११ खीत ब २३३ स्वीफ करना ज २३४ खौफनाक ज २४३ म्बीर क ३१८, क ३२२

खौलना भ १०६
खौलाना भ ६८, भ ६६, भ १००
ख्यात ज ३४६
ख्याति ज ३५१
ख्याति जा ३५१
ख्यातिप्राप्त ज ३४६
ख्यातिप्राप्त ज ३४६
ख्याल करना ज ६२२, ज ६६६
ख्याल करना ज ६२२
ख्याल करना ज ६२०
ख्याल ज १४०

ग

गगा न २६० गगाजम्ती ख ३३, इ ३४२ गगाजल च २६१ गगाधर क १६५, च २६४ गगालाभ ग १५४ गगा लाभ होना ग रप्र गगासागर क ५८, इ. ४४५ गगोची क प्र गन ज ६२४ गजन ख 💵 गबा ३ १६५, च २०८, ज ४८४ गजी व ३०८, ३ २४२, ज ४८४, व ६२४ गॅठिया 🖷 ५१६ गड ग ३४, य = ३, ग ४४५ गड़क स ५०२, स ५०३, ड ३३१, च ३०२ गडकी ख २०० गडमाला स प्रप गडरबल र ३१, ग ४४५ गढा ग ५०२, अ ६३२

गॅडितर ङ २८१ गड़ेरी घ २५१ गंदगी ज ४१६, ज ५४५, ज ५४६ गॅदला ज ५४२, ज ४४३ गंदा ज १५४. ज ४१५, ज ४७६, ज ५४२, ज ५४३ गंदा करना ज ५४८ गदापन ज ५४५ गदी ज़बान ज ६४१ गदो ज़बान निकालना च ६४ गंद्रम घ २२८ गदमां भ ३३८ गध घ ४७१. इ ३१२ गंधक घ ४७१ गधको ख ३७, ख ३८ गंबमादन ग ६७७ गधर्न क २०२, क २४३, ख ५७, ग ४५२, ग ५०५, ग ५०७, ग ६१३ गधवीवद्या ख ५६ गंधर्ववेद क प्रमुह गधवह क ३१३, क ३१६ गंधाना भा ३६५, भा ३६६, भा ३६८ गंधार देश च १२७ गंधी घ ४७१ गंभीरक १६५, घ २६५, घ ३४३, छ २३७, ज ११, म ५१२, म ५६४ गंभीरता ज १४, ज ५१४ ज ५६६ गॅवई च १३३ गॅवरपन ज ५६० गॅवाना छ ३, च ८६७ गॅवार ख २४०, च ३६४, च ४६४, ब ५५८, ज ५५६ गॅवारपन च ५६०

गँवारू च ५५६ गऊ ग ४६६ गऊशाला च २०३ गगन घ ४६०, च ३ गगनचर ग ५६८, च २६ गगनचुम्बी ग ४४० गगनधूल घ ३०१ गगनभ्वज क २९७ गगनपति क २२४, क २६७ गगनभेड ग ६२६ गगनमंडल च ३ गगनागना क २४७ गगनेचर क २०७, च २६ गगरा इ ४५२ गगरी व ४५२, इ ४५३ गच च १७० गचका खाना मा ४१५ गचक्का क ४१७ गचक्का खाना भ ४१५ गज ग ४३५ गनक ए ४१ गजकर्ण घ ३०६ गबदत ग ४४६ गबदान ग ४४७ श्वनाल इ ४०३ गजपति ल ३४६ गखपुरना घ २७५ गनव न ४१८, भ ४३८ गजबदन क १६२ गवगँक ह ३६८ गणवाग ह ३६८ गडमांचा घ ४६८ गनमद ग ४४७

ग**ब**मुख क १६२ ग**ब**मुक्ता घ ४६८

गबमोती ध ४६८ गबरदम छ १३६

गचरा ङ २३३, ङ ३३४

गक्रगज ग ४३८ गक्रल ख २०३

गजशाला च १८७

गजा ग ४३६

गबाजीव ग ४१०

गजानन क १६२

गजारोह ग ४१०

गकाशन घ६६

गर्बा इ २२३

गजन्द्र ग ४३५, ग ४३८

गजेन्द्रपुर ख ६० गव्जो इ २२३

गिभिभान अ ५०७

गटई ग ३५

गटक जाना भ ११८

गटकना भ ११८

गटरगों कर जाना ज ७६३

गटाइन घ १५४

गद्दा ग ६०, च २७०

गहुर च ६२४, च ६२६, च ६३०

गद्वा च ६२६ गडकटा ग ४**१**८

गठन भ ४६२

गठरी च ६२४

गठा च ४६८

गडिया स ५१६

गठियाना य ७८३

नक्राकाना च ५६८

गहुल ज ५३०

ग्रहु ज ६२४, ज ६३०

गड्डी ङ ३८२, ज ६२४, ज ६३०

गह्दा च ३११

गढ़ च १७२

गढक ग ३६८ श्र

गहन ज ४६२

गहना ज ६४४

गढ़ा च ३११

गढूज ४१२

गहृपन ज ५१४

गढ़ैया ग ३६८ श्र

गइदेशब ङ ३१

गडना च ४७०, च ७४०, म ३७७

राहुपा च ३११

गड़बड़ भा १५८, भा ४३७

गड्बहाना च ८४३

गद्दबंदी ल ४४१, मी४००

गागेय क ४३४. क ४६१, घ १२३, घ ४४८

गॉजा इ १६५

गाँउ ग १०७, ज २७६, ज ७८४

गाँउगोभी घ २८०

गाँठ रोग ख ५१६

गाँठ लगाना व ७८३

गाडोवधर च ४१७

गाधार ख ७०, ख ७३

गाँव च १३३

गान च २८३, स २५४

गावना व ५६८

गाबर घ ३०६

गानुवां च १७६

गाइ घर

गादा ग ४४०, क २२३, भ ६१

गादा करना भ ६०, भ ६६ गाढ़ा होना भ ६२ गाड़ी ङ ३८२ गात क २४३, ग ११, ग १२, च ६० गात्र ग ११, ग १२ गादा ङ ७३ गान ख ६० गानविद्या स्व ५६ गाना ख६०, ख ५६, ख ६१, ज ६४७ गाफ़िल ज २०३ गाफिली ब २०५ गाभ ग २२. घ २४ गाभा व २२ गाय ग ४६६ गायक ख ५७ गायकाचार्य स ५७ गायन ल ५६, ख ५७ गायन करना ५६ गायव न ७३०, च ८००, भ २५८ गायब करना च ७६३, च ७६४ गायत्री क ६३, क १६४, घ ८१ सायत्रीमत्र क ६४ गायिका ख ५८ गार च २५१, च ३११ गावना ऋ ७२ गारा च रद्ध गारी ज ६४१ गार्शदेक स ५४६ गार्गी क १६४ गाईस्थ क १०० गाल ग २८ गालवं र १७

गालिबन् स ६७३

गालो च १७२, च ६४१ गाली-गलीच च ६४१ गालीगुफ्ता च ६४१ गाली देना ब ६४२ गाल ब ६१ गावतिकया ड २८७ गावदी ज ३६४ गाही ज ६३२ शिक्ट ग ६२३ शिनती ख २२८, ख ५५६, ख ५६८ गिनना ख ५६६ गिनवाना ख ५७० गिनो ख ४२२ गिरई ग ५८८ शिर्मिट स प्र३० गिरगिटान ग ५३० गिरजाधर क ५०३ शिरदान ग ५३० गिरना ज दर, ज ६६६, ज ७०१, ज ७०८, ज ७१८, ज ८१५ गिर पड़ता च ६६६ शिक्सारी भ २२३ गिरप्रतार करना भ २२४ गिरहकट ग ४१६, ग ४१८ शिरह काटना भा २१० भारा क १३०, म ४३, म २७. अ ६४६, ज १५१ ागराना ल २४७, ज दर, ज ७०२, ज ७१६,ज ८७१, ज ६०५, ज ६०६ गिरानी भ २६६ तिरि ग ५२६. च २४८ गिरिवा क १८५, क ५०३, घ ४०१ गिरिषर क ३६६

गिरिधारी क ३६६ गिरिराच च २५५, च २६० गिरोश क १६५, च १६, च २५५, च २६०, च २६१ गिरोइ ब ६२५ गिलगिली ग ४६२ गिलम ङ २८५ गिलहरी ग ५.२६ गिला भा ३४५ गिलाफ ङ २८६ गिलास ङ ४४६ गिलौरी क १६१ गिल्ली ग ५२६ गोत ख ५, स ६० गीत गाना ख ५६ गीतिका ख २०३ गीद्द ग ५१३, ग ५१६, क २७४ गीदङ्गना भ २७६ गीत्क बोलना च ५७० गीघ ग ६२३ गीर्वाण क २०७ गोला छ २३५ गोला करना भ १४३ गीलापन छ २३६ गुँइवाँ ग २७७ गंजा च ६०६ गृंखई च २७२ गुंडा च २७१ ग्बन च १६६ गुंबद च १६६

गुण्डा ग ६११, घ ३०

गुन्राना छ २, व ८२१

गुरुद्धां घ ४८

गुनारना छ ३ गुनिस्ता छ १७२ गुभिया ङ ११८ गुडाकेश क १६५, क ४१७ गुड्डी ङ ३७१ गुद्ध घ ६७, ड १६८, ङ १६८, ङ १७० गुबिया ह ३७६, ङ ३७६ गुण ल ३, ल २३५, ल ५८७, ग ४०२, घ ११४, इ४१०, इ५६६, ज ३६६ गुराकोर्तन क ४३ गुगा ५६२ गुगा करना स ५६३ गुर्वी रू ४०६, 🖷 ३६४ गुदगुदी भः ३६४ गुदगुदाना भ ३६३ गुदना च ७३८ गुदराना का ३६३ गुदा ग ८३, ग १३८ गुन ह ४१०, च ३८६ गुनइगार ज ६०६, ज ३१८ गुनइगारी व २०४ गुनाह ज ३०४, ज ३१६, म २२० गुनाही व ३१८ गुनो च ३६४ गुप्त ग २६४ गुप्त करना व ७६३ गुप्तचर ख १७७ गुप्त इंग्ना च ७६१ गुप्तो ङ ४१६ गुका च २५०, च ६५१ गुभराह होना च ६६५ गुन होना व ७६१ गुमान ब ८८

गुमानी ज ८६ गुर ड १६६ गुरगा ल ३७७ गुरुक १३४, क १६५, ख २४१, ग६, ग १७४, ग१७५, ग२८२, च५, च१६, च २४७, ज ४२५, ज ५१२ गुरुकुल ल २७४, च १६६ गुरुच घ १७८ गुरुता ज ४२७, ज ५१४ गुरुत्व ज ५१४ गुरुवार छ १२० गुल घ ३८१, ङ १६६, ज ५८६ गुल करना भ १११ गुलगपाड़ा ज ५८६ गुलगपाद्या करना ज ५६० गुलगुल ज ६६ गुलगुला ब ६६ गुलतुरां व ४४० गुलदुपहरिया च ४२५ गुलदौना व ४२४ गुलनार खा ३४, ख ३५ गुलबद ङ २५३ गुलशन घ ६ गुलशम्बो घ ४१६ गुलाबंद ड २५३ गुलाव घ ३६८ ग्लाबजामुन ङ १७८ गुलाबी ख २४, खप्र गुलाम भ २३५ गुलामी भ २३६ गुल्फ ग ८५ गुल्म ख ४७१, ग ११२ गुसल भ ६८

गुमुलखाना च १५१ गुस्ताख्न ज ८४ गुस्ताख़ी ब ८६ गुरल भ ६८ गुरलखाना च १५१ गुरललेना भ ६६ गुस्सा ज ६३ गुस्सावर ज १४ गुस्सा होना ज ६६ गुरसैल ब ६४ गुह क १३४, क १८८, ग ८, ग ११५, ग ४५२, ज ६२४, ज ६२५ गुहा क ४४६, च २५०, च २५१ गृह्य क १६५, ग ८३ गुंग ११५ गूंगा ज ५१६ गुगापन ज ५२० गूंगी ह ३६१, ड ३६३ गूं गूं करना ग ६५३ गुजरी ङ ३३ गूढ़ोक्ति ख १६० गूयना ज ८६४, ज ८८१, अ ६३ गृद्द इ २२१ गुदा ग = २ गूम भ ६६ गूर ह १७० गूलना ज ददश गुलर व ५१ गृह्या ११५ गृध्र ग ६२३ गृह घ १३७, च १४० गृहगोधिका ग ५३१ गृहपति क १०८, क ३११, स ३८२

गृह्रथ क १०८ गुइरथाश्रम क ६८ गृहस्थी क १०८, भ ३०६ गृहागत ग ३७८ गृहिस्सी ग ४, ग २२५, घ ५१४, ह ६० गही क १०८ गुहात ज १६२ गेइ घ २५० गेड़ी घ ५५० गेद र ३७५ गेंदा म ४२६, ङ ३७४ नेदा ग ६०५ गेना घ ४२६ गेम क ३६४ गेय सा ६२ गेयपद ख १२० गेरना ज ६०५ गेरानी क २६६ गेरू घ ४, घ ४६२ गेह च १४० गेडुंशन ग ५६८ गेहुँकाँ ग ५६८, च ४८० मा भ ३३८ गेहँ व २२८, व १२६ सैंबा ग ५०२ गैया ग ४६६ गैर क ४०६ गैरकानूनी भ १८२ गैरत अ ३२१ गैरमामूली च ४१८ गैरधुनासिव ब ४२१ गैरमुमांकन च ६७२

गैरमीजूदगी भ २६•

गैरवाजिब ज ४२१ गैर हाजिर भ २५८ गैरहाजिरी भ २६० गैरिक घ४४⊏, घ४६२ गैरियत भ ४०८ गैल च २४१, च २४५ गोंद्र ग ३४६ गोंडिन ग ३५० गाँद घ ३३ गो क १३०, क २३६, क २३८, क २६७, क ३०७, ग१९, ग२७, ग१३४, ग१७७, ग ४५२, ग ४६६, ग ४८३, ग ४६२, घ ४८४, ङ ४१२, च ६, च ७४, च ६० गोइदा ख ३७७ गोइडा ङ ४२४ गोइयाँ ग २७= गोकर्ण ग ५१० गोकि ज १००५ गोकल ग ४७५, च २०३ गोत्तर घ १८० गोलक स ५०२ गो गो ज २३८ गोन व ६५० गोल करना ब ६५१ गोबर ग ५७४ मोजिहा च १७६ गोत्री इ.४१७, ङ ५५५ गोभित्या 🛎 ११८ गोडाउन च २ ६ गोड़ ग ८६ गोबना घ ४४५ गोड़ लगना व १६७ गांइइरी ड ३३५

गोडाई घ ४४७ गोडा ड ५०४ गोडारी इ २६७ गोत च ६२४, भ १, भ ३ गोतना क ४१६ गोता भ ४१७ गोता खाना भ ४१५ गोताखोर भ ४२२ गोता देना भ ४१६ गोतिया क ४ गोती ग ३००, भ ४ गोत्रच २४८, ज ६२४, भ १, भ ३ गोत्रिय ग ३००, भ ४ गोद ग ७६, ग १०८ गोदना च ७३६ गोदाम च १३८, च २१६ गोदावरी च २६७ गोदी म १९६ गोधन ग ४७५ गोधूम घ २२८ गोधलि छ १४१ गोन घ २३, इ ५६६ गोनस ग ५६६, ग ५७२, घ ४८४ गोप ग ३०५, इ ३३१ गोवांत क १२४, क १६५, क २६७, क ३६६ गोपथ क ५५४ गोपन ज ८०२ गापना ज ७६२ गोपनाथ क ४०८ गोपाल क ३६६, क ४६४, ग ३०५ गोपालतापनी क प्रद्र गोपित करना ज ७६२

मापी ग ३०६, घ १४६

गोपीनाथ क ३६६ गोवेंद्र क १३४, क ३६६ मोबर इ.४.३३ गोबर करना ग ११६ गोबरगनेश ज ३६४, ज ४६५ गोभी घ १७६, घ २७६ गोभना ज ७३६ गोमेद घ ४८०, घ ४८१, घ ४६३, ड ८२ गोर ज ४८० श्रा गोरखपुरी पैसा ख ४२६ गोरखमुद्री घ १७६ गोरस ह १५५, इ १६२ गोरांग व ४८० स्रा गोरा ग ३६५, ब ४८० मा गोरी क प्रद गोरू ग ४३०. ग ४६६ गोरोचन व १८२ गोल इ ३५८, ब ५८४ गोलक ग २१, ग १०५ गोल कर जाना ज ७६३ गोला क १६४, ख ४७१, घ ३६५, ड ४०३, च १३८, च ५८४ गोलाई च ५८५ गोलाकार च प्रदर गोली इ ५, इ ४०५, च ६३१ मोलोक क २३८ तोलोक जाना ग १५५ गोलोकवासी क २४० गोवर्धन च २५० गोविंद क १३४. क ३६६. च १६, च ५० गविन्दण्द ग ६ गोश्त ग ६१ गोसाई क ११२

गोशाला च २०३ गोड ग ५२७ गोइन ज ६१८ गोइरा ङ ४२४ गोइराना ज ६०० गोहार ज ५६६ गोहश्रन ग ५६८ गोई घ २२८ गौं क ३७० गौ ग १८१, ग ४६६, ग ४८३ गौला च १६६ गौडा ख १६४ गोंग ग ४२८ गौतम क ४४७, च ७३ गौतम धर्म सूत्र क ५७७ गौतम सूत्र क ५६६ गौतमी क ३८६, घ १८२ गीना ग १५३ गौर ख २८. ख ३७, ख २४८, घ ७१, घ १४७, घ ४४८, इ १०, ज ४८० ऋ: गौर करना ज ३६६ गौर फरमाना च ३६६ गौरव ज ३४२, अ ५१४ गौरवशाली ज ३४४ गौराग क १३४, क ३६६, ग ३६५ गौरागी इ १८६ मौरा क १८५, म ६३६ गौरां क रद्भ, क १८४, क २०२, म ४७१, च १११, घ ११४, घ १८६, घ १६३, घरं०२, घ४०१, इ६० मौरेथा ग ६३८ गौहर घ ४८३ ग्यान क ४६०

90--- 39

ग्यानी ज ३६३ ग्यारह ख ६१५ ग्रंथ क ५३४. ख २६६ ग्रंथकर्त्ता ख १२७, ग ४०५ ग्रथकार ख १२७ ग्रंथि ग १०७, घ १२३, ज ७८४ ग्रिश्वगोभी घ २८० ग्रथित घ ७४. घ ३६६, ज ४६८ ग्रीय लगाना ज ७८३ प्रसन ज १७६, क र⊏३ ग्रसना ज ७७६, भ २२४ ग्रह् ल ६०६, च १४०, च १७६ प्रहरा ग १३४, च २४, ज १७६, ब १८८. भ २२३ ग्रह्ण करना ज १८३, ज १८६, ज १६८. भ २२४ ग्रहणाय ज १६० ग्रहविद्याः स्व ६ ४७ भाम क १६५, ख ७३, च १३३ प्राप्तकां क १३४, ग ३११ ग्रामर ख २१६ ग्रामवासी ज ५५८ ग्रामीख ग ६५४, ज ५५८, ज ५५६ ग्रामोफोन स्व ११६ मास्य २ १२०, ज ५५८, ज ५५६ ग्राम्यक्रमें क २८७, ज २६६ याभाक्षमी ज ३०२ यम्यधर्म क रू प्राप्ता व १११ घ रूप घ रहर ग्रास ३ ७५, च २४, च १७६ ग्राह ग ५८८, च २४, म २२३ आइक ग ६५५ ग्राह्म ल ४१६, च २६०, च ४२०

प्रीव ग ३३, ग ३५
प्रीवॉ ग ३५
प्रीवॉ ग ३५
प्रीवा ग३३
प्रीवम छ ६६
प्रीध्म छ ६८
प्रीध्म छ ६८
प्रताम छ ४८६
प्रताम छ ४४६
प्रती क ३०७, घ १५७
प्रवाल ग ३०५
प्रवाल ग ३०५
प्रवाल ग ३०५

घ

वंबोरना छ २३१, ज ५४६ घंट सा ११४ घटा ख ६६, ख ११४, ङ ३१४ घंटाल प २१० वॅसुई ड १००, ड ११४ ंबट ग १२, ग १३३, घ७१, ङ ४५२, ङ ४५३, च ६६ घटती अ ६१२ घटना च ६१५ घटयोनि क ४६४ घटवाई ग ४०१ घटबार ग ४०१ घटा छ २४१ घटाटोप छ २४१ पटाना स ५६० मटिका छ १२७ षटिया ग ४०१, ज ४२६ घटिहा च ३०२, भ २६६ मटिहाई म ४३० घटा क १०४, छ १२७, क ३०१

बड़बहाना ज ५६८ घड़ा ङ ४५२, ङ ४५३, ङ ४५४ घड़ियाल ख ११४, ग ५८० घड़ी ख ६६, छ १, छ १२७ घन ख ६४, ग १२, घ ११, घ ४६०, छ २३६, ज ६२४ घनत्व ज ५०६ घनमाला छ २४१ घनश्याम क ३८६, ख ३०, छ ५४४ घनसार घ १४७ धना घ ३८०, ज ५०७ धनापन ज ५०६ धनाचरी ख २०३ घनिष्ट ज ५०७ घनड़ाना ज १८, ज २४५, मा ४४१ घबराना दे० 'घबडाना' घबराया च १३ घबराहर अ १६ घमड ज ८८ घमंड दिखाना ब ६० वमडो ब ८६ घमकना ग १५६ घमघमाना ग १५६ घमासान भ २६२ घग च १४८ धरना ग २२५ घराना का १, का १०३ घरोंदा च १४० घष्य क २८७ घर्षण करना च ६३८ घसोटना भ ३६७ घशा ड १०, 🖷 १३६

घहराना ग १५६

घाँटी ग ३५ भाधरा च ५६३ घाट ज २६६ घाटा ग ३५, ज ६१२, म ३०१ घाटिया ग ४०१ घाटी च २५२, च २५३ घाठी ड ७१ वातक मा २१५ बातको भ २१५ बातिनी भरश्य घाती ब दर४, भ २१५ घाम च १० घायल भ २७६ घालक ज ⊏२४ वालना क १७१, ग १५८, भ २१८ घालमेल करना च ८४५ घाव ख ५२६ विघोरना छ २३१, ज ५४६ धित ब १४८, ज १५४ धिनाना ज १४६ घिनौना ज १५४ घिया घ रदद विरमा च ७८०, च ७८१, व ८५६ घिसकना च ६७६ **घिसना भ** ६३८ मी इर १५७ षीकार व १८३ बुंश्याँ घ ३०६ घुँघचा घ ६०६ षुंघराला च ४८८ बुंबर ह ३३५, ह ३६२ मुग्यू ग ६५२

घषनो ङ १४६

धुरना ग ८५ युक्कना च २४७, च २४८ घुइकी ज २४६ घुइमवार ख ३६२ धुइसार च १८८ धुन ग ५५१ घुमदना ज ८५६ घुमाई क २०, ज ६८७ धुमाना ज ५५, ज ६७ धुमाव ज ६६, भ ३८८ घुमावदार ज ४८८ घुला भ ६१ घुसइना ज ७४० घुसना च ७३८, ज ७४० घुसाना ज ७४१ धुसेदना च ७३६, च ७४१ धूँसा ग ६४ व्मना स ११८, ज ६३, ज ६७५, न ६८७. ब ६८८, ब ६६४ धूरना च २३६, च ७२३ घूस स्व ४१६, क २६३ वृतकोर स ४१७ घुसा ग ६४ वृगा ज १४८ घुवा करना व १४६ घृथित व १५४ **मृत ङ १५७, च २६२** घृतकुमार**िष १**८३ घृताचः ६ २४८ घेषाग ३५ घेरना व ७७६ षेरा च १४४, च १८६, च १६६ घोंबा घ ६ • ३

घोंच च ३६४
घोंटना छ २६०, भ ११८
घोंसला ग ६०४
घोटक ग ४५२
घोदका ४५२
घोदस्यार ख ३६०, ख ३६२
घोदा ग ४५२
घोद घ ४७८, ज २४३
घोर घ ४७८, ज २४३
घोरयाना च ६६४
घोल ङ १६२
घोष घ ४५६, च २०३, च २३२, छ २४२
घोषणा ज ४८८, च ६०२
घोषणा ज ४८८, च ६०२

च

चग ख २००, ड ३७१, भ ३६ चंगा ल ५४७, ज ४६३, भ ३६ चंगु ग ६०२ चॅगुल ग ६०२ चॅगेली ङ ४६७, ङ ४६६ चचरीक ग ६७७ चंचल क ३१३, क ३१६, अ १२, ज १३, ज ६७८ चंचलता अ १५ चचल होना ज १७ चवला क १६३, ध १८८, छ (५४ चचु ग ५०५, ग ६०१ चर ब ३६७ चडक १४५, ग ५२४, व ४४८, ज ६४, ख २४३, ब ६५८, म १३५, च उता भ ३८ चंडाल ग २६८

चंडिका क १८५, क १६४, क १६८ चंडी भा६५ चहुल ग ६६७ चदन क २०, घ १३०, ङ १० चदनपीला घ १३१ चदनलाल घ १३२ चदनहार ह ३३१, ह ३४६ चॅदवा ग ६१२, ङ २६५ चदा क ३०७ चदोवा ङ २६५ चद्रक ३०७, ख ५७७, ग ६१२, घ १६० ध ४४८, च १५, च ३२ चद्रकला ड ३३८ चद्रप्रभा च १६ चंद्रकातमिया च ६०० चंद्रमा क ३०७, घ ४८२, च ५, च ४१ चंद्रमाऋषि क ४५८ चद्रमौलिक १६५ चद्रवार छ ११७ चंद्रशेखर क १६५ चन्द्रहास इ ४०६ चद्रापीइ क १६५ चद्रिका क २०६, ग ६१२, घ १५६, इ ८७. ट १८६, ड ३२५, ङ ३३६, भ १६ च गई ख ३७ चपक घ ४०६ चपन होना ज ६७६ वया व ४०६ चपाकली ट ३३४ चपू ल १६७ चबल च रूप४, च २०१ चवर इ ५५२ चड्य छ ६६

चचानाट १६भ

चक च १०३ चकई ग६२२ चकचौधना छ २६२ चकनाचूर अ ७५३ चकफेरी ज ६६४ चकराना भ ४४१ चकरो ङ १६७, ङ ४६१ चक्ना च २०७, ज ४३४ वकलापन च ४३५ नकवड घ १३४ चक्या ग६२२ चकाचौंघ छ २६१ चिकत ख १६४, ज १३, ज २३७, ज ६०६, म २७४, म ४४० चिक्त होना ज ६०४ चकोतरा म ३५४ प ३५६ चकोर ग ६२१ जक्कर के २० चकरदार अ ४८८ चक्कर भागना ज ६६४, ज ६६४ चनकी उ १६७, ७ ४६१ चक क २०, ख ३५६, ग६२२. य ४५७, च २७८, ज ६२४ चक्रपाणि क १३४, क ३६६ चकवर्ती राजा ख ३५०, भ १४७ चक्रवाक ग ६२२ चकावान हा ६७ अलाग १६ चल्लामा अप् नतुर्गन ज ४१.६ चलना ङ १५३, मे १२५

नगड स रे६ 9

नवा ग १८७

चचेरा भार चट छ १५८, ज ४४३ नटक ख ४८५, ग ५६८, ग ६३८, छ १५८, ज ४४४ चटकई छ १५८, ज ४४४ चटकना ज ८७२ चरकाना ज ८७३ चटकवारा छ १५८, ब ४४४ चटख़ना ज ८०२, ज ६३७ चटनी इ १२६ चटपट छ १५६, ज ४४३ चटपटा इ ५६, इ १५३ चटवटी ज ४४४ चरशाला च १६६ चटसार च १६६ चटाई ट ५०७ चटापर छ १५६ चटापटा ह्य १५५ चटावन ज १४० चहान च २४७, च २४६, च २५० चड़ा हा २६७ च १३० चड़कना अ ६३७ चहना ज ६८.४, ज ७०६, ज ७१० चढतेगला ब ७११ चढाउनगं उ २६१ चगक व २५५ चत्रम ख ३५६ चतर व ५६१, ज २६८, ज २६३ ज २६७ चतुरता अ ३६८ चतुरस्यो छ १०६ चत्राई ब २६६, ब ३६८ चत्रानन क १२३

चत्रयं खप्हर, ग २६६ चत्रयशि ख ५६५ चतुर्थी छु १६ चतुर्दश स ६१६ चतुर्दशी छ १०६, छ १५६ चतर्भंब क १३४ चतुर्मख क १३४ चतुर्वेदी ग रद्ध चत्वर ङ १४५, ङ १५५ चहर ङ २५४, ङ २७४ चना व २२५ चपक्रन इ २५२ चपकाना ज ६०२ चपडा ग ५५६ चपत ग६३, भ ३०१ चपरा स ४४३ चपरी घ २५६ चपल घर६०, घ ४५६, ज १२, ज ४४३, ब द३२ चपलता ख १८५, ज १५ चपला क १६३, घ १८८, ड २०४, छ २५४, भ ६६ चपाती ङ १०० चपेट ग६३ चेपात ङ २६७ चवाई ख १६२, स १६३ चनाना क ११६, क १२६ चब्तरा च १५५ चबैना क १४२ चमक ख ४८५, छ २८७ नमकदार छ २८५, छ २८८ चमकना हु २८६, च ७६, छ ६८५, चरणदासी ग४, ग२२५ ब ८७२

चमकाना छ २६०, भ ५४७, थर स चमकोला हा २८८ चमगादइ ग ५२८ चमचमाता क्र २८८ चमचमाना छ २८६ चमचा ङ ४३६, ड ४४४ चमटोली च २३२ चमडा ग ६० चमदी ग ६० चमत्कार क ४३८ चमन्त्रारिक भ ४३६ चमत्कारी ब ४१८ चमस्त्रत भ ४४० चमन घ ध चामर ग ५१०, इ ५५२ चमरौटी च २३२ चमाहन ग ३५२, ग ६६७ चमार ग २६६, ग ३५१ चमारिन ग ३५२ चम् ख ३५६ चमेली घ ४०२, घ ४०३ चम्मच इ ४४४ चय ज ६२४ चायन ज ८६२ वयन करना अ दय४ चर ख ३६६, ल ३७७, ग ६५३, ध ६०५ चरका पढ़ाना ज ८४४ चरखा इ ५६४ चरण ग ८६, भ ३ चरपराड ५६, ड ६१

चरपरावा ह ५७ चरपरापन ङ ६२ चरपराहट ङ ६३ चरबी ग ६३ प्रसा ङ प्र३२ चराना ज ८४४ चरित ज २६४ चरित्र ज १, ज २६४ चरित्रवान अ ८५ चरेर ब ४६६ चार्खी इ ३७२ चर्च क ५०३ चर्चा ज १०८, ज ६२१, भ ७३ चर्बी ग ६३ चर्मकार ग ३५१, इ ३१०, इ ३११ चर्वण द १४२ चर्वण करना भ १२६ चल क १३४. क १६५. ब १२, ज ६७८ चलता-पिश्ता ज ६७८ चलन ख ३३१, ज २६४, ज ६५२. ख ६५३ चलना ज २७८, ज ६६५, ज ६७६ चलना-फिरना ज ६८८ चलनी ङ ४६२ चल बसना ग १५५ चलाक १६३, च ६०, छ २५४ चलाचली ज ६६७ चलाना ज ७१५, ज ७१७, ज ६५५, क १५६, क ३५७ चलानेवाला भ १६० चालायमान च १२, ज १३, च ६७८ बलाव के ३५५

चवकी स्व ४२५

चश्म ग १६ चश्मा रू ४ चाप ग १६ चसक ख ४८३ चडक ब ६४८ चहकना ब ६४७, ज ६४६ चहचहाना ज ६४७, ज ६४६ चहबच्चा च ३११ चहलना च ८२०, भ ३२१ चहला च २८६ चहारदिवाली च १४४ चहादम ल ५६२, ल ५६५ चहु ल ५६१ चहेती ग २६७, ज १५६ चाई ग ४१८, ब ३६७ चॉईचॅुआँ च ५०८ चाँटा ग ६३, ग ५४० चाडाल ग २१६, ग २६८ चाँड ट ५३८ चाँडुना ज ८५३ नॉद क ३०७, ग १४ नॉदनी रु २६५, च १६, छ १४५, छ रे⊏रे चाँदी ग १४, घ ४४६ चाद्र ध ६०० चाँपना भ ३७८ चाई ग ८१६. ग ४१८ चाउर इ ६३ चाकर ग ३८३ चाकरो भ २४६ धाकलेटा ल ४३ चाकी इ १६७ चाक ङ ५४५ चाचा ग १८७

चाची ग १८८ चाट ह १५३ चाटना च १३६ चादुकार ज ६८ चादुकारिता ज १०० चादुकारी ज १०० चादुकारी करना ज ६६ चातक ग ६१५ चातुरी ज ३६८ चादर ङ २५४, इ २७४, इ २६३ चाप ह १६६, ङ ४०६, च ६७ चापल्स ब ६८, ज १०१ चापलूसी ज १००, ज १०२ चापल्रुसी करना च ६६ चापल्रुसीपसद ज ६८ चाबुक ङ ३६६ चामना भ १२६ चामो ड ५४२ चामर ङ ५५२ चामरी ग ४५२, ङ ५५२ चामीकर घ ४४८ चामुंडा क १६४, क १६७, क २०२, क २२४ चाय ङ १६६ चार ख ३६६, ख ३७७, ख ५६१, घ ३६६ चारवा ग ३५३, ग ३६५ चारपाई ड ४६६ चारबाग घ ह चारा ड २०८, ड २१२ चारुष १८५, ड ३२१, च १६, ज ४६३ चारता ज ४६७ चारों ख प्रध्४

चार्वाक क ५, क ६, क ११६

चार्वाकमत क १२१ चाल ख २०५, ज १, ज २६६, ज २६४, ज६४४, ज६८०, ज ६५२, ज ६५३, भ ३७० चालक भ १६० चाल-चलन ज २६४ चाल चलना ज २७० चालना भ ३६० चालबाज ज ३६७ चालबाली ज २६६ चालबाज़ो करना ज २७०, ज ८४४ चालाक ज २६८, ज ३६७ चालाकी ज २६६ चाव ज १३८, ज २१२ चावल ड६२, इ ६२ चास ग ६५७ चास करना भ ३११ चासा ग ३७६, ग ३७७ ग ६६२ चाइ ड १६६, ज १३८, ज १४५ चाहरा ज१३० र १३६, ज१४५, ज१५१ चाइनेवाला ज १४० चाइश्रह्य ज १४१ चाहे ज १००३ चिंगना ग दं४७ चिग्धाइ ग ४४८, ज ५६५ चिघाइना अ ५६४, ज ५६६ चिंचका घ ४६ नितन ख २८८, ब २२४ चितन करना ज ३६६ चितना जर, जर२४, जर२५, अ ३६६ चिंता ख १८५, ज २, ज ४६, ज २२४ र्चिता करना ज २२५ चिताग्रस्त ज २२६

चिंतामिशा क ११२, क ११३, घ ४८४ 8 8 B चिंताविहीनता च २२८ चितित व २२६ चितित होना ज २२५, भ ३४७ चिंदी ज ८७६ चित्रँदा ग ५४० चिउँटो ग ५४२ चिउडा इ १४५ चिक ग ३६३. ङ ४६७ चिकना ज ५७६ चिकनाई अ ५८१ चिकनाना ज ८०८ निकनाहर ज ५८१ चिकारा ख १०७ चिकित्सक ख ५३८ चिक्तिसाख ५४४ चिकित्सालय ख ५४३ निक्रर ग ३७, स ५२६, स ५३३, म ४५८, ग ५६७ उथ्रं हे हुन स्थाप स्थाप चिख्र ग प्रद ोनावाह ज प्रथ् विग्वाइना ग ४४१, अ ५६४, ज ५६६, # 185 निचिडा व २६८ चिविवासा स १२०, ज ४६० चिट ब ८७६ चिटकना ज ८१, व ८६२, चिष्टकासा ज ८६३ चिद्री ख ३१६ चिद्रोगमाँ ख २७६ चिंद स १४८, स २५८, स २७६

चिढ्ना ज ६७, ज २५६ चिद्वाना ज २६० चिड्डचिड़ा ज ३६२ चिइचिडाना ज ६७, ज २५६ चिडिया ग ४६८ चिडियाखाना च २१२ चिनचोर ज १५५ चिद्रोमार ग ३४८ चित्र ग १३२ चितकवरा ख ४८ चितवना ज ७२३ विताच २२८ चितेरा ख १४ चित्त ग १३०, ग १३७ चित्त-त्रसि अ ३ चित्तारूपंक ज ४६३ चित्रक ३१८. ५२, ख १३, ख ७४, ख ३१७ ा ६८, म ३७८. ड ३२०, च १६ ज ५२६ चित्रकरु प्रार⊏, ग४६७, ग४६६ म ५६७, म ४३४ चित्रकला स्टर्र, 🖫 १४७ चित्रकार ख १४ ाचेत्रकारी ख १२ चित्रकृट च २५६, क ५६ चित्र खाँचना न १४, ज ६१६ क्षित्रगृति के देशक, के अबदे चित्रण दश्य चित्रम् करना ल १४ ाचात्रेत व्ह १७ ंनेत्रित करना ख १५**, ज ६**१६ क्तित्र बराना ख १५

चित्रा घ ११४, घ १४७, घ २१६, घ ३७३,

च २७, च ४१ चित्राघार ख १८

चित्रिणी ख १५५

चिथड़ा ङ २२१

चिनगारी छ २८१, भ १०६

चिनगो छ २८१, भ १०६

चिन्मय क ११२

चिन्ह क ३१०, ख४४०; ज ११४, म ३७४

चिन्हवाना च ११५ चिन्हारी च ११६

चिपकाना ज १५२, ज ६०२

चिपकाया ज ६०४ चिपटाना च १५२

चिपरी ङ ४२४

चिनुक ग ३२, ग ४६

चिमचा ८ ४३६

निमटा ग ५४०, इ ४३६

चिरजीविंग ६५४, छ १५१

चिरतन छ १७४ चिरई ग ५६८

विरकालीन छ १७४

चिरजांबी क १३४, क ३८०, क ४४१,

म १२५

चिरम्थायी क २१६, ज ८३३

चिगहरा ग ३४= चिराग इ ४६०

चिरागदान रू ४६१

चिराना छ १७४

चिरायता घ १३५

चिरायु घ ६६, छ १४१

चिरैया ग ५६८ चिरौंजी च ३६६ चिल ग ५६१

चिलक ल ४८५, छ २८७, म ३७६

चिलकना में ३७७ चिलमची ङ ४७१ चिलमन ड ४६७ चिल्ला ग ६४६

चिल्लपों ज ५८६, ज ५६२

चिल्लाना ग ५१८, ब ५६०, ब ५६४,

ज प्रह

चिल्लाहर ज ५८६, ज ५६२ चिल्हक स्न ४८५, म्ह ३७६

चिल्हकना भ ३७७

चिहरना ज ८६२, च ६३७

चिह्राना ज ६८३ चोंटा ग ५४० चोंटा ग ५४२ चोख़ ज ५६२

चोखना इ १५३, च ५६०, च ५६४,

ज ५६६, भ १२५

चीज़ ख २६७, इ ३७, ङ ४१८

चोइ घ ८८

चोड़नाज ८६३, च ६३६

चीक्पाइ ख ४३४ चोता ग ४६६ चीतार ख ५६२

चीत्कार करना ज ५६४

चीयदा ङ २२१

चीयना ज म्हर, ज हरे४

चीन घ ४५८, इ ४०२, इ ४८०

चीनिया बादाम म ३७१

चीनी ङ १७२ चीन्हना ज ११० चीन्हपहचान च ११६ चीर ख ५४०, घ ४५८, ङ २१८, ङ २२१ चौरना ब ८६३, ब ६३६ चौरफाइ ख ५४० चीरा ख ५२६, ख ५४०, ङ २३८ चीग लगना ज ६३३ चोल ग ६४६, ग ६६७ चोलर ग ५५३ चील्ड्र ग६४६, ग६६७ चुंघा ज ४६२ चुंबक घ ४५३ चुत्राना च ७१६ चुकदर घ ३२२ चुक्कइ ङ ४५६ खुग़द ग ६५२ चुगलखोर ज १६३ चुग़लखोरी ज १६४ चुगला ज १६३ चुगली करना ज १६५ चुगली लाना ज १६५ बुगुला अ १६३ चुगुली ज १६४ चुटकी ज ६३७ चुटिया ग ४२ चुटैल ब ४⊏६, भ २७६ चुकैल क ३५२, म ६५ चुक्हिरा ग ३५७ चुक्हिसिन ग ३५८ युनना ज ८८४ चुननेवाला घ ८८६ मुना हुन्ना ज दद्भ चुनिंदा बद्द्य बुनौटी इ ४८६ चुनौता च ५६३

चुनौती देना ज ५६१ चुनी घ ४६१, ङ २१३ चुप ज ६०६, च ६०८ चुपचाप ब ६०८ चुप्पा ज ३६४, ज ५१६, ज ६०७ चुप्पी अप्ररु, अ ६०६ चुभता जबाब ख २६८ चुभना ज ४७०, ज ७३८, ज ७४०, म ३७७ चुमाना ज ७३६, ज ७४१ चुरना भ ६२ चुराना भा ६०, मा २१० चुनबुला ज २६८ चुलबुलाना ज ६४६ चुलबुलाहट ज १५ चुल्ली ङ ४२० चुहलबाल व ३७१ चॅची ग ५१ चुक ध ३४१, ज ८४१ च्करा ज ८४३, ज ६१५ चूना ग ६४७ न्द्र क प्रदः, इ देव्दे, ह देवे४, इ देप्प चुड़ाकर्म ग १४६ नुहामिण ६३२८ चूड़ी ड ३३४, ङ ३५५ चृत रा ८२, घ ३५ चूतइ ग ८२ चून इ६५, इ १८८ चृना ङ १८८, ङ ७१८, च ८११ चूनी घ ४८०, इ २१३ चूमना ज १३६ चूर करना ख ५४२ चूरन ल ४५१

चूरमा ड ११५ चूर्ण इ ७, इ ६५, ख४५१ चूर्ण करना ख ५५२ चूल्हा ड ४२० चूल्हा जलाना भ ८६ चूसना भ १२६, भ १३४ चूहा क १६३, ग ४३२ चेचक ख ५१० चेट ग २२४, ग ३८३ चेटक ग ३८३ चेटी ग ३८४ चेत ज १३०, ज ८३४, ज ८४० चेतन क ११२, गप्र, ग६, ग७, चेतना ग १३२, ज ५. ज ८३७, ज ८४० चेताना ज २०८ चेतावनी देना ज २०६ चेन व २४७, घ ३४६, ड ३४६ चेरा ग ३८३ चेरो ग ३८४ चेला ख २४२ चेह्हवा ग ५६१ चेहरा ग १५, ज ४६२ चेहरा-मोहरा ज ४६२ चैत छ ३६, छ ७०, छ ८५ चेतन्य क ११२, ज २०२, ज ३३६ चैतन्य करना ज २०८, ज ७७० चेतन्य होना ज ७६६ चैतन्यतः ज ५ नैतहा छ ४० चैती छ ४०, छ २२७ नेत्र छ ३७, छ ३६ चैन लु २४८. ज ४६, ज १३३ चैलंज ज ५६३

चैलें ज करना ज ५६१ चोंच ग ६०१ चौंच लाना अ ७६ चौंचा ग ६६७ चोंथना ज ८६३, च २०१, ज ६३४, ज ६३५. ज ६३६ चौधइल ज ४६२ चोकदर घ ३२२ चोखा ड १०६ चांच घ२० चोचला दिखाना ज ७६ चोट ख ५२६, ज ७०३, भ २८० चोट करना भ रदश चोट खाना ज ७०६ चोटा इ १७३ चोटिल भ २७६ चोटो ग ४२, इ ३२५, च २४६ चोदन क रूप चोदना क २८६ चोदाई क २८७ चोर ग ४१८ चोरां भ २०६ चोरी करना भ २१० चार्ग जाना म २१३ चाला ग १२, इ २५२ चोला छोड़ना ग १५५ चोला ङ २६६ चौकाना ज १२३ अ चौषियाना क २६२ चौक च १४५, च २४६ चौकड़ी हा २३, ज ६८१ नौकडी भरना ग ५२० चौकना ज २०२, ज २३७

चौकस करना व २०८ चौक्स होना ज ७६६ चौकसी ब २०४ चौकसी करना भा २०५ चौकाक ३२, ग२५, ड ३२८, च १६८ चौकी क ३२. ख १११, ड ३२१, ड ५००, च १३०, च १६४ चौकीशर ख ३७२ चौकीदारी करना भा २०५ नौकोना ज प्रद्र चौगान च १४५ चौगुना ख प्रध्य चौज्ग छ २३ चौडा ज ४३४ चौडाई ज ४३५, ज ५७४ चौड़ान ज ४३५, ज ५७४ चौदापन ज ४३५, ज ५७४ चौतरा च १५५ चौथ ख प्रध्य, छ हर चौथा ख ५६२ चौथाई ख ५६५ चौथापन का ३४ चौदस ह्य १०६ चौदइ ख ६१६ चौपइ ङ ३७३ चीपहल च १५५ चीपाई ख २०३ चौपाया ग ४३० चौवाल च १४७, च १५४, च २०६ चौबे स २८५ चौमाता छ ७२ चौमुहाना च २४६ चौरगा ख ५३

चौरस ज ५७७
चौरस्ता च २४६
चौरा क ३५७, क ३५८, घ २६०, घ २६२,
घ ३२८
चौराई घ ३२८
चौराई। च २४६
चौसर ड ३७३
चौहट्टा च २४६
च्युतसंस्कार स १६७

छ छद क ५३८, क ५३६, क ५५५, ख १६८, ख १६८, ख २३७, ड ३५३, ब १३८, ज ३०८ छइक इ ३५३ **लॅटना ज ८५४** क्टा हुन्ना ज ८८५ छई ख ५२० ख्रकता ज ३७ व्यक्तास्य ३०२ ऋगनी ग ४४ ख्रुद्र ग ५३३ ऋटकना ज ६८५ व्यटका ल ६० छरा च ६ छुट छ १०१ छ्युठवां ख ६०१ कुडा ख६०१ छड़ा इ २३५ छड़ा ह प्रप्र eev f ws छत च १४६, च १६८ ञ्चतरी इ ५५४

छता ग ८७ छता ङ ५५४ छत्तोसगढ़ी स २२४ छत्र ड ५५३, ङ ५५४ छद ग ५६६, घ २१, ज ६२४ छदन घ २१ छुत्र च २६२, भ ३५३ छुद्मी ज २६८ छन छ १, छ १२३, छ १२४ खुबा ड ३३४ छ्पाकर क ३०७ इत्यय ख २०३ ळूपार च १६८ क्विचि १०, च ४६७ खबीला ज ४६३ खुबीलापन ज ४६७ छमा ख ६ खरना भा १४६ / ञ्चल ज २५७, ज २६६ छल करना क २०८ **अल**छद ज २६६, ज ३०८ छुलछद करना ज २७०, ज ८४४ छत्तछदो ज २६८ छत्तना ज २७०, च ८४४, भ २०८ क्रबनी ङ ४६२ ख्रजाँग ज ६८१ बलाँग मारना ज ६८६ क्रांलया ङ १६२, च २६८, ज ३६७ क्ली ग ४१६, ज २६८, ज ३६७ कुल्ला ड ३३६, ड ३५८, इ ३६१, ङ ३६३ अल्ली घर० छल्लेखर ज ४८८

सुह ख ६००

क्रिश्वाँ छ २६४ छाँछ ङ १६२ क्वॉट ख ४६६ स्राँट करना ख ५००, च ८६६ छाँटना च ५७८, च ७४७, ज ८५३, बद्भ बद्भ अ छाँटा च प्रद्र्य छादस क ५३६, क ५४२ छादोग्य क ५५८, क ५५६ छाँइ छ २६४ छाई स ४५३ छाग ग ४६१ ल्वागल ग ४६१, ड ३३५ आत्रु ह १६२ छाबन ङ २१८, च १६८ छाधना च ५५४ छाइना स ५००, व ८६८ छाता ङ ५५४ छाती ग ४६, ग ५० छाती से लगाना च १५२ ह्यात्रवृचि ख २४४ छात्रासय ख २४५, च २०० छानना भ ३६० छानबोन अ २५० छान। ब ८७१ छाप भ १६४ छापना ख २८८ छापा भ १६४, भ २०६ छापाखाना ख २८६ छाया क ३०२, छ २६४ छार ह ४२६ ञ्चाल घ २० छाल्टो ङ रर्⊏

छाला ख ४७७, ख ५२१ छावनी च १३०, च १३१, च १३२ च २०५ क्रिक्नी ङ १६८ छिगुनी ग ७४ छिछला ज ५६५ क्रिक्रलायन ज ५६७ त्रिः क्षिः करना च १४६ खिछोरपन च ४४१ ञ्चिछोरा ब ४२६ ब्रिटकना ब ६८५ ब्रिटबाना ब ८६५ ब्रिटपुट ब ५०८ क्षिटाना च ८६५ खिक्कना भा १४३, भा ३१८ ख्रिकाव करना भ १४३ बितराना व ८६३, व ८६४, व ८७१, ब ८६२, ज ८६३ बिदना व ७३८ ब्रिह च १, च १५६ खिन जाना भ २१३ क्षितार च २६६, ज ३०२, म ६६ खिनारा व २६६ । खुनाल व २६६, भ ६६ क्षिन भिन ब १३६ बिम भिन्न करना ज ८२० विश्वमस्ता क २०१ खुपकली ग ५३१ 'ब्रेक्स च ७६१ खेपाना च ७६२ खियाव ङ ४६७, ब ८०१, ब ८०२ ख्रिलका घ २० छीटना म १४३

छ्रोका ङ ५४०, ङ ५६३ छीटना च ८६३, भ ३१४ छीन ज ४६६, भ ४२ र्छानना च ८५३, भ २१०, भ २११ छोपा ग ३६० छीपी ग ३६० छीमो घ ३१ ब्रीलना अ ५७८, ज ८५३, ज ८८० ब्रुटकाना भ २३३ ब्रुटकारा भ २३० ब्रुटकारा देना भ २३३ ञ्चरकारा पाना भ २३१ छुटना ज ८५४ ञ्चटाई च ४२⊏ बुड़ी क १५५, ब २०१, म २३० छ्रहना ज ८५४ लुकाना भ २३३ ब्रुतहा भ ४१३ ब्रुद्र ज २६८ ह्यरी ङ १, इ प्रथ्र ल्लारा व ३६३ खेखा ब ८०४ बुक्को क इरह खुट का २३० लुटना ब ८५४ म २३१ ब्रुटा भ २३२ छुना क ३६१, भ ४१२ ब्रुरा ड १, ड ५२३, इ ५४५ सुकता व ७८२ बेद च १५६, च १६४ छेदना च ७३६ छेना ङ १६४ ह्येर ग ४६२

छेरना ग ११६ छेवना ब ८८० छोकड़ा ग २५० छोट ब ४३८ होटा ज ४२६, ज ४२६, ज ४३६, ज ४३८ छोटाई ज ४६८, ज ४३० स्रोहना ज ६, ज १८२, ज ७४८, ज ७४७, ज ७६४, ज ८५३, ज ८६८, भ २३३ छोरना भ २१० छोरा ग २४७, ग २५० छोरी ग २६० छोलना ज ५७८ छोला घ २५५, ट १४३, ङ १४६ छोइरा ग २५० छोडाडा घ ३६३ छोंक र ७४ छौंकन छ ७४ छौंकना भा ६४ स्रौना ग ४३१

ज

जग भ २६२ जंग चढ्ना ज २८२ जगम ज ६७८ जगल घ ११ जंगला च १६६ जगली छ ६६, ज ५५६, ज ५५७ जगी ज ४२५ जघा ग ८४ जिया च २५६ जंचना ज ४६६ जचना स २५५, च ७२५ जनोर घ ३५३, ङ ३४६, ङ ३४६, ङ ४००, इ ५४३ जंतर ह ३३१ जंत दे० 'बीव' जात्री स्व ६५१ जपर इ २७० जबुक क २८६, ग५१३, ग५१६, घ ३६६ जब्दल घ ४० जबूद्वीय क प्रद७ जभ घ ३५३ जॅभाई ज ७५६ जॅमीरो घ ३५४ जई घ २४. घ २३७ नईफ भ ३४ ज़ईकी भ ३५ जक ज ७३, अ ३२१, ज ३३६ जकड़ा भत २३५ ज़कात क ५०७, क ५१५, ख ४१०, ब १६ जुखीरा ज ६२४ नस्मी भ २७६ जग च १०३ अगगा ख २०० जगत क १६५, क ३१३, च १०३, छ २६ जगती च ६०, च १०३ जगदवा क १६४ जगदिवकरा क १६४ जगदीश क ११२, क १३४ जगनाथ क ११२, क १३४ जगनायपुरी क ५६ जगमगाना छ २८६ जगमगाहर छ २८७ जगह ज १, ज ६६२, अ २५५

जगाना ज ७७०

अधन ग ८२, ग ८४ अवन्य ग २६६ जच्चा ग ४२१, भ्र ५४ जन्चाखाना च १५० अज ग ३६६ अजमान क ८७ बनीराच ६२ जरना ज २५०० म २०८ जरा ग ३७, ग ४३, घ १३, घ १६, घ ६७, घ १२७, घ २६३ बटाधारी क १६५, घ ६६, ज ४८७ बटामाची प १६३ जटाय ग६२३, घ १७७ बटित भा ३२५ जिटिल घ ६५, घ २६२, ज ४८७ जटर ख ४६६, ग ५२, ग ११३ जठरानल छ २७३ जटराग्नि ख ४६६, छ २७७ बहाब १३, धा३०२, घा ४५८, च २६२, ज ३६४. ज ६७६ जहता ग्व १८५, ज ३६६ ब्रह्मा भा ३२४ बद्दन च २२७, च २१२ जहांना भे १४५ बहित भा ३२५ बड़ीबुटी घ १३२ जद्रशा भ ३२५ जडगा ख ५३० बतलाना स २६२, ज २०८ बाबु घ ४६७, ङ ६१, ह ३२४ ब्राज ६२५ बद्धि ब १००५ बदुर्गत क ३६६

40 --- 23

बदुराई क ३६६ जन ग ३, ज ६२४, भ ४०४ जनक क ३७६, ग १७४ जनतत्र ख ३६० बनता पार्टी ख ३४६ जनन क ११२, ग १४४, ग १७४, में ५३ जनना ग १४५, ग १४६ जननी ग १७७, ग ४२१, घ १६६, ङ ३२४ जनपद ख ३४८, च ४०७ जनप्रसिद्धि भा ३८५ जनमग १४४ जनमना व द १३ जनवाना ज ११५ जनवरी ह्य ३८ जनवास च १३०, च २२०, ब ६२५ जनश्रति का ३८५ ननाना ग २२५. च १७७ जनार्दन क १३८, क ३६६ बन्द च द १ जनेक क १०६, ग १५० जनत क ५२० जन्म ग १४४, ज =१२ जनमदिन भा 👀 जन्म देना ग १४६ जन्मना क १५६, भरिश्ह जन्म लेना ग १४५, ज ८१७ जन्माना क १२५, क ३१५ जन्माल्डमी क २१२ बन्य ग १७४, ग २५० जप क ३८. क ४८ चपना क ३६, क ४६ उदेश स्ट विक ज्य हा ह

जबतब छ १६५ जबङ्गाग १०३ ज़बरदस्त भ ४० नबरदस्ती ज ६७४, भ १६६ नुबरन ज ६७४ ज ६७५ नबान खर१३, ग२७, ज६१४ जम क ३१७ जमदुतिया छ २११ जमना ज ६८६, ज ८५६, भ १४५, भ ३१६ जमहरियत ख ३६० जमा ख ३६१, ख ४११, ज ६०४ जमा करना ज ८४८ जमात क ८०, ख ३३६ अमादार ग ३५४ जमादारिन म ३५५ ज़माना छ १, ज ६६१, ज ८५८, ज ६०२, म ३१५ नमानाहाल छ १७३ बामायत क ८०, ज ६२४, ज ६२५ जमायतुलउलमा ख ३४६ अमालगोटा घ २१६, घ ४७६ बमावदा ब ६२४, ज ६२५, ज ६२७ क्रमीकद घ ३११ नमीदार ग ३७४ ब्रमुर्रद घ ४८६ बमेट्टो ख ५५५ अम्नोत्री क ५६ बयत क रदाद, क ३०७, क ४२५, च २६० जय क १४५, क रदद, क ४१४, घ १०८, घ २३७, ज २८८ जयकाव्य क ५८० जयद्रथ क ४३६

जयमाल ङ २३१, ड ३४६ जयहिंद ज १६६ नर ख ३८०, ख ४६१, घ १३ ब्राखेब च १०१ बरठ छ १७४, भ ३४ जरठपन भा ३५ ज़रद ख ३७ जरदा इ १८६ ज़रदी ख ३६ बरना भ १०४ ज़रब ख ५६२ ज़रब करना ख ५६३ जरबन इ २६५ नगन ६१०, भा ३५ जराना भ १०३, म ११० जरासंघ क ४४२ जराइ ल ५३६ ज़रीया भा ३७२ ज़रूर ज ४२१ श्र ज़रुरत ज ४२१ ई नुरुश ज ४२१ आ जर्बर भा ३४ नर्द ख ३७ ज़र्दा ङ १८६ नदीं स ३६ नर्रा ज ८६५ ज़र्राह ख ५३६ ज़र्राह्री ख ४३४, ख ५४० जल च४७, च २६२ जलचर ग ५७७, ग ५८४ जलचिकित्सा ख ४३२ जलज क ३०७, ग ५७७, ग ५८४, प ३२८, घ ३८८, घ ४८३, घ ४६४

बलजात घ ३८८ अलंडमरूमध्य च २६६ जलद छ २३६ जलधर च २६४, छ २३६ जलिख च प्र. च २६४ जलन ख ४५५, छ २८२, ब २६२ जलना भा १०४, भा १०५ जलपान ए ४१. ङ ३८१ जलसा ज ६२५ जल्दो छ १५८, छ १६२, ब ४४४ जल्दी करना छ १६१, ज १८ जस्दी भचाना ज १८ अल्पनाज ६१३ जल्लाद ग ३७३ अव श २३६, छ २६५, अ ४४३ अवनिका ङ ४६७ अवार्ड ग २६३ जवान का ३२ अवानी भ ३३ जवाब ख २६७ जवाबदेह ज ३८० जवाबदेही ज ३८१ बवाहर घ ४८० जवाहरजाकेट ङ २५१ जनाइगत घ ४८० जशन ब ६२५ बसमिति क ४०६ जस्ता च ४५५ जहत्तुम क ३१६, क ५३२ जहर क १८३, स ५६३, घ ४७८ बहाँ ज ६६० बहाँ बही ज ६६४ भहाँ तहाँ ज ५०⊏, ज ६६१

नहान ङ ३८० जहान च १०३ जहालत ज १०४, ज ३६६ नहीन ज ३६३ जहेन ख ४१६ जह्रुक १३४ जलपान करना भ ११२ जलप्लावन च २८४ जलवायुख ३२५ जलाना ज ⊏३४, भ १०३, भ ११० जलावन इ ४२३ जलाशय घ १७३, च२७१, च ३१३ नलोल ज ३४५ नलील करना ज ३४६ नलील होना ज ३४७ बलेबी ङ १८० जलीका ग ५६६ बहद ह्य १५६, ज ४४३ जल्दवाज़ छ १६४, ज४४८ जरूदवाता छ १६२, ज ४४४ जाँच २ जागल ग ६१, घ ४७८, ज ५५६, च ५५ बॉबग ८४ जाँ घिवा ङ २५६ बाँच ख २५०, ख २५८, भ १६२ जॉचना ल २५४; ज १६६, म ३५४ बॉच-पहताल ख २५० बात ड ४६१ जाँववान क रूप जा क ३६७, ग १७७, ग २५० बाई ग २६०, घ ४०३ बाकेट ङ २५१ षागना घ ७६६

बागरण च ७६८ बागरक घ ३४८ बागति च ७६८ बागोरदार ग ४०५ श्र

जाप्रति ज ७६८ जाचक ग ४२६ जाचना ज १६६

जाजवल्यमान छ २८८

बाङ्क २२४ बाङ्क छ ७५

बादा छ ६७, छ, ७५, छ, ८०, छ, ८२, मार्थ इ.६

बादा बुखार ख ४६४

क्सतग १४४, ग२५०, ग२६०, ग३०० जद्द

चातक क ५६६, ग २४७, ग ४२२, ग ४२६

चातवेद क ३११

जाता ग २६०

व्यति ख २०१, गर**८१**, ग ३००, घ४१५,

भ ३

चादू क ३६२, क ३२६ जादूगर ग ४०७, क ३२७

बादुगरी भा ३२८

बात ग ८४, ज १०३

जानकार अ ३६३

बानकारी ब १०३, ज ११७, ज ३६५

व्यानकी के ३६७ व्यान व्याना सं १५५

बानना च ११०

बानपहचान ज ११४, ज ११६, ज ११७

जानण्ड्यानी च १११

मानवर ग ४३०

बाना छ, २, च १०४, ज ३८४, ज ६६५,

ज ६६७

जानाबुका ज १०५

जानी ग ४, ग २२५, ग २६७, ज १५६

जानु ग ८४, ग ८५ जाप क ४८, क ५१ ज़ाफरानी ख ३७ जावर ड १०८ ज़ाब्ता भ १७८

जाम इ४४३, छ १, छ १२८

जामवत क ३८४

जामा ङ २१८, ड २५२

जामाता ग २६३ जामिन भ १८७

जामुन घ४०, घ४१ जामुनी ख३•, ख४६ जायका ड५१, फं१२४ ज़ायका लेना फ १२५

ज़ायकेदार इ ५०, इ ६०, म १२७

जायज़ ज ४२० जायजा ख २५० जायपःल घ २२०

जाया ग २२५, च १५० जार ग २२७, ङ ५७१ जारज ग २४६, च १८

जाल ट ५६१, ८ ५७१. ज ६२४

नालिम भ १७०

जाली ट ५५८, ङ ५६१ जावक ङ ३२४, भ ३३५

जावालिक ५५८ जावित्रो छ २२१ जाससस्य ३७७

जाहिर करना ज ७६६

जाह्नवी च २६०

जिंद क ३५०

जिंदगी ग १४३, भ २६

ज़िंदा दे० परिशिष्ट क।

ज़िक ज १०८, ज ६२१

बिगर ग६, ग११०, ग१११, ज २०६

विविया ग २०२

विश्वासा ज ११६

जित ज २८८, ज २६०

जितेन्द्रिय क ३८०

निद ज ७३

ज़िंद करना ज ७५, ज ८१

बिदी ज ७४

बिन क १३४, क २६७, क ३५०, क ३५१,

क ४४७, क ४८४, क ५३३

जिनिस इ३६

जिन्स ड ३६

बिब्रील क ४२८

जिमोकद घ २११

ज़िमा ज ३८१

जिस्मेदार अ ३८०

ज़िम्मेदारी ज ३८१

निम्मेबार ज ३८०

ज़िम्मेवारो ज ३८१

जियाग्रैफ़ी ख ३२३

ज़ियादती भ १६६

जियालोकी ख ३२६

बिरह ड ४०८, च ११६

निर्दाक्त ग ५०१

बिहद ग ६०

ज़िल्लात **ज** ३४८, ज **६**४६

बिक्लत उठाना ज ३४

बिक्तु क १३४, क २२५, क २६७, क ४१७

बिस जगह ज १६०

जिस्म ग १२

जिस्मानी ग १२ ऋ

जिहा ग २७, ग १३६

जीग १३०

जीजा गर०३

बीजी ग २०२

जीन ज २८८

जीतना च २६३

जोन ड २२३, ड ३६३, भ ३४

जोना च १५७

जीभ ग २३, ग २७

जी भर जाना ज ३७

जोभी ग२७

जीमना भ ११७

जी मिचलाना ख ४६८

जीमूतवाहन क २२५

जोरा घ २२२, प २२३, घ ३६०, ड ८१

ज़ारा सकेंद्र च २२२ चौग स्याह थ २२३

ज़ीरो ख ५७३

जोर्गा च १३७, अ ६३६, भ ३४,३५,४५

बीर्याता भ ३५

जीर्गावस्त्र ड २२१

जीर्गाशीर्ग ज ६३६

बोर्गार्था होना ज ६३३

बी ललचाना अ ४७२

जोव क १३४, ग१, ग४, ग६, ग७,

च १६, च ३५

जोवजंतु ग ४३०

बोबर ज २०६

बोबचारां ग १, ग ४३०

जीवन ग ६२, ग १४२, ग १२६, घ २५५,

₹ १५७

वनकाल ग १४२, भ २६ विन पाना ग १४५ वन मर छ १४६ विनी ख २०४, ङ २२ ीबातमा ग ५, ग ७ गैवितपुत्रिका स्त्र २१७ ी इटना ग १२५ ी हटाना ज १२३ श्र, ज १२६, ज १२६ श्राँ ग ५४४ श्राकी ग ४१५ काम ख ४७५ हिक भा ३७० ाग घ६०, छ १, छ १६, भ ७ रुगन् ग ६७१ रुगराफ़िया ख ३२३ रुमवना ज ८५८ तुगालो करना, भ ११६ बुगुत क ३७० तुगुन् ग ६७१, ङ ३३१, ङ ३४६ बुगुप्सा ख १८६, ज १४८ बुगुप्सित ग १५४, ज १६० बुभार ख ३६४, भ २६२ जुभार करना ज २८२ बुकार ल १०३ बुटना क २८६, ज ८५६ बुटाना अ १५२, ज ८५८, ज ८६६, ज ८७४ बुठारना भ ४२५, भ ३८२ बुद्रना ज ६५६, ज ८७४ बुदवाना स १०१, स १४० जुद्दाना ज ३७, मेर १०२, मेर १४२ बुद्दा दुष्टा ज ८७४ बुदा बद्धप्र, म ४०६ बुदाई बद्धह

जुदाई करना ज ८५३, च ६०१ जुदा होना च मध्य जुन्हाई क ३०७, च १६, छ १४५ जुमा छ १२१ जुमारात छ १२० जुम्ला ख २३२ जुर्माना भ २२४ श्र जुरमाना ख ४१⊏ जुरमाना नगाना भ २२४ जुर्म भ २२० जुरीब ड २६७ जुलिवित्ती ख ४५६ जुलाई छ ३८ जुलाहा ग ३५६ जुल्म भा १६६ जुल्मी भा १७० जुवराज ख ३५४ जूं ग ५५४ ज्ञाँ ग ५५४ जू क १३०, ग ५५४, च २१२ जूजू ज २३८ ज्भना ज २८०. ज २८२ जूट ग ४२, घ १२७, घ १२⊏ जुठन द ४६८ जुठा ट ४६८ जुड़ा ग ४३ जूदी ख ४६१, ख ४६४ जूता ङ २६७ जूनो ड २६७, ङ २६८ जून छ ३८ जुही घ ४०५ जूम ज ४४६, ज ७५६ जेवना भा १७१

जैंड ग २४२, छ ४३, छ ७०, छ ७१ जेठरा ग २४२ जेट्टबा छ ४४ जेड़ इ ४४ जेता क १३४, म २६० जेना ज २६३ जेब ड ४६६ जेबकट ग ४१८ जेब भरना ख ३८४ जेवां ज ४३८ जेंबसलम क ५०४, क ५१८, क ५१६ जेल च १८२, भ २२२ नेवर ङ ३२७ नेष्ट छ३७, छ३४ ज़ेहन ग १३१, ज ३६२ जैन क ३ जैनी क ४७२ जैमिनसूच क ५७१ जैमिनीय क प्रश् जैगम करना ज १६७ जैसा ज ४२२, अ १००१ जै हिंद करना ज १६७ ओंक ग ५६६ जोंधरी ध २४५ जो ज १००१, ज १००४ बाकाम ख ४७५ बोख क ६४५, ज ६५७ जोखना ज ६५६ जोखाई ज ६५७ जोग क ६६ यांग टोट का करना क ३६१ बोगवाना ब ८५८ खोगाड क ३७०

जोगाइ करना ज दप्रद जोगिन क १११ जोगिया घ ४३८ जोगी क ६४, क ११० बोगेश्वर क १६५, क ३६६ जोड़ ख ५५८, ग १०७, भ ३६३ जोड खाना क २८६ बोड़ना खप्पृष्ट, ज १५२, ज ८७४, ज ८८१, ज ६०२ जोड़ा इ २६७, ज ८०४, ज ६०४ जोड़ी ख २०५, ख १०६, ङ ३७७ बोड़ी पाड़ी ग रद्र जात ङ ५५० जोतनः भ ३११ जोघा ख ३६४ जोन्ह्री घ २४३, घ २४४, घ २४५, घ २४६ जांन्हाई क ३०७ ज़ोबन भा ३३ जोय ग ४, ग २२५ जोंग इ ३७३ श्रा, ज ६७४, भ ३८ जोर डालना क ३७८ ज़ोरदार भा ४० ओरना ज ८७४ जोरशांर क रूप बोरू ग ४, ग २२५ जोवना ज ४५३, ज ७२३ जोश ज ४, ज २१२ जाश-खरोश ज २१२ जोश खाना में १०६ जोशदेना म ६०, म ६६ जोशन ङ ३३३ बोश में श्राना ज २११, भ १०६ ओधिता ग४

बोइ ख २५८ जोइना ख २५८, ज ४५३, ज ७२३ नै जौ घ २३६ जौजा ग २२५ जौहर घ ४८० जौहरी ग ४०८ शात ज १०५, ज ११८, ज ३८४ ज्ञात करना ज १०६, ज ११० शातव्य ज १०७ ज्ञाता ज १११ ज्ञान क ५३४, क ५६०, ख २३५, ग १३२, ज १०३, ज ३६५ ज्ञानगम्य ज १०७ ज्ञान देना ख २६२ ज्ञान प्राप्त करना ज १०६ ज्ञानवान ज १११ ं ज्ञानीक १७,क७५, छ,१६०,ज१११, ं अव ३६३ ं ज्ञानेद्रिय ग १३५, ग १३६, ग १३६ । शाप्ति ज १०३ ज्ञेय ज १०७ ं ज्यादती ज ६१३ ज्यादा ज ६११, ज ६२४ ं ज्यादा होना ज ६१७ च्यामिति ख ४५५ ं क्येब्ट क ११२, ग २४२, छ ४३ ं ज्येष्टा ख १६१, ग ७२, ग ५३१, च २७, च४५ ज्यों अ १००१ ज्योति क १३४, क २६७, क ३११, ख ८६, इ ८७, च ६, च २६, छ ३८३ ज्बोतिरिंगया ग ६७१ ज्वोतिर्मय 🛢 २८५

ज्योति र्लिंग क १६५
ज्योतिष क ४५५ ख २३७, ख ६४७, च २७
ज्योतिषी ख ६५०, च ४
ज्योतिषी ख ६५०, च ४६
ज्योतिष्ठी ख ६५०
ज्योतिष्ठी क १६५
ज्यातिष्ठी १६०
ज्योतिष्ठी क १६०
ज्योतिष्ठी क १६०

升

भकार ज ६४५ भंकारना ख ६३ भक्त होना ख ६२ मंखना भ ३४७ भॅगुली ङ २७८ भॅभरो च १६६ ममा छ २६६, छ २७० ममाखात स २७० भांडक ३७ भड़ा छ ४०२ 北重! 空 べっら भाइ व ४३६ भाष इ. ३३१, इ. २४६ कॅपना ज ३२८ मॅपित अ ३२७ भाक ज ३३६ भाकभाक करना व २८० भकोर छ २६६, ज ७१४ भकोरना च ७१५

मकोरा छ २६६ भक्क ज ३३७ भक्को च ३३५

भख ग ५८४, च ७० भग**द**ना ज २८०

भागदा ख २६६, च २७६, च ६४३

भगदा करना च २८० भगदालू ज २८१ भगरना ज २८०

भागरा ज ६४३

भगा ङ २४३, इ २७८

#त्रुली घ २७८

भाट छ १५८, च ४४३

भटक क १५८

तरकार व २६१, भ २०६, म २१०,

क २११

भटकारना ज ५५२

भड़नाज ८११ भड़पनाज ४८

मार्की छ २३८, छ २५१

मनकना खप्र मनकार जहरप

भनभन करना ख ६२

मनमनाहट ज ६४५

मन्ताइट ज ६४५

क्त छ १५८, ज ४४३

भावन क १२४

भवसना च २८२, ज ७५४, ज ७५५

क्तपको ज ७५७, ज ७५८

भाषका लेना ज ७५५

भापहना च रूटर, भा ३१०

भपट खेना भ २११

मनकना व ७६

भरना ड ४३३, च २७३, ज ८११ ू

भरोखा च १६६

भारतक छ २८७, छ २६४

भलकना छ २८६ भलका ख ५२१ भलकाना छ २६० भलना भ ३८०

भलरी ग ४७६

भत्लाना ज ६६, ज ६७, ज २५६

भल्लाहर ज ६३, ज २५८

भाष ग ५८४ भाष के तुक २७१ भाष ज ७३२ भाष कता ज ७२३

भर्तका अ ७३३

मॉम ल ६६, ल १०६, इ ३६५, ज ६३

भार्भर ङ ३३५, इ ३६२

भॉभरी इ ३३५ भॉट ग ३७ छॉप ज ७५७ भॉपना च ७६८

भांपी इ ४८३, इ ४८४

भॉवर ख २०, भ ३३७

भॉमना भ २०६

भाग २८६ भाई ख ४५३ भाज घ ६३

भाभरी इ ३६२

माद घ ६६, ड ४६१, ड ४६५

भाइन ज ५५३

माबना क ३६१, ज ५५२, भ ३६०,

भा ३६०

आइना फूँकना

भाइना पूजना क ३६१ भाइफान्स ङ ४६२ भाइ फूँक करना क ३६१ साइ बुहार करना ज ५५२ भाड़ा ग ११५ भाइ इ ४७३, च ७२, ज ५५३ भाडू देना ज ५५२ भाग्ड ग ६३ भावर ङ ४६६ भावा ङ ४६६ भारना ज ५५२, भ ३६० भाल ख १०६, च २७८ भालर ग ४७६ भिभ करना ज ३६१ भिन्दकनाज २४८, ज ३६०, ज ३६१ भिइकी ज ३५६ भिइकी देनाज ३६० भिपाना ज ३२६ भिलमिल ज ५०५ भीखना घ २५६ भीगा घ २३२, ग ५६० भोगुर ग ५४७ भीसो छ २४८, छ २४६ भीना ज ४६६ भोनापन ज ५०१ भोल च ३१४ भुभलाइट ज २५८ भुड ब ६२४, ब ६२५, ज ६२८ अक्तुकनाक ५१३, ग १५५, ज ६३, ज ⊏२ मुका भ ३४ कुकाना ज ८३

अद्रुटा छ २६३

क्रुटपन ज४०८

मुडलाना च ४११ भुठाई ज ४०८ मुनमुना इ ३७६ भुनभुनिय। घ १२६ मुमका ङ ३३०, ङ ३४२ **भुरवाना** भ १३३ भुरसाना भ १३३ मुराना भ १३२, भ १३३ मुज्ञस छ २८२ भुलसना भ १३२ मुलसा भ १२८ भुल ए ना भ १३३ मुलाना ज ७१४ मुल्ला इ २७० भुल्ली ₹ २७८ मूठ ज ४०६ भूता ज ४१० भूठा ठहराना ज ४११ भूमक ड ३३० भूमड़ इ ३२८ कूमना ज ७१६ भूमर इ ३२८ भूर भ १२८ कृरा छ २५३, भ १२⊏ मूला इ५०१ भोप ज ३२१ भंतपता चर३२, ज ३२८, ज ७५५ भौपा च ३२७ भोपाना ज ३२६ मेलना व १८३ भाक ज ४ भोका च २७६, छ २७६, ज ४ भोंका खाना च ७०७, च ७१६

हात ज ४८७ हा ग ३८ हेबाला ज ४८७ एडी च १४२ रना ज ७१५, ज ८५८ रा ड ४६५ ता ड ४६५ सा ड ४६६ रज ६२४

Z

ंख ४२१, घ ३६, ड ४०६ ग करना स्त रद⊏ ना ह पूर्७ र्छ सा ह्य न्त ३६ होना ज ३७ . अ १४ई नको बॉधना च ७२६ अलगा च ७६५ गना अ ७०६ मा इ ५६४ न द ७०३, म २८० ार खाना च ७०६ म 🥰 १७५ सना ज ७६५ च १५२ होना ग ११६ 1 YXC नना भत्र ३६ ब्ल ४८३, म ३७६

टपकना ख ४८२, अ ७१८, ज ७१६, ज ८११, का ३७७ टब ङ ४५० टमक ख ४८३, भ ३७६ टमकना ख ४८२, म ३७७ टमटम ङ ३८७ टमाटर घ २८६ टरकना च ६७६ टलना ज ६७६ टसकना ज ६७६ रसर ङ २३२, ङ २३४ टसुऋा ग ११६ टइना घ १७ टइनी घ १७ टइल के २४६ टहलू ग ३८३ टॉकनाज मध्४, ज म≕१ टॉका च ३१० रॉका मारना च ८८१ टॉग ग ८६ टॉगा ट ३८७ टॉगी इ ५१२ टॉगुन व २४⊏. ङ ३५२ टॉचन। ज ८६१ टॉइड ३३३ टाइप करना मा २८८, ख २६४ टाईफ़ायड ख ४६२ टाटक छ १७५ राठो ₹ ४४० टाप ग ४३३ टापू च ६२ टार्च क ४६२

टालना च ६७०, च ८५३

टावेल

टावेल ङ २५७ टिंडा घ २८७

टिकट ख ३१६, ख ४१३

टिकटिकी स ५३१

टिकना च ७८१, च ६८६

टिकरी ङ १०२ टिकली ड ३१६

टिक्स ख ४१०, ख ४१३, ख ४१६

टिकाऊ भ २६७ टिकान च **१**३०

टिकाना ज ६६१, ज ७⊏२

टिकाव च १३० टिकिया ङ ६ ।टकुली ड ३१६ टिकोरा च ३८

टिक्की ङ ६, ड ३३८

टिटिइरी ग ६३१

टिहिम ग ६३१, म ६३२

टिड्डा ग ६६६

टिड्डो ग ५४४, ग ६३१

टिप्पसी ख ३०० टिप्पन ख ३०० टिर्री ज ६१

टिसुश्रा ग ११६

टिहुनी ग ५८, ग ८५

टो ड १६६

टीन क २२८, ङ २३१, ङ ३३८

टीका ख २००, ङ३१८, ङ ३२०, ड ३२८,

ङ ३३१, ङ ३३८, ङ ३३६

टोचर ख २४१ टोमटाम क्त ७५ टास का ३७६

टीसना ख ४८२, ज ४७०, म ३७७

दुइँयाँ च ४३६

दुकड़ा ड २७५, ब ५५३, च ८७६, च ८

दुकड़ी च ८६२, ज ६२५ दुकड़े करना ज ८८०, ज ६३४ दुकड़े दुकड़े होना ज ६३७

दुनकी ख १०५

दूट कर गिरना च ८११

टूरना क २८०, च ८५४, ज व्य०२,

3 600

टूटा-फूटा व दणद्व ६३६

द्वर मा १४ दूस क २६३ टेट ड २६३ टेटी घ ३६६

टेक इ.५३२, ज ७३, 🖷 ७७२

टेकना ज ७७३ टेक पकड़ना ज ८१ टेक लगाना च ७७३ टेकुरी ङ ४८२, ङ ५६४

टेकुवा ह ५६४ टेक्स ख ४१० टेक्स्ना क्त १०७ टेट ङ २६३ टेटुग्रा ग ३५

टेढा ग ६५४, ख ६०, ख ६४, ख ६५

टेढ़ाई ज ६२ टेना भ २६७ टेबुल ङ ५१० टेर ज ५६६ टेरना च ६०० टेव च ४०२

टेवना भ र६७

टेसू व ७२, व ४२७

॥ ग ६६७ म च २०४ ध्यां इ. ४६६ हरी इ ४२६, इ ४६७ लिस प्रद ा ग २४७, भ ३०१ गंदन क ३६४ स के दे६२ य करना क ३६०, क ३६३ 1 3 780 गें ङ २४१ ना ङ ३६१, च १३७ मीच १३७, ज ६२४ ादे० 'बाबस' 1 3 EX ंड ३८३

ठ

ा कर १३६ ा करना क १०१, क १११ ा करना क १०२ ा होना क १०२ होना क १०२ क १३६ क क १३६ क का १३६ क क १३६ ठक्कर मारना ज ७०६ ठग ग४१६, ग४१८, ज २६८ ठगना ज २७०, भ २०८, भ २१०, भ 305 ठगनो ग ४१७ ठगपना न २६६ ठिगनी ग ४१७ ठगी भा २०६ ठट ड ३००, ज ६२४, ज ६२६ ठरना भ ७६ ठटरी ग १००, ज ४६६ ठड्डा ज ३७२ ठट्टा मचाना अ ३७३ ठट्टेबाज ज ३७१ ठठ ज २२४, च ६२४, ज ६२६ ठठना भ ७६ ठठरी ग १००, ज ४६६ ठठाकर हॅसना ज ६३० ठठेरा ग ३२१, च २३८ ठठेरिन ग ३२२ ठतेरी बाहार च २६८ ठठोल ब ३७१ ठठ्ठा मारना ज ६३० टक्षा होना ज ७४६ ठदरों ग १०० ठप्पा करना स्व २८८ उस ख ३६०, ब ६८ उसक ज दद ठसक दिस्वाना च ७६, च ६० ठहर च १ उइरमा ब ६८६, ज ७८१ ठहराना ज ६६१, ज ७७४, च ७६२ ठहराव च १३०, ज ६६३, ज ७८६

ठहाका मारना ज ६३० ठाँव ज ६६२ ठाँसना ख ४८८ ठाकुर क ११२, क २०७, ग रू८४, ग ३११, **新 5**5 ठाकुरद्वारा क १६ ठाकुरवाड़ी क १६ ठाट इ ३००, ज ६२४, भ १७३ ठारदार भ १७४ ठाटबाट भा ७५ ठाठ बाट करना भ ७६ ठाटो ज ६२४ ठाढ होना ज ७४६ ठानना ज ८१४ ठाम च १ ठार बु २५६, भ १३६, भ १३८ ठाव च १ ठाहर च १, च १३०, च २०५ ठिकाना च १, च १२६, च १३० ज ६८६, ज६६०, च६६२ ठिकाना देना ज ६६१ ठिगना ज ४३६ ठिट्टरना ज ८१, ज १४२, भ १४५ ठिल्ली ड ४५३ ठोक ख ५४७, ब ३३६, ज ४०५, ज ४२०, ब ४७५, ब ८२६ ठोक करना ज ६४२, ज ६४४ ठाक न रहना ज ६४५ ठोक लगना ज ४६६ ठोक होना ज ६५५, ज ६४७ ठ्ठ ज ५२८ दुकराना ज ७०२ दुड्डोग ३२

ठुंठ ज ५२६ ठुंठा ज ५२८, ज५२६ ठंसना च ८१० डेका ख ८४ ठेकान ज ६६०, भ ३८४ ठेकाना ज ६६० ठेकुश्रा ङ ११० ठेलना ज ७०४, ज ७४१ ठेस ज ७०३ ठेसना ज ८१० ठोंकनाख २५४, ग १५६, ज ६४४ २⊏१ ठोकर ज ७०३, भ २८० ठोकर खाना च ७०१, च ७०६ ठांद्वो ग ३२, ग ४६ ठोर ग ६०१ ठोस न ६८ ठौर च १

ड

डंक भ ३६१ डंक मारना भ ३६२ डंका ख १०३, ख ११३ डगर ग ४३० डंठल घ १६ डडा ड ४५१, ड ५५५ डंडी ख ३६४, घ १६, ड ५५१ डकार जाना भ ११८ डकेत ग ४१८ डकेती भ २०६ डकेती करना भ २१० डगडगाना ज ७०७

हगमगाना ज १७. ज ७०७ डगर च २४१ डपर ज २४६ इपटना ज २४७, ज २४८, ज ६४० इफ ल ६५, ख १०० डफला ख ६५, ख १०० हबका ङ १४४ डबल ख ४२६ डबल कोट ड २४८ हमका ह १४४ इमरू क १७६, ख १०४ हर ब २२६, ब २३३ हरना भ ३५१, ज २४५ इरपोक ज २३६, भ २७४ हरावना ज २४३ इला ह ४६६ इतिया उ ४६७ इली ङ ४६७ इसना ग ५५५, भू ३६२ इताना ज ८७१ डहडहा ज ३६ डॉकना ज ६००, ज ६७१, ज ६८३ डाँगर ग ४३०, ग ४६६, ग ४८३, ज ४६६ डाँट ज २४६, ज ३५६, ज ६३६ डाँटडपट व ३५६, व ६३६ डॉटना च २४७, च २४८, च ३६१, \$ 5 YO डॉट-फटकार ज ३५६ बांटो घ १६ डॉब ख ४१८, इ.५६६, इ.५५१, च १०२, 北 から入 滋 साँद लगाना भा २२५

डॉंडो ङ ५५१

डाइन क ३५२ डाकना ख ५००, ज ६८६ डाकप्यन ख ३७६ डाकाननां भ २०६ डाका पड़ना भ २१० डाकिनो क २०२ डाकिया ख ३७६ डाकु ग ४१८ डाक्टर ख ५३८ डाक्टरी ख ४३३ डाट-डपट ज २४६ डाढ़ा ग ३२, ग ४६ डाबर छ २३२ डावर करना ख ५४६ डाम व २४ डायरी ख ३०३ डाल च १६, ङ ५४६ डालना स्व ५००, ज ७२०, ज ८६८, ज \$03 डालो भ १६, भ १७, ड ४६७, ड ४६६, E YO. डावॉडोल इ।ना अ १७ आसन इ ५०२ द्वासना ज मण्ड डासनी ड ४६६ बाह ज २६२ डाहना च ५५ डाड़ी ज २६३ डिंच ग ६०३ द्विम ग २४७, ग ४२२, ग ६०५ डिगना च ६७६, च ७०७ डिगामा ज ६७० क्षियों का २५३, का २५४

्डिठवन छ २१० डिठौना ड ३०३ डिबिया ड ३ डिबेट ख २७२ डिब्बा इ ३, इ ४८५ डिब्बी ङ ३, इ. ४८४ डिम ख १३५ डिमडिम क १७६ डिमाकेसी ख ३४० डिल ग ४५१ डिस्पेसरी ख ५४३ डींग ज ६२ डील ग १२ डोइ क ३५८ हुग्गो ख १०१, अ ६०२ हुपट्टा 🤻 २७४ डुबकी मा ४१७ डुवाना भ ४१६ डुब्बा भा४१२ हुब्बी भ ४१७ हुलाना ज ७१५, ज ८५३ द्वना च १२४, म ६५, म ४१५, म 838 इवा ज १२२, भ ६६, भ ४३३ द्धेगो ड ३८१ डेग ङ ४२६ ंडह ख ५८१ डेढा ख ५८१ डेरवाना च २३५ हरा च १३०, च १३१, च १३२, च १४०, च २०५, ज ६६२ डरा डालना व ६८६

ंडरा देना **च ६८६, ज ६**६१

डेराना ज २३४, ख २३५ डेवढा ख ४८१ डेहरी च १६३ डैना ग ५६६ डोगी ट ३८१ ड़ोंड्हा ग ५७० डोक्स ग १७४, भ ३४ डोकरी भ ४५ डोकी इ ४३८ डोम ग २६६ डोमकौवा ग ६५६ डार इ ४१०, ङ ४८०, इ ४२१ डोरा इ ४८० डोरी ड ५२१ डालडाल होना ग ११६ डोलना ज १७, च ७१६, ज ७१४, ज ८५३. ज ८५ ८ डोली इ ३६१, इ ५७० ड्योहा ख ५८१ ड्योढ़ी च १६२, च १६३ ड्योदीदार ख ३७२, म १६६ ड्राइग ख १२ ट्रामा ख १३६

ढ

दग ख ३, ख २०५, भ ३७० दॅगिलाना च ७०१, च ७०२ दॅवनी ख ४८६ दकना च ७६८ दकेलना च ७०४ दकोसला च ३०८ दहा ट २१२ दब म ३७० दबरी ज ३३६ दरकना च ७६५ दरनाज २५ दरनि ज १६ ढाँचा ज ४६२ टॉपना अ ७६८ ढाई ख ५८६ > डाक ध ७२ टाइस ज १३३, ज २१२ ढाढसी ज १३५ दाल इ ४०७ दालना ज ६०५ दिग ज ६७६ ग्डडाई ज ८६, ज २१•, अं∙३२६ ढिठाई करना ज ⊏१ दिहोरा ज ६०२ दिलपना ज ४४६ होगर स २२४ टोड ज ८४ होल गप्रप्र, जप्रह, जरहह ज ७५३. भी दर ढ'ल देना ज १६२ शक्त होना ज ७५१ रंला ज ६६, ज ४४५ डीलाई ज ४४६ होलापन ज ४४६ ाला पहना ज ७५१ द्वाना ख २६१, ज ७६७ इंडि क १६२ इंक्ना च ७६१

दुलना च ८२ दुँद स २५८ दुंदना ख २६०, च ७६५, च ७६६ दुँदी ग ४४ देंकुवार घ १८३ ढेटमा घ २६७ ढेबरी ङ १६० हेर ज ६२४, ज ६२८, च ६३० ढेर करना छ २४७ देरी ज ६२४, घ ६३० ढोंग क १२ टोंगबाजी ज ३०८ दोंगा क १४, अ ३०६ ढोंद्री ग ५४ ढोका इ ५३५ होटा ग २५० ढोटी ग २६० दोल स्व १३ ढालक ल ६५, ल ६६ डोलना ज उ०२ ढाला ग २६७, ग ५४८ डोलो ज ६३२

त

तग ज ५७१
तग करना ज ५५
तंगदस्त ख ३६०, ख ४०५
तगदस्तो स ४०६
तगी स ४०६, ज ५७२
तज़ेन ङ २३५
तडुन घ २१५, ड ६३
ततु ग २४६, ह ४८०, म ७
ततुवाय ग ३५६

काना व ७६२ जिकाना व ७०२ तंत्र ङ २१८, ङ ४८०, ज ६५३ तंत्री घ १७८ तंदुरस्त ल ५४७, भ ३६, भ ४० तंदुबस्ती स ५४५, ख ५४८, भ ३७ तंद्रित होना ज ७५४, च ७५५ तदुल ङ ६३ तबाकू ङ १८६, ङ १६६, ड २०० तंबू च १३१ तब्रा स ६७ तक छ १६६ तकदीर ज ४५७ तकरार ख २६६, ज ६४३ तकरार करना ज २८० तकरीर ख २७२, ख २७७ तकरोरहाँ ख २७६ तकलीफ ज ५० तकत्लुक च ३२१ तकल्कुको ज ३२५ तकसीम स ५६४ तकसीम देना ख ५६५ तिकेया ड २८७, ड २८८, ज ७७२ तिकयाकलाम ज ६२७ तक ङ १६२ तत्त्वं चे ४१ तस्तक क ३२६, क ३३६, ग ५५६ नखता द ५०० वख्रती स ३११ तफ़ल्लुस भा ३८३ तख्त च १७६ तस्ता इ ५०० तस्तास्याइ स ३१८ तज़्ती ख ३१९ तगडा दे॰ 'परिशिष्ट'

तगर्ण ख २०० तज ङ द२, ङ द३ लब्रिकरा ज १०८ तजना च १८२ तजरबाज ३८३ तबरवेकार ज ३८ तज्ञ च १११ तट क १६५, ज ६७६, च २८६ तिहनी च २७१ तरी च २५४ तइकना ज म७२ तङ्का छ १३४, छ १३६ तडका देना भ ६४ तड़के छ १३६ तङ्गाक फड़ाक छ १५६ तदाका छ १५८, व ४४३ तहाग च ३१३ तिहत छ २५४ तत क ३१३, ख ६४, ग २५० ततैया ग ५७५ तत्कालीन छ १३ तता भ १३७ तत्पर भ ३७४, म ३७६ तत्वरता 🖣 ३७७ तत्पुरुष क ११२ तत्र ड ३७, इ ६८५ तत्व क ११२, क १२३ तत्वश क ७५ तत्वज्ञानी क ७६ तत्वदर्शी क ७५ तत्ववेत्ता क ७५ तथागत क ४४७ तथापि अ १०१४

तच्य च ४०७ तदनंतर ख १६३ तदनुरूप अ ४२२ तदमुरूपता ज ४२४ तद्पि ज १०१४ तदबीर भ ३७० तद्गुया ख १६० तद्व ब ४२२ तद्र्पता च ४२४ तन ग४, ग१२, ग२५० तनस्वाइ ख ३६५ तनना ज ८१, ज ६०, ज ६८४ तनय ग २५० तनया ग २६० तनवाना म ३६८ तनहा ज ६१६ तनहाई च २२० तना च १४ तनाब भ ३६६ तनिक च ६१० तनु ज ४६६, ज ५०६ तनुज ग २५० ततुजा ग २६० तनुता च ५०१ तन्त्रों क ५५० तन्मय अ १२२ तन्मयता च १२७ तन्मय होना स १२४ तप क ६ र , क १३४, छ ६६ तप करना क ६३ तपन क २६७, क ३१२, क ३२२, स १६४, ष ४८४, के ४३, के ६६, के १३५ तवना क १०५

तपनी क ६२ तपश्चर्या क ६२ तपसी क ६४, क ११० तपस्या क ६२ तपस्या करना क ६३ तपस्विनो क १११, क २०२, ग २७२, घ १७६, च १६३ तपस्वी क ६४, क ११०, घ १६१ तपाक छ ६६ तपाना भ १३६ तपिश भ १३५ तपी क ११० तपेदिक सा ५२० तपोवन क ६५ तपोभूमि क ६५ तप्त ज ५२, भ १३७ तप्त होना भा १०५, भा १४१ तफ़रीह द ३६४, ड ३७३ तफ्सील ख ३०० तब स ११६ तनक म ४६० तबिकया च ४७६ तबदीली भर ३०० तबलची ग ३६१ तबला सा ६५, सा १०१ तबादला भा ३०० तबालची ग ३६१ तबाइ म ५६८, ज ८२५ तबाही ज = २३ तबीयत ग १३० तबेला च १८८ तम ग ४६१, ग ५२३, घ ७६, च २३, ख रदर

तरक्की

तमकता भ १४१ तमगा ङ ५६० तमचर क ३४६, ग ६५२, च २६ तमचुर ग ६४४ तमसा च ३०४ तमहीद ख २६८ तमा घ ७६ तमाचा ग६३ तमाम ज ८७६ तमाल घ ७६, घ ४३० तमावृत्त छ २८६ तमाशबीन न ७३४ तमाशा ङ ३६४, अ ७२६, भ ३२६ तमाशा करना ङ ३६६ तमिल ख २२१ तमिस्र क २१६ तमिस्रा छ १४६ तमोज़ ज ८७ तमीज़दार ज ८५ तमालित ग ३१८ तमोली ग ३१७ तय्यारी च ३७५ तरंग ख २६६, च २७८ तरिमको च २७१ तर क ३११, च ८५, छ २३५, क ११४ तर करना २५ १४३ तरकश इ ४११ तरका क ८ तरकारो च २७४. ङ १०४ तरकी ड ३३०, ङ ३४० तरबीब का १६१, का ३७० तरकुल घ ६६

तरक्की करना ज ६७१ तरज्ञमा ख ३०१ तरजुई ङ ५४७ तरिशा क २९७, ङ ३८१ तरतोब भ ४३५ तरतीबवार भ ४३६ तरद्दुद ज २२४ तरना ङ ३४२, भ २३१ तरनी ङ ३८१ तरफ च ७५ तरवृज़ घ ३७८ तरल छ २३३ तरलता ल २३४ तरस ग ६१, छ २६५, ज १६ तरम खाना ज २५ तरसना ज १३० तरहज ४२२, ज ४२६, भ ३७० तराई च २५४ तराज् इ ५४७ तराश का ४६२, का मन्दर तराशना च ८८० तरो ङ ३३०, ङ ३८१, छ २३६ तरोका ख २०५, भ ३७० तक घर त्रध्य घर६७, घ ४८४, घ ४८७, भ ३२ तक्याई भ ३३ तक्सी व १८३, घ ३६८, इ ८६, भ ४४ तरेटी च २५४ तरेरना ज ५३६ तरोई घरद३ तरीना ङ ३४०, ङ ३४२ तर्क ख १८५, ख ३८६, ज १८० तर्ककरना ज ग्दर

तर्क-वितर्कख २६६ तकंशास्त्र ख ३२८ तर्बभा ३७० तर्जना ज ६४० तर्जनो ग ६६. ग ७१ तल क १६५, क ३३८, च ८५, तलक इ ५४१ तलना भ ६४ तलब ख ३६५ तलवा ग ८८ तलवार ङ ४०६ तनाक ग २३५ तलाश ख २५८ तलाश करवाना ख २६१ तलाशना ल ५६०, ज ७६५, ज ७६६ नत्स्रत ङ ६१ तस्त्रवीड ६३ तवा ड ४३२ तवायक ग ३६७ तबारोद्ध ख ३१६ तवारीखदाँ ख ३२० तवारोखी ख ३२१ तश्राखीस ख ४३६ तश्वीह ल २६४ तक्तरी ङ ४४२ नव ज १००२ तस्ता इ ४३० वस्सी ज १३३ तस्योर स १३ १सीलना ज ६०६ ११६६ स ४१६ रस्मई क १२५

इडीड स्व २५८

तहकीकात ख २५८ तह्नीव ज २६७ तहबंद ह २६० तइरी ड १०८ तइसीलना अ ६०६ ताडव क १८१, ख ११७, ख ११६ ताडव करना क १३१ ताॅत इ४१० ताँबा घ ४५० ताबूल इ १६०, इ १६२ ताबुलिक ग ३१७ ताई ग रद्ध, ग रद्द, इ ४२८ ताऊ ग १८५, ग १८७ ताऊन ख ५०६ ताउत्स ग ६०६ ताक च १५० ताकत भ ३८ ताकतवर भः ४० ताकना अ ४५३, ज ७२३, ताक लगाना वा ४५३ ताखा च १६० तागा ड ४८० ताज इ २३७ नाज़ा छ १७५ तानिंदगी छ १४६ ताज्ज्ब क ४३८ ताइच ६६, ङ ३५३ ताइका क १६६ तादन न २४६, ब ६३६, भ २२४ आ, भ रू ताकरा ग १५६, ज २४६, ज ६३६, ज ६४०, भ २२५, भ २८०, भ २८१ ताद्वित भ २७६

वारना भ २३३

ताकित करना म २२५ ताड़ी ङ २०१ तात ग १७४, ग २५०, भ १३७ तातील छ १५५ ताइीखाना च २०८ तात्पर्यं भ ३७१ तादाद ख ५५६ तान ख ६४, ख ८४, ताना न ६३७ तानाननी ज ६३७ तानाननी करना च ६३८ ताना मारना न ६३८ तानाशाह ख ३४५ तानाशाहो ल ३४४ ताप ख ४६१, ख ५८७, ग १२१, भ १३५ तापक ख ४६१ तापना च ५६६ तापस क ६४, क ११०, ङ दर तापसी क ६४, क ११०, क १११ ताबे का २३५ ताबेदारी भ २३६ तामस ग ५५८, स ६५२, स्वारूप तामसी छ १४६ तामिस क ३१६, क ३२२, क ३२३, म ६३ ताम क ६, व ४५० ताम्रज्दं ग ६४४, ग ६४५ तार घ ४४६, ङ ३४० तारक क ४०६ तारकेश्वर ६ १६५ नारस क १३४ तारक करना क २३३ तारतम्य भ १६६, भ ४३५

तारपीन घ ८७ तारस्वर ख ६६ तारा क २०१, क २२२, ग २१, घ ४८३, इ ३१६, च ४, च २६ तारिका ख १५४, च ४, च २६ तारीख ख ३१०, छ ६० तारीखी ख ३२१ तारीफ़ न ३५५ तारोफ करना न ३५६ तार्किक क ५६० तार्च क १६०, क ४५० ताच्यं क १६०, क १६२, क १६५, ग ६०६, घ ४६६ तालक १६५, क ३३८ ख ८४, घ ३६८, म ४३, ङ ५४१, च ३१३ ताल देना न ५६१ तालमखाना च ३६८ ताला ड ५४१ तालाब च ३१३ तालिका च २१३ ताला घ २१३, ङ ५४२ तालीम ख २३८ ताश्रीम देना ख २४७ तालीम पाना ख २४६ तालीमयाप्रता ख २३६ तास्त्र ग १०८ ताल्लुकेदार ग ३७४ तावा ङ ४३२ तिकवना न ७२३ तिकोना ज ५८६ तिक ग १२४, घ १८६, क ४६, क ४३, इन्द्र तिकता व २६६, इ ४७, इ ६१

तिखाई ङ ४७ तिगुना स ५ ६८ तिबारत भ २८५ तितली ग ६७३ तिताई ङ ४७, ङ ६२ तितिचा न ६ तितिलु न ७ तिसा ङ ४६ तिथि ल ६२०, ई ६० तिथिच्य छ ६२ तिबिहानि अ ६२ तिओ घ २३२, घ २६८,ंङ २७२ तिनकोना न ५८६ तिपाई क 422 तिर्मिगल ग ५७८ तिमि ग ५८४, च २६४ तिमिर छ २८४ तिमिराच्छन छ २८६ तिय ग ४, ग २२५ तिरद्धा ङ २३४, भ ६०, ज ६५ तिरना क ४२० तिरपाई ङ ५११ तिरमिराना 🖷 २६२ तिरवेनी च २६६ तिरस्कार ज ३४८ तिरस्कार करना च १६६, च ३६०, ज ३६१ विरस्कृत व ३४५ तिरहत च १२८ तिरिया ग ४ तिरीह्या न ६५ विरोधान व ८०१ तिरोजाव व ८०१, व ८०२ तिरोभूत न ८००

तिरोहित न ८०० तिर्यंक ग ४३०, ग ५३६, ग ५६८, न ६०, न ६५ तिर्यगयोनि ग ८३०, ग ५६८ तिलंगा ख ३६४, ख ३६५ तिल घ २६२ तिलक स ४१६, ग १०६, ग ४६२, ड १७ ङ ३३, ङ ३१८, ङ ३३८ तिलचट्टा ग ५५६ तिलही ड ३३१, ङ ३४६ तिलमिलाना छ २६२ तिलमिलाइट स् २६१ तिलमिलो छ २६१ तिलस्म भ ३२६, भ ३२८ तिलस्मी ऋ ४३६ तिलाक ग २३५ तिस्ली ग ११२ तिवारी ग २८५ तिइरी ड ४५६ तीइश न ५६६, घ २०५, घ ४७८, क ६१, ड ८५, इ ४६, इ ८५, भ २६६ तीच्याता ह ४७ तीखाङ ४६ ङ ६१ तीखा करना भ २६७ तीखापन ङ ४७, ङ ६२ तीखर ड ६८ तीन छ ६८, ङ २२१ तीत क ४६, इ ६१ तोतल ग ६२६ तोता क ४६, क ६१ तातापन क ४७, क ६२ तीतर ग ६२६ तीन स ५८७

तीनगुना ख ५८८ तीन तेरइ करना व ८६३

तीना ख ५८८ तीनी घ २६८ तीय ग ४

तोरदाज़ भ २७१ तीर ङ ४१२

्रतीरथ क ५४ तीरभुक्त च १२⊏ तीरा ड ४१२

तीर्येकर क ४७६, क ४८१, क ५६०

तीर्थे क ५४ तीर्थ करना क ५५ तीर्थरान च ११६ तीर्थस्यान क ५४

तीलो घ २६८, ङ ५१६ तीत्र क १६५, ज ३७८

तीवता न ३७६ तीसरा ख ४८६ तीसी च २६५

तुगक १६५, व ३६०, च ८६, च २४८,

ब्र २१८

तुंड ग २३, ग ४४२, ग ६०१

तुंदी ग ५४,

तुंबा च २६६, व २८८ तुंबी च २८८, व २६६ तुंबुठ क २४५, क २४६

उक् ख १६६

तुक ओइना ख १६६

तुकवंदी सा १६८

तुकवंदी करना ख १६६

तुरकद सा १२७, सा १७१

तुष्क प ४२६, ल ४३६

तुच्छता च ४३०, च ४४१

तुर्यार इ ४११ तुतलाना च ५२२ तुतलाने वाला च ५२१ तुनकमिषान च ३६२

तुम **ज ६६७** तुम्हारा ज ६६६ तुरंग ग ४५२

तुरंत छ १५६, ज ४४३

तुरग ग ४५२ तुरत छ १५६

तुरही ल ६८, स ११०

तुरीया ख ५६२

तुर्कं क ५०४, ग ३५६

तुर्की ग ४६० तुर्कीटोपी ड २४१ तुलना दे० 'वरिशिष्ट' तुलना करना क ३६४

तुलनात्मक ख २१०, ख २१४ तुलसो घ १११, घ ११२

तुला व १२६, ड ५४७, च ६५, च ५८

तुलाई ड २६०, ज ६४७

तुल्य च ४२२ तुल्यता च ४३४ तुर्श ड ५८ तुर्श ड ५६ तुर्श ड ५१४

तुषार व १५८, छ, २५६, छ, २६०,

क २६१ तुष्ट च ३५ तुष्टता च ३३ तुष्ट होना च ३७

तुष्टिक १०२, क २०६, च ३३

तुष्णी ब ६०८ तुष्णीभूत च ६०७ त्हिन छ २५६, छ २६० त् ज ६६७ त्त्रा ग ६१८ त्त ध ६४ तूफान स्त्र २६८, ख २७० तूल ख ३५, घ ६४, ङ २२२, ज ४२२ नूलिका ख १६, ङ २८५ त्या दे० 'परिशाष्ट' तृतीय ख ५=६ नृतीयाश ख ५६० तृतीया छ ६८ तृप्त च ३५ नृप्त होना ज ३७ तुष्ति च २६२, ज ३३ तुषा ज १३१, भ १२२ तृषावंत भ १२१ तृषित ज १४०, भ १२१ तृषित होना अ १३० तृष्णा च १३१, मा १२२ तेग इ ४०६ तेच ग ६२, ग १२६, छ १६४, छ २५७, ख ३८३, ज २५२, ज ३७८, ज ४४३, ष ४४८, भ रेट, भ १७१, भ रे६६ तेष करना भ २६७ तेज़तर्शक ज २५२ तेषपात इ ८२ तेणवान म ४०, भ १७२ तेबस्वो क २२८, भ १७२ तेबारत भ २८५ तेज़ो हा १४८, हा १६२, व ३७६, व ४४४ तेरस छ १०८

तेरइ ख ६१८ तेरा च ६६६ तेल ड ३१३ तलगू स २२१ तेलचटा ग प्रमू६ नेलमर्दन भा६७ तेल लगाना ज ६६ तेलइन घ २६३ नेलिन ग ३२० तेलियाना च २३४ तेलियामसान क ३५०, क ३५१ तेला ग ३१६ नेवर ग ४४ तहरा ख ५८८ तेही ज ६४, ज ८६ तै करना भा ४२६ तैनिर ग ५६२, ग ६२६ तैतिरीय क ५४८, क ५५४, क ५५८ तैयार क १८४, व ३७४, व ३७६, व ४६८. क्त २५७ तैयार करना ज ६४४ तैयार होना भ २०१ तैयारी ज ३७५. # ३७७ तैरना मा ४१८, मा ४२० तैराक क ४२१ तैल ड ३१३ तेलकार ग ३१६ तैलमर्वन भ ६७ तैश अ ६३ तैसा स १००२ तैसं अप १००२ तोद दे० 'परिशिष्ट' तादबाला ज ५३१

तोटक ख २०३ तोइना क २७६, ब ८५३, ब ८७३ तोड़ा ङ ३३१, ङ ३३४, ङ ३३५, ङ ४६४, च रदर तोतई ख ४१ तोतला च ५२१ तोतलाना च ५२२ तोता क २७३, स ६१७ तोप ङ ४०३ तोपना ब ७६८ तोय च २६२ तोयनिधि च २६४ तोर ज १६६ तोरई व २८३ तोरण क १६५ तोल च ६५६ तोलन ब १५७ तोलना व ६५६ तोशक ङ २८५ तोष 🕊 ३३ तोषप्राप्त व ३५ तोइफ़ा क रदर तौक क ३३१ तीभो ज १०१४ तीर स २०५, भ ३७० तौरेत क ६०४ तील ल ६४५, च ६५६ वौलना म ६५६ तीलाई ब ६५७ तीलिया क २५७ तीला ह २५७, ङ ५४७ त्यचन व १८० त्यक च १६३, म २३२

त्याग क ६६, व १८०, व १६५ त्यागना च १८२, च ८६८, म ४१० त्यागी क ११०, ख १८१ त्याज्य च १६१ त्यों स १००२ त्योरी चढाना च २३६ त्योरूसाल छ ३३ त्यौद्दार क ६०, छ २०१ त्रपा ज ३२१ त्रय ख ५८७ त्रयमासिक ख २६१ त्रयी क १६४, क ५३८ त्रयोदश ख ६१८ त्रयोदशी स्त्र १०८ त्रस्त च २३७ त्राया देना भ २३३ त्रास च २२४, च २२६ त्रास खाना च २३४ त्रासन च २४६ त्रासना च २३५ त्रासित च २३७ त्रि सा ५८७ त्रिक च १८०, घ ३७६ त्रिकाल ख १७० त्रिकालदर्शी छ १७१ त्रिकालवेत्रा छ १७१ त्रिकोश व ५८६ त्रिकृट ङ ३२, ङ ३४, च २५६ त्रिगुखा क १६४, स ५८८ त्रिवटा क ३६५ त्रिदिव क २३८, च ३ त्रिदेव क १२२ त्रिदोष स ४४२, स ४६६

त्रिधात् क १६२ त्रिनेत्र क १६५. क १७६. घ ४५६ त्रिपयगा च २६० त्रिपाठी ग रद्य त्रिपुट च १८०, च २५८, घ २५६ त्रिपुटी च २६७ त्रिपुरारों क १६५ त्रिवली ग ५३ त्रिभगी ख २०३ श्रिभवननाथ क ११२ त्रिमृति क १६४, क १६८, क २६७ त्रिलोकीनाथ क १३४, क ३६६, क ३६६ त्रिलोचन क १६५ भिवेशी च ११७. च २६६ त्रिवंदो ग रप्प त्रिशक क ४७०, ग ५२१ त्रीकि स ५८७ त्रटि ङ १८६, ज ५०३, ज ८४१ बेता छ १७, इद २० त्रमात्र क ३७० त्रोटक ख १३४ ज्यवक क १६८, क १६४ त्वक् ग ६०, व २० स्थाग ६०, ग १२६, घ २० स्वरा ख १५८, छ १६२, च ४४३ त्वरित हा १५८, व ४४३ खब्टा क १६५, क २६८

थ

मंभ रू ५३६ मंभन म ७८६ यंभित न ६०६, म ६७६ मणना म ७५१ यका क्र १६५, ज ७५३ यकान व ७५२ थकाना च २६१ यकामादा च ७५३ यकावट छ १६३, ज ७५२ यकावट दूर करना ज ७६५ थांकत ज ७५३ थकौंडा ज ७५३ यगित म ७७७ थन ग ५०, ग ४७७ धनैली सा प्र३२ थपराना ग १५६ थपेड़ा ग ६३, भ र८० थापड ग ६३. भ २८० यम्हाना ज १६६ थरयक थरया करना ख ११८ थरकना च २३४ धरधर करना ज १७ धरधरना भ १४५ थरथराना व १७, ज २३४, ज २४५ यरथराइट च ६८० धरिया ङ ४४० थरीना स २३४, स २४५ यल च १ थलहरसमध्य च ६५ यलो च १, च १३० थहला घ ४ याँभना का १५६, का २५४ थॉमना व ७८६ थाती म ३०५ यान क १६, क ३५७, ग४७७, च १, च १६३ थाना च १३०, च १८४

थाम ब ७७८ यामना च ७७४, च ७८८, भ २२४ थारी ङ ४४० थाल ङ ४३१, ङ ४४० याली ङ ४४० थिति च १३० थियेटर ख १३६, च १८६ थिरकना ख ११८, ज ६८५ थिराना छ २३०, छ २६० थीसिस ख २०७ थुकनी इ ४७२ थुड़ी ज ३५६ युद्रीयुद्रो ज ३५६ युद्रीयुद्री करना च १४६ थुन्ही क ५३८ थुक ग १२२ थूकना ज ३६०, ज ८६६ थूड़ी थूड़ी करना ज ३६० थू यु करना ज १४६, ज ३६० युन ङ ५३८ थूनो क ५३८, ङ ५३६ थून्ही क ५३८ थूरना ग १५६ शूल ज ४६५ थूला ज ४६८ थूहर छ ६७ येरोगाया क ५६६ थैला ङ ४६५ यैली रू ४६६, रू ४६४, रू ५५८ यांक स ६२४, स ६२५ थोड़ा स ५०३, स ६१० बोडापन अ ६१२ थोड़ा होना ब ६१५

थोपना मह ३७८ थोर ज ६१० थोरि ज ६१०

द

दंग भ ४४० दंगल ब ६२४ दगा ज ४=६, भ १७५, भ २६२ दङ क १०२, क १३४, क १६५, इ ५२८, इ ५५५, छ १, छ १२७, भ २२४ म दंडक स्व २०३ दडनीय भ २२६ दहपाशि क २३८ दंड लगाना भ २२५ दह्यत ज १६६ दंडित करना भा २२५ दंडो क ३१७, क १६५, घ ४२४ दंत ग २५ दंतच्छद ग २४ द्तधावन ब ८१, क ५५६ दंतुल ज ५२३ दॅतुला अ ५२३ दॅतुली ग २५ दपति ग २४१ दभ क २३६ दॅबरी ङ ५३४ दंश ग ६७६, भ ३६१ दशन ड ४०८ दच्ट्रग २५ दंष्ट्रा ग १०३ दंसना भ १६२ द अ २०१

दइत क रे४६

दक्खिन च ८१ दच्च क १३४, क २०५, क ५७८, ग ६४५,

ज ३६३

दच्ता च ३६५, ज ३६८

दस्युता क १८५, क २८५

दिच्या ख १५२, ग २२६, च ७६, च ७६,

च ८१, ब ६८०

दल्ल ज ७४२

दग्रा ज २६६

दगाबाज़ ज २६८

द्गाबाजी ज २६६

दगिश्राना स ३७५

दग्घ करना च प्रदेश, अत १०३

दग्ध होना भ १०४

दिद्वियल ज ४६०

दत्वन इ १५६

दसक ग २५६

दत्तचित्त च १२२

दत्तात्रेय क १५४, क ४६८. क ५५८

ददा स १६२, स २१८

डांटब्रौरा न १६५

दब्रु स ४४६

टांघ ङ १५६

दिश्विमुत क ३०७, घ ४८३

दबीचिक ४५२

दनु क ४५१

दनुब क ३४६

इपटना अ ६४०

इफ़ा छ १, क १८३

दयद्या व २४६, म १७३

दवद बाना च ७६१

दबना ब ८२, ज २३२, ख ८०७

दबाना च ८३, च २६१, क २४७

दबाव ज ७७८

दबीज ज ५०६

दभ ग ५२४

दम क १८, क १३४, क ४४७, च २८५,

ज ७१३, भ ३८, भ २७७

दमक छ २८७

दमकना छ २८६, भ १४१

दम-दिलासा ज १३३

दमन क १३४, क १६५, घ४०४, घ४२४

दमभर छ १२४

दमा ख ४६०

दमाद ग २६३

दमामा ख ११३

दयाज १६

दया करना ज २५

टयानिधान ज २२

दयानिभिक ११२, अ २२

दयापात्र ज २६

दयापूर्वक ज २७

दयाई ज २२

दयासु ज २२. ज १०१

दयावान ज २२, ज २६

दर ख ६४६, ट २८३, च २५०, च २५२,

च ३११, ज ४६४

दरकना ब ८६२

दरकृत घ २

दरगाइ च २२४

दरजन ख ६१७

दरजी ग ३३७

दरद स ४८४, इ.४०, इ.६१०

दरहरी च ६०

दरव 🤻 ३८०, घ ४४३

दरबान क १६६

दरबार च १७४ दरबारी ख ३६६ दरमियान ज ६८५ दरवाजा च १६२. च १६३, च १६५ दरवान ख ३७१ दराज च १५६ दरार च १५६ दरार डालना च ८६३ दरार पडना ज ८६२ दरिद्र ख ४०५ दरिद्रता ख ३६१, ख ४०६ दरिया च २६४, च २७१ दरियाफ्त च ११८ दरियाफ्त करना अ १०६, ड २८३ दर्जन व ६१७, च ६३२ दर्बिन ग ३३८ दर्जी ग ३३७ दर्द ख ४८४, अ ५० दर्द करना ख ४८२, भ ३७७ दर्मद ब २२, ब ५०२ दर्दर ग ५६३, घ ४६१, घ ४८३, छ २३६ दर्भ ज ७६, ज ८८, अ २४६ दर्वण इ ३२६ दर्भी ग ५५= दर्भ घ ११६, ड ५०८ दर्रा ड १५०, च २४१, च २५२ दर्श हर २८३ दशं छ ६६, छ १११, च ७३३ दर्शक च ७३४ दर्शन क ५३५, च ७३३, च ८४८ दर्शन करना ज ७२३ दर्शन कराना अ ७२५

दर्शन देना ब ६६४ दर्शनशास्त्र सा ३२७ दर्शन होना ज ७२४ दर्शनीय ज ४६३ दर्शित ज ७३५ दर्शी ज ७३४ दल ख ३५६, घ २१, घ ३८४, घ ३६३ इ दर, ज ६२४, ज ६२८ दलघुसुरो ड १११ दलदल च २८६. अ ५०६ दलपति ख ३५८ दलबल ख ३५६ दलवादल ख ३५६ दव घ ११, छ २७५ दवन घ ४२३ दवना च ४२३, भ १४१ दवग ड ५३४ दवा क ३११, सा ५४४, सा ५४६ दवाखाना ख ५५३ दवात ख ३१० दश ख ६१२ दशकंड क ३६० दशकंघ क ३६० दशकंघर क ३६० दशक ख ६१४ दशन ग २५, ङ ४०८ दशमी छ १०३ दशम् ख ५१३ दशरथ क ३६८ दशहरा छ २०६ दशा ख ५४५, ज ६४८ दशानन क ३६० दस ख ६१२

दसवां ख ६१३ दस्तक ग २५६ दस्तकार भा ३२२ दस्तकारी मत ३२३ दस्ताना ड २६८ दस्तूर ध ६५३ दस्ती ङ २५५ दस्यु ग ४१८ दस्युवृत्ति क २२५ दइ च रदर, च ३१० दह्याना भ १०३ दहन क ३११, ख ५८७, ग २३ दहना म १०४, म १०५ दहसना च २३४ दहलाना ज २४७ टहश्रत ज २३३, ज २४६ दइशत खाना व २३४ दहाइ ज ५६७ दहाइना ग ४६५, व ५६० दहाना च रदर दही ङ १५६ दहीनद्वां ङ १३३ दहेब स ४१६ दाँत ग २५ दाँत पोसना ब ६६ दाँत्ल ब ५२३ दाँयाँ ज ६८० दाइजा ख ४१६ बाई छ १ दाज क ४१०, ग २१८ दाखदो ब २२८, ब २२६ दाएँ ब ६८० दश्क स ३६४

दाख्रिल अ ७४३ दाखिल करना च ७४१ दाखिल होना च ७४० दाग्र ज ३१४, म ३७४ दाग् पहना भ ३७५ दाग्री च ३१५ दाङ्गिष ३४४ दाढ ग २६ दाढ़ी ग ३२, ग ४६ दातब्ब च २०० दाता ज २०१ दातार ज २०१ टातौन ह ५५६ दात्री म ४२३ दाद स्त ४४६, स ४६५ दादा ग १६, ग १६२, ग २१८ दादी ग १६३ दादुर ग ५६३ दादू ग १६२, ग २१८ दान क ५६, क ५१५, ज १६५ दानकत्ती व २०१ दानपात्र व २०० बानपुर्य क ११ म दान लेना अ १६७ दानव क ३४६, क ३४७ दानवी क ३४६ दानशील ब २०१ दानशोलता व १६५ दाना घ ३२, ङ १४२, ह २१३, ङ २१७, म्बु २ ८५ दानी ज २०१ दाम ल ३८०, ख४०८, ख४२१, ङ५२१, ब ६२४

दामाद ग २६३ दामिनी क ३२८, क ५२१, छ २५४ दामोदर क १३४, क ३६६ राय ख ३८०, ख ४१६, ज १६५ दायजा ख ४१६ दायरा ज ५ द ५ दायाद ग २५०, ग ४२०, भ ६ दायी ग ४२३ दार ग २२५, च ३११ दारक ग २४७, ग २५० दारा ग २३५ दारण भ २६२ दारिका गः २६० दारिद ख ४०६ डारिद्रय ख ४०६ दारु घ ४८, इ ५०५, ज २०१ दाहचीनी इ ८३ टाक्स क १३४, क १६५ दादलउलूम ख २७४ दारुइल्दी घ ११३ दारू ख ५४६, घ १८ दाल घ २५२, इ ६६, इ ६७ दालचीनी ड ८३ दालान च १४७ दावन क प्रध दावागीर ग २७६ दावाग्नि छ २७५ दावात स्व ३१० दावानल छ २७३, छ १७५ दाल ग २६६, ग ३४१, ग ३८३ दासता भ २४६ दासी ग २२५, ग २६७, ग ३८४ दासत्य भा २४६

दास्ताँ ख २०८ दास्य क ७३, भ २४६ दाह ख ४५५, छ २८२ दाहना ज ५५, भ १०३ दाह सरकार करना ज = 2 १ टाइना ज ६८० दिक ख ५२० दिकपाल च ७७ दिलना अ ७२४ दिखराना ज ७२५ दिखलाई ज ७३७ दिखलाना ख २५५, च ७२५ दिखाई देना ज ७२४ दिखाऊ व ७३६ दिलाना स २५५, स ७२५ दिखाग हुआ ज ७३५ दित्वावटी ज ३०६, ज ७३६ दिगत ग २० दिगंबर क १६५, क ४७३, क ४७४, ज 353 दिगभरता ज ३६० दिगाज ख ६०६, च ८७ दिति क ४५१ दिदिया ग २०२ दिन छ १, घ १३६, छ १४२ दिनकर क २६७ दिनदिन छ १३८ दिनमिशा क २६७ दिनात छ १४१ टिनाय ख ४४६ हिनो अ ४६६ दिनेश क २६७ दिनौषो ख ४८१

दिपना ङ ४६० दिमाग्राग १०८, ग १३१, च ८८, ख ३६२ विमागु खराब होना ब ३३८ दिमागुदार ज मध, च ३६३ दिमागु लडाना च ३६६ दिमाग्री ब ८६, ज ३६३ दिया ङ ४६० दियासलाई ङ ५४६ दिरमान ख ५४४ दिरमानी ख ५३८ दिलाग १३३ दिल खींचना क २७४ दिलगीर अ ५६ दिलचला चरश्र दिलचस्य ज ४६३ दिल जमई ज १३३ दिलदार ग २६६, अ २३ दिल देना ज १५१ दिलबहलाव ङ ३७३ इ दिल मे रखना च १५१ दिलक्षा च १५६, दिल लेना क २७४ दिलावर व १५५ दिलावर व २१४ दिलासा 🖷 १३३ दिलेर ब २१४ दिस्लगी व ३७२ दिश्लगी करना च ३७३ दिल्लगीबाज च ३७१ दिल्ली च १२२ दिवगत क २४० दिशंगत होना ग १५५

दिव क २३८, च ३, ख १३६ दिवस छ १३६, छ १४२ दिवाच ग ६५२ दिवांषता ख ४८१ दिवा छ १३६ विवाकर क २६७, घ १०० दिवैया ब २०१ दिव्य च १७७, च २३६, ङ ८८, ज ४६३ दिव्यचत्तु ङ ४, ज ४९६ दिव्यता च ४६७ दिव्या ख १६०, घ १६८, ड ८६ दिशा सा ६१२, च ७५ दिशाधिय च ७७ दिशा होना ग ११६ द्विष्टि ज ७२२ दिसम्बर छ ३८ दिस्टि च ७२२ दीचक ख २४१ दीव्या ख २५७ दोबा ल २६८ दोबा देना खर४७ दोचा पाना ख २४६ दोस्तित स २४२ दीठ ज ७२६ टोटा ज ७२२ दांदी भारकर दीन क १, ख ४०५, च ११०, अ ५६. भ २०२ दोनता ख ३६१, ख ४०६, ज ७५, ज ८० होनताई ख ४०६ दीनत्व स ४०६, ज ८० दीनप्रतिपालक च २२ दीनबंधुक ११२

909

व ५७३

दोर्घकर्ण न ५.१५

दीनानाथ क ११२
दीनार ख ४२२
दीनार ख ४२२
दीप क ३०, क ३५, ङ ४६०
दीप क क २०१, ख ८३, ङ १०, ङ ४६०
दीपकाधार ड ४६१
दीपना च ११०
दीपना च ११०
दीपना च ३८६
दीपना च ३८६
दीपनालका च २०४
दीपावली छ २०४
दीपावली छ २०४
दीपात छ २८७
दीपित छ १८७
दीपत क १८६
दीपत क १८६

दीप्तिमान छ रदद दीप्तिमान होना छ रदह दोबाचा ख रहद दीमक ग ५४५ दीयट ड ४६१ दीया क ३५ हीर्घ ग ४५०, घ २२०, ज ४२५, ज ४३१,

१०, छ २८७, छ ३८३, ब ४६७, फ

दीर्घकाय म ४३१ दीर्घजीवी छ १५१, ख १५२ दीर्घता ज ४२७ दीर्घदंतक घ २६७ दीर्घवादु ज ५२७ दीर्घायु ग ६५४, म १२५, १

दोर्घायुग ६४४, घ १२५, छ १५१ टोबट ङ ४६१ दीवा ङ ४६०
दीवान ख २५७
दीवाना ख २५५
दीवाना ख २३५
दीवानापन ख २४१
दोवाल च १५८
दोवाली छ २०४
दासना ख ७२४
दुन्दुर्भा ख ११३
दुश्रा करना ख १७३

दुश्रा देना न १७१, च १७.

दुइ ल ५८२ दुइन च १३, छ ६६ दुशन भ २८५

दुक्त ङ २४८, ङ २२८, ङ २२६, ङ २७४

दुःला क ४६१, क ३२६, सा ४०६, सा ५० दुलाङ्गा चा ५० दुलाद चा ५४

दुखदाई होना ख ४८२ दुखदायक ज ५४ दुःख देना ज ५५

दुखना ख ४८२, भ ३७७

दुखप्रद ज ५४.

दुलाना स ४८२, ब ४५

दुखारी ज ५२

दुःखित ज ४२, ज ५६ दुःखिया ख ४०६, ज ५२ दुःखी ज ५२, ज ५६ दुःखी करना ज ४४ दुगना ख ५८५

तुग्ध ङ १५५ तुचित ज २२६

दुवितई ज २२४, ज २२६ दुचिताई ज २२४ दुतकार च ३५६ दुतकारना ज ३६०, च ३६१ दुखों क २३३, घ ११७ दुधिया ख २८ दुनिया च १०३ दुनियादार अ ३६७ दुनियादारी ख ३३१, ज ३६८ दुनियाबी ज ३६७ दुपटा ड २५४, ङ २७४ दुपद्टा ङ २३८, ङ २५४, ङ २७४ दुपइरिया छ १४० दुवकता अ ७६१ दुविधा च २३१ दुबला ज ४६६, भ ४२ दुवलापन ख ५०१ दुम ग ४३४ दुमुख क १६५ दुरंगा ल ४६, ड २६४ दुरदुराना ब ७४७ दुरभिष्ठह ङ १६ तुराग्रह च ७३ तुराग्रह करना च ७५ दुगचार व २६= दुराचारी अ २६८, ब ३०१ दुराव ङ ४६७ दुब्स्त ब ८२६ दुब्स्त करना व ६४४, म ७७ बुहस्ती ब ६४० दुर्गेष ह ३३ दुगैष करना भ ३६६ दुर्ग घ ११७, च १७२

दुर्गत ख ४०५, ज ६४६, च ६५१ दुर्गति क ३१६, ज ६४६ बुर्गम क १३४, घ ११, च १७२, ब ५७६ दुर्गा क १८५, च १६६, क १६८, क २०२ दुर्गग्युक्त ज ४७६ दुर्जन च २६८, ज ३०१ दुर्जनता ज २६६, ज २६८ दुर्जय क १३४, क ३४७ दुर्दशा ज ६४६ दुर्दशाप्राप्त च ६५१ दुर्दात क १६५ दुर्वेव ज ४५८ दुर्वल न ४६६, म ४२ दुर्वलता ख ५३७, च ५०१, म ३६ दुवेल होना च ५०२ दुर्भाग्य 🖩 ४५८ दुर्भिच् छ ५ दुर्मिल ख २०३ दुर्नुख त ४५२ दुर्योधन क ४३६ दुर्लभ ज ४६३ दुर्वांचा क ४४६, क ४४६, क ४७५, इ. ५७६ दुलको ङ ३३१ बुलराना च १५१ दुलइन ग २६५ दुलहा ग २६४ दुलही ग २६५ दुलाई ड २६० दुलार ज १४५ दुलारना च १३६, च १५१ दुलारा च १५५ दुलारी च १५६

दुविघा च २२४ दुशाला ङ २६१ दुश्चरित्र ब ३०२ दुश्मन ग २७६ दुश्मनी ज २७६ दुरमनी हाना च २७६ दुष्कर ज ६५८ दुष्कर्म ज २६८, ज ३१० दुष्कर्मी च ३१२ दुष्ट ज २६८ दुष्टता ज २६६ दुसाध ग २६६ दुस्साहस च २१० दुहिता ग २६० वुकान च १३८ दूकानदार ग ४०० दुन छ ६६ दूब का चाँद छ ६७ दूत ख ३६६ दूतकर्म भ १६५ द्ती ग २७५ वृष ग ५०, ङ १५५ द्ना ख ५८५ वृब घ ११४ दूरंदेश ज ७२७ दूरंदेशी च ७२८ बूर ब ६७७ दूर करना ज १२६, ज १८२, ज ६७०, म ७७५, म ८५३, च ८६८ दूर जाना ज ७४४ दूरदर्शक ज ७२७

दूरदर्शक यंत्र ङ ४५७

दूरदर्शिता ज ७२८

दूरदर्शी क १७, व ७२७ तूरबीन ङ ५५७ दूर इटाना च ८५३ दूर होना ज १२५, भ २१३ दुर्वा व ११४, घ १५६ दूलइ ग २२४, ग २६४ दूल्इन ग २६५ दूल्हा ग २२४ दूषक घ २३०, ज ३२० दूषया ज ३२४, च ३१६, च ३६७ दूषग लगाना ब ४०४ दूषगाय ज ३१६ दूषित ज ३१५, ज ४१५, ज ४७६ दूसरा ख ५८४, ख ५८५, भ ४०६ दूसरी जगइ ज ६६३ हगचल ग २२ हद् ख ५४७, ज १३५, ज ६७६, भ ४१, म ४२७ द्द्रिनश्**च**य भ ४२७ दृद्धातिज्ञ ज ७४ हदाग घ ४८५, ज ४६८ हद्वागता च ५०० हशाग १६, च ७३४ हश्य च ७२६ हर्यकाब्य ख १३२, ख १३६ दश्यमान ज ४६३ द्दाच्टि ग १६, व ७२२ द्दिकोगा ग २० हिंडिगत करना ७२३ दृष्टिगत होना ब ७२४ हिंडिगोचर व ७२३ द्याविर करना च ७२३ दृष्टिगोचर होना व ७२४

इन्टि फेरना च ७२३ दृष्टात स १६०, स २६३ द्राव्य लगाना क ३६३ र्देवका ग ५४४ देखनाख २५४, ख २६०, च ४५३, ज ब ७२३, ब ७३३, क २०५ देखना भालना ख २५४ देखनेवाला ज ७३४ देखभात ख २५०, ज ७३२, फ १६२ देखरेख ला २५०, मा १६२, मा १६८ देखरेख करना भा २०५ देखलाना ज ७२५ देखवैया ज ७३४ देखाऊ च ७३६ देखादेखी च ७३२, ज ७३३, ज ८४८ देखाना च ७२५ देगची ङ ४२६ दे देना च =६७ दैनदार ख ३९६, ग ४२४, ग ४२५ देना व ३६८, ज १६६ देने योग्य ब २०० रेनेवाला ज २०१ रि स १, क १७५, च ४५१ रेर लगाना छ १६०, ब ४५२ रिरो छ १, छ १५७ लिही च १२२ व क २०३, क २०७, क २४६, घ ४५६ बकी क ४०७ वकोनदन क १३४, क ३६६ मचरा क ३५७ बत्द इ २४१ ाता क २२७. ड २०२

लि क २०७

देवथान क १६ देवदार घ ८७ देवदूत क प्र२३ देवनदी क २५३, च २६० देवनागरी लिपि ख २२६ देवभाषा ख २१६ देवर ग २४३ देवरानी क २२७ देवर्षि क ४६३ देवल क १६, क ४६३ देवलता घ ४०१, घ ४४१ देवलोक क २३७, क २३८ देववाणी ख २१६ देवागना क २४७ देवालय क १६ देवी क प्रदः, ख प्रश्न, च २६५, च ३७३ देवी गीता क ५८२ देवेन्द्र क २२५ देवोत्थान छ २१० देश ख ३४८, च १, च १०४ देशान्तर च १०५ देशावर च १०५ देइ ग १२ देहपात ग १५४ देहरी च १६२, च १६३ देहली च १२२, च १६२, च १६३ देहान्त ग १५४ देहांत होना ग १५५ देशत च १३३ देहाती च ५५८ देहातोपन व ५६० देशवसान १५४ दैस्य क ३४६

दोषा छ १४३

दैत्यगुरु च २० दैत्यराज च २० दैदीप्यमान छ २८८ दैनंदिनो ख ३०३ दैनिक ख २६१, छ १३७ दैनिको ख ३०३ दैन्य ल १८५, ल ३६१, ल ४०६ दैव ग १५२, ज ४५७ दैवगति ज ४५७ दैवज्ञ ख ६५० दैवत क २०७, क २२० दैविक क २२० दैवो क २२० दो ल ५⊏२, ग ५६ दोखी ब ३१८ दोगला ग २४६ दोचित ज २२६ दोनुख़ क ३१६, क ५३२ दो दूक होना च ६३७ दोदना च ४११ दोना घ ४२३, ङ ४४६ दोनों ख ५८३ दोपहर छ १४० दोरगा ख ४६ दोला च १२४ दोलेय क ४४६ दोशम्बा छ ११७ दोष सा ४४१, सा ६१२, ग ५६, ज ३०४, च ३१४, च ३१६, च ३६७, भ २२०, अर ३७४ दोषबुक्त अ ३१८ दोषहारी घ ६८

दोषारोपण ज ४०४ दोबी ग ३७०, ज ३०६, ज ३१८, अ २२१ दोषो ठहराना च ४०४ दोस्त ग २७८ दोस्ताना ब २ ५ ५ दोस्ताना होना ज २७८ दोस्ती ङ १००, ड ११३, ज २७५ टोइया ग ६३ टोइयो ङ १००, ड ११३ दोइद च १३८ दोइर ग ५२, इ २६२ दोहा ख २०३ दौद्ध ज ६७३ दौइधूप करना ज ६६४ दौद्रना ज ६७२, ज ७४४ दौड़ाना ज प्रंप्, ज ६७४ दौना घ ४२४ दौरी ड ४६७, ङ ४६६ दौलत ख ३८० दौलतखाना च १४० दौलतमंद ख ४०५ श्र दौलतमदो ख ४०७ दौद्धित्र ग २६१ द्यंक २३८, क ३११, ड ३, च १० द्यतिया स्र २८३ हामन क २६७ द्यलोक क २३८ द्युत दे॰ 'परिशिष्ट' द्युतकार ग ४१५ द्युतकोइक ग ४/५ ध्तगृह च २१८ द्यात 📆 ३८३ द्यौक २३८

द्रव ङ १६२, छ २३३ द्रवता छ २३४ द्ववत्व छ २३४ द्रवित होना भ १०७, भ १४६ द्रवीभृत होना क १०७, क १४६ द्रव्य स्व ३८०, ड ३७, ड ४१८, ड ४१६ द्वाचा घ ३४३ द्रावक ड १४ द्राविड घ १५५, घ ४४८ द्राविहा ड १८६ द्रत ज ४४३ द्रतविलबित ख २०३ द्रपढ क ४१६ ऋ द्रम घर, घ६० द्रोगा ग ५७३, ग ६५६, घ ३८८, ड ४५१ ब्रोग्रागिरिक ४८८ द्रोणाचार्य क ४४० द्रीशिक ४४१, च २५३ द्रीपदां क २२२, ४१८, क ४२६ द्वन्द्र ग २४१ द्वादश्व ख ६१६ द्वादशी छ १०७ द्वापर क्र १७, क्र १६ द्वार च १६२, च १६५ द्वारपाल खा ३७१, खा ३७२, भ १६६ द्वारावती च ११४ द्यारिका क प्रद्र, च ११०, च ११४ द्वारिकापुरी क ५६, क ५७, च ११४ ब्रिगुरा म ५८५ ब्रिगुणित स् ५८५ द्विक ग २५, ग २८२, ग २६४, ग २६८, ग ६७७ दिविद्वा ग ५५८

द्वितीय ख ५८४ द्वितीया ग २२५, छ ६६ द्विरद ग ४३५ द्विरागमन ग १५३ द्विरेफ ग ६७७ द्वीप ग ४३५, च ६२ द्वीप समृह च ६४ द्वेष ज २६२, ज २७६ द्वेषा ज २६२ द्वेषा ग २७६ द्वेषायन क ४६१ द्वेमातुर क १६२, म १५ द्वेमातुर क १६२, म १५

ध

घंघा च ६४२, मा २८५, मा ३०३ घॅसना च ७३८, च ७४० धंसा ज ७४३ घॅसाना च ७३६. च ७४१ धक्का ज ७०३, फ २८०, फ ३०१ धक्का खाना ज ७०६ घरका देना च ७०४, च ७५७ घज अ ४६७ धजोला ज ४६३ धड़ ग ४८, घ १४ धडकना भी ३५१ घत्रा च ४७६, ड २०२ धघकना भ १०८ धनश्रय क १३४, क ३११, क ३३६, क ४१७, ग ४६६, घ ८६ धन ख ३८० धनक रू ८४, ड ४०६, भ २७१ घन६ क २५५, क ३११

धनवान ख ४०५ श्र धनहोन ख ४०५ धनहीनता स ४०६ धनाट्य ख ४०५ अ धनाढ्यता ख ४०७ भानाभाव ख ४०६ धनिक ख ४०५ आ, ग २२४, इ ८४ धनियाँ क ८४ धनिष्ठा च २७, च ५१ धनी ग २२४, ग ४०४ धनु घ ३६६, ङ ४०६, च ५८, च ६७ धनुर्घर का २७१ बनुर्वारी भ २७१ धनुर्वेद क प्रप्रद, ख २३७ बनुष इ ४०६ धनेश क १३४. क २५५ धनासेठ ख ४०५ श्र धन्य घ ७५, ज ४६० घन्वतरिक १५४ धन्वा ज ११४, म ३७४ घन्ना पदना भ ३७५ धमक व ६४४ धमकाना च २३५, च २४७ धमको अ २४६ धमकी देना ब २४७ धमनो ग ६७ धम्मपद क ५६६ घर क १३४, क २०६, क ३६६, ग ४८, ग ३५४, च २४८ घरण क २६७, ख ६० वरिव च ६०

धरसी च ६०, च २४८

भरती स ६०

धरना भ २२४ घरना देना ब ७५ घर पकड का २२३ घरहरा च १७३ घरा ग ११३, च ३, च ६० घरातल च ६० घराना भ ११० धराशायों च दरप्र धरित्री च ६० भरोहर का ३०५ धर्मक १, क १५, क ११, छा, खा ३३७, च १०, ज ३०३ धर्म करना क १५ धर्मसेत्र न २०६ घर्मध्वजी क १४, ज ३०६ वर्मपत्नी ग २२५ धर्मराण क ३१७, क ३१८, क ४१४, क ४४७, ग ३६६ धर्मशाला च २०६ धर्मशास्त्र क ५३५, ख २३७ धर्मशील क १३. क १४ धर्मसबची क २ धर्माडवर क १२ धर्मातमः क १३, अ ३०५ धमध्यच क १६, क १६५ धर्मावतार क ४१४ घमीं क १३, क १३४, च ३०५ घव ग ३, ग २२४, घ ७१ घवल ख २८, घ ७१, घ २०६, घ ४६४, 의 오른이 최 धवलता ख २६ धसाना ष ७३६ धाक ज २४६, भ १७३

घाक बमाना च २५०, ज२५१ धाकद व २५२, व ३४६ बागा ङ ४८० चाता क १३४, क १६५, क २६८, क ३३० भात ग १२४. व ४४३. व ४६२ बातू क ३०७ म्र, च ३१ भात्री स ३४६, ग १७७, ग १८२ घ ४४, ष ४६६, च ६० मान घ २३०, ङ १४८ भान का लावा इ १४८ भानी ख ४१ धान्य घ २२५ भाम क ५४, क १३४, २३८, च १४० बामिन ग ५६० भाग ग ४२३ भारता क १६५, ज २, ज ८३४ बारवाकरना ज १८३, भ ८० भारता ग १३२, ख ६६२ धारगी च ६० घारदार भ २६६ चार देना भ २६७ बारना ज १८३ धारियत्रा च ६० घारा व ७२, च २७३, च २७७, ब ६२४, क १७८, क १८३ बागधर छ २३६ धारी सा ३५६, जं ६२४ भामिक कर, कश्र, बरेल्प धावन स ३६६, स ३७६ षावना ज ६७२ बाबा घ ७१, च २८७ विगवा ग २२७ बिक व १५६, ज ३५६

घिकना भा १४१ विकाना क १३६ धिक्कार ज ३५६ धिक्कारना च ३६० षिरवनियाँ ज २४६ धिरवनियाँ देना ज २४७ घींगड़ा ग २५६, ज ४६८ घींगाघींगी म १५८, म १६६ घींगामुख्ती भ १६६ घीमर ग ३०६. ग ३४७ बीमरिन ग ३१० घीमा ज ४४५, ज ४४७ धीमा करना ज ७२ घोमान क १७, च १६, च ३६३ बीभेघोमे ज ४५० धोर इट १०, ज ११, ज १३३ धीरज ज १३३ धोरता ज १४, ज १३३ घोर प्रशास ख १५१ धोर लालित ख १५१ भीराधीम ख १६१ धीरे घीरे ज ४५०, च १०१५ भीरोदास ख १५१ धरोद्धत स १५१ भीवर ग ३१०, ग ३४१, ग ३४७ धुकधुकाना के रेपर धुकधुकी ग १०६, क ३३१ धुधुका ल ११० धुन च ३३७, ज ३३६ धुन चढना भ रेहर धनवाला व १३५ धुन होना भ ३६२ ध्रांन व ५८८

धुनिश्राँइन ग ३६२ धुनियाँग ३६१ धुरघर घ ७१ धुरद्वी छ २०३ धुला कपड़ा ङ २२० धुलवाना ज ५५१ ध्वांस ङ ६६ धूप क ३०, क ३३, च १० धूपदीप करना क २७ धूपवली क ३४ धूमकेतुक ३६१, इ ४०२, च २२, च ७२ धूम क १६५, क ३४६ भूम्रवर्णं क ३१२, मा ३४० धूर्त्तग४१५, ग४१६, घ१७७, ड ३०, ज ३६८, ज ३६७ धूर्तता च २६६, म २०६ धूर्तता करना ज २७०, भ २०८ धूल घ ६८४, घ ३६१, च ६७ धूल उड़ाना च ५७० धूल में मिलना ज ५७० धूस ङ २३२ धूसर ग ३१६, ग ४५०, ग ४६७, च ६७ धृतराष्ट्र क ४३५ पृति क १८, क २०२, क ३०६, ख १८५ धृष्ठ स्व १५२, ग २२६, स ८४ धृष्ठता म ६६, ज २१० धेनु ग ४६६ चेली ख ४२४ धेर्य ख १६३, ज १४, ज १३३ **घैर्यवान ज १३५** धैवत ख ७० घोश्राना व ५५१

घोला ज २५७ घोला देना ज २७०, भ २०८, भ २०६ धोखेबाज ग ४१६; ज ३६७, ज २६८ घोतां ङ २६१, ङ २७१ घोना छ २६०, ब ५४६, ब ५५० घोबिन ग ६६७, ग ३४५ धोबी ग २६६, ग ३४५ घोबबहा क १५८ घोवना ज ५४० षौ घ ७१ घौकनी ङ ५१७ धौत ख २८, घ ४४६ भौरहर च १७३ घौधा ख १०३ ध्यान क ३८, ज २, ग १७७, ज २३४, ज ८३४ ध्यान करना क ३६, च ३६६ ध्यान देना ज ६०१ ध्यानोपासना क ६२ ध्येय भा ३७१ प्रव क १३४, क २०६, क ४६६, च ७°, छ ६५ ध्धस क १७२, ग १५४, ज ८२३ ध्वसक अ ८२४ ध्वसन ज ८२३ ध्वंसना क १७१ ध्वसी ज =२४ ध्वज ग ७६, क ४०२ ध्वजा इ४०२ ध्वनि क २०५, ख ६४, ज ५८८ ध्वनित करना स धरे ध्वनित होना ख ६२ ध्वस्त ब ८२५, ब ६३६

ध्वात छ २८४

न

नंगई ज २७२ नंगई करना ज ७५ नंगघड्ग च ३८६ नंगपना ज २७२ नंगा क १६५, च २७१, ज ३८६ नगा भरना ज ७६६ नंगापन ब ३६० नंबई ज २७२ नंबई करना ज ७५ नंबाज २७१, ज २⊏६ नया करना ब ७६६ नघापन ज ३६० नंद क ४०८, ग७५, ग२४५, ग२५०, घ ४१ नंदक क १४१, क २७२ म २५० नदिकशोर क ३६६ नद्कुमार क ३६६ नदन क १३४, क १६५, क २३२, क २७१, ग २५० नंदनकानन क २३२ नदरानी क ४०६ नंदलाल क २६६ निदिन सा ५१ नदित होना ब ४१ नंदिनी क १८५, क १६४, ग २२५, ग २४५, ग २६०, घ १८२

नदी क २७१, घ ६५

नंबर स ५५६, ख ५६८

नंदीगद्य ग ४८१

नंदोई ग २४४

नबरी ज ३५० नउँजी घ ६१ नउमी छ १०४ नक छिकनी च ११८, ङ १६८ नकटा जप्रद नकटी ग १२३ नकड़दादा ग १६१ नकफन्नी घट्य नकफुल ड ३२६ नकाव भा २०७ नकबन्नन ग ४१८ नकबुल्ली ड ३२६ नक्बेसर क ३२६ नकल ख १३६, ख १३७, भ, २४४ नकल करना ख २६४, भ २४४ नकली च ४१३, ज ६७० नकरूची भी २४६ नकशा ख ३१८ नक्शा खोचना ज ६१६ नकसार ख ४७६ नकार ज १८६ नकारना ज १८७ नकुल क ४१२, क ४२७, स २५०, स ५६६ नचत्र ख ६२७, ध ४८३, च २६ नच्चनाथ क ३०७ नच्छ विद्या स्व ६४७ नक्त क १६५, छ १४३ नक ग ५७६, ग ५८०, च १८६, च ६८ नक्शा ख ३१७ नक्सीर स ४७६ नख स ६२५, ग ७५, घ ११६, ज ८७६ नखत घ २६ नखरा ब १५

नखरा करना ब ७६ नखायुष ग ४६७ नखी ग ४६४, ग ४६८, ग ४६६, ग ५३२ नगक २६७, ग ५५८, व २, घ ४८०, च २४८

नगरा ख २०० नगन च ३८६

नगपति क ३०७, च २५५

नगर च १३५ नगरकोट च १३६

नगरवासी ज ५६१, ज ५६२ नगरी च १३५, च ५६२

नगाडा ख ११३ नगिचाना स १७८ नगोना घ ४८०

नगोनासाम् ग ३६६ नगेंद्र च २५५

नग्न च ३८६

नग्न करना ज ७६६ नग्नता ज ३६०

नचनियाँ ख १२२, ग ३६६

ननदीक

नबदोकी भ ४०५

नबर ज ७२२, भ रदर

नन्रबद च १८३

नन्रवाग घ ८

नज़र लगाना क ३६३ नज़राना क ७२३, भ २५३

नन्ता ख ४७५ नज़ाकत व ७० नजात ग ६

नज़ारा ज ७२२, ज ७२६

नज़ीर ख २६३

नजम ख ६४७ नज्मी ख ६५० नक्म ख १६८ नज्जारा व ७२६

नट क ३५१, क ५३३, ख १२२, ख १४६, ग २६६, ग ३६३, ग ३६५, च ६८, म १२१, ङ २५

नटई ग ३३ नटखट ज २६८ नटखटता च २६६ नटखटी ज २६६ नटन स ११७ नटना ख ७५ नटराज क १६५

नटरू अ ४३६

नटी ख १२३, ग ३६४, ग ३६६, घ १२१

नकी ग ६७

नत क ४७७, घ ११०, च ६०

नत होना ब ८२ नताई स ४०३ नतिकट ग २५७

न्तिनी ग २५८, ग २६२

नतीषा भ रेट्र नथ ङ ३२६

नथना ग १८, च ६८३

निथया ङ ३२६ सथुना ग १८ नथुनी ङ ३२६

नद क १३४, क २६६, च २७१

नदी ख ६१८, च २७१

नदीश च २६४ ननद ग २४५ ननदोई ग २४४

मनिद्यौरा

मनिश्रौरा ग १७३ ननियाससुर ग २४० निहाल ग १७३ नन्हां ज ४२६, ज ४३८ नन्हापन ज ४२८ निस्याना स ५५२ नपंसक ज २२० नपसकता ज २२२ नप्तृ ग २५७ नफरत ख १४८ नफरत करना ज १४६ नका का ३०२ नप्रासत ब ७०, ब ४६४ नफोरी ख १११ नफ़ोस ज ४६३ नबीक ५२३ नन्त्र ग ६७ नभ क १६५, चर, च २६२, छ ४७, छ ४६, छ २३६, छ २४५ नमगामी क २०७, क २६७. क ३०७, ग ५६८, च ४ नभन्तर क २४३, ग ५६८, च २६, छ २३६ नभमडल च ३ नम क ८१, छ २३५, भ १४४ नमक ङ २८, अ ४६७ नमकीन ङ ५२, अ ४६३ नमकोनी इ पर नमन स १६६ नमना ज दर, ज १६७ नमनीय अ ३५४ नमस्कार व १६६ नमस्कार करना व १६७

नपस्तीन 👺 २७०

नमस्ते च १६६ नमस्ते करना च १६७ नमान क ५०७, क ५०८, क ५१० नमानुखाना क प्र११ नमान पहना क ५१३ नमाने इशराकर क ५१० नमाना ज पर निमत होना ज दर नम्ना ख २६३ नमोना इ ६८ नम्र घ ६२, च ७८ नमता ब ८० नय ख ३३१, ग २८२, च २७१ नयन ग १६, ग २१ नया छ १७५ नयापन स्त्र १७७ नर क १३४, क १६५, क ४१७, ग ३, ग ४३२ नरक क ३१६, क ३२२, ग ३ नरकभोग ज ६४६ नरक भोगना क ३२५ नरकभोगी क ३१६ नरनार्या के १५४ नरनाइ ख ३/६ नश्म ब ६६ नरम करना ब ७३ नश्माई 🖷 ७० नरमाना ज ७२, भ १४६ नरमी ज ७० नरखोक स १०३ नरसिंह क ५७६ नरसं 📆 १८३ नराधिप ख ३४६

नरियाना च ५६० नरेंद्र ख ३४६ नरेश ख ३४६ नर्कक ३१६ नर्कट घ १२१ नर्त्तक क १६५, ख १२२, ग ३६३, ग ३६५, घ १२१ नर्तको ख १२३, ग ३६४, ग ३६५ नर्तन ख ११७ नर्मदा च २६६ नमीं ज ७० नल व १२१, व ३३८ नलकुबर क २५८ नलिन घ ३८८ नितिनी घ ४०७, च २७१ भवंबर छ ३८ नव क ६४, स्व ६०६, स्व १७५ नवजात ग ४२२ नवधासा ६११ नवधा भक्ति क ७३ नवना च ८२ नव निधियाँ क २६२ नवनीत क ३६६, छ १५८ नधमां हा १०४ नवम् ख ६१० नवयुवक भा ३२ नवयौवना ख ६११, भ ४४ नवरगो क २७१ नवरस्न घ ४८० नवल छ १७५, ज ४६३ नवलता ह्य १७७ नवां ख ६१

नयाना ज ८३

नवासा ग २६१ नेवीन क्र १७५ नवीनता छ १७७ नवेद भ ८१ नवेद देना भ ८५ नवेला छ १७५ नवोढा ख १६१ नव्य छ १७५ नम्यता छ १७७ नशा ग २५७ नश्तर ड १ नश्वर च ८३२ नध्ट ज २०२, ज ५६८, ज ८२५, ब ६४६ नष्ट करना क १७१, ज ८२०, ज ६४३ नव्द-भ्रव्ट ज दर्भ, ज १४६ नष्ट-भ्रष्ट करना च ८२०, च ६४३ नष्ट-भ्रष्ट होना च ५७०, च ६४५ नष्टहोना च ४७०, च ६४५, भ १०४ नस ग १७, ग ६६, ग ६७ नसल भ १ नशीव अ ४५० नसीहत ख २३५ नसेनी च १५७ नहरनी क १, क प्र४ नहलाना भ ७० नहाना भ ६८, भ ६६, भ ७१ नाँघना अ ६८३, च ६८६ नॉव भत्रश नादो क ५७६ नाग ३ नाई ग ३११, ज ४२२ नाउन ग ३१२

नाउम्मेद स २१४

नाउम्मेदी च २१२ ह्या, च २१३

नाइटकैप ङ २४० नाइन ग ३१२

नाऊ ग ३११

नाक क २३८, ग १७, ग ५७६, च ३

नाककटा च ५८८

नाका ग ५७६

नाकावलियत ज ४०१

नाखून ग ७५

नाग क ३२७, ग ४३४, ग ५५८, घ ४५७,

च ४५८, घ ४६१ नागकेश्वर घ १२२

नागफनी घ ६८, ङ ३२६

नागर घ ३४८, इ २४, ज ३६३, ज ३६७

नागरमोथा व १२३

नागरिक च ४६१, च ५६२

नागरिकता अ ५६३

नागरिक शास्त्र ख ३३२

नागरी ख २२२

नागरी लिपि ख २२६

नागलोक क ३३५

नागा क ४७४, छ ७

नागिन ग ५६०

नाच ख ११७

नाच करना ख ११८

नाचघर स १२५, च १८६

नाचना ख ११८, घ ६७२

नाचनेवाली ग ३६६

नाचमहल ल १२५, च १८०

नाषिकेता क ३११

नाचीम म ४२६

नाष व २१५

नाबिश्म ल ३४४

नाज़ी ख ३४५ नाज़ुक च ६६

नाटक ख १३५, ख १३६

नाटककार ख १३८, ख १२७

नाटा ज ४३६

नाटिका ख १३४

नाट्य ल २१७, ख १२१

नट्यकलाख १३७

नाट्यकार ल १४६

नाट्यस्थल ख १६६, ख १६६ श्र, च १८६

नाड़ी ग १७ नाता भ ४०३

नाताकती भ ३६

नातिन ग २५८, ग २६२

नाती ग २५७, ग २६१

नातेदारी भ ४०३

नाय ग २२४, ग ३८०

नाद अ ५८८

नादान ज ११२, भ ३०

नाटानी ख १०४, ब ३६६

नाना ग १६८, ज ८२, ज ७४१, ज ८६८,

ब ६०६

नानिहाल ग १७३

नानी ग १६६

नान्हा ब ४३८

नाप ड ३८१, ज ६५७, अ ६६१, व ६६२

नापाक अ ५४२

नागाक करना व ४४८

नापित ग ३११

नावरावर ज ५७४, ज ५८०

नामि क १६५, ग ५४, ग २६२, भ ३

नाभी ग ५४

नामनूर व १८६

नामंजूर करना च १८७ नाम च २६२, ज ३५१, भ २१ नामकरण क हत्, ग १४७ नामनद अ ३५० नामधारो भ २२ नामर्द ज २२० नामदीं ज २२२ नामवर ज ३४६. ज ३५३ नामवरी अ ३५१ नामवाला क २२ नामस्मरण क ४८ नामस्मर्या करना क ३६ नामाल्यम ब १०६ नामी ब ३४६, भ २२ नामुनासिब ज ४२१ नाममिकन जध्७२ नाम्नो भ २२ नायक ख १४६, ख ३३५, ग २२६ नायिका ख १५३ नारगी ख ३७, ख ४० नारजी स्व ३७ नार क ५३२, ग ३३, ज २६२ नारकीय क ३१६ नारद क १५४, क ४६३, क ४६६, क५७४. क ५७८, ज १६३ नारद होना ज १६५ नारा इ २६५ च २७२ नाराच ङ ४१२ नाराज़ अ ३६, ज ४० नाराज करना ज ४४ नाराजगी व ३४ नाराज़ होना च ४२, च ६६

नाराज़ी ब ३४

नारायण क १३४. क ५५८, घ ५७ नारायणी क २०२ नारियल घ ६० नारी ग ४. ग ६७ नाल घ ३८६ नाला च २७२ नालायक च ३६६ नालायको च ४०१ नाली घ २४४ नाव ङ ३⊏१ नावाकि जियत च १०४ नावाकिफ ज ११२ नाविक ग ३४१ नावेल ख २०८ नाश क १७२, ग १५४, 🖷 २२, ज ८२३ नाशक च ⊏२४, भ १६७ नाशना क १७१, ज ८१६, ज ८२२, भ २१८ नाशनीय क १७३ नाशपाती घ ३४७, घ ३७६ नाशवान क २१८, ब ८३२ नाशवान होना क २१६ नाश्ता ङ ४१ नाश्य क १७३ नासना क १७१, ज ८१६ नासमभाज ११२, ज ३६४ नासमका च १०४, च ३६६ नासा ग १७, ग १८, घ १४६ नासापुट ग १८ नासामल ग १२३ नासारंध्र ग १८ नासिका ग १७, ग १३६ नासिक्य क २५०

नास्तिक क ६, क ११६ नास्तिकता क १२१ नाहमवार च ५८० नाइमबारी च ५८२ नाइर ग ४६४, ग ४६७, घ ४२७ नाडीं च १८६ ताही करना च १८७ निंद च १६१, च ७५८ निंदक अ १६२ निदना ज ३६० निंदनीय च १६१ निंदा ज १५६ निंदा करना च १४६, च ३६० निंदासा अ ७६० निदित अ १५४, च १६० निध ब १६१ तिंब घ ७० नि:शंक व २४० नि:भेयस ग ६ निःसकोची न ३२४ निःसंतान भ २० नि:संदेष व ४२१ वा नि:सार अ २५, इ ८४ निकट च १७६ निकट साना ज १७८ निकम्मा ह्य १६४, च ४२१ इ, च ४२१ उ, स ६६० निकर च ६२४ निकसना ग१४५, ज ६६५, ख ७४६, ब दर्भ व दर्ह, ब १०० निक्ष इ प्रर० निष्यंता व ६६५, व ८५४, व ६०० विकाई व ४६७

२६

निकाय च ६२४ निकालना ल ५६०, ग १४६, च ७४७, ब ८०५, ब ८५३, ब ८६८, ब ६०५, च ६०७ निकाला ज ७४८. ब ६०३ निकासना ज ८५३ निकाइ पढना भ २४ निकियाना ब ८५३, ब ६०७ निकेत च १, च १४० निकेतन च १४० निकोटना ज ६०१ निकृष्ट च ४२६, च ४३६ निकृष्टता च ४३०, च ४४१ निस्तारना ह्य २६० निखिल ज ८७६ निगम क ५३८ च १३५, च १३६, भा २२५ निगरानी क १६२, क १६८ निगलना भारश्य निगइवानी म १६२ निगाइ 🖷 ७२२ निग्रह के १३४, के १६५ निचोडना क ७२ निचोल इ २१८, इ २७४, इ २६६ निकावर के ४३० निजाकत ज ७० निजात क २३० निकी अ ४०५ निडल्ला च ४२१ उ निठस्त ब ४२१ उ, ब ६६० निद्धर च २४, च ६८ निदर्श अ २१ निदुरता ब २१, ब ७१

निदराई ब २१, ब ७१ निडर ख २४० निद्धरपना ज १४२ नितब ग ३६, ग ८२ नित सु १३८, सु १६७ नित्य छ १३८, छ १६७, ज ८३३ नित्यप्रति छ १३८ नित्ययौवना क ४१८ नित्यशः छ १३८, छ १६७ निथारना भ ७२ निदरना ब १६६. ज ३४६ निदाघ छ ६६ निटान ख ४३६ निदिया ज ७५८ निद्रा स १८५, च ७५८ निदाग्रस्त ज ७६० निदायमान च ७५९ निद्राज्य ब ७६० निवा लेना च ७६१ निदित 🗷 ७५६ निद्रित होना व ७५४, व ७५५ निधन ख ४०५, ग १५४ निधनपति क १६५ निधन होना ग १५४ निधिक २६७, सा ६०६, च २६४ निनवाँ ख ४७७ निनाद च ५५८ निपात ग १५४ निपात होना ग १५५ निपुरा व ३६७ निपुषाता च ३६८ निप्त भ २०

निप्ता भ २०

निबध ख २०४, ख २०७ निबंधकार सा १२७ निब ख ३०७, ख ३०६ निबटना ज ६५४ निबल भा ४२ निवाह क १३६, भा ३८५ निबाइना ज ६२२, भ ३५७ निभना ज २७८ निमत्रण कदश निमत्रण देना भर⊂५ निमित्रित भ ८२ निमस्बन भा ६८ निमज्जन करना भा ६ ह निमल्बित अहि निमिख 🕱 १२३ निमित्त स ६५३ निमित्त ज्ञान ख ५ निमिष छ । २३ निमीलन ग २२. ग १५४ निमेष ग २२. छ १२३ निम्न च ८५, छ २३७, च ४२६, च ४३६ निम्नता ज ४३०, अ ४४१ नियंत्रित भ १८१ नियत क १६५ नियत करना क ४२६ नियताप्ति ख १४४ नियति क १६४, अ ४५७ नियम क १३४, क १६५, ख ३३१, ज ६५३, 本 きゅう नियमन ५ ७०) नियमवद्य भ १८१ नियमानुकूल भ १८० नियमित भा रदर

नियराना ज १ प्ट नियत ख ६३३ निरंजन क ११२, क १६५ निरंतर छ १६७ निरखना ज ७२३ निरंपराधी ज ३१७ निरर्थक ज ४२१ इ निरवशी का २० निरवलब भ २०३ निरस इ ४= निरतता ङ ४६ निराई करना ज ⊏६८ निराकार क ११२, क ११४, ग ६, च ३ निरादर अ ३४८ निरादर करना ग १६६ निराधार भ २०३ निरामा ब ८६८ निरालव क ५५८ निराला च २२६. अ ४१⊏ निरालापन ४१६ तिराश ज २१५ निराशता च २१२ आ निराशा च २१२ आ, च २१३ निराश्रय भ २०३ निरोच्या भ १६२ निरोक्तक करना व ७२३ निरोख्य कराना च ७२५ निरीश्वरवादी क ६, कश्श्र निरीह ज १४१ निबक्त क ५५५, ल २३७ निरोग् स ५४७ निरोगता ख ५४५ निरोगा ख ५४७

निर्मेखा क ११२. क ११३. क ११४ निर्धोष ज ५८८ निर्जन क २०७. च २२६ निज्ला एकादशी छ २२३ निर्भार च २७३ निर्भरणी ख ३०८ निर्णय भ ४२५, भ १६४ निर्णयात्मक ख २१० निर्दय ज २४ निर्दयताज २१ निर्देयो अस्टर निद्धि ज ३१७ निर्देषी ज ३१७ निर्धन ख ४०५ निर्घनता ख ४०६ निर्धारण भ ४२५ निर्धारित करना भ ४२६ निर्बल भ ४३ निर्वासतः भा ३६ निर्भय ब २२७, ब २४० निर्भयता ब २४२ मिर्भीक स २४० निर्मोकता व २४२ निमल क ४८३, च ४६०, व ४१४ # 4X8 निर्मल करना ह्य २६० निर्मकता व ५४४ निर्मेली म २१२ निमिष करना क १२५, म ६४४ निर्माता ब ८१६ निर्मित क १२७ निर्मित करना क १२५, च ६४४ निर्मोक ग ६०, ग ५६६

निर्मोही व २४ निर्लज्ञ ज ३२४ निर्लंड्जता च ३२६ निर्वाचक ज ८८६ निर्वाचन करना व ८८४ निर्वाचित ब ८८५ निर्वाख क ५५८, ग ६ निर्वाण होना ग १५५ निर्वाह क १३६, भ ३५८ निविद्य करना ज ६२२ निर्वाहना भ १५६, भ २००, भ ३५७ निर्वेद ख १८५, ब १४, ब १८० निलब च १. च १४० निवारण करना व ७७५ निवास च १२६, च १४० निवासस्थान च १२६, च १४० निबासी ज ५५५ निवृत्ति ग ६ निवेदक भा २५१ निवेदन स १७६ निवेदन करना च ६१६ निवेदित क २५२ निवेश ग १५१, च १३१, च १४० निशंक व २२७ निशंक होना ग ११८ निशा क ६० निशाकर क १६५, क ३०७, ग ६४४ निशाचर क १६५, क ३४६, क ३४६, म ५१६, ग ५५८, ग ६२२, ग ६५२ निशावरी क १४६ निशान स ४४०, क ४०२, व ११४, क्र इंदर निशान पड़ना भ ३७५

निशानी व ११४ निशि छ १४३ निशिचर क ३४६, क ३४८, ग ६२२, च २६ निशिचरो क ३४६ निशिवासर छ १४४ निशोध छ १२६, छ १३१, छ १४३ निशोधिनी छ १४३ निश्चय ख १६०, भ ४२४ निश्चय करना भ ४२६ निश्चल च ७१, ज ६०६, ज ६७६ निश्चित ब २२७ निश्चितता ज २२८, ज ३३४ निश्चित करना भ ४२६ निश्चितसः ज ४२१ अ निश्चेष्ट अ ६७६ निषग क ४११ निषंगी भ २७१ निषाद ख ७० निविद्ध व ७७७ निषेच ख १६०, च ७७८ निषेध करना ख ७७४ निष्क घ ४४८ निष्काम अ १४१ निष्दुर ग ५१३, च २४, च ६८ निष्ठ्रता ब ७१ निष्णात अ ३६३ निष्प्रम होना भ १३२ निष्पाप क ४८३ निष्प्रयोजन ज ४२१ इ निसारना ज ८५३ निसृत करना व ७४७ निसेनी च १५७

निस्तब्ध अ ६०३. अ ६०६ निस्तब्बता ज ६०५ निस्तरना भ २३१ निस्तार ग ६, भ २३० निस्तारना भ २३३ निस्तेज छ १६५ निस्पृद्द् च १४१, च १८१ निस्पृद्दा च १८० निस्फ ख ५७५ निहारना च ७२३ निहाल होना च ३७, च ४१ निहरना ज ८२ निद्वराना ज = ३ निहोरा ज १७६ नींद च ७५८ नींद लेना ज ७६१, ज ७५३ नीच ख ३६०, ज १६१, अ ४३६ नीचता अ ४४१ नाचा छ २३७ नीचे च ७६, च ८५ नीचे ब्राना क १५६, ज ६१५ नीचे लाना ज ७२१ नीइ ग६०४, च १६५ नोति ख ३३०, ख ३३१, ख ३३२ नातिशास्त्र ख ३३० नीय च ४१८ नीब घ ७० नाबी ड २६५, इ २७२ नीयू घ ३५५, घ ३५६ नीम म ७० नीयत भ ३७१ नीर च २६२ नोरम म ३८८, म ४८३

नीरद छ २३६ नीरिष च २६४ नीरव व ६०३, व ६०७ नीरवता च ६०५ नीरस ङ ४८, भ १२८ नीरसना इ ४६, भ १३० नीरा ङ २०१ नीराजन क ३५ नीराजन करना क ३६ नीरोग ख ४४७, भ ३६ नीरोगता भ ३७ नील क २६६, क ३१८, स ४६, स ६३७, बह्य, ब १२४, ब ४७८, ब ४८८, ङ ३४, ज ४८० श्र नीलकठ ध ३०३ नील कमल क रूप्य, घ ३६४ नीलगाय ग ५०४ नीलग्रीव क १६५ नोलम व ४८१, ध ४८६ नीलली। इत क १८५, स ४५ नीलावर च २१ नोला ख ४६, ग ६७२, घ १७५, घ २२३, च ४६७. व ४७२. व ४८० नीलापन ख ४७ नीलिमा ख ४७ नोली घ १२४, ड २०४ नीसोत्पल घ४०८ नीवृत स १०७ नीहार छ २५६, छ २५७, छ २५६, स २६० नुकतान व रेप्प, म ३०१ नुकसान करना व ४५६ नुकोला भ २६६

नुक्स व ३६७ नुज्म ख ६४७ नुति क ४५ नुत्का ग २४६ नुपुर ङ ३३४, क ३६१, क ३६२ नुमाइश च ७३१ नूत भ ३५, घ १७३ नूतन छ १७४ नूतनता स १७७ नून क २८ न्त्य ख ५, ख ११७ नुत्व करना स ११८ नुत्वको स १२३, ग ३६६ नृत्यशाका स १२५, च १८० नृप स १४६, ग २६२ नुपति क २५५, ख ३४६ न्यंस व २४, क १७० न्शंसता च २१, भ १६६ नुसिंह क १५४, क १५५ नेक दे॰ 'श्रच्छा' नेकनाम व ३५३ नेकी व २८ मैक्रोपैयो ल ४२६, ल ४३२ नेमा क ४१४ नेवात २३० नेटा म १२३ नेता क १३४, स ३३५, म ७० नेतागिरी के १५१ नेत्र ग १६ नेत्रच्छ द ग २२ नेत्रमल ग १२६ नेत्रविद्यान म ४६६ नेत्राम्ब ११६

नेनुवाँ प २७७ नेम क ११ ऋ नेमिनाथ क ४८२ नेयार्थ ख १६७ नेवर ङ ३३४ नेवलाग ५२६ नेस्तनाबुद करना ज ८२० नैऋत क ३४८, च २३ नैश्रात्यकोगा च ७६, च ८४ नेन ग १६ नैनू ङ १५८, ङ १६३ नैयायिक क ५६७ नैराश्य ज २१२ ऋ। नैसर्गिक व ३८५ नैसर्गिकता च ३८७ नैहर ग २३४ नोंचना च ६०१, च ६३४ नोक अ ४६३. अ २६८ नोकर ग ३८३ नोचना ब ८६३, ज ६३५ नोन ङ २८ नोना घ ४७० नोनियाँ घ ३३७ नोनी घ ३३७, ङ १५८ नौ स ६०६, ङ १८१ नौकर ग ३८३ नौकरानी ग ३८४ नौकरी का २४६, का २५५ नीका ङ ३८१ नौकादड ङ ५६६ नीजवान भ ३२ नौटंकी ख १३६ नौबत स ११३

नौमी छ १०४ नौरंगो ख ४०, घ ३४८ नौलक्षा छ ३४६ नौवाँ ख ६१० नौशा ग २६४ नौसादर घ ४६४ न्यस्त भा २३२ न्याय क ५६२, ख २३७, भ १६४ न्यायकर्ता ग ३६६ न्यावयुक्त भा १६८ न्यायाधीश ग ३६६ न्यायालय च २२४ म्यायो ग ३११, भ १६७ म्यारा स ४१८, स ८५५, स ६७७, ₩ 80€ न्यूटेस्टामेंट न ५६८, न ६०० न्यून च ६१० न्यूनता च ६१२ न्यूनपद ख १६७ न्यून होना ब ६१५ न्यौद्यावर का ४३० न्यौता भ ८१ न्यौतना भ ८५

4

न्यौता ग ५२६

पंका व ३०४ पंका व ३८८ पंका व ३८८ पंका ग ६००, व ६२४, व ६२५, क २६४ पंका ग ५६६ पंका क ५७३ पंका करना क ३८० पंका ग ५६८, ग ६७०, क ५७३

पंख्डी घ ३८४ पगत ब ६२५, भ २६४ पंगति च ६२४, च ६२५, भ २६४ पगुच २१, च ५३२ पंगुल अध्र३२ पंच ख प्रद्र, ग ३६७ पचत्व ख ५६८ ग १५४ पचपात्र क १०३ पचम स ७०, ल ५६७ पचमी छ १०० पॅचरंगा म ३४३ पँचलड़ा क ३३१ पंचशर क २७१ पचाग ख ६५१ पंचागुल घ २६७ पचानन क १६५, ग ४९४ पिष्मी हा १००, छ २२४ पञ्जी ग ५६८ पवन स १२, स १००, स १०४ पॅबरी ग १०४ पचाग ६०२ पंज्रम ख ५६७ पड़ा के बद पडाल अ २१६ पडित क १७, क ७८, क ५३६, स्व ६५०, ग २८२ पडिताइन ग २८३ पहुल २८, ल ३७, फ ३३४ पंडुक ग ६३३ ग ६६०, ग ६६७ पंजुकी स ६६१ पंद्वर ग ५७०, भ ३३४ पथ क १, क २६७, च २४१ पंथी अ ६६३

पन्द्रइ ख ६२० पॅवरना च ४२०

पंसरा ग २४६

पॅसली ग १०४ पंह्यकी च ३०६ पइसना व ७४० पकड भ २२३ पकड़ना क २२४ पकडी च ६७ पकना भ हर पकाना स ६०, स ६६ पकला ल ४२२ पका भ ६१ पकौद्धी क १३४ पक्का च १७०, ज ६८, ब ८२६ पक्कारंग ज ४८० छ। पक्व भा ६१ पत्त क १६५, ख ५८२, ग ४५, ग ५६६, ख ८६ पचाघात ख ५२३ पची ग ५८६, ग ६२५ पखंड च ३०८ पखंडी अ ३०६ पल छ ८६ पखना ग ५६६ पखवारा क्र ८६ पसाउष स १०२ पसान च २४७ पसारना च ५५० पखावची ग ३६२ पखेर ग ५६८ पग ग द६, अ ६६७ पगडंडी च २४४

पगडी क २३८ पगना के ६५ पगलाना व ३३८ पगा ङ २७४, ब ५३२, भ ६६ पगुराना क ११६ पगुरी करना क ११६ पगोडा क ४६६ पचलकी ङ ३३१ पचीसी भा ३३ पचचोकारी करना भ ३२४ पश्ळिम च ८२ पच्छी ग ५६८ पन्नताना भ ३४७ पछतावा भ ३४८ पश्चारना ज ५५० पक्कवा ङ ३३४, ङ ३५४ पछेली ह ३३४ पछोड्ना ज ५५४ पन्नरी ग १०४ पट घ ३६६, ड २१८, ङ ४६७, च १६५ पटतर व ४२२, भ ३६३ पटतरना भः ३६५ पटना च ११८ पटरानी ख ३५३ पटरी ख २११, ख २१२, च १३०, क ३५५ पटल ख २६६. ख २०५, च ३८४. म २६६, ड ४६७, च १६८, ब ६२४ पटसन घ १२८, ह २२६ पटिया ख ३११ पटी क २६५ पट्ट व २२३, व २७५ व २८१, व ४८५, म ३६७, ज ४४३

पदुष्रा व १२७, घ १२८ पद्रका ङ २६५, ड २७४

पद्वता च ३६८

पट्टत्व च ३६८

पटेला भ ३१२ पटोलना भ २४७ पष्ट स ३११, ङ २३८, ङ २७४, च १६५ पट्टमहिषी ख ३५३ पदा व ४६८ पट्टिका च १८४ पट्टो सा ३११, घ १८४, ङ० ७० पट्टोदार ग ४२०, भ ६ पठन ख २५६ पठन-पाठन ख २५६ पतन-पाठन करना ख २४६ पठाना क ३५२ पठाया का इप्र पहताल ल २५०, ल २५८, भ १६२ पहना व ६६६, ज ७०८ पह्नवा ग ४८७, छ ६५ पहाव च १३० पडिया ग ४८७ पढना ग २४६, ख २५६. ब २७८ पढाई स २३८ पदाना स २४७, स २५७, च ८४४ पदा लिखा ख २३६ पढिना ग ५८७ गया स ३८०, भ २८५, भ २६४ पराय च १३६, च १३८, भ २८५, भ उहर प्रविधाला च १३८ पत्रम क २६७, ग ५६८, ग ६६८, ग ६६६, ग ६७०, म १३२, क ३०१, म ३८१

पत ग २२४ पत्रभाइ छ ८२ पत्रभर होना च ८११ पतन होना च ७०८, ज ८११ पतराई व ५७२ पतरो घ ३३८ पतला च ६१६, च ५०३, ज ५७१ पतलून ङ० २६४, ड २६६ पतवार ड० ५६७ पता भ ३८४ पताका ख १४१, ख १४३, ङ ४०२ पता लगवाना ख २६१, ज ७६७ पता लगावा ख. २६० च ७१६ पति क ११० क ११२, ग २२४, ग ३८०, व १८५ पतित क ३१६ पाततपावन क ११२ पतिबता क शब्द्य, ग २७२ पतियाना च २५४ पतीला ड ४३० पतीला ड ४३० पत्रिया ग ३६७ पतोह ग २३३ पत्तल ड ४०८ पत्ता घ २१, ह ३३० पत्यर स २४७, छ २५८, स ६८ पत्थर होना भ १४५ वत्ता ख ३६१, ब २१ परनी ग २२५ पत्र क ३०, ख २०४, ख २८६ ग ५६६, घ २१ पत्रकार सा २६२

880

पत्रवाहक ख ३६६ पत्राख ३०५, ख ६५१ पत्रिका ख २६०, घ २२१ पत्री ग ५६ ⊏, ग ६२५, घ २, घ ६६, घ पनस घ ४६ रेदद, घ ४२४ पथ च २४१ पथरी ख ४६२, इ ४४७ पथिक ज ६६३ पथी ज ६६३ पश्य ङ० २६ पद सा ५८२, ग ६, ग ८६, भा १०६, भा २५५. भ २५६ पदक च ४८४, इ ५६० पदतल ग ८८ पदत्राश ङ २६७ पदवी च २४१ पदातिक ख ३६५ पदार्थका करना व ६६४, ज ६६५ पदार्थ स ५६१. ङ ४१८ बद्धति सा २०५, च २४१, ब ६५२. भ १५७, क २६४, क ३७० पद्म क १४४, क २६६, क ३२८, क ३२६, क ४६८, क ५७४, ख १६७, ख ६३८, ब ३८८, च ४५८, च २६२ पद्मनाभ क १३४ पदमा क १६३, च ४०६ पद्मावती क १६३ पद्मिनी ख १५५ पद्य ख १६८ पंचारना च ६६४, ज ६६५ पनदुब्बा क ४१२ पनपना भा २०१, भा ३१६ पनमरिन ग३१०

पनहारा ग ३०६ पनहारी ग ३१० पनहीं ङ २६७ पना क १४० पनाती ग २५६ पनाइ भ २०२ पनिहास्य ३७७ पनीर ड १६४ पन्नग ग ५५८, घ ४८६ पन्ना ल ३०४, घ ४८६ ङ १४० पपरा ड १२० पपोता च ५७ पपोड़ा ग ६१५ पय घ २२५, ह १५५ पयद छ २३६ पयोधर ग ५०, ग ४७७, ग ४७८, घ ६०, घ २४६, च २४८, च ३१३, छ २३६ पयोधि च २६४ पर्यानिधि च २६४ परत ज १०१२ परपरा ज ६५३, म १६१ परपरागत खु १८२, च ६५४ पर क १२३, क १६५, ग ६, ग ५६६, ख देश, ख देश परई ङ ४५७ परकीया ख १५६ परख ख २५० परखना स २५४ परस्रवाना स २५५ परसर्वेया ग ४०८ परला स २५१ परचा च १५२

परचूनिया ग ३२७ परचूनी ग ३२७ परखाड़ी ख २६४ परतंत्र भा २३५ परतंत्र करना भ २३७ परतंत्रता भ २३६ परदा ड २६६, ङ ४६७ परदा करना च ७६८ परदा खोलना च ७६६ परदादा ग १६१, ग १६२ परदेश च १०५ परनामा ग १६७ परपोइक क ४४८ परनोधना ख २६२ परब्रह्म क ११२, क ५५८ परम क १३४, क १६५, घ २१ परमपुज्य क २६ परमल ङ १४६ परमहंस क ११२, क ५५८ परमाखु च ८१५ परमात्मा क ११२ परमेश्वर क ११२, क १३४, क १६५, # AZO परवल च २७५ परलांक दे॰ 'स्वर्ग, परलोक बाना ग १५५ परलोक सिंघारना ग १५५ परवर ध २७५ परबरिश क १३६ परवरिश करना आ २०० ष्रवरिश पाना क १०१ परवश क २३५

परवद्यता भा २३६

परवानगी च १६४ परवाना ग ६७०, च ३३५, भ १८८ परवाइ व २२४ परशुराम क १५४, क १५५, क ४४४ परस क ४११ परसना भ ४१२ परसाल छ ३१, छ ३२ परसों छ १८४ परस्त्रीगामो अ ३०२ परा क ५६१ पराग घ ३८५, घ ३६१ पशग केसर घ ३८५ पराक्रम च २१२, भ ३८, भ २७७ पराक्रमी ब २१४, भ ४०, भ २७८ पराङ्मुख म १२३ पराजय ज २८६ पराजित होना ज २६२ पराठा ङ ११२ परात क ४३६ पराधीन क २३५ पराधानता का २३६ पराना च ६७२, च ७४४ वराभाव च २८६, च ८२३ पराभूत ज ८२५ पराभूत करना च २६१ पराभूत होना व २६२ परामर्श भा १५५ पराया के ४०६ परायापन भ ४०८ पराशार क ५७६, क ५७८ परास्त व ८२५ परास्त करना च २६१ पशस्त होना च २६२

परिकर ख १६०. ज ६२४ परिक्रमा क २० परिक्रमा करना क २१ परिष्रह भ ४४४ परिचय ख २०६, ज १०३, ज ११४, ब ११६, ब ११७, ब ८५१ परिचय करना च ११० परिचय पाना ज ११० परिचर्या क २६, भ २४६ परिचायक ब १२० परिचारक ग ३८३ परिचारिका ग ३८४ परिचालक भ १६० परिचित ज १०५, ज १११ परिचित होना ज ११० परिच्छेद ख २६६, ङ २३६ परिज्ञात ज १०५ परिगाय ग १५१ परिशाय करना के २४ परियाम भ रदह परियामतः अ १००६ परिगामदर्शी ज ७२७ परिस्थात ज १८० परित्याज्य च १६० परिचान ङ २४८, ङ २३६, इ २७१ परिधि क २१८, क २३६, च ८ परिपक्त भ ६१ परिपाटी ब ६५२, क १६१ परिव्राधक क ५५८ परिमल क २८७ परिमाश व ६५८ परिमित ख ५७२, ज ४२० परिवा छ ६५. छ १५६

परिवर्तन भा ३०० परिवार ग २४६, ग ३००, भ १ परिवेश च ८ परिवेष च द परिशीलन ख २५६ परिश्रम का रद्र७ परिश्रमी भ रदद परिषद च २२३, ख ३३६, ख ३६६ परिष्कार ङ ३२७ परिद्वार्थ ङ ३५३ परी क २४७ परीचक ख २५२ परीच्या ख २५०, भ १६२ परीचा ख २५०, भ १६२ परोक्षा करवाना ख २५५ परोचापत्र ख २६६ परीचार्थी ख २५३ परीचा लेना ख २५४ परोचित क ४२२, ख २५१, ज र⊏४ परीशान ब १३ पराशान करना च ५५ परीशानी ज १६ परुष च २४ परुषता ज २१ परुषत्व ज २१ परवा ख १६३, म ६३ परेई म ६३४, म ६६१ परेठा इ ११२ परेवा ग ६३३, ग ६६० परेशान व १३, व १३६ परेशानी ज १६, व १३७ परेह ङ ६६ वरों का १८४

परोच च ८२७ परोढा स १६१ परोरा घ २७५ परौठा ङ ११२ पर्कटी घ ६७ पर्याख २६६ पर्जन्य क १३४, क २१५, क २२५, 359 @ पर्या च ७२, ङ १६० पर्याक्टा च १४२ पर्याशाला च १४२ पर्यत छ १६६ वर्यटक च १८६ पर्यटन च ६८७ पर्याप्त होना ब ६१६ पर्वक ६०, ग६८, छ, ११०, छ, ११२, छ २०१ पर्वत च २४= पर्लग ङ ४६६ पल ग २२, ग ६१, छ १२३, छ १२४ पलई ग ११२ पलक ग २२, छ १२४ पलक मारना व ७५५ पलटन स ३४६, स ६२५ पलटना व ६७५, मा ४०१, मा ४०२ पसटनिया स ३६५ पखदा इ ५४६ पत्तना भ २०१ पलरा क ५४% वसस्तर च १७० पता च २८१, क ५४६

पक्षानी च १६८

पशायक ब ७४२

वलायन करना व ७४४ पलाश क ३४८, व ७२ पलीता रू ४०४ पलेट ङ ४३६ पलोटना भ २४७ पत्नोवना भ २४७ पल्लव घरश, घरश, घरश, च ३१३, इ. इइ४ पल्ला ङ ५४६, च १६५ पवन क १३४, क ३११, क ३१३, क ३१६, छ २६३, ज ७१३ पवनकुमार क ३८०, क ४२५ पवनसुत क ३८०, क ४२५ पवमान क ३०७, क ३१३, क ३१६ पितित्र क १६५, घ ११६, घ २६२, घ ४२६, व ४५०, ङ १५७, छ २४५, ज ४१४, ब ५४१ पावेत्रता च ४१५ ग्र. च ५४४ धावत्र स्थान क ५४ पश्च क ८१, क २०७, ग ४३० पश्चपति क १६५, क ३११ पशुपतिनाथ क ५८ वशोपेश च २३१ पश्च हा १७४, हा १६३ पश्चाताप भ ६४८ पश्चात् च ८२, छ १६३ पश्चिम च ७६, च ७६, च ८२ पश्म ग ३७ पश्मीना ङ २२६ पसंचा ब ६६० पसद स ४७१, स १२३ व पस स ५२७ वसरना व ८६५

पसाना भ ७२ पसारना च ८६३, च ८७० पसीजना च २५, भ १४६ पसीना ग १२१ पस्त ज ७५३ पस्ताइम्मत सः २७४ पहचनवाना ज ११५ पहचान ख ४४०, ज ११४ पहचानना ज ११० पहनना भ ७६. भ ८० पहनावा ङ २३६. भ ७६ पहर कु १, कु १२८ पहरा च १६२ पहरा देना भा २०५ पहरुत्रा ख ३७५ पहरेदार स ३७२ पहरेदारी क १६८ पहरेदारी करना भ २०५ पहलवान ग ४०१ पहला ख ५७८ पहले छ १७२, छ १६४. ब ८२७ पहाड़ च २४८ पहाडी च २४८ पाइचान दे॰ 'परिचय' पहिचाना ब १०५ पहितो ङ ६७ पहिनना भ ८० पहिनावा क २३६ पहिरत इ २७१, भ ७६ पहिंगवा ड २३६ पहिला ख ५७८ वहुँन ब ७४२ पहुँचा ग ६०

पहुँचाना म ३५२ पहॅचाया भ रप्र पहुँची क ३३४, ड ३५३ पहुना ग ३७८ पहुनाई क ८४ पहुरा भ २८३ पहेला ख २७० पॉख ग ५६६ पाँखो स ५६८. ग ६७० पाँखरी च ३८४ पाँच ख ५६६ पाचजन्य क ३११, क १३८ पॉचबॉ ख ५६७ पाचाली क ४१८, ख १६४ पाइर ग ६३३ पाडव क ४१२. ख ५६६. घ ८६ पाइवगीता क ५८२ पाद्ध क ४२०, ल ५१३, ग ६६०, भ ३८० पाइता ख ३६ पांबुर खरद, ख ३७, ग ६५०, घ ७१. म १६७ पाहुरोग ख ५१३ पाइलिपि ल २६५, क १८६ पाडे ग २८६ पाडेय ग २८६ वाँत ग ३०० पाँती ब ६२४, ब ६२४, म २६४ पाँव ग ८६, 🖷 ६७७ पाँवड़ा ङ २६४ पाँव पहना भा २४८ पाशु च १५८, च १८६; उ ५३३, च ६७ पांशुल ज ५४२ पाउडर स ५५१, इ ३२२

पाक ग ४२२, ग ६०५ पाक्ष व ६७ वाकदामिनो स ५० पाकर घ ६७ पाकशाला च १६८ पाकशासन क २२५ पाकस्थलो च १६८ पाका ख ४७७ पाकेट इ ४६६ पाचिह्र ख २६१ पालंड ज ३०८ पाखडी ज ३०६ पाख छ ८६ वाखर घ ६७ पाक्राना ग ११५, च १५२ पाखाना होना ग ११६ पाग ड १६४, ङ २३६ पागल स ३३५, अ ३४०, ज ३६४ पागलपन ज ६३७, अ ३४१, ज ३६६ पागल होना ज ३३८ पाचक ग ४०२ पास्त्रा ग प्रप्र पानामा ङ २६४ पानापन व २६६ पानीपना ज २६६ पाजेब ड ३३५, ड ३६२ पाट घ १२७, घ १२८ पारम च १६८ पारल ब ४४२ पाटलीपुर न ११८ ए४४ स ५४७ पाटो स ३११, क ५०७

पाटोर च १०२

पाठ ख १७४, ख २६६ पाठशाला ख २७४, च १६६ पाठन ख २५७ पाठा ज ४६८ पाठीन ग ५८% पाठ्य ख १७७ पाड़ा च १३७ पादा घ १६७, च १३७, ब ४६८ पाणि क ३४०, ख ५८२, ग ५६ पाशिग्रहक ग १५१ पाणिप्रहस्य करना भ २४ पात घ २१ पातक ग १४०, ज ३०४ पातकी क ३१६, ख ३०६ पातगोभी घ २७६ पातशाह स्व ३४६ पात होना च ७०८, च ८११ पाताल क ३३१, क ३३५, क ३३६. क रेरे७, च रप्रश पाता च २१ पात्र स १५ :, च २१, इ ८२, इ ४२७ पायक २६७, क ३११, क ३१३, च इ, च २४१, च २६२, च २६३, च २६४, ब ६६३ पायर ड ४७५, च २४७ पायोधि च २६४ पाद के १६५, इस ५७४, स ८६, क ६५० पादत्रास क २६७, उ २६६ पादना ज ६५१ पादप भ २ पादशाह ख ३४६ पादाकुलक स २०३ पादुका ङ २६७, ड २६६

पाधा क ८८

पान घ २१, ङ १६०, इह १६१, ङ ३७६

पान करना भ १२३

पान सुतीं ङ १८६

पाना व १८६, भ ११७, भ ३०७, भ ३५०

पानो च २६२, छ २२६, छ २४५

पानी उतरना ख ५०३

पानी उतारना ज ३४६

पानोदार छ २८८

पाप का २०४, का २१०, का ४१४, भी २२०

पापाचारी ज ३०६

पापद ङ १२०, ङ १२१

पापनाशक क १६५

पापी क ३१६. ज ३०६, ज ३१८

पायंदान ङ २६४

पाय ग ८६, रू ५०४

पायक ग ३८३

पायबामा क २६४, छ २७७

पायल क ३३५

पायस ङ १२३

पाया ग ५५१

पारंगत च १११

पार ब ४५६, ड ५०४

पार करना ख ६८६, ज ७३६, क २३३

पारखी ख २५२

पारस छ २३६

पारसी क ३

पारा च ४५६

पारावत ग ५२४, ग ६३६, ग ६६०

षारिजात क २४१, भ ४१७

बारितोषिक भ २८४

बारिअमिक सा ३६४

पारिषद क १८०, का ३६६, आ १५६

पार्कघ ⊏

पार्टी ख ३३६

वार्थ क ४१७, ख ३४६, च ८६

पार्थक्य ज ८५६

पार्थिव ख ३४६, ख २६२

पार्वती क १८५, क २०२, घ २६५.

घ ३६२

पार्वतोय च ३५६

पार्श्व ग १०४, च २८१, ज ६७६

पार्श्वनाथ क ४८२

पार्षद ख ३५७

पाल घ १३, च २८२

पालक ग २५५, ग २५६, म ३२७,

क १६६

पालको घ ३२७, ङ ३६७

पालन क १३६, भ ३५८

पालन करना च ६२२

पालन करने वाला ग १७५

पालन-पोषया क १३६

पालन-पोष्य करना क २००

पालना क १३५, अ ५०१, च ६२२,

भ २००

पाला च २८१, छ २५६, ङ २६०

पाला-पोसा अपना क २०१

पालिटिक्स ख ३३२

पालित होना भ २०१

पाली ग ५५४, ख २२०

पा लेना अह ११७

पाव ल ५७४, ल ५६५

पावक क रण्ह, क २६७, क ३११, क २१५

पावन क १३४, क ३११, क ४६१,

घ २०१, च ४४१, च १३०, च ३०३

पावनता च ४१५ छ, च ५४४

पावना भा ३०४ पावलगो करना च १६७ पावम छ ७२ पावा रू ५०४ पाश क २६१ पाशुपत क ११, क ५५८ पाषाया च २४७, छ २६१ पासग ज १६० पान ज ६७६ पासा ङ ३७४ पासी ग २६६ पाइन च २४७ पाहुन ग २०३ पाइना ग २६३, ग ३७८ पाहनी क ८४ पाहर भ रद्भ, भ रद्भ पिंग सा ३७, ग ५३२, व ४५४, घ ४७३ पिंगल क ३११, ख ३७, ग ५२४, ग ५२६, ग ६५२, घ ४५४, क ३३२ पिंगल गीता कथपर पिंगलाक १६३ पिंबर सा ३७. ग १२, च १२२, च ४७३ पिंड ग १२, घ १४, घ ४७५ विज्ञा ग १२, ङ २१५ पिंडिया क १६= विंडी व ६८. ङ २१५ पिक ग ६१३ पिकदान इ ४७२ विष्रलना भ १०७, भ १४६ विचक्रना च ८०७, भ १३२ विवका भ १२८ पिक्तमगा ग ३८३

विद्वौरी ङ १७४ पिटक क ५६६, ख ५२२, ड ४६६ पिटाई भ २८० पिटाई करना भ २८१ पिटारी ग ५५१ पिढई ड ५०६ पितर ग १६६, च ३७ पिता ग १७४ वितामह क १२३, क १६५, क ४३४, क ५७८, ग १६२ पित्त ख ४४२, ख ४४३, ग १२४, च ४५१ वित्तपापडा घ र⊂६ पित्ती ख ४५६ पितृ ग १६६, च ३७ विनुब्ध ग १८५, ग १८७ पिटर रा १७४ पिनाक क १७६, घ ४६१, ङ ४०६ धिनाकी क १६५, क १६८ विपासा भा १२२ विपास भा १२१ विपोलिका ग ५४२ विप्यल च २६२ विष्वलाद क प्रभू र वियं ग २२४ पियराई ग्व ३६ पिया ग २२४ वियाज च ३६६ वियाला इ ४४३ वियास भ १२२ विलर्ष ग ५४८ पिशाच क ३५०, ग १६२ पिश्रन क ४६३, ग ६५४, व १६३ पिश्चनता च १६४

पिछोरना च ५५४

पोनस ख ४७५

पिश्ता घ ३६० विशान ङ ६५ पिस्ता घ ३६० विस्सू ग ५४८ पोक ग १२२ पीकदान ङ ४७२ पोकना इ ६४७ पीछा ग ५४ पीछा करना ज ६७४ पीछे छ १६३, ज ८२७ पीछे चलना भ २४५ पोछे इटाना व २६१, ज २६२ पीटना ग १५६, भ २२५, भ २८१ पोठ क ८०, क ३६४, ग ५५, इ ५०६ पीठ ठोंकन। ख ४०२ पीठमर्द ग ३६८ पीठिका ङ ५०६ पोठी ङ ७० पोइक ज ५४ पीड़ा क ३२६, ख ४८४, ज ५० पीड़ा देना भ ३७७ पीड़ित ख ५४६, ज ५२ पीदा क ५०६ पीडी क प्रव्य, म ७ पीत ख ३७, घ ४७३, घ ४६२ पोत कमल घ ३६६ पीतचदन घ ११३, घ ११३ पीतता ख ३६ पीतल घ ४५४ पीतावर क १३४, क ३६६ पोताभ घ १३१ पीन ज ४६८, भ ३६

पोनता च ५००

पीना ङ २१५, भ १२३ पोप ख ५२७ पीपल घ ६६, घ १८८ पोब ख ५२७ पीय ग २२४ पीयूष क २४२, इ १५५ पीर क ११०, ज ५० पीरा ख ३७, ज ५० पील ग ४३५ पोलखाना च १८७ पीलवान ब ४१० पीला ख ३७, ग ११२, घ ४७२ पीलाचंदन घ १३१ पीलापन ख ३६ पोलिया ख ५१३ पोव ग २२४ पीवर क ४४६, म ४६८ पोवरता ज ५०० पीसना ख ५५२ पोहर २३४ पुंगव ग ४८३ पंगोपल क १६२ पुडरीक क ३११, ग ४६४, ग ४६७, ग ५४३, घ २३०, घ रेट्र, घ रेट्र, ध ४२४, च ८३ पंडरीकाच् क १३४ पुंश्चली मा ६६ पंस ग ३ पसरव ज २२१ प्सत्वहीन ज २२० पसवन क ६८ पुकार ज ८६६

पुकारना च ६०० पुल्लराज घ ४६२ पुचकारना ज १३६, ज १५१ पुच्छ ग ४३४ पुञ्चार ग ६०६ पुजारी क २५, क ३७ पुजैया करना क २७ पुट घ १७७, घ २२०, ड २७१ पुरुष क ११ श्र, ज ३०३, ज ४१४ पुरस्भूमि च १०८ पुरायवान ज ४६० पुरवश्लोक क १३, क १३४, क ४१४ प्तली ग २१. इ ३७६ पुत्तलिका ग २१, ङ ३७६ पुत्र ग २५०, ग ४२२ पुत्रवध् ग २३३ **पुत्रिका ङ ३७६** पुत्रेष्ठि यश क ८३ पुदीना घ १८६ पुनः ज १००७, ज १०११, छ १६३ पुनर्भव ग ७५ पुनर्वद्वक १३४, क १६४, च २७, च ३४ पुनि च १०११ पुन्य क ११ऋ पुमान ग ३, भ १६२ पुरंदर क १०४, क २२५ पुर घ १७७, घ ४१०, च १३५, च १३७, च १४० पुरदन घ ३८८ पुरस्ता ग १६०, भ ४ पुरबट ड ५३२, च ६१३ पुरवा ग १८. ङ ४५६, च १३३, च १३७

पुरवासी ज ५६२

पुरस्कार व ३४२, क रूप पुराख क ७६, क १६५, क ५३५, ख २३७, ख ३१६, ख ६२३ पुराग्रशैली ख २०६ पुरातन क १३४, छ १७४ पुरातनना छ १७६ पुराना छ १७४ पुरानापन छ १७६ पुरारिक १६५ पुरी ख ६०३, च ११६, च १३५, च २७१ पुरीष ग ११४, च २६२ पुर क २३८ पुरुष क १६४, क २६७, त ३, म ५, म ६, ग २२४, घ १६४ पुरुषम्ब ज २२१ पुरवार्थ ज २०६ पुरुष!तम क ११२, क १३४, क १९६ पुरुरवा क २०५ पुरोद्धास ड १५७ पुरोहित क दद पुर्वज्ञ भ १६० पुल च २८८ बुलक ग ४१, घ ४८० पुलस्य क १६५, क ५७८, च ७४ पुर्लिग ग ७६ पुलिदा ब ६२४, ब ६३० पुलिन च रदर पुरत ग प्रथ्न, क ७ पुरतैनी भ ⊏ पुन्कर क त्रंत्र, क १६५, क २६७, ग४४४, ग ६४०, घ १६०, घ ६८८, ङ ४१२, च ३, च ६३, च ३१३, भ २६१ पुष्करणी घ ४०६, च ३१२

पुष्कल क १६५, क ३४६, क ४४७ पुष्ट ख ५४७, च ४६८, भ ३६, भ ४० पुष्टता च ५०० पुष्टिक २०२ पुष्प ग १२८, घु६८, घ ३८१, च २७, च ३५ पुष्पक विमान क ३७६ पुष्पगुच्छ घ ३८७ पुष्परज व ३८५ पुष्पवाटिका घ ६ पुब्यित व ३८२ पुश्पिस होना भ ३६८ पुस्तक सा २६६ पुस्तकासय च २११ पुश्तिका ख २६६, ल ३०२ पुहुष व ३८१ पूछ ग ४३४ पूँबी ख ३८०, ख ३८१ पुत्रा ११६ पूग क १६२, ज ६२४ पूछ ब ११८, ब ११६ पूज्रताम व ११६ पूजना ज १०६ पूजन क २६, ब ३४२ पूजना क २७, ज २४३ पूजनीय क २६, ज ३५४ पूजा क २६, च ३४२ यूबा करना क २७ पुबित क २८, ब ३४४ पूज्य क २६, ख ३५४, ज ४४० पूज्यनीय 🕶 ३५४ पूज्यपाद व ३५४

पूकी क १०६, क ११०, क १११

पूत ग २४०, घ ४६४, च ४१४, च ५४१ पूतता ज ५४४ पूतना ख ३५६, ख ५३६, घ १६३, ङ २६ पूनो छ ११० पूर च २८७ पूरण च २६४, छ २४५ पूरक घ ३५५ पूरनमासी छ ११० पूरना च ६७ पूरव च ८३ पूरा च १३७, ज ८०५, ज ८७६ पूरा करना ज ८१०, भ ३५७ पूरा पहना ज ६१६ पूरा होना ज ६५५, ज = २१, ज ६१६, e exo पूरी ङ १०६ पूर्ण क १३४, क ३०६, च २६२, अ ८०५ ब ८७६ पूर्ण करना ब ८१० पूर्णतः स १०१६ पूर्णमासी छ ११० पूर्यारूपेया च १०१६ पूर्वा होना च ३७, च ६५५, च ८२१ पूर्विमा छ ११०, छ ११५ पूर्धक १६, च ७६, च ७६, च ८३, छ १६४ पूर्वकृत क २६७ पूर्ववग १६०, ग २१८, अर ५ पूर्वजन्मा ग २१८ पूर्वपुरुष क ५ पूर्वा च ८३ पूर्वाह क १२६, क १३०, क १३२ पूर्वाफास्गुनी च २७, च ३८

पूर्वाभाद्रपदा च २७, च ५३ पूर्वाषाद् च २७, च ४७ पूर्वोक्त ज ६१६ पूला ब ६२४, ब ६२६ पूष घ ६४, छ ३७, छ ५७ पूषगा क २६७ पूपा क २१५, क २६७, क ३०६, च ५५, च ६० पूस छ ५७, छ ७६, छ ८१ पृथक् ज ८५५, ज १७७ पृथक् करना ज १८२, ज ८५३, ज ६०१ पृथक्ता ज ८४६ पृथक् होना ज ८५४, ज ६०० प्रथा क ४११ पृथिबी क २४३, च ६० पृथुक १३४, क १५४, क १६५, क ३११, ब ४२५ पृथुलाग ज ४६८ प्रधुलागता ज ५०० पुष्यो ख ५७७, ङ ७८, ङ ८६, च ६० पृथ्वीतल च १०३ पुष्ठ ल ३०४, ग ४५ पेंच ङ ३३०, ज ६६ पेंचीदा ज ६५८ वें इसी ग ६६, ग ६६१ पेषना भ 🖘 वैश्विल ख ३१३ पेंहटी घ ३७५ पेलना म ७२३ पेज ख ३०४ चेट गप्रश्, ग११३, ग१४० पेट बलना ग ११६ वेट भरना ब ३७

पेट रहना ग १४१ पेटारो ड ४८४ पेटी ग ५३, इ ३६५, ङ ४८६ पेटीकोट ङ २७५ पेठा घ २८६, ड १८५ पेइ घर, घप पेइ-पौधे घ १ पेड़ लगाना भ ३१७ पेड़ी घ १४ पेड़ ग ५४, ग ७७, ग ११३ पेन्हना भ ८० पेपर ख २०७, ख २६६, ख २८६ पेलना च ७४१ पेश घ ४४८ पेशवाई ज ६६८ पेशवाई करना च ६६६ पेशा भा ३०३ पेशानी ग १६ पेशात्र ग ११७ पेशाव करना ग ११८ पेशी ग ६०३ पेश्तर छ १७२ पेहंद्रल व ३७५ पैगांबर क ५२३, क ५१४ वैट ङ २६६ पैक च २४१ वैंती क १०५ वैजनी ङ २६२, ङ ३३५ पेबामा ङ २६४ पैठ च १३८, ब ७४२ पैठना च ७३८, च ७४० पैठाना 🖷 ७४१ पैठा दुशा व ७४३

पैताबा ङ २६७ पैतृक भ ८, भ १३ पैदल ख ३६०, ख ३६१ पैदल फौब ख ३६१ पैदा ख ३६८, ज ८१८ पैदा करना ख ३८४, ग १४६ पैदावार घ २२४ पैदा होना ग १४४, ज ८१७ पैना भ २६६ पैना करना भा २६७ पैमाइश ख ६६२ पैमाना ख ६४५, ज ६६१ पैर ग ८६. ग १३८ पैरगाइ) ङ ३८६ पैर छुन। 🖷 १६७ पैरना क ४१८, क ४२० पैर भारी होना ग १४१ पैरी ह इ३५, ह ३६२ पैसा ख ३८०, ख ४०८, ख ४२६ पैसाना ब ७४१ पौकियाना च ६७४ षींगड ज ५३६ पौद्ध ग ४३४ पोछना न ५५२ पोक्कियाना ज ६७४ पौटा ग १२३ पोत्रा ग ५६१, ग ६०५ पोका ग ६७० पोखरा च ३१३ पोसराब घ ४६२ पोखरी च ३१८ पोच ब ४२६ वोटा ग६•३

पोइ ब ४६८, भ ४१ पोत ग ४३१, ग ६०३, ग ६०५, ङ ३८०, ङ ३८१ पोतक ग ४२२. ग ६०५ पोतडी ग २५८ पोत देना घ ६४३ पोतला ड ११२, ङ ११४ पाता क ३१३, ग ८१, ग ६५७ पोती ग २५८ पोथा ख २६६ पोथी ख २६५, ख २६६ पोटीना च १८६ दोवपधी क १२ योपला ज ५२४, ज ८०६ पोपलोला क १२ योय घ ३३५ पोर ग ६८ पोल ब ६३१ पोलटिकल ख ३३३ पोला ब ८०६ पोलाव र ६४ पोवा ग ५६१ पोशाक ङ २३६, भ ७६ पोषण कश्रे६ पोष्रण करना भ २०० पोषग पाना भ २०१ पोषगाीय क १३७ पोषित होना भ २०१ पोष्य क १३७ पोध्यपुत्र ग २५५, ग २५६ पोसना भ २०० पोस पाना क २०१ पोस्टकार्ड ख ३१६

पोस्टमैन ख ३७६ पोस्ता घ १६१, ङ १६३ पोहना ज ८६४ बौडा घ २४६ पौगक भ ४२१ वौश्ना क ४२० वौसला च १६७ वीगड भ ३१ पौढना ज ७६१. च ७६५ पौढाना ज ७६३ पौत्र क ४१६ आ, ग २५७ वौत्रो ग २५८ वौधा घ ५ पौन क ३१३, क ३५०, ख ५७६, ग ६, ग ७, छ २६३ पौना छ ४३३ वौनार घ ३८६ पौनी इस्ट इस्ट इस वौने ख ५७६ पौर स्व ३७२, च १६२, ज ५६१ वौरना क ४१८ पौराशिक क अद् ल ३२१ वौरिच १६३ वौरी क २६७ वीरुष मा ३८ पौर्यामासी छ ११० पौवा ल ५७४ पौष छ ५७ व्याक च १६७ प्यान घ ३१२ प्याज्ञ ख ५५ प्यादा ख ३६१, ख ३६५, ग ६८३

म्यार च १४५

प्यार करना ज १३६, ज १५१ प्यार करने वाला ज १५३ व्यारा ग २६६, घ ३६, च १५५ प्यारी ग २६७, ज १५६ प्यास क १२२ प्यासा भ १२१ प्याला ङ ४४३ प्रकट करना ज ८६६ प्रकट होना क १५६ प्रकरण ख १३५, ख २६६ प्रकरी ख १४१, ख १४३ प्रकार भर ३७० प्रकाश घ ४५६, च १०, छ २ ८३, च ८१२ प्रकाशक क १६५ प्रकाश करना ज ८६३ प्रकाशकीय ज १२२ प्रकाशन क १३४ प्रकाशमान व ३४६ प्रकीर्णंक क प्रद्रप्र, इ प्रप्र प्रकोष ज ६३ प्रकोश्ट ग ६० प्रकृति गद्य व १, ज १ प्रचालन करना ज ५५० प्रस्थान ज ३४६ प्रगटना क १५६ प्रगल्म न २४० प्रगल्भना ख १६३ प्रगाट व ५६४ प्रगीत स १७७ प्रचंड ज २४३, ब ३७८, म ४० प्रचंडता व ३७६ प्रचार करना ब ८६३, ब ६५५ प्रचनन ग १४४, भ ५३

प्रजा ख ३७८, ग २४६ प्रजातंत्र ख ३६० प्रजापति क १२३, क २६७, क ३१७, क ५७८, ग १७४ प्रजावती भ्राप्त प्रज्ञ क १७ प्रज्ञा क १३०, ग १३२ प्रज्वलित भा १०८ प्रज्वलित करना भ १०३ प्रयाच १६७, भ ४२७ प्रमा करना के ४२८ प्रगात ज ७८ प्रगाय ग ६. ज १४५ प्रग्योग २२४, 🖷 १५३ प्रगाव क ११२ प्रयाम 🖷 १६६ प्रणाम करना ज १६७ प्रयाली ख २०५, ज ६५२, भ ३७० प्रयोता ज ८१६ प्रतापी भा १७२ प्रताप च १००, च २७३, भ १७१ व्रतादित क २७६, प्रतारस भा २०६ प्रतिकार ख २६७ प्रतिकृत व १८५, व २८६, व ४२१ प्रतिकृत्वता च २७६, च २८३ प्रतिशा भा ४२०, भा ४२३ प्रतिशा करना भ ४२८ प्रविशापत्र भ १८६ प्रतिदिन छ १३६ प्रतिद्वनदी व २८४ प्रतिपद्धी ग २७६, ग ३६६, ज २८२ प्रतिपदा छ ६५

प्रतिपालक च ७८६ प्रतिपालन ब ६२२ प्रतिबन्ध ज ७७८, 🖷 ७८६ प्रतिबन्ध लगाना च ७८८ प्रतिर्वित्र क २२, छ २६७ प्रतिभाग १३२ प्रतिभू भ १८७ प्रतिम ज ४२२ प्रतिमा क २२ प्रतिमाकार ख १० प्रतिमूर्ति क २२ प्रतिवाद ख २६६ प्रतिवादी ग ३६६. ज २८४ प्रतिशत ख ६३० प्रतिष्ठाक २३. च ३४२ प्रतिष्ठा देना ज ३४३ प्रतिन्ठान क २३ प्रतिष्ठापन क २३ प्रतीक ग ११ प्रतीचा ज ४५४ प्रतीचा करना ज ४५३ प्रतीचालय च २१० प्रतीची च ६२ प्रतीति व २५३ प्रत्यंचा ङ ४१० प्रत्यत्त करना च ७२३ प्रया च १५२ प्रद ब २०१ प्रदर ख ५३३ प्रदर्शक क ७३४ प्रत्यय भ १६२ प्रत्याशा ख १४४ प्रत्यूष क २०६, छ १४१

प्रभुता भ १४६

प्रदर्शनी ग ७१, ज ७३१ प्रदर्शित ख ७३५ प्रथम ख ५७८, छ १६४, ज ८१२ प्रदाता ज २०१ प्रदान ज १६५ प्रदान करना ज १६६ प्रदोप ङ ४६०. छ ३८३ प्रदेश ख ३४८, च १, च १०६ प्रदाग्न क २७१, क ४०२ प्रधान ख ३३५ प्रधान मत्रो ख ३५६ प्रधानाध्यापक ख २७६ प्रयंच च १०३ प्रवितामह क १२३, ग १६१ प्रफुल्ल व ३८२, ज ५१ प्रकृत्मित करना ज ४३ प्रकृत्लित होना च ४१ प्रबंध ख १७५, ख २०७, भ १५७ प्रबंधक ख २८७, ग ३७५ प्रबंध करना से १५६ प्रबंधकत्ती ख २८७ प्रबंधकार ख १२७ ख २८७ प्रबोधना ख २६२ प्रभंजन क ३१३, क ३१६ प्रभाक रह७, क ३०२, च १०, छ ३८३ प्रभाकर क २६७, क २०७, क ३११, ष १००, च २६४ प्रमात का १३६ प्रभाती हा ५ ४६ प्रभाव व २४६

प्रभावशाली स १७२

प्रमुक ११२, क १६५, क २२६, स ३४६,

स ४०५म, ग ३८०, घ ४५६

प्रभुताई के १४६ प्रभुत्व भ १४६ प्रमाख क १६२ प्रमाख देना भ १६०, भ १६३ प्रमाश्वित करना भ १६३ प्रमाट क ३१० प्रमुख सा ३३५, ग ४०४ प्रमदित ज ५१ प्रमेह ख ४६१, घ १४८ प्रमोद स ४४, अ ६२ प्रवत ल १४४, म २८७ प्रयाग क ५८, च ११६ प्रयाग ज २८७ प्रथास भा २८७ प्रयोग भ ३०६ प्रयोजन भा ३०६ प्रमय क १७२. छ २२ प्रलग करना क १७१ पलाव क ५११ प्रलाप करना ग १२०, ज ६१३, ज ६२३, ज ६२६ प्रवचन क प्रदेष प्रवाल घ २३, ब ६०२ प्रवाह घ २४, च २७४, च २७७, च ४ प्रवाहित च २७४ प्रवाहित करना भी ४१६ प्रविष्ट ब ७४३ प्रविष्ट करना ज ७४१ प्रवीगा न १६७ प्रवृत्ति व १२३ व प्रवेश म ७४२ प्रवेश करना ज ६६

प्रवेश कराना ज ७४०, ज ७४१ प्रवेश पाना ज ७४० प्रशंसक क हथ प्रशंसनीय ब ३५८ प्रशंसा क ४४, ज ३५५ प्रशसा करना व ३५६

प्रशास्त च ६६

प्रशस्ति ज १७६ व ३५५ प्रश्न क ५५८, क ५५६, ख २.५, ज ११६

प्रश्नपत्र ख २६६

प्रसंग क २८७, छ १, न ६२१

प्रसगकरना क २८६

प्रसन्न ज ३६

पसन्न करना ज ४३, भी २४८

प्रसन्नचित्त न ४७ प्रसन्तता अ ४५

प्रसन्न होना ज ४१, च ३७, ज ६४६

प्रसव ग १४४, ग २४६, ग २४७, घ ३८१,

भ भई

प्रसरित होना ज ८६५ प्रसव करना ग १४६

प्रसाद ल १६१, ल १६२, ड ⊏२

मसद पाना क ११७ प्रशाधिका प २६८

प्रसार स ५७४

प्रसिद्ध ज ३४६, ज ३५१

प्रमुप्त ज ७५६

प्रसुत ग १४४, ज ८१८

प्रसूत ज्बर ख ४६३

प्रस्ता ग ४२१, भ ५४

प्रसून घ ३८१, क ८८

प्रस्तर च २४७

प्रस्तावना ख २६८

प्रस्तुत ज ३७४, ज ३७६, भ २५७

प्रस्थान ख १३४, ज ६६७ प्रस्थान करना ज ६६५

प्रस्वेद ग १२१

प्रहर ख ६०६, छ १, छ १२८

प्रहरों ख ३७२ प्रहर्षित ज ३६

प्रहसन ख १३५, ज ३७२

प्रहार भ २८०

प्रहेलिका ख ५. ख २७०

प्रहाद ज ४५ प्रागण च १४४ प्रान्त च १०६ प्राकाम्य क २६४

प्राकृत ख २१८, ज ३८५

प्राकृतिक व ३८५

प्राकृतिक चिकित्सा सा ४३२

प्राक्कथन ख २६८

प्रागैतिहासिक ख ३२२

प्रार्चः च ८३

प्राचीन ख ३१६, 📆 १७४

प्राचीनता सु १७६

प्राचौर च १३६, च **१६०, च** १८६

प्राच्य छ १७४

प्राया क १२३, क ३११, क ३१३ क ३१६,

ख ५६६, ग २२४ प्रागण्यारा न १५५ प्रागाप्यारी ज १५६ प्राचाप्रियं ग २२४

प्राण बचाना क २३१

प्राण लेना भ २१८ प्राग्यामु 🖷 २६४

प्राचात ग १५४

प्राकात करना क २१८ प्रासाम्त होना स १५५ प्राचाचार ग २२४ प्राची ग १, ग ६, ग ४३० प्रासोश ग २२४ प्रातः छ १३६ प्रातिपदिक क ३११ प्राथमिक छ १७८ प्राद्भवि ज ८०३, ज ८१२ अप्र म प्राप्त प्राप्त करना ज १८६, क ३५० प्राप्ति क २६४ प्रायः छ १६८ न १००६ प्रारंभ ज ८१२ प्रारम्भ करना च ८१४ प्रारंभिक छ १७८ प्रारब्ध अ ४५७ प्रारब्धहीन म ४६१ प्रार्थना क । ५, क ६५, ज १७६ प्रार्थना करना भ ५४८ पार्थना-पत्र का २५० प्रार्थित भा २५२ प्रार्थी के २५१ प्रालेय छ २५६, छ २६० प्राष्ट्र छ ७२ प्रासगिक स्व १४० प्रासाद क १६, च १७१ प्रिसपल ख २७६ प्रियंगु क ३५२, क ४४ प्रियं ग २२४, घ ४०१, व १५५, च ४६३ प्रियतम ग २२४, अ १५५ प्रियतमा ग २६७, व १५६ प्रियदर्शी ज ४६३

प्रियभाषी ब ६३६ प्रियवर ज १५५ प्रिया ग २२५, ग २६७, घ ४०१, ज १५६ प्रीतम ग २२४, ज १५५ प्रोतमा ज १५६ प्रीति क रूप्य, क ३०६, ज १४५ प्रेचागृह म्व १६६ प्रेत क ३५० प्रेतिनी क ३५२ प्रेम ज १४५, ज १४७, ज १५३, च १५७ प्रेम करना न १३६ प्रेमभाव ज १४५ प्रेमालिंगन ज १५० प्रेमिका ग २६७ प्रेमी ग २६६ • प्रेयसी ग २६७. १५६ प्रेरक ज २१८ प्रेरगा घ ४, ज २१६ प्रेरणा देना च २१७ प्रेरित करना च २१७ प्रेसन रद६ व्रेसिडेंट सा ३३५ प्राटेस्टैट क ५०१ प्रोत्साहक ज २१८ प्रोत्साइन च २१६ प्रोत्साहित करना च २१७ प्रोप्राइटर ग ३८० प्रोफेसर ख २४१ व्लवग ग ५०५, ग ५२४, घ ६७ प्लाट ख १३६ प्लास्टर च १७० प्लोबाग ११२ प्लेग ख ५०६

प्लेट ड ४४२

फ

फँदना ज ७८१ फॅदा ङ ५६२ फॅफराई ज ५१० फॅसना ज ७८०, ज ७८१ फॅसा ज १२२ फँसाना न ७८२ फइलॉव च ५७३ फकख २८ फ़कीर क ११० क्रकीरिन क १११ फ़कीरी क ६६ फख्र ब ८८ फगुम्रा छ २०३ फगुनइटा छ ७२ फगुनहा छ ६१ फ़ज़ल ज १६ फ़िल्रिक ५०६ फ़ऩीइत ज १४६ फ़जून ज ४२१ इ मजूलखर्च ख ३८६ फट ग ५६४ फटउध ङ १६४ फटकन इ ४६३ फटकना व ५५४, व ८५३ फटकाना ज ३६१ फटकार ज ३५६, ज ६३६ फटकारना च २४७, च २४८, च ३६०,

ब २५२, ब ६४०

ज ६३७,ज ६३३

फटना ख ४८२, ब ८५४, ब ८६२,

फटफटिया ङ ३८५ फटा ग ५६४ फटो ग ५६४ फड़ च २१८ फड़कना च ६८५, भ ३५१ फड़फड़ाना ग ६०० फण ग ५६४ फराधर ग ५५८ फगोंद्र क ३३० फगो ग ५५८ फ़तइ ख २८८ फ़तइश्राव होना ज २६३ फर्तिगा ग ६६८, ग ६६६ फतुही ङ २४२, ड २५१ फन ख २३५, ग ५६४, च ३९६ ं फफोला 🖶 ५२१ फबीलाज ४६३ फरकना ब ६८५ फरकाव ज ८५६ फरफराना ग ६०० फरमान भ १८८ फ़रमाबरदार भ २४२ फरमाबरदारी क २४३ फ़रवरी छ ३८ फरागत म ३३४ फरिया क २७४, क २७६, क २८० करियाद भ १८४ फरियादी ग ३६८ फरियाना च ८५४, भ ७२ फरसा ङ ५३१ क्रहा ङ ५३१ फ़बही क १४६ फरेंदा घ ४१

फ़रेबी ब २६८ फ़रोज़्त क २६२ फ़र्न ज ६६६ फर्ज़ करना च ६६८ फर्ज़ी च ६७० फ़रीश ग ३८३ फर्श च १७० फल ख प्रदृश, च ३४२, च ३५७, ङ ४०७, ङ ५२७, भ ३४२, भ रदह फलक क २३८, ग६१, घ १२२, क १६, ङ ४०७ च २३८ फलतः ज १००६ क्रिज़द च ४६ फलसाघ ६३ फलहरी व ३४२ फलॉग मारना च ६८६ फलागम ख १४४, छ ७७ फलारी घ ३४२, घ ३५७ फ़लालेन क २३१ फलित च्योतिष ख ६४६ फलो चर, च३१ फलीता क ४०४ फलगु च ३०३ कसल च २२४, छ १ फसली छ ६५ फ़बाद भ १७५ क्रसादी क १७६ फसाना स २०८ फस्ल घ २२४ TIS W CUE फॉब न ६८१ फॉदना च ६८३, च ६८६ कांकर स ५०८

फॉसी क २२६ फाउटेनपेन ख ३०७, ख ३०६ फार्ना ग ६६० फाग घ ३३६, छ २०३ फागुन छ ६० फाटक च १६५ फाटना ज ६३३, भ ३७७ फाइना न ८६३. ज ६३४. ज ६३६ फ़ायदा ज ६५३ फार ङ ४२७ फरिना ज ६३६ फाल क १६५, व ६७७ फालसई ख ४५ फालसा घ६३ फालिज ख ५१८. ख ५२३ फाल्गुन क ४१७, घ ८३, घ ८६, छ, ६०, खु ३७, बु ७० फाबड़ा च ४४६, क ५३१ फांसच्म ख ३४४ फासिस्ट ख ३४५ फ़िकर करना ज २२५ किकरमस्त च ३३२ फिक च २२४ फिक्र करना व २२५ फ़िक्रमद स २२६ फिक्रमस्त व २२६ फिटकार ज रेप्रह, च ६३६ फिटकारना च २४७, च ३६० फिटकरी घ ४६६ फिडवां ग ३८३ फिरगों ग ३६% किर कु १६३, ब १००७, च १०६, म १०११

फ़िरका च ६२४ फिरना ज ६३, ब ६७५ फिर भी ज १००७ फ़िराक ब ८५६, ब २२४ फिरोजा घ ४६ फिलसफ़ा ख ३२७ फिनासको ख ३२७ फिल्ड च २०१ फिनलना ज ६६८, च ६६६ किसलाइट व ६६८ फीचना ब ५४७, ब ५५० फ़ो स्व ४२० फीका स ४८ फ़ोकापन क ४६ फ़ाराजा घ ४६० प्रशेराजी ख ४६ फ़ील ग ४३५ फ़ोलखाना च १८७ फ़ोलपाँव ख ५१७ फ़ोलवान ग ४१० फील्ड च २०१ फीस ख ४२० फोसदी ख ६३० फ़्रंट ब द्धपूर फ़रकर व ८५४ फुटेहरा इ १४४ फुदकना ज ६८३, ज ६८५ फ़ुक्ती इ २७२ फ़रतीला 🖣 ४४८ फुरसत छ १५५ क्तीं छ १६२, ज १५८, ज ४४४ फुर्तीकरना छ १६१ फुर्तीबाज अ ४४८

फ़र्तीला छ १६४, व ४४८ फुलका ङ १०० फ़लकी क १०० फ़ज़बारी घ ६ फ़लाव ख प्र२४ फ़लिया ङ ३२६ फ़लेल ङ ३१२ फ़लौड़ी ड १३४ फुसलाना च ८४४, भ २०६ फ़िहार च रदरे, छ २४८, छ २४६ फ़ुड़ी च २६३, छ २४६ फूंकना क ३६१, ख ६३, ज ८१६, ज ८३१ फुश्राग २०६ फुट घ ३७३ फूटना ज ८६२, ब ६३७ फूका ग २०७ फ्रको ग २०६ फूफू ग २०६, ग २०७ फूल क ३०, ख ४६४, घ २६, घ २७८, घ रें दर, घ ४५६, क रे ४३, ज ६६ फूलगोभो घ २७८ फूलना च ४१, ज ८०८, भ ३१६, भ ३६८ फूलवती क ३५ फुमा ख ४६४ फुलान समाना ज ४१ फेबना ख रेद्रप्, ज ७०२, ज ८७१. ज ८६८, भ ४१६ फेटना भ ६३ फेटा इन्दर फेन ग १७, इ. २१, च. २६६, च. २८३ फेनिल घ ४२, घ ८५ फेनी ङ १२८ फेफदा ग १०६

भेरक ३३५ फेर डालना क ३६० फेरना स ३०८ फेर पडना क ३५६ करकार क ४०० फेरवाला क ३५६ फेरी क २० फेरी देना अ देह ड फेली ज ३१० फैयाज़ी ज २० फैलस्फ 🕶 ३८६ कैला ज ४३४ फैलाना ज ८६३, ज ८६५, ज ८७१ फैलाव न ४३५, न ५७३, न ५७४ फोंका ल ५२१, ल ५२२ फ़ोटो ख १३ फोटो खींचना ख १६ फोइना ज ८५३, ज ८६४ फोड़ा स ५२२ फोडिया ख ५२२ फ़ोता ग ८१ फोनोब्राफ ख ११६ फोरन इ १६३ फोरन देना क ६४ क्रीज स ३५६, स ६२४ क्रीबदार स ३५८ कोत ब दश्द फौलाद व ४५२ कीद स्व ३५६, ज ६२५ फ़ीरन ब ४४३

ब

बक् आ ६०, ज ६४

वंका ज ६०, ज ६४ बंग घ ४५७ बॅगला ख २२१, च १४१ बँगरो ड ३३४ बंचक ग ४१८, ज २६८ बचकता भ २०६ बंचना भ २०६ वॅचाना भ २३३ वंजन घटर बक्ताघ ३ बॅटवारा अ ८८६ बॅटा ब ८८८ बॅटाई स ५६४ बडल ज ६२४, ज ६३० बडा घ ३०६ बडिलाजा ६२४ बंडी क २५१ बद ख १६८, ग १०७, च १८३, भ २२१ बंद करना अ ७६८ बदगी ब १६६ बंदगोभी व २७६ बदनबार घ ४८३ बदनीय ज ३५४ बंदर ग ५२४ बदरमुहाँ च ४८२ बदरों ग २२५ बदा ग ३७२, ग ३८३, म २२१ बदिगृह भा २२२ बंदिया इ ३२८ बडिश करना ख १६६ बदी ग ३५३, ग ३७२, इ ३२८, फ २२१ बदोखाना च १८२ बदागृह च १८२

बंदीजन ग ३५३ बंदीवान ग ३७३, म २२१ बंदुकची ख ३६५ बद्क ङ ४०४ बंद्कची ख ३६५ बदे ज १६६ बंदोबस्त क १५७ बंध ग १२, भ २३५ बँध जाना ज ७८० बंधन क १६५, च १८२, च १८३, म ७८४, भा २३६ बंबन में डालना ज ७७६, ज ७८३, म २३७ वधन में होना अ ७८० . बद्दनविहीन भा २३४ वंबा का २३% बंध ग २१४ बधुता भा १०, भा ११ बधुत्व भा १०, भा ११ बंध्रवत भा १२ बँधवा ग ३७२, भ २२१ बंध्र म ४२५ बंध्कपुष्प घ ६० बंध्या घ ३ बंपुलिस च १५२, च १५३ बंबा च २७२, च २७३ बॅबर घ ७ बंश ग २४६, घ ८० वंशक ग २४६, भ ५ बशपरम्परा ग २४६ वंशकोचन घ २१८ वंशी ला ११२ रू ५७२

बशोधर क ३६६

बंस घ ८०, भ १ बॅहगी ङ ५२२ बक क २२५. ख २८, ग ६५० वक्भक करता च २८०, च ६१३ बकना ब ६१३ वकवक च ६११ बकबक करना अ ६१३ बकरा ग ४६१ वकरी ग ४६२ बक्ररीद छ २२६ बकवाद ज ६११ वकवाद करना च ६१३, च ६२६ बक्वादी ज ६१२, ज ६३५ बकवास ब ६११ नकवासी च ६१२ वकसना च ६ बकुची घ २१६ बक्त घ ४२०, घ ४२६ वक्ताग६५० बक्ती ग ६५१ बकेन ग ४७४ वदेना सथ्छ बक च २१, अ ६० बक्स ङ ४८६ बलरा स ६४३, म ८६० बलरा लगाना ब ८८७ वलान अ ३५५ बलानना ज ३५६ बलार च २१५, च ६२४ बिखया करना ब मन्दर बखीर ङ १२६ बखेबा क १७५ बसेरना व ८६३

बाढ़िशश भ २८४ बग ग ६५० बगर च १४४ बगराना च ८७१ बगल ग ५७ बरालबंदी ङ २५० बगला क २०१ बगावत स १७1 बगावता भ १७६ बगीचा घ ६ बगुला ग ६५० बगुलाभगत व ३०६ बग्गो ड ३८७ बघनखा ग ४६८, ह ३४७ ब्रह्मार के ७४ बबारना क ६४ बघेली ख २२४ बचत क ४२६ यचन ख २७१ अ ६१८ ज ६२१ बनन देना क ४२८ बचाना क ७७५, क २३२, क ३८१ बचाव में १६८ बच्चा ग २४६, ग ४२२, ग ६०५, मा ३० बच्चादानो स ११३ बहुबा ग ४३१, ग ५५६, ग ४८० बद्धवा रा ४५६, रा ४८०

बछेड़ा ग ४५६, ग ४५७ बजना ख ६२ बजनजाना म ३६५ बजाना च २३६ बजाना ख ६२, ख ६३ बजाने वाला ग ३८६ बजाय म २५६

बज्र घ ६७ बज्रमूर्ख च ३६४ क्रमना व ७८०. च ७८१ बभ्ता ज १२२ बका रहना ज ७८१ बट घ ६५, च २४१ बटलरा ङ ५४८ बटना ह ३२३, च ६७ बटमार ग ४१८ बटमारी भ्र २०६ बटा हुआ सा ६४४ बटिका इ. ५. इ. ६. इ. १३१, इ. १३४ बटिया इ.भू. इ. ४७४ बटो घर, इ.प. इ.इ. इ. १३१ बदु क १०१, ग ४२२ बटलांड ४३१ बदुवा ङ ४३१, ङ ५५८ बटेर ग ६३०, ग ६६७ बटोर ज १२७ वटोरना ब ४५२, ज ८५८, ज ८६६ 質に言い बटाहो ज ६६३ बड्डा च २७०, इ ४७४ बहु व ८६, इ. ५५८ बङ्गान ज ३४२, ज ४२० वस्यक्षाना ज ६१३ बह्मबानल छ २७३ बहहत घ ५० बदा ह १६२, च ४२५, च ४४० मझाई ज ३३२, ज ३५५, ज ४:२ बहाई करना ज ३५६ बड़ा दिन छ २२८

बहा भाई ग १७५, ग २° =

बड़ी छ १३१ ं बड़ी इलायची रू ७८ बड़ी बहुन ग २०२ बढइन ग३३२ बढई ग ३३१ बढ़ना च ६६५, च ६७१, च ६१७, बढ़ाना च ७१७, ज ७८७, भ १११ बढावा ज २१६, बढावा देना च २१७, ज ७८७ बढिया ङ ६०, ज ४६३, ज ४७५, भ २६७ बिक्क भ २६६ बतलाना ख २६२, च ११५, ज २०५, ज ६१६. ज ६२३ बतास क ३१३, ख ४१६, ख ५१८, ह्य २६३ बतीसी ङ ३४४ बत्तक्र ग६४३ बता इ४०४, इ ४६० बधुवा च ३३० बद ज ३०२ बद्किस्मत ब ४६१ बदिकरमती च ४५८ बदचलन ब ३०२ बदन्तान च ६४१ बद्जबान कहना ज ६४२ बदबात ज ४३६ बदन ग १२, ग २३ बदतइनीब च ३०१ बदतहज़ीबी ज २६८ बदन तोड़ना भ ३७६ बदनसीव ज ४६१ बदनसीयो म ४५८

बदनाम ब १६०, ब ३५० बदनामी ब १५६, ब ३५२ बदफेल ज देशक बदबू दे॰ 'पिरिशिष्ट क' बदब् करना भ ३६६ बदमाश ज २६८ बदमाशो ज २६६, ज २७१, ज २७२ बदरंग भा ३४२ बदरिकाअम क ५६ बद्रीनाथ क ५८ बदल जाना ज १८२ बदला भ ३०० बरली छ २३६ बदशकल ज ४६५ बदहर्मी ख ४६७ बदी छ ८८ बद्ध भा २३५ बध भ २१४ बध करना ग १५८ वधना ग १५८, ड ४४५, म २१८ बधवाना ग १५७ बधशाला च २२५ वधिक ग ३७३ बधिर ज प्रश्ह बभूग २३३ बधुटी ग २३३. ग २७० बध्य भ २२= बन घ ११, ज ४६२ बनचर ज ५५७ बनज व ३८८, ५५६ बनभाक म ६३ बननाख १४८, ज २७८, ज ६५५, ज ६४७, ३५ ७६

बन पहना च ४५६ बनभूमि घ १० बनमाली क १३४, क ३६६, छ २३६ बनमुर्गी ग ६४८ बनवारी क ३६६ बनवासी ज ५५७ बनस्थली व १० बनस्यति च १ बनावट ज ३०८, ज ४६२ यनावटी ब २०६, च ७३६, ज ६७० बनात ङ २३१ बनाना ख १५, अ ३७३, ज ८१५, ज ६४२, ज १४४, में ६०, में १५६ बनानेवाला ग ३६८ आ, ज ८१६ बनारस च ११३ बनाव ड ३००, अ ३०८ वनिश्राहन ग ३२८ बनिता ग ४. ग २२५ वनियाँ ख ३६०, ग २६४, ग ३२७, म ४०४ बनियाइन ग २६५, इ २४२ बनैला ख ५५६, अ ५५७ बनौरी छ २५८ बन्य ज ५५६ बपु ग १२, ज ४६२ बपुरा ख ४०५ बयौती भ प बद्धा ग १७४ बनर ग ४६४. ३६ ४२५ बब्धा ग २४३ बब्स घ ७३ श्रभ वाहन क ४२४ बमन स्व ४६६

बमन करना ख ५००

बमपुलिस च १५३ बयना भ २८३ बया ग६६७ बयान भ १६१ बयान करना ज ६१६ बयाना ज ७६७ बबार छ २६३ बर ग २६४, घ ६५, ङ १० बरद्रन ग ३१६, ग ३१८ बरई ग ४१५, ग ३१७, ग ६६७ बरकना ज द५४ बरखास्त बरना च ७४७ बरगद घ ६५ बरबना ज ७७४ बरतन ड ४२७ बरदाशत करना ज १८३ बरना छ २८६, अ ६७, म १०४ बरफ घ १८६. छ २६० बरबस ज १७५ बरमा ड ५१६ वरवट ग ११२ बरम 🕱 २७ बरसगाँठ व १४७. मा २३ बरसना का २४६ बरसात छ ६७, छ ७२ बरशाना ह्य २४७ बरसौंहा छ २४३ बरसाती ख २२६ बरहा स ६०६ बरही ग ५३४, ग ६०६, ग ६४४ बरात ज ६२५, भ रेप बराबर कु १६७, ज ४२२, स ५७७ बराबर करना व ५७८

बराबरी ज ४२४ बरामदा च १४७ बराइ ग ५२३ बरियाई ज ६७४ बरो ड १२६, ङ १३१ बह्या क १८६, च ७८ बहनी ग ४५ बह्य ख ४५६, ब ६२४ बरेठा ग ३४५ बरोह घ १६ बरौनी ग ४५ बर्बन ज ७७८ बर्जना च ७७५ वर्तमान क २५७ बर्ती रहना क ५३ बर्त्तन 😎 ४२७ बर्फ क २५६, क २६० बर्फ डोना का १०२ बर्बर घ १३१, ङ ३१०, ज ५६८ बर्बाद ज ८२५, ज ६४६ बर्बाद्द करना ज ८६७, ज ८४३, क २१३ वर्बाद होना ज ४७०, ज ६४५, भी १०४ बर्बादी ज ८२३ बरीना ब ६१३, ज ७३७, भ ३५१ बर्राक करना ज ८३८ बलद अ ४४० बल क २४०, क ४१०, ख २५६, घ २२, ब ६६, ब ६०४, भ ३८, भ २७७, お またこ बता खाना च ६३ बसगम ग १२६ बलदाऊ क ४१०

बलदेव क ४१०, क ५६० बलना छ २८६, भ १०४ बलपूर्वक ज ६७५ बलभद्र क ४१० बलम ग २२४ बलराम क १५४, क ४१० बलवंत भा४० बलवा कर १७५ बसवाई भा १७६ बलवान अ ४६८, भ ४० बलहोन मा ४२ बलाक १६३, घ १६६, च ६०, च ५० बलाढ्य घरध्र बलात् च ६७५ बलारकार ज २६६ बलाइक क १५१, छ २३० बलि ग ६०, क ३४०, क ३४३, भ ४७१, A 830 बलिटान स १६५ बलियाटिक ज ३६४ बलिध्ट ग ४५०, ब ४६८ बली ग ४५०, ग ४८६, ग ४६०, ब ४६८, # Yo बलकल ङ २२८ बल्लभ ग २२४ बल्मीक ग ५४५, च १६४ बल्लरी घ ६, घ ७ बल्ली घ ६, घ ७ बवडर छ २६७ छ २६८, बवासीर ख ४७३ वश भ १४६ बसंत छ ८४ बसतपचमी 🛎 २२४

बमंती खा ३७ बस ङ ३८४ बसना ज ६८६ बसा ज ५६६ बसाना ज ६६४, भू ३६६ बसियाना भ, ३६५ बॉसफ क ५७६ बसुक ३११ बसेरा ज ६६० बस्तीच १३३, च १३४ बह्कना ज ६६५, च २०६ बह्न ग २०१, ग २०२ बह्रनोई ग २०३ बहर ख १६८ बहलाना मा २०६ बहली ड ३८६ बह्स ख ३२६ बहादुर भः २७३ बहादुरी भ २७५ बहाना च ८६७, च ८७१, भ ३०३, क ४१६ बहानेबाज ज ३०६ बहानेबाजी भ ३७३ बहार छ ८५ बहारना व ५५२ बहाब च २७५ बहिन ग २०१, ग २०६, ग २१३ बहिरम अ ६८३ बहिरा अ ५१६ बहिर्गत ज ७४८, ज ६८१ बहुत च ४२४, ज ६११, ज ६२४ बहुतायत ब हरह बहुतेरा च ६११

बहुधधी ज ४२१ क्र बहुघा छ १६८, ज १००६ बहुमूत्र ख ४६१ बहुमूल्य ख ४०६ बहुरना ज ६७५ बहुरि छ १६३ बहुरिया ग २३३ बहुत कर ५, क ३११, छ २०६, ख १११ बहुलता च ६१३ बहू ग २२५, ग २३३ बहेडा घ १६२ बहेलिया ग ३४८ बहोरना भ ३०८ बाएँ ब ६७६ बॉक ड ३३३, ड ३३४, ड ५१२, च ६०, बॉक्पन ज ६२ वाँका ज ६५, ज४६३ बॉकुराज ६४ बाँग क ५०४ बॉगङ्क ३६४ बाँगङ्गन म ३६६ बाँग देन ग ६४६ बाँगक ख २२४ बाँचन ख २४६ बाळा च १३८ बाख्रित ज १४२ बॉभ ध ३ बाँट स ६४३, ङ ५४८, ब ८८६, ब ८६० बॉटना स ५४२, ब ८८७ बाँट-बखरा च ८६० बाँटा स ६४३, व ८८८ बाँदी स ३८४ बाँच च २८७

बॉबना च ७८३, अर २३७ बांधव ग २१४, ग २७८ बाँबी च १६४ बाँस घ ८० बॉसफल च २३१ बाँसुरी ख ६८, ख ११२ बाँइ ग ५६, ङ २४४ बाग्रदय च ३०० बाइबिल क ५६७. क ६०४ बाई ख प्रश्६ वाई सेना ज ३३८ बाईसिकिल ङ ३८६ बाक्रो ख ५६१, भ ४२६ बाक्स ङ ४८६ बाग च ६, ङ ३६४ बागडोर ङ ३६४ बाग्री भर १७७ बाग्मी स ६१० बाघ ग ४६७ बाचा क १३०, ज ५८% बाब ग ४५२, ग ६२५ बाबरा घ २४५ बाबाब ६१ वावि ग ४५२ बाक्षागर ग ४०७ बाजू ग ५६, ग ५६६, ङ ३३३, ङ ३५० बाजूबन्द ३३३, क ३५० बाट ङ ५४८, च २४१ बाट देखना च ४५३ बाटी क १०२ बाइव ग २८२ बादा च १६१, च १६३

बाड़ी क २६६

बाढ च २८४ बागा क ३११, ग ४७७, घ २०६, ङ ४१२ वाशाज्य भ १८५ बात ख ४४२, ख ५१६, छ २६३, ब १०८, ज ६१४, ज ६२१, भ ३८६ बात करना अ ६२३ बातचीत सा २६६. ज ६२१ बानचीत करना ज ६२३ बातहज़ीब ज ३०० बाद छ १६३ बादशाह ख ३४६ बादशाही भा ५४८ बादल छ २३६ बादाम घ ६२ बादामी ख ४०, ख ४३, ज ५६३ बादा ख ४७४ बादो बवासीर ख ४७३ बाघक ज ५४, ज ७७६, ज ७६० वाचा क ३२६, ख ५०, च ४५५, च ७०६ बाघा डालना ज ४५५, ज ७७४ बान घ ३५७ बानक अध्य बानप्रस्थ क १०० वानप्रस्थाश्रम क हद बानप्रस्थी क १०६ बानर ग ५२४ बाना अ ४०२ बानी क १३०, ज ६१४ बानैत ख ३६४, भ २७१ बाप ग १७४ बापू ग १७४ बाब ख २६६ बावचीं ग ४०२, ग ४०३, अ दद

बाबचींखाना च १६८

बाबा ग १६२ ग १७४, ग १८६

बाबीरंग घ २१५

बाबू ग १७४, ग २४३, ग २६२, ग ३८०

बाम ज ६७६

बामा ग ४

बाम्डन ग २८२, भ ८८

बायन भ २८३

बायस ग ६५४

नायाँ ज ६७६

बार ख ५६७, ग ३७, छ १, छ १२४

बार-बार ज १००६

बार-बार कहना ज ८३८

बारह ख ६१६

बारहसिंहा ग ५०३

बारहा ज १००६

बारा ह १३२

बाराही का १०२

बागत के २=

बारिन ग ३४४

बारिश क १३४, छ २४५

बारिश होना छ २४६

बारो । ३१३, घ ६, इ ३४०, च १६६.

च २८१, च २८४

बारीक ज ५०३, ज ५०५

बारोजगार ज ४२१ श्र

बार्ता ज ६२१

बाल ग २७, ग २८, ग २६, ग४२१, घर८

इः २३

बालक ग २४७, ग २५०, ग ४२२, ग ४४६,

ग ४५६, घ २०६, इ २३

बालाधि ग ४३४

बालना भ ११०

बाल-बच्चे ग २४६

बालम ग २२४

नालमलीरा घ ३७४

बाला ग४, ग २२५, ग २६०, ङ ७८,

ङ ३३४

वालाई ङ १६०

बालावर ङ २५२

बालिक ३८२

बालिका ग २६०, च ६८

बाला घ २८, ङ ३३०, ङ ३४०

बाल्रका च ६८

बालू च ६८

बालमोकं क ४६०

बालमीकि रामायस क ५७८, क ५८४

बावला ज ३३५, अ ३४०, अ ३६४

बावलापन ज ३४१

बावला होना अ ३३८

वाशिदा च ५५५

बाध्य ग ११६. छ २६२

बासदेव क ३९६

बासन ह ४२७

बासना भ २१८. भ ३६६

बागमतो घ २३१

बासर छ १३६

वासी छ १७४

बासुको क ३३०

बासुदेव क ३११, क ५६०

बाहर व १५२, च ६८१

नाहर करना ख ५००, च ७४७, व मध्ध

बाहरी म हद्दे

बाहु ग ५६

बाह्क क ४२७

बाहुमूल ग ५७

बाह्ययुद्ध मः ३२६ बाह्य च ८५५, ज ६८३

बिन्द ङ ३२८

बिन्दी ख ५७३, ह ३१६, ह ३२०, ह ३२८

बिंदुच २६३ बिंबाघ २६५ बिंकट ज ६०

विकटता ज ३७६ विकराल क १६६

विकल ज २२६ विकाक भ २१४

विको भ २६२

विकी करना भ २६०

विलरना क २८०, ज ८६५ विलेरना ज८६३, ज ८७१

विगइना ज १७, ज २४८, ज २५६, ज

२७६, ज ६४५

बिगड़ा ज ४७६, ज ६४६

बिगाइ ज २७६

विगाइना क १७१, ज ६४३

विगत ब ८२७

विचलना क २८०, ज ६७६

बिचार ज २ बिचारना च ३६६

बिचित्र अ ४१८

बिनित्रता च ४१६

बिच्छू ग ५७३

बिछ्लनाक २८०, ज ६७६, ज ६६६

विद्यावन ङ ५०२ विद्या ङ ३६३

विद्वास ३३५, ङ ३५६

बिक्कुइना ख ८५४ बिक्कदा ग २६८ बिक्कौना ड २८२, ज २८५, ह २५०

बिज्नेस भा २८५ बिजय ज २८८

विजली ङ ३३१, ङ ३४२, छ २५४

बिज्ञ ज ३६३
बिटिया ग २६०
बिज्ञाल ग ५२१
बिनाना छ, ३
बिज्ञ ख ३८०
बिदम्ब ज ३६३

बिटरना ज ८६२, ज ६३६, ज ६३७

बिदा ग १५३ बिदाई ज ६६७ विदारना ज ८६३ बिदारीकद घ ३२४

बिद्या ख २३५, ज ३६६

विधना क १२३
विधवा ग २७१
विधाता क १२३
विधायक च ८१६
विधायक क ८२३

बिधुक १२३, क ३१३, घ ४५७

बिनती ज १७६
बिनसना ज ८२२
बिनसाना ज ८२२
बिना भ २५८
बिपत्ति स ५०
बिनाह ग १५१

विवियाना ग ४८४, ग ४८६, ग ४६३,

ज ५६० विस्वोक स्व १६४ विभंग क ५६४ विभव स्व ४६७ विभा छ ३८३ बिभीष्य क ३८६ भिभूक ४५३ बियारी करना भ ११७ बिरवा घ २ बिरह ज ६३७ बिरही ग २६८ बिराजना ज ७५० बिरादर ग २१४, भ १०, न ११ बिरादराना भ १२ विराना ज ४६८ बिलंब छ १५७ बिलाबना ज ४५२. बिस च १६४, च २५०, च २३१ विलग ज ८५५ बिलगाना ज ८५३, ज ८८४, च ६०७ विलटाना ज ५७०, भ ४०२ विलविलाना ग ५३७ बिलसना भ ३०७ बिकायती ग ३६५ बिलाच ग ५२१ विलासं व ३०२ बिलैयाकंट घ १२४ विलोकना ज ७२३ विलोधन भा ३५.६ श्र विलोजना का ३५६ बिल्डिंग च १४१ बिल्ली ग ५.२१ बिल्लीरी पत्थर घ ४६६ बिल्व घ ५२, घ २०८ बिबर स मध्य, च २४१ बिवस्वत क ३०४ विवाह ग १५१

विविद्याना ग १२० बिवेक स १६४ बिषधर गप्र विसरना च ८४३ बिसराना ज ८४३ बिसात ख ३८१, भ ३८७ विस्तर क १६५, ड २८२ विस्तारना ज⊏७१ बिस्तुइया ग ५३१ बिहराम ज ४६५ बिहान छ १३६ बिहिश्त क २३८, क ५३० बिह्यदाना घ ३४४ बीगना ज ६६३, ज ८७१ बाच छ ७, ज ६८५ बंबिच २०८ बोल्लना च ८८४ बीज ए १४२, ग ६२, ग १२६, घ ३२, व २२५ बोजक घ ६० घ २५५ बाजगियत ख ५५४ बीब बालना भर ३१४ बीट म ११५ बोडाड १६१ बीहा ड २०३ बोतना छ २ बीता इश्रा च ८२७ बीता हुआ वष हा ३२ बोधो स २४१ बीन ख १०८ बीनना व ८८४. ब ८६८ बीनः सा १०८ बीबो ग २२५

बीभत्स ब १५४ बोमार ख ५४६ बीमारी ख ४३५ बीर ग २१४, ग २५०, इट ३३४ बीरबहूटी ग ५४६ बीरभूमि च २२२ बोरान ज ५६८ बीरान होना ज ५७० बीस ख ६२५, ज ४२५, बौहड़ ज ५७५ बद च २६३ बुन्दा ङ ३२०, ङ ३३०, ड ३३८, ड ३४२ बुंदेला ख २२४ बुश्रा ग २०६ बुकनी ख ५५१ बुकनी करना ख ५५२ बुकवा ङ ३२३ बुक्का ग ११० बुख़ार ख ४६१, छ २६२

बुन्नदिली ज २४१, भ २७६ बुभानी ख २६२, भ १११ बुभाना ख २६२, भ १११ बुभाना ख २६२, भ १११ बुद्धा भ ४१७ बुद्धाना भ ४१६ बुद्धा भ ४२२ बुद्धा भ ४५ बुद्धा भ ४५

बुनदिल न २३६, भ २७४

बुतपरस्त क २५ बुतपरस्ती क २४

बुत क २२

बुताना का १११ बुत्ता देना च ८४४ बुद्ध क १५४, क १५५, क ४४७, च ५, स्र

बुद्धवार का ११५, का ११६ बुद्धिक १८, ग १०८, ग १३२, ग १३७, ज ३६२ बुद्धिमान् ज ३६३ बद्धिमानो ज ३६५

बुद्धमान् ज ३६३ बुद्धिमानी ज ३६५ बुद्धिवान् ज ३६३ बुद्धि€ीन ज ३६४ बुद्धिहीनता ज ३६६ बुद्ध ज ३६४ बुध क ३०८, क ३११, च १८

बुधवार छ, ११६ बुरा ज २६, ज ३१, ज १५४, ज ६६१, ज ३०२, ज ३६५, ज ४७६, ज ४४१, ज ४८०

बुरामला कहना ज १७४ बुरा लगना ४७० बुरा समय छ ५ बुर्स ख १६ बुर्ज च १७३ बुलंद ज ४४० बुलाबुल ग ६२८, ग ६६७ बुलाना ज ६००, ऋ ८५

नुराई च २६, ज ३६७

बुलावा के दर बुलावा देना के द्रिप बुहारना ज ५५२ बुहारी इं४७३, ज ५५३

बूँद च २६३ बँदावाँदी छ २४६ बुद्रा ग २०६ बुचड़ ग ३६३ ब्बह्लाना च २२५ ब्चा ज ४६४, ज ५१७ बूम ज ३६२ बुभनः च ११० मूर ह २५७ बूहना स ६५, स ४१४ बूढ़ा भ ३४, भ ४५ मूरा इ १७२ बृन्द ज ६२४ बृह्य दे० 'पेड़' बुद्ध भा ३४ बृद्धता भ ३५ बृश्चिक ग ५७३ बृष च ६० वृष्टि छ २४५ बृष्टि होना छ २४६ बृह्स्पति क ५७८, च १६ बृहदारययक के ५५= बृहद्रथं क २२५ बेंग ग ५६३ बंट ह प्रदेश बेदा ज ६०, ज ६५ बेत म ६२ बेंदो र ३२० वेश्रदान अ ६६६ बेश्रक्त ज ३६४ बेश्रवली च १६६ बेग्रटब ब ८४, ब २०१ वेश्रद्वी व २६८ बेझावर व ३४५ बेझायर करना ज ३४६

वेशंसाफ भा १६५ बेइंसाफी भ १६७ बेइज्जत स ३४५ बेइज्जत करना न ३४६ बेइज्जत होना ज ३४७ बेइउजती स ३४८ वेएतबारी ब २५६ वेकदर ज ३४५ वेकदरी अ ३४८ बेकरार च २२६ बेक्ल ज २२६ बेकसूर ज ३१७ वेकाम स ४२१ उ वेकामी च ६६० बेकायदगी ज २६८ वेकायदा भ १८२ बेकार ज ४२४ उ 南南科 析 830 वेखनर ज २०३ वेखवर सोना ज ७६२ वेखनरा च २०५ वेखीपा ब २४० बेख्नौको च २४२ वेग ङ ४६५, छ १५८, ज ४४४ बेगाना भ ४०६ बेगानापन भ ४०८ बेगुनाह ज ३१७ बेचना भ २६० वचैनी म १६ बेटा ग २५०, ग ४२२ बेटो ग २६० बेठीक च ४२१, ज ४७६, च ८४० वेड़ा रू ३८१

बेडौल ज ४६५ बेदंग ब ४६५, भ ४३७ बेदब अ ४६५ बेत घ ६२, ङ ५५५ वेतरतीव भ ४३७ वेताल क ३५० वेद्यका ज ४२२, ज ४६५ बेत्रभापन ज ४६८ वेद क ५३= वेदांग ज ३१७ बेदी ग १६ वेधडक ज २४० वेधना ज ७३६ बेना ङ ५७३ बेनो च २६६ बेनौरी छ २५८ बेपदाख २४० बेफायदा ज ४२१ इ वेफिक ज २२७ बेफिक्री ज २२८ बेबसी ज १३७ बेमना इ ४८ बेमटा ग ५४१ बेमेन अ ४२३ बेमुरव्वत ब ६८ बेमुरव्वती च ६८, ज ७१ बेमौसम छ ६६ बेरगां भ ३४२ बेर घ ४२, घ २७६, छ १४७, ज ४५१ बेर करना ज ४५२ बेरबा रू ३५४ बेरस ङ ४८ बेरहम ज २४

बेरहमी अ २१ बेरा छ १ बेराना ज ८५३ बेरोग भ ३६ बेरोजगार ज ४२१ उ बेर्रा घ २७१ बेल घ ७. घ ५२ बेलदार ग ३८७, इ २२७ वेला ख ६७, ख १०६, घ ४०१, इ ४४१, च २६७, छ १, छ १३५ बेबकुफ ज ३६४ बेवकुको ज ३६६, ज ५६० बेवा ग २७१, भ ४८ बेदाई स ४५० वेश ज ६११ बेशकीमत भ २६७ बेशरम अ ३२४ बेशारमी ज ३२६ बेशी ज ६११, ज ६१३ बेशुमार ख ५७१ बेसन रू ७१ बेसबी ज ३४ बेसर ग ४६६, रू ३२६ बेसाहना भ २६१ बेसुघ ज २०३, ज ८४२ नेहद ख ५७१ बेह्या ज ३२४ वेहयाई ज ३२६ बेहोशो ख ५२६, ख ५३५ बैकुएठ क १३४, क २३८ बैकठवासी क २४० वैग रू ४६५ वैगन व २८६

बैगनी ख ४५ बैजता क १४६ बैजनी ख ४५ वैजयंत क २३१ नैजा ग ⊏१ बैठक न १५४, च २०६, च २२३ बैटना ज ७५० बैठाना भा १२४ बैतवाको ख २७३ बैतालिक ग ३५३ दैतालिन क ३५२ वैतलम्बद्धस् क प्रश् वैतलहराम क ५२१ वैर म ४२ ज २६२, ज २७६, भ ३६४ बैर होना ज २७६ बैराग क ६६, ज १८० बैरागी क ११०. ज १८६ बैरी ग २७६ बैल ग ४८३ बैलगाडी ङ ३८५ बैसवाडी ख २२४ वैधाखी छ ४२ बींग हर ४१७ बोकलाघ २० बोलार ख ४६१ बोफ ब ५१२, ज ५१४, ज ७२० हा, ज इर्ड, ज ६२६, ज ६५६ बोक्त उतारना ज ७२१ बोभना ज ७२० बाकिल ज ५१२ बाहा म १७६, म २६० बोड़ा ग ५४

बोदा ज ३६४, ज ४४५, छ १६५ बोध क ५६०, ज १३२, ज १०३, ख १३३ बोधक ज १२० बोधगम्य ज १०७ बोधना ख २६२ बोधिगया क ४६७ बोबिनी क २२६ बोधिशृख क ४६८ बोना च ८७१, भ ३१४ बोर्डिंग ख २४५ बोल # ६४, घ ४८ बोलचाल ख २३३ बोलता अव ६१० बोलना ख २७८, च ६१६, च ६२३ बोलावा भ ८१ बोली ल २१३, ख २२२, ब ५८८, ब ६२१ बोलो-डोली ज ६३७ योली बोलना ज ६३८ बाहित क ३०० बीखार छ २५० बौड क ३, क ४८६ बौना न ४.६. ज ४३७, अ ४३६ बेग्घ७ घरद बौगह अ ३४० बौलो च ३१२ ब्यम ज ६३७ ब्यग कसना ख ६३८ व्यवहार का रणध व्याचा ग ३४८ ब्याधि ख ४३५ **ब्याना ग १४६** व्याल क १३४

व्याह ग १५१ व्याह्ना भ २४ ब्याहा भी २५ ब्रज एवं २२४. ज ६२४ ब्रजेश्वर क ३६६ बत क ५२ बतबंध क १०६ ब्रत रहना के भरे बतीक १०१ ब्रश ख १६ ब्रह्म क ११२, क १२३, क धरेन, क ध्रम, क ५७४. ख ८१, ग ५, ग ६ ब्रह्मचर्य क १००, क ४७५, भ ४४२ ब्रह्मचारियों क १३०, क १८४, क १६४, क १६६, च १६८ ब्रह्मचारी क १०१ ब्रह्मज्ञान क ७४, क ५६० ब्रह्मज्ञानी क ७५ ब्रह्मपद ग ६ ब्रह्मपुत्र क १८४, क २५१, क ४६३, क ४६७, च ४७८ ब्रह्मरात्रि छ २६ ब्रह्मवादी क ५६४ ब्रह्मसूत्र क ५५७. क ५६२, ग १५० ब्रहास्थान क १६. क ३५८ ब्रह्मांड स ५७४. स ५७५, स ५७६, स २, च १०३ ब्रह्मा क द्रभ्, क ११२, क १२३, क १५४, क १२४, क २८२, क ४७७, च ७८ ब्रह्मा का दिन छ २५ ब्रह्मा की रात्रि छ २६ ब्रह्माया क १३०. क २७०, क २०२, A KAR

बाह्य क १२४, ग १५२ बाह्य क १३४, क १६५, क १११, क ५४५, ग २८२, क ८८५ ब्राह्य गो ग १८१, ग २८३, घ १६७ ब्राह्य मुहूर्त्त छ १३४, छ १३६ ब्रीह्य ख १८५ ब्रीह्य होनता च ३२६ ब्रीह्य व २३० ब्रेस्टेट ङ ३३४ ब्राह्य ज ६२७०

भ

भग ख ४३५, ङ २०४, च २७८, ज २८६, ज ८७६ मग करना ज ८७३ भगरा च २०१, ङ २३० भॅगरैया, इ २३० भंगी ग २६६, ग ३५४ भवता ज ८७३ भटई ख ४६ भटा व २७६ भडार क २६७, च ८१, च १६८, च २१५ भडारा ग ५२, च १८१, च ६२४ भडारी भ ५ भँदशा ग ३६८ भॅबर ग ६७७, च २७६ भंवरी च २७६ भइया म २१४ भकाऊँ ज २३८ भक्का च ३६४ मक्त्राना च ६०४ मक्त क ६६, ड ६२

मकि क ७१, ख ६०६, च १४८ भक्ति करना क ७२ भक्तिन क ७० भक्तिभाव क ७१ भत्रक भ १६७ भद्य ग ५८४, ङ ४२ भग क रह७, क रहद्र, क ३०७, ख ३८०, ग ६, ग ८०, ग ८३, च ३८, ज ४५६ भगई क १०४, ड २५⊏ भगग ख २०० भगत क ६६ भगति क ७१ भगतिन क ७० भगना ग २०४, ब ६७२, ज ६७६, ज ७४४, ज ७४६ भगवत क ५१२ भगवत क ११२, क १६५, क २६७, **₹ 880** अस्वत्रया क ७६ मगवती क १२०, क १६४ भगवत् क १३४, क १८८ भगवद्गीता क ५५७, क ५वर, क ४दर भगवा क १०४ भगवान क ११२, क १३४, क १६५, क रद्रद, क २६६, क ४४७, क ४४६ मगाना च ६७०, ज ६७४, च ७४७ भगिना ग २०४, ग २०५ प्रिार्नी स २०१ मगोड़ा ज ७४५, म २७४ नगौती क १३०, क १६४ प्रमा ब ७४५, मह २७४ मम ज ८७८

बबन क ३८, क ४३, क ४८

भवन करना क ३६, क ४६ भजनफल ख ५६७ भजना क ३६, च ६७२ मजनोक क ५० भगभन्नाना क ३६५ भट ख ३६४, ख ३६५ भटकटैया घ १६६ भटकना ज ५२२. अ ६६५ भटकनेवाला ज ६६६ मह ग ३५३ भड़ारक क २०७ भड़ो ङ ४७६ मदकदार छ २८८ भइकना ज २०६ महकाना व १२३ ऋ भडकोला छ २८८ अबभूजा ग ३४६ भइभूजिन ग ३५० मतार ग २२४ भतोज। ग २२२ नतीजी गर-इ भतवापाग क १८५ भवई घ २३४, छ ५० भदेश ज ४२५ भदौडाँ है ५० महा म ४६५ महापन अ ४६८ मद क १६५, ग ४=३ मत्रा क १६४, ग ४६६, घ १२४, घ १४६, ब ७८, म २१७, ब १६६, ह ६०, च ६० भभकना भ १०५ मभरता वा १३४

भभराना च २३५ मभ्भड़ ब १२६ भयकर क १६६, ग ६२५, ज २४३, ज ३७८ भरपूर च ८७६ भयकरता ज ३७६ मय ख १८६. ख ४३५, ज २२४, ज २२६, व २३३ भव खाना च २३४ भयद ज २४३ भय दिलाना ज २४७ भयनाज्ञक क १३४, ज २४४ भयप्रद ज २४३ भयभीत ब २३७ अयभीत करना च २३५ भयभीत होना च २३४ भयमोचन ज २४४ भयह ग २२१ भयानक क १६६, ख १७६, ज २४३, ज ₹७= भयानकता ज ३७६ भयाबह ज २४३, ज ३७८ भवावहता ज ३७६ भयाहु ग २२१

भयानकता ज २७६ भयावहता ज २७६ भयाहू ग २२१ भर ग २६६, ज ६५६ भरण क १३६ भरण क १३६ भरण वेषण करना भ २०० गरणी च २७ भरत क २७३, ग ६२९ मरतखंड च १०८ भरता ह १०६ भरता ह १०६ भरता ह १०६ भरता ह १०६ भरता क २७, ग ३६७ भरता ग २२०, च ७३

भ ३१८, भ ४३१ भरिन क २३६, भ ७६ भरभराना भ ३६६ भरभ्रष्ट करना च ५४८ भरमना ज ६८८, ज ६६५, ज ८४३ भरमाना व २७० भरापूरा च ८०५ भवई ग ६२७, क १११ भक्ई पुरी छ १११ भरका क ४५६. भरोसा च २१२ श्र, ज २५३, क २०२ भत्ती क १३४, ग २२४, इ १०५ भर्तार ग २२४ मर्त्सना ज १५६, च ३५६ भरीना ज ७०० भलमनसाहत च २६७ भता ख ५४७, ब २८, ज १०२, ब ४६४, ज ४७५, ज ४७६, ज ५६६ भलाई ज २८, ज १०२, ज ४७६ भलेमानुस च ३०० मल्लूफ ग ५००, ग ५१६, च २६७ भवं क १६५, क २७१, च २०२, छ २३६ भवचाप क १७६ भवडीय 🕶 ५६६ भवन ख द, च १४०, च १४१ भवन-निर्माशकला ख भवभजन क ११२ भवान ज ६६७ भवानी क १८४, क १६४, ग २२४ मवितव्यता छ १८६, म ४५७ भविष्य क ५७४, च २६६ छ '६३, च १८८

भविष्यदशी छ १६० भव्य छ १८६, ज ४६३ भव्यता ज ४६७ भसर ग २४२ भसिंड घ ३२५ भरम ङ ४२६ भरम करना भ १०३ भरम होना भ १०४ भरमीभृत छ २८२ भहराना ज ७०० भॉग ङ २०४ भांबा ग २०४ भाजी ग २०५ भारा घ २७६ भाड ड ४२७ भाडपुट ग ३११ भॉड ख १३६ भाँडा इ ४२७, च २२१ भांडार च १८१ भावर क २० मॉबर घ्रमाना क २४ भाँवर फेरना क २१ भाई ग २०८, ग २१२, ग २१४, ग २२०, ग रदध भाईनगरा ग २१७, भ १० भाइ भी ग २४२ माईद्र इ छ २२१ भाईबधु भ ४ भाग ख ५६४, ख ६४३, ज ४५७, ज ४५६, ज ८६० भाग करना ज ८८७ भाग जाना ज ३७६

थाग देना ख ५६५

35

भागना च ६७२, ज ६७६, क ७४४ भागनेय ग २०४ भागफल ख ५६६ भागवत क ७. क ५७४ भागिनेय ग २०४ भागी क १६५, ग ४१६ मागीरथी च २६० भाग्य ज १५७ भाग्यवान अ४६० भाग्यशाली ज ४६० भाग्यहीन ज ४६१ भाजक ख ५६६ भाजन है ४२७ भाजना ज ३७२ भाजी घ २७४, घ ३२६, ड १०४ भाट ग ३५३ भाइ हा ४७६ माइंग्ल ४१२, ख४१३, ख४१४, ख ४१५ भाषा ल १३४ मात उ हर, छ १३६ भाषी इ.५१७ भादों छ ३७, छ ८६, छ ७३, छ ७४ माद्रपर क्ष ४६ नान क २६७ भानजा ग २०४ भाना ज ४६६, ज ६०६ नातु क १३४, क २०७, क २६७, च ६ भाप छ २६२ मामो ग २१६ भाभीगा घ २१५ भामिनी ग ४ भाय ग २१४. ज ३

भायप ग २१७ भाया च १५५ भार क १३४, च २४७, ब ७२० श्र भार डालना च ७२० भारत क ३११, क ५८०, च १०८, भ २६२ भारती क १३०, ख १६५, घ १६८ भारदाच क ४४० भारा ख ४१४ मारी ज ५०६, ज ५१२, ज ४२५ भारिपन ज ४२७, ज ५१४ भार्गव क ४४४, क ५७५, क ५७६, च २० भार्या ग २२५ भाल ग १६, ग १०१ भाला क ४१४ भास् ग ५०० भाव ख २६२, ख ६४६, ज २, ज ३, व २५३ भाव ज क २७१, ग २१६ मावता ग २६७, च १५५ भावना क ५५८, च २, च ३, ज २२४ भाव पद्ध स १७८ भावभक्ति क ७१ भावी हु १८८, हु १८६, ब ४५७ माष्य ल २७२, ल २७७ माष्यदाता ख २७६ भाषण देना ल २७८ भाषगापद्र च ६१० माषातर ख ३०१ भाषा क १३०, ख ८८, ख २१३ भाषाविश्वान ख २१४ भाषाविज्ञानवेता ख २१५ भाषाशास्त्र ख २१४

भाष्य ख ३०० भास ल १८५, च१०, च २८३, अ १८७ मासना छ २८६ भासित ह्य २८८ भास्कर क २६७, क ३११, घ १००, ष ४४८ भारवर क २६७, छ १३६, छ २८८ भिंडी घ २८२ भित्तु क ५५८, ग ४२६, घ ३६८ भिद्धक ख ४०५, ग ४२६ भिच्चगीता क प्रदर निखमगा ग ४२६ भिखारिन ग ४२७ भिलारी ल ४०५, ग ४२६ भिगना भ ६५ भिगाना क १४३ भिगोना भ १४३ भिजना भा ६५ भिइ ग ५ ७५ भिदना क २८७, ज १५२, च २८०, ज २=२, ज ७०६ भितराना भ ४१६ भित्ति च १५८ भिनकना ग ६७४ भिनना भ ६५ भिनभिनाना ग ६७४ भिनुसार छ १३४ मिल ब ८५४, ब ६७७, स ४०६ भिन्ता स ४०८ भिरुवाना ॥ १२३ अ मिलनी क ३८८ भिलावा च २०० भिश्त क २३८

भिषक ख ५३८ भीगा का १४४ भी चरहरू भोख दे. 'पारशिष्ट' क भीगना भा ध्य भीवता महिप्र भोड़ बहर्भ, जहर६ भोत च १५८, ज २३७ भोतर ज ६८२ भीतर जाना ज ७३८, ज ७४० भीतरी ज ६८४ भोति ज २३३ भोम क १३४, क १६५, क १६६, क ३१५, क ४१३, क ४२५, ज ६३, ज २४३, च ४२५, च ४६८, ज ५१२ भोमकाय अ ४२५, च ४६८ भीमता ब ३७६, ब ४२७ भीमसेनी एकादशी छ २२३ भीर ष २३७, अ ६२६, म २७४ मीब ग ४६७, ग ५१३, ङ २०, ज २३७, ब २३६, क २७४ भीहता ज २३३, ज २४१, म २७६ भील ग २६६, ग ३६४ भारतनी क ३८८ मोबगा क १२३, क १६५, व ४६८, स २४३, च ३७८ भोषस्ता च ३७६ भोष्म क १६५, क ३४८, क ४२५, क ४३४, ब २४३ भुद्रांग ग ४५८ मुक्लद स ११४, स ११५ भुक्तभोगो स ३६७, अ ३८२

मुखना क ५३

भुखमरा भ ११५ मुखाना भ ११६ भुगताना ज ६५४ भुचेंग ग ६६७ भुजंग ग ५५८ भुजगम घ ४५८ भुजगिना ग ५६० भुजदंड ग ५६ भुत्रबद ङ ३३३, द ३५० भुजा ग ५६ भुजालो ङ ४१३, इ४१५ भूजीना क १४२ भुद्धा व २४६ भुतहा क ३५६ भुनगा ग ६६८ भुनना भ १४, भ ६७ भुरता क १०६ मुलवाना व २७०, व ७६४, व ८४४, 30F TF भुलाना ब ६०४, भ २०८ भुलावा देना ब २७०, भ २०८, भ २०६ भुवन स्व ६१६, च १०३, च २६२ भुवाल ख ३४६ भुशाहिक ३८७ भुशांड रामायस क प्रमध भुशा ही क ३८७ मुस ङ २०६, २१४ भंक का ११३ मकनः ग प्रद भूजना भा ६४, भा ६७ भूच १, च ६० भूकश्य ३११ भूक का ११३

भूख भ ११३ भूला भ ११४ भूखा होना भ ११६ भूगर्भ क १३४ भूगर्भशास्त्र ख ३२६ भूगोल ख ३२१, च ६० भूगोलिक ख ३२४ भूचरक १६५ भूषा ङ १४२ भूत क २०३, क ३४८, क ३५०, च २६२, छ १६६, छ १७२, ज ८२७ भूत उतारना क ३६१, भ ३६० भूतकाल छ १७२ भूत भाइना क ३६१ भूतनाथ क १६५, क १६६ भून पकदना क ३५६ भूतल च ६० भूत लगना क ३५६ भूत लगाना क ३६० भूति क १३४, क १६३, क २६३, क २६८, च ५१, छ २८० भूतिन। क ३४६, क ३५२ भूतेश्वर क १६५ भूदेव ग रदर भूषर क १३४, क ३३०, ख ३४६, च २४८ भूनना मा ६७ भूना ङ १४२ भूप ख ३४६ भूपति स ३४६ भ्यात स ३४६ भूमंडल च ६०

भूमि च ६०, च १०१

भूमिकर ख ४११ भूमिका ख २६८ भूमिबा क ३६७, घ ३७१ भूमिजीवी ग २६४ भूमिसंभवा क ३६७ भूमिहार ग २८४ भूरा ख ४३, भ ३३४ भूरापन ख ४४ भूरि क १२३, क १३४, क १६५, क २२५ भूरइ व ४८३ भूर्जपत्र घ ८२ भूल ज ८४१ भूल करना ज =४३ मृलचूक ज ८४१ भूलचूक होना ज ८४३ भूतना च ६६५, ८४३ भूलना चूकना ज ८४३ भूला ज ८४२ भूला भटका च ८४२ भूलोक च १०३ भूषण क १३४, ठ ३२७ भूषा ह ३००, ङ ३२७ भूषित ज ४७३ मसा इ २०६, इ २१४ भूमी ड २१४ भूषुर ग २८२ भुग्वामी ग ३७४ भृगग६६४, ग६७७, घ४६०, इ ८२, ङ ⊏३ मृगो क १७४, घ ६५, घ १४५, इ २०४ भुकुटो ग ४४ भृगु क १६५, क ४४४ भृगुनंदन क ४४४

मृगुनाथ क ४४४ भगुराम क ४४४ भुगुरेखा क १४८ भुगुलता क १४८ भृत्य ग ३८३ भृत्या ग ३८४ भट ज ७३३, ज ८४८, भ २८३ भेंटना ज १५२ भेड़ ग ४८८, ग ४६० भेडा ग४६०, घर७०,घर=२ भेख ख १४७ भेख बनाना ख १४८ भेजना भा ३५२ भेजा भर ३५५ भोडिया ग प्रश्व भेद अ ८५६, भ ३८६ भेदन क ४१०, इ. ६१ मेदिया ख ३७७ मेदो क २३६, ख ३७७ भेरिख ११३ भेष ख १४७ भेषअड २४, ङ ८६. च २६२ भैंस ग ४⊏४. च ३६४ भेसा ग ४८५ मैने ग २०४, ग २०५ भैया ग २१४ भैयाद्ज छ २११ मैरव क १६५, क १६६, ख ८२, ज २४३ भैरबा क २०१ भैषज्यागार ख ५४३ भोकता ग ५१८, व ७३६ भोदा ज ४६५ भोद् स ३६४

भोग क रद७, ग ५६२, अ २६६ भोग करना क २८६ भोगना क ३२५. भ ३०७ भोगनीय क रदद भोग लगाना भ ११७ भोगविलास क २८७, च २६६ भोगविलास करना क २८६ भोगों के ३३०, ग ५५८, ज ४८, ज ५१, ज ३०२ भाग्य घ २२५ भोग्या ग ३६७ भोजन इ ३६, इ ४० भोजन करना भा ११७ भोजन बनाना भा ८६ भाजनालय च १६८ भाजपत्र ख ३०५, घ ८२ भोजपुरी ख २२४ भोज्य ङ ४२ भोदिया ब ६२ मार छ १३४, छ १३६ माला ज प्रद भोलानाथ के १६५ भोलापन ज ७ -भोलाभाला ज ११२ भासडा ग ८० भौ ग ४४ भौड़ा ज ४६५ नौर ग६७५, ग६७७ भौरा ग६७७ भौंह ग ४४ भौगोलिक ख ३२४ भौचक ज ६०६ भीचनका ब ६०६, ज ६०३

भौजाई ग २१६ भौतिक क १६५. B XZ3 भौन च १४० भौम च १७ भौमवार ख ११८ भौराना स ६७ भौरी ङ १०२ भ्रम दे. परिशिष्ट क भ्रमण ब ६८७ भ्रमण करना ६८८ भ्रमना ज ६८८, ज ६६४ भ्रम में डालना च २७० भ्रम में पहना ज ८४३ भ्रमर ग ६७७ भ्रमरी क रूप, ग ६७७ भ्रमित ज ६०६, ज ८४२ भ्रमित होना च ६६४, 백 도상원 भ्रमी च ६६६ म्रहर ङ ४६०, ज ६४६ भ्रष्ट करना व ५४८ अध्या भा ६६ आत व ८४२ भ्राति व ३४१ भ्राति में पहना ज ८४३ ञ्राता ग २१४, ग २१५ भावूज ग २२२ भ्रातुजा ग २२३ भ्रातु जाया ग २१६ भ्रातृत्व भ ११ भ्या ग १४०

भ्रग ४४

म

मेंगता ग ४१६ मँगधोवनी भ ४८ मॅगनो ग १५१ मेंगनी लेना ज १६६ मगन ग ४२६ मगल क ४६६ च ५, च १७, ज ४७८ मगलकारी ज ४७८ मंगलप्रद ज ४७८ मगलवार छ ११५, छ ११८ मगला क १८५, ग २७२, च १८२, इ ६० मंगलामुखी ग ३६७ मगल्या क २६५, च ६६, च ७८, च १८२, घ २१७, इ ६ > मंगवाना भ ३५३ मॅगाना क ३५३ मच ख ११५ अ, ख २८०, ङ ४६६, इ ५०५ मचिका इ ५०५ मॅचिया ङ ४६६, इ ५०५ मञरिका ध ४८३ मजरी ख २६६, च २८, च १११, च ३८१, घ ४८३, ड १६५ मज़िल च १३०, च २०५ मजीर ल १०५, ङ ३३५, ङ ३६२ मंजारा ख १०५ मज् ज ४६३ मज्ल ४ ३७०, ज ४६३ मजुर ब १७६, ब १८८, ब १६२ मंजूर करना स १८३, ज १७८, स १८६, मजूरी ब १६४ मज्बा घ २०२, ङ ४८६

मंभा ङ ३७२ मंभार स ६८५ मड ग ५६३, ङ ६३ मंडन ङ ३२७, च ८ मडप घ ४३१, च १३०, च २०५, च २२ / मॅहराना ज ६६४ मंडल क ५५८, ख ३४८, च ८, च १२, क ५८५ ज ६२४, ज ६२५ महलाकार ज ५८४ महानी क १६५, क २६७, घ ६५, ब हर्प्र. मंडवा च २२१ महित ज ४७३ मंडा च १३६ मॅडग्राघ २४१ महक ख ६०, ग ५६३ मंड्रकता व १६⊏ मतर क ६२ मंतर मारना क ३६१ मत्र क ६२ मत्रणा भर १५४ मत्रग्:गह च १७५ मंत्रणादाता ख ३५७ मन्नपदना क ३६१ मांत्रस्य भ १५४ मत्राख ३५७ मयन भ ३५६ श्र मथन करना भ रेप्रध मद च २१, छ १६४, ज ४२६, ज ४४५, # 883 मदता छ १६२, ज ४२०, ज ४४१

मंदबुद्धि ज ३६४

मंदर क २३८, ब ४४७ मंदस्वर ख ६८ मंद होना ७५४ मदा च ४४७ मदः किनी क २५३, च २६४ मंदानि ख ४६८ मदार क २३८, क २४१, ग ४३५, घ १००, জ ४४७ मंदिर क १६, च १२६, च १४० मंदी छ १६३ मंदोदरी क २२२, क ३६७ मद्रस्वर ख ६५, ख ६७ मशा भर ३७१ मॅहकना भ ३६६ मॅहगो छ ५ मंद्रश्राघ २४१ मई छ ३८ मडर ६ ३६७ मक्द्रा ग ५३८, ग ५३६ मक्दो ग ५३६ मकतब च १६६ मक्रवरा क ५१२, च २२६ मकरद घ ३८६, घ ३६१, घ ३६२, घ ४१४ सकर क २६६, क २८६, क २६०, ग ५८०, ग ५८१, ग ५८४, च ५८, च ६८ मकरकेत क २७१ मकरध्यज क २७१ मकर सकाति छ २१% मकरा ग ५३८ मकरालय च २६४ मकरी ग ५३६, ग ५८० मकरुड ज ४७६ मकाई घ २४६

मकान च १२६, च १४० मकुट ङ ३३७ मकुना ग ४३६ मकुनो ङ १०३ मकोइया च ३५१

मक्का क ५१=, क ५२१, घ २४६

मक्कार ज २६८ मक्कारी ज २६६

मकोड़ा ग ५३६

मक्का मोश्रज्जमा क ५२१

मक्खन ङ १५८ मक्खन मलना च ६६ मक्खी ग ६७२

मक्लीचूर ल ३६० मक्लीचूरो ल ३६१

मक्खाचू शो करना ख ३६२

मञ्जतब ख २७४ मिल्ला ग ६७२ मख क ८१

मखमल ङ २३४ मखमली घ ४३६

मखमलो को इ। ग ५४६

मखशाला क ८६ मस्त्रोल ज ३७२ मस्त्रोली ज ३७१

मग च २४१ पगज ग १०८

मगग ख २००

मगद ङ १७७

मगदल ट १७७ मगध ग ३५३

मगन च ३६, घ १२२ मगर ग ५८०, ग ५८१ मगरइल ङ ८६

मगरमञ्झ ग ५८०, ग ५८१ मगुरिव क ५०६, च ८२

मगरी ग ५८४ मगरैला ड ८६ मगितर छ ५५ मगही ख २२४ मग्ज ग १०८

मग्न ज ३६, च १२२, ज ३३१, अ ६६

मग्न होना ज १२४, भ ६५

मधवाक २२५ मधवाजित क ३६३ मधाच २७, च ३७ मचलनाज ७५

मचली ल ४६७, ल ४६६

मिचिया ह ५०५
मन्छ ग ५००
मन्छ इ ग ६७६
मन्छ र ग ६७६
मन्छी ग ५८४
मन्छ र गेली च २३५
मन्छ १इडा च २३५

मछली क २७२, ग ५८४

मञ्जूबाग ३४७

मज़दूर ग रूपर, ग रूपर, ग रूप

मज़दूरनी ग ३८४ मज़दूरी ख ३६४

मज़बूत क ४०, क ४१

मनमून ख २६७ मजलिस च ६२५ मन्द्रक १

मज़ह्बी कर मज़ाङ ५१, ज ४५, भ, १२४

मनाक ज ३७२ म्हाक उड़ाना च ३७३ मज़ार क ५१२, च २२६, च २३० मना लेना भर १२५ मजीठ घ २०२ मजोरा ख ६६, ख १०५ मजूर ग ३८३. ग ३८५, ग ३८६ मजूरिन ग ३८४ मजूरी ख ३६४ मनेदार ङ ५०, इ ६०, भ १२७ मनेदारा ड ५१ मज्जन भा ६८ मज्जा ग ६२, ग ६५, घ ३३, च २८३ मभा व ६८२, ज ६८५ मभाषा च २८० मटकना ज ७५, ज ७६ मटका ड ४५५, इ ४७७ मदको ड ४७७ मटमैला ख ४३, भ ३३४, भ ३३७ मटमैलापन ख ४४ मटर घ २५८ महरगश्ती ज ६८७ माँटयामेट करना च १७१ महियाला भ ३३४ मटोला क ३३४ मही च हह, न १०४ महा ङ १६२ मठ क ८०, च १२६, च २०६ मठाधीश क ७६ मिठिया क ८०, छ ३३४ महर्द च १४२ मह्या च २२१ महबा म २४१

मडोर ज ६६ महाक ८०, च १४२ मिशा घ ४८०, घ ४८६ मिधिक इ ४५५ मिनाला ङ ३३१, ङ ३४६, ड ३४८ मतग ग ४३५, छ २३६ मतगी ग ४१० मत क १, ख ३४%, मा १५५ मतलब ज २७३, भ २७/ मतलबी ज २७४ मतली ख ४६६ मतली श्राना ख ४६८ मतवाला ज ३३१, ज ३४० मतनालापन ज ३३४ मति खं प्रथ, ग १३२ मतिभ्रष्ट ज ३४८ मतिबंत च ३३३ मत्कुण ग ५५२ मत्ता ४४०, स ४८६, स ६१३, इ २०२, न ३४० मत्तता ज ३३४ मसहोना ज ३३३ मत्था ग १६, ग १०३ मस्मर ज १३, च २६३ म्लय क १५४ क १५५, क ५७४, ग ५८४, ৰ ৬০ मतस्यगधा क ४३३ मणना द ४७६, अ ५४६, क ५६६. क ५६६ श्र मथनी इ ४७६ मभाई के ३४६ अ मयानी क ४७६ मिथित इ १६२

मधुरा क ५७, क ५८०, च ११०, च ११५ भद क २७१, ख १६४, ख १८५, छ १०, ब ४५, ज ८८, ख ४०२

मदद च ७८५

मददगार ग ४२८, च ७८६

मदद देना ज ७८७

मदन क २७१, ग६२४, ग६७७, घ४२०,

इ २०२

मदनमहोत्सव छ २५२

मदपूर्ण ज ३३१

मदरसा च १६६

मदाध ज मध

मश्यता ज ८८

मदाध होना ज ७६

मदार घ १००

मदिरा ह २०५

मदीना क ५१८, क ५२०

मदोन्मत्त ज ३३१

मदोन्मत्तता च ३३४

मिदिम स्त्र १६५

मद्य ङ २०५

मद्यशाला च २०८

मधुक २४२, घ४३, घ३८६, घ३६०, इ. २१, इ.४४, च २६२, छ ३६, छ ८४

मधुक ग ३५३, घ ४३, घ २०७

मधुकर ग ६७७

मधुकरो ड १०२

मधुता इ ४५, ज ४६७

मधुदीप क २७१

मधुप ग ६७७

मधुपुर च ११५

मधुपुरी च ११५

मधुमक्ली ग ५७५, ग६७५

मधुमिच्चिका ६७५ मधुमती घ २०३

मधुमेह ख ४६०

मधुर घ ३६, घ २४८, घ ४४७, रू ४३,

ह ४४, इ १६६, ज ६६, ज ४६३

मधुरता इ ४५, ज ७०, ज ४६७

मधुर ध्वीन करना ख ५६

मधुरभाषो ज ६३६

मधुरा च १६३, घ २३२, घ ३२७, ङ ६१,

च ११५

मधुराई ज ४६७

मधुराञ्च ङ १६६

मधुरिषु क १३४

मधुरिमा ज ४६७

मधुस्दन क ४३४, क ३६६, ग ६७७

मध्क ग ६६६, च ४३

मधूलिका ह २०५

मध्य ज ६ 二५

मध्यम ख ७०

मध्यमा ग ६६, ग ७२

मध्य इती काल छ ७

मध्या ख १५७

मध्याह छ १२६, छ १२०, छ १४०

मन ग १३०, ग १३३, ग १३६, ग १३७,

ज १२३ व

मनई गर, गर, भा४०४

मनका क ४०, क ४१

मनगदन्त ज ६६६, ज ६७०

मनज ज ६६६

मनन ख २४८

मनन करना ख २४६, ज ३६६

मनबहलाव क ३६४

मनभावन स ४६३

मनमाना भा २३४ नममानी च १७० मनमोटाव स २७६ मनमोहन क ३६६, ज ४६३ मनमौबी च ३३१ मनरोचन ज ४६३ मनमायन ज ५६६ मनसिज क २७१ मनरिवनी ग २७२, घ ३०० मनस्यो ज ३६३ मनहर च ४६३ मनहरण च ४६३ मनहरता ज ४६७ मना करना च ७७४, ज ७७५ मनाना का २८४ मनाही ज ७७८ मनिया क ४८, क ४१, क ४२, इ ३३१ मनिहारा ग ३५७ मनिहारिन ग ३५८ मनीयों क १७, क ४४६, अ ३६३ मन क ५७८ मनुद्रांग १३० मनुज ग २ मनुबाद क ३४६, क ३४८ मनुवैवस्वत क ३०० मनुष्य ग २, भ ४०४ मनुष्यता ब ८७, व २२३ मनुष्यत्व अ २२३ मनुष्य होना क २१६ मनुसाई ज ८७ मनोगत क २७१ मनोगति अ ३ मनोब क २७१, ब ४६३

मनोज्ञ घ ४७३ मनोशा घ ३००, घ ४०३ मनोनीत ब ४७१ मनोरंजन ङ ३६४, ड ३७३ मनोरंखन करना ङ ३६६ मनोरथ ज १३८ मनोरम ज ४६३, ज ५६६ मनोविकार व है मनोवेग ज ४ मनोवैज्ञानिक ख २१० मनोवृत्ति ब ३ मनोइर घ ४४८, ङ ३१०, ज ४६३ मनोइरता ज ४६७ मनौती क ४७, ज १७६ मनौती करना भ २४८ मनौती मनाना भ २४८ मन्मथ क २७१, घ ५४ मन्वतर छ २४ मफलर ङ २५३ मम ज २६६ ममता ज १४५ ममन्त्र स १४५ ममनून व ३२, व २६५ मियाँ ससुर ग २३८ ममीरा ङ ३०८ ममेरा ग १७२, म १६ मयक क ३०७ मय क ३४०, ग ४४० ' मयका ग २३४ मयन क २७४, इन् १४ मयनपत्त प २१० मयसता क ३६१ मया ख ५४४

मयूर ग ६०६, घ १४४ मय्या ग १६० मर क २१८ मरकट ग ५२४ मरकत घ ४८१, घ ४८६ मरघट च २२८ मरज ख ४३५ मरबाख १८५, ग १५४ मरखबदी १५४ मरद ग ३ मरदानगी ज २२१ मरदाना च २१६ मरना ग १५५ मरमी छ ६६ मरम्भतं ज ६४० मरवाना ग १५७ मरसा घ ३३४ मरहम ख ५४१ मरहला च २०५ मरहूम ज ८२६ मरहूम होना ग १५५ मगठी ख २२१ मराल क १२८, ग ४३५, ग ४५२, ग ६०७ मिरिच इ १६, इ ६७

मराची क २०७ मरीज़ ख ५४६ महत क २१५, क २१३, च ४२, च २६३ महथल च ६६ महसूम च ६६ महसा च ३३४ महस्थल च ६६

मरीचि क २६६, च ६, च ७४, छ २८७

मरी ख ५०७

मरोइ स ३८८ मरोहना ज ६७ मर्कट ग ४२४, ग ५३८, ग ५३६, घ १४४ मर्कटी ग २२५, ग ५३६, घ २६३, ङ १६ मर्ज़ ख ४३६ मर्त्य क २१८, ग १२ मत्र्यलोक च ६०, च १०३ मर्द ग ३, ग २२४, ज २१६, ज २५२ मर्दन करना ज ⊏२० मर्दम ग ३ मर्दमी ज २२३ मर्म भ ३८६ मर्मरी घ ११३ मर्मवाक्य भ रेप्द मल ग ११५, ज ५४६ मलदार ग ८२, ग ८३ मलना छ २६, ज ६३८, क ६३, क २४७ मलमास छ ६३ मलयज घ १३० मलयालम ख २२१ मलयुक्त च ज ४१५,ज ५४२, ज ५४३ मलइम ख ५४१ मलाई ङ १६० मलावरोध ख ४६८ मलाह ग ६४१ मलाहिन ग ३४२ मलिकाई क ११७ मलिन क ३१०, ड १६२, ज ४१५, ज ५४२, ज ५४३, भ १२८, भ ३४२ मलिनता ज ४१६, ज ५४५ मलिनियाँ ग ३४४ मिलियामेट करना क १७१

मलीन अ ४१५, अ ५४२, अ ५४३

मलीनता ज ५४५ मलीन होना फ १३२ मलेरिया ख ४६४

महत्त ग ४०६, च ३६७, च ४६५, ङ ४१४

मल्लयुद्ध भ ३२६ मल्लाह ग ३४१

मल्लिका च ५४, घ ४०१

मवाद ख ५२७ मदास च १४० मवेशा दे० 'पशु'

मवेशोखाना च १६१, च १६३

मशा ग ६७६
मशक ग ६७६
मशक ग ६७६
मशक ते का २८७
मशक ती का २८२
मशागिक च ८३
मशका का १५५
मशका का १५५
मशका का १५५
मशका का १५५
मशका का ४६६
मशहर च ३४६

मशहूरी ज ३५१

मशान च २२८ मशाल ड ४६३

मशीन स २८२, इ ५५६

महक ज ४०२ मसक ग ६७६ मसकना ज ६३३ मसकत का २८७ मसखाग ज ३७१ मसखागन ज ३७२

मसम्बद्धाः ज ३७१

मस्बिद् क ५११ मस्नद ङ १८८ मसल सा २३४

मसलना छ २६०, ब ८२०, क ६३

मतला स्त २३४ मस्विदा का १८६ मसा ग ६७६ मसान क ३५० मसाल ड ४६३

मसाल ड ४६३

मसि क ३१०, ख ३०६

मसिक्षिका ख ३१०

मसिदानी ख ३१०

मसिपात्र ख ३१०

मसिविन्दु ङ ३०३

मसी ख ३०६

मसीद क ५११

मसीत क ५११

मसीन ख २८२

मसीहा ६ ५०२

मस्र घ २५६

मस्र घ २५६ मस्री ख ५१० मस्ल ख ४१३ मम्या ख ५७६

मसुषता न ५८१ मसौदा भ १८६ मस्कर घ ८०, म १ मस्करो ग ४२६

मस्करी क ११०, ग ५११

मस्जिद क ५१४

मस्त ज ३६, ज ४=, ज ३११

मस्तक ग १३, ग १६ मस्त होना ज ३३३

मस्ताना घ ४३४, ज ३३१, ज ३३३ मस्तिक ग १०८, ग १३१, ज ३६२

मस्ती ज २२८, ब ३३४

मस्तो में आना च ३३३ महंगाई क २६६ महँगी भ २६६ महत क ५६ महथ क ७६ मइ च २६२, ज ४२५ महकाना भ ३६६ महाअद क ५११ महत च २६२, ज ४२५ महतो च २७६: ड २० महत्तर ग ३५४ महत्ता ज ४२७ महस्य स ३४२ महनभोग ड १२२ महना भ ३५६ महफिल च १८०, ज ६२५ महरा ग ३०६, ग ३८३ महराख ग ४०३, भ ८८ महराजिन ग २८३ महरानी ख ५१० महारे क ४०६ महरी ग ३१०, ग ३८४ महर्घ घ १३० महर्षि क ४४६ महल च १४०, च १४१, च १७१, च १७७ महल्ला च १३७ महसून ल ४१०, ल ४११, ल ४१२, ख ४१३, ख ४१५ महा च ४२% महाई घ १२० महाउत ग४१०

महाकाय क १६२

महाकाल क १६५

महाकाली क १६४ महाकाच्य ख १७६ महाजन ख ४०४, ख ४०५, ग २६४. ग ४०४, ग ४२५ महातल क ३३६. क ३३७ महादेव क १६५ महादेवी क १६४, क २०२, ख ३५३ भहाद्वीप च हर महान च ४२५ महानता व ३४२, व ४२७, व ४४२ महानिद्रा १५५ महापद्म क २६६, क ३२८, क ३२६, घ २६७ महापुराख क प्रहर महाप्रलय क १७२ महावन च १२ महाबाहु व ५२७ महाभारत क ५८० महाभूत ल ५६६ महामैरव क १७० महामारी ल ५०७, ल ५०६ महायान क ४६० महाराज ल ३४६, ग २८२ महाराणी ग २६३ महारानी ख ३५३ महारामायस क प्रदर महार्घ ख ४०६ महाघंता भ २६६ महाल च १३७ महालद्मी क १६३ महावत ग ४१० महावन घ १२ महाबर व ११४, ङ ३२४

महाविद्यालय ख २७४

महावीर क १६०, क ३८०, क ४४७, क ४८२, क ४८४, ग ४६४, ग ६०६

महाशंख ब ६४०

महाशक्ति क १६५, क १६४

महाशय च २६४, ज २३, ज २०१

महामचिव व ३५६

महासभा ज ६२५

मह।सागर च २६५

महिच ६०

महिधर क ३३०

महिनवारी ख ३६५, छ ३६

महिमा क २६४, ब ३५५, ज ४४२

महिलाग४, इट ७८

माइया ल ३५३, ग ४-४

मही च १, च ६०

महोधर क ३३०, च २४८

महीन च ५०५

महान करना ख ५५२

महीना ल ३६५, ख ४१४, छ ३५

महोप ख ३४६

महीपति स २४६

महीपाल ख ३४६

महोसुर ग २८२

महुवा घ ४३

महेन्द्र क १३४, क २२५

महर इ ६६

महेश क ११२, क १२२, क १६५

महोक ग ६५६

महोत्सय छ २०२

महोदांब च २६४

महोदय क २३=

नहोदया घ ४३२

महौषधि च ११४, च १६८, घ ३१४,

इ. २०

माँग १७७

माँग ख २६५

मॉगना च १६६, भ ३५४

मांगा भ ३५६

मॉजना छ २६०, ज ५४७

मॉजाच र⊂३

मॉक्स च ६⊏५

मॉक्ताड ३२८, ङ ३७२

मॉक्तेग ३४१

मॉइइ६३ '

मॉड्रना भा ६३, भा ३२१

मॉइव च २२१

माडवी क ३७४

माङ्क्य क ५५८, क ५५६

माँद च १६४, च २४०, च २५१

मांस ग ६१, ग ६५, छ ३५

मासल घ ३६, घ २५४, घ २७८, व ४५८

माउलता व ५००

मासविक्रोता ग ३६३

माई ग १७७

मालन ह १५५

मागध घ १८७

मागवी व १८८, व २३५, च ४०५

मात्र छ ३७, ख ५८, ख ७६, ख ८३

माघां छ ५६

माचिस छ ४४६

माजूबल व २११, घ २१४

माभित्व ग ३४२

मार्भा ग ५४१

माटा ग ५४१

माटो ग १२, च ६६

माठा ङ १६२

माड़ा च २२१

माशिक घ ४८१, घ ४८४, घ ४८७ मातंग क २७१, ग २६८, ग ४३५

मातबर भ १७४ मातहत भ २३५

मातइती भ २३६

माता क १६३, ख ५१०, ग १७७, ग १८१,

ग २६३, घ १४७, घ १८३, घ १६३

मातामह ग १६८

मातामही ग १६६

मातुल ग १५०, ग १७१, ह २०२

मातुलां ड २०४

मानुलेय ग १७२

मातृक १६३, क १७७

मातृभूमि ग १८१

मात्राख २२७, ज ६५८

मात्रिक ख २०१

माथा ग १६

माथ पच्ची करना ज ३७०

माद्रो घ १४५

माधन क १३४, क ३६८, घ४३, छ ४१,

छ ८४

माधवी क १६५, घ १११, घ ३३२, घ

४२१, इ २०५

माचवीलता घ ४३१

माधुरी इ ४५, इ ८६, ज ४६७

माधुर्य ख १६३, ख १६१, ख १६२,

ब ७०, ख ४६७

माधो क ३६६, क ३६६

मान च १६४, ज ३४२, ज ६६१

मानगर्विता ख १५६

मानचित्र ख ३१७

मान जाना ज १७८

मानता क ४७

मानदङ ज ६६१

मानना च १५१, ब १७८, ज १८६,

ज २५४, च ३४३, च ६६८,

ज १६६

माननीय ज ३५४

मानपत्र ख ८१३

मानय क ५७६, ग २, ग ३

मानवी ग ४

मानस क २७१, क ५८३, ग ३, ग १३०

मानसिक ख १८७, ख ४३६

मार्नासक रोग ख ४३७

मानहानि ज ३४८

मानिंद ज ४२२

मानिक घ ४⊂४

मानी ग ४६४, ज ३४४

मानुष ग २, ग ३

मान्य ज ३५४

म'प ख ६४५, ज ६६१, ज ६६२

मापक ज ६६१

माक ज ६

माफ़ करना ज ध

माफो देना ज ह

मामा ग १७०, ग ३८४

मामी ग १७१

माम ग १७०

मामूली ज ४१७, क २६६

मायका ग २२४

माया क १६१, क १८५, क १६४, स २३६,

गद् ग १७७, इ २०४

मायावती क रद्भ

मायाविनो अ २६८

मायाबी क ११२, ग ४०७, ग ५२१, ब २६८, भ ३२७ मार क २७१, ङ ३३१, भ २६२, म २८० मारक ज ८२४ मारका भ २६२ मारकाट क २६२ मारकाट करना ज २८२ मारकीन ङ २२३ मार डालना भ २१८ मारना क १७१, ग १५६, ग १५८, भ २१८, भ २२५, भ २८१ मार लेना क २०६, क २१०, क २११, क २१२ मारवाडी ख २२४ मारीच क ३६७, क ४७५, क ४७६ मादत क ३१३, क ३१६, क ४२५ मारू ख १०३ मार्कगडेय क ५७४ मार्ग च २४०, च २४१, छ ५५ मार्गशोपं ह्र ५५ भावी छ ३८ मार्जन ड १७ मार्जना च ६ मार्जार ग ५२१ मार्तड क २६७ माल ख ३८०, ड २३१, भ २६४, भ २६४, भ ४१६ मालाकिन ग ३८१ मालकोश ख दर मालगुनारी ख ४११ मालगोदाम च २१६ मालती ख २०३, घ २२१, च ४०३, छ १४३

मालपुत्रा ङ ११६ मालवी ख २२४ माला क ४०, क ४२, घ ३८३, ङ ३३१, ङ ३४६, च १६६, ज ६२४, भ २६४ मालादीपक ख १६० माला फेरना क ३६ मालिक क ११२, क ५२७, ग २२४, ग ३४३. ग ३८० मालिकिन ग ३८१ मालिन ग ३४४ मालिनी ख २०३, ग ३४४, घ ४०३ मालिम्य ज ५४५ मालियत ख ३८० माली ख रू नर, ग ३४३ मालूम च १०५, च ११८ भालूम करना व १०६, व ११० माश्रक ग २६७ मास व ६१६, त ६१, घ ३५ मासा ग २१० मासिक ख २३१, छ ३६ मासिक धर्म ग १२८ मासूल व ४१३ मास्टर ख २४१ माह हर ३५, हर ५५ माइवारो छ ३६ माहुर क १८३, ब ४७८ माहेश्वरो क १६७, क २२४ मिश्रादी छ ५०० मिकदार ज ६५८ मिचली ख ४६७ मिचली श्राना ख ४६८ मिनगाँग २२

मिजान 🖷 १

मिबाज़ बदलना ज ८१

मिजान ख ५५८

मिटना ज ८२२

मिटाना क १७२, ज ८१६, ज ६४३

मिट्टी ग १२ च ६०, च ६६, भ २१६

मिही करना ज ६४३

मिठपूरी ह ११०

मिठाई ड ४५, ड १६६

मिठास इ ४५

मितलाना ख ४६%

मितली ख ४६७

मितलो श्राना ख ४६८

मितव्यय ख ३६३

मितव्ययता ख ३६३

मितव्ययो दे परिशिष्ट क

मिताई ज २७५

मिति छ ६०, छ १३६

मित्र क २६७, क २६८, ग २७८, च ४४

मित्रता ब २७५, ज ८५६

मिथिला च १२८

मिथुन च ५८, च ६१

मिथ्या 🖷 ४०६

मिध्यावादी ज ४६०

मिन्नत ज १७६

मिन्नत करना क २४८

भिमियाना ग ४८६

मिमोरना ज ६७

मियाँ ग २२४, ग ३५६, ग ३८०

मियाद छ १६६

मियादी बुखार ख ४६२

मिरगी ख ५१६

मिर्च इ ७६

मिर्चा इ ८५

मिर्जई ह २५०

मिलकी ग ३७४

मिलन च २८६, ज ८४८, ज ८४६, ज

<u>८</u>५०

मिलना च १५२, ज ८४८, ज ८४६, न

८५०, म ८७

निला ज ६०४, भ ८६, भ ३४६

मिलान भा ३६३

मिलाना ज ८४५, ज ८५८, ज ८७४, ज

६०२, भ ६२, भ ३६५

मिलाप म ८४८, ज ८४६, ज ८४०

मिलाया हुआ ज ८४७

मिलावट ज ८४६

मिलावट करना ज ८४५

मिलावटी ज ४१३

मिश्र ग रहर, च ३०४, घ, ३०५ घ ४५४,

ब ८४७

मिश्रण च ८४६

मिश्रग करना ज ८४५

मिश्रित स १६७, ज ८४७

मिश्री ङ १७४

मिष्ट इ ४४

मिष्ठान इ १६६

मिष्ठभाषों न ६३६

मिस भ ३७३

मिसाई ङ ५३४

मिसाल ख २३४, ख २६३, ख २६४

मिल्लो ख ७, भ ३२२

मिस्रो ह १७४

मिस्ल ज ४२२

मिस्सी द ३१६

मीचना ख ७६८

मीजना भा २४७ मीलना ज २४७ मीमना छ २६० मीनान ख प्रप्र मीज़ान करना ख ५५६ मीत इ ४४ माठ। इ १६६, इ ६८, छ १६५ मीठा नीवू घ ३५३ मीटा पापड़ ड १२० मोटा भात इ ६५, इ १२६ मोटा स्वर ख ६८ माटी कचौरा ड ११७ मोठो खटाई ङ १३८ मोन ग ५८४, च ५८, च ७० मीनाचो भ ५६ मीनार च १७३ मीमासा क ५६०, ख २३७ नीमाना सूत्र क ५७१ नोलित ख १६०, ज ८४७ नीसा ङ ३१६ मुज घ २०६ मंड क प्रद, ग १३ <u>र</u>ुडन ग**्१४**६ इमालों क १६५ ाडा ग २७५, ज ४८५ (ह) ग १२, घ १७६ [तेजिम ख २८७. ग ३७५ द्रशी हा अभूक, हा ३६३ [मा ख २४१ ग ३०३ शिश्राइन ग३०४ ह ग २३, ग १२८ इचग ख ११० हबोरी करना ज २८०

गुँहतोड जवाब ख २६८ मुँइ घोना भ १२० मुंह फेरना ज १४६ मुंह सिकोड़ना ज १४६ मुत्र्याफ ज ६ मुत्राफिक ज २८५, ज ४२२ मुआफिकत ज ४२४ मुत्रायनाः स्व २५०, भ १६२ मुकरमा भ रदा४ मुक्रदमा ख २६८ मुकद्द ज ४५७ मुकरना ज १८७ मुकरी ख २७० मुकाबिल ग २७६ मुकाबिला भ ३६३ मुकाम च १, च १४० मुक्द क २६६, क ३६६ मुक्ट द ३३७ मुकुर घ ६०१, ड ३२६ नुक्ल ग ५, ग १२, घ २७, घ ४२० मुकुलित घ २७ मुक्ता ग६४ मुक्त क २४०, भ्य २३२, भ्य २३४ मुक्तक ख १७५ मुक्त करना भा २३३ मुक्त होना मा २३१ मुक्तहम्त ख ३८% नुका घ ४८३ मुक्ति ग ६, भ २३०, भ २३८ मुक्ति देना भा २३३ बुक्ति धना भ २३१ मुख ख १४५, ग १५, ग २३ मुखदा ग १५

मुख्ननस च २२० मुख मोइना च १८२ मुखर ग ६५४, च ४६४ मुखालिफ ग २७६, च २८४ मुखालिफत च २७६

मुख़ालिफ़त **च** २७६ मुखिया ख ३३५ मुख़्तार क १७६ मुख्य घ १५५

मुगद्र 🕶 ३७७, घ ४७

मुग्ध च १२२ मुग्ध करना च ४७२ मुग्धता स १६४ मुग्ध होना क २७५ मुग्धा स १४७

तुलकुंद च ४३५

मुखंदर ब ४६५, व ४८६ मुळैल ब ४८६

मुजरिम ग ३७०, भ २२१

मुटाई ज ५०० मुटिया ग ३८६ मुद्रा ज ६२४, ज ६३०

मुद्रो ग ६५

मुद्दना च ६३, च ८२, च ६७५

मुक्ता च ४८४, व ४८५

मुदाना ज ८६ भुदाम छ १६७ मुदित ज ३६ मुद्देग ३६८ मुद्गल क ५५८ मुद्दालेह ग ३६६ मुद्रालाय ख २८६

मुद्रा ल ३८०, ल ४२१, ख ४२३, रू ३३६, रू ३५८, मा १६५ मुद्रिका इ ३५८
मुद्रित करना ख २८८
मुनक्का घ ३६४
मुनादी ज ६०३
मुनासिच ज ४१०
मुनाफा क ३०२

मुनि क ६४, क ४४७, क ४४६, क ४५१

घ ४२४. ज ५१६

मुनीश्वर क १३४, क ४४७

मुन्हा च ४३८
मुफलिस स ४०५
मुफलिसी स ४०६
मुफति च १६५
मुफकिन च ६७१
मुमानियत च ७७८
मुम्ताहिन स २५२
मुफ्ती ग ४६३, ङ ३४०

मुरचग ख ११०

मुरकाना क १३२

मुरदाशंख च ४६३

मुरदाशंख च ४६३

मुरता छ १८८

मुरता ख ११२

मुरता च ११२

मुरता च ३२२

मुरवात च १०२

मुरदा क ३६६

मुरारी क ३६६

मुरारी क ३६६

मुरोद ख २४२

मुरेठा ङ २३८

मुरेठा रू २३८ मुक्ती रू ३४० मुर्गाग ६४५

मुर्गी ग ६४४ मुदा ब ८२६, भ २१६ मुर्रा 🖝 २६३ मुरी ड २६३, ज ६६ मुर्रो देना ज ६७ मुरी पड़ना ज ६३ मुहीं ड २६२, ज ६६, भ ३८८ मुनतानी भ ३३४ मुलहठी घ २०७ मुलिजिम ग ३७०, मत २२१ मुलाजिम ग ३६३ मुलाकात च ८४८, च ८५१ मुलाकातो ज १११ मुलाजिमत भा २४६ मुनायम ज ६६, ज ५७६ मुलायम करना च ७२ मुलायमियत अ ७०, ज ५८१ मुलेठो च २०७ मुल्क च १०३, च १०५ मुश्क ङ ११ मुश्कबेद ख ३०७ मुहिकला च ६०. ज ६५८ मुश्किलाइट च ६२ मुश्की ख ३० मुश्त ग ६५ मुवल क ४६५ मुब्क ग = १ मुब्टि ग ६५, घ २०८ मुध्टिक ग ६४, ग ६५ मुक्कराना ज ६३२ मुसकराह्य व ६३१ बुसकान व ६३१ मुखकाना व ६३२

मुसकानि ज ६३१ मुसक्यान ज ६३१, ज ६३२ मुसन्निफ ख १२७ मुसम्मो घ ३४६ मुसलमान क ३, क ५०५, ग ३६५ मुसली क ४१०, घ २१३ मसञ्बर ख १४ मुसहर ग २६६, ग ३६४ मुसाफिर ज ६६३ गुसाफिरखाना च २०६, च २१० मुशीयत ज ५० मुसौविदा स २६५ मुस्कराना ज ⊏६२, भ ३६⊏ मुस्कान ब ६३१ मुस्तैद ज ३ ७६ मुस्तेदी ज ३७७ मुह चत्रना ख ५०० मुह्ताज ख ४०५ मुइताबी ख ४०६ सुक्रमद क प्र२४ मुहर ख ४२२, भा १६४ मुद्रम छ २२७ मुहल्ला च १३७ मुहाँसा ख ४५२ मुहावर। ख २३३ मुहूर्त ख ६४६, च ५६, छ १, छ १२६ मूंग घ २५७ म्गफली घ ३७१ मूंगा व ४८१, घ ६०२ मॅक्कुग ४७ मुंज घ २०६ मूंक ग १३ मुंबना भः २०८

म्इी ग १३ मुद्ना ज ७६८ म्क ब ५१६ मुकता च ५२० मूज च २०६ मूठ क ३६२, ग ६५ मूठ चलाना क ३६३ मूठो ग ६५ मूढ़ व ३६४ मूढ्ता ख २३६, ज ३६६ मृत ग ११७ मृतना ग ११८ मूत्र म ११७ मूत्रदोष ल ४६१ मूर्त्रीदय ग ७६ मूर घ १३, च ४६ मूरल ल २४०, ज ३६४ म्रखान ज ३६६ मूरातिक २२, एव १३ मूर्ब ज ११२, ज ३२५, ज ३६४ मूर्वता ज ४०४, ज ३६६, ज ५६० मूर्ख बनाना ज ३७३ मूच्छ्ना ख ७४

मूच्छो ल ५२६, ल ५३५
मूचि क २२, ल २, ज ११, ल १३, ग १२,
घ ४५६
मूचिकला ख ६
मूचिकार ल १०
मूचिकारो ख ६
मूचिष्का क २५
मूचिष्का क २४
मूचिष्यापन क २३
मूचि ग १३

म्ल घ १३, घ ३०२, च २७, च ४६, ज ८३५ म्लक ग १७४, घ ३०४, घ ३०५ म्लधन ख रद्भः, ख २६६ मृली घ ३०४, घ ३०४, म २२६ मृल्य ख ४८८ मृल्यवान ख ४०६ म्बक ग ५३२ म्म ग ५३२ मसना भ २१०, भ २११ मुमल ट ४६५ मृग ग ४३०, ग ४३७, ग ५०५, ग ५०६, मृगचमें ग ५११ मृगञ्जाला ग ५११ मृगनगमे ग ५१२, ह ११ मृगनैनी भा प्रह मृगमद ङ ११ मृगया ड ३७३ श्र मृगगन ग ४६४, घ २०१ मगलोचनी भ ५६ मृगशिस च २७, च ३२ मृगाक क ३०७, क ३१० मृगा ग ४०६, ध १४३ मृगी ख ५१६, ग ५०६, ड ११ मुगद्र ग ४६४, च ६३ मृग्गाल व ३८६ मृणालिना घ ३८६ मृत क २४०, ब १५६, ज ६२५, ब ६३८, ज ८२६ मृतक ग १५६, ब ८२६ मृत्यं जय क १६५

मृत्यु क ३१७, क ३१८, ग १५४

मृत्यकाल छ १५४ मृत्य जीतना क २१७ मृत्युलोक च १०३ मृदग ख ६५. ख १०२ मदगिया ग ३६२ मृद्ध १८३, इ४४, अ६६ मृद्रा ज ७० मृदुल ज ६६ मृद्लता ज ७० मृषा ज ४०६ में जहदर मेढक ग ५६३ मेंबर ख ३६६ में में करना ग ४८६ मेहदोध ४२४ मेही ज ५०५ मेख इ ५३७ मेखला ४ ३३२, ४ ३५६ में ब दे रहे , छ २४५ सेघगर्जन छ २४२ मेयनाद क रदह, क ३६३, ग ६०६ संध्रमात्ताः छ २४१ मेवा ग प्रहर मेज ट ५१० भेजबान ग ३७६ मेंट क १७२, घ ३७८ मेटना ज ६४३ मेटी ङ ४५६ मझ च १०२ मेढ ग अस, च १०२ मदक ग ५६३ मेढा ग ४६०

मेद म ६३, ग ६५

मेदा ग ६३ मेदिनी च ६० मधाक २०२ स ५६३, ज ८३६ मेघावी ग ६२७, ज ३६३ मध्या घ ७८, ब १७०, घ १८२, घ १६८, घर०५, घर१७, घ ३६६, ङ १८ मेनका क २४८ मेमना ग ४५२ मेरा ज ६६८ मेह च २४८, च २४६ मेकदड ग १०५ मेल खु १६६, च ८४६, व ८५० मेलजोल ज ८५१ मेलना ज ८५६ मेलमिलाप ज ८५१ मेलाख २०६ ंज्ञान इकिना क ३६० मेन, इ. १६८ नवा घ ३५७ भेवाहो य ५०७ मेवात घ ३५७ मेध ग ४६०, च ५८, च ५६ गेप समान्ति छ २२३ मह हा २३६, छ २५१ मेहतर ग ३५४ मेहतरानी ग ३५५ मेहतान क ०७ महनत छ ३७२ आ, भ २८७ महनताना ख ३६४ गइनती भ रदद मह बरसना छ २४६ मेहमान ग ३७८ मेइमानदार ग ३७६

मेहमानंदारी क ८४ मेहमानी भ ८४ मेहर ज १६ मेहरबानी ज १६ मेहरबानी करना ज २५ मेहरा च ३०२ मेहरी ग २२५ मैं ज ६६६ मैका ग २३४ मैगज़िन ख २६० मैत्रायणी क ५४८, क ५४६, क ५५८ मैत्री ज २७५ मैत्रो होना ज २७८ मैत्रेय क २६७ मैत्रेयो क प्रप्रद मैथमेटीक्स ख ५५३ मैथमेटिशियन ख ६४२ मैथिली क ३६७, ख २२४ मैथुन क २८७ मैशन करना क रदद मैदा इ ६६ नैदान च २०१, च २२२ मैदान होना ग ११६ मैन क २७१ मैनफन घ २१० मैना ग ६२४ मैन्स्क्रिप्ट ख २६५ मैप ख ३१७ मैभा म १८० मैया ग १७७ मैल ज ५४६ मैला ग ११५, च ५४२, क ३३७ मैका करना व ५४८

मैलापन ब ५४४ मैला पानी छ २३२ मों ज ६६६ मोक्टमा स १८४ मोका छ १५५ मोचा ग ६, ग १५४, भ २३० मोख ग १५४ मोखा इ ५३६ मोगरा घ ४०१ मोचना भ २३३ मोचा घ १०६, घ १२४, घ २४६ मोल्ला ग ४७ मोजड़ी ह २६७ मोजा ड २६७ मोट र प्रेर, ज ४६=, ज ५०४ मोटक इ २२३ मोटर ड इंदर मोटर सायिकल ड ३८५ मोटरी ज ६२४. ज ६३० मोटा ज ४६८, ज ५०४, ज ५०६ मोटाई ज ५०० मोटाना च ८०८ मोटापन ज ५०० मोटा-मोटी ज ६६५ मोटा होना च ८०८ मोटिया ग ३८६ मोटे तौर पर अ ६६५ मोट्टायित ख १६४ मोबना व ८३ मांढा ङ ५११ मोतिया ख ५१, ख ५२, घ ४०१ मोती घ ४८१, घ ४८३ मोतीचूर व २३१

मोथा ध १२३ मोथो घ २३८ मोद ज ४५ मोदक ड १६९, ह १७५ मोदिनी घ ४०४ मोदियाइन ग २६५, ग ३२८ मोदी ग २६४. ग ३२७ मोनक्का घ ३६४ मोनियाँ ङ ४८४ मोम इ १४ मोमियाई ह द मोर क १८६, ग ६०६, ज ६६८ मोरनी रा ६१०, ड ३२६ माग्यको ख ४६ मोरपुरु वा ६११ मोरभ्या ड १८४ मोरस ड १७१ मोरी स ६१० संसाध १२५ मोलवी ख २४१ मोइ क २७१, ख १८५, ख २३६, ब १३६, अ १७५ मोहफ क २७१, क २७६, क २७७, क इहह, ड २०६ मोइन क २७१, क २७६, क ३६६, ड २०२ मोहनभोग इ १२२ मोहनमासा ङ ३३१, ङ ३४६ मोहिनी क १५४ मोहना क २७४, क २७५, च १३०, च ४७२ मोइब्बत ज १४५ मोइब्बती ब १५३ मोहर ख ४२२ मोहर्म छ २२७

मोहित क २७८. अ १२२ मोहित करना क २७४, ज ४७२ मोहितहोना क २७५, अ १३० मोहिनी घ ३३५, इ १६५ मौकाच १, छ १, छ १४५ मौक्तिक घ ४८३ मौज ड २६४, च २७८ मौज में ऋाना अ ३३३ मौजा च १३३ मौजी ज ४⊏ मौजद भ २५७ मौजदगी क २५६ मौजूद रहना भा २६१ मौत ग १५४ मौन ज ६०८, ज ६०६ मौनबता ज ६०० मौनी च ६०७ मौर ग ३३ मौद्रकी कर मील्यं ज ३६६ भौलवी ख २४१ मौलश्रो घ ४६० मीलिंग १३, ग १०१ मौसम छ 🤻 मौसमी थ ३४६, छ ६५ मौसा ग २१० मौसिम्राउत भ १८ घौतिया ग २१० मौसः ग २११ मौसेरा क १८ ध्याक करना ग ५२२ प्रयान दे. परिशिष्ट 🦠 म्होच्छ ग रेप्र६, घ ३१०

य

मत्र ख २८२, इ ५५६ यक्तोन ज २५३ यकीन करना च २५४ यक्रीन रखना ज २५४ यकृत ग ११०, ग १११ यत्त क २०३, क २४३, क २५५ यहमा ख ५२० यगण ल २०० यजमान क 🖘 यजुर्वेट क ५४४, ख २३७ यज क 🛋 १, क १५४ यश करना क 🖚 यजकर्ताक ⊏६ यजपुरुष क १३४ यज्ञमंडप क ८९ यशशाला क ⊏ध यहों¥बीत के १•६, ग १५० यति दे० 'यती' पात्रधर्म क ६६ यतिनो भ ४८ यती क ११०, ग२७१, मा ४८ यतीम भा १४ यतीमखाना च २०४ यत्न भेत ३७० यत्र ज ६६० मन्तन ज ६६१ यथार्भ ज ४०५, ज ४२० यथायना ज ४०७ यदपि ज १००५ यदाकदा छ १६५ यदि ज १००४

यद्गनदन क ३६६ यदुनाथ क ३६६ यदुपति क ३८६ यदुराई क ३६६ यद्यपि ज १००५ यम क १३४, क २१५, क ३००, क ३१३, क ३१८, क ५७८, ख ६३८ यमक क पहर, ख १६० यमगीता क ४⊂२ यमज ज ६२३ यमद्गित ज ७३ यमद्वितीया छ २११ यमन क २१७ यमपुर क ३१६ यमराज क ३१७ यमन ज ६२३ यमीं क १०१ यमुना क १६४, क ३०१, च २६२ यव छ २३६ यवन क ५०५, ग ३५६, घ २२८ यश च २६२, ज ३५१, ज ३५५ यश गाना ज ३५६ पशस्विनी घ २०५, च २६० यशस्वी ज ३५३ यशो ज ३५३ यशोदा क ४०६ यशोधरा क ४६४ यांष्ट म २०७, ङ ५५५ यहाँ ज ६८८ यहदी क ३ यात्रिक ख २८२ या ज १००३ याग क = १

याचक ग ४२६ याचना ज १६६ याचना करना ज १६६, भ ३४४ याचित म ३५६ याचक क ८६, क ८७ याजन क ११२ याज्ञवलक्य क प्रप्र याजिकर ⊏६, क ८७, घ ६६, घ ७२, घ = १, त्र ११६ यानना क ३२६ यातना मीगना क ३२५ यातुधान क ३४८ यातुधानी क ३४६ यात्रा अ ६६७, ज ६८७ यात्रा करना ज ६८८ यात्री ज ६६३ याद क रेंद्र, ज दरेश्व ज दरे याद करना क २६, ज ३६६, अ ६३७ झ ८३८ याददाशत न ८३६ याद जिलाना ज २०८ ज ८३-यादव क २६६, ग ३०५

याद दिलाना ज २०८ ज ८३याद दिलाना ज २०८ ज ८३यादन क २६६, ग ३०५
यान उ २७८, ज २८७
यान ज २८७, छ १, छ १२८, छ १४०
यानिनी छ १४३
यार ग २२७, ग २७८, ज ६५६
याराना ज २७५
यारी ज २७५
यारी ज २७५
युक्त ज ४२०
युक्त ज ४२०
युक्त ज ४२०

युग ख ४६१, छ १, छ १६

युग्म च ६१, ग ५८४ युद्ध भा २६२ युद्धकरना ज २८२ युद्धचेत्र च २२२ युद्धनाद भ २६५ युद्धस्थन च २२२ युधिष्टिंग क ४१३, क ४१४ युवक भा ३२ युवती घ ४१५, इ.६०, भ ४४ युवराज ख ३५४ युवा भ ३२ युवावस्था भ ३३ यूथ त्व ३५६, ज ६२४ यथप ख ३३⊏ यूनानो ए ४२६, ख ४३१ . यूनिवर्सियो स्व २७४ यं हो ज ४२१ ई यास क ६२, ऋ ६६, क १६३, क ५६२. क प्रम् स्व १८०, ख प्रम्, स १७८, स 夏ゆう योगदर्शन क ५६८ योगनाथ क १६५ योगनिद्रा क १६४ कामा । क १६४ योगशास्त्र क ५६८ योगसाधना क ६३ योगसूत्र क ५६८ यागाम्यास क ६२ योगाभ्यासी क ६४, क ११०

योगामन क ६२

यो।गराज क ११०

योगिनो क १६४, क २०२, ङ २०४

योगी क ६४, क ८४, क ११०

योग्य च १६४, च १६८, च ४२०
योग्यता च १६६, च ४००, क २५४
योदा च १६४
योनि ग ८०, च १८, च २६२
योनिकन्द च ५३१
योनिस्राव ख ५३१
योमिया छ १३६
योभिया छ ११८
योधेय क ४१६
योबन क १३

Į

रक ख ३६०, ख ४०५, ज ४४५ रकता ख ४०६ रग ख २०, ज ४५, ख ४५७ रगत्तेत्र च १८६, चा २२२ रंगगृह ख १६६, च १८६ रगजीवक ख १४, ख १४६ रगत ख २० रगदार ख २२ रॅंगना ख २३, ख२७, ज १२४, ज ६१६ र्ग बदलना स ६६ रंग-बिरंगा ख २२ रगभवन च १७८ रगभूमि ल १६६, च १८६, च २०२, च २१६, च २२२ रंगमच ख १६६ श्र रंगरेण ख २१, ग ३६० रॅगरैली ज ४५ रॅंगबाई ख २४, ख २५ रँगवाना ख २६

रंगशाला ख १२५, च १८६ रंगसाज ख २१ रंगस्थल ख १६६, च १८६ रॅगाई ख २४, ख २५ रँगाना ख २६, ख २७ रंगिगी ङ २० रंगी ग ३६०, ज ४८ रंगीन ख २२ रॅगीला खरर, गर६६, ज४८, ज ४६३ रंच ज ५०३, ज ६१० रचक ब ५०३, ब ६१० रज ज ४६, ख ५०, भ ३४= रजन खर्भ, ग १२४, घ १३२ रजना ख २७ रजनी ख ३०६. प १२४, च २०२. ङ ६० ूरंजित खा २२, जा ३६, जा १२२ रंजित करना ख २६ ख २७, ज ६१६ रजिनी घ ४२१ रंजिश ज२७६ रकीदा ज ४०, ज ५२, ज ५६ रंडा ख १२४, ग २७१, भ ४८ रँडापा का ४६ रंडो ख १२४ रॅड्बा ग २७४ रॅधना भ ६२ रॅघा क ६१ रॅभ्रक १५६ रध्र करना च ७३६ रंभा क २४८, घ ३४६, घ ४६२ रई ड ८०, ड ४७६ रईस ख ४०५ अ, ग ३७४ रउताई भ १४६ रक्रम ख ३८०

रकाबदार ग ४११ रकाबी ङ ४४२

रकीब ग २६६

रक्त ख ३४, ग ६४, ग ६५, घ ४२५, ध ४५०, ङ १०, ङ ३०६, ङ ३१०

रक्तकंठ ग ६१३, घ २७६

रक्तकंद घ ३१३, घ ३१७, घ ६०७

रक्तमीव क ३४८

रक्तचदन घ १३२ ङ १०

रक्तचूर्ण ङ ३०६ रकताख ३६

रक्तनाशक घ १६७

रक्तपुष्य व ३४४, घ ४११, घ ४२५, घ

35 ¥

रक्तपुष्पी च ४२२ रक्तप्रदर ख ५३४ रक्तप्रसव च ४३५ रक्तवर्षी ग ५४६

रक्तसार घ जर, घ १३५

रक्तहर घ २००

रक्ताग घ १६०, घ ६०२

रकागीःच २०२

रक्ता ध २०२, घ ४६७, घ ६०६

रकाच् ग ४८६ रकातिसार ख ५११ रकार्श ख ४७? रकाळु घ ३१७ रक्तिक घ २६४

रिक्तिका च २४३, घ ६०६

रक्ती घ ६०६

रकापल घ १२५, घ ३६५

रख क १०३, क ३४=, च ४६, म १६६

रचक ग ४२६, भ १६६

रच्चा भ १६८ रचगीय क १३७

रचा क १३६, भ १६८

रचा करना च ६२२, भ २००, भ २०४

रत्ताबन्धन छ २०७ रत्तियो ग १६ रत्त्य क १३७. भ्रु १

रक्त्य क १३७, फ १६६ रखना च ७७३, २०० रखनी ग २२८

रखवाला ख ३७२, भ १६६

रखवाली का १६८ रखवाली करना का २०५

रखाई भ १६८ रखाना भ २०५ रखिया भ १६६ रखेली ग २२८ रखेया भ १६६ रग ग १७ रगड भ २८७

रगड़ जाना ग ६३८ रगड़ना छ २६०, ज ५५२, ज ६३८,

भ २६७
रगम छ २००
रगना छ २६०
रगना छ २६०
रशुनाय क ३६६
रशुनाय क ३६६
रशुपति क ३६६
रशुराई क ३६६

रशुराय के ३६६ रधुरेया के ३६६ रधुवर के ३६६

रघ्वीरं क ३६६ रचक ज ८१६ रचना क १२६, ख २६४, भ ७६ रचना करना ख २६४ रचनाकार ख १२७ रचयिता ख १७१, ग४०५, ज ८१६ रचा जाना ज ६४७ रचाना ज ७६३, ज ६४४, भ ७७ रचित क १२७, ख १७० रच्छक ग ४२६ रच्छा भ १६८ रज ग ४२८, घ ३८५, घ ३६१, घ ४४६, ट १०, च ६७ रजक ग ३४५ रजको ग ३४६ रजत ख २८, ख ३४, ग ६४, घ ४४६, ङ ६, च २४२ रजताई ख २६ रजतद्यति क ३८० रजनि छ १४३ रजना ख ७७, छ १४३ रखनीकरक ३०७ रबनीगन्धा घ ४१६ रजनीचर क ३०७, क ३४८ रजनोपात क ३०७ रजनीमुख छ १३५, छ १४१ रजनीश के ३०७ उप्रथ व अध्रह रजस्वला भ प्र रन। छ १५५ रजाई ड २६० रज्ञामद व १८४

रज़ामंदी ज १६४

रजोग्रंथि ख ४७१ रजोमूर्ति क १२३ रजोवता भरप्रश रज्जाक क प्र२२ रज्जु इ प्रश् रट ज २३६, जप्रह रटना ज ६००, ज =३८, भा ७६ रट लेना ज दश्द रण भ २६२ रगाविय क १३४, ग ६२५ रणाजका ख ३६४ रखभूमि च २ रगरग च २१२, भ २६२ रणबॉक्तराख ३६४ रणस्थल च २२२ रणस्वामी क १६५, स ३५८ रसोरा क १६५ रत क र⊂७, ग ८१, ज १२२ रतज्वर ग ६५ ४ रतन घ ४८० रतन।कर च २६४ रतनार ख ३४ रतनारता ख ३६ रतनारा ख ३४ रतर्मुहा अ ४८२ रत होना ज १२४ रतालू घ ३०=, घ ३२१ रति क रूपा, क रूपा, क २०६, ख १८६, ख ३६, ग८०, छ १४३, उ. १४५, च 863 रति करना क २८६ रतिकुहर ग ८० रतिकांविदा ख १६१

रतिगृह दे॰ 'रतिमदिर' रतिदान क २८७ गीतनाथ क २७१ रातनायक क २७१ रानपति क २७१ रतिभवन ग ८०, च १७८ र्रातमदिर ग ८०, च १७८ रतिरमण क २७१, क २८७ रातेवत ज ४६३ रतिशास्त्र ख ६५० रतिसमर क २८७ रतिसमर करना क २८६ रतिसाधन ग ७६ रती क रूद्ध, क रूद्ध, ज ४६७ रतौंधी ख ४८० रतन ख ६१६, घ ४८०, च ४८४, घ ४८७ रत्नकीति क ४४७ रत्नकेत क ४४७ रत्नगर्भाच ६० रत्नधा ल ४०५ ग्र रतनियिक १३४, ग६६३, च ३६४ राजपारला ग ४०% रत्नविकेता ग उ०८ रानाकर च २६४ रथ ह ३८८, ट ३८६, ड ३६० रथवाह ग ४५२ रथ,ग ग ६२२ रथागपांश क १३४ रथाशीक कर १६५ गथारूढ ख ३६३ रमा ल ३६०, ल ३६३ रध्या च २४०, च २४१

रद ग २५

रदच्छद ग २४ रदत्तं ग २५ रटनन्द्रह ग २४ रद्दे। ज ४२१ इ, ज ४७६ रनघ ११, च ३१२, च ३१४, घ २६२ रिनवास च १७७ रपर ज ६६८ रपटन ज ६६८ रपटना ज ६९६ ग्पट्टा ज ६६८ रफ़ुचक्कर होना दे० भागना रप्रकृ करना ज दन्धर जबड़ी ह १५६ रबोघ २२७ रकत-ज़ब्त ज ⊏५१ रब्बी घ २२७ रभोड ज ४६३ रम क २७१ रभजान ग २४६ रमगु ज २२४, क २७१, क २८७, ज १५५ रमण करना क २८६ रत्नर्शां क ४४, क ५८ रम्मीय क रदम, ज ४६३ रमणोयता ज ४६७ रमदाना च २७२ रमन क २७१, क २८७ रमा क १६३ रमाकात के १३४ रमः निवास क १३४ रागयन क प्रवर रमारमस क १३४ रमेश्च क १३४ रमैया क ११र

रम्य ज ४६३ रम्या घ ४०६, छ १४३ ररना ग ६३७ रहई ग ६३६ रक्वा ग ६३६ रर्रा ख ४०५ रली ज ४५ रब क ११२, क २६७ रवना क ३६० रवा ज ८६५ रवाज ज ६५३ रविक २६७, च ४० रविकात घ ५६६ रविक्रल क ३६५ रवितनय क ३१७, क ३८५ रविदिन छ ११६ रविनंदन क ३१७. च २१ रविपृत क ३१७, क २८५ रविलोचन क १३४ रविवंश क ३६५ रावेवार छ ११५, छ ११६ रविविव घ ४८७ रविसुश्रन क ३१७. क ३८५ रविहय क ३०३ रश्क ज २६२ रश्मि ग ४५, च ६, छ २८७ रस ख ६००, ग ६५, घ ३६२, घ ४५६, घ ४७८, ङ १४६, ह ३१०, च २६२, ज४, ज ४५, ज १४५, भ १२४, भ १३४ रसगर ङ ५० रसज्ञा ग २३, ग २७ रसद ङ ३६, ङ ३७

रसदोष ख १६६

रतवात घ ४५६ रसना गर३, गर७, ङ ३५६, व ७१८, च ८११, भ ६५ रसनाथ घ ४५६ रसनायक क १६५ रसपति क ३०७ रमफल घ६० रसभव ग १४ रसभरी घ ३५१ रस में डूबना क ध्य रसयुक्त भ १२७ रसयुक्तता भ १२६ रसराज च ४५६ रसरी ङ ५२१ रसवत ग २६६ रसबत ङ १५ रससंभव ग ६४ रसहीन क १२८ रसहीनता भ १३० रसहीन होना भा १३२ रसा भ ३४३, च ६०, ४६६६ रसाई ज ७४२ रसाढ्य घ ४५ रसातल क ३१६, क ३३७ रसाना ज ७१६ रसायन घ २१५, च ४७८ रसायनी व १५०, भ १७८, भ १८३, भ २०३, घ २०४, घ ३५१ रसाल ग २७, घ ३५, इ २२८, ङ २४६ रसाला घ ३४३, क १२७. ङ १३६ रसास्वादन करना भ १२५ रसिक ग २६६, ग ६४०, ज ४८ रसिकविहारी क ३६६

रसिया ज ४८ रसी ज ४८ ग्मीला ड ६०, ब ४८, म. १२७ रसीलापन ङ ५१, भ १२६ रसूम ज ६५२, भ १७८ रसूल क ५२३, क ५२४ रसेन्द्र घ ४५६ रसंहि च १६८ रसोइयाँ च १६८ रमोइयाँदार ग ४०३, भ ८८ रसोइया ग ४०२, भ ⊏⊏ रसोई च १६८ रसोईघर च १६८ रसाई बनाना भ ८६ रसोत्तम घ २५७, घ ४५६ रसोद्भव ङ ३१० रसोद्धवा ३ १७१ रम्म ब ६५२ रस्सी इ ५२१ रहेटा ड ५६४ रहन-सहन ज २६४ रइना ज ६८६, भ २६१ रहब अ ६६० रहम ज १६ रहमत ज १६ रहमांदल ज २२ रहमान क ४२२ गहस क २३८, च २२७ बहसभा ज ४१ रहांस च २२७ रहस्य क ५.५८, सा ३८६ रहाइस ज ६६० रहाइस कराना ज ६६१

रहाना ज ६६१ रहाव ज ६६० रहित का २५८ रहिला घ २४५ रहीम क ११२, क ५२२, ज २२ ' रॉगा घ ४५७ रॉचना ख २७, ज ४१ रॉंड ख १२४, ग २७१, भ ४८ रॉधना क ६० रॉधा क ६१ राई व २६४, ड ८० राकस क ३४८ राका क २२३, छ ११०, छ १४४ गकाशशि च १५ राकेश क ३०७, च १५ राच्यस क ३४८, क ३४८, ग १५२, च ४६ राच्सर्गत क ३६० राज्ञसी क ३ ४६ राख इ ४२६ राखी छ ५०७, इ४२६ गग ख ८०, ख ६००, इ ३२४, ज १४५, ज २६२ राग काइन ग १२० रागवृंत क २५१ रागागे घ ४२१ रागपरुलव ध ६८ रागपुष्यो व ४५७, घ ४२२ गगलता क रूप्य, ग७६ रागिनी ख ८१ रागां ल ३४, ग २६६ राघव क ३६६ राचना च १६०, ज १२४ राच्छुसी वर ३४६

राख्य इ ४०१ राख्य क ३४८ राज ख ७, ख ३४८, भ १४८, भ ३८६ राजकंत्र्यर ख ३५४ राजकंवरि ख ३५५ राजकुमार ख ३५४ राजकुमारी ख ३५५ राजकुष्माड घ २७६ राजगीर ख ७ राजजबू घ ५६ राषतंत्र ख ३३२ राजदारी भ २६२ राजदूत ख ३७० राजद्रोही भ १७७ राजनियम भा १७८ राषनीति ख ३३७, ख ३३२ राजनोतिक ख ३३३ राजनीतिज्ञ ख ३३४ राजन्य ग २६२ राचपटोल घ २७५ राषपरनी ख ३५३, ग रद्भ, ग २६३ राजपथ च २४० राषपुत्र ख ३५४ राजाधिराच ख ३४६ राजपुत्री स ३५५, घ २६६, घ ४०१, ष ४०३ राषपुष्प घ १२२ रामप्रासाद च १७१ राम्नप्रिय घ २१३ राजभवन च १७१

राजभोग्य घ २२०

राजमदिर च १७१

राजमहल च १७१

राजमहिषी ख ३५३ राजमार्ग च २४० राजमाघ घ २६० राषमुकुट ड ३३७ राजमुग्द घ २३८ राजराज क २५५ राजराजेश्वर ख ३४६, ख ३५० राजरोग ख ४४६ राजर्षि क ३७६, क ४६६ राजविद्या ख ३३०, ख ३३२ राजवृत्त व १४८ राज्य ज ६३ रावसमा च १७४ राजसी ख ३५१ राजस्य यह क दा३ राजस्वामी क १३४ राजहंस ग ६०७ राजा ख ३४६, ग २६२ राजिका घ ५१, घ २६४, च १०२ राजी घ २६४, ज ३५, ज ५१, ज १८४ राज़ी करना ज ४३, भ २४८ राजांव घ ३८८ राज़ी होना ज १७= राजेद्र ख ३४६ राजेश्वर ख ३४६ राज्य ख ३४८, ख ४८०, च १०४, च १०७ भ १४८ राज्यरोग ख ५२० राज्यतंत्र ख ३४१ राज्ययद्मा ख ५२० राज्यशास्त्र ख ३३२ राज्ञी ख ३५३, घ २६४ राट ख ३४६, घ २१०

राद म २७४ राणा ख ३४६ रात छ १४३ रातड़ी छु १४३ रार्तादन ऋ १०, छ १४४ रातरानो घ ४१६ राता ख २२ रातिब ङ २१७ रातियाना च १३६ रात्रि छ १४३ रात्रिचर क ३४८ रात्रिचरा क ३४६ रात्रिचारों क ३४% रात्रिपुष्य घ ४०७ रात्रिमिख क ३०७ र रात्रिराग च २८४ राभा क १६६, क ४००, ख रे⊏०, च ४३,

剪 ¥₹

राधाकात क रेहह
राधारमण क रेहह
राधारमण क रेहह
राधात्मक क ४३८
राधात्मक क ४३८
राधिका क ४००
राधेय क ४३८
राना ख रे४६
रानी ख रे४६, ग २६३
रान इट १७०
रामही ड १५६
गम क ११२, क १५४, क २८६, क २३६,
क ४४०, क ४४४, ग ५०७, ग ६८,
रामणीता क ५८२

रामचद्र क ३६६ रामचरित क ५६१ रामचरित मानस क ५८३ रामबना ग २४६ रामजनी ग ३६७ रामनवाइन घ २३३ रामदाना घ २७२ रामदास क रे...० रामदूत क ३८० रामनामी ह ३३१, ३४६ रामित्रयां क ३६७ रामभक्त क ३८० रामभोग घ २३१ राधयुग अ २० रागरस इ २८ रामरहस्य क प्रयूध रामराम व १३६ रामराम करना ज १४६, च १६७ रामकोलास १३६ गममर व २०६ रामसेतु च १२० गमा क १६३, क ३६७, क ४००, च ६८, ध १८२, घ १८३, भ ४३ रामानुज क ३७० रामान्न घ २७२ रामायण क ५७६, क ५८३, क ५८४ रामेश्वरम् क ५६ राय ख ३४७, ज १६४, म १५५ रायक करना ब ध्रप्र रायता ङ १३५ राल घ ४७७ राव व ४८८

त्वस् क २५६, क २६०

रावणपुरी च १२६ रावत भ २७३ राशन ङ ३६ राशभ ग ४६७ राशि ख ६०६, च ५६ राशोश च ५७ राष्ट्र ख ३४८, ख ३७८, च १०४, च १०७ राष्ट्रचित्र ख ३१७ राष्ट्रीय ख ३५२ रास ख १३६, ग २५६, च २७० रासम ग ४६६, ग ४६७ रासलीला ख १३६ रास्त ज ५८, ज ४०५, ज ४२० रास्तगो च ४०६ रास्तगोई ज ४०७ रास्ता च २४१ रास्ता बन्द करना ज ७८८ रास्ता रोकना ज ७७४ रास्ते पर चलना क १५ राह ग ५८५, च २४१ राहन्त ग ४१८ राहत ज ७६४ राह ताकना ज ४ १ ३ राष्ट्र देखना ख ४५३ राइ भूलना च ६६५ राही अ ६६३ राह् ग ५८५, च ५, च २३ राहल क ४६५ रिश्राया ख ३७८ रिक्त ब ८०४ रिक्त करना ज ८०६ रिक हो जाना भ २१३ रिगना ज २४६

रिगाना च २६० रिभाना ज ४७२ रिष्ट्री घ ८५ रित् छ १, छ ६४ रिन ख ३६८ रिन पटाना ख. ४०१ रिनियाँ ल ३६६, ग ४२४ ग्पि ग २७६ रिपुता ज २७६ रिमिक्तम छ २३१ रिमिक्तिम करना छ २४६ रिमिक्सम होना छ २४६ रियासत ख ४०७ रिवाज ज हपूर रिश्ता भा ४०३ रिश्तेदारी भ ४०३ रिश्वत ख ४१६ रिश्वतखोर ख ४१७ रिस ज ६३ रिसहा ज ६४ रिसाना ज ४२, ज ४४, ज ६६ रिसि ज ६३ शिसयाना ज ६६ रिसाँडा ज ४० रिहा का २३२ रिहार्ड का २३० रीधना ऋ६० रीख ग ५०० रीभना क २७४ रीठा घ ८५ रोडर ख २४१ रोढ़ ग १०५ रीता च ८०४

रांति ख १७७, ख २०५, घ ४५४, ज ६५३,

ज ६५३, म ३७०

रीन्हना सह०

रोल ज ६३१

रीस ज २६%, ज २६२

रीसना ज ४२, ज ६६

कन्ड ग ४८

दकता ज २३२, ज ६८६, च ७८१

रकाव ज ७८६

হাৰাৰত জা ৩৩=, জা ৩=६

रकावट डालना ज ७८२, ज ७८८

द्वम घ १२२, घ ४४८, घ ४४६

र्शनमणी क ४०१

रत्न ज ५७४, म १२८

बचता भा १२०

ब्लाध २

च्ख्रसत छ १५५

बलाई मा (२०

क्लमार गर्द

बख्सती ज ६२७

कारण ख ५४६

रुचना ज ४६६

रुचिक २६६, च १० ज १२३ ८, ज

१३८, ज १४५, भ ११३

क्चिर घ २०४, इ ४४, इ दर, ज ४६३.

ज ४७१

इनिरता इ ४५, ज ४६७

बच्य घ २३०, ड ३३,

ज ४७१

स्डा ल ४३५

इतवा सः १७३

सदन दे. 'पारशिष्ट क'

इदन करना ग १२०

रुद्र क १६५, क २०४, क २१५, खं ६१५,

च ३३, ज २४३

रुद्राच क ४०, क ४१, क ५५८

रुधिर ग १४, ङ १०

रद्ध ज ७७७

रुद्ध करना ज ७७४

रुपयांख ३८०, ख ४२३

रुपहला ख ५५

रुपय्या ख ४२३

रमाल इ २५५

रमाली ड २५८

क्क गप्रे

करुत्रा ग ६३६

हत्य अ ६५

कच्ट हाना ज ६६

रूधना च ७०३, ज ७८८, भ ६३

क्र ग १३, ग २३

रूई ड २२२

रूल ग ६३

रखा भार रह

रूठना ज ६६

स्टु ज रद्दे

स्वसंदर्भ, ग १५, ज ६२, अ४२२,

जी ४६ ५

स्पंक ख १३३, ख १३६, म ४४६

रूवगांवता ख १५६

रुपघनाचरी ख २०३

रूप धारमा करन' ए १४८

रूपमंजरी ६ २३१, घ ४३३

रूपया ख ३८०

रूपगौनना ख १६१

रूपवन्त ज ४६३

रूपवान ज ४६३

रूपांस भा प्रद स्यो च ४३३. ज ४२२ रूमाल इ २५५ हर ज ४६६ रूल ख ३१२ रूसना ज १६ रूह्रगप्, ग६ रेंकना ग ४६८, ज ५६६ रेगना ग ५३७. ज ६७६ रंगाना च ७१७ रंट ख ४१४ रेडी घ २६७ रेखता ख २०३ रेखा ख ५६८ रेखागशित ख ५५५ रेगिस्तान च ६६ रेचक घ २१६ रेजर ङ १ रेट ग १७ रेता घ श्रद, घ ३६१, घ ३८५, च ६७, च ६८

रेणुका क ४४५, च ६० रेत ग १२६, च ६८, च २६२ रेता च ६२, च ६६ रेतो ङ ५१४, च ६८ रेलगाड़ी छ ३८३ रेवती च २७ रेवतोरमण क ४८० रेशम ङ २३२ रेशमो कपड़ा रू २३३ रेस ब ६७३

रेसाला ख २६०

रेस्टॉच १६८

रेड ख ३८६ रेहन इ ७१ रैन छ १४३ रैपर ङ २६३ रैयत ख ३७८ रोद्धाँ स ४० रोक ज ७७८, ७८६ रोक-थाम ज ७ ७८ राहना ज ७७४, ज ७७५, ज ७७६, ज ७८२, ज ७८८ रोकनेवाला ज ७५६ रांका ज ७७७ रोका हम्राज ७७७ रोग ख ४३५ रोगग्रस्त स ५४६ रोगनिर्शय ख४३६ रोगरहित खप्र४७ रांगराज ख ४२० रोगार्त ख ५४६ रोगइंग्रो ख ५३८ रोगहीन ख ५४७ रोगातूर ख ५४६ रोगिया ख ५४६ रोगी ख ५४६ रोचक क २०५, च ३१३, च ३६६ रोचन घ १४८, घं ३५२ राचना ध २१८ रोज छ १२६, छ १२८, ज १००६ रोन का छ १३७ रोज़गार ज ६५२, भ २८५ रोजगारी भ रद६ रोज़मर्राख २३३, छ १३८ रोज़-रोज छ १३८

रोजा क ५०७, क ५१५ रोज़ाना छ १३८ रोना ख ३६४, ज ६५२ रोजीना छ १३८ रोट ख ३४६, ड १०० रोटा ह १००, ह १०६ राटा खाना भ ११७ रोड च २४० राधक ज ७७६ रोधन ज ७८६ रोधना ज ७७४ रोना ग १२०. ज ५६० राय्या घ ४५६ रोपना ज ८१४, क ३१७ रापनी करना भ ३१७ राज ज २४६, भ १७३ रांबइल ज २५२, भ १७४ रोब गाँउना ज २५१ नोब गालिब करना च २५१ रोब गालिब होना ज २५० रोब ज्ञाना अ २५० रोब अमाना ज २५१ रोबदार क १७४ रोब होना ज २५० रोबेस का १७४ रोमध करना भ १५६ रोम क ५०४, ग ३७, ग ४० रामनकैथो।लब्ब क ५०१ रोमराजा ग ५३ रोमश ग ४६'०, ड दर रामहर्पण ज २४३ रोमाच ग ४१, ३६६ अ, रोमाचित होना क ३६६

रोमेश ग ५२३ रोर ज ५८६ गोरी ड ३२१ रोल ख २०३ रोलर ख ३१२ रोला ज ५⊏६. भ २६२ रोली इ ३२१ रोवॉग ३७ रोशन करना भ ११० रोशनचौकी ख १११ रोशनदान ङ ५३६ रोशनाई ख ३०६ रोष ज ६३. ज २५८ रीप करना ज ६६ रोषो ज ६४ रोमना ज ६६ रेष्ट्र स् ५०४ गेंदक ज ७११ रोडण च ७०६ राहना ज ७०६ रोहियां क १६४, क १६८, क २०७ श्र, ग ४६६ घ ६५ घ १६४, घ २०२, घ २०४. इ. २६. च २७, च ३१ रे.हिस्होश क ३०७ रोहित क २६७, ग ६४, ग ५१०, ङ ३२१ रोहिनाश्व क ३११ रोहिनी न ३१ रोडी ज ७११ रोह ग ५८५ रौंदना ज ८२०, म ६३ रौजा च २२६ रौद्र ख १७६ रौनक छ र⊏७, ज ४६२, ज ४६७

रौप्य घ ४४६ रौब भा १७३ रौब जमना ज २५० रौरव क ३१६, क ३२२, क ३२३ रौरव भोगना क ३२५ रौशन ख १११

ल

लकग ७८, च १२६ लकनाथ क रेप्द, क रेहर लका च १२६ लग ज ५३३ लंगड देना ज ८८१ लगड़ा ज ५३२ लगहापन ज ५३३ लगरलाना च २०४ लगी लगाना ज ७८८ लंगूर ग ४३४, ग ४२४ लगाट क १०४, ड २८१ लंगोटा ङ २५८ लगोटो क १०४, ड २५८ लवन करना ज ६८६ लॅघाना ज ६८२ लठ ज ३६४ लठता ज ३६६ लठताई ज ३५६ लब ग २२४, ग ६७७, ज ४३१, लबा खा ४१६, ज ४३८ लबाई ज ४३३ लुबा-चौड़ा ज ५७३ लवान ज ४३३, ज ५७४ लंबापन च ४३३ लबोतगा ज ४३२

ल बोदर क १६२ लॅहगा ङ २७५, ड २७६ लंडर इ ४१७ लकड्बग्धा ग ५१४ लकड़ा ङ ४१७ लकड़ी घ १८, इ ४२३ लकवा ख ५१८, ख ५२३ लक्टो ङ ५५५ नक्ली ग्न ३४ लच ए ६३२, घ ४८३ लक्षण क ३१०, ख १६५, ख ४४०, ज ११४ लक्षण जानमा क ११० लच्चपति ख ४०५ अ लच्मी क १४६, क '६३, क १६४, क ४६६ क २०२. क २६५. क ३६७, त्व ३००, घडद, घ १११, घ ४०२, प ४८२, म ४८३, ह ०० लच्मीपति क १३४, क ३६६, ख ४.५ म्र लदमीवान ख ४ ५ श्र लदम्या क ३७०, न ६४०. ग ६४२ लखना ज ७२३ लखाना ज ७२५ लखेदना ज ६७४ लगन च ५६, ज १२७, ज ३३६ लगना ज १२४, ज ७५०. भ ३२४, भ ४१२ लगभग ज ६६५ लगवना इ ४२३ लगा ज १२२, ज ४०६ लगातार छ १६७, छ १६७

लगान ख ४११

लगाना च १६५, च७७६, च ८६४, च ६०२, च ६६४, भ ११०, म ३१७

लगाम ह ३६४ लगा रहना ज ७८१

लगाव ज १४४, भ ४११

लगूल ग ४३४ लगौना इ ४२३

लग्न ग ३५३, च ५६, ज १२२, ज ३२७

लिघिमा क २६४

लाबु ज ४२६, जा ४४२ ज ४६३

लघुता ज ४२८, ज ५१३, ज ६१२

लाषुत्र व ६१२ लाष्याका ग ११७

लघशका करना ग ११८

लचकना ज ८२ लचकाना ज ८३

लचना ज ८२

लचाना क नर

लच्छ्रन ख ४४०, व ११४

लच्छा ड १३४, ह ३५२, ज ६३१

मान्छिक १६३

लल्लुमन क ३७०, ग ६४२

लजधाना ज ३२६ लजाधुर च ३२२

लनाना ज ३२८, अ ३२६

नाजालु ज ३२२ लाजाला ज ३२२ नाजीली ज ३२३

लज्जा क २०२, जा ३२१

लज्जावती त ३२३ लज्जावान ज ३२२ लज्जित ज ३२७

लिंजन करना ज ३२६

लिंडिजत होना ज ३२८ लटक ज ५३७

लटकन घ ४३८, इ ३२६

लटकनाज ७५५ लटजानाज ५०२

लटना ज १३०, ज ५०२

लटपराना क २३५, ज ७ ७

लर्ह क २७८, ज १२२ लर्द्ध करना ज ४७२

लट्दू होना क २७५

लंडका गर४७, ग४५२

लडका-बाला स २४६ लडकी स २४८ स २६०

लङ्खदाना ज १७, ज ७०७

लडाई ज २३६, भा १७१, भा २६२. भा

358

लाइना ज २८०, ज २५२ लागाचा घा ३६४, ल २५१ लाइना चा ३६४, ज १५५

लंड्ड च १,६, इ १७७

लाइमहः ह

दात ब ४

लतमदेन जगना ग १५६

लगर म उ

लवरा घ (५२

लात्रो घ -५६, व २६२ लाता घ^६, व ७**, घ ६२**

लताबौर भ ६ लातका भ ६. घ ७

लातयाना ग १५६ भ ३२१

लत्ता ड २१८, ङ २२१, ड २३६

लयाङ ज ३५६ कट्ट ज ४४५ लपर छ २८० लपटना च १५२ लपसी ड १२२ लपेट च ६६, भ ३८८

लफ़्त ख २३१

लब ग २४

लचादा इ २५२

लिधि ख ५६७

लब्धुक ग ३४=

लभना भ ३४०

लमधिन म २००

लमधा ग १६६

लर इ ३४६, १ ३४६

लरतराना ज ७०७

लराई भ २६२

लझीं ज ६३१

लालक ज १३८

ललकना ज १३०

ललकार ज ५६३, भ २६५

ललकारना ज ५०६

ललचना ज १३०

ललचहा ज १३२

ललचानः ज ४७२

ललन ग २२४, घ ७५, घ ३६६

ललनाग४, ग२७

लला ग २२४

ललमुह्यं च ४८२

ललाइन ग ३०४

ललाई ख ३६

लनाट ग १६

सलामग४५२, घ ४८, इ ३२७. ज

840

ललामता ज ४६७

ललामी ख २६, ङ २२०, ज ४६० लालत ख १६४, ख २०२, ज ४६२

ललित कलाख १

लालिता छ, २४३, ज ४६७

ललौहाँ भ ३३०

लवग ङ ८८

लवड ⊏२, ज ६१०

लवण क ३४६, घ २०५, हर २००, इ ३४.

इ ४३

लब्याता इ ५३

लवनी इ १५८

लवलीन ज १२२

लवलीनता च १२७

लवलीन होना च १२४

लवलेश ज ५०३

ला ग६२७, गः६७, ह १४८

लश्कर ख ३५६. च १३२

लरतपस्त ज ७५३

लस्ती इ ५२१

लहॅदा ल २२१

लहजा छ १२४

लहना ल ३६८, भ ३०४, भ ३५०

लहनेदार ग ४२५

लहर ग ४७६, च २७=

लहरा च २७४, ज ४५

लहराना ज ३३३, ज ५४६, ज ७१६, क

३१६

लहरां ख २६६, च २७८, ज ३३१

लहलहा ज ३६, ज ४६८

लइलहाता ज ५६६

लहलहाना भ ३१६

लहसुन व ३१४

लइसुनियाँ घ ४६८

लहालह ज ४६८ लहालोट ज १२२ लहर ज ४३८ सह ग ६४ लांघना ज ६८३, ज ६८६ लाइन ज ३१४, भ ३७४ लाछित ज ३१५ साबा ज ४३१ लाइनिंग ङ २३७ लाइब्रेरी च २११ लाई घ २६४, ड १४६, ङ १४८ लाकेट इ ३४६, इ ३४६ लाचा इ ३२४ लाचागृह च १४३ लाल ख ६३२, घ ४६७ लाखी ख ३४, म ३३६ लाग ज २७६, ज ३३६ लागडाँट ज २७६ लागत ख ४०८ मागिर होना च ५०२ लाया ज ४२= लाचार ज १३६ साचारों ज ६३७ लाज ज ३२१ लाज करना ज ३२८ लाजवाब ज ४१८, ज ४२३ लाजिक ख ३२८ लाजिमी ज ४२१ ऋ। लाठो हा ४१७, इ ५५५ भाद अ **१**८त लाइप्यार ज १४५ लाइप्यार करना अ १५१ साङ्ग ए १७५

लादग ६८ लादना ज ७२० लानत ज ३५६ लाननमला मत ज ३५६ लापरवाह ज २२७ लापरवाही भ ३३, ज २०५, ज २२= लापरवाह होना ज २०७ ल'म भा ३०२ लाम ख ३५६, म ३०२ लामा ज ४३१ लामिसाल ज ४१८ लायक ज ३६३, ज ३६४, ज ३६⊏ लायिकयत च ३६५, ज ४०० लार ग १२२ लार्डक ११२ लाल ख ३४, ख ३५, ग २४७, ग २५०, ग ६६७, घ ४७२, घ ४८४, घ ४८७, ज हम्, ज १४१, ज ४६८ लालकद ध २१७ लालकमल घ ३६४ लालचंदन घ १३६ सालच ज १३%, ज १३८ लालच करना ज १३० लालचो ज १३२, ज १४० लालदेन इ४६२ लालन ग २५३ लाल । धर्च इ ८५ लालसा ज १३८, भ ११३ लाल होना ज ६६ लाला ग १२२, ग ३०३, ग ४०४ लालाया होना ज १३० लालित्य ज ४६७ लालिमा ख ३६

लाली ख ३६ लाव क ३११, ग ६२७ लावएय ज ४६७ लावनता ज ४६७ लावनी ख २०३ लावल्द भ २० लावा ड १४७ लावारिस भ १४ लाश ग १५६, घ ३३, क २१६ लासाघ ३३ लामानी ज ४२३ लास्य क १८७, ख ११७, ख ११६ लाह ग ४.७ लाहा घ ४६७ लिंग क ५७४, क ५७६, ग ७६ लिंग्बिस्ट ख २१५ लिकोरिया ख ५३३ लिखना ख २८८, ख २६४ लिखाना-पहाना ख २४७ लिखित ख १७० लिटरेचर ख १२६ लिटानाःज ८३ लिही हर्यक, हा १०१, हा १०२, हा १०३ लियाह ज ३५६ ालपटाना ज १५२ लिपि ख २२५ लिपिक ग ४०५ लिपिबद्ध करना ख २६४ लिप्त ज १२२ लिप्तता ज १२७

लिप्त होना ज १२४ लिप्सा ज १३१, ज १३८

लिफाफा ख ३१५ लिवास भ ७६ लियाकत ज ८७, ज ३६६ लिलाट ग १६ लिमानयात ख २१४ लिसोड़ा घ ५५. घ ५६ लिहान ज १७७, ज ३२१ लिहाफ ङ २६० लीक ग ५५४ लाख ग ५५४ लोग म्व ३३६ लाचड ज ४४५ लीचा घ ६१ लीडर ख ३३५ लोथो करना ख रदद लीन ज १२२, मा ६६ लीनना ज १२७ लीन इना ज १२४, का ६५ लीप देना ज ६४३ र्लाचगाय ग ५०४ लीलना भ ११८ लाला ख ४५, ख १६४, ग ४६३ लगांड २६० लुंज ज ५२८, ज ५३२, ज ५३८ लुड ग ४८ ल्बिनी बाग क ४६७ लुआठ इ ४२२ लकवाना ज ७६२ लकाठ इ ४२२ लुकना ज ७६१ लुकाना ज ७६२ नुकारी ख २८० लुक्क इ ४६३

लुगाई ग४, ग २२५ लुचुई ह १०० लुस्चई अ २७२ लुस्या च २७१, ज २६८, ज २०२ ल् जाना भ २१३ ल्टाना ख ३८५, ज ८६७ लुटिया ३ ४४६ ज्ञदेरपन भ २०६ लुटरा ग ४१८ ल्रहोरन ग ४१७ लुद्दकना ज ७०१, ज ७०२ लुदकाना ज ७०२ लुतकारो छ २८१ स्त्रत्या ज १७३ खुतराई ज १६४ लुत्ती खुर⊏ः, भा ०६ क्रनाई ज ४६७ तुष्त ज ७३०, ज ८०० लुबुधना ग ३४८ लुब्ध क २७६५, ज १३२ लुब्धक ग ३४८ लुमाना ज १३०, ज ५७२ ला छ २७१ लुक छ २८० लुका इ ४६३ लूटना ख ३८४, भ २०८. भ २११ सूट लेना दे० 'ऊपर' स्ता ग ५३६ लुला ज ५२८, ज ५३२ ल्लालंगड़ा ज ५३= ल्इ छ २७१, अ ५२८ लेहड ज ६२४, च ६२८

लेंडबा ज ६२४, ज ६२८

लेकिन ज १०१२ लालची ज १४० लेक्चरर ख २४१ लेख क २०७, ख १६०, ख २०७ लेखक ख १२७, ग ४०५, इ ३६५ लेखनी ख ३०७ लेखापाल ख ६४१ लेखिका ख १२८. ख १७२ लेख्य घ ४५८ लेनिम ह ३७७, ह ४०६ लेटना ज ८२, ज ७६५ लेटाना ज ८३ लेडवा ड १७५ लेवड़ा गरू लेन भा ३०४ लेन-देन भा ३०० लना ज १८६, ज १६८, ज ६०६, के २१०, म २०४, भ ४०६ लेप म्ब ५४१ लेपन ख ५४१ ले लेना करा न, म १११, म ४१२ लेश ज ६१० लेहन क १३६, ड २०८, भ ३०४ लेहनाड २०८ लेहान ब १७७ लेहापा इ १६० लेह्य इ ४२, इ १३६ लैनू इ १५८, इ १६३ लोक ख ६०३, च १, च १०३, ज ६२४ लाक्जिन क ४४७ लोकतत्र ख ३४० लोकाचार ख ३३१ लोकोक्तिख २३४

लोखरी ग प्रश्प लोग ज ६२४ लोगाई म २२५ लोच ग ११६ लोचन ज १६ लोटना ज ७६५ लोटा ङ ४४५ लोटाना ज द३ लोदना ज ८६४ लोढा इ ४७४. व ८६५ स्रोदिया ड ४७४ लोध ग १५६, भ २१६ लोध व १०४, ह १७ लोन ङ २८ लोनाई ज ४६७ लोनं। घ ३३७, घ ४७० लोप च ८०१. च ८२३ लोपना क १७१ लोपामद्रा क ४६% लोफर व २७१ लोफरी ज २७२ लोबिया च र६०, घ र६२ लोभ ग ३७, च १३१ लोभ करना ज १३० लोमना च १३० लोभपना ज १३१ लोभी ब १३२ लोम ग४० लोमडी ग ५१५ लोमश ग ४६०, ग ५१५ लांमहर्षण ज ५४३ लारकी इ ३३० लोल खद३२

लोला क १६३ लोलप व १३२ लोळपता ज १३१ लोह ग २७, घ १४०, घ ४४८, घ ४५१. म ४५४ लोडा घ ४५१ लोहाइन ग ३३० लोहार ग ३२६ लोहारिन ग ३३० लोहित ख ३४, घ ४८४, इ १० लोहिताश्व क ३११ लोहू ग ६४ ली छ १६६ लौंग रू ८८, ङ ३२६, ङ ३४३ लौंड़ा ग ७६, ग २४७ लौंडो ग ३८४ सी ख २८०, ज १४१, ज ३२६ लौकना च ७२४ लौकिक संस्कृत ख २१६ लौटना ज ६७४ लौटाना च ८६६, भ ३०८ लौह घ ४५१

व

विकास अ६० वर्ग व ४५७ वर्चक ग ४१६, ग ४१८, ग ५१३ वर्चकता ज २३६ वंचित ज ८५५ वदन क ७३ वदनीय दे. 'परिशिष्ट क' वदनोया घ १८२ वदी ग ३७२

वदाध १८२ वध् ग ४२५ वश क १३४, म ३००, घ ७५, घ ८०, घ ₹४६, ३ १ वशलाचन म २८८ वंशी ख ११२ बशाधर % ३६६ नक क २५५ वकाल भा १७६ वन्न ग ४६ वत्तास्थल ग ४६ वक्तं छ १, छ १५५ वक्तध्य ख २७७ वक्ता क ७८, ख २७६, ज ६३५, ज ६१० बस्तुता ख २७२. ख २७७ विकास ११०, च १७, ज ६४ वकता च ६२ बकोक्ति ख २७१ वर्ध्तर इ ४०८ वहान क ७२० श्र. ज ६५८, ज ६५६ वज्ञन करना ज ६५६ वजनदार म ५१५ यनन लेना ज ६५६ वजनों ज ५१२ बजह ज ६५३, भ ३७१ बज़ारत का १५४

वज्र क २२६, क ४०५, घ ४६१, घ ४८५,

बब्राफ़ा ख र४४

व्यार (व ३५७

बनीरा भ १५४

बट म ६५

इर३, च ३०८

वडू स २४७, इ २५

विशाक ग २६४ वत्स ग ४६ ग ४८०, भ ३० वत्सनाम क १८४ वरसर छ २७ वदन ग २३ वदान्य ज २०१ वद्धकोष्ट ख ४६८ वध घ ४५८ वधशाला च २२५ वधू ग २२५, ग २३३ वध्य भ २२-वन घ ११, च २६२ वनचर च ५५७ वनचारो ज ५५७ वनभूमि घ १० वनमालां क १३४ वनवासी घ ३०३, घ ४३७ वनस्थली च १० वनभ्याते ध ६५ वन्य ६ ८०, छ १२१, ज ५५६ वपन ग १८६ वपन करना मा ३१४ वप्रग १२ वगन ख ४६६ बमन भरना ख ५००, ज ८६६ वय इत्र १, भत्र २६ वयस्का ग २७७ वयस्य ध ख १६१ वयोनुद्ध भ ३४ वर ग २६४, घ ४७१, घ ३१६, ७ १०, हन्दर, ज ३५४, ज ४२५, ज ४४० च १००३. उर्क ल ३०४, घ २६८

वरण ग ४५० वरम ख ५२४, इ ४०८ वरपात्रा भ २= वराग क १३४, ग ८०, इ८२, इ ८३ बरागो ड ६० वगटिका घ ४६५, घ ६०५ वरासत स ६ वराह क १३४, क ५५८, क ५७४, ग५२३ वर्ण क २८६. क २६७, क २६८, क ५७६, च ५२ वरुणालय च २६४ बरेखय क १६५ वर्कख ३०४ वर्ग ख २६६, ग ३०० वर्गाञ्चत ज ८८८ वर्जन ज १८० वर्जिन ज ७७७ वर्ष्य घ६०५, ज १६१, ज ७७७ वर्णा ख़ २०, ख २२५, ख ५६१, ग २८१, ज ४६२ वर्णन करना ज ६१६ वर्शनात्मक शैली ख २०६ वर्णनीय ज ३५८, ज ६१७ वर्णसंकर ग २४६ विधिक ख २०१ विश्वित क ४५, ज ६१५ बर्ग्य अ ६१७ वर्तमान छ १६६, छ १७३ वर्तमान काल छ १७३ वर्तमान चौबोमी क ४८१ बर्तमान रहना भ २६१ वर्तिका ग६३० वर्तल घ ३०७, घ ४०१, ज ५५४

वतंलाकार व प्रदर वर्म च २४१ वर्द्धमान क ४८४, घ २६७ वर्म ङ ४०८. च १४० वर्मा ग २६२ वर्य क २७१, ग २१८, ज ४२५, ज ४४० वर्यता ज ४२७ वर्ष छ २७, छ ३१, छ २३६, छ २४५ वर्पगाँठ छ १४७. भ २३ वर्षा छ ६८, छ ७२, छ २४४, छ २५१ वर्षाऋतु छ ७१ वर्षा होना छ २४६ वहीं ग६०६ वलय ह ३५३ वल्कल घ २० वल्दं ग २५० वल्लम ब १४५ वल्लभाग २२५, व १५६ वल्लरी इ ८७ वश घ ४८, भ १४६ वशता भ २३६ बशवती भर २३५ वशिस्त्र क २६४ विशिष्ठ क ४३७ ज ७३ वशीभूत भा २३५ वश्यता भ २३६ वसन ऋ ६८, छ ८४ वसनरोगः ख ५१० वसतितिलका ख २०३ वसन ङ २१८ वसा ग ६३, घ १०६, घ २०४ वसिष्ठ च ७४ वसीला भा ३७२

वसंघरा ग ३६७, च ६० वसुक १३४, क १६५, क २०५, क २१५, क २६७, ख ६०६, च ५१ बसुदेव क ४०६ वसुधा च १० वसुमती च ६० वस्येण क ४३८ वस्ल करना ज ६०६ वसूली करना ज ६ • ६ बस्तु ख १३६, ङ ३७, ङ ४१८ बहत्र ङ २१८, इ २१६, इ २२०, भ ७६ वस्त्रमोचन करना ब ७६६ बह्न ङ ३८१ वहम ज २३१ वहशत ज १५, च २०१ बहाँ ज ६ ⊏६ बहिष्कार च १८० बहिक्कार करना ब ८५३ बहिन्कारी व रद्धर बहिन्द्रत स १६३, व ७४८ वश्कित होना व ७४६ बह्निक ३११, ग ४५२ वाँ च ६८६ बाह्यतीय व १४४ बांछित व १४२ बाइसचासलर ल २७६ बाबचतुर ब ६१० बाइपति च १६ बार्काफ़ायत च १०३, च ११७, च ३८३ बाकिफ ब १११, ब ३५२ वाकिफ़ होना च ११० वाक्य सा २३२, वा १४०, वा भ्रद्भद बागीश के १२३, क १३०, च रह, च ६१० वागेश्वरी क १३० वाग्देवी क १३० वागपद्र च ६१० वाग्मी ज ६१०, च ६३५ वाङ्मय ख १२६ वाचनालय च २११ वाचस्पति च १६ वाचा क १३०, ग २३, ग २७, ज ६२१ वाचाल ब ६१२ वाजिब ज ४२० वाजिबी स ४२० वाजी ग ४५२, घ १४६, घ ४६६ वाटिका घ ६, घ १६६ बार्ण क २३=, ख ५६६, घ ४१३ बायाी क १३०, क १६६, ग २३, ग २७, ब प्रद्र व ६२१ बात क ३१३, क ३१६, ख ४४५ बातायन ग ४५२ वात्त्रहरूय ग १८४, च १४५, च १४६ बाद ख ३२६ बादक ग ३८६ बादरायगासूत्र क ५६३ वाद विवाद स २६६, स २७२, ग ३२६ बाद विवाद करना च २८० बादा भ ४२७ बादित्र म्ब ६१ वादी ख ६६, म ३६८ वादा स ५, स ६१ बानप्रस्य च ४३ बानर ग ५२४ वापसन्नाना व ६७५ वापसी व ३५१ वाविका च ३०८, च ३१२

वापिस करना भ ३०८ वापी च ३०८, च ३१२ वाम क २७१, ज ६७६ वामदेव क १६५ वामन क २३४, क १५४, क १५५, क १६५. क ५७४. क ५७५. ग रूटर, च ८८, ज ४३६, ज ४३७ वामाधिषातन घ ६८ वामा क १६४, ग २२५ वायलिन ख १०६ वायविद्यंग घ १२५ वायस ग ६५४ वायु क ३१३, क ३१६, क २१५, च ४२ वायुकोग्राच ७६, च ८४ वायगोला ख ४७१ वायुमंडल च ३ बायवेग छ २६५ वार क १६५, ख ६०३, क २८० वारण ग ४३५ वारना ज ७७५, म ४३० वारवनिता ग ३६७ वाराह क १५४, क १५५ बारिक १३०, इस् २३, च २६२ वारिज व ४४८, घ ४६४, घ ६०५, ङ दद वारिद घ १२३, छ २३, छ २३६ वारिध च २६४ वाध्यां क २६६, घ ४८२, रू २०५ वार्ता क १६४, ज ६२१, भ ३८५ वार्तालाप दे॰ 'बात', 'बातचीत' वार्तालाप करना ज ६२३ वार्तिक ग २६४ वापिक घ ४०३, छ २८ बार्षिकी घ ४०१

वालिट ग १७४ वालिदा ग १७७ वालिमीकि क ४६० वाष्प ग ११६, छ २६२ वासती घ ४०३, घ ४०४, घ ४१५. घ ४३१, घ ४४१, छ २२२ वास क ३१३, क ३१६, ङ ८२, ङ २१८, च १२६, च १४०, च २२३ वासकमञ्जा ख १५८ वासर ड ३२ वासी ज प्रप्रप वास्किक ३२८, क ३२६ वासुको क ३३०, ग५५६ वासुदेव क १३४, क ३६६, क ५५६, घ ६६ वास्कट ङ २४७ वास्तविक ज ४०५ वास्तविकता ज ४०५ बास्तु घ ३३०, च १४० वास्तुकला ख ६ वाहन क ३११, इन्ड ५५ वाहिनी ख ३५६ विदु ख १४३, स ५७३, स १४ विध्याचल क ५८, च २५७ विकिपित होना व १७, व २४५ विक्व ड ३८२ विकट क १६२, च २४३, घ ३७८, च ४२५, च ६५८ विकटता ज ४२७ विकटमार्ग च २४३ विकराल च २४३, च ६५८ विकर्षण क २८१ विकल ग २७४, ज २२६

विकलता दे० 'परिशिष्ट क' विकलाना च १८ विकसना ज ४१, भ ३१६ विकार ख ४३५, ख ४४१, ज ३६७ विकृत ख ५४५, ज १५४ विकास करना न ६४३ विकात ख ४३५. स ४४१ विक्रम क १३४. क २८० विकय भ २६२ विकात भा २७३ विज्ञित ज २२६, ज ३३५, ज ३४० विद्येप ख १६४ विख्यात ज ३४६ विगत ज = २७. ज ६७७ विगतवर्ध छ ३२ विमहक २२, ग १२, भ २६२ विग्रह करना ज ८५३ विध्न ज ७८६ विष्नकर्ता ज ७७५ विध्न डालना ज ७८८ विध्ननाशक क १६२ विचन्नग्राक १७ विचल ज १३ विचलन म १७५ विचलना ज ७०७ बिचांलत ज ६२, ज १३ विचलित करना च १२६ अ विचलित होना क २८०, ज १७, ज ६६५. ज ७०७ बिनार ल २४८, ज २, ज २६४, भ ४२७ बिचारना ज ३६६ त्रिचित्र घ ६८, ज ४१८ विस्तिक्त छ १६६

विच्छेद ज ८५६ विञ्व'ह ज ८५६ विजन इ ५७३, च २२७ विजन हुलाना का २८० विजय क १४५, क ३३८, क ४१७, ज २८८ विजय करना भ ११७ ।वजपा क १६४, क ४३१, घ १२४, घररण्ध २०२, इ. २६. ड. २०४, ह्य २०६ विजयादशमा छ २०६ विजयी ज २६० विजयो होना ज २६३ निजित करना ज २६१, ज २६३ विजित होना ज २६२ विजेता ज २६० विज क १७, ख ६५०, ज १११ विज्ञप्त ज १२१ विज्ञानि अ १२२ निशन क ५३४. ख २८१, **ज १०३** विज्ञापन ज १२२ दिशाधित ज र२६ विशापा ज १५० विट ग २६%, इ ३० निटप घ २ विद्वल के १३४ विडाल 👪 ५२१ विडालाच् घ ४६८ विडीजा क २२५ वितल क ३३६, क ३२७, क ३२८ वितान क दर, इ २६५ वित्ड ग ४३५ वित्त ख ३८०. ख ३८१, भ १८७ विदारमा भ २६२

विदारित करना ज ६३४, ज ६३६ विदारीकंद घ १६४ विदीर्गा होना च ६३७ विदेश च १०५ विदेह क ३७६ बिद् ज १११ विद्व च १७२ विद्यमान भ २५७ विद्यमानता भ २५६ विवा क १८, क १६४, क २०२, क ५५८, क प्रदेश, खा ३, खा २३४, ला ६१६, घ ११४ विद्याघर क २०३, क २४३ विद्यार्थी ख २४२ बिद्यानय ख २७४, च १६६ विद्यति छ २५४ विद्याला स २०३ षिद्रम च ६०२ बिद्रोह ब २७६, भ १७५ बिबोही ऋ १७६, क १७७ विद्वान क १७, ख २३६ बिद्वेष च २६२, च २७६ बिद्वेषण व २७६ विश्वंसना क १७१ विषवा ग २७१, भ ४८ विषवापन का ४६ विधाता क १२३, क २६८ विवात्री क १३० विवान का १५७, का ३७० विधान करना च ६४४ विधायक ल २८७, च ८१६ विधि सा १६०, सा २०५, च ४६, मा १५७, ¥ 105

विध् क १३४, क ३०७ विधर ग २७४ विधवदनी भ ५६ विध्वस क १७२, अ ८२३ विध्वसना क १७१ विध्वसनीय क १७३ विध्वसी ज ८२४ विध्वस्त ज ८२५ विसता क ४५१ विनती दे॰ 'विनय' विनती करना भ २४८ विनम् घ ११०, ज ७८, ज ८५ विनम्नता ज ८० विनय ब ८०, ज १७६ विनय करना भ २४५ विनय पिटक क ५६२ विनयशील ज उप विनयी च ७८ विनश्वर च ८३२ बिनक्ट ब ५६८, ब ८२५ विनष्ट होना न ५७० विनायक क १६२ विनाश क १७२, ब ८२३ विनाशक क ४४७, भ १६७ विनाश होना च ५.७० विनाशी व ६२४ विनासना च ८१६, भ २१८ विनिमय भ ३०० विनीत घ ४२४, च ७८, ज ८५ विनीत होना ज ८२ विनोदशील ज ४८ विनोदी ज ४८ विपच्ता म २८३

विपद्मी ग २७६, ज २८४ विपत्ति ज ५० विपरीत ब ४२१ विपरीतता ज २८३ विपर्यय च ८४१, भा ४०० विपर्यस्त भ ४३७ विपिन घ ११ विविनविद्वारी ज ५५७ विपुल क ४८३ विप्लाच ६० विप्रगर⊂२, घ६६ विप्रलभ ख १८०, ज ८५६ विष्लव भा १७५ विष्लवी भा १७६ विव्ध क २०७ विभक्त ख ६४४, ज ८८८ विभक्त करना ज ८८७ विभक्ति च ८५६, ज ८८६ विभव स्व ३८०, ज २८८ विभा छ रहण विभाकर क ३११, क २६७ विभाग ल ६४३, च प्पट विभावक ख ५६६ विभावन ८८६ विभावन करना च ८८७ विभानित ल ६४४, ब ८८८ विभाषित करना व मन् विभात स्व १३६ विभावरी खु १४३, खु १४५ विभिन्न च ८५५ विभीषया क ३८६, घ १२१ विश्व व १३४, क ११२, क १६५, क २२६, ग ५, ग ७, च ४२५

विभुता ज ४२७ विभुद्धा दे॰ 'भूख' विभू चित होना भ ११६ विभूति क १६३, क २६३, क २६८, ख ३८० विभूषित ज ४७३, ज ४७४ विमंडित च ४७३, ज ४७४ विमहित करना भ ७७ विमर्श ख १४५ विमल घ ४४६, घ ६०६, ब ४१४, ख ४६३ विमाता ग १८० विमान क १३४, ग ४५२, ङ २७६ विमुख ज १२३ विद्योहन के २७६ विमोइना क २७४, ब १३० विमोहित क २७८ विमोहित करना क २७४, ज ४७२ विमोहित होना क २७५ वियत च ३ वियुक्त भ द्रप्र वियुक्त होनाः च ८५४ वियोग ख १००, ज ८४६ वियोगिनी म २६६ वियागी स २६८ विरचिक (२३ विरक्त अ १२३, अ १८१ विरक्त करना क २७६, ख १२३ 📆 व १२६, व १२६ विरक्त होना क २८०, व १२५ विरक्ति क २८१, व १२८, व १४८ विरक्ति लाना च १२६ विरक्ति होना च १२५

402

विरचित क १२७, ख १७० विरत ज १२२ विरद ज ३५१ विरद गाना ज ३५६ विरत ङ १५६, ज ५०८ विरलता ज ५१० विरस भ ३४२ विरह ज ५५६ विरहतप्ता ग ३६६ विरहिणों ग २६६ विराग होता क २८० विरागों क १८०, ज १८१ विराट ग २६२, ज ४२५ विगाइक्यारों क ४२१ विराटता ज ४२७ विराम ज ७६४ विराम लेना ज ७६५ विरुद्ध जरद्ध ज ४२१ विषद्धता ज २७६ विरूप घ ४७७, ज ४६५ विहाता व ४६८ विक्रगच क १६५, क ३४७ विरोचन क २६७, क ३०७ विरोजा घ १७४ विरोध ज २६२, ज २७६, ज २८३, 835 AF विरोधो ग २७६, ज २८४, ज २६० विलंब अ ४५१ विलंब करना छ १६०, ज ४५२ विलच्या च ४१८ विलब्धता च ४१६ विलग ज ८५५, ज ६७७ विलगना च ८५४

विलगाया च ६०३ विलपना ग १२० विलाप करना ग १२० विलायत च १०५ विलास क २८७, ख १६४ विलास करना क २८६ विलासिनी भा प्रद विजासी ज ३०२ विलान ज १२२, ज ८००, ज ७३० विलीन होना ज १२४ विलोहित ड १६२ विलोम क २८६ विवर च २५०. च २५१ विवरण ख ३०० भिवरण देना ख २६२. ज ६१६ विवर्ण भा ३४२ विवर्त अ ६२४ विवश अ १३६ विवस्वान क २६८, घ १०० विवाद ख २६६, ख ३२६, ज ६४३ विवाद करना ब २८० विवादी ख ६६ विवाह क हद्र, ग १५१ विवाहना भा २४ विवाहित मा २५ विवेक दे॰ 'शान' विवेकी च ३६३ विवेचन ख २०६, अ २११, ख ३०० विवेचना ख २०६ विवेचना करना ख २६२ विवेचनात्मक शैली स २०६ विशद ख २८ विशाला च १७, च ४३

विशारद घ ४२०. अ ३६३ विशिख इ ४१२ विशुद्ध ज ४१४ विश्वचिका खप्रद विशेष ख १६० विशेषकर छ १६८ विशेष होना ज ६१७ विश्राम ज ७६४ विश्राम करना ज ७६५ विश्लेष ज ८५६ विश्वभर क ११२, क १३४, क २२५ विश्व क १३४, क १६५, ग७, ग१२, ड २०, च ४二, च १०३ विश्वकर्मा क ११२, क १२३, क २५२, \$ 7E9 विश्वनाथ क १६ ६ विश्वविद्यालय ख २७४ विश्वसनीय ज २५५ विस्वस्त अ २५५ विस्वामित्र क ४६६, क ५७८, च ५३ विश्वावसुक १३४, क २४४, क २४५. क २४६ पिश्वास क २०७, अ २५३ विश्वास करना ज २५४ विश्वासघात व २५७ विश्वासघाती अ २५६ विश्वासपात्र अ २५५ बिश्वासी ख २५५ विश्वेश्वर क ११२, क १६५ विष क १८३, ग ५६३, घ ४७८, च २६२ विषस्परा ग ५२७, ध १७५ विषधर ग ५५८

बिधम ख २०२

विषमता भ ३६४ विषय ख २६७, ख ३८०, च ज २६६ विषय-वासना ज २६६ विषयी ग १३४, ज ३०२ विषवैद्य ख ५४२ विषाण ख ११०, ग ४३२ विषाद ख १८५, ज २२४ विष्ठा ग ११५ विष्णु क १२२, क १३४, क २०६, क २१५, क ३११, क ५७४ विष्णुलोक क २३८ विसर्ग ज १६५ विसर्जन ज १६४ विसर्जन करना क ३६ विस्चिका ख ५०८ विस्तार क १६५, ज ४३५, ज ५७४ विस्तार देना ज ८७० विस्तीर्गा न ४२५, ज ५७३ विस्त'र्गाता ज ४२७, ज ५७४ विस्तृत च ४२४, ज ४३४, ज ५७३ विस्तृता अ ४२७ विस्कोट ख ५१०, ख ५२२ विस्फोटक ख ४१० विमाय स १८६, भ ४३८ विस्मयकारी भ्र ४३६ विस्मरण व ८३५ विस्मरक होना ज ८४३ विस्मृत ज ८४२ विस्मृति व द्वर्थ विस्मृति होना अ ८४३ विश्मित च ६०६, भ ४४० विहंग ग ५६८, ङ ४०८, छ २३६

विहंगम क २६७, ग ५६८ विहॅसना ज ६३०, ज ६३२ विहरा क २६७, क ३०७, क ३१३, क ३१६, ग ५६८, ङ ४१२, छ २३६ विद्दान छ १३६, छ १८६ विहार दे० पशिष्ट क विहारी क ३६६ बोचिच २७८ वोगा क १३३, ख ६७, ख १०८ वीयापायि क १३० बीयका च २४५ वीथी ख १३५, च २४५ वीभत्स ख १७६ वीर क १६५, ख १७६, ख ३६४, ग २१४, ग २२४, ग २५०, घ ८६, च १७३, त्र ३६७, व ४१०, व ४१६, क १६७, क ३०६, भ २७३ बोरता का २७५ वीरान ज ५६८ बोर्य ग १२६, घ ३२, भ ३८, भ २७७ बोर्यवान भा ४० वीर्यस्वो च २१६ बोर्यडीन भ ४२ कंद ख ६३५ बुन्दावन क प्र वृक्ष क ३११, ग ५१४, ग ५१८, ग ६५४ बुकोदर क ३१८, क ४२५ ' बृच्च घ २ वृत्त स्व २०१, व ५५४ बुसाकार व ४८४ पृत्ति व १ बुत्रहा क २२५ बुद्ध घ १३७, भ १४

वृद्धा व १७६, म्ह ४५ वृद्धावस्या भ ३५ वृद्धि च २८८ वृद्धि करना च ११७ वृश्चिक च ५८, च ६६ वृष क ३६६, ग ४८३, ग ५३२, घ १४६, च ५८ बुषभ ग ४८३, च ६० वृषभानुवा क ४०० बुधल ग २६६, ग ४५२ बृध्दि छ २४५ बृब्धि क २२५, क ३११, क ३१३, क ३६६, ग ४६०, छ २३६ बृहद क ३११, च ४२५ बृहदता ज ४२७ बृहदारएयक क प्रप्रह बृहद्रथं क २२५ बृह्जला क ४१७ बृह्स्पतिवार छ ११५, छ १२० वेग छ १५८, ज ४, च ४४३, च ४४४ वेगवान होना ब ६७२ वेगा ग ४२ वेशु स ११२, घ ८० वेतन स ३६५ वेद क प्रथ, क प्रेट, ख प्रश वेदध्वनिक १६ वेदना क ३२६, ब ५० वेदपाठी क १०१, क ५४२ वेदमाषा क ५३६ वेदमभ क हर, क ५४१ वेदविदित क ५४० वेदब्यास क १५४, क ४६१ वेदसम्मत क ५४०

वेदाग क प्र३५, ख ६०० वेदात क प्रश् वेदातसूत्र क ५६३ वेदाती क प्रदुष्ठ वेदाध्यायी क ५४२ वेदोक्त क ५४० वेपयुक्त ५३० वेश स १४७ वेश्या ख १२४, ग ३६७ वेघ ल १४७, ज ४६२ वेष धरना ख १४८ वैजयत क २३१ वैचयती ङ ४०२ वैतरणी क ३२३, क ३२२ वैतरणा पार करना भ २३३ वैतरगा पार होना म २३१ बैदर्भी स्त १६४ वैदिक क ४, क ५४२ वैदिक संस्कृत क ५३६, ख २१६ बैद्र्य घ ४८१, घ ४८६ बेदेडी क ३६७ वैद्याख ४३०, ख ५३८ वेष भा १८० बैधव्य भा ४६ बैनतेय ग ६०६ बैभाग ख १८० बैसनम्य स २७६ वैमनस्य होना व २७६ वैयाकरच सा २१७ बैवस्बत क ३१७, क ३१८ वैराग्य क ६६, व २८० वेशाल हा ४१ वैशासनदन ग ४६७

वैशेषिक क ५६२ वैशेषिक सूत्र क ५६६ बैश्य ग २६४, च ४८ वैघाख छ ७० वैषानस क १०६ वैष्याव क ५. क ७ वैसे ज १००२ व्यग्य ग ७९, ज ६३७ व्याग्य कसना ज ६३८ व्यक्ष्यात्मक शैली ख २०६ व्यजन ख २२६, घ १८६ व्यजना ख १६५ व्यक्त करना व ७६६ व्यक्ति भ ४०४ व्यक्तिगत भ ४०५ व्यम ज १३, ज २२६ व्यवन ङ ५७३ व्यतिक्रम भ ४०० व्यतीत अ ८२७ ध्यतीत करना छ ३ व्यतीत होना छ २, च ८२१ व्यथा क ३२६, ज ४० व्यथित ज ५२ न्यामचार ब २९६ व्यभिचारिया) भ ६६ व्यमिचारो ज ३०२ स्यय ख ३८७ व्यय करना ख ३८५ व्ययो स ३८६ व्यर्थ ख ४२१ इ व्यवधान क ४६७ व्यवसाय भ २८५ व्यवसायो भ रद६

व्यवस्था भ १५७, भ १६१ व्यवस्था करना भ १५६ व्यवस्थापक ख २८७ व्यवहर्ता ग २६४ व्यवहार ज २६४, भ ३०६ व्यवहार करना ज २९५ व्यवहारी भा २८६ व्यव्यि भ ४०४ व्यस्त ज १२२, ज २२६, ज ३३२ व्यस्त रहना ज ७८१ व्याकरण क प्रप्र, ख २१६, ख २३७ ब्याकरणावेत्ता ख २१७ व्याकुल ज १३, ज २२६ व्याकुलता ज १६ ध्याकुल होना ज १८ व्याख्या ख ३०० व्याख्या करना ख २६२ व्याख्याता ख २४१ व्याख्यान ख २७७ व्याख्यानदाता न २७६ व्याधात ज ७८६ व्याचात डालना ज ७७४ ब्यात्र ग ४६४, ग ४६७ व्याज ख ३६७ व्याबोक्ति ख १६० ब्याघ ग २६६, ग ३४८ व्याधि ल १८५, ख ४३८, ख ४६४, ख ५० व्याधिप्रस्त ख ५४६ व्यापक क ११२ व्यापार भ २८५ व्यापारिक क २८६ ब्यापारी भ २८६ व्यायाम ह रे७३ स्त्रा

व्यायामशाला च २१७ व्याल म्ब ३४६, ग ४३५, ग ४६७, ग ४६४, ग ५५८, च ३६ व्यावमायिक भ २८६ व्यास शैली ख ३०६ व्यास थ६०, च ३, छ २३६ व्याम च ४६०, च ३, छ २३६ व्याम च ५२०, ख ५२६ वन क ५२, क ५३ वोड़ानत च ३२७ वाडानत होना च ३२८

श

शाक ज २३३ शंकना ज २३४ शंकर क ११२, क १६५, ग २४६ शंका ख १५५, ज २२४, ज २२६, ज २३३, ज २४६ शकाकुल च २२६ शांकत अ २३७ शकित होना ज २३४ शाख क २६६, क ३२८, क ३२६, क ३३६, खह्द ख६३६, ग४४५, घ १२०, घ ४६४ शबच्द क ३३६ शंखपुष्पी ह १८ शंड ग ४८१, ग ४८३, भ २० शंबुक घ ४६४, घ ६०३ शमुक १६५, क १६८ शक च २२६, क ४०

शकट ग १२, इ ३८२ शकर ड १७२ शकरकंद घ ३०८ शक्त ग २३, ज ४६२, ङ ८३ शक्त ग ५६८ शकुनि ग ५६८, ग ६४६ शक्कर ३ १७१, ङ १७२ शक्बरपाला ड १८१ शक्ति क १६३, क १६४, भ्र ३८, भ्र ३८७ शक्तिवान के ४० शक्तिहोन भ ४२ शक्य होना ज ६५६ शक करन्य, करहत, च ४५ शक्षनु छ २५२ शहपुरी क २७० शकारिक ३६३ शक्ल ज ४६२ शक्म भा ४०४ शगुका म ३८१ श्चीक २२७ शर्चीपति क २२५ शाउ ख १५२, ग २२६, घ ११०, ङ १० शरा घ १२६ शासपुष्यिका घ २५३ शत ल ६२८, स ६२६

शत ल ६२८, ल ६२६ शतक छ २६ शतकोट क २३६, ल ६३५ शतदल घ ३८८ शतपय क ५५४ शतपय ग ५४२ शतपदी ग ५७४ शतपनि क ४५४, घ ११६ शतरंब दे० परिशिष्ट क

शतानंद क १२३, क १३४ शताब्दी छ २६ शतायु छ १३५ शतावर ङ २० शतावरों क २२७ शतार्बुद ख ६३५, ख ६३७ शती छ २६ शत्रुग २७६ शत्रुक्त क ३७५ शात्रुता ज २६२, ज २७६ शत्रुता होना ज २७६ शत्रताई ज २७६ शत्रदमन क ३७५ शत्रहन क ३७५ शनिक ३००, च ५, च २१ शिभित्रचर च २१, छ १२२ शनिवार छ ११५, छ १२२ शनै.सने. ज ४५० शाय ज १४. मा ४२३ शवश्याना मा ४२४ शफताला व ३ ४१ शामा भा ३६ श्रापालाना ख ५४३ शफामुम ग ४६% शकां क ५ (४, क ५२७ शबनम ङ ४०२, छ २५६ शबरी 🛧 ३८८ श•द ख ६४, ख २३१, ज ५८८, ज ६१४ शन्ददोत्र ख १६६ श•दवेधी क ३६८, क४१७ शान्दालकार ख १८८ शम ख १८६, ज ६, ज १४

शमन ब २५८, ज १४

शमंशेर ङ ४०६ शमी घ ७८ शयन ङ ५०२, च ७६४ शयन करना ज ७६१, च ७६५ शयन कराना च ७६३ शयनागार च १४९ श्यालु ग ५१६ शर क ३४६, घ २०६, ङ ४१२ शरठ ग ५३० शाखा भा २०२, भा २३५ शरत् छ २७, छ ७७ शरत्काल छ ७७ शरलदम् घ ३६७ श्वरत्पुष्प अ ४२५ शरद छ २७, ख ६८, ह्म ७७ शरन च १४० श्चरवत ङ १४१ शरवती ख ३७, ख ३८, ख ५५ शरम क ५५८, ग ४४६, ग ४५०, ग ५०७, ग ५४६, ग ६३१ शरम ब ३२१ शराफ़त ब २६७ शराव क २०५ शराबसाना च २०८ शरारत व २६६, व २७२ शरारती ब २७१ शरातन क ४०६ शरीक ग ४१६, भ ८६ शरीक होना क ८७ श्रारीका च ५८ शरीर ग १२, व २६८. व २७१ श्वरीरत्याग ग १५४ शरोरपात ग १४४

शरीर पोंखना भ ७१ शरीरान्त ग १५४ शारीरी ग ५, ग ६ शर्भराड १७२, च ६६ शर्म च १४०, ब ३२१ शर्मवाना अ ३२६ शर्म से गढ़ना व ३२८ शर्माना व ३२८ श्मिंदगी च ३२५ श्रमिन्दा च ३२७ शर्मिन्दा करना अ ३२६ श्रमिन्दा होना च ३२८ शर्मीला ज ३२२ शमीली ब ३२३ शर्वक ११२. क १६५ शर्वरो ख १४१, ख १४३ शल क १२३, ग ५३५ व १०३, ङ ४१४ शलगम च ३०७ शलकम घ ३०७ श्लम ग ५४४, ग ६३१, ग ६६६, ग ६७० श्राका क ४१२, क ५१६ शलाद म ३४० शहय ग ५३४, च ५२, क ४१४ शल्वकिया स ४३४, स ५४० शस्यशास्त्र ख ४३४ शव ग १५६, छ १४३, भ २१६ शवदाह ज ८३० शवर ग ५१० शवरी क ३८८ शश म ५०७, ग ५१६ शशक क ३१०, ग ५१६ शशबर क रे•७ ययांक क ३०७

श्रशिक ३०७ शशिकात घ ६०० शशिधर क १६५ शशिभाल क १६५ श्राशिखर क १६५ शस्त क ४५ शस्त्र घ ४५१, इ. ४०१ शस्त्रध शस्त्रिकया ख ५४० श्रास्थागार च १८५ सास्य घररप शस्यहीना च १०० शहंशाह ख ३४६ शह ग २६४ शहनादा स ३५४ शहनादी स ३५४ बहत ङ १२ बहत्त व ६४ कहनाई साहद, सारशर सहर च १३५ सहरपनाइ च १३६ सहराती व ५६२ शहरातीयन व ५६३ शहरी ज ५६१, ज ५६२ शहादत क १६१ शहाब क ३४८, स ३४ शांडिस्य क ४५८, व ५२ श्रांत स १७६. स १६५, च ११, स प्रत, स ३३६, स ३६१, स ६०३, 雅 注意 शांत बरना ब ७२ श्चांतन व ३७२

श्वाता च ४४, च ७८, च ११४

शांतिक ४८०, ख १६३, ज १८, ज ३३. ज १३३, ज ६०५ शातियक्त ज ७ शाकमरी क १६६, क २०२ शाक प ३२६, व् १०४, च ६३ शाकल क ५४७ शाका ङ २६ शाक्त क ५, क ६ शाक्यमृति क ४४७ शाल व १८६, अ ८७६ शाला ल २६६, घ १६, घ ८७६ शासाम्ग ग ५२४ शाखी घ २ शागिर्द स २४३ शागिदीं ख २४३ शाद च २८५ शादी ग १५१ शादी करना म २४ शादल ग ४८३, च ११४ शाय ख १७२ शापप्रस्त व १७५ शाप देना स १७४ शापित म ५६, म १७५ शावर के १७ शाम छ १४१ शामियाना च १३१ शामिल भ ८६ शामिल होना क ८७ शायक ङ ४०६, ब १४० शायद छ ८, छ १६५, च १७३, च १००४ शायर स १२७, स १७१ शायरा स १७२ · श्वायरी स १६८

शायरी करना ख १६६ शारंग ग ६१५ शारद ४ ३६७, छ ७८ शारदा क १३०, घ १४६, घ १६८, छ ७७ शार्रादक घ ४२० शारदीय छ रद, छ ७८ शाग्का ग६२४ शारी(रक ख ४३६, ग १२ श्र शारीरिक रोग ख ४३८ शार्क्न क १४२, घ ३१५ शाद्ल ग ६६७, ज ४७५, ग ४६४, ग ४६७, ग ४६६ शाद्भविकीडितं ख २०३ शाल घ २, घ५०, घ७५, ड २६१, ट २६३ शाला स ६२४, च १, च १४०, च १४२ शालि घ २३० शालिप्राम क १५६ शालिहोत्र ग ४५२ शालोन ज ७८, ज ८५, ज ३०० शाल्मली क १६०, क ३२२, ग ६०६, घ १२५ शावक ग ४३१, ग ६०५ शाश्वत क २ ६ शासक ख दे६८, भ १५० शासन ख ३४८, भ १४८, भ १८८, भा २२४ आ, मा २४० शासनकर्ता ख ३६८ शासित भ १५२ शास्ता क ४४६, ख ३६८, क १५० शास्ति भ १४८, भ २२४ अ शास्त्र क ५३४, ख ४२८

शास्त्रज्ञ क ५३६

शास्त्रो ख ६५० शास्त्रीय क प्र७ शास्त्रोक्त क प्र३७ शाह ज ४२५ शाहलर्च ल ३८६ शाहजादा ख ३५४ शाह्लादो ख ३५५ शाही ख ३५० शिजना ङ ४१० शिको च २६३ शिकम ग ५२ शिक्षवा का ३४५ शिकस्त ज २८६ शिकस्त खाना च २६२ शिकस्तगी ज २८६ शिकस्त देना ज २६१ शिकायत ख ४३५, अ १५६, भ ३४५ शिकायत करना भ ३४६ शिकार ङ ३७३ श्र शिकारपुरी ज ३६४ शिकारी ग ३४८, ग ४१३ शिकारी कोट ङ २४८ शिक्त छ २३। शितक ख २४१ शिद्या ख २३८, ख २५७ शिव्यणालय ख २७४ शिद्धाः क ५५५, ख २३५, ख ख २३८ शिदायीं ख २४२ शिद्धा-दोद्धा करना ख २४७ शिचा देना ख २४७ शिद्धा पाना ख २४६ शिदालय च १६६

शि चित ख २३६ शिचित करना ख २४७ शि चित होना ख २४६ शिखड ग ६११ शिखडिनो घ ४०४, घ ६०६ शिखर्दा क १३४, क १६५, क ३६६, ग६०६, ग६४४, घ४०४ शिखर ग ४२. च २४६ शिलरणी घ ४४१, ड १२७ शिखा ग ४२, ग ४८१, ग ६११, छ २८० शिखरो व १६६, च २४८ शिखि क २२६, क २७१, क ३११, ग६०६, ड ४०३, च २२ शिखिध्वन क १८८ शिखिन ग ६११ शिखिवाइन क १८८ शिखों क २२५, क ३११, ग ४५२. ग ४८३, ग ६०६, ग ६४४ शिलीमूल घ ३०७ शिवस्य २८ शिताप्रव घ ६०० शिति ख ३० शितिकठ क १६५, ग ६०६, ग ६१५ शिथिल छ १६५, च ११, ज ४४५, ज ७५३. भ ४२ शिथिल करनाज २६१ शिथिल होना ज २६२, ज ७५१ शिष्यलता छ १६३, च १४, ज ४४६, न ७५२ शिंगिलाना ज ७५१ शिक घ ५ शिका व १३, च १६, इ ६१ शिभादह घ ६५

शिंबी घ ३१ शियाक ५०६ शिरग १३, ग १०१ शिरकत ज ८६१ शिरकत करना भ ८७ शिरकतो ग ४१६ शिग्फ्रन ट ३२८ शिरमौर ८ ३२८ शिरवानी ङ २४८ शिरश्रल व ४८६ शिरा ग ६७, च २७७ शिरीप घ ७० शिराभूपण ह ३२८ शिरोमांख ड ३२= शिरोवह ग ३७ शिलाघ १५७, ब ८, च २४७, च २४६, च २५० शिलाक्य च ६८ शिलाज घ ४५१, ड ८ शिलाबतु घ ४६६, ड 🖛 शिलाजीत इ ८ शिलातम् न घ ८५१ शिली ग ५३७ शिलीमुख स ६७७, इ ४१२ शिल्य भ्य ३५३ शिल्पक ख १३४ शिल्पकार ग ४०६. भ ३२२ शिल्पकारिका ग २७७ ।शल्पकी ग ४०६ शिल्पराट क २५२ शिल्पिक क १६५ शिल्पो ग ४०६, भ ३२२ शिल्पीशालाच २१४

शिव क ११२, क १६५, क ५७४, ख ६०५, म ४४, घ८२, घ १७७, घ ४५६. ड ३२, ड ३०६, च ३३ शिवकाता क १६४ शिवकारिग्री क १६४ शिवगय क ४८० शिवगीता क ५८२ शिवचतर्दशी छ २१६ शिवता ग ६ शिवद्रम घ ५२ शिव पारिषद क १८० शिवपुरी च ११३ शिवप्रिया क १६४, घ ४६६, घ ६०८, ₹ 402 शियकल घ५२ शिवरात्रि छ २१६ शिवलोक क २३८ शिववल्लभा क १६४, घ ३६८ शिववीर्य घ ४५६ शिवस्त क १६२ शिवस्तवाइन ग ६०६ शिवसन्दरी क १६४ शिवाक १८५, क १६४, ग ६, ग ५१३, ष ७८, घ ११४, घ १८२, क २६, ₹ २08 शिवाच घ ६०६ शिवातम्ब ङ २६ शिवालय क १६ शिवाला क १६ श्वितिका ङ ३६०, ङ ३६२ श्चिविर च १३१, च १३२, च १४०, च १७३ शिशिर म १७३, छ ६८, छ ८२

शिशिरात छ ८४ शिशु ग २४७, ग ४२२, ग ६०५, भ ३० शिश्रमार क ३६६, ग ५८२ शिश्न ग ७६ शिष ग ४२ शियाग ४२ शिष्ट ख २४२, ज ११, ज ७८, ज ३०० शिष्टता च ८०, च ८७, च २६७ शिष्टाचार ज ८०, ज २६७, ज ३४२ शिष्य ख २४२ शिष्यता ख २४३ शोकर च २६३ शीव छ १५६, ब ४४३ शोघता छ ४५८, छ १६२, ज ४४४ शीत ख ४७५, म ५६, म ७०, घ १८६, छ २५६, छ ५४६ श्रीतक स ४४५ शीतकाल छ ७५, छ ८० श्रीतल च १३०, च १३७, घ १५८, घ १८५, घ ४०६, भ १३८ शीतल करना भ १४० शीत लगना भ १४५ शोतल चीनी ह १६ शीतलता भ १३६ शीतलबुकनी क १५० शीतल होना भ १०२, भ १४२ शीतला ख ५१०, घ ११४, घ १२८, च १६ शीतलाबाइन ग ४६७ शीतलाष्टमी स्व २१७ शीतवल्फल प ५१ शीतांश च १५७ शीता घ ११४, घ १३८, क्ष ८२, क ३१४ शीरो च २०६, क ४४

शोरीनी ङ ४५ शोर्ष ग १३, ग १४, ग ४२, ग १०१ शोर्षप्री घ ७० शोल ब १, ज ८७ शोलगाविता ख १५६ शोलता च २६७ शोलवान च ८५ शोशा ग १३ शोशा घ ७६

शीशी ङ २ शीष ग ४२ श्ंठि ह २४ शुंड ग ४४२ शुंडाल ग ४३५ शुंडी ग ३३६, ग ४३५

शुक्त ग ६१७ शुक्तक घ ७७

शुक्तद्वहक के ३१०, के ३११ शुक्रापड़ों घ २६३ शुक्रिय घ ३५, घ ७०

शुकाप्रया च ४०, च ४१, घ ७७

शुक्रपुष्प घ ७७ शुक्रपत घ १०० शुक्रशिया घ २६३ शुक्रत ग २६० शुक्ति घ १२०

शुक्तिज्ञ घ४८३ शुक्र क ४७७, ग६५, ग १२६, च ५, च२०, छ, ४३

शुक्रगुज़ार ज ३२, ज २६५ शुक्रवार छ १४५, छ १२१ शुकाचार्यं क ४५३ शुक्ल ख २८, ग २६० शुक्लपद्म छ ८७, छ ८६ शुक्रपजुर्वेद क ५४८ श्र

शुक्रशिष्य क ३४६

शुक्रा ग २६०ं, घ १६३, घ २६७, ङ १७२

शुक्कोपला ड १७२

शुच ज ४६

शुचिक १८, छ ४५, ज४१४

शुतुर ग ४५०

शुद्ध ङ २६, ज ५८, ज ४१२, च ४१४, ज ५४१

शुद्ध करना ज ६४२ शुद्धचरित्रता भ ५० शुद्धता ज ४१५ ऋ शुद्धमांते क ४८० शुद्धा ड १७२

शुद्धिक ६७ शुद्ध च ४२६ शुनक ग ५१६

शुब्हा च २२६

शुभ क ३४६, ग ४६१, ब १८५, घ ४४६, च २६३, ज ४७८, ब ४७६

शुभकर च ४०८ शुभकरो प ७८ शुभकर्म च ३११

शुभक्तमी ज ३०५, ज ३१३ शुभकामना देना च १७१ शुभकारी ज ४७⊏

शुभकारी ज ४७८ शुभवड़ी ख ६४६ शुभचितक ज ३० शुभट्घ ६६ शुभाद घ ७८ शुभनाम का २१ शुभप्रद च ४७८ शुभ मुहूर्त ख ६४६ शुभवचन च १७० शुभागी क २८५

शुभाक २५४. घ ११४, घ १८२, घ २१८

शुभाच् स २१ शुभाचार च २६७

शुभाचारी ज ३०५ शुभ्र ख २८, घ ४४६, घ ४६०, ड ३१

शुभ्रतः ख २६

शुभा प्र २१८, घ ४६६, ह १७२

शुमार ख ५६८

शुमार करना ख ५६६

शुमाल च ८० शुरू ज ८१२

शुरू करना च ८१४

शुल्क ख ४१२, ख ४१६, ख ४२०

शुभूषा क २६ शुषमा क ४५४

शुष्क ख १७४, ड ४८, म १२८ शुष्क करना म १३३, म १३४ शुष्कता ड ४६, म १३०

शुक्त हो जाना भ १३८

शू क २६७ शूक ग६१७ शूककीट ग ५६७ शूकर ग ५२३ शूकर मुख क ३२३

शूकरमुख क ३५२ शूकरा ख ४६३

श्रक रोग ख ४६३

शूचि ङ ४८१ शूची ड ४८१ शूचीपत्र घ १७० शूद्र ग २६६ शूद्रपत्नो ग २६७

शूद्रा ग २६७

शून्य क ११२, क २३८, ख ५७३, च ३,

च २२७, भ २५८ शृत्यता भ २६० शृत्यस्थान च २२७

शूप ड ४**६**३ -----

शूपनला क ३६ = शूर क १३४, क २६७, ग ४६६, ग ५१६,

घ ५०, घ ७५, घ १६०, घ २५६,

भ २७३

शूरण च १४० शूरता क २७५

शूरमा भ २७३

शूरवीर ख ३६४, भ २७३

शूर्पंड ४६३ शूर्पेगाला क ३६८

शूल ल ४८३, ल ४८४, ध २४

शूल उठना भ ३७७ शूच करना ख ४⊏२

शूलव्य घ १६० शूलघारी क १६५ शूलनाशन ड ३३

शृलपाणि क १६५ शृलगत्रु घ २६१

शूलइस्त क १६५ शूला ग ३६७

श्लीक १६५

शृबल क ३३२, इ ४००

श्लंला व ३६८, ४३६२, ४३४६,**४३५६,** ६ ५४३, स १६१, स २६४, स ४३५

शृंखिलत भा २३५ श्राग४२, ग४३२, घ३८८, च२४६ शृंगवेर घ ३१५ श्राार ख १७६, ख ६२१, घ ३७६, ड ३०० शंगार करना भ ७७ श्याल ग ५१३, ग ५१६ श्रगा क १६५, क १७४, क ४६२, ख ११०, ग४३५, ग ५८६, घ २, घ ६५. घ ६७, घ१४५, घ१६६, घ४७८, च २४८ श्याीश्रधिक ४६२ शेखर ग ४२, च २४६ शेखी ज ८८. ज ६२ शेखीबाज़ ज ६१ शेफालिका च १४८ शेर ख १६८, ग ४६४, अ २५२ शेरनी ग ४६६ शेरवानी ड २४६ शोष क ११२, क ३३०, क ३७०, क ४१०, ख ५६१, च ७≍, भ ४२६ शेषनाग क ३३० शेषशायी क १३४ शैतान क ५२६, क ५३३ शैथिलय ज ४४६ शैल घ १३७, ङ ८, च २४८, च २४६, च २५० शैलकुमारी क १८५ शैलजा क १८४, क १६४ शैक्षतरी च रूप४ शैला ख २०५, ज ६५२, भ ३७० शैल पदा ख १७८ शैलंद्र च २५५

शैव क ५, क १०, क ११, घ ४६६, ड २०२ शैवालिनी च २७१ शोक ख १८६, ज ४६ शोक करना ज २२५ शोकनाशक घ६८ शोकाकुल ज ५६ शोख़ ज ८४, भ ३५४ शोच ज २२४ शोचरहित ज २२७ शोषा ख ३६, ग ६४, ड २५, ड ३०६, ब ५२८ शोशित इ. १० शोध ख ४२४ शोध ख २५०, ख २५८ शोधक ख २५६ शोध करना ख रह० शोधन ख २५०, घ ३५२ शोधना ख २६० शोधनात्मक घ २१२ शोभवाना ख २६१ शामन क १६५, क ३११, घ ३८८. अ ३०३, ज ४६३ योभना व १८२, ४ ६०, भ ५६ शोभा क १६३, ख १६३, घ १८२, इ ६०, ज ४६७ शोभित क ४६६, च १३, च ४७४ शांभित होना ज ६४६ शोर ज ५८६ शोर करना अ ५६० शोरा घ ४६६ शोषण क २८३, ङ २५ शोधग करना भ १३४

शोषवा कराना क १३३ शोहदा च २७१ शोहरत ज ३५१ शौच होना ग ११६ शौचेय ग ३४५ शौहर ग २२४ श्मशान क ३५८, च २२८ श्मशानपति क १६५ रमभू ग ४६, ग ४७ श्याम ख ३०, ग ३७, घ २४०, घ २७०, ङ ७६, छ २३६, ज ४८० अ श्यामजोरा घ २३१ श्यामता ख ३२ श्यामतुलसी च ११२ श्याम धेनु ग ४०२ रयामपट स ३१८ श्यामल ख ३०, घ ६६, ग ७७, ब ४८० ऋ श्यामनता ख ३२ श्यामला घ४०, घ १५० श्यामवर्षा छ ७७, ज ४८० अ श्यामसन्दर क ३६६, घ ७८ श्यामा क ४००, ग४, ग४७२, ग ६१३, ग६२८, ग६६७, घ७६, व१११, बर२४, घ १४६, घ १७८, घ १८२, छ १४३, छ १४६, भ ४३ श्याल ग २०३, ग ५१६ श्यालक ग १६२, ग ६२४ श्याला ज १६२ श्याली ग १६४ भग ग ५१३ भद्दा व १५७ भद्धा देना च ३४३

अद्धाभाव च १५७

अदायक ज १५८ अदालु च १५८ अद्यावान च १५८ श्रद्धास्पद ज १५२ भद्धेय ज ३५४, ज ४४० भग ख १८५, भ २८७ श्रमजीवो ग ३८५ अम्या ग ३८५ अमर्बिद् ग १२१ श्रमिक ग ३८५ श्रिमित जा ७५३ श्रमी ग रूप्, ज ७५२, भ रद्य श्रवण क ७३, ग २६, च २७, च ५० श्रवण करना ज ६०१ अवगापटु च ५१६ अवस्थिद्रय ग २६ अव्य काव्य ख १३२ श्रात ज ७५३ श्राति ज ७५२, म रू आद दे॰ परिशिष्ट क भाद्धदेव क ३१७ आप ज १७२ श्राप देना च १७४ अःपित च १७५ भावक ग ६५४ आविषा छ ४७ श्राक १३०, क १६३, क २०६, ख ८३, ख ३८०, घ १११, ङ ३२८, च ४६७ श्रीकंठ क १६५ श्रीकात क १३४ ओकुष्ण क ३६६ आसह घ १३०, ङ १२७ श्रीगर्णेश करना ज ८१४

भीदाम क ३६६ भीनिवास क १३४, क २३८ भीपंचमो छ २२४ भीपति क ११२, क १३४, क २५४, क वे६६, क वे६६ श्रोपःल घ ४४, घ ५२, घ ५३, घ ५८, घ ६० श्रीबल्ली घ १०६ श्रीमंत ख ४०५ अ, ड ३२८ श्रीमत ख ४०५ अ श्रीमती क १६३, क ४००, घ ४०२ श्रीमद्भगतद्गीता क ५८१ भीमान् स ४०५ ऋ, घ ६६, ज ६६७ श्रीमुख क २६७ श्री रमण क १३४ आंश क १३४ श्तकीर्ति क ३७६, क ४१६ अतिक २०२, क ५३८, ग २६ श्रतिकटु ल १६७ भ्षाग २३३ श्रेणी ग ३००, भ १६१, भ २६४ भेय ज ३०३, ज ४७५ श्रेयस्कर ज ४२० श्रेष्ठ ग २६४, अ ४१८, ज ४२५, ज ४४०, च ४७५ भेटता ज ४२७, ज ४४२, ब ४७७ भेव्टि ग ४०४ श्रीिया ग ७८, ग ८२ श्रोत ग २६ श्रोता अ ७३४ अोत्र ग २६ ओत्रिय क १७, क ५४२ श्लय छ १६५, ज २१५

श्लयता छ १६३ श्लाघनीय व ३५८ श्लाघा ज १००, ज ३५५ श्लाध्य ख ३५८ श्लीपट ख ५१७ श्लेष ख १६०, १६२ इलेब्मात घ ५६ श्लेष्मातक घ ५६ इलेब्सा ग १२२, ग १२५, ग १२६ इलोक क ६२ श्वन ग ४१६ श्वनिका ग ५१७ श्वपन ग २६८ ववसन क ३१३, क ३१६ रवशुर ग १७५, ग १८६ श्वश्रा १६० श्वाँस ज ७१३ श्वान ग ५१६ श्वास ख ४६०, ज ७१३ इशस रोग व ४६० इवासा ज ७१३ श्वेत क ४५३, खरम, म ३५३, घ ४४६, त्र ४६४ श्वेतकुजर क २६३ श्वेतकुष्ट ख ४६४ श्वेतचारक घ २२२ श्वेतता ख २६ श्वेतपद्म घ १६७ इनेत पिगल ग ४६४ श्वतपुष्य घ रे७रे, घ ४१४, म ४१६ श्वेतप्रदर ख ५३४ श्वेतसार घ ६१

श्वेता घ २१८, घ ४६६, घ ६०५, ङ १७२ श्वेताश्वतर क ५५८

ष

षट ख ६०० षटक ख ६००, ख ६०२ षटकर्मा ग २=२ घटको स घ ४८५ षटपद ग ५५४ षटपदो ग ६७७ षटमुख क १८८ पड़न स ७० षड्बमाम ख ७३ षडवर्ग क १८८ षड्विश क ५५४ षडानन क श्य षण्ठ ख ६०१ षष्ठि छ १०१ षण्ठो क १६४, छ १०१ षाड क १६५ षायाव ख ८२ षोइश स ६२१ षोक्शी क २०१, घ २०३

स

संकट ग २४६, च २५३, ज ५०, ज ५७१ स्करता च ८४६ संकरा क ३४६, ज ५०, ज ५७१ सकरापन च ५७२ संकर्षण क ४१० सक्तन स ५५८, ज ८६२ संकलित ज ८६१ संकलित करना ज ८५८, ज ८६५ सकल्प भ ४२७ सकल्प करना भ ४२८ सकीर्गा ज ५७१ संकीर्णता ज ५७२ सक्कचित ब ३२७, ब ५७१ संकुचित करना ज ३२६ संकुचित होना च २३४ संकुल व ५७१, ज ६२४, ब ६२६, भत २६२ संकेत ज ५७१, ज ध्दह सकेत दे० परिशिष्ट क सकोच ङ १०, द २३१, ज २३२, ज २३३, ज ३२१, ज ३२५, ज ५७२ सकोच करना ज ३२८, ज ८६६ सकोचना ज २३२ सकोचहीन ज ३२४ सकाति अ २१३ सकामक भ ४१३ सिखया च ४६५ सख्यक ख ५५७ सख्या व ५५६ सख्यान ङ २७४ सग ज २७७, ज ७८५, ज ८५०, ज ८५२, ज ६१८ संगठन ख ३३६ सगत ज २७७, ब ४२०, ज ६१८ सगति क २८७, ज २७७, ज ८५२ सगदिल ज २४, ज ६८ सगादली च २१, च ७१ संगम च ११६, च ११७, च २८६, ब ८८६ सगर क १६२

संगरभूमि च २२२

सगसाथ ज २७७ र्सगाती ग २७८ सगिना ग २२५ ग २७७ सगो ग २७८ संगीत खर, ख६० सगोनकला ख ५६ सगीवतं ख ५७ सगीन ज ४६८ सग्डात ज ८६१ सग्होत करना ८५८ सग्रह क २८७, ज ८६२ सप्रद करना ब ८५८, त ८६६ समहना ज ८५८ सम्बद्धिणी ख ५१४ सप्राम भा २६२ समामनेत्र च २४२ समाही म १६७ सम ख ३३६, च १४२, ज ६२४, ज ६२५ सम्र ज ८४६, ज ८५० संभारत ज ६४१, ज ६५० सबह व ४६२, ज ८५० सववंश करना व ६३८ संघात क ३१६ सँघाती ग २७८ सघा ग २७५ संबंगा च ८१८ सचय ब ६२४ संचय करना च ८५८, ज ८६६ संनयो ख ३६० संचारी ख ७८ सचारोभाव व १८४ सनामक ख ३३५, भ १६०

मचालन करना भ १५६

संचित ज ८६१ सजय क १२३ संजीदा च ५६ संजात ज ८१८ सजीवन क ३२२ सजुत ज ८७५ मजोग ज ८५७ संजोवना ज ८५८ सज्ञाज ५. भ २१ सशाहोन ज २०३ संभा छ १४१ सड ग ४८१, ग ४८३ सडम्सड ग ४०६, ज ४६८ सङ्गा ङ ४३७ संडलो ड ४३७ संडास च १५२ सत क ११० सतित ल ३७८, ग २४६ सत्रव ब ५२ सतरा घ ३४८ मत्रो स ३७३, फ १६६ संतान क २४१, ग २४६, ग ४२२ सताप ख ४६१, छ २८२ सताप देना ज ५५ सतापित ज ५२ सतापी अ ५ ४ सत्ब्ट ज ३५ सत्रव्य होना ज ३७ सतुब्टि च ३३, च १३३ सतोष ज ३३, ज ४३३ सतोपना च ३७, च ३८ सतोषित ज ३५ सदिग्ध ख १६७, ज रहे०

सद्क ह ४८६ सदेश दे॰ परिशब्ट क संदेशिया ख ३६६ संदेह ज २२६ सदेहपूर्यो च २३० संदोइ ज ६२४ संघान ख २५८, इ २०५ सिवयाँ ख १४२ संध्या छ १४१ संन्यास क ६५, क १००, क ५५८ संन्यास लेना क ६७ संन्यासिनी क १११ सन्यासी क ६४, क ६८, क ११० सपत्ति क १६३, ख ३८०, स ३८१ सपत्तिशाली ख ४०५ अ संपदा क १६३ संपन्न ख ४०५ ऋ संपर्क ख ८४८, भ ४०३ सपात घ २४५, ज ८५० सपादक ख २६२ सपादना च ६५४ संपुर क ४४६, क ४८५ सपूर्या ख ८२, ब ८७६ संपूर्णत: ज १०१६ सपूर्या होना न ८२१ सवोला ग ५६१ समात छ १६१ संप्रदाय क १ सबध ग १५१, भ ४०३ भ संबंधी ग १६७ सप्रशार के २६२ संबद्धविच्छेद् ग २३५ सभव च ६७१

संभवत: छ ८, च ६७३ सभार ह ३७ सँभालना भ १५६, भ २२४, भ ३६१ सँभली ग २७५ सँभालु घ १०७ संभावना ख १६० संभावित ज ६७१ सभाव्य ब ६७१ सभाषण ज ६२३ संभाषी ज ६३५ संभाष्य छ ३४, ज ६३४ सभोग क २८७ संभोग करना क रद्ध मभात ज २२६ संमोहना ज ४७२ समोहित होना क २७५ सयत क १६५ सयम दे० परिशिष्ट क संयमी क १०१ सयुक्त ज ८४७, ब ८७५ संयुक्त करना ज ८४५, ज ८७४ संयुक्त निकाय क प्रध्र सयत ज ८४०, भ २६२ सयोग स १८०, स ८४८, च ८४६, ज ८५०, ज ८५१, च ८४७ सरक्तक ग ४२६, भ १६६ सरच्या भ १६८ सरच्या पाना भ २०१ सराव करना ज ६४७ संलाप करना च ६२३ सवत् छ २६ संवत्सर क १६५ सवर्गाक ३०२

सँवरना भ ७७ सँविलया क ३६६ संवाद ख २६६ सवादो ख ६६ सँवारना च ६२४, च ६४४, भ ७६, भ ७७, अर १५६ सवाहक ग ३८८ सशय जररध, च र३३ संधायात्मक च २३० सशयित होना ज २३२ सशोधक ज ६४१ सशोधन ज ६४० सशोधन करना ज ६४२ सश्चिष्ठ ज ८४७ संश्लिष्टता ज ८४६ संश्लेष क २८७, ज ८४८, ज ८५७ ससरम् च २४० ससर्ग क २८%, ज ६१८ समार च १०३ ममारी क २१८ संसागे होना क २१६ संस्ति च १०३ ससुन्द्र 🗷 ६४७ संसुध्टि ज ८४६, भ ८६ संस्कार के ६७, ख ६२१, ज ६४० सस्त्रार करता ज ६४४ सम्भारक ज ६४१ संस्कृत सा २१८, सा २१६ संस्कृति ज ६४० संस्था ल ३३६, ज ६६५ सस्थान ग १५४, च १४० सहत च ८६१ संइनन क २८७, ग १२

संहरना व ८२२ सहार क १७२, ज ⊏२३ संहारक ख ८२४, भ २१५ सहार करना क १७१ संहारकाल छ २२ सहारना क १७१, च ८१६ संहारनीय क १७३ संहिता क प्रथप सइयाँ ग २२४, ग ३८० सईस ग ४ १ सकपकाना ज ३२८, ज ७७१ सकारे छ १३६ सकुवना ज'२३२ सकुचाना च २३२, च ३२८ सकुचाइट ज ३२१ सकुची ग ५८३ मकुचौंहा ज ३२२ सक्नतांकमा च ६२७ सकोच घ ३६० सखा ग २७८ सला ग २७३ रुखुशा ध ७५ सख्नतिकया अ ६२७ सङ्त ज ६= सङ्गो ज ७१, म १६६ सरूय क ७३, ज २७५ सगबगाना व ७७१ सगपुतिया घ २८४ रागरो ज ८७६ सगुरा क ११३, क ११५ सगा ग २१५ सगुणपूजा क २४ सगोत्र भ ४

सघन ज ५०७ सघनता ज ५०६ सच ज ४०५ सचिव ख ३५७ सचेत अ २०२ सचेत करना ज २०८ सचेत होना ज २०६ सच्चाज ४०२, ज ४१२ सच्चाई ज ४०७ सिन्चदानन्द क ११२ सज ख १६६ संबग ज २०२ सजग करना अ ७७० सजग होना ज ७६६ सजधज करना का ७६ संबंत ग २२४, ज ३०० सजना ख १४८, भ ७६ सजनो ग २६७ सना ज ४७३, मा २२४ श्र सज़ादेना भा २२५ सजान। ज ६४४, भ ७७ सकीलाज ४६३ सबोना भ ७७ साध्यम ज ५८, ज ५६, ज ३०० संख्वनता ज २६७ सज्बा ङ २८२, ङ ४६६ सटना ज १५२, भ ४१२ सटाना ज ६०२ सटीक ज ४२० सदृक् ख १३४ सहो च १३६ सङ्क च २४० सहना भा ३६५

सत च २६२, भ १८ सतत छ १६७ सत निकालना भ ७२ सतपुतिया घ २८४ सतयुग छ १७, छ १८ सतर ग ७६, ज ६५ सतराना ज ६६, ज २५६ सतर्के ज २०२ सतर्क करना ज २०८ सतर्कता ज २०४ सनर्क होना ज २०६ सतवता ग २७२ सताना ज ४५ सतावर ड २० सतिवढ क १६ सती क १८५, ग २७२, घ ६०४ सतीख भा ५० मतुवा ड १५० सत्क १७ सत्कर्मज ३०३ सत्कार ज ३४२ सत्कार करना ज १६८ सत्त् ङ १५० सत्य क १८, क २०५, क ४७५, ग ७, भ ६६, च २६२, ज ४०५ सत्यता ब ४०७ सत्ययुग दे॰ 'अत्युग' सत्यवती क ४३३ सत्वर छ १५६, ज ४४३ सत्यवरता ज ४४४ सत्यवादी अ ४०६ सत्र च १४०, च ३१३, छ २७ सत्रह ख ६२२

सदन च १४०, च २६२ सदय च २२ सदर ख ३३५, छ १० सटस्य ख ३६६ सदा छ १६७ सदाचार क ११ ऋ, ज २६७ सदाचारा क १३, ज ३००, ज ३०५ सदानन्द क ११२, क १२३, क १३४, क १६५ सदाबद्वार घ ४३० सदाशय न २३ सदी छ २६ सदश ज ४२२ सदैव छ १६७ सद्गति ज ६५० सद्गति देना भ २३३ सद्माव अ ५५१ सदा च १४० स्या छ १८७, छ १६१, च ४४३ सधवा ग २७०, म ४६ सन छ २७, घ १२६, सनई म १२६ सनक ज ४, ज ३३७, ज ३३६, ज ३४१ सनकना ज ३३८ सनक होना क ३६२ सनको च ३३४, ज ३४० सनत्कुमार क २५१, क ५७६ सनना भा ६५ सनम ज १५५ सनातन क १२३, क १२४, छ १७४, छ १८२ सनातनता छ १७६ सभाष भी २०४ सनाय घ १४१

मनीचर छ १२२ सनेह ड ३१३, ज ५७६ सनीवर घ ८८ सन्नद्ध ज ३७६ सन्न हो जाना ज ६०४ सन्नाटा ज ६०५ सन्निकट ज ६७६ सिवपात ग्व ४६६, ज ६२७ सन्मान ज ३४२ सपःनी ग २३० सपदि ज ४४२, ज १०१३ सपना ७६६ सपार ज ५७७ सपूत ग २५१ सपौरप ज २१६ सप्त क ३०७, ख ६०३ सप्तक ख ६०५ सातम ख ६०८ सप्तपर्श व ६४ सपामा छ १०२ सप्ताह छ ५१३ साताहरू छ ११४ सफर ज ६८७ सफर करना ज ६८८ सफरो म ३६ सकल दे॰ परिशिष्ट क सम्ल होना ज ६५५ सपहां ख ३०४ सपा ख ३०४ सफाइ च ४ ५ श्र, ज ५४४ सफाई करना ज ५४७, ज ५५२, ज ⊏६२ सफ़्फ ख ५५१ समुफ्त करना ख ५५२

सफ़्रेंद ख र⊏, घ ४७२

सफेद कमल घ ३६७ सफ़ेदा घ ३७ सफ़ेदी ख २६ सव ब ८७३ सब बगह ज ६६४ सबब ज ६५३ सबरी क ३८८ सवाव क १२ अप्र सब्त भ १६२ **च**ब्त देना भ १६३ सबेरा छ १३६ सब्बंख ४१ सन्ती ल ४२, घ २७४, घ ३२६ ह १०४ सब ज ३३, ज १३३ सभा ल ३३६. च ७३४ सभापति स ३३५ समासद ख ३६६, भ १५६ सम्य ख ३६६, ग ४०४, ब ३०० सभ्यता ज ८७, ज २६७ सम ल १६०, ल २०२, छ २७, ज ४२२, ₩ ६०३ समङ्ख्या ग २८० समकत्व ज ४२२ चम करना भ ३१३ समकर्ण क ४४७ समकालीन छ १४ समग्र ज ८७६ समभाग १०८, ग १३२, च ३६२ समभदार ज ३६३ समभदारी च ३६५ समभना ज ११० समभाना ख २४७, ख २६२, ज ३८

समतल च ५७७ समतल करना च ५७८ समता ख १६२, च ४२४, भ ३६३ समिवन ग १६८ समधो ग १६७ समन्वय च ८५१ समन्वित च ८७५ समय ख २६६, छ १, छ १४७ समय लगाना छ १६० समर्पित करना ज १६६ समर क २६२ समर्थ ज ३६८. मा ४०, भा ३८७ समर्थता भ ३८ समवयम्क ग २८० समवर्त्ती क ३१७ समवाय क ५८६, ब ६२४ समिष्टि ख ६२६ समस्त जः⊏७६ समस्या ख २७० समा घ २४०, छ १ समाई भी ३८७ समाचारपत्र ख २८६ समाज ख ३३७ समाजवाद ख ३३८ समाजवादी पार्टी ख ३४६ समाधान ख २६७ समाधि व १६०, ख १६२, च २२६ समान क ३१६, ङ ३७, इ ४१६, च ४२२ समाना ज ७४०, भ ४३१ समाप्त क ४३३ समाप्त करना ज ८१६, भ २१८, भ ३५७ समाप्त होना छ २, च ६५५, च ८२१, ब दरर, म ४३४, ब ६३८

समाप्ति क १७२. ज ८०१, च ८२३ समाप्य क १७३ समाखा च २३१ समालोचक ख २११ समालोचना ख २०६ समावर्तन क ध्य समास शैली ख २०६ समाहार ज ६२४ समिति च ६२५, भ २६२ समोचन ख २११ समीवण स २०६ समाचा ख २०६ समोप ६७६ समीर क ३१३, क ३१६, घ ७८, च ४२ समारख क ३१३, क ३१६ समुस्चय सा १६०, ज ६२४ समुदाय ज ६२४, ज ६२५ समुद्रफेन रू २१, च २६६, छ २३१ समुद्री नमक ह ३२ **चम्**ल्लाच ल २६६ सम्चा ब ८७६ समृह च ६२४ समृद्ध ख ४०५ ग्र समृद्धि ख ४०७ समेटना च ८६६, ज ८६६ समेत ज ८७५ ज ६१८ सम्मत च १८४ सम्मति अ १६४, ज १५५, म ३७१ सम्मन भ १५५ सम्मान व १५७, व १४२, सम्मान करना ज १६८ समान देना च ३४३ सम्मानित । ३४४

सम्मानीय क २६ समान्य च ३५४ सम्मिलित च ८४७, भ ८६ सम्मिलित करना ज ८४५ सम्मिलित होना भ ८७ सम्मिश्रया ज ८४६ सम्मिश्रम् करना च ८४५ सम्मेजन ज ८४६ सम्मोइन क २७६, क २८६ सम्यक् व १४८, व ४६४ सम्राट ख ३४६, ख ३५० स्याना च ३६३ सरयासी ख ३३२ सर ग १३, ग ४२, ग १०१, ग ४६६, च २६२, च ३१३ सरकडा घ १०१ सरकना ग ५३७, भ ६७, भ ६५५, भ 586 शरकाना ज ६७० सरकार ख ३४८ सरक ड १५८ सर भुकाना च १६७ सरिशा च २४१ मरदार ख ३३५, ख ३५८, ख ४०५ अ, ማ የጀወ सरदारी मह १५१ सरदी ख ४७५ सरनाम अ ३४६ मरपच ग २६७ सरपुत ग १६६ सरका ख ३८७ सरफोंका च १४२, छ १०१ सरबर ख ३२६

सरमा घ २३३ स्रयू च २६३ स्रत क ३११, क ४४७, ज ५८, ज ५६, ज ६५७ स्रता ज ६१ स्रतचित्त ज ५८

सरवर च ३[,]२, च ३१४ सरस ख १७३, ड ५०, च ३१३, ज ४६३,

ब ४७५, भ १२७

सरसता ङ ५१, छ २३६, भ १२६

सरमब्ज़ ज ५६६ सरसराग १६५

सरसी घ ३२८, च ३१२, च ३१३

सरसां च २६३

सरस्वतीक ६३, क १३०,क २०२,क २२३, त्व २३५,ग २७७, घ१६⊏

सरइव ग ः ६३ सरापना च १७४

सराय च २०६, च २०७

सराहना ज ३५५

सराहना करना ज ३५६

सराहनीय ज ३५८

सरिच २७१

सारत च २७१

सरिता च २७१

सारश्ता च २२४, च २७७

सरिस ब ४२२ सरीला च ४२२ सरीसृष ग ५५८

सरूप न ४६२, ज ४६३

सरो घ ६३० सरोज घ ३८८ सरोद ख ६७ सरोवर च ३१३, च ३१४ सर्ग क १६५, ख २६६, ग ६

सर्जन ख ५३६

सर्व च २२०, ज ४४५, भ १३८

सर्दियाना भा १४५

सर्दो ख ४७५, छ ७५, भ १३६

सर्प ग ५५८. च ३६ सर्पराज क ३३०, ग ५५९

सर्विण्यो ग ५६० सर्गफा च २३७

सर्व क १३४, क १६५, च २६२

सर्वग ग ६ सर्वग्रास च २५

सर्वज्ञ क ११२, क १६५, क २०७, क ४४७

सर्वत्र ज ६६४

सर्वदा छ १०, छ १६७

सर्वभेष यज्ञ क ८३ सर्वभेष्ठ ज ४७६

सर्वेश्वर क १८२, भ १४७

सर्वोत्तम ज ४०५ सलगम घ ३०७ सलजम ध ३०७ सलज्जा ज ३२२

सलतनत ख ३४८, ख ३६०

सक्तवार इ २७७

सलाई ङ ३०२, इ ५१८, इ ५४६

सलाद घ ३४० सलाम ज १६६

सलाम करना ज १६७

सलाह भ १५५ सिलल च २६२ सत्त्क ज २८

सल्का ङ २७०

सलोना ङ प्र, च ४६३ मनत ग २३० सवनई छ ४८ सबनहाँ छ ४८ मवर्ण ज ४२२ सबर्णता ज ४२४ सवा ए ५८० सवाई ख ५८० सवाद ङ ५०, भ १२४ सवार ख ३६२ सवाल ख २६५. च ११६ सनान जवाब ख २६६ सविता क रद्यं, क २६८, ख ६१६ सशक च २३७ सर्शकना ज २३४, च २३५, च ७७१ संशक्ति च ५३७ भशकित करना ज २३५ संशक्ति होना ज २३४ सशस्त्र भ २७० ससर ग १८६ ससुराल ग १६१ सस्ता क २६६ सस्तापन भ २६८ स्तो भ २६८ सस्त्रीक ग २३० सस्नेह ज ५७६ सह व २६२ सहकारिता का २४६ सहकारी ग ४२८ सहचर् ग २७८६. ग ३८३ सहचरी गररप्र, गर७७, घ४१० सहसारिगी ग २२५, ग २७७ सहचारा ग रैपर

सहज ग २१५, ज ५८, ज ३८। सहजता ज ६१, च ३८७ सहजात ज ३८३ महत्रानता ज ३८७ सहदेइया घ २३१ सहदेई च १४३ सहदेव क ४१३, क ४३० सहधर्मिण ग २२५ सहन च १४२, भ ६ सहन करना ज १८० महनशील ज ७८, ज ३६१ सहनशोलता ज 🖛 सहना ज १८३ महपाठी ग २७८ सहबास च २७७ सहम ज २४६, ज ३२१ सहमत ज १८४ सहमना अ २३४ सहमाना च २२५ सहयोग ज ६१८ सहयोगी ग ४२८ सहराना व २३४ सहल ज ५८ सहलाना ख ४४७, ज ६६ सहबास क २८७, च ८५२ सहवास करता क २८६ सहस स्व ६३%, छ प्रप्र सहसा खु १६८, ज ४४३, ज १०१३ सइस ल ६३१ सहस्राद्धं क २२५ सहाय ग ४२८, ज ७८५, ज ७८६ सहायक ग ४२८, ज ७८६ सहायता ज ७८५

सहायता देना व ७८७ सहारा च ७७२. च ७८५. भ २०२ सहारा लेना ज ७०३ सहित ज ८६१. ज ६१८. ज ६२२ सहितता च ८५२ सहिष्णा ज ७. ख ३६१ सही ज १६४, ज ४०५, ज ८२६ सहुवाइन ग २६५ सहिलयत अ ६१ सद्भदय ख १७३, ग २२, ग २३, ग २६६, ज ३०० सद्दयता ज २० सहैया ज ३६१ सहेचना भ ३६१ सहेली ग २७७ सहोदर ग २१४, ग २१५ साँदै क ११२, ग २२४, ग ३८० साँकल क ३४६, इ ५४३ सास्य क ५६२ सारूयसूत्र क ५७० साँभ छ १४१ साँटना ज ६०२ साँटा घ २४६, ङ ३६६, ज ६०४ साँठ घ १७५ साँड ग ४८४, ग ४८३ सांदिया ग ४५० साँद् ग ४८१ सात्वता ज ३३, ज १३३ सात्वना देना ज ३८ सॉप ग ५५८ साँपिन ग ५६० सापदायिक क २

साँभर ङ ३१, ब ३७५

सावला च ४८० म साँवलापन ख ३२ साँस ख ४६०, च ७१३ सा ब ४२२ साइस ख २८१ साइकिल ङ ३८६ साइत ख ६४६, छ ४, छ १२४ साईस ग ४११ साकत क ६ साका छ १५५, ज २४६ साकार क ११५ साको ग २६७ साकेत च १११ साजातकार व ७३२. च ७३३, घ ८४८ माचो ग ३७१ म १६१ साइ। देना भ १६०, भ १६३ सास ज २४६ साम्ब देना भ १६० साली ग ३७१, घ १०२, २६ १६१ सास्री देना भ १६० सागर क ४८०, च १६०, ङ ४५०, च २६४, चे ३१४ साख् घ ७५ साग घ २७४, घ ३२६, ङ १०४ सागू घ २७३ सागौन घ ८४ साब ह ३०० साजन ग २६६ साजसामान ङ ४१६ साभा ज ८६१ सामेदार ग ४१६, ग ४२० साटना ज ६०२ साठा घ २४६

साठी घर३० ब २३३, घर३४ साद्दी ङ २७१, ङ २८० सादी ह १६० शात ख ६०३ सातवाँ ल ६०४ साल्वको ख १६५ साखत क ३६६, क ४१० सारिवक क १२३, क १३४, स्वं र⊏अ सात्विका क १६४ साय व ७८५, ज ८५२, त ६१८ साय देना च ७८७ साधिना स २७७ सादगी व ६१ सादर घ ४६४ साना ज प्रदा, भर २६६ सादापन न ६१ सादा ख रहर साद्दश्य ख ४५४ साम च १३८ कावन क 📢 बायन ग ७६, क ३७०, क ३७६ साधना क ६२, व ६५४ साधना करना क ६३ साधनास्यल क ६५ साधारया ज ४१७, ज ६५७ साधु क ६४, क ११०, ख ३६६, ज ५८ साधुता क ६६, ज ६१, ज २६७ साधना क १११ साध् क ६४ साध्य क २०४, क २०७, ज ५८ साध्वो ग २७२ सान चंगना क २६७ सानना भ ६३

सानु करहल, घ ११, च ६२४ साप्ताहिक स २६१, छ ११४ सफ़ व ३१७, ज ४१२, ब ४१४, ब ४८० ग्रा, च ५४१ साफ्र करना छ २६०, च ५४७, च ५५०, ज ५५२, ज ६५४, ज ५७८, का ७२ साफा ट २३८ साफी ङ २५५, ड २५६ साबित व ८२६ साबित करना भ १६३ साबिर ज ३५, ज १३५ साबुत च दर्६ सानुदाना म २७३ सामन्जस्य ज ४२४ भाभंत का २७३ सामतनाद ख ३४२ साभतशाहा स ३४२ सामगान के ५५२ सामग्री इ २७, इ ४१९ भामना भा २६२ सामायिक छ १५, छ ६५ सामर्थी भ ४०, भ २७८ सामध्यं न ४००, स २७७, स ३८ सामध्येवान ज ३६८, भ ४०, भ २७८ सामर्थाइ।न ज ३६६, ऋ४२ सामध्यहीनता ज ४०१, भ ३६ मामवंद क ५४४, ख २३७ सामाजिक ख ४६६ सामान इ ३७, इ ४१६, ब ३७५ सामान्य ल १६०, ज ४१७, ज ४२४ सामान्या ग ३६७, ख १५६ सामुद्रिक ङ ३२ साम्य च ४२४

साम्यवाद ख ३३६ साम्यवादी पार्टी ख ३४६ साम्राज्यवाद ख ३४३ साम्र ज्यशाहो स्व ३४३ साय छ १४१ सायकाल छ १४१ सायत ख६/६, छ ४. छ १२४ सायर च २६४ सायन भ २५१ साया ङ २७५, छ २६४ सारग क ११२, क १६५, क ३०७, क ३६६, ख २२, ग४, ग४३५, ग४५२, ग४६४. ग ५०५, ग ५५८, ग ५६३, ग ५६८, ग६०७, ग६०६, ग६१३, ग६१५, ग ६२५, ग६६३, ग६७७, घ३८१, च ६०, च २६४, च ३१३, ज ४६३ सारंगी ल ६७, ल १०७ सारक ३१३, क ३१६, ल १६०, ग६७, ग १२६, घ ३३, घ ४५१, ङ १५८ सारथी ग ४१२ सारनाथ क ४६७ सारस क ३०७, ग ६४० सारा ज ८७६ सारिका ग २७५ मारो ग ६२४. ड २७१ सावभीम ल ३५०, ग २६२, च ८८ साल ख ४⊏३, घ ७५, घ १०२, छ २७ सालगिरह छ १४७, भ २३ सालन इ १०४ मालना ख ४६२, ज ४७० सालममिश्री ट २२ साला ग १६२, ग ६२४ मालाना स्व २८

साली ग १६४ साला ह २७१ सावधान ज २०२ सावधान करना ज २०८, ज ७७० सावधान हो ।। ज २०६, ज ७६९ सावधानी च २०४ सावन क २८६, छु३७, छु४७, छु७३, छ ।४ सावाँ घ २४० साधित्री क स्वे, क २०२, क ५५८, ग 200 सास ग १६० सामर ग १६१ साहब क ११२ साइस ज २०६. व २१२, ज २४२ साइसिक ग ४१८, ख २१४, ख २४० सहसो च २१४ साहाय्य ज ७८५ साहित्य स्व १२६, ज ८५२ साहित्यकार ख १२७ साहित्यिक ख १२७, स्व १३० साह ग २६४, ग ४०४ साहकार ख ४०४, भ र⊏६ सिउठा ड ४३६ सिंगरफ ड ३१० सिंगा स्व ११० सिगार क ३०० सिगारना भ ७७ सिंगी ग ५८६ सिघा ख ११० सिंघाड़ा घ ३७६ सिंघो ग ५८६ सिंचन करना भ १४३

सिचिया करना भा ३१= सिदर ङ ३०६ सिंद्र डालना क २४ मिद्रो ख ३४, घ ४३८ सिध व २६५ सिधा ग ४५१ इ २४ मिणु व २६४, च २६५ च २७१, च २६५ सिध्रजा क १६३ ासधुर ग ४३५ मिंधुलवण इ २६ सिधोरा उ ४८८ सिंह के १८६, ग४६४, च ५८, च ६३ सिंहल च ४५४, घ ४५७, ड ⊏३, च १२६ सिइवाइना क १८५, क १६४ सिद्धाः स्व ११० सिहासन च १७६ सिहिनी ग ४६६ सिही ग ४३६, घ १४६, घ १६६ सिक्रार ग ५१३ सिकंदर ग ४६२ सिकचा उ ५१६ सिन्डो इन्देश, हा देवर, हा दे४६, डा ३४६, ड ३५६, ४ ३५६, ड ५४३ सिकत्तर व ३५७ सिकता द १७२. च ६८ विकटर है ५४० सिक्रहना च ८०७ मिनुदाव ज ५७२ सिकाइना ज ८६६ सिक्कड र ४०० सिक्ता ख ४२१ मिक्ल के रे

सिक क १४४

सिक करना म १४३ सिक्ता च ६८ सिखरन ड १२७ सिखाना ख २४७, ब ८४४ ांसजदा क ५०८ सिजदा करना क ५१३ सिम्ह जाना ज ५०२, ज ६५५ सिभाना भ ६० सिटकिना इ ३६६ सिटपिटाना च २३२ सिटाई ६ ४६, भ १३० मिइ ज ३३७, ज ३४१ सिड़ी ज ३३५, ज ३४० सिङ्गंपन ज ३४१ मितम्बर कु ३८ सितार ख ६७ चितारा र २१, ज ४५७ सितुहाध ६.४ सिद्ध क ६४, क ११०, क २०३, क ४४७, र १६, ५१६६, फ ६१ सिंद करना मा ६०, भा १६३, भा ३५७ सिद्धनाथ क १६५, घ ४४० सिद्ध होना ज ६५५, भ ६२ शिद्धां क २६५, इ ६५ सिद्धार्थ क ४४७ सिद्धिक १६४, क २६३, क २६५, ख ६०६, न १६ सिद्धेश्वर क १६५, घ४४० मिधाई अ ६१ सिनेमा ख १३६ सिपइमालार ख ३५८ सिपाई। ख ३६५ सिफ़ार ख ५७३

सिमटना ब ३२८, च ८०७, च ८५६, च

5

सिम्त च ७५

सियार ग ५१३, ग ५१६

सियासत ख ३३२

सियाह ख ३०

सियाहा ख ३२, ख ३०६

सिर ग १३, ग ४२

सिरका ङ १३६

सिंगकी छ १०१

सिरबना ब ६४४

सिरताज ङ ३२८, ड ३३७

सिरमौर ङ ३२८

िंखरा भ २६८

मिराना ज ६५६, भ ४१६

सिरोस घ ७७

सिरोही ङ ४०६

सिल ङ ४७४, च २४७, च २४६, च

२५०

विलक्षिला का १६१, का २६४, का ४३५

सिलसिलेबार भ ४३६

धिलइखाना च १८५

विलौटी ङ ४७५

सिवाय च ६१४

सिविक्स ख ३३२

शिसकना ग १२०

सिहरन च ७५२

सिहरना व २३४, व २४५

सिंहराना ज ७५१

सिहराया ज ७५४

सिद्दाना च १३०

सिदुला स ४५१

सींक क ३२६, क ५१६

सींग ग ४३२

सोचना क १४३, क ३१८

सी० ग्राई० हो० स ३७७

सोकड़ रू ३४६

सोकर च २६३, छ २४८

सोख ख २३८

सीभना भ ६२

सीठा ङ ४८, ख १२८

सीठारन ङ ४६, भ १३०

सीइ छ २३६

सोइयुक्त छ २३५

सीढ़ी च १५७

सीतल घ २५८, मा १३८

सोतलचानी रू १६

सीतलपाटी ह ५०७

साता क ३६७, क ५५८, छ २०६, छ १४३

सीतापात क ३६६

सीताफल घ ५८, घ २८५

सोघ च ५८

सीषा च ५८, ज ६५७

सीघा सादा व ११२

सीधापन च ६१

सीन च ७२६

सीना ग४६, च ८६४, च ८८१

सीनाबंद इ २६६

सोने से लगाना च १५२

सोप च ६०४

सीपी च ६०४

सीमत क हद, ग १०७, भ ७४

सोमा च २६७

सीर ङ ५२६

सीरा ङ १२२, ङ १७३

सील क ४७५, छ २३६

सीलयुक्त छ २३५ सीलान च १२६ सीला घ ४५८ सुँचनी ङ १६८ सुन्दर ज ४६३ सुन्दर ज ४६३ सुन्दरना ज ४६७ सुंदरा क २४७, घ ३५१, मा ५६ सु ज ४६३ सुम्रावसर छ ४ सुकरता ज ४६७ सुकरता ज ४६७ सुकर्मा क ११ मा सुकर्मा क १३, ज ३१३ सुकर्मा छ ४

बुक्रमार प २४०, घ २६०, घ४०६. ब

्६६ सुक्कुमारी घ ४०३, ४६ ५७ सुक्कृत क ११ ऋ, ज ३०३

सुकृती क १३ सुक्र डी ख ५३७

मुख च २६८, ज ४६, ज ७६४

सुलकर ज ५३ सुखद ज ५३ सुखदाई ज ५३ सुखनतिहया ज ६२७ सुखयाना मह १३६

मुखारी ज ५१, अ ५३ सुरवी ज ५१

सुगध घ १३०, घ २५५, घ ४६⊏, ङ ३१२

सुगधवाला ३ २३

सुगांच च ३५, क ३१२, ज ३०३

सुगचित ङ ८४

सुगंबित करना भ ३६६

सुमति च ६५० सुगम च ५८, च ५७६ अ

सुगमता ख ६१ सुगापली घ २३३ सुग्गा ग ६१७, ग ६२०

सुग्गो ग ६१६

सुयोव क २५१, क ३००, क रैप्४

सुषर ज ४६३ सुचार ज ४६३ सुचित ज २२७

मुचितई ज ३३४, छ १५५

सुजाक क ४६०

सुजान क १७, क ११२

मुजोग छ ४ सुत्र क १७ सुठि ज ४६३ सुद्धौल क ४६३ मुद्धौलपन ज ४६७

मुत ग २५०

सुतल क १३६, क १३७ सुता ग २६०, च ६४ सुतारी द ४६२ सुत्ही ६ ६०४ मुत्तपिटक क ५६२ सुथना इ २६४, इ २०७ सुथना व १११, इ २६४,

ंड २७७ सुथरा च ५४१ सुथरावन च ५४४

सुदर्शन घ ८:, क १४०, क १६%

सुदिन इव ड दसुरे इब इन्ह

सुब ब ८३४, ब ८४०

सुध नंरहना च ८४३ सुधबुष च ५, च ८४० सुधा क ४४२, ड २६, च ६•, च २६०

च ६७, च ६२२ सुधाई च ६१ सुधाकर क ३०७

सुधार च ६४०

सुवारना व ६४२, व ६४४, म १५६

सुधि खदर, खदर० सुधि करना बदर७ सुध कराना नदर६ सुधि खोना बद४३

सुधि दिलाना ज ⊏३६

सुधि विसराना ब ८४३

सुधि लेना ज ८३७

सुधी क १.० सुनना ज ६०१ सुनसान ज ५६८

सुनहरा ख ३७, ख ५४, मा ३३६

सुन्न ज ६०६ **शु**जी क ५०६ सुपारी ह १६२ सुपुत्र घ ४२५

सुपुर्द करना भ ३६१

सुन्त ज ७५६ सुन्ति ज ७५८ सुफेद ल २८ सुफेदो ल २६

सुबह छ १३६ सुबिस्ता भा २७०

सुबोता भ ३७०

सुभग घ ६८, च ४११, च १५५

मुभागा छ १११, म ५६

सुभद्रा क १६४, क १६८, क ४१६ श्रा

सुभाव ज १ सुभाषित क ४४७ सुभोता क ३७० सुम घ ३८१

सुमन क २०७, घ ३८१, ज २२

सुभिरन क ३८

सुमिरना क ३६, क ४०

सुमुलो ख ७५, ख २०३, भ ५६

सुमेर च २५५

सुमेर क ४१, च २४६, च २५८, ज ४६३

सुयाग छ ४ सुयोधन क ४३६

सुरग घ ३४=, ड ३१०

सुर क २०७, क २६७, ख ६४, घ ४४८

सुराचा भ १६८ सुराचित रखना भ २०५

मुस्त ज २२, ज ८३४ सुरत करना क २८६

मुरति क २८७, ज २२४, अ ८३४

मुरती इ १८६, ङ २००

सुरधाम कं २३८ सुरनदी च २६० सुरपति कं १३४ सुरपुर कं २३८

मुरभि ग ४६६, घ ७८, घ ११४, **घ** ४०६, घ ४२०, घ ४७७, ङ २७, **छ**, ३<u>६</u>,

평 도 ४

सुरभा ग ४६६, ग ५०५, च १०६

सुरमई ख ४६

मुरमा च १८३, ङ३०१, ङ ३०५, ४ ३०६,

ङ ३०७

सुरलोक क २३८

सुरक्षरि च २६०, च २६७ सुरक्षा क १६४, घ ३३२ सुरा ड २०५, च २६२

मुराख च १५६ सुरालय च २०८ सुराही ए ३३३

सुराता ज ४६७ सुरेन्द्र क २२५

सुरेश क १३४, क १६५. क २२५, क २६६, ग ५८२

मुखंखं २५ सुखों ख ३६ सुतीं ड २००

मुलगना भा १०४, भा १०८

मुलाना ज ७६३ सुलोचन ज ४६१

मुवन क २६७, क २०७, क ३११, ग

440

मुवर्ण क १३४, ख ३७

मुवा ग ६१७

सुवासित करना भ ३६६

सविस्तृत ज ५७३ सुवैप ज ४६३

सुंशिच्ति ख २३६

सुशाल ब ५८, ब ८४, ब ३००

मुशालता व ८० मुशाभित व ४७४ सुवना व ४६७

मुग्गर ख १४, इ ८८

मुब्द ज ७५६

मुपेगा क १२४, घ ४८

मुषेत क ३३६ सुष्टु ज ४५३ सुस्त छ १६५, ज ५६, ज ३६४, ज ४४७, क ४२

सुस्त प**इ**ना ज ७५५ सुस्ताना ज ७६५

सुस्ती छ १६३, ज ५७, ज ४४६

सुस्ती करना ज ७५४ मुस्थिर ज ६७६

मुस्वादु ६ ५०, ६ ५०, भ १२७

मुस्वादुता इ ४५, इ ५१,

भ १२६

मुहगना व ४४७, ज ६६

सुहाग भ ४७

मुहागिन ग २७०, भ ४६

मुहाना ज ४६४, ज ४६६

सुहावना ज ४६४

सहावना लगना च ४६६

मुहृद स २७६, ज ५६

मुद्दय व २३

सुद्दाता ज २०

म्र्डिंग मा ३६७

मुंड ग ४४२

सूस ग ५०२ सुग्रर ग ५२२

स्था ग६१७, ३ ४८३

सूई ड ४८: सूका खाररप

स्ककार क तरह

स्कद्रव्टाक ४४६

स्दम क १६५, ज ४२६, ज ४०३

स्हमता ज ४२८ स्हम शरीर ग ५ स्व जाना ज ५०२

स्खना भा १३२

स्ला ख १७४, ङ ४८, ङ २११, छ २५३, च ५६८, का १२८ स्लापन ङ ४६, भ १३० सुखारोग ख ५३७ स्चक ग ५१६, ग ५२१, ग ६५४, ज १२०, ज १६३ स्चना व १२२

स्चिका ग ४४४ स्चित च १२१ स्चित करना च २०८ सूची ङ ४८१

स्वीमुख क ३२१, क ३२३, छ ४८५ सूजन ख ५२४ सजना ज ८०८

स्वा क ४८३

सुजी ग ३३७, ङ ६७

स्ट ङ २६६

स्त क २६७, ग ३३१, ग ३५३, क ४१२,

4 YXE

स्तक व ४५६ स्तकगृह च १४० स्तगीता क ५८२ सतफेनी क १२८

स्ता ह ४८०

स्तिकागृह च १५० स्तिका राग ल ४६३

स्ती कपड़ा ह २२३

स्त्र क प्रद्रप्, इः ३३२, इः ४८०

स्वकार ग ३३१ सुत्र रोली ख २०६

सुद ख ३६७, ग २६६, ग४०२, च ३०८ स्टबोर स ४०४, ग ४२५

सुवा ब ५८

स्मापन अ ६१

स्प क ६७, ड ४१२, ङ ४६३, मा ८८

स्पक ग ४०२, भ ८८ स्पनार ग ४०२, भ ८८

सूबा च १०६

सूम ख ३६०. ग ४६५

समपना ख ३६१

स्र ग ५२३, घ २५६, व ४६६, म २७३

स्रज क २६७, ख ४६६ स्भवमुली घ ४२८

स्रत स्व १४७, ग २३, ज २२, ज ४६२

सूरति क २२, ख १४७

सुरदास ज ४६६

स्रन घ ३१० सरमा भ २७३

स्रमापन भ २७५ स्राख च १५६

सूर्यनखा क ३६८

सूर्य क २६७, क ५५८, ख ६१६, घ १००,

च ५, च ७

स्यंकात च ४८४, च ५६६

त्र्यंकातमग्रिष प्र ५६६

सूर्यगीता क ५८२

सुर्यभडल च ८

स्यमुखी च ४२७

सूर्यवश क ३६५

सुस्योदय छ १३६

स्बक ज ८१६

सुजन क १२६

सुजनहार ज ८१६

सुष्ट क १२७

सुध्टिक १२६

सुब्टि करना क १२५

स्वितन्तिक ११२,क १२३ सॅक्स भाग्य

संकना भा ६७

सेंगर घ २३३

सेंट ड ३१२ सेंदुरिया ग ४३⊏

सेंघ घ ३७३, ऋ२०७

सेषा नमक ह २६

सेवई ड १२४

संहुइ व ४७६

सेकेटरो ख ३५७

सेचन इ ५६८

मेब ङ २८२, इ ४६६

सेठ ख ४०४, ख ४०५ स्न, ग २६४, ग

३१४, व १७८, म २८६

सेठानी ग ३३६

सेटी ग २६४

सेतु च २८८

सेतुवा ग५८२

मेतु वॉथ रासेश्वर क ५८, च १२०

सेना क १६१, क २२७, ख ३५६, इ ४१४

मेगध्यव ख ३५८

मेनानी क १८६, ख ३५८

सेनापति क १८८, ख ३४८

सेनापांतत्व भा २७२

सेब घ ३४५

सेग घरहर

सेमर च १२५

सेमा घ २६०

सेर ज ३५

सेरवाना भा १०१, भा ४१६

संरामा भ १०२

सेव घ ३४५

सेवक ग २६६, ग ३८३

सेबकाई म २४६

सेवती घ ३६८

सेवना क २६, क २७, क २४७

सेवा कर६, क १६८, क २४६

मेवार ग ५८२

सेविका ग २६७, ग रूप्प, इ० १२४

सेवित घ ३४५ सेवी ग ३८३

सेव्य घ ६६, घ १३०, भ १६६

सेहुँइ घ ६७

सेह्रज्ञॉ ख ४५१, ल ४६५

सेडिल ड २६७ सेंडो ड २४४

सैघव ग ४५२, ग ४५६, ड २६

सैकदा ख ६२८. ख ६२६, ज ६३२

सैद्धातिक ख २१०

सैनारन्य भार७२

सैनिक ख ३६५, ख ३७३

सैन्य व ३५६, ख ३६५

मैयाँ ग २२४

सैरब्रो ग २७७, ग ३८४

सैनानी च २३१

सैलाइ च २८४

साचर नमक क ३३

सारा ङ ४५५

संठि ङ २४

सोंघा ङ ३१५

साखइत 🐐 ३५४

सोखइती क ३५३

सोख(तो करना भ ३६०

सोखना ऋ १३४

सोखा क ३५४

सोखाना भा १३३ सोख्ता स ३१४ सोगना ज २२५ सोच ज २२४, भ ३४८ सोच करना ज २२५ सोचना ख २४८, ज २२५, ज ३६६ सोटा ङ ५५५ सोडा घ ४६६ सोत च २७३ सोता च २७३ सोदना ज ८०८ सोन च ३०५ सोनिकरवा ग ६७१ सोनजुदी घ ४०५ सोनपाठा व १०५ सोनभद्र च ३०५ सोनहा ग ५१६ सोना घ ४४८, ज २०७, ज ७६१, ज ७६५ सोनापाठा घ १०५ सोनार ग ३३५ सानारिन ग ३३६ सोने का सिक्काख ४२२ सोपान च १५७ साम क २०६, क २१५, क २४२, क २५५, क २०७, क २१२, क २१७, क ५१५, ख ५८६, च ३, च २६२ सोमरा करना का ३११ सामलता इ २०७ सोमवार ख ११५, छ ११७ मोयम ख ५८६ सोयाबीन घ २६१

सोर घ १३

सोरा घ ४६६ सोलइ ख ६२१ सोवा घ ३३२ सोवाना ज ७६३ सोशलिजम ख ३३८ सोइन ग ६२८, ग ६६७ सोइबत ब २०७, ब ८५२ सोहाग इ ३०६. भ ४७ सोह।गिन ग २७० सोहारी ड १०६, ड ११० सौंदर्य ज ४६७ सौंघ च १७२ सौंघा ड ३१५ सौंपना ज १६६, म ३६१ सौ ख ६२८ सोंफ ङ ⊂ध सौक्रमार्य ज ७० सीख्य च ४६ सोगंद भ ४२३ सौगात भ २८२ सीजना क ३६, भ ३६१ सौत ग २३० सौतपन ग २३१ सौतेला भ १७ सौतेला बाप ग १७६ सौतेली माँ ग १८० सौदा ज ३४१, म २६४ सौदागर भ २८६ सौदामिनो छ २५४ सीध घ ४४६, च १४०, च १४६, च १७१ सोधागिनी ग २७०, अ ४६ सीमाग्य क ५५८, इ ३०६, व ४५६, म 80

प्र३६

सौभाग्यवती ग २७०, मा ४६
सौभाग्यशाला ज ४६०
सौभनस्य घ ५१
सौभनस्य ज ४५
सौभन्यता ज २६७
सौभित्र क ३६७
सौभन्य ग ५८४, घ १५६, व

सौम्य । ५८४, घ १५६, च १८, ज ५८, ज ४६३ सौम्यना ज ४६७, ब ६१

सौम्यदर्शां ज ४६३ सौम्या क १६४, घ २०७, य ४०१ सौर क ५७६, घ ४२ सौरगृह च १५०

सौरम घ ३५, ड १०, ङ ३१२ सौरवर्ष क ३०

मौरवर्ष छ ३० सौरां च १५० सौबीर हा ३.७ सौडउन ज ४६७

मौहार्द ज १४६, ज -७५

स्कवल २६६, ग१२, ग३६, घ १६, ज

६२४

स्कृत त ५७४, च १६६

स्केल ख ३१२

स्वलित हाना च म११

स्टाप ख ३१६

स्ट्रेल ड ५४८ स्टेर ख ३४८

स्तम ग ८४, घ ५२६, न १६७

स्तमक व ७७६

स्तंभन क २८३, ज ७७८ स्तंभित च ६८६, ज ७७७

स्तंभित होना ज ५३४, च ६०४

स्तन ग ५०

स्तनमुख ग ५१ स्तन्य ड १५५ स्तब्ध ज ६०३ स्तब्धता ज ६०५

स्तर ह २३७, ड २७५, ङ २८२,

ह ५०२

स्तव क ४५, क ६४ स्तवक क ६४, छ ४७६

स्तवन क ४३, ज १००, ज ३५५

स्तवन करना ज ३५६ स्तवनकर्ता ज ६८ स्तवनाय ज ३५८

स्तिति क ४२, क ४५, क ६४, ज ३५५

स्तुति करना के ४६ स्तुतिबाचक के ६५ स्तुप चे १६७

स्तोन क ४५. क ६२, क ६४, ज ३५५

स्तोम ज १२४ स्त्रा म ४, ग २२५ स्त्री प्रसंग क २८७

स्त्री प्रयम करना क रद्द

स्त्रालिंग ग ८० स्त्रैया ज ३०२

स्थागित होना ज ६६५ स्थल घ ४४४, च १ स्थलो च ४३१, च १

स्थाबर क १२३, क १३७, मा ३४ स्थासुक १६५, ड १४, च १८

स्थान क १६ क ३५७, क ५८६, च १,

च १४०, मः २५५ स्थान लेना ज ७५० स्थापन्य ल २

स्थापत्य कला ख ६

स्थापना क २३ स्थायी क २१६ ल ७८, ज ६७६, ज ८३३ स्यायोभाव ख १८४ स्थावर च २४८, ज ६७६ स्थित रहना भ २६१ स्थिति ज १४८ स्थिर क १६५, क २१६, घ २, घ ७१, च २४८, च ६७६, ज ८३३ स्थिरचित्त ज ११ श्थिरचित्तता च १४ स्थिरता च १४ स्थिर होना च ६८६ स्थूल क १३४, ज ४६८, ज ५०४, ज ५१२, घ ४६ स्यूलकाय च ४६८ स्थूलता ज ५००, ज ५१४ स्थूल होना ज ८०८ स्थैर्य ज १४, ज १३३ स्नातक क १०८ स्तान भा ६८ स्तान करना का ६६ स्नान कराना के ७० स्नानागार च १५१ स्निग्च ग २००, ड १४, ज ५७६ रनग्धता च '५८१ स्नेह ह २१३, ज १४५, ज १४६ स्नेइ देना च १३६ रनेइन क ६७ स्नेहप्रद घ २६७ स्नेही ग २६६, ज १५३ स्तांड ३२३ स्पंदित होना क ३५१

स्पद्धी ज २६१

श्पद्धीं च २८४ स्पर्श च १६५, भ ४११ स्पर्श करना भ ४१२ स्पर्शन क ३१३, क ३१६, ब १६५ स्पष्ट करना ज ८६६ स्पृह्णीय च १४४ स्पृहा च १३८, म ३७१ स्पृही च १६६ स्फटिक च ४८४, च ४६६ स्फुट ग ५६४, घ ३⊏२ म्फुलिंग छ २८१, भ १०६ स्फूर्ति ज ४४४ स्फूर्तियुक्त छ १६४ स्फुर्तिहीन छ १६५ स्फूर्तिहीनता छ १६३ स्फोटक ख ५२२ समर क २७१ स्मरमा क रूप क ७२, ख १६०, च प्रदेश स्मरण करना क ३६, ख २४६, ज दर्भ, ब दहेंद स्मरण दिलाना व २०८, ब ८३६ स्मरगाशकि ब ८३६ स्मरगोय ज ३५४ स्पशान च २२८ स्मार्त क ७ श्यित ख १८१ श्चिति आ ६३१ समृति क २०२, ख १८५, च २२४, च ६३४ स्यंदन क ३१३, ङ ३६० स्यात् छ ८, छ १६५, च ६७३ स्यार ग ५१३ ∡स्वाह ल ३०, ग ४६२ स्याही ल ३२, ल ३०६

स्रोत च २६२, च २७१, च २७७ स्रोतस्विनी च २७१ स्लीपर ङ २६८ YOY # FF स्वकीय भा ४०५ स्वकायता मा ४०७ स्वच्छंद भा २३४ स्वच्छद्ता भ २३६ स्वच्छ ब ११७, ब ४१४, ब ४६३, ज 488 स्वच्छ करना छ २६०, छ ५४७, व ५७२ स्वच्छता स ४१५ छ, ज ५४४ स्वच्छ होना छ २३० स्वतः च १००० स्वतंत्र मा २३४ स्वतंत्र करना भर २३६ स्वतवत भ २३८ स्वतंत्र होना भा२३१ , स्बत्दाधिकारी स ३८.० स्वप्त सा रद्भ, स भूदद, स ७६६ स्वभाव म १, म ४०२ श्वभावन व रेप्प स्वयं च १००० स्वयम् क ११६, क १२२, क १२४, क १६५, क २७१, क ४८३ स्वर क २३ =, स्व ६४, स्व ६६, स्व २२६, ब २२७, ख ६०३, च ३, ज ५८८ स्वरूप ख १४७, ग ५, ज ४६२ स्वरूपवान ज ४६३ स्वर्ग क ११२, क २३८, च ३ स्वरोबासी क २४०, ज ८२८, च ८२६ स्वर्गीय क १४०, व ८२८, व ६२६ स्वर्ख म ४४८

स्वर्णकार ग ३३५ स्वसुर ग १८६ स्वस्तिक च १७१, ख ५४७, भ २६, भ ४० स्वस्थता च ४६ स्वॉग ख १३६, ख १४७ ग्वाँग बनाना ख १४८ स्वागत ज ६६८ स्वागत करना च ६६६ स्वातंत्र्य भ २३८ स्वाती क ३०२. च २७. च ४२ स्वाद भ १२४ स्वादहोन इ ४८ स्वाद हीनता है ४६ स्वादिष्ट ह ५०, ह ६०, भा १२७ स्वािष्टता इ ५१, भ १२६ रवाभान भ २३४ स्वावीनना भ २३५ स्वाधीनविका व १५८ स्वाध्याय के जार, स्व रूप् स्वाभाविक अ ३८१ स्वामा विक चिकित्सा 🕊 ४३२ म्बाभाविकता ज ३८७ स्वामित्व भर १४६ स्वाधिना भ वदश स्वामाक ११२, क १३४, क १६०, क १६५, ग २२४, ग ३८०, घ ४५६ म्वार्थ ज २७३ स्वार्थता ज २७३ स्वःर्थपरतः ज २७३ स्वार्थी च २७४ स्वास्थ्य ख ४२८. स ५४५, करे स्वाह्य होना क १०४ स्वोकार व १७६, व १८८

स्वीकार करना च १७८, ज १८६, ज १८६, भ ४०६
स्वोकार्य च १६०
स्वोकृत ज १८४
स्वोकृत ज १६४
स्वोकृति देन: ज १७६
स्वोकृति देन: ज १७६
स्वेद ग १२१
स्वेद ग १२१
स्वेद न १२१

ह

हकारना ज ५६१ हंकारी त्व ३६१ हगामा ज ५८६, भ १७५ हंदियाँ ड ४६२ हडां ड ४६६ हना ज ५२४ हकां व ४६०, ज ७ १३ हम क ११२, क १३४, क १५४, क १६५. क १३६, क २४५, क २६७, क ५५८, ग ५, ग ६, ग ७, ग ४५२, ग ६०७, ज २६२ हंसना ज ६३०, ज ६३२, भ ३६८ हसना ज ६३०, ज ६३२, भ ३६८ हसना ड ३३१, ङ ३४५ हंसनाहिनो क १३०

हॅसाई ज ६२८

हॅमिया इ.५२६ हॅमो ज ३७२, ज ६२८, ज ६२६ हॅसी करना ज ३७३ हॅमा भचाना च ३ ११३ हॅमुती ल ३३१, इ ३४५ हं**मुवा**ंड ५,२६ हॅमोड़ ज ३७१ इकवशना भ ४४१ इकिनाना जप्राव हराम ल ५ ८ हर्भमा ख ४३१ हक्का बक्का च ६०३. भा ४४० इक्ना-वक्का होना ज ६०४ इगनइटी ग = ३, च १५३ इगना ग ११६ इज क ५०७, क ४१७ हज़न करना च ७१३ हज़म कर लेना का २१८ हतरत ज ५२४, ज ३६७ इजाम ग३(१ इज़ार ख ६३१ इज्रं! ग २८४ हरजाम ग ३११ इंज्जाभी ख ४३४ हरकना च ७५४ हटना ज ६७, च १८८, ज २८०, च ६६५, ज ७४४, ज ७६१ हरवाई में ५१३ इटाना क २७६, ज १२६ ज ३६१, ज ६७०, ज ७४७, च ७७५, च 🖂 ३ हराया ज ७४८ हरूवा ग ४०० इट च १३६, च १३८

हट्टाक्टा व ४६८ इट्टी च १३८ हर ज ७३, ज ६७७ इटभमी ज ७३, ज ७४ हरुपमी करना ज ७५ इटना भ ४२८ हरयोग क ६२ इंटात् ज ६७५ हराज ७४ हरकता ज ५०२ इइपना भ २१२ हड़भड़ाला १६१, ज १८ इइवहाहट छ १६२ इडबेडिया छ १६४, न ४४८ इदबदां छ १५८, छ १६२, ज ४४४ इक्वड़ो मचाना छ १६८ इड्रा ग हह इड्डा ग ५७६ उउ ए दिव इनकड्च्ज़त ज ३४८ इतप्रम छ १६५, म ४२ **इ**नबुद्धि ज ३६४ इन्ना ग १५८, क २१८ इताश व २/३ इताइत भा २७६ इतोत्साइ ज २१५ इत्या का २१४ इत्या करना ग १५८, क २१८ इत्या करवाना स १५७ इत्यारा का २१५ हथकट्टा ज ५२८ इधकेर ख ३६८

इथफेर लेना ख ४००

इथरोटिया ड १००, ड १०१ हथिनी ग४३६ हथिया घ ४२६ हथियाना ज १६८, मा २२४ इथियार इ ४०१ इथिपारवट भ २७० इथुई ट १०० हपेला ग ६१ हथोड़ा ड ५१५ इटाम क ६०२, क ६०४ इनना भ रश्य इनन!य भ २२८ इनुग ३२, घ १२०, घ १५७ इनुमान क ३१५, क ३८० इन्य म २२८ हफ्रन करना ज ८३८ इक्ताल ११३, छ १२२ हफ्रनावारी अदृश्य इब्स च १५२, च १८३ इस च ११६ हमदर्व व ४०४ इमराइ ज ६१८ इमराही च ८,४२ इम्ह स १४० इमला ज २८७ इमवार ज ५७७ इमवार करना ज ५७८ इमाम च १४१ इमारा ज १६० इमेशा छ १०, छ १६७ इम्माम च १४१ ह्य ब २२५, ग ४५२ इया घ १५०, ज ३२१

इया करना च ३२८ इयादार च ३२२ इयाचान ज ३२२ इरक्त ज ६८०, ज ७१४ इरकत करना व ७१५ इरकारा ल ३६६, ल ३७६ इरखना ज ४८ हरखाना ज ४३ इरज ज ४५५ इरज करना ज ४५६ इरख क १६६ इरताल म ४७३, घ ४७५, म ४७६ इरतालिका घ ११४, घ २२१ इरना क २१० इरफ ख २२५ इर्थ। ड ४०० इरम ग २२५, ग २२८, ग ३८४ इरवक्त छ १० हरबाहा ग ३७७ इर्ष व ४४ इरसना ज ४१ इरिवगार घ ४१७ हरा स ४१, ङ २०४ इराई ज २८६ इराना ज २६१ इरापन ख ४२ हराभरा ज ५६६ हरामखोर ज ४४५ इरामनादा ग २४६ इरावल ख ३६१, भ २६३ इरास ज २१२ श्रा, ज २२४, च २४६ इस होना ज ६४६, म ३१६ इरिक १३४, क १६५, क २२५, क २६७.

क २०७, क ३११, क ३१३, क ३१६, क ३१७, क ३६६, ख ३७, ग १२६. ग ४५२, ग ४६४, ग ५२४, ग ५५६, ग ५६३, ग ६०१, ग ६१५, घ ४४८, घ रेम्म, च ५०, च २४८ हरिगोतिका ख २०३ हरिया ग १३४, क १६५, ग २६७, ग प्रथ, ग ६०७ इरिशा घ २०२, घ ४०४ इरित क २६७, ख ४१, ख ४३, ग ४६४, म ४८६, म ४६०, च ७४ हरिद्रा च ४५८, स.६०, छ, १४५ हरिन ग ५०५ इरिनी ग ५०६ इरियर ख ४१, क २१६ हरियरो ङ २१६ इरियानी ख ४२ इरिस इ ५२= हर्ब च ४५५ इबं करना च ४५६ इर्ता ग ४१८, ब ८१४ इर्फ ख २२५ इर्रा क २६ हर्ष ल १८५, ज ४५ हर्षना ज ४१ इपांना व ४१ हर्षित ज ३६ इर्षित करना ज ४३ हर्षित होना ज ४१, ज ६४६ इल इ प्रद् इलका रू ३७२, च ६६, च ५११, मा २६६ हलका करना च ७२१ इलकान करना च ५५

हलकायन ज ५१३ हलकोरना ज ५४६ हलखोर ग ३५४ हलखोरिन ग ३५५

इलचल च १५, भ १७५ इलिया क ४१० इल्ला क ४१४

इलना भ ४२३ इलम भ ४२३

हलप उठाना मह ४२४

इलक्बी क ३२६ इलवाई म ४०२ इलवाहा म ३७७ इलवाहो म ३७७ इलाहो म ३७७ इलामा ज ७४१ इलाय्ध क ४१६

हलालखोर ग ३५४

इलाइल क १८३, घ ४७८

हलुआ ड १२२ इलुक च ५११ इलुकई च ५१३ इल्का च ५११,

इन्दी ङ २७, ङ ६०

इल्ला ज २८७, ज ४८६, म २६५

हरूला करना ज ५६० हरूलीश ख १३४ हरूलुक ब ५११

रुष्युक्त च २८६ ह्वन क ३११

इवन करना क ८२

इवस च १३१, ज १३८

इवा क ३१३, घ २६३, ज ३३६, च ६५०

इयाईजहात ह ३७६ इवा करना भ ३८० इवा खोलना व ६५१

३५

हवागाङ्गी ङ ३८६ हवालात च १८२

हवास च ५

हांव क ६०, क १५७ हांवष्य क ६०, क ६१ हवेनी च १४१, च १७१ हसरत ज १३८, क ३४८ हांसत ख १६४, ख १८१

हमीन ज ४६३

इस्तक २/४, ग४३, ग५६, ग ४४३, च

२७, च ४० इस्तगत भ ३४९

इस्तगत करना ज १६८

हस्तपृष्ठ ग ६२ हस्तिनापुर च १२२ हस्तिनी ख १५५, ग ४३६

इस्ती ग ४३५ इस्र क ५०६

इहरना ज २३४, ज २४५

हहराना ज २४७ हहा क २४६ हाँ ज १८४

इंकि ज प्रश्, का रहप

हाँकना च ७१७ इक्तिने वालाज ६१० हाँक लगानाज ६००

हाँका ड न्य्रद हाँफना ज ७१२ हाँमी मरना च ६६ हाँ में हाँ मिलाना ज ६६ हाँसा ज ३७२

हासा ज २७२ हाऊ ज २३८

हाकिम स ३६८, भ १५०

हार्किनी क २०२ हाकी (खेल) ङ ३६७ हाकी ङ ३६८ . हाबत च ४२१ ई हानिर भ २५७ हाज़िर रहना भ २६१ इाज़िरी भ २५६ , हाट च १३६, च १३८ हाटक च ४४८ हाइ ग ६६, छ ४५ हाड़ा ग ५७६ हाड़ी ड ४५६ इाता च १०६, च १६४, च १४४ हाथ ग ५६, ग १३८, ग४२८, ज ७८६ हाथ बोइना ज १८७, भ २४८ हाथ पकदना च ७७४, भ २४ हाथ बटाना क ८७ हाथ मलना भा ३४७ हाथ मुंह भोना भ १२० हाथ लगाना ज ७८७ हार्था ग ४३५ हाथीखाना च १८७ हाथीवान ग ४१० हानि अ ४५५, भ ३०१ इानि करना अ ४५६ हाफ़वैट ड २५६ हाबुस ड १४३ हामला क ५२ हामी भरना ज १७८ हार ल ४१६, ग ५५८, ङ ३३१, ङ ३४६, ब २८६, ज ७५२, ब ६२४ हार देना ज २६१

द्वारना ज २६२, ज ७५१

हारमोनियम ख ११५ हारा ज ७५४ हारियाी क २०२, ग २७७ हारिल ग ६२० हारीत क ५७८, ग ४१८, म २०६ हार्निया ख ५०३ हार्मोनियम ख ६८ हाल ङ ५२६, छ १७३, व ४४३ हाल का छ १७५, छ १७६ हालत ख ५४५, ब ६४८ होला ङ २०५ हाव ख १६२ हास ख १८६, ज ३७२, ज ६२८, ज ६१२ इामपिरल ख ५४३ हां िल भ ३४६ हासिल करना भ ३५० हास्टल च २०० हास्य ख १७६, ज ६२८ हास्यासमक शैली ख २०६ हाहा क २४५, क २४६ हिंगुश्राना च ३७८ हिंगुल इ ३१० हिंडोल ख = ३, ङ ३६१ हिंद च १०८ हिदवी ख २२२ हिद्सा ख २२८, ख ५५६ हिंदी खा २२२ हिदुस्तान च १०८ हिंदुस्तानी क ४, ख २२४, ख २२२ हिन्दू क ३, क ४ हिंदोस्ताँ च १०८ हिसक ग ३६३, भ २१५, भ ४४८ हिंसा मा २१४, मा ४४६

हिंसालु का २१५ हिंस क २१५, क ४४८ हिसक ग ४६७ दिकमत ख ४३१, ख ५४६ हिक्का ख ५१२ हिचक म २३१ हिचकना अ २३२ द्विकचाना ज २३२ हिचकिचाहट अ २३१ हिचकी ख ५१२ हिजदा व २२० हिजदापन ज २२२ हिजी छ २७ हिटलरशाही ख ३४४ हिडिबा क ४२६ हित ग २७८, ज २८, व ३०, च १०२ हितकर न ३० द्विकारी व ३० द्वितचितक ज ३०, ज २०१ द्विताचित्रन ज १०२ हिताई क ४०३ हितू ग २७७. ग २७८, च ३०, च १०१ हितैधिता अ १०२ हितेषी ग २७८, ज ३०, ज १०१ हिनाइनाना ग ४५३ हिना घ ४२१ विकाबत के १६८ क्षिप्राजत करना भ २०५ द्विक्त करना ज ८३८ हिम क ३०७, च १४८, च ३८८, च ४४७, क् २७, क् १५८, छ र६० दिमक्ष छ २६१ हिमकर क ३०७, च १६

हिमवान च २५५, च २६१ हिमाचल च २५५ सिमाशु क ३०७, घ १५७ हिमालय च २५५ हिम्मत च २०६, च २१२, च २४२, भ २७७ इिम्मतवर च २१४, ज २४० हिम्मतहीन ज २३६ हिम्मतो च २१४, च २४०, च २५२, भ २७८ इय ग ४६, ग ११३ हियाव च २०६, ज २१२ हिरगा ग ५०५ हिरएय क २४२, ग १२६, घ ४४८, घ ६०५ हिरएयगर्भ क १२३, क १३४ हिरन ग ५०५ हिरनी ग ५०६ हिरस च १३१ हिरावल ख ३६१ हिरासत च १८३ इसिंज १३१ हिलकीरा च २७८ हिलना च १७, च ६८०, च ७०७, च ७१६, ज ७४०, च ७७१, सः ३५१ हिलाई च ७१४ हिलाना व ५४६, च ७१५ हिलोइना व ७१५ हिलोर च २७८, व ७१४ हिलोरना च ५४६, च ७१५ हिलोरा च २७८ हिसाब सा ५५३, सा ६४६ हिस्टारिकल ख ३२१ हिस्टोरिया ख ५३५ हिस्टोरियन ख ३२० हिस्ट्री सा ३१६

हिस्सा ख ६४३, ज ८६०, ज ८६१ हिस्सा लगाना ज ८८७ हिस्सा लेना भ ८७ हिस्सेदार ग ४१६, ग ४२० हींग ङ ६१ हींसना ग ४५३ ही ज ३२१ हीन ज ४२६, ज ४३६, ज ६५१ होनता ब ४३०, ज ४४१ हीनयान क ४६० हीय ग ४६, ग १३३ होर घ ४८५, छ २५४ हीरा च ४८१, घ ४८५ होला भा ३७२, भा ३७३ हीस ज २६२ हुँकार ज ५६३, म २६५ हुँकारना ग ४६५, ज ५६१ हुँदार ग ५१४ हुक्मत ख १४८ हुक्म भा २४० हुक्म देना भ २४१ हुक्मनामा भ १८८ हुक्मबरदार का २४२ हुकमबरदारी भ २४३ हुक्म लगाना क २४१ हुन्री व १८३ हुउबत ख २६६, ख ३२६, व ६४३ हु उन्नत करना च २८० दुताशन क ३११ हृद्हृद् ग६६७ हुनर ख ३, ख २३५, च ३६८, ज ३६६ द्वनरदाँ व ३६४

हुमसना च ४१

हुमेल ङ ३३१ हुलसना अ ४१ दुलसाना अ ४३ हुलिंखत करना ज ४३ हुलसित होना ब ४१ दुलास ज २१२ दुल्लंड ज ५८६, भ १७५ दुल्लको म १७६ हुल्ला ज ५८६ दुल्ला मचाना व ५६० हुसियार ज ३६३ हूँसना ब १७४ हुक ज २२४ हुक्मत भ १४८ हूब होना भ ३६२ हर क २४७ हूसना ज १३० हुहु क २४५, क २४६, छ २७६, फ २६५ हृद ग १३०, ग १३३, च ३१३, च ३१४ इद्य क ५५८, ग ४६, ग १०६, ग .१३०, ग १३३ हृद्यग्राही ख ४६३ हृद्येश ग २२४, ज १५५ हृद्येश्वर ग २२४, १५५ हृदयेश्वरी च १५६ ह्यीकेश क १३४, क ३६६, च्र ५७ हृष्ट भ दे६ हेंगा क ३१२ हेंगाना भ ३१३ हेंगी भ ३१२ इंडमास्टर ख २७६ हेतु ज १४५, ज ६५३, म ३७१ हेमत खु ६८, खु ८०

हेम क ४४७, च २६०, घ ४४८, छ, २७, छ २५६ हेर ख २५८ हरना ख २६०, च ७२३, ज ७६६ हेरफेर भ ४०० हेरफेर करना भा ४०१ हेरवाना ज ७६४, ज ७६७ हेरावा ज ७२५ हेरामत च १८३ हेल ज ६३ हेलना च ७४०, भ ४१४ हेलमेल न २७७, ज ८५१ हेला ख १६२, ग ३५४ हेलक ड ३३१ हैना ख प्रस हैट ह २४० हैरत भ ४३८ हैरतश्रगेन मे ४३६ ं हैगन ज १३ 'हैरान करना ज ५५ हैवान ग ४३० हैसियत भा ३८७ हॉकड्ना ग ४४१, ज ५६१, ज ५६३ होठ ग २४ हो जाना ज ६५५ होटल च १६८ होत ग २४ होड़ क ३८१, च २६१ होता क ८५ होत्र क प्रप्रद होनहार छ १८६, व ४५७ होना व ६४५, ज ६५६, व ६८६, व ६४७ क २६१

होमियोपैयां ख ४२६ होरसा क ३२ होरहा ड १४३ होला ड १४३ होली छ २०३ होश ज ५. ज ८४० हाश उड़ना भ ४४१ होश करना ज ८३७ होश कराना ज ८३६ होश दिलाना ब २०८, ब ८३६ होशियार ज २०२. च ३०४ ज ३६३, ज ३६७ होशियार करना ज २०८ होशियारी ज २०४. च ३६५. ज ३६८ होश-इवास ज ५, ज ८४० हो सकता च ६५६ होस्टल ख २४५ होइल्ला न ५६२. ज ४८६ ही ज हह द होंकना ज ७१२ हीश्रांज २३८ ड़ीज़ च ३२० हौट च ३१० होदा ड ३६७ हौल व २४६, व ४४३ हौलदिल च २३७ हौलनाक च २४३ हौली च २०८ हौबाज २३८ हौस ज २१२ होसला ज २१२ डीसलामद ज २१४ हरव ज ४३६

परिशिष्ट क

[पुस्तक के मूल भाग में छूटे हुए कुछ श्रावश्यक शब्दों के पर्याय श्रीर विलोम यहाँ दिये गए हैं।] जिंदा-बानदार, जोवित, प्राग्युक्त, प्राण्वान, सजीव, सप्राण्। वि० - मृत । तगड़ा--तदुबस्त, पट्टा, पहलवान, पीन, पुष्ट, मोटा मोटा, भौटा, स्वस्थ, इहा-सहा इन्टपुन्ट । दे०-- 'बलवान'। वि --- 'कमबोर', 'ऋस्वस्थं । तुलना-उपमा, तारतम्य, पटतर, बराबरी, मिलान, मुकाबिला, मुशाबेहत, सहशता, समता, समानता, साहश्य। चुरा - खर, घास, तिरुन, बनस्पति, दूब, हैरो। तोंद-उदर, छोद, ढेइ, तोन, पेट। य्त-जुन्ना, फ्लश, बाजी, सद्दा। बदबू--दुर्गव। विगादना-- खराव करना, नष्ट करना, बरबाद करना, विकृत करना। बि०-बनाना। भीख--भिद्या, चिटुकी, चुटकी, याचना । भ्रम-भ्राति, धोला, भरम। मित्रवयो - कंजूस, कमसर्च, किकायत शार, कृपस्, उस, मक्लीचूस, मितव्यय । म्यान-श्रीसगृह, सह्गाच्छद, नियान। वंदनीय-श्रादरकीय, ईज्य, परमेज्य, पूज्य, प्रार्थनीय, मान्य, वद्य, अद्भेय, सम्मान्य। बि०--दुच्छ, घृश्वितः विकलता-ग्रकुलाहर, त्राकुलता, विता, भवकाहर, बेकली, बेचैनी, व्याकुलता ।

विहार—ग्रानंद, ग्रामोद, केलि, कीका, खेल, प्रमोद, मना, मौत्र ।
श्राद्ध—काम, कामिकया, तेरही, दसवाँ, वरखी, वर्षी, सराध ।
संकेत—इंगित, इशारा, इसारा ।
संदेश—सँदेसा, प्रवर, सनेस, सनेसा, समाचार, हाल ।
संयम--ग्राचार, निग्रह, नियत्रथा, नियम, प्रतिवध, विचार ।
सफल—कामयाव, कृतकार्य, सफलीभूत ।
वि०—ग्रसफल ।

परिशिष्ट ख

[अनुकमणी में छुटे आवश्यक शब्द यहाँ श्रद्धर-क्रम से दिये गए हैं।] श्रद्ध ग १२६ अकबक करना व ६१३ ग्रसंडित कु १६७ श्रिग्निहोत्र क ८४ श्रचार क १३८ श्रदार च ६० श्रद्मुत च ४१८ ऋषटु ४४५ श्रपाग व २० श्रदवी घ ३०६ अवस्था ग १४२ श्रविनाशी च ८३३ श्रहिवात का ४७ श्राँखी ग १६ श्राचरना स २६५ ग्रायतन च १४०, च २०५ श्राधार छ २४५ आसौं छ ३४

उंदुर ग ५३२ उजियार छ ३८३ उजियारी छ रदर उत्तर ख २६⊏ असाहक ज २१८ उथलनः भ १०६ उथल(पन ज ५६७ उदक च ८० उद्गमें ग १४४ उर्गाथ क ५५२ उदरामय ख ५११ उद्ह्ना ज ६०५ उदान क ५६६ उदानवायु छ २६४ उदारचरित ज २२ उदाग्चेता ज २३ उदास करना क २७६ उदासी करना ज १२६ उदीस्य ड २३ उद्बर घ ५१, च ४५० उद्घाटित करना व ७६६ उद्धरना भा २३१ उद्ध्वस्त ज ६३६ उद्धारना भ १३३ उद्धारित स ४०२ उद्बोधित करना ज ७७० उद्भव ग १४४ उनमान ज ४२२ उनीदा होना अ ७५४ उपरूपक ख १३३ उभयालंकार ख १८६ उलीचना ज ६०५ उसास 🗬 ७१३

उसीर घर७३ कटको घ ४८ कटफल घ ४६ क धार लु २३ ६ कबोज च १२७ कगर च २८१ कजाकी भर २०६ कटाच् ग २० कडुवापन ड ६२ कतरन ज ८८२ करपृष्ट ग ६१ ककट ग ५६२ कलाई ग६० कष्टार्थ ख १६७ कुमरिया ग ४३७ कुरर ग ६२६ कुशा घ ११६ कोट ड २४८ ललार म १२२, म १२५ खरबूना व ३७६ सगरी क ३६६ सार्जी क ५०६ लिलवत च २२६ ख़दगर्जी ज २७३ ख़ुदा क ५२० ख्रमी ह ३४४ खेला इ ३६४ कैर ग६६७, घ६५ खेरात क प्रश्प ख़्वारी ब ३४८ गर्जद्र क २३३ गर्जेद्रगुरु एट ६० गङ्गवाना ज ३२६.

गढ्हा च ३११ गड़ही च ३१२ गहाना ज ७३६, ज ७४१ गड्ई ङ ४४५ गड़वा ङ ४४५ गड़ेरिन ग ३३४ गड़ेरो ग ३३३, ग ३३४, घ २५१ गण ज ६२४, ज ६२५ गण्ड ख ६५० गर्णना ल ५५३, ल ५४६, स ४६८ गराना करना ख ५६६ गराना करवाना ख ५७० गणनीय ख ५७२ गण्पति क १६५, क १६२, क ५५८ गियाका ख १६०, ग ३६७, घ ४०४ गणित स्व ५५३ गणितज्ञ ख ६४२ गियात ज्योतिष ख ६४६ गणितशास्त्र ख ५५३ गरोश क १६२ गगोशगीता क ५८२ गएय ख ५७२, ब ३५४ गएयमान्य ज ३५४ गत ब ८२८ गतवर्ष छ ३२ गति क ३१३, ज ६८०, ज ७१४, ज ७४२, ज १४८ गद ख ४३५ गदर ग ५१६ गदरा इ ७३, इ ६८ गद्इपची भा २३

गदहपन च ३६६

-गदहपूरना व १७५

गदहा ख ५३८, ग ४६७, च ३६४, गद्दा ७ ७३, ड ६८, ङ २८५ गहो ग६१ गद्य स्व १६७ गद्यकार ख १२७ गद्यकाव्य ख २०४, ख २१२ गद्यगीत एक २१२ गन्ना घ २४६ गप च ३, ज ६११, ज ६२५, म रूप् गपक जाना भ ११८ गपड्चौथ ज ६११ गपड्चौथ करना ज ६२६ गपशप ज ६२५ गप मारना ज ६२६ गप हॉकना ज ६२६ गप्पो ज ६१० गफ ज ५०६, ज ५०७ गबरून ङ २२४ गब्बर ख ४०५ आ, भ ४० गम ज ५७६ श्र अमकाना भे ३६६ ग्रमस्रोर अ ३६१ ग्रमग्रीन अ ५२ गमञ्जा ङ २५६ गमन क २८७, ग १५४, च २४१, ज ६६७ गमन करना ज ६६५ गमां ग १५४ गम्य ज ५७६ अ गयंद ग ४३५ गया क ५६, क ४६६ गर क १८३, ग ५६३, च ४७८ गरज़ ज २७३, ज ४२१ ई, ज ५६७

गरजना ग ४४१, ग ४६५, ज ५६८ गरबमंद ज २७४ गरकी च २७४ गरज्ञ च २७४ गरद घ ४७८ गरदन ग ३३, ग ३५ ग्रव ज ८८ गरबोला ज ८६ गरम भ १३७ गरम होना भ १०६ गरमी ख ४५६, ज ४, भ १३५ गरल क १८३, ग ५६३, घ ४७८ गुरारा ङ २७७ गरिमा क २६४, ज ५१४ गरियाना ज ६४२ गरी घ ३६५ गरोब ख ४०५ गरीबलाना च १४० गरीबनिवाज ज २२ गरीबपरवर च २२ ग्रांको ख ४०६ गर्ड क १४०, क १६०, क ५७४, ग ६०६ . गम्बध्वज क १३४ गरवाई च प्र४ गुरूर ब दद मरोइ ब ६२४, ज ६२५ शुक्तं अ १२२ गर्जन ग ४४८, छ २४२, व ५६७ गर्जन करना च ५६८ गर्जना अ ५६८ गर्त च २५०, च २५१, च ३११ गर्दन ग १३

गर्दनियाँ देना अ ७०५ गर्दभ ग ४६७, च २१५, घ ४०७ गर्भ क ५५८, ख १४५, ग ५२, ग ११३, ग १४०, ग ४२२ गर्भपात ग १४३ अ गर्भपातिनी घ १६२ गर्भ रहना ग १४१ गर्भवती भ ५२ गर्भस्राव ग १४३ ऋ गर्माधान क ६८, ग १४३ गर्भाशय ग ११३ गर्भिकी कर ५२ गर्म भ १३७, ज ६५ गर्भ करना स ६६, स १३६ गर्म लगना भ १०५ गर्भ होना क १००, क १४१ गर्माना भ १३६ गर्मी ल ४५६, ल ६७, च ६३, म १३५ गरों ग ४६३ गर्वे ख १८५, ज ८८ गर्वोला ब ८६ गर्हगीय ज १६१ गर्हिन ज १५४, ज १६० गर्ह्य च /६१ गुलतो ज ११६. व ८४१ ग्रलतां करना व ८४३ गलती होता ज ८४३ गलयन ग ४७६ गलना भा १०७, भा १४६, भा ३३५ गलसम्राह २८७ गला ग ३३, ग ३४, क ६१ गली च २४१, च २४५ गलीचा क २८६

गलीज़ ग ११४, ज ५४२, ज ५४३ गले मिलना च १५२ गले लगना ज १५२ गल्य ख २०८, ज ६२ गल्ला घ २२५, ज ६२४, ज ६२८ गवनहरी ख ५८ गवना ग १५३ गवाई ख ६१, ख ६३ गवाद्य ड ५३६, च १६६ गवाह ग ३७१ गवाही भ १६१ गवाही देना भ १६० गवेषणाख २५.≂ गवैया ख ५७ गहन घ ११, च २६२, ज ५६४, घ ५७६ गहना रू ३२७, ज १८३ गहरा घ २१५, ज ५६४ गहराई ज ५६६ गइवर च २४१, ज २२६ गहिर छ २३७, ज ५६४ गहुद्रा ग ६६ गहर घ ११, च १४२, च १६४, च २५०, च २५१ गाइी ङ ३८७ गुच्छ व ३० गुजराती लाचा ङ १८६ गुणकीर्तन अ ३५५ गुलिस्ताँ घ ६ गोलक ग २४६ गोष्ठी ख १३४ महण च २५ घटोत्कच क ४२६

घपुद्रा च ३६४

घण्य ज ३६४ घिसना छ २६० धुमची ब ६०६ बुलना भ १४६ घृताची ड ७८ घोष च ५८८ घोसलाःच १६५ ं झारा ग १७ टकटोरना च ७६५ टाप ग ४६५ टिकुली ड ३२० टोस ख ४⊏३ टेक गइना ज ८१ टोपो ड २३६, ङ २४०, ङ २४१ ट्यूटर ख २४१ ठिकाना भा रेप४ ठेका ख १०१ डंटल घ १४ इस ग ६७६ डरनाज २३४ हरवाना च २३५ डरपोक्रपन ज २४१ हराना ज १२३ ग्र डेल हो च १२२ ढेबुग्रा ल ४२६ तकसोम करना ख ५६५ तरौना ङ ३३० तशबीह भ ३६३ ' तशरोफ़ रखना ज ७५. ताग ङ ५६५ तिलस्म भ ४३८ तीर च २८१ श्यंबक क १६५

दहलना भा ३५१ दिव्य च ४७४ नकशा देना च ६१६ निरीश्वरवादिता क १२१ नीयरे पहुँचना च ६७८ पचकनः ज ८०७ पीहरन भ ७६ पाईबाग घ 🛎 पाद ख २६६, ख ५६५ पारावार च २६४ पालकी ध ४६८ पावन ज ४१४ पिशाच क २०३ पैदाइश ज १४४ षोपपंथी क १४ ' व्याली ङ ४४३ प्रकाशयुक्त स्व २८५

प्रतिद्वंद्विना ज २६१ प्रदोष छ १२६, छ १३१, छ १३५, छ 888 पौढ़ भ ४१ पौहता च ५०० प्रौढा ख १५७ बावर्ची ग ४०३, भ ८८ भगौहाँ भ २७४ भरा ज ८०५ भाई ग २१५ यम च ७८ ययराज च २६ यवनिका इ ४६७ यशोदा घ ४५६ युद्धभूमि च २२८ योघा ख ३६४ शीर्या ज ४६६

